

LEXICON  
BIBLIOGRAPHICUM ET ENCYCLOPÆDICUM

KAŠF AL-ZUNÜN  
'AN ASÄMI AL-KUTUB WAL-FUNÜN

BY  
HAJJI HALIFA MUSTAFA BEN ABDALLAH

VOL. 4

EDITED BY  
GUSTAVUS FLUEGEL

*DAR SADER PUBLISHERS*  
P.O.Box 10  
BEIRUT

OLIN

2  
1705a

1538  
1835a

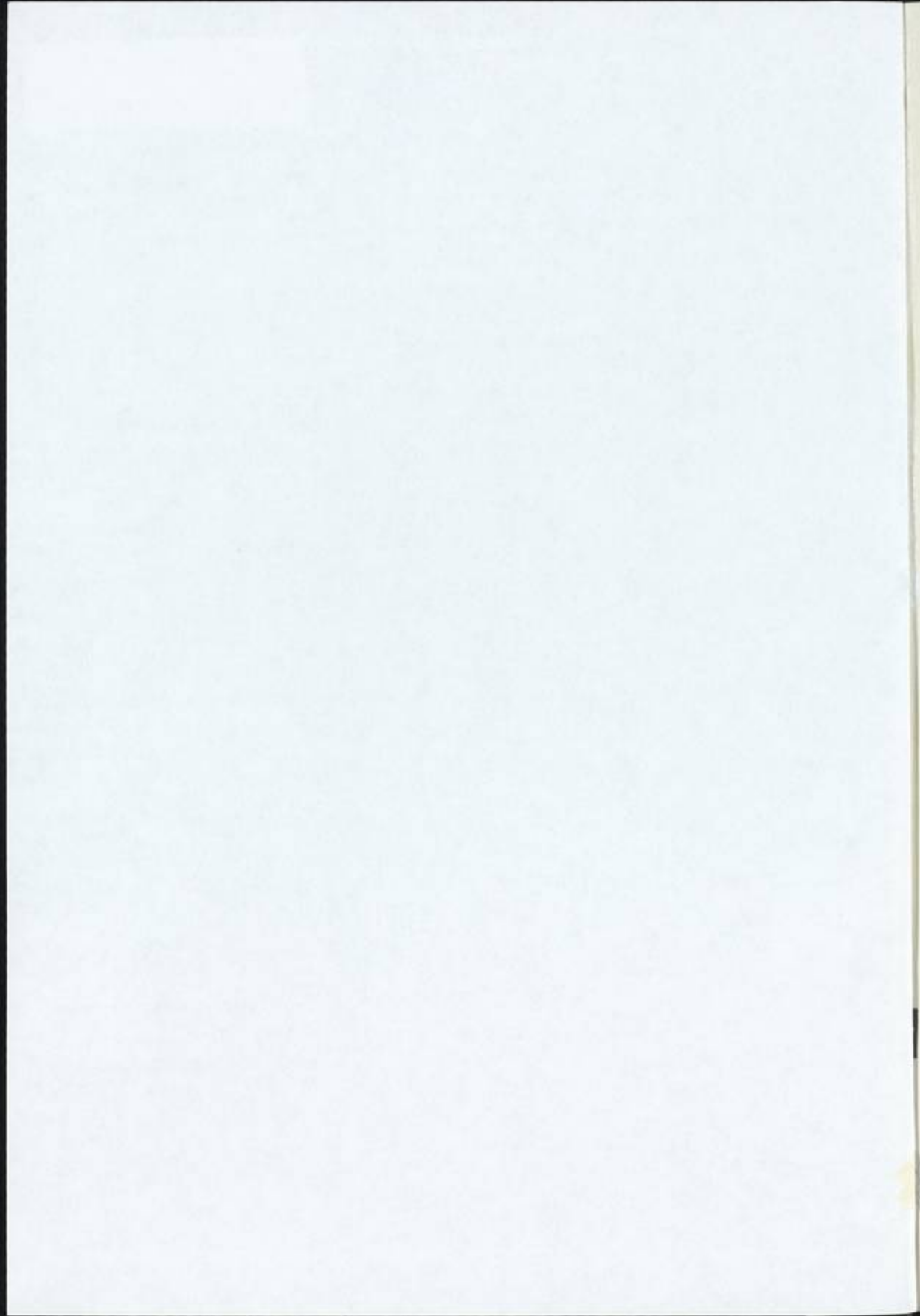
V.4



CORNELL UNIVERSITY LIBRARY



3 1924 109 634 281



كشف الظنون  
عن  
اسامى الكتب والغنون

LEXICON  
BIBLIOGRAPHICUM ET ENCYCLOPÆDICUM

A

MUSTAFA BEN ABDALLAH

KATIB JELEBI DICTO ET NOMINE HAJI KHALFA CELEBRATO  
COMPOSITUM.

AD CODICUM VINDOBONENSIIUM PARISIENSIIUM ET BEROLINENSIS

FIDEM

PRIMUM EDIDIT LATINE VERTIT ET COMMENTARIO INDICIBUSQUE

INSTRUXIT

GUSTAVUS FLUEGEL

SCHOLE REGIÆ AFRANÆ QUÆ MISENÆ IN SAXONIA FLORET PROFESSOR.

TOMUS QUARTUS

LITERAS SHĪN — CĀF COMPLECTENS.

LONDON:

PRINTED FOR THE ORIENTAL TRANSLATION FUND  
OF  
GREAT BRITAIN AND IRELAND.

M.DCCC.XLV.





Cum, quod in praefatione voluminis tertii promisimus, quartum tomum sine mora tertium esse secuturum, id nunc praestitum esse, eo magis laetari possimus, quo amplio rem literarum numerum hic tomus complectatur, fidentiori jam animo sperare licet, partem libri reliquam esse eodem tempore prodituram.

Singulis voluminibus plura praemonenda habuimus. Quae quarto praeter cetera praemittenda visa sint, excipe benevole haec. Laudem, quam codici Schulziano Parisiis asservato <sup>1)</sup> tribuimus; ex parte tantum libri, quae illo tempore comparando cognosci potuerat, impertivimus. Jam libro toto collato ea nunc possumus certius affirmare, quae loco illo de ejus natura praedicavimus.

Literas Parisios datas, quibus ut codex ille per menses aliquot mihi committeretur petii, viri administrandae bibliothecae regiae praefecti summa benignitate exceperunt, et re attente ponderata spem, quam in eorum liberalitate posui, Reinaud amicissimo meo intercedente, lubentissime impleverunt, nec satis laudare possum animum promptum et paratum, quo studium et emendationem libri proximis lustris denuo ex prelo vix prodituri adjuvarunt.

---

1) Praef. tomi tertii pag. II. et III.

Hinc factum est, ut lectionum varietatem auctam quidem videremus, earum ambiguitatem autem et corruptionem magis infringere et delere possemus.

Necesse igitur erat, ut, quae in ceteris tomis emendatione et adnotatione digna lectoribus commendavimus, ea hic nonnullis additamentis locupletata repeteremus et tanquam assiduae diligentiae et studii indefessi specimen, quo auctoris verba magis magisque librorum mendis et erroribus liberare volumus, exhiberemus.

Jam lectorem amplius hic morari nolumus. Alia quae dicenda sint tacemus, alia alio loco dicemus.

Viri in limine praefationis tomi tertii laudati, qui censura sua libro medicinam afferre haud recusarunt, ut pergant eundem mihi amorem testificarí novaque ministrent adminicula ad textum restituendum maxime peto. Praeterea Fleischero plura debeo, quae in eundem finem ingenue mecum communicavit. Dabam Misenaë prid. Calend. Novembr. A. MDCCCXXXV.

**Gustavus Flügel.**

---



QUAE IN PRIMO TOMO LECTORI BENEVOLO NUNC COMMENDAMUS  
EMENDATIONE ET ADNOTATIONE DIGNA, HABEMUS HAEC:

Pag. Lin. 1)

1. 6. pro مطالع شموس al. حجاب — ما طلع  
المعاني من ورآه للحجاب
3. 3. - واسلبت al. واسلبت
9. 1. - وهذا ان al. وهذا ان
- 6. - يزداد فيه قيد بين al. يزداد فيه بين
11. 1. - ان al. ان
16. 2. - واحدة al. واحدة
- 3. - واحدة al. واحدة
17. 1. - وتختلف al. وتختلف
- 8. - بطو al. تبطو
- — - ما ذكر al. ما ذكره
18. 3. - الطبيعية موضوع al. الطبيعة لعلم
20. 4. - بحدود s. لحدود al. كحدود
- 7. - ولا يرتفعان al. ويرتفعان
21. 7. - بنيت al. مبنية
22. 6. - او al. اى
- 7. - عرضى al. عرض
24. 11. - متعلقة al. متعلقته
25. 1. - طرفه al. طرفه
- 10. - القرآءة al. القرآن
26. 9. - غير مقصودة al. غير مقصودة وتسمى  
في نفسها وتسمى
29. 3. - وهذا التفاوت al. وهذه التفاوتات
- 10. - نظر al. النظر

Pag. Lin.

29. 11. pro يعرض al. يعرض
30. 4. - الاجتماعية s. الاجتماعية al. الاجتماعية
31. \*1. - Esseadet l. el-seadet
32. 6. - على سبع دوحات l. على سبعة دوحات
33. 1. - علم التصريف l. علم التصريف
35. 5. - علم المناظره al. علم المناظر
36. 5. - موائيت (ubi punctum prelo fractum excidit) l. موائيت
38. 2. - رواة l. رواة
- 41.\*18. - *Taschköprizadeh* l. *Tashköprizadeh*
44. 7. - تقتفى al. تقتص
48. 2. - منحصره l. منحصره
50. 4. - وأما al. او
52. 9. - حدًا al. حد
54. 5. - بتمويهه al. بتمويهه
55. 3. - رآه l. رآه
59. 1. - الطباع al. الطبائع
- — - راعياً al. راعياً
- 2. - الاقواء al. الاقواء
60. 2. - من بنى al. من بين
61. 2. - كتاب المحجمة al. كتاب المحجم
63. 4. - وانقسامهم al. وانقسامهم
64. 5. - من آمن به al. من آمن بهم
65. 2 et 8. - بحدود الاحكام al. بحدود واحكام
67. 6. - تقرير al. تقرير
- 9. - حذة l. حذة

1) Numeri, quibus asteriscum praeposui, lineas indicant translationis latinae.

- | Pag. Liu. |   | Pag. Liu. |   |
|-----------|---|-----------|---|
| 70.       | 5. pro فيها I. فيها                       | 108.      | 11. pro تعطيه I. تعطيه                    |
| 71.       | 10. - صابئة al. صابئة                     | 110.      | 10. - تطلع al. يطلع                       |
| 75.       | 6. - شالخ al. شالخ                        | 112.      | 4. - ذخنه al. دينه                        |
| —         | 10. - متفرعة al. متنوعة                   | 117.      | 6. - الى اخلال al. الى اخلال فيسد الشرع   |
| 76.       | 6. - سكن I. سكنه                          |           | قيد الشرع                                 |
| 78.       | 2. - وسبيلغ al. سبيلغ                     | —         | 9. - يتزلزل I. يتزلزل                     |
| —         | 8. - آخر I. آخر                           | 118.      | 5. - البلعوم al. الحلقوم                  |
| 79.       | 7. - الكتاب I. الكتاب                     | 123.      | 1. - فيغزغزون al. فيغزغزون                |
| 80.       | 9. - صنف I. صنف                           | 127.      | 7. - لشغله al. مشغلة                      |
| —         | *16. - a I. a                             | 129.      | 1. - لافبص al. لفبص                       |
| —         | *18. - <i>Rebiae</i> I. <i>Rebiae</i>     | 135.      | 3. - هو علم الكتاب I. هو الكتاب           |
| 81.       | 3. - ومعانيهما al. ومعانيهما              | 136.      | 6. - السيد الشريف I. السيد                |
| —         | 8. - واستخرجه I. واستخرجه                 | 137.      | 2. - القائم منه يزيد al. القائم به زيد    |
| 86.       | 2. - الحاصر al. الخاص                     |           | غير القائم منه بعمرو                      |
| 93.       | 4. - اخر I. آخر                           | —         | 7. - التخصصيات al. التخصصيات              |
| —         | 7. - او al. ام                            | 140.      | 7. - الغوراني I. الغوراني                 |
| 94.       | 10. - بمجرّد al. كمجرّد                   | —         | *13. - <i>Ghaurani</i> I. <i>Furani</i>   |
| 97.       | 2. - منها s. بها al. فيها                 | 141.      | 6. - الشافعي للحسين بن علي I. الشافعي     |
| 98.       | 2. - الرواة I. الرواة                     |           | بن الحسين المتوفى سنة ٢٩٨ بمكة            |
| 99.       | 5. - حملة I. جملة                         | —         | 7. - الشافعي المتوفى سنة ٢٥٥ I. الشافعي   |
| —         | 8. - بحصول al. لحصول                      | 142.      | 1. - السنجرى I. السنجرى                   |
| —         | 10. - فيكون al. فتكون                     | —         | *2. - <i>Sinjari</i> I. <i>Sizji</i>      |
| —         | *11. - Arabes I. Persus                   | 143.      | 7. - رفع العلم al. رفع القلم              |
| 100.      | 6. - عكس I. عكس                           | —         | *12. - hukm I. hikem                      |
| 101.      | 3. - للتشبيه al. لتشبيه                   | 144.      | 4. - ابي I. ابو                           |
| —         | 5. - شأن al. بيان                         | —         | *2. - <i>Fetawa</i> s. <i>Fetawi</i>      |
| 102.      | 5. - الملكات al. الملكة                   | 145.      | 2. - ان I. انه                            |
| 103.      | 5. - وتقليد al. وتقلد                     | 147.      | *13. - praescripsit I. praescripsit etc.  |
| —         | 7. - يومه al. يوم                         | 148.      | 10. - بتوارع al. ببوارع                   |
| 105.      | 3. - من مثل al. مثل                       | 149.      | 3. - الطريقة توفى سنة ١٥٧ I. الطريقة      |
| —         | *5. - <i>Sibowaihi</i> I. <i>Sibaweih</i> | —         | 5. - خزانته الخ I. خزانته                 |
| 106.      | 3. - شغل كثير al. شغل                     | —         | *5. - khirat I. khyarat                   |
|           |   | —         | *10. - <i>Teyalesi</i> I. <i>Teyalisi</i> |

Pag. Lin.

- 149.\*14. pro *Dimeshki* l. *Dimeshcki*  
 150. 7. - بن فهد المكي المتوفى al. بن فهد -  
 سنة ٨٣٥ (al. ٨٨٥)  
 154. 11. - العزّ لك al. العزّ  
 — \*8. - El-Bakiyet l. El-Backiyet  
 155. 2. - الرابعة l. الراكبة (cf. n. 3074. al.  
 الرابعة)  
 — 5. - سنة al. بعد سنة ست وستين  
 إحدى وسبعين  
 — 7. - البيهقي المتوفى سنة ٤٥٨ al. البيهقي  
 — \*7. - 762 (inc. 11. Nov. 1360) l. 763  
 (inc. 31. Oct. 1361). - cf.  
 n. 782.  
 — \*8. - *Radhi-ed-din* l. *Redhi-ed-din*  
 156. 1. - اثير العجيب al. اثير الغريب  
 — 4. - على المدّة المعروفة al. على المدّة  
 157.\*2. - *Oudeni* l. *Audeni*  
 — \*4. - *Juz* l. *Joz*  
 — \*6. - *Juz Luyen* l. *Joz Louein*  
 158. 2. - عنه al. عند  
 — 2. - فسمع أبو عبد al. فسمع محمد  
 اللدّ الحسين بن محمد بن خسرو  
 البلخي مات سنة ٥٣٢  
 — 3. - سنة l. سنه  
 — 5. - الزكية al. الذكبة  
 159. 1. - سنة al. سنة عشرين وثمانائة  
 ست وعشرين وثمانائة  
 — 4. - ٩٩. al. ٩٧٣  
 — 5. - ١٠٣٣ al. ١٠٣٢  
 160. 4. - ٤٢٧ al. ٤٢٨  
 161. 6. - الحظيري l. الخطري  
 — \*9. - *Khatiri* l. *Hatziri*  
 162. 10. - في أربع مجلّدات al. مجلّدات  
 164. 1. - الرقي الكنبل al. الرمي

Pag. Lin.

164. 4. pro مجلّدات al. مجلّدات في ست  
 — 5. - المقتول al. المتوفى  
 — 11. - الاحجاج وهو تسعون al. الاحجاج  
 جزءا  
 165. 8. - رآه l. رآه  
 167. 3. - ٦١٣ al. ٦١٣.  
 — \*3. - *Abu'lfatah* l. *Abu'fat'h*  
 — \*4. - 603 (inc. 8. Aug. 1206) l. 630  
 (inc. 18. Oct. 1232).  
 168. 10. - بابن الدّيبغ l. بابن الربيع  
 — — — وديبع l. وديبع  
 169. 8. - السنجري al. السنجرى  
 — \*13. - *Ahkám* l. *Ihkám*  
 170. \*1. - *Ahkám* l. *Ihkám*  
 171. 1. - ولاة معشر al. ولاة معشر البلخي  
 جعفر بن محمد المنجم البلخي  
 المتوفى سنة ٦٧٢  
 — 2. - السنجري al. السنجرى  
 172. 7. - ٧٤٤ l. ٧٧٤  
 — \*5. - *Abu'lfatah* l. *Abu'fat'h*  
 — \*11. - 744 (inc. 26. Mai. 1343) l. 774  
 (inc. 3. Jul. 1372)  
 173. 3. - خلف al. حلف  
 — 7. - القمي al. العمى  
 — \*5. - *Half* al. *Khalf*  
 — \*16. - *Jassás* l. *Jessás*  
 175. 1. - كلّ وما عليه al. كلّ وعليه ما يدنّ  
 ما يدنّ  
 — \*7. - *Ibn-kayim el-jauziya* l. *Ibn*  
*Cayyim el-jauziyet*  
 176. \*6. - *Ahkám* l. *Ihkám*  
 — \*10. - *El-Ahkám* l. *El-Ihkám*  
 179. 1. - مفتاح دار السعادة al. مفتاح السعادة  
 — 7. - رواة l. رواة  
 — \*10. - *rowát* l. *rowát*



- Pag. Lin.
180. 9. pro الريباء al. الريباء ذم الريباء
181. 3. - ورجع الى الاعتقاد في حقه al. ورجع  
- - - ابن حرازم al. ابن حرازم
183. 8. - اللقاء الدروس al. اللقاء الدروس  
de arte lectiones habendi
185. 5. - الخلال الحسن بن al. الخلال هو -  
محمد بن الحسن بن علي  
المتوفى سنة ٤٣٦ وهي  
- 7. - النحوى المعروف al. النحوى  
بجنازة جيم ثم خاء  
جيم ثم خاء  
- 10. - ولدولاني ابى بشر محمد al. ولدولاني  
ابن احمد بن حماد الانصارى  
الحافظ المتوفى سنة ١١٣
186. 1. - اخبار l. اخبار
187. 1. - سنة سنة l. سنة سنة  
- 7. - مخلد al. مخلد  
- 8. - ٢٤٣ al. ٢٤٣  
- \*3. - ab anno Hegirae sexto l. per  
singulos annos  
- \*16. - 242 (inc. 10. Mai. 856) al. 243  
(inc. 30. Apr. 857)
188. 5. - ٣٧١ al. ٣٧١ s. ٣٧١  
- - - بالاحتفال al. بالاحتفال  
- - - بن علي الزبيدى al. بن محمد  
- \*15. - *Yahsibi* al. *Yahsebi*. Utrum-  
que recte.
189. \*4. - *Rufol' isr* l. *Raf'o' el-isr*
190. 9. - بن شبة al. بن شبة
191. 1. - ٢١٤ al. ٢١٤  
- 9. - الحسن al. حسين
192. 5. - ٣١٣ al. ٣١٣
193. 10. - وعامى al. وعامى
195. 4. - ٢٧١ l. ٢٧١
- Pag. Lin.
195. \*8. pro 263 (inc. 24. Sept. 876) l. 276  
(inc. 6. Mai. 889)
196. 1. - ٥٥٥ al. ٥٥٥
198. 10. - السجزي al. السنجرى  
- 11. - القيصرائى al. القصرانى
199. 4. - وابن حلال al. بن حلال  
- 5. - واختيارات l. واختيارات  
- 11. - استشكل al. اشكل
200. 2. - السمعانى l. ابن السمعانى  
- \*2. - *Ibn-elsem'ani* l. *Sem'ani*
201. 1. - غرضه al. عرضه
202. 3. - ٩٤٤ al. ٩٤٤
205. 2. - سنة ٩٧٤ l. ٩٧٤  
- 5. - بن محمد بن الحسين al. بن الحسن  
- \*8. - *Akhlaç* l. *El-Akhlaç*  
- \*18 et \*19. - *Akhwán* l. *Ikhwán*
207. 1. - يعرف به al. يعرف
208. 10. - سنة ٨٣١ s. سنة ٨٣١ al. ٨٣١  
- - - البرزبى al. البرزبى
209. 7. - المأرب al. المأرب  
- 9. - حدانا al. حدا  
- 10. - نحمد الله l. الحمد لله  
- \*6. - *Abu'lfath* l. *Abu'fat'h*
211. 8. - ٩١. al. ٩٨ s. ٩١
- \*7. - *Kemál Pasha* l. *Kemálpasha*
213. 4. - سنة ٧١٣ مؤلف جليل al. سنة ٧١٣  
اوله لحمد لله رب العالمين الخ  
اما بعد فهذا كتاب يشتمل على  
جملة كثيرة من الآداب الشرعية  
والمصالح المرعية يحتاج الى  
معرفة الخ في مجلدين وله  
ايضا اصغر في مجلد

Pag. Lin.

213. 9. pro المقدسى al. المقدسى  
— 10. - ٢١٧ al. ٢٧١  
— \*20. - 267 al. 276
217. 8. - الموضوع al. الموضوع
218. 8. - عيد الله بن احمد بن عيد الله  
احمد البلخى الكعبى من  
المعتزلة
219. 2. - ٢١٢ al. ٢١٨  
— 3. - رتب. I. رتب  
— 5. - المدبج. I. المديح  
— 7. - لابن السرافة هو. al. لابن سرافة  
الامام ابو بكر محمد بن محمد  
ابن ابراهيم الانصارى الشاطبى  
له مؤلفات فى التصوف المتوفى  
سنة ٤١٢
- \*3. - 412 al. 418 (inc. 11. Febr. 1027)
220. 3. - ابى خازم al. ابى خازم  
— 4. - ٣١٧ al. ٣١٨
221. 3. - محمد al. ابن محمد  
— 8. - ٣٢٥ al. ٣٢٢
222. 2. - ٩١. al. ٩٨  
— 7. - ٢٧. al. ٢٧١
- \*9. - 270 al. 276 (inc. 6. Mai. 889)
223. 4. - ٥١٨ al. ٥١٧  
— — - الفارابى al. الفارابى
224. 8. - بن المروان al. مروان  
— \*11. - Abu'lfath l. Abu'fat'h
225. 9. - السبع. I. السبعة
227. 1. - تبديل al. تبديل
230. 11. - المالبي al. الباليبى
231. \*6. - Abu Na'im l. Abu Noeim
232. 6 et 7. - الماجيز al. الماجيز  
— \*19. - Birgeli l. Birgili

Pag. Lin.

233. 10. pro ابو عبد الله الاصفيانى  
الله القاسم بن الفضل الاصفيانى
234. 1. - ابى بكرة al. ابى بكر  
— 9. - محمد بن محمد بن  
احمد الشافعى المتوفى سنة ٩٥
235. 1. - من al. مع  
— 11. - سعيد بن al. سعيد  
— \*20. - Dobeithi al. Debithi
236. 10. - ياس al. ياسر
238. 1. - السيد al. سند  
— 9. - ابو سعيد al. ابو سعد
- \*13. - Ben-elmesdi l. Ben-elmosdi
240. 8. - الميليسى al. الميليسى  
— 11. - للمسترشدين al. للمرشدين
242. 3. - ١٠٢٢ al. ١٠٢٢  
— \*9. - Ibn-elmolckin l. Ibn-elmo-  
lacckin
243. 1. - جمال الدين ابى al. جمال الدين  
عبد الله محمد بن سالم بن  
نصر الله ابن واصل الحموى  
الشافعى المتوفى سنة ٩١٧  
— 4. - مقلد الجماعرى al. محمد الجماعرى
244. 7. - محمد بن احمد al. محمد القسطلانى  
ابن على بن محمد التوزرى  
المكى المشهور بابن القسطلانى
246. \*4. - Abu'zar'a l. Abu Zar'a
247. 3. - ٧١٣ al. ٧١٣  
— 4. - ابن الرفيعة al. ابن الرفيعة  
— 6. - عماد الدين al. عماد
248. 7. - فصل. I. فصل  
— 8. - ٨٥ al. ٨٥.  
— \*14. - praestantiae l. sectionis  
— \*15. - Ibn-elmejdi l. Ibn-elmojdi
249. 5. - لاسد al. لاشد

- Pag. Lin. 249. 9. pro مفتي الامام al. ومفتي الآنام  
— \*17. - *Abu'sa'ud* l. *Abu'sou'd*
250. 9. - al. ثلث والف  
— \*9. - *Keshháf* l. *Keshsháf*
251. 11. - al. السخاري المتوفى سنة ٧٤٩  
السنجاري المتوفى سنة ٧٩٢
252. 4. - al. ابي نصر القاضي القضاة  
الشاذلي بحلب  
— 7. - بن عبد I. بن محمد ابن غلبون  
بن عبيد الله بن غلبون s. الله  
— 9. - المغرب al. المغرب
253. 3. - lectio dubia. ٩٧٩  
— 7. - المتمتع al. المتمتع
254. 5. - امير جان I. امير خان  
— 11. - al. ٧٩٨  
— \*8. - *Emirkhán* l. *Emirján*
255. 8. - يحب I. يحب  
— 11. - سلمان al. سليمان  
— \*14. - qualis debetur et placet l. qualis amat et probat  
— \*20. - *Soleimán* al. *Selmán*
256. 4. - al. الخويي  
— 5. - al. سنة ٩٠٨  
— 7. - بيمام al. بيمام  
— 9. - al. ابن المقرئ اليميني الشافعي  
صاحب عنوان الشرف المتوفى  
بزبيد  
— 11. - al. ٩٣٠
258. 6. - al. الرستغفني  
— 10. - وناحية al. او ناحية  
— \*11. - *Rastaghfini* l. *Rostoghfini* s. *Rostoghfeni*
259. 7. - al. علي بن عقيل  
بن عقيل
- Pag. Lin. 260. 6. pro al. البرززي المعروف بنهاري زاده  
البرزيني المعروف ببهاري زاده
261. 7. - al. المتجلى  
— 8. - الـتيفاشي I. الـتيفاشي  
— \*13. - *Teifáshi* l. *Tigháshi*
262. \*7. - *Mocri* l. *Macarri*
263. 1. - عقدہ al. عده  
— 8. - بالخطوط I. بالخطوط  
— 9. - بينها وضيقة al. بينها وضيقة
265. 7. - ونصائل al. في فضائل  
— 9. - اقام al. امام
268. 5. - بن محمد المعروف بمطرف  
محمد بن الفطيس المعروف بابي  
مطرف s. بمطرف  
— 6. - الاسير تكسيني I. الاسير يكسيني  
— \*10. - *Asir Yekseni* l. *Esberteksini*
269. 5. - al. ابي الحسن بن سعيد بن  
— 8. - كراسته I. كراسته
271. 1. - فيمن al. فيما  
— 5. - الـاويسى al. الـاويسى  
— 6. - عرس al. عوس
272. 4. - al. علي من يحقق  
— 5. - عمر بن شبة al. عمر  
— 10. - بن علي بن احمد al. بن علي
274. 2. - al. ١٠٨٠  
— 8. - al. ١٠٨٠ et ١٠٨٠  
— 9. - الـكجنوبي al. الـكجنوبي
276. \*11. - *Acberi* l. *Okberi*  
— \*13. - *Cordubi* l. *Cortubi*
277. 3. - الـاذري al. الـاذري  
— 9. - عبد الملك al. عمر  
— \*7. - *Hamida* l. *Homeida*



- | Pag. Lin. |   | Pag. Lin. |   |
|-----------|---|-----------|---|
| 278.      | *3. pro <i>Asad</i> fort. <i>Osd</i>  | 292.      | 3. pro الشيخ المديني اسمعيل<br>اسمعيل   |
| 279.      | 5. - التقى al. النقى  | —         | 5. - الفارس I. فارس   |
| 282.      | 3. - الفوراني I. الغوراني   | —         | 6. - لتناسب I. ليناسب   |
| —         | 10. - والملك al. والملل   | 293.      | 2. - السراج al. السراج  |
| —         | — - ابن حسن I. ابن حسن  | 294.      | 3. - البقالي المعروف بالادمي al. البقالي                                      |
| —         | *5. - <i>Ghaurani</i> I. <i>Furani</i>  | 295.      | 3. - اجويتنهما al. اجويتنهما  |
| —         | *18. - <i>Abu Hasan</i> I. Hipparcho  | 296.      | 1. - لتشحيذ al. لتشحيذ  |
| 283.      | 2. - عبد الله I. عبيد الله  | 297.      | 1. - في شعبان سنة I. في شعبان   |
| —         | *4. - <i>Obeidallah</i> I. <i>Abdallah</i>                                    | —         | 6. - ال al. ال  |
| —         | *8. - <i>Ass</i> I. <i>Oss</i>  | 298.      | 3. - ميرزاجان al. ميرزاجان  |
| —         | *9. - fundamentum I. vestigium  | —         | 8. - الدمشقي al. ابن الدمشقي  |
| 285.      | 3. - وردوس al. وردوس  | 299.      | 5. - فامر I. فامر   |
| —         | 7. - المختص al. المختص  | 301.      | 8. - تعريفها al. تعريفها  |
| —         | — - علي al. من  | 303.      | 4. - بميرزاجان al. بميرزاجان  |
| —         | — - للصغار al. للصغار   | —         | 11. - الحلبي al. الحلبي   |
| —         | *5. - <i>Beccai</i> I. <i>Becai</i>   | —         | *11. - <i>Kemmünet</i> I. <i>Kemmina</i>                                      |
| —         | *14. - <i>Iskendernameh</i> I. <i>Iskender-<br/>nâmeh</i>                     | 304.      | 1. - الخضرای al. الخضرای  |
| 286.      | 9. - ومنهم al. منها   | 305.      | 4. - كتابه al. كتبه   |
| —         | *1. - <i>Emiro</i> I. <i>Emiro</i> Sultan <i>So-<br/>leimán</i> <sup>1)</sup> | 306.      | 2. - لابن الحوراني al. لابن الحوراني  |
| 287.      | 3. - نظام I. نظام   | —         | 3. - وما حولها al. وما حولها  |
| —         | 6. - الحسن بن رمضان al. الحسن   | 307.      | 7. - الكعبة البيت cf. Cor. V, 98.   |
| —         | — - ال al. ال   | —         | 9. - تعالى بما هو I. تعالى هو   |
| 288.      | 10. - كائن حيان al. كائن حيان   | —         | *15. - <i>indicium solo sensu nixum</i> I.<br><i>indicium sensus altioris</i> |
| 289.      | 10. - الجباني الغساني al. الجباني   | 308.      | 2. - سليم I. السليم   |
| 290.      | 4. - للشيخ ابي سهل al. للشيخ  | —         | 9. - السابعة lectio dubia.  |
| —         | 9. - ابي موسى المديني al. ابي موسى<br>محمد بن عمر بن احمد                     | —         | *4. - <i>Selim</i> I. <i>Soleim</i>   |
| —         | 10. - النمرى al. النمرى   | —         | *11. - <i>Abu'lbecká</i> I. <i>Abu'lbecá</i>                                  |
| 291.      | 11. - ثلث عشرة I. ثلثة عشر  | —         | *12. - <i>Akberi</i> I. <i>Okberi</i>   |
| 292.      | 2. - ابي موسى المديني al. ابي موسى  | 309.      | 1. - ال al. ال  |
|           |   | —         | 2. - العشرة I. العشرة   |
|           |   | 311.      | 4. - التمرتاشي al. التمرتاشي  |
|           |   | —         | *6. - <i>Temertáshi</i> I. <i>Timurtáshi?</i>                                 |

1) Hammerus (Geschichte der Osman. Dichtkunst I, 89) habet سليمان (Selmán) I. سليمان (Soleimán).

Pag. Lin.

312. 1. pro خديش al. خويش  
— \*15. - foliis l. paginis
315. 2. - تعلم et يكون al. تكون et  
— 6. - وأن كان al. وأن
317. 3. - إلى al. على
318. 6. - ٧٣ al. ٧٣
319. 6. - لابي سعد al. لابي سعيد  
— 8. - الدين al. بن  
— \*14. - *El-Mocri* (Corani lectore) l.  
*Macarri*
320. 4. - الشاعر al. شاعر  
— 10. - ٤٧٧ al. ٤٧٧
321. 3. - ٢٥٩ al. ٢٥٩  
— 7. - اللام l. الميم  
— — - علاء الدين على al. علاء الدين
323. 1. - اشكال الهمية al. الاشكال الشبية  
— 2. - الرحيم al. الحكيم  
— 4. - بن الرفتارى al. بن الرفتارى
326. 1. - سنة ٧٣ al. سنة  
— \*19. - *Júzjani* l. *Jauzejáni*
327. \*13. \*14. - *Saháh* l. *Siháh*  
— \*13. - *Jauharii* l. *Jauheri*
328. \*11. - *Akberi* l. *Okberi*
329. 1. - بن السيد بن al. بن عبد السيد  
عبد السيد بن على s. على  
— 6. - مزيد al. مزيد  
— 7. - زلزل l. و زلزل
330. 3. - في آثار al. في اثار المتقدمين  
المنتقدين  
— 4. - بن حرم al. بن حرم
332. 3. - وقائده al. قائده  
— 8. - وعمومها al. وعمومها
334. 2. - دقائف l. دقائف

Pag. Lin.

337. 2. pro ولم اقدر على حله al. ولم اقدر حله  
— 6. - وتعيين al. وتعيين
338. 3. - الشانعى al. الشانعى
339. \*6. - el-hukm l. el-hikem i. e.  
institutorum sapientium
341. 7. - على المعانى al. على
342. 5. - المبارك l. مبارك
343. \*12. - *Abu Nufan* l. *Abu Noeim*
344. 1. - فزيدت al. فزعدت  
— 3. - الحسن al. الحكرم
346. 8. - المودع l. المودع  
— \*5. - *Ulámishi* l. *Aulámeshi*
348. 5. - قتميه al. قتميه  
— \*1. - *Fadhil* l. *Fodheil*
349. \*8. - *Abu Hanifae*, quaesita l. *Abu Hanifae* quaesita  
— \*10. - *Roeini*, *Hanefita* l. *Roeini Hanefita*
351. 9. - لعبد الله بن محمد al. لعبد الله
352. \*6. - el-fetáwa s. el-fetáwi
353. 4. - بن ابي طالب al. بن ابي طالب  
حموش بن محمد  
— — - بابين السمين al. hic et infra
354. 3. - بن سليمان ابو al. بن عبد الله  
عبد الله  
— \*16. - *Abu Heyyán* l. *Abu Hayyán*
355. 7. - الشهاب عليه al. الشهاب  
— \*14. 16. 18. - *Abu Heyyán* l. *Abu Hayyán*
356. 9. - ومنتخب الدين l. ومنتخب الدين  
— 10. - العز ابن الرشيد al. القراء الهمداني  
الاصفهانى  
— 11. - به اوله الحمد لله الذى بنعتنه al. به  
حمد وهدايتة عبد وخذلانته

Pag. Lin.

- حجد الخ وسماه بالكتاب القريد  
في اعراب القرآن المجيد
356. \*16. pro *Muntejeb-ed-din* l. *Muntekhab-ed-din*
357. \*14. - *Akberi* l. *Okberi*
358. 8. - الخربرتى al. الخربرتى  
— 11. - الذى جعل al. جعل  
— \*9. - *Mausel* l. *Mowassil*  
— \*12. - *Zeili* l. *Zili*  
— \*15. - *Khirtihirti* al. *Khirhirti*
359. 6. - الاول al. الاخر
361. 1. - ابن قيم للجوزية l. قيم للجوزية  
— \*2. - *Cayyim el-jauziyet* l. *Ibn Cayyim-eljauziyet*
362. \*2. - *terrae* l. *urbis*
363. 2. - ابن ابى بكر الشرجى al. ابن ابى بكر  
— — — محدود قواعد al. في حدود الاجكام الاسلام  
— — — ٨٣ al. ٨٤  
— 8. - في l. من  
— \*17 et alias - *wafiyát* l. *wefayát*
364. \*17. - *El-Mocri* l. *El-Macarri*
365. 4. - عبد الرحمن al. على بن عبد الرحمن  
بن على  
— 8. - حسين al. حمزة
366. 10. - عينت al. عينت  
— — — يفر al. يعز  
— \*1. - *Cayyim el-jauziyet* l. *Cayyim-eljauziyet*
367. 4. - لاستغناؤه به al. لاستغناؤه  
— 7. - ناقيا l. باقيا  
— 9. - المسجى l. المسجى  
— \*13. - *Báckiya* l. *Náckiyá*  
— \*14. - *Mesihí* l. *Mosabbihí*

Pag. Lin.

369. 9. pro المختومة al. المختومة
- \*2. - *Wesirum* l. *Wezirum*
371. 2. - الخبصرى الرملى al. الخبصرى  
— \*20. - *Saháh* l. *Siháh*
373. 6. - قرى عليه سنة al. صنف سنة
374. 7. - الاييام al. الاييام  
— 10. - وواضع l. واضع
376. \*13. - *Ictisád* l. *ubique El-Ictisád*
378. 7. - وخاتمة اوله الحمد لل al. وخاتمة  
الذى بعث لصلاح عباده في  
النشأتين نذيراً الخ  
— 9. - *delent alii* الخ اوله
381. 4. - اعتراض al. اعراض
382. 1. - ابو عثمان سعيد l. ابو عثمان  
بن يعقوب  
— 4. - الثبيرى fortasse l. الثبيرى  
— 5. - والماعانى alias واليامانى  
— — — البورجاني al. البورجاني
386. 4. - [f..] al. ٣٨. cf. n. 1251. et 1846.
388. 3. - المصرى al. المقرى
390. 4. - احمد بن ابي سعيد al. احمد ابي سعيد  
— \*6. - *Moháni* l. *Maháni*
392. 5. - بابن الحانك al. بابن حانك  
— \*8. - *Ibn Háic* al. *Ibn-elháik*
394. 10. - ممن al. من
395. 1. - منها بسطح al. منها  
— — — ولن al. ولن
397. 1. - الثقبتيين al. الثقبتيين  
الشعبتيين  
— 8. - بقى al. يفى
407. 8. - اخطأ al. خطأ
409. \*7. - *Hewári* l. *Hewári*
411. 4. - في حدود سنة l. في حدود  
\* \* 2



- | Pag. Lin.   | Pag. Lin.   |
|---|---|
| 411. 10. pro  | 435. 5. pro   |
| شمس الدين بن  | القاسم عبد القاسم al. القاسم                          |
| شمس الدين محمد بن   | — *11. - 834 l. 838                                   |
| 414. *13. - <i>Bektemeri</i> l. <i>Bektemri</i>                       | 436. 11. - بن حبيب al. حبيب                           |
| 415. 4. - الملك l. ملكه   | — *17. - 416 (inc. 4. Mart. 1025) l. 412              |
| 416. 6. - راجى عفو l. راجى  | (inc. 17. Apr. 1021) s.                               |
| 417. 6. - ٩٣٨ al. ٩٣٩   | supra lin. 10. pro f[ra] le-                          |
| — *13. - <i>El - Irácki</i> , absolvit l. <i>El - Irácki</i> absolvit | gendum f[ra]  |
| 418. 10. - عبد محمد l. عبده محمد                                      | 437. 6. - المسيحي l. المسيحي                          |
| 419. 6. - الارزقي al. الارزقي   | — *11. - <i>Mesihi</i> l. <i>Mosabbihí</i>            |
| — 9. - الرواة l. الرواة   | 440. *12. - <i>Elif</i> l. <i>Elif</i>                |
| — *17. - el-rowwát l. el-rowát  | 441. *5. - el-rowwát ala abná el-                     |
| 421. 5. - كتاب الامام al. كتاب الامام                                 | nohhát l. el-rowát                                    |
| — 7. - وقص الامام al. وقص ايضا الامام                                 | ala abná el-nohát                                     |
| 423. 4. - القسطلاني المتوفى al. القسطلاني                             | 442. 1. - ابن دقائى al. ابن دقائى                     |
| سنة ٩٣٩   | — 8. - الى سنة ست l. الى ست                           |
| — — ٩٨٠ al. ٩٨٠   | — *13. - <i>El - Mobayynet</i> l. <i>El - Mobinet</i> |
| 424. 3. - والثانى l. الثانى   | 443. 9. - سلامة l. سلام cf. n. 1232.                  |
| 425. 1. - فجمع l. فجمع  | — *18. - <i>Selám</i> l. <i>Selúma</i>                |
| 427. *2. - poetiarum l. poetriae                                      | 444. 2. - ظاعرة l. ظاهرو                              |
| 428. 11. - فى السابع عشر - والعشرين                                   | — *9. - <i>Jebreti</i> l. <i>Jeberti</i>              |
| 429. 2. - عليها وذكر l. عليها ما قاله انشراح                          | 446. 9. - ٥٣٦ al. ٥٣٦                                 |
| ما قاله الشراح فيه  | 447. 2. - v. l. ٨.٩ cf. n. 4343.                      |
| — 10. - مختص l. مختص  | — *4. - 790 (inc. 11. Jun. 1309) l. 809               |
| 430. 2. - المختص al. المختص   | (inc. 18. Jun. 1406).                                 |
| — *3. - <i>Kheizákhizi</i> l. <i>Kheizákhazi</i>                      | 448. *2. - <i>Intidháb el-meáni</i> we <i>ikti-</i>   |
| 431. 1. - يقال انها l. يقال   | <i>dháb el-moáni</i> l. <i>Intidháb el-moáni</i> we   |
| 432. 8. - القربى al. القربى   | <i>Iktidháb el-meáni</i>                              |
| 433. 7. - ٨٣٩ al. ٨٣٩ cf. n. 97.                                      | — *11. - bi ahab al. bi ohb                           |
| — *2. - <i>El - Kodháí</i> l. <i>El - Codháí</i>                      | 449. 4. - ابن سعد l. سعد                              |
| 434. *4. - <i>Amánet</i> l. <i>El - Amánet</i>                        | — 7. - ليلة خلت al. ليلة                              |
|   | — 10. - تكميله l. تكميل                               |
|   | 451. 3. - واما الانجيل al. وما                        |
|   | 454. 7. - على كتاب عمه al. على ابن عمه                |
|   | 455. 8. - آثارهم هنا al. آثارهم                       |



- | Pag. Lin. |  | Pag. Lin. |  |
|-----------|--|-----------|--|
| 455. 10.  | pro منه I. فيه   | 495. 1.   | مرتب على I. مرتب pro                                       |
| 456. 9.   | لبّ اللباب في تحرير al. لبّ اللباب - الانساب                                     | — 9.      | للانتفاع al. للانتفاع                                      |
| 458. *3.  | <i>Ibn-elseyyid</i> I. <i>Ibn-elsid?</i>   | 496. 9.   | كتاب الامام al. كتاب الامام                                |
| — *5.     | <i>Modehjin</i> I. <i>Modehjen</i>   | 497. 7.   | او منكراً I. ومنكراً                                       |
| — *15.    | <i>El-Molaccab</i> I. <i>El-Molaccab</i>   | 499. 10.  | قراوغلى I. قراوغلى   |
| 461. 6.   | الكتب al. انكتب  | — *16.    | <i>Cara'ughli</i> I. <i>Chiz'ughli</i>                     |
| 463. *8.  | <i>Fareskuri</i> I. <i>Fariskuri</i>   | 500. 6.   | الجزري al. الجزري  |
| 465. *7.  | <i>Abu'lfatuh</i> I. <i>Abu'lfotuh</i>   | 503. 1.   | الكافي I. الكافي   |
| 469. 7.   | السراجية al. الرحيمية  | — *1.     | <i>Kani</i> I. <i>Kati</i>                                 |
| 470. 5.   | ان اولاً al.   | — 3.      | المقول al. المعول  |
| 472. 10.  | وصدّه al. وصدّه  | 505. 7.   | السلم المنورق I. سلم المتورق                               |
| 473. 7.   | حشاه al. حشى   | — *11.    | <i>Selem el-motewerric</i> I. <i>El-Sollem El-Monaurec</i> |
| 474. 11.  | الذي انزل I. انزل  | — *12.    | <i>Shebesteri</i> I. <i>Shebisteri</i>                     |
| 477. 9.   | وعليها حاشية من al. وحاشية<br>سورة هود الى سورة النبأ لعبد<br>الله الكردي وحاشية | 507. 1.   | السنجري al. السنجري  |
| 480. 10.  | القدسي al. القوسي  | — *2.     | <i>Senjari</i> al. <i>Sijzi</i>                            |
| 482. 5.   | مغارب الزمان I. مغارب  | 508. *2.  | <i>Quem</i> I. <i>Quod</i>                                 |
| 483. 9.   | سبعة I. سبع  | 510. 7.   | المتوفى بعد al. المتوفى                                    |
| 484. 5.   | من انكتب al. على انكتب   | — *14.    | <i>Seimeri</i> al. <i>Seimori</i>                          |
| — 8.      | السيواسي al. البوشي الشافعي  | 511. 10.  | وقف عليها I. وقف   |
| 485. 8.   | من كلام al. كلام   | 513. 1.   | قربى عليه al. المتوفى                                      |
| 487. 3.   | الطائي al. الطائي  | — *7.     | <i>Akberi</i> I. <i>Okberi</i>                             |
| 488. *18. | <i>Ibn-elsen</i> I. <i>Ibn-elsonni</i>   | 516. *3.  | <i>Akberi</i> I. <i>Okberi</i>                             |
| 490. 2.   | يأتى I. يأتي   | — *19.    | <i>Ibn-el-motewewej</i> I. <i>Ibn-elmotewewej</i>          |
| — 11.     | خطيب al. الخطيب cf. p. 411.<br>lin. 11.  | 517. 6.   | ٩٧٣ al. ٩٧٣  |
| — *19.    | <i>Ben-elkhatib</i> I. <i>Ben Khatib</i>   | — *18.    | <i>Ibn-el-jauzi</i> I. <i>Ibn-eljauzi</i>                  |
| 493. 7.   | سنة ٨٠٨ I. سنة   | 518. 8.   | لاقي ال. لاقى الحسن علي بن محمد<br>محسن علي بن احمد        |
|           |  | 519. 4.   | ٢١٨ al. ٢١٨  |
|           |  | 520. *3.  | <i>Elif</i> I. <i>Elif</i> .                               |

IN TOMO SECUNDO HAEC ENOTAMUS EMENDATIONE ET  
OBSERVATIONE DIGNA.

Pag. Lin.

5. 10. pro المقفع I. ابن المقفع  
— — — وابن بيزين I. وابن بيزين  
— 11. — ابن الطيب I. ابن الطيب  
— \*19. — *Ibn-elmocanna* I. *Ibn-elmocaffa*  
— — — *Abu Bahrin* I. *Ibn Behrin*  
— \*20. — *Ben-eltbib* I. *Ben-eltayyib*  
6. 6. — وسياتي I. وسياتي  
7. 2. — عبد الرحيم al. عبد الرحمن  
— 5. — بندار بن حميد al. بندار  
— \*9. — *el-nohhát* I. *el-nohát*  
8. 1. — بطلت قوته al. بطل عنه القوة  
9. 7. — تحضرمي I. مختصر في  
— \*13. — *Poetarum compendium, de dynastia Omayyadica et Abbasidica* I. *poetarum a tempore paganismi et Mohammedis inde usque ad dynastias Omayyadicam et Abbasidicam florentium*  
10. 3. — درر I. درر  
— \*5. — *Dorr* I. *Dorer*  
12. 8. — وذكر I. ذكر  
— 10. — سبعة al. ستة  
13. 6. — الرومي I. الروم  
— \*9. — *Sa'd-elrum* I. *Sa'd Rumi*  
17. 8. — السنجاري al. البخاري  
19. 6. — وعشرون سنة I. وعشرون  
23. 4. — البداء والعمال في al. البداء والتاريخ  
التاريخ

Pag. Lin.

24. 3. pro فستاتي I. فستاتي  
— 9. — اعتمد في نقله al. اعتمد نقله  
26. 6. — عمر al. [عثمان بن] عبد الله  
28. 4. — المقتول بيد التاتار al. المتوفي  
— — — الوسيط al. الوسط  
— 6. — اسماء al. سماء  
33. 1. — احمد بن شمس الدين الكوفي  
احمد المعروف al. المتوفي سنة  
بابن الكوفي المتوفي سنة ٦٩٣  
— 3. — سرايا المتوفي al. بن سرايا  
سنة ٧٥٣  
— 4. — *vov* al. *vfv*  
— \*1. — *Ahmed Ben Shems - ed - din Hauni*, anno ... mortuus, al. *Ahmed*, vulgo *Ibn-elkhwayyi* dictus et anno 693 (inc. 2. Dec. 1293) mortuus.  
— \*6. — *Ben Seraya* al. *Ben Seraya*, anno 752 (inc. 28. Febr. 1351) mortuus.  
— \*7. — 757 (inc. 5. Jan. 1356) al. 745 (inc. 15. Mai. 1344)  
34. 1. — التيفاشي I. التيفاشي  
— 1. — ابن ابي الاصبع al. ابن ابي الاصبع  
المتوفي سنة ٦٥٣  
— \*1. — *Teifashi* I. *Tighashi*  
35. \*2. — وضمنها s. وضمن اليها al. وضمنها  
36. \*10. — *El-Hillet* I. *El-Hollet*  
37. 7. — دابك al. ذابك

- | Pag. Lin. |   | Pag. Lin. |   |
|-----------|---|-----------|---|
| 38.       | *5. pro <i>Abd-el-melek</i> l. <i>Abd-el-melik</i>                        | 71.       | 11. pro <i>يذكر</i> al. <i>يذكر</i>   |
| —         | *21. - <i>Jeledi</i> l. <i>Halebi</i>                                     | 72.       | 2. - <i>أمورا</i> al. <i>أمورا</i>  |
| 39.       | 1. - <i>بن الحلي</i> l. <i>بن جلي</i>                                     | 74.       | 6. - <i>فان الاولي</i> al. <i>فالاولى</i>   |
| 40.       | 1. - <i>لعبد الله</i> al. <i>لعبد الله بن محمد</i><br>محمد                | 75.       | *11. - <i>rosaceum</i> l. <i>Ibn-elwardii</i>   |
| 41.       | 9. - <i>البرء والاتم</i> al. <i>البرء الاتم</i>                           | 81.       | 3. - <i>ابن بكر بن محمد بن عياش</i> لخصار<br>ابن بكر محمد بن عياش al.<br>الخصار   |
| 44.       | *6. - <i>Wadiashi</i> l. <i>Wadiyashi</i>                                 | —         | 4. - <i>النجوى</i> al. <i>الحنفي</i>  |
| 46.       | 1. - <i>المرضى</i> al. <i>الرضى</i>                                       | —         | 6. - <i>لله جعل</i> al. <i>لله جعل</i>  |
| 47.       | *8. - <i>Shidzala</i> l. <i>Sheidzala</i>                                 | 82.       | 1. - <i>تعريف</i> al. <i>تقرير</i>  |
| 48.       | 6. - <i>آى درغدى</i> al. <i>ايدغدى</i>                                    | 83.       | 2. - <i>بالشالنجى</i> al. <i>بالشاليخى</i>  |
| 50.       | *20. - <i>Khibret</i> l. <i>Khobret</i>                                   | —         | 3. - <i>٥٣٨</i> al. <i>٥٣٨</i>  |
| 53.       | 6. - <i>الذى لا</i> al. <i>الذى</i>                                       | 85.       | 3. - <i>عنه انه لما</i> l. <i>عنه لما</i>   |
| —         | 7. - <i>البسط المبتوث</i> al. <i>البسيط البثوث</i>                        | 87.       | 3. - <i>لها بمثلها</i> al. <i>لها</i>   |
| —         | 9. - <i>٢١٨</i> al. <i>٢١٨</i>  | —         | 8. - <i>بابن علوان</i> al. <i>بعلوان</i>  |
| 54.       | 3. - <i>بانتخركوشى</i> l. <i>بالنخركوشى</i>                               | —         | — - <i>٩٣٣</i> al. <i>٩٣٣</i>   |
| —         | *5. - <i>Kharkushi</i> l. <i>Anharkushi</i>                               | 90.       | 4. - <i>وكلتاها</i> l. <i>وكلتيهما</i>  |
| 55.       | 2. - <i>الجرباذقانى</i> al. <i>جرباذقانى</i>                              | —         | *10. - <i>Otayya</i> l. <i>Atiya</i>  |
| —         | *4. - <i>Jirbadzani</i> al. <i>Hirbadzicani</i>                           | 92.       | 5. - <i>انتمى</i> al. <i>انتبى</i>  |
| 57.       | 1. - <i>اجزل</i> al. <i>اجزل</i>  | 93.       | 6. - <i>السيح المثنى</i> l. <i>سيح المثنى</i>   |
| 59.       | 1. - <i>الاسفرانى</i> al. <i>الاسفردى</i>                                 | 94.       | 2. - <i>بالمغرب</i> l. <i>بالمغرب</i>   |
| —         | 6. - <i>بلغ</i> al. <i>بانغ</i>   | 96.       | 3. - <i>عصره</i> l. <i>مصره</i>   |
| 60.       | 10. - <i>ا...ا</i> al. <i>ا...ا</i>                                       | —         | *5. - <i>in sua patria</i> l. <i>sua aetate</i>   |
| 61.       | 4. - <i>بابن الديبع</i> l. <i>بابن الربيع</i><br>الديبع                   | 99.       | 4. - <i>ابن ابي خيثمة</i> al. <i>ابن خيثمة</i>  |
| —         | *8. - <i>Ibn-elrebi</i> l. <i>Ibn-eldeibagh</i> s.<br><i>Ibn-eldeiba'</i> | —         | *16. - <i>Duo viri — celeberrimum</i> l.<br><i>Duo opera historica ab</i><br><i>Ibn-elathir</i> composita,<br>quorum primum idque ce-<br>leberrimum etc.                                |
| 64.       | 7. - <i>المقتدى</i> al. <i>المسترشد</i>                                   | 101.      | 9. - <i>كلته</i> l. <i>كلته</i>   |
| 65.       | 5. - <i>سعد</i> al. <i>يوسف</i>   | —         | *12. - <i>potitum</i> l. <i>potiturum</i>   |
| —         | — - <i>الاديب النيسابورى</i> al. <i>الكردى</i>                            | —         | *16. - <i>qui per tres — digessit</i> l. <i>cujus</i><br><i>tertia circiter pars nomine</i><br><i>Mocaddemet</i> innotuit, et<br><i>separatim etiam digesta</i> et<br><i>edita est.</i> |
| 68.       | *8 et *9 - <i>Pendsh Kendsh</i> l. <i>Penj</i><br><i>Kenj</i>             |           |   |
| 69.       | *1. - <i>scyphus</i> fort. <i>opium</i>                                   |           |   |
| 70.       | 11. - <i>٩٣٨</i> al. <i>٩٣٨</i>   |           |   |
| 71.       | 8. - <i>وعشرين</i> al. <i>واربعين</i>                                     |           |   |



- Pag. Lin.
104. 8. pro ابن الغوطى al. ابن الفوطى  
— 9. ابن فلاس al. ابن فلاس -
105. 7. الديدوزمى al. الديدزمى  
— 9. ابن رجاء محمد al. ابن رجاء -  
— \*14. - *Diduzmi* l. *Deiduzemi*
107. 3. الدوادارى al. الروادى  
— 6. ولحمزة l. لحمزة -  
— 10. الطائى l. الحائى -  
— \*18. - *Hâyi* l. *Tâyi*
108. 2. ابن زكرياء محمد al. ابن زكريا -  
— 5. اكبرى l. الكبرى -  
— — الفبضى l. الفبضى -  
— \*2. - *Naim* l. *Noeim*  
— \*7. - *El-Kobra* l. *Akberi*  
— — *El-Feidhi* l. *Feidhi*
111. 9. واعداه l. وحوه -  
— \*15. - usque — *Hadidi* l. auctore *Hadidi*, qui eam Sultano *Soleimân* obtulit
115. \*20. - *Mocri* l. *Macarri*
117. 4. المقمرة al. المعرة -
118. 6. يدل على أنه al. يدل أنه -
120. \*2. 4. 6. - *Ibn-eldobeithi* l. *Ibn-el-debithi*
124. \*12. - *Ghaffâri* l. *Ghifâri*
125. 3. ابو يوسف الخاسن al. ابو الخاسن -  
— 4. بن بيقرا al. بيقرا -  
— 9. مات al. ومائة -
127. 10. من تواريخ l. من تاريخ -
129. 7. وتاريخ al. وتاريخ محمد بن محمد  
ابن محمد محمود بن محمد
132. 7. لابن ابن خيشمة al. لاني خيشمة -  
— 9. الأني al. الاني -
- Pag. Lin.
133. 1. pro السنينة l. الستنة  
— \*1. - *El-Sitta* l. *El-Seniyet*
135. 5. المختار al. المجاز -  
— 7. ذكره delendum.
137. 8. سبع ومائتين l. ومائتين  
— \*2. - *Abd-el-melek* l. *Abd-el-melik*  
— \*14. - 201 (inc. 30. Jul. 816) l. 207  
(inc. 27. Mai. 822)
138. 4. نظم فارسي al. فارسي -  
— 10. ابن المقفع l. ابن المقفع -  
— \*18. - *Ibn-elmocanna* l. *Ibn-elmocaffa*
139. 9. وفات al. فوات -  
— 10. ابن عرب زاده al. عرب زاده -
141. 8. ولى قضاء l. ولى قضاة -
142. \*16. - *Abercûhi* l. *Ebreçûhi*
143. 7. انغسانی al. العناني -
144. 3. بن شبة ابن زيد al. بن شبيبة  
النميرى المتوفى سنة ٣١٣
- \*6. - *Obeidi* l. *Abidi*
145. 3. وقفت عليه l. وقفت -  
— 6. ٣٥١ al. ٣٥١ -
146. 9. لمعجم l. المعجم -  
— \*11. - *Kendi* l. *Kindi*
148. 5. يونس al. يوسف -  
— 6. الصدفي al. الصوفي -  
— 8. الحسن l. الحسين -  
— 11. ولابن بشكوال l. ولابن -  
— \*12. - *Hosein* l. *Hasan*  
— \*18. - filio auctoris l. *Ibn Beshk-wâl* auctore
149. 3. للتيفاشى l. للتيفاشى -  
— \*4. - *Teifâshi* l. *Tigâshi*
152. 2. فهد bis l. فهد et alias



- Pag. Lin. | Pag. Lin.
152. 4. البيت الحرام l. والبيت للحرام | 190. 5. pro الغوى al. المغوى  
— \*3. - *Fihrl. Fihl* | — 8. - الاولوى al. الالوى
155. 4. بن عبد الله al. بن عبد الحاكم | 191. 5. الفصولى al. الفصلوى  
156. 4. بخشل al. بحشل | — 6. - الكتانى al. الكتانى
158. 3. فناخسرو اليمداني l. فناخسروانى | — \*16 et \*17. - *Balckini l. Bolckeni*
- \*5. - *Fennákhosrowáni l. Fennákhosru Hemdáni* | 192. 9. - المعانى al. المعانى
163. 8. - سيرة اهل القرأت l. سير اهل القرأت | 193. 9. - ١١٣ al. ١١٤
- \*15. - *Siyer ahl l. Siret ahl* | 194. 6. - وتكلموا فيه al. وتكلموا
- \*16. - *Siyer l. Siret* | 195. \*10. - *Samsúni l. Samesúni*
165. 4. - الذكى al. الزكى | 198. 1. - الماهية وحاشية شمس الالاهية -  
— \*7. - *Orf l. El-Orf* | الدين احمد بن محمود  
167. 5. - *Mokhtaser l. Mokhtasar.* | المعروف بقاضى زاده المفتى  
170. 8. - ٨٩٩ al. ٨٩٨ | المتوفى سنة ٩٨٠ علقها على  
— 15. - *Zarúc l. Zarrúc* | مبيحت الماهية  
— \*18. - *Sermári l. Sormári* | 199. 10. - تفحصت al. تصفحت
174. 3. - الشاعر al. الشارع | 203. 4. - مرتضى al. مرتاض
175. 9. - تناولا al. متناولا | 204. 4. - لاحاديث الجامع al. لاحاديث  
177. 4. - لبستان بك l. بستان بك | — \*12. - *Aláyhici l. Aláyhwi*
- \*7. - *Bustán. Beg l. in favorem Bustán. Begi* | 206. 9. - برهان الدين al. برهان
178. 2. - رزية al. رزية | — \*18. - *Borhán l. Borhán-ed-din*
181. 3. - الحافظ ألف l. الحافظ | 207. 1. - فشرع فى l. فشرع  
— 7. - من ابن al. وابن | — 3. - واقعات l. وقعات
- \*5. - et *Ibn Hajr — dicit l. et Ibn Hajr eundem librum pretiosum de caussis forensibus composuisse dicit* | — \*6. - *Wacaút l. Wackiút*
182. 6. - بكلامه al. بكلامه | 208. 3. - ابى بكر محمد بن al. ابى بكر بن  
— \*2. - *Seimeri l. Seimori.* | 212. 2. - الاستبدال al. الاستدلال  
183. 9. - الى النبى al. النبى | — \*7. - *Belátanisi al. Belátinsi*
185. \*15. - *Ibn-elzámekáni l. Ibn-elzámekáni* | 215. 3. - لسان لب al. لب  
— 9. - ابن ابى الغنائم al. ابن ابى الغنائم | — 9. - ابن ابى الغنائم al. ابن ابى الغنائم  
188. 7. - اشتهر l. اشتهر | — \*16. - *Ben Abi'lgháim al. Ben Abi'lghanáim*
- \*3. - *Tatammat l. Tetimmet ubique.* | 216. 5. - بمصر l. عصر  
— \*9. - *mortuus l. in Aegypto mortuus*
217. 9. - تحصيل al. تحصيل | 217. 9. - تحصيل al. تحصيل

- Pag. Lin.
219. \*17. et alias pro *Collubeghá* l. *Cot-luboghá*
220. 8. pro الاديب al. الريب
225. 6. - الجائب al. الجائب
228. \*18. - *Mosannifek* l. *Mosannifec*
233. 3. - الغفارى al. الغفارى
234. 1. - الشحامى al. الشحامى
- 2. - الى ولد حفيده al. الى ولده [حفيد]
- \*1. - *Shojámi* al. *Shehámi*
236. \*10. - a *Ibn Bahr* l. ab *Abu Bahr*
238. \*15. - *Mosannifek* l. *Mosannifec*
239. 2. - التوربشتى al. التوربشتى
- \*3. - *Turapushti* l. *Taurapeshti*
240. 2. - لفصل الله al. لفصل
- \*5. - *Fadhl* al. *Fadhlallah*
244. 1. - حواف al. حواف
- 2. - لامام الحرمين l. للامام الحرمين
245. 7. - الدلالة فى النبوات al. الدلالة
247. \*14. - *Shenáwi* l. *Shinnáwi*
251. 10. - وعرفوه al. وعرفوا
253. \*9. - *Sibt - elmaridini* l. *Sibt El-Maridini*
255. 4. - ffo l. fo.
- — جمع من l. جمع
- 7. - الشأن al. المتين
- 256 11. - ابن غليون l. ابن غليون
- \*19. \*20. - *Ibn Ghaliyún* l. *Ibn Ghal-bún*
260. \*3. - يعزوه l. يعزوه
262. \*7. - *Canáltzúdeh* l. *Ckináltzúdeh*
265. 8. - اصول al. فصول
- 9. - لائقى النوسى l. لائقى التنوسى
- \*17. - *Abu'ttenúsi* l. *Obayyi El-Tenusi* s. *El-Nausi*
266. 7. - الاحياء l. الاحياء
- Pag. Lin.
266. \*15. pro viventium l. hominum intelligentium.
276. 11. - النورى المتوفى l. النورى بحلب بحلب
- \*18. - Halebi commorans (quod pro „commemorans“ legendum) l. Halebi mortuus
277. 1. - الاخر al. الاول
- 10. - بالفصاحة l. بفصاحة
278. 2. - درتبه على al. على
282. 3. - فريضة l. فريضة
284. 8. - بن المعلى al. بن العلى
- \*16. - *Ben-elali* al. *Ben-elmoalla*
286. 5. - الاربعين حديثا al. لحديث الاربعين
- 10. - ابو جعفر محمد بن al. ابو جعفر بن
287. 8. - الصغناقى al. الصغناقى
289. 1. - البنين al. النبيين
- \*18. - *Hamúsh* l. *Hammúsh*
295. 10. - اللفظ al. اللفظ
296. 7. - وعلاماتها l. وعلاماته
299. 15. - الى al. فى
302. 7. - لا يحل اصلاً al. على آحاد — اصلاً على آحاد الناس
304. 11. - ابن يعيش al. يعيش
306. 5. - بممكن al. يمكن
308. \*11. - nisi quod l. nisi ubi
311. 1. - يرويه l. يرويه
- 2. - لكنى al. لكن
- — فكثير l. وكثير
313. 5. - ابن محمد l. ابن عيد محمد
- 9. - بالفركاج l. بالفركاج
- \*7. - *Ibn Abd Mohammed* l. *Ibn Mohammed*
316. 2. - عنه al. عن



Pag. Lin.

316. 4. pro ال التعديل — واما لها pro —  
والانتصاف في مآثر العرب ومثالبها
317. 7. لابن حجر. 1. لاني حجر -  
— \*14. - *Abu Hajr* l. *Ibn Hajr*
318. 8. تدعو. 1. تدعوا -
321. 3. التوقيف. 1. التوقيف -  
— 9. لمير خسرو. al. خسرو -  
— \*4. - *Taufic* l. *Tauchif*
322. 10. خمسة عشر. 1. خمس عشر -
325. 3. الزرنوجي. al. الزرنوجي -  
— \*5. - *Zerbanji* al. *Zernúji*
329. 4. ودر. 1. ودر -
330. 8. علم sine dubio -
332. \*19. - in septem particulis l. septem  
diversis dialectis
333. 4. روى. al. اورد -
334. 8. او. al. ov -
336. 7. النحاس. al. النحاس -  
— 10. يعتمد عليه. 1. يعتمد -
337. 9. الفقيرة. 1. الفقيرة -  
— — — التي لا تعلق. al. التي تعلق -
340. 1. ما يذهب. 1. يذهب -
345. \*14. \*15. - *Jamret* l. *Jamra*
346. \*3. \*5. - *Ibn Jerij* l. *Ibn Joreij*
349. 5. ابو بكر محمد بن. al. ابو بكر بن -
352. 1. الفراتي. al. العراقي -
356. 1. المعالي. al. المعالي -
358. 4. عليه بخطه. al. على نمطه -  
— 5. وكان. al. وكان -
361. 3. محمد بن علي العمري. al. بن عمري -  
— 5. عز الدين. al. سعيد الدين -  
— \*10 et \*11. - *Deirini* l. *Dirini*
369. 5. ينتهي. 1. ينتهي -

Pag. Lin.

372. 10. pro ثلث. 1. ثلث
375. 9. الندائي. al. السوائي -  
— 10. مصعب. al. مصعب -  
— — — جبة. al. جبة -
378. 5. مائة. al. الف -
380. 4. لشهرته. al. بشهرته -  
— 5. فكتبوا له. 1. فكتبوا -
381. 1. الخيوي. s. الخيوي. al. الخيوي -  
— 9. النهدي. al. النهدي -
383. 1. التكلف وسماء سواطع. al. التكلف -  
الاليام
385. 9. للعلم. 1. العلم -
387. \*17. - qui librum *Dehshet* collegit l.  
ad aedem primariam (ur-  
\*bis) *Dehshet*.
388. 8. محب الدين. 1. محب الدين بن  
احمد بن
389. \*10. - *Mocarrib* l. *Mocarreb*
391. 5. سنة. 1. سنة -  
— 7. لاني علي يحيى. al. لاني الحسن علي -
396. 7. ابي الحسن. al. بن الحسن -  
— \*18. - *Cottubeghá* l. *Cottuboghá*
397. 5. الجياني. al. الغساني -
402. 8. محمد. al. محمود -
404. \*7. - *Zuzeni* l. *Zewzeni*
405. 8. انعم علينا. al. انعمنا -
406. \*2. - *Patronus* l. *Teftazáni* nepos
407. 7. بقرس. al. بقرس -  
— \*11. - *Karsi* (l. *Carsi*) al. in insula  
Cypro
408. 8. وله. 1. اوله -
411. 9. ٩٨. al. ٩٨٤  
— \*16. - 980 (inc. 14. Mai. 1572) al. 984  
(inc. 31. Mart. 1576)

- Pag. Lin.
414. 3. pro القاصى al. القاصى  
— 4. امور ذهبىة I. امور اذعبت -  
— \*3. - *Belima* I. *Bellima*
415. 7. تفسيره I. تفسير  
416. \*16. - *Ibn-elfuti* I. *Ibn-elfoweti*
417. \*19. - *Mirmán* I. *Meiremán*
418. 3. الشافعى المتوفى في ال. الشافعى -  
حدود سنة ٤١٠
420. 10. والاغراض al. والاغراض -  
— \*6. - *thermarum* I. *columbarum*
421. 4. وتسعمائة الى سنة سبع I. وتسعمائة  
وتسعين وتسعمائة  
— 10. - ... al. ? يدام دم
425. 6. فخر الدين الرازى al. فخر الدين -  
— 8. مائة سنة al. مائة -
426. 1. عظم al. حناوم -
427. 10. التونسى al. الاموى -
428. 10. الكرفوشى al. الكرفوسى -
429. 7. الى شعب al. بشعب -
430. 6. السبت al. الخمس -  
— \*11. - *imo noster — tractatur I. imo  
noster liber, quem Shirázi  
ex Appendice Sheikhi Abu  
Hámid Merwezi sumsit,  
praeter ceteros, ut Newewi  
in Tehdzib diserte dicit,  
diligentissime tractatur.*
431. 1. نياما ببرعة al. نياما ببرعة -  
— 5. ما ائسده al. فائسده -
433. 10. لغاته I. لغايه -  
— \*18. - *dialectiis* I. *dialectis*
434. 10. بتمام al. بتمام -  
— \*3. - *Senklúmi* I. *Senkelúmi*
438. 1. الديرى al. الوزير -  
— — — ٩٩ al. ٩٩.
- Pag. Lin.
438. 11. pro الزبيرى I. الزبيرى  
— \*19. - *Ziri* I. *Zobeiri*
440. 3. - ٧٣٦ al. ٧٣٧  
— \*19. - *Ibn Horúf* I. *Ibn Kharúf*
442. 2. اوليا I. اوها -
443. 5. للنبلى al. الخنقى -
444. 5. تر صار مشتملاً I. تر مشتملاً -
447. 10. يعترض al. يقرض -
450. 10. ولكن I. وكان -
451. \*10. - *Holulu* al. *Hallulu*  
— \*12. - *Keikledi* I. *Keikeldi*
452. 9. مسئلة al. مسلك -
453. 6. سنة اربع بعد الف I. سنة -  
— 9. بشرحه I. وشرح -  
— — — العلاء s. العلامة al. العلاء -
455. 5. بطن al. بط -  
— \*1. - *tzolm* I. *tzalem*
456. 9. حمدا لشارح I. حامد الشارح -
464. 6. بعد al. تقريباً -  
— \*6. - *Malekitarum* I. *Malikitarum*
466. 7. الخليلى al. الخليلى -
467. 1. والنظير al. والنظير -
468. 4. ناية I. ناي -
470. 6. وضعف I. وضعف -  
— \*11. - *ejusque caussa infirma est I.  
causamque ejus infirmat*
473. 4. ان الاول لا يعلم al. ان الاول يعلم -  
— 8. عن al. على -
474. 4. فهذا I. فهذه -  
— 8. معرفة al. مرتبة -
482. 4. خص al. حصر -
485. 7. الآيات al. لانايب -
492. \*3. - *tres* I. *trium*



Pag. Lin.

492. \*16. pro *Cabibáni* l. *Cobeibáni* s. *Co-beibáti*
500. \*2. - *Farah* l. *Farh*
501. 11. - ونقل l. ونقل  
— \*19. - *traditione sancitum* l. *spon-taneum*
502. \*8. - *cognitio significationis*, quae voci *rowát* i. e. relatores, tribuenda est l. *scientia vocis*, qua relatores referenda inferunt
503. 5. - أولي بها l. أولي
505. 8. - وضعًا al. وضعًا
506. 10. - جمعًا al. جمعها
507. 1. - بن عيني al. عيني
508. \*5. - *Keikledi* l. *Keikeldi*
513. 6. - من حيث al. من  
— 10. - بعدهما al. بعده
514. 4. - تقديمها l. تقديمها  
— 9. - إلى al. لها
517. 7. - و al. في
519. 10. - في ستة l. ستة
523. 8. - لقرآن al. لقرآن
524. 3. - يأخذه al. يأخذ  
— \*12. - *Ibn - elmolckin* l. *Ibn - elmolacckin*
526. 5. - يقع l. يقع
527. 3. - ٨٤٢ al. ٨٤٢
530. 2. - بزهد al. بزهد  
— 4. - في al. على  
— 8. - قاله صاحب عقد al. قاله عقد  
— \*3. - *Zahd* al. *Zebid*
531. 10. - يحبّ al. يحبّ  
— \*14. - *Jebreti* l. *Jeberti*
541. 10. - أبا al. أبا

Pag. Lin.

542. 1. pro الكتب كلها al. الكتب
544. \*15. - *Shárikí* al. *Shároki*
546. 4. - وهو على al. وعلى
548. 3. - ابن عبد الله شرف الدين al. ابن الفصل
549. 10. - المغتدى al. المغتدى
550. 1. - السندي al. السندي  
— 9. - و l. و  
— 10. - ع l. ع
555. 3. - مات al. فانه
556. 5. - علي بن بندار al. علي بندار
562. 3. - سماوية al. سماوية
563. 2. - نجيم l. نجم  
— \*3. - *Nejm* l. *Nojeim*
566. \*18. - *Abd - el - motalleb* l. *Abd - el - mottalib*
567. 7. - الزندويستی al. الزندوستي
574. 2. - الغوطي al. الفوطي
576. 10. - وهو من l. وهو
578. 7. - ابو الفيض al. ابو العبياض
579. 1. - كمال الدين al. كمال بن  
— 9. - تلميذه الخليل al. عميد
586. 6. - وهما al. وهي
590. 5. - على al. من
591. 5. - القلانسي al. القلاس
595. 6. - بن حبرون al. حبرون  
— \*11. - *Heirún* al. *Ben Heirún*
596. 3. - الصغار al. الصغار
597. 9 - *Khalíyát* l. *Khilaiyát*  
— — *Khalici* l. *Khilaici*  
— \*10. - *Khali* l. *Khilai*
598. 7. - الصغار al. الصغار
601. 7. - النحوي al. الخوي
615. \*4. - *Zar'a* l. *Zor'a*

Pag. Lin.		Pag. Lin.	
616.	*13. pro <i>Ibn-el-molckin</i> l. <i>Ibn-elmo-lacckin</i>	632.	2. pro <i>حجى</i> al. <i>حجى</i>
617.	4. - خمسة al. <i>الخمس</i>	634.	10. - ابن بنت ميلق al. <i>ابن ميلق</i>
618.	6. - ويضع l. <i>ويضع</i>	635.	2. - ٧٣٧ l. ٧٣٧
	— *12. - trecentas — omissis l. trecentas et quod excedit traditiones auctoritatibus omissis sumsisse		— *5. - 727 (inc. 27. Nov. 1326) l. 627 (inc. 20. Nov. 1229)
619.	2. - القرباب s. بابن القرباب l. <i>بابن القرباب</i>	636.	10. - الرسول l. <i>الرسول</i>
	— *3. - <i>Ibn-elforrat</i> l. <i>Ibn-elcarráb</i>	637.	3. - في الرواية l. <i>في الرواية</i> عماد الدين عن عماد الدين
	— *9. - <i>Fatúh</i> l. <i>Fotúh</i>	640.	8. - من عصر علماء al. <i>من علماء</i> عصر
622.	3. - بعد al. <i>بعذر</i>	643.	4. - وخواطر al. <i>وفواخر</i>
623.	9. - ٩٤٩ al. ٩٤٩	644.	6. - المصطفوية l. <i>المصطفية</i>
	— *2. - <i>Fatúh</i> l. <i>Fotúh</i>	647.	10 et 11. - الجميل l. <i>الجميل</i>
625.	4. - ٥٣٥ al. ٥٣٥	650.	6. - شرف الدين al. <i>شرف</i> بن عثمان عثمان
627.	*14. - <i>Abu'fatúh</i> l. <i>Abu'fotúh</i>	653.	3. - للجواني al. <i>للجواني</i>
628.	*12. - <i>Jozúli</i> l. <i>Jezveli</i> s. <i>Jezauli</i>	654.	2. - التيفاشى l. <i>التيفاشى</i>
630.	7. - بن نصر الله al. <i>بن نصر</i>		— *4. - <i>Teifáshi</i> l. <i>Tigháshi</i>

## IN TOMO TERTIO HAEC SUNT CORRIGENDA:

Pag. Lin.		Pag. Lin.	
3.	5. pro <i>ثمانية</i> al. <i>ثلاثة</i>	20.	9. pro <i>من</i> al. <i>في</i>
9.	1. - ٨٣٤ al. ٨٣٤	24.	4. - ونقل l. <i>ونقل</i>
16.	*11. - ita tamen — statuerent l. ubi optio data esset duarum rerum sibi contrariarum	39.	6. - ٤٤٤٦ l. ٤٤٤٧ etc.
17.	4. - بن علي الاصفهاني al. <i>بن علي الاصفهاني</i>	—	9. - 4446. l. 4447. etc.
18.	*9. - <i>El-Mobayyinet</i> l. <i>El-Mobínet</i>	40.	5. - ٥٥٥ l. ٥٥٥
	— *12. - <i>Mirrisi</i> al. <i>Merisi</i>	41.	2. - تعالى del.
20.	6. - باباً l. <i>ابوياً</i>	57.	9. - <i>أمن</i> من l. <i>أمن</i>
		65.	*2. - computasse — usum esse l. <i>com- plicuisse, quos ita junxit, ut annulum repraesentarent.</i>

Pag. Lin.

65. \*4. pro et hoc — divulgandam l. et hoc documentum est, artem illam apud prophetae socios divulgatam fuisse.
66. \*4. - *Bokhâri* l. *Beidhâwi*
71. 5. - الجزى الشانعى al. الجزى
73. 2. - كلاعما l. كلاعما
- 8. - بغرفة الحصن l. بغرفة
- \*14. - versio l. versio *Ghorfet el-hisn el-hasin* inscripta
83. 5 et 6. - النغزى al. النغزى
95. \*15. - domus sapientiae hero l. libri *Beit el-hikmet* auctori.
96. 10. - ابودتطيقا l. ابودتطيقا
97. 3. - ابوطيقا l. ابوطيقا
- \*5. - *Anutica* l. *Apûtica*
100. 10. - المبيدنى al. المبيدنى
- \*18. - *Mibedi* al. *Meibodzi* s. *Meibidzi*
114. 6. - بن سيدة l. بن سيد
- \*11. - *Ben Seyyid* l. *Ben Sidet*
122. 10. - وانديج l. وانديج
- \*18. - et bestiarum mactandarum infaustrarum l. hyaenae infaustrae.
123. 3. - نوع al. بوح
161. \*4. - *Jewâni* al. *Jewwâni* s. *Jowâni*
171. 6. - صربر al. حديد
172. \*9. - Salk l. Silk
173. 11. - الرحى l. الرحى
- \*14. - *Tonâkhi* l. *Tenûkhi*
- \*16. - *Reji* l. *Rakhi*
174. 6. - نصر al. نصر
175. \*10. - Confectio — instar l. opus hujus scripturae pretiosae pulchrum est picturae instar
176. \*11. - septem l. quinque

Pag. Lin.

183. 6. pro ovv al. ovo
189. \*5. - et interdum — commemorat l. et libro *Hosn el-mohâdharet* inseruit.
200. 3. - عثمان l. عثمان
201. \*9. - auctoris operis *Mirâj* l. domini in coelum ascendentis
208. 10. - الرستغنى al. الرستغنى
217. 8. - من كان l. من
229. \*19. - *Bellân* al. *Botlân*
- — - *Ibn-elberdi* al. *Ibn-elbordi*
233. \*10. - *Ibn-elmejdi* l. *Ibn-elmojdi*
234. 8. - احبانه al. احبانه
240. 2. - انشابشتى al. الشاشى
- \*5. - *Shâshi* al. *Shaboshti*
276. 6. - بوحى al. حى
288. 10. - باسمى l. اسمى
- \*20. - Nomen — dividit l. Per nomen meum et nomen Dei anima mea jurat
292. 5. - طيرماخ al. الطرمخ
310. 6. - ياحتاج l. ياحتاج
316. 10. - فقط l. فقد
326. 4. - المثنانين al. المثنانين
- \*6. - *Dzokhr* l. *Dzokhr el-be-sâtin*.
343. 5. - الذى نزل l. الذى
- \*10. - qui — voluit l. qui pulcherrimas traditiones revelavit
344. 9. - من نخب l. من تحت
- \*16. - ex ejus rebus utilibus potiora l. selectas ejus res utiles
347. 11. - ٧٣٨ al. ٧٤٠.
348. 5. - كتابه l. كتابه
- \*8. - in libro suo appendicem l. in scribenda appendice.



Pag. Lin.

351. 9. pro الاواند I. الاواند  
— \*17. - *el-awáid* I. *el-awábid*
357. \*3. - *Shirdzima* cf. Cor. 26, 54.
364. \*19. - et quae *Ahmed* — de eo disseruit I. et *Cul Ahmed*
370. \*8. - Vidi — nobilitatis I. Dixi hoc ejus chronogramma: Im-  
pluvio gloria parta est
373. 6. في البدليّات al. البدليّات
378. 3. مرّة بعد اخرى I. مرّة اخرى
380. 10. سبحانه وتعالى I. وتعالى
385. 3. - ٢٨٧ al. ٢٨٧
386. 10. رسالة في I. رسالة
390. 5. رسالة في I. رسالة
392. 4. المذكورة I. المذكور  
— \*15. - *Zaura* I. *Haura*
393. \*3. - حوض non est „colligere“ sed  
„cisterna“, et fortasse pro  
عشر عشر legendum, ut sensus sit: de cisterna dena  
cubita longa et lata.
398. 4. وامثالها I. وامثالها  
— \*7. - *majora* et quae sunt similia
400. 3. باماسية I. باماسية
412. 1. السنجرية al. السنجرية
419. 9. المولى احمد al. المولى
438. 11. رسالة في I. رسالة  
— \*10. - *Mezíd* al. *Mezyad*
450. 11. بخش I. بخش
460. \*4. - *Nahrijauri* I. *Nahrojuri*
462. 11. عطشانا I. عطشانا

Pag. Lin.

470. 4. pro خمس I. خمس سنة
476. 9. الحنظلي al. الحنظلي
488. 8. عبد القاهر al. عبد القادر
516. 6. لا يلزم al. يلزم
526. 6. السالكين al. السالكين
564. 6. السنجرى al. السنجرى
575. 4. فيه احد مثنوي I. فيه — والدهلوى  
الآ خسرو الدهلوى
- 11. الابرار al. الاخبار
- \*8. - *nec raro* — *inveniuntur* I. *nec quisquam* hoc metro in carmine *Methnewi* dicto usus est, nisi *Khosrew Dehlevi*, in cujus libro *Nüh Sipehr* (novem stellae) inscripto, teste *Jámi*, pauci tantum ejusmodi versus *inveniuntur*.
577. 5. - آلا أن I. آلا أن
588. 7. لقراتوشى al. لقراتوشى
599. 9. يعقوب الفيروزآبادى al. يعقوب
607. 10. لانه بنى فيه I. لانه فيه
609. 9. سر نشر I. نشر  
— \*14. - *Chiráyí* al. *Corráyí*
616. 8. السماع I. السماع
626. 8. - *Senáyí* I. *Nesáyí*
634. 9. الخضرأوى al. الخضرأوى
636. \*17. - *Asferáini* I. *Isferáini*
639. 9. خمارويه I. خمارويه  
— \*16. - *Himároweíhi* I. *Khomaraweíhi*
642. 2. الناقد al. الناقد
646. 5. سمارغ al. سمارغ



IN TOMO QUARTO HAEC SUNT ANNOTANDA:

- | Pag. Lin. |   | Pag. Lin. |  |
|-----------|---|-----------|--|
| 3.        | 4. pro المثنى al. المثنى                      | 127.      | 4. pro فوجده al. فوجده   |
| 5.        | 3. - الجأى al. الجأى                          | 135.      | 7. - وصل al. دخل   |
| 6.        | 6. - حلف al. خلف                              | 136.      | 3. - مبتكر al. ينكر  |
| 7.        | 2. - العى al. العبى                           | 138.      | 3. - زماننا I. زمانها  |
| 9.        | 4. - الطَّبَسَى al. الطَّبَسَى                | 142.      | 5. - اغفلوا al. اعقبوا   |
| 16.*18.   | - separatio ampla fort. odor fla-<br>grantis. | 144.      | 10. - الجَمْحَى al. الجَمْحَى  |
| 18.       | 3 et 4. - القصصى al. القصصى                   | 156.      | 7. - تلخيص al. تلخيص   |
| 28.       | 6. - كَبِين al. كَبِين                        | 162.      | 7. - للايمان al. الايمان   |
| 32.       | 10. - الطَّبَّ I. لَطَبَّ                     | 167.      | 3. - الموقى I. الموقى  |
| 38.       | 6. - فقد صُنْت al. فعرضت                      | 169.      | 7. - او تقصيراً I. وتقصيراً  |
| 48.       | 5. - الكتمان al. الكتاب                       | 171.      | 4. - يفتتح I. يفتتح  |
| 52.       | 6. - بايات al. بايات                          | 172.      | 3. - ملان al. يلان   |
| — 11.     | عريّة al. غنيّة                               | 175.      | 5. - المشهور I. مشهور  |
| 65.       | 4. - وكان al. وكان                            | 181.      | 8. - الكُتُب al. الكُتُب   |
| 68.       | 6. - وذيله ايضاً الشيخ الغاضل al. الغاضل      | 183.      | 8. - بيبرى al. بيبرى   |
| 76.       | 6. - نصير الدين al. نصير                      | — 10.     | - العتبية I. العتبية   |
| 82.       | 10. - اللبيب يأتى al. اللبيب                  | — *18.    | - Atabet, asperitas I. El-Ot-<br>biyet, tractatus <i>Otbí</i>        |
| 84.       | 7. - الشامى قال al. الشامى                    | 185.*18.  | - <i>Ibadi</i> al. <i>Obbádi</i>                                     |
| — 10.     | نبيه al. بينة                                 | 189.      | 6. - وعزى I. وعزى  |
| 95.       | 8. - فاوردت al. فاوردت                        | — *11.    | - qui — praeposuit I. qui librum<br><i>Zakariyae Caswini</i> tribuit |
| 97.       | 9. - قد نبهت al. فذهبت                        | 191.      | 5. - منها فى اولها حرف al. منها — الف<br>بلا الف                     |
| 105.      | 7. - ٩١٧ I. ٥١٧                               | 192.      | 8. - الفوائد al. للفوائد   |
| — 9.      | الرومى al. الرومى                             | 193.      | 5. - زيلعى al. زيلعى   |
| — *14.    | - 997 — 1588 I. 597 (inc. 12. Oct.<br>1200)   | 202.      | 4. - عن تبويضه al. تأليفه  |
| 109.      | 6. - الطيب al. الطيب                          | 210.      | 1. - الشريبنى al. الشريبنى   |
| 113.      | 3. - الثمانين al. الثمانين                    | 215.      | 10. - اعانى I. اعانى   |
| IV.       |   |           | ****   |

Pag. Lin.		Pag. Lin.	
218. 10.	غير. al. الحاشية عن pro	335. 9.	وغير. al. وكان pro
222. 8.	المتكلم. I. متكلم -	337. 1.	البيهة. I. الهيمة -
223. 2.	أوله. al. أول -	— 7.	منهاج. I. المنهاج -
232. 5.	والديانات. al. والربابات -	— 9.	تلامذة. I. تلامذته -
235. 8.	المجتاز. al. المختار -	— *2.	<i>Anwâr el-heiat</i> I. <i>El-Anwâr El-Behiyet</i>
— *15.	<i>Abd-el-ali</i> I. <i>Abd-el-ali</i>	— *21.	<i>Caffâl</i> , unus ex ejus discipulis I. unus ex discipulis <i>Caffâli</i>
240. 10.	الكمام. al. الكلام -	345. 2.	الظاهر. al. الظ -
254. 3.	ad Magos I. ad regem <i>Mâju</i>	346. *19.	Similitudo — sumta est I. Vox <i>Tetayyor</i> (malum augurium) sumta est a <i>Teir</i> (i. e. avibus)
267. 9.	العباسيين. I. العباسيين -	347. 1.	التطير. I. النظير -
272. 6.	الفرصى. al. الغرضى -	358. 2.	لم يتيسر. al. يتيسر -
280. 9.	استخدام. I. استخدم -	366. *14.	mortuus I. interfectus
289. 9.	رابعة. al. رابعة -	368. 4.	المتبول. al. المتبول -
296. 10.	وشروط. al. وشروح -	523. *4.	<i>Casidet</i> I. <i>Casida</i>
299. 5.	في تأريخ. I. تأريخ -		
304. 9.	الديبع. al. ابن الربيع -		
311. 7.	للشريف. I. لشريف -		
327. 8.	مسردا. al. موردا -		
334. 9.	الى كثر العين. al. الى العين -		

**HAJI KHALFAE**

**LEXICON**

**BIBLIOGRAPHICUM ET ENCYCLOPAEDICUM.**

**VOL. IV.**

---



THE UNIVERSITY OF CHICAGO  
LIBRARY

## باب الشين

٧٣٧٢ شارح الثقول لابي طاهر القزويني المتوفى سنة وهو كتاب نفيس مشتمل على اربعين  
مسئلة من مشكلات علم الكلام عقد لكل مسئلة بابا جمع فيه قول المتقدمين والمتأخرين  
ذكره الشعرائي في المتن ٧٣٧٣ الشارحة في تجويد الفاتحة نظمها الشيخ الصيرفي [عجمي  
5 ابن يوسف البغدادي الحنبلي المقتول شهيداً سنة ٩٥١] قافية ابياته سبع عشرة ٧٣٧٤ شارح  
النسابة في حجة الوداع لتقي الدين احمد بن علي المقرئ المتوفى سنة ٨٤٥ ذكره في كتابه  
المسمى بالذهب المسبوك ٧٣٧٥ شافية في التصريف لابي عمرو عثمان بن عمر المعروف بابن  
الحاجب النحوي المالكي المتوفى سنة ٩٤٩ وهو مقدمة مشهورة في هذا الفن كمقدمته  
المعروفة في النحو وله عليها شرح وقد ائتمى بشأنها جماعة من الشراح والمتداول من شروحها

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA SHÍN INCIPIUNT.

7372. Shárih el-cofúl, liber claustra laxans, auctore *Abu Túhir Cazwini*,  
anno . . . mortuo. Opus pretiosum quadraginta quaestiones de propositionibus  
metaphysicae difficilibus comprehendens, quibus singulis auctor singulare caput tribuit,  
ibique dicta majorum et recentiorum collegit. *Sha'rání* in textu ejus mentionem  
facit. — 7373. El-Shárihat fi tejwíd El-Fátihat, poema rectam et elegantem  
primae Suratae lectionem explicans et a Sheikh *Sarsari* [*Yahya Ben Yusuf Baghdádi* 5  
*Hanbalita*, qui anno 656 (inc. 8. Jan. 1258) mortem martyris subiit], compositum.  
Septendecim versus in *Cáf* desinentes. — 7374. Shári' el-neját, via effugii  
recta de peregrinatione valedictionis, auctore *Tacki-ed-dín Ahmed Ben Ali Macrizi*,  
anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuo, qui libri in opere *El-Dzeheb El-Mesbúk*  
inscripto mentionem facit. — 7375. Sháfiyet fi el-tesríf, institutio sanans de  
formarum flexione, auctore *Abu Amru Othmán Ben Omar* Malikita Grammatico,  
vulgo *Ibn-elhájib* dicto et anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuo. Isagoge in formarum  
declinationem non minus nota atque ejus isagoge in syntaxin. Idem commentarium  
in eam scripsit, et multi praeterea inter interpretes ejus curam habuerunt. Tritissimus

- شرح الفاضل احمد بن الحسن فخر الدين الجاربردى المتوفى سنة ٧٤١ أوله نعمدك يا من بيده الخير والجدود الخ قال لما كان مع صغر حجمه مشتتلا على فؤاد شريفة فلم يتوقف له شرح يذلل صعابه وأشار الى جمع من الفضلاء ان اكتب له شرحا ينحل به الفاظه حتى توسلوا بما لا يسعنى مخالفته وهو الوزير محمد بن الوزير على السوى فشرعت متوسطا بين الایجاز والاكثر وألف عز الدين محمد بن ابى بكر المعروف بابن جماعة حاشية على 5 شرح الجاربردى توفى سنة ١١٠١ اوله احمد الله على نعمائه الخ وحاشية اخرى ايضا ارلها نعمدك على ما صرفت الجنان باشرف طرف الجنان الخ سماه الدرر الكافية فى حل شرح الشافية ذكر فيه انه وجد نسخة الشارح وعليها هامشه منه وقد ترك تفصيل ماجملاته وتفسير مبهمات لغاية وضوحها عنده فأخذ بعينها وازاف الفؤاد الى المواضع التى تحتاج الى تنبيه وتحرير وايضاح وتقرير وعلى شرح الجاربردى حاشية للعلامة بدر الدين محمود بن احمد 10

- commentarius virum bene meritum *Ahmed Ben-elhasan Fakhr-ed-din Järperdi*, anno 746 (inc. 4. Mai. 1345) mortuum, auctorem habet, et ita incipit: Laudamus Te, in cujus manu bona sunt et beneficia etc. — Cum liber, inquit, quanquam exiguus est ambitu, praestantes res et ad discendum utiles complecteretur, neque commentarii, quibus ad ejus difficultates via complanaretur, in eum scriberentur, multique viri bene meriti, ut commentarium quo verba explicarentur scriberem, precibus me adirent virum mittentes, cujus preces repudiare non licitum erat, Wezirum scilicet *Mohammed filium Weziri Ali* 5 *Sáwi*, commentarium conficere incepti, qui neque nimis brevis neque nimis longus esset. Ad hunc commentarium *Izz-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr, Ibn Jemúa* dictus et anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) mortuus, glossas scripsit, quae ita incipiunt: Laudo Deum pro ejus beneficiis etc., itemque glossas alias, quae ita ordiuntur: Laudamus Te, quod obscuritatem cum augustissimis Paradisorum tractibus permutasti etc., et *El-Dorer El-Kúfiyet fi hall sharh El-Shúfiyet* inscriptae sunt. Exemplar interpretis invenisse se narrat, cui hic glossas marginales adscripsisset, ubi expositionem propositionum pressarum accuratiorem et dictionum suspensarum interpretationem praetermisisset propter summam earum, quae ei propria est, perspicuitatem. Itaque ad easdem se accinxit et adnotationes utiles ad eos locos adjecit, qui animadversione, 10 lima, expositione clariore et comprobatione egerent. Pariter ad commentarium *Järperdí* glossas ediderunt vir doctissimus *Bedr-ed-din Mahmúd Ben Ahmed Aini*,



العيني مات سنة 855 وللسيوطي حاشية على شرح الجاربردي المسمى بالطراز اللازودي ذكره في ثيوس مؤلفاته وشرح السيد عبد الله بن محمد الحسيني المعروف بنقرة كار المتوفى في حدود سنة 774 ذكر فيه أنه أنفه للامير الجامي من امرآء مصر اوله الحمد لله الذي على بجموده الخ وآلف نظام الدين حسن بن محمد النيسابوري الاعرج شرحًا ممزوجًا جامعًا 5 توفي سنة وجمال الدين عبد الله بن يوسف المعروف بابن هشام النحوي في مجلدين سماه عمدة الطالب في تحقيق تصريف ابن الحاجب توفي سنة 743 والسيد ركن الدين حسن ابن محمد الاسترآبادي صاحب المتوسط المتوفى سنة 717 والشيخ رضی الدين محمد بن الحسن الاسترآبادي النحوي المتوفى سنة وهو شرح جامع اوله أما بعد حمد الله تعالى على تولى نعمه الخ وتاج الدين ابو محمد احمد بن عبد انقادر بن مكتوم الحنفي المتوفى سنة 749 10 والشيخ زكرياء بن محمد الانصاري المصري المتوفى سنة [749] سماه منافع الكافية في شرح الشافية اوله الحمد لله الذي تفضل وتكرم الخ وهو شرح ممزوج وعلاء الدين علي بن محمد

anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus, et *Soyúti*, qui glossas *El-Tiráz El-Lázúredi* inscripsit et in suorum scriptorum indice commemoravit. — *Sháfíyam* praeterea commentati sunt Seyyid *Abdallah Ben Mohammed Hoseini Nucrehkár*, circa annum 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuus, qui in favorem Emiri Aegyptii *Jámi* se scripsisse dicit et ita orsus est: Laus Deo, qui beneficiorum abundantia eminet etc. — *Nítzám-ed-dín Hasan Ben Mohammed Nisábúri El-Araj*, anno ... mortuus, cujus 5 commentarius textum admixtum habet et universalis est etc. — *Jemál-ed-dín Abdallah Ben Yusuf Grammaticus*, vulgo *Ibn Hishám* dictus et anno 762 (inc. 11. Nov. 1360) mortuus, cujus commentarius duobus voluminibus comprehensus *Omdet el-tálib fi tahckíc Tesrif. Ibn - elhájib* inscriptus est — Seyyid *Rokn - ed - dín Hasan Ben Mohammed Asterábádi*, libri *Motewassit* auctor anno 717 (inc. 16. Mart. 1317) mortuus — Sheikh *Redhí-ed-dín Mohammed Ben-elhasan Asterábádi Grammaticus*, anno ... mortuus, cujus commentarius universalis est et ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus Excelsus pro continua beneficiorum distributione etc. — *Táj-ed-dín Abu Mohammed Ahmed Ben Abd-el-cádir Ben Mektúm Hanéfita*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus — Sheikh *Zakariyá Ben Mohammed Ansári* 10 *Misri*, anno [926 (inc. 23. Dec. 1519)] mortuus, cujus commentarius, *Menáhij el-káfíyet fi sharh El-Sháfíyet* inscriptus, ita incipit: Laus Deo, qui beneficus et liberalis est etc., et textum admixtum habet — *Alá-ed-dín Ali Ben Mohammed*,

المعروف بقوشجى شرحاً فارسياً توفي سنة واحد بن محمد المعروف بابن الملا جلى توفى  
 سنة ثلث والـف وشرحه المولى سـودى بالتركى توفى فى حدود سنة الف ونظمه ابراهيم بن  
 حسام الكرميانى المتخلص بشريفى المتوفى سنة 1.14 تآبىة نظيرة لتآبىة العجبترى ثم شرحها  
 وسماه القوائد انجلبيلة ونظم الشيخ ابو النجاء ابن خلف آلفه فى سنة ٨٤٦ ويوسف بن عبد  
 الملك وسماه الصافية وكان فى حدود سنة ٨٤٠ وترجمة الشافية بالتركية نقورد افندى وليعقوب 5  
 ابن عبد اللطيف للوزير محمد باشا ومن شروحه شرح معزج نقره سنان المسمى بالصافية  
 وهو سيل المآخذ وهو صاحب المضبوط فى شرح المقصود على ما ذكر فى شرح قوله الزاجر  
 بقوله وقد ذكرنا المخارج فى الصافية شرح الشافية وللشافية شرح بالقول للمولى عصام الدين  
 الاسفرائنى المتوفى سنة ٩٤٣ ٧٣٧٦ الشافية فى العروتى قصيدة مشتملة على ستمائة بيت للمولى  
 احمد بن اسمعيل الكورانى نظمها للسلطان محمد خان ومات سنة ٩١٣ اولها 10

vulgo *Cushji* dictus et anno ... mortuus, cujus commentarius persice scriptus est —  
*Ahmed Ben Mohammed*, vulgo *Ibn-elmollá Jelebí* dictus et anno 1003 (inc. 6. Sept.  
 1594) mortuus — *Molla Sudi*, circa annum 1000 (inc. 9. Oct. 1591) mortuus, qui  
 turcice scripsit. — *Metrice eam reddiderunt Ibráhim Ben Hosám Kermiyáni, Sherífi*  
 cognominatus et anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus, qui poema in *Tá* desinens  
 et carmini a *Jebteri* edito simile postea commentatus est, et commentarium *El-Fecáid*  
*El-Jelílet* inscripsit — *Sheikh Abu'lnejá Ibn Khalaf*, qui anno 849 (inc. 9. Apr.  
 5 1449) scripsit — *Yusuf Ben Abd-el-melik*, qui circa annum 840 (inc. 16. Jul. 1436)  
 vixit, et metricam paraphrasin *Sáfiyet* inscripsit. — *Shúfiyam* in linguam turcicam  
 converterunt *Curd Efendi* et *Yacúb Ben Abd-el-latif*, qui in favorem *Weziri*  
*Mohammed Pasha* transtulit. Denique commentarios in eam ediderunt *Carah Sinán*,  
 commentarii in *Macsúd El-Madhbút* inscripti auctor, cujus commentarius *Sáfiyet*  
 inscriptus, ut in commentario dicti sui prophetici verbis his indicat: „Commemoravimus  
 organa pronounciationis in commentario in *Shúfiyam Safiyá* dicto“, textum admixtum  
 habet et captu facilis est, et *Molla Isám-ed-din Isferúini*, anno 943 (inc. 20. Jun.  
 1536) mortuus, cujus commentarius nonnisi verba auctoris exposita adjecta habet. —  
 7376. *El-Sháfiyet fi el-arúdh*, institutio sufficiens artis metricae. *Casída*  
 10 sexcentos versus continens, quam *Molla Ahmed Ben Ismail Kuráni*, anno 893 (inc.  
 17. Dec. 1487) mortuus, Sultano *Mohammed Khán* composuit. Incipit ita:



بمحمد اله الخلف ذى الطول والبر

- ٧٣٧٧ شافى العبي على مسند الشافى للسيوطى يأتى ٧٣٧٨ شافى العمى من كلام الشافى  
 للعلامة ابى القاسم محمود بن عمر الزمخشري المتوفى سنة ٥٣٨ ٧٣٧٦ شافى فى اختيار الكافى  
 للشيخ ابى البقاء محمد بن احمد الضياء المكى مات سنة ٨٥٤ ٧٣٨٠ شافى فى الحديث لانى  
 5 بكر غلام الخلال ٧٣٨١ شافى فى شرح اصول البيرونى مرّ وشرحها ابراهيم بن احمد الملا جلى  
 المتوفى بعد سنة ١٠٠٠ وصل فيه الى الخط سبناه الحسن الكافية من تقيد حدّ الشافية مجلد  
 ٧٣٨٢ شافى فى شرح الشامل يأتى قريبا وفى شرح مختصر المزنى يأتى ايضا وفى شرح مسند  
 الشافى يأتى فى الميم ٧٣٨٣ شافى فى الطب لابن الملك ولابن القف [يعقوب بن اسحق  
 الحكيم المتوفى سنة ٩٨٥] المذكور فى جامع الغرض وكان من نصارى الكرك ٧٣٨٤ شافى  
 10 فى علم القوائى لابى القاسم على بن جعفر [السعدى الصقلى] المعروف بابن القطاع

A laude Dei creaturarum, potentia et justitia praediti —

7377. Sháfi el-ayi, medicus blaesum curans ad librum *Mosnad* a Sháfi editum, auctore Soyúti. Vide infra. — 7378. Sháfi el-amá, medicus caecitatem animi a sermone Sháfi depellens, auctore viro doctissimo *Abu'l-cásim Mahmúd Ben Omar Zamakhsheri*, anno 538 (inc. 16. Jul. 1143) mortuo. — 7379. Sháfi fi ikhtiyár el-káfi, liber sanans de eo quod sufficit eligendo, auctore Sheikh *Abu'l-beccá Mohammed Ben Ahmed Dhiyá-ed-din Mekki*, anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuo. — 7380. Sháfi fi el-hadíth, institutio sanans rei traditionariae, auctore *Abu Bekr Gholúm El-Khallál*. — 7381. El-Sháfi, institutio sanans. Commen- 5 tarius in librum *Osúl* a *Pezdewi* editum, de quo supra videatur. In eundem *Ibráhim Ben Ahmed Molla Jelebi*, post annum 1020 (inc. 6. Mart. 1611) mortuus, commentarium *El-Hasanet El-Káfiyet men tacayyad hall El-Sháfiyet* inscriptum edidit. Volumen, ubi usque ad caput de scriptura pervenit. — 7382. El-Sháfi fi sharh El-Shámil, institutio sanans. Hoc titulo innotuerunt commentarii in *El-Shámil*, de quo mox dicetur, et in *Mokhtasar* a *Muzeni* editum, de quo infra dicetur, et in *Mosnad* a *Sháfi* compositum, de quo in litera *Mim* dicetur. — 7383. Sháfi fi el-tibb, institutio sanans de re medica, auctoribus *Ibn-elmulk* et [Yacúb Ben Is'hac Medico, vulgo] *Ibn-elcoff* dicto et supra in *Jámi' el-gharadh* commemorato. [Obiit anno 685 (inc. 27. Febr. 1286)], et Christianus fuit castelli *Kerek*. — 7384. El-Sháfi fi ilm el-cawáfi, institutio sanans de doctrina 10 homoeoteleutorum, auctore *Abu'l-cásim Ali Ben Jafar* [*Sadi Sickilli*], vulgo *Ibn-*



المتوفى سنة [١٥٥] ٧٣٨٥ شافى فى علم العروض والقوافى للشيخ تقى الدين حسين بن على  
 الحصى الفه فى سنة ٩٥٦ ٧٣٨٦ شافى فى فروع الحنقىة لعبد الله بن محمود شمس الانمة  
 ابن اسمعيل بن رشيد الدين محمود بن محمد الكردي اوله الحمد لله رب العالمين انج  
 ذكر انه لما فرغ من الخطوط التى تميز مسائل الكافى اراد ان يجمعها ورسها بالشافى فراد  
 ان يكتب علامة الخلاف فى الكنز والواقى فيما كان الخلاف بين امامين فقط ٧٣٨٧ شافى فى 5  
 فروع الشافعية لافى العباس احمد بن محمد للرجانى الشافى المتوفى سنة ٤٨٣ وهو كتاب كبير  
 فى اربع مجلدات قليل الوجود بين الشافعية كذا فى طبقات من طبقاتهم ٧٣٨٨ شافى فى القرائت لافى  
 محمد اسمعيل بن احمد المعروف بابن القرات السرخسى المتوفى سنة ٤١٤ وليونس بن محمد الراوندى

علم الشامات والخيالان ٧٣٨٩

٧٣٩٠ شامل التفاسير ٧٣٩١ شامل فى الاصول جمع فيه منتخب المنار والمغنى ثم شرحه 10

*elcattá'* dicto et anno [515 (inc. 22. Mart. 1121)] mortuo. — 7385. *El-Sháfi fi ilm el-arúdh we el-cawáfi*, institutio sanans de arte metrica et doctrina homoeoteleutorum, auctore Sheikh *Tacki-ed-dín Hosein Ben Ali Hisni*, qui anno 956 (inc. 30. Jan. 1549) composuit. — 7386. *El-Sháfi fi forú' El-Hanefíyet*, institutio sanans de articulis juris Hanefitici secundariis, auctore *Abdallah Ben Mahmúd Shems-elaimmet Ben Ismail Ben Reshid-ed-dín Mahmúd Ben Mohammed Kerderi*. Incipit ita: Laus Deo, mundorum domino etc., et se, cum lineas perfecisset, quae quaestiones libri *Káfi* distinguerent, has dicit colligere voluisse. Eas nomine 5 *El-Sháfi* designavit ita, ut controversiam in operibus *Konz* et *Wáfi* significare vellet eam tantummodo, quae inter utrumque Imamum *Abu Hanifa* et *Sháfi* esset. — 7387. *El-Sháfi fi forú' El-Sháfiyet*, institutio sanans de articulis juris Shafitici secundariis, auctore *Abu'abbás Ahmed Ben Mohammed Jorjáni* Shafita, anno 482 (inc. 16. Mart. 1089) mortuo. Magnus liber quatuor voluminum inter Sháfitas inventu difficilis. Ita in Classibus a sectae Sháfiticae asseclis editis legitur. — 7388. *El-Sháfi fi el-ckiraát*, institutio sanans de Corani recensionibus, auctoribus *Abu Mohammed Ismail Ben Ahmed Serakhsi*, vulgo *Ibn-elforát* dicto et anno 414 (inc. 26. Mart. 1023) mortuo, et *Yunos Ben Mohammed Ráwendi*.

7389. *Ilm el-shámát we el-khílán*. Doctrina variorum naevorum.

10 7390. *Shámil el-tefásír*, liber universalis commentariorum coranicorum. —  
 7391. *Shámil fi el-osúl*, liber universalis de principiis religionis. Auctor hic

بالقول وسمّاه الكامل سنة ٧٠٠ اول الشرح الحمد لله الذى نور قلوب العارفين بنور عدايته  
 الخ ٧٣٩٣ شامل فى اصول الدين الملقب بالكلام خمس مجلّدات لامام الحرمين عبد الملك  
 ابن عبد الله الجوينى المتوفى سنة ٤٧٨ ٧٣٩٣ شامل فى البحر الكامل فى العزائم للشيخ  
 الامام فخر الخطباء السيد ابى الفضل محمد بن احمد الطيبى [المتوفى سنة ٤٨٣] مجلّد على ثلثة وثلثين  
 5 بابا اوله الحمد لله الفاطر الخ ذكر انه سأل بعض الامراء ان يصنّفه مما يعتمده ويعول عليه  
 فآلف وسمّاه نزهة الآفاق يوم اجتماع الامة والتلاى مجلّد فاقبل الناس عليه وتلقوه بالقبول  
 حتى يرغب فيه الشيخ الامام ابو البركات عبد الله بن محمد ابن الفصل الصاعدى الفراءى  
 تتبع جميع تعليقاته ومحفوظاته فكتيبا ثانيا كتابا حافظا وسمّاه شامل من البحر الكامل فى  
 درر التامل فى اصول التعزيم وقواعد التنجيم ٧٣٩٤ شامل فى تذيب الذوات الانسانية  
 10 للشيخ عبد الخالق ابن ابى القاسم المصرى المتوفى سنة وهو رسالة على اربعة

meliora librorum *Menár* et *Moghui* selecta collegit, eaque serius ita commentatus est, ut exposita tantum textus verba adderet. Commentarius, qui *Kámil* inscriptus est, et anno 760 (inc. 3. Dec. 1358) compositus est, incipit ita: Laus Deo, qui corda spiritalium lumine religionis suae recte ducentis illuminavit etc. — 7392. El-Shámil fi osúl-ed-dín, liber universalis de doctrina principiorum religionis, quae metaphysica (*kelám*) cognominatur. Quinque volumina, auctore *Imám el-haramein Abd-el-melik Ben Abdallah Joweini*, anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. — 7393. El-Shámil fi el-bahr el-kámil, liber universalis mare perfectum de incantamentis continens, auctore Sheikh et Imám Gloria concionatorum Seyyid *Abu'fadhl Mohammed Ben Ahmed Tabibi*, [anno 482 (inc. 16. Mart. 1089) mortuo]. Volumen in triginta tria capita dispositum, quod ita incipit: Laus Deo creatori etc. 5 Auctor ab Emiro quodam ad ea componenda se excitatum esse narrat, in quibus fides et auctoritas ponenda esset. Volumen inde enatum et *Nuzhet el-afúc yaum ijtímá' el-ommet we el-telúc* inscriptum ab hominibus benigne exceptum bonique factum est, ut Sheikh et Imám *Abu'berakát Abdallah Ben Mohammed Ibn-elfadhl Sáidi Foráwi* ibi omnes ejus glossas et ea persequeretur, quae memoria teneret. Itaque alterum composuit librum copiosum *Shamil* inscriptum i. e. librum universalem e mari perfecto de 'margaritis considerationis subtilioris petitem, ubi incantationis principia et leges astrologiae fundamentales tractantur. — 7394. El-Shámil fi teh dzíb el-dzewát el-insáníyet, liber universalis de substantiis homini propriis bene componendis, auctore Sheikh *Abd-el-khálic Ibn Abi'lcásim Misri*, anno ... 10



- اطوار في التصوف ٧٣٦٥ شامل في الجبر والمقابلة لابي كامل سماع بن اسلم وله شروح  
احسنيا شرح القرشي ٧٣٦٦ شامل في الطب لابي سعيد بن ابي مسلم بن ابي الخير الملقب  
بغياث الغيب اوله للامد لله الفاطر البديع العلام الخ جعله على قسمين قسم في حفظ الصحة  
وقسم في كليات الطب وجزئياته وفيه مقدمة وست مقالات وتاريخ تحريره سنة ٧٣٦٧ - ٧٣٦٧ شامل  
5 في الطب للشيخ علاء الدين علي بن ابي الحزم القرشي ابن النفيس الطبيب المصري صاحب  
الموجز المتوفى سنة ٦٨٧ قيل لو تم لكان ثلثمائة مجلدة [تم منه ثمانون مجلدة]  
٧٣٦٨ شامل في علم الحرف للسكاكي ٧٣٦٦ شامل في فروع الحنفية لابي القاسم اسمعيل  
ابن الحسين البيهقي الحنفي قال صاحب الجواهر جمع فيه مسائل وتناوى تتضمن كتاب المبسوط  
والزيادات وهو كتاب مفيد رأيت في مجلدين انتهى ولم يؤرخ وقيل انه شرح لكتابه الجرد

- mortuo. — Tractatus in quatuor *Atuár* (vices) divisus de Theosophia. — 7395. El-Shámil fi el-jehr we el-mocábelet, liber universalis de reductione per aequationem, auctore *Abu Kámil Semm' Ben Aslem*. Inter commentarios in hunc librum scriptos optimus est ille, quem *Coreshi* composuit. — 7396. El-Shámil fi el-tibb, liber universalis de medicina, auctore *Abu Saíd Ben Abi Moslim Ben Abil'kheir*, honoris caussa *Ghiyáth el-gheib* cognominato. Incipit ita: Laus Deo creatori, conditori scientissimo etc., et in duas partes divisus est, quarum prior de sanitate conservanda, alterior de praeceptis medicinae universalibus et particularibus agit. Continet praefationem et sex dissertationes, et anno 736 (inc. 21. Aug. 1335) nitide exscriptus est, ut ad finem indicatur. — 7397. El-Shámil fi el-tibb, liber universalis de medicina a Sheikh *Alá-ed-dín Ali Ben Abil'hazm Coreshi Ibn-elnefis Misri* Medico editus, qui libri *Mujiz* auctor est et anno 687 (inc. 6. Febr. 1188) obiit. Si ad finem opus perductum esset, trecenta volumina comprehensurum fuisse dicitur. [Octoginta tantum absoluta sunt]. — 7398. El-Shámil fi ilm el-harf, liber universalis de doctrina virtutis literarum arcae, auctore *Sekkúki*. — 7399. El-Shámil fi forú' El-Hanefíyet, liber universalis de articulis juris Hanefitici secundariis, auctore *Abul'cásim Ismail Ben-elhosein Beihacki* Hanefita. Collegit hic, testante libri *Jeváhir* auctore, quaestiones et responsa juridica, quae argumentum librorum *Mebút* et *Ziyádát* complectuntur. Liber utilis est, quem in duobus voluminibus vidi. — Haec ille. — Tempus quo scriptus est non significatur, et, salva Dei meliore scientia, commentarius in ejus librum *Mojerred*, cujus infra



والله سبحانه وتعالى اعلم وسيأتي ولائى حفص سراج الدين عمر بن اسحق الغزنوى اليندى  
الحنفى شامل ايضا فيه توفى سنة ١١٣ وهو فروع مكيّرة ٧٤٠ شامل فى فروع الشافعية لائى  
نصر عبد السيد بن محمد المعروف بابن الصباغ الشافعى المتوفى سنة ٤٧٧ قال ابن خلكان  
وهو من اجود كتب الشافعية واحتميا نقلًا وله شرح وتعليقات منيا للامام ابى بكر محمد بن  
٥ احمد البغدادى الشافعى المتوفى سنة ٥٠٧ فى عشرين مجلدًا سماه الشافى وكان بقى من اكمله  
نحو الخمس هذا فى سنة ٤٩٤ وعثمان بن عبد الملك الكردى المتوفى سنة ٧٣٨ وابن خطيب  
[فخر الدين عثمان بن على] الجبيري الحلبى المتوفى سنة ٧٣٩ شامل فى فروع المانكية  
لبيرام بن عبد الله [الدميرى المالكى] المتوفى سنة ٨٥٠ شامل فى القرآت لائى بكر  
١٠ احمد بن الحسين ابن ميران النيسابورى المقرئ المتوفى سنة ٣٨٠ وهو كتاب كبير ٧٤٣ شامل  
لابى الفضل محمد بن ابى جعفر [المنذرى] البيروى مات سنة ٣٢١ ٧٤٤ شاهان فى

mentio fiet, esse dicitur. — Praeterea *Abu Hafis Siráj-ed-din Omar Ben Is'hac Ghaznevi Hindi* Hanefita, anno 773 (inc. 15. Jul. 1371) mortuus, librum edidit *Shámil* inscriptum, qui continet extracta capita juris secundaria. — 7400. *El-Shámil fi forú' El-Shafiíyet*, liber universalis de partibus juris Shafiitici secundariis, auctore *Abu Nasr Abd-el-seyyid Ben Mohammed Shafiita*, vulgo *Ibn-elsabbágh* dicto et anno 477 (inc. 10. Mai. 1084) mortuo. *Ibn Khallikán* hunc librum optimum dicit inter libros Shafitarum et verissimis testimoniis nixum. Plures commentarios et glossas in eum scripserunt, ut *Imám Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Baghdádi Sháshi*, anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortuus, cujus commentarius *El-Sháfi* inscriptus. viginti volumina complectitur, et tamen pars circiter quinta totius operis ut perfectus esset anno quidem 494 (inc. 6. Nov. 1100) defecerat — *Othmán Ben Abdel-melik Kurdi*, anno 738 (inc. 30. Jul. 1337) mortuus — et *Ibn Khatib [Fakhr-ed-din Othmán Ben Ali] Jebrini Halebi*, anno 739 (inc. 20. Jul. 1338) mortuus. — 7401. *El-Shámil fi forú' El-Málikíyet*, liber universalis de articulis juris Malikitici secundariis, auctore *Behrám Ben Abdallah [Demiri Malikita]*, anno 805 (inc. 1. Aug. 1402) mortuo. — 7402. *El-Shámil fi el-ckiráát*, liber universalis de recensionibus coranicis, auctore *Abu Bekr Ahmed Ben-elhosein Ibn Mihrán Nísáburi* Corani Lectore, anno 381 (inc. 20. Mart. 991) mortuo. Liber magnus. — 7403. *El-Shámil*, liber universalis, auctore *Abu'lfadhl Mohammed Ben Abi Jáfar 10 [Mondziri] Herewi*, anno 329 (inc. 6. Oct. 940) mortuo. — 7404. *Sháhán*, liber

- الفروع من متعلقات الهداية ٧٤٥ شاعرخ نامه فارسی منظوم لميرزا قاسم وهو ايضا من شعراء العجم نظمه لشاه اسمعيل وصدره باسمه ٧٤٦ شاه كدا تركى منظوم لبيحبي بيك شاعر من شعراء الروم وهو من خمسته توفي سنة منيا في الزبدة سبع ابيات ٧٤٧ شاه نامه فارسی منظوم مشهور لابي القاسم حسن بن محمد الطوسي المتوفى سنة [٤١٩] المتخلص بفردوسی قال فيه لم اترك مما طالعت من اخبار ملوك العجم حديثا الا نظمته وها انا 5 بعد خمس وستين سنة انقضتيا من عمري حتى شيخت في نظم هذا الكتاب في مدة ثلثين سنة اخرها سنة اربع وثمانين وثلثمائة وهو مشتمل على ستين الف بيت وجعلته تذكرة للسلطان ابي القاسم محمود بن سبكتكين انتهي وقد نقله الفتح بن علي البنداري الاصفهاني المتوفى سنة الى العربي نثرا للملك المعظم عيسى بن العادل ابي بكر الابوي واتم نسخته في سنة ٩٧٥ ونظم مجيد الدين البابري النسائي في وقعة الخوارزمشاعية ايضا 10 ٧٤٨ شاه نامه لفردوسی الطويل من شعراء الروم كتبه في ثلثمائة وثلثين مجلدا بالتركي

- regius de partibus juris secundariis. Glossae ad opus *Hidāyet*. — 7405. *Sháhrokhnámeh*, liber *Sháhrokhi*. Poema persicum a *Mírza Cásim* Persarum poeta *Sháho Ismail* conditum, cujus nomine praefationem ornavit. — 7406. *Sháh Keda*, *Sháh* et mendicus. Poema turcicum, a *Yahya Beig* poeta Rumaeo, anno ... mortuo, compositum et ad carminum quinionem (*Khamse*) pertinens. Septem ejus versus in *El-Zubdet* leguntur. — 7407. *Sháh-námeh*, liber regius. Poema persicum celebratum, auctore *Abu'lcásim Hasan Ben Mohammed Tusi*, *Firdúsi* cognominato 5 et anno [416 (inc. 4. Mart. 1025)] mortuo, qui: Nullam, ait, traditionem in historiis veterum Persiae principum lectam praetermisi, quin carmini insererem. Nunc plus sexaginta quinque annos natus meliorem vitae partem consumsi, ut in hoc carmine condendo in quod triginta annos impendi consenescerem, quorum ultimus annus trecentessimus octogesimus quartus (inc. 15. Febr. 994) est. Continet carmen sexaginta milia versuum et librum memorialem Sultani *Abu'lcásim Mahmúd Ben Subuktekín* esse volui. — Hactenus *Firdusi*. — *Fal'h Ben Ali Bondári Isfaháni*, anno ... mortuus, carmen in favorem *El-Meliki El-Moat-tzem Isa Ben-elúdil Abu Bekr* 10 *Eyyúbi* soluta oratione in linguam arabicam convertit et exemplar anno 675 (inc. 7. Jul. 1274) absolvit. — *Majd-ed-dín Báberi Nesáyi* simile carmen de rebus gestis *Khovarezsháhorum* composuit. — 7408. *Sháh-námeh*, liber regius, auctore *Firdusi* Longo poeta Rumaeo, qui eum in trecentis triginta voluminibus turcice



ولمّا عرضه على السلطان بايزيد خان امر بانتخاب ثمانين منها واحراق ما عداه فتلقّ المؤلف  
منه وترك بلاد الروم وذهب الى خراسان كذا في تذكرة الشعراء ولشهودى تركى ايضا في اربعة  
آلاف بيت ونظم الماحرمى ايما وتوفى سنة ٩٤٣ منها في الزبدة ستة وثلاثون بيتا ولعارفى  
نظم للسلطان سليم بن بايزيد خان اوله

خدایا خداوند هستی تویی 5

نكهدار وبالا وپستی تویی

v٤.٩ شاه نامه لقاسمى كونابادى منظومة اوله

خداوند بيدچون خدایى تراست

نظم فيه وقانع شاه اسمعيل واعداه الى شاه طيماسب وجعلها نظيرة لتيمور نامه للهاتفى  
v٤.١٠ شاه نامه القديم لاني على محمد بن احمد البلخى الشاعر ذكره ابو الريحان في آثار  
الباقية زعم انه صحح اخباره من كتاب سير الملوك الذى لعبد الله بن المقفع والذى لمحمد

composuit. Quem cum Sultano *Bayezid Khán* obtulisset, meliora hic in octoginta volumina seligi et contrahi et numerum voluminum reliquum igne deleri jussit. Auctor magno inde dolore affectus terris Rumeliae relictis in Chorasnam se contulit, ut in opere *Tedzkiret el-shoarâ* legitur. Simile poema turcicum *Shohúdi* confecit quatuor milia versuum complectens, itemque *Moharremi* anno 943 (inc. 20. Jun. 1536) mortuus, e cujus carmine in *El-Zubdet* triginta sex versus leguntur. Denique *Arifi* Sultano *Selím Ben Bayezid Khán* carmen composuit, quod ita incipit:

O Deus Excelse, creaturarum dominus es Tu, 5  
Conservator rerum superiorum et inferiorum es Tu.

7409. *Sháh-námeh*, liber regius, auctore *Cásimi Kunábádi*. Carmen, quod ita incipit:

O domine incomparabilis, divinitas Tibi est.

Metrice hic res gestas *Sháhi Ismail* celebravit, carmenque, quo *Timur-námeh* ab *Hátifi* compositum imitatus est, *Sháho Tahmús* dedicavit. — 7410. *Sháh-námeh* 10 *el-cadím*, liber regius vetus, auctore *Abu Ali Mohammed Ben Ahmed Balkhi* Poeta. *Abu'reihán* eum in *El-Athár El-Báckiyet* commemorat, et auctorem historias e libris *Siyer el-molúk* correxisse autumat, quos *Abdallah Ben-elmocaffá*, *Mohammed*



ابن الحجيم البرمكي والذى لهشام بن القاسم والذى لبيرام بن مروانشاه مؤيد مدينة شابور  
والذى لبيرام بن ميرام الاصفهاني ثم قابل ذلك بما اورد بهرام البروى الجوسى ٧١١١ شاه  
ودرويش ويقال له ايضا كوى وجوكان لهلالى شاعر من بلدة استراباد وكتابه هذا فارسى  
منظوم اوله

5 اى وجود تو اصل هر موجود

وقد ترجمه للحمدي بالتركية ٧١١٢ شاحد ومعنى تركى منظوم للمولى محمد بن عبد العزيز  
المتخلص بوجودى المتوفى سنة ١٠١٢ نظمه فى سنة اثنتى عشرة والف ٧١١٣ شهبستان خييال  
فارسى مولانا يحيى [شيبك] الشاعر الماهر المعروف بفتاحى النيسابورى المتوفى سنة ١٠٥٢ وقد  
شرحه السرورى بالتركى مات سنة ٩١٩ ٧١١٤ شهبستان يوسفى منظوم عربى وتركى اوله

10 يا بديع الصنع بالصنع المنيع

٧١١٥ شتر نامه فارسى منظوم للشيخ فريد الدين محمد بن ابراهيم بن مصطفى بن شعبان

*Ben-eljahm Bermekida, Hishâm Ben-elcâsim, Behrâm Ben Merwânshâh, Mowayyed*  
(protector) urbis *Shâbûr*, *Behrâm Ben Mehrâm Isfahâni* ediderunt. Tum haec cum  
iis contulit, quae *Behrâm Herewi* Magus narraverat. — 7411. *Shâh we Derwîsh*,  
*Shâh et Derwîsh*. Idem carmen titulum habet *Kui we Jewkân* i. e. „Pila et Clava“,  
ejusque auctor est *Hilâli* poeta ex urbe *Asterâbâd* ortus. Carmen persicum, quod  
ita incipit:

5 O Tu, cujus existèntia causa prima omnium rerum existèntium est.

et ab *Hamdi* in linguam turcicam conversum est. — 7412. *Shâhid we Mani*,  
formosus et sollicitus. Carmen turcicum, quod *Molla Mohammed Ben Abd-el-azîz*,  
*Wojûdi* cognominatus et anno 1021 (inc. 23. Febr. 1612) mortuus, anno 1012 (inc.  
1. Jun. 1603) composuit. — 7413. *Shebistân khiyâl*, cubiculum phantasiae.  
Poema persicum a *Molla nostro Yahya [Shibek] Nisâbûri* poeta egregio, vulgo  
*Fettâhi* dicto et anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo, compositum, in quod *Sorârî*,  
anno 969 (inc. 11. Sept. 1561) mortuus, commentarium turcicum composuit. —  
7414. *Shebistân Yusufi*, cubiculum Josephi. Carmen arabicum et turcicum,  
quod ita incipit:

10 O Tu, qui artificia arte difficili creasti.

7415. *Shutur-nâmeh*, liber cameli. Poema persicum a *Sheikh Ferîd-ed-din*  
*Mohammed Ben Ibrâhim Ben Mustafa Ben Sha'ban Attâr Hemdâni* compositum, qui

- العطار الهمداني المتوفى سنة ٤٣٧ وقيل سنة اثنتين وثلاثين وقيل سنة تسع عشرة ٧٤١٩ الشجرة الذهب في معرفة أئمة الادب لعلي بن فضال المجاشعي القيرواني المتوفى سنة ٤٧١ ٧٤١٧ شجرة آل عباس لابي المنذر علي بن الحسين [بن طريف] النسابة الكوفي المتوفى سنة ٧١٨ ٧٤١٨ شجرة في الانساب لمحمد بن رضوان المتوفى سنة ٦٥٧ ٧٤١٩ شجرة المعارف للشيخ عز الدين عبد العزيز بن عبد السلام الدمشقي المتوفى سنة ٦٩٠ ٧٤٢٠ شجرة رثمة في الاحكام فارسى لعليشاه بن محمد الخوارزمي المعروف بالعلاء البخاري آفة لشمس الدين محمد بن صدر الدين مباركشاه ٧٤٢١ [شجرة الالوية لشمس الدين محمد الشيرزوري وعى كتاب لطيف مشتمل على خمس رسائل الاولى في المقدمة وتقسيم العلوم الثانية في المنطق تصورا وتصديقا الثالثة في علم الاخلاق الرابعة في علم الطبيعى الخامسة في علم الالهي وقد حقق 10 في كل غاية التحقيق] ٧٤٢٢ شجون المسجون للشيخ محبي الدين محمد بن علي المعروف

anno 627 (inc. 20. Nov. 1229), sive anno 632 (inc. 26. Sept. 1234), sive anno 619 (inc. 15. Febr. 1222) mortuus est. — 7416. El-Shejeret El-Dzeheb, arbor aurea de cognitione Imamorum literarum studiosorum, auctore *Ali Ben Fedhdhál Mejáshai Cairawáni*, anno 479 (inc. 18. Apr. 1086) mortuo. — 7417. Shejeret ál Abbás, stemma Abbasidarum, auctore *Abu'lmondzir Ali Ben-elhosein [Ben Tarif] Kufi*, genealogiarum cognitore anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. — 7418. Shejeret fi el-ansáb, stemma genealogicum, auctore *Mohammed Ben Ridhwán*, anno 657 (inc. 29. Dec. 1258) mortuo. — 7419. Shejeret el-meárif, arbor cognitionum, auctore Sheikh *Izz-ed-dín Abd-el-azíz Ben Abd-el-selám 5 Dimeshki*, anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortuo. — 7420. Shejeret we Thamret, arbor et fructus de statutis practicis. Opus persicum, quod *Alísháh Ben Mohammed Khowarezmi Bokhári*, vulgo *Alá-ed-dín* dictus, *Shems-ed-dino Mohammed Ben Sadr-ed-dín Mobáreksháh* composuit. — 7421. [El-Shejeret El-Ale-híyet, arbor metaphysicae, auctore *Shems-ed-dín Mohammed Shehrezúri*. Liber facetus, quinque tractatus continens, quorum primus prolegomena et doctrinarum divisionem continet, secundus de logica speculativa et persuasibili agit, tertius de doctrina morum, quartus de physica, quintus de metaphysica; in quibus rebus demonstrandis summam probavit cognitionem]. — 7422. Shojún el-mesjún, 10 angores carcere inclusi, auctore Sheikh *Mohyi-ed-dín Mohammed Ben Ali*, vulgo



- بابن عربى المتوفى سنة [٦٣٨] ٧٤٣ شذّ الاثواب في سدّ الابواب في المسجد النبوى لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ذكره في حاويه تمامًا ٧٤٤ شذّ الازار المعروف بهزار مزار لمعين الدين ابى القاسم جنيد العمري الشيرازى استمدّ منه صاحب دستور الزائرین ٧٤٥ شذّ الرجال في ضبط الرجال للسيوطى ذكره في فهرس مؤلفاته فيما يتعلّق بقنّ الحديث ٧٤٦ شذّ السالك الى الملك المالك للشيخ ابى الحسن محمد البكرى المصرى المتوفى سنة 5 نيف وخمسين وتسعمائة وعى وصية عامّة مختصرة في ورقة كتبها في ثالث صفر سنة ٩٣٣ ٧٤٧ شذّ المطية للفصل بين غياث وعطية لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ٧٤٨ شذّا في مسألة كذا للشيخ اثير الدين ابى حيان محمد بن يوسف الاندلسى المتوفى سنة ٧٤٥ ٧٤٩ شذّا الفياح من علوم ابن الصلاح للشيخ برهان الدين ابراهيم بن موسى الانباسى المتوفى سنة ٨٠٢ فخص من كلامه وكلام غيره وضمّ الى ذلك فوائد حديثية ومهمات فقهية ذكر اولًا 10

- Ibn Arabi dicto et anno [638 (inc. 23. Jul. 1240)] mortuo.* — 7423. Shadd el-athwáb, cinctus vestium, de portis templi prophetici ocludendis, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Libellum suo *Háwi* integrum inseruit. — 7424. Shadd el-izár, cinctus tegumenti. Liber vulgo *Hezár Mezár* i. e. „mille sepulcra“ dictus, auctore *Moin-ed-din Abu'l-cásim Joneid Omari Shirázi*. Multa inde petiit auctor libri *Dostúr el-záirin*. — 7425. Shadd el-rahhálf in dhabt el-rijál, cinctus huc illuc iter facientis de nominibus traditionariorum recte scribendis, auctore *Soyúti*. Commemorat tractatum in ea indicis librorum parte, ubi 5 scripta recenset, quae doctrinam traditionum spectant. — 7426. Shadd el-sálik ila el-melik el-málik, cinctus incedentis ad regem regnantem, auctore *Sheikh Abu'lhasan Mohammed Bekri Misri*, anno 950 (inc. 6. Apr. 1543) et quod excedit mortuo. Breve testamentum commune uno folio comprehensum, quod tertio mensis Safer die anni 922 (inc. 5. Febr. 1516) conscripsit. — 7427. Shadd el-metiyet, cinctus jumentis ad discrimen inter *ghiyáth* et *atiyet* faciendum, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 7428. Shedzá fi mesalet kedzá, noxa de quaestione tali, auctore *Sheikh Athr-ed-din Abu Hayyán Mohammed Ben Yusuf Andalusí*, anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuo. — 7429. El-Shedzá el-fayyáh min olúm Ibn-elsaláh, separatio ampla e doctrinis *Ibn-elsaláhi*, auctore *Sheikh Borhán-ed-din Ibráhim Ben Musa Enbási*, 10 anno 802 (inc. 3. Sept. 1399) mortuo. Selegit hic meliora e dictis *Ibn-elsaláhi* et aliorum, adque ea observationes utiles e doctrina traditionaria et quaestiones graves



كلام ابن صلاح بنصه ثم اُردف ذلك بكلام الحافظ زين الدين العراقي وغيره واستوفى كلام المصنّف في خمسة وستين نوعاً ولا يغادر شيئاً من كلامهما بل استوعب فيه ٧٤٣. الشذرة الذهبية في العلوم العربية لابي حيان شرحه بعضهم ٧٤٣١ الشذرة اللطيفة في شرح جملة من مناقب الامام ابي حنيفة لاحمد بن محمد الغنيمي الخزرجي الانصارى [المتوفى سنة ١٠٤٤] 5 ويسمى كشف الالتباس في الرأى والقياس رسالة اوله حمداً لمن زين الانهان بصحة الفهم الخ وهو حل محلّ من مناقب الكردي ٧٤٣٢ الشذرة في اللغة لابي علي حسن بن رشيف القيرواني المتوفى سنة ١٠٥١ يذكر فيه كل كلمة شاذة في بابها وشرحه ٧٤٣٣ شذور الذهب في الاكسير لابي الحسن علي بن موسى الحكيم الاندلسي المتوفى سنة ١٠٥٥ خمسة شرف الدين محمد بن موسى القديسي تجميعاً حسناً شرحه ايدير بن علي الجلدكي المتوفى سنة ١٠٥٥ 10 غاية الشذوذ قال قد استوعب فيه جميع الحكمة المطلوبة والنعمة المرغوبة وجميع ما فيه

jurisprudentiae addidit. — Primum textum verborum *Ibn Salāhi* ipsum exhibet, quem verba *Hāfitzi Zein-ed-din Irācki* et aliorum excipiunt, et omnem auctoris materiem in sexaginta quinque speciebus effudit, nec quidquam utriusque verborum reliquit, sed omnia nulla parte excepta dedit. — 7430. *El-Shedzret El-Dzehebīyet*, sphaerula aurea de doctrinis linguae arabicae, auctore *Abu Hayyān*. Vir quidam commentarium in eam edidit. — 7431. *El-Shedzret El-Latīfet*, sphaerulae politae de summa virtutum *Imāmi Abu Hanifa* exponenda, auctore *Ahmed Ben Mohammed Ghanīmi Khazreji Ansari*, [anno 1044 (inc. 17. Jun. 1634) mortuo]. Idem liber *Kashf el-iltibās* i. e. „revelatio dubitationis de consilio et ratiocinatione“ 5 inscribitur et tractatus est, qui ita incipit: Laudem ei, qui mentes veritate intelligentiae ornavit etc., et eundem locum tenet, quem opus *Menāckīb* a *Kerderi* editum. — 7432. *El-Shedzret fi el-loghat*, particula aurea, auctore *Abu Ali Hasan Ben Reshīc Cairawāni*, anno 456 (inc. 25. Dec. 1063) mortuo. Liber lexicologus, ubi quodvis rarioris usus verbum suo capite posuit et exposuit. — 7433. *Shodzūr el-dzeheb*, particulae aureae de lapide philosophorum, auctore *Abu'hasan Ali Ben Musa Andalusī* Philosopho, anno 500 (inc. 2. Sept. 1106) mortuo. Hoc carmen *Sheref-ed-din Mohammed Ben Musa Codsī* quinquiplicatum egregio modo edidit, et *Eidemir Ben Ali Jildeki*, anno ... mortuus, commentarium in illud confecit *Ghāyet* 10 *el-shodzūd* inscriptum. Omnem, ait, ibi absumsit totius philosophiae quaesitae et

مع الابيات انثى صدره بها في حرف الالف اردت ان اشرحها اوله الحمد لله الملك المالك  
الحق الخ قال الشيخ علي بن سعيد الانصارى في شفاء الالم وقد شرح بعضهم الشذور على  
زعمه كعلاء الدين القصص وابن الجزرى وغيث الدين ابن الملوك وابن عبد السلام الدمشقى  
فاما القصص فكان هاتماً في الشعر واما ابن عبد السلام فكان تانها في فواتح القصب واما  
5 غياث الدين وابن الجزرى فاتجب من الاولين وطوالع البدور في شرح الشذور لصاحب  
كشف الاسرار وحتك الاستار اوله الحمد لله الذى زين السموات بانوار الطوالع الخ ذكر فيه  
البيت الاول وشرح على قواعد علم الحرف والنجوم وللشيخ ايدير بن علي الجلدكى شرح  
صدره سماه الدر المنثور صنعه بمدينة القاهرة سنة اثنتين واربعين وسبعمئة ثم اختصر هذا  
الشرح وشرحه وسماه كشف الستور ٧٣٤ شذور الذهب في علم النحو لجمال الدين  
[الشيخ محمد بن عبد الله المعروف] بابن هشام المتوفى سنة ٧١٢ [وهو مؤلف جليل القدر  
10 معول عليه في العربية] اوله ما اقول انى احمد الله تعالى العلى الاكرم الخ وعليه حاشية

gratiae desideratae materiem, et omnia quae ibi leguntur simul cum versibus, quos  
in litera *Elif* libri initio praeponit, commentario illustrare volui. Incipit ita: Laus  
Deo regi regnanti vero etc. Ut Sheikh *Ali Ben Saïd Ansari* in *Shefâ el-alem* testatur,  
nonnulli ratione sua librum *Shodzûr* commentati sunt, ut *Alâ-ed-din Casas*, *Ibn-  
eljezeri*, *Ghiyâth-ed-din Ibn-elmolûk*, *Ibn Abd-elselâm Dimeshcki*. *Casas* in  
parte libri poetica obstupefactus haesit, *Ibn Abd-el-selâm* mente turbatus in  
aperiendis interioribus, et *Ghiyâth-ed-din* et *Ibn-eljezeri* majori etiam admiratione  
5 quam priores affecti erant. Commentarius auctoris libri *Kashf el-asrâr we Hatk  
el-astâr*, *Tawâlî' el-bodûr fi sharh El-Shodzûr* inscriptus, incipit ita: Laus Deo,  
qui coelos luminibus siderum apparentium ornavit etc. Commemorat ibi versum  
primum, et legibus fundamentalibus doctrinae virtutis literarum et astrorum secretae  
convenienter commentatus est. Praeterea Sheikh *Eidemir Ben Ali Jildeki* commen-  
tarium in ejus initium, *El-Dorr El-Manthûr* inscriptum, in urbe Cahirae anno 742  
(inc. 17. Jun. 1341) composuit. Postea hujus commentarii epitomen confecit, in quam  
commentarium edidit *Kashf el-sotûr* inscriptum. — 7434. *Shodzûr el-dzeheb*,  
10 particulae aureae de syntaxi, auctore [Sheikh] *Jemâl-ed-dîn* [*Mohammed Ben  
Abdallah*, vulgo] *Ibn Hishâm* dicto et anno 762 (inc. 11. Nov. 1360) mortuo. [Opus  
magni pretii, cujus auctoritas in doctrina linguae arabicae multum valet]. Incipit  
ita: Primum quod dico est: Laudo Deum excelsum, generosissimum etc. — Glossae



مسمّاه بشرح الصدور لشرح زوائد الشذور لبدر الدين حسن بن ابي بكر بن احمد القدسي  
الكحلبي المتوفى سنة ٤٣٩ م مختصر اوله الحمد لله الذي اكمل ديننا بترجمته الخ وكتب جلال  
الدين السيوطي [المتوفى سنة ٩١١] على هذا الشرح حاشية لما قرئ عليه سماها سر الزبور على  
شرح الشذور وشرحه ايضا شيخ الاسلام القاضي زكرياء بن محمد الانصاري [المصري المتوفى  
5 سنة ٩٦٩] سماه بلوغ الارب بشرح شذور الذهب اوله الحمد لله الذي جعل علم النحو  
مفتاح البيان الخ وشرحه ايضا الشيخ كمال الدين محمد بن عبد المنعم الجوجري [المصري]  
المتوفى سنة ٨٨٩ من شرحه للمفصل سماه شفاء الصدور في حل الفاظ الشذور اوله اما  
بعد حمد الله تعالى على توفيقه الخ ونظمها ابو الفتوح [وهو ابن السفيد الشيخ] عبد القادر  
ابن ابراهيم المحلى المتوفى سنة ٩٠٧ ثم شرحها الشيخ زكرياء الزيني المصري ٧٤٣٥ شذور العقود  
10 في تاريخ العيون لابي الفرج الشيخ عبد الرحمن بن علي للجوزي المتوفى سنة ٥٩٧ ٧٤٣٤ شذور

*Sharh el-sodúr li sharh zevúid el-shodzúr* inscriptae *Bedr-ed-din Hasan Ben Abi Bekr Ben Ahmed Codsí Halebi*, anno 836 (inc. 28. Aug. 1432) mortuum, auctorem habent et compendio inclusae sunt, quod ita incipit: Laus Deo, qui fidem nostram misericordia sua perfecit etc. Ad hunc commentarium *Jelál-ed-din Soyúti*, [anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus], glossas scripsit, cum lectiones de eo haberet, easque *Sirr el-zobúr ala sharh El-Shodzúr* inscripsit. Porro commentarios ediderunt Sheikh el-islám Cádhi *Zakariyá Ben Mohammed Ansári* [*Misri*, anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus], cujus commentarius *Bolúgh el-areb bi sharh Shodzúr el-dzeheb* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, qui grammaticam eloquentiae clavem esse voluit etc. — et Sheikh *Kemál-ed-din Mohammed Ben Abd-el-mon'im Jujeri* [*Misri*], anno 889 (inc. 30. Jan. 1484) mortuus, qui meliorem commentarii partem e commentario elegit, quem in librum *Mofassel* edidit. Inscriptus est *Shefá el-sodúr fi hall alfútz El-Shodzúr* et incipit ita: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus pro ejus auxilio propitio etc. — Metrice *El-Shodzúr* reddidit [*El-Sheikh*] *Abu'fotúh Abd-el-cádir Ben Ibráhim Mahalli*, [vulgo *Ibn-elsefid* dictus et] anno 907 (inc. 17. Jul. 1501) mortuus, et denique Sheikh *Zakariyá Zeini Misri* commentarium composuit. — 7435. *Shodzúr el-ocúd fi tarikh el-ohúd*, particulae aureae 10 monilium colli de historia saeculorum, auctore Sheikh *Abu'faraj Abd-el-rahman Ben Ali Jauzi*, anno 597 (inc. 12. Oct. 1200) mortuo. — 7436. *Shodzúr el-ocúd*,



- العقود لتقى الدين [ابن العباس الشيخ] احمد بن علي المقرئ المتوفى سنة ٨٥٤ ٧٤٣٧ الشذور  
 وهو ديوان مقطعات للشيخ بدر الدين حسن بن عمر بن حبيب الحلبي المتوفى سنة ٧٧١  
 ٧٤٣٨ شراب الفتوح وغذاء الروح وهو ديوان شعر لابي بكر بن احمد بن يوسف العطار الشافعي  
 [المتوفى سنة] ٧٤٣١ شرادط الاحكام في مجلد متوسط لابي الفضل عبد الله الشافعي المتوفى  
 سنة ٤٣٠ ٧٤٤. شرادط الخلافة لابي يوسف يعقوب بن سليمان الاسفرائني المتوفى سنة ٤٨٨ 5  
 ٧٤٤١ شراب الاسلام في الفقه على مذعب الامامية وعليه حاشية مختصرة ٧٤٤٢ شراب النبي  
 في ولاية الجبيلي لحمد بن ابراهيم الحلبي الشيبيري بابن الحنبلي المتوفى سنة [١٧١] ألفه حين  
 قال الشيخ اويس [بن علي] القرماني ان المهدي سيظهر عن قريب او علي رأس التسعمائة  
 البتة وقال ان الشيخ عبد القادر الجيلاني ليس بولي وانما هو كان رجلا صالحا وقد حبس  
 في قلعة حلب لبعض ما ادعى من امثال ذلك رسالة اولها تحمدك يا من رفع شأن الاولياء الخ 10

- particulae aureae monilium colli, auctore [Sheikh] *Tacki-ed-din [Abu'labbás] Ahmed Ben Ali Macrizi*, anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuo. — 7437. El-Shodzur, particulae aureae. Sylloge carminum brevium *Mocattaát* dictorum, auctore Sheikh *Bedr-ed-din Hasan Ben Omar Ben Habib Halebi*, anno 779 (inc. 10. Mai. 1377) mortuo. — 7438. *Sheráb el-fotúh we Ghadá el-rúh*, potus patefactionum et cibus spiritus. Sylloge carminum, auctore *Abu Bekr Ben Ahmed Ben Yusuf Attár Shafiita*, [anno ... mortuo]. — 7439. *Sheráit el-ahkám*, conditiones statutorum practicoorum. Volumen medii ambitus, auctore *Abu'lfadhl Abdallah Shafiita*, anno 5 430 (inc. 3. Oct. 1038) mortuo. — 7440. *Sheráit el-khiláfet*, conditiones Khalifatus, auctore *Abu Yusuf Yacúb Ben Soleimán Isferáini*, anno 488 (inc. 11. Jan. 1095) mortuo. — 7441. *Sherái' el-islam*, leges religionis islamicae de jurisprudencia secundum disciplinam sectae *Imamiye*. Edebantur ad eas glossae breviores. — 7442. *El-Sheráb El-Níli fi weláyet El-Jíli*, potus aquae Nili de sanctitate Sheikh *Jili*. Scripsit *Mohammed Ben Ibráhim Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus et anno [971 (inc. 21. Aug. 1563)] mortuus, cum Sheikh *Oweis [Ben Ali] Caramáni* dixisset, *Mehdi* circa sive initio saeculi noni omnino proditurum esse; et Sheikh *Abd-el-cádir Jiláni* minime virum sanctum esse statuit, sed virum probum.  
 10 Propter haec et similia, quae professus erat, castello Halebensi inclusus est. In praefatione hujus tractatus, qui ita incipit: Laudamus Te, qui statum sanctorum

- ذكر في المقدمة الترغيب في محبة الاولياء وفي الباب ولاية الشيخ وكراماته ٧٤٤٣ شرح ابيات  
 الايضاح والمفتاح لبعض العلماء اوله الحمد لله المؤيد بحسن توفيقه الخ ذكر فيه ان  
 صاحب الايضاح استشهد في كل باب بشواهد كثيرة مما استشهد به الشيخ عبد القادر في  
 اسرار البلاغة ودلائل الاجاز من اشعار البلغاء وشواهد الفصحاء واتبع في كل باب ما له  
 5 يورده من ابيات المفتاح ٧٤٤٤ شرح احمدجى ذكره الحسام الشهيد في كتابه المحيطان  
 ٧٤٤٥ شرح الاختلاف رد لاني شجاع ٧٤٤٦ شرح الاستعاذة وبسملة لبدر الدين [الشيخ]  
 حسن بن قاسم المرادى المتوفى سنة ٧٤٦ ولجلال الدين [الشيخ] عبد الرحمن بن  
 ابي بكر السيوطى المتوفى سنة ٧٦١ وهو اول تأليفه كما قال وهو في مجلد مبسوط  
 ألفه في سنة ٨٠٤ لشيخه محيى الدين الكافيجى ٧٤٤٧ شرح الاستقامة للمقبلين على  
 10 الله سبحانه وتعالى وعلى دار الاقامة وهو شرح الاربعين للطاوسى سبق ٧٤٤٨ شرح

elevasti etc., inclinationem ad amorem sanctorum excitare studet, et in capite de  
 sanctitate Sheikhi et miraculis ab eo editis agit. — 7443. Sharh abyát El-Idháh  
 we El-Miftáh, commentarius in versus librorum *Idháh* et *Miftáh*, auctore quodam  
 viro docto, qui ita incipit: Laus Deo, qui praestantia auxilii sui adjuvat etc., et  
 auctorem operis *Idháh* dicit in singulis capitibus multorum locorum probantium ex iis  
 testimonio usum esse, quorum auctoritate Sheikh *Abd-el-cádir* in libro *Asrár*  
*el-belághat we delául el-ijáz* i. e. „Mysteria eloquentiae et argumenta mirae dictionis  
 e carminibus virorum eloquentium et dictis probantibus oratorum elegantium petita“,  
 usus esset, et in singulis capitibus eos libri *Miftáh* versus persequitur, quos ille non 5  
 protulerat. — 7444. Sharh Ahmedji, commentarius *Ahmedjii*, cujus *El-Hosám*  
*El-Shehid* in libro *Hitán* mentionem facit. — 7445. Sharh El-Ikhtiláf,  
 commentarius in opus *Ikhtiláf*. Refutatio, auctore *Abu Shojú'*. — 7446. Sharh  
 el-istiádzet we el-besmelet, commentarius in formulas *Aúdz billah* i. e.  
 „refugio ad Deum protectorem“ et *Bism allah* i. e. nomine Dei, auctoribus [Sheikh]  
*Bedr-ed-dín Hasan Ben Cásim Morádi*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuo, et  
 [Sheikh] *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun.  
 1505) mortuo. Hoc primum ejus opus est, ut ipse dicit, volumine amplo comprehensum,  
 quod anno 886 (inc. 2. Mart. 1481) Sheikho suo *Mohyi-ed-dín Káfiji* composuit. —  
 7447. Sharh el-isticámet, commentarius in statum rectum eorum, qui ad  
 Deum summis laudibus ornatum et excelsum et ad domum aeternitatis se convertunt. 10  
 Commentarius est in quadraginta traditiones a *Táwosi* editus, ut supra dictum est. —



اسرار الوضوء لمحمد بن محمود بن محمد بن جمال الدين الاقسرائى من المشايخ في الروم  
 مختصر اوله الحمد لله الذى خلق الانسان لمعرفته الخ رتبته على ستة اطوار ٧٤٤٩ شرح  
 الاسماء الحسنى لابن برجان الاندلسى وهو ابو الحكم عبد السلام بن عبد الرحمن بن محمد  
 الاشبيلي [المتوفى سنة ٩٣١] اوله الحمد لله الذى باسمه مفتوح المغالب الخ وهو كتاب كبير  
 جمع فيه من اسماء الله تعالى ما زاد على المائة والثلاثين كلبا مشبورة مروية وقيل الكلام في 5  
 كل اسم على ثلثة فصول الاول استخراجها التاني الطريف الى مسالكها والثالث الاشارة الى  
 التقييد بحقائقها ٧٤٥٠ شرح اسماء الحسنى للازجري وهو ابو منصور محمد بن احمد البيرى  
 اللغوى المتوفى سنة [٣٧٠] ٧٤٥١ شرح اسماء [الله] الحسنى للاقليشى وهو ابو العباس احمد  
 ابن معد النحوى المتوفى سنة ٥٥٠ سماه الانبياء في شرح الصفات والاسماء ٧٤٥٢ شرح اسماء  
 الحسنى للبرلسى هو ابو العباس احمد بن احمد بن محمد بن عيسى البرلسى ثم الفاسى المشهور 10

7448. *Sharh asrár el-wodhú*, commentarius in arcana sacrae lotionis in sex vices distributus, auctore *Mohammed Ben Mahmúd Ben Mohammed Ben Jemál-ed-dín Acserái*, Sheikho Rumaéo. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui hominem ad cognitionem suam creavit etc. — 7449. *Sharh el-asmá el-hosná*, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Abu'hakem Abd-el-selám Ben Abd-el-rahman Ben Mohammed Ishbili Andalusí*, vulgo *Ibn Berreján* dicto [et anno 936 (inc. 5. Sept. 1529) mortuo]. Collegit in hoc libro magno, qui ita incipit: Laus Deo, in cuius nomine clavis rerum quaesitarum est etc., plus centum triginta nomina Dei 5 excelsi, quae omnia satis nota et traditione vulgata sunt, et expositionem singulorum nominum in tres sectiones divisit, quarum prima rationem, qua elicita sunt, secunda viam ad eorum usus varios, et tertia indicium studii assidui tractat, quo quis vera et arcana eorum natura potiri possit. — 7450. *Sharh el-asmá el-hosná*, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Abu Mansúr Mohammed Ben Ahmed Herevi* Lexicologo, vulgo *Azheri* dicto et anno [370 (inc. 17. Jul. 980)] mortuo. — 7451. *Sharh asmá [Allah] el-hosná*, commentarius in pulchra Dei nomina, *El-Anbá fi sharh el-sifút we el-asmá* inscriptus, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Maadd* 10 Grammatico, vulgo *Oclishi* dicto. — 7452. *Sharh el-asmá el-hosná*, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Ahmed Ben Mohammed Ben Isa Borollosi*, vulgo *Ahmed Zarrúc* dicto, et primum urbis *Borollos*, tum urbis



باحمد زريق [المتوفى سنة ٨٩٩] اوله الحمد لله الذى اودع اسراره فى اسمائه الخ قدم فى اوله  
 مقدّمة فيها مسائل ٧٤٥٣ شرح اسماء [الله] الحسنى لبرهان الدين محمد بن محمد  
 النسفى المتوفى سنة ٩٨١ وهو شرح جيد ٧٤٥٤ شرح اسماء [الله] الحسنى للبقالى وهو زين  
 المشايخ ابو الفضل محمد بن ابى بكر النخوارزمى المتوفى سنة ٥٩٣ سماه الاسنى وقد مر  
 ٧٤٥٥ 5 شرح اسماء [الله] الحسنى [للامام] البيضاوى سماه منتهى المنى [بشرح اسماء الله الحسنى]  
 يأتى ٧٤٥٩ شرح اسماء [الله] الحسنى للبيهقى وهو الامام الخائض على بن الحسين الشافعى  
 [المتوفى سنة ٤٥٨] مجلد كبير ٧٤٥٧ شرح اسماء [الله] الحسنى لتقى الدين ابى بكر بن  
 محمد [على] الحسنى الشافعى [المتوفى سنة ٨٩٩] ٧٤٥٨ شرح اسماء الحسنى للجصاص وهو  
 ابو بكر [الشيخ] احمد بن على الرازى الحنفى المتوفى سنة ٣٧٠ ٧٤٥٩ شرح اسماء [الله] الحسنى  
 10 للخضابى وهو ابو سليمان احمد بن محمد [الخضابى] الخائض المتوفى سنة ٣٨٨ ٧٤٦٠ شرح اسماء

*Fes inquilino.* [Obiit anno 899 (inc. 12. Oct. 1493) et] orsus est ita: Laus Deo,  
 qui arcana sua in nominibus suis deposuit etc. Praefationem in quaestiones divisam  
 praemisit. — 7453. Sharh asmá [Allah] el-hosná, commentarius in nomina  
 Dei pulchra praestantior, auctore *Borhán-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Nesefi*,  
 anno 688 (inc. 25. Jan. 1289) mortuo. — 7454. Sharh. asmá [Allah] el-hosná,  
 commentarius in pulchra Dei nomina „Asna“, ut supra dictum est, inscriptus, auctore  
*Zein el-mesháikh Abu'fadhl Mohammed Ben Abi Bekr Khowárezmi*, vulgo *Beccáli*  
 dicto et anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. — 7455. Sharh asmá [Allah] 5  
 el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina *Muntehá el-moná* inscriptus,  
 auctore *Imám Beidháwi*. Vide infra. — 7456. Sharh asmá [Allah] el-hosná,  
 commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Imám et Háfitz Ali Ben-elhosein*  
*Shafiita*, vulgo *Beihacki* dicto. Volumen magnum. — 7457. Sharh asmá [Allah]  
 el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Tacki-ed-dín Abu Bekr*  
*Ben Mohammed [Ali] Hisni Shafiita*, [anno 829 (inc. 13. Nov. 1425) mortuo]. —  
 7458. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore  
 [Sheikh] *Abu Bekr Ahmed Ben Ali Rázi Hanefita*, vulgo *Jessás* dicto et anno 370  
 (inc. 17. Jul. 980) mortuo. — 7459. Sharh asmá [Allah] el-hosná, commen-  
 tarius in pulchra Dei nomina, auctore *Háfitz Abu Soleimán Hamd Ben Mohammed*, 10  
 vulgo *Khattábi* dicto et anno 388 (inc. 3. Jan. 998) mortuo. — 7460. Sharh asmá

- [الله] الحسنى لسيد على بن شهاب بن محمد الهمداني المتوفى سنة ٧٨٩ ٧٤١ شرح اسماء
- [الله] الحسنى لشرف الدين على البيزدي المتوفى سنة ٧٤٣ شرح اسماء [الله] الحسنى
- لشمس الدين محمد بن ابراهيم المالكي الشيرازي بالخطيب الوزيري المتوفى سنة ٨٩١ سماه المنهل العذب في شرح اسماء الرب مختصر اوله نعمدك يا من اوجب الوجود لذاته باسمائه وصفاته الخ آفة في مكة [المشرفة شرفها الله تعالى] سنة ٨٣ لبعض اعالي مكة ٧٤٣ شرح 5
- اسماء الحسنى للشبيخ احمد بن علي البوني وهو شرح كبير كشرح ابن بركان اوله الحمد لله الذي رسم دقائق الحقائق في لطائف صف الاسرار الخ سماه موضح الطريق وقسطاس التحقيق من مشكاة اسماء الله الحسنى والتقريب بها الى المقام الاسنى وله شرح صغير اوله الحمد لله الكبير المتعال الخ ذكر في اوله خمسة فصول في قواعد التحقيق وله اسماء على
- انماط شرحها عبد الرحمن البسطامي وسماه كيمياء السعادة الربانية وسيمياء السيادة 10 الروحانية ٧٤٤ [شرح اسماء الحسنى المسمى بالاسنى للامام ابي عبد الله محمد بن

- [Allah] el-hosnâ, commentarius in nomina Dei pulchra, auctore Seyyid *Ali Ben Shehâb Ben Mohammed Hemdâni*, anno 786 (inc. 24. Febr. 1384) mortuo. — 7461. Sharh asmâ [Allah] el-hosnâ, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Sheref-ed-dîn Ali Yezdi*, anno ... mortuo. — 7462. Sharh asmâ [Allah] el-hosnâ, commentarius in pulchra Dei nomina, quem *Shems-ed-dîn Mohammed Ben Ibrâhîm Wezîri* Malikita, vulgo *Khatîb* dictus et anno 891 (inc. 7. Jan. 1486) mortuus, cuidam viro Mekkae praeclaro anno 883 (inc. 4. Apr. 1478) composuit.
- 5 Compendium, quod *El-Menhel El-adzb fi sharh asmâ el-rabb* inscriptum est et ita incipit: Laus Deo, qui propter essentiam suam cum nominibus et attributis absoluta existentia fruitur etc. — 7463. Sharh el-asmâ el-hosnâ, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh *Ahmed Ben Ali Buni*. Commentarius major commentario *Ibn Berrejâni* similis, qui ita incipit: Laus Deo, qui argutias arcanæ rerum naturæ in venustis arcanorum foliis designavit etc., et *Mudhîh el-tarîc we Costâs el-tahkîc min mishkât asmâ Allah el-hosnâ we el-tecrib bihâ ilû el-mecâm el-asmâ* inscriptus est. Idem commentarium minorem edidit, qui ita incipit: Laus Deo magno, excelso etc., et ab initio quinque sectiones habet de regulis veræ
- 10 cognitionis. — Porro nomina edidit in species disposita, in quæ *Abd-el-rahman Bistâmî* commentarium edidit *Kimiyâ el-seûdet el-rebbâniyet we Sîmiyâ el-siyâdet el-ruhâniyet* inscriptum. — 7464. [Sharh el-asmâ el-hosnâ, commentarius in nomina Dei pulchra *El-Asnâ* inscriptus, auctore Imâm *Abu Abdallah Mohammed*



- أحمد الأنصاري القرطبي الأندلسي المتوفى سنة ٦٧١ ذكر في أوله أحدًا وأربعين فضلًا في ذكر ما يتعلّق بها من الأحكام وذكر بعد تمام شرح أسماء الحسيني أربعة أجزاء ردًا على المجسمة واحجاب التشبيه وأوله الحمد لله المنفرد عن التشبيه والنظير الخ وأورد فيه كثيرًا من كلمات شروح الأسماء الحسيني وردّ عليهم وهذا الشرح كبير ومفيد ٧٤٥ شرح أسماء الله الحسيني 5 لواحده من مشايخ مصر وسماه مقصد الاسنى في شرح خواص أسماء الله الحسيني أوله الحمد لله الذي أظهر أعيان الممكنات الخ ألفه سنة ١٥٠٠ وهو كبير [٧٤٦ شرح أسماء الحسيني للشيخ الإمام أبي محمد عبد السلام بن عبد الطالب المغربي تلميذ أبي مدين المغربي ٧٤٧ شرح أسماء الحسيني للشيخ الإمام عبد الله بن أبي بكر الموصلي الشيباني المتوفى في رمضان سنة ٨٠٠ ٧٤٨ شرح أسماء الحسيني للشيخ عبد الله السمرقندي المتوفى سنة أوله الحمد لله المنفرد 10 بكبريائه الخ ٧٤٩ شرح أسماء الحسيني للشيخ عبد العزيز بن أحمد الديري المتوفى سنة [٧٩٤]

*Ben Ahmed Ansari Cortubi Andalusí, anno 671 (inc. 29. Jul. 1272) mortuo. Ab initio quadraginta unam sectionem habet de statutis iis exponendis, quae ad nomina spectant, et finita nominum pulchrorum expositione in quatuor fasciculis sectas eorum refutat, qui Deum corpus habere et in creaturarum speciem assimilandum esse statuunt. Incipit ita: Laus Deo, omni similitudine et analogia exempto etc. Affert ibi multa verba commentariorum in nomina pulchra eaque refutat. Hic commentarius magnus et ad discendum admodum utilis est. — 7465. Sharh asmá Allah el-hosná, commentarius magnus in pulchra Dei nomina, quem unus Sheikhorum Aegyptiorum 5 anno 1050 (inc. 3. Apr. 1640) composuit. Inscriptus est *El-Macsad El-Asná fi sharh khawáss asmá Allah el-hosná*, et incipit ita: Laus Deo, qui substantias rerum conscientia Dei comprehensarum in lucem produxit etc.]. — 7466. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in nomina Dei pulchra, auctore Sheikh et Imám *Abu Mohammed Abd-el-selám Ben Abd-el-tálíb Maghribi, Abu Medini Maghribi* discipulo. — 7467. Sharh. el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh et Imám *Abdallah Ben Abi Bekr Mausili Sheibáni*, mense Ramadhán anni 820 (inc. 18. Febr. 1417) mortuo. — 7468. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh *Abdallah Samarcandí*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laus Deo majestate sua unico etc. — 7469. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh *Abd-el-azíz Ben Ahmed Dirini*, anno [694 (inc. 21. Nov. 1294)] mortuo. — 7470. Sharh*



٧٤٧. شرح أسماء الحسنی للشیخ محیی الدین محمد بن بهاء الدین المتوفی سنة ٩٥٣ اوله  
الحمد لله الذی تقدّر فی ذاته بالعلو الخ ولائی الحاکم عبد الله بن عبد الرحمن ٧٤٧ شرح  
اسماء الحسنی للشیخ ولی الدین المنفلوطی ٧٤٧ شرح اسماء الحسنی لصدر الدین محمد  
ابن اسحق القونوی المتوفی سنة ٩٧٣ اوله الحمد لله الذی نور سماء الوجود بمصابیح اسماء  
الحسنی الخ شرحه بلسان اهل الذوق والاشارة لا ما وقف عنده احجاب النظر والهمم النازلة 5  
٧٤٧٣ شرح اسماء الحسنی لعقیف الدین سلیمان بن علی بن عبد الله التلمسانی [المتوفی  
سنة ٩٦٠] اوله الحمد لله الاحد ذاتاً وصفاتاً الخ ذکر فیه من معانی الاسماء الالهیة الواردة فی  
القرآن من اول الفاتحة الى آخر سورة الناس ذکر الاسم ثم الآیة التي وردت فیه و ذکر فی کل  
اسم ما ذكره الثلاثة الامام ابو بكر محمد البيهقی والامام ابو محمد الغزالی والامام ابو للحکم ابن  
برجان الاندلسی وما انفرد به کل واحد منهم وما اتفق علیه اثنان منهم و ذکر اشياء علی 10

el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctoribus Sheikh *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Behá-ed-din*, anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) mortuo, qui ita orsus est: Laus Deo, qui propter essentialiam suam unicus est celsitudine etc., et *Abu'lhakim Abdallah Ben Abd-el-rahman*. — 7471. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh *Weli-ed-din Menfelúti*. — 7472. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore *Sadr-ed-din Mohammed Ben Is'hac Cunevi*, anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. Hic commentarius, qui ita incipit: Laus Deo, qui coelum existentiae lucernis nominum 5 pulchrorum illuminavit etc., scriptus est ad dictionem eorum, qui sensu veritatis interiore et quasi prophetico praediti sunt, nec in iis versatur, in quibus scrutatores cogitantes et animi simpliciter dispositi subsistunt. — 7473. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, qui ita incipit: Laus Deo essentia et qualitatibus unico etc. *Afif-ed-din Soleimán Ben Ali Ben Abdallah Tilimsáni*, [anno 690 (inc. 4. Jan. 1291) mortuus], hic explicat sensus nominum divinorum, quae a prima Corani Surata usque ad ultimam occurrunt. Primum commemorat nomen, tum versum, ubi occurrit, et singulorum nominum explicationi ea addidit, quae viri tres Imám *Abu Bekr Mohammed Beihacki*, Imám *Abu Mohammed Ghazáli*, Imám 10 *Abu'lhakem Ibn Berreján Andalusí* statuerunt, et quae quisque eorum singularia habet et in quibus duo consentiunt notat; praeterea nonnulla ad dictionem 'Theoso-

لسان اهل التصوف ٧٤٧٤ شرح اسماء الحسنى على اصطلاح [اعل] التصوف مختصر اوله  
الحمد لله المتفرد بكبريائه وعظمته الخ قسم الكلام الى ثلثة فنون الاول في السوابق والمقدمات  
الثاني في المقاصد والغايات والثالث في اللواحق والتكميلات ٧٤٧٥ شرح اسماء الحسنى للغزالي  
سماء مقصد الاسنى يأتى ولغزالي زاده عبد الله بن عبد القادر المتوفى سنة جمع فيه فوائد  
5 كثيرة ٧٤٧٦ [شرح اسماء الحسنى للشيوخ عبد القادر بن محمد المعروف بقصيب البان المتوفى  
سنة ١٠٤٠] ٧٤٧٧ شرح اسماء الحسنى فارسي للسيد نور الدين الايجي المتوفى سنة  
٧٤٧٨ شرح اسماء الحسنى لفخر الدين محمد بن عمر الرازي المتوفى سنة ٩٠٦ سماء لوامع  
البيئات في شرح اسماء الله تعالى والصفات اوله الحمد لله الذى حادث الافكار في منازة انوار  
كبريائه الخ ذكر فيه سام بن محمد بن مسعود ورتبه على ثلثة اقسام الاول في المبادئ والثاني  
10 في المقاصد والثالث في اللواحق ٧٤٧٩ شرح اسماء الحسنى للقشيري سماء التخيير مر وللقموني

phorum affert. — 7474. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra  
Dei nomina ad dictionem Theosophorum terminologicam. Compendium, quod ita  
incipit: Laus Deo majestate sua et magnitudine unico etc., et expositionem in tria  
genera divisam sequitur, quorum *primum* agit de notionibus praecedentibus et isagogicis,  
*secundum* de consiliis summis et terminis propositis, *tertium* de rebus accessoriis et  
perfectionibus. — 7475. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra  
Dei nomina, auctoribus *Ghazáli*, qui commentarium, de quo infra videatur, *El-Macsad  
El-Asná* inscripsit, et *Ghazálzúdeh Abdallah Ben Abd-el-cádir*, anno ... mortuo,  
qui hic multas adnotationes utiles conguessit. — 7476. [Sharh el-asmá el-hosná, 5  
commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Sheikh *Abd-el-cádir Ben Moham-  
med*, vulgo *Cadháb el-bán* dicto et anno 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuo]. —  
7477. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina persicus,  
auctore Seyyid *Núr-ed-dín Iji*, anno ... mortuo. — 7478. Sharh el-asmá  
el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, *El-Levámi' El-Bayyinát fi  
sharh asmá Allah teúli we el-sifút* inscriptus, auctore *Fakhr-ed-dín Mohammed  
Ben Omar Rázi*, anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) mortuo. Orsus est ita: Laus Deo,  
qui cogitationibus in locis, ubi ejus majestatis lumina penetrant, splendorem dedit etc.  
Commemorat ibi *Sám Ben Mohammed Ben Mes'úd*, et commentarium in tres partes  
divisit, quarum *prima* de principiis, *secunda* de consiliis propositis, *tertia* de rebus 10  
accessoriis agit. — 7479. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra  
Dei nomina *Takhhír*, ut supra notatum est, inscriptus, auctoribus *Cosheiri* et



وهو نجم الدين احمد بن محمد الشافعي المتوفى سنة ٧٧٧ في مجلد سماه موضح الطريف  
 ٧٤٨. شرح اسماء الحسنى للكاتبى وهو محبى الدين محمد بن سليمان المتوفى سنة [٨٧٩]  
 ٧٤٨ [شرح معنى اسماء الحسنى لمحمود بن عثمان اللامعى البرسوى المتوفى سنة ٩٣٨] ٧٤٨٣ شرح  
 الاسماء النورانية ٧٤٨٣. شرح الاصفى ذكره القهستاني ٧٤٨٤ شرح الاصول والجمل من  
 مهمات العلم والعمل من شروح الاشارات سبق ٧٤٨٥ شرح البسملة للشيخ الامام [محمد بن 5  
 سعيد] بن كبر اليمنى [المتوفى سنة ٨٤٣] ٧٤٨٩ شرح البسملة والحمدلة للقاضى زكرياء  
 ابن محمد الانصارى [المتوفى سنة ٩٣٩] اوله الحمد لله على ما تقتضيه الخ ذكر فيه الكلام  
 على البسملة والحمدلة والشكر والمدح مع بيان النسبة بينهما بذكر فوائد مهمة وشرحها الامام  
 ابن عبد الحق [وعلى شرح البسملة شرح للشنوائى الآتى ذكره] ٧٤٨٧ شرح البسملة

*Nejm-ed-din Ahmed Ben Mohammed Shafiita, vulgo Camúli dicto et anno 727 (inc. 27. Nov. 1326) mortuo, cujus commentarius Mudhik el-tarie inscriptus volumine comprehenditur. — 7480. Sharh el-asmá el-hosná, commentarius in pulchra Dei nomina, auctore Mohyi-ed-din Mohammed Ben Soleimán, vulgo Kafiji dicto et anno [879 (inc. 18. Mai. 1474)] mortuo. — 7481. [Sharh moammá el-asmá el-hosná, commentarius in sensus obscuriores nominum Dei pulchrorum, auctore Mahmúd Ben Othmán Lúmi Bursewi, anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuo]. — 7482. Sharh el-asmá el-nuráníyet, commentarius in nomina luminosa. — 7483. El-Sharh El-Asfú, commentarius clarissimus, cujus Cuhustáni mentionem facit. — 7484. Sharh el-osúl we el-jomel, commentarius in principia et 5 summas e quaestionibus scientiae et usus gravioribus. Pertinet ad commentarios in opus Ishárát, quod praecedit. — 7485. Sharh el-besmelet, commentarius in formulam „Nomine Dei“, auctore Sheikh et Imám [Mohammed Ben Said] Ben Kobonu Yemeni, [anno 842 (inc. 24. Jun. 1438) mortuo]. — 7486. Sharh el-besmelet we el-hamdelet, commentarius in formulas „Nomine Dei“ et „Laus Deo“, auctore Cádhi Zakariyá Ben Mohammed Ansári, [anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuo]. Incipit ita: Laus Deo pro beneficiis, quae in nos confert etc. Commemorat ibi, quae disputata sunt de formulis „Nomine Dei“, „Laus Deo“, de gratias agendo et de praedicatione, ita ut simul ratio exponeretur, quae inter utramque illam formulam intercederet et observationes utiles graviores adderentur. De eadem re commentarium edidit Imám Ibn Abd-el-hacc. [De eadem formula „Nomine Dei“ explicanda Shenevání commentarium edidit, de quo infra dicitur]. —*



والحمد لله للشيخ شهاب الدين احمد البرلسي الشهير بشيخ عميرة وعليه حاشية كالشرح عليه في مجلد للشيخ العلامة ابى بكر [بن] اسمعيل الشنوائى [المتوفى سنة 1119] سماه الطوالع المنيرة على بسملة عميرة

علم شرح الحديث ٧٤٨

5 من فروع الحديث اعتنى العلماء بجمع حديث الاربعين وشرحه لما روى ان النبى صلى الله عليه وسلم قال من حفظ على امتى اربعين حديثاً من السنة كنت له شفيعاً يوم القيمة وفي رواية من حمل عنى من امتى اربعين حديثاً لقي الله عز وجل يوم القيمة نقيهاً عالماً وفي رواية من تعلم اربعين حديثاً ابتغاه وجه الله تعالى ليعلم به امتى في حلالهم وحرامهم حشره الله سبحانه وتعالى يوم القيمة عالماً

10 ٧٤٩ شرح حديث الاربعين لابراهيم بن حسن الريفى المالكى قاضى تونس المتوفى سنة ٧٣٤

7487. Sharh el-besmelet we el-hamdelet, commentarius in formulas „Nomine Dei“ et „Laus Deo“, auctore Sheikh *Sheháb-ed-dín Ahmed Borollosi*, vulgo Sheikh *Amíret* dicto. Glossas in eum commentarii instar *El-Tawáli' El-Moniret ala Besmelet Amíret* inscriptas et volumine comprehensas edidit Sheikh doctissimus *Abu Bekr [Ben] Ismaíl Sheneváni*, [anno 1019 (inc. 16. Mart. 1610) mortuus]. —

7488. Ilm sharh el-hadíth. Ars traditiones commentandi.

Pertinet ad partes doctrinae traditionariae secundarias, et viri docti de colligendis 5 quadraginta traditionibus et exponendis curam adhibuerunt, cum propheta dixisse traderetur: Qui in commodum populi mei quadraginta traditiones e *Sunna* memoriae mandat, die resurrectionis ejus ero intercessor. Et in alia traditione refertur: Qui ex populo meo quadraginta traditiones a me acceptas memoria tenet, eum Deus excelsus die resurrectionis juris peritum et doctum deprehendet — et in alia traditione: Qui quadraginta traditiones didicit cupiditate incensus faciem Dei videndi, ut illis populum meum res ei licitas et illicitas doceret, eum Deus laudatus et excelsus die resurrectionis ut virum doctum a mortuis resuscitabit. —

7489. Sharh hadíth el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones, 10 auctore *Ibráhím Ben Hasan Rifí* Malíkita iudice Tunetano, anno 734 (inc. 12. Sept.

- قال الذهبي استفدت منها ٧٤١. شرح حديث الأربعين لابن كمال پاشا شمس الدين احمد بن سليمان المفتي المتوفى سنة ٩٤٠ اختار فيه ما كان مستجعا من جوامع انكلم وغيره ترجمه پير محمد العاشق بن علي الملقى بالتركي للوزير محمد پاشا ذكر فيه انه برويه اجازة عن الشيخ عبد الرحيم العباسي [وهو عن انشيخ نجم الدين محمد الصكرادى وهو عن الشيخ عبد الرحيم العراقي] ٧٤١١ شرح حديث الأربعين لابي بكر محمد بن 5 للأسين الآجری الشافعی المتوفى سنة [١٣١٠] ولابي بكر محمد بن عبد الله المالقي المتوفى سنة ٧٠. ٧٤١٣ شرح حديث الأربعين لاسحق القرمانى المعروف باجمالى خليفة المتوفى سنة ٩٣٣ مختصر شرح كلاً منها ببيت واحد تركى ٧٤١٣ شرح حديث الأربعين لاسماعيل المولوى وشيخهم المتوفى سنة ١٠٤٢ جمع فيه ما يؤيد سلوكهم وشرحه بالتركي ولاواقبى زاده سماه احسن الحديث مرّ ٧٤١٤ شرح حديث الأربعين لبركلى محمد بن [پير] على المتوفى سنة [١٠٨١] 10

- 1333) mortuo. *Dzehebi utilitatem inde cepisse fatetur.* — 7490. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctore Mufti *Shems-ed-din Ahmed Ben Soleiman*, vulgo *Ibn Kemalpasha* dicto et anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuo, qui hic ea ex apophthegmatis brevioribus aliisque fontibus selegit, quae rhythmice dicta erant. *Pir Mohammed Ashic Ben Ali Becai* eum *Weziro Mohammed Pasha* in turcicam linguam convertit, et se eas tradere dicit venia tradendi a Sheikh 5 *Abd-el-rahim Abbasi* accepta, [qui eas a Sheikh *Nejm-ed-din Mohammed Sahravi*, et hic a Sheikh *Abd-el-rehim Iracki* accepisset]. — 7491. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctoribus *Abu Bekr Mohammed Ben-elhosein Ajourri* Shafiita, anno [360 (inc. 5. Nov. 970)] mortuo, et *Abu Bekr Mohammed Ben Abdallah Malicki*, anno 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuo. — 7492. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctore *Is'hac Caramani*, vulgo *Jemali Khalifa* dicto et anno 933 (inc. 8. Oct. 1526) mortuo. Compendium, ubi singulae traditiones uno versu turcice explicantur. — 7493. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctoribus *Ismail* ex ordine monachorum *Mewlewi* horumque Sheikhho, anno 1042 (inc. 9. Jul. 1632) mortuo, qui hic ea collegit, quibus vita eorum spiritalis adjuvatur. Idem eas turcice 10 commentatus est — et *Ucajizadeh*, qui commentarium supra laudatum *Ahsan el-hadith* inscripsit. — 7494. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctore *Mohammed Ben [Pir] Ali*, vulgo *Birgili* dicto et anno [981



- أورد فيه ثمانية احاديث ثمّ كتمه على منواله وسياقه لمحمد المشهور بآبى كرماني القاضى  
بازمير. واجاد فسح الله في عمره [ ٧٤٥ شرح حديث الاربعين لتاج الاسلام الخدابادى  
٧٤٦ شرح حديث الاربعين للتفتازانى وهو عمر بن مسعود العلامة سعد الدين المتوفى سنة  
[٧١] ٧٤٧ شرح حديث الاربعين للجامى وهو الشيخ نور الدين عبد الرحمن بن احمد  
5 للجامى المتوفى سنة [٧١٨] شرح كنهه بقطعة فارسية ثمّ ترجمه انصولى كلبها بقطعة اخرى تركية  
٧٤٨ شرح حديث الاربعين للخاقانى بالتركى نظمه لابن جعالى واتمه في ربيع الاول سنة ١١٠٣  
وسماه مفتاح الفتوحات لوقوعه في فتح اكرى. ٧٤٩ شرح حديث الاربعين لسلامى تركى  
اوله حمد فاحمدون وثناى نامعدود الخ ٧٥٠ شرح حديث الاربعين للسيوطى وهو جلال  
الدين عبد الرحمن بن ابى بكر المتوفى سنة ١١١٠ شرح حديث الاربعين للشيخ داود  
10 القيصرى [المتوفى سنة ١١٥١] على مشرب اجل التحقيق ٧٥٢ شرح حديث الاربعين

(inc. 3. Mai. 1573) mortuo. [Affert hic octo traditiones. Hunc commentarium ad  
suam rationem et dictionem *Mohammed Kermáni* Smyrnae iudex, vulgo *Ac* dictus,  
egregio modo perfecit]. — 7495. Sharh hadíth el-arbaín, commentarius in  
quadraginta traditiones, auctore *Táj-elislám Khodábádi*. — 7496. Sharh hadíth  
el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones, auctore viro doctissimo *Omar  
Ben Mes'ud Sa'd-ed-din*, vulgo *Teftázáni* dicto et anno [791 (inc. 31. Dec. 1338)]  
mortuo. — 7497. Sharh hadíth el-arbaín, commentarius in quadraginta  
traditiones, auctore Sheikh *Núr-ed-dín Abd-el-rahman Ben Ahmed*, vulgo *Jámi* 5  
dicto et anno [898 (inc. 23. Oct. 1492)] mortuo, qui omnia breviori poemate persico  
commentatus est. Eas totas *Fodhúli* alio breviori fragmento turcico interpretatus  
est. — 7498. Sharh hadíth el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones  
a *Khacáni* turcice compositus. Metrice eum in usum *Jigháli* scripsit et mense  
Rebi' I. anni 1012 (inc. 1. Jun. 1603) absolvit. Nominavit eum *Miftáh el-fotúhát*  
i. e. Clavem expugnationum, cum tempore, quo Agra expugnata est, ederetur. —  
7499. Sharh hadíth el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones turcicus,  
auctore *Selámi*. Incipit ita: Laus infinita et gloria immensa etc. — 7500. Sharh  
hadíth el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones, auctore *Jelál-ed-dín  
Abd-el-rahman Ben Abi Bekr*, vulgo *Soyúti* dicto et anno 911 (inc. 4. Jun. 1505)  
mortuo. — 7501. Sharh hadíth el-arbaín. commentarius in quadraginta  
traditiones, auctore Sheikh *Davud Caisari*, [anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuo], 10  
qui ad rationem asseclarum interioris cognitionis scripsit. — 7502. Sharh hadíth  
el-arbaín, commentarius in quadraginta traditiones *El-Kewákib El-Dhuiyet*



- للشيخ محيي الدين عبد القادر بن السيد محمد الشيبير بقضيب البان [المتوفى في حدود سنة 1140] سماه كواكب الضوئية ٧٥٣ شرح حديث الاربعين لصدر الدين محمد بن اسحق القونوي [المتوفى سنة ٩٧٢] سماه كشف استار جواهر الحكم المستخرجة المورثة من جوامع الكلم اوله الحمد لله الذي زين سماه الملة الحنفيه بنجوم الاحكام الخ اورد فيه تسعة وعشرين حديثا قال لما ثبت عند جماعة من المتقدمين ما قال النبي صلى الله عليه وسلم 5 تشوقوا لاستخراج الاربعينات من الاحاديث على انحاء مختلفة فمنهم من اختار الاحاديث المتضمنة للمواعظ وسماها المذكورة في خطبه عليه الصلاة والسلام كابن ودعان ومنهم من اختار المتضمنة للاحكام وغير ذلك وانفق ان جماعة من اصحابنا جربوا ان يصاعقوا في علم الحديث وافرة رغبوا الي في استخراج الحديث اسوة للمتقدمين انتهى ٧٥٤ شرح حديث الاربعين في الطب [النبوي] لموقف الدين عبد اللطيف بن يوسف [الكيم الفيلسوف] البغدادي المتوفى 10 سنة ٩٢٩ وشرح ابو العباس احمد بن اسعد المعروف بابن العالمة اندمشقي الاحاديث النبوية التي

- inscriptus, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Abd-el-cadir Ben-elseyyid Mohammed*, vulgo *Cadhîb el-bân* dicto [et circa annum 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuo]. — 7503. *Sharh hadîth el-arbaîn*, commentarius in quadraginta traditiones, auctore *Sadr-ed-din Mohammed Ben Is'hac Cunevi*, [anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo]. Inscriptus est *Kashf astâr jewâhir el-hikem el-mostakhrejet el-maurûthet min jewâmi' el-kilem*, et incipit ita: Laus Deo, qui coelum sectae Hanefiticae stellis statutorum practicorum ornavit etc. Affert viginti novem traditiones, et: Cum, ait, 5 multis majorum de veritate eorum, quae propheta dixerat, certe persuasum esset, desiderio incensi sunt fasciculos quadraginta traditionum secundum varias rationes eliciendi et colligendi. Fuerunt, qui traditiones eligerent monita paraenetica continentes et praecipue in concionibus sacris *Mohammedis* commemoratas, ut *Ibn Wed'ân*. Alii eas traditiones elegerunt, quae statuta practica et alia continerent; et accidit, ut plures amicorum meorum meam doctrinae traditionariae scientiam copiosam esse expertum haberent, quam ob rem ut majorum exemplum secutus traditiones elicere cupierunt. — Haec ille. — 7504. *Sharh hadîth el-arbaîn*, commentarius in 10 quadraginta traditiones de medicina [prophetica], auctore *Mowaffic-ed-din Abd-el-latîf Ben Yusuf Baghdâdi* [Medico et Philosopho], anno 629 (inc. 29. Oct. 1231) mortuo. Pariter *Abu'tabbâs Ahmed Ben As'ud Dimeshcki*, vulgo *Ibn-el-lâlimet* dictus, traditiones propheticas, quae medicinam spectant, commentatus est et anno 652 (inc.

تتعلق بالطب وتوفى سنة ٩٥٢ هـ شرح حديث الاربعة القدسيّة المسمّى بمفتاح الكنوز  
 ومصباح الرموز لحسين بن احمد بن محمد التبريزي قال بعد ما سمعت من الشيوخ زمان  
 مجاورتي بمكة المكرمة سنة ثلثين وسنة اربع وثلثين وسنة احدى وستين وسبعمانه وبمنبر  
 والقدس والعراق كتب الاحاديث اخترت ما يتعلّق باسرار عرفانيّة وعلوم لدنيّة وشرحها على  
 5 مقتضى مشرب القوم اعنى طائفة الصوفيّة وضممت اليها اربعين حديثًا من الاحاديث القدسيّة  
 ليكون المجموع ثمانين حديثًا متمسكًا بقوله عليه الصلوة والسلام ابناء الثمانين عتقاء الله  
 سبحانه وتعالى فشرحه ايضا على مشربيم ٧٥٩ هـ شرح حديث الاربعة للقاضي ابي النصر  
 ٧٥٧ هـ شرح حديث الاربعة للنورى وهو الامام محبى الدين يحيى بن شرف النوى المتوفى  
 سنة [٩٧٩] وشرحه معين ابن الصفى وخرجه الشيخ احمد بن على ابن حجر العسقلاني المتوفى  
 10 سنة [٩٥٢] وسماه تخريج الاربعة النواوية بالاسانيد العالبة وشرحه الشيخ نجم الدين سليمان

21. Febr. 1254) obiit. — 7505. Sharh hadith el-arba'in el-codsíyet, commentarius in quadraginta traditiones, quas propheta aut inspiratione aut somno a Deo accepit, *Miftáh el-konúz ice Misbáh el-romúz* inscriptus, auctore *Hosein Ben Ahmed Ben Mohammed Tebrízi*. Postquam, inquit, a Sheikhis tempore, quo religionis causa Mekkae, anno scilicet septingentesimo tricesimo, tricesimo quarto et sexagesimo primo, tum Cahirae, Hierosolymae et in Iraca versatus eram, libros traditionarios audivi, eas traditiones selegi, quae arcana spiritalia et doctrinas apud Deum depositas, harumque rerum pro ratione disciplinae, quam asseclae sectae theosophicae amplectebantur, expositionem spectabant, iisque quadraginta traditiones ex illis addidi, quas propheta a Deo acceperat, ut sylloge octoginta traditiones comprehenderet, secutus verba prophetae: „Octogenarii sunt viri Dei excelsi antiqui“. Has quoque disciplinae Theosoporum convenienter commentatus est. — 7506. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctore Cádhi *Abu'nasr*. — 7507. Sharh hadith el-arba'in, commentarius in quadraginta traditiones, auctore Imám *Mohyí-ed-din Yahya Ben Sheref*, vulgo *Newewi* dicto et anno [676 (inc. 4. Jun. 1277)] mortuo. Eisdem *Moin Ibn-elsafi* commentatus est, et Sheikh *Ahmed Ben Ali Ibn Hajr Ascaláni*, anno [852 (inc. 7. Mart. 1448)] mortuus, ex ceteris 10 in libro *Takhrij el-arba'in El-Newáwíyet bi'lasánid el-aliyet* inscripto elicuit. Praeterea commentarios in eas scripserunt Sheikh *Nejm-ed-din Soleimán Ibn*



ابن عبد القوى الطوفي الحنبلي المتوفى سنة ٧٠٠. والشيخ مصلح الدين محمد اللارى المتوفى سنة [٩٧١] والشيخ على بن ميمون المغربي المتوفى سنة [٩٧٧] شرحًا مفصلاً وأول من جمع حديثًا اربعينياً الامام الزاعد عبد الله بن مبارك المتوفى سنة [١٨١] والحافظ ابو نعيم جمعها في امر المهدي المنتظر ومحمد بن علي الغساني التزم فيها موافقة اسم شيخه اسم الصكابة في الرواية والشيخ ابو سعيد احمد بن الحسين الطوسي في فضل الفقراء والصوفية بطرح الاسانيد 5 والشيخ محمد بن ابي بكر المتوفى سنة زاد فيه ما يليق به للوعظ من الحكايات في الاخبار والآثار والشيخ جمالي الخلوئي وجمع السيوطي اربعين حديثًا في ورقة واربعين اخرى من رواية مالك عن نافع عن ابن عمر واربعين اخرى في الجهاد واربعين اخرى في الظيلسان والشيخ محمد بن محمود بن جمال الدين الاقسرائي المتوفى سنة على طريق التصوف وله شرح احاديث الاربعين القدسية ذكر في اوله السلطان بايزيد بن محمد خان وجمع ادريس 10 ابن حسام الدين البديسي بالفارسية ٧٥٨ شرح حديث ابي ذر العقبلي لنور الدين

*Abd-el-caui Taufi* Hanbalita, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuus — Sheikh *Moslîh-ed-dîn Mohammed Lâri*, anno [979 (inc. 26. Mai. 1571)] mortuus — Sheikh *Ali Ben Meimûn Maghribi*, anno [917 (inc. 31. Mart. 1511)] mortuus, cujus commentarius traditiones per singulas partes persecutus est. — Primi, qui fasciculos quadraginta traditionum collegerunt, fuerunt Imâm asceta *Abdallah Ben Mobârek*, anno [181 (inc. 5. Mart. 797)] mortuus — *Hâfîtz Abu Noeim*, qui quadraginta traditiones de *Mehdi* exspectato congescit — *Mohammed Ben Ali Ghassâni*, qui sibi legem scripsit, nomen praeceptoris sui cum nominibus sociorum prophetae in traditione 5 conciliandi — Sheikh *Abu Saïd Ahmed Ben-elhosein Tusi*, qui traditiones de praestantia Fackirorum et Theosophorum rejectis auctoritatibus collegit — Sheikh *Mohammed Ben Abi Bekr*, anno ... mortuus, qui historias in traditionibus prophetae ejusque sociorum obvias, quae paraenesibus convenirent, addidit — Sheikh *Jemâli Khalweti* — *Soyûti*, qui quadraginta traditiones uno folio collegit, et quadraginta alias a *Mâlik* traditas, qui eas a *Nâfi'* acceperat, et hic ab *Ibn Omar*, et quadraginta alias de bello sacro, et quadraginta alias de amiculo *Teilesân* — Sheikh *Mohammed Ben Mahmûd Ben Jemâl-ed-din Acserâi*, anno ... mortuus, qui ad rationem Suforum 10 scripsit. Idem commentarium in quadraginta traditiones a Deo prophetae suggestas edidit, in cujus initio Sultanum *Bâyezîd Ben Mohammed Khân* commemorat. Praeterea *Idris Ben Hosâm-ed-dîn Bidlisi* traditiones persice collegit. — 7508. Sharh hadîth Abi-Dzarr, commentarius in traditiones ab *Abu Dzarr Ocaili* collectas,



عبد الرحمن بن احمد الجامى المتوفى سنة ٨١٨ هـ ٧٠٩ شرح حديث الاستخارة للوقائى  
 ٧٠١ شرح حديث افترقت البيوت على احدى وسبعين فرقة وتفرقت النصارى على اثنتين وسبعين  
 فرقة وتفرق امتى على ثلث وسبعين فرقة لابي منصور عبد القاهر بن طاهر البغدادي [المتوفى  
 سنة ٤٢١] ٧٠٢ شرح حديث ام زرع لابي الفصل عياض بن موسى المتوفى سنة [٥٢٢]  
 5 شرحا مستوفيا ٧٠٣ شرح حديث بُيِّى الاسلام على خمس للشيخ عز الدين عبد السلام  
 ابن احمد البغدادي الحنفى المتوفى سنة ٥٠٩ هـ قال ابن عبد السلام وهو مؤلف نفيس مشتمل  
 على فوائد آلا انه وم في بعض احكامه لمذهب الشافعى واركان الصلوة وواجبات الحج والمذهب  
 خلافه فليحذر من اعتماده انتهى ٧٠٣ شرح حديث عبادة بن الصامت للشيخ ابي محمد  
 عبد الله بن سعد بن ابي جمره الازدى المتوفى سنة [٦٧٥] افرده بالتدوين بعد ان  
 10 اودعه في كتاب بيهجة النفوس وهو قوله عليه الصلوة والسلام يايعونى على ان لا

quas *Nūr-ed-din Abd-el-rahman Ben Ahmed Jami*, anno 898 (inc. 23. Oct. 1492) mortuus, collegit. — 7509. Sharh hadīth el-istikhāret, commentarius in traditionem *Istikhāret* dictam, qua favor Dei et bonus rei susceptae successus petitur, auctore *Wefāyī*. — 7510. Sharh hadīth „Iftaracat“ etc., commentarius in traditionem, quae dicit: Separantur Judaei in septuaginta unam sectam, Christiani in septuaginta duas, meus populus in septuaginta tres, auctore *Abu Mansūr Abd-el-cāhir Ben Tākir Baghdādi*, [anno 429 (inc. 14. Oct. 1037) mortuo]. — 7511. Sharh hadīth Omm Zar'a, commentarius copiosissimus in traditionem *Omm Zar'a* i. e. mater *Zar'ae*, auctore *Abu'lfadhl Iyādh Ben Musa*, anno [544 (inc. 11. Mai. 1149)] 5 mortuo. — 7512. Sharh hadīth „Boniya“ etc., commentarius in traditionem: *Islām* quinque fulcimentis sustinetur, auctore *Sheikh Izz-ed-din Abd-el-selām Ben Ahmed Baghdādi* Hanefita, anno 859 (inc. 22. Dec. 1455) mortuo. *Ibu Abd-el-selām*: Hic libellus, ait, pretiosus est et adnotationes utiles complectitur, nisi quod auctor in nonnullis statutis practicis in favorem sectae Shafiticae, in articulis precationis primariis et legibus peregrinationis sacrae praescriptis, quae sectae Hanefiticae contrariae sunt, hallucinatus est, quapropter caveas, ne ejus auctoritatem sequaris. — Haec ille. — 7513. Sharh hadīth *Obādet Ben-elsāmit*, commentarius in traditionem, quae de *Obādet Ben-elsāmit* agit, auctore *Sheikh Abu Mohammed Abdallah Ben Sa'd Ben Abi Jamra Azdi*, anno [675 (inc. 15. Jun. 1276)] mortuo, qui eam hic separatim tractavit, postquam in libro *Behjet el-nofūs* attulerat. Continet 10 autem verba prophetae: „Promittite mihi, ut Deo nullum socium addatis“, et incipit

تَشْرِكُوا بِاللَّهِ شَيْئاً أُولَئِكَ أُولُو الْحَمْدِ لِلَّهِ الَّذِي أَطْلَعَ مِنْ سَيِّئِ لَفْظِ حَرِيرَتِهِ شَمُوساً الْحَجَّ وَلَهُ شَرْحُ  
 حَدِيثِ الْإِفْكِ إِفْرَدَهُ بَعْدَ ذِكْرِهِ فِيهِ أُولُو الْحَمْدِ لِلَّهِ الَّذِي طَهَّرَ بِمَقْتَضَى التَّنْزِيلِ تَطْطِيرَ مَنْ  
 قَدْ اخْتَارَهُ الْحَجَّ وَلَهُ شَرْحُ حَدِيثِ الْأَسْرَاءِ أُولُو الْحَمْدِ لِلَّهِ الَّذِي أَطْهَرَ مَنْ سَرَّ قَدْرَتَهُ بِاخْتِرَاقِ  
 الْعَادَاتِ الْحَجَّ إِفْرَدَهُ بِالْتَدْوِينِ بَعْدَ أَنْ ذَكَرَهُ فِي كِتَابِهِ بِبِحْجَةِ النُّفُوسِ vol 4 شرح حديث  
 كَلِمَتَانِ حَقِيقَتَانِ الْحَجَّ فِي جِزءٍ لِلْمَحْقَقِ كَمَالِ الدِّينِ مُحَمَّدِ بْنِ عَبْدِ الْوَاحِدِ بْنِ الْهَيْمَامِ لِلْمُنْقَى 5  
 الْمُتَوَفَى سَنَةَ ٨١٩ هـ افْتَتَحَ بِقَوْلِهِ دَخَلْتُ عَلَى امْرَأَةٍ بَوْرَقَةٌ ذَكَرْتُ أَنَّ رَجُلًا دَفَعْنَا إِلَيْهَا فَسَأَلَ الْجَوَابَ  
 عَمَّا فِيهَا فَظَنَرْتُ فَإِذَا هُوَ سَوَّالٌ عَنْ أَعْرَابِهِ فَذَاكَ الْجَوَابُ vol 5 شرح حديث كنت كثرًا مخفياً  
 لِلشَّيْخِ بَالِي خَلِيفَةَ الصَّوْفِيِّ الْمُتَوَفَى سَنَةَ ٩١٠ هـ شرح حروف العطف لعبد الباقى بن  
 مُحَمَّدِ الْمُتَوَفَى تَقْرِيباً سَنَةَ ٣١٠ vol 7 شرح الحوقلة والحيعلة لجلال الدين عبد الرحمن  
 ابْنِ أَبِي بَكْرِ السَّبِيوْطِيِّ الْمُتَوَفَى سَنَةَ ٩١٠ هـ وَهُوَ أَوَّلُ تَأْلِيفَةٍ فِي سَنَةِ ٨١٩ هـ مَعَ شَرْحِ الْبَسْمَلَةِ 10

libellus ita: Laus Deo, qui de coelo verbum serici sui tanquam soles apparere jubet etc. Idem commentarium in traditionem *Ifk* i. e. „mendacium“ dictam edidit, quam pariter, postquam eam in libello illo protulerat, singulari scripto tractavit, quod ita incipit: Laus Deo, qui juxta revelationis praecepta purificandos eos curavit, quos praeter ceteros elegit etc. Denique commentarium in traditionem *El-Isrâ* i. e. „iter nocturnum“ scripsit, qui ita incipit: Laus Deo, qui ex arcano potentiae suae factis extraordinariis prodire jussit etc. De hac quoque separatim disseruit, postquam 5 eam in libro *Behjet el-nofûs* protulerat. — 7514. Sharh hadîth „Kelimetân hackîcatân“, commentarius in traditionem, quae ita incipit: „Duo verba vera“ etc., auctore viro acutissimo *Kemûl-ed-din Mohammed Ben Abd-el-wâhid Ben-el-hemmâm Hanefita*, anno 861 (inc. 29. Nov. 1456) mortuo. Fasciculus, quem ab his verbis incipit: Intravit ad me subito femina cum folio, quod a quodam viro sibi datum esse dixit. Hic responsum de folii argumento petiit, quod cum inspexissem, ecce, quaestio fuit de grammaticali illius traditionis analysi. Habes hic responsum redditum. — 7515. Sharh hadîth „Konto“ etc., commentarius in traditionem „Sum thesaurus absconditus“, auctore Sheikh *Bâli Khalifa Sufiyehwi*, anno 960 (inc. 18. Dec. 1552) mortuo. — 7516. Sharh horûf el-atf, commentarius in conjunctiones, auctore *Abd-el-bâcki Ben Mohammed*, circa annum 390 (inc. 13. Dec. 999) mortuo. — 7517. Sharh el-haucalet we el-haialet, commentarius in formulas „Non est potestas neque vis nisi in Deo“ et „Accede ad precem“, auctore *Jelâl-ed-dîn* 10 *Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyûti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Hoc primum ejus opus est, quod simul cum commentario in formulam „Nominem Dei“



- vol ١ شرح خلع النعلين للشيخ محيى الدين محمد بن على ابن عرقى المتوفى سنة ٦٣٨
- vol ١ شرح السنة للإمام حسين بن مسعود البغوى المتوفى سنة ٥٩١ اوله الحمد لله الذى لم يتخذ ولداً ولم يكن له شريك فى الملك الخ واختصره صفى الدين محمود بن ابي بكر الارموى ثم القرائى المتوفى سنة ١٠١٣، وللحافظ ابى القاسم حبة اللد الطبرى الاسكافى المتوفى سنة ٥٠٥ واختصره الشيخ الامام ابو القاسم عبد الله بن الحسن بن عبد الملك الواسطى الشافعى بحذف اسانيده وسماه لباب شرح السنة فى معرفة احكام الكتاب والسنة اوله الحمد لله رب العالمين الخ واختصره بعضهم وسماه الفلاح قال الشيخ علاء الدولة احمد بن محمد بن احمد البناء المالكي بعد اتمام كتابته رأيت فى الواقعة فى ذى القعدة سنة ٦٠٤ فى ايدى اعل الغيب فأخذته منيم ونظرت فيه وجدت مكتوباً على ظهره كتاب الفلاح انا اقرأ واقول هذا مختصر 10 شرح السنة يقولون اسمه فى الغيب كتاب الفلاح والذى سمّيته من قبل هو انف الفلاح ووقع الفراغ من كتابته فى سنة ست وثمانين وستمئة فى خانقاه السكاكى بسمنان ورضى الدين ابراهيم

anno 886 (inc. 2. Mart. 1431) composuit. — 7518. Sharh khal'i' el-na'lein, commentarius de pedibus exalceandis, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Ali Ibn Arabi*, anno 638 (inc. 23. Jul. 1240) mortuo. — 7519. Sharh El-Sunnet, commentarius in Sunnam, auctore Imám *Hosein Ben Mes'ud Beghewi*, anno 516 (inc. 12. Mart. 1122) mortuo, qui ita orsus est: Laus Deo, qui nullum filium suscepit et nullum regni socium habet etc. Epitomen libri ediderunt *Safi-ed-din Mahmúd Ben Abi Bekr*, primum Ormiyae tum Caráfae inquilinus, qui anno 723 (inc. 10. Jan. 1323) obiit — Háfitz *Abu'l-cásim Hibetallah Taberi Iskáfi*, anno . . . 5 mortuus — Sheikh et Imám *Abu'l-cásim Abdallah Ben-elhasan Ben Abd-el-melik Wásiti* Shafita, qui auctoritates deleuit et epitomen *Lobáb Sharh El-Sunnet fi ma'rifet ahkám El-Kitáb we El-Sunnet* inscripsit. Incipit haec ita: Laus Deo, mundorum domino etc. Porro alius quidam epitomen confecit *El-Feláh* inscriptam. Sheikh *Alá-ed-dewlet Ahmed Ben Mohammed Ben Ahmed El-Benná* Malikita, finita ejus scriptione: Vidi, inquit, librum in calamitate, quae mense Dzi'lca'det anni 604 (inc. 28. Jul. 1207) accidit, in manibus asseclarum mundi invisibilis, eumque ab illis acceptum inspexi et dorso titulum *Kitáb el-feláh* inscriptum inveni. Legi et dixi: Haec epitome commentarii in *Sunnam* est. Libri nomen in doctrina 10 arcanorum *Kitáb el-feláh* esse responderunt; et quem supra nominavi librum, *Anf el-feláh* est. Scriptio ejus finita est anno 686 (inc. 16. Febr. 1287) in coenobio *Sekkáki* in urbe *Simúan* — et *Redhi-ed-din Ibráhim Ben Mohammed Taberi*,



- ابن محمد الطبري المتوفى سنة ٧٣ ومآه الجنتة في مختصر شرح السنة قال محيي السنة فهذا كتاب يتضمن كثيراً من علوم الاحاديث وثواند الاخبار المروية عن النبي صلعم من حل مشكلها وتفسير غريبها وبيان احكامها يترتب علينا من الفقه واختلاف العلماء جمل لا يستغنى عن معرفتها المرجوع اليه في الاحكام ولم اودع الا ما اعتمد ائمة السلف الذين هم اجل الصنعة المسلم لهم الامر وما اودعوا في كتبهم ما اعرضوا عنه من المقلوب والموضوع 5 والجنول وانفقوا على تركه فعرضت الكتاب عنها الخ فبدأ بكتاب الايمان vol. شرح سوال كميل بن زياد عن علي رضي الله عنه وجوابه عنه ورقتان للشيخ محمود بن علي بن ابي طاهر الكاشي اوله ما الحقيقية الخ vol. شرح اشعار السنة لابن عصفور علي بن مؤمن النحوي المتوفى سنة ٦٩٩ وابي بكر عاصم بن ايوب البجليوسي النحوي المتوفى سنة ١١٤
- vol. شرح شطحيات لابي محمد بن ابي نصر البجلي vol. شرح شعر الاعشى والغابغة والزهير 10

anno 722 (inc. 20. Jan. 1322) mortuus, qui epitomen *El-Junnet fi mokhtasar Sharh El-Sunnet* nominavit. *Mohyi-el-sunnet*: Hic liber, inquit, multa continet ex doctrinis rei traditionariae et adnotationibus utilibus in traditiones auctoritate prophetae relatas, quatenus illae harum difficultates solvunt, dictiones rariores explicant et statuta practica exponunt, quibus maxima pars jurisprudentiae et variarum virorum doctorum opinionum adstricta est, et quorum cognitione is, ad quem in statutis practicis definiendis recurritur, carere non potest. Et ego nonnisi ea proposui, quibus majorum Imami fidem habebant, quippe qui hujus artis experientiam et gloriam summae auctoritatis concessam tenebant, nec in libris suis quidquam eorum attulerunt, quae inversa, supposita et incognita erant, quae evitabant et in quibus 5 relinquendis consentiebant. Quapropter ego quoque librum ab ejusmodi additamentis immunem praestiti etc. — Inceptum autem est a capite confessionis fidei. — 7520. Sharh sowal Kemil, commentarius in quaestionem *Kemili Ben Ziyad* de *Ali*, cui Deus propitius sit, et responsum de ea redditum. Duo folia, auctore Sheikh *Mahmud Ben Ali Ben Abi Tahir Kashi*. Incipit ita: Quid veritas etc. — 7521. Sharh el-ash'ar el-sittet, commentarius in carmina sex, auctoribus *Ali Ben Mumin* Grammatico, vulgo *Ibn Osfur* dicto et anno 669 (inc. 20. Aug. 1270) mortuo, et *Abu Bekr Asim Ben Eyyub Botolyusi* Grammatico, anno 194 (inc. 15. Oct. 10 809) mortuo. — 7522. Sharh el-shat'hiyat, commentarius in carmina compositionibus facta, auctore *Abu Mohammed Ben Abi Nasr Backili*. — 7523. Sharh shi'r El-Asha we El-Nabigha we El-Zoheir, commentarius in carmina

لاى بكر محمد بن قاسم المعروف بابن الالبارى النحوى المتوفى سنة ٣٦٨ ٧٥٤ شرح شعر  
 الهدليين لائى سعيد السكرى ٧٥٥ شرح شعر حذيل لائى على احمد بن محمد المرزوقى  
 المتوفى سنة ٤٢١ ٧٥٦ شرح الصدر بذكر ليلة القدر لائى زرعة احمد بن عبد الرحيم العراقى  
 المتوفى سنة ٨٢١ ٧٥٧ شرح الصدور بشرح حال الموتى والقبور لجلال الدين السيوطى  
 5 المتوفى سنة ٩١١ مجلد اوله الحمد لله الذى ايقظ من شاء من سنة الغفلة الخ ذكر فيه  
 امور البرزخ من حين المرض الى ان ينفخ فى الصور ناقلاً له من الاحاديث والآثار من كتب  
 الحديث محرراً ما وقع من ذلك فى تذكرة القرطى بالتنقيح والتخريج مع زوائد جملة  
 ٧٥٨ شرح الصلوة للحكيم الترمذى المذكور فى اثبات العلل ٧٥٩ شرح العشر فى  
 معشر الحشر للعلامة احمد بن كمال باشا المتوفى سنة ٩٤٠ رسالة فى [تفسير عشر آيات بينات  
 10 فى] احوال الحشر ٧٥٣ شرح غزل سلطان مراد [خان] الثالث لبعض العلماء ٧٥٣١ شرح

*Ashae, Nabighae et Zoheiri*, auctore *Abu Bekr Mohammed Ben Casim Grammatico*,  
 vulgo *Ibn-el-anbârî* dicto et anno 328 (inc. 18. Oct. 939) mortuo. — 7524. *Sharh*  
*shi'r Hodzeliyîn*, commentarius in carmina *Hodzeliidarum*, auctore *Abu Said*  
*Sokkari*. — 7525. *Sharh shi'r Hodzeil*, commentarius in carmina *Hodzeilî*,  
 auctore *Abu Ali Ahmed Ben Mohammed Merzúcki*, anno 421 (inc. 9. Jan. 1030)  
 mortuo. — 7526. *Sharh el-sadr*, affectio animi noctis decreti descriptione  
 exhilarata, auctore *Abu Zor'a Ahmed Ben Abd-el-rehîm Irácki*, anno 821 (inc.  
 6. Jan. 1421) mortuo. — 7527. *Sharh el-sodúr*, affectio animorum bene disposita  
 statu mortuorum et sepulchrorum descripto, auctore *Jelál-ed-dîn Soyúti*, anno 911 5  
 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo, qui eos quos  
 resurrexerunt spectantes a tempore morbi mortiferi usque ad tempus quo tuba canetur,  
 allatis traditionibus prophetae ejusque sociorum e libris traditionum petitis, et iis  
 diligenter notatis, quae operi *Tedzkiret a Cortubi* edito breviter extracta et elicita  
 simul cum multis additamentis inserta sunt. — 7528. *Sharh el-salát*, commentarius  
 in precem *Salát*, auctore *Tirmidzi Hakim* i. e. „Philosophus“ cognominato. Mentio ejus  
 facta est in opere *Ithbát el-ilel*. — 7529. *Sharh el-asher*, commentarius in decem  
 versus Corani de congregatione hominum die extremi iudicii; auctore viro doctissimo  
*Ahmed Ben Kemálpasha*, anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuo. Tractatus, [qui  
 expositionem continet decem versuum Corani perspicuorum], de rebus congregationem 10  
 illam spectantibus. — 7530. *Sharh ghazal Sultán Murád*, commentarius in carmen  
 Sultani *Murád [Khán] III*. amatorium, auctore quodam viro docto. — 7531. *Sharh*



- القلوب في التصوف ٧٥٣٢ شرح انقلوب ذكره العطار في أول التذكرة في احوال الاولياء
- ٧٥٣٣ شرح القنوت لابن كمال ولقاسم اوله اللهم ارزقني فهم النبيين الخ وللشيخ قاضي زاده
- اوله الحمد لله الذي قنت له الخلف الخ ٧٥٣٤ شرح كلمتي الشهادة لمحيي الدين
- يوسف الايديني اوله حمداً لمحمدنا الذي الخ رتبته على طبقات وذكر ان المولى محمود
- الزرغرافي لما كتب رسالته تركية في شرحها واعرابها وارسلها الى اهل المدينة وادرجه في الطبقة 5
- الثالثة وارسلها الى الروم وسماه باعراب ائمة الايمان ٧٥٣٥ شرح كلمتي الشهادة لمحيي الدين
- محمد بن سليمان الكاذبيجي [وكان من مشايخ الحافظ السيوطي] المتوفى سنة ٨٧٩ اوله
- الحمد لله الذي خلق الارض عبرة لذوي الهدي الخ رتبته على مقدمة وثلاثة ابواب وخاتمة
- سماه الانوار وعبد الله بن محمد بن عبد العزيز السمرقندي اوله الحمد لله الطاهر
- وجوده بشهادة الكائنات الخ اورد فيه مسائل الكلام اجمالاً وللمولى جلال الدين محمد 10

el-colúb, laeta cordium affectio de Theosophia. — 7532. Sharh el-colúb, laeta cordium affectio. Mentionem hujus libelli facit *Attár* ab initio operis *Tedzkiret* de rebus ad viros sanctos pertinentibus. — 7533. Sharh el-conút, commentarius in formulam „Nos te obedienter adoramus“, auctoribus *Ibn Kemál* — *Cásim*, ejus commentarius ita incipit: O Deus, largire mihi intellectum prophetarum etc., et — *Sheikh Cadhízádeh*, ejus liber ita incipit: Laus Deo, quem creaturae obedienter adorant etc. — 7534. Sharh kelimatei el-shehádét, commentarius in duas partes formulae confessionis: Non est Deus nisi *Allah* et *Mohammed* ejus legatus, auctore *Mohyi-ed-din Yusuf Eidni*. Incipit ita: Laudem laude nostra digno, 5 qui etc., et in classes distributus est. Auctor Mollam *Mahmúd Zaghráni* tractatum turcicum de illius formulae expositione et analysi grammaticali scriptum ad Medinenses seque eum tertiae classi insertum ad Rumaeos misisse narrat. Inscriptus eum *Iráb aïmmet el-ímán*. — 7535. Sharh kelimatei el-shehádét, commentarius in duas ejusdem formulae partes, auctoribus *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Soleimán Káfiji* [*Háfítzi Soyúti* Sheikho], anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuo. Incipit ita: Laus Deo, qui terram tanquam exemplum iis propositum creavit, qui recta via ducuntur etc., et in praefationem, tria capita et conclusionem dispositus et *El-Anwár* inscriptus est — *Abdallah Ben Mohammed Ben Abd-el-aziz Samarcandi*, qui 10 commentarium ita orsus est: Laus Deo, qui existentiam suam adspectabili rerum creaturarum natura manifestavit etc., et quaestiones metaphysicas summatim proponit —



- ابن اسعد الصديقي الدواني [المتوفى سنة ٩٠٨] وللشيخ ولى الدين محمد بن احمد العثماني الشافعي اوله الحمد لله المنفرد صديقه الخ وهو مرتب على خمسة ابواب ٧٥٣٦ شرح معما الاسماء الحسنى لمحمود بن عثمان اللامعى البرسوى المتوفى سنة ٩٣٨ ٧٥٣٧ شرح المفصليات اى اسماء التفضيل لابي الفضل احمد بن محمد الميداني المتوفى سنة ٥١٨ وابى جعفر احمد بن محمد النحاس النحوى المتوفى سنة ٣٣٨ وابى على احمد بن محمد المرزوقى المتوفى سنة ٤١٩ وابى زكرياء يحيى بن على بن الخطيب التبريزى المتوفى سنة ٥٠٢ وابن الانبارى ٧٥٣٨ شرح المقلتين فى حكم التلتين لمحمد بن ابراهيم المعروف بابن الحنبلى الحلبى المتوفى سنة [٩٧] ٧٥٣٩ الشرح المبكى فى نسب الحسن المبطل مختصر للامام الحافظ ابى موسى محمد ابن عمر المدينى الاصفهانى [المتوفى سنة ٤٥٨] وذكر فيه سند حسن بن مسلم فى حديث 10 مسلم فى الاثرية اوله الحمد لله الذى يختص من شاء من عباده الخ ٧٥٤٠ شرح الناس

Molla *Jelûl-ed-dîn Mohammed Ben As'ad Sadîckî Dewânî*, [anno 908 (inc. 7. Jul. 1502) mortuo] — et Sheikh *Welî-ed-dîn Mohammed Ben Ahmed Othmânî* Shafiita, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui aeternitate distinctus est etc., et in quinque dispositus est capita. — 7536. Sharh moammá el-asmá el-hosná, commentarius in locos obscuriores nominum Dei pulchrorum, auctore *Mahmûd Ben Othmán Lámîi Bursewî*, anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuo. — 7537. Sharh el-mofadhdhelíyát, commentarius in nomina superlativa *Mofadhdhelíyát* dicta, auctoribus *Abu'fadhl Ahmed Ben Mohammed Meidânî*, anno 518 (inc. 19. Febr. 1124) mortuo — *Abu Ja'far Ahmed Ben Mohammed Nahhús* Grammatico, anno 338 5 (inc. 1. Jul. 949) mortuo — *Abu Ali Ahmed Ben Mohammed Merzúckî*, anno 421 (inc. 9. Jan. 1030) mortuo — *Abu Zakariyá Yahya Ben Ali Ben-elkhatîb Tebrízî*, anno 502 (inc. 11. Aug. 1108) mortuo — et *Ibn-elambári*. — 7538. Sharh el-moclátein, apertio lata duorum oculorum nigricantium de iis, quae ad duas potus portiones pertinent, auctore *Mohammed Ben Ibráhim Halebî*, vulgo *Ibn-elhanbali* dicto et anno [971 (inc. 21. Aug. 1563)] mortuo. — 7539. El-Sharh El-Mokammel, commentarius absolutus de genealogia *Hasani* neglecta, auctore *Imám Háfítz Abu Musa Mohammed Ben Omar Medîni Isfahânî*, [anno 581 (inc. 4. Apr. 1185) mortuo]. In hoc compendio, quod ita incipit: Laus Deo, qui ex cultoribus suis eos quos vult praeter ceteros distinxit etc., auctoritatem *Hasani Ben Moslim* in 10 traditione „*Moslim* de potionibus“ describit. — 7540. Sharh el-nás niyám, IV.

نِيَامَ فاذا ماتوا انتبهوا للشيخ الامام شمس الدين الكشى اوله الحمد لله المبدى المعيد  
 الخ شرحه على طريقة اهل التحقيق ٧٥١١. الشرح والبيان للاربعين المنسوب الى ابن ودعان  
 وهو شرح فارسي اوله الحمد لله نبي الجلال والكبرياء الخ ٧٥١٢ شرط القراءة على الشيوخ  
 للحافظ السلفي [الاصغياتي ابي طاهر احمد بن محمد مسند الدنيا المتوفى سنة ٥٧٩]  
 ٧٥١٣ شرط المستنصرية مجلد للشيخ تاج الدين علي بن انجب البغدادي مات سنة ٧٤٧ 5  
 اوله حمدا لمن على عبادته الخ قال وسميته بمفاتيح الجنان ومصاييح الجنان ٧٥١٤ شرحة  
 الاسلام للامام الواظي ركن الاسلام محمد بن ابي بكر المعروف بامام زاده الحنفى المتوفى  
 سنة ٥٧٣ وهو كتاب نفيس كثير الفوائد في مجلد قال فيه فيذه عقود منظومة من سنن  
 سيد المرسلين منتقدة من كتب الامة من علماء الدين فانه اول ما يلحق به اطفال اهل  
 الايمان انتبى وترتيبه على احد وستين فصلا وشرحه المولى يعقوب بن سيدى على شرحا 10

commentarius in traditionem: Homines dormiunt, et quando moriuntur, ad vitam  
 revocantur, auctore Sheikh et Imám *Shems-ed-dín Keshshi*. Incipit ita: Laus Deo  
 creatori et resuscitatori etc., et ad rationem asseclarum interioris cognitionis com-  
 positus est. — 7541. *El-Sharh we El-Beyán*, commentarius et expositio  
 quadraginta traditionum. Commentarius persicus, qui *Ibn Wed'ano* tribuitur et ita  
 incipit: Laus Deo magnitudine et majestate praedito etc. — 7542. *Shart el-*  
*ckiráat ala El-Shoyúkh*, conditio, qua coram doctoribus legendum est, auctore  
*Háfiz [Abu Táhír Ahmed Ben Mohammed Musnad el-dunyá Isfaháni]*, vulgo *Silefi*  
 5 dicto [et anno 576 (inc. 28. Mai. 1180) mortuo]. — 7543. *Shart El-Mostan-*  
*siríyet*, conditio, qua in scholam *Mostansiríyet* intratur, auctore Sheikh *Táj-ed-dín*  
*Ali Ben Anjeb Baghdádi*, anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuo. Volumen, quod  
 ita incipit: Laudem ei, qui in servos suos beneficus est etc. Nominavi, inquit,  
 librum *Mefátih el-jinán we Mesúbih el-jenán*. — 7544. *Shir'at el-islám*,  
 religio islamica, auctore Imám *Rokn el-islám Mohammed Ben Abi Bekr* Concionatore  
 Hanefita, vulgo *Imámzádeh* dicto et anno 573 (inc. 30. Jun. 1177) mortuo. Volumen  
 pretiosum in sexaginta unam sectionem distributum et multarum adnotationum utilium  
 plenum, ubi auctor: Haec, inquit, monilia sunt ordine juncta de traditionibus principis  
 legatorum e libris Imamorum eruditione rerum divinarum inclutorum cum delectu  
 10 congestis. Praestantissimus liber est, quo pueri fidelium docentur. Haec ille. —  
 Commentarios in eum scripserunt Molla *Yacúb Ben Seyyidi Ali*, anno ... mortuus,



- مفيدًا وتوفى سنة والشيوخ يحيى بن يخشى بن يخشى بن ابراهيم الرومي وهو شرح  
 معزج اقصر من شرح ابن سيدى على اوله الحمد له انذى اصل اصول الاصول الخ توفى  
 سنة والشيوخ محمد بن عمر المعروف بقورد افندى في مجلدين وهو اعظم شروحه توفى سنة ١١١  
 ٧٥٥ شرعة في القرات السبع للشيوخ برهان الدين ابراهيم بن عمر الجعبرى المقرئ المتوفى  
 5 سنة ٧٣٢ وللشيخ شرف الدين عبة الله بن عبد الرحيم البارزى الكهموى المتوفى سنة ٧٣٨  
 وهو كتاب حسن لم يذكر فيه مسائل ذكر الغرس في ابواب اصولية ٧٥٤٦ شرف الاخبار  
 مستخرج مسلم ٧٥٤٧ شرف احباب الحديث للحافظ احمد بن على الخطيب البغدادي  
 ٧٥٤٨ شرف الاضافة في منصب الخلافة لجلال الدين السيوطى ذكره في فهرس مؤلفاته في فن  
 الحديث ٧٥٤٩ شرف الانسان تركى محمود بن عثمان المتخلص بلامعى المتوفى سنة [١٤٠]  
 ٧٥٥ شرف الاوقات ٧٥٥٠ شرف البدر بصياء ليلة القدر للشيخ بدر الدين القرافى آلفه في سنة ٩٨٧

cujus commentarius utilis ad discendum est — Sheikh *Yahya Ben Yakhshi Ben Yakhshi Ben Ibrahim Rumi*, anno ... mortuus, cujus commentarius textum admixtum habet et brevior commentario *Ibn Seyyidi Ali* est, et ita incipit: Laus Deo, qui fundamenta prima principiorum jecit — Sheikh *Mohammed Ben Omar*, vulgo *Curd Efendi* dictus et anno 996 (inc. 22. Nov. 1587) mortuus, cujus commentarius duobus voluminibus comprehensus omnium maximus est. — 7545. *Shirat fi el-ckiraát*, leges institutae de septem Corani recensionibus, auctoribus Sheikh *Borhan-ed-din Ibrahim Ben Omar Ja'beri* Corani Lectore, anno 732 (inc. 4. Oct. 1331) mortuo, 5 et Sheikh *Sheref-ed-din Hibatallah Ben Abd-el-rehim Barizi Hamawi*, anno 738 (inc. 30. Jul. 1337) mortuo. Liber probatus, in quo quaestiones non commemorantur, sed Persae in capitibus, quae principia hujus doctrinae tractant. — 7546. *Sheref el-akhbár*, praestantia traditionum producta et concessa. — 7547. *Sheref as'háb el-hadíth*, praestantia traditionariorum, auctore Háfitz *Ahmed Ben Ali El-Khatib El-Baghdádi*. — 7548. *Sheref el-idháfet*, celsitudo relationis de Khalifatus dignitate, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*, qui libellum in indice scriptorum inter eos recenset, qui doctrinam traditionariam tractant. — 7549. *Sheref el-insán*, celsitudo hominis, auctore *Mahmúd Ben Othmán*, *Lámii* cognominato et anno [940 (inc. 23. Jul. 1533)] mortuo. Turcice. — 7550. *Sheref el-aucát*, praestantia 10 temporum. — 7551. *Sheref el-bedr*, praestantia lunae luce in nocte decrei sparsa eminens. Sheikh *Bedr-ed-din Caráfi* anno 987 (inc. 28. Febr. 1579) hunc

- اوله الحمد لله الذى شرف هذه الامة الخ ٧٥٥٢ شرف البهار في اختيار مشارق الانوار لابي  
 جعفر احمد بن الحسن مالقي النحوى المتوفى سنة ٧٢٨ ٧٥٥٣ شرف السلف لابي العلاء  
 احمد بن عبد الله المعرى مات سنة ٤٤٩ وهو عشرون كراسة عمله لامير الجيوش ٧٥٥٤ شرف  
 الشكيليّات واسرار الحروف العدديّات للشيخ محبى الدين ابى العباس احمد البوفى القرشى اوله  
 الحمد لله الذى ادار بيد الاسرار لطائف الافلاك الملكوتيات الخ ٧٥٥٥ شرف الفقر على الغنى 5  
 لابي اسحق ابراهيم بن محمد الكلاباذى المتوفى سنة ٧٥٥٦ شرف المصنفى لابي الفرج  
 على بن عبد الرحمن المعروف بابن الجوزى المتوفى سنة [٥١٧] ولابي سعيد وهو الخافظ ابو  
 سعيد عبد الملك بن محمد النيسابورى [الخركوشى] وهذا الكتاب ثمان مجلّدات مات سنة ٤٠٩  
 ٧٥٥٧ شرف نامه في اللغة الفارسيّة لمنيرى ٧٥٥٨ شرف النبوة من كتب الاحاديث لابي سعيد  
 عبد الملك بن [ابى] عثمان [محمد] الواعظ [الخركوشى المار ذكره] كذا في فضائل العشرة 10

- librum composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui hunc populum dignitate ornavit etc. —  
 7552. Sheref el-bihâr, majestas lunae splendentis de eligendis luminum ortibus,  
 auctore *Abu Ja'far Ahmed Ben-el-hasan Mûlacki* Grammatico, anno 728 (inc.  
 17. Nov. 1327) mortuo. — 7553. Sheref el-selef, celsitudo majorum. Viginti  
 decem foliorum fasciculi, quos *Abu'lalâ Ahmed Ben Abdallah Maarri*, anno 449  
 (inc. 10. Mart. 1057) mortuus, Eniro exercituum composuit. — 7554. Sheref  
 el-shokeilîyât, praestantia formularum pictarum et arcana literarum numerando  
 inservientium, auctore *Sheikh Mohyi-ed-din Abu'labbâs Ahmed Buni Coreshi*.  
 5 Incipit ita: Laus Deo, qui ope arcanorum sphaeras subtiles mundorum invisibilium  
 circumvertit etc. — 7555. Sheref el-facr, praestantia paupertatis divitiis prae-  
 ferendae, auctore *Abu Is'hac Ibrâhîm Ben Mohammed Kelâbdâzi*, anno ... mortuo. —  
 7556. Sheref el-mustafâ, gloria prophetae electi, auctoribus *Abu'lfaraj Ali Ben  
 Abd-el-rahman*, vulgo *Ibn-eljauzi* dicto et anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo,  
 et *Hâfîtz Abu Saïd Abd-el-melik Ben Mohammed Nisâbûri [Kharkûshi]*, vulgo  
*Abu Saïd* dicto et anno 406 (inc. 21. Jun. 1015) mortuo, ejus opus octo volumina  
 complectitur. — 7557. Sheref-nâmeh, liber celsitudinis de lingua persica, auctore  
*Montri*. — 7558. Sheref el-nobowwet, celsitudo prophetiae. Liber ad rem  
 10 traditionariam pertinens, auctore *Abu Saïd Abd-el-melik Ben [Abi] Othmân  
 [Mohammed Kharkûshi]* Concionatore [supra laudato]. Ita quidem in libro *Fedhâil  
 el-asheret* i. e. de virtutibus decem prophetarum legitur. —



## علم الشروط والسجلات

هو علم باحث عن كيفية ثبت الاحكام الثابتة عند القاضي في الكتب والسجلات على وجه يصح الاحتجاج به عند انقضاء شهود الحال وموضوعه تلك الاحكام من حيث الكتابة وبعض مبادئ مأخوذ من الفقه وبعضها من علم الانشاء وبعضها من الرسوم والعادات والامور 5 الاستحسانية وهو من فروع الفقه حيث كون ترتيبه معانيه موافقا لقوانين الشرع وقد يجعل من فروع الادب باعتبار تحسين الالفاظ واول من صنّف خلال بن يحيى البصرى [الحنفى] المتوفى سنة [١٣٥] ولائى زيد احمد [بن زيد] الشروطى [الحنفى] ثلاث كتب كبير وصغير ومتوسط توفى سنة وليحيى بن بكر [الحنفى] المتوفى سنة ولائى جعفر احمد بن محمد الامام الطحاوى المتوفى سنة ٣٢١ فى اربعين جزءا اوله اما بعد حمد الله عز وجل الخ ولائى نصر 10 الدبوسى المتوفى سنة وللحاكم ابى نصر احمد بن محمد السمرقندى المتوفى سنة [٥٠].

7559. *Ilm el-shorút we el-sijillát. Doctrina documentorum et actorum publicorum.*

Haec doctrina quaerit de ratione, qua decreta coram iudice confirmata in scriptis et sygraphis exaranda sint, ita ut argumentatio ex iis deducta ad casus praesentis testificationem sanctione absolvendam comprobata et stabilita sit. Objectum doctrinae decreta illa sunt, quatenus scripto mandanda sunt. Alia ejus elementa e jurisprudentia, alia e doctrina stili elegantioris, alia ex regulis usu et consuetudine receptis aliisque rebus probabilibus petita sunt. Pertinet ad partes jurisprudentiae secundariae, 5 quatenus dispositio ejus argumentorum instituenda statutis legis consentanea est, et interdum in partibus philologiae secundariis numeratur, ratione scriptionis eleganter administrandae habita. — Primus qui de ea scripsit, fuit *Hilál Ben Yahya Basri* [Hanefita], anno [245 (inc. 8. Apr. 859)] mortuus, et *Abu Zeid Ahmed* [Ben Zeid] *Shorúti* [Hanefita], anno ... mortuus, tres libros de ea composuit, majorem, minorem et medium. De eadem scripserunt *Yahya Ben Bekr* [Hanefita], anno ... mortuus — *Imám Abu Ja'far Ahmed Ben Mohammed Taháwi*, anno 321 (inc. 1. Jan. 953) mortuus, cujus quadraginta fasciculi ita incipiunt: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus potens et magnus etc. — *Abu Nasr Debbúsi*, anno ... mortuus — Philosophus 10 *Abu Nasr Ahmed Ben Mohammed Samarcandi*, anno 550 (inc. 7. Mart. 1155)

وللقاضى جلال الدين الريغدمونى الحنفى اوله الحمد لله الملك العلم الخ رتبته على اربعة وعشرين فصلاً ولشمس الائمة الخلوانى المتوفى سنة ستمائة السقط اوله الحمد لله الذى رفع علم الشرع واعلا قدره الخ ولجلال الدين محمد بن العمادى اوله الحمد لله الذى وقد الارض بالاعلام المنيفة الخ واصحاب المحيط بريحان الدين عمر بن مازن الحنفى المتوفى سنة ٣٢٩ ولنجده الحاكم الشيبى ولظهير الدين حسن بن على المرغينانى المتوفى سنة ولانى بكر احمد 5 ابن على المعروف بالخصاف الحنفى المتوفى سنة ولحمد بن افلاطون الرومى البرسوى الشيبى بانلاطون زاده المتوفى سنة ٩٣٧ ولنلال بن يحيى الرامى البصرى مات سنة ٣٢٩ وكان مقدماً فيه ذكره للجرجاني في ترجيح مذهب ابي حنيفة ان الشروط لم يسبقه احد واجاب ابو منصور عبد القاهر بن طاهر البغدادي في رده بان النبي صلعم اول من املى كتب العبود والمواثيق منيا عدده لنعصاري ابله بخط على بن ابي طالب رضى الله تعالى عنه واستقصى محمد بن 10 جبر الضربى الشروط في كتاب على اصول الشافعى وسرى ابو جعفر الطحاوى من كتابه

mortuus — *Judex Jelâl-ed-din Righdemîni Hanefita*, cujus liber ita incipit: Laus Deo, regi scientissimo etc., et in viginti quatuor sectiones divisus est — *Shems-elâimmet Holwâni*, anno ... mortuus, cujus liber *Sict* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, qui scientiam legis sustulit et ejus vim auctoritate ornavit etc. — *Jelâl-ed-din Mohammed Ben-elimâdi*, qui ita orsus est: Laus Deo, qui terram signis altis firmiter construxit etc. — *Borhân-ed-din Omar Ben Mûzin Hanefita* libri *Mohit* auctor, anno 249 (inc. 24. Febr. 363) mortuus — ejus avus *El-Hâkim* 5 *El-Shehid* — *Tzahîr-ed-din Hasan Ben Ali Marghinâni*, anno ... mortuus — *Abu Bekr Ahmed Ben Ali Hanefita*, vulgo *Khassâf* dictus et anno ... mortuus — *Mohammed Ben Iflatûn Rumi Bursewi*, vulgo *Iflatûnzâdeh* dictus et anno 937 (inc. 25. Aug. 1530) mortuus — *Hilâl Ben Yahya Râmi Basri*, anno 249 (inc. 24. Febr. 863) mortuus, qui antesignanus ceteros praecessit. *Jorjâni* in opere *Terjih madzhab Abi Hanîfa* inscripto, quo sectam *Abu Hanîfae* defendit, ante illum virum de hac arte nullum alium scripsisse statuit. At *Abu Mansûr Abd-el-câhir Ben Tâhir Baghdâdi* responso reddito hanc opinionem eo refutat, quod prophetam primum fuisse 10 dicit, qui foedera et pacta fecisset, quorum v. c. plura cum Christianis Obollae, quae *Ali Ben Abi Tâlib*, cui Deus propitius sit, scripto mandaverat, pactus est. — *Mohammed Ben Jerîr Taberi* omnem documentorum materiem in libro ad principia *Shafiîi* confecto effundere studuit, ex quo *Abu Jafar Tahâwi* illa surripuit, quae in



ما اودعه كتابه واخبرهم انه من نتيجة اجل الرأى ثم جاء بعده شيخ الشروط والمواثيق ابو بكر محمد بن عبد الله الصيرفى فصنف فى ادب القضاء والشروط والمواثيق وممن صنف فى الشروط المزنى املى فيه كتاباً جامعاً وابو ثور وكتابه فيها مبسوط وابو على الكرابيسى وبتن فى تأليفه ما وقع فى كتب اجل الرأى من التخلل فى شروطهم وداود بن على الاصفهاني 5 وشرح فى كتابه اصول الشافعى وذكر ما عابه على يحيى بن اكنم من الشروط واتمه ابنه ابو بكر وزاد على ابيه ابواباً وفتوواً وقبله ابو عبد الرحمن الشافعى انتهى

٧٥١. شروط ابن بهرام المسمى بمنافى الاحكام ٧٥١. شروط الاحكام لابن عبدان

٧٥٢. شروط الاكرمى ثلاثة البسيط والوسيط والوجيز لشمس الدين الاكرمى اول البسيط للامد لله الذى رفع علم الشرع واعلا قدره الخ ولحق بها النيات فى الصلوة وخطب الجمعة والعيدين 10 والنكاح والادعية الماثورة ٧٥٣. شروط الائمة اى المخرجين الذين شرطوا للرواية عن الراوى لابي

suo scripto de hac re statuerat, lectores ea a consiliariis profecta esse docens. Post hunc commemorandus est doctor documentorum et actorum publicorum peritus *Abu Bekr Mohammed Ben Abdallah Seirefi*, qui regulas in judicando, stipulando et actis publicis scribendis observandas singulari libro tractavit. Qui praeter illos de documentis scripserunt, fuerunt *Mozeni*, qui librum copiosissimum de hac arte literis mandavit — *Abu Thaur*, cujus liber de illis amplissime agit — *Abu Ali Kerábisi*, qui in libro vitia exponit in documentis commissa, quae in libris consiliariorum occurrunt — et *Dawud Ben Ali Isfaháni*, qui in libro principia *Shafíi* explicuit 5 et inter documenta ea descripsit, quae *Yahyae Ben Aktem* exprobravit. *Abu Bekr* filius librum patris absolvit, et capita et sectiones addidit, eumque *Abu Abd-el-rahman Shafíi* approbavit. — Haec hactenus. —

7560. *Shorút Ibn Behrámi*, documenta *Ibn Behrámi Menút el-ahkám* inscripta. — 7561. *Shorút el-ahkám*, condiciones statutorum practicum, auctore *Ibn Abdán*. — 7562. *Shorút El-Ekremi*, documenta, auctore *Shems-ed-dín Ekremi*. Tria opera sunt, majus, medium et brevius, quorum majus ita incipit: Laus Deo, qui scientiam legis sustulit ejusque vim auctoritate donavit etc. Subjecit illis consilia in precatione, diei Veneris concionibus, utraque die festa *Id el-fitri* et *Id el-adhhá*, matrimonio et precibus usu receptis proposita. — 7563. *Shorút* 10 *el-aímmet*, condiciones Imamorum traditiones scilicet elicentium, qui condiciones statuunt, unde relatio a relatore petenda dependet, auctoribus *Abu Bekr Mohammed*

- بكر محمد بن موسى الحازمي الهمداني المتوفى سنة [٥٨٤] ولحمد بن طاهر ابى الفضل ذكره  
العراقى فى شرح الالفية ٧٥١٤ شروط صدر الشريعة عبيد الله بن مسعود بن تاج الشريعة  
[المتوفى سنة ٧٤٥] ٧٥١٥ شروط الفتوى ٧٥١٦ شعائر الصالحين لعبد الملك بن ابى عثمان  
[الخركوشى] الواعظ المتوفى سنة [٤٠٩] ٧٥١٧ شعائر البيت التقوى للشيخ محمد بن محمد  
ابن نباتة الفارقى المتوفى سنة ٧١٨ ولم يكمله ٧٥١٨ شعائر العرثان فى الواح الكتاب للشيخ 5  
محمد الوفاء الشاذلى اوله الحمد لله ماحى السنن بالسنن ومكمل المتن بالمتن الخ مختصر  
ذكر فيه شعيرة كذا وشعيرة ٧٥١٩ شعائر المشاعر ديوان للشيخ مكيبى الدين عبد القادر  
ابن محمد الششير بقصيب البان [المتوفى سنة ١٠٤٠] ٧٥٧٠ شعب الایمان لابی عبد الله حسين  
ابن الحسن الليمى الشافعى المتوفى سنة [٤٠٣] سماه المنهاج وهو كتاب جليل فى نحو ثلث  
مجلدات فيها احكام كثيرة ومسائل فقيهة وغيرها مما يتعلف باصول الایمان وايات الساعة 10

- Ben Musa Házimi Hemdani*, anno [584 (inc. 2. Mart. 1188)] mortuo, et *Mohammed Ben Tahir Abu'lfadhl*, cujus librum *Iracki* in commentario in *Alfiyam* commemorat. — 7564. *Shorút Sadr el-sheriat*, condiciones a *Sadr-elsheriat Obeidallah Ben Mes'ud Ben Táj-elsheriat*, [anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuo], propositae. — 7565. *Shorút el-fetwá*, condiciones unde responsa juridica pendent. — 7566. *Shiár el-sálihín*, operimentum virorum sanctorum, auctore *Abd-el-melik Ben Abi Othmán [Kharkúshi]* Concionatore, anno [406 (inc. 21. Jun. 1015)] mortuo. — 7567. *Sheáir el-beit*, ceremoniae in observatione templi pietatis Mekhani observandae, auctore *Sheikh Mohammed Ben Mohammed Ben Nebúta Fúricki*, anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. Auctor ad finem non pervenit. — 7568. *Sheáir el-irfán*, statuta sacra cognitionis in libri tabulis, 'auctore *Sheikh Mohammed Wefú Shádzilí*, qui ita incipit: Laus Deo statuta statutis abroganti et textum textu perficienti etc. Compendium, ubi statutum tale commemorat et sic porro. — 7569. *Sheáir el-mesháir*, statuta ceremoniarum. Sylloge carminum, auctore *Sheikh Mohyi-ed-dín Abd-el-cádir Ben Mohammed*, vulgo *Kadhíb el-bán* dicto [et anno 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuo]. — 7570. *Shoab el-ímán*, dogmata fidei singularia, auctoribus *Abu Abdallah Hosein Ben-elhasan Halími Shafiíta*, anno [403 (inc. 23. Jul. 1012)] mortuo, cujus liber eximius *Minháj* inscriptus et 10 tribus circiter voluminibus comprehensus multa statuta practica et quaestiones juridicas aliaque continet eorum, quae ad principia fidei, signa horae resurrectionis et



واحوال القيامة ولحمد بن محمد الانصارى المالقى المتوفى سنة ٧٥٤ وللببقي [المحافظ احمد ابن الحسين الشافعى المتوفى سنة ٤٥٨] المسمى بجامع المصنف مرّ في النجيم روى البيهقى ان الايمان بضع وسبعون [شعبه] افضلها لا اله الا الله وايذه الرواية اخذ صاحب المنهاج في تقسيمه ذلك على سبعة وسبعين باباً بعد بيان صفة الايمان ٧٥١ شعب الايمان للشيخ

5 الامام سراج الدين عمر بن رسلان البلقيني [المتوفى سنة ٤٥٥] اوله الله احمد لا اله الا هو الخ ٧٥٢ شعب الايمان للشيخ محيي الدين محمد بن علي ابن عرق المتوفى سنة [٦٣٨] اوله الحمد لله الذى نور ضمائر ارباب الدين بانوار الاسلام الخ وسماه تحرير البيان في تقرير شعب الايمان

علم الشعبة ٧٥٣

علم الشعر ٧٥٤

10 شعر احكام الاشعار لابن سراج النحوى ٧٥٦ شعر الزمان لابن الساعى على بن

resurrectionem ipsam pertinent — *Mohammed Ben Mohammed Ansari Málacki*, anno 754 (inc. 6. Febr. 1353) mortuo — [*Háfiz Ahmed Ben-elhosein Shafiita*], vulgo *Beihacki* dicto [et anno 458 (inc. 3. Dec. 1065) mortuo, cujus liber *Jámi' el-mosannif* inscriptus supra in litera *Jim* commemoratus est. *Beihacki* fidem septuaginta et quod excedit articulis singularibus compositam esse tradit, quorum praestantissimus est „Non est Deus nisi Deus“, et propter hanc traditionem auctor libri *Minháj*, natura fidei bene descripta, hunc ad septuaginta septem capita dividere aggressus est. — 7571. *Shoab el-ímán*, dogmata fidei singularia, auctore Sheikh et Imám *Siráj-ed-dín Omar Ben Raslán Bolckeini*, [anno 805 (inc. 1. Aug. 1402) 5 mortuo]. Incipit ita: Deum laudo. Non est Deus nisi ille etc. — 7572. *Shoab el-ímán*, dogmata fidei singularia, auctore Sheikh *Mohyi-ed-dín Mohammed Ben Ali Ibn Arabi*, anno [638 (inc. 23. Jul. 1240)] mortuo. Hic liber, qui ita incipit: Laus Deo, qui mentes hominum religioni addictorum luminibus Islami illustravit etc., *Tahrir el-beyán fi tecrir Shoab el-ímán* inscriptus est.

7573. *Ilm el-sha'bedzet*. Doctrina praestigiarum.

7574. *Ilm el-shi'r*. Ars poetica.

7575. *Shi'r ahkám el-ash'ár*, scientia statutorum poeticorum, auctore *Ibn 10 Serráj* Grammatico. — 7576. *Shi'r el-zemán*, poesis temporis, auctore *Ali Ben*

- انجب البغدادي مات سنة ٦٧٤ ٧٧٧ شعر سحيم بن وسل وهو شاعر عاش في الجاهلية  
 اربعين سنة وفي الاسلام ستين وله عقب في بادية الكوفة ٧٧٨ شعر عبيد بن الابرص الاسدي  
 ٧٧٩ شعر المسيب بن علس الضبي ٧٨٠ شعر النابغة [الذبياني] وامرئ القيس وزهير  
 والجعدى وليد جمعيا ابو سعيد حسن بن الحسين السكري النحوى المتوفى سنة ٢٧٥  
 ٧٨١ شعلة في شرح الشاطبية ٧٨٢ شعلة نار رسالة لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ١١٥٥  
 حقق فيها قوله جمعت له الشريعة والحقيقة ٧٨٣ شفاء الاجسام في الطب للشيخ محمد  
 ابن ابي الغيث الفقيه الكمراني بسط فيه القول واكثر في القوائد وكثيرا ما يذكره من الادوية  
 ما لا يوجد تبعاً لمن قبله ٧٨٤ شفاء الاسرار للسيد يحيى تركى في التصوف اوله للمد  
 له في ذاته الخ ٧٨٥ شفاء الاسقام في زيارة خير الانام للشيخ تقى الدين على بن عبد الكافي  
 السبكي المتوفى سنة ٧٥٩ مختصر اوله للمد لله حق حمده الخ ٧٨٦ شفاء الاسقام في وضع 10

- Anjeb Baghdadi*, vulgo *Ibn-elsai* dicto et anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuo. —  
 7577. Shi'r Soheim, poemata *Soheimi Ben Wesl*. Hic poeta tempore ignorantiae  
 quadraginta et tempore Islami sexaginta annos vixit. Ejus posterii in campis Cufensibus  
 versantur. — 7578. Shi'r Obeid, poemata *Obeidi Ben-elabras Asedi*. —  
 7579. Shi'r El-Mesyeb, poemata *Mesyebi Ben Alas El-Dhabi*. — 7580. Shi'r  
 El-Nabigha, poemata *Nabighae [Dzibyáni]*, *Amri'lcaisi*, *Zoheiri*, *Já'dü*, *Lebidi*.  
 Collegit ea *Abu Said Hasan Ben-elhosein Sokkari* Grammaticus, anno 275 (inc.  
 5 16. Mai. 888) mortuus. — 7581. Sho'let, flamma. Commentarius in carmen  
*Shátibiyet* dictum. — 7582. Sho'let nár, flamma ignis, auctore *Jelül-ed-din*  
*Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus, in quo dictum propheticum  
 subtiliter exponit: Conjunxi in eo legem et veritatem. — 7583. Shefá el-ajsám,  
 sanatio corporum. Liber de medicina, ubi auctor *Sheikh Mohammed Ben Abi'lghieith*  
*Kemrani* Jurisconsultus multa verba facit et copiosas adnotationes utiles affert, et  
 saepe remedia commemorat, quae alias non inveniuntur, eos qui ante vixerunt  
 secutus. — 7584. Shefá el-asrár, sanatio arcanorum, auctore *Seyyid Yahya*.  
 Liber turcicus de theosophia, qui ita incipit: Laus Deo per se etc. — 7585. Shefá  
 el-ascám, sanatio morborum de visitando optimi hominum sepulchro, auctore  
 10 *Sheikh Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355)  
 mortuo. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo talis, qualem meretur etc. —  
 7586. Shefá el-ascám, sanatio morborum de horis ad quadrantem solarem



الساعات على الرخام للشيخ جمال الدين ابى العباس احمد بن عمر بن اسمعيل بن محمد بن  
 ابى بكر الصوفى اوله الحمد لله الذى ادار شמוש الهداية فى افلاك المعرنة وهو مشتمل على  
 خمسة عشر باباً ذكر ان طريق الحساب امتن لكن الخلل فى العمل بنحو المسطرة والبركار  
 والتقسيم فنبيين ذلك الخلل vov شفاء الاسقام ودواء الآلام فى الطب مختصر لخضر بن  
 5 على بن الخطاب المعروف بالحاجى پاشا المتوفى [بعد] سنة [800] رتبه على اربع مقالات  
 واعداه لعيسى بن محمد اوله يا من بيده دواء الادواء الخ آ فى كليات جزى الطب  
 ٢ فى الاغذية والاشربة ٣ فى الامراض المختصّة بعضو [دون عضو] من الرأس الى القدم  
 ٤ فى الامراض العامة التى لا تختص بعضو دون عضو vov شفاء الاشوائ بحكم ما يكثر  
 بيعه فى الاسوائ لنور الدين على السبيدى المتوفى سنة [911] vov شفاء الآلام فى صناعة  
 10 الفصا والحجام ارجوزة فى ذكر العروق اولها  
 اسبح الله الكريم

definiendis, auctore Sheikh *Jemâl-ed-din Abu'labbâs Ahmed Ben Omar Ben Ismaïl Ben Mohammed Ben Abi Bekr Sufi*. Incipit liber ita: Laus Deo, qui soles rectae ductionis in sphaeris cognitionis circumvertit etc., et quindecim capita continet. Dicit auctor, rationem arithmetica certissimam, attamen operationem vitiis esse expositam ex canone dioptrico, circino, divisione arithmetica et quae alia sunt proficiscentibus. Tum hos errores clarius exponit. — 7587. *Shefâ el-ascâm we Dewâ el-alâm*, sanatio morborum et remedium dolorum. Compendium de medicina, quod *Khûlkr Ben Ali Ben-el-khattâb*, vulgo *Hâjîpasha* dictus et [post] annum [800 (inc. 24. Sept. 1397)] mortuus, composuit, in quatuor dissertationes distribuit et *Isae Ben Mohammed* obtulit. Incipit ita: O Tu in cujus manibus remedium est morborum etc., et quatuor dissertationes agunt de universalibus medicinae partibus — de cibis et potionibus — de morbis, qui singularibus corporis partibus a capite ad pedes proprii sunt — de morbis communibus, qui singulis membris non proprii sunt. — 7588. *Shefâ el-ashwâc*, sanatio cupidinum, propterea quod ejus mercatura in foris multa est, auctore *Nûr-ed-din Ali Semhûdi*, anno [911 (inc. 4. Jun. 1505)] mortuo. — 7589. *Shefâ el-alâm*, sanatio dolorum de arte phlebotomorum et chirurgorum. Carmen metro *Rejez* compositum de venarum descriptione, quod ita incipit: 10

Laudo Deum generosum.

٧٥١. شفاء الاله في ترصيص علاج العلم للشيخ ابن سعد الانصاري مختصر في الاكسير  
 اوله الحمد لله باري النسم الخ ٧٥١١ شفاء السالك في ارسال مالك رسالة لابي الحسن  
 نور الدين علي بن سلطان محمد الهروي القاري نزيل مكة [المتوفى سنة ١٠١٤] اوله الحمد  
 لله مالك رقاب الامم الخ ٧٥١٢ شفاء السقام في نوادر الصلوة والسلام للشيخ الامام ابي سعيد  
 شعبان بن محمد القرشي الشافعي الاثاري [المتوفى سنة ١٠١٨] اوله الحمد لله رب العالمين الخ 5  
 وهي اربعون نادرة منها خمس وثلاثون في الصلوة ٧٥١٣ شفاء السقيم بابيات ابراهيم لابراهيم  
 ابن احمد بن الملا چلبى وكانت وفاته بعد الثلثين و ألف كتبها برسم الحاج ابراهيم پاشا  
 والى حلب ٧٥١٤ شفاء الصدور لابن السبع وللمام الخطيب ابي الربيع سليمان وللمام  
 عفيف الدين سعيد بن محمد بن مسعود الكازروني مات سنة قال صاحب مشاريع الاشواق  
 وقفت عليه في اربعة اسفار يشتمل على احاديث في فضائل الاعمال وضع فيه مؤلفه من عجائب 10  
 الغرائب اصولاً وفروعاً جمع فيه و اوى احاديثه غنية عن الاسناد ٧٥١٥ شفاء الصدور في

7590. *Shefá el-alem*, sanatio doloris de medicina scientiae firmiter impin-  
 genda, auctore Sheikh *Ibn Sa'd Ansári*. Compendium de lapide sapientium, quod  
 ita incipit: Laus Deo hominum creatori etc. — 7591. *Shefá el-sálik*, sanatio  
 ingredientis de legatis a rege mittendis, auctore *Abu'lhasan Núr-ed-din Ali Ben*  
*Sultán Mohammed Herewi* Corani Lectore et Mekkae inquilino, [anno 1014 (inc.  
 9. Mai. 1605) mortuo]. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo populorum servos  
 possidenti etc. — 7592. *Shefá el-sicám*, sanatio aegrotorum de virtutibus raris  
 5 precatiónis *Salát* et salutationis, auctore Sheikh et Imám *Abu Saïd Sha'báni Ben*  
*Mohammed Coreshi Athári* Shafita, [anno 828 (inc. 23. Nov. 1424) mortuo]. Liber  
 incipit ita: Laus Deo mundorum dominò etc., et quadraginta virtutes raras continet,  
 quarum triginta quinque de precatiónis *Salát* agunt. — 7593. *Shefá el-sackím*,  
 sanatio aegroti, quae *Ibráhimi* versibus fit, auctore *Ibráhim Ben Ahmed Ben-elmollá*  
*Jelebi* post annum milesimum tricesimum (inc. 16. Nov. 1620) mortuo. Scripsit eos  
 rogante *El-Háj Ibráhim Pashá*, praefecto Halebensi. — 7594. *Shefá el-sodúr*,  
 sanatio pectorum, auctoribus *Ibn-elsab'o'*, Imám *Abu'trebi' Soleimán* Concionatore,  
 et Imám *Afif-ed-din Saïd Ben Mohammed Ben Mes'úd Kázerúni*, anno ... mortuo.  
 10 Auctor libri *Méshári' el-ashwác* opus quatuor voluminibus comprehensum vidisse  
 dicit. Traditiones continet de nieritis operum, et auctor rerum rararum miracula in  
 principia et partes secundarias divisa ibi composuit et traditiones collegit et reposuit  
 auctoritatibus facile carentes. — 7595. *Shefá el-sodúr*, sanatio pectorum.



تفسير القرآن الكريم لابي بكر محمد بن الحسن المعروف بالنقاش الموصلى المتوفى سنة ٣٥١هـ

٧٥٩١ شفاء الصدور في حل الفاظ الشذور يعنى شذور الذهب مر ٧٥٩٧ شفاء الصدور

والابدان بسر منافع القرآن ٧٥٩٨ شفاء الظمآن في فضل القرآن لابي العباس احمد بن معد

الاقليشى [المتوفى سنة ٥٢٩] ومختصره لعبد العزيز بن احمد ٧٥٩٩ شفاء العلة في سمت

5 القبلة لابي الحسين احمد بن على الغسانى المتوفى سنة ٥٩٣ ٧٦٠٠ شفاء عليل العربية

للكبرى [عبد الله بن عبد العزيز ابي عبيدة المتوفى سنة ٤٨٧] ٧٦٠١ شفاء العليل

في ذمّ صاحب والخليل وقد اختصره جلال الدين السيوطى في ثلثة كرايس سماه

شباب الناقب في ذمّ الخليل والصاحب ٧٦٠٢ شفاء العليل في علم الخليل اى

العروض هو ارجوزة لامين الدين محمد بن على المحلى المتوفى سنة ٦٧٣ قال السراج

10 الوراق في مدحه

Commentarius in Coranum augustum, auctore *Abu Bekr Mohammed Ben-elhasan Mausili*, vulgo *Naccash* dicto et anno 351 (inc. 9. Febr. 962) mortuo. — 7596. *Shefá el-sodúr*, sanatio pectorum de expositione verborum in libro *Shodzúr el-dzeheb* lectorum, de quo supra videatur. — 7597. *Shefá el-sodúr we el-abdán*, sanatio pectorum et corporum, quae fit arcanis Corani fructibus. — 7598. *Shefá el-tzam'án*, sanatio sitientis de Corani praestantia, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Maadd Oclishi*, [anno 549 (inc. 18. Mart. 1154) mortuo]. Epitomen ejus edidit *Abd-el-azíz Ben Ahmed*. — 7599. *Shefá el-illet fi semt el-ckiblet*, sanatio 5 morbi de templi Mekkani plaga, auctore *Abu'lhosein Ahmed Ben Ali Ghassáni*, anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. — 7600. *Shefá alíl el-arabíyet*, sanatio partium linguae arabicae corruptarum, auctore [*Abdallah Ben Abd-él-azíz Abu Obeida*], vulgo *Bekri* dicto [et anno 487 (inc. 21. Jan. 1094) mortuo]. — 7601. *Shefá el-alíl*, sanatio aegroti de vituperando socio et amico. Epitomen libri edidit *Jelál-ed-dín Soyúti* tribus decem foliorum fasciculis comprehensam et *El-Shiháb El-Tháckib fi dzamm el-khalíl we el-sáhib* inscriptam. — 7602. *Shefá el-alíl*, sanatio aegroti de doctrina *Khalífi* sive arte metrica. Carmen metro *Rejex* compositum, auctore *Emin-ed-din Mohammed Ben Ali Mahalli*, anno 673 (inc. 7. Jul. 1274) mortuo. *Siráj-ed-din El-Werrác* in laudem libri haec dicit: 10

جِزَاكَ اللهُ عَنْ عِلْمِ الْخَلِيلِ

مَجَازَاةَ الْخَلِيلِ إِلَى الْخَلِيلِ

وَكُنَّا قَدْ آيَسْنَا مِنْهُ حَتَّى

شَقِيتْ غَلِيلَنَا بِشَفَاءِ الْعَلِيلِ

٧١٣. شَفَاءُ الْعَلِيلِ فِي الْقَضَاءِ وَالْقَدْرِ وَالْحِكْمَةِ وَالتَّعْلِيلِ لَشَمْسِ الدِّينِ أَبِي عَبْدِ اللَّهِ مُحَمَّدٍ 5

ابن أبي بكر بن قيم الجوزية مات سنة [٧٥١] وهو مجلد أوله الحمد لله ذي الاضلال والانعام

البحر بسط الكلام فيه كل البسط واطال كما هو دأبه ورتبه على ثلثين باباً ٧١٤. شَفَاءُ الْعَلِيلِ

فِي الْقِيَّاسِ وَالتَّعْلِيلِ لِلْإِمَامِ أَبِي حَامِدٍ مُحَمَّدِ بْنِ مُحَمَّدِ الْغَزَالِيِّ الْمُتَوَفَّى سَنَةَ ٥٠٥ قَالِ وَبَعْدَ ثَمَانَ

الْحَاكِكِ أَيُّهَا الْمُسْتَرَشِدُ فِي اقْتِرَاحِكِ وَلِجَاجِكِ فِي إِظْهَارِ احْتِيَاجِكِ إِلَى شَفَاءِ الْعَلِيلِ فِي بَيَانِ

مَسْأَلَةِ التَّعْلِيلِ مِنَ الْمُنَاسِبِ وَالْمُخَيَّلِ وَالتَّثْبِتِ وَالظَّرْدِ أَتَيْتَ فِيهِ بِالْحُجْبِ الْحُجَابِ وَلِبَابِ الْإِلْبَابِ 10

البحر أوله الحمد لله المسبح بالعدو والاصال المقدس عن مضاعفات الامثال البحر رتب على مقدمة

Praemio te Deus afficiat pro *Khalīlī* arte tali,

Quali amicus amicū remuneratur.

Jam de ea obtinenda desperavimus,

Cum sitim nostram libro *Shefā el-alīl* sanares.

5 7603. *Shefā el-alīl*, sanatio aegroti de providentia Dei aeterna et actuosa, philosophia et caussalitate, auctore *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Abi Bekr Ben Cayyim-eljauziyet*, anno [751 (inc. 11. Mart. 1350)] mortuo. Volumen in triginta capita dispositum, quod ita incipit: Laus Deo beneficiorum et gratiarum distributori etc. Auctor quantum potuit multa verba fecit, et ut solet copiosus est. —

7604. *Shefā el-alīl*, sanatio aegroti de ratiocinatione et caussalitate, auctore *Imām Abu Hāmid Mohammed Ben Mohammed Ghazālī*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. Molesta tua, inquit, o qui rectam viam quaeris, importunitas, qua petis, et ardor tuus pertinax, quo demonstrare studes, quam vehementer tibi opus sit opere

10 *Shefā el-alīl*, quo quaestiones caussalitatis exponuntur, analogiam, imaginationem, confirmationem et rejectionem spectat. Itaque hic res valde admirandas et meliora ingeniorum cogitata congesi. Incipit liber ita: Laus Deo matutino et vespertino tempore laudando, qui nimis sanctus est, quam ut cum similibus comparetur etc., et



وخمسة اركان المقدمة في بيان معاني القياس والعلّة والدلالة الركن الاول في اثبات علّة  
 الاصل الثاني في العلّة الثالث في الحكم الرابع في القياس الخامس الفرع الملحق بالاصل  
 ٧١.٥ شفاء العيون ٧١.٦ شفاء الغرام تأريخ البلد الحرام نتقى الدين محمد بن احمد  
 ابن علي الحسيني الفاسي المتوفى سنة ٨٣٣ اوله الحمد لله الذي جعل مكة المشرفة اعظم  
 5 البلاد الخ ذكر في تحفة الكرام انه ألفه على نمط تأريخ الازرقى لكنه بعد تسويد غالبه  
 استنطاله فاختصره في نصف حجمه وسماه تحفة الكرام ورتب على ترتيب اصله اربعين باباً قال  
 في تعبير المقام في الحرم وقد ذكر صفتها القديمة في اصل هذا الكتاب قال في بيعة الاسلام  
 ولم يوجد هذا الاصل بعد الفاسي ولا عثر عليه مطلقاً ٧١.٧ شفاء الغرام في اخبار الكرام  
 مختصر للسيد الشريف ابى المواعب احمد العلوى وهو على ثمانية ابواب اوله الحمد لله  
 10 رب العالمين الخ ٧١.٨ شفاء الغلل في بيان العلل لابن حاجر احمد بن علي العسقلاني

dispositus est in praefationem et quinque fulcimenta. Praefatio de expositione argu-  
 mentorum ratiocinationis, causae et argumentationis agit, fulcimentum primum de  
 causa principii stabilienda, secundum de causa ipsa, tertium de conclusione, quartum  
 de ratiocinatione, et quintum partem secundariam continet principio adjunctam. —  
 7605. Shefá el-oyún, sanatio oculorum. — 7606. Shefá el-gharám, sanatio  
 cupidinis, auctore *Tacki-ed-din Mohammed Ben Ahmed Ben Ali Hasani Fási*,  
 anno 832 (inc. 11. Oct. 1428) mortuo. Historia terrae sanctae Mekkanae, quae ita  
 incipit: Laus Deo, qui Mekkam honoratam terrarum maximam esse voluit etc. In 5  
 opere *Tohfet el-kirám* se hunc librum dicit ad rationem Historiae ab *Ezrecki* editae  
 composuisse, attamen majorem ejus partem primis lineis absolutam nimis longam  
 esse vidit, ut eum in medium voluminis ambitum contraheret, et epitomen, quam  
 ad modum archetypi in quadraginta capita divisit, *Tohfet el-kirám* inscripsit, et in  
 capite, ubi de exstruenda templi Mekkanii parte *El-Macám* dicta agit: Illius aedificii,  
 ait, forma antiqua in hujus libri archetypo descripta est. Et auctor operis *Behlet*  
*el-islám*: Hoc archetypum, inquit, post *Fási* mortem non reperitur, et nemo unquam  
 illud conspicatus est. — 7607. Shefá el-gharám, sanatio cupidinis de historia  
 virorum generosorum, auctore *El-Seyyid El-Sherif Abu'lmevâhib Ahmed Alewi*.  
 Compendium in octo capita dispositum, quod ita incipit: Laus Deo mundorum 10  
 domino etc. — 7608. Shefá el-ghalel fi beyán el-ilel, sanatio sitis de  
 expositione morborum, auctore *Ahmed Ben Ali Ascaláni*, vulgo *Ibn Hajr* dicto et

- المتوفى سنة ٨٥٣ هـ ٧١٩ شفاء الغليل وعافية العليل ٧١٠ شفاء الفؤاد لحصرة السلطان مراد  
 [خان الرابع] تركى مختصر على سبعة عشر فصلاً لزين العابدين ابن خليل ذكر فيه الاطعمة  
 والاشربة والاثواب اجمالاً وانواعها وطبائعها والازهار في [اواسط] جمادى الآخرة سنة ١٠٣٧ [واتمها  
 في سبعة عشر يوماً] ٧١١ شفاء في بديع الاكتفاء في مديح المصطفى عليه الصلوة والسلام  
 5 اوله أما بعد حمد الله الذى ما خاب الخ للشيخ شمس الدين محمد الباداجى  
 ٧١٢ شفاء في تعريف حقوق المصطفى صلعم للامام الحافظ ابى الفضل عياض بن موسى  
 القاضى البيهقى المتوفى سنة ٥٥٤ هـ اوله الحمد لله المنفرد باسمه الاسمى المختص بالملك  
 الاعز الامسى الخ وهو على اربعة اقسام الاول في تعظيم العلى الاعلى لقدر هذا النبى المصطفى  
 قولاً وفعلًا وفيه اربعة ابواب الاول في ثنائه تعالى وفيه عشرة فصول الثاني في تكميله تعالى له  
 المحاسن خالقًا وخلقًا وفيه سبعة وعشرون فصلًا الثالث فيما ورد من صحیح الاخبار لعظم 10

- anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo. — 7609. Shefá el-ghalíl, sanatio sitientis  
 et curatio aegroti. — 7610. Shefá el-fowád, sanatio cordis, potentissimo Sultano  
*Murád [Khán III.]* oblata. Compendium turcicum in septendecim sectiones divisum,  
 auctore *Zein-el-ábidin Ibn Khalíl*. Describit ibi cibos, potulenta et vestimenta  
 summatis, horumque species et qualitates naturales plantasque [medio] mense  
 Jomádzi II. anni 1037 (inc. 2. Sept. 1627), [et libellum septendecim diebus absolvit].—  
 7611. Shefá fi bedí' el-iktifá, sanatio de sublimitate mirabili ejus quod sufficit.  
 5 Panegyricus in laudem prophetae electi, qui ita incipit: Praemissis praemittendis.  
 Laudetur Deus, cujus non privatatur etc., auctore Sheikh *Shems-ed-dín Mohammed*  
*Bádáji*. — 7612. Shefá fi ta'rif hocúc el-mustafá, sanatio de juribus pro-  
 phetae electi definiendis, auctore Imám Háfitz *Abu'lfadhl Iyádh Ben Musa Yahsebi*  
 Judice, anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo qui unicus  
 est nomine excelsissimo et praeter ceteros regnum possidet praestantissimum et  
 tutissimum etc., et in quatuor partes divisus est, quarum prima de celebrando Deo  
 majestate excelsissimo propter dignitatem huic prophetae electo concessam agit, sive  
 loquatur, sive agat, et in quatuor capita distribuitur, quorum *primum* laudem divinam  
 tractat et decem sectiones continet. Caput *secundum* de eo agit, quod Deus prophetae  
 10 virtutes exteriores et interiores perfectas dedit, et viginti septem sectiones habet,  
*tertium* traditiones sanas et veras continet de magna auctoritate traditas, qua propheta



قدره عند ربّه وفيه اثني عشر فصلًا الرابع فيما اظهره الله تعالى [على يديه] من الآيات  
 والمعجزات وفيه ثلثون فصلًا والثاني فيما يجب على الانام من حقوقه صلعم وفيه اربعة ابواب  
للاول في فرض الايمان به والطاعة وفيه خمسة فصول الثاني في لزوم محبته ومناصحته وفيه  
 ستة فصول الثالث في تعظيم امره ولزوم توقيره وفيه سبعة فصول الرابع في حكم الصلاة عليه  
 5 وفيه عشرة فصول والثالث فيما يستحيل في حقه وما يجوز وما يمتنع ويصح وهو سر الكتاب  
 وثمرة هذه الابواب وما قبله له كالقواعد والتمهيدات وفيه بابان الاول فيما يختص بالامور  
 الدينية وفيه ستة عشر فصلًا والثاني في احواله الدنيوية وفيه تسعة فصول والرابع في تصرف  
 وجوه الاحكام على من تنقصه او سبه وفيه بابان الاول في بيان ما هو في حقه سب ونقص  
 وفيه عشرة فصول الثاني في حكم شانبيه وموذييه وعقوبته قال وختمنا بباب ثالث جعلناه  
 10 تكملة لهذه المسئلة في حكم من سب الله تعالى ورسله وملائكته [وكتبه] وآل النبي صلعم وفيه

apud Deum suum fruitur, et duodecim sectiones complectitur, *quartum* versus coranicos  
 et facta miraculosa describit, quae Deus prophetae ministerio manifesta fecit, et  
 triginta sectiones continet. — *Pars secunda* de officiis agit, quae ab hominibus  
 prophetae praestari debent, et quatuor habet capita, quorum *primum* legem hominibus  
 impositam tractat ei fidem praestandi et morem gerendi, et quinque sectiones habet,  
*secundum* necessitatem imponit eum amandi ejusque monita audiendi, et sex sectiones  
 complectitur, *tertium* de ejus mandatis observandis et reverentia necessario ei habenda  
 agit et septem sectionibus compositum est, et *quartum* de Deo pro propheta invocando, 5  
 et decem sectiones continet. — *Pars tertia* id tractat, quod in prophetae jure  
 observando rejiciendum, quod licitum et illicitum et tamen justitiae consentaneum est.  
 Hoc libri est arcanum et horum capitum emolumentum, et quae antecedunt, ejus  
 principiorum et fundamentorum loco habenda sunt. Pars duo capita habet, quorum  
 prius peculiariter res divinas tractat et sedecim sectiones continet, posterius autem  
 ea, quae res prophetae terrenas spectant, et novem sectionibus compositum est. —  
*Pars quarta* de dispositione variorum statutorum contra eos agit, qui prophetae  
 obtrectant aut eum calumniantur, et duo capita habet, quorum prius exponit, quid  
 sit obtrectatio et calumnia ratione dignitatis prophetae habita, et decem sectionibus  
 continetur, posterius id, quod de homine contumeliose et injuriose contra eum agente  
 et de hujus poena statuendum sit. — In extrema oratione, inquit, caput tertium  
 quinque sectionibus comprehensum posui, quo huic quaestioni de iis finem imponere 10  
 volui, quae contra calumniatorem Dei excelsi, legatorum divinatorum, angelorum,

خمسة فصول وهو كتاب عظيم النفع كثير الفائدة لم يولّف مثله في الاسلام شكر الله تعالى سعي مؤلّفه وقابله برحمته وكرمه وقد اختصره الشيخ محمد بن احمد الاسنوى الشافعى المتوفى سنة ٧١٣هـ وشرحه ابو عبد الله محمد بن ابي الشريف الحسنى التلمسانى سمّاه المنهل الاصفاء في شرح ما تمسّ الحاجة اليه من الفاظ الشفاء وهو من اجود شروحه فرغ يوم الاثنين رابع عشر من صفر سنة ١٠٧٠هـ اوله الحمد لله الذى جعل رتبة العلم اعلى المراتب الخ ذكر فيه انه لما قرأ ونظر فيما يستعين به عليه فلم يجد غير كتاب الحافظ عبد الله بن احمد بن سعيد ابن يحيى الزمورى فانتطع منه ما تمسّ الحاجة اليه وترك ما فيه من طول عبارته وازداف اليه كثيراً من كلام الحافظ ابي عبد الله محمد بن حسن بن مخلوف الراشدى المعروف بابن يركات ان وضع عليه ثلاث شروحات كثير الغنية في مجلدين والثانى غنية الوسطى وايها اعتمد وآخر اصغر منه جرماً قال ومردى بالشارح حيث ذكرت الامام عبد الله بن احمد 10 الزمورى الخ وشرحه الشيخ شمس الدين محمد بن محمد الدلجى الشافعى العثمانى [المتوفى

[librorum] et familiae propheticae statuenda sunt. — Hoc opus magnae utilitatis et multi fructus est, cui tempore Islamismi simile non est compositum. Deus auctoris studium praemio afficiat, ei misericordiam impertiat et honorem summum tribuat. — Sheikh Mohammed Ben Ahmed Esnevi Shafiita, anno 763 (inc. 31. Oct. 1361) mortuus, epitomen ejus edidit, in quam Abu Abdallah Mohammed Ben Abi El-Sherif Hasani Tilimsani commentarium *El-Muהל El-Asfú fi sharh má temoss el-hájet ileihi min alfátz El-Shefú* inscriptum composuit. Hic commentarius, qui in optimis 5 numeratur, et feria secunda die quarto decimo mensis Safer anni 917 (inc. 31. Mart. 1511) absolutus est, incipit ita: Laus Deo, qui scientiae summum dignitatis gradum tribuit etc. Narrat ibi, cum legisset et circumspexisset, quibus auxiliis libro lucem afferret, nihil se invenisse praeter librum Háfitzi *Abdallah Ben Ahmed Ben Said Ben Yahya Zamúri*. Itaque inde resecurit ea, quae curae sibi habebat, praetermisit, quae oratione verbosiore expresserat et multa ex iis addidit, quae Háfitz Abu Abdallah Mohammed Ben Hasau Ben Makhlúf Rúshidi, vulgo *Ibn Berekát* dictus, disseruerat, cum hic tres commentarios in archetypum composuisset, quorum primus *Kethír el-ghunyet* duobus voluminibus compositus est, secundus *El-Ghunyet El-Wosta* 10 ab eo praeter ceteros in rem suam conversus est, et tertius volumine minor est altero. Ubi, inquit, commentatorem in universum memoro, ibi Imám *Abdallah Ben Ahmed Zamúri* intelligendus est. — Praeterea commentarios composuerunt Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Mohammed Delji Othmáni* Shafiita, [anno 947 (inc.



سنة ٩٤٧ [سماه الاصطفاء لبيان معاني الشفاء اتمه في ثاني عشر شوال سنة ٩٣٥ اوله نحمدك  
 يا من شرح صدورنا الخ وشرحه الشيخ الامام ابو الحسن علي بن محمد بن اقبيرس  
 [الشافي المتوفى سنة ٨٩٣] وشرحه ايضا عمر العرضي في اربع مجلدات وابو نذر احمد بن  
 ابراهيم الحلبي المتوفى سنة ٨٨٤ ولم يتم وخرج جلال الدين السيوطي احاديثه وسماه مناهل  
 5 الصفاء في تخريج احاديث الشفاء وعليه حاشية للشيخ تقى الدين ابى العباس احمد بن  
 محمد الشمسي المتوفى سنة ٨٧١ سماه بمزيل الخفاء عن الفاظ الشفاء اوله اما بعد حمد اللد  
 على انضاله الخ مختصر بالقول وهو تعاليف لطيف في ضبط الفاظ الشفاء لتخصه من شرح  
 البرهان الحلبي اتى بتتمات يسيرة فيها تحقيقات دقيقة ذكره الساخاوي واتمه في ذى القعدة  
 سنة ٨٤٧ والحافظ برهان الدين ابراهيم بن محمد الحلبي سبط ابن العجمي اوله الحمد  
 10 لله الذي بنعمته تتم الصالحات الخ فرغ من تعليقه في اليوم الثاني عشر من شوال سنة ٧٧٧

8. Mai. 1540) mortuus], cujus commentarius, *El-Istifá li beyán meáni El-Shefú* inscriptus, die duodecimo mensis Shewwál anni 935 (inc. 15. Sept. 1528) ad finem perductus est, et ita incipit: Laudamus Te, o qui pectora nostra bene disponis etc.— Sheikh et Imám *Abu'lhasan Ali Ben Mohammed Ben Acberes* [Shafiita, anno 862 (inc. 19. Nov. 1457) mortuus] — *Omar Ordhi*, cujus commentarius quatuor volumina complectitur — *Abu Dzarr Ahmed Ben Ibráhim Halebi*, anno 884 (inc. 25. Mart. 1479) mortuus, qui non ad finem pervenit. — *Jelál-ed-dín Soyúti* traditiones archetypi elicit in libello *Menáhil el-safá fi takhrij ahádith El-Shefú* inscripto. 5 Sheikh *Tacki-ed-dín Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Shomouni*, anno 872 (inc. 2. Aug. 1467) mortuus, in illud glossas edidit mense Dzi'lca'det anni 847 (inc. 1. Mai. 1443) absolutas et *Mezil el-khafá an alfátz El-Shefú* nominatas, quae ita incipiunt: Praemissis praemittendis. Laus Deo pro ejus beneficiis etc. Compendium est, quod ea textus verba tantum addita habet, quae explicantur, et adnotationes subtiles continet de vocibus libri *Shefú* definiendis, quae potiolem partem e commentario *Borhán-ed-díni Halebi* petitae et additamentis paucis, quae subtilibus argutiis excellent, completae sunt. Laudat eas *Sekháuwi* — *Háfiz Borhán-ed-dín Ibráhim Ben Mohammed Halebi Sibt Ibn-elajemi*, anno 841 (inc. 5. Jul. 1437) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, cujus gratia bona opera perficiuntur etc. Absolvit hujus 10 voluminis descriptionem Halebi die duodecimo mensis Shewwál anni 797 (inc. 27. Oct.

بجلب وعو مجلّد. توفي سنة ٨٤١ وجمع تلميذه محمد بن خليل الحنفى شرحاً من شرحه وقال هذه فوائد التنقطة من تأليف شيخنا للفاضل برهان الدين الحلبي سبط ابن الجهمي وسماه المغتشى في حلّ الفاظ الشفاء مع ما زدتها من زيادات مبينة وسميتها زبدة المقتفى في تحرير الفاظ الشفاء وفرغ من تأليفه ثالث جمادى الآخرة سنة ٨١٠ وعلّف الشيخ شهاب الدين أحمد بن الحسين [بن رسلان] الرملي الشافعي تعليقة [جيدة] مات سنة ٨٤٤ أوله 5  
 الحمد لله ربّ العالمين الخ وشرح بعض الفاضل عماد الدين أبو الفداء اسمعيل بن إبراهيم ابن جماعة الكنائى القدسي المتوفى سنة ٨١٤ وشرحه الشيخ أبو عبد الله محمد بن الحسن ابن مخلوف الراشدى الحافظ المتوفى سنة وشرحه كمال الدين محمد بن أبي شريف القدسي المتوفى سنة ٩٠٥ وشرحه أبو عبد الله محمد بن أحمد بن محمد بن مرزوق التلمسانى المالكي المتوفى سنة ٧٨١ وعليه تعليقة للشهاب أحمد بن حسين بن رسلان الرملي ذكره ابن الخنبلى مات 10  
 سنة ٨٤٤ أوله الحمد لله ربّ العالمين الخ وللشيخ عبد الباقي القرشي اليماني حاشية على هذا

1394), et discipulus *Mohammed Ben Khalil Hanefita* ex praeceptoris commentario commentarium collegit. Has adnotationes utiles, inquit, ex opere Sheikh nostri *Háfiz Borhán-ed-din Halebi Sibt Ibn-elajemi, El-Muctefá fi hall alfútz El-Shefá* inscripto, cum delectu excerpsi, attamen additamenta subjeci res incertae significationis explicantia, librumque *Zubdet El-Muctefá fi tahrir alfútz El-Shefá* nominavi. Absolvit ejus compositionem die tertio mensis Jomádzi II. anni 810 (inc. 8. Jun. 1407). — Glossas [probas], quae ita incipiunt: Laus Deo mundorum domino etc., scripsit Sheikh *Sheháb-ed-din Ahmed Ben-elhosein [Ben Raslán] Ramli* Shafíita, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuus. — Partem verborum *Imád-ed-din Abu'lfedá Ismail Ben Ibráhim Ben Jemáa Kináni Codsí*, anno 861 (inc. 29. Nov. 1456) mortuus, adnotatione explicuit. — Porro commentarios ediderunt Sheikh *Abu Abdallah Mohammed Ben-elhasan Ben Makhlúf Ráshidi* El-Háfiz, anno ... mortuus — *Kemál-ed-din Mohammed Ben Abi Sherif Codsí*, anno 905 (inc. 8. Aug. 1499) mortuus — *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Mohammed Ben Merzúc* 10 *Tilimsáni* Malikita, anno 781 (inc. 19. Apr. 1379) mortuus, ad cujus commentarium *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Hosein Ben Raslán Ramli*, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuus, adnotationem festinantius conscriptam edidit, quae ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc., et ab *Ibn-elhanbali* commemoratur, et ad hunc librum, teste eodem *Ibn-elhanbali*, Sheikh *Abd-el-backi Coreshi Yemáni* glossas scripsit. — In



الكتاب ذكره ابن الحنبلي ومن شروحه تلخيص الشفاء المسمى بالوفاء لابن الاخير وقطب  
الدين محمد بن محمد بن الحيتري وسماه الصفاء بخبر الشفاء مات سنة ٨٩٣ ومن شروحه  
الاكتفاء في شرح الفاظ الشفاء للامام ابي الحسن عبد الباقي اليماني ولبعث الادباء في مدحه

عوضت جنات عدن يا عياض

عن الشفاء الذي آلفته عوض

5

جمعت فيه احاديثا مصححة

فيو الشفاء لمن في قلبه مرض

[وشرح الشفاء شهاب الدين احمد الحفاجي المتوفى سنة ١٠٩١ شرحا كبيرا في غاية التدقيق  
والتحقيق ثلاث مجلدات وشرحه ايضا الملا علي القاري المتوفى سنة ١٠١٦ في مجلدين وعو  
10 احصر من شرح الشفاء قلت وترجمه بالترجمة التركية شيخ الاسلام المولى اسحق بن شيخ  
الاسلام اسمعيل افندي المتوفى سنة ١١٤٧ وترجمه ايضا المولى ابراهيم المتخلص بالحنيف المفتش

commentariis etiam numeratur epitome ex *El-Shefá* excerpta et *El-Wefá* nominata,  
quam *Ibn-elakhdhar* edidit. Idem fecit *Cotb-ed-din Mohammed Ben Mohammed*  
*Ben-elkheidhari*, anno 892 (inc. 28. Dec. 1486) mortuus, cujus liber *El-Safá bi*  
*tahrir El-Shefá* inscriptus est. Commentarius *El-Iktifá fi sharh alfátz El-Shefá*  
nominatus *Imámum Abu'lmehusin Abd-el-bácki Yemáni* auctorem habet, et vir  
quidam philologus in archetypi laudem hos fecit versus:

Do hortos paradisiacos, o *Iyádh*,

Pro opere *El-Shefá*, quod composuisti.

5

Collegisti ibi traditiones veritate probatas,

Et haec sanatio iis est, quorum cor morbo afficitur.

[Magnum commentarium argutissime et subtilissime *Sheháb-ed-dín Ahmed Khafáji*,  
anno 1069 (inc. 19. Sept. 1658) mortuus, tribus voluminibus edidit, et Molla *Ali*  
*Corani* Lector, anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus, cujus commentarius duo  
volumina continens angustior est commentario *Sheháb-ed-díni*. — Ad haec adjicio. In 10  
turcicam linguam archetypum convertit *Sheikh-el-islám Molla Is'hác Ben Sheikh-*  
*el-islám Ismail Efendi*, anno 1147 (inc. 23. Mai. 1734) mortuus, et Molla *Ibráhim*,  
hujus temporis in duabus sanctis urbibus syndicus, *Hanf* cognominatus. Addidit

- بالحرمين الشريفين الآن وكتب المتن ثم شرحه] ٧١١٣ شفاء في الحخيص لنور الانفة شمس الدين محمد بن [احمد بن] الحسين النواجي المتوفى سنة ٥٥٩ ٧١١٤ شفاء في الطب لابي عامر محمد بن احمد بن عامر البلوي الطرسوسي مات سنة ٥٥٩ ٧١٥ شفاء في الطب المسند عن المصطفى مما خرجه الامام ابو نعيم احمد بن عبد الله الاصفهاني جمعه احمد ابن يوسف بن احمد التبيغاشي [المتوفى سنة ٦٥٥] اوله اللهم يا من لطف حتى دنى عن 5 الاوام والظنون انخ جردنا من السند ورتب على ترتيب كتب الطب وسماه بالشفاء وخصه بعنقهم وسماه انواق في الطب الشافي بحذف الاسانيد من غير تغيير في ترتيبه وتذييه اوله اما بعد حمد الله على نواله الخ ٧١٦ شفاء في المنطق لابي علي حسين بن عبد الله المعروف بابن سينا المتوفى سنة ٤٢٨ قيل هو في ثمانية عشر مجلدا وشرحه ابو عبد الله محمد بن احمد الاديبي النجاشي صاحب تحفة العروس المتوفى سنة واخصره شمس الدين 10 [عبد الحميد بن عيسى] الخسروشاهي التبريزي المتوفى سنة ٦٥٣ كتب الشيخ ابو سعيد

- textum, quem postea commentatus est]. — 7613. El-Shefá fi el-heidh, sanatio de menstruis, auctore *Nür-elaimmet Shems-ed-din Mohammed Ben [Ahmed Ben]-elhosein Newwáji*, anno 859 (inc. 22. Dec. 1454) mortuo. — 7614. El-Shefá fi el-tibb, sanatio de medicina, auctore *Abu Amir Mohammed Ben Ahmed Ben Amir Belewi Tarsúsi*, anno 559 (inc. 30. Nov. 1163) mortuo. — 7615. El-Shefá fi el-tibb, sanatio de medicina a propheta electo ipso tradita et ad lucem protracta 5 ab Imám *Abu Noeim Ahmed Ben Abdallah Isfaháni*. Collegit eam *Ahmed Ben Yusuf Ben Ahmed Tigháshi*, [anno 651 (inc. 3. Mart. 1253) mortuus], cujus liber ita incipit: O Deus, qui tam subtilis es, ut Te ab ipsis conjecturis et opinionibus subducas etc. Librum auctoritatibus privavit, eumque ad ordinem librorum medicorum disposuit et *El-Shefá* inscripsit. Vir quidam meliora ex eo excerpit ita, ut auctoritates praetermitteret, ordinem vero et concinnam dispositionem immutatam relinqueret. Epitome, quae ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus pro ejus beneficiis etc., inscripta est *El-Wáfi fi el-tibb el-sháfi*. — 7616. El-Shefá fi el-mantac, sanatio de logica, auctore *Abu Ali Hosein Ben Abdallah*, vulgo *Ibn Sina* dicto et anno 428 (inc. 25. Oct. 1036) mortuo. Liber, in quem *Abu* 10 *Abdallah Mohammed Ben Ahmed Tejáni* Philologus, operis *Tohfet el-arús* auctor anno . . . mortuus, commentarium scripsit, octodecim volumina continere dicitur. Ejus epitomen *Shems-ed-din [Abd-el-hamid Ben Isa] Khosreusháki Tibrízi*, anno 652 (inc. 21. Febr. 1254) mortuus, composuit. Sheikh *Abu Said Fadhlullah Ben*



ابو الخير معرضا لابن سينا

قطعنا الاخوة عن معشر

بهم مرض من كتاب الشفاء

فماتوا على دين رسطالس

وعشنا على سنة المصطفى

5

٧١٧ شفاء في الموعظة لبياء الدين بن يوسف الاندلسي النكدوي وهو كتاب كبير مرتب

على ثلاثة وثمانين بابا اوله الحمد لله الملك المنان الخ ذكر فيه انه اشار اليه بتأليفه شيخه

فخر الدين فجمعه من كتب الامام الغزالي وغيره ٧١٨ شفاء القلوب بلقاء المحبوب ٧١٩ شفاء

الكليم بمدح النبي الكريم للشيخ عبد الوهاب بن احمد ابن عربشاه دمشقي المتوفى سنة ٩١٠

٧٢٠ شفاء المتأثر في آداب المعلم والمتعلم للشيخ عبد اللطيف بن عبد الرحمن المقدسي

المتوفى سنة ٥٠٩ اوله الحمد لله عالم الغيب والشهادة الخ رتبته على مقدمة وثلاثة ابواب

وخاتمة المقدمة في الجمع بين شرف العلم وفضله الاول في آداب المتعلم الثاني في آداب

*Abūlkheir* hos scripsit versus contra *Ibn Sina*:

Dissolvimus amicitiam cum agmine,

Quod morbus ex libro *Shefā* opprimit.

Moriuntur illi fidem Aristotelis amplexi,

Nos vivimus Sunnam prophetae amplectentes.

5

7617. El-Shefā fi el-mauitzat, sanatio, auctore *Behā-ed-din Ben Yusuf Endūghi Nikdewi*. Opus paraeneticum magnum in octoginta tria capita compositum, quod ita incipit: Laus Deo regi propitio etc. Narrat, se ad hoc opus componendum, quod ex libris Imāmi *Ghazāli* aliisque congesserit, libro praeceptoris sui Sheikh *Fakhr-ed-din* excitatum esse. — 7618. *Shefā el-colúb*, sanatio cordium ad aspectu dilecti. — 7619. *Shefā el-kelím*, vulnerati sanatio laude prophetae generosi, auctore Sheikh *Abd-el-wehhāb Ben Ahmed Ibn Arabshāh Dimeshcki*, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuo. — 7620. *Shefā el-moteallim*, sanatio dolore 10 affecti de moribus praeceptoris et discipuli, auctore Sheikh *Abd-el-latif Ben Abd-el-rahman Mocaddesi*, anno 856 (inc. 23. Jan. 1452) mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo mundum invisibilem et visibilem cognoscenti etc., et in praefationem, tria capita et conclusionem dispositus est. *Praefatio* agit de nobilitate scientiae cum ejus meritis concilianda, *caput primum* de moribus discentis, *secundum* de moribus

- المعلم الثالث في معرفة اقسام العلوم الخاتمة فيما جمع الله سبحانه وتعالى لخلقه جملة من آدابها وشروطها ٧١١ شفاء المتعال بادوية السعال للشيخ عبد القادر الشاذلي تلميذ السيوطي ٧١٢ شفاء المرض فيمن يسمى بعوض لشرف الدين عوض بن نصر [المصري] الحنفى المتوفى سنة ٧٤٧ ٧١٣ شفاء المسترشدين في مباحث المجتهدين لابي الحسن علي ابن محمد الكياهراسي [الطبري] الشافعي المتوفى سنة ٥٠٤ ٧١٤ شفاء المعالي بلطائف المثنى 5 ٧١٥ شفعية في مدح خير البرية لسليمان بن داود [المعروف بابن] المصري المتوفى سنة ٧٧٨ وهو فصائد على حروف المعجم ٧١٦ شقائق الانرنج في دقائق الغنج للسيوطي ذكره في فهرمه من النوادر والادب ٧١٧ شقائق الحدائق في شرح حدائق السحر مر في الحاء ٧١٨ شقائق الدقائق وحدائق الحقائق في اشتقاق الحلال من الحق للشيخ علاء الدين السمناني المتوفى سنة ٧١٩ شقائق النعمان في حقائق النعمان لابي القاسم العلامة 10

- docentis, tertium de cognitione generum doctrinarum, conclusio de summa regularum et conditionum in doctrinis discendis observandarum, quas Deus creaturis suis accumulavit. — 7621. Shefá el-moteáli, sanatio alte se efferentis remediis tussis, auctore Sheikh *Abd-el-cádir Shádzi*, *Soyúti* discipulo. — 7622. Shefá el-mardh, sanatio morbi de iis, qui *Audh* nominantur, auctore *Sheref-ed-din Audh Ben Nasr* [*Misri*] Hanefita, anno 747 (inc. 24. Apr. 1346) mortuo. — 7623. Shefá el-mostershidín, sanatio recta via incedere volentium de quaestionibus eorum, qui summo studio rectam scientiam sequuntur, auctore *Abu'hasan Ali Ben Mohammed Kiyáhirúsi* [*Taberí*] Shafiita, anno 504 (inc. 20. Jul. 1110) mortuo. — 7624. Shefá el-meáni, sanatio sententiarum subtilitatibus septem primae Suratae versuum. — 7625. Shef'iyet, conjunctae Casidae in laudem optimi inter homines, auctore *Soleimán Ben Dawúd*, [vulgo *Ibn-el-misri* [dicto et] anno 778 (inc. 21. Mai. 1376) mortuo. *Casidae* ad ordinem literarum alphabeti digestae. — 7626. Shecáic el-etronj, fissurae malae citreae de argutiis gestus amatorii, auctore *Soyúti*, qui libellum in indice scriptorum de historiis facetis et ingenuis recenset. — 7627. Shecáic el-hadáic, fissurae hortorum arboribus consitorum. Commentarius in opus *Hadáic el-sihr*, de quo supra in litera *Há* videatur. — 7628. Shecáic el-decáic we Hadáic el-hacáic, fissurae argutiarum et horti veritatum de licito a vero 10 derivando, auctore Sheikh *Alá-ed-dín Simnání*, anno ... mortuo. — 7629. Shecáic el-no'mán fi hacáic El-No'mán, flores Anemonae de vera *No'máni* condicione



جار الله محمود بن عمر الزمخشري المتوفى سنة ٣٨٠هـ ألفه في مناقب الامام الاعظم  
 ٧١٣. شقائق النعمانية في علماء الدولة العثمانية للمولى احمد بن مصطفى المعروف بطاشكبرى  
 زاده المتوفى سنة ٩١٨ قال ولقد دون المؤرخون مناقب العلماء لم يلتفت احد الى جمع  
 اخبار علماء هذا البلاد وكان لا يبقى اسمهم ورسمهم على السن كل حاضر وباد ولما شاهد  
 5 هذا الحال بعض من ارباب الفضل والكمال التمس مني ان اجمع مناقب علماء الروم فاجبت  
 الى ملتسمه وادفت ذكر علماء الشريعة ببيان احوال مشايخ الطريقة فلعل ما تركت اكثر مما  
 ذكرت ولما لم اطلع على تاريخ وفاتهم وضعت الرسالة على ترتيب سلاطين آل عثمان انتهى  
 وتم تأليفه في رمضان سنة ٩٤٥ وعدد ما ذكر في عشر طبقات خمسمائة واحد وعشرون  
 رجلاً مائة وخمسون منها من المشايخ والباقي من العلماء واقتفى اثره جماعة من العلماء  
 10 منهم من نبهه ومنهم من ترجمه ورتبه وقد ترجم بالتركي محمد خاكي المعروف بابن لختسب

et natura, auctore viro doctissimo *Abu'l-casim Járallah Mahmúd Ben Omar Zamakhsheri*, anno 538 (inc. 16. Jul. 1143) mortuo. Panegyricus in laudem *Imámi maximi Abu Hanifa*. — 7630. *El-Shecáic El-No'máníyet*, flores *Anemona* de viris doctis aulae *Othmanicae*, auctore *Molla Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Táshköprizádeh* dicto et anno 968 (inc. 22. Sept. 1568) mortuo. Quamquam, inquit, historiarum scriptores libros de laudibus virorum doctorum composuerunt, attamen nullus ad hujus terrae virorum doctorum historias curas contulit, et prope fuit, ut nomen eorum et vestigium ex linguis et fixum et campestre domicilium habentium deleteretur. Quod cum hunc rerum statum vir quidam meritis et integritate conspicuus coram perspiceret, 5 me adiit precibus, ut laudes virorum *Rumaeorum* colligerem. Precibus indulsi, et recensionem virorum *jurisperitorum* descriptionem eorum subjeci, quae *Sheikhos vitae mysticae* spectabant, et fortasse quae omisi plura sunt iis quae commemoravi. Ubi tempus, quo mortui sunt, explorare non potui, libellum ita composui, ut seriem *Sultanorum Othmanicorum* sequerem. — Haec ille. — Absolvit ejus compositionem mense *Ramadhán* anni 965 (inc. 24. Oct. 1557), et summa eorum, quos in decem classibus recenset, numerum quingentorum viginti unius virorum efficit, quorum centum quinquaginta *Sheikhi* sunt, viri docti reliqui. Ejus vestigia multi viri docti persecuti sunt, quorum alii opus continuarunt, alii in linguam aliam converterunt, alii in alium ordinem digesserunt. 10 *Turcice* illud *Mohammed Kháki Belgradensis*, vulgo *Ibn-elmuhtesib* dictus, auctore vivo

البلغرادى فى حيرة مؤلفه واستأذن منه فأوصاه ان يكتبه فى آخره مع الذين انتقلوا الى دار  
 البقاء واتمه فى رجب سنة ٩١٨ وسماه حدائق الرجحان وهذه الترجمة ليست كما ينبغي وتكلف  
 المولى محمد بن على المعروف بعاشق المتوفى سنة ٩٧١ فى حياته ايضا ولما عرضه على المؤلف  
 قال [تعريضا له] يا مولانا قد ألفتها تركيبا بحيث لا يحتاج الى الترجمة وذيله الى اواسط  
 الدولة السليمانية فى كتاب غير هذا ورتبه المولى محمد بن مصطفى المعروف بلطفى بك زاده 5  
 على حروف التهجى ببعض الحقايق لكنه توفى شابا فى سنة ٩٩٩ وبقي فى المسودة فلم يظهر  
 بعده وذيل ايضا المولى على بن باى المعروف بچمنق مع باقى ذيل العاشق الى أوائل الدولة  
 المرادية الثالثة وذكر ما غفل عنه المؤلف فاحسن فى انشائه واجاد توفى سنة ٩٩٣ وهذا الذيل  
 المسمى بعقد المنظوم فى ذكر افاضل الروم وتصدى المولى عبد القادر ابن امير كيسودار  
 المعروف بيلانجق [افندى] لتذليله بتراكيب سخيفة والفاظ ضعيفة وتوفى سنة ١٠٠٠ واقتفى 10  
 المولى حسين الاشتمى المتخلص بصدرى المتوفى سنة ٩٩٣ [وكتب ذيلًا حتى وصل الى سنة ٩٩٠]

et venia ab hoc impetrata interpretatus est ea conditione, ut auctoris vitam ad libri  
 finem cum notatione eorum adjiceret, qui jam in domum aeternam migraverant.  
 Interpretatio vero, quam mense Rejeb anni 968 (inc. 22. Sept. 1560) absolvit et  
*Hadâic el-reihân* inscripsit, minime votis respondet; qua de caussa Molla *Mohammed*  
*Ben Ali*, vulgo *Ashic* dictus et anno 979 (inc. 26. Mai. 1574) mortuus, auctore  
 adhuc vivo aliam faciendam suscepit. Quam cum auctori offerret, hic [non sine  
 vituperatione]: O Molla noster, inquit, turcice eam ita composuisti, ut interpretatione  
 5 carere possimus. Continuavit librum usque ad medium *Selîmi* imperium singulari  
 opere, et Molla *Mohammed Ben Mustafa*, vulgo *Lutfibegzâdeh* dictus, ad ordinem  
 alphabeticum nonnullis additamentis auctum digessit. Attamen senex obiit anno 996  
 (inc. 22. Nov. 1587) libro in adversariis relicto, qui postea nusquam apparuit.  
 Continuavit etiam Molla *Ali Ben Bâli*, vulgo *Jemnec* dictus et anno 992 (inc.  
 4. Jan. 1584) mortuus, addita parte reliqua ab *Ashic* continuata usque ad initium  
 imperii *Murâdi III*, et supplevit quae auctor neglexerat, praestantique scribendi  
 genere et elegantia excelluit. Haec appendix inscripta est *El-Icd El-Mantzûm fi*  
*dzikr afâdhil El-Rûm*. Molla *Abd-el-câdir Ibn Emîr Keisûdâr* [*Efendi*], vulgo  
 10 *Yilanjic* dictus, ad eum librum continuandum compositis dictionibus exilibus et verbis  
 fide haud dignis aggressus est, et anno 1000 (inc. 9. Oct. 1591) obiit. Secutus est  
 Molla *Hosein Ishtibi*, *Sadri* cognominatus et anno 993 (inc. 24. Dec. 1585) mortuus,  
 [qui librum continuavit et usque ad annum 990 (inc. 26. Jan. 1582) pervenit],



لكنه اعتنى بصبط الشهور والسنين في التراجم وذيّله ايضا المولى قزح احمد الحميدى المتوفى سنة 1134 [حتى وصل الى زمانه] وذيّله ايضا امير الله محمد بن سيرك محبى الدين الحسى مع الحقائق في عوامش الاصل توفى سنة 1111 وكتب المولى عبد الكريم بن سنان الاقتصارى بعضا من الوفيات وتوفى سنة [1138] واجاد في انشائه وترجم المولى محمد الادرنوى المتخلص 5 بمجدى بالحقائق كثيرة في اكثر التراجم واحسن في انشائه فرغ منه في سنة 990 وسمّاه حقائق الشقائق جمع فيه ما فى الاذيال المذكورة وضم اليه ما تجدد بعده ودعب فيه كل مذهب من التجدد والهزل وصبط تواريخ المنصب والعزل توفى فى حدود سنة 999 والكل ما وصلوا اليه حديد سنة 1120 فرجاء المولى عطاء الله بن يحيى المعروف بنوعى زاده فأخذ ما فى الاذيال والتذاكر من تراجم العلماء والمشايخ وبدأ من آخر الشقائق واحال البراعة فى 10 تراجم الاعيان بالبلاغة والبراعة فى سبع طبقات من طبقة السلاطين كل واحدة منها فى مجلد كما شد من قلمه نادرة من النوادر والنكت فصار تأريخا كاملا فى احوال العلماء وسلاطين زمانهم

attamen in vitis describendis de mensibus et annis definiendis curam adhibuit. Porro continuavit Molla *Caraja Ahmed Homeidi*, anno 1024 (inc. 21. Jan. 1615) mortuus, [usque ad suae aetatis tempus], et *Amrallah Mohammed Ben Seirek Mohyi-ed-din Hasani*, anno 1008 (inc. 14. Jul. 1599) mortuus, ita ut archetypi marginibus supplementa adjiceret. — Molla *Abd-el-kerim Ben Sinan Ac'hisuri*, anno [1028 (inc. 9. Dec. 1618)] mortuus, nonnullas mortes scripsit et elegantiori scribendi genere eminet. — Translationem *Hachic El-Shecaic* inscriptam cum multis supplementis pluribus vitis adjectis fecit Molla *Mohammed Edrenewi*, *Mejdi* cognominatus, 5 qui venusto orationis genere distinctus est et anno 995 (inc. 2. Dec. 1586) absolvit. Collegit, quae in appendicibus commemoratis legebantur eaque addidit, quae post illas nova innotuerant, omni genere et severitatis et joci egregie usus est, et tempus indicavit, quo quis munus obtinuerat et eo se abdicare coactus erat. Obiit circa annum 999 (inc. 20. Oct. 1590), et ultimus terminus, ad quem pervenerunt, annus fuit milesimus vicesimus quintus. Tum venit Molla *Atkallah Ben Yahya*, vulgo *Nauzudeh* dictus, qui vitas virorum doctorum et Sheikhorum assumsit, quas in appendicibus et libris memorialibus invenerat; incepit a fine operis *Shecaic*, et in vitis virorum spectatorum summa eloquentia et facundia insigniter locutus est in 10 septem classibus a classe Sultanorum inde, quae singulae volumen explent. Quae ex ejus calamo singularia processerunt, dicta erant rara et effata subtilia, ut opus evaderet historia perfecta res virorum doctorum et Sultanorum tempore quo regnarunt actas

في سبع مجلدات لم يؤلف مثله في الروم واقتفى اثر المجدى وجعل كتابه ذيلًا على ترجمته  
وسماه حدائق الحقائق في تكملة الشقائق ولما توفي سنة 1.44 بقى كتابه هناك ولم يكمل  
الطبقة المرادية الرابعة [نذر ذيل عطاء الله المولى الفاضل السيد ابراهيم بن السيد عبد  
الباقى المدعو بابن العشاقى المتوفى سنة 1136 بامر المولى شيخ الاسلام فيض الله افندى  
المتوفى سنة 1110 وبدأ المولى المذكور من ترجمة صاحب الذيل عطايى افندى حتى وصل 5  
الى سنة 1113 واجاد في انشائه الفاضل محمد بن الشيخ حسن الفيضى المعروف بالشياخى  
المتوفى سنة 1140 ابتدا من سنة 1.44 حتى انتهى الى سنة 1113 وهو ثلث مجلدات] ٧١٣١ شق  
الجبب في معرفة اهل الشهادة والغيب رسالة في رجال الغيب للشيخ سالم بن السيد احمد  
اولها الحمد لوليه الطاهر بكماله الخ ٧١٣٢ شكر من عوفي وذكر من صوفي للشيخ زين  
الدين سريجا بن محمد المطفى مات سنة ٧٨٨ ٧١٣٣ [شكر المنة في نصر السنة لواحد 10

in septem voluminibus continens, nec simile opus inter Rumaecos compositum est.  
*Mejdii* vestigia secutus est, et librum, quem *Hadâic el-hacâic fi tekमित El-Sheçâic*  
inscripsit, appendicem esse voluit ad illius translationem. Cum anno 1044 (inc.  
17. Jun. 1634) moreretur, librum abruptum reliquit, nec classem *Murâdi IV.* per-  
fecit. — [Appendicem Mollae *Atâallah* continuavit Molla bene meritus *Seyyid Ibrâhim*  
*Ben-elseyyid Abd-el-bâcki*, vulgo *Ibn-elashâcki* dictus et anno 1136 (inc. 20. Sept.  
5 1723) mortuus, jussu Mollae Sheikh-elislâm *Feidhallah Efendi*, anno 1115 (inc.  
6. Mai. 1703) mortui. Molla modo laudatus incepit a biographia auctoris appendicis ab  
*Atâallah Efendi* editae, donec ad annum miliesimum centesimum duodecimum pervenie-  
bat. — Genere orationis polito excelluit vir bene meritus *Mohammed Ben-elsheikh*  
*Hasan Feidhi*, vulgo *Sheikhi* dictus et anno 1145 (inc. 13. Jun. 1732) mortuus, qui ab  
anno 1042 (inc. 9. Jul. 1632) incepit, et ad annum 1113 (inc. 28. Mai. 1701) progressus  
est. Tria volumina]. — 7631. *Shacc el-jeib*, fissura sinus vestis de cognitione eorum,  
qui mundi visibilis et invisibilis sectam sequuntur, auctore Sheikh *Sâlim Ben-elseyyid*  
*Ahmed*. Tractatus de mundi invisibilis asseclis, qui ita incipit: Laus ejus amico  
perfectione conspicuo etc. — 7632. *Shokr men úfiya*, gratiarum actio eorum  
quibus condonatur et praedicatio eorum, quibus sincerus et purus animus redditur,  
10 auctore Sheikh *Zein-ed-din Soreijâ Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr.  
1386) mortuo. — 7633. [*Shokr el-minnet fi nasr el-sunnet*, gratia petita



من علماء المغرب من القرن الحادى عشر رتبته على مقدمة وأربع ابواب وخاتمة المقدمة في عقيدة اهل السنة الباب الاول في فضل الصحابة ومناقبتهم الثاني في ذكر ائمة المذاهب الاربعة الثالث في ذكر فرق هذه الامة الرابع فيما تضمنت الاوراق الخاتمة في النصيحة لكافة المسلمين] ٧١٣٤ شكوى الدمع المبرق من سهام قسى الغران لابي العباس احمد بن محمد الحلبي المعروف بشهاب الحصنكفي وكان حيا في سنة ٨٤٤ ٧١٣٥ شكوى الغريب عن الاوطان الى علماء البلدان للشيخ عين القضاء الهمداني توفي سنة [٥٥٥] ٧١٣٦ شماریخ في علم التاریخ رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى سنة ٩١١ اوله الحمد لله ذي الفضل الشامل العام الخ [ولابن طولون حسن بن احمد ايضا] ٧١٣٧ شمائل الاتقياء ٧١٣٨ شمائل بالنور الساطع الكامل لابي الحسن علي بن محمد بن ابراهيم الغزالي 10 المعروف بابن المقرئ الغرناطي المتوفى سنة ٥٥٥ اوله الحمد لله الذي جعل الدنيا طريقا

de adjuvanda Sunna, auctore quodam viro docto Africano seculi undecimi, qui librum in praefationem, quatuor capita et conclusionem distribuit. *Praefatio* agit de fidei confessione traditionariorum, *caput primum* de meritis et virtutibus sociorum prophetae, *secundum* de Imamis quatuor sectarum, *tertium* de descriptione sectarum hujus populi, *quartum* de iis, quae folia comprehendunt, *conclusio* de bonis consiliis omnibus fidelibus datis]. — 7634. Shekwá el-dam'i' el-mohrác, querela lacrymarum propter sagittas arcuum separationis effusarum, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Halebi Hisnakeifi*, vulgo *Sheháb-ed-din* dicto et anno 864 (inc. 28. Oct. 5 1459) vivo. — 7635. Shekwá el-gharíb, querela absentis de locis natalibus ad viros doctos terrarum delata, auctore *Sheikh Ain-elcodhát Hemdáni*, anno [525 (inc. 4. Dec. 1130)] mortuo. — 7636. Shemárikh fi ilm el-tarikh, rami palmarum de doctrina historiae, auctoribus *Jelál-ed-din Abd-el-rahmán Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo, cujus tractatus ita incipit: Laus Deo beneficentia claro, quae omnia et universa complectitur etc., [et *Ibn Tulún Hasan Ben Ahmed*]. — 7637. Shemáil el-atckiyá, virtutes hominum Deum timentium. — 7638. Shemáil bi'Inúr el-sáti' el-kámil, virtutes luce diffusa et perfecta comparandae, auctore *Abu'hasan Ali Ben Mohammed Ben Ibráhim Gazári Gharnáti*, vulgo *Ibn-elmocri* dicto et anno 552 (inc. 13. Febr. 1157) mortuo. 10 Liber incipit ita: Laus Deo, qui hunc mundum viam esse voluit in alterum etc.,

- للاخرى الخ وهو مشتمل على اربعة اسفار وقسمه الى عشرين قسماً كثيراً في شمائل النبي عليه الصلوة والسلام وسيره واخلاقه ووصافه ٧٣٦ شمائل النبي لابي العباس جعفر بن محمد المستغفرى توفى سنة ٤٣٢ ٧٤٠ شمائل النبي لابي عيسى محمد بن سورة الامام الترمذى المتوفى سنة ٢٧١ وشرحه الشيخ الحافظ شيبان الدين احمد بن حجر المكي المتوفى سنة [٩٧٣] وسماه اشرف الوسائل اوله الحمد لله رب العالمين الخ قال حذو عجانة علقنتها لما قرى على في 5 رمضان سنة ٩٤٩ بحرم مكة [المكرمة] وسميتها اشرف الوسائل الى فيم الشمائل قال في آخره فرغت منه لثمان عشر من رمضان ٩٤٩ وكان الابتداء به ثالث رمضان من السنة المذكورة وشرحه ايضا مصلح الدين [محمد بن صلاح بن جلال] اللارى [المتوفى سنة ٩٧١ وهو] بالعربى فرغ منه في رمضان سنة [٩٤٩] وله شرح آخر فارسى وصنف [الشيخ] السبوطى كتاباً سماه زعر الشمائل على الشمائل ولنور الدين على بن سلطان محمد القارى [المتوفى سنة ١٠١٢] وهو 10 شرح ممزوج اوله الحمد لله الذى خلق الخلق والخلدق الخ وسماه جمع الوسائل فرغ

- quatuor tomos complectitur et in viginti partes divisus est, quae omnes de virtutibus prophetae, cui Deus propitius sit, ejus vita, moribus et qualitibus agunt. — 7639. Shemáil el-nebí, virtutes prophetae, auctore *Abu'labbás Ja'far Ben Mohammed Mostaghfiri*, anno 432 (inc. 11. Sept. 1040) mortuo. — 7640. Shemáil el-nebí, virtutes prophetae, auctore *Imám Abu Isa Mohammed Ben Saura Tirmidzi*, anno 279 (inc. 3. Apr. 892) mortuo. Commentarius, quem *Sheikh et Háfitz Sheháb-ed-din Ahmed Ben Hajr Mekki*, anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortuus, 5 in hunc librum scripsit, titulum *Eshref el-vesáil* habet, et ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc. Hanc adnotationem festinantius conscriptam, inquit, composui, cum lectiones de illo libro mense Ramadhán anni 949 (inc. 17. Apr. 1542) in sacro templi Mekhani septo a me haberentur, et eam *Eshref el-vesáil ilá fahem El-Shemáil* inscripsi. Ut ad finem testatur, absolvit eam die duodevicesimo mensis Ramadhán anni 949 (inc. 17. Apr. 1542), et tertio ejusdem mensis anni laudati die inceptit. — Praeterea commentarios composuerunt *Moslih-ed-din [Mohammed Ben Saláh Ben Jelál] Lári*, [anno 979 (inc. 26. Mai. 1571) mortuus], cujus commentarius arabice scriptus et mense Ramadhán anni [949 (inc. 17. Apr. 1542)] absolutus est. Idem 10 alium commentarium persice edidit — [*Sheikh*] *Soyúti*, cujus liber *Zahr el-hamáil ala El-Shemáil* inscriptus est — *Núr-ed-din Ali Ben Sullán Mohammed Corani* Lector, [anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus], cujus commentarius *Jam'o'*



من تسويده بمكة [المكرمة] سنة 1081 هـ وهدينا الشيخ محمد بن عمر بن حمزة الانطاكي وسماه  
 تهذيب الشمائل حين قدم الروم واحده الى السلطان بايزيد [خان] اوله الحمد لله الذي  
 جعل حيوه العارفين الخ وشرحه عصام الدين ابراهيم بن محمد الاسفرآئي المتوفى سنة 943  
 وهو شرح ممزوج اوله الحمد لله الذي فضل مصطفى باكرم الشمائل الخ وشرحه المولى  
 5 محمد الحنفى فرغ في جمادى الاولى سنة 944 هـ وشرحه محمد عاشق بن عمر الحنفى المتوفى  
 سنة 1032 هـ بعد ان سوده سنة 1012 هـ ذكر فيه انه رواه عن شيوخه الشيخ عبد الله الانصارى  
 المعروف بمكذوم الملك بن شمس الدين وشرح الشمائل الشيخ عبد الرؤف المنارى [المتوفى  
 سنة 1012 هـ] اوله شمائل اجل الفصل في القديم والحديث الخ ذكر فيه ان ممن تصدى لشرحه  
 اوحده المدققين مولانا عصام الدين [الاسفرآئي] فأتى بما لم يسبق اليه من كشف النقاب  
 10 عن أسرار الكتاب لكنه اكثر من الاحتمالات العقلية في هذا الفن الذى هو من الفنون

*el-wesâil* inscriptus, textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo, qui homines  
 et bruta creavit etc. Primae ejus lineae absolutae sunt Mekkae anno 1008 (inc.  
 14. Jul. 1099). — Archetypum recensuit et recognovit Sheikh *Mohammed Ben  
 Omar Ben Hamza Antâki*, et recognitionem *Tehdzib El-Shemâil* inscriptam, cum  
 in terras Rumaeas veniret, Sultano *Bayezid [Khân]* obtulit, et orsus est ita: Laus  
 Deo, qui vitam gnosticorum esse voluit etc. — *Isâm-ed-dîn Ibrâhîm Ben  
 Mohammed Isferâini*, anno 943 (inc. 20. Jun. 1536) mortuus, cujus commentarius  
 textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo, qui prophetam electum virtu-  
 tibus nobilissimis distinxit etc. — Molla *Mohammed Hanefita*, qui mense Jomâdi I. 5  
 anni 926 (inc. 23. Dec. 1519) commentarium absolvit — *Mohammed Ashic Ben  
 Omar Hanefita*, qui anno 1032 (inc. 26. Oct. 1622) obiit, postquam primis lineis  
 commentarium anno 1021 (inc. 23. Febr. 1612) designaverat. Narrat ibi, se eum prae-  
 ceptoris sui Sheikh *Abdallah Ben Shems-ed-din Ansâri*, vulgo *Mahdzûm el-melik*  
 dicti, auctoritate scripsisse — Sheikh *Abd-el-ruwâf Monâwi*, [anno 1031 (inc.  
 6. Nov. 1621) mortuus], cujus commentarius in *El-Shemâil* ita incipit: Virtutes  
 hominum bene meritorum antiquo et recenti tempore etc. Inter eos, inquit, qui ad opus  
*Shemâil* explicandum se accinxerunt, fuit vir incomparabilis ex subtilissimis scruta-  
 toribus Molla noster *Isâm-ed-dîn [Isferâini]*, quem praecedenti tempore nullus in  
 retegendis arcanorum libri velis assecutus est, attamen cogitata animi ambigua et 10  
 ficta admisit in hanc scientiam, quae in doctrinis traditione propagatis numeratur,

النقلية مع ما هو عليه من عدم تمكنه بالاحكام الفرعية وربما اورد من المباحث بما لا يجوز عليه الافهام حتى عدّ ذلك من السقطات والاوهام وتلاه العالم المنحرب الفقيه الشهير بالشهاب بن حاجر اليثيمي نزيل مكة فاطال واظاب لكن بعد الانتياب من ذلك الكتاب وازالة رونق المتن باقتضاره على ما زعم أنّه المهم من الفاظ الباب مع ما هو عليه من الشغف بالرّد والتعقّب بما ليس بكبير امر تارة واخرى من محض التعصب 5 نسألنى بعض الافاضل ان املئ تعليقيها مختصراً منصفاً فاجبتة ولتخصت ما في هذين الشرحين صنأما الييما من الفوائد [وترجمه بالتركية المولى احمد بن خير الدين الايدينى المشهور بخواجه اسحق اندى المتوفى سنة ١١٠٠هـ ونظم بالتركية العالم الفاضل الاديب مصطفى بن اديب مصطفى بن الحسين الحلبي الاصل المعروف بمظلوم زاده فسح الد عمره ومعتنأ به على البحور الستة عشر اوله

10

et praeterea minime idoneus est ad statuta practica secundaria derivanda. — Saepe etiam quaestiones proponit, quibus res admixtae sunt mente vix capiendae, ut in erroribus et hallucinationibus ponerentur. Secutus eum est vir doctus et jurisconsultus expertus *Ibn Hajr Heithemi*, vulgo *Sheháb-ed-dín* dictus et Mekkae inquilinus. At longus fuit, et bene et suaviter rem tractavit, si tamen ea non spectaveris, quae ex isto libro assumpsit, et quod textus splendorem eo delevit, quod in opinione falsa 5 acquievit, gravissimam difficultatem in vocibus materiae quaerendam esse, et praeterea modo ducebatur refutandi studio et in rebus haud magni faciendis a tergo invehendi, modo mero partium studio abripietur. Itaque vir bene meritis precibus me adiit, ut adnotationem breviorum et medii voluminis conscriberem. Precibus indulsi, et meliora, quae in utroque commentario leguntur, additis utilibus adnotationibus selegi. [In turcicam linguam archetypum convertit Molla *Ahmed Ben Kheir-ed-dín Eidini*, vulgo *Khoja Efendi Is'hac* dictus, qui anno 1120 (inc. 12. Mart. 1708) obiit. Praeterea interpretationem metricam turcice composuit philologus doctus et bene meritis *Mustafa* filius philologi *Mustafa Ben-elhosein*, vulgo *Matzlúmzádeh* dictus, qui ex urbe Haleb originem traxit et anno 1158 (inc. 23. Jan. 1745) mortuus est. 10 Deus ejus vitam ampliore reddat! — Studium autem sedecim metris convenienter in ea condenda posuit, et orsus est ita:



باسم مولاي لا له ثان  
وله الامر لا له ثان  
مبدأ الخلق والنهي والشبائل  
منشئ الارض والسماء والمنازل

- 5 اتبعت سنة 1108 [شمس الادب لابي سعيد بن مهدي بن ابي سعيد السمناني 744 شمس  
الارواح وقمر الافراج 743 شمس الاسرار الربانية وقمر الانوار العرفانية 744 شمس الاسرار  
وقمر الانوار في الاسماء ذكره البوني 745 شمس الآفاق في علم الحروف والافاق للشيخ عبد  
الرحمن بن محمد البسطامي مجلد ضخيم على ترتيب الحروف اوله الحمد لله الذي اطلع  
شمس الحروف والافاق الخ 746 شمس الجمال 747 شمس الخلافة 748 شمس رقوم  
10 الدوائر وقمر رسوم البصائر ذكره البوني 749 شمس السعادة وقمر السيادة في الاسماء ذكره  
البوني 750 شمس الطريقة في بيان الشريعة والحقيقة مختصر للشيخ محيي الدين محمد بن علي

Nomine domini mei, qui secundum non habet,  
Cui imperium est alteri non comparandum.  
Principium rerum creatarum, intelligentiae et virtutum,  
Creator terrae, coeli et stationum lunae]. —

7641. Shems el-edeb, sol studii humanitatis, auctore *Abu Saïd Ben Mehdi Ben 5*  
*Abi Saïd Simnâni*. — 7642. Shems el-arwâh, sol spirituum et luna gaudiorum. —  
7643. Shems el-asrâr el-rebbâniyet, sol arcanorum divinatorum et luna luminum  
spiritalium. — 7644. Shems el-asrâr we camar el-anwâr, sol arcanorum et  
luna luminum de nominibus. Mentionem ejus facit *Bûni*. — 7645. Shems el-afâc,  
sol terrarum de doctrina literarum et quadratorum talismanicorum, auctore Sheikh  
*Abd-el-rahman Ben Mohammed Bistâmi*. Volumen crassum secundum ordinem  
literarum, quod ita incipit: Laus Deo, qui solem literarum et quadratorum talis-  
manicorum oriri jussit etc. — 7646. Shems el-jemâl, sol pulchritudinis. —  
7647. Shems el-khilâfet, sol Khalifatus. — 7648. Shems rocûm el-dewâir, sol 10  
notarum circularum et luna vestigiorum intelligentiarum. *Bûni* librum commemorat. —  
7649. Shems el-seâdet, sol felicitatis et luna dominatus de nominibus. Commem-  
oratur ab eodem *Bûni*. — 7650. Shems el-tarîcat, sol viae de explicanda lege et  
veritate, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Ali Ibn Arabi*. Compendium n,

- ابن عربى اوله الحمد لله على ما صدق وارشد الخ ٧١٥١ شمس العلوم فى اللغة ثمانية عشر  
جزءا لنشوان بن سعيد الحميرى اليمى المتوفى سنة ٥٧٣ سلك فيه مسلکاً غربياً يذكر الكلمة  
من اللغة فان كان لها نفع من جهة ذكره وذكر فى كل مادة ابواب الكلمة ومستعملاته ثم  
اختصره [ابنه] فى جزئين وسماه ضيآء العلوم فى مختصر شمس العلوم اول ضيآء العلوم اما  
بعد حمد الله مستحق الحمد الخ ٧١٥٢ شمس الغروب فى الملاحم والفتن والحروب ذكره 5  
البونى ٧١٥٣ شمس لطائف الاسماء وقمر حقائق المسمى ذكره ايضا ٧١٥٤ شمس مطالع الجمال  
وقمر منازل الجلال فى الطلسمات ذكره البونى ٧١٥٥ شمس مطالع القلوب ذكره فى الجفر  
٧١٥٦ شمس مطالع القلوب وبدر طواع الغيوب لاقى الحسن على بن احمد الحترانى [المغربى  
الاندلسى المرسى المتوفى سنة ١٣٧] ٧١٥٧ شمس المعارف وانس العارف ارجوزة فى الحديث لاقى  
الغناتم سعيد بن سليمان الكندى الخفى مات سنة ٩١٦ حدث بها بالقاهرة ٧١٥٨ شمس المعارف 10

- quod ita incipit: Laus Deo pro eo, quod bene ducit et dirigit etc. — 7651. Shems el-olúm, sol doctrinarum de lingua, auctore *Neshwán Ben Saíd Himyari Yemeni*, anno 573 (inc. 30. Jun. 1177) mortuo. Octodecim fasciculi, ubi auctor singularem rationem sequitur. Commemorat primum vocem dialecti, et si ex illa voce commemoranda utilitas aliqua redundat, hanc indicat, et in quovis articulo varias vocis materias et usus recenset. — Postea [filius] ejus epitomen duobus fasciculis comprehensam et *Dhiyá el-holúm* i. e. „lux intelligentiarum“ inscriptam confecit, quae  
5 ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus laude dignus etc. — 7652. Shems el-ghorúb, sol occidentis de magnis stragibus, tumultibus et bellis. Commemoratur a *Báni*. — 7653. Shems letáif el-asmá', sol elegantiarum nominum et luna veritatum nominati. Commemoratur ab eodem. — 7654. Shems metáli' el-jemál, sol ortuum pulchritudinis et luna stationum magnitudinis de talismatis. Commemoratur ab eodem *Báni*. — 7655. Shems metáli' el-colúb, sol ortuum cordium. Commemoratur in tabula *Jejr*. — 7656. Shems metáli' el-colúb, sol ortuum cordium et luna siderum apparentium mysteriorum, auctore *Abu'hasan Ali Ben Ahmed Harráni* [*Maghribi Andalusí Mursi*, anno 637 (inc. 3. Aug. 1329) mortuo]. — 7657. Shems el-meárif we Uns el-árif, sol cognitionum et societas cognoscen-  
10 tis, auctore *Abu'lghanáim Saíd Ben Soleimán Kindi Hanefita*, anno 616 (inc. 19. Mart. 1219) mortuo. Carmen metro *Rejez* compositum de traditionibus, de quibus Cahirae scholas habuit. — 7658. Shems el-meárif we Letáif el-



ولطائف العوارف [للشيخ احمد بن علي البوني المتوفى سنة ٦٣٣] اوله الحمد لله الذي اطلع  
 شمس المعرفة الخ قال والمقصود من هذا الكتاب ان يعلم بذلك شرف اسماء الله سبحانه وتعالى  
 وما اودع في بحرهما من انواع الجواهر الحكميات وكيف التصريف باسماء الدعوات وتابعينا  
 من حروف السور والآيات يتصل بنا الى الحضرة الربانية من غير تعب وما يتوصل بنا الى  
 5 رغائب الدنيا ٧٥١ شمس المنير الاعظم في اسماء البدر المسير المعظم لروح الله بن عبد  
 الله القزويني ٧٦٠ شمس المنير في تحقيق الاكسير للشيخ ايدمر بن علي الجلدكي من  
 رجال القرن الثامن سنه بالقاهرة ٧٦١ شمس المنيرة في تعريف الكبيرة للحافظ احمد بن  
 علي ابن حجر العسقلاني المتوفى سنة ٨٥٢ ٧٦٢ شمس المنيرة في الحديث للامام الحافظ  
 حسن بن احمد الصغاني ٧٦٣ شمس الواصلين وانس السائرين في سر السير على براني الفكر  
 10 والظير للشيخ ابي العباس احمد بن علي بن يوسف البوني المتوفى سنة اوله الحمد لله على حسن

awárif, sol cognitionum et elegantiae subtiles cognoscentium, [auctore Sheikh  
*Ahmed Ben Ali Búni*, anno 622 (inc. 13. Jan. 1225) mortuo], qui ita incipit: Laus  
 Deo, qui solem cognitionis oriri jussit etc., et: Consilium, inquit, in hoc libro  
 componendo secuti sumus illud, ut eo nominum Dei excelsi nobilitas et variae  
 sapientiae margaritae cognoscantur, quae in illorum mari depositae sunt, et ratio,  
 qua nomina invocationum et literae Suratarum et versuum coranicorum, quae ab illis  
 dependent, usurpanda sint, ut iis ad majestatem divinam sine ullo labore perveniatur  
 neque hujus terrae desideria impetrentur. — 7659. El-Shems El-Monír El-Atzam, 5  
 sol illustrans permagnus de nominibus lunae incedentis honorati, auctore *Rúhallah  
 Ben Abdallah Cazwini*. — 7660. El-Shems El-Monír, sol illustrans de lapide  
 philosophorum vere cognoscendo, auctore Sheikh *Eidemir Ben Ali Jildeki*, qui  
 seculo octavo Cabirae scripsit. — 7661. El-Shems El-Moníret, sol illustrans  
 de graviore peccato definiendo, auctore Háfitz *Ahmed Ben Ali Ibn Hajr Ascaláni*,  
 anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo. — 7662. El-Shems El-Moníret, sol  
 illustrans de re traditionaria, auctore Imám et Háfitz *Hasan Ben Ahmed Sagháni*. —  
 7663. Shems el-wásilín we Uns el-sáirín, sol tironum pervenientium et  
 societas incedentium de arcano itineris, quod propheta in Borac jumento cognitionis  
 et evectionis fecit, auctore Sheikh *Abu'labbás Ahmed Ben Ali Ben Yusuf Búni*, 10  
 anno ... mortuo. Incipit ita: Laus Deo pro probato ejus auxilio etc. — 7664. Shems

- توفيقه الخ ٧١٤٢ شمس النوصال وعروس الجمال ٧١٥٥ شمسية تركى فى القراءة والتجويد  
 لاحمد بن قرامان القونوى اوله الحمد لله الذى نور قلوب المؤمنين بنور المعرفة والايقان  
 الخ ورتبه على اثنى عشر بابا ٧١٦٦ شمسية فى الحساب لحسن بن محمد النيسابورى المعروف  
 بنظام المتوفى سنة رتبه على مقدمة وفتين وفى المقدمة فصلان والفن الاول فيما يتعلف باصول  
 الحساب والثانى فى فروع ٧١٦٧ شمسية متن مختصر فى المنطق لنجم الدين عمر بن على 5  
 القزوينى المعروف بالكاتبى تلميذ نصير الطوسى المتوفى سنة ٦١٣ ألفه لخواجه شمس الدين  
 محمد وسماه بالنسبة اليه [وشرحه قطب الدين محمود بن محمد الرازى المتوفى سنة ٧١٦  
 شرحا جيدا متداولًا بين الطلبة ألقه للوزير غياث الدين محمد بن خواجه رشيد من وزراء  
 السلطان خدابنده وعليه حاشية للمحقق الفاضل السيد الشريف على بن محمد الجرجانى  
 المتوفى سنة ٧١٦ وهى التى يقال لها حاشية كوچك] وشرحه ايضا العلامة سعد الدين مسعود 10  
 ابن عمر التفتازانى المتوفى سنة [٧١٦] وعلى حاشية السيد الشريف حواش كثيرة منها للمولى

- el-wisál, sol conjunctionis et sponsa pulchritudinis. — 7665. El-Shemsíyet, dissertatio turcica *Shemsíyet* inscripta de Corano ad criticam artem castigando et juste recitando, quae ita incipit: Laus Deo, qui corda fidelium lumine cognitionis et interioris scientiae illustravit etc., et in duodecim capita disposita est. Scripsit *Ahmed Ben Çarâmân Cunewî*. — 7666. El-Shemsíyet fi el-hisáb, dissertatio solaris sive *Shemsíyet* dicta de arithmetica, auctore *Hasan Ben Mohammed Nisábúri*, vulgo *Nitzám* dicto et anno . . . mortuo. Divisa est in praefationem et duas species. Praefatio duas sectiones habet, et prima species de iis agit, quae principia arithmeticae 5 spectant, secunda regulas ejus derivatas. — 7667. El-Shemsíyet, textus brevis *Shemsíyet* inscriptus de logica, quem *Nejm-ed-dín Omar Ben Ali Cazwîni*, *Nasir-ed-dîni Tusi* discipulus vulgo *Kâtibi* dictus et anno 693 (inc. 2. Dec. 1293) mortuus, *Khojae Shems-ed-dîn Mohammed* composuit et ex ejus nomine *Shemsíyet* appellavit. [Commentarios in eum composuerunt *Cotb-ed-dîn Mahmúd Ben Mohammed Râzi*, anno 766 (inc. 23. Sept. 1364) mortuus, cujus commentarius egregius multum in manibus studiosorum versatur et in commodum *Ghiyâth-ed-dîni Mohammed Ben Khoja Reshid*, Sultani *Khodábendeh* Weziri compositus est. Scrutator subtilis et 10 bene meritus *Seyyid Sherif Ali Ben Mohammed Jorjâni*, anno 816 (inc. 3. April. 1413) mortuus, glossas in eum scripsit, quae *Kujuk* i. e. parvae nominantur] — et vir eruditissimus *Sa'd-ed-dîn Mes'ûd Ben Omar Teftázâni*, anno [791 (inc. 31. Dec. 1338)] mortuus. — Ad glossas *Seyyidi El-Sherif* plures novas scripserunt glossas,



قره داود من تلامذة سعد الدين وهو الصحيج والنسبة الى داود بن كمال القوجوى غلط  
 وسيد على العجمى المتوفى سنة ٨٦٠ وللمولى شمس الدين محمد بن حمزة الفنارى المتوفى سنة ٨٣٤  
 ذكره المجدى ومير صدر الدين وصل فيه الى مباحث القول الثانى ودورجانى وبنى الحسن  
 دانشمند الايبوردى وجلال الدين محمد بن اسعد الدوانى علق على اوله اوله جت من  
 5 ظهرت على حواشى الاكوان الخ توفى سنة وقرجه احمد المتوفى سنة ٨٥٤ وشجاع الدين الياس  
 الرومى المتوفى سنة ٩١٩ وعلى حاشية السيد ايضا حاشية لعباد بن محمد بن يحيى بن  
 على بن الفارسى المتوفى سنة اوله نعمدك يا من انطق لسان عبده الخ وعليها حاشية  
 اخرى لمولانا سيد على وجلال الدين الدوانى ولامير صدر الدين ومظفر الدين الشيرازى  
 وبرهان الدين بن كمال الدين بن حميد ايضا وعلى هذا الشرح حاشية للشيخ محمد  
 10 البدخشى توفى سنة ٩١٣ وللمولى محمد بن حمزة الفنارى المتوفى سنة ٨٣٤ وعلى تصديقاته  
 للمولى خير الدين خضر بن عمر العطوفى صنفها للسلطان سليمان خان واتمها سنة ٩٣٠ وشرحه

ut Molla *Carah Dawud Sa'd-ed-dini* discipulus, cui omnino tribuendae sunt, licet  
 alii eas a *Dawud Ben Kemal Cujewi* scriptas esse perperam dicant — Seyyid *Ali*  
*Ajemi*, anno 860 (inc. 11. Dec. 1455) mortuus — Molla *Shems-ed-din Mohammed*  
*Ben Hamza Fenari*, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430) mortuus, cujus glossas *Mejdi*  
 commemorat — *Mir Sadr-ed-din*, qui ad quaestiones secundae dissertationis per-  
 venit — *Durajani* — *Abulhasan Danishmend Abiwerdi* — *Jelal-ed-din Mohammed*  
*Ben As'ad Dewani*, anno ... mortuus, qui adnotationem ad earum initium composuit,  
 quae ita incipit: Gloria sit ei, cujus (signa) in marginibus essentiarum apparent etc. — 5  
*Caraja Ahmed*, anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuus — *Shojá'-ed-din Ilyás*  
*Rumi*, anno 929 (inc. 20. Nov. 1522) mortuus. — Pariter ad glossas *Seyyidi*  
 glossas edidit *Imad Ben Mohammed Ben Yahya Ben Ali Ben-elfarisi*, anno ...  
 mortuus, quae ita incipiunt: Laudamus Te, qui linguam servi Tui ad loquendum  
 aptam reddidisti etc. Alias glossas ediderunt Molla noster Seyyid *Ali* — *Jelal-ed-din*  
*Dewani* — *Emir Sadr-ed-din* — *Motzaffer-ed-din Shirazi* — *Borhan-ed-din Ben*  
*Kemal-ed-din Ben Homeid*. — Ad *Colb-ed-dini* commentarium glossas ediderunt  
 Sheikh *Mohammed Bedakhshi*, anno 922 (inc. 5. Febr. 1516) mortuus — et Molla 10  
*Mohammed Ben Hamza Fenari*, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430) mortuus — et ad  
 archetypi probationes Molla *Kheir-ed-din Khidhr Ben Omar Atúfi*, qui in favorem  
 Sultani *Soleiman Khan* glossas composuit et anno 930 (inc. 10. Nov. 1523) absolvit.

الموتى علاء الدين على بن محمد المعروف بمصنفك بالفارسي المتوفى سنة ٨٧١ وجمال الدين محمد بن احمد الحلي المتوفى سنة ٨٦٤ ولم يكمله و احمد بن عثمان التركماني للجورجاني المتوفى سنة ٧٤٤ وابو محمد زين الدين عبد الرحمن بن ابي بكر ابن العبيدي المتوفى سنة ٨١٣ وشرح [ولي الدين القرماني] ديباجة شرح سعد الدين [وعلي] اول شرح السيد حاشية للقرماني المذكور ومن حواشيتها القمريّة اولها الحمد لله تالف الاصباح وخالف الارواح الخ يسمى بيا 5 لانحيازها المتن والشرح في حقيقة واحدة وشرح محمد بن موسى البسنوي المتوفى سنة ١٠٤٥ اوله الحمد لله الذي لا يطيق بكمال حمده منتق منطبق الخ وهو شرح ممزوج وعلي شرح القطب حاشية لمولانا الفاضل السمرقندي من علماء زمن السلطان حسين كذا في صيآء البرّ ومولانا عصام الدين ابراهيم بن عربشاه الاسفرآني علي شرح القطب حاشية وعلي التصديقات حاشية لتخليل بن محمد [القرماني] الرضوي اولها لا احصي ثناء عليك الخ ذكر فيه ان 10

Praeterea commentarios scripserunt Molla *Alá-ed-dín Ali Ben Mohammed*, vulgo *Mosannifec* dictus et anno 871 (inc. 13. Aug. 1466) mortuus, qui persice scripsit — *Jelál-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Mahalli*, anno 864 (inc. 28. Oct. 1459) mortuus, qui commentarium ad finem non perduxit — *Ahmed Ben Othmán Turkemáni Jurjáni*, anno 744 (inc. 26. Mai. 1343) mortuus — *Abu Mohammed Zein-ed-dín Abil-el-rahman Ben Abi Bekr Ibn-elaini*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuus. — [*Weli-ed-dín Caramáni*] praefationem commentarii *Sa'd-ed-dini* exposuit, et ad 5 initium commentarii *Seyyidi Caramáni* modo laudatus glossas edidit. — Inter ejus glossas sunt etiam illae, quae ita incipiunt: Laus Deo efficienti, ut aurorae perrumpant, et spirituum creatori etc., et *Comriyet* eam ob caussam inscriptae sunt, quod textum et commentarium sub uno vexillo comprehendunt — *Mohammed Ben Musa Bosnevi*, anno 1045 (inc. 7. Jun. 1635) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, cujus perfectissimam laudem ne disertissima quidem logica comprehendit etc., et textum admixtum habet. — Ad *Colb-ed-dini* commentarium glossas edidit Molla noster bene meritus *Samarcandi*, qui, ut in *Dhiyá el-birr* legitur, inter viros doctos temporis Sultani *Hosein* floruit — Molla noster *Isám-ed-dín Ibráhim Ben Arabsháh Iferáini* ad commentarium *Colb-ed-dini* glossas composuit, 10 itemque ad probationes *Khaltl Ben Mohammed [Caramáni] Radhawi*, cujus glossae ita incipiunt: Copiosissima Tui laus etc. Viros bene meritos dicit quaestiones de



الفصلاء بيّنوا مباحث التصوّرات ولم يلتفتوا كما ينبغي الى التصديقات وأنّه قد حقّق اكثر مباحثها في مجلس استناده مولانا كمال الدين حسين الاردبيلي فجمع فوائد وعلى حاشية الصغرى التي للسيد حاشية لمير صدر الدين وعلى اول شرح السيد حاشية للشيوخ رضى الدين القراماني ذكره صاحب الشقائق وعلى الحاشية الصغرى حاشية لاني شحمة ويقال له 5 شكم وشرحها الزين سريجا بن محمد الملطى مات سنة ٧٨٨ وممّا حرج البسالة السنيّة جزئين ٧٩١ شمط الصدور وحادية النور للشيوخ ابي بكر محمد بن عبد الله الموصلي الشيباني ٧٩٩ شمع وپروانه تركى منظوم لعمود بن عثمان المعروف بلامعى المتوفى سنة ٦٣٨ وفي بحر التيزج لذاتى شاعر من شعراء الروم ايضا وهو في خمسة آلاف بيت توفي سنة ولعميدى ايضا توفي سنة واحلى شيرازى اوله

بنام انكه ما را از عنايت

10

درد پروانه شمع حدائيت

rerum notionibus animo conceptis exposuisse, minime vero, ut conveniat, probationes respexisse; se autem maximam quaestionum huc pertinentium partem in lectionibus praeceptoris sui, Mollae nostri *Kemâl-ed-din Hosein Erdebili*, subtiliter cognovisse. Itaque adnotationes utiles collegit. Ad glossas minores, quae *Seyyid* auctorem habent, *Mir Sadr-ed-din* glossas scripsit, et *Sheikh Welî-ed-din Carâmâni*, teste libri *Shekâic* auctore, glossas ad initium commentarii *Seyyidi*. — Porro ad glossas minores alias glossas *Abu Shehma* edidit *Shokm* inscriptas. Denique eas commentatus est 5 *Zein-ed-din Soreijâ Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuus, cujus commentarius *Hirk el-besâlet el-seniyet* inscriptus est et duobus fasciculis comprehenditur. — 7668. *Shemt el-sodûr we Hâdiyeyt el-nûr*, conditio pectorum et excitatio luminis, auctore *Sheikh Abu Bekr Mohammed Ben Abdallah Mausili Sheibâni*. — 7669. *Shemey' we Perwâneh*, candela et papilio. Poema turcicum, auctore *Mahmûd Ben Othmân*, vulgo *Lâmîi* dicto et anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuo. Carmina ejusdem tituli composuerunt *Dzâti* Rumeliae poeta, anno ... mortuus, cujus carmen metro *Hejeyz* compositum quinque milia versuum complectitur — *Moidi*, anno ... mortuus — *Ahli Shirâzi*, cujus carmen ita incipit:

Nomine ejus, qui nobis ex gratia sua

10

Papilionem dedit candelae directionis justae.

٧١٧. الشمعة المضيئة بنشر قراءات السبعة المرضية منظومة للشيخ كمال الدين ابى عبد  
 اللد محمد بن الموقع احمد ابى الوفاء بن محمد الموصلى [الحنبلى] المعروف بشعلة المتوفى  
 سنة ٦٥٩ وعى رآية قدر نصف الشاطبية مختصرة جداً احسن في نظمها واختصارها  
 ٧١٧. شمعة المضيئة في علم العربية لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ألفه في ابتداء  
 حاله ورقتان في النحو اوله اللد احمد الخ ٧١٧. شمعية لمولانا محمد الادرنوى المعروف 5  
 بمجدى المتوفى سنة ٩٩٩ اوله الحمد للذى خلق السموات والارض الخ ولمولانا على المتوفى  
 قاضيا بمرعش في فن الفقه اولها تبارك الذى جعل في السماء بروجاً الخ ولام ولد زاده اولها  
 بشرى بخير يا اولى الابصار الخ ٧١٧. الشموس الشافية للنفس لابي الريحان محمد بن  
 احمد البيرونى ٧١٧. شموس الفكر المنقذة من كلمات الجبر والقدر مختصر اوله الحمد لله  
 الذى جعل الابصار الخ للشيخ محبى الدين ابن عربى ٧١٧. شنف السامع في وصف جامع 10

7670. El-Sheeat El-Modhiyet, candela lucens divulgandis septem versuum  
 primae Suratæ Corani recensionibus probatis, auctore Sheikh *Kemal-ed-din Abu  
 Abdallah Mohammed Mansili* [Hanbalita], vulgo *Shola* dicto et anno 656 (inc.  
 8. Jan. 1258) mortuo, filio *Ahmedis Abu'lwefa Ben Mohammed*, qui a libellis  
 supplicibus consignandis fuit. Carmen in *Ra* desinens et dimidiam carminis *Shatibiyet*  
 partem comprehendens, quod, brevitare satis magna non obstante, poetica compositione  
 et concisa oratione praestat. — 7671. El-Sheeat El-Modhiyet, candela  
 lucens de scientia linguae arabicae, auctore *Jelal-ed-din Soyuti*, anno 911 (inc.  
 5 4. Jun. 1505) mortuo. Duo folia de syntaxi, quae initio tirocinii scripsit et ita  
 orsus est: Deum laudo etc. — 7672. SHEMEIYET, candela cerea, auctoribus Molla  
 nostro *Mohammed Edrenewi*, vulgo *Mejdi* dicto et anno 999 (inc. 20. Oct. 1590)  
 mortuo, cujus liber ita incipit: Laus Deo, qui coelos et terram creavit etc. —  
 Molla nostro *Ali*, qui munere iudicis in urbe *Mer'ash* fungens obiit. Liber de  
 jurisprudentia agit et ita incipit: Celebretur sanctus ille, qui in coelo Zodiaci  
 signa posuit etc. — et *Omm Weledzadeh*, qui ita orsus est: Laetus nuntius  
 bona quaeque annuncians, o viri intelligentia praediti etc. — 7673. El-Shomús  
 El-Sháfiyet lil nofús, soles animis apparentes, auctore *Abu'treihún Mohammed  
 Ben Ahmed Biruni*. — 7674. Shomús el-fiker, soles cogitationum e vocibus  
*Jebr* et *Cadr* evulsarum, quibus omnis hominum libera voluntas excluditur et omnia  
 10 ad providentiam Dei praefinientem referuntur, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Ibn  
 Arabi*. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui intellectus fecit etc. —  
 7675. Shenf el-sámi', inauris superior audientis. Descriptio templi primarii



بني أمية للشيخ طاهر بن حسن بن حبيب المتوفى سنة ٨٨

علم الشواذ ٧١٧١

من فروع القراءة

- ٧١٧٧ شوارذ الشواهد لاجد بن حسين الاحوازي ٧١٧٨ شوارذ القوائد في الصوابط  
 5 والقواعد السبوطى ذكره في فهرس مؤلفاته ٧١٧١ شوارذ في اللغة للامام رضى الدين حسن  
 ابن محمد الصغاني المتوفى سنة ٩٥. ٧١٨٠ شوارذ الملح وموارد المنج ٧١٨١ شوارذ الاسرار  
 العلية في شرح مشارق الانوار النبوية يأتى في الميم ٧١٨٣ شوارذ الانوار وبوارق الاسرار  
 ٧١٨٣ شواهد الابكار في حاشية انوار التنزيل للبيضاوى مر ٧١٨٤ شواهد الاصول في معرفة  
 رجال احاديث الرسول صلعم ٧١٨٥ شواهد التوضيح في شرح جامع الصحیح البخارى مر

Omayyadarum, auctore Sheikh *Táhir Ben Hasan Ben Habíb*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuo.

7676. *Ilm el - shewázdz*. Doctrina verborum coranicorum, quae nullam analogiam sequuntur.

Pertinet haec doctrina ad criticae coranaicae partes secundarias. —

7677. *Shewárid el-shewáhid*, loci probantes dispersi, auctore *Ahmed Ben Hosein Ahwázi*. — 7678. *Shewárid el-fewáid*, dispersae adnotationes utiles de normis et regulis, auctore *Soyúti*. Commemorantur in indice ejus operum. — 5  
 7679. *El-Shewárid*, adnotationes dispersae ad linguam pertinentes, auctore *Imám Redhí-ed-din Hasan Ben Mohammed Sagháni*, anno 650 (inc. 14. Mart. 1252) mortuo. — 7680. *Shewárid el-moleh*, dispersae narrationes lepidae et aquisitiones donorum. — 7681. *Shewáric el-asrár el-alíyet*, splendorcs arcanorum sublimium. Commentarius operis *Mesháric el-anwár el-nebewiyet*, de quo in litera *Mim* dicitur. — 7682. *Shewáric el-anwár*, splendorcs luminum et fulgores arcanorum. — 7683. *Shewáhid el-abkár*, testes virginum intactarum. Glossae ad opus *Beidhúwianum Anwár el-tenzíl*, de quo supra videndum est. — 7684. *Shewáhid el-osúl*, loci probantes principiorum de cognitione virorum in traditionibus propheticis versatorum. — 7685. *Shewáhid el-taudhíh*, loci probantes expositionis. Commentarius in opus *El-Jámi' El-Sahih* a *Bokhári* editum, de quo

٧٨٦ شواهد الحكم محمد بن موسى المعروف بالاقشيش القرطبي مات سنة ٣٠٧ ٧٨٧ شواهد  
الكبرى والصغرى اعنى شواهد الالفية للعبى [بدر الدين محمود بن احمد المتوفى سنة ٨٥٥]  
سماه المقاصد النحوية فى شرح شواهد شروح الالفية فى مجلدين كما مرّ اول الكبرى آياك  
نحمد يا من علمنا من علوم ما لم نعلم الخ والصغرى وهو اشيرعها اسمه فرأى القلائد فى  
مختصر شرح الشواهد اول الصغرى حمداً ناصحاً صافياً الخ قال ان جملة الاذكياء خاضوا بان  
5 شرح الشواهد الذى عقبه نسبنا من تقريره فلو خصته بالاختصار لاقرّ بنشع له جم غفير  
فسمرت ساق العزم مع بعض زيادة فجاء نافعاً ولم آل فى وضع الرموز التى اخترعتها هناك  
وعى ظفيع عند اتقاي الاربعة وهم ابن الناظم وابن ام قاسم وابن هشام وابن عقيل وظفد  
وظفيع وفتح عند اتقاي الثلاثة وظف وظف وفتح وفتح عند اتقاي الاثني وظف ع  
عند الانفرد والله سبحانه وتعالى اعلم ٧٨٨ شواهد مغنى اللبيب ٧٨٩ شواهد النبوة 10

supra dictum est. — 7686. *Shewáhid el-hikem*, loci probantes statutorum  
practicorum, auctore *Mohammed Ben Musa Cortubi*, vulgo *Acshin* dicto et anno 307  
(inc. 3. Jun. 919) mortuo. — 7687. *El-Shewáhid El-Kobra we El-Soghra*,  
loci probantes ad *Alfiyam*. Sylloge major et minor, *El-Mecásid El-Nahwiyyet fi*  
*sharh Shewáhid shorúh El-Alfiyyet* inscripta, auctore [*Bedr-ed-din Mahmúd Ben*  
*Ahmed*, vulgo] *Aini* [dicto et anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuo]. Duo volumina,  
ut supra indicatum est. Sylloge major ita incipit: Te laudamus, o qui nos doctrinas  
docuisti, quas ignoravimus etc.; minor, quae potissimum inclaruit, *Ferhid el-caláid*  
5 *fi mokhtasar sharh El-Shewáhid* inscripta est et ita incipit: Laudem puram et  
lucidam etc. Multi viri, inquit, mentis acumine illustres me verbis allocuti sunt: Si  
commentarium locorum probantium, post quem ob factorum expositionem anhelitum  
vix recipere possumus, in breviorum epitomen cogere velles, omnino omnes argumenti  
intelligentia allevata magna inde laetitia afficerentur. Itaque animum accinxi ita,  
ut nonnulla adderem et liber inde multum utilitatis caperet. Nec sigla ponere  
cessavi, quibus hic primus usus sum. Posui TzCHA', quando quatuor illi, *Ibn-*  
*elulúzim*, *Ibn Omm Cásim*, *Ibn Hishám* et *Ibn Ackil*, consentiunt, TzCH, TzCA'  
et CHA', quando tres ex illis consentiunt, TzC, TzH, TzA', CH, CA', HA',  
10 quando duo consentiunt, et Tz, C, H, A', quando unius tantum auctoritate utor. —  
Deus laudatus et excelsus omnium scientissimus est. — 7688. *Shewáhid Mughni*  
*el-lebíb*, loci probantes operis *Mughni el-lebíb*. — 7689. *Shewáhid el-no-*



فارسی لمولانا نور الدین عبد الرحمن بن احمد الجامی المتوفی سنة ۸۹۸ اوله الحمد لله الذی ارسل رسلاً مبشّرين ومندبرین الخ وهو علی مقدّمة وسبعة ارکان وترجمه محمود بن عثمان المتخلّص بلامعی المتوفی سنة ۹۳۸ ثمّ ترجمه ایضا المولى عبد الکلیم بن مکهد الشیخیر باخی زاده من صدور الروم المتوفی سنة ۱۰۱۳ وهو احسن من ترجمة اللامعی عبارة واداء

۷۹۰. 5 شوق العروس وانس النفوس للكسین بن محمد الدامغانی مات سنة ۷۹۱ شهاب الاخبار

في الحكم والامثال والآداب من الاحاديث النبویة للقاضی ابی عبد الله مکهد بن سلامة بن

جعفر بن علی بن حکمون القضاعی الشافعی المتوفی سنة ۴۰۴ مختصر اوله الحمد لله القادر

القرن الحکیم الخ قال جمعت في کتابی هذا ممّا سمعته من حديث رسول الله صلعم الف

کلمة من الحکمة في الوصایا والآداب والمواعظ والامثال وجعلتها مسرودة يتلو بعضها بعضاً

10 محدّثة الاسانید مبنیة ابواباً علی حسب تقارب الالفاظ ثمّ زدت مائتی کلمة وختمت الكتاب

bowwet, testimonia prophetiae, auctore Molla nostro *Nūr-ed-dīn Abd-el-rahman Ben Ahmed Jāmi*, anno 898 (inc. 23. Oct. 1492) mortuo. Opus persicum, quod ita incipit: Laus Deo, qui legatos misit boni nuncios et monitores etc., et in praefationem et septem fulcimenta distributum est. Turcicam ejus translationem ediderunt *Mahmūd Ben Othmān, Lāmīi* cognominatus et anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuus, itemque Molla *Abd-el-halīm Ben Mohammed* e ministris Rumeliae principibus, vulgo *Akhizādeh* dictus et anno 1013 (inc. 20. Mai. 1604) mortuus, cujus translatio et dictione et genuina sensus expressione interpretationi *Lāmīi* praeferenda est. — 7690. *Shauc el-arūs we Uns el-nofūs*, desiderium sponsi et consortium 5 animarum, auctore *Hosein Ben Mohammed Dāmeghāni*, anno ... mortuo. — 7691. *Shihāb el-akhbār*, flamma historiarum de apophthegmatis, proverbiiis et bonorum morum regulis ex traditionibus prophetis congestis a *Cādhi Abu Abdallah Mohammed Ben Selāmet Ben Ja'far Ben Ali Ben Hakmūn Codhāi* Shafiita, anno 454 (inc. 15. Jan. 1062) mortuo. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo potenti, unico, sapienti etc. Collegi, inquit, in hoc libro meo ex iis, quae de traditionibus legati divini audivi, mille verba sapientia, monita, bonorum morum regulas, dicta paraenetica et proverbialia continentia, quae loricae instar contextui ita, ut alia auctoritatibus demtis exciperent alia, et in capita secundum mutuam verborum propinquitatem 10 distributa essent. Tum ducenta nova dicta addidi, et in extrema parte precesiones

بإدعية مروية عنه عليه السلام وافردت الاسانيد جميعها كتاباً يرجع في معرفتها اليه لخصه  
 الشيخ نجم الدين الغيطى [محمد بن احمد الاسكندرى المتوفى سنة ٩٨٤] واصلحه الامام  
 حسن بن محمد الصغاني وسماه كشف الحجاب عن احاديث الشهاب وضع علامة للصحيح  
 والضعيف والمرسل ورتب على الابواب كالمشارق وقد اوصى ابن الاثير في المثل السائر بمطالعة  
 للكاتب الفقيه وله ضوء الشهاب وشرحه ابو المظفر محمد بن اسعد المعروف بابن الحكيم 5  
 [الحنفى] المتوفى سنة ٥٧٧ وشرحه الشيخ عبد الرؤف المناوى شرحاً مزوجاً وسماه رفع النقاب  
 عن كتاب الشهاب اوله احمد الله على ما جبلنى عليه الخ [قلت لكن الامينى الشامى فى  
 ترجمته ورتب كتاب الشهاب القضائى وشرحه وسماه امعان الطلاب لشرح ترتيب الشهاب انتهى  
 وله ترتيب احاديثه على ترتيب جامع الصغير ورموزه] ومن شروحه حل الشهاب وشرحه بعضهم  
 اوله الحمد لله الذى جعل سنة بيّنة مشكاة اقتباس انوار الرشد والهدى الخ وشرحه ابن 10

posui auctoritate prophetae traditas; auctoritates autem omnes in singulari libro  
 separatim connessi, ad quem qui illas cognoscere velit, possit recurrere. Meliora  
 libri Sheikh *Nejm-ed-din Gheiti* [*Mohammed Ben Ahmed Iskenderi*, anno 984 (inc.  
 31. Mart. 1576) mortuus], in epitomen coegit; et *Imám Hasan Ben Mohammed*  
*Saghání* librum correxit et recognovit, inque recognitione *Kashf el-hijáb an ahádith*  
*El-Shiháb* inscripta traditiones probas, sublestae fidei et eas notis significavit,  
 quarum auctoritas ad socios prophetae tantum revocanda est. Liber ad modum operis  
*Mesháric* in capita divisus est, et *Ibn-elathir* in *El-Mathal El-Sáir* scribae juris  
 5 perito ejus lectionem commendavit. Idem operis *Dhú El-Shiháb* auctor est. —  
 Commentarium in archetypum ediderunt *Abu'lmozaffer Mohammed Ben As'ad*  
 [Hanefita], vulgo *Ibn-elhakim* dictus et anno 567 (inc. 4. Sept. 1171) mortuus —  
 Sheikh *Abd-el-raicíf Monáwi*, cujus commentarius *Raf'o' el-nicáb an kitáb El-Shiháb*  
 inscriptus textum admixtum habet et ita incipit: Laudo Deum pro eo, ad quod me  
 creavit etc. [Addo hoc. Attamen *Emtai Shámi* in libri interpretatione: Disposuit,  
 inquit, *Codhái* librum *Shiháb* et commentatus est, commentariumque *Im'an el-tolláb*  
*li sharh tertib El-Shiháb* inscripsit. — Haec ille. — Idem traditiones ejus ad ordinem  
 et sigla operis *El-Jámi' El-Saghír* digessit] — vir quidam, cujus commentarius *Hall*  
 10 *El-Shiháb* inscriptus ita incipit: Laus Deo, qui Sunnam claram zotheculam lampadis  
 esse voluit, unde ignes rectae agendi rationis et verae religionis accenduntur etc. —



وحشى محمد بن الحسين الموصلى واختصر هذا الشرح الشيخ ابراهيم بن عبد الرحمن الوادياشى المتوفى سنة ٥٧٠ [وشرحه الاستاد ابو القاسم بن ابراهيم الوراقى الباقى شرحاً بالقول اوله اما بعد حمد الله على نعمه المتظاعرة الخ] ورتب السيوطى ترتيب الجامع الصغير [له] وسماه اسعاف الطلاب بترتيب الشهاب اوله الحمد لله على ما انعم الخ ٧٩٣ شهاب التوحيد لخرى لكد شيطان مريد لغرس الدين 5 محمد بن محمد الخليلى القادري الشاذلى مختصر اوله احمد الله وهو الحمد الخ ذكر فيه انه لما عرض رسالته المسماة بتحقيق الابانة عن تدقيق الامانة انكروه فكتبها ٧٩٣ الشهاب الثاقب فى ذم الخليل والصاحب مختصر شفاء العليل [مر] ٧٩٤ الشهاب النوارى على عبد الرؤف الغارى البناوى رسالة فى رده للشيخ ابن بكر [اسماعيل] الشنوائى [المتوفى سنة ١٠١٩] اوله الحمد لله الذى رزق من احبه صحب حجج الاعتقاد الخ ذكر فيه انه لما اعترض على كلام شيخه الشهاب احمد بن قاسم العبادى رده عليه وذلك فى تعريف الصحاح

*Ibn Wahshi Mohammed Ben - elhosein Mausili*, cujus commentarium *Sheikh Ibráhim Ben Abd-el-rahman Wadiyáshí*, anno 570 (inc. 2. Aug. 1174) mortuus, in epitomen coegit — [magister *Abu'lcásim Ben Ibráhim Bábi El-Werrác*, cujus commentarius ea textus verba tantum admixta habet, quae explicantur, et ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus pro ejus beneficiis manifestis etc.]. — *Soyúti* archetypum ad modum libri sui *El-Jámi' El-Saghír* disposuit, et recensione inde enatam, quae ita incipit: Laus Deo pro beneficiis, quae confert etc., *Is'áf el-tolláb bi tertíb El-Shiháb* inscripsit. — 7692. *Shiháb el-tauhíd*, flamma fidei in unum Deum omnem Satanam rebellem comburens, auctore *Ghars-ed-din Mohammed Ben Mohammed Khalíli Cádiri* Shafíta. Compendium, quod ita incipit: 5 Laudo Deum, qui laudator ipse est etc. Cum tractatum *Tahckíc el-ibánet an tedckíc el-amánet* in medium protulisset, eum improbatum esse narrat. Inde factum est, ut hunc libellum scriberet. — 7693. *El-Shiháb El-Tháckib*, flamma ardens de vituperando socio et amico. Compendium operis *Shefá el-alíl*, [quod supra laudatum est]. — 7694. *El-Shiháb El-Háwi*, flamma contra *Abd-el-rawáf Monáwi* in errorem inductum praecipitata. Libellus ad refutandum illum a *Sheikh Abu Bekr [Ismail] Shenewáni*, [anno 1019 (inc. 16. Mart. 1610) mortuo], scriptus, qui ita incipit: Laus Deo, qui iis quos amat veram religionem impertit etc. Narrat ibi, cum in disputationem praeceptoris sui *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Cásim Ibádi* 10 incidisset, se eum refutasse. Quaestio autem controversa fuit de vero vocis *Sahábi* sensu definiendo. —

## ٧٦٥ المولفات في الشهادات

منيا ابواب السعادة في اسباب الشيادة

٧٦٦ شهيد في النحو قصيدة في سبعين بيتاً لجلال الدين السيوطي المتوفى سنة ٩١١

٧٦٧ شهر انكيز تركي منظوم نظم جماعة من الشعراء في وصف الغلمان منهم شاعر مختصه

كمال وله منيا في الزبدة بيتان ومسيحي المتوفى سنة ٩١٨ منيا في الزبدة ثمان ابيات وسلوكي 5

وياسبي ولامعي وهو محمود بن عثمان مات سنة ٩٣٨ وعاشق جلبي ٧٦٨ الشهود العبيتي في

الوجود الذمعي لطاشكبري زاده ٧٦٩ الشيرازيات في النحولاني على الفارسي

## 7695. El-Mowallefát fi el-shehádát.

Libri de testimoniis dicendis. — Huc pertinet opus *Abicáb el-seádet fi asbáb el-shehádét* i. e. Portae felicitatis de rationibus testimonii. —

7696. *Shahd fi el-nahw*, favius mellis. *Casida* grammatica septuaginta versibus composita, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. —

7697. *Shehr enkiz*, concitatio urbis. Poemata turcica, quorum titulo usi plures 5 poetae pulchros pueros descripserunt, ut poeta qui in carminibus cognomentum *Kemáli* sumpsit et in *El-Zubdet* duos versus habet — *Mesíhi*, anno 918 (inc. 19. Mart. 1512) mortuus, e cujus carminibus octo versus in *El-Zubdet* leguntur — *Solúki* — *Yahya* — *Mahmúd Ben Othmán*, vulgo *Lámii* dictus et anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuus — et *Ashic Jelebi*. — 7698. *El-Shohúd El-Aini*, testimonium praesens de existentia intellectuali, auctore *Táshküprizádeh*. — 7699. *El-Shirázíyát*, dissertationes Shirazenses de syntaxi, auctore *Abu Ali Fárisi*.



---

---

باب الصاد المهملة

vii. صابون الفم في المنطق لاني الفرغ قدامة بن جعفر الكاتب المتوفى سنة ٧٧١. الصاحبي  
في اللغة لابن فارس ابى الحسين احمد بن فارس اللغوي المتوفى سنة ٣٦٥ قال عذا الكتاب  
الصاحبي في فقه اللغة وسنن العرب في كلامها وانما عنوانته بهذا الاسم لاني الفته واودعته خزانه  
5 الصاحب يعنى ألفه للوزير الصاحب [استعمل] بن عباد المتوفى سنة ٣٨٥ ٧٧٢ الصالح والباغم  
منظومة على اسلوب كليله ودمنه في الفى بيت لاني يعلى محمد بن محمد المعروف بابن  
الهيبارية [الهاشمى العباسى] البغدادي المتوفى سنة [٥٠٩ وهو اراجيز] وهو من غرائب لبث في  
نظمه عشر سنين وختم بيذه الابيات [شعر]

---

LIBRI QUORUM TITULI A LITERA SÁD  
INCIPIUNT.

7700. Sábún el-fem, smegma oris. Logica, auctore *Abu'lfaraj Codama Ben Ja'far* Scriba, anno ... mortuo. — 7701. El-Sáhibi, liber *Sáhibicus* lexicologus, auctore *Abu'lhosein Ahmed* Lexicologo, vulgo *Ibn Fáris* dicto et anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo. Hic liber *Sahibicus*, inquit, de dictionibus linguae juridicis et legibus ab Arabibus in loquendo observatis agit. Ei titulum illum praefixi, quod eum composui et in bibliotheca ministri honorifice *Sáhib* cognominati deposui. — Scripsit 5 scilicet illum in favorem *Weziri Sáhib* [*Ismáil*] *Ben Abbád*, anno 385 (inc. 5. Febr. 995) mortui. — 7702. El-Sádih we El-Bághim, gallus canens et dorcas suaviter vociferans. Carmen ad modum libri *Kelileh we Dimneh* duobus versuum milibus compositum ab *Abu Yali Mohammed Ben Mohammed* [*Háshimi Abbási*] *Baghdádi*, vulgo *Ibn-elhebbáriya* dicto [et anno 509 (inc. 27. Mai. 1115) mortuo. Carmina sunt metro *Rejez* composita] et res insignes continent memoratu dignas, in quarum compositione metrica auctor decem annos consumsit. Ad extremum hos versus habet:

	يحسار فيه الفطن	هذا كتاب حسن
	عشر سنين عدّة	انقضت فيه مدّة
	وضعت برسمها	سيد سمعت باسمها
	جميعها معان	بيوته الثمان
5	ونظير ونائر	لو ظلّ كلّ شاعر
	فى نظر بيت واحد	كعمر نوح التالد
	فجاء كلّ غير	من مثله لها قدر
	بل مهاجنى وكبدى	انفذته وولدى
	اهل لكّل من	وانت عند كلّ ظنّ
10	توكّلاً عليك	وقد طوى اليك
	وشقّة بعيده	مشقّة شديده
	سعيها ولا دنيت	ولو تركت جنّت
	ارئك من دون الملاء	ان الفخار والعلاء
	واحسن جائزته	فأجزل صلتته

Habes hic librum exquisitum, quo mentes obstupescunt,

In eo conficiendo decem annorum plenorum spatium contrivi.

Domine, audivi nomen tuum, et propter te illum composui.

Duo versuum milia continet, qui omnes sententiis novis abundant.

5 Si noctes atque dies poeta unusquisque sive ligata sive soluta oratione laborare continuaret

Per temporis spatium, quale vixit Noah vetustus, in condendo uno versu,

Qui nostris esset similis, certe non proficeret. Omnes margaritae sunt splendidissimae.

Transmisi eum cum filio, imo anima mea et jecore.

Tu enim ex omnium opinione omni es dignus benevolentia.

10 Jam ad te se convertit bono tuo animo confisa

Molestia gravis et distantia longinqua.

Et si relinqueris, venio quam celerrime nec vilis sum pretii.

Gloriam enim tibi et celsitudinem monstro praeter ceteros homines.

Copiosissimum igitur ejus fac donum et liberalitatem ei exhibe egregiam.



نظمه للامير سيف الدولة ابي الحسن صدقة بن دبيس اوله الحمد لله الذى حياى بالاصغرين  
 القلب واللسان الخ ذكر اولاً باب الناسك والغاتك ومناظرتهما ثم باب البيان ومفاخرة الحيوان  
 ثم باب الادب ٧٧.٣ صارم المسلول على شاتم الرسول للشبيخ تقى الدين احمد بن عبد  
 الحليم ابن تيمية الحنبلى المتوفى سنة [٧٢٨] الفه فى وقعة عساقى النصرانى حين سب النبى  
 5 صلعم فى رجب سنة ٩١٣ ٧٧.٤ الصارم الهندكى فى عنق ابن الكركى للسيوطى من مقاماته  
 ٧٧.٥ [الصارم المكى فى الرد على ابن السبكي لمحمد بن عبد الهادى الحنبلى اوله الحمد  
 لله الذى يدعو الى دار السلام الخ] ٧٧.٦ الصارم الهندى فى الرد على الكندى لاني للخطاب  
 ابن دحية [عمر بن حسن بن على بن الجُمَيْل الذاتى السبتي المتوفى سنة ٩٣٣] الفه لما حضر  
 هو والتاج الكندى عند الوزير وادرد ابن دحية حديث الشفاعة فلما وصل الى قول للخليل  
 10 عليه السلام انما كنت خليلاً من وراء وراء وفتح ابن دحية الهمزتين فقال الكندى وراء وراء

Composuit opus, quod ita incipit: Laus Deo qui me superstitem esse sinit cum corde et lingua etc., Emiro *Seif-ed-dewlet Abu'hasan Sadaca Ben Dobeis*, et ab initio caput habet de devoto et rerum turpium studioso horumque contentione, tum caput sequitur expositionis et disputatio animalium de gloria, denique caput institutionis humanitatis. — 7703. El-Sárim El-Meslúl, gladius secans evaginatus contra eum, qui legatum divinum contumelia afficit. Scripsit Sheikh *Tacki-ed-dín Ahmed Ben Abd-el-halím Ibn Teimíya* Hanbalita, anno [728 (inc. 17. Nov. 1327)] mortuus, tempore conflictionis Christiani *Assác*, cum mense Rejeb anni 693 (inc. 2. Dec. 1293) 5 prophetam, cui Deus propitius sit, conviciis consecatus esset. — 7704. El-Sárim El-Hindikí, gladius secans Indicus de cervice *Ibn-elkerekí*. Consessus, auctore *Soyúti*. — 7705. [El-Sárim El-Mekki, gladius secans Mekkanus de refutando *Ibn-elsobki*, auctore *Mohammed Ben Abd-el-hádi* Hanbalita. Incipit ita: Laus Deo, qui in domum salutis vocat etc.]. — 7706. El-Sárim El-Hindi, gladius secans Indicus de *Kindi* refutando. Scripsit *Abu'khattáb Ibn Dihye [Omar Ben Hasan Ben Ali Ben-eljomayyil Dzátí Sebtí]*, anno 633 (inc. 16. Sept. 1235) mortuus, quum simul cum *Táj-ed-dín Kindi* in circulo Weziri fuisset. *Ibn Dihye* traditionem intercessionis protulit, et cum ad verba Abrahama, cui Deus faveat, pervenisset: Certe ego sum amicus pone, pone, et verba *min werúa werúa* i. e. pone, pone, 10 duplici *Hamza* pronunciaret, *Kindi* ea duplici *Dhamma (min werúo werúo)* pronun-

- بضم الهمزتين فحسر ذلك على ابن دحية فصنف في هذه المسئلة هذا وبلغ ذلك الكندي  
 فعمل مصنفًا سماه نتف اللحية من ابن دحية vv.v صافية في شرح الشافية مر vv.v صبابة  
المشتاق في المدائح النبوية لشهاب الدين احمد بن يحيى العمري المتوفى سنة vfi  
vv.9 صبا نجد مختصر في الموعدة لاني الفرج عبد الرحمن بن علي ابن الجوزي المتوفى  
 سنة [9v] مختصر فيه نظم ونثر اوله الحمد لله على منحه الذي يفوت الاحصاء والعد الخ 5  
 قال هذا كتاب يزيد على نسيم الصبا رقة اذا سمعه ذو القلب يملك رقة يمزج فيه الكلام  
 بابيات مساحسات او بيت مفرد من الابيات السائرات وربما ذكر بعض البيت لكونه مشهورا  
 ورتب على ثلثين فصلا vfi صبح الاعشى في صناعة الانشاء لاني العباس احمد بن علي  
 القلقشندي ثم المصري المتوفى سنة 11هـ وهو على سبعة اجزاء كل منها مجلد كبير في صناعة  
 الانشاء لا يغادر صغيرة ولا كبيرة الا ذكرها وجعل بابا من ابوابه مخصوصا بعلم الخط وادواته 10

cianda esse contendit, id quod *Ibn Dihye* aegre tulit, ut de hac quaestione scriberet. Quod cum *Kindi* audivisset, opus confecit *Natf el-lihye min Ibn Dihye* inscriptum. — 7707. *Sáfiyet*, commentarius *Sáfiyet* i. e. „Nitens“ inscriptus in grammaticam *Sháfiyet*, de qua supra dictum est. — 7708. *Sabábet el-moshtác*, desiderium concupiscentis de laudabilibus prophetae factis, auctore *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Yahya Omari*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuo. — 7709. *Sabá Nejd*, ventus ex orientali provinciae *Nejd* regione flans, auctore *Abu'faraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-eljauzi*, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. Compendium paraeneticum et ligata et soluta oratione scriptum, quod ita incipit: Laus Deo pro ejus liberalitate, quae numerum et modum excedit etc. Hic liber, inquit, auram Zephyri lenitate superat, quando eum vir cordatus audit tenera animi affectione ornatus. Orationi versus probatos aut versum singularem e-versibus pervulgatis ac tritis immiscuit, et saepe versum aliquem profert ob celebritatem, qua inclaruit, et librum in triginta sectiones distribuit. — 7710. *Sobh el-ashá fi sináat el-inshá*, aurorae prima lux lusciosi de arte eleganter scribendi, auctore *Abu'labbas Ahmed Ben Ali*, primum Calacshendae tum Aegypti inquilino et anno 821 (inc. 8. Febr. 1418) mortuo. Liber in septem fasciculos divisus est, qui singuli magnum volumen de arte eleganter scribendi efficiunt, ubi nulla res sive majoris sit sive minoris momenti praetermissa est, quin commemoretur, et singulare caput peculiariter scripturam ejusque utensilia



[ولهذا الكتاب مختصر] ٧٧١ صحاح الاحكام وسلاح الحكام ليوسف بن محمد بن مسعود  
 السمرى [الحنبلى المتوفى سنة ٧٧٦] مختصر اوله الحمد لله الذى نصب اعلام الاحكام جمعه  
 فى قوله عليه الصلوة والسلام بنى الاسلام على خمس ٧٧٢ صحاح التاج لهندوشاه النخجوانى  
 المتوفى سنة رتب على ترتيب الصحاح العربى وهو مختصران قديم وهو معروف بديرينه وجديد  
 5 قال فيه لما رأيت اكثر كتب المشايخ مدونة بلغة الفرس وكان اكثر راغبها غير فارس فجمعت  
 منها على وجه يسيل تناوله وجعلت لكل حرف على الترتيب بابا مستقلا وقيدت الحروف على  
 وجه لا يخفى وسميت به لكونه على اسلوب صحاح العربية وللشيخ يحيى الامرى الرومى  
 انقرشى ٧٧٣ صحاح عجمية رسالة بالفارسى لمولانا محمد بن پير على المعروف ببركلى المتوفى  
 سنة [١٨١] ٧٧٤ صحاح فى اللغة للامام ابى نصر اسمعيل بن حماد الجوهري الفارابى المتوفى  
 10 سنة ٣٦٣ كان من فاراب أخذ عن خاله ابراهيم الفارابى وعن السيرافى والفارسى ودخل بلاد  
 ربيعة ومصر فاقام بها مدة فى طلب علم اللغة ثم عاد الى خراسان واقام بنيسابور مدة برز فى

tractat. [Exstat ejusdem libri epitome]. — 7711. *Siháh el-ahkám we Siláh el-hokkám*, integra statuta practica et arma judicium, auctore *Yusuf Ben Mohammed Ben Mes'úd Sermeri* [Hanbalita, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui signa statutorum practitorum posuit etc. Collegit librum de dicto prophético: *Islámi religio septem superstructa est fulcimentis*. — 7712. *Siháh el-ajem*, dictiones Persarum purae, auctore *Hindusháh Nakhjewáni*, anno ... mortuo. Lexicon ad ordinem *Siháhi* arabici dispositum. Duo compendia, antiquius *Diríneh* inscriptum, et recentius. Cum, inquit, permultos viderem Sheikhorum libros lingua persica scriptos et, qui eos legere cupiebant, minime persicae gentis essent, ex iis collegi ratione, quae facile intelligi possit, et cuius literae ex ordine caput separatum dedi, et literas ipsas methodo adstrinxi quae clare apparet, librumque *Siháh* inscripsi, quod ad modum *Siháhi* arabice scripti compositus erat. — Librum ejusdem tituli edidit Sheikh *Yahya Emri Rumi Coreshi*. — 7713. *Siháh ajemíyet*, dictiones purae persicae. Tractatus persice scriptus a Molla nostro *Mohammed Ben Pir Ali*, vulgo *Birgili* dicto et anno [981 (inc. 3. Mai. 1573)] mortuo. — 7714. *Siháh fi el-loghat*, dictiones sermonis arabici purae, auctore *Imám Abu Nasr Ismail Ben Hammád Jauheri Fárábi*, anno 393 (inc. 10. Nov. 1002) 10 mortuo. In urbe *Fáráb* natus scholas avunculi *Ibráhim Fárábi*, *Seirafü* et *Fáristi* secutus est; tum terras tribuum *Rebia* et *Modhar* intravit, et ibi per aliquod tempus studii linguae caussa versatus est. Quo facto in Chorasnam reversus et

اللغة وتعلّم الكتابة وحسن الخطّ ومات مطروحًا من سطح داره وقيل أنّه تغيّر عقله وعمل له دفتين وشدهما كالجناحين وقال اريد ان اظير ووقع من علو فيهلك قال السيوطى في مزهر اللغة اول من التزم الصحيح مقتصرًا عليه الامام الجوهري ولهذا سمى كتابه الصحاح وقال في خطبته وقد اودعت في هذا الكتاب ما صنع عندى من هذه اللغة التى شرف الله منزلتها وجعل علم الدين والدنيا منوطًا بمعرفتها على ترتيب لم اسبق اليه وتهذيب لم اغلب عليه 5 بعد تحصيلها بالعراق رواية واتقانها دراية ومشافهتي بها العرب في ديارهم بالبادية وقال التبريزى وكتاب الصحاح هذا كتاب حسن الترتيب سهل المطلب لما يراد منه وقد اتى باشياء حسنة وتفاسير مشكلات من اللغة الا انه مع ذلك فيه تصحيف لا يشكك في انه من المصنّف لا من الناسخ لان الكتاب مبنى على الحروف ولا تخلو هذه الكتب الكبار من سبو يقع فيها او غلط غير ان القليل منه الى جنب الكثير الذى اجتهدوا فيه واتبعوا انفسهم 10

Nisaburae aliquamdiu commoratus linguae studio excelluit, et scribere et quidem nitide et pulchre scribere didicit, et de tecto domus suae delapsus mortem subiit. Alii eum mente captum duas sibi membranas sumsisse easque ad modum alarum ligasse narrant. Se velle volare dixisse et de superiore loco decidisse traditur, et vita privatus est. *Soyûti* in opere *Mizher el-loghat*: Primus, inquit, qui linguam correctam et puram exhibendam rite suscepit ita, ut hunc finem non excederet, Imâm *Jauheri* fuit, eamque ob caussam librum *Sihâh* nominavit. *Jauheri* in praefatione libri: Huic libro, inquit, quae ex illa lingua, cujus locum Deus honore 5 nobilitavit et ex cujus cognitione rerum divinarum et terrenarum scientiam pendere voluit, pura et correcta esse duxi, secundum ordinem inserui ante me non institutum et studio ad eam recognoscendam collato, quo nemo me superavit, postquam quae in Iraca traditione sancita erant cognovi et assiduo studio certissimam ejus scientiam consecutus sum, nec sermonis commercium cum Arabibus sub tentoriis deserti degentibus neglexi. — *Tebrizi*: Liber *Sihâh*, inquit, opus est commodissime dispositum, et viam ad ea cognoscenda aperit facilem, quae ex illo cognoscere velis. Probas enim dedit res et dictionum linguae difficultum explicationem, nisi quod hac praestantia non obstante errores ibi inveniuntur, qui sine ullo dubio ab auctore, minime vero a 10 generis neglectione aut hallucinatione in quam incidunt carere possunt; attamen haec pauca sunt comparata cum illis, in quibus corrigendis et recognoscendis summum



في تصحيحه وتنقيحه معفو عنه انتهى وقال الثعالبي في اليتيمة هذا الصحاح سيد ما  
صنّف قبل الصحاح في الادب يشمل ابوابه ويجمع ما فرّق في غيره من الكتب وقال ياقوت  
في معجم الادباء وهو الذي بايدى الناس اليوم وعليه اعتمادهم احسن الجوهري تصنيفه  
وجود تأليفه وهذا مع تصحيح فيه في عدّة مواضع تتبّعها المحققون وقيل ان سببه انه لما  
5 صنّفه [للاستاذ ابي منصور عبد الرحيم بن محمد البيشكي] سمع عليه الى باب الضاد المخجمة  
وعرض له وسوسة ذالقي نفسه من سطح فمات وبقي سائر الكتاب مسودة غير منقحة فبيّضه  
تلميذه ابراهيم بن صالح الوراق فغلط في مواضع وقيل هذا السبب يقتضى ان لا يكون  
تصحيحه الى باب الضاد وقد ألف الامام ابو محمد عبد الله بن برّي الحواشي على الصحاح  
وصل فيها الى اثناء حرف الشين انتهى قيل سماه التنبيه والايضاح عما وقع من الوهم في  
10 كتاب الصحاح وهو اجود تأليفه وكان استاده على بن جعفر ابن القطاع ابتدأها وبني ابن برّي

posuerunt studium et desudarunt, quam ob caussam facile iis ignoscas. — Haec ille.—  
*Theulibi* in *Yetsmet*: Hic liber *Siháh*, inquit, princeps eorum est, quae antea scriptis  
philologicis inserta sunt, quorum materias comprehendit, et quae in aliis libris  
dispersa sunt conegessit. Et *Yacút* in *Mo'jem el-odabá*: Hic liber, ait, hodie in  
hominum manibus versatur, et ad ejus auctoritatem viri docti recurrit. *Jauheri* in  
eo componendo egregiam secutus est rationem et compositionem praestantissime  
absolvit, licet in pluribus locis errores inveniantur, quos viri subtilissimi persecuti  
sunt. Caussam horum errorum eam esse dicunt, quod cum librum [praeceptor *Abu* 5  
*Mansúr Abd-el-rehím Ben Mohammed Bisheki*] componeret, hujus lectionibus usque  
ad caput literae *Dhád* interfuit; tum diaboli vexationibus tentatus est, ut se de tecto  
dejiceret et mortem oppeteret. Reliqua libri pars primis lineis conscripta et incorrecta  
mansit, quam ob caussam eam discipulus *Ibráhím Ben Sálík El-Werrác* nitide  
exscripsit, isque pluribus locis lapsus est. Attamen hac caussa posita necessario inde  
sequeretur, ut errores illi usque ad caput *Dhád* minime occurrerent. — *Imán Abu*  
*Mohammed Abdallah Ben Berri* glossas ad *Siháh* composuit, quas usque ad mediam  
literam *Shín* continuavit. Titulus hujus libri, qui cetera ejus opera praestantia  
superat, *El-Tenbáh we El-Idháh amná wacaa' mín el-wehm fi kitáb El-Siháh* 10  
i. e. „Excitatio et Expositio errorum, qui in libro *Siháh* occurrunt“ esse dicitur.  
Has glossas praeceptor *Ali Ben Ja'far Ibn-elcattá* inceperat, et *Ibn Berri*, qui —

على ما كتب ابن القطاع اقول وتوفى ابن بىرى في سنة ٥٨٣ واسم الحاشية الايضاح قال الصفدى  
 وصل الى دهش وهو ربع الكتاب فاكملنا الشيخ عبد الله بن محمد البسطى وآلف الامام  
 رضى الدين حسن بن محمد الصغاني التكملة على الصحاح ذكر فيها ما فاته من اللغة وهو  
 اكبر حجماً منه وتوفى سنة ٦٠٥ وممن كتب الحواشى على الصحاح ايضا ابن قطاع على بن  
 جعفر الصقلي المتوفى سنة ٥٨٥ وابو القاسم فضل بن محمد البصرى المتوفى سنة ٤٤٤ ورضى 5  
 الدين محمد بن علي الشاطبي المتوفى سنة ٦٨٤ وابو العباس احمد بن محمد المعروف بابن  
 الحاج الاشبيلى المتوفى سنة ٦٥٥ وآلف ابو الحسن علي بن يوسف القفطى كتاباً في اصلاح  
 خلا واختصره شمس الدين محمد بن حسن [بن سباح] المعروف بابن الصانع الدمشقى  
 المتوفى سنة ٧٨٣ مآجراً عن الشواعد واختصره انشيخ الامام محمد بن ابي بكر بن عبد  
 القادر الرازى المتوفى بعد سنة ٦٩٠ وسماه مختار الصحاح واقتصر فيه على ما لا بد منه في 10  
 الاستعمال وسمّ اليه كثيراً من تذييب الازعرى وغيره وصدر فوائده بقلت وكل ما اعمله

quod adjicere mihi liceat — anno 582 (inc. 24. Mart. 1186) obiit, iis, quae *Ibn-elcattá* scripserat, tanquam initio ac fundamento sui libri usus est. Titulus autem glossarum est *El-Idháh*. — *Safedi*: Progressus est, inquit, usque ad vocem *dehisha*, et haec quarta pars est totius libri, quem Sheikh *Abdallah Ben Mohammed Besti* absolvit. Praeterea Imám *Redhi-ed-din Hasan Ben Mohammed Sagháni*, anno 650 (inc. 14. Mart. 1252) mortuus, supplementum ad *Siháh* composuit, ubi eas linguae partes commemorat, quae illum fugerant, unde volumen illo crassius enatum est. — 5  
 Inter eos, qui glossas ad *Siháh* scripserunt, fuerunt pariter *Ali Ben Ja'far Sickilli*, vulgo *Ibn Cattá* dictus et anno 515 (inc. 22. Mart. 1121) mortuus — *Abu'lcasim Fadhl Ben Mohammed Basri*, anno 444 (inc. 3. Mai. 1052) mortuus — *Redhi-ed-din Mohammed Ben Ali Shátibi*, anno 684 (inc. 9. Mart. 1285) mortuus — *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Ishbili*, vulgo *Ibn-elháj* dictus et anno 651 (inc. 3. Mart. 1253) mortuus — et *Abu'lhasan Ali Ben Yusuf Cofti* librum ad vitia emendanda et corrigenda composuit. — Epitomen lexicis confecerunt *Shems-ed-din Mohammed Ben Hasan [Ben Sibá] Dimesheki*, vulgo *Ibn-elsáigh* dictus et anno 722 (inc. 20. Jan. 1322) mortuus, qui locos probantes amputavit — Sheikh et Imám *Mohammed Ben*  
 10 *Abi Bekr Ben Abd-el-cádir Rázi*, post annum 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortuus, qui epitomen *Mokhtár El-Siháh* inscripsit, et in iis exhibendis acquievit, quorum usus omnino necessarius est, et multa ex *Azherí* opere *Tehdzib* nominato aliorumque scriptis ad eam addidit, adnotationibus propriis vocem „dico“ praeponit, et nominum



الجوهري من الاوزان ذكره بالنس على حركاته او برده الى واحد من الاوزان العشرين التي ذكرها في اول كتابه وهو مشهور متداول بين الناس اوله الحمد لله بجميع الحمد على جميع النعم الخ وفي آخره وافق فراغه عشية يوم الجمعة سنة ٧٤٠، واختصره المولى محمد المعروف بالعيشي المتوفى سنة ١٠١٩ وهو نافع وافيد من مختار الصحاح كذا قيل لكنه غير مشهور ونقله الى التركى محمد بن مصطفى الوائى المعروف بوان قول المتوفى سنة ١٠٠٠ قال لما رأيت احتياج تام الى بيان اللغة وكان صحاح الجوهري مقبولاً مسلماً عند الفحول غير ان عبارته على اسلوب البلغاء ولسان العرب العرياء والمتصدى الى نقله كالاختري وصاحب الصراح لم يأمن من الخبط والخطأ فارتدت ترجمته حتى يكون سهل التعاطى وذكر في اوله مقدمة فيه فصلان الاول في بيان الافعال ومتعلقاتها والثاني في جمع الاسماء والصفات وخرج جلال الدين السيوطى احاديثه في مختصر سماه فلق الصباح في تخريج احاديث الصحاح واختصره محمود بن احمد الزنجاني المتوفى سنة ١٠٠٠ قال لما فرغت من كتاب ترويح

formas, quas *Jauheri* neglexerat, ita recensuit, ut earum vocales diserte consignaret aut ad unam illarum viginti formarum revocaret, quas ab initio libri commemorat, id quod inter viros doctos vulgatissimum et tritissimum est. Incipit ita: Laus Deo omni qua fieri potest laude pro omnibus ejus beneficiis etc.; et ad finem libri haec leguntur: Absolutus est postrema diei Veneris parte anno 760 (inc. 3. Dec. 1358) — Molla *Mohammed*, vulgo *Aishi* dictus et anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus, cujus epitome utilis, et, ut dicitur, praestantior ad discendum est epitome *Mokhtár El-Siháh*; attamen non innotuit. — *Jauheri* lexicon in linguam turcicam convertit 5 *Mohammed Ben Mustafá Wáni*, vulgo *Wán Culi* dictus et anno 1000 (inc. 9. Oct. 1591) mortuus. Cum, inquit, expositionem linguae omnino necessariam esse viderem, et *Jauheri* lexicon *Siháh* apud viros eruditione insignes acceptum et probatum esset, nisi quod ejus dictio virorum eloquentium rationem et linguam Arabum deserti genuinorum sequitur, et cum, qui librum convertendum susceperunt ut *Akhteri* et auctor libri *Saráh*, non muniti essent a lapsu et errore, eum interpretari volui ita, ut facilis ad intelligendum esset. Ab initio praefationem habet in duas sectiones divisam, quarum prior de verbis quaerit et iis, quae inde dependent, et posterior de pluralibus nominum et adjectivis. — *Jelál-ed-dín Soyúti* traditiones libri *Siháh* in 10 epitomen collegit *Falc el-sabáh fi takhrij ahádith El-Siháh* inscriptam. Porro *Mahmúd Ben Ahmed Zenjáni*, anno . . . mortuus, epitomen confecit, ubi: Cum'

الارواح في تهذيب الصحاح ووقع حجمه موقع الخمس من كتابه بتجريد لغته من النحو والتصريف الخارجين من فنه واسقاط ما لا حاجة اليه من الامثال والشواهد ثم اوجزت ايجازًا ثانيًا حتى وقع حجمه موقع العشر انتهى ومن المختصرات منه كتاب نجد الفلاح كالمختار بحذف الشواهد ونفوذ السهم فيما وقع للجوهري من الوهم لخليل بن ابيك الصفدي [المتوفى سنة ٧١٤] وهو في رده واصلاح ما فيه من الخلل اوله الحمد لله الذي نزه 5 علمه عن الغلط الخ قال ثم تأليفها في رمضان سنة ٧٠٧ وله حلى النواهد على ما في الصحاح من الشواهد وذكر فيه ترجمة الصحاح لبيير محمد بن يوسف الانقرى ذكر انه لما فرغ من كتابه المسمى بملنقط الصحاح رأى ميل الطالبين الى ترجمة فآلف وسماه الترجمان شاعت نسخة من صحاح الجوهري بخط ياقوت الموصلي كاتب نسخ الصحاح الموجودة ترجمته في تاريخ ابن خلكان وذكر في آخرها ما هذه صورته يقول ياقوت نقلت هذا الكتاب من خط 10

inquit, librum *Terwih el-arwâh fi tehdzib El-Sihâh* absolvissem, et ejus volumen quintam archetypi partem expleret, licet pars lexicalis adnotationibus syntacticis et formarum flexum spectantibus, quae ad lexicologiam minime pertinent, exonerata et proverbialia et loci probantes, quibus minime opus erat, amputata essent, librum iterum contraxi, ut epitome inde orta decimam libri partem efficeret. — Haec ille. — Pariter in epitomis numerantur liber *Nejd el-felâh* i. e. via felicitatis, qui ut *El-Mokhtâr* amputatis locis probantibus caret, et *Nofûdz el-sahm fimâ wacaa' lil Jauheri min el-wahm* i. e. sagitta penetrans de erroribus, in quos *Jauheri* incidit. Haec epitome 5 a *Khalil Ben Ibek Safedi*, [anno 764 (inc. 21. Oct. 1362) mortuo], ad *Sihâh* refutandum et ad vitia in eo conspicua corrigenda et emendanda scripta est et incipit ita: Laus Deo, qui scientiam suam ab erroribus iminuem praestat etc. Se eam mense Ramadhân anni 757 (inc. 5. Jan. 1356) absolvisse narrat. Idem librum *Hilâ el-newâhid alâ mâ fi El-Sihâh min el-shewâhid* edidit, ibique interpretationem turcicam *Sihâhi* a *Pîr Mohammed Ben Yusuf Anckirewi* confectam commemorat, qui, cum librum *Multecat El-Sihâh* inscriptum ad finem perduxisset, homines cupidos vidisse narrat translationis, seque hac de caussa eam sub titulo *El-Turjemân* evulgasse. Vidi, inquit, *Sihâhi Jauheriani* exemplum a *Yacût Mausili* exemplorum *Sihâhi* 10 existentium scriptore, cujus vita in opere *Ibn Khallikâni* biographico legitur, exaratum; et ad finem haec habet verba. „*Yacut*: Transscripsi, inquit, hunc librum



الشيخ الى سهل محمد بن علي الهروي النحوي رحمه الله تعالى وذكر انه نقله من خط المصنف [ورواه عن اسمعيل بن محمد بن عبدوس عن المصنف] وشاهدت [خط] ابن عبدوس على النسخة التي نقلت منها ما هذا حكايته قرأ علي الشيخ ابو سهل محمد بن علي بن محمد الهروي اكثر هذا الكتاب وسمع ما فيه من لفظي بقرآني عليه فصح له سماع 5 جميعه متى وروايته عني وذلك في شهر سنة 421 وكتب اسمعيل بن محمد بن عبدوس الدحان النيسابوري ويقول ياقوت هذا الكتاب ارويه متصلًا الى ابن عبدوس عن المصنف فما صح في هذه النسخة فهو الرواية من خطأ او صواب وما خالفها من زيادة او تغيير فهو من كلام غير المصنف وقد استدرك ابو سهل وبين بعض ما صحفه المصنف قال ياقوت وقد اثبت ذلك في موضعه ولى ايضا مواضع فدعيت من سهو المصنف ومن سهو وقع في خط ابي 10 سهل علي ان الكتب الكبار لا تخلو من ذلك انتهى وانما اذا تأملت كلام ياقوت وقفت على ان ما ذكره السيوطي من الاعتذار بعدم كون النسخة مبيضة الى آخرها

de exemplari a Sheikh *Abu Sahl Mohammed Ben Ali Herewi* Grammatico, cujus Deus misereatur, exarato, qui illud se ex autographo auctoris descripsisse narrat, [quatenus auctoritatem *Ismaili Ben Mohammed Ben Obdús* secutus est, qui auctoris verba referat], et ab *Ibn Obdús* exemplo, ex quo transscripsi, haec verba adscripta vidi: Legit coram me Sheikh *Abu Sahl Mohammed Ben Ali Ben Mohammed Herewi* majorem hujus libri partem, et quae in lectionibus de eo habitis ex meo ore profecta erant, audivit, et ea omnia, quae ex me audivit et quae ipse ex auctoritate mea tradidit, vera esse persuasum habuit. Factum hoc est mensibus anni 421 (inc. 5 9. Jan. 1030). Scripsit autem *Ismail Ben Mohammed Ben Obdús El-Dehhán Nisábúri*, et *Yacút*: Hunc librum, inquit, trado ita, ut ad *Ibn Obdúsi* auctoritatem referendus sit, qui traditionem auctoris secutus est. Quae vero in hoc exemplari genuina sunt, traditio est sive vitiosa sit sive veritati consentanea, et quae vel addita vel mutata cum illo exemplari non congruunt, verba sunt ab alio quam auctore profecta. *Abu Sahl* autem supplere studuit, et nonnulla explicuit, ubi auctor erraverat. *Yacút*: Diserte, inquit, hoc loco suo significavit, et mihi quoque loci sunt ejusmodi, ut negligentiam auctoris et eam, quae in *Abu Sahli* scriptura est 10 conspicua, evitaverim, interposita caussa, quod magna volumina vix a talibus immunia sint. — Haec ille. — Tu autem, quando verba *Yacúti* consideras, quae *Soyúti* excusandi caussa dixit, quod autographum usque ad finem nitide non fuerit exscriptum,

- غير جدير بالقبول من ابن الخنّادى من خطّه v١٥ الصحاح المأثورة عن رسول الله صلعم  
 للحافظ ابي على سعيد بن عثمان بن السكن البغدادي [المصري] مات بمصر سنة ٣٥٣  
 v١٦ صحائف في التفسير لشمس الدين محمد السمرقندي المتوفى سنة وائمه الشيخ احمد  
 ابن محمود القرمانى الاصح المتوفى سنة ٩١٦ v١٧ صحائف في القرآن لابراهيم بن محمد  
 المعروف بجياوش زاده المتوفى سنة ١٠٥٠ ثم شرحه اوله الحمد لله الذى جعل العلماء ورثة  
 الانبياء الخ وسماه مجمع اللطائف v١٨ صحائف في الكلام اوله الحمد لله الذى استحق  
 الوجود والوحدة الخ وهى على مقدمة وست صحائف وخاتمة ومن شروحه المعارف في شرح  
 الصحائف اوله الحمد لله الذى ليس لوجوده غاية الخ وهو شرح بقال اقول للسمرقندي  
 وشرحه البهشتى ايضا v١٩ صحائف في اللغة الفارسية مختصر مشتمل على اثني عشر  
 بابا اوله الحمد لله مبدع الاشياء بقدرته الخ v٢٠ صحائف القلوب v٢١ صحيفة 10

- ea probatione non digna esse intelligis. — Verba sunt ab *Ibn-elkhanáyi* petita. —  
 7715. El-Siháh El-Mathúret, vera effata usu sancita et a legato divino profecta,  
 auctore Háfitz *Abu Ali Saïd Ben Othmán Ben-elsakan Baghdádi* [*Misri*], Cahirae  
 anno 353 (inc. 19. Jan. 964) mortuo. — 7716. El-Saháif fi el-tefsír, folia,  
 auctore *Shems-ed-din Mohammed Samarcandi*, anno ... mortuo. Commentarius in  
 Coranum, quem *Sheikh Ahmed Ben Mahmúd Caramáni El-Asamm* (i. e. surdus),  
 anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus, absolvit. — 7717. El-Saháif fi el-  
 feráidh, folia de jure hereditario, auctore *Ibrahim Ben Mohammed*, vulgo  
 5 *Tjaushzádeh* dicto et anno 1050 (inc. 3. Apr. 1640) mortuo. Postea commentarium  
*Mejma' el-letáif* inscriptum edidit, qui ita incipit: Laus Deo, qui viros doctos  
 heredes prophetarum esse voluit etc. — 7718. El-Saháif fi el-kelám, folia  
 de metaphysica, quae ita incipiunt: Laus Deo existentia et unitate digno etc., et in  
 praefationem, sex folia et conclusionem distributa sunt. In ejus commentariis  
 numeratur liber *El-Meúrif fi sharh El-Saháif* inscriptus, qui ita incipit: Laus  
 Deo, cujus existentiae nullus est terminus etc. Auctor, quem *Samarcandi* esse  
 puto, formula usus est „dicit auctor“ et „dico ego“. Pariter *Behishti* commentarium  
 edidit. — 7719. El-Saháif fi el-loghat el-fárisiyet, folia de lingua persica.  
 10 Compendium duodecim capita continens, quod ita incipit: Laus Deo potentia sua res  
 novas creanti etc. — 7720. Saháif el-colúb, folia cordium. — 7721. Sohbet



- الابكار تركى منظوم من خمسة عطاء الله بن نوعي المتوفى سنة 1.44 712 صححة ومرض  
 فارسي لمحمد بن سليمان المعروف بفضولي البغدادي المتوفى [في حدود] سنة [90.]  
 713 صحف الانبياء من اول المواهب اللدنية 714 صحيج ابن حبان [ابن خاتم محمد  
 ابن حبان البستي المتوفى سنة 304] في الحديث واني عوانة يعقوب بن اسحق الميرجاني  
 5 [المتوفى سنة 311] قال ابن حجر في النكت وفيه تساهل لكنه اقل من تساهل الحاكم في  
 المستدرک ذيل هذا غير مسلم وليس عند البستي تساهل وانما غايته انه يسمى الحسن  
 صحيجا فانه وفق بالتزام شروطه ولم يوف الحاكم ذكره البقاعي واختصره سراج الدين عمر بن  
 علي المعروف بابن الملقن الشافعي المتوفى سنة 84 ورتبه على الابواب الامير علي بن بلبان بن  
 عبد الله الفارسي الفقيه الحنفي المتوفى سنة 73 715 صحيج ابن حزيمة [محمد بن  
 10 اسحق النيسابوري المتوفى سنة 311] 716 صحيج المنتقى في الحديث لابن السكن

el-abkár, societas virginum intactarum. Poema turcicum e quinione [*Khamse*], qui *Atáallah*, vulgo *Ibn Naui* dictum et anno 1044 (inc. 17. Jun. 1634) mortuum, auctorem habet. — 7722. *Sihhat we Maradh*, sanitas et morbus, auctore *Mohammed Ben Soleimán Baghdádi*, vulgo *Fodhúli* dicto et [circa] annum [970 (inc. 31. Aug. 1562)] mortuo. Persice. — 7723. *Sohof el-anbiyá*, folia prophetarum, quae primitiae sunt donorum apud Deum depositorum. — 7724. *Sahih Ibn Hibbán*, sylloge traditionum verarum ab [*Abu Khátim Mohammed*] *Ben Hibbán* [*Bosti*, anno 354 (inc. 7. Jan. 965) mortuo] et ab *Abu Awánet Yacúb Ben Is'hac Mihrijáni*, [anno 316 (inc. 25. Febr. 928) mortuo], congesta. *Ibn Hajr* in 5 *El-Noket*: Ibi, inquit, negligentia quaedam conspicua est, minor quidem illa, quam *Hákim* in *El-Mostedrek* admisit. Alii contra, teste *Codhái*: Haec, dicunt, veritati minime respondent. *Bosti* nullam admisit levem incuriam, et summum, quod ei vitio vertendum est, eo constat, quod traditiones probabiles veras nominat. Conditionibus omnino satisfecit, quas sibi imposuit, id quod de *Hákim* dici non potest. — Epitomen libri edidit *Siráj-ed-dín Omar Ben Ali Shafiita*, vulgo *Ibn-elmolacchin* dictus et anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuus, et *Emir Ali Ben Bolbán Ben Abdallah Fárisi* Jurisconsultus Hanefita, anno 731 (inc. 15. Oct. 1330) mortuus, eum in capita disposuit. — 7725. *Sahih Ibn Hazíma*, sylloge traditionum verarum, auctore [*Mohammed Ben Is'hac Nisábúri*, vulgo] *Ibn Hazíma* [dicto et anno 311 (inc. 10 21. Apr. 923) mortuo]. — 7726. *El-Sahih El-Muntecá*, corpus traditionum

- ابى على سعيد بن عثمان البغدادي المتوفى سنة ٣٥٣ ٧١٧ صحيفة الاقبال في معارضة  
 السيف والقلم فارسي منظوم محمد بن احمد النيسابوري المتوفى سنة ٧١٨ صحيفة دينارى  
 ٧١٩ صحيفة الرضوية ٧٢٠ صحيفة الشاعية من كتب الانشاء ٧٢١ [الصحيفة الصحيفة  
 للشيخ حمام بن منبه الصغاني المتوفى سنة ١٣١ وهى التى كتبها عن ابى هريرة الصحابي رضى  
 الله عنه] ٧٢٢ صحيفة العشاق لعزيرى ٧٢٣ الصحيفة العظمى فى الاكسير لبرمس 5  
 شرحه ايدير بن على الجلدكى ذكره فى شرح المكتسب ٧٢٤ صحيفة الفصاحة لمحمود  
 ابن الغزالي المتوفى سنة وهى مرتب على الحروف كل منها ثلثة فصول اوله فى الحديث وثانيه  
 فى الامثال والحكم وثالثه فى الابيات العربية مترجمة بالفارسية كتبه للسلطان محمود ٧٢٥ صحيفة  
 الكاملة ٧٢٦ صحيفة النور فى الحكمة لتقى الدين ابى الخير محمد بن محمد الفارسي  
 تلميذ غياث الدين منصور وهو كتاب كبير اودع فيه كتاب الاصول لاقليدس والمجسطى فى 10

- verarum selectarum, auctore *Abu Ali Said Ben Othmán Baghdádi*, vulgo *Ibn-elsukan*  
 dicto et anno 353 (inc. 19. Jan. 964) mortuo. — 7727. *Sahífet el-icbál*, folium  
 felicitatis de certamine gladii et pennae. Poema persicum, auctore *Mohammed Ben*  
*Ahmed Nisabúri*, anno ... mortuo. — 7728. *Sahífet Dinári*, folium *Dinaricum*. —  
 7729. *El-Sahífet El-Redhawíyet*, folium *Redhi-ed-dini*. — 7730. *El-Sahí-*  
*fet El-Sháhíyet*, folium regium. Tractat artem eleganter scribendi. — 7731. [*El-*  
*Sahífet El-Sahíhat*, folium verum, quod Sheikh *Hemmám Ben Monebbih*  
*Sagháni*, anno 131 (inc. 31. Aug. 748) mortuus, ex autographo *Abu Horeirae*  
 5 prophetae socii descripsit]. — 7732. *Sahífet el-oshshác*, folium amantium,  
 auctore *Azízi*. — 7733. *El-Sahífet El-Otzma*, folium majus de lapide sapientum,  
 auctore *Hermes*. Illud *Eidemir Ben Ali Jildeki*, ut in commentario ad *Mokteseb*  
 narrat, commentatus est. — 7734. *Sahífet el-fesáhat*, folium facundiae, quod  
*Mahmúd Ben-elfarábi*, anno ... mortuus, Sultano *Mahmúd* scripsit. Divisum est  
 secundum literas, quae singulae tres sectiones continent, quarum prima traditiones,  
 secunda proverbia et apophthegmata, tertia versus arabicos comprehendit in persicam  
 linguam conversos. — 7735. *El-Sahífet El-Kámilet*, folium perfectum. —  
 7736. *Sahífet el-núr*, folium luminis de philosophia, auctore *Tacki-ed-dín*  
 10 *Abu'lkheir Mohammed Ben Mohammed Fárisi*, *Ghiyáth-ed-dini Mansúr* discipulo.  
 Liber magnus, cui *Elementa Euclidis* et *Almagestum* inseruit, quatenus partes doctri-



- قسم الرياضيات ٧٣٧ صدح الحمام في مدح خير الآنام ديوان في مدح المصطفى عليه  
 الصلوة والسلام للشيخ محمد الصالحى الهلالى الاديب ٧٣٨ صدر الشريعة شرح الوقاية يأتي  
 ٧٣٩ صدف اللالى ٧٤٠ صدقة السر لاني العباس احمد بن محمد المعروف بابن العطار  
 الدينسرى المتوفى سنة ٧٤١ ٧٤٢ صد قنه وصد حصه تركى لعلى [مصطفى بن احمد  
 5 الدفترى] الشاعر [المتوفى سنة ١٠٠٨] على طريقة همايون نامه ٧٤٣ صدق المودة في شرح  
 قصيدة البردة يأتي ٧٤٣ صد كلمه من كلام الامام على بن ابي طالب كرم الله تعالى وجهه  
 وشرحه جماعة بالنظم والنثر والحقق بعن العلماء كلام ابي بكر وعمر وعثمان رضى الله تعالى  
 عنهم وشرحه جماعة منيم المولى مصطفى بن محمد المعروف بخواجكى زاده المتوفى سنة ٩٨٠  
 وذلك بالتركى وترجمتها للمولى الجامى ٧٤٤ صدور الغشاء عن ورود العشاء دعاء للشيخ ابي  
 10 العباس احمد بن يوسف الحرثى الشافعى المدينى طريقة والزبيدى نسباً ٧٤٥ صراج اللغة

narum mathematicarum tractant. — 7737. Sadh el-hamám, gemitus palumbis de  
 laude optimi hominum creatorum. Diwanus in laudem prophetae electi, cui Deus faveat,  
 auctore Sheikh *Mohammed Sálihi Hiláli* Philologo. — 7738. Sadr el-sheriat,  
 commentarius in opus *Wicáyat*, *Sadr el-sheriat* inscriptus. — 7739. Sadaf el-leáli,  
 conchae margaritiferae. — 7740. Sadca el-sirr, dos arcani, auctore *Abu'labbás*  
*Ahmed Ben Mohammed Doneiseri*, vulgo *Ibn-elattár* dicto et anno 794 (inc. 29. Nov.  
 1391) mortuo. — 7741. Sad Ckissah we Sad Hissah, centum historiae et  
 centum portiones, auctore [*Mustafa Ben Ahmed Defteri*] Poeta, vulgo *Ali* dicto [et 5  
 anno 1008 (inc. 14. Jul. 1599) mortuo]. Opus ad modum libri *Humayún-námeh* turcice  
 scriptum. — 7742. Sidc el-meweddet, sinceritas amoris. Commentarius in  
*Casídam.El-Burdet*. Vide infra. — 7743. Sad Kelimeh, centum dicta Imami  
*Ali Ben Abi Tálib*, cujus faciem Deus nobilitet. Plures ea ligata et soluta oratione  
 exposuerunt, et nonnulli viri docti dicta *Abu Bekri*, *Omari*, *Othmáni* adjecerunt.  
 Inter plures, qui ea commentati sunt, fuit Molla *Mustafa Ben Mohammed*, vulgo  
*Khojaktzádeh* dictus et anno 998 (inc. 31. Oct. 1589) mortuus, qui turcice scripsit;  
 eaque Molla *Jámi* interpretatus est. — 7744. Sodúr el-ghishá, operimentum e  
 pericopis precum vespertinarum prodiens. Preces, auctore Sheikh *Abu'labbás Ahmed* 10  
*Ben Yusuf Haríthi* Shafiíta, qui disciplinam Medinensem amplexus est et originem  
 a *Zobeid* traxit. — 7745. Saráh el-loghat, dictiones linguae purae, auctore

- لابي الفضل محمد بن عمر بن خالد القرشي المشتير بجمالي وهو ترجمة الصحاح بالفارسية  
 ٧٧٦ الصراط المستقيم الى معاني بسم الله الرحمن الرحيم للشيخ علاء الدين علي بن  
 محمد بن عراق نزيل الحرم الشريف [المتوفى سنة ٩١٣] نقله محمد بن هلال الاندلسي  
 المتوفى سنة الى التركي لرستم باشا ٧٧٧ الصراط المستقيم في تبیان القرآن الكريم للشيخ  
 نور الدين احمد بن محمد بن خضر العمري الشافعي الكازروني نزيل مكة وهو تفسير مختصر 5  
 ممزوج كالجلالين اوله التعون وتفسير الفاتحة اجمالا ثم الديباجة ذكر فيه انه تفسير وجيز  
 وسيط في التبيان بسيط في الفوائد متضمنًا لرجال عشرين الفا في فرائد الفوائد اعتمد فيه  
 على حديث حسن او صحيح قال وسماه بعض الابرار بطوابع الانوار ٧٧٨ صراط المستقيم في  
 علم الروحانية وصناعة التنجيم للشيخ عبد الرحيم الجوبري ٧٧٩ صراط المستقيم المكتبي بنجاجة  
 الطالبين فارسي لعبد الوهاب الصابوني وامير حسين بن حسن الحسيني ذكره الواعظ في تحفة الصلوة 10

- Abu'fadhli Mohammed Ben Omar Ben Khálid Coreshi*, qui nomine *Jemáli* inclaruit. Persica est interpretatio *Siháhi Jauheriani*. — 7746. El-Sirát El-Mostackím, via recta ad argumentum formulae „Nomine Dei miseratoris misericordis, auctore Sheikh *Alá-ed-din Ali Ben Mohammed Ben Irác* sacri septi Mekkaní inquilino, [anno 963 (inc. 16. Nov. 1555) mortuo]. *Mohammed Ben Hilál Andalusí*, anno ... mortuus, librum *Rustempashae* in linguam turcicam convertit. — 7747. El-Sirát El-Mostackím, via recta de clara Corani augusti expositione, auctore Sheikh 5 *Núr-ed-din Ahmed Ben Mohammed Ben Khidhr Omari Kazerúni* Shafiíta, Mekkae inquilino. Commentarius brevis in Coranum ad modum illius, cui titulus *Jelálan* i. e. commentarius utriusque *Jelál-ed-dini* est, scriptus. Textum admixtum habet et incipit a formula „Deus me servet“ et explicatione *Fátihae* summatis. Tum praefatio. Commentarium brevem esse dicit, qui mediam viam teneat in explicando, at utilium adnotationum copia abundet, cum viginti adnotationum singularium milia comprehendat. Ibi auctoritate traditionum probabilium aut verarum usus est, et a quodam viro pio librum *Tawáli' el-anwár* appellatum esse dicit. — 7748. El-Sirát El-Mostackím, via recta de scientia mundi spiritalis et arte astrologica, auctore Sheikh *Abd-el-rahím Jauberi*. — 7749. El-Sirát El- 10 *Mostackím*, via recta. Opus persicum honorifice „Salus studiosorum“ cognominatum, auctoribus *Abd-el-wehháb Sábúni* et Emir *Hosein Ben Hasan Hoseini*. Laudatur a *Káshifi* Concionatore in libro *Tohfet el-salat*. — 7750. El-Sirát



vvo. صراط المستقيم والرّد على اهل الجحيم لابن تيمية [احمد] الخبلى فيه اشياء لا ينبغي  
ان يذكر كتكفير عبد الله بن عباس على ما نقله للسيبى في كتابه للرّد عليه

علم الصرف vvoI

يعرف منه انواع المفردات الموضوعية بالوضع النوعى ومدلولاتها وايضاً الاصطلاحات العامة  
5 للمفردات والبيئات والتغيرية وكيفية تغيراتها عن بيئاتها الاصطلاحية على الوجه الكلى بالمكائس  
الكلية كذا في الموضوعات والكتب المصنفة فيه اساس الصرف تصريف العازى تصريف  
الملوكى تصريف افعال جامع الصرف شافية عزي عنقود الزواجر عنقود الجواهر قسارى  
لامية الافعال مقصود مراح مضبوط مطلوب منازل الابنية نزهة الطرف نجاح هارونية  
vvoI [صرف جديد] vvo3 صرف السيم لاقى الفرج قدامة بن جعفر الكاتب vvo4 صرف  
10 الفتاوى للفقير صادق محمد بن على الساقزى اتمها سنة 1059 اجمعنا من كتب الفقه

El-Mostackím, via recta et refutatio eorum, qui infernis destinati sunt, auctore  
[Ahmed] Hanbalita, vulgo *Ibn Teimiya* dicto. Res continet, quas recensere vix  
convenit, cujusmodi est e. c. accusatio impietatis in *Abdallah Ben Abbás* adornata,  
quemadmodum *Hoseini* tradit in libro ad illum refutandum scripto. —

7751. Ilm el-saraf. Doctrina flexionis nominum grammaticae.

Hac doctrina genera cognoscuntur nominum simplicium ita usurpatorum, ut  
generis significatio appareat, notiones, formae primitivae vocibus simplicibus et formis  
communes, facultas mutationis et ratio, qua mutationes illae a formis primitivis 5  
secundum legem generalem ita faciendae sint, ut analogiae generales admittantur.  
Ita quidem in encyclopaedia *Maudhúat* legitur, et libri de hac doctrina scripti sunt  
hi: *Isás el-saraf* — *Tesrif El-Mázini* — *Tesrif El-Molúki* — *Tesrif af'úl* —  
*Jámi' el-saraf* — *Sháfiyet* — *Izzi* — *Oncúd el-zewáhir* — *Oncúd el-jewáhir* —  
*Cosúra* — *Lámiyet el-af'úl* — *Macsúd* — *Meráh* — *Madhbút* — *Mellúb* — *Menázil*  
*el-ebniyet* — *Nuzhet el-taraf* — *Nejáh Harúniyet*. —

7752. [Saraf jedíd, nova flexio grammatica]. — 7753. Sarf el-sahm,  
sagittae declinatio, auctore *Abu'lfaraj Codáma Ben Ja'far* Scriba. — 7754. Surref  
el-fetáwi, crumena responsorum juridicorum, quae Jurisconsultus *Sádic Mohammed* 10  
*Ben Ali Sáckizi* anno 1059 (inc. 5. Jan. 1649) absolvit et e libris juridicis collegit.

ذكر المسائل الفقهية بنقله . الصفاء ٧٥٥ بحري الشفاء للقاضي سيف ٧٥٦ الصفائح في  
التوحيد للشيخ شمس الدين احمد بن محمد السيواسي ٧٥٧ [صفة اشراط الساعة للامام  
الكبير محمد بن احمد بن ابي سهل السرخسي شمس الانمة المتوفى في حدود سنة ٥٠٠ وهو  
كتاب لطيف اوله الحمد لله رب العالمين الخ قال اما بعد فيذه صفة اشراط الساعة ومقاماتها  
نقلتها من املاء شمس الانمة للوانى] ٧٥٨ صفة حج النبي صلى الله تعالى عليه وسلم على 5  
اختلاف طرقها لمحّب الدين احمد بن عبد الله الطبرى المتوفى سنة ٩١٢ ٧٥٩ صفة الضمير  
قصيدة لافضل الدين ابراهيم بن علي الخاقاني [الشرواني] مات سنة ٥٣٠ ٧٦٠ صفة المناقب  
لابن الزجاجية ٧٦١ صفة الادب وديوان العرب لابي العباس احمد بن عبد السلام الكوارى  
الاديب وهو كتاب يحتوي على فنون الشعر كالحماسة وهو عند اهل المغرب كالحماسة  
عند اهل المشرق ومولفه من شعراء ملوك الموحديين توفى في آخر ايام يعقوب آفد له في مختار 10

Commemorat quaestiones juridicas cum iis, quae aliunde petiit. — 7755. El-Safá, claritas, auctore *El-Cádhí*. Recognitio operis *Shefá*, de quo supra dictum est. — 7756. El-Safáih fi el-tauhíd, tabulae de doctrina fidei in unum Deum, auctore Sheikh *Shems-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Siwási*. — 7757. [Sifat ashrát el-sáat, descriptio conditionum horae resurrectionis, auctore *Shems-elaïmmet Mohammed Ben Ahmed Ben Abi Sahl Serakhsi* Imamo magno, circa annum 500 (inc. 2. Sept. 1106) mortuo. Liber elegans, qui ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc. Praemissis, inquit, praemittendis. Habes hic conditionum horae resurrectionis et variorum ejus graduum descriptionem, quam ex dictatis *Shemsi-elaïmmet Holwáni* petiit]. — 7758. Sifat hijj el-nebi, descriptio peregrinationis prophetae Mekkanae secundum varias de ea opiniones, auctore *Mohibb-ed-dín Ahmed Ben Abdallah Taberi*, anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuo. — 7759. Sifat el-dhamír, descriptio pronominis. *Casída* ab *Afdhal-ed-dín Ibrahim Ben Ali Khacáni* [*Shirwáni*], anno 582 (inc. 24. Mart. 1186) mortuo, composita. — 7760. Sifat el-monáfic, descriptio hypocritae, auctore *Ibn-elzejjájiye*. — 7761. Safwet el-edeb we D íwán El-Arab, medulla literarum philologicarum et sylloge carminum Arabum, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Abd-el-selúm Kuwári* Philologo. Hic liber varia carminum 10 genera complectitur. ad instar *Hamasae*, et eundem locum apud Occidentis incolas tenet, quem illa apud Orientis incolas. Poeta quidam regum e Mowahhedarum dynastia



- الشعر وهو من احسن الجامعات وتوفى الامير يعقوب [الموحدي سنة ٥١٥هـ] صفوة التصوف  
 لاني الفضل محمد بن ظاهر بن علي المقدسي مات سنة ٥٠٧هـ قال ابن الجوزي في مرآة الزمان  
 يضحك منه من رآه ويحجب من استشهاده بالاحاديث التي لا تناسب ٧١٣ صفوة الزبد  
 في الفقه الشافعي للشيخ شيباب الدين احمد بن الحسين الرملي القدسي الشافعي المتوفى  
 5 سنة ٨٤٤هـ وشرحها شرحين ٧١٤ صفوة الصفاء فارسي في مناقب الشيخ صفى الدين الاربيلي  
 وآبائه واولاده لتوكّل بن اسمعيل البزار ذكره خواندمير في حبيب السير ٧١٥ صفوة الصفوة  
 مختصر حلية الاولياء لاني الفرج عبد الرحمن بن علي المعروف بابن الجوزي المتوفى سنة [٩١٧هـ]  
 اوله الحمد لله وسلام على عباده الذين اصطفى الخ ولابن مرزوق ولاني المعالي سعد بن علي  
 الوراق للظهيرى مات سنة ٥١٨هـ وهو نظم كته في الحكم اختصره الشيخ ابراهيم بن احمد الرمي  
 10 وسماه احاسن المحاسن ٧١٦ الصفوة في اصول الحديث مختصر على مقدمة واربعه اقسام

carmina haec selecta Emiro *Yacub* [Mowahheditae, anno 595 (inc. 3. Nov. 1198) mortuo],  
 ad cujus imperii finem obiit, collegit et in ordinem disposuit. — 7762. *Safwet*  
*el-tesawwof*, medulla doctrinae theosophicae, auctore *Abu'lfadhl Mohammed Ben*  
*Táhir Ben Ali Mocaddesi*, anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortuo. — *Ibn-eljauzi*  
 in *Mirat el-zemán*: Ridet, inquit, librum, qui eum videt, et quod traditionibus  
 non convenientibus testimoniorum loco usus sit, stupet admiratione. — 7763. *Safwet*  
*el-zobd*, exquisitissima medulla de jure Shafitico, auctore Sheikh *Sheháb-ed-dín*  
*Ahmed Ben-elhosein Ramli Codsí* Shafita, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuo, 5  
 qui duplicem postea in librum edidit commentarium. — 7764. *Safwet el-safá*,  
 sincerissima sinceritas. Panegyricus Sheikh *Safi-ed-dín Erdebili* ejusque majorum  
 et filiorum, quem *Tewekkul Ben Ismail El-Bezzár* persice scripsit. Commemoratur  
 a *Khund-emír* in *Habib el-siyer*. — 7765. *Safwet el-safwet*, medulla exqui-  
 sitissima. Epitome libri *Hilyet el-auliyá*, auctoribus *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben*  
*Ali*, vulgo *Ibn-eljauzi* dicto et anno [997 (inc. 10. Nov. 1588)] mortuo, cujus liber  
 ita incipit: Laus Deo et salus super ejus cultores, quos elegit etc. — *Ibn Merzúc* —  
 et *Abu'lmeáli Sa'd Ben Ali Werrác Hatzíri*, anno 568 (inc. 23. Aug. 1172) mortuo,  
 cujus liber totus ligata oratione scriptus est et apophthegmata continet. — Sheikh  
*Ibráhím Ben Ahmed Rommi* epitomen ejus edidit *Ahásin el-mehásin* inscriptam. — 10  
 7766. *El-Safwet fi osúl el-hadíth*, medulla de doctrinae traditionariae priu-  
 cipiis. Compendium in praefationem et quatuor partes distributum, auctore quodam

- لبعض المتأخرين ٧٧٧ الصفة في اصول الفقه للامام العلامة ابى الرجاء مختار بن محمود  
ابن محمد الزاهدى [الحنفى] مات سنة ٩٥٠ ٧٧٨ الصفة في تلخيص زبدة كشف الممالك  
مر ٧٧٩ صفة المدح من نهاية المطلب يأتى في النون ٧٧٠ صفة مقدمة في علم  
التصوف للشيخ عز الدين محمد بن جماعة اوله الحمد لله رب العالمين الخ ذكر فيه  
اصطلاحات القوم ٧٧١ صفة المشارب في العشق للشيخ ابى محمد روزبهان البقلى الشيرازى 5  
المتوفى سنة ٩٠٦ ٧٧٢ صك الجنة للامام زاهد الصغار ٧٧٣ صكوك لدرويش محمد بن  
انطالون بن اكمل الدين المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى زين سماه الشريعة بنجوم العلماء  
الابرار الخ وفي نسخة اوله الحمد لمن انزل الكتاب للشرع تبياناً الخ وجمع محمد بن درويش  
محمد الشهير بثنائى الادرنوى خادم الحكمة بها المتوفى سنة بالتركية ورتبه على عشرة ابواب وفي  
مقبولة معتبرة في الروم اوله سردقتر صكوك ومحاضر ديباجة منائر او لغة البق اولان جواهر 10

viro recentioris temporis. — 7767. El-Safwet fi osúl el-fic'h, medulla de  
principiis juris, auctore Imamo eruditissimo *Abu'lrejá Mokhtár Ben Mahmúd Ben  
Mohammed Záhidí* [Hanefita], anno 658 (inc. 18. Dec. 1259) mortuo. — 7768. El-  
Safwet, medulla. Epitome libri *Zubdet kashf el-memálik*, de quo supra videndum  
est. — 7769. Safwet el-medzheb, medulla sectae e libro *Niháyet el-matleb*,  
de quo litera *Nún* videatur, extracta. — 7770. Safwet mocaddemet, medulla  
isagogae de doctrina theosophica, auctore Sheikh *Izz-ed-dín Mohammed Ben Jemáa*,  
qui ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc. Commemorantur ibi termini  
5 theosophorum technici. — 7771. Safwet el-meshárib, medulla aqutionum de  
amore, auctore Sheikh *Abu Mohammed Ruzbehán Backili Shirázi*, anno 606 (inc.  
6. Jul. 1209) mortuo. — 7772. Sakk el-jennet, praclusio Paradisi, auctore  
Imám *Záhid El-Soghár*. — 7773. Sokúk, syngraphae, auctore *Derwish Mohammed  
Ben Aflátún Ben Akmal-ed-dín*, anno . . . mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo,  
qui coelum legis piorum virorum doctorum stellis ornavit etc., sive, ut in alio  
exemplo legitur: Laus ei, qui Coranum ad legis expositionem revelavit etc. Praeterea  
*Mohammed Ben Derwish Mohammed Edrenevi* iudicii Adrianopolitani minister, vulgo  
*Thenáyi* dictus et anno . . . mortuus, turcice collegit, et syngraphas in Rumelia  
10 receptas et magna florentes auctoritate in ordinem disposuit. Incipit ejus liber ita:  
Principium syngrapharum et libellorum supplicum praefatio soluta oratione orname  
scripta sive nitor decentior et praestantior margaritae sunt laudationum etc. —



- محمد الخ ٧٧٤ [صكوك] للمولى محمد بن المصطفى المشهور بحاجب زاده المتوفى سنة ١٠١٠.  
 وهذه مقبولة بين الحكماء مسماة بمصاعة الاحكام [ ٧٧٥ صلوة الاثر ليشام بن عبد الله  
 ٧٧٦ صلوة البقالى [زين المشايخ ابي الفضل محمد بن ابي القاسم المتوفى سنة ٥٦٦] وبرهان الائمة  
 ٧٧٧ صلوة الرغائب فيه تحفة الجنائب بالنبي عن صلوة الرغائب اختلف بعض الكتّابين  
 5 في القرن الثالث حديثا في فضلها ثم اشتير في القرن الرابع فتمن نص على فضلها ابو طالب  
 المكي وتبعه الغزالي معتمدا على الحديث الموضوع وفي كشفه كتاب البرق اللومع لكشف  
 الحديث الموضوع لصاحب تحفة الجنائب وتمن انكرها النورى وصنف الشيخ ابو محمد  
 عبد الرحمن بن اسمعيل المقدسى ابو شامة كتابا في ابطالها فاحسن وسماه اللع ومنهم ابو  
 بكر الطرسوسى وابن دحية وابو محمد عبد العزيز بن عبد السلام خطيب جامع دمشق خطب  
 10 في شهر رجب يوم الجمعة في سنة ٦٣٧ واعلم انها بدعة منكرة ووضعت جزوا وسماه الترغيب عن صلوة

7774. [Sokúk, syngraphae, auctore Molla Mohammed Ben-elmustafa, Hájibzúdeh cognominato et anno 1010 (inc. 22. Jun. 1601) mortuo. Receptae illae sunt usu inter iudices et titulum *Bidháat el-ahkám* prae se ferunt]. — 7775. *Salát el-athar*, precatio vestigií, auctore *Hishám Ben Abdallah*. — 7776. *Salát El-Beccáli*, precatio [*Zeini-elmesháikh Abu'fadhí Mohammed Ben Ab'ícúsím*], vulgo *Beccáli* dicti [et anno 566 (inc. 14. Sept. 1170) mortui], et *Borháni el-aimmet*. — 7777. *Salát el-regháib*, precatio desideriorum. — De hac precatone agit opus *Tohfet el-jenáib* i. e. Donum peregrinis oblatum de interdicto precatonis *Regháib* nominatae. Ex-cogitavit scilicet mendax quidam saeculo tertio traditionem de hujus precatonis 5 praestantia, quo facto haec saeculo quarto celebritatem consecuta est. Inter eos, qui diserte de ejus praestantia disputarunt, fuit *Abu Tálib Mekki*, quem auctoritate illius traditionis suppositiciae interposita *Ghazáli* secutus est. De hac ficta traditione detegenda auctor libri *Tohfet el-jenáib* opus *El-Barc El-Lamú'* edidit, et inter eos, qui traditionem reprobendam esse disseruerunt, *Newewi* fuit. Praeterea Sheikh *Abu Mohammed Abd-el-rahman Ben Ismail Mocaddesi*, vulgo *Abu Sháme* dictus, libellum *El-Lam'o'* inscriptum egregio modo de ea abroganda composuit, et *Abu Bekr Tarsúsi* — *Ibn Dihye* — *Abu Mohammed Abd-el-azíz Ben Abd-el-selám*, ad aedem Damasci primariam Concionator, qui die Veneris mensis Reheb anni 637 (inc. 3. Aug. 1239) concionatus est ita: Scias, precatonem illam rem esse novam 10 omnino reprobendam. Praeterea dissertatiunculam composuit *El-Targháib an Saiút*

- الرغائب حذر الناس فيه من ركوب البدع ٧٧٨ صلوة الترجماني ٧٧٩ صلوة السلام في فضل الصلوة والسلام ارجوزة لخصت عائشة بنت يوسف الدمشقية من القول البديع في الصلوة على الحبيب الشفيق ٧٧٨ صلوة المسعودي ٧٧٩ صلوة الممتاز في الصلوة على النبي المختار مختصر للشيخ ضياء الدين ابى محمود محمد بن امين الدين عبد العزيز بن محمد الشيرازى الفقه في سنة ٧٧٠ اولها الحمد لله الذى اختار محمدًا من خليقته الخ وحى خمسون 5 حديثًا جمعها في فضل الصلوة عليه الصلوة والسلام وختمها بفصلين ٧٨٠ صلوة النحشى ٧٨١ الصلوات والبشر في الصلوة على خير البشر للشيخ مجد الدين ابى طاهر محمد بن يعقوب الفيروزابادى المتوفى سنة ٨١٧ على اربعة ابواب وخاتمة ٧٨٤ صلاح العمل لانتظار الاجل للشيخ العلامة ابى الحسن على الحكرانى [المتوفى سنة ٩٣٧] مختصر اوله انا بعد حمد الله والصلوة الخ ٧٨٥ الصلوة في ذيل تاريخ اندلس مرّ في النباء مع التتمات ٧٨٩ صلوة المستحق 10

*el-reghâib* inscriptam, qua homines a rerum novarum studio detertere conatus est. — 7778. Salât El-Terjemâni, precatio *Terjemânîi*. — 7779. Salât el-selâm, precatio salutis de praestantia precationis et benedictionis super prophetam. Carmen metro *Rejex* compositum, quod *Aisha* Damascena *Jusufi* filia potiore partem ex libro *El-Caul El-Bedi' fi el-salât ala el-habib el-shefi'* extraxit. — 7780. Salât El-Mes'ûdi, precatio *Mesûdîi*. — 7781. Salât el-mom'tâz, precatio viri excellentis de precatone super prophetam electum. Compendium, quod a Sheikh *Dhiyâ-ed-dîn Abu Mahmûd Mohammed Ben Emin-ed-dîn Abd-el-aziz Ben Mohammed Shirâzi* anno 770 (inc. 16. Aug. 1368) compositum est et ita incipit: Laus Deo, qui *Mohammedem* e creaturis suis elegit etc. Quinquaginta traditiones, quas de praestantia precationis et benedictionis super prophetam collegit. Ad finem duas sectiones habet. — 7783. Salât El-Nahshi, precatio *Nahshîi*. — 7783. El-Silât we El-Beshr, dona et laetus nuntius de precatone super optimum hominum, auctore Sheikh *Majd-ed-dîn Abu Tâhir Mohammed Ben Yacûb Firûzâbâdi*, anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuo. Quatuor capita et conclusio. — 7784. Salâh el-amel, bona opera ad exspectandum vitae terminum, auctore Sheikh doctissimo *Abulhasan Ali Harrâni*, [anno 637 (inc. 3. Aug. 1239) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus et precatio etc. — 7785. El-Silet, donum. Appendix ad historiam Andalusiae. Vide in litera *Tâ*, ubi supplementa indicata sunt. — 7786. Silet el-mostehic, donum digno



- لاى العباس احمد بن محمد [الدينسرى] المعروف بابن العطار المتوفى سنة ٧٩٤ ٧٧٧ صمصام  
 الائمة ٧٧٨ صميم العربية لاي القاسم جار الله العلامة محمود بن عمر الزمخشري المتوفى  
 سنة ٥٣٨ ٧٧٩ صناعة الاعراب لعبيد الله بن احمد الغرارى [من اصحاب السيرافى] ٧٩٠ صناعة  
 الشعر للحسين بن محمد الراعى المعروف بالخالع المتوفى بعد سنة ٣٨٠ ولاى سعيد حسن  
 5 ابن عبد الله السيرافى النحوى المتوفى سنة [٣٩٨] ٧٩١ الصناعة الصغرى فى الطب للحكيم  
 ابى الفرج عبد الله بن [احمد] الطيب وقيل لجالينوس شرحه على بن رضوان ٧٩٣ صناعة  
 النظم والنثر لاي حلال حسن بن عبد الله العسكرى المتوفى سنة ٣٦٥ مفيد جدا اختصره  
 موفق [الدين] البغدادى المذكور فى الانصاف وهو كتاب الصناعتين اوله الحمد لله ولّى كل  
 نعمة الخ وهو فى مجلد ذكر فيه كتاب البيان والتبيين للجاحظ وقال ان البيان والبلاغة  
 10 مشوبة فى تضاعيفه ومنتشرة لا يوجد الا بالتأمل فعملت هذا الكتاب فى صناعة الكلام بنظمه

oblatum, auctore *Abu'labbas Ahmed Ben Mohammed [Doneiseri]*, vulgo *Ibn-elattar* dicto et anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuo. — 7787. *Samsam el-aïmmet*, gladius acutus Imamorum. — 7788. *Samim el-arabiyet*, purior pars linguae arabicae, auctore doctissimo *Abu'lcasim Jarallah Mahmud Ben Omar Zamakhsheri*, anno 538 (inc. 16. Jul. 1143) mortuo. — 7789. *Sinaat el-irab*, ars flexionis grammaticae, auctore *Obeidallah Ben Ahmed Ghirari*, [*Sirafii* discipulo]. — 7790. *Sinaat el-shi'r*, ars poetica, auctoribus *Hosein Ben Mohammed Ruffi*, vulgo *Khali'* dicto et post annum 380 (inc. 31. Mart. 990) mortuo, et *Abu Said Hasan Ben Abdallah Sirafi* Grammatico, anno [363 (inc. 9. Aug. 978)] mortuo. — 5 7791. *El-Sinaat El-Soghra*, ars minor de medicina, auctore *Abu'faraj Abdallah Ben [Ahmed] Tayyib* Medico. Alii Galenum auctorem esse dicunt; et *Ali Ben Ridhwán* in eam commentarium edidit. — 7792. *Sinaatei el-natzm we el-nathr*, ars utraque et ligatae et solutae orationis, auctore *Abu Hilal Hasan Ben Abdallah Askeri*, anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo. Libri hujus admodum utilis epitomen *Mowaffic-[ed-din] Baghdadi* in opere *Insaf* laudatus edidit. Hic utriusque artis liber incipit ita: Laus Deo cujusque gratiae distributori etc. Volumen, ubi librum *El-Beyan we El-Tebyan* a *Jahiz* editum commemorat, et: Expositio, inquit, et eloquentia duplici natura non obstante mixtae sunt, et via eas separandi 10 meditatione sola invenitur. Itaque hunc librum de arte loquendi, quatenus vel ligatam

ونثره وجعله على عشرة ابواب الاول في موضوع البلاغة والثاني في تمييز انكلام الثالث في صنعة الكلام الرابع في حسن السبك الخامس الابدان والاطناب السادس في حسن الاخذ وقبحه السابع في التشبيه الثامن في السجع التاسع في البديع العاشر في مقاضع الامر ومباديه ٧١٣ صنم الخيال فارسي منظم لفتح الله المعروف بشينامه جي عارف من شعراء دولة السلطان سليمان [خان] صور في هذا الكتاب تصوير المحبوب وجمع في كثر عتو من اعضائه ما يناسبه 5 من ابيات نفسه وغيره ٧١٤ صواب الجواب للسائل المرتاب المعارض الجاد في كفر ابن الفارض وهو شرح التائية للبقاعي سبق ٧١٥ صواب الحكمة لاني جعفر ابن بابويه ملكه ساجستان ذكره الشهرزوري في تاريخ الحكماء ٧١٦ صواريم الهندية ١٧١٧- صواريم اخرقة على اجل الرضى والزندقة للشيخ شهاب الدين احمد بن حجر البيهيمي المتوفى سنة [٩٧٣] بمغني الخباز اوله الحمد لله الذي اختص نبيه محمد الحج تال اني سملت قديما في تأليف كتاب يمين 10

vel solutam orationem spectat, composui. Eum autem in decem capita distribuit, quorum primum de objecto eloquentiae agit, secundum de distinguenda oratione, tertium de arte loquendi, quartum de orationis contextae elegantia, quintum de dictione pressa et tenui et contra plena et magnifica, sextum de mutuacione probanda et improbanda, septimum de assimilatione, octavum de oratione rhythmica, nonum de arte ornatè dicendi, decimum de argumenti incisionibus et initiis. — 7793. Sanem el-khiyál, idolum imaginationis. Poema persicum, auctore *Fat'hallah*, poeta satis 5 noto ad aulam Sultani *Soleimán* [*Khán*], vulgo *Sháhnámehji* dicto, qui in hoc libro effigiem amati adunbravit, et de singulis ejus membris vel suos vel aliorum versus accommodatos collegit. — 7794. Sawáb el-jewáb, responsum rectum roganti redditum, qui dubitat, adversatur et de impietate *Ibn-elfáridhi* disceptat. Commentarius in *Casidam Táiyet* a *Becái* editus, de qua supra videndum est. — 7795. Sawáb el-hikmet, philosophia recta, auctore *Abu Ja'far Ibn Babuyeh* Sejestanae principe. Librum *Shahrezúri* in *Tarikh el-hokamá* commemorat. — 7796. El-Sawárim El-Hindíyet, gladii acuti indici. — 7797. El-Sawáric El-Mohricat, gladii acuti contra haereticos *Rewáfidh* et dualistas stricti, auctore Sheikh *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Hajr Heithemi* Hijazae Mufti, anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortuo. 10 Incipit ita: Laus Deo, qui Mohammed prophetam suum prae ceteris distinxit etc. Jam olim, inquit, a me petitum est, ut librum componerem, quo *Abu Bekr Siddic*



- حقيقة خلافة الصديق وامارة ابن الخطاب فاجبت مسارعة في خدمة هذا الجنب ثم سئلت في اقرانه في رمضان سنة 95 بالمسجد الحرام لكثرة الشيعة والرافضة فاجبت ثم سئلت ان ازيد عليه اضعاف ما فيه وايين حقيقة خلافة الائمة الاربعة وفضلنا ليم فجاى كتابا حائلا ورتبته على مقدمات وعشرة ابواب ٧٧٨ الصواعق المرسله الحبيبية والمعطة للشيخ شمس الدين 5 محمد بن قيم الجوزية دمشقى المتوفى سنة ٧١١ / ٧١١ الصواعق على النواعق لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى سنة ١١١٠ قال بيتا فيه فساد تعيق النافع في انكار الاجتياح في هذا الزمان من مقاماته ذكر فيه من مدح نفسه من الصحابة والتابعين وان هذا ليس من باب الفخر ولا تركية النفس بل من باب تعريف العالم حاله اذا جهل مقامه ٧١٠ صوان للحكم في طبقات الكمء للقاضى ابى القاسم صاعد بن احمد القرطى المتوفى سنة 10 ٧٨١ صوب الغمامة في ارسال طرف العمامة للشيخ الامام كمال الدين محمد بن ابى شريف

jure successisse et *Omar Ibn-elkhattáb* jure imperium obtinuisse demonstraretur. Statim me accinxí, ut officia in hunc dominum conferrem. Quo facto a me petitum est, ut de hac re mense Ramadhán anni 950 (inc. 6. Apr. 1543) in templo Mekcano ob Shiitarum et sectae *Rafidhiticæ* asseclarum copiam lectiones instituerem, et huic quoque voto inservivi. Tum gratia divina concessum mihi est, ut argumentum libelli duplo auferem, et jus successionis et merita quatuor Imamorum comprobarem. Liber inde prodiit amplus et integer, quem in prae-fationem et decem capita disposui. — 7798. El-Sawáic El-Morsilet, fulmina contra sectam *Jahmiye* et eos demissa, qui Deum omnibus attributis carere docent, auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed* 5 *Ben Cayyim el-jauziyet Dimeshki*, anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuo. — 7799. El-Sawáic ala el-newáic, fulgura contra clamatores jacta, auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Hic, inquit, perversum eorum clamorem exposui, qui vociferatione incondita utuntur ad hujus temporis summum eruditionis altae et studii ardentis gradum negandum; et demonstrat in hoc Consessu, prophetae socios horumque successores, qui se ipsos laudassent, hoc non gloriandi nec ut se ipsos laudarent fecisse, sed ut homines de sua conditione certiores redderent, cum quae haec esset illi ignorarent. — 7800. Sawán el-hikem, apotheca apophthegmatum. Classes philosophorum, auctore *Cádhi Abu'l-cásim Sáid Ben Ahmed Cortubi*, anno ... mortuo. — 7801. Saub 10 el-ghamámet, pluvia nubis de demittendis extremis fasciae *Imámet* laciniis, auctore Sheikh et *Imám Kemál-ed-din Mohammed Ben Abi Sherif Codsi*, anno

- القدسي المتوفى سنة [٩٠٥] اوله الحمد لله الذي منح خلاصة خلقه الخ ٧٨٣ صوت للحكمة
- لشهاب الدين احمد بن محمد للحجازي الشاعر المتوفى سنة ٨٧٥ ٧٨٣ صور الارواح النورانية
- في سور الاشباح الظلمانية ٧٨٤ صور الاقاليم لابي زيد احمد بن سهل البلخي اوله الحمد
- لله الذي خلق السموات في ستة ايام الخ ذكره حمد الله المستوفى في الترتمة وقال صاحب
- احسن التقاسيم قصد فيه الامثلة والتصوير بعد ما قسمها على عشرين جزءاً ثم شرح ٥
- كل مثال واختصر ولم يذكر الامور النائعة وترك كثيراً من امهات المدن وما روح البلدان
- الا ترى ان صاحب خراسان استدعا الى حضرته ليستعين بها فلما بلغ جيحون كتب
- اليه ان كنت استدعيتني لما بلغك من صائب رأيتي فان رأيتي يمنعني من عبور
- [هذا] النهر فلما قرأ كتابه امره بالخروج الى بلخ ٧٨٥ صورة الخلاص في سورة
- الاخلاص رسالة للمولى احمد بن مصطفى المعروف بطاشكيري زاده المتوفى سنة ٩١٨ 10
- ٧٨٩ صور العيون

- [905 (inc. S. Aug. 1499)] mortuo. Incipit ita: Laus Deo, qui selectam rerum  
 creaturarum partem donavit etc. — 7802. Saut el-hikmet, vox philosophiae,  
 auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Hijázi* Poeta, anno 875 (inc.  
 30. Jun. 1470) mortuo. — 7803. Sower el-arwáh el-nuráníyet, species  
 spirituum lucidorum de signis corporum tenebricosorum. — 7804. Sower el-acálím,  
 formae climatum, auctore *Abu Zeid Ahmed Ben Sahl Balkhi*. Hunc librum, qui  
 ita incipit: Laus Deo, qui coelos sex diebus creavit etc., *Hamdallah Mostaufi* in  
 5 opere *Nuzhet* commemorat, et auctor libri *Ahsan el-tecásim*: Ille, inquit, hic formas  
 et formationem dare studuit, postquam eas in viginti fasciculos divisit. Tum singulas  
 formas breviter commentatus est, res utiles adeo silentio praeteriit, et multas urbes  
 easque principales et quae ad terras visendas invitant, omisit. Nihilominus Khorasanae  
 principem eum ad se vocasse vides, ut adjumentum sibi afferret, et cum ad  
*Jihún* flumen pervenisset, principi ita scripsit: Si me arcessiveras ob ea quae de  
 consilii mei audivisti bonitate, hoc ipsum consilium me impedit, quo minus flumen  
 illud transgrediar. Quam epistolam cum princeps legisset, eum in urbem *Balkh*  
 10 contendere jussit. — 7805. Suret el-khalás, forma salutis de Surata *Ikhlás*.  
 Tractatus, auctore *Molla Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Túshköprizádeh* dicto et anno  
 968 (inc. 22. Sept. 1560) mortuo. — 7806. Sower el-oyún, formae oculorum.



## علم صور الكواكب ٧٨٧

- ٧٨٨ صور الكواكب للشيخ ابي الحسين عبد الرحمن بن عمر الصوفي المدقق الفقه  
لعرض الدولة ذكر فيه أنه رأى كتابين في صور الثماني والاربعين للكواكب الثابتة احدهما  
للبناني والآخر لعطارد وانهما ليسا على الصحة والسداد ٧٨٩ صوم ايام البيض للامام ابي سعد  
5 عبد الكريم بن محمد السمعاني مات سنة ٥٣٣ هـ ٧٨٠ صون الغارص [في الوصول] الى مدارك  
عون الرانص يأتي في العين وهو شرح عون الرانص ٧٨١ صون المنطق والكلام عن فن  
المنطق والكلام مجلد للسيوطي ذكره في فهرس مؤلفاته في فن الفقه ٧٨٢ صيد الخواطر  
٧٨٣ صيدية رسالة تركية مختصرة لسعيد السمرفندي رتبها على اثني عشر فصلاً وخاتمة  
اولها احسن طيور قال همايون بال الخ جمع فيها مسائل المتعلقة بحيوان السماوي والارضى  
10 والبحري وصيدها ٧٨٤ صيقل الالباب في الاصول لابي ثمان [فخر الزمان] مسعود بن علي البيهقي

7807. *Ilm sower el-kewákib. Doctrina constellationum.*

7808. *Sower el-kewákib, constellationes, quas Sheikh Abu'l-hosein Abd-el-rahman Ben Omar Sufi scrutator subtilis principi Adhod-ed-deulet composuit. Duos se vidisse dicit libros de quadraginta octo stellarum fixarum constellationibus, quorum prior Bettáni, posterior Otárid auctorem habet; uterque tamen minime veritati et rectae rationi respondet. — 7809. Saun ayyám el-bídh, jejunium dierum a novilunio XII et XIII vel XIII et XIV, auctore Imám Abu Sa'd Abd-el-kerim 5 Ben Mohammed Sem'áni, anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. — 7810. Saun el-fáridh, auxilium ejus, qui jus hereditarium intelligit, de ratione, qua ad notiones libri Aun el-ráidh perveniendum sit. Commentarius in librum Aun el-ráidh, de quo in litera Ain videndum est. — 7811. Saun el-mantic we el-kelám, custodia locutionis et orationis a doctrina logicae et scholasticae, auctore Soyúti. Volumen, quod in catalogo operum sub libris juridicis recenset. — 7812. Seid el-khawátir, praeda cogitationum. — 7813. Seidíyet, tractatus brevis turcius de venatione, auctore Saíd Samarcandí. Distributus est in duodecim sectiones et conclusionem, et incipit ita: Pulcherrima avium dicit Humayún bál etc. Collegit hic quaestiones, quae bestias sub coelo et in terra et in mari degentes earumque 10 venationem spectant. — 7814. Seical el-albáb, politor cordium de principiis, auctore [Fakhr el-zemán] Abu'l-mehásin Mes'úd Ben Ali Beihacki, anno 544 (inc.*

المتوفى سنة ١١٠٤ هـ صيقل الفهم للراغب لعلّه محاضراته

١١١٩ علم الصيدلنة

من فروع الطب علم يبحث فيه عن تمييز المتشابهات بين اشكال النباتات بحيث  
انها صينية او هندية او رومية وعن معرفة زمانها صيفية وخريفية وعن تمييز جيدها من الردي  
وعن معرفة خواصها والغرض والفائدة فيه ظاهر والفرق بينه وبين علم النبات ان علم  
الصيدلنة باحث عن تمييز احوالها اصالة وعلم النبات باحث عن خواصها اصالة والاول اشبه  
للعمل والثاني للعلم وكل منهما مشترك بالآخر

١١٢٠ علم الصيفى والشتائى

من فروع التفسير [وموضوعه وغايته ومنفعته ظاهرة على الناظرين قال الواحدى انزل  
الله سبحانه وتعالى فى الكلاله آيتين احديهما وعى التى فى اول النساء فى الشتاء 10

11. Mai. 1149) mortuo. — 7815. Seical el-fahm, politor intellectus, auctore Rāghib. Fortasse hic liber idem est cum ejus anthologia. —

7816. Ilm el-seidelet. Botanice theoretica.

Pertinet ad partes medicinae secundarias, et ea est doctrina, quae de distinguendis similibus inter formas plantarum quaerit, quatenus Sinicae, Indicae, Rumaeae sunt, de cognitione temporis, quo proveniunt, sive sint aestivae sive autumnales, de bonis a vilibus distinguendis, de cognitione qualitatuum earum peculiarium. Finis doctrinae  
5 et utilitas apparent. Discrimen autem inter hanc artem et doctrinam herbarum medicinalium eo constat, quod botanice theoretica de distinguendis exterioribus plantarum conditionibus omnis generis primitus spectat, doctrina autem herbarum medicinalium primitus quaerit de interioribus qualitatibus, quae iis peculiare sunt. Prior igitur propius ad fructum practicum accedit, posterior ad usum scientificum; inter utramque autem mutuum est commercium.

7817. Ilm el-seifi we el-shitáyi. Doctrina eorum Corani versuum, qui vel aestivo vel hyberno tempore revelati sunt.

Pertinet ad partes exegesis coranicae secundarias, [et ejus objectum, finis et  
10 utilitas meditantibus in oculos cadunt. *Wáhidi*: Deus laudatus et excelsus, inquit, de cognatione remotiore duos revelavit versus, quorum prior, qui ab initio Suratæ



والاخرى وعى التي في آخرها في الصيف ومن الصيفي ما نزل في حجة الوداع كما روى المائدة  
 وقوله اليوم اكملت لكم دينكم واتقوا يوماً ترجعون آية الدين وسورة النصر والآيات التي  
 نزلت في غزوة تبوك ومن الشتاتى آية الافك والآيات التي نزلت في غزوة الخندق]

---

quartae *El-Nisá* inscriptae legitur, hyberno tempore, posterior, qui ad finem ejusdem  
 Suratae legitur, aestivo tempore revelatus est. Porro ad aestivos versus pertinent  
 illi, qui de peregrinatione valedictionis revelati sunt, ut ille, qui ab initio Suratae  
 quintae *Maidet* inscriptae legitur, et verbum divinum: „Hodie perfecti vobis religionem  
 vestram“, et: „Timete diem, in qua reducemini ad Deum“, et versus de religione,  
 et Surata *Nasr*, et versus, qui de expeditione Tabucensi revelati sunt; ad hybernos  
 autem versus mendacii et versus de expeditione fossae revelati]. —

---

## باب الضاد المجمة

- ٧٨١٨ ضالة الاديب في الجمع بين الصحاح والتهديب في اللغة لتاج الدين محمود بن  
 ابي الحواري اللغوي وكان حياً في سنة ٥٨٠ انتقد فيه على الجوهري في مواضع ٧٨١٩ ضالة  
 الناشد لابي القاسم جار الله العلامة محمود بن عمر الزمخشري المتوفى سنة ٥٣٨ ٧٨٢٠ ضد  
 العقل لابي بكر محمد بن الحسن النقاش الموصلي المتوفى سنة [٣٥١] ٧٨٢١ ضرائر الشعر 5  
 لمحمد بن جعفر القزاز القبرواني المتوفى سنة [٤١٣] ٧٨٢٢ ضرب الاسل في جواز ان يضرب  
 في المواعظ والخطب من الكتاب والسنة المثل مؤلف حافل لجلال الدين السيوطي مات  
 سنة ٩١١ ٧٨٢٣ ضرب الترغيب في فصل الصلوة على الحبيب للشيخ عبد الرحمن بن احمد  
 ابن مسك السخاوي المتوفى سنة

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA DHÁD INCIPIUNT.

7818. Dhálet el-adíb, arma philologi, de lexicis *Siháh* et *Tehdzib* inter se  
 conjungendis, auctore *Táj-ed-dín Mahmúd Ben Abi'thawári* Lexicologo, qui anno  
 580 (inc. 14. Apr. 1184) vixit. Pluribus *Jauherí* locis quae nova selegerat addidit. —  
 7819. Dhálet el-náshid, arma obtestantis, auctore viro doctissimo *Abu'l-cásim*  
*Járullah Mahmúd Ben Omar Zamakhsheri*, anno 538 (inc. 16. Jul. 1143) mortuo. —  
 5 7820. Dhidd el-acl, adversarius menti contrarius, auctore *Abu Bekr Mohammed*  
*Ben-elhasan El-Naccásh Mausili*, anno [351 (inc. 9. Febr. 962)] mortuo. —  
 7821. Dharáir el-shi'r, res ad poesin necessariae, auctore *Mohanmed Ben Ja'far*  
*Cazzáz Cairowáni*, anno 412 (inc. 17. Apr. 1021) mortuo. — 7822. Dharb el-asel,  
 spiculi coniectio de licentia in rebus paraeneticis et sermonibus sacris locos e Corano  
 et Sunna tanquam proverbialia proferendi. Liber amplus, auctore *Jelúl-ed-dín Soyúti*,  
 anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 7823. Dharb el-targhíb, cupiditatis  
 flagrantis excitatio de merito precatationis super prophetam dilectum faciendae, auctore  
*Sheikh Abd-el-rahman Ben Ahmed Ben Misk Sakháwi*, anno ... mortuo. —



قال المبيداني ان عقود امثال يحكم انبها عديمة اشباه وامثال تتحلى بقرآنها صدور  
المخائل والمحاضر وتتجلى بفوائدها قلوب البادى والحاضر وتقيد اوابدها في بطون الدفاتر  
والصحائف وتطير نواحيها في رؤس الشواحف وظهور التنائف يحوج الخطيب والشاعر الى  
5 ادماجها وادراجها لاشتمالها على اساليب الحسن والجمال وكفى جلالة قدر ان كتاب الله  
سبحانه وتعالى لم يعر من وشاحها وان كلام نبيه صلعم لم يخل في ابراده واصداره من مثل  
يجوز قصب السبق في حلية الايجاز وامثال التنزيل كثيرة واما الكلام النبوي من هذا الفن  
فقد صنف العسكري فيه كتابا برأسه الخ ومن المعلوم ان الادب سلم الى معرفة العلوم به  
يتوصل الى الوقوف عليها ومنه يتوقع الوصول اليها غير ان له مسالك ومدارج ولتخصيله مراق  
10 ومعارج وان اعلا تلك المراق واقتصاعا واوعر تلك المسالك واعصاها هذه الامثال الواردة من كل

7824. *Ilm dhorúb el-amthál. Ars proverbía proferendi.*

*Meidani*: Arte, inquit, proverbía nectendi statuitur, ut similibus et paribus destituta et talia sint, ut margaritis eorum singularibus suprema conventuum et consessuum loca ornentur, fructibus et campestem et fixam vitam degentium corda exhilarentur, eorum dicta per regiones divulgata in lateribus tabularum et foliorum vinculis constringantur, et quae nova et juvenilia prodeunt ut ad volatum se elevantia ad aedificiorum altorum fastigia se efferant, et deserta objecta concionatorem et poetam ad ea orationi inserenda et immiscenda deducant, cum varia pulchritudinis 5 et elegantiae genera comprehendant. Jam ad eorum pretii magnitudinem augendam sufficit dicere, librum Dei excelsi et laudati ab eorum balteo gemmis ornato non liberum esse nec ejus prophetam, cui Deus propitius sit, cum loquatur in oratione incipienda et finienda ejusmodi dicta evitare, quae amputandis praecedentibus formam brevitatis induant. Proverbía divinitus revelata multa sunt, et de dictis prophetae proverbialibus *Askeri* librum composuit singularem etc. — Constat inter omnes, philologiam ad doctrinarum cognitionem scalam esse, qua ad eas intelligendas per-  
venitur, et a qua ut ad eas perveniamus exspectatur. Ejus viae autem et rationes variae sunt, et ad eam comparandam gradus et scalae diversi generis ducunt. Horum graduum altissimi et extremi et harum viarum asperrimae et difficillimae proverbía 10 sunt a quovis proficiscentia, qui removendo infante eloquentiae margaritas sugit, ut

مرتضع در الفصاحة بابعاد وليدًا فنطق بما يعبر المعبر عنها حشوا في ارتقاء وليدًا السبب  
خفى اثرها وظهر اثلها ومن حام حول حماها علم ان دون الوصول اليها خرط القتاد وان لا  
وقوف عليها آلا لكامل العتاد كالسلف الماضيين الذين نظموا من شملنا ما تشتت وجمعوا  
من امرها ما تفرق فلم يبقوا في قوس الاحسان منزعا

- ٧٢٥ ضرورة التقدير في تقويم الخمر والخنزير للشيوخ تقى الدين على بن عبد الكافي 5  
السبكي المتوفى سنة ٧٥١ ٧٢٦ ضرورة الشعر لابي العباس محمد بن يزيد المبرد النحوي  
المتوفى سنة ٢٨٥ ٧٢٧ ضروري التصريف مختصر لجمال الدين ابن مالك محمد بن عبد  
الد النحوي المتوفى سنة ٩٧٢ فر شرحه وسماه التعريف وشرحه جلال الدين عبد الرحمن  
السيوطي وهو مفيد واضح ٧٢٨ الضعفاء والمتروكين في رواة الحديث صنف فيه الامام  
محمد بن اسمعيل البخاري المتوفى سنة ٢٥١ [بيرويه عنه ابو بشر محمد بن احمد 10

loquendo ea, quibus proverbialia orator simplex exprimit, cumulate farciat. Hanc ob  
causam proverbiorum vestigium absconditum est et minima eorum pars manifesta, et  
qui campum eorum inaccessum obit, praeterquam quod nescit si ad ea perveniat,  
maximam difficultatem esse superandam, neque quemquam ea praeter hominem  
perfectum et capacem intelligere comperit; quales fuerunt temporis praeteriti majores,  
qui ex eorum copia confusa quae dispersa erant in ordinem digesserunt, et ex  
eorum numero quae disjuncta erant collegerunt, neque studii rem probe agendi  
finem respexerunt. —

- 5 7825. Dharúret el-tacdir, necessitas dispositionis de vino et porco juste  
aestimando, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno 756  
(inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 7826. Dharúret el-shi'r, necessitas quam  
poesis imponit, auctore *Abu'tabbás Mohammed Ben Yezid Mobarred* Grammatico,  
anno 285 (inc. 28. Jan. 898) mortuo. — 7827. Dhorúri el-tasrif, leges neces-  
sariae, quas flexio grammatica imponit, auctore *Jemál-ed-din Mohammed Ben  
Abdallah* Grammatico, vulgo *Ibn Málík* dicto et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo.  
Compendium, in quod postea commentarium edidit *Ta'rif* inscriptum. Pariter  
*Jelál-ed-din Abd-el-rahman Soyúti* commentarium utilem et perspicuum compo-  
suit. — 7828. El-Dhoafá we El-Matrukín, traditionarii sublestae fidei et  
10 prorsus abjecti. De his Imám *Mohammed Ben Ismaíl Bokhári*, anno 256 (inc. 9. Dec.  
869) mortuus, scripsit, [ex cujus auctoritate tradiderunt *Abu Bishr Mohammed Ben*



ابن حماد الدولابي وابو جعفر مسيج بن سعيد وادم بن موسى الجعازي وعو من تصانيفه الموجودة قاله ابن حجر] والامام عبد الرحمن بن احمد النسائي والامام حسن بن محمد الصغاني وابو الفرج عبد الرحمن بن علي ابن الجوزي المتوفى سنة [٥٩٧] قال الذعبي في ميزان الاعتدال انه يسرد الجرح ويسكت عن التوثيق وقد اختصره ثم ذيله كما قال وذيّل 5 ايضا علاء الدين مغلطاي ابن قليج المتوفى سنة ٧١٣ وصنف علاء الدين علي بن عثمان المارديني المتوفى سنة ٧٥٠ وصنف فيه محمد بن حبان البستي ووضع له مقدمة قسم فيها الرواة الى نحو عشرين قسما ذكره البقاعي في حاشية شرح اللقيبة ٧٨٩ ضمانات في فروع الحنفية جمعها المولى فضيل بن علي الجمالي في اربع مجلدات وتوفى سنة ٩١١ وللغنام ايضا اسمه مجمع الضمانات ٧٨٣ ضمانات القرآن لابي علي احمد بن جعفر الدينوري النحوي 10 المتوفى سنة ٢٨٧ مختصر استخرجه من كتاب المقاني للفرآء] وابي بكر بن الانباري المتوفى سنة [٣٢٨] وعو في مجلدين ذكره السيوطي في الاتقان ٧٨١ ضمانات مختصر اوله الحمد لله الذي يعلم ما في

*Ahmed Ben Hammád Dewlâbi, Abu Ja'far Mesih Ben Saïd et Adam Ben Musa Jinâzi, ex cujus scriptis hoc opus exstat, ut Ibn Hajr testatur* — porro Imám *Abd-el-rahman Ben Ahmed Nesâyi* — Imám *Hasan Ben Mohammed Saghâni* — et *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-eljauzi*, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuus, quem *Dzehebi* in libro *Mizân el-itidâl* traditionarios reprobandos deinceps et studiose prosecutum esse et quibus fides habenda esset, eos dicit silentio praeteriisse. Librum postea in epitomen contractum, ut ait, continuavit. Continuavit etiam *Alâ-ed-dîn Maghlehî Ibn Chelij*, anno 762 (inc. 11. Nov. 1360) mortuus, et de eodem argumento scripserunt *Alâ-ed-dîn Ali Ben Othmân Mâridîni*, anno 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuus — *Mohammed Ben Hibbân Bostî*, qui praefationem praemisit, ubi relatores in viginti circiter classes divisit, ut *Becâi* in glossis ad commentarium *Alfiyae* testatur. — 7829. *Dhamânât*, sponsiones de articulis juris Hanefitici secundariis. Collegit eas in quatuor voluminibus *Molla Fodheil Ben Ali Jemâli*, anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) mortuus, itemque *Ghânim*, cujus liber *Mejma' el-dhamânât* inscriptus est. — 7830. *Dhamâir El-Cor'an*, arcae Corani sententiae. Compendium, quod *Abu Ali Ahmed Ben Ja'far Dineveri* Grammaticus, anno 287 (inc. 7. Jan. 900) mortuus, [e libro *Mecâni* ab *El-Ferrâ* edito extraxit]. 10 *Abu Bekr Ben-elanbâri*, anno [328 (inc. 18. Oct. 939)] mortuus, duo volumina de eadem re edidit, ut *Soyûti* in *El-Itcân* testatur. — 7831. *Dhamâir*, conceptus animi. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui mentis cogitata bene scit etc.,

- الضمير الخ لشارح المعراج المسمى بزواج الارواح وهو الشارح المذكور المشهور بقره سنان واسمه يوسف بن عبد الملك بن بخشايش [الفد] في سنة ٨١٨ و ذكر فيه سلطان محمد الفاتح يمر مرًا في ناحية صاروخان ٧٨٣٢ ضوء البدر في احياء ليلة [القدر وليلة] عرفة والعبيدين ونصف شعبان رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي ذكره في فهرس مؤلفاته في ثن الحديث ٧٨٣٣ ضوء البدر على النيل للقاضي النفيس احمد بن عبد 5 الغي القرطبي المصري ٧٨٣٤ ضوء الثريا مختصر صلوح اثريا يأتي ٧٨٣٥ ضوء الدرر في شرح الفية ابن معط في النحو مر في الالف ٧٨٣٦ ضوء الذبالة والذبالة شرح ذرة الحفية كما مر في الدال والضوء مختصر ذلك الشرح ٧٨٣٧ ضوء الساري في معرفة خبر تميم الداري للشيخ نقى الدين احمد بن علي المقرئ المتوفى سنة ٨٤٥ ٧٨٣٨ [ضوء الساري] الى معرفة رواية الباري لشهاب الدين ابي القاسم عبد الرحمن بن اسمعيل الدمشقي الشافعي المعروف 10

et commentatorem libri *Meráh*, in quem commentarium *Rewáh el-arwáh* scripsit, auctorem habet, qui jam supra laudatus et vulgo *Carah Sinán* dictus est, et plenum nomen *Yusuf Ben Abd-el-melik Ben Bakhsháish* habet. [Scripsit] anno 868 (inc. 15. Sept. 1463), et laudat Sultanum *Mohammed* Expugnatorem in tractu *Sárúkhán* praetereuntem. — 7832. Dhú el-bedr, lux lunae de precibus per noctes [*Cadr*], *Arafat*, utriusque *Beirám* et medii mensis *Shabán* faciendis. Tractatus *Jelúl-ed-dini* 5 *Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, quem in indice librorum sub scriptis traditionariis commemorat. — 7833. Dhú el-bedr, lux lunae supra Nilum, auctore *Cadhi Nefis Ahmed Ben Abd-el-ghani Cortubi Misri*. — 7834. Dhu' el-thorayyá, lux Pleiadum. Epitome operis *Tolú' el-thorayyá*, de quo infra dicitur. — 7835. Dhú el-dorer, lux margaritarum. Commentarius in *Alfiyam* grammaticam ab *Ibn-elmoti* editam, de qua supra in litera *Elif* dictum est. — 7836. Dhú el-dzobálet, lux ellychnii. *El-Dzobálet*, ut supra in litera *Dál* dictum est, commentarius est in *El-Dorret El-Khafiyet*, et opus *Dhú el-dzobálet* epitome est hujus commentarii. — 7837. Dhú el-sári, lux iter nocturnum facientis de cognitione historiae *Temimi Dári*, auctore *Sheikh Tacki-ed-din Ahmed Ben Ali Macrízi*, anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuo. — 7838. [Dhú el-sári, lux 10 iter nocturnum facientis ad cognitionem conspectus creatoris, auctore *Sheháb-ed-din Abu'l-cásim Abd-el-rahman Ben Ismaíl Dimeshcki* Shafiita et Corani Lectore, vulgo



- باني شامة المقرئ المتوفى سنة ٦٩٥] ٧٨٣٦ ضوء السراج شرح فرأض السراجية يأتي ٧٨٤٠ ضوء  
 السراج في احاديث المعراج لابي بكر محمد الحبشى البسطامى اوله الحمد لله الذى قرب  
 من احبه [من العباد] الخ ٧٨٤١ ضوء السراج في معرفة ما يدل عليه الصوت والعين من  
 القوى والضعيف المزاج مختصر يشتمل على اربعة فصول وكل منها مشتمل على اصول  
 5 ٧٨٣٦ ضوء السقط في شرح سقط الزند مر في السين ٧٨٤٣ ضوء الشمس في احوال النفس  
 جزء ترجم فيه نفسه للشيوخ عز الدين محمد بن ابى بكر المعروف بابن الجماعة المتوفى سنة ٨١٩  
 ٧٨٤٤ ضوء الشمعة في عدد الجمعة رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى  
 المتوفى سنة ٩١١ ذكرها في حاوية تماما ٧٨٤٥ ضوء الشهاب مر في الشين وهو مختصر شهاب  
 الاخبار للقضاى ٧٨٤٦ ضوء المصباح على ترجيز المصباح وهو مختصر المفتاح يأتى في  
 10 الميم ٧٨٤٧ ضوء الصباح في لغات النكاح للسيوطى ذكره في فن اللغة ٧٨٤٨ ضوء في شرح

*Abu Sháme* dicto et anno 665 (inc. 2. Oct. 1266) mortuo]. — 7839. Dhú el-siráj, lux lucernae. Commentarius in *El-Feráidh El-Sirájiyet*, de quo infra dicetur. — 7840. Dhú el-siráj, lux lucernae de traditionibus in libro *Miráj* prolatis, auctore *Abu Bekr Mohammed Habeshi Bistámi*. Incipit ita: Laus Deo, qui eos [ex cultoribus] quos diligit adeundi ad se honorat potestate etc. — 7841. Dhú el-siráj, lux lucernae de cognitione affectionis temperamentis qualiscunque sive vigentis sive infirmae, quam vox et oculus indicat. Compendium quatuor sectiones comprehendens, quae singulae principia continent. — 7842. Dhú el-sict, lux ignis ignitabulo 5 excussi. Commentarius in librum *Sict el-zend*, de quo in litera *Sin* dictum est. — 7843. Dhú el-shems, lux solis de affectionibus animae. Libellus, ubi Sheikh *Izz-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr*, vulgo *Ibn-eljemáa* dictus et anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) mortuus, vitam suam describit. — 7844. Dhú el-shemaat fi oded el-joni'at, lux candelae de apparatu diei Veneris, auctore *Jelúl-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus, quem totum libro *Háwi* inseruit. — 7845. Dhú el-shiháb, lux flammae ignis. Epitome libri *Shiháb el-akhbár* a *Codhái* editi, de quo litera *Shín* videatur. — 7846. Dhú el-misbáh, lux lucernae ad metricam epitomae *Misbáh* ex *Miftáh* factae translationem, de qua litera *Mim* videatur. — 7847. Dhú el-sabáh, 10 lux temporis matutini de variis quibus matrimonium significatur vocibus, auctore *Soyúti*. Vide ejus scriptorum indicem sub libris lexicologis. — 7848. El-Dhú

- فرانص السجائندی يأتي في الفاء ٧٨٤٩ ضوء القمر الساري الى معرفة الباري للشيخ ابي  
 شامة عبد الرحمن بن اسمعيل المقدسي الدمشقي المتوفى سنة ٦٦٥ ٧٨٥. ضوء اللامع في  
 اعيان القرن التاسع لشمس الدين محمد بن عبد الرحمن السخاوي رتب على الحروف وتوفى  
 سنة ٩٣٠ وصنف السيوطي في رده مقالة سماها الكاوي في تاريخ السخاوي وشنعه فيه وانتخبه  
 الشيخ زين الدين عمر بن احمد الشماع الحلبي المتوفى سنة ٩٣٩ وسماه قيس الخاوي لغرر 5  
 ضوء السخاوي والشهاب احمد بن العز محمد الشبير بابن عبد السلام [المتوفى سنة  
 ٩٣١] وسماه بالبدر الطالع من الضوء اللامع لاهل القرن التاسع ٧٨٥٠ ضوء اللامع يأتي في  
 اللام ٧٨٥٢ ضوء المصباح في الحديث ٧٨٥٣ ضوء المصباح في البحث على المصباح لكمال  
 الدين ابن العديم عمر بن احمد العقيلي الحلبي المتوفى سنة ٩٦٠ صنفه للملك الاشرف  
 ٧٨٥٤ ضوء المصباح يأتي في الميم وهو مصباح النحو ٧٨٥٥ ضوء المصباح ٧٨٥٦ ضوء 10

fi sharh Feráidh El-Sejáwendi, lux. Commentarius in librum *Feráidh* a *Sejáwendi* editum, de quo litera *Fá* videatur. — 7849. Dhú el-camar el-sári, lux lunae iter nocturnum facientis ad cognitionem creatoris, auctore Sheikh *Abu Sháme Abd-el-rahman Ben Ismaíl Mocaddesi Dimeshcki*, anno 665 (inc. 2. Oct. 1266) mortuo. — 7850. El-Dhú El-Lámi', lux micans de viris saeculi noni illustribus, auctore *Shems-ed-dín Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekháwi*, anno 902 (inc. 9. Sept. 1496) mortuo. Liber secundum literarum ordinem dispositus, ad quem refutandum *Soyúti* tractatum composuit *El-Káwi fi Tarikh El-Sekháwi* inscriptum, 5 quo eum ignominia afflicere studuit. Contra Sheikh *Zein-ed-din Omar Ben Ahmed Shemmá' Halebi*, anno 936 (inc. 5. Sept. 1529) mortuus, meliora libri in epitomen coegit *Cabs el-háwi li ghorer Dhú El-Sekháwi* inscriptam. Idem fecit *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Izz-ed-dín Mohammed*, vulgo *Ibn Abd-el-selám* dictus [et anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) mortuus], cujus epitome *El-Bedr El-Táli' min El-Dhú El-Lámi' li ahl el-carn el-tási'* inscripta est. — 7851. Dhú el-lamaát, lux radiorum rutilantium. Videatur litera *Lám.* — 7852. Dhú el-misbáh, lux lucernae de re traditionaria. — 7853. Dhú' el-misbáh, lux lucernae de excitatione ad clementiam. *Kemál-ed-dín Ibn-eladínt Omar Ben Ahmed Ocuili Halebi*, anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortuus, hunc librum *El-Meliko El-Eshref* scripsit. — 10 7854. Dhú El-Misbáh, lux lucernae. Commentarius in *Misbáh el-nahw*, de quo in litera *Mím* dicitur. — 7855. Dhú el-mesábih, lux lucernarum. — 7856. Dhú'



- المعالي في شرح بدء الامالى قصيدة يقول العبد يأتى ٧٨٥٧ ضوء المفاتيح في تقييد انتراجيح  
 للشيخ تقى الدين على بن عبد الكافي السبكي المتوفى سنة ٧٥٩ ٧٨٥٨ صوابط النحويّة في  
 علم العربيّة لاني الفاضل محمد بن عبد الله المرسي المتوفى سنة ٩٥٥ ٧٨٥٩ الصوابط والاشارات  
 لاجزاء علم القراءات لبرهان الدين ابى الحسن ابراهيم بن عمر البقايى [المتوفى سنة ٨٥٥] وهو  
 5 كتاب لطيف مختصر في القراءات اوله الحمد لله المؤيد من توصل اليه بلذيد خطابه الخ  
 قال وينحصر الكلام [في] وسائل ومقاصد والوسائل سبعة اجزاء والمقاصد في جزئين الاول  
 الاصول في نحو عشرين باباً والثاني انقرش في السور ٧٨٦٠ ضياء الارواح المقتبس من المصباح  
 ارجوزة للشيخ ابى عبد الله محمد بن عبد الرحمن المراكشى وكان حياً في سنة ٨٣٧  
 ٧٨٦١ ضياء الحديقة في فضل الصدقة لعبد الرحمن بن يحيى الملاح [الصدىقى المصرى للمنفى  
 10 الشاعر المتوفى سنة 1٠٢٤] مختصر اوله الحمد لله المتصدق على عباده الخ آفة للسلطان

el-meáli, lux celsitudinum. Commentarius in *Casidam Bed'o el-amáli*, quae ita incipit: Dicit servus. — Vide infra. — 7857. Dhú el-mefátih, lux clavium de praestantia rerum electarum restringenda, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 7858. El-Dhawábit El-Nahwíyet, paradigmata grammatica de doctrina linguae arabicae, auctore *Abu'lfadhl Mohammed Ben Abdallah Mirrisi*, anno 655 (inc. 19. Jan. 1257) mortuo. — 7859. El-Dhawábit we El-Ishárát, regulae et indicia variarum artis Corani criticae partium, auctore *Borhán-ed-din Abu'lhasan Ibráhim Ben Omar Becáí*, [anno 885 (inc. 13. Mart. 1480) mortuo]. Liber elegans et brevis de Corani recen- 5 sionibus, qui ita incipit: Laus Deo, qui eos adjuvat, qui ad eum cum dulci allocutione refugiant etc. Dissertatio, inquit, adminiculis et consiliis comprehenditur, et adminicula septem fasciculos, consilia duos continent, quorum prior principia viginti circiter capitibus tractat, posterior in strata de Suratis dividitur. — 7860. Dhiyá el-arwáh, lux spirituum a Lucerna (*Misbáh*) accensa. Carmen metro *Rejez* a Sheikh *Abu Abdallah Mohammed Ben Abd-el-rahman Merákeshi* compositum, qui anno 837 (inc. 18. Aug. 1433) vixit. — 7861. Dhiyá el-hadacat, lux pupillae de merito eleemosynae. Compendium, quod *Abd-el-rahman Ben Yahya El-Melláh* [ *Sadicki Misri* Hanefita Poeta, anno 1044 (inc. 17. Jun. 1634) mortuus ], Sultano 10 *Mohammed Agriae* expugnatori anno 1006 (inc. 4. Aug. 1597) composuit. Inepit

محمد فاتح اكرى سنة 1001 ٧٨٣ ضياء العلوم في مختصر شمس العلوم ٧٨٣ ضياء  
 السبيل الى معاني التنزيل [تفسير] للشيخ محمد بن علي بن محمد علان الصديقي البكري  
 [المتوفى سنة 105٧] ٧٨٤ ضياء القلوب في التفسير لابي الفتح سليم بن ايوب الرازي المتوفى  
 سنة ٤٤٧ واختصره ابو محمد عبد الغنى بن قاسم بن حسن بن ابي القاسم الشافعي المصري  
 الحجازي المتوفى بمصر سنة ٥٧٣ اختصاراً حسناً ٧٨٥ [ضياء القلوب للشيخ الامام مفصل 5  
 ابن سلمة ذكره صاحب الخاصة] ٧٨٦ ضياء المشارى يأتى في الميم ٧٨٧ ضياء المصابيح  
 يأتى في الميم ٧٨٨ ضياء معنوية في شرح مقدمة الغزنوية يأتى فيه ايضاً ٧٨٩ ضياء  
 المفتين

ita: Laus Deo, qui servis suis largiter eleemosynam dat etc. — 7862. Dhiyá el-holúm, lux intelligentiarum. Epitome libri *Shems el-olúm*. — 7863. Dhiyá el-sebíl ila meáni el-tenzíl, lux viae ad argumenta Corani revelati. [Commentarius in Coranum], auctore Sheikh *Mohammed Ben Ali Ben Mohammed Allán Sadicki Bekri*, [anno 1057 (inc. 27. Jan. 1647) mortuo]. — 7864. Dhiyá el-colúb, lux cordium. Commentarius in Coranum ab *Abu'fat'h Selím Ben Eyyúb Rázi*, anno 447 (inc. 2. Apr. 1055) mortuo, editus, quem *Abu Mohammed Abd-el-ghani*  
 5 *Ben Cásim Ben Hasan Ben Abi'cásim Misri Hijázi* Shafiita, Cahirae anno 572 (inc. 10. Jul. 1176) mortuus, modo egregio in epitomen contraxit. — 7865. [Dhiyá el-colúb, lux cordium, auctore Sheikh et Imám *Mofadhhil Ben Salama*. Laudatur ab auctore libri *El-Khássat*]. — 7866. Dhiyá el-mesháric, lux regionum ad ortum sitarum. Videatur litera *Mim*. — 7867. Dhiyá el-mesábih, lux lucernarum. Videatur litera *Mim*. — 7868. Dhiyá ma'newiyet, lux intellectualis. Commentarius in *El-Mocaddemet El-Ghaznewiyet*. Conferatur eadem litera. — 7869. Dhiyá El-Moftín, lux Muftiorum.



---

باب الطآء المُهْمَلَة

vii. طَالِبَة الوصال من مقام العوال لاني العباس احمد بن محمد المعروف بالشهاب  
للصنكيفي وكان حياً في سنة ٨٦٤ سنغيا على منوال عبدة اللبيب v. طالع السعيد للجامع  
لاسماة فضلاء الصعيد لكمال الدين ابى الفضل جعفر بن ثعلب الادفوى الشانعى المتوفى  
5 سنة ٧٤٨ v. طَبَّاع الحيوان لبقراط ولاين بختيشوع الطبيب

viii. علم الطبّ

اعلم ان تحقّق اول حدوث الطبّ عسير لبعده العيد واختلاف آراء القدماء فيه وعدم  
المرجح فقوم يقولون بقدمه وقوم الذين يقولون بحدوث الاجسام يقولون بحدوثه ايضا

---

LIBRI QUORUM TITULI A LITERA TÁ  
INCIPIUNT.

7870. Tálibet el-wisál, dissertatio, quae consortium e loco celsitudinum  
quaerit, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Hisnakeifi*, vulgo *Sheháb-ed-din*  
dicto et anno 864 (inc. 28. Oct. 1459) vivo. Liber ad rationem operis *Ibret el-lebib*  
scriptus est. — 7871. Táli' el-sáid, horoscopus felix, qui nomina virorum  
Aegypti superioris praestantissimorum comprehendit, auctore *Kemál-ed-din Abu'fadhí*  
*Ja'far Ben Thaleb Adfewi Shafiíta*, anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) mortuo. — 5  
7872. Tabáio' el-heiwán, naturae animalium, auctoribus Hippocrate et *Ibn*  
*Bokhtyeshúa Medico*. —

7873. Ilm el-tibb. Medicina.

Scias, propter remotam temporis longitudinem et varias majorum opiniones et  
quia nescimus, quae opinio praeferenda sit, difficile esse primam medicinae originem  
certo demonstrare. Alii eam aeternam esse dicunt, alii eodem tempore, quo corpora  
primum creata essent, medicinam quoque originem cepisse contendunt, iique duplicem

وهم فريقان الاول يقول انه خلق مع الانسان والثاني وهم الاكثر يقول انه مستخرج بعده اما  
 بالالهام من الله سبحانه وتعالى هو مذهب بقراط وجالينوس وجميع اصحاب القياس واما  
 تجرية من الناس كما ذهب اليه اصحاب التجرية والحيل وتأسس المغالط وثنين وهم  
 مختلفون في الموضع الذي استخرج فيه فبعضهم يقول ان اهل مصر استخرجوها ويصنّعون  
 ذلك من الدواء المسمى بالراسن وبعضهم يقول ان حرمس استخرج مع سائر المنافع وبعضهم  
 يقول اهل تونس وقيل اهل موسيا وافروجيا وهم اول من استخرج الرمل ايضا وكانوا يشفون  
 بالاحسان والايقاعات آلام النفس وقيل اهل قوه وحى الجزيرة التي كان بها بقراط وآبائه وذكر  
 كثير من القدماء انه طير في ثلاث جزائر احدها رودس والثانية تسمى قنيدس والثالثة قوه  
 وقيل استخرجه الكلدانيون وقيل استخرجه من اليمن وقيل من بابل وقيل من فارس  
 وقيل استخرجه الهند وقيل الصقالبة وقيل اقريطش وقيل اهل طور سينا والذين قالوا بالهام  
 10 يقول بعضهم هو الهام بالرويا واحتجوا بان جماعة رأوا في احلام ادوية استعمالها في اليقظة  
 وشفيتهم من امراض وشفيت كل من استعمالها وبعض يقول ان الهام من الله سبحانه وتعالى بالتجربة

sequuntur sententiam, eam vel cum homine ipso creatam esse, vel, ut plurimi  
 statuunt, eam post illum elicitam esse modo inspiratione divina, ut Hippocrates,  
 Galenus et omnes ratiocinationis asseclae statuunt, modo experientia humana, quem-  
 admodum viri experientiae et artificiorum periti et artium sophisticarum et variorum  
 captionis generum inventores volunt. Varia autem statuunt de loco, ubi primum  
 prodiit; alii eam ab Aegypti incolis elicitam esse dicunt, et hujus sententiae argu-  
 mentum a medicamento *Rasen* i. e. *Helenium* dicto petunt, alii eam ab Hermete  
 5 cum ceteris artibus inventam esse statuunt, alii Tunetanos inventores esse dicunt,  
 alii incolas Moesiae et Phrygiae, qui praeterea inventores artis e figuris in arena  
 descriptis vaticinandi esse traduntur, et modulationibus et concentibus animae dolores  
 sanabant, alii insulae Coi incolis hunc honorem tribuunt, ubi Hippocrates ejusque  
 majores vixerunt, et plures inter majores eam in tribus insulis prodiisse narrant, in  
 Rhodo insula, Cnido et Co. Alii Chaldaeos eam invenisse tradunt, qui eam ex  
 10 Arabia felici, vel Babylone, vel Persia petierint, alii Indos, alii Slavos, alii Cretenses,  
 alii incolas montis Sina. Qui autem inspirationi medicinae originem tribuunt, partim  
 somnio eam inspiratam esse contendunt caussa interposita, quod plures in somnis  
 remedia viderint, quae expergefatti adhibuerint, ut iis morbo liberarentur, et liberati  
 sunt omnes, qui ea adhibuerunt, partim inspirationem a Deo excelso hominibus



وقيل أن الله سبحانه وتعالى خلق الطب لأنه لا يمكن أن يستخرجه عقل إنسان وهو رأى  
 جالينوس قال صاحب عيون الانبياء وأما نحن فالاصوب عندنا أن الله سبحانه وتعالى خلق  
 صناعة الطب والهميا الناس وهو أجل من أن يدركه العقل لأننا لا نجد الطب أحسن من  
 الفلسفة التي يرون أن استخرجها كان من عند الله تعالى بالهام منه للناس فوجده الطب  
 5 بوحى والهام من الله سبحانه وتعالى قال ابن ابي صادق في آخر شرحه لمسائل حنين وجدت  
 الناس في قديم الزمان لم يكونوا يقنعون من هذا العلم دون أن يحيطوا علماً بجمل اجزائه  
 وبقوانين طرق القياس والبرهان التي لا غنى بشيء من العلوم عنها ثم لما تراجعت الهمم عن  
 ذلك اجمعوا أنه لا غنى لمن يزوال هذا العلم من احكام ستة عشر كتاباً لجالينوس كان  
 اهل الاسكندرية تحمونها لقبائياً المتعلمين ولما قصرت الهمم بالمتأخرين عن ذلك ايضا وظن  
 10 اهل المعرفة على من يقنع من الطب بان يتعتهه دون ان يتميز فيه ان يحكم ثلاثة كتب من  
 اصوله احدها مسائل حنين والثاني كتاب الفصول لبقرات والثالث احد الكناشيتين الجامعتين

experientia impartitam esse. Alii medicinam a Deo laudato et excelso creatam esse  
 dicunt, quod ex opinione Galeni fieri non potuerit, ut mens humana eam eliceret.  
 Auctor libri *Oyün el-enbá*: Inter nos, inquit, exploratum est, Deum laudatum et  
 excelsum medicinae artem creasse hominibusque inspirasse, cum ea sublimior sit,  
 quam ut mens eam concipiat; medicinam enim minime philosophiae praeferendam  
 esse invenimus, quam ex scientia apud Deum deposita eo elicita esse ducunt, quod  
 eam Deus hominibus inspiraverit, ex quo efficitur, ut mens medicinam inspiratione  
 supernaturali et naturali a Deo laudato et excelso peteret. *Ibn Abi Sâdic* ad finem 5  
 commentarii in *Honeini* Quaestiones: Inveni, inquit, homines antiquo tempore huic  
 arti studium non adhibuisse, quin optime majorem ejus partium copiam cognoscerent  
 et leges variae ratiocinationis et demonstrationis, qua nulla doctrinarum pars carere  
 potest. Postea cum animi hanc opinionem abjicerent, omnes consenserunt, neminem,  
 qui huic scientiae operam det, praeceptis sedecim librorum Galeni carere posse,  
 quos Alexandrini meliorem partem in commodum principum suorum studiosorum in  
 epitomen coegerunt, et cum recentiorum animi hebetudine impediti illa quoque amplius 10  
 intelligere non possent, viri docti putarunt, hominem, qui medicinae studeat, ut  
 neglecta quidem interiore cognitione operam ei det, bene cognoscere debere tres  
 libros primarios de ea scriptos, Quaestiones *Honeini*, Aphorismos Hippocratis et

للعلاج وكان خيرها كناش ابن سراقبون واول من شاح عنه الطب اسقليبيوس عاش عالماً معلماً  
 من عمره اربعين سنة وخلف ابنين ماعريين في الطب وعهد اليهما آلا يعلما الطب آلا لاولادعما  
 واعل بيته وعهد الى من يأتى بعده كذلك وقال ثابت كان في جميع المعمور الاسقليبيوس  
 اثني عشر الف تلميذ وأنه كان يعلم مشائفة وكان اسقليبيوس يتوارثون صناعة الطب الى ان  
 5 تضعصح الامر في الصناعة على ابقراط ورأى ان اهل بيته وشيعته قد ملوا ولم يأمن ان يتعرض  
 من الصناعة فابتدأ في تأليف الكتب على جبهة الابحاز قال علي بن رضوان كان الطب قبل  
 بقرال ذخيرة يكنزها الآباء للابناء وكانت في اهل بيت واحد منسوب الى اسقليبيوس وهذا  
 اسم ملك بعثه الله تعالى يعلم الناس الطب او اسم قوة لله سبحانه وتعالى علمت الناس الطب  
 وكيف كان فهو اول من علم صناعة الطب ونسب المتعلم اليه على عادة العامة في تسمية  
 المعلم ابا وكان ملوك اليونان والعظماء منهم ولم يكونوا يمكنوا غيرهم من تعلم الطب وكان  
 10 تعليمهم الى ابنائهم بالخطابة بلا تدوين وما احتاجوا تدوينه دونوه بلغز حتى لا يفهم احد

unam duarum Radicum curationes continentium, quarum optima *Ibn Serapion* auctorem  
 habet. Primus qui fecit, ut medicina latius divulgaretur, fuit Aesculapius, qui  
 quadraginta vitae annos docendo consumsit et duos reliquit filios medicinae peritissimos,  
 quibus mandavit, ut solos filios et domesticos ad medicinam instituerent et ut idem  
 posteris mandarent. *Thábit*: Duodecim, inquit, discipulorum Aesculapii milia in  
 toto terrarum orbe dispersa erant, hosque coram erudit. Gens Aesculapia ita jure  
 hereditario artem medicam possedit, donec ars in deterius mutata et corrupta ad  
 5 Hippocratem transiit, qui cum cognatos et asseclas artem fastidire videret neque ab  
 ejus ruina tutus esset, libros ratione summaria et brevi componere incepit. *Alí Ben  
 Ridhwán* medicinam ante Hippocratem thesaurum fuisse dicit a patribus filiis conser-  
 vatum. Hic thesaurus in possessione unius familiae fuit originem ab Aesculapio  
 ducentis. Hoc autem nomen angeli est, quem Deus excelsus misit, ut homines  
 medicinam doceret, aut nomen facultatis Deo excelso propriae, quae homines ad  
 medicinam instituit. Utcunque res est, hic primus est qui artem medicam docuit, et  
 discipulus secundum consuetudinem vulgarem ab illo originem ducit eo, quod prae-  
 10 ceptorem patrem appellat. Ad eos pertinebant principes graeci et optimates, neque  
 poterat inter eos existere, nisi qui medicinam didicit. Filios mutuo colloquio docuerunt  
 sine ullo libro composito, et quorum librorum compositione iis opus erat, obscure ad  
 modum aenigmatum composuerunt, ut eos praeter illos nemo intelligeret. Haec dicta



سواهم فيفسر ذلك اللغز الاب لابن وكان الطب في الملوك والزقاة فقط يقصدون به الاحسان الى الناس من غير اجرة ولم يزل ذلك الى ان انشأ بقراط من اجل قوه ونمقراط من اجل ابدرا وكانا متعاصرين اما نمقراط فترقد واما بقراط فعمد على ان دونه باغماض في الكتب خوفا على ضياعه وكان له ولدان تاسيسالس ودراخن وتلميذ وهو فولوبس فعلمهم ووضع عهدا 5 وناموسا ووصية عرف منها جميع ما يحتاج اليه الطبيب في نفسه الكتب المولفة فيه اقرباين اسامى الادوية ارشاد ارجوزة ابن سينا وشرحها اسباب وعلامات اختيارات بديعى اختيارات حاوى اقتصاب ابدال الادوية المفردة بلغة تسهيل تقويم الابدان تقويم الادوية تدارك الخطاء تبيان تنبيهات الداوية جامع الغرض لابن القف حاوى خلاصة القانون دستور اطباء دواء النفس درجات التركيب نخيرة روضة زاد المسافر 10 شفاء شافي لابن القف صناعة الصغرى طب النبوى طب الوحي لبقرات ذكروا انه يتضمن كل ما كان يقع في قلبه فيستعمله فيكون كما وقع له عمدة الجراحين لابن القف

obscura pater filio explicuit, et medicina inter solos principes et vitae devotae studiosos floruit, ejusque ope sine ulla mercede hominibus benefacere studuerunt. Hic rerum status usque ad natum Hippocratem Coum et Democritum Abderitam duravit, qui aequales fuerunt. Democritus magnum devotae abstinentiae studium monstravit, Hippocrates autem id egit, ut medicinam obscurioribus verbis in scriptis tractaret metuens, ne periret. Habuit duos filios Thessalum et Draconem et discipulum Polybum, quos docuit, et jusjurandum, artis medicae legem et praeceptum composuit, ex quo omnia apparerent, quibus medico per illud ipsum opus esse posset. — In 5 libris medicinam tractantibus numerantur hi: *Ecrábádzin — Asúmi el-edwiyet — Irshád — 'Orjúzet*, carmen metro *Rejex* ab *Ibn Sina* compositum — ejus commentarius — *Asbáb we Alamát — Ikhtiyárát Bedí — Ikhtiyárát Háwi — Ictidháb — Ibdál el-edwiyet el-mofridet — Bulghat — Tes'hil — Tecwím el-abdan — Tecwím el-edwiyet — Tedárok el-khatá — Tibyán — Tenbihát El-Dawúdiyét — Jámi' el-gharadh*, auctore *Ibn-elcoff — Háwi — Khilásat el-cánún — Dostúr el-atibbá — Dewá el-nefs — Daraját el-terkib — Dzekhiret — Raudhat — Zád el-mosúfir — Shefá — Shúfi*, auctore *Ibn-elcoff — El-Sináat El-Soghra — 10 El-Tibb El-Nebewi — Tibb el-wahyi*, auctore Hippocrate. Hunc librum omnes curationes continere dicunt, quae Hippocrati in mentem venerint et ab eo morbis adhibitae sint, et liber talis mansit, qualis ei in mentem venit — *Omdet el-jerrákin*,

- غنية اللبيب فصول بقراط وشروحه فاخر قانون قوانين الطب كامل الصناعة كريدة  
 كافي ملححة لقط المنافع مقالات روفس الكبير مقالة الشراب مقالة في العلة التي يعرض  
 معها الفرع من الماء مقالة الترياق والمرار مقالة امراض الفاضل مقالة تنقيص الماء اللحم  
 مقالة الرجحة مقالة علاج اللواقي لا يجتلمن مقالة حفظ الصحة مقالة الصرع مقالة الحمى  
 5 الربيع مقالة ذات الجنب وذات الرئة مقالة الاعمال التي تعمل في البيمارستان مقالة الباه  
 مقالة اللبن مقالة العرق مقالة الابكار مقالة التين مقالة تدبير المسافر مقالة البحر  
 مقالة القيء مقالة السم مقالة ادوية الكلى والمثانة مقالة كثرة شرب الدواء في الولايم  
 مقالة اورام صلبة مقالة الحفظ مقالة في علة ديموشيبوس وهو الفج مقالة الجراحات  
 مقالة تدبير الشيوخة مقالة وصايا الاطباء مقالة الحف مقالة الولادة مقالة الخلع  
 10 مقالة علاج احتباس الطمث مقالة امراض المزمعة على رأى بقراط مقالة مراتب الادوية  
 مقالة فيما ينبغي للطبيب ان يسأل عنه العليل مقالة تربية الاطفال مقالة دوران الرأس

- auctore *Ibn-elcoff* — *Ghunyet el-lebib* → *Fosúl Bocrát* i. e. *Aphorismi Hippocratis*  
 et commentarii in eos — *Fúkhír* — *Cánún* — *Cawánin el-tibb* — *Kámil el-sináat* —  
*Gúzide* — *Káfi molhat* — *Lacat el-menáfi* — *Mecálat Rufi Magni* — *Mecálet*  
*el-sherúb* — *Mecálet* sive dissertatio de morbo, cum quo simul hydrophobia incidit —  
*Mecálet el-tiryác we el-morár* — *Mecálet amrádh el-fádhil* — *Mecálet Tenckís*  
*el-má el-lahm* — *Mecálet el-rihat* — *Mecálet iláj el-lewácki la . . .* — *Mecálet*  
 5 *hifz el-sihhat* — *Mecálet el-sar'i* — *Mecálet el-hommá el-rib'i* — *Mecálet dzát*  
*el-jenb we dzát el-riyet* — *Mecálet el-ámál* sive dissertatio de operationibus,  
 quarum operatio fit in nosocomio — *Mecálet el-báh* — *Mecálet el-leben* — *Mecálet*  
*el-gharc* — *Mecálet el-abkár* — *Mecálet el-tín* — *Mecálet tedbir el-mosáfir* —  
*Mecálet el-bahir* — *Mecálet el-ca'i* — *Mecálet el-simm* — *Mecálet edwiyet el-kolá*  
*we el-methánet* — *Mecálet kathret sherb el-descá fi el-weláim* — *Mecálet aurám*  
*silbet* — *Mecálet el-hifz* — *Mecálet fi illet dimushiús* i. e. de pure — *Mecálet*  
*el-jiráhát* — *Mecálet tedbir el-sheikhúkhat* — *Mecálet wesáyá el-atibbá* — *Mecálet*  
 10 *el-hacc* — *Mecálet el-wiládet* — *Mecálet el-khal'i* — *Mecálet iláj ihtibás el-timth* —  
*Mecálet el-amrádh el-muzminet* secundum opinionem Hippocratis — *Mecálet merátib*  
*el-edwiyet* — *Mecálet* sive dissertatio de iis, de quibus medico aegrotum explorare  
 convenit — *Mecálet terbiyet el-atfúl* — *Mecálet dewerán el-rús* — *Mecálet el-baul* —



مقالة البول مقالة العقار الذي يدعا ببونيا مقالة النزلة الى الرئة مقالة علم الكبد المزمنة  
 مقالة انقطاع التنفس مقالة علاج الصبي يصرع مقالة تدبير الحبال مقالة الحمة مقالة  
 الذاب مقالة العرق مقالة ايلوس مقالة ايلمسيا مقالة حفظ الصحة لابن القف موجز  
 مرشد مختار الطب مائة منياج البيان منياج الدكان منافع الحيوان مستقصى من الطب  
 5 النبوي مفرج النفوس مغني منافع الطيور منصورى مختار لقط المنافع مسائل حنين  
 منافع الاعضاء منافع الناس وجيز القانون وصايا بقراط

٧٧٤ طب بقراط لرونس الكبير ٧٧٥ طب الفقر لابن الجزار احمد بن ابراهيم الطبيب

الافريقي المتوفى قبل سنة ٤٠٠

٧٧٦ علم طب النبي صلعم

١٠ ٧٧٧ طب النبوي لاني نعيم احمد بن عبد الله الاصفياني المتوفى سنة [٤٣٠] ولاني

*Mecület el-accâr* i. e. dissertatio de planta medica *Buniya* dicta — *Mecület* sive dissertatio de defluxu rheumatis in pulmones — *Mecület ilel el-kebd el-mozminet* — *Mecület inckitâ el-teneffus* — *Mecület ilâj el-sabî yosrao* i. e. dissertatio de curando puero epilepsia correpto — *Mecület* sive dissertatio de regendis praegnantibus — *Mecület el-hommet* — *Mecület el-dzâb* — *Mecület* sive dissertatio de vena (*arc s. sudore arac?*) — *Mecület ilâús* i. e. de ileo — *Mecület ilemsiya* — *Mecület* sive dissertatio de sanitate conservanda, auctore *Ibn-elcoff* — *Mujiz* — *Murshid* — *Mokhtâr el-tibb* — *Miat* — *Minhâj el-beyân* — *Minhâj el-dokkân* — *Menâfi' el-heicân* — *El-Mustacsi min el-tibb el-nebewi* — *Moferrih el-nafus* — *Mughni* — 5 *Menâfi' el-toyûr* — *Mansûri* — *Mokhtâr lacat el-menâfi'* — *Mesâil Honein* — *Menâfi' el-adhâ* — *Menâfi' el-nâs* — *Wejiz el-cânûn* — *Wesâyâ Bocrât.* —

7874. *Tibb Bocrât*, medicina Hippocratica, auctore *Rufo Magno*. — 7875. *Tibb el-ficar*, medicina vertebrarum dorsi, auctore *Ahmed Ben Ibrâhîm Ifricki* Medico, vulgo *Ibn-eljezzâr* dicto et ante annum 400 (inc. 25. Aug. 1009) mortuo.

7876. *Ilm tibb el-nebi*. Medicina prophetae.

7877. *El-Tibb El-Nebewi*, medicina prophetica, de qua scripserunt *Abu 10 Noeim Ahmed Ben Abdallah Isfahâni*, [anno 430 (inc. 3. Oct. 1038) mortuus] —

العباس جعفر بن محمد المستغفرى المتوفى سنة ٤٣٣ ولجلال الدين عبد الرحمن السيوطى المتوفى سنة ٩١١ اوله الحمد لله الذى اعطى كل نفس خلقها الخ وهو مرتب على ثلاثة فنون الاول فى قواعد الطب الثانى فى الادوية والاعذية الثالث فى علاج الامراض وكتب ابو الحسن على بن موسى الرضا للمأمون رسالة مشتملة عليه والكبيب النيسابورى جمعه ايضا وابن السنى وعبد الملك بن حبيب

5

علم طبخ الاطعمة والاشربة والمعاجين ٧٨٧١

وهو علم يعرف به كيفية تركيب الاطعمة اللذيذة النافعة بحسب الامزجة المخالفة وكيفية تراكيب مركبات الدوائية من جهة الوزن والوقت والتقديم والتأخير وهو من فروع الطب غير طبخ الاطعمة

10

علم الطبقات ٧٨٧٦

٧٨٨ طبقات الادباء لكمال الدين ابى البركات عبد الرحمن بن محمد الانبارى المتوفى سنة ٥٧٧

*Abu'tabbás Ja'far Ben Mohammed Mostaghfiri*, anno 432 (inc. 11. Sept. 1040) mortuus — *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Soyúti*, anno 914 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, cujus liber ita incipit: Laus Deo, qui cuivis animae suam dedit indolem etc., et in tres species dispositus est, quarum prior de medicinae fundamentis, secunda de medicamentis et alimentis, tertia de morbis curandis agit — *Abu'lhasan Ali Ben Musa El-Ridhá*, qui *Mamúno* tractatum scripsit idem argumentum continentem — *Habib 5 Nisábúri*, qui de eadem re collegit — *Ibn-elsení* — et *Abd-el-melik Ben Habib*. —

7878. *Ilm tabkh el-at'imet*. Ars cibos, potiones et ecligmata parandi.

Haec est ea ars, qua ratio ciborum dulcium et utilium pro temperamentorum varietate componendorum, et ratio medicamenta composita ita componendi cognoscitur, ut pondus, tempus et praeceptum, ex quo alia prius, alia serius immiscenda sunt, postulant. Excepta ciborum coctione haec ars ad disciplinas medicinae secundarias pertinet. —

10

7879. *Ilm el-tabacát*. Doctrina classium.

7880. *Tabacát el-odabá*, classes philologorum, auctore *Kemál-ed-din Abu'lberékát Abd-el-rahman Ben Mohammed Anbári*, anno 577 (inc. 8. Jun. 1179)



- وهو جامع بين المتقدمين والمتأخرين مع صغر حجمه سماه نزهة الالباء وياتون الحموى سماه  
 ارشاد الاطباء وله معجم الادباء ٧٨١ طبقات الاصفهانية لابن حبان [البستي ابى خاتم  
 محمد بن حبان التميمي المتوفى سنة ٣٥٢] ٧٨٢ طبقات الاصوليين لجلال الدين عبد  
 الرحمن السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ٧٨٣ طبقات الاطباء المسمى بعيون الانبياء للشيخ موفق الدين  
 5 احمد بن قاسم بن ابى ابيبيعه مات سنة ٩١٨ يأتى فى العين ولابن جلدجل [داود بن حبان وقيل  
 سليمان بن حسن التائبى الاندلسى] ٧٨٤ طبقات الامم لابي القاسم صاعد بن احمد  
 القاضى القرطبى المتوفى سنة ولابى سعيد المغربى المتوفى سنة ٧٨٥ طبقات الاولياء بداء  
 منه باى ايوب الانصارى ٧٨٦ طبقات الاولياء للشيخ سراج الدين ابن الملحق [المتوفى سنة  
 ٨٠٤] ذكره السيوطى فى تنوير الحلك ٧٨٧ طبقات البيانين للسيوطى ٧٨٨ طبقات  
 10 التابعين المسمى بتحفة الناظرين سبق لابن النجار مات سنة ٩٤٣ ٧٨٩ طبقات الثعلبى

mortuo. Licet hic liber, *Nuzhet el-alibbá* inscriptus, volumine parvus est, philologos prioris et serioris temporis conjunctim recenset. Pariter *Yacút Hamawi* librum *Irshád el-atibbá* composuit, idemque *Moajjem el-odabá* edidit. — 7881. Tabacát El-Isfaháníyet, classes virorum illustrium Isfahanensium, auctore [*Abu Khátim Mohammed Temimi Bostí*], vulgo *Ibu Hibbán* dicto [et anno 354 (inc. 7. Jan. 965) mortuo]. — 7882. Tabacát el-osúliyín, classes eorum, qui de principiis fidei et juris fundamentalibus scripserunt, auctore *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 7883. Tabacát el-atibbá, classes medicorum *Oyún el-enbá* inscriptae, auctoribus Sheikh *Mowaffic-ed-dín Ahmed 5 Ben Cásim Ben Abi Oseibiah*, anno 668 (inc. 31. Aug. 1269) mortuo, de cujus opere litera *Ain* videatur — et *Ibn Joljol* [*Dawud Ben Hayyún* sive, ut alii dicunt, *Soleimán Ben Hasan Andalusi Medico*]. — 7884. Tabacát el-omem, classes nationum, auctoribus *Abu'l-cásim Sáid Ben Ahmed* Judice Cortubensi, anno ... mortuo — et *Abu Saíd Maghribi*, anno ... mortuo. — 7885. Tabacát el-aulyá, classes sanctorum. Initium ibi fit ab *Abu Eyyúb Ansári*. — 7886. Tabacát el-aulyá, classes sanctorum, auctore Sheikh *Siráj-ed-dín Ibn-elmolacchin*, [anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuo], ut *Soyúti* in *Tenwir el-halak* narrat. — 7887. Tabacát el-beyáníyín, classes rhetorum, auctore *Soyúti*. — 7888. Tabacát el-tábiín, classes eorum, qui 10 cum prophetae sociis sive aequalibus vixerunt, qui eum viderant, auctore *Ibn-elnejjár*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. Liber titulum *Tohfet el-nátzirín* prae se fert, de quo supra dictum est. — 7889. Tabacát El-Thalebi, classes. Volumen crassum

- الموسوى في مجلّد ضخّم ألفه قبل الاسنوى ٧٨٩. طبقات الجلالية وعى عبارة عن حواشى شرح التجديد للتجريد وحاشية شرح المضالع كتبها جلال الدين محمد بن اسعد الدوانى المتوفى سنة [٩٠٨] مرة بعد اخرى رداً على مير صدر الدين الشيرازى جواباً له وتكرّر الردّ والجواب من الطرفين مراراً ولذلك اشتهر به ٧٨٩١ طبقات الجنان ٧٨٩٢ طبقات الحفظ لابي عبد الله شمس الدين محمد بن احمد الذهبي الحافظ المتوفى سنة ٧٤٨ اخذه من 5 تاريخه الكبير وصنف ابن الدباغ فيه ايضاً وجمع ابن المفضل وفي التجلدين للحافظ ابن حجر احمد بن على العسقلانى المتوفى سنة ٨٠٥ ولخص جلال الدين السيوطى تأليف الذهبي ونبيل عليه من جاء بعده اوله الحمد لله الذى انعم فاجزل الخ ونبيل طبقات الحفظ لتقى الدين ابن فيد المكي ابي بكر محمد بن محمد الهاشمى المتوفى سنة ٨١٠ ذكر فيه ابن حجر ٧٨٩٣ طبقات الحكماء المسمى بصوان الحكمة لابن صاعد المذكور مرّ في الصاد وللامام محمد 10

- a *Thalebi Museci* antequam *Esnevi* scripsit compositum. — 7890. *El-Tabacát El-Jeláliyét*, classes *Jelál-ed-dínorum*. Significantur his glossae ad commentarium libri *Tejrid* novum, et glossae ad commentarium in *El-Metáli'*, quas *Jelál-ed-dín Mohammed Ben As'ad Dewáni*, anno [908 (inc. 7. Jul. 1502)] mortuus, identidem scripsit, ut responsa a *Mír Sadr-ed-dín Shirázi* reddita refutaret. Responsum ab utroque adversario datum et refutatum est saepius atque iterum, et hanc ob causam ille titulus innotuit. — 7891. *Tabacát el-jinán*, classes daemonum. — 7892. *Tabacát el-hoffátz*, classes eorum, qui titulo *Háfítz* inclaruerunt, auctore 5 *Abu Abdallah Shems-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Dzehebi Háfítz*, anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) mortuo, qui eas ex historia majori excerpsit. De iisdem scripsit *Ibn-eldebbágh*, et pariter *Ibn-elmofohdhil* eas collegit, et Háfítz *Ibn Hajr Ahmed Ben Ali Ascaláni*, anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuus, duo volumina congegissit. — *Jelál-ed-dín Soyúti* meliora libri *Dzehebii* in epitomen contraxit, et qui post eum venerant, eos in appendice addidit. Epitome ita incipit: Laus Deo, qui beneficia copiosissime confert etc. Porro Classes Hafitzorum continuavit *Tacki-ed-dín Ben Fíhd Mekki Abu Bekr Mohammed Ben Mohammed Húshimi*, anno 890 (inc. 18. Jan. 10 1485) mortuus, qui in appendice *Ibn Hajrum* commemorat. — 7893. *Tabacát el-hokamá*, classes philosophorum *Sawán el-hikmet* inscriptae, auctore *Ibn Sáid* laudato, ut in litera *Sáid* videndum est. De iisdem scripsit *Imám Mohammed*



الشهرستاني مات سنة ٥٢٨ هـ أيضا في التواريخ وطبقات الحكماء واحباب النجوم والاطباء للوزير  
 علي بن يوسف القفطى المتوفى سنة ٤٢٩ واختصره ابن ابي جمرة عبد الله بن اسعد الازدي  
 ٧١٤ طبقات الحنبليّة للقاضي ابي الحسين [محمد] بن [محمد بن الحسين] ابي يعلى الحنبلي  
 القراء [الشيبدي سنة ٥٢٩] صاحب الحجرد في مناقب امام احمد وقد جعل هذه الطبقات على  
 5 ست طبقات الاولى والثانية على حروف المعجم وما بعدها على تقديم العمر والوفات وانتهى  
 فيه الى سنة ٥١٣ هـ ثمّ ذيل الشيخ زين الدين عبد الرحمن بن احمد المعروف بابن رجب  
 الحنبلي المتوفى سنة ٧١٥ دخل فيه الى سنة ٧٥٠ ثمّ ذيل العلامة يوسف بن حسن بن احمد  
 الحنبلي المقدسى مرتبًا على الحروف فرغ من تأليفه سنة ٧٧١ وذيّله ايضا الشيخ تقى الدين  
 ابن مفلح ٧١٥ طبقات الحنفية اول من صنّف فيه الشيخ عبد القادر [بن محمد القرشي  
 10 المتوفى سنة ٧٧٥] صاحب جواهر المصنفة في طبقات الحنفية كما قال في خطبته ولم ار احدا  
 جمع طبقات احابنا وهم امم لا يحصون فجمعنا بامداد الشيخ قنبل الدين عبد الكريم

*Shahrestāni*, anno 543 (inc. 29. Mart. 1153) mortuus, in *Historiis*, et *Wezīr Ali Ben Yusuf Cofti*, anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuus, in libro *Tabacāt el-hokamā we as'hāb el-nojūm we el-atibbā* inscripto. Hujus libri epitomen *Abdallah Ben As'ad Azdi*, vulgo *Ibn Abi Jamra* dictus, edidit. — 7894. *Tabacāt El-Hanbalīyet*, classes Hanbalitarum, auctore Cādhi *Abu'lhosein [Mohammed] Ben [Mohammed Ben-elhosein] Abu Yali El-Ferrā* Hanbalita, [qui anno 526 (inc. 23. Nov. 1131) martyrium subiit et] opus *Mojerred* de virtutibus Imāmi *Ahmed* composuit. Librum hunc „Classes“ inscriptum in sex classes disposuit, quarum 5 prima et secunda ad ordinem alphabeticum digestae sunt, ceterae ad annos, quibus quis prius vixit aut mortuus est, et auctor usque ad annum 513 (inc. 14. Apr. 1119) pervenit. Continuavit *Sheikh Zein-ed-din Abd-el-rahman Ben Ahmed* Hanbalita, vulgo *Ibn Rejeb* dictus et anno 795 (inc. 17. Nov. 1392) mortuus, qui ad annum 750 (inc. 22. Mart. 1349) pervenit, et vir eruditissimus *Yusuf Ben Hasan Ben Ahmed Mocaddesi* Hanbalita ita, ut literarum ordinem sequeretur, et absolvit anno 871 (inc. 13. Aug. 1466), itemque *Sheikh Tacki-ed-din Ben Moftih*. — 7895. *Tabacāt El-Hanefīyet*, classes Hanefitarum. Primus, qui de Hanefitis scripsit, fuit *Sheikh Abd-el-cādir [Ben Mohammed Coreshi]* libri *El-Jewāhir El-Modhīyet fi Tabacāt El-Hanefīyet* auctor, [anno 775 (inc. 23. Jun. 1373) mortuus]; dicit enim in 10 praefatione: Nec ullum vidi, qui classes asseclarum nostrorum collegit, qui populos complectuntur innumeros. Eas collegit adjutus a *Sheikh Cotb-ed-din Abd-el-kerim*

الحلبى وائى العلاء البخارى وائى الحسن السبكى وائى الحسن على الماردينى فصار شيئاً كثيراً من التراجم والفوائد الفقهية وفي هامش نظم الجمان بخط بعض العلماء أن الشيخ مجد الدين اختصر طبقات الحفاظ عبد القادر فهو مختصر لا ينكر لكنه زاد عليه قليلاً وهذا الرجل يعنى ابن دقمان لم يزد على ذلك إلا قليلاً جداً انتهى وجمع قاسم بن قطلوبغا مختصراً سماه تاج التراجم كما مر في التاء مات سنة ٨٧٩ وصنّفه ابن دقمان ابراهيم بن محمد 5 المورخ المتوفى سنة ٨٠٩ سماه مرقاة [الواثية] قال نقى الدين لم اقف عليها واخبرني عبد الكريم بن قطب الدين قاضى العسكر أن عنده منها نسختين فامسح ابن دقمان بسبب هذه الطبقات لأنه وجد فيها بخطه خط اشنع على الامام الشافعي فطولب بالجواب عن ذلك في مجلس القاضى فذكر أنه نقله من كتاب عند اولاد الطرابلسى فعزّه القاضى جلال الدين بال ضرب واليس والشيخ مجد الدين ابو طاهر محمد بن يعقوب الفيروزابادى الشيرازى المتوفى 10 سنة ٨١٧ والقاضى بدر الدين محمود بن احمد العيني المتوفى سنة ٨٥٥ وجمع قطب الدين محمد بن

---

*Halebi, Abu'lalá Bokhári, Abu'lhasan Sobki et Abu'lhasan Ali Múridini*, ut magnus biographiarum et rerum juridicarum ad discendum utilium numerus cumularetur. Margini operis *Natzm el-jomán* a viro quodam docto adscriptum legi hoc: Sheikh *Majd-ed-dín* Classes Háfitzi *Abd-el-cádír* in epitomen collegit, quae sine dubio epitome est, quamquam ei pauca addidit; at hic vir, *Ibn Ducmác* scilicet, ad haec 5 nonnisi paucissima adjecit. — Haec ille. — Tum *Cásim Ben Cotluboghá*, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuus, compendium congegit *Táj el-terájim*, ut in litera *Tá* dictum est, inscriptum, et *Ibn Ducmác Ibráhim Ben Mohammed* historiarum scriptor, anno 809 (inc. 18. Jun. 1406) mortuus, librum edidit *El-Mircát [El-Wáfiyet]* inscriptum, quem *Tacki-ed-dín* nunquam vidisse dicit. Attamen, ait, *Abd-el-kerim Ben Cotb-ed-dín* judex exercitus duo se ejus exempla habere me certiore fecit. *Ibn Ducmác* ob has Classes calamitate afflictus est, quoniam ibi locus ejus mianu scriptus inveniebatur, quo turpiter de Imámo *Sháfi* locutus erat. Qua accusatione ut se purgaret, cum coram judice excitaretur, illum se locum ex libro apud filios 10 *Tarábolosí* deposito sunsisse respondit. Quo dicto *Cádhi Jelál-ed-dín* eum vehementissime verberari et in carcerem conjici jussit — porro Sheikh *Majd-ed-dín Abu Táhir Mohammed Ben Yacúb Firúzábádí Shirázi*, anno 817 (inc. 23. Mai. 1414) mortuus — *Cádhi Bedr-ed-dín Mahmúd Ben Ahmed Aini*, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus — *Cotb-ed-dín Mohammed Ben Alá-ed-dín Mekki*, qui



علاء الدين المكي كتاباً في أربع مجلدات ثم احترق مع كتبه ثم كان في صدد تجديدهما وتوفي سنة ٩١٠ وصنف فيه نجم الدين ابراهيم بن علي الطرسوسي وسماه وثبات الاعيان في مذهب النعمان مات سنة ٧٥٨ اقول وقفنا على المجلد الاول والثالث منه بخطه سماه نظم الجمان وصنف ابن طولون اسحق بن حسن الشامي في ذلك كتاباً سماه الغرر العلية في 5 تراجم الحنفية كما سيأتي وجمع شمس الدين ابن اجا محمد [بن محمد] في ثلاث مجلدات وآلف محمد بن عمر حفيد آي شمس الدين ثم جاء تقى الدين ابن عبد القادر المصري مات سنة ١٠٠١ وصنف في ذلك كتاباً كبيراً جمع فيه تراجم الحنفية فاعوى واجان وهو اجل الكتب المولفة في تراجم اهل الرأي ادرج فيه رجال الشقائف ومن بعده الى زمانه اتمه سنة ٩٩٣ وسماه طبقات السنية في تراجم الحنفية وتوفي سنة ١٠٠٥ وسيأتي بيانه قال في 10 آخره تم تأليفه بمدينة قونية وهو قاص بها في رجب سنة ٩٨١ قرظ له المولى سعد الدين المعروف بخواجه ائندی والمولى جوى زاده والمولى زكرياء والمولى عبد

librum collegit quatuor voluminibus comprehensum, qui postea cum ceteris libris incendio deletus est. Cum vero in libro iterum componendo occupatus esset, obiit anno 990 (inc. 26. Jan. 1582) — *Nejm-ed-din Ibráhím Ben Ali Tarsúsi*, anno 758 (inc. 25. Dec. 1356) mortuus, cujus liber *Wefayát el-ayán fi madzhab El-Nomán* inscriptus est. — Vidimus ipsi volumen primum et tertium auctoris manu exaratum et *Natzm el-jomán* inscriptum — *Is'hac Ben Hasan Shámi*, vulgo *Ibn Tulún* dictus, cujus liber *El-Ghoraf El-Aliyet fi terájim El-Hanefiyet* inscriptus est, ut infra 5 dicetur — *Shems-ed-din Ibn Ajá Mohammed [Ben Mohammed]*, qui tria volumina collegit — *Mohammed Ben Omar* nepos *Ac Shems-ed-dini*, qui de eadem re scripsit. Tum venit *Tacki-ed-din Ibn Abd-el-cádir Misri*, anno 1005 (inc. 15. Aug. 1596) mortuus, qui magnum librum composuit, ubi Hanefitarum biographias collegit, ut thesaurum egregium pararet. Hic liber praestantissimus est inter scripta de vitis Hanefitarum rationis sectatorum. Addidit etiam viros in *El-Shecáic* laudatos et qui post illos ad suum usque tempus vixerunt, et anno 993 (inc. 24. Dec. 1585) absolvit. Librum, de quo infra subtilius disputabitur, *El-Tabacát El-Seniyet fi terájim El-Hanefiyet* inscripsit et anno 1005 (inc. 15. Aug. 1596) obiit. Ad finem haec habet: Compositio libri absoluta est in urbe Cunia, cujus judex fuit, mense Rejeb 10 anni 989 (inc. 5. Febr. 1581); — et auctorem vivum laudibus extulerunt *Molla Sa'd-ed-din*, vulgo *Khoja Efendi* dictus, *Molla Juizádeh*, *Molla Zakariyá*, *Molla*

الغنى والمولى احمد الانصارى قال ابن شحنة فى هوامش الجواهر وجمع طبقات اصحابنا الامام مسعود بن شيبة عماد الدين السندى وسوّد الامام صلاح الدين عبد الله المهندس وابن سبغ اقول وغالبه رجال الشقائف وانياله الى زمانها هذا على مذهب الحنفية وجمع المولى على بن امر الله [ابن الحنفية] مختصراً على احدى وعشرين طبقة كتب فيه المشاهير بدأ بالامام وختم بابن كمال پاشا اوله الحمد لله رب العالمين الخ وصلاح الدين عبد الله بن 5 محمد المهندس مات سنة ٧١١ ومختصر للشيخ ابراهيم الحلبي مات سنة ٩٥٦ ٧١١ طبقات الخطاطين للسيوطى والعالى [وثيه هنروران على] ٧١٧ طبقات الخواتم لزين الدين احمد ابن احمد الزبيدى الحنفى المتوفى سنة ٨١٣ ذكر فيه مشايخ اليمن على الحروف اوله الحمد لله المتفصل باجزيل المواهب الخ ٧١٨ طبقات الرواة لخليفة بن خياط ومسلم بن الحجاج ومحمد بن سعد الزهري البصرى مات سنة ٢٣. وكتابه هذا اعظم ما صنّف فيه جمع فيه الصحابة 10

*Abd - el - ghani, Molla Ahmed Ansari. Ibn Shihue in glossis marginalibus ad El-Jewáhir: Collegit, inquit, classes sociorum nostrorum Imám Mes'úd Ben Sheiba Imád-ed-din Sindi, et Imám Saláh-ed-din Abdallah Geometra et Ibn Sábic. At major horum scriptorum pars viros solos in El-Shecaic et hujus libri appendicibus usque ad hoc nostrum tempus secundum Hanefitarum disciplinam laudatos continet. Molla Ali Ben Emrallah [Ilu-el-hinnáyi] compendium, quod ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc., conguessit in viginti unam classem divisum, ubi viri illustrissimi 5 recensentur. Incipit ab Imámo Abu Hanífa et desinit in Ibn Kemálpasha. Similia compendia ediderunt Saláh-ed-din Abdallah Ben Mohammed Geometra, qui anno 769 (inc. 28. Aug. 1367) mortuus est, et Sheikh Ibráhm Halebi, qui anno 956 (inc. 30. Jan. 1549) obiit. — 7896. Tabacát el-khattátin, classes calligraphorum, auctoribus Soyúti et Ali, [cujus liber Húnerwerán inscriptus est]. — 7897. Tabacát el-khawáss, classes procerum, auctore Zein-ed-din Ahmed Ben Ahmed Zebidi Hanefita, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuo. Incipit liber, ubi Sheikhi Yemepenses secundum literas recensentur, ita: Laus Deo, qui copiosis donis bene facit etc. — 7898. Tabacát el-rowát, classes virorum traditiones referentium, auctoribus 10 Khalífa Ben Khayyát — Moslim Ben-elhejjáj — Mohammed Ben Sa'd Zohri Basri, anno 230 (inc. 18. Sept. 844) mortuo, cujus liber omnium de hac re compositorum amplissimus est et quindecim circiter volumina comprehendit, ubi socios prophetae,*



والتابعين والخلفاء نحو خمسة عشر مجلداً ومختصرة له وانجاز الوعد المنتقى من طبقات ابن سعد للسيوطي ٧٩١ طبقات السننية في تراجم الخنيفة للمولى تقي الدين التميمي [الحنفي] المذكور قبله توفي سنة ١٠٥٠ ذكر في اوله مقدمة محتوية على ابواب وفصول فيها فوائد مهمة تتعلف بفن التاريخ لا يسع المورخ جيلنا وصدر باسم السلطان مراد خان بن سليم خان العثماني ثم سيرة النبي عليه الصلوة والسلام اجمالاً مفيداً ثم مناقب الامام ابي حنيفة كما في جواهر المصيبة ثم رتب الاسماء على الحروف وربما اكثر في بعض التراجم من الاشعار وقد بذلك ان لا يخلو كتابه من الادب وذكر في اوله انه اورد باباً للانساب والالقباب في اخر الكتاب ٧٩٠ طبقات الشانعية قال القاضي تاج الدين عبد الوهاب ابن السبكي في طبقات الوسطى وبعد فقد آلفنا كتاباً فيه ميسوفاً حائلاً حاوياً لما يراى منه وذلك لانا 10 نستوعب ترجمة الرجل على الوجه الملائم وانا كان ممن غلب عليه الفقه وقلت الرواية عنه اعملنا جيدنا في تخريج حديث وربما ذكرنا في بعض التراجم حادثة عظيمة فشرحنها بما

horum asseclas et Khalifas collegit. Idem ejus epitomen edidit; aliamque epitomen *Injáz el-wa'd el-muntecá min Tabacát Ibn Sa'd* inscriptam *Soyúti* composuit. — 7899. *El-Tabacát El-Seniyet*, classes pretiosae de biographiis Hanefitarum, auctore Molla *Tacki-ed-din Temimi* [Hanefita] antea laudato et anno 1005 (inc. 15. Aug. 1596) mortuo. Ab initio praefationem habet, quae capita et sectiones continet adnotationibus utilibus et gravibus plena. Spectant hae historiam, easque nescire rerum scriptori haud licet. Praenissa nominis Sultani *Murád Khán Ben Selím Khán Othmání* laudatione vitam prophetae summam quidem sed ratione commoda perse- 5 quitur, tum virtutes Imámi *Abu Hanífa* insignes describit simili modo, ut id factum est in *El-Jewáhir El-Modhiyet*. Deinde nomina ad ordinem alphabeticum disponit, et nonnullis vitis interdum carmina satis multa inserit, quo id spectavit, ut liber elegantioribus philologiae documentis non careret, et ab initio se docet ad finem libri caput de genealogiis et cognominibus honorificis allaturum esse. — 7900. *Tabacát El-Shafiíyet*, classes Shafitarum. Cádhi *Táj-ed-dín Abul-el-wehháb Ibn-elsobki* in Classibus Mediis: Deinde vero, inquit, librum ejusdem argumenti composuimus amplum et copiosum, qui ea comprehendit, quae in tali libro desiderari possunt, quandoquidem vitam relatoris ratione idonea totam complecti studuimus, et quando hic 10 ex eorum numero fuit, qui scientia juris quum maxime inclaruerant et traditiones religiosas reliquerant, studium summum in inveniendis his traditionibus posuimus. Nonnunquam in hac et illa vita factum aliquod magnum ita narravimus, ut illud exponeremus.

يخل الكتاب مع ذلك عن حكايات واشعار وملح ونوادير وكان اعظم مقاصدها فيه ان يذكر في ترجمة كل رجل ما بلغنا عنه عن مقالته غريبة ذهب اليها او وجه ضعيف عزى اليه او مسئلة مستغربة ذكرها في كتاب له وذكرت عنه ومعلوم ان هذا غرض يضعف استكمال المراد منه الا بعد الزمن المديد والكشف الشديد ولربما جرت مناظر بين كثيرين فشرحنا على وجهها والداعي ليا اني قصدت ان يكون ذلك كتاب حديث وثقة وادب ولم ازل حريصا على 5 عمل هذا الكتاب ولم اجد فيه مصنفًا يشفي العلل مع شدة بحثي عما صنف فيه فارل من بلغني صنف فيه الامام ابو حفص عمر بن على المطوى المحدث الاديبي المتوفى سنة ٢٠٢ صنف الامام ابو الطيب سئل بن محمد بن سليمان الصعلوكى [المتوفى سنة ٤٠٤] كتابًا سماه المذهب في ذكر شيوخ المذهب وهو كتاب حسن حلو العبارة فصيح اللفظ وقعت على منتخب منه وانتخبه الشيخ الامام الحافظ ابو عمرو بن الصلاح مات سنة ٦٤٣ ما اعود فؤانده واكثر 10

Ita factum est, ut liber narrationibus, carminibus, dictis facetis et raris non careret, et id maxime spectavimus, ut in vita cujusvis relatoris eam profferremus sententiam singularem, quam amplexus est, sive opinionem tenuiorem, quae ei tributa est, sive quaestionem insolentiolem, quae in aliquo ejus libro commemoratur, ejusque auctoritate interposita ab aliis refertur. Inde apparet, hunc finem esse, quo studium ea quae proposita sunt quam perfectissime exhibendi infringatur, nisi longum tempus et severior rerum singularium scrutatio intercedat. Et certe saepe disquisitiones versantur inter plures, quapropter eas ad propriam singularum rationem explanavimus, 5 et caussa cur id fecimus petenda est ex studio nostro proposito, ut hic liber traditiones, jurisprudentiam et elegantiores literas complecteretur, neque unquam hujus libri conficiendi cupiditate desii delectari, nec librum hujus argumenti inveni, qui morbos sanaret, quamvis studiosissime ea scrutatus essem, quae de ejusmodi rebus scripta exstarent. Primus, ut equidem scio, qui de hac materia scripsit, fuit Imám *Abu Hafs Omar Ben Ali Motawwii* Traditionarius philologus, anno ... mortuus. Post hunc Imám *Abu'ttayyib Sahl Ben Mohammed Ben Soleimán Solúki*, [anno 404 (inc. 13. Jul. 1013) mortuus], librum edidit *El-Modzahheb fi dzikr Shoyúkh el-madzheb* inscriptum, qui elegans est et verbis dulcibus et disertis plenus. 10 Meliorem ejus partem in libro singulari selectam vidi, et potiora ejus selegit Sheikh et Imám Háfitz *Abu Amru Ben-el-saláh*, qui anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) obiit. Quam utilissimas haec epitome continet adnotationes et quam multa sunt ejus



عوانده ثم ألف القاضي ابو الطيب طاهر بن عبد الله الطبري [المتوفى سنة 405] مختصراً في مولد الشافعي عد في آخره جماعة من الصحابة ثم ألف الامام الكبير ابو عاصم محمد بن احمد العبادي المتوفى سنة 405 واتى فيه بغرائب وثواند الا انه اختصر من التراجم جداً وربما ذكر اسم الرجل [او موضع الشيرة منه] ولم يزد عليه ثم ألف الامام شيخ الاسلام ابو اسحق 5 ابراهيم بن علي الشيرازي المتوفى سنة 471 وهو ايضا مختصر اقول ونبيله الشيخ تاج الدين علي بن انجب ابن الساعي البغدادي الشاعر مات سنة 464 في سبع مجلدات ثم ألف للحافظ نقلاً عن السمعاني وابن الصلاح ابو محمد عبد الله بن يوسف الحجرجاني المتوفى سنة 489 قال وهذا لم اقف عليه ثم ألف القاضي ابو محمد عبد الوهاب بن محمد الشيرازي تأريخ الفقهاء توفي سنة 500 ثم ألف احدث ابو الحسن علي بن ابي القاسم البيهقي المعروف بفندي 10 احد اجداده توفي سنة ستمائة وسائل الامي في فضائل اصحاب الشافعي قال لم اقف عليه ثم جمع الشيخ ابو النجيب عبد القاهر السمروردي مجموعاً وتوفي سنة 543 قال لم اقف عليه ايضا ثم

commoda! Tum composuit Cádhi *Abu'ttayyib Táhir Ben Abdallah Taberi*, [anno 405 (inc. 2. Jul. 1014) mortuus], compendium de tempore *Shafii* natali, ad cujus finem plures sociorum prophetae recenset. Post hunc scripsit *Imám magnus Abu Astm Mohammed Ben Ahmed Abbádi*, anno 458 (inc. 3. Dec. 1065) mortuus, qui res raras et utiles attulit, nisi quod biographias nimis contraxit; saepe enim nomen reŕatoris commemorat [sive loci, a quo famae celebritatem consecutus est], nulla alia re addita. Hunc secutus est *Imám Sheikh-elislám Abu Is'hac Ibráhim Ben Ali* 5 *Shirázi*, anno 476 (inc. 21. Mai. 1083) mortuus, cujus liber simile compendium est, quod, ut mihi adjiciendum est, *Sheikh Táj-ed-dín Ali Ben Anjeb Ibn-elsái Baghdádi* Poeta, anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuus, septem voluminibus continuavit, qui quae dedit ab *El-Sem'áni* petiit — et *Abu Mohammed Abdallah Ben Yusuf Jorjáni*, vulgo *Ibn-elsaláh* dictus et anno 489 (inc. 31. Dec. 1095) mortuus, cujus librum vidisse negat. Post hunc Cádhi *Abu Mohammed Abd-el-wehháb Ben Mohammed Shirázi*, anno 500 (inc. 2. Sept. 1106) mortuus, historiam Jurisconsultorum scripsit, et hunc secutus est Traditionarius *Abu'hasan Ali Ben Abi'l-cásim Beihacki*, unus ex ejus majoribus, vulgo *Funduc* dictus et anno . . . mortuus, 10 librumque *Wesáil El-Almai si fedháil as'háb El-Sháfi* inscripsit. Nec hunc se vidisse dicit. Tum *Sheikh Abu'nejb Abd-el-cáhir Soharawerdi*, anno 563 (inc. 17. Oct. 1167) mortuus, syllogem congeŕsit, quam pariter vidisse negat. Hunc secutus

جاء الشيخ ابن الصلاح ربّ الفوائد والفرائد ومجمع الغرائب والنوادر فآلف كتابه وكان قد عزم على أن يجمع فيه جمعاً ما بعده ولكن المنية حالت بينه وبين مقصوده فقصى نحوه والكتاب مسودة فأخذها الشيخ الامام ابو زكرياء يحيى بن شرف النووي وزاد اسامى قليلة جداً ومات ايضاً سنة ٦٧١ والكتاب مسودة ثم بيّضه الحافظ ابو الحجاج يوسف بن الزكى عبد الرحمن المزى المتوفى سنة ٧٢٣ ومن العجب ان الثلاثة اعقبوا ذكر المزي وابن شريح 5 والاصطخري وامام الحرميين وابن الصباغ وجماعة من المشيوريين الذين يطرق به السماع الشيخين ثم آلف الشيخ عماد الدين اسمعيل بن حبة اللد بن باطيش وخرج سنة ٦٤٤ وتوفى سنة ٦٥٥ قال لم اقف عليه واختصره شخص في حياته وهو مستوعب ايضاً على كثرة ما فيه [انتهى] اقول صنّف القاضي تاج الدين ابن السبكي المذكور في ذلك كبيراً وصغيراً ومتوسطاً فصار اجمع كتاب في هذا النوع كما قال نفسه وارجو ان انفيقه لا يرى اسماً في الكتب 10 المتداولة اليوم والا وهو مذكور في هذه الطبقات وتوفى سنة ٧١١ وهو كتاب حافل من انواع

est *Ibn-elsaláh*, qui praeter ceteros adnotationes utiles et singulares protulit et dictis raris et unicis congestis librum composuit, et propositum habuerat, ut ibi copiam colligeret, post quam nihil relictum mansit. Attamen fatum inter eum et propositum intercessit et mortuus est. Librum primis lineis exaratum Sheikh et Imám *Abu Zakariyá Yahya Ben Sheref Newewi* perficiendum suscepit, at perpauca tantum nomina addidit, et pariter anno 676 (inc. 4. Jun. 1277) mortuus est, ita ut liber primis lineis designatus maneret. Tum Háfitz *Abu'lhejjáj Yusuf Ben - elzeki* 5 *Abd-el-rahman Hízzi*, anno 742 (inc. 17. Jun. 1341) mortuus, nitide eum exscripsit; at mirum est, quod hi tres mentionem *Mození*, *Ibu Shoreiki*, *Istahrii*, *Imámi 'lharamein*, *Ibn-elsabbághi* et multorum virorum notorum intactam reliquerunt, quorum nomina fama celebrata sunt. Praeter hos Sheikh *Imád-ed-din Ismail Ben Hibatallah Ben Batish*, anno 655 (inc. 19. Jan. 1255) mortuus, scripsit et anno 644 (inc. 19. Mai. 1246) absolvit. Hunc quoque librum vidisse negat. Eum auctore adhuc vivo vir quidam in epitomen coegit, qui potiore eorum partem quae ibi leguntur universam dare studuit. — [Haec ille]. — Adjicio haec. Scripsit Cádhi *Táj-ed-din Ibn-elsobki* modo laudatus et anno 771 (inc. 5. Aug. 1369) mortuus de hoc argumento 10 librum magnum, parvum et medium, ita ut hic omnium amplissimus esset de hoc genere scriptorum librorum, ut ipse fatetur; et spero, jurisconsultum nomen in libris inter hominum manus hodie versantibus non inventurum esse, quin in his classibus commemoratum sit. Liber plenus est variis dictorum facietorum, rerum mirabilium,



النوادر والغرائب والروايات والاشعار بدأ بمن رأى الشافعي ثم من اسمه احمد تبركا ثم محمد تبركا ايضا ثم على الحروف وصنف سراج الدين عمر بن علي المعروف بابن الملقن المتوفى سنة ٤٠٤ هـ سماه العقد المذعوب في طبقات حملة المذعوب من زمن الشافعي بعبارات محررة الى سنة ٧٧٠ هـ رتب على سنة وثلاثين طبقة وللقاضي تقى الدين ابى بكر بن احمد بن شيبه الدمشقي 5 الاسدى المتوفى سنة ٨٠٤ هـ اوله الحمد لله الذى رفع قدر العلماء وجعلهم بمنزلة النجوم من السماء الخ وذكر فيه من شاع اسمه واحتاج الطالب الى معرفته ورتبه على ٢١ طبقة وعليه ذيل للشريف عز الدين حمزة بن احمد الدمشقي للسيبى الشافعي المتوفى سنة ٧٧٤ هـ وصنف الشيخ جمال الدين عبد الرحيم بن حسن الاسنوى [المتوفى سنة ٧٧٣] فرغ من تأليفه سنة [٧٦٩] ورتب على حروف الاشتجار ذكر في كل حرف فصلين اوله في رجال الشرح الكبير والروضة والثاني في الزائد عليهما وسماه قلند الفضلاء وعقود الجمان ونقل من طبقات التفليسى عمر بن بندار

historiarum traditarum et carminum generibus, et initium factum est ab iis, qui *Shafi* viderunt; tum sequuntur ii, quibus nomen *Ahmed* est benedictionis captandae causa; hos excipiunt, quorum nomen *Mohammed* est ejusdem benedictionis captandae causa, et deinde nominantur ceteri ad ordinem literarum alphabeticum. — Post hunc scripserunt *Siraj-ed-din Omar Ben Ali*, vulgo *Ibn-elmolacchin* dictus et anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuus, cujus liber *El-Icd El-Modzehheb fi Tabacut hamalet El-Madzheb* sive de Classibus eorum inscriptus est, qui sectae columina erant, a tempore *Shafi* inde usque ad annum 770 (inc. 16. Aug. 1368), et dictione floret correcta. Dispositus est in triginta sex classes — *Cadhi Tacki-ed-din Abu Bekr Ben Ahmed Ben Shohbeh Dimeshcki Asedi*, anno 851 (inc. 19. Mart. 1447) 5 mortuus, cujus liber ita incipit: Laus Deo, qui dignitatem virorum doctorum auxit eosque tanquam stellas in coelo esse voluit etc. Commemorat ibi eos, quorum nomen illustre et pervagatum et quorum cognitione studioso opus est, et librum in undetriginta classes disposuit. Eum continuavit *Sherif Izz-ed-din Hamza Ben Ahmed Dimeshcki Hoseini* Shafiita, anno 874 (inc. 11. Jul. 1469) mortuus — *Sheikh Jemal-ed-din Abd-el-rehim Ben Hasan Esnewi*, [anno 772 (inc. 26. Jul. 1370) mortuus], qui compositionem anno [769 (inc. 28. Aug. 1367)] absolvit et secundum literas alphabeti distribuit. Singulis literis duas dedit sectiones, quarum prior viros in *El-Shark El-Kebir* et in *El-Raudhat* laudatos recenset, posterior eos, qui illis addendi sunt. Liber *Calid el-fodhalu we Ocud el-joman* inscriptus est, et auctor 10 plura e Classibus *Omani Ben Bondar*, vulgo *Teflisi* dicti et anno 672 (inc. 18. Jul.

المتوفى سنة ٦٧٣ هـ وهو مجتهد ضخم ألفه قبل الاسنوى قال وهو اعم الطباقات قريب في عصرنا وجمع الشيخ شهاب الدين بن ارسلان احمد بن حسين الشافعي الرملي المتوفى سنة ٨٤٤ ومن المصنفات مرقات الارفعية لصاحب القاموس ولابن كثير الدمشقي [ابن الغداء عماد الدين اسمعيل بن عمر المتوفى سنة طبقات الشافعية والقاضي قطب الدين محمد بن محمد بن محمد البصري المتوفى سنة طبقات ايضا ولشمس الدين محمد بن عبد الرحمن العثماني قاضي 5 صغد ايضا] ٧١٠ طبقات الشعراء لابن محمد عبد الله بن مسلم المعروف بابن قتيبة المتوفى سنة ٢٧٣ ومنها شعراء الزمان وقلاند العقيان وعقود النجمان والاشارة واماء الشواعرة وكتاب النساء والشواعرة واصداف الاوصاف وطرف الالباب وانموزج الزمان والباغر وانموزج الشعراء وجنى الجنان والغرة الطالعة ودرر الناصعة ولائق عمر محمد بن عبد الواحد المعروف بغلام ثعلب المتوفى سنة [٣٤٥ معجم الشعراء] وصنف محمد بن سلام للجمي المتوفى سنة [٣٣١] ومحمد بن حبيب 10 النحوى المتوفى سنة ٣٤٥ وابو زيد عمر بن شبة البصرى المتوفى سنة ٣٦٣ وابو العباس عبد الله

1273) mortui repetiit. Volumen amplum est et ante *Esneui* compositum. Hac nostra aetate fere classes copiosissimae sunt — Sheikh *Sheháb-ed-dín Ben Arslán Ahmed Ben Hosein Ramli* Shafiita, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuus, qui etiam collegit. Praeterea commemoranda sunt scripta edita ab auctore *Camúsi*, cujus liber *El-Mircát El-Arfaiyet* inscriptus est — ab *Ibn Kethir Dimeshcki* [*Abu'fedú Imád-ed-dín Ismail Ben Omar*, anno ... mortuo — a *Cádhi Cotb-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ben 5 Mohammed Heidhari*, anno ... mortuo, qui pariter Classes Shafiitarum composuerunt, et a *Shems-ed-dín Mohammed Ben Abd-el-rahman Othmáni* Judice *Safedensi*]. — 7901. *Tabacát el-shoará*, classes poetarum, auctore *Abu Mohammed Abdallah Ben Moslim*, vulgo *Ibn Coteiba* dicto et anno 272 (inc. 18. Jun. 885) mortuo. Huc pertinent praeterea opera *Shoará el-zemán* — *Caláid el-icyán* — *Ocúd el-jomán* — *El-Isháret* — *El-Amá El-Sheváiret* — *Kitáb el-nisá we el-sheváiret* — *Asdáf el-ausáf* — *Tarf el-albáb* — *Inmúzej el-zemán* — *El-Búhir* — *Inmúzej el-shoará* — *Jená el-jinán* — *El-Ghorret El-Táliat* — *El-Dorer El-Núsiat* — et *Moajjem el-shoará*, cujus auctor, *Abu Omar Mohammed Ben Abd-el-wáhid*, vulgo *Gholám 10 Thaleb* dictus et anno [345 (inc. 15. Apr. 956)] mortuus est. Scripserunt porro *Mohammed Ben Selám Jummi*, anno [231 (inc. 7. Sept. 845)] mortuus — *Mohammed Ben Habib* Grammaticus, anno 245 (inc. 8. Apr. 859) mortuus — *Abu Zeid Omar Ben Shebbeh Basri*, anno 262 (inc. 6. Oct. 875) mortuus — *Abu'labbás Abdallah*



ابن المعتز العباسي المتوفى سنة [١٦١] وألف أبو الوليد عبد الله بن محمد الأزدي المعروف بابن القرطبي خاصة لشعرآء اندلس وتوفى سنة وصنف أبو سعيد محمد بن الحسين ابن عبد الرحيم الوزير المتوفى سنة ٣٨٨ والملك المنصور محمد بن عمر بن شاهنشاه صاحب حماة في عشر مجلّدات المتوفى سنة ٩١٧ وجمع بدر الدين محمود بن احمد العيني المتوفى 5 سنة ٥٥٠ وجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى سنة ٩١١ جمع فيه الذين يكتبون بكلامهم من شعرآء العرب وبدر الدين محمد بن ابراهيم البشتكي القاهري مات سنة ٨٣١ ومن الكتب المولّفة كتاب الاستناد السابق والامام الحاذق ابي منصور الثعالبي المسمّى بيتيمة الدهر في محاسن شعرآء العصر وتلاه أبو الحسن علي بن الحسن الباخري فعمل كتاب دمية القصر وعصرة اهل العصر فتبعه ابو المعالي سعد بن علي الحظيري وألف كتابه زينة الدهر في 10 لطائف شعرآء العصر فتبعه ابو حامد محمد بن محمد الكاتب الاصفهاني فانشأ كتابه خريدة القصر وجريدة اهل العصر ثم كتاب الملح العصرية تأليف ابي القاسم علي بن جعفر السعدي الصقلي الاديب المعروف بابن القطاع النحوي وكتاب الانموزج في شعرآء القيروان لابن

*Ben-elmo'tezz Abbasi*, anno [296 (inc. 30. Sept. 908)] mortuus — *Abu'welid Abdallah Ben Mohammed Azdi*, vulgo *Ibn-elcortubi* dictus et anno ... mortuus, qui peculiariter de poetis Andalusiae scripsit — *Abu Said Mohammed Ben-elhosein Ben Abd-el-rehim Wezirus*, anno 388 (inc. 3. Jan. 998) mortuus — *El-Melik El-Mansur Mohammed Ben Omar Ben Sháhínsháh* princeps Hamatensis, anno 617 (inc. 8. Mart. 1220) mortuus, cujus opus decem voluminibus constat — *Bedr-ed-din Mahmúd Ben Ahmed Aini*, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus — *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, qui eos collegit, quorum dicta inter poetas Arabum pro argumento ponuntur — et *Bedr-ed-din Mohammed Ben Ibrahim Beshteki Cáhiri*, anno 831 (inc. 22. Oct. 1427) mortuus. Post haec laudandum est scriptum praeceptoris praecellentis et Imami acutissimi *Abu Mansur Theúlibi*, *Yetimet el-dahr fi mehúsin shoará el-asr* nominatum. Hunc secuti sunt *Abu'hasan Ali Ben-elhasan Búkharzi*, qui librum *Dumyet el-casr we Usret ahl el-asr* composuit — *Abu'lmeáli Sa'd Ben Ali Hatzíri*, qui librum *Zinet el-dahr fi letáif shoará el-asr* edidit — *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed* 10 *Isfaháni* Scriba, qui librum *Kharidet el-casr we Jeridet ahl el-asr* confecit — *Abu'lásim Ali Ben Ja'far Sadi Sickilli* Philologus, vulgo *Ibn-elcattá'* Grammaticus dictus, cujus liber *El-Molah El-Asríyet* inscriptus est — *Ibn Reshíc*, qui librum

- رشيد ثم كتاب الحديفة صنفه في شعراء العصر الحكيم ابو الصلت امية بن عبد العزيز ثم كتاب سر السور للقرنوى وكتاب صنفه عمارة بن ابي الحسن على بن زيدون اليمى في شعراء عصره وكتاب المختار في النظم والنثر لافضل اهل العصر لابن بشرون الصقلى وكتاب شرح اندمية ٧١٢ طبقات الشعراء بالاندلس لعثمان بن ربيعة الاندلسى ذكره الحميدى مات قريباً من سنة ٣١ ومنها البارح واليتيمة والتخريدة ومتعلقاتها وخبايا الزوايا والباهر وفحول 5 الشعراء والدرر والغرر والحديفة ٧١٣ طبقات الصحابة والتابعين لابي عبد الله محمد بن سعد الزهري البصرى كاتب الواقدى المتوفى سنة ٢٣ كتب اولاً الى زمانه فى خمسة عشر مجلداً ثم انتخبه اصغر من ذلك ولابن منده ابي عبد الله محمد بن اسحق الاصفهاني الحافظ فى اسماء الصحابة مات سنة ٣٦٥ ذيله ابو موسى الاصفهاني وفيه الاستيعاب والاصابة واسد الغابة مر كلها فى الالف واختصر السيوطى طبقات ابن سعد وسماه انجاز الوعد المنتقى 10

- El-Inmúzej fi shoará El-Cairacán* edidit — *El-Hakim Abu'salt Omayya Ben Abil-el-aziz*, qui librum *Hadicat* de poetis aequalibus scripsit — *Ghaznewi*, cujus liber *Sirr el-sorúr* inscriptus est — *Omára Ben Abi'hasan Ali Ben Zeidún Yemeni*, qui librum de poetis aequalibus edidit — *Ibn Beshrún Sickilli*, cujus liber *Kitáb el-mokhtár fi el-natzm we el-natzr li afádhil ahl el-asr* inscriptus est. Praeterea Commentarius in opus *Dumyet el-casr* commemorandus est. — 7902. Tabacát el-shoará bi'l Andalus, classes poetarum Andalusenorum, auctore *Othmán Ben Rebía Andalusí*, circa annum 310 (inc. 1. Mai. 922) mortuo, cujus librum *Homeidi* laudat. Huc pertinent *El-Bári* — *El-Yetimet* — *El-Kharidet* — et opera, quae horum librorum appendices continent — *Khabáyá el-zewáyá* — *El-Báhir* — *Fohúl el-shoará* — *El-Dorer* — *El-Ghorer* — *El-Hadicat*. — 7903. Tabacát el-sahábet we el-tábiín, classes sociorum prophetae et horum asseclarum, auctoribus *Abu Abdallah Mohammed Ben Sa'd Zohri Basri Wákidí* Scriba, anno 230 (inc. 18. Sept. 844) mortuo, qui primúm quindecim voluminibus ea descripsit, quae usque ad aetatem suam describenda erant. Tum potiora eorum selecta in opus minus conguessit — *Abu Abdallah Mohammed Ben Is'hac Isfaháni El-Háfitz*, vulgo *Ibn Mende* dicto et anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo, qui de sociorum prophetae nominibus scripsit. Hunc librum *Abu Musa Isfaháni* scripsit. Huc pertinent scripta 10 *El-Istíáb* — *El-Isábet* — *Asad el-ghábet*, de quibus omnibus in litera *Elif* dictum est. *Soyúti* Classes *Ibn Sa'di* in epitomen coegit *Injúz el-ica'd el-muntecá*



من طبقات ابن سعد وللقاضي ابى بكر محمد الطوسى وفي الرياض المستطابة سئل ابو زرعة  
 الحافظ عن جملة حديث رسول الله صلعم فقال ومن يحصيه قبض رسول الله صلعم عن مائة  
 الف واربعه عشر الفا من الصحابة ممن روى عنه وسمع فقيلا له حولاء ابن كانوا واين سمعوا  
 قال اهل المدينة ومكة وما بينهما من الاعراب ومن شيد معه حجة الوداع كل رآه وسمع منه  
 5 ثم ذكر المحدثون انهم ينقسمون الى اثنتى عشرة طبقة الاولى قدماء التابعين الذين اسلموا  
 بمكة كالخلفاء الاربعة ثم اصحاب دار الندوة ثم مهاجرة الحبشة ثم اصحاب العقبة الاولى ثم  
 الثانية ثم المهاجرون الاولون بين بدر والحديبية ثم اهل بيعة الرضوان ثم من حجج بين  
 الحديبية وفتح مكة ثم مسلمة الفتح ثم الصبيان والاطفال الذين رأوا رسول الله صلعم في  
 الفتح وفي حجة الوداع ثم ان ذكرهم على الاجمال والتفصيل باب واسع وارجعنا كتاب اسد الغابة  
 10 لابن الاثير ثم كتاب الاستيعاب وقد اب عليه ابن الصلاح حكايته فيه في شجر بين الصحابة  
 وروايته عن الاخبار بين المحدثين [واختلف في عدد طبقات الصحابة وجعلهم الحكام

*min Tabacát Ibn Sa'd inscriptam — et Cádhi Abu Bekr Mohammed Tusi. — In*  
*opere El-Riyádh El-Mostetábet* narratur haec. *Abu Zar'a El-Háfiz* de summa  
 traditionum propheticarum interrogatus: Qui, inquit, eas computabit? Habuit legatus  
 Dei circiter centum quatuordecim milia sociorum, qui ejus verba retulerunt eumque  
 audiverant. Cum ubi hi fuissent et ubi prophetam audivissent interrogaretur: Medi-  
 nenses, inquit, et Mekhani et Arabes, qui inter utramque horum urbem versantur,  
 et qui cum eo peregrinationem valedictionis fecerunt, eum viderunt omnes et audiverunt.  
 Tum Traditionarios dicit in duodecim classes dividi, quarum prima antesignanos 5  
 asseclarum continet, qui Mekkae fidem Islamicam amplexi sunt, ut quatuor Khalifae,  
 quos secuti sunt socii domus concilii — porro fugitivi in terram Habessinorum migran-  
 tes — socii jurisjurandi primi prope *Acaba* editi — et jurisjurandi secundi — tum qui  
 primi inter pugnam *Bedrensem* et *Hodeibiensem* fugerunt — qui jusjurandum voluntarium  
 interponebant — qui inter pugnam *Hodeibiyae* et Mekkae expugnationem fugerunt —  
 qui Mekka expugnata fidem amplexi sunt — juvenes et infantes, qui legatum divinum  
 viderunt cum Mekka expugnaretur et in peregrinatione valedictionis. Tum eos  
 summam et rursus per singulas partes recenset. — Materia certe est copiosissima,  
 et liber harum classium amplissimus est *Asad el-ghábet* ab *Ibn-elathír* editus, et 10  
 tum liber *El-Istiáb*, quem *Ibn-elsaláh* interdum vituperat propter narrationem, quam  
 de controversia inter socios propheticos facit et relationem eorum, quae inter  
 traditionarios evenerunt. [Diverse statuunt de numero Classium sociorum prophetae,

- اثنى عشر طبقة] ٧١٠٤، طبقات الصدرية عبارة عن حاشية مير صدر الدين محمد الشيرازي على شرح الجديد للتجريد وشرح المطالع في مقابلة طبقات الجلالية كما مر ذكره آنفاً
- ٧١٠٥، طبقات الصوفية لابي عبد الرحمن محمد بن حسين السلمى النيسابوري المتوفى سنة ٤١٣ رتب على خمس طبقات وجعل الطبقة عبارة عن جماعة ظهرت منهم انوار الولاية وآثار الولاية في زمن واحد وازمنة متقاربة يرحد اليهم في الآفاق وذكر في كل طبقة عشرين رجلاً من مشايخ الطريقة وعلمائها ونيه من اسماء المشايخ اكثر من خمس وخمسةائة اوله الحمد لله الذي اظهر آثار قدرته وانوار عزته الخ وله سنن الصوفية كما سبق ولاي سعيد النقاش واحمد بن محمد البسوى مات سنة ٣٦١ ولحمد بن علي الحكيم الترمذي مات سنة ٢٥٥ ولواقع الافكار يأتى في اللام والسراج عمر بن علي الملقن الشافعي مات سنة ٤٠٤ ومن المصنفات فيه تذكرة الاولياء ونفحات الانس ولواقع الانوار ومجمع الاخبار والكواكب الدرية ٧١٠٦، طبقات الطالبين 10

*Hakim* vero duodecim eas esse voluit]. — 7904. *El-Tabacát El-Sadriyet*, classes *Sadr-ed-dini*. Significantur his glossae ad commentarium novum in librum *Tejrid* a *Mir Sadr-ed-din Mohammed Shirázi* scriptae, et glossae ad commentarium in librum *Metáli*, quas ille, ut modo vidimus, classibus *Jelál-ed-dini* opposuit. — 7905. *Tabacát El-Sufiyet*, classes *Suforum* in quinque classes distributorum, auctore *Abu Abd-el-rahman Mohammed Ben Hosein Sollemi Nisábúri*, anno 412 (inc. 17. Apr. 1021) mortuo. Classes autem eos viros nominat, quibus uno eodemque tempore et temporibus haud longe invicem remotis lumina sanctitatis et vestigia 5 directionis apparuerunt, et ad quos in variis terrae tractibus facta sunt itinera. In quavis classe viginti *Sheikhos* et viros doctos hujus ordinis commemorat, et nomina *Sheikhorum* ab eo plus quingenta quinque recensentur. Incipit liber ita: *Laus Deo*, qui vestigia potentiae suae et lumina gloriae manifesta reddidit etc. Idem auctor est libri *El-Sonen El-Sufiyet*, de quo supra dictum est. De iisdem scripserunt *Abu Saíd El-Naccásh* — *Ahmed Ben Mohammed Besevi*, anno 396 (inc. 8. Oct. 1005) mortuus — *Mohammed Ben Ali El-Hakim El-Tirmidzi*, anno 255 (inc. 20. Dec. 868) mortuus — et *Siráj-ed-din Omar Ben Ali Molacckin Shafiita*, anno 804 (inc. 11. Aug. 10 1401) mortuus. Praeter librum *Lewáckih el-afkár*, de quo in litera *Lám* dicitur, opera *Tedzkiret el-auliya*, *Nafahát el-uns*, *Lewáckih el-anwár*, *Mojmi el-akhbár* et *El-Kewákib El-Dorriyet* laudanda sunt. — 7906. *Tabacát el-tálibín*, classes studiosorum,



- محمد بن اسعد الحسينى المتوفى سنة ٥٨٨ ٧١٧ طبقات العلماء لابن ابى طى يحيى بن  
 حميدة الحلبي المتوفى سنة ٦٣٠ ٧١٨ طبقات العلوم لابي المظفر محمد بن احمد الابيوردى  
 المتوفى سنة ٥٧٠ ٧١٩ طبقات عماد الدين ابى الغداء اسمعيل بن عمر بن كثير الدمشقى  
 مات سنة ٧٧٤ ٧١٠ طبقات الفرسان لابي عبيدة معمر بن مثنى الغوى المتوفى سنة ٨٠٠  
 ٧١١ 5 طبقات الفرضيين للسيوطى ٧١٢ طبقات الفقهاء محمد بن عبد الملك الهمداني المتوفى  
 سنة ٨٤٠ ولابي اسحق الشيرازى ابراهيم بن على [بن يوسف الفيروزابادى] مات سنة ٤٧٦ ولابي  
 على بن البناء [الحسن بن احمد البغدادي الكنبلى المتوفى سنة ٤٧٦] ولابي مروان عبد  
 الملك بن حبيب المالكي المتوفى سنة ٢٣٩ ولابي محمد عبد الله بن يوسف الجرجاني وللقاضي  
 شمس الدين العثماني قاضي صفد قال ابن شيبه وقد رأيت خبط فيها خبط عشواء ٧١٣ طبقات  
 10 الفقهاء ولخديين للبيشم بن عدى [المتوفى سنة] فى اربع مجلدات ٧١٤ طبقات فقهاء

nuctore *Mohammed Ben As'ad Hoseini*, anno 588 (inc. 18. Jan. 1192) mortuo. — 7907. Tabacát el-olamá, classes virorum doctorum, auctore *Ibn Abi Tay Yahya Ben Homeida Halebi*, anno 630 (inc. 18. Oct. 1232) mortuo. — 7908. Tabacát el-olúm, classes doctrinarum, auctore *Abu'lmozaffer Mohammed Ben Ahmed Abiwerdi*, anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortuo. — 7909. Tabacát Imád-ed-dín, classes editae ab *Imád-ed-dín Abu'fedá Ismaíl Ben Omar Ben Kethir Dimesheki*, qui anno 774 (inc. 3. Jul. 1372) obiit. — 7910. Tabacát el-forsán, classes equitum, auctore *Abu Obeida Ma'mer Ben Mothanna* Lexicologo, anno 210 (inc. 24. Apr. 825) mortuo. — 7911. Tabacát el-fardhiyín, classes virorum juris 5 hereditarii peritorum, auctore *Soyúti*. — 7912. Tabacát el-focahá, classes jurisconsultorum, auctoribus *Mohammed Ben Abd-el-melik Hemdáni*, anno 521 (inc. 17. Jan. 1127) mortuo — *Abu Is'hac Ibrahim Ben Ali [Ben Yusuf Firuzábádi] Shirázi*, anno 476 (inc. 21. Mai. 1083) mortuo — *Abu Ali Ben-elbenná [Husan Ben Ahmed Baghdádi Hanbalita*, anno 471 (inc. 14. Jul. 1078) mortuo] — *Abu Merwán Abd-el-melik Ben Habíb Malikita*, anno 239 (inc. 12. Jun. 853) mortuo — *Abu Mohammed Abdallah Ben Yusuf Jorjání* Cadhi *Shems-ed-din Othmáni* Judice Safedensi. *Ibn Shokbeh*: Vidi librum, inquit, at auctor nil curans in varios errores incidit. — 7913. Tabacát el-focahá we el-mohaddithín, classes 10 jurisconsultorum et traditionariorum, auctore *Heithem Ben Adi*, [anno . . . mortuo] Quatuor volumina. — 7814. Tabacát focahá El-Yemen, classes jurisconsul-

- اليمن ورؤسآ الزمن لعمر بن علي المعروف بابن سمرة الجعدي اليمني المتوفى سنة ٥١٠  
 ٧١٥ طبقات القرآء لابي عمرو عثمان الدواني المتوفى سنة ٤٤٤ وللشيخ محمد بن محمد الجزري  
 صغرى وكبرى وكبراه النهاية وصغراه غاية النهاية المتوفى سنة ٤٣٣ وهو اجمع كتب في هذا  
 النوع وصنف فيه شمس الدين ابو عبد الله محمد بن احمد الذعبي المتوفى سنة ٧٤٨ كتاباً  
 اخذه من تأريخه الكبير ذيله الشريف ابو الحسن محمد بن علي الحسيني [المتوفى سنة ٧١٥] 5  
 ولاي معشر عبد الكريم بن عبد الصمد الطبري المتوفى سنة ٤٧٨ وهو على سبع عشرة طبقة  
 قرأها الصغدي علي المصنف والذيل على طبقات القرآء للعفيف الطبري وللسراج عمر بن علي  
 الملحن مات سنة ٨٠٤ ولاي العلآء حسن بن احمد الهمداني في عشرين مجلداً ٧١٦ طبقات  
 الكتاب لجلال الدين السيوطي المتوفى سنة ٩١١ ومحمد بن موسى المعروف بالاقشين القرطبي مات  
 سنة ٣٠٧ ٧١٧ طبقات اللغويين والنحاة لابي بكر محمد بن حسن الزبيدي الاشبيلي المتوفى 10

torum Yemenensium et temporis principum, auctore *Omar Ben Ali Ja'di Yemeni*,  
 vulgo *Ibn Samora* dicto et anno 586 (inc. 8. Febr. 1190) mortuo. — 7915. Tabacát  
 el-corrá, classes lectorum Corani, auctoribus *Abu Amru Othmán Dewáni*, anno  
 444 (inc. 3. Mai. 1052) mortuo, et *Sheikh Mohammed Ben Mohammed Jezeri*,  
 anno 833 (inc. 30. Sept. 1429) mortuo, qui duplices Classes edidit, quarum majores  
*Niháyet*, minores *Gháyet el-niháyet* inscriptae sunt. Ille liber hujus generis  
 amplissimus est. De iisdem *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed*  
 5 *Dzehebi*, anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) mortuus, librum scripsit, quem ex majori  
 historia excerpit, eumque *Sherif Abu'nehásin Mohammed Ben Ali Hoseini*, [anno  
 765 (inc. 10. Oct. 1363) mortuus], continuavit et *Abu Ma'shar Abd-el-kerim Ben*  
*Abd-el-samed Taberi*, anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuus, cujus liber decem et  
 septem classes continet, et hunc *Safedi* coram auctore legit. Continuarunt Classes  
 lectorum Corani *Afif-ed-din Taberi* — *Siráj-ed-din Omar Ben Ali Molacckin*,  
 anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuus — et *Abu'lalá Hasan Ben Ahmed Hemdáni*,  
 qui viginti volumina composuit. — 7916. Tabacát el-kottáb, classes scribarum,  
 auctoribus *Jelál-ed-din Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo, et *Mohammed*  
 10 *Ben Musa Cortubi*, vulgo *Acshin* dicto et anno 307 (inc. 3. Jun. 919) mortuo. —  
 7917. Tabacát el-loghawiyin we el-nohát, classes lexicographorum et gram-  
 maticorum, auctoribus *Abu Bekr Mohammed Ben Hasan Zebidi Ishbili*, anno [379



- سنة [٣٧٩] جمع فيه من ابى الاسود الى زمانه ولاى الطيّب [ولانى جعفر احمد] بن محمد  
 النحاس النحوى المتوفى سنة [٣٣٨] وفيه البلغة مرّ في الباء وللسيوطى وسمّاه بغية الوعاة في  
 طبقات اللغويين والنحاة ٧١٨ طبقات للفقيه عبد الفاضل المحقق عبد الوهاب بن عبد  
 الرحمن البريى السكسكى الذى فرغ من جمعها سنة ٨٧٠ ٧١٩ طبقات للقاضى العثمانى  
 5 قاضى صفد المتوفى سنة وهو متأخر سنة ٨٠٠ ذكره السخاوى في ترجمة البرهان الانباسى  
 ٧١٠ طبقات المالكية لابن فرحون [برهان الدين ابراهيم بن على بن محمد المدنى المتوفى  
 سنة ٧٩٩] سمّاه ديباج المذهب في علماء المذهب مرّ ونيله المسمى بتوشيح الديباج للقرايى  
 ٧١١ طبقات المتكلمين لانى بكر محمد بن فورك مات سنة ٤٠٩ وللقاضى عياض بن موسى  
 الجصمى سمّاه ترتيب المدارك سبق وللمرزبانى اخبار المتكلمين ٧١٢ طبقات المجتهدين  
 10 في مذهب الكنفية للمولى احمد بن سليمان ابن كمال پاشا المتوفى سنة ٩٤٠ ٧١٣ طبقات

(inc. 11. Apr. 989) mortuo, qui eos ab *Abu'laswad* inde usque ad suam aetatem collegit — *Abu'tayyib* — [*Abu Ja'far Ahmed*] *Ben Mohammed Nahhás* Grammatico, anno [338 (inc. 1. Jul. 949)] mortuo — et *Soyúti*, cujus liber *Bughyet el-woát fi Tabacát el-toghawiyín we el-nohát* inscriptus est. — De iisdem agit liber *El-Bulghet*, de quo in litera *Bá* dictum est. — 7918. *Tabacát*, classes, auctore Jurisconsulto subtilissimo *Abd-el-fádhil Abd-el-wehháb Ben Abd-el-rahman Boreihi Sekseki*, qui earum syllogen anno 867 (inc. 26. Sept. 1462) collegit. — 7919. *Tabacát*, classes, auctore *El-Cádhi El-Othmání* Judice *Safedensi*, anno ... mortuo, qui 5 post annum 800 (inc. 24. Sept. 1397) vixit. Laudat eas *Sekháwi* in vita *Borhán-ed-díni Enbási*. — 7920. *Tabacát El-Málikiyet*, classes *Malikitarum*, auctore *Ibn Ferhún* [*Borhán-ed-dín Ibráhim Ben Ali Ben Mohammed Medeni*, anno 799 (inc. 5. Oct. 1396) mortuo], cujus liber, ut supra notatum est, titulum *El-Dibáj El-Modzehheb fi olamá el-madzheb* prae se fert. Appendix ad eas a *Caráfi* composita *Taushih El-Dibáj* inscripta est. — 7921. *Tabacát el-motekellimín*, classes metaphysicorum, auctoribus *Abu Bekr Mohammed Ben Furek*, anno 406 (inc. 21. Jun. 1015) mortuo — *Cadhi Iyádh Ben Musa Yahsebi*, cujus liber *Tertib el-medárik* inscriptus et supra laudatus est — et *Merzobáni*, qui *Akhhár el-motekellimin* scripsit. — 7922. *Tabacát el-mojtehidín*, classes virorum studii utriusque juris et doctrinae amantissimorum de secta *Hanefitarum*, auctore *Molla Ahmed Ben* 10 *Soleimán Ibn Kemálpasha*, anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuo. — 7923. *Tabacát*

المحدثين لسراج الدين عمر بن علي ابن الملحق الشافعي المتوفى سنة ٨٠٤ من زمن الصحابة  
 الى زمانه ولاي القاسم مسلم بن القاسم الاندلسي وله عليه ذيل ايضا ذكره عبد القادر في  
 الجواهر المصنفة ٧٩٤ طبقات المعبرين لحسن بن الحسين لخلال ذكر سبعة آلاف وخمسمائة  
 معبر من مشاهير الذين ضربوا في هذا العلم واخذوا منيم بقسم وجعلهم خمسة عشر قسما  
 الاول من الانبياء والثاني من الصحابة والثالث من التابعين والرابع من الفقهاء والخامس من 5  
 المذكورين والسادس من المؤلفين ٧٩٥ طبقات المعتزلة للقاضي عبد الجبار [بن احمد بن  
 عبد الجبار الهمداني الاسدي المتوفى سنة ٤١٥] ظنا ٧٩٦ طبقات المفسرين لجلال الدين  
 عبد الرحمن السيوطي المتوفى سنة ٩١١ [وللمولى محمد بن علي بن احمد الداودي المالكي فرغ من  
 تبييضه في سنة ٩٢١ قال وقد طالعت في هذا الكتاب الطبقات لابن السبكي وابن قاضي شهبه وطبقات  
 ابن فرحون وطبقات الخنابلة وغيرها ابتداء في اول كتابه بعد المسئلة بحرف الالف من اسم ابن 10

*el-mohaddithin, classes traditionariorum, auctoribus Siraj-ed-din Omar Ben Ali Ibn-elmolacckin Shafiita, anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuo — a tempore sociorum prophetae usque ad suam aetatem — et Abu'lcasim Moslim Ben-elcasim Andalusii, qui appendicem quoque edidit, ut Abd-el-cadir in El-Jewahir El-Modhtyet narrat. — 7924. Tabacát el-moabbirin, classes interpretum somniorum, auctore Hasan Ben-elhosein Khallál, qui septem milia quingentos somniorum interpretes eosque illustrissimos recenset, qui hanc scientiam professi sunt, et a quibus per partes didicerunt. Distribuit eos in quindecim partes, quarum prima interpretes 5 somniorum e prophetis, secunda e prophetae sociis, tertia ex horum sociorum asseclis, quarta e jurisconsultis, quinta e viris Dei memoriam assidue recolentibus, sexta ex auctoribus continet. — 7925. Tabacát El-Mo'tazilet, classes Motazelitarum, quorum auctor, [ut videtur], Cadhi Abd-el-jebbár [Ben Ahmed Ben Abd-el-jebbár Hemdani Asedábadi, anno 415 (inc. 15. Mart. 1024) mortuus], est. — 7926. Tabacát el-mofassirin, classes interpretum Corani, auctoribus Jelál-ed-din Abd-el-rahman Soyúti, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo, qui, ut in Indice librorum dicit, non absolvit, [et Molla Mohammed Ben Ali Ben Ahmed Dawudi Malikita, qui finem iis nitide exscribendis anno 941 (inc. 13. Jul. 1534) imposuit. Legi, inquit, ad hunc 10 librum componendum Classes ab Ibn-elsobki, Ibn Cádhi Shohbeh, Ibn Ferhún editas, et Classes Hanbalitarum aliasque. Post formulam „Nomine Dei“ initio libri incipit a litera Elif, et quidem a nomine suo Abán, et tum viros ad ordinem*



ثم ذكر على حروف التهجى وهو احسن ما صنّف فيه] ولم يتم كما في فهرسه وصنّف فيه  
 الشيخ ابو سعيد صنع الله الكوزه الكنائى المتوفى سنة ٩٨٠ ٧١٢٧ طبقات الممالك ودرجات  
 المسالك تركى لمصطفى [بن] جلال التوقيعى المتوفى سنة وهو تاريخ مخصوص للوقائع السلطانية  
 العثمانية من اوله الى خروج ابنه بايزيد ذكر انه اراد ان يرتب اولاً على ثلثين طبقة وثلثمائة  
 5 وستين درجة ثم اخر ذكر الممالك الى مجلد آخر ٧١٣٨ طبقات الناصرى فارسى لمنهاج بن  
 معروف بسراج الجرجانى المتوفى سنة ألفه فى غزوات ناصر الدين محمود شاه بن ايلتمش  
 الدهلوى ٧١٣٩ طبقات النحاة اول من صنّف فيه ابو العباس محمد بن يزيد المبرد النحوى  
 المتوفى سنة ٢٨٥ وهو مخصوص للبرصيين ثم صنّف ابو سعيد حسن بن عبد الله بن السيرافى  
 ايضا المتوفى سنة ٣٤٨ وابو بكر محمد بن حسن الزبيدى مات سنة ٣٧١ جمع من ابى الاسود  
 10 الى زمانه مر ذكره آنفاً وآلف صلاح الدين الصفدى وابن قاضى شهبه وانفعها واجمعها  
 طبقات جلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى فانه جمع ما فى كتب الاقدمين

alphabeti singulos recenset. Hic liber omnium de hac re compositorum praestantissimus est]. De iisdem interpretibus scripsit Sheikh *Abu Said San'o'llah Kuzeh Kinani*, anno 980 (inc. 14. Mai. 1572) mortuus. — 7927. *Tabacát el-memálik we Daraját el-mesálik*, classes regnorum et gradus viarum, auctore *Mustafa [Ben] Jelál Tauckii?*, anno ... mortuo. Historia turcica, quae peculiariter in rebus imperii othmanici a *Soleimán* gestis ab initio usque ad rebellionem filii *Bayezid* versatur. Dicit, primum se librum in triginta classes et trecentos sexaginta gradus distribuere 5 voluisse; postea vero regnorum descriptionem in aliud volumen reservavit. — 7928. *Tabacát El-Násiri*, classes *Nasiricae*, auctore *Minháj Jorjáni* filio ejus, qui vulgo *Siráj* dictus est, anno ... mortuo. Historia persica, quam de expeditionibus bellicis *Násir-ed-dín Mahmúd Sháh Ben Hetmish Dehlewí* composuit. — 7929. *Tabacát el-nohát*, classes grammaticorum. Primus qui de his scripsit fuit *Abu'abbás Mohammed Ben Yezid Mobarred* Grammaticus, anno 285 (inc. 28. Jan. 898) mortuus, qui peculiariter in grammaticis Basrensibus recensendis versatur. Post hunc scripserunt *Abu Said Hasan Ben Abdallah Ben-elsiráfí*, anno 368 (inc. 9. Aug. 978) mortuus — *Abu Bekr Mohammed Ben Hasan Zebídi*, anno 379 (inc. 11. Apr. 989) mortuus, qui grammaticos ab *Abu'laswad* usque ad suam aetatem describit et paulo ante 10 laudatus est. Praeterea *Saláh-ed-din Safedí* et *Ibn Cádhi Shohbeh* scripserunt. Classes autem omnium utilissimas et copiosissimas edidit *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*; hic enim quae in libris veterum leguntur, collegit et in septem

- فارعى فى سبع مجلّدات قرّ لتخصّيا فى مجلّد وهو الوسطى قرّ اختصره ثانيًا وسمّاه بغيبة  
 الرواة وصنّف فيه أبو الحسن مفضل بن محمد البصرى المتوفى سنة ٤٤٣ وتاج الدين عبد  
 الباقى بن عبد المجيد المكي المتوفى سنة ٧٢٣ وأبو جعفر النكاس جمع اعد اللغة توفى  
 سنة ٣٣٨ وأبو انطّيب اللغوى مات سنة وجمال الدين على بن يوسف القفطى [المصرى المعروف  
 بالقاضى الاكريم] مات سنة ٩٤٩ سمّاه انبياء الرواة ومختصره للذهبي وجمع اثير الدين ابو حيان 5  
 محمد بن يوسف الاندلسى نكاحه الاندلس توفى سنة ٧٤٥ وأبو عبد الله محمد بن الحسين  
 [الاديب] اليمنى المتوفى سنة ٤٠٠ وابن درستويه عبد الله بن جعفر النحوى المتوفى سنة ٣٤٧  
 وأبو الفرج مفضل بن مسعود التنوخى المتوفى سنة ٧١٣ طبقات النسابين محمد بن اسعد  
 الحسينى المتوفى سنة ٥٨٠ ٧١٢١ طبقات النساك لابن الاعرابى ابي سعيد [احمد بن محمد  
 ابن زياد الغزى المتوفى سنة] ٧١٣٢ طبقات همدان لعبد الرحمن بن احمد الانماطى 10

- voluminibus reposuit. Tum epitomen earum confecit volumine comprehensam, unde  
 classes mediae prodierunt. Hanc iterum excerpit et epitomen inde eaatam *Bughyet  
 el-woát* nominavit. Porro scripserunt *Abu'lmehasin Mofadhdhil Ben Mohammed  
 Basri*, anno 443 (inc. 15. Mai. 1051) mortuus — *Táj-ed-dín Abd-el-bácki Ben  
 Abd-el-mejid Mekki*, anno 743 (inc. 6. Jun. 1342) mortuus — *Abu Ja'far Nahhás*,  
 anno 338 (inc. 1. Jul. 949) mortuus, qui lexicographos collegit — *Abu'tayyib  
 Lexicographus*, anno ... mortuus — *Jemál-ed-dín Ali Ben Yusuf Cofti* [*Misri*,  
 5 vulgo *El-Cádhi El-Ekrem* dictus et] anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuus, qui  
 librum *Anbá el-rowát* inscripsit. Hunc *Dzehebi* in epitomen coegit — *Athír-ed-dín  
 Abu Hayyán Mohammed Ben Yusuf Andalusi*, anno 745 (inc. 15. Mai. 1344)  
 mortuus, qui grammaticos Andalusenos collegit — *Abu Abdallah Mohammed Ben-  
 elhosein Yemeni* [Philologus], anno 400 (inc. 25. Aug. 1009) mortuus — *Ibn  
 Dorostaweih Abdallah Ben Ja'far* Grammaticus, anno 347 (inc. 25. Mart. 958)  
 mortuus — et *Abu'faraj Mofadhdhil Ben Mes'úd Tenúkki*, anno ... mortuus. —  
 7930. *Tabacát el-nessábin*, classes genealogistarum, auctore *Mohammed Ben  
 As'ad Hoseini*, anno 588 (inc. 18. Jan. 1192) mortuo. — 7931. *Tabacát el-nossák*,  
 10 classes monachorum Deo devotorum, auctore *Abu Said* [*Ahmed Ben Mohammed Ben  
 Ziyád Ghazzi*], vulgo *Ibn-elarábi* dicto [et anno ... mortuo]. — 7932. *Tabacát  
 Hemdán*, classes Hemdanicae, auctore *Abd-el-rahman Ben Ahmed Enmáti*. —



٧١٣٣ طبیف المناطق وهو آلة فی حیفتی الاسترلاب لجمشید ابن مسعود اوله الحمد لله  
الذی جعل اطباق السموات الخ وشرحہ وسماه نزهة الحدائق مشتملة علی باین وخاتمة  
الحق فوائد اخرى فی رسالة فی عشر الحقائق

٧١٣٤ علم الطبیعی

5. وهو علم یبحث فیہ عن احوال الاجسام الطبیعیة وموضوعه الجسم  
٧١٣٥ طبیعة الانسان لبقرات وهو من الكتب الاثنی عشر له مشتمل علی مقالین فیہ  
القول بطبائع الابدان ومما ذا ترکیب ٧١٣٦ طبیعت نامه ترکی للشیخ الیاس الشیخیر باین  
عیسی الاقحصاری ٧١٣٧ طراز الالوحدی فی الکمال الحمدی لیوسف بن عبد الرحمن القاضی  
کمال الدین الحلبي المتوفی سنة وهو قصیدة فی نحو مائة وخمسين بیتا ٧١٣٨ طراز الذعب  
10 فی ادب الطلب لابی سعد عبد الکریم بن محمد السمعانی المتوفی سنة ٥٧٣ ٧١٣٩ طراز  
انراز دیوان شعر [موشحات] لصدر الدین محمد بن عمر بن [مکی بن] المرجل المتوفی

7933. Tabac el-menâtic, orbis cingulorum, quod instrumentum est in duabus  
astrolabii tabulis, auctore *Jemshid Ibn Mes'ûd*. Incipit ita: Laus Deo qui coelorum  
orbis fecit etc. Tum ejus commentarium edidit *Nuzhet el-hadâic* inscriptum, qui  
duo capita et conclusionem continet. Quo facto novas adnotationes utiles adjecit in  
tractatu in decem additamenta diviso.

7934. Ilm el-tabiî. Physica.

Haec est ea doctrina, in qua de affectionibus corporum physicorum agitur ejusque 5  
objectum est corpus. —

7935. Tabiât el-insân, natura hominis, auctore Hippocrate. E duodecim  
libris ejus primariis est et duas dissertationes continet, ubi de corporum naturis agitur  
et ea leviter tractantur, quae ad structuram hominis pertinent. — 7936. Tabiât-  
nâme, tractatus de natura turcicus, auctore Sheikh *Ilyâs Ac'hisâri*, vulgo *Ibn  
Isa* dicto. — 7937. El-Tirâz El-Auhadi, vestis pretiosa unica de perfectione  
*Mohammedica*, auctore *Yusuf Ben Abd-el-rahman Cûdhi Kemâl-ed-dîn Halebi*, anno...  
mortuo. *Casida* centum quinquaginta circiter versus continens. — 7938. Tirâz  
el-dzeheb, ornamentum vestis aureum de ratione recta studiorum, auctore *Abu* 10  
*Sa'd Abd-el-kerim Ben Mohammed Sem'âni*, anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. —  
7939. Tirâz el-râz, vestis arcani pretiosa. Sylloge carminum [duplici homoeoteleuto  
distinctorum, auctore *Sadr-ed-dîn Mohammed Ben Omar Ben [Mekki Ben]-*

- سنة ٧١٦ اخذ ذلك الاسم من ديوان ابن سينا فإنه يسميه ذات الطراز ٧١٤. طراز العلمين  
 في حكم الاستفهامين لسراج الدين عمر بن قاسم النشار مختصر في انقراء ٧١٢١ طراز في  
 شرح ضبط الحجاز للشيخ ابي عبد الله محمد بن عبد الله بن عبد الجليل بن عبد الله  
 التنيسي ٧١٢٢ طراز اللزوردي في حواش الجاربردي شرح الشافعية للسيوطي يأتي  
 ٧١٢٣ طراز المخائل في الغاز المسائل الفقهية للشيخ الامام جمال الدين [عبد الرحيم بن 5  
 حسن] الاسنوي [المتوفى سنة ٧١٢] الشافعي ٧١٢٤ طراز المذهب في احكام المذهب للشهاب  
 احمد بن يوسف الشرجي الشافعي مات سنة ٨١٣ ٧١٢٥ طراز المذهب تلخيص المذهب يأتي  
 ايضا ٧١٢٦ طراز المذهب في العمل بالربع الخفيف ل محمد بن محمد المعروف بسبط المارديني  
 رسالة لخص فيه المطلب له ورتب على مقدمتين وخمسين باباً ٧١٢٧ طراز المذهب في  
 الكلام على احاديث المذهب يأتي في الميم ٧١٢٨ طراز المنقوش في محاسن الكبوش 10

- elmorajjel*, anno 716 (inc. 26. Mart. 1316) mortuo, qui titulum a Diwano *Ibn Sinae Dzát el-tiráz* inscripto assumsit. — 7940. *Tiráz el-ilmein*, vestis duarum doctrinarum pretiosa de regulis duarum interrogationum, auctore *Siráj-ed-dín Omar Ben Cásim Neshshár*. Compendium de critica coranica. — 7941. *Tiráz*, vestis pretiosa. Commentarius in librum de curanda animi aegritudine, auctore Sheikh *Abu Abdallah Mohammed Ben Abdallah Ben Abd-el-jetil Ben Abdallah Tinntsi*. — 7942. *El-Tiráz El-Lazpwerdi*, vestis pretiosa cyanea. Glossae a *Járperdi* ad 5 commentarium in *Shafiyam* a *Soyúti* scriptum editae. Vide infra. — 7943. *Tiráz el-meháfil*, ornamentum aureum conventuum de quaestionibus juridicis aenigmaticis, auctore Sheikh et Imám *Jemál-ed-dín [Abd-el-rahím Ben Hasan] Esnewi* Shafiita, [anno 772 (inc. 26. Jul. 1370) mortuo]. — 7944. *El-Tiráz El-Modzehheb*, vestis pretiosa auro picta de statutis sectae, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Yusuf Sherji* Shafiita, anno 862 (inc. 19. Nov. 1457) mortuo. — 7945. *El-Tiráz El-Modzehheb*, vestis pretiosa auro picta. Epitome potiora operis *Mohadzzeb* continens, de qua infra videatur. — 7946. *El-Tiráz El-Modzehheb*, vestis pretiosa auro picta de operationibus cum quadrante *Mojeyyeb* i. e. sinu instructo instituendis, auctore *Mohammed Ben Mohammed*, vulgo *Sibt El-Máridíni* dicto. Tractatus in duas praefationes et quinquaginta capita divisus, ubi meliora dedit ex libro suo *Matleb*. — 7947. *El-Tiráz El-Modzehheb*, vestis pretiosa auro picta. 10  
 Dissertatio de traditionibus in opere *Mohadzzeb* lectis, de quo litera *Mim* videatur. — 7948. *El-Tiráz El-Mencúsh*, vestis pretiosa picta de virtutibus Habessinorum



لاقي المعالي علاء الدين محمد بن عبد الباقي البخاري المكي خطيب المدينة [ المنورة ] سابقا ألفه في سنة ٩١١ واستمد فيه من رسالتي السبوطي احدها رفع شأن الحبشان والآخر ازهار العروش في اخبار الحبوش وفيه مقدمة واربعه ابواب وخاتمة المقدمة في اصل الحبوش والباب الاول فيما يدل على فضليم الباب الثاني في فضل النجاشي الباب الثالث فيمن عرف 5 اسمه من الصحابة منيم الباب الرابع فيما ذكر له الادب فييم لخاتمة فيما قيل في سبب لعوط الحبوش وصدر في خطبة اسم السيد حسين بن حسن شريف مكة ٧٤١ طرأف الطرف مختصر على اثني عشر بابا فيه من الاشعار والامثال والحكم اوله اما بعد حمد الله تعالى اولي ما افتتح به كل مقال الخ للبارع الهروي ٧١٥. طرب المجالس فارسي مختصر في النصائح والحكم على لسان الوحوش والطيور لحسين بن حسن بن السيد الحسيني المتوفي سنة 10 وهو على خمسة اقسام بدائع وروائع وهذا الباب يشتمل على مقطعات مجموعها الف بيت ٧١٥ الطرثوث في فوائد البرغوث رسالة لجلال الدين السبوطي المتوفي سنة ٩١١ قال

laudabilibus, auctore *Abu'lmeali Ala-ed-din Mohammed Ben Abd-el-bácki Bokhari Mekki*, antea Medinae Concionatore, qui anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) scripsit. Petiit ibi plura e duobus *Soyúti* libellis, quorum prior *Raf'o'shán El-Hobshán*, posterior *Azhár el-orúsh fi akhbár El-Hobúsh* inscriptus est. Continet praefationem, quatuor capita et conclusionem, et praefatio agit de origine Habessinorum, caput primum de iis, quae eorum praestantiam monstrant, caput secundum de praestantia regis Habessinorum (*Nejúshi*), caput tertium de iis Habessinibus prophetae sociis, quorum nomen notum est, caput quartum de descriptione eorum, quibus inter eos 5 elegantia morum et doctrinae tribuenda est, et conclusio de iis, quae de Habessinibus cauterio ustis traduntur. Praefationi nomen *Seyyidi Hosein Ben Hasan Mekkae Sherífi* praefixit. — 7949. *Taráif el-tarf*, jucunditates oculi. Compendium in duodecim capita divisum, quo poemata, proverbialia et apophthegmata continentur, auctore *Herevi* diserto. Incipit ita: Praemissis praemittendis. Optimum, a quo omnis oratio incipit, laus Dei excelsi est etc. — 7950. *Tarab el-mejális*, laetitia consensuum academicorum. Compendium persicum monita et apophthegmata continens, quae ex ore ferarum et volucrum proficiscuntur, auctore *Hosein Ben Hasan Ben-elseyyid Hoseini*, anno . . . mortuo. Quinque partes dictorum novorum et 10 elegantium, et caput hoc carmina brevia complectitur, quae summam mille versuum continent. — 7951. *El-Torthúth fi fewáid el-borghúth*, fungus de utilitatibus pulicis. Tractatus, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo,

- آف ابن حجر جزءاً سماه البسط المبيوث في خبر البرغوث وهذا جزء يحتوي عليه وزيادة  
 فيه بمقدمة ومقصد وخاتمة ٧٩٣ طرَح السقط في نظم اللقط له ايضاً ذكره في فهرس  
 مؤلفاته في فن الحديث وهو في خصائص النبي صلعم ٧٩٣ طرد السبع ٧٩٤ الطرديات  
 لكشاجم [ابن الفتح محمود بن الحسين الشاعر الرملي المتوفى سنة ٣٥٠] ٧٩٥ طرز العمامة  
 في التفرقة بين المقامة والقمامة وهو مقامة من مقامات جلال الدين السيوطي المتوفى سنة ١١١ 5  
 ٧٩٦ طرف الالباب وتتحف الاحباب من حكايات بعض الشعراء الاعراب ذكره اليافعي  
 ٧٩٧ طرف العصر في دولة بني نصر [يعني دولة ملوك بني الاحمر باندلس] في ثلث مجلدات  
 للسن الدين الخطيب محمد بن عبد الله القرطبي الوزير المقتول عذراً سنة ٧٩٦ ٧٩٨ طرف  
 المجالسة وملح الموانسة للكاتب الرئيس ابي عمرو عثمان بن ابي بكر يحيى المرابط  
 ٧٩٩ الطرفة الغربية في اخبار دار حضرموت العجيبة لتقى الدين احمد بن علي المقرئ 10

- qui: Composuit, inquit, *Ibn Hajr fasciculum, El-Bast El-Mabthúth fi khabar el-borghúth* inscriptum, et ille tractatus hunc complectitur ita, ut *Soyúti* praefationem, consilium et conclusionem adderet. — 7952. *Tarh el-sacat*, abjectio quisquiliarum de spicis collectis ordine disponendis, auctore eodem *Soyúti*. Agit hic libellus, quem in Indice scriptorum scientiae traditionariae adnumerat, de virtutibus prophetae propriis. — 7953. *Tard el-sab'i'*, venatio leonis. — 7954. *El-Tardiyát*, carmina de rebus ad venationem pertinentibus, auctore [*Abu'fat'h Mahmúd Ben-el-hosein El-Ramli Poeta,*] vulgo *Coshájim* dicto [et anno 350 (inc. 20. Febr. 961) 5 mortuo]. — 7955. *Tarz el-imámet*, ornatio pulchra fasciae capiti obvolutae de discrimine inter voces *mecámet* et *comámet*, quae catervam hominum significant. Consessus *Jelál-ed-dini Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortui. — 7956. *Toraf el-albáb*, gemmae ingenii et dona amicis dilectis oblata. Historiae poetae cujusdam Arabum a *Yáfi* commemoratae. — 7957. *Toraf el-asr*, dona nova temporis de dynastia filiorum *Nasr* [i. e. dynastia regum *Beni'lahmar* Andalusenorum]. Tria volumina, auctore *Lisán-ed-din El-Khatib Mohammed Ben Abdallah Cortubi Weziro*, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) palam interfecto. — 7958. *Toraf el-mojáliset we Molah el-mowáneset*, gemmae consessus et lepores commercii familiaris, auctore scriba supremo *Abu Amru Othmán Ben Abi Bekr Yahya El-* 10 *Morábíl*. — 7959. *El-Torfet El-Gharíbet*, gemma pretiosa de historia provinciae Hadhramaut mirabili, auctore *Tacki-ed-din Ahmed Ben Ali Macrízi*,



المتوفى سنة ٨٤٥ ٧٩٠ الطرفة في النحو لشمس الدين ابى عبد الله محمد بن عبد الياضى  
المقدسى مختصر كالكافية ٧٩١ الطرفة منظومة في النحو لعلآء الدين طيبوس [بن عبد  
الله] الجندى النحوى توفى سنة ٧٩١ تسعمائة بيت جمع فيها بين الالفبة ومقدمة ابن  
حاجب وزاد عليهما ثم شرحها ٧٩٣ الطرق الحكمية للشيخ الامام شمس الدين ابى عبد  
الله محمد بن قيم الجوزية الحنبلى مات سنة ٧٥١ مجلد اوله الحمد لله نعمده ونستعينه  
الح ذكر فيه انه سئل عن الحاكم او الموالي يحكم بالقراسة والقرآن ولا يقف فيه مع مجرّن  
ظواهر البيّنات والاقرار فصنّف وحقق فيه ٧٩٣ طرق السعادتين للشيخ شمس الدين محمد  
ابن ابى بكر بن قيم الجوزية الدمشقى المتوفى سنة ٧٥١ ٧٩٤ طرق السنية فى الآلات  
الروحانية للعلامة تقى الدين الراصد المتوفى سنة ٧٩٥ الطرق والوسائل الى معرفة احاديث  
10 خلاصة الدلائل وهى شرح مختصر القدورى وذلك تخريج الاحاديث يأتى فى الميم

anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuo. — 7960. El-Torfet fi el-nahw, gemma  
de grammatica, auctore *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Abd-el-hadi  
Mocaddesi*. Compendium *Kāfiyae* simile. — 7961. El-Torfet, gemma, auctore  
*Alā-ed-din Teibūs [Ben Abdallah] Jendi* Grammatico, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348)  
mortuo. Carmen grammaticum nongentorum versuum, ubi *Alfiyam* et Introductionem  
(*Mocaddemet*) *Ibu Hājibi* conjunxit, iis nova addidit, et postea totum commentatus  
est. — 7962. El-Toroc El-Hikmiyet, viae philosophicae, auctore Sheikh et  
Imām *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Cayyim-eljauziyet* Hanbalita, 5  
anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuo. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo, quem  
laudamus et a quo auxilium petimus etc. Monet ibi, se de praefecto aut iudicibus  
rogatum esse, qui sententiam e physiognomices legibus et rebus cum ea conjunctis  
dicerent, cum de hac re non constaret, quamvis signa exteriora argumentorum  
evidentium et confessionis nude ante oculos posita essent. Scripsit igitur et verum  
proponere studuit. — 7963. Toroc el-seádatein, viae duarum felicitatum,  
auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Ben Cayyim-eljauziyet*  
*Dimeshcki*, anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuo. — 7964. El-Toroc El-  
Seniyet, viae altae de instrumentis pneumaticis, auctore viro doctissimo *Tacki-ed-din*  
*El-Rásid*, anno ... mortuo. — 7965. El-Toroc we El-Wesáil, viae et  
admicula ad cognitionem traditionum libri *Khiláset el-deláil*, qui commentarium 10  
in Compendium *Codúrú* continet, et hic traditiones habemus ex eo extractas. Vide

٧٩٩ طريقة المحمديّة في الموعظة للمولى محمد بن بدير على المعروف ببيركلى المتوفى سنة ٩٨١  
 اوله الحمد لله الذى جعلنا امة وسطا خير امم الخ وهى على ثلاثة ابواب الاول وفيه ثلاثة  
 فصول الاول في الاعتصام بالكتاب والسنة الثانى في البدع الثالث في الاقتصاد والثانى فيه ثلاثة  
 فصول ايضا الاول في تصحيح الاعتقاد والثانى في العلوم المقصودة بغيرها وهو ثلاثة انواع الثالث  
 في التقوى وفيه ثلاثة انواع وفي ثلثه تسعة اصناف والثالث في امور ظننت من التقوى وليست  
 5 منها وفيه ثلاثة فصول ايضا الاول في الدقة في امر الطيارة وفيه اربعة انواع الثانى في التورع  
 من طعام اجل الوظائف الثالث في امور مبتدعة اتمه في ليلة الاربعاء السابع عشر من شعبان  
 سنة ٩٨٠ نقلت من خطه وهو كتاب مفيد معتبر وقد اختصره المولى محمد التبرهوى المعروف  
 بعبشى المتوفى سنة ١٠١٩ شرحها الشيخ محمد بن على بن محمد علان الصديقى البكرى المكي  
 اوله الحمد لله رب الخليفة المعبود بالحقيقة الخ شرحا لطيفا ممزوجا متوسطا في مجلد وسمّاه 10

infra sub litera *Mim.* — 7966. El-Taricat El-Mohammediyet, via *Mohammedica*, auctore Molla *Mohammed Ben Pir Ali*, vulgo *Birgili* dicto et anno 981 (inc. 3. Mai. 1573) mortuo. Opus paraeneticum, quod ita incipit: Laus Deo, qui nos populum praestantem eumque populorum optimum esse voluit etc. Tria capita, quorum primum tres sectiones continet — de defensione a peccatis ope libri augusti et Sunnae — de novarum rerum studiis — de recto modo conservando. Caput secundum pariter tres sectiones habet, quarum prior de vera fidei confessione emendanda agit, 5 secunda, tribus generibus composita, de doctrinis aliarum ope quaesitis — tertia de timore Dei, et tria genera continet, quorum ultimum novem species complectitur. Tertium caput ea tractat, quae timori tribuuntur neque ei inhaerent, et pari modo in tres sectiones dividitur, quarum prima de subtilitatibus agit in rebus, quae munditiam spectant, et quatuor genera habet, secunda de abstinentia ab alimentis, quae iis qui munus administrant in singulos dies praebentur, tertia de rebus novis. Auctor, cujus ipsis verbis utor, librum absolvit nocte feriae quartae, die scilicet septimo decimo mensis Shaban anni 980 (inc. 14. Mai. 1572). Liber utilis et magni pretii, quem Molla *Mohammed Tirewi*, vulgo *Aishi* dictus et anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus, in epitomen coegit. Commentarios in eum scripserunt Sheikh *Mohammed Ben Ali Ben Mohammed Allān Sadicki Bekri Mekki*, cujus 10 commentarius elegans, volumine medio comprehensus, ita incipit: Laus Deo rerum creatarum domino revera colendo etc., et textum admixtum et hunc titulum habet:



المواهب الفتحية على الطريقة المحمدية وفي تخريج احاديثه ادراك الحقيقة في تخريج احاديث الطريقة للامام العالم على بن حسن بن صدقة المصري الاصل ثم اليماني امام جامع محمد آغا [المعروف بامام يبرام پاشا] و فرغ من تأليفه في رمضان سنة 1050 اوله الحمد لله المتان الذي حقه الخ وهو تأليف مفيد نافع [وشرحها المولى رجب ابن احمد شرحاً مفيداً وهو معتبر عند الاسانيد سماه بالوسيلة الاحمدية والدريعة السمرديّة في الطريقة المحمدية 5 قال ثم تبينه في غرة ربيع الاول سنة 1087] وشرحها محمد بن منلا ابن بكر بن منلا محمد ابن منلا سليمان الكردي السهراني الالموا في شرحاً بالقول اوله الحمد لله الذي جعلنا امتة خير امم الخ ذكر انه الفه باشارة بعض المشايخ المكاشفين ورد في كثير من المواضع على المصنّف وذهب الى [التجسيم] نابطلوا ما كتبه ونفوه من القسطنطينية وذلك في صفر سنة 1093 10 وترجمته بالتركية لمولانا محمد العصمتي حفيد المصنّف سنة 1090 [وشرحها الفاضل محمد

*El-Mewâhib El-Fat'hiyet ala El-Taricat El-Mohammediyet.* Ejus traditiones Imâm doctissimus *Ali Ben Hasan Ben Sadaca* Aegyptio oriundus, tum vero Yemanae incola et Imamus ad aedem primariam *Mohammedaghæ*, [vulgo Imâm *Peirâm Pasha* dictus], in opere *Idrûk el-hackicat fi takhrîj ahâdith El-Taricat* extraxit, et librum inde enatum, adnotationibus bonis plenum et utilem, qui ita incipit: Laus Deo benigno, cujus religio vera etc, mense Ramadhân anni 1050 (inc. 3. Apr. 1640) absolvit — [Molla *Rejeb Ibn Ahmed*, cujus commentarius admodum utilis et quod 5 auctoritates attinet magni momenti est, et titulum præ se fert: *El-Westlet El-Ahmediyet we El-Deriat El-Sermediyet fi El-Taricat El-Mohammediyet.* Nitidam ejus scriptionem, ut ait, initio mensis Rebi' I. anni 1087 (inc. 6. Mart. 1676) absolvit] — *Mohammed Ben Meula Abi Bekr Ben Meula Mohammed Ben Meula Soleimân Kurdi Sehrâni Alemwâfi*, cujus commentarius ea textus verba tantum continet, quae explicantur, et ita incipit: Laus Deo, qui nos populum suum eumque optimum populorum suorum esse voluit etc. Illum se a Sheikho quodam exstatico admonitum scripsisse dicit, et in multis locis auctorem refutat, opinionemque eorum amplectitur, qui Deum corpus habere affirmant. Itaque quae scripserat irrita esse declararunt, eumque mense Safer anni 1063 (inc. 22. Nov. 1652) Constantinopoli 10 expulerunt. Archetypum Molla noster *Mohammed Imeti* auctoris nepos anno 1065 (inc. 1. Nov. 1654) turcice interpretatus est — [vir bene meritus *Mohammed*

- ابن احمد بن ابراهيم بن حسن طبيب السباح باللغة التركية شرحًا حافلا والتزم المتن وسمّاه برهان الطريقة أتمها سنة 1118 وشرحها المولى محمد الرمزي القيصرى المتوفى سنة 1130 وهو في ثلاث مجلّدات اوله أنّ افضل ما يدور عليه الفوز بالسعادة العظمى الخ جعلها من الشروح واجاد وجمع فاوى وسمّاه بكنوز الرموز وهو احسن الشروح ثمّ جعل عليه حاشية في ثلاث مجلّدات صغيرة وسمّاه برموز الكنوز اوله يا واجب الوجود ويا مقبض الخير وللّود الخ شرحها 5 الشيخ العالم احمد بن ابي بكر بن محمد بن رضوان الصماقوى المعروف بالكشفى المتوفى سنة 1140 شرحين كبير وصغير اول الكبير الحمد لله الذى حدانا بفصله الايمان وجعلنا من اجل السنّة والجماعة الخ وهذا الشرح ممزوج بالمتن مبين متنه بتخط الاحمر فوقه وهو جيد حسن وشرحها الشيخ العالم عبد الغنى النابلسى اندمشقى المتوفى سنة 1144 وسمّاه الحديدية ترجم اعتقاد الطريقة الشيخ المعروف بالطريقيتجى امير افندى السيد مصطفى بن 10 السيد عبد الله المتوفى سنة 1140 ترجمه حافلة بالتركية تتبع كتب الكلامية الكبار والصغار

- Ben Ahmed Ben Ibrahim Ben Hasan Tabib (Medicus) Seyyáh*, qui ut commentario copioso lingua turcica scripto textum adderet legem sibi scripsit. Nominavit eum *Borhún el-taricat*, et anno 1080 (inc. 22. Mai. 1669) absolvit — *Molla Mohammed Ramzi Caisari*, anno 1130 (inc. 24. Nov. 1717) mortuus, cujus commentarius tria volumina complectitur et ita incipit: Praestantissimum, quo felicitatis maximae possessio nititur etc. Librum in commentariis numerari voluit, et egregio modo collegit et collecta asservavit. Praestantissimus commentarius est eumque *Konúz el-romúz* inscripsit. Tum glossas ad eum edidit tribus voluminibus minoribus scriptas, 5 et hoc opus, quod ita incipit: O Tu, qui absoluta existentia frueris et bona quaeque et beneficia largiris etc., *Romúz el-konúz* inscriptum est — *Sheikh doctissimus Ahmed Ben Abi Bekr Ben Mohammed Ben Ridhwán Samácuí*, vulgo *Keshfi* dictus et anno 1160 (inc. 2. Jan. 1747) mortuus, qui duos commentarios, majorem et minorem scripsit, quorum major ita incipit: Laus Deo, qui nobis beneficentia sua religionem obtulit et locum nobis inter Sunnitas et orthodoxos dedit etc. Commentarius textum admixtum et atramento rubro supra clare adscriptum habet, id quod valde pulchrum et elegans est — *Sheikh doctissimus Abd-el-ghani Nabulusi* 10 *Dimeshcki*, anno 1144 (inc. 25. Jun. 1731) mortuus, cujus commentarius *Hadícat* inscriptus est. Caput de confessione in *El-Taricat* *Sheikh Emir Efendi El-Seyyid Mustafa Ben El-Seyyid Abdallah*, vulgo *Taríckiyetji* dictus et anno 1160 (inc. 2. Jan. 1747) mortuus, copiose lingua turcica interpretatus et scripta scholastica et



فاجاد رحمه الله [ ٧٩٧ طريفة البوغزي ومجد الائمة السرخنكي وفخر الاسلام البيروني  
 ٧٩٨ طريفة في الخلاف والتجدد لاسعد بن محمد المنيني المتوفى سنة ولاني الحسن على بن  
 ابي علي سيف الدين الامدي المذكور في ابيكار الافكار المتوفى سنة [٦٣١] ولاني سعيد المتوفى  
 المذكور في الابانة وهو جامعه لانواع المأخذ ولعين الدين محمد بن ابراهيم السهيلي الشافعي  
 5 المتوفى سنة [٦١٣] ولفخر الدين محمد بن عمر الرازي المتوفى سنة ٦٠٤ ولاني بكر محمد بن  
 الوليد الطرطوشي المالكي المتوفى سنة [٥٩٠] ولاني حامد محمد بن محمد العميدي السمرقندي  
 الحنفي المتوفى سنة ٦١٥ [سماه الارشاد] وهي مشهورة بايدي الفقهاء واعتنى بشرحه جماعة  
 فشرحه القاضي احمد بن خليل الجويني الشافعي المتوفى سنة [٦٣٧] وبدر الدين الطويل  
 المرغسي [دواد بن غلبك بن علي الرومي الحنفي المتوفى سنة ٧١٥] وصنف الامام البوغزي  
 10 ومجد الائمة السرخنكي كتاباً في الطريقة والحاجبية وطريقة العلانية وطريقة النظامية  
 كتب والقاضي الامام ابي عاصم العامري والعتابي والرضوي وعبد الرحيم الكرميني ومختب

majora et minora egregio modo persecutus est]. — 7967. *Taricat El-Bughazi*, libri similes *Taricat* inscripti, auctoribus *Bughazi*, *Majd-elaimmet Serkhanki*, *Fakhr-elislam Pezdewi*. — 7968. *El-Taricat fi el-khilaf we el-jadl*, via de theologia controversa et topica, auctoribus *As'ad Ben Mohammed Monheni*, anno ... mortuo — *Abu'hasan Ali Ben Abi Ali Seif-ed-din Amidi*, supra in *Abkar el-afkar* laudato et anno [631 (inc. 7. Oct. 1233)] mortuo — *Abu Said Motewelli* in *El-Ibānet* commemorato, cujus liber varia argumenti genera complectitur — *Moin-ed-din Mohammed Ben Ibrāhīm Soheili* Shafiita, anno [613 (inc. 20. Apr. 1216)] mortuo — 5 *Fakhr-ed-din Mohammed Ben Omar Rāzi*, anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) mortuo — *Abu Bekr Mohammed Ben-elcelid Tartúshi* Malikita, anno [560 (inc. 18. Nov. 1164)] mortuo — *Abu Hāmid Mohammed Ben Mohammed Amidi Samarcundi* Hanefita, anno 615 (inc. 30. Mai. 1218) mortuo, cujus liber [*El-Irshād* inscriptus] in manibus Jurisconsultorum versatur. Multi eum explicandum susceperunt, ut Cādhi *Ahmed Ben Khalil Joweini* Shafiita, anno [637 (inc. 3. Aug. 1239)] mortuus — et *Bedr-ed-din El-Tawil Merāghi* [*Duwād Ben Ghalbek Ben Ali Rumi* Hanefita, anno 715 (inc. 7. Apr. 1315) mortuus]. Porro Imām *Bughazi* et *Majd-elaimmet* 10 *Serkhanki* librum de via scripserunt, et similia opera sunt *El-Taricat El-Hājibiyet*, *El-Taricat El-Alūiyet* et *El-Taricat El-Nitzāmiyet*, qualia praeterea ediderunt Cādhi et Imām *Abu Asim Amiri*, *Attābi*, *Radhawi*, *Abd-el-rehim Kermīni*, et

الطريقة الرضوية للامام ركن الدين مسعود بن محمد بن محمد بن ابي بكر المعروف بامام زاده والاصل للامام رضى الدين النيسابورى الحنفى فى ثلاث مجلّدات اخذ عنه الخلاف الركن العراقى وابو الفضل الطاوسى صاحب الطريقة وركن الدين العميدى والركن امام زاده كذا فى الجواهر ٧٩٩ الطريقة الناعنة فى المسافات والمخابرة والمزارعة للشيخ تقى الدين على بن عبد الكافى السبكي المتوفى سنة [٧٥٤] ٧٩٧. طريقة نامة تركى وعربى للشيخ محمود 5 افندى الاسكدارى المتوفى سنة ١٠٣٨ مختصر اوله للحمد لله الذى قدر [ما قدر] فى الازل الخ [قال فى هذه الرسالة فى الطريقة الحمدية وسيلة الى السعادة السرمديّة جعلتها للصادقين من اهل الارادة] وللشيخ اسمعيل المولوى [الانقروى المتوفى سنة ١٠٥٩] سمّاه منهاج السالكين ٧٩٧. طريق الاخلاص الى تحقيق الاخلاص لزين الدين سعيد بن ابراهيم الانصارى اللامبى اوله للحمد لله الذى من تحقيقه الاخلاص الخ رتب على مقدّمة وبابين مقدّمة فى النية الباب 10

epitome meliora libri *Taricat Radhawiyet* comprehendens, quam Imám *Rokn-ed-dín Mes'úd Ben Mohammed Ben Mohammed Ben Abi Bekr*, vulgo *Imámzádeh* dictus, confecit; *Radhi-ed-dín Nisábúri* Hanefita autem fuit auctor archetypi tria volumina comprehendentis, a quo, ut in *El-Jewáhir* legitur, *Rokn-ed-dín Irácki*, *Abu'fadhí Táwusi* libri *Taricat* auctor, *Rokn-ed-dín Omeidi* et *Rokn-ed-dín Imámzádeh* caput de theologia controversa assumserunt. — 7969. *El-Tarícat El-Náfiat*, via commoda de distantiiis, agri cultura pro parte proventus et de agro et semine pro 5 parte proventus concesso, auctore Sheikh *Tacki-ed-dín Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno [756 (inc. 16. Jan. 1355)] mortuo. — 7970. *Tarícat-námeh*, liber viae turcice et arabice, auctore Sheikh *Mahmúd Efendi Uskudári*, anno 1038 (inc. 21. Aug. 1628) mortuo. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui decrevit [quae decrevit] ab omni aeternitate etc. [In hoc tractatu: In libro *Taricat Mohammediyet*, inquit, adminiculum est ad felicitatem sempiternam ducens. Meum scripsi hominibus sinceris ex aspirantibus]. De eadem re Sheikh *Ismail Mewlewi* [*Anckirewi*, anno 1056 (inc. 7. Febr. 1646) mortuus], librum *Minháj el-súlikin* composuit. — 7971. *Taríc el-khilás*, via salutis ad veram integritatis cognitionem stabiliendam, 10 auctore *Zein-ed-dín Said Ben Ibráhim Ansári Lamini*. Incipit liber ita: Laus Deo, ex cujus accurata integritatis cognitione etc., et in praefationem et duo capita dispositus est. Praefatio de consilio proposito agit, caput primum de integritate,



الأول في الاخلاص الباب الثاني في الرياء وانواعه ٧١٢ طريق السلام في مجلد مشتمل على احاديث ومسائل وبعض التصوف لابن الصباغ [الفقيه عبد السيد بن محمد بن عبد الواحد الشافعي المتوفى سنة ٤٧٧] ٧١٣ طريق الفصاحة لابن النفيس المصري المتوفى سنة [١٨٧] ٧١٤ طلبية الطلبة في اللغة على الفاظ كتب اصحاب الحنفية للشيخ نجم الدين ابى حفص 5 عمر بن محمد النسفي المتوفى سنة ٥٣٧ وذكر صاحب الجواهر المصيبة في الكنى في ترجمة ابى اليسر الهزدي ان طلبية الطلبة لركن الائمة عبد الكريم بن محمد [بن احمد بن الصناعي] المدني والده اعلم ٧١٥ طلب السلامة في ترك الامامة لتقى الدين على بن عبد الكافي السبكي المتوفى سنة ٧٥١

٧١٦ علم الظلمات

10 ومعنى الظلم عقد لا يتحلل وقيل مقلوب اسمه اى المسلط لانه من القير والتسلط وهو

caput secundum de ratione rerum humanarum habita ejusque generibus. — 7972. El-Taríc El-Sálím, via perfecta. Volumen, quod traditiones, quaestiones et theosophiae partes complectitur, auctore [Jurisconsulto *Abd-el-seyyid Ben Mohammed Ben Abd-el-wáhid* Shafiita, vulgo *Ibn-elsabbágh* [dicto et anno 477 (inc. 10. Mai. 1084) mortuo]. — 7973. Taríc el-fesáhat, via facundiae, auctore *Ibn-elnefis Misri*, anno [687 (inc. 6. Febr. 1288)] mortuo. — 7974. Tilbet el-talebet, res quaesita studiosorum de lingua in libris asseclarum doctrinae Hanefiticae usitata, auctore Sheikh *Nejm-ed-din Abu Hafs Omar Ben Mohammed Neseft*, anno 537 5 (inc. 27. Jul. 1142) mortuo. Auctor libri *El-Jewáhir El-Modhiyet*, ubi viros cognomine ornatos tractat, in biographia *Abu'lyesri Pezdewi* opus *Tilbet el-talebet*, salva meliore Dei scientia, a *Rokn-elaimmet Abd-el-kerím Ben Mohammed [Ben Ahmed Ben-elsináí] Medeni* compositum esse dicit. — 7975. Taleb el-selámet, desiderium integritatis de relinquendo Imami munere, auctore *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. —

7976. Ilm el-tilsemát. Doctrina amuletorum.

Vox *tilsem* nodum significat indissolubilem. Alii nomen inversum (*mosellit*) 10 sensum dare dicunt, ut victorem significet cum absoluta potestate; nam a potestate

علم باحث عن كيفية تركيب انقوى السماوية الفعالة مع القوى الارضية المنفصلة في الامنة المناسبة للفعل وانتائير المقصود مع تجورات مقوية جالبة لروحانية الطلسم ليظهر من تلك الامور في عالم الكون والفساد افعال غريبة وهو قريب المأخذ بالنسبة الى السحر لكون مبادئه واسبابه معلومة واما منفعة فظاهرة لكن طرق تحصيله شديدة العناء وبسط الجريطي قواعد هذا الفن في كتابه غاية الحكيم فابدى لكنه اختار جامع الاغلاقي والدقة لقرط 5 ظنه وكمال بخله في تعليمه وتعلامة السكاكي كتاب جليل فيه ونقل ابن الوحشية من النبط كتاب طبقاتنا

٧٧٧ طلسم الاسرار وكنز الانوار في الاسماء ذكره البوني ٧٧٨ طلسم الاشباح في كنز

الارواح ٧٧٩ طلسم العون في الداء والصون عن الطاعون والوباء للمولى اياس

٧٨٠ [الطلسم المصون واللولو المخزون ذكره ايضا] ٧٨١ انطلعة الشمسية في تبين الحسنية 10

victrice et dominio nomen habet. Est autem doctrina, quae in rationem inquirat, vires coelestes agentes cum viribus terrestribus passivis temporibus ad agendum et vim exercendam propositam idoneis conjungendi, ut simul praesidia fortia accedant, quae spiritualitatem amuleti attrahunt, ut ex his rebus in nostro mundo generationis et corruptionis effectus extraordinarii oriantur. Haec doctrina ratione artis magicæ habita facilis intellectu est, cum ejus principia et causae nota sint. Utilitas ejus apparet; attamen viae ad eam consequendam durae sunt et molestae. *Majeriti* leges 5 hujus doctrinae fundamentales in libro *Ghâyet el-hakim* copiose et nova plane ratione persequitur, attamen obscuritatem cum subtilitate conjunctam propter *mûniam* sui opinionem et perfectam in doctrina docenda continentiam praehabuit. Praeterea vir doctissimus *Sekkâki* librum pretiosum composuit, et *Ibu Wahshiya* e lingua Nabataea librum *Tabecâtâ* transtulit. —

7977. *Tilsem el-asrâr we Kunz el-anwâr*, talisma arcanorum et thesaurus luminum de nominibus. Commemoratur ab *El-Bûni*. — 7978. *Tilsem el-ashbâh*, talisma corporum de thesauro spirituum. — 7979. *Tilsem el-aun*, talisma auxilii in morbo et custodia a pestilentia et morbo epidemio, auctore 10 Molla *Iyâs*. — 7980. [*El-Tilsem El-Mes'un we El-Lulu El-Makhzûn*, talisma reconditum et margarita asservata. Commemoratur ab eodem *Bûni*]. — 7981. *El-Tal'at El-Shemsiyet*, adpectus solis de collegio *Hasanico*



من شرط البيهريّة لجلال الدين السيوطي ذكره في فهرس مؤلفاته في فنّ الفقه ٧٨٢ طلّ  
 العمامة في مولد سيّد تيامة لاحمد بن علي بن سعيد اوله الحمد لله الذي ابرز من غرة  
 عروس الحضرة الحج ٧٨٣ طلوع الثريا باظيار ما كان متخفياً رسالة في [مسئلة فتنة المولى  
 في قبور عم لجلال الدين السيوطي اوردتها في حاوية. تماماً وله مختصره المسمى ضوء الثريا  
 5 ذكره في فهرس مؤلفاته في فنّ الحديث ٧٨٤ طليعة العلوم لاني الخبير محمّد بن محمّد  
 الفارسي تلميذ غياث الدين منصور ثمّ اختصره اوله الحمد لله على آلائه الحج ذكر فيه خلاصة  
 موضوعات العلوم ٧٨٥ طليعة الفتح والنصر في صلوة الخوف والقصر للشيخ تقى الدين علي  
 ابن عبد الكافي السبكي المتوفى سنة ٧٥٩ مختصر مشتمل على مقدّمة وفصول وخاتمة ٧٨٦ طمانينة  
 القلوب في لقاء المحبوب ٧٨٧ الطوالات في الحديث لاني انقاسم الطبراني ٧٨٨ [الطوالات  
 10 للحفاظ الكبير ابي موسى محمّد بن ابي بكر عمر المديني المتوفى سنة ٤٥٥ وهي في مجلدين

a conditione coenobii *Bibersi* distinguendo, auctore *Jelâl-ed-din Soyûti*, qui in indice scriptorum capiti jurisprudentiae hunc tractatum adnumerat. — 7982. Tall el-ghamâmet, tenuis pluvia nubis albae de tempore natali domini terrae *Tihâma*, auctore *Ahmed Ben Ali Ben Said*. Incipit ita: Laus Deo, qui prodire jussit e facie splendida sponsae majestatis etc. — 7983. Tolû' el-thorayyâ, ortus Pleyadum aperiendis iis conspicuus, quae fuerunt arcana. Tractatus de tentamine, quo dominus mortuos in sepulcris interrogat, auctore *Jelâl-ed-din Soyûti*. Inseruit totum tractatum libro *Hâwi*, et ejus epitomen edidit *Dhu' el-thorayyâ* inscriptam. Utrumque opus commemoratur in scriptorum indice in capite de traditionibus. — 5 7984. Taliât el-olûm, praecursor doctrinarum, auctore *Abu'lkheir Mohummed Ben Mohammed Fârisi Ghiyâth-ed-dîni Mansûr* discipulo. Tum ejus epitomen edidit. Incipit ita: Laus Deo pro ejus beneficiis etc., et potioem objectorum doctrinarum partem laudat. — 7985. Taliât el-fat'h we el-nasr, praecursor expugnationis et victoriae de precatione metus et „*casr*“, ubi duae tantum inclinationes fiunt loco quatuor, auctore Sheikh *Tacki-ed-dîn Ali Ben Abd-el-kâfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. Compendium, quod praefationem, sectiones et conclusionem continet. — 7986. Tomanînet el-colûb, quies cordium in videndo dilecto. — 7987. El-Towâlât, traditiones longae, auctore *Abu'lcâsim Taberâni*. — 7988. [El-Towâlât, traditiones longae, auctore Hâfîtz magno *Abu Musa Mohammed Ben Abi Bekr Omar Medîni*, anno 581 (inc. 4. Apr. 1185) mortuo. Duo volumina, ubi

- وفيها الوافي والموضوع] ٧٨٩ طوابع الانوار تفسير مختصر كالجلايين يقال له تفسير الاخوين  
 للشيخ الامام احمد بن محمد بن حضر المدعو بنور الدين الكازروني الشافعي المتوفى سنة  
 ٧٩٠ طوابع الانوار مختصر في الكلام للقاضي عبد الله بن عمر البيضاوي المتوفى سنة [١٨٥]  
 اوله الحمد لمن وجب وجوده الخ وهو متن متين اعنى العلماء في شأنه تصنف ابو الثناء  
 شمس الدين محمود بن عبد الرحمن الاصفهاني شرحا نائعا توفي سنة ٧٩١ وهو مشهور  
 متداول بين الطالبين آلفه لملك الناصر محمد بن قلاوون اوله الحمد لله الذي توحد  
 بوجود الوجود ودوام البقاء الخ وسماه مطالع الانظار وعليه حاشية للمولى مصلح الدين محمد  
 اللاري المتوفى سنة ٩٧١ وللمولى حميد الدين بن افضل الدين الحسيني المعروف بابن افضل  
 اوله الحمد لله على نواله الخ توفي سنة ٩٠٩ مقبولة متداولة الى مباحث الاعراض والسيد الشريف  
 علي بن محمد الجرجاني ايضا حاشية توفي سنة ٩١٥ وهي مستغنى عن التعريف وشرح 10

- traditiones infirmae et suppositiae non desunt]. — 7989. Tawáli' el-anwár, ortus luminum. Commentarius brevis ad modum commentarii nomen ab utroque *Jelál-ed-dín* trahentis et vulgo *Tefsir El-Akhwín* nominati, auctore Sheikh et *Imám Ahmed Ben Mohammed Ben Hadhr Kúzeráni* Shafiita, vulgo *Núr-ed-dín* dicto et anno ... mortuo. — 7990. Tawáli' el-anwár, ortus luminum, auctore *Cádhí Abdallah Ben Omar Beidháwi*, anno [685 (inc. 27. Febr. 1286)] mortuo. Compendium de metaphysica, quod ita incipit: Laus ei, cujus existentia absolute necessaria est etc. Textus est solidus, de cujus explicatione viri docti curam adhibuerunt. Composuit  
 5 *Abu'lthená. Shems-ed-dín Mahmúd Ben Abd-el-rahman Isfaháni*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus, commentarium utilem, satis notum et inter studiosos tritum, quem in commodum *Meliki Násir Mohammed Ben Caláún* scripsit, et ita orsus est: Laus Deo, qui unicus est absoluta existentia et perpetua aeternitate etc. Ad hunc commentarium *Metáli' el-intzáir* inscriptum glossas ediderunt *Molla Moslih-ed-dín Mohammed Lári*, anno 979 (inc. 26. Mai. 1571) mortuus — *Molla Homeid-ed-dín Ben Afdhal-ed-dín Hoseini*, vulgo *Ibn Afdhal* dictus et anno 909 (inc. 26. Jun. 1503) mortuus, cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo pro ejus liberalitate etc., et ad caput usque, quod disquisitiones de accidentibus continet, probatae et pervulgatae  
 10 sunt — et *Seyyid Sherif Ali Ben Mohammed Jorjáni*, anno 816 (inc. 3. Apr. 1413) mortuus, cujus glossae subtiliori descriptione carere possunt. — Pariter commentarios



المولى عصام الدين ابراهيم بن محمد الاسفرائي المتوفى سنة [٩٤٣] وهمام الدين الكلنارى المتوفى سنة والقاضى البرهان عبيد الله بن محمد العبيدلى الشريف الفرغانى قاضى تبريز [المعروف بالعبرى] المتوفى سنة ٧٤٣ [اوله احمد الله حمداً يتقاصر عن ادراك غايته عقول العلماء الخ آفة لشهاب الدين مباركشاه] واحمد بن يوسف السندى الحصنكيقى توفى سنة 5 ومكيبى الدين محمد المعروف بطيل باز المتوفى سنة ٩٠٦ وحاجى پاشا الايديى توفى سنة وهو شرح مجرّد بالقول سماه مسالك الكلام فى مسائل الكلام نقل فيه من فوائد الشارحين وتصانيف المحققين ما فرغ سمعه واعجب ذهنه وغير ما زاده فيه تطويلاً وتقصيراً او خلاً مع الضميمة من بنات افكاره اوله تعالى ذلك يا واجب الوجود عن الفناء والعدم الخ آفة لامير عيسى بن محمد ابن ايدين وشرح اوله المولى احمد بن مصطفى طاشكبرى زاده المتوفى 10 سنة [٩٩١] وشرح عبد الصمد بن محمود الفارابى شرحاً بسيطاً فرغ من تحريره وتبييضه فى عاشر صفر سنة ٧٠٧ وعلّف المولى اتصل زاده على شرح الاصفهاني تعليقة حسنة وشرحه

scripserunt Molla *Isám-ed-din Ibráhim Ben Mohammed Isferáini*, anno [943 (inc. 20. Jun. 1536)] mortuus — *Hemmám-ed-din Kulnári*, anno . . . mortuus — *Cádhí Borhán-ed-din Obeidallah Ben Mohammed Obeideli Sherif Fergháni* in urbe *Tibriz* judex, [vulgo *Ibri* dictus et] anno 743 (inc. 6. Jun. 1342) mortuus, [cujus commentarius ita incipit: Laudo Deum laude, cujus summam altitudinem virorum doctorum mens concipere non potest etc., et in favorem *Sheháb-ed-dini Mobárek Sháh* scriptus est] — *Ahmed Ben Yusuf Sindi Hisnakeifi*, anno . . . mortuus — *Mohyi-ed-din* 5 *Mohammed*, vulgo *Tabl báz* dictus et anno 906 (inc. 28. Jul. 1500) mortuus — *Háji Pasha Eidini*, anno . . . mortuus, cujus commentarius, *Mesálik el-kelám fi mesáil el-kelám* inscriptus, omni ubertate caret et sola textus verba exposita adjuncta habet. Auctor ex adnotationibus interpretum utilibus et scriptis auctorum subtilium petiit, quantum scilicet auris percepit et mens admirata est, et quibus librum auxit, ea ita mutavit, ut vel fusius describeret vel contraheret vel vitia admitteret, et simul ex propriis animi cogitationibus nova addidit. Incipit ita: Nimis altus es Tu, qui absoluta existentia frueris, quam ut pereas et ad nihilum recidas etc., et in commodum Emíri *Isa Ben Mohammed Ibn Eidin* scriptus est — Molla *Ahmed Ben Mustafa Tashköprizádeh*, anno [969 (inc. 11. Sept. 1561)] mortuus, qui initium commentatus 10 est — *Abd-el-samed Ben Mahmúd Fárábi*, qui commentarium latum scripsit, ejusque compositionem nitidamque exscriptionem die mensis Safer decimo anni 707 (inc. 3. Jul. 1307) absolvit. Molla *Afdhalzádeh* ad commentarium *Isfahánti* glossas probas

- شمس الدين الاملى المتوفى سنة وسمّاه بتفتّح الافكار وعلى الاصفهاني حاشية للعلامة ابى القاسم الليثى بن ابى بكر اولها حمدا لمن تلامّأ على صفحات الكائنات الخ ومن شروح الطوالع شرح الفاضل مير غياث الدين منصور قيل طنّا اوله الحمد لله الذى خصصنا بمزايا الانعام وعلى شرح الاصفهاني حاشية المولى نور الدين بن يوسف المشهور بصارى كرز مات سنة ٩٣٤ وشرحه سيد برهان الدين وشرحه الحديشى وهو الشيخ الامام زين الدين ابو الحسن على المعروف 5 بابن شيخ العربية الموصلى وعلى شرح الاصفهاني حاشية لصارو سيدى وحاشية لمولانا عماد وشرحه القاضى زكرياء بن محمد الانصارى [المتوفى سنة ٩٣٩] وهو شرح مفيد اشار الى متنه بالاحمر فوقه وشرحه يوسف الحلّاج المتأخّر من السعد وهو شرح مختصر كما فى الدفتى وشرح ديباجة الطوالع المولى جلال الدين الدوانى وعلّف عليه بعضهم حاشية طويلة وشرحها المولى خواجه زاده مات سنة ٨٩٣ فبقى فى المسودة وعليه نكت للقاضى شمس الدين محمد 10

---

obiter conscripsit — *Shems-ed-din Amoli*, anno . . . mortuus, cujus commentarius *Tefattoh el-afkâr* inscriptus est. In *Isfahânî* commentarium vir doctissimus *Abu'l-câsim Leithi Ben Abi Bekr* glossas composuit, quae ita incipiunt: Laudem ei, cui super lateribus rerum creatarum fulgent etc. Praeterea, ut quidem opinio ferre dicitur, in *Tawâlî' el-anwâr* vir bene meritus *Mir Ghiyâth-ed-din Mansûr* commentarium scripsit, qui ita incipit: Laus Deo, qui nobis praeter ceteros praestantiora beneficia tribuit etc. Ad commentarium *Isfahânî* porro glossas edidit Molla *Nûr-ed-din Ben Yusuf*, vulgo *Sâri kurrez* dictus et anno 934 (inc. 27. Sept. 1527) mortuus, et 5 commentarios in *Tawâlî' el-anwâr* Seyyid *Borhân-ed-din* et *Hadîthi*, qui est Sheikh et Imâm *Zein-ed-din Abu'lhasan Ali Mausili*, vulgo *Ibn Sheikh el-arabiyet* dictus, et in commentarium *Isfahânî* glossas *Sâru Seyyidi* et Molla noster *Imûd*, et commentarium in *Tawâlî' el-anwâr* Cádhi *Zakariyâ Ben Mohammed Ansâri*, [anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus], qui in hoc commentario adnotationibus utilibus pleno textus verba supra lineis atramento rubro exaravit — et *Yusuf Hallâj*, qui serius vixit quam *Sa'd-ed-din*, commentarium brevem et concisum composuit, ut in *El-Defter* legitur. In praefationem libri *Tawâlî' el-anwâr* Molla *Jelâl-ed-din Dewâni* commentarium edidit, ad quem vir aliquis doctus glossas longas conscripsit. 10 Pariter Molla *Khojazâdeh*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuus, commentarium in eam edidit, qui primis lineis exaratus mansit, et denique Cádhi *Shems-ed-din*



ابن احمد البساطى المالكى مات سنة ٨٤٣ ٧٩١ طوابع التنوير للشيخ نجم الدين الكبرى  
 المتوفى سنة [٩١٧] ٧٩٢ طوابع المشرقة في وقف المنقول للشيخ تقى الدين على بن عبد  
 الكافي السبكي المتوفى سنة ٧٥٩ ٧٩٣ الطوابع المنيرة على بسملة عميرة للشيخ العلامة ابى بكر  
 [بن اسمعيل بن] الشنوائى [المتوفى سنة 1٠١٩] اوله الحمد لله يقتتح باسمه وبحمده الخ وهو  
 5 شرح البسملة سبق ٧٩٤ طوابع المهيمات وشرحه ٧٩٥ طويبقا اى الجدل لارسطو  
 ٧٩٦ [طوابع النجوم] ٧٩٧ الطوابع فى اللجن ومفسدتهم وادويتها لبعض الحكماء و٧٩٨  
 شخصاً من اشخاص اللجان ٧٩٨ الطود الراسخ فى القراءة للشيخ علم الدين [على بن]  
 محمد بن عبد الصمد السخاوى [المتوفى سنة ٩٤٣] ٧٩٩ الطود الشامخ فى آداب المشايخ  
 رسالة للشيخ محمود بن النقشبندى اوله الحمد لواعب المقامات الخ ... الطوديات فى القصائد

*Mohammed Ben Ahmed Bisati* Malikita, anno 843 (inc. 14. Jun. 1439) mortuus, adnotationes subtiliores in *Tawáli' el-anwár* composuit. — 7991. *Tawáli' el-tenwír*, ortus illuminationis, auctore Sheikh *Nejm-ed-din El-Kobra*, anno [617 (inc. 8. Mart. 1220)] mortuo. — 7992. *El-Tawáli' El-Mushricat*, ortus splendentes de rebus quae moveri possunt testamento legandis, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 7993. *El-Tawáli' El-Moníret*, ortus lucentes super commentarium in formulam „Nominé Dei“ ab *Amira* scriptum, auctore Sheikh doctissimo *Abu Bekr [Ben Ismail Ben] Shenewáni*, [anno 1019 (inc. 16. Mart. 1610) mortuo]. Haec formulae „Nominé Dei“ expositio, commentarius tanquam in commentarium, supra laudata est et incipit ita: Laus Deo, a cuius nomine et laudatione initium fit etc. — 7994. *Tawáli' el-mohimmát*, 5 ortus quaestionum graviorum, hujusque libri commentarius. — 7995. *Tubica i. e. topica*, auctore Aristotele. — 7996. [*Tawáli' el-nojúm*, ortus astrorum]. — 7997. *El-Tawálic*, cogitationes libere vagantes de geniis eorumque vi perniciose et de remediis hanc evitandi, auctore philosopho aliquo. Recensentur hic septuaginta duae species daemonum apparentes. — 7998. *El-Taud El-Rásikh*, mons firmus de critica coranica, auctore Sheikh *Ilm-ed-din [Ali Ben] Mohammed Ben Abd-el-samed Sekháwi*, [anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo]. — 7999. *El-Taud El-Shámikh*, mons altus de moribus Sheikhorum elegantioribus, auctore Sheikh *Mahmúd Ben-el-nackishbendi*. Tractatus, qui ita incipit: Laus ei, qui gradus sanctitatis dat etc. — 8000. *El-Taudiyát*, *Casidae* et poemata „Montana“ dicta,

- والاشعار لكشاجم [محمود الرملي احد فحول الشعراء الكاتب المنشى المتوفى سنة ١٣٥٠] ٨٠١  
 طور سينا للشيوخ بايزيد خليفة المتوفى سنة ٨٠٢ طوطى نامه فارسى وترجمته لبعض  
 الاروام للسلطان بايزيد خان وهو حكايات من لسان طوطى حكاها يلان شكر زوجة صاعد  
 التاجرى يسافر هو فاليها بها الى ان قدم الزوج ٨٠٣ طوق الحكامة رسالة لجلال الدين  
 السيوطى المتوفى سنة ٩١١ على مقدمة ومقصد وخاتمة دعا الى تأليفه سؤال ذكره فى ديوان 5  
 الحيوان بتمامه ٨٠٤ طول الغيبة للشيوخ جمال الدين محمد بن ابراهيم المعروف بالنعمان  
 توفى سنة فصل فيه احوال المهدي ٨٠٥ طهارة القلوب والخصوع لعلم الغيوب للشيوخ الامام  
 عبد العزيز بن احمد بن سعيد الدهرى المتوفى سنة وعو على ثلثين فصلاً اوله الحمد لله  
 الذى تفرّد قبل وجود اللغات [بالاسماء الحسنى الخ] ٨٠٦ طيبة النشر فى القرآت العشر  
 منظومة للشيوخ شمس الدين محمد بن محمد بن الجزرى اوله

10

- auctore [Mahmūd Ramli e poetis principibus et scriba elegantiore, vulgo] *Coshājim*  
 [dicto et anno 350 (inc. 20. Febr. 961) mortuo]. — 8001. Tur Síná, mons Siná,  
 auctore Sheikh *Bayezid Khalifa*, anno ... mortuo. — 8002. Tuti-námeh, liber  
 psittaci, persice. Rumaeus quidam eum in favorem Sultani *Bayezid Khán* transtulit.  
 Historiae sunt, quas psittacus *Yilanae Sheker* conjugii *Sáidi* mercatoris iter facientis  
 narrat, ut illam delectet, donec maritus reversus erat. — 8003. Tauc el-  
 5 hamám et, torques palumbis. Tractatus, ad quem scribendum *Jelál-ed-dín Soyúti*,  
 anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, quaestione excitatus est. Divisit eum in  
 praefationem, consilium et conclusionem et totum libro *Diwán el-heiwán* inseruit. —  
 8004. Taul el-gheibet, longitudo absentiae, auctore Sheikh *Jemál-ed-dín*  
*Mohammed Ben Ibráhim*, vulgo *Nomán* dicto et anno ... mortuo, qui conditionem  
*Mehdí* per singulas partes describit. — 8005. Taháret el-colúb, mundities  
 cordium et humilitas ei qui res invisibiles bene scit submissa, auctore Sheikh et Imám  
*Abd-el-azíz Ben Ahmed Ben Saíd Dehri*, anno ... mortuo. Liber in triginta  
 sectiones divisus, qui ita incipit: Laus Deo, qui jam ante inventas linguas [nominibus  
 pulchris] unicus fuit etc. — 8006. Tayyibet el-nashr, suavis odor de decem  
 10 Corani recensionibus, auctore Sheikh *Shems-ed-dín Mohammed Ben Mohammed*  
*Ibn-eljezeri*. Carmen, quod ita incipit:



## الحمد لله على ما يسره

من نثر منقول عن حروف العشرة

اتمها بالروم في شعبان سنة ٧٥٠ وتوفي سنة ٨٣٣ وصنف ابنه احمد شرحا لها وتوفي سنة وشرح  
 الشيخ ابو القاسم محمد النويري المالكي المتوفى سنة ٨٥٧ والشيخ زين الدين عبد  
 5 الدائم الازهرى ٨٠٧ طيب القلوب لمحمد بن محمد بن علي الكريمي جمع فيه  
 اربعين حديثا وشرحه بالفارسية في سنة ٥٠٠ ٨٠٨ طيب الكلام بقوائد السلام لعلي بن  
 عبد الله الحسيني السبدي الشافعي نزيل طيبة توفي سنة ٩١١ اوله الحمد لله  
 الملك القدوس الخ ذكر فيه انه وقف على ثلثين سؤالا تتعلق بالسلام جمعها شيخه  
 قاسم بن قطلوبغا ثم بعث بها مع نجله سيدي محمد البدرى لبعض علماء الحنفية  
 10 وقد توفي جامعها ولم يكتب جوابها فاجاب وفرغ من تبويضه في العشر الاول من  
 جمادى الاخر سنة ٨٩١

---

Laus Deo, quod ea secundat,

Quae de decem dialectis tradita disperguntur.

Absolvit in Rumelia mense Shabán anni 795 (inc. 17. Nov. 1392) et anno 833 (inc. 30. Sept. 1429) obiit. Ejus filius *Ahmed*, qui anno ... mortuus est, commentarium edidit, idemque fecerunt Sheikh *Abu'l-cásim Mohammed Noueiri* Malikita, anno 857 (inc. 12. Jan. 1453) mortuus, et Sheikh *Zein-ed-din Abd-el-dáim Azheri*. — 5 8007. *Tayyib el-colúb*, deliciae cordium. Quadraginta traditiones, quas *Mohammed Ben Mohammed Ben Ali Hartmi* collegit, et anno 500 (inc. 2. Sept. 1106) persice commentatus est. — 8008. *Tayyib el-kelám*, deliciae sermonis, qui utilitates salutationis Dei tractat, auctore *Ali Ben Abdallah Hoseini Semhúdi* Shafiita Medinae inquilino, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. In hoc libro, qui ita incipit: Laus Deo, regi sanctissimo etc. se dicit in triginta quaestiones legendo incidisse, quae salutationem spectarent. Has ejus doctor *Cásim Ben Colluboghá* collegit, et postea simul cum filio *Seyyidi Mohammed Bedri* cuidam ex viris doctis Hanefitis misit. Obiit qui eas collegerat, nec responsum ad eas scripto mandaverat. Itaque auctor 10 respondit, et libellum nitide descriptum prima decade mensis Jomádzi II. anni 891 (inc. 7. Jan. 1486) absolvit. —

٨٠. طيف الخيال لشمس الدين ابى عبد الله محمد بن دانيال [الاديب البارع الموصلى]  
 الخزاعي المتوفى سنة ٧٠٠. مختصر ذكر ان خيال الظل قد منجبه الاسماع فصنف في هذا النمط  
 ٨١. طيف الطائف بفضل الطائف للشبيخ جمال الدين محمد بن على علان الصديقى  
 الشافعى [المتوفى سنة ١٠٥٧] مختصر اوله الحمد لله الذى شرف حبيبه الخ رتب على مقدمه 5  
 وبابين فرغ في صفر سنة ١٠٤٨. ٨٢. طى اللسان عن ذم الخيلسان رسالة لجلال الدين عبد  
 الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى سنة ٩١١

8009. *Ilm el-tiret. Ars ex omnibus diris cognoscendi, ab incepto esse desistendum.*

8010. *Teif el-khiyál, spectrum imaginationis. Compendium, auctore Shems-el-din Abu Abdallah Mohammed Ben Dániyál Khozái [Mausili philologo doctrina praeclaro], anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo, qui dicit, umbrae imaginem interdum ab auribus respui. Qua de caussa in hunc modum scripsit. — 8011. El-Teif el-táif, spectrum circumiens de praestantia urbis Táif, auctore Sheikh Jemál-ed-din 5 Mohammed Ben Ali Allán Sadicki Shafiita, [anno 1057 (inc. 27. Jan. 1647) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui amicum suum honoravit etc., et in praefationem et duo capita dispositum est. Absolvit auctor mense Safer anni 1048 (inc. 5. Mai. 1638). — 8012. Tayy el-lisán, declinatio linguae a vituperatione amiculi Teilesán. Tractatus, auctore Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. —*



## باب الظَّاءِ الْمُجْمَعَةِ

- ٨٣ ظَرَائِفُ النَّخْلَةِ فِي لَطَائِفِ النَّحْلَةِ رِسَالَةٌ لَشَمْسِ الدِّينِ مُحَمَّدِ بْنِ طُولُونِ الدَّمَشْقِيِّ  
[المتوفى سنة ٩٥٣] أوله الحمد لله الذي خصَّ النحلة بنحل ادوية الشفاء في الإبدان الخ
- ٨٤ الظَّفَرُ بِقَلَمِ الظَّفَرِ رِسَالَةٌ لِحِجَالِ الدِّينِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ أَبِي بَكْرٍ السَّيُوطِيِّ الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٩١١
- ٨٥ ظَفَرُ نَامَةٍ عَلَى اسْمِ اسْوَلَةِ انوشروان [ملك العجم مشهور] واجوية بترجمين على لغة  
البيلولي دونيا انوشروان ثم امر نوح بن منصور [الساماني] وزيره ابن سينا بنقله الى الفارسية  
[ننقله] ٨٦ ظَفَرُ نَامَةٍ فَارَسِي فِي وَقَاتِعِ امير تيمور لمولانا شرف الدين علي البيزدي وله  
مقدمة ظفر نامه مجلّد آخر في انساب جغتاي واحوال الالوس المتوفى في حدود سنة ٨٥٠  
آلفه بشيراز بسبب اعتمام ميرزا ابراهيم بن شاعرخ واتمه سنة ٨٦٠ كما قال في تأريخه

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA TZÁ INCIPIUNT.

8013. Tzaráif el-nakhlet, elegantiae palmae de subtilitatibus sectae, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Tulún Dimeshcki*, [anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) mortuo]. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, qui praeter ceteros sectae remedia curationis in corporibus largiter tribuit etc. — 8014. El-Tzafer bi calm el-tzofr, tractatus, quo plane demonstratur, ungues resecandos esse, auctore *Jelúl-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 8015. Tzafer-námeh, liber victoriae. Quaestiones *Anushirwáni* [regis Persarum 5 illustris], ad quas *Buzurjumahr* lingua Persarum antiquiore Pehlewica responsa dare fingitur. *Anushirwán* ea digessit. *Serius Núh Ben Mansúr* [Samanida] Wezírur *Ibn Sina* librum in linguam Persarum recentiore transferre jussit, [a quo translatus est]. — 8016. Tzafer-námeh, liber victoriae de rebus Emíri *Timur* gestis persice scriptus a Molla nostro *Sheref-ed-din Ali Yezdi*, anno 850 (inc. 29. Mart. 1446) mortuo. Idem alio volumine introductionem in *Tzafer-námeh* edidit de genealogia *Jaghatú* et rebus tribum *Olús* spectantibus. Scripsit in urbe *Shíráz* acriter excitatus a *Mirzá Ibráhím Ben Shahrokh*, et anno 828 (inc. 23. Nov. 1424) absolvit, ut

كلام صنّف في شيراز وقد استحسن صاحب حبيب السير ورجّحه على الكتب المؤلفة في هذا الشأن بالفارسيّة في لطافة التعبير وحسن السبك وترجمه بالتركي لحافظ محمد بن أحمد العجمي كما سبق والذيل عليه للتاج السلماي كتبه من محرم سنة ٨٠٧ مشتملاً على وقائع شاعرخ والوغ بيك ٨٠٧ ظفر نامه فارسي منظوم في وقائع تيمور لمولانا عبد الله ابن اخن الجامي المعروف بيهانفي توفي سنة ٩٢٧ وهو نظم متين في مقابلة اسكندر نامه من 5 الخمسة ثم نظمه في اربعين سنة لانه كثيراً ما كان يخرج بعض ابيانه الغير المستحسنه ويبدل غيرها ٨٠٨ ظفر نامه منظوم فارسي لحمد الله بن ابى بكر المتوفى القزوينى المتوفى في حدود سنة ٧٥٠ ذكره في نزهة القلوب له ٨٠٩ ظلّ العريش في منع حلّ البنج والحشيش وهو شرح منتخب رسالة ابراهيم بن يخشى المعروف بده خليفه [المتوفى سنة ٩٧٣] انتخبها وشرحها رضى الدين محمد بن ابراهيم الحلبى المعروف بابن الكنبلى المتوفى سنة ٩٧١ فصار 10

chronosticho significat ita: *Kelâm sonnifa fi Shirâz* (liber compositus est in urbe Shirâz). Auctor libri *Habîb el-siyer* hoc scriptum valde approbavit et ceteris scriptis de eadem re persice compositis praetulit propter dictionis elegantiam et cursus orationis pulchritudinem. Illud, ut supra dictum est, *Hâfitz Mohammed Ben Ahmed Ajemi* turcice transtulit, et appendicem, quae res *Shahrokhi* et *Olugh Beki* gestas continet, a mense Moharrem anni 807 (inc. 10. Jul. 1404) *Tâj-ed-din Selmâni* scribere orsus est. — 8017. *Tzafer-nâmeh*, liber victoriae. Poema persicum de rebus gestis 5 *Timûri*, auctore Molla nostro *Abdallah* filio sororis poetae *Jâmi*, vulgo *Hâtifi* dicto et anno 927 (inc. 12. Dec. 1520) mortuo. Compositio proba est et firma, qua *Iskender-nâmeh* quinioni carminum (*Khamse*) insertum imitatur. Tum quadraginta annos in libro metrico conficiendo consumpsit, cum saepe alios versus, qui displicerent, deleret, alios plane mutaret. — 8018. *Tzafer-nâmeh*, liber victoriae. Carmen persicum, auctore *Hamdallah Ben Abi Bekr Mostaufi Caswini*, circa annum 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuo. Commemoratur ab eo in libro *Nuzhet el-colûb*. — 8019. *Tzill el-arîsh*, umbra solii de usu licito hyoscyami et herbae *Hashîsh* prohibendo. Commentarius est in epitomen potiora tractatus *Ibrâhimi Ben Yakhsî*, vulgo *Dedeh Khalifa* dicti [et anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortui], continentem. 10 Excerpsit eum et commentatus est *Radhi-ed-din Mohammed Ben Ibrâhim Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus et anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus; inde liber



كتاباً لطيفاً أوله الحمد لله الذي حرّم الخبائث الخ ذكر فيه ان القوم صنعوا فيه زهر العريش  
 في تحريم الحشيش وزواجر الرحمن في تحريم حشيش الشيطان وأول المتن الحمد لله السريع  
 العقاب الخ ورتب على فصلين الأول في حكم الحشيش والثاني في حكم البنج ٨٢. ظير العصدى  
 في النحولاني العلاء احمد بن عبد الله المعري المتوفى سنة ٤٤٩ ٨٢. الظهر على فقه الشرح  
 5 الكبير يأتي في الواد في شرح الوجيز ٨٣. الظهيرية يأتي في الفتاوى

---

facetus et elegans prodiit, qui ita incipit: Laus Deo, qui ne res impurae gerantur  
 vetuit etc. Viros hujus rei gnaros libros edidisse auctor narrat *Zahr el-arish fi tahrin  
 el-hashish* et *Zewájr el-rahman fi tahrin hashish el-sheitán*. Textus autem ita incipit:  
 Laus Deo ad puniendum prompto etc., et in duas sectiones dispositus est, quarum prior  
 de herbae *Hashish*, posterior de vi hyoseyami agit. — 8020. El-Tzahr El-Adhodi,  
 scientia adjutrix de grammatica, auctore *Abu'lalá Ahmed Ben Abdallah Maarri*,  
 anno 449 (inc. 10. Mart. 1057) mortuo. — 8021. El-Tzahr ala fic'h el-sharh  
 el-kebir, scientia jurisprudentiae in Commentario Magno tractatae. Vide in litera 5  
*Waw* commentarios in librum *El-Wejiz*. — 8022. El-Tzahíriyet, responsa  
 juridica *Tzahr-ed-dini*. Vide infra in *El-Fetáwi*. —

---

## باب العين المهملة

٨٣٣ عارف ومعروف فارسي منظوم اوله

ای نام تو فتح کنج مقصود

- آلفه سنة ٨٣٠ ٨٣٤ عارضة الاحوذی فی شرح سنن الترمذی مرّ فی السنن ٨٣٥ العاضل  
للبن الراری والوای للامام [الحافظ الحسن بن عبد الرحمن] الرامهرمزی المتوفی سنة [٣٩٠] 5  
٨٣٦ عاقل الکالی والمرخص العالی ٨٣٧ عالم آرا وهو تاریخ فارسی مختصر لدولة البایندرية  
لفضل الله بن روزبهان بن فضل الله الخنجی الاصفهانی الملقب بامین المعروف بخواجه ملا  
آلفه للسلطان یعقوب ذکر فی بديع الزمان انه آلفه علی ان يكون عالم آرای امینی فی مقابلة  
جهانکشی جویی ثمّ آتمه لابی الفتح النصر ٨٣٨ علم فی اللغة فی مائة مجلد لاجمّد بن ابان

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA AIN INCIPIUNT.

8023. Arif we Ma'rúf, cognoscens et cognitum. . Poema persicum, quod ita incipit:

O Tu, cujus nomen thesaurum desideriorum aperit.

- Composuit auctor anno 830 (inc. 2. Nov. 1426). — 8024. Aridhat el-ahwedzi, facundia promti. Commentarius in opus *Sonen* a *Tirmidzi* compositum, de quo sub *Sonen* dictum est. — 8025. El-Adhil, liber, quo ignavia referentis et recordantis 5 in angustiam redigitur, auctore Imám [El-Háfiz *Hasan Ben Abd-el-rahman*] *Rámhurmuzi*, anno [360 (inc. 5. Nov. 970)] mortuo. — 8026. El-Atil El-Háli, vir monilibus colli nudus ornatus et parvi habitus superbiens. — 8027. Alem-ará, ornamentum mundi. Historia persica brevior de dynastia Bayenderidarum, auctore *Fadhlallah Ben Ruzbehán Ben Fadhlallah Khanji Isfaháni*, honorifice *Emín* cognominato et vulgo *Khoja Molla* dicto, qui Sultano *Yacúb* eam scripsit. In *Bed' el-zemán* narratur, illum ea conditione scripsisse, ut *Alem-ará Emíni* opus *Jihán-kushá Joweiní* imitetur. Tum eam in commodum *Abu'fat'hi El-Nasr* absolvit. — 8028. El-Alem fi el-loghat, mundus. Opus lexicographicum centum fasciculis comprehensum et ad genera verborum dispositum, auctore *Ahmed Ben Abán* [*Seyyid*]



[سيد] الاندلسى اللغوى المتوفى سنة [٣٨٣] رتب على الاجناس بدأ فيهِ بالفلك لكونه اعظم  
 الاجسام وختم بالذرة ٨٣٦ على الرتبة في احكام الحسبة ٨٣٠ على الرتبة في شرح نظم  
 النخبة يأتى

٨٣١ علم العالى والنازل

5 من اسانيد القرآن

٨٣٢ العباب الزاخر في اللغة في عشرين مجلداً للامام حسن بن محمد الصغانى مات  
 سنة ٤٥٠ قبل ان كمله بلغ فيه الى الميم ووقف في مادة بكم ولهذا قيل  
 ان الصغانى الذى حاز العلوم والحكم  
 كان قصارى امره ان ينتهى الى بكم

10 وترتيبه كصاح الجوهري وقد جمع تاج الدين ابن مكتوم [ابو محمد احمد بن عبد  
 القادر القيسى الكنفى المتوفى سنة ٧٤٩] بينه وبين المحكم كما مر ٨٣٣ عباب في

*Andalusi Lexicologo, anno [383 (inc. 26. Febr. 993)] mortuo. Incipit a voce „felek“  
 i. e. orbe coelesti, cum hic corporum maximum sit, et desinit in voce Dzarret i. e.  
 atomo. — 8029. Ali el-rutbet, gradu altissimus de statutis computationis. —  
 8030. Ali el-rutbet, gradu altissimus. Commentarius in metricam libri Nukhbet  
 paraphrasin. Vide infra. —*

8031. Ilm el-áli we el-názil. Doctrina locorum coranicorum, quorum 5  
 auctoritates ascendunt et descendunt.

8032. El-Obáb El-Zákhir, fluctus maris exundans. Lexicon viginti  
 voluminum, auctore Imám Hasan Ben Mohammed Sagháni, qui anno 650 (inc.  
 14. Mart. 1252) obiit, antequam finiret; pervenit enim ad literam Mim et in voce  
 „bekima“ (mutum esse) substitit. Hanc ob causam dictum est:

Sagháni, qui doctrinas et sententiarum copiam complexus est,

Lapsus est ac decidit a re sua, ut in ore muto subsisteret.

Dispositio libri eadem est, quae in Sihák Jauheri, et Táj-ed-din Ibn Mektúm 10  
 [Abu Mohammed Ahmed Ben Abd-el-cádir Caisi Hanefita, anno 749 (inc. 1. Apr.  
 1348) mortuus], ut antea traditum est, eum cum El-Mohkem conjunxit. — 8033. El-

- فقه الشافعي نظمها القاضي شهاب الدين ابو العباس احمد بن [ناصر بن] الباعوني
٨٣٤. العبادات لنيل السعادات ٨٣٥. عباد افريقيّة لمحمد بن احمد بن تميم [الافريقي]
٨٣٦. عبر الاعصار وخبر الامصار قال ابن حجي كتب الحسيني الى شهر وفاته وهو شعبان سنة ٧٥٥ والمشهور منه الى آخر سنة ٧٦٣ وكان يسقط منه الكراس الاخير وذيل الحافظ العراقي من اول سنة ٨٤١ الى آخر سنة ٧٦٣ وقد تساعل فيه وليس هو على قدر علمه وكثر منه مأخوذ من ذيل الحسيني قال وقد وقفت على وفيات آخر للشيخ زين الدين بخطه [بعد] تلك الوفيات ولخصت منها كرايس انتهى ولما لم يكن ما يجمع الامرين يعني الحوادث والوفيات على الوجه الاتم شرع مفتي الشام الشهاب احمد بن حجي السعدي في كتابه ذيل من اول سنة ٧٦١ على وجه الاستيعاب للحوادث والوفيات فكتب منه سبع سنين ثم شرع من اول سنة ٧٦٩ فانتهى الى انتيآء ذي القعدة سنة ٨٠٥ وذلك قبل ضعفه ضعفة الموت غير أنه سقط 10

Obáb fi fic'h El-Sháfii, fluctus maris de jurisprudentia Shafíitarum. Metrice librum composuit Cádhi *Sheháb-ed-dín Abu'labbás Ahmed Ben [Násir Ben] Báúni*. — 8034. El-Ibádát, officia pietatis ad felicitatis gradus consequendos praestita. — 8035. Ibád Ifrickíyet, casti Dei in Africa cultores, auctore *Mohammed Ben Ahmed Ben Temim [Ifrickí]*. — 8036. Iber el-asár we Khaber el-amsár, exempla temporum et historiae provinciarum. Teste *Ibn Haji, Hoseini* usque ad mensem Shabán anni 765 (inc. 10. Oct. 1363) scripsit, quo mortuus est, et pars historiae quae in vulgus prodiit finem anni 762 (inc. 11. Nov. 1360) tangit. Exciderunt autem postremi historiae fasciculi. Continuavit eam *El-Háfiz El-Irácki* ab initio anni 741 (inc. 27. Jun. 1340) usque ad finem anni 763 (inc. 31. Oct. 1361); attamen leviter rem tractavit, neque scientiae qua excellebat documentum edidit. Magna rerum traditarum pars ex appendice *Hoseini* assumpta est. Legi, inquit, alias mortes manu *Sheikh Zein-ed-dini* scriptas [post] has mortes, et inde plures foliorum fasciculos excersi. — Haec ille. — Cum vero nullus liber existeret, qui ratione perfectiore res gestas et virorum illustrium mortes conjungeret, Syriae Mufti *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Haji Sa'di* in libro suo historiam continuavit ab initio anni 741 (inc. 27. Jun. 1340), ita ut omnem rerum gestarum et biographiarum virorum defunctorum materiem effunderet. Persecutus autem est septem annos scribendo, quo 10 facto ab initio anni 769 (inc. 28. Aug. 1367) incepit et ad finem mensis Dzi'lca'det anni 815 (inc. 13. Apr. 1412) processit, et hoc factum est ante morbum mortiferum,



منه سنة ٧٥٠ فعدم وقد اوصى لتلميذه ابي بكر بن احمد بن شهبه الاسدى ان يكمل الحرم  
من سنة ٧٤٨ الى سنة ٧١٨ فكملة ثم ذيله من حين وفاته ثم اراد ان يستأنف الامر فشرع من  
اول الذيل لانه كتب فوائد جمعة قد اعملها شيخه ويحتاج الكتاب اليها فالحق كثيراً منها  
في انحواشي فاجعل ذيلاً حافلاً فذكر كل شهر وما فيه من الحوادث والوفيات الى وفاته  
٨٣٧ 5 عبرة اولى الابصار في ملوك الامصار لعماد الدين اسمعيل بن احمد بن سعيد المعروف  
بابن الاثير الحلبي المتوفى سنة ٦٩٩ اقتصر فيه على الملوك والخلفاء في البلاد كلها من غير  
تعريض نشيء من الوفيات وهو في مجلدين ٨٣٨ عبرة العزلة لتاج الاسلام عبد الكريم بن  
محمد السمعاني ذكره صاحب الخالصة ٨٣٦ عبرة اللبيب بعثرة الكتب من انشاء صلاح  
الدين ابي الصفاء خليل بن ابيك الصفدي [المتوفى سنة ٧١٤] اوله الحمد لله حق حمده  
10 الخ ذكر فيه انه لما وقف بمصر على الرسالة التي انشأها علي بن عبد الظاهر ووسمها

quo obiit. Attamen septuagesimus quintus annus exciderat et perditus est. Testamento  
discipulo *Abu Bekr Ben Ahmed Ben Shohbeh Asedi* mandavit, ut partem necessariam  
ab anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) ad annum 768 (inc. 7. Sept. 1366) perficeret. Quo  
facto a tempore mortis magistri inde continuavit. Tum vero rem denuo aggredi  
voluit, ut ab initio appendicis inciperet. Scripto enim magnam adnotationum utilium  
copiam mandavit, quas magister neglexerat, et quibus liber carere non potuit. Itaque  
magnam earum partem in glossis margini adscriptis subjunxit, ut inde appendicem  
amplam et copiosam conficeret. Ibi singulos menses persecutus est et res illis gestas  
et viros usque ad mortem suam defunctos. — 8037. *Ibret uli el-absár*, exemplum 5  
virorum intelligentium de regibus provinciarum, auctore *Imád-ed-din Ismail Ben  
Ahmed Ben Saíd Halebi*, vulgo *Ibn-elathir* dicto et anno 699 (inc. 28. Sept. 1299)  
mortuo, qui in commemorandis terrarum omnium regibus et Khalifis substitit, nulla  
virorum mortuorum ratione habita. Duo volumina. — 8038. *Ibret el-azalet*,  
exemplum iis propositum, qui magistratu abdicant, auctore *Táj-elislám Abd-el-kerim  
Ben Mohammed Sem'áni*. Laudatur ab auctore operis *Khálisat*. — 8039. *Ibret  
el-lebíb*, exemplum in afflicti peccato intelligenti propositum, auctore *Saláh-ed-din  
Abu'lsafá Khalil Ben IbeK Safedi*, [anno 764 (inc. 21. Oct. 1362) mortuo]. Scriptum  
elegantioris generis, quod ita incipit: Laus Deo talis qualem meretur etc. Auctor 10  
cum in Aegypto tractatum legisset, quem *Ali Ben Abd-el-tzáhir* composuisset et

- بمراعات الغزلان حرّرت عطفه الى انشاء رسالة تماثلها .ه.ف. عبرت نامه تركى محمود بن عثمان المعروف بلامعى توفى سنة ٩٣٨ وللشيخ شمس الدين احمد بن محمد السيواسى المتوفى سنة .ه.ف. العبر فى اخبار ابن عمر للشيخ عبد العزيز بن محمد بن عبد الرحمن انشاعى .ه.ف. العبر فى خبر من عبر فى التاريخ ماجلّدان للحافظ المورّخ شمس الدين ابى عبد الله محمد بن احمد الذعبي المتوفى سنة ٧٢٠ قال فيهذا تاريخ مختصر على السنوات اذكر فيه ما قد ولى من اشير للوادث والوفيات تعين على التركى حفظه وبدأ من اول سنة الهجرة وانتهى الى اخر سنة ٧٢٠ قرّ نيّله تلميذه السيد شمس الدين ابو الحسن محمد بن على الحسينى الى اخر سنة ٧٢٤ والذيل عليه الى الخمس والثمانين لشمس الدين محمد بن محمد بن على الحسينى ولد السابق المتوفى سنة ٧١٣ وذيل العبر ايضا زين الدين عبد الرحيم بن حسين العراقى المتوفى سنة ٨٠١ والذيل على ذيل العراقى لولده ولى الدين احمد العراقى المتوفى 10

- 
- Merâti' el-ghizlân* inscripsisset, illum cupidinem animi excitasse narrat similem libellum conficiendi, qui eum aequaret. — 8040. *Ibret-námeh*, liber exemplorum turcice, auctore *Mahmúd Ben Othmán*, vulgo *Lámi* dicto et anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuo, et *Sheikh Shems-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Siwási*, anno ... mortuo. — 8041. *El-Iber fi akhbar Ibn Omar*, documenta de historiis *Ibn Omari*, auctore *Sheikh Abd-el-aziz Ben Mohammed Ben Abd-el-rahman Shafita*. — 8042. *El-Ibar fi khabar men abar*, documenta de historia eorum, qui vita decesserunt.
- 5 *Historiarum* duo volumina, auctore *Háfiz Shems-ed-dín Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Dzehebi* rerum scriptore, anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) mortuo. Haec, inquit, historia brevis est ad annos disposita, in qua res gestas et mortes illustriores narro, quae acciderant et viro sincero et probo ut memoriter teneat necessariae sunt. Incepit a primo fugae propheticæ anno et ad finem anni 740 (inc. 9. Jul. 1339) progressus est. Librum postea discipulus *El-Seyyid Shems-ed-din Abu'mehásin Mohammed Ben Ali Hoseini* ad finem anni 764 (inc. 21. Oct. 1362) continuavit, et hujus partem continuatam *Shems-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ali Hoseini*, praecedentis viri filius anno 792 (inc. 20. Dec. 1389) mortuus, usque ad annum 785
- 10 (inc. 6. Mart. 1383). Praeterea *Zein-ed-din Abd-el-rehim Ben Hosein Irácki*, anno 806 (inc. 21. Jul. 1403) mortuus, archetypum continuavit et hujus partem continuatam filius *Welí-ed-din Ahmed Irácki*, anno 826 (inc. 15. Dec. 1422)



سنة ٨٣٤ صنف ذيلًا على ذيل أبيه ٨٤٣ العبر وديوان المبتدأ والخبر في أيام العرب والعجم  
 والبربر وهو المعروف بالمقدمة في التاريخ لقاضى القضاة عبد الرحمن بن محمد ابن خلدون  
 الاشبيلي الحصرى المتوفى سنة ٨٠٨ وهو على مقدمة وثلاثة كتب المقدمة في فصل علم التاريخ  
 والكتاب الاول في العمران وما يعرض فيه وهذا الكتاب الاول ذهب باسم المقدمة حتى صار  
 5 علمًا عليها والكتاب الثانى في اخبار العرب منذ بدء الخليقة ودول المعاصرين ليم والكتاب  
 الثالث في احوال البربر بديار المغرب وهو كتاب مفيد جامع المنافع لا يوجد في غيره شرحها  
 الشيخ احمد المغربى المقرئ مورخ الاندلس [المتوفى سنة ١٠١٢] كذا اخبر به ابن البيلى  
 [ترجم أوائل المقدمة شيخ الاسلام المولى محمد صاحب المعروف ببرى زاده المتوفى سنة ١١٦٣]  
 ٨٤٤ عتاب الامم لاقى المعالى امام الحرمين عبد الملك بن عبد الله النيسابورى المتوفى  
 10 سنة ٤٧٨ ٨٤٥ العتبة منسوب الى مصنفا فقيه الاندلس محمد بن احمد بن عبد العزيز

mortuus, qui appendicem ad patris appendicem composuit. — 8043. El-Iber we Diwán el-mubtedá we el-khaber, exempla proposita et sylloge originum nationum et eventorum succedentium de diebus Arabum, Persarum et Berberorum. Liber magis inclaruit titulo Prolegomenon Historicorum, et judicem judicum *Abd-el-rahman Ben Mohammed Ibn Khaldún Ishbili Hadrhemi*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuum, auctorem habet, et in praefationem et tres libros divisus est. Praefatio agit de praestantia historiae, liber primus de genere humano societate conjuncto et iis, quae huic societati acciderunt, et primus hic liber plerumque nomine Prolegomenon insignitur, ita ut hic titulus ejus nomen proprium evaderet. Liber 5 secundus res gestas Arabum tractat ab initio creationis et historiam dynastiarum Arabibus aequalium, et liber tertius historiam Berberorum occidentem habitantium. Hoc opus admodum utile est et res complectitur magni fructus, quae alias non inveniuntur. *Ibn-elbeilúni* quidem teste ejus commentarium *Sheikh Ahmed Maghribi* Corani lector et rerum Andalusenarum scriptor, [anno 1041 (inc. 20. Jul. 1631) mortuus], edidit [et initium Prolegomenon *Sheikh-el-islám-Molla Mohammed Sábib*, vulgo *Perizáleh* dictus et anno 1162 (inc. 11. Dec. 1748) mortuus, in linguam turcicam transtulit]. — 8044. Itáb el-omem, objurgatio populorum, auctore *Abulmeúli Imám-elharamein Abd-el-melik Ben Abdallah Nisábúri*, anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. — 8045. Atabet, 10 asperitas. Liber, qui auctori Jurisconsulto Andalusiae *Mohammed Ben Ahmed Ben*

- العتبي القرطبي المتوفى سنة ٢٥٤ وهو مسائل في مذنب الامام مالك ٨٤٦ عجاية الزرنبيية في  
 السلالة الزرنبيية رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى سنة ١١١  
 اثبت فيها ان اولاد زينب من الاشراف واوردها في حاويه تماما ٨٤٧ عجاية التنبيه لابن  
 الملقن ٨٤٨ عجاية الحسى بطبقة المغربي لاقى حفص عمر بن محمد النسفى المتوفى سنة  
 5 [٥٣٧] ٨٤٩ عجاية العالم من كتاب المعالم في مختصر معالم السنن للخطابى يأتى  
 ٨٥٠ عجاية في اسحقى الفقهاء ايام البطالة لاحمد بن محمد المعروف بابن اليانم المتوفى  
 سنة ٨٧٧ ٨٥١ عجاية القرى للراغب في تأريخ ام القرى وهو مختصر عقد الثمين في تأريخ  
 البلد الامين ٨٥٢ عجاية المبتدى في الانساب لزين الدين ابى بكر محمد بن موسى  
 الحازمى الهمدانى المتوفى سنة ٥٨٤ ٨٥٣ عجاية المنتظر في شرح حال الخضر للشيخ ابى  
 الفرج عبد الرحمن بن على المعروف بابن الجوزى المتوفى سنة [٥٩٧] قال فيه ان من قال 10

- Abd-el-aziz Olbi Cortubi*, anno 254 (inc. 1. Jan. 868) mortuo, tribuitur. Quaestiones  
 sunt de disciplina sectae Malikitaram. — 8046. *Ajájet el-zernebíyet*, pulvis  
 plantae odoriferae de progenie *Zeineb*. Tractatus, auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman*  
*Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Contendit ibi, familiam  
*Zeineb* e *Sherifis* esse, libellumque totum operi *Háwi* inseruit. — 8047. *Ijálet*  
*el-tenbíh*, oratio promta monitoria, auctore *Ibn-elmolacchin*. — 8048. *Ijálet el-*  
*hisbi*, oratio promta viri nobilitate conspicui de classe incolarum occidentis, auctore  
 5 *Abu Hafs Omar Ben Mohammed Neseft*, anno [537 (inc. 27. Jul. 1142)] mortuo. —  
 8049. *Ijálet el-álim*, oratio extemporalis viri docti e libro *El-Meálim*. Epitome  
 est libri *Meálim el-sonen*, auctore *Khattábi*. Vide infra. — 8050. *Ijálet fi*  
*istihcác el-focahá ayyám el-betálet*, oratio extemporalis de diebus festis a  
 jurisconsultis recte aestimandis, auctore *Ahmed Ben Mohammed*, vulgo *Ibn-el-háim*  
 dicto et anno 887 (inc. 20. Febr. 1482) mortuo. — 8051. *Ijálet el-ckirá*,  
 donum hospiti desideranti festinanter paratum de historia urbis Mekka. Epitome operis  
*El-Icd El-Themín* de historia urbis Mekka. — 8052. *Ijálet el-mubtedi*, oratio  
 extemporalis tironis de genealogiis, auctore *Zein-ed-din Abu Bekr Mohammed Ben*  
*Musa Házimi Hemdúni*, anno 584 (inc. 2. Mart. 1188) mortuo. — 8053. *Ijálet*  
 10 *el-muntetzir*, oratio extemporalis exspectantis de status prophetae *Khidhr* expo-  
 sitione, auctore Sheikh *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali*, vulgo *Ibn-eljazzi*  
 dicto et anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. Dicit ibi, qui prophetam existere



أنه موجود قال ذلك لهو اتيس ووسواس واستدق على عدم وجوده بقوله تعالى وما جعلنا  
 لبشر من قبلك الخلد اقول واجاب المخالفون ان الخلد هو بقاء لا موت معه وليس هو  
 المدعى في التخصر عليه السلام انما المدعى طول اقامته يكون الموت بعدها وانما لو كان حيا  
 لزارى فلم يثبتته اهل الحديث وفيه نزاع كثير والناس على الطرفين كما ترى والله سبحانه  
 5 وتعالى اعلم بحقيقة الحال ٨٥٤ عجائب الاتفاقي في غرائب الاوثان لابي عبد الله محمد  
 ابن ابراهيم القدسي ٨٥٥ عجائب الاخبار ذكره صاحب اخبار الدول وحمد الله في النزهة  
 ٨٥٦ عجائب الاسفار وغرائب الاخبار لابي القاسم مسلم بن محمود الشيرازي المتوفى سنة  
 سنه للملك المعز طغتكين الايوبي صاحب يهن وادع فيه اشعارا واخبارا ٨٥٧ عجائب الاسماء  
 ونظم المسمى ذكره البوني ٨٥٨ عجائب الآفاق لبيوسف بن محمد العبادي الحنبلي المتوفى  
 10 سنة ٧٧٦ ٨٥٩ عجائب البحر للمولى علمشاه عبد الرحمن بن صاجلي امير المتوفى سنة ٩٧٧ ولعل

statuat, eum per jocos stultum et a diabolo seductum hoc statuere, et illum non  
 existere, probat verbis Dei: „Et non posuimus ulli homini ante te aeternitatem“.  
 At respondent, inquam, adversarii, aeternitatem hic perpetuitatem esse sine morte.  
 Hoc autem minime in *Khidhr* cadere ponitur, sed eum non nisi per longum tempus  
 in hac terra existere contendunt, post quod mors eum eripiat. Si vero vivus esset,  
 certe me visitasset. Traditionarii hanc rem minime ratam habuerunt, quae magnam  
 contentionem excitavit, et homines, ut vides, duplicem opinionem tuentur, at Deus  
 solus veram rei conditionem optime scit. — 8054. *Ajáib el-ittifác*, miracula 5  
 convenientiae de singulari quadratorum talismanicorum dispositione, auctore *Abu Abdallah  
 Mohammed Ben Ibráhm Codsí*. — 8055. *Ajáib el-akhbár*, miracula historiarum.  
 Commemoratur hic liber ab auctore operis *Akhbár el-dowel* et a *Hamdallah* in  
*El-Nuzhet*. — 8056. *Ajáib el-asfár we Gharáib el-akhbár*, miracula  
 itinerum et res historiarum memorandae, auctore *Abu'lcásim Moslim Ben Mahmúd  
 Shirázi*, anno ... mortuo, qui in favorem *El-Meliki El-Moizz Tughtekin Eyyubidae*  
*Yemanae* principis scripsit et libro poemata et historias inseruit. — 8057. *Ajáib  
 el-asmá we Natzm el-mosammá*, miracula nominum et compositio justa  
 nominati. Commemorat librum *El-Búni*. — 8058. *Ajáib el-afác*, mirabilia tractuum  
 terrae, auctore *Yusuf Ben Mohammed Ibádi Hanbalita*, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) 10  
 mortuo. — 8059. *Ajáib el-bahr*, mirabilia maris, auctoribus *Molla Alemsháh  
 Abd-el-rahman Ben Sújili Emír*, anno 977 (inc. 16. Jun. 1569) mortuo, et *Ali Ben*  
 IV. 24

ابن عيسى الخرائي آتفه للمقتدر ٨٠٦. عجائب البلدان لابن الجزار ٨٠٦ [عجائب البلدان  
 لتركيباء بن محمد بن محمود القزويني ذكر فيه اكثر بلاد الدنيا وبعض ما نسب اليها من  
 العلماء وقدم اربع مقدمات اوله العز لك والجلال لكبيرائك الخ] ٨٠٦٣ عجائب الدنيا  
 للمسعودي محمد بن حسين وللشيخ ازري الاسفرائني المتوفى سنة ٢٧٦ ولايراهيم بن وصيف شاه  
 مختصر اوله الحمد لله بارى المسموكات الخ ذكر فيه اسرار الطبائع واصناف الخلق وغرائب 5  
 ما صدقوا ٨٠٦٣ عجائب الطبيعيات والغرائب الصناعية لابي الريحان البيروني [محمد بن احمد  
 المتوفى سنة ٤٣٠] تكلم فيه على العزائم والنيرنجيات والظلمات بما يفرس به اليقين في قلوب  
 العارفين ويزيل الشبهة على المرتابين ٨٠٦٤ عجائب الغرائب في المحاضرات ٨٠٦٥ عجائب القرآن  
 في مجلدين لمحمود بن حمزة الكرمانى [المعروف بنتاج القرأة المتوفى بعد سنة ٥٠٠] ذكر ابو الخير اورد  
 بعض الوجوه في الآية ثم اورد الغريب والعجيب وقال في سورة الفلق في قوله تعالى ومن شر 10

*Isa Harráni*, qui *Khalifae Muctedir* scripsit. — 8060. *Ajáib el-buldán*, miracula terrarum, auctore *Ibn-eljezzár*. — 8061. [*Ajáib el-buldán*, miracula terrarum, auctore *Zakariyá Ben Mohammed Ben Mahmúd Cazwini*. Commemorat ibi majorem urbium terrae partem et nonnullos virorum doctorum, qui inde originem duxerunt. Praemisit quatuor praefationes et orsus est ita: Gloria Tibi et majestas celsitudini Tuae etc.] — 8062. *Ajáib el-dunyá*, miracula mundi, auctoribus *Mohammed Ben Hosein*, vulgo *Mes'údi* dicto — *Sheikh Azeri Isferháni*, anno 279 (inc. 3. Apr. 892) 5 mortuo — et *Ibráhím Ben Wesif Sháh*, qui compendium scripsit, quod ita incipit: Laus Deo coelorum creatori etc. — Recenset ibi arcana naturalia, varia rerum creaturarum genera et res singulares quas descripserunt. — 8063. *El-Ajáib El-Tabííyet we El-Gharáib El-Sináíyet*, miracula naturalia et res singulares artificiosae, auctore [*Mohammed Ben Ahmed*] *Biráni*, vulgo *Abu'lreihán* dicto [et anno 430 (inc. 3. Oct. 1038) mortuo]. Disserit ibi de arte daemones incantandi et sub potestatem redigendi et de doctrina conjunctionis reciprocae inter vires efficientes et effectas et amuletorum, ita ut in spiritalium cordibus certam rei cognitionem conjectura pararet et dubitationem dubitantibus eximeret. — 8064. *Ajáib el-gharáib*, miracula rerum singularium. Opus anthologicum. — 8065. *Ajáib El-Cor'an*, miracula Corani. Duo volumina, auctore *Mahmúd Ben Hamza Kermáni*, [vulgo *Táj-elcaraat* dicto et post annum 500 (inc. 2. Sept. 1106) mortuo]. Teste *Abu'lkheir* plures interpre- 10 tationis singulorum versuum rationes affert, et tum ad voces insolitas et miras transit. Ita v. c. in *Surata Diluculi* verba Dei: „Et a malo lunae (confugio), quando



غاسق انا وقب العجيب في بعض التفاسير ومن شرّ الذكر اذا ايقظ وقيل ربح وردى من غلظة لا عدّة لها وعن النبي صلى الله تعالى عليه وسلم اعون بالله من شرّ سمعي وبصري وبطني وعيني وهذا تفسير سميح ذكره لكن اوردته لكونه في عداد العجيب من الاقوال وكلما وصفته بالعجيب ففيه ادنى حلل ونظر انتهى [قلت سماه لباب التفسير قل السيوطى في النوع التاسع 5 والسبعين من اتقانه فيه اقوال منكّرة لا يحلّ الاعتماد عليها ولا ذكرها الا للتحذير منها]

٨٠٦١ العجائب في تفتيح المشارك على المغرب للسيوطى ٨٠٦٧ عجائب القلب ٨٠٦٨ كتاب  
 العجائب لسيروردي وللمسعودى ٨٠٦٩ [عجائب المآثر وغرائب النوادر لاحمد بن صمد  
 كتبخدا الششير بسبيلي المتوفى سنة الفه للسلطان احمد خان بن اورخان بن مراد خان  
 تركى في المحاضرات والحكايات] ٨٠٧٠ عجائب المخلوقات تركى لاجمء المعروف ببيجان الفه  
 10 ببلدة كليبول في تاريخ فتح قسطنطينية سنة ٨٥٧ وذكر انه ترجمه من كتاب عربى بهمة شيخه

latuerit“ mire in nonnullis commentariis exponi dicit per (Confugio) a malo penis, quando excitatus est sive quando agitatus est, sive, ut alii tradunt, a libidine venerea, quae tempus coitus non respicit. Et propheta Mohammed dixisse traditur: Confugio ad Deum a malo auris meae, visus, ventris et oculi. Haec quidem, quam profert, interpretatio turpis est; eam tamen commemoravi, quoniam ad mirorum dictorum numerum pertinet, et quotiescunque locum tanquam mirum et insolitum descripsi, ejus interpretatio facillima et cogitatione vix opus est. — Haec ille. — [Adjicio haec. Auctor commentarium *Lobáb el-tefsir* inscripsit, et *Soyúti* in Genere septuagesimo nono operis *Itcán*: Ille commentarius, inquit, dicta continet rejicienda, 5 quibus auctoritatem tribuere minime licitum est; neque eorum mentionem facias, nisi ut lectores de eo dehorteris.] — 8066. El-Ajáib, miracula de regionibus Orientis tractibus Occidentis praeferendis, auctore *Soyúti*. — 8067. Ajáib el-calb, miracula cordis. — 8068. Kitáb el-ajáib, liber miraculorum, auctoribus *Soharawerdi* et *Mes'údi*. — 8069. [Ajáib el-meáthir we Gharáib el-newádir, miracula factorum praeclarorum et prodigia effatorum singularium. Collegit turcice has historias et narratiunculas *Ahmed Ben Hemdem Kutkhudá*, vulgo *Soheili* dictus et anno ... mortuus, ut Sultanum *Ahmed Khán Ben Urkhán Ben Murád Khán* oblectaret]. — 8070. Ajáib el-makhlúcat, miracula rerum creatarum, turcice. Scripsit *Ahmed*, vulgo *Biján* dictus, in urbe Galipoli de historia expugnationis urbis Constantinopolis 10 anno 857 (inc. 12. Jan. 1453). Librum auspiciis Sheikhi *El-Hájj Peirám* ex scripto

الحاج پيرام ٨٧١ عجائب المخلوقات فارسی محمد بن محمود بن احمد الطوسي السلماني  
 ألفه سنة ٥٥٥ اوله حمد بی حد خالقرا كه الخ وهو كتاب مصور این كتاب بر ده قانونست  
 واركان ٨٧٢ عجائب المخلوقات لركرياء بن محمد بن محمود الكوفي القزويني المتوفى سنة  
 ألفه في زمان مفارقته من الوطن قال وقد ذكر فيه اشياء يابها طبع الغبي الغافل ولا ينكرها  
 نفس الذكي العاقل فانها وان كانت بعيدة عن العادات المعهودة لكن لا يستعظم شيئا مع 5  
 قدرة الخالق وجميع ما فيه اما عجائب صنع الباري وذلك اما معقول او محسوس لا شك  
 فيها واما حكاية طريفة منسوبة الى روايتها واما خواص غريبة وذلك مما لا يفى العمر بتجربتها  
 ولا معنى لترك كليا لاجل الشك في بعضها فان احببت ان تكون منها على ثقة فشمع لتجربتها  
 واياك وان تغتر ان تميل اذا لم تصب مرة او مرتين فان ذلك قد يكون لفقد شرط او  
 حدوث مانع وحسبك ما ترى من حال المقناطيس وجذبه الحديد فانه اذا اصابه رابحة 10

arabico se interpretatum esse dicit. — 8071. Ajáib el-makhlúcat, miracula rerum creatarum. Liber persicus, quem *Mohammed Ben Mahmúd Ben Ahmed Tusi Selmání* anno 555 (inc. 12. Jan. 1160) composuit et ita inchoavit: Laus infinita creatori, qui etc. Figuris ornatus est et in decem canones et fulcimenta dispositus. — 8072. Ajáib el-makhlúcat, miracula rerum creatarum, auctore *Zakariyá Ben Mohammed Ben Mahmúd Kufi Cazwini*, anno . . . mortuo, qui tempore scripsit, quo a patria abfuit. Describuntur hic, inquit, res, quas natura socordis et incuriosi respuat, acutum vero ingenium et vir intelligens minime improbet. Quamvis enim a 5 consuetudinis receptae regulis recedant, attamen nullam rem potentia creatoris intercedente majorem judicat. Omnia, quae ibi invenies, modo miracula sunt a creatore edita, eaque aut mente aut sensu percipi possunt, cum minime dubia sint, modo historiae lepidae ad auctores relatae, modo proprietates mirabiles ejusmodi, ut, qui experientia eas cognoscere vellet, ei vita vix sufficeret. Neque tamen convenit, quoniam nonnulla dubitationem habent, omnia rejicere. Et si certam eorum cognitionem tibi comparare velis, experiendo cognoscere studeas, et cave ne decipiaris, ut avertaris, quando semel aut bis rectum non invenis, id quod interdum fit, quod conditio necessaria desideratur aut impedimentum improvisum affertur. Satis tibi 10 haec demonstrant, quae in effectu magnetis et vi ferrum attrahendi animadvertit. Quem cum odor alii tangit, haec vis ei propria evanescit, et quando eum aceto lavas,



الثوم بطلمت تلك الخاصية فاذا غسلته بالخل عادت اليه فاذا رأيت مقناطيسا لا يجذب  
 فلا تنكر خاصيتها واصرف عنانيك الى البحث عن احواله حتى يصحح لك امره قال وسميته  
 عجائب المخلوقات وغرائب الموجودات ولا بد من ذكر مقدمات اربع الاول في شرح العجب  
الثاني في تقسيم المخلوقات الثالث في معنى الغريب الرابع في تقسيم الموجود المقالة  
5 الاولى في العلويات وفيه ثلثة عشر نظر المقالة الثانية في السفليات وفيها انظار وضمول ايضا  
 [قلت هكذا ذكر المصنف كاتب جليلي وعن الكتاب الى زكرياء القزويني لكن هذه النسخة  
 عندي موجودة ذكر فيها يقول محمد بن محمد القزويني الخ وهذا يقتضى ان يكون هذا  
 غير زكرياء القزويني ونزكرياء القزويني عجائب البلدان اول عجائب المخلوقات العظمة لك  
 والكبرياء يا قائم الذات الخ كما اثبتته انا في اثناء اسامي الكتب والله اعلم واحكم انتهى]  
10 واختصره بعضهم وسماه الدرر المنتقات من عجائب المخلوقات تصنف فيه ابو حامد محمد  
 ابن عبد الرحمن الاندلسي ايضا توفي سنة اوله للحمد لله الذي ابدع العالم علما على توحيد

vim ille recuperat, ita ut, cum magnetem ferrum non attrahere vides, nullo modo vim  
 ei propriam ferrum attrahendi pernegare possis. Imo vero accingas te studiosissime  
 ad virtutes ei peculiare investigandas, ut quae peculiaria sint recte vereque cognoscas.  
 Librum, inquit, Miraculum rerum creatarum inscripsi et Prodigia rerum existentium  
 singularia. Nec quatuor praefationum ab auctore praemissarum mentio hic negligenda  
 est, quarum *prima* de expositione eorum agit, quae mirabilia esse dicuntur, *secunda*  
 de rerum creatarum divisione, *tertia* de sensu vocis *gharib*, quae rem insolitam  
 significat, et *quarta* de rerum existentium distinctione. *Dissertatio prima* corpora  
 5 coelestia tractat et tredecim considerationes continet, *secunda* corpora terrestria, et  
 pariter plures considerationes et sectiones complectitur. [Objicio haec. Ita quidem  
 auctor lexicis bibliographicis *Katib Jelebi* dicit, qui libri titulo nomen *Zakariyae Cazwini*  
 praeposuit, attamen ipse libri exemplum possideo, et ibi legitur: Dicit *Mohammed*  
*Ben Mohammed Cazwini* etc., unde efficitur, ut hic minime unus idemque sit cum  
*Zakariya Cazwini*; hic enim librum *Ajâib el-buldân* edidit, et opus *Ajâib el-makhlûcât*  
 ita incipit: Magnificencia Tibi et majestas o Tu, qui essentiam divinam tueris etc.,  
 ut in medio libro *Asûmi el-kotob* clare dixi. Deus autem melius et certius haec  
 scit]. — Vir quidam librum in epitomen contraxit *El-Dorer El-Muntecât min*  
 10 *Ajâib el-makhlûcât* inscriptam. De eadem re scripsit *Abu Hâmid Mohammed*  
*Ben Abd-el-rahman Andalusî*, anno . . . mortuus, cujus liber ita incipit: Laus  
 Deo, qui mundum primus creavit tanquam signum ad fidem in se, unum Deum etc.

الخ ذكر فيه أنه سأله بعضهم ان يذكر له نسبه وبلادها وما شاعده من عجائب البلدان فاجاب  
قال فرأيت ان اسمى هذا المجموع المغرب عن بعض عجائب المغرب واجعله برسم حزانة  
مولانا الوزير عون الدين يحيى بن محمد بن هبيرة وان اذكر احسانه قال فأتى لما وصلت  
الى بغداد سنة ٥١٥هـ انزلنى احسن دوره فاقمت ضيفه اربع سنين ولما رجعت اليها سنة ٥٥٥  
انزلنى ايضا باحسن مقامه واكرمى على ما عادته وابن الاثير الجزرى المتوفى سنة والشيوخ 5  
شهاب الدين احمد الحموى اوله الحمد لله رب العالمين تيمم السموات والارضين الخ ذكر  
فيه انه ألفه كتابا مشتملا على الآثار العلوية والسفلية ثم اورد بعجائب المخلوقات ورتب على  
فصل وابواب ٨٠٣ عجائب المخلوقات مؤخر من كتاب القزوينى لانه كان ينقله منه اوله  
الحمد لله رب الارباب الخ فيه بين جد وجزل وملح غريبة ورفيق وجزل ٨٠٤ عجائب  
المقدور في نواب تيمور تاريخ له صنفه الفاضل احمد بن محمد المعروف بابن عربشاه 10  
الحنفى المتوفى سنة ٥٥٤هـ وهو كتاب بديع الانشاء سليمان الاداء [مسجع مقفى ترجمه

Aliquem abs se petiisse narrat, ut genealogiam, terras et urbium miracula quae  
vidisset ei describeret etc. Preces ratas habuit, et: Volui, inquit, hanc syllogen  
titulo *El-Mughrib an ba'dh ajáib el-maghríb* insignitam pro bibliotheca Mollae  
nostri *Wezír Aun-ed-dín Yahya Ben Mohammed Ben Hobeira* conficere et hujus  
viri benevolentiam praedicare. Cum, inquit, anno 516 (inc. 12. Mart. 1122)  
Baghdadum venissem, me in aedificiorum splendidissimo recepit et ejus hospes quatuor  
5 annos fui, et cum anno 555 (inc. 12. Jan. 1160) Baghdadum reversus essem, iterum  
in pulcherrimo domicilio me excepit et ut solet generosissime habuit. Porro scripse-  
runt *Ibn-elathir Jezeri*, anno ... mortuus, et *Sheikh Sheháb-ed-dín Ahmed Hamawi*,  
cujus liber ita incipit: Laus Deo mundorum domino et coelorum et utriusque terrae  
stabilitori etc. Narrat se librum ita composuisse, ut phenomena superiora et inferiora  
complecteretur. Tum rerum creaturarum miracula profert, et totum in sectiones et capita  
distribuit. — 8073. *Ajáib el-makhlúcat*, miracula rerum creaturarum. Hoc opus  
serius scriptum est quam *Cazwinianum*, ex quo auctor plura repetiit, et incipit ita:  
Laus Deo dominorum domino etc. Res seriae jocosae, facetiis singularibus, dulcibus  
10 et facundia vigentibus immixtae sunt. — 8074. *Ajáib el-macdúr*, miracula fati  
de casibus fortunae *Timúro* accidentibus, auctore viro bene merito *Ahmed Ben  
Mohammed Hanefita*, vulgo *Ibn Arabsháh* dicto et anno 854 (inc. 14. Febr. 1450)  
mortuo. Historia *Timúri* ornate et comite scripta [et rhythmico et homoeoteleutis



- الفاضل الاديب المرتضى المعروف بنظمى زاده البغدادي وكان حياً سنة 1113] ٨٧٥ عجائب  
 الملكوت للكسائي وهو ابو جعفر محمد بن عبد الله الكسائي . ٨٧٦ عجائب النساء لابن  
 الجوزي ذكره صاحب الرياض المستطابة ٨٧٧ عجب الخطب لابي الفرج عبد الرحمن بن  
 علي ابن الجوزي المتوفى سنة [٥٩٧] اوله الحمد لله اهل الحمد والثناء الخ ذكر فيه ثلثين خطبة  
 5 منها اولها بلا حرف الف والثاني بلا ياء والثالث بلا ناء الى آخر الحروف والخطبة الثانية  
 كلها من غير نقط والخطبة الثالثة كلها معجمة الى آخر الحروف وسيأتي في الياء وهو اعجب  
 ما يكون ٨٧٨ عدة اصحاب البداية والنهاية في تجريد مسائل الهداية يأتي في الياء  
 ٨٧٩ عدة البحاث ٨٨٠ عدة الحاسب وعمدة المحاسب في الحساب لمحمد بن ابراهيم  
 ابن الحنبلي الحلبي المتوفى سنة ٩٧١ ٨٨١ عدة الحصن مختصره سبق ٨٨٢ عدة  
 10 الحكام في شرح عمدة الاحكام يأتي ٨٨٣ عدة السالكين وعمدة السائرين للامام ابي النصر

distincta, quam vir bene meritus et philologus *Murtedhi Baghdadi*, vulgo *Nat-mi-zádeh* dictus et anno 1130 (inc. 24. Nov. 1717) vivus, (turcice) transtulit. — 8075. *Ajáib el-malkút*, miracula mundi invisibilis, auctore *Abu Jafar Mohammed Ben Abdallah*, vulgo *Kisáyi* dicto. — 8076. *Ajáib el-nisá*, miracula feminarum, auctore *Ibn-eljauzi*. Laudat librum auctor operis *El-Riyádh El-Mostelábet*. — 8077. *Ajeb el-khotab*, admiratio sermonum, auctore *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-eljauzi*, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. Incipit ita: Laus Deo laude et praedicatione digno etc., et triginta exhibet orationes, quarum prima 5 litera *Elif*, secunda litera *Bá*, tertia litera *Tá* caret, et sic deinceps usque ad ultimam literam. Praeterea secunda oratio omnibus punctis destituta, tertia tota punctis diacriticis insignita est, et sic usque ad ultimam literam. Vide infra in litera *Há*, et sane haec compositio admodum mirifica est. — 8078. *Oddet as'háb El-Bedáyet we El-Niháyet*, apparatus auctorum operum *Bedáyet* et *Niháyet* de quaestionibus libri *Hidáyet*, de quo in litera *Há* videndum est, ad ordinem simplicissimum redigendis. — 8079. *Oddet el-bohháts*, apparatus disputantium. — 8080. *Oddet el-hásib we Omdet el-mohásib*, apparatus computantis et columen rationem exigentis. Liber arithmeticus, auctore *Mohammed Ben Ibráhm Ibn-elhanbali Halebi*, anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuo. — 8081. *Oddet El-Hisn*, apparatus arcis. Epitome operis *Hisn*, de quo supra videndum est. — 8082. *Oddet el-hokkám*, apparatus iudicum. Commentarius in opus *Omdet el-ahkám*, de quo infra videndum est. — 8083. *Oddet el-sálikín we Omdet el-sáirín*, apparatus migrantium et columen iter facientium, auctore *Imám*

- احمد بن محمد المؤيد ٨٨٤ عدّة الصابرين وذخيرة الشاكبين في مجلّد للعلامة شمس الدين محمد بن ابي بكر بن ايوب بن القيم الحنبلي المتوفى سنة [٧٥١] اوله الحمد لله الصبور الشكور العلي الكبير الخ ذكر فيه فضائل الصبر والشكر والغنى والفقر قال لما كان الايمان نصفين نصف صبر ونصف شكر وضعت هذا الكتاب للتعريف بشدّة الحاجة اليهما على ستة وعشرين باباً وخاتمة ٨٨٥ عدّة العالم والطريق السالم لابن نصر عبد السيد بن محمد 5 المعروف بابن الصباغ الشافعي المتوفى سنة ٤٧٧ ٨٨٦ عدّة الفتاوى والمقتنين مجلدين اوله الحمد لله المنفرد بالعلّة الخ ذكر انه جمع في الفتاوى والنوازل ليكون عدّة لمن يتحلّى بيها العلم وعمدة الخ ٨٨٧ [عدّة للقوائد] ٨٨٨ العدّة في الاصول ٨٨٩ عدّة في فروع الشافعية لابراهيم بن علي الطبري المعروف بابن المكارم الروياني توفي سنة وذكر السبكي في ترجمة ابي محمد عبد الرحمن [بن الحسين] بن محمد الطبري صاحب العدّة 10

- Abu'nasr Ahmed Ben Mohammed El-Mowayyed.* — 8084. *Oddet el-sábirín we Dzekhíret el-shákirín*, apparatus patientium et promptuarium gratias agentium, auctore viro doctissimo *Shems-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Ben Eyyúb Ben-elcayyim* Hanbalita, anno [751 (inc. 11. Mart. 1350)] mortuo. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo clementi pauca gratiarum actione contento, sublimi, magno etc. Recenset ibi virtutes patientiae, gratiarum actionis, divitiarum et paupertatis. Cum, inquit, fides duabus partibus dimidiis constet, quarum una patientiam efficit, altera gratiarum actionem, composui hunc librum ad rem exponendam, propter urgentem 5 utriusque necessitatem, in viginti sex capita et conclusionem. — 8085. *Oddet el-álim we El-Taríc El-Sálim*, apparatus scientis et via perfecta, auctore *Abu Nasr Abd-el-seyyid Ben Mohammed* Shafiita, vulgo *Ibn-elsabbágh* dicto et anno 477 (inc. 10. Mai. 1084) mortuo. — 8086. *Oddet el-fetáwi we el-muftín*, apparatus responsorum juridicorum et Muftiorum responsa reddentium. Duo volumina, quae ita incipiunt: Laus Deo celsitudine unico etc. Auctor narrat, se librum ex decretis juridicis et statutis a Sheikhis posteritati traditis collegisse, ut iis, qui hac scientia delectarentur, apparatus esset et fulcimentum etc. — 8087. [*Oddet lil-fewáid*, apparatus adnotationum utilium. — 8088. *El-Oddet fi el-osúl*, apparatus de principiis. — 8089. *El-Oddet fi forú' El-Sháfiíyet*, apparatus de partibus juris Shafiitici secundariis, auctore *Ibráhm Ben Ali Taberi Ruyáni*, 10 vulgo *Abu'mekárim* dicto et anno ... mortuo. *El-Sobki* in vita *Abu Mohammedis Abd-el-rahman* [*Ben-elhosein*] *Ben Mohammed Taberi* auctorem libri *El-Oddet*



المتوفى سنة ٥٣١ هـ ٨٠٩. عدّة في معرفة رجال العمدة يعنى عمدة الاحكام [لابن الملحق المصرى  
الحافظ] ٨٠٩. عدّة لعلاء الدين المرزى توفى سنة ٨١٣. عدّة الكبرى في الحديد  
٨١٣. عدّة المسائر وكفاية الحاضر لابي الحسين احمد بن محمد الحاملى المتوفى سنة ٥١٥  
وهى في الخلاف بين الحنفية والشافعية في مجلد منها نسخة موقوفة بالمدرسة الفاضلية  
5 القاهرة ٨١٤. عدّة المستعدين فى التصريف لعبد المجيد بن ابي الليث محرم الزيلى  
المتوفى سنة اوله الحمد لله المنزه الصرف عن تمثيل التصريف الخ سوده فى زمن عثمان  
پاشا حين سائر الى العجم وقاطن فى اماسية بالخيام اياماً اخذها عن شروح  
الشافعية والمراج وغيرها ٨١٥. عدّة المفتين للنسفى ٨١٦. عدّة الناسك فى المناسك  
لصاحب البداية نبه عليه فيها فى باب الاحرام من الحج ٨١٧. [عدّة الواعظين  
10 ونزهة اللاحظين]

anno 531 (inc. 29. Sept. 1136) mortuum esse narrat. — 8090. El-Oddet fi ma'rifet rijál El-Omdet, apparatus de cognitione virorum, qui in libro *Omdet el-ahkám* laudantur, [auctore Háfitz *Ibn-elmolacckin Misri*]. — 8091. El-Oddet, apparatus, auctore *Alá-ed-dín Mervezi*, anno ... mortuo. — 8092. El-Oddet El-Kobra, apparatus magnus. Liber de traditionibus. — 8093. Oddet el-mosáfir we Kifáyet el-hádhir, apparatus iter facientis et copia sufficiens domi versantis, auctore *Abu'lhosein Ahmed Ben Mohammed Mehámili*, anno 415 (inc. 15. Mart. 1024) mortuo. Volumen de controversia inter Hanefitas et Shafíitas, cujus exemplum testamento legatum in collegio *Fádhilico* Cahirae asservatur. — 8094. Oddet el-5 mostaiddín, apparatus se praeparantium de flexu formarum grammaticali, auctore *Abd-el-mejíd Ben Abilleith Moharrem Zeili*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laus Deo, cujus mutatio exemta est a paradigmatis inflexionum etc. Primis lineis tempore *Othmání Pasha* librum conscripsit, cum in Persiam iter faciens Anasiae per plures dies in tentoriis versaretur, et e commentariis in *Shafiyam*, *Meráh* et ex aliis libris repetiit. — 8095. Oddet el-muftín, apparatus Muftiorum, auctore *Nesefi*. — 8096. Oddet el-násik fi el-menásik, apparatus devoti de ritibus in peregrinatione Mekkana observandis ab auctore operis *Hidáyet* compositus, qui ibi in capite *Ihrám*, ubi de peregratione agit, ad hunc librum relegat. — 8097. [Oddet el-10 wáitzín, apparatus praedicantium et oblectamentum limis adspicientium.

## ٨٠٩٨ علم العدد

- ٨٠٩٩ عدد الفرق وعدد الفرق لزبن الدين سريجا بن محمد الملقى مات سنة ٧٨٨  
 ذكر فيه عقيدة الثلاثة والسبعين فرقة وبينها ويتخلص الى عقيدة اجل السنة ٨٠٩٠ عدد  
 المعدودة للشيخ الامام ابى يحيى زكرياء المرشى ٨٠٩١ عذب الزلال في مناقب الال لزبن  
 الدين عمر بن احمد الشماع الحلبي المتوفى سنة ٩٣٦ ٨٠٩٢ العذب السلسل في الحديث 5  
 المسلسل ٨٠٩٣ عذب المسلسل في تصحيح الخلاف المرسل في الروضة في الفروع رسالة لجلال  
 الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى سنة ٩١١

## ٨٠٩٤ علم العرافة

- وهو معرفة الاستدلال ببعض الحوادث الكائنة على الحوادث الآتية بالمناسبة او المشابهة  
 التخفية التى تكون بينهما او الاختلاط والارتباط على ان يكونا معلول امر واحد او يكون ما 10

8098. *Ilm el-aded. Ars arithmetica.*

8099. *Oded el-ferec we Aded el-firec, apparatus discriminis et numerus sectarum, auctore Zein-ed-din Soreijá Ben Mohammed Meleti, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuo. Commemorat ibi confessionem septuaginta trium sectarum eamque explicat, et confugit ad fidem Sunnitarum. — 8100. El-Oded El-Ma'dúdet, apparatus dispositi, auctore Sheikh et Imám Abu Yahya Zakariyá Merághi. — 8101. El-Adzb El-Zolál, aqua dulcis et limpida de virtutibus familiae, auctore 5 Zein-ed-din Omar Ben Ahmed El-Shemmá' Halebi, anno 936 (inc. 5. Sept. 1529) mortuo. — 8102. El-Adzb El-Selsel, dulcis aqua frigida de traditionibus catenae instar cohaerentibus. — 8103. El-Adzb El-Moselsel, aqua dulcis ex loco altiore defluens de corrigenda controversia in libro *Raudhat*, qui de articulis juris derivatis agit, temere et vage mota. Tractatus, auctore Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. —*

8104. *Ilm el-iráfet. Doctrina ex praeteritis futura cognoscendi.*

- Haec est scientia, ex quodam evento praesente de eventis futuris conjecturam faciendi per analogiam aut similitudinem occultam, quae inter utrumque intercedit, 10 aut per mixtionem et conjunctionem ea conditione, ut utrumque ex re una tanquam caussa communi procedat, aut id quod praesens est, caussa sit eorum, quae futuro



في الحال علة لما في الاستقبال وشرط كون الارتباط المذكور خفياً لا يطلع عليه الا الافراد  
 وذلك اما بالتجارب او بحالة المودعة في انفسهم بحيث عبر عنهم النبي صلعم المحدث اي  
 المصيب في الظن والفراحة والحكايات فيهم كثيرة تجددها في كتب المحاضرات

٥٠٠ عرائس البيان في حقائق القرآن للشيخ ابي محمد روزبهان بن ابي النصر البقلي  
 ٥ الشيرازي الصوفي المتوفى سنة [٦٠٦] وهو تفسير على طريقة اهل التصوف قال صنفته مؤجراً  
 متحققاً لا اضافة فيه ولا املال وذكرت ما سنجح لي من حقيقة القرآن ولطائف البيان بالفاظ  
 لطيفة وعبارة شريفة وربما ذكرت تفسير آية لم يفسرها المشايخ ثم اردت بعد قولي باقوال  
 مشايخي مما عبارتها اللفظ وشارتها اطرف وتركت كثيراً منها ليكون اخف مجملًا واحسن  
 تفصيلاً انتبهي ٥٠٦ عرائس المجالس في قصص الانبياء لابي اسحق احمد بن محمد الثعلبي  
 ١٠ المتوفى سنة ٢٧٠ اوله الحمد لله حق حمده الخ وقال هذا كتاب يشتمل على ذكر قصص القرآن

tempore fient. Conditionem autem, qua conjunctio commemorata arcana est, nonnisi singuli perspicunt sive experientia sive affectione exstatica in eorum animis reposita, ita ut propheta, cui Deus propitius sit, haec verba ad eos significandos diceret: *Mohaddeth* ille est, qui rectum verumque ex opinione et physiognomica judicat. — Historiae de his viris relatae multae sunt, easque in libris anthologieis invenies. —

8105. Aráís el-beyán, sponsae expositionis de subtilitatibus Corani interioribus. Commentarius in Coranum ad disciplinam theosophorum, auctore Sheikh *Abu Mohammed Ruzbehán Ben Abi'l-nasr Backili Shirázi Sufi*, anno [606 (inc. 6. Jul. 5 1209)] mortuo. Composui eum, inquit, ita ut brevis et levitate quadam sine ulla verbositate et taedio allato conscriptus esset, et quae mihi Corani veritates subtiles et expositionis argutiae se obtulerunt, eas verbis elegantibus et dictionibus praestantibus attuli. Saepe etiam explicationem versus proposui, quem Sheikh non explicuerant. Tum meis verbis doctorum meorum verba subjunxi ea, quorum dictio admodum compta et demonstratio insignis et nova erat, et multa reliqui, ut liber levitate quadam summam dictorum comprehenderet et singularum partium praestantia excelleret. — Haec ille. — 8106. Aráís el-mejális, sponsae consessuum de historiis prophetarum, auctore *Abu Is'hac Ahmed Ben Mohammed Thalebi*, anno 427 (inc. 10 5. Nov. 1035) mortuo, qui ita incipit: Laus Deo talis, qualem meretur etc., et: Hic liber, inquit, historias coranicas addita expositione et descriptione complectitur.

- بالشرح والبيان [والشيخ الفاضل السيد محمد بن بسطام الخوشاق المعروف بالواني افندى المتوفى سنة 1099] ايضا في قصص الانبياء وهو احسن وافيد من عرانس الثعلبي ذكر فيه من تفسير البيضاوي وحواشيه ومن الكشاف وحواشيه] ٨٠٧ عرانس الجالس في مسائل الخلاف لابي الطيب الملقى ٨٠٨ عرانس الجالس ل محمد بن احمد البصرى النحوى المعروف بالمعجب مات سنة ٣٢٠ ٨٠٩ عرانس النفاس فارسى منظوم لغريد الدين ابى عبد الله محمد الرودكى 5 الشاعر [من ندماء الملك نصر بن احمد الساماني] المتوفى سنة ٨١٥ عرش نامه للسيد جلال الدين فضل الله بن عبد الرحمن الاسترابادى المقتول بسيف الشرع بسبب هذا الكتاب سنة ٨٠٤ ٨١١ عرف التعريف بالمصطلح الشريف ٨١٣ عرف التعريف في المولد الشريف ٨١٣ عرف حدّ الهمة في عرف حدّ الدمة لزين الدين سريجا بن محمد الملقى مات سنة ٧٨٨ ٨١٤ عرف الذكى في النسب الزكى لشمس الدين محمد بن على الحافظ توفى سنة ٧٥٥ 10

- [Pariter Sheikh bene meritis Seyyid Mohammed Ben Bistam Khushabi, vulgo Wani Efendi dictus et anno 1096 (inc. 28. Nov. 1684) mortuus, de historiis prophetarum scripsit, ejusque liber praestantior et utilior habetur quam opus Aráis a Thalebi editum. Plura ibi affert ex commentariis Beidhâwiano et Keshsháf et glossis in haec opera scriptis]. — 8107. Aráis el-mejális, sponsae consessuum de quaestionibus controversis, auctore Abu'tayyib El-Molcki. — 8108. Aráis el-mejális, sponsae consessuum, auctore Mohammed Ben Ahmed Basri Grammatico, 5 vulgo Ajij dicto et anno 320 (inc. 13. Jan. 932) mortuo. — 8109. Aráis el-nefáis, sponsae rerum pretiosarum. Carmen persicum, auctore Ferid-ed-din Abu Abdallah Mohammed Rudeki Poeta [et regis Nasr Ben Ahmed Sâmánidae conviva], anno . . . mortuo. — 8110. Arsh-námeh, liber throni, auctore El-Seyyid Jelál-ed-din Fadhlallah Ben Abd-el-rahman Asterabádi, qui ob hunc librum accusatus gladio legis anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) necatus est. — 8111. Orf el-ta'rif, definitio conveniens terminologiae nobilis. — 8112. Orf el-ta'rif, definitio conveniens de tempore natali prophetae generosi. — 8113. Irf hadd el-himmet, cognitio acuminis mentis de definitione convenienti clientelae, auctore Zein-ed-din Soreijá 10 Ben Mohammed Meleti, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuo. — 8114. Irf el-dzeki fi el-neseb el-zeki, cognitio scrutatoris acuti de genealogia pura, auctore Shems-ed-din Mohammed Ben Ali El-Háfítz, anno 765 (inc. 10. Oct. 1363)



١٥٥٠ عرف الندد في المنتخب من مؤلفات بنى فهد للشيخ عمر بن احمد زين الدين الشماع  
 الحلبي المتوفى سنة [٩٣٦] ١١٦٤ عرف النفحة في حفظ الصحة مختصر ارجوزة منظوم للشيخ  
 ابي عبد الله محمد الرضى الغزوى اوله

حمدى لك اللهم ما لا ينقصى

١٥٧٥ عرف الوردى في اخبار المهدي رسالة للسيوطى لخص فيه الاربعين لاني نعيم وزاد ذكره  
 في حوايه تماماً ١٥٨٠ عرف الوردى في نصره الشيخ الهندى محمد بن ابراهيم الحلبي المعروف  
 بابن الحنبلى المتوفى سنة ٩٧١ وهو رسالة في ردّ [عبد اللطيف المشهدى في ردّ] على الشيخ  
 شهاب الدين احمد الهندى في تأليفه على قوله تعالى فسحقا لاصحاب السعير ١٥٩١ عروة  
 التوثيق في النار والحريق لقطب الدين [ابى بكر محمد بن احمد المكي] القسطلاني المتوفى  
 ١٥٩٩ سنة [٩٨٩] صنف في حريق المسجد النبوى والنار الطاهرة في الحجاز ذكر فيه البدائع  
 ١٥٩٠ عروة لاجل الخلوة والجلوة فارسي للشيخ علاء الدولة احمد بن محمد السمناني المتوفى سنة ٩٨٠

mortuo. — 8115. Arf el-nadd, bonus odor ambari. Sylloge potiora ex scriptis  
 filiorum *Fahd* complectens, auctore Sheikh *Omar Ben Ahmed Zein-ed-din El-Shemmá'  
 Halebi*, anno [936 (inc. 5. Sept. 1529)] mortuo. — 8116. Arf el-nafhat, flatus  
 odoris de conservanda sanitate, auctore Sheikh *Abu Abdallah Mohammed Redhi  
 Ghazzi*. Compendium poeticum metro *Rejex* compositum, quod ita incipit:

Laus mea Tibi, o Deus, infinita.

8117. El-Arf El-Wardi, odor rosaceus de historia *Mehdí*. Tractatus, ubi *Soyúti* 5  
 quadraginta *Abu Noeimi* traditiones meliorem partem excerpsit. Eum totum suo  
*Háwi* inseruit. — 8118. El-Arf El-Wardi, odor rosaceus de defendendo Sheikh  
*Hindi*, auctore *Mohammed Ben Ibráhim Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dicto et anno  
 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuo. Tractatus ad refutandum [*Abd-el-latif Meshhedí*,  
 qui] Sheikh *Sheháb-ed-din Ahmed Hindi* propter libellum [refutaverat], quem de  
 dicto coranico ediderat: „Sed procul (a misericordia Domini) habitatoribus Tartari“. —  
 8119. Orwet el-tauthíc, ansa confirmationis de igne et incendio, auctore  
*Cotb-ed-din* [*Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Mekki*] *Casteláni*, anno [686 (inc. 10  
 16. Febr. 1287)] mortuo. Scripsit de combustione templi prophetici et de ignibus in  
*Hijáz* conspicuis, et novas et raras facetias narrat. — 8120. Orwet li ahl el-  
*khalwet we el-jelwet*, ansa viris solitariis et multum conspicuis oblata, persice.  
 Sheikh *Alá-ed-deulet Ahmed Ben Mohammed Simnání*, anno ... mortuus, hoc

تأليفه في الثالث والعشرين من تحريم سنة ٧٢١ ببلدة صوفياباد ٨٢١ عروة الوثقى ٨٢٣ عروس  
 الآفاني في علم الاوقاف ذكره المبوني ٨٢٣ عروس الاقراج في شرح تلخيص المفتاح مر في التاء  
 ٨٢٤ عروس الاقراج فيما يقال في الراج للشيخ ابي ذر احمد بن ابراهيم الحلبي المتوفى  
 سنة ٨٨٤ يقال انه اذجه في اخر عمره

5

٨٢٥ علم العروس

[وعو علم يبحث فيه عن احوال الاوزان المعتمدة قال صدر الدين الشرواني في الفوائد  
 الخاقانية وعو علم يبحث فيه عن المركبات الموزونة من حيث وزنها واعلم ان اول من  
 اخترع هذا الفن الامام الخليل بن احمد ولا حاكم في هذه الاستقامة الا الطبع وسلامة الذوق  
 فالذوق وان كان فطرياً سليقياً فذاك والا احتيج في اكتسابه الى طول خدمة هذا الفن]  
 10 انكتب الموقفة فيه ابيات الوافية في القافية ارجوزة

scriptum die vicesimo tertio mensis Moharrem anni 721 (inc. 31. Jan. 1321) in urbe  
 Sufiyábád absolvit. — 8121. El-Orwet El-Wothca, ansa firma. — 8122. Arús  
 el-afác, sponsa regionum de doctrina quadratorum talismanicorum. Laudatur ab  
 El-Búni. — 8123. Arús el-afráh, sponsa gaudiorum. Commentarius in *Telkhs  
 el-miftáh*, de quo supra videndum est in litera *Tá*. — 8124. Arús el-afráh,  
 sponsa gaudiorum de iis, quae de vino dicuntur, auctore Sheikh *Abu Dzarr Ahmed  
 Ben Ibráhim Halebi*, anno 884 (inc. 25. Mart. 1479) mortuo. Auctor librum ad  
 finem vitae delevisse dicitur. —

5

8125. Ilm el-arúdh. Ars metrica.

[Haec est ea doctrina, ubi de natura mensurarum carminis praeter cetera  
 auctoritate conspicuarum quaeritur. *Sadr-ed-din Shirwáni* in *El-Fewáid El-Kha-  
 cániyet*: Haec, inquit, ea doctrina est, ubi in pedes syllabarum justa quantitate et  
 norma compositos, quatenus hanc quantitatem sequuntur, inquiritur. — Scias, qui  
 primus hujus doctrinae auctor exstiterit, *Imám Khalil Ben Ahmed* fuisse. *Judex*  
 in hac justa conditione constituenda natura sola est et sanus recti pulchrique sensus.  
 Quodsi hic sensus natura insitus est et ingenitus, res tua bene se habet, si non,  
 tum ad hanc doctrinam comparandam opus est longa opera ei dicanda]. — Libri  
 10 de ea compositi sunt *El-Abyát El-Wáfiyat fi el-cáfiyat*. Carmen metro *Rejez*  
 compositum. —



٨١٦ عروض ابن الحجاج أبو عمرو عثمان بن عمر المالكي المتوفى سنة ٦٤٦ قصيدة

في بيت أولها

الحمد لله ذي العرش المجيد

على الباسه من لباس فضله حللا

5 واعتنى عليه جماعة فشرحها محمد بن محمد السفاقي أخو المقرب المتوفى سنة ٧٤٤ وهو شرح بسيط بقول أوله حمد الله الذي وجب بحامديته الخ ذكر فيه أنه شرحه أولا وسماه شفآء العليل ثم خرج من يده وشرحه ثانيًا وسماه بالمورد الصافي في شرح عروض ابن الحجاج والقواقي وأبن صبيح أحمد بن عثمان التمركاني المتوفى سنة ٧٤٤ والشيوخ جمال الدين عبد الرحيم بن حسن الاسنوي توفى سنة ٧٧٣ وجمال الدين [محمد بن سالم الحموي المعروف] 10 بابن واصل المتوفى سنة [٦٩٧] شرحًا وانيًا قال الشيخ جمال الدين عبد الرحيم الاسنوي في نهاية الراغب شرح عروض ابن حجاج أن القصيدة المسماة بالمقصد للليل في علم للليل نظم

8126. Arúdh Ibn-elhájib, ars metrica ab *Abu Amru Othmán Ben Omar* Malikita, vulgo *Ibn-elhájib* dicto et anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuo, scripta. *Casida* distichis composita, quae ita incipit:

Laus Deo in solio magnifico sedenti

Pro eo, quod nos e veste benevolentiae suae vestibus textit.

Multi viri docti in ea explicanda curam posuerunt, ut *Mohammed Ben Mohammed* 5 *Sefúcsi* frater *Mucrebi*, anno 744 (inc. 26. Mai. 1343) mortuus, cujus commentarius verbositate quadam laborat et ita incipit: Laudetur Deus pro conditione sua necessario laudanda etc. Narrat auctor, se eam primum explicuisse commentariumque *Shefú el-alíl* inscripsisse, hunc vero postea manibus sibi excidisse. Itaque secundum in eam composuit commentarium *El-Maurid El-Sáfi fi sharh Arúdh Ibn-elhájib we el-cawáfi* inscriptum — *Ibn Sabih Ahmed Ben Othmán Timurkemáni*, anno 744 (inc. 26. Mai. 1343) mortuus — *Sheikh Jemál-ed-din Abd-el-rehím Ben Hasan Esnewi*, anno 772 (inc. 26. Jul. 1370) mortuus — *Jemál-ed-din [Mohammed Ben Sálím Hamawi, vulgo] Ibn Wásil* [dictus et] anno [697 (inc. 19. Oct. 1297)] 10 mortuus, cujus commentarius integer est — *Sheikh Jemál-ed-din Abd-el-rehím Esnewi* in libro *Niháyet el-rághib*, qui commentarius est in Artem Metricam *Ibn-elhájibi*, *Casidam* dicit *El-Macsad El-Jelil fi ilm El-Khalil* inscriptam, quam

الاستاذ جمال الدين ابو عمرو عثمان بن الحاجب في علم العروض والقوافي على بحر البسيط من اصنع التصانيف وانفع التواليف واجمعها ناستخرت الله تعالى في وضع شرح عليه مفصح عن الفاظها وحاوي لما في كثير من المبسوطات مشتمل على نوعين آخرين مهمين احملهما الشراح احدعما اعراب المشكل والثاني ضبط ما يحشى تصحيفه من ابيات المستشهدات وذكرت ايضا قبيل الخوص فصلاً يتضمن قواعد منها ذكر الزحافات وشرحه العلامة بدر الدين 5 محمود بن احمد [العيبي] مات سنة ٥٥٥ هـ ١١٦٧ عروص ابن القنطان [ابن القاسم عبة الله بن الفضل الشاعر البغدادي المتوفى سنة ٥٥٥ هـ وهو] من المتوسطات ١١٣٨ عروص ابن مالك بدر الدين محمد بن محمد النحوي توفي سنة [١١٨٩] ١١٣٩ عروص ابى الفتح عثمان بن عيسى البلطى المتوفى سنة ٥١٥ هـ كبيراً وصغيراً ١١٣٠ عروص الاندلسى وهو ابو محمد عبد الله ابن محمد بن الانصارى الاندلسى للجزجى الاسكندرى المعروف بابى الجيش الانصارى المغربى 10

praceptor *Jemul-ed-din Abu Amru Othmán Ben-elhájib* de arte metrica et homoeoteleutis ad metrum *Besít* composuerit, opus esse praeter cetera artificiosum, utilissimum et amplissimum. Petii, inquit, a Deo, ut commentarium in eam scriberem diserta oratione vigentem, qui ea comprehenderet, quae in multis libris verbosis leguntur, et duas alias partes graviores contineret, quas interpretes neglexerunt, quarum prior analysin formarum difficiliorum grammaticalem tractaret, posterior orthographiam versuum testimoniorum loco allatorum, quorum falsa scriptio margini aspersa esset; et antequam rem ipsam aggressus sum, sectionem praemisi, quae leges fundamentales 5 comprehendit, quales v. c. mutationes pedis abjecta litera tractant. Denique vir doctissimus *Bedr-ed-din Mahmúd Ben Ahmed [Aini]*, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus, commentarium edidit. — 8127. *Arúdh Ibn-elcattán*, ars metrica, [auctore *Abu'lcásim Hibatallah Ben-elfadhl Baghdádi* Poeta], vulgo *Ibn-elcattán* dicto [et anno 558 (inc. 10. Dec. 1162) mortuo]. Liber medii ambitus. — 8128. *Arúdh Ibn Málík*, ars metrica, auctore *Bedr-ed-din Mohammed Ben Mohammed* Grammatico, vulgo *Ibn Málík* dicto et anno [686 (inc. 16. Febr. 1287)] mortuo. — 8129. *Arúdh Abi'lfat'h*, ars metrica major et minor, auctore *Abu'lfat'h Othmán Ben Isa Beleti*, anno 599 (inc. 20. Sept. 1202) mortuo. — 8130. *Arúdh El-Andalusi*, ars metrica, auctore *Abu Mohammed Abdallah Ben Mohammed Ben-elansári Khazreji Iskenderi Ansári Maghribi*, vulgo *Abi'ljeish* et *Andalusi* dicto



المتوفى سنة قال فيه فقد قصدت ان اذكر علل الاعاريض الاربع والثلاثين والضروب الثلاثة  
والستين خاصة ولا اتعرض لشيء من زحاف الحشو غالباً وصنعت ستة عشر بيتاً اول لفظه  
البيت يعطى اللقب إما اشتقاقاً او مضارعة تسامحاً واخر العروض حرف من حروف ابي جاد  
النج واعتنى عليه جماعة ايضاً فشرحه عبد المحسن النقيصرى المتوفى سنة احسن في ترتيبه  
5 وضمه في فوائد كثيرة [ اوله احمد اللد على ان قصر سلامة الطبع على نوع الانسان النج ذكر  
في اوله الامير سليمان بن الامير طاشقن بك ] والمولى الياس بن ابراهيم السينوى وسماه فتح  
النقوص في شرح العروض وبمحمد بن ابي بكر الدماميني المتوفى سنة ٨٠٠ اوله الحمد لله  
الذى شرح صدورنا لسلك عروض الاسلام النج وقد كنت في زمن الصبأ مشغولاً بالنظر الى  
محاسن هذا الفن الى ان ظفرت بالقصيدة المسماة بالرامزة نظمه صبأ الدين ابو محمد عبد  
10 اللد بن محمد الخزرجى فوجدتها بديعة المثال فطفت ان اطلق النوم بمراجعتها مع انى  
لا اجد شيخاً انطلق به ولا ارى خليلاً اشاركه ثم قدم علينا بعض طلبة الاندلس بشرح

et anno ... mortuo. — Studui, inquit, defectus triginta quatuor ultimorum primi  
hemistichii partium et praeter cetera sexaginta trium postremarum versus partium  
recensere, non vero ullam partis versus intermediae mutationem plerumque tractavi, et  
sedecim versus composui. Prima quaeque versus vox cognomen dat ita, ut etymologiam  
sequar aut similitudinem sermone usus, cui accurata vocis descriptione opus sit;  
ultima autem primi hemistichii pars litera componitur ex alphabeto sumta etc. Multi  
commentarios in librum composuerunt, ut *Abd-elmohsin Caisari*, anno ... mortuus,  
qui egregiam dispositionem secutus est et multas adnotationes utiles commentario 5  
immiscuit. [Incipit ita: Laudo Deum, quod soli generi humano integram dedit  
indolem etc., et ab initio Emirum *Soleimán Ben-elemír Táschan Beg* laudat] —  
*Molla Ilyás Ben Ibráhim Sinúbi*, qui commentarium *Fat'h el-uocúdh fi sharh El-  
Arúdh* inscripsit — *Mohammed Ben Abi Bekr Demámini*, anno 828 (inc. 23. Nov.  
1424) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui nostrum pectus ad  
viam fidei islamicae ingrediendam disposuit etc. A prima inde juventute, inquit,  
ardenter in cognoscendas hujus doctrinae elegantias inclinavi, donec *Casida Rámiza*  
inscripta potitus sum, quam *Dhiyá-ed-din Abu Mohammed Abdallah Ben Mohammed* 10  
*Khazreji* composuerat. Inveni eam nova forma similibus superiorem, ut propter eas  
tractationem indefessam somnum inciperem repudiare, neque praeterea ullum inveni  
Sheikhum, cui me adstringerem, neque amicum vidi, quocum commercium haberem.  
Tum vero vir quidam studiosus Andalusiae ad me venit cum commentario in hanc

على هذه المقصورة لقاضى الجماعة السيد الشريف ابى عبد الله محمد بن احمد الحسينى السبتي فاذا هو شرح بديع لم يسبق اليه فاعرضت عما كنت كتبتة الى ان حركت الاقدار عزمى الى كتابة شرح وسيط فوق الوجيز دون البسيط وسميته بالعيون الفاخرة الغامرة على خمايا الرامزة وثرغ تأليفه في رجب سنة ١١٧٠هـ بنفاذه من بلاد الصعيد وابتدأ في اول جمادى الاخر من السنة وجلال الدين محمد بن احمد الخلى ولم يكمله توفي سنة ٨١٤هـ وداود المغربي 5 المتوفى سنة ١١٠٠هـ ومحمد بن ابراهيم الحلبى المعروف بابن الحنبلى المتوفى سنة ٩٧١هـ سماه حدائق الانسية في كشف حقائق الاندلسية وشرحه خطير بن محمد النيسابورى المتوفى سنة اوله لحمد لله الذى تواتر فيضه واحسانه الخ والشيخ محب الدين البصرى الشافى المتوفى سنة ٧٨٩هـ ومن شروحه الكافي واحسن الحسناء ضاحاً للماجبية وشرح الاندلسية للشيخ قاسم بن قطلوبغا الخنقى المتوفى سنة ٧٨٩هـ وشرحه محمود بن احمد اللارندى في مجلد مات سنة ٧٤٠هـ وتقطيعه لشرف 10 الدين محمود الانطاكى النحوى ومن شروحه شرح السيد الشريف الفاسى ٨١٣١هـ عروضا

*Casidam in homoeoteleutum Yá desinentem a Cádhi el-jemáat El-Seyyid El-Sheríf Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Hoseini Sebtí composito. Hunc commentarium ornate scriptum nullus alius praestantia superat, ut quae scripseram omnia relinquerem, donec fatum animum meum ad commentarium medii ambitus conficiendum qui neque nimis brevis neque nimis longus esset impulit, quem El-Oyún El-Fúkhiret El-Ghámitet ala khabáyá El-Rámizet inscripsi. Absolvit ejus compositionem mense Rejeb anni 817 (inc. 23. Mart. 1414), cum e terra Saíd discederet; inciperat autem 5 initio mensis Jomádzi II. ejusdem anni — Jelál-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Mahalli, anno 864 (inc. 28. Oct. 1459) mortuus, qui non absolvit — Dawúd Maghribi, anno ... mortuus — Mohammed Ben Ibráhim Halebi, vulgo Ibn-elhanbali dictus et anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus, qui commentarium El-Hadúic El-Íusiyet fi kashf el-hacúic el-andalusiyet inscripsit — Khatir Ben Mohammed Nisáburi, anno ... mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, cujus benignitas et liberalitas abundans est etc. — Sheikh Mohibb-ed-din Basrewi Shafita, anno ... mortuus — et Sheikh Cásim Ben Colluboghá Hanefita, anno 789 (inc. 23. Jan. 1387) mortuus. — Porro ad commentarios pertinent El-Kúfi et Ahsan El-Hasná, quorum posterior 10 Hájibíyae similis est. Praeterea Mahmúd Ben Ahmed Lárendí, anno 720 (inc. 12. Febr. 1320) mortuus, commentarium volumine comprehensum edidit, et scansionem libri Sheref-ed-din Mahmúd Antáki Grammaticus singulari libello tractavit. Denique El-Seyyid El-Sheríf Fási commentarium composuit. — 8131. Arúdh El-Aiki,*



الايكى مختصر بديع ١٣٢٢ عروض الخزرجية في العروض والقوافي منظومة قصيدة في البحر

الطويل للامام تيباء الدين ابي محمد الخزرجي عبد الله بن محمد المالكي الاندلسي اوليا

لكم الحمد يا الله والشكر والثناء

وشرحه عبد الرحمن بن ابي بكر بن العيني المتوفى سنة ٩٣٠ وشرحه احمد بن علي بن احمد

5 البلوي اوله الحمد لله الذي شرح منا لفكنا رموز علماء صدور الخ وهو شرح مبسوط صنفه

الشارح بغلظه وثرغ في ربيع الاول سنة ٩٠٠م والشيوخ القاضي ابو يحيى زكرياء بن محمد

الانصاري [المتوفى سنة ٩٣٦] وسماه فتوح رب البرية بشرح القصيدة الخزرجية اوله الحمد لله

الذي وضع علم العروض ليعرف به اوزان المنظوم الخ وبعد فهذا شرح على الخزرجية المنظومة

على البحر الطويل في العروض والقوافي وشرحه محمد بن خليل البصري وشرحه الشريف

10 الاندلسي قبيل هو اول الشارح اوله الحمد لله الذي بحمده يستفتح وهو الفتاح الخ هو

محمد بن احمد السبتي المتوفى سنة ٧٠٠ وشرحه محمد بن احمد الزينقي المدعو بوحي

ars metrica ab *Aiki* edita. Compendium ornate scriptum. — 8132. *Arúdh*, ars metrica. *Casída* de prosodia et homoeoteleutis *El-Khazrejiya* dicta et ab *Imám Dhiyá-ed-dín Abu Mohammed Khazreji Abdallah Ben Mohammed Andalusí* Malíkita ad metrum *Tawíl* composita, quae ita incipit:

Tibi laus, o Deus, et gratiarum actio et gloria.

Commentarios in eam ediderunt *Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Ben-elaini*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuus — *Ahmed Ben Ali Ben Ahmed Belewi*, cujus 5 commentarius ita incipit: Laus Deo, qui pectora nostra ad dissolvenda dicta aenigmatica virorum doctorum disposuit etc. Auctor hunc commentarium amplum *Ghalatae* scripsit, et mense *Reb' I.* anni 908 (inc. 7. Jul. 1502) absolvit — *Sheikh et Cádhi Abu Yahya Zakariyá Ben Mohammed Ansári*, [anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus], cujus commentarius *Fal'h rabb el-beriyet bi sharh El-Casída El-Khazrejiyet* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, qui doctrinam metricam creavit, qua carminum metra cognoscerentur etc. — Deinde vero habes hic commentarium in carmen *Khazrejiyet* de re metrica et homoeoteleutis ad metrum *Tawíl* compositum — *Mohammed Ben Khalil Basrewi* — *El-Sherif El-Andalusí*, cujus commentarius 10 primitias interpretis continere dicitur et ita incipit: Laus Deo, a cujus laude principium fit, et Deus est inceptor etc. — *Mohammed Ben Ahmed Sebtí*, anno 760 (inc. 3. Dec. 1358) mortuus — *Mohammed Ben Ahmed Iznicki*, vulgo *Wahyizádeh* dictus, cujus

زاده وسماء الاشارات الحائزة لشرح حلّ الرامزة اوله الحمد لله الذى وضع الميزان الخ قال  
 فى آخره ثم تأليف هذا الشرح فى سنة ٩٧٥ وكان سنه اذذاك ١٩ سنة ١٣٣٣ هـ عزوتن خليل بن  
 احمد النحوى المتوفى سنة [١٧٤] وهو اول من فتح الباب فى هذا الفن كما مرّ ١٣٣٤ هـ عزوتن  
 الساوى قصيدة لامية لصدر الدين محمد بن الساوى توفى سنة شرحها شمس الدين محمود  
 ابن عبد الرحمن الاصفهاني المتوفى سنة ٧٤٩ وندر الدين محمود بن احمد العيى المتوفى 5  
 سنة ٥٥٥ اوله الحمد لله حمداً كثيراً الخ [ذكر فيه انه شرح شرحاً وسيئنا يسمى بكتاب  
 الحواى فى شرح قصيدة الساوى كتبت المتن بالاحمر والشرح بالاسود] والقزويى وشرحه  
 عميد الله بن عبد الكافي بن عبد المجيد العبيدى اوله اما بعد حمد الله سبحانه وتعالى  
 مسبب الاسباب الخ وهو شرح كبير ثم شرحه شرحاً صغيراً محتويماً على المقاصد مقتصراً على  
 حلّ مشكل القصيدة وبيان ما اجمله وسماه الكافي فى علمى العروض والقوافى اوله الحمد لله  
 10 الوافى بذاته الخ وشرحه نجم الدين سعيد بن محمد المعيدى اوله بحمد المليك الخ

- commentarius *El-Ishârât El-Hâizet li sharh hall El-Râmizet* inscriptus est et ita  
 incipit: Laus Deo, qui quantitatem creavit etc. Ad finem: Hujus commentarii compo-  
 sitio, inquit, absoluta est anno 975 (inc. 8. Jul. 1567), quo auctor undetriginta  
 annos habebat. — 8133. Arúdh Khalíl, ars metrica *Khalíl Ben Ahmed* Gram-  
 matici, anno [174 (inc. 20. Mai. 790)] mortui, qui, ut antea dictum est, prima  
 hujus doctrinae elementa aperuit. — 8134. Arúdh El-Sáwi, ars metrica a  
*Sadr-ed-din Mohammed Ben-elsáwi*, vulgo *Sáwi* dicto et anno ... mortuo, composita.  
 5 *Casida* in *Lám* desinens, in quam commentarios scripserunt *Shems-ed-din Mahmúd*  
*Ben Abd-el-rahman Isfaháni*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus — *Bedr-ed-din*  
*Mahmúd Ben Ahmed Aini*, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus, cujus commentarius  
 ita incipit: Laudetur Deus multa laude etc. [Narrat ibi, se commentarium medium  
 edidisse *Kitáb el-háwi fi sharh Casidet El-Sáwi* inscriptum. Scripsi, inquit, textum  
 liquore rubro, commentarium nigro] — *Cazwini* — *Obeidallah Ben Abd-el-káfi Ben*  
*Abd-el-mejid Obeidi*, cujus commentarius ita incipit: Praenissis praemittendis. Laus  
 Deo glorioso et excelso, caussarum auctori etc., et magnum volumen explet. Postea  
 10 commentarium minorem edidit, qui nonnisi proximas quaestiones propositas complectitur,  
 et in solvendis *Casidae* difficultatibus et explicandis iis acquiescit, quae summatim com-  
 prehendit. Inscriptus est *El-Káfi fi ilmei el-arúdh we el-cawáfi*, et incipit ita: Laus Deo  
 essentia sua perfecto etc. — *Nejm-ed-din Saíd Ben Mohammed Moidi*, cujus commenta-



ذى الطول والعلاء الخ قال كملت حسنآ عدتيا ترى مآت ثلثا فاشكروا الله وشرح عروض  
 الساوى عمر بن عبد الرحمن بن عمر العرضى الكرخى اوله لأحمد لله الذى عدل موازين العدل  
 الخ وسمآه بالدرآ الفريدة فى شرح القصيدة ٨١٣٥ عروض [ابى عثمان] المازنى بكر بن محمد  
 [انحوى] المتوفى سنة وصنف الوحيد التبريزى مختصراً فارسياً فى العروض لابن اخيه وسمآه  
 5 المختصر ومن المبسوطات عروض الخليل التبريزى المسمى بالواقى والامين المحلى . ٨١٣٦ عروض  
 على بن حسام الدين الاماسى تركى ٨١٣٧ عروق الذهب من اشعار العرب لاقى عامر فضل  
 ابن اسمعيل الجرجانى ٨١٣٨ عريف اللطائف فارسى

علم العزائم ٨١٣٩

العزائم مأخوذ من العزم وتصميم الرأى والانطواء على الامر والنية فيه والاجاب على الغير  
 10 يقال عزمت عليك اى اوجبت عليك وحتمت عليك وفى الاصطلاح الاجاب والتشديد والتغليب

rius ita incipit: A laude regis veri, potentis et sublimis etc. Perfeci, inquit, *Hasnâ*, quae  
 cenfurias versuum ter numero complecti putatur, et gratias agite Deo. — Praeterea  
*Omar Ben Abd-el-rahman Ben Omar Ordhi Karkhi* commentarium in *Arúdh El-Sáwi*  
 edidit, qui ita incipit: Laus Deo, qui justas efficit balances rerum pondere parium etc.,  
 et inscriptus est *El-Dorret El-Feridet fi sharh El-Casidet*. — 8135. *Arúdh* [Abi  
*Othmán*], ars metrica [Abu Othmání] *Bekr Ben Mohammed* [Grammatici], vulgo  
*Mázini* dicti et anno ... mortui. Praeterea *El-Wehid Tebrizi* compendium persicum  
 in *Artem Metricam* a fratris filio editam composuit, illudque *Mokhtasar* inscripsit. 5  
 Ad opera ampliora *Ars Metrica El-Khatibi Tebrizi*, *El-Wáfi* inscripta, et *Emini*  
*Mahalli* pertinet. — 8136. *Arúdh Ali*, ars metrica ab *Ali Ben Hosám-ed-din*  
*Amási* turcice scripta. — 8137. *Orúc el-dzeheb*, venae auri. Carmina Arabum  
 ab *Abu Amir Fadhl Ben Ismail Jorjání* congesta. — 8138. *Aríf el-letáif*,  
 cognitor elegantiarum. Persice. —

8139. *Ilm el-azáim*. Ars daemones incantandi et sub potestatem redigendi.

Vox *el-azáim* derivatur a verbo *el-azm* i. e. certum propositum habere, firmiter  
 pergere in re incoepa, animum applicare in rem et propositum ea consequendum, et  
 alteri ut faciat aliquid legem imponere. Dicitur *azamto aleik* i. e. necessitatem tibi 10  
 impono, et rem tibi necessario efficiendam injungo. Terminologicè vero significat,

على الجن والشياطين ما يبدو للحاتم حوله المتعرض ليم به وكلما تلفظ بقوله عزمت عليكم فقد أوجب عليهم الطاعة والانعان والتسخير والتذليل لنفسه وذلك من الممكن الجائر عقلاً وشرعاً من انكرهما لم يعبأ به لأنه يقتضى الى انكار قدرة الله سبحانه وتعالى لان التسخير والتذليل اليه وانقيادهم للانس من بديع صنعه وسئل آصف ابن برخيا هل يطيع الجن والشياطين الانس بعد سليمان عليه السلام فقال يطيعونيم ما دام العالم باقياً وانما ينسقف 5 باسمائه للسنى وعزائم الكبرى واتسامه العظام والتقرب اليه في السير المرتضية ثم اصله وتعدته على قسمين مختلور ومباح الاول هو السحر المحرم وأما المباح فعلى التصد والعكس ان لا يستمر منه شيء الا بورع كامل وعفاف شامل وصفاء خلوة وعزلة عن الخلف وانقضاع الى الله تعالى [وقد علمت ان التسخير الى الله تعالى] غير ان اختلفين اختلفوا في كيفية اتصاله بيم منه تعالى فقبل على نيج لا سبيل لاحد دونه عز وجل وقبل بالعزيمة كالدعاء واجابته وقيل بها والسير 10

cum vi quadam et severitate genios et daemones ad ea facienda adigere, quae viro circa eam artem versanti et illos ita tractanti videntur, ut, quotiescunque dicit „*Azamoto aleikum*“ eos obstringat, ut sibi obediant, serviant, imperio se subjiciant et se submittant. Hoc per rationem et legem fieri potest et licitum est, et qui rem fieri posse et licitam esse negat, ejus rationem non habet, quoniam ad potentiam Dei excelsi negandam adigitur, cum facultas in servitutum redigendi, imperio subjiciendi et efficiendi ut genii hominibus obsequantur, in factis ejus mirabilibus ponenda sit. *Asaf Ben Berkhiya* interrogatus: Num post Salomonem genii et daemones hominibus obsequerentur? Obsequerentur iis, respondit, quamdiu mundus manebit. Res 5 enim nonnisi nominibus Dei pulchris, incantamentis magnis et juramentis gravibus et eo perficitur, quod quis vita pia et Deo grata aditum sibi ad Deum petit. Principium artis et fundamentum duabus partibus constat, quarum una periculosa, altera indifferens est. Prior magiam vetitam continet, indifferens vero contraria est et inversa, cum ex ea omnia nonnisi propter temperantiam perfectam, abstinentiam a rebus illicitis universalem, solitudinem puram, vitam a consuetudine hominum remotam et inclinationem ad solum Deum excelsum devotam [comperi enim Deum solum obedientiam efficere] prodeant. Attamen scrutatores hujus doctrinae subtiliores 10 hoc dicunt fieri via, ad quam praeter Deum potentissimum et maximum nulli aditus pateat, alii arcana intercessione, qualis inter precantem et audientem locum habeat,



المرضية وقيل بالجواسيس الطائعين المتيثين وقيل بالاحتسبة والسيارة وقيل بالعمار هذا ما  
يعتمد من كلام المحققين قال فخر الانمة اما الذي عندي انه اذا استجمع الشرائط وصوب  
العزائم صيرها الله تعالى عليهم نارا عظيمة محرقة ليم مصيقة اقنار العالم عليهم كيلا يبقى  
لهم ملجاء ولا متمسك الا الحضور والطاعة فيما يامرهم به واعلى من هذا انه اذا كان ماهرًا  
5 مسيرًا في سيرة الرضية واخلاقه الحميدة المرضية فانه تعالى يرسل عليهم ملائكة اقوياء غلاظا  
شداذا ليزجروهم، ويسوقوهم الى طاعته وخدمته واثبت المتكلمون وغيرهم من المحققين هذه  
الاصول حيث قالوا ما يمنع من ان يكون من الكلام من اسماء الله تعالى وغيرها في الكتب  
والعزائم والطلسمات ما اذا حفظه الانسان وتكلم به سخر الله تعالى بعض الجن والزم قلبه  
وطاعته واختاره بما طلب منه من الامور الكائنة فيما عرفه الجنى وشاعده لبيخبر به الانسى  
10 وهذا هو بيان قول من قال ان منهم متيئين وجواسيس قالوا وطاعتهم للانس غير ممنوع في  
عقل ولا سمع من الشامل

alii eadem intercessione et vita pia et Deo accepta, alii exploratoribus obsequiosis  
et promptis, alii computatione et ope planetarum, alii denique constantia in fide et  
religione. Haec sunt, quorum auctoritas subtiliorum hujus artis scrutatorum dictis  
confirmari potest. — *Fakhr-ed-din*: Ex opinione mea, inquit, quando conditiones  
necessariae conveniunt et fascinationes recte procedunt, Deus eas contra genios in  
magnum ignem mutat, qui eos flamma urat et tractus terrae circa eos ita coarctet,  
ut nullum iis asylum reliquum sit neque effugium amplum, nisi ut praesentes se 5  
sistant et obsequium in iis faciendis praestent, quae imperantur. Efficacius autem  
res procedit, quando magus ingeniosus est, vitam Deo acceptam agit, bene et grate  
moratus est. Tum enim Deus excelsus angelos potentes, inimicos et asperos contra  
eos mittit, ut eos propellant et ad obedientiam et servitium adigant. Metaphysici  
autem et alii scrutatores subtiles haec principia confirmant, ubi dicunt: Non obstat,  
quin vir nomina divina aut alia enuntiet, quae in libris, incantamentis et talismatis  
occurrunt, quibus, quando homo ea memoriter tenet et pronuntiat, Deus excelsus  
genium quendam invitum subigit, et voluntatem ejus et obedientiam ad imperata  
facienda adigit et ad eas res, quas ab eo petit, agendas destinat, quas genius  
cognoscit et ipse vidit, ut hominem de iis certiore faciat. — Haec est expositio  
verborum ejus, qui dicit, inter genios esse paratos et exploratores. Praeterea 10  
obedientiam a geniis hominibus praestitam non illicitam esse dicunt neque per  
rationem neque per usum viri in opere peragendo expediti. —

١٤٠ عَزَّ العَزْلَةُ لعَبْدِ الكَرِيمِ بنِ مُحَمَّدِ السَّمْعَانِيِّ المِتَوَفَى سَنَةَ ٥٩٣ هـ ١١٩١ عَزَى فِي التَّصْرِيفِ  
 لِلشَّيْخِ عَزِّ الدِّينِ ابْنِ الفَضَائِلِ [ابْرَاعِيمِ بنِ] عَبْدِ الوَهَّابِ [بنِ] عَمَادِ الدِّينِ بنِ اِبْرَاعِيمِ  
 الزَّنْجَبَانِيِّ المِتَوَفَى بَعْدَ سَنَةِ ٦٥٥ هـ وَهُوَ مَخْتَصَرٌ مُتَدَاوِلٌ نَافِعٌ وَشَرْحُهُ العَلَامَةُ سَعْدِ الدِّينِ مَسْعُودِ  
 ابْنِ عَمْرِو القَاضِي التَّفْتَازَانِيِّ المِتَوَفَى سَنَةَ ٦٥٥ هـ أَضَافَ إِلَيْهِ فَوَائِدَ شَرِيفَةَ وَزَوَائِدَ لَطِيفَةَ وَهُوَ أَوَّلُ تَأْلِيفِهِ  
 أَتَمَّهُ فِي شَيْبَرِ شَعْبَانَ سَنَةَ ٧٣٧ هـ أَوْلَاهُ أَنْ أَرَوَى زَهْرًا يَخْرُجُ فِي رِيَاضِ الكَلَامِ الخِ وَصَنَّفَ السِّمْوَوِيَّ 5  
 حَاشِيَةً عَلَى شَرْحِ السَّعْدِ سَمَّاهُ التَّصْرِيفَ حَاشِيَةً عَلَى شَرْحِ التَّصْرِيفِ ذَكَرَهُ فِي فَيْرِسِ مَوْلَّغَاتِهِ  
 وَعَلَيْهِ حَاشِيَةٌ لِشَمْسِ الدِّينِ مُحَمَّدِ بنِ عَلِيِّ الحَلَبِيِّ [العَرَضِيِّ المَعْرُوفِ بِابْنِ هِلَالِ النُّحَوِيِّ]  
 سَمَّاهُ بِالتَّطْرِيفِ عَلَى شَرْحِ التَّصْرِيفِ تَوَفَى سَنَةَ ٩٣٣ هـ وَصَنَّفَ المَوْلَى مُحَمَّدُ بنِ اِبْرَاعِيمِ الحَلَبِيُّ  
 المَعْرُوفُ بِابْنِ الحَنْبَلِيِّ [المِتَوَفَى سَنَةَ ٩٧١ هـ] حَاشِيَةً عَلَى تِلْكَ الحَاشِيَةِ وَسَمَّاهُ بِالتَّعْرِيفِ عَلَى  
 تَغْلِيظِ التَّطْرِيفِ قَالَ فِي تَارِيخِهِ مَحْوَتِهَا بَعْدَ أَنْ اِكْتَبَ وَلَهُ حَاشِيَةٌ سَمَّاهَا مُسْتَوْجِبَةُ التَّصْرِيفِ 10  
 بِتَوْضِيحِ شَرْحِ التَّصْرِيفِ بِالقَوْلِ أَوْلَاهُ مُحَمَّدٌ مِنْ بَتَوْفِيْقِهِ تَصْرِيفِ المِمْبَانِيِّ عَلَى النُّحُوِّ الصَّحِيحِ

8140. Izz el-uzlet, dignitas secessus, auctore *Abd-el-kerim Ben Mohammed Sim'ani*, anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. — 8141. Izzī fi el-tesrif, opus *Izz-ed-dinicum* de flexu formarum grammaticali, auctore Sheikh *Izz-ed-din Abu'l-fedhail [Ibrāhīm Ben] Abd-el-wehhāb [Ben] Imād-ed-din Ben Ibrāhīm Zenzāni*, post annum 655 (inc. 19. Jan. 1257) mortuo. Compendium tritissimum et utile, in quod vir doctissimus *Sa'd-ed-din Mes'ud Ben Omar Cādhi Teftazāni*, anno ... mortuus, commentarium scripsit, cui adnotationes praestantes et utiles et supplementa 5 elegantia adjecit. Hoc primum ejus operum est, quod mense Shabān anni 737 (inc. 10. Aug. 1336) absolvit et ita orsus est: Utique pulcherrimi flores, qui in hortis orationis progerminant etc. *Soyūti* glossas ad commentarium *Sa'd-ed-dini* edidit *El-Tersif Hāshiyet ala sharh El-Tesrif* inscriptas, quas in indice operum recenset. Idem fecit *Shems-ed-din Mohammed Ben Ali Halebi [Ordhi Grammaticus, vulgo Ibn Hilāl dictus]* et anno 933 (inc. 8. Oct. 1526) mortuus, qui glossas *El-Tetrif ala sharh El-Tesrif* inscripsit. Ad has glossas *Molla Mohammed Ben Ibrāhīm Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus [et anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus], alias glossas 10 edidit, quas *El-Ta'rif ala taghlit El-Tetrif* inscripsit. In historia vero quam edidit: Delevi, inquit, glossas, postquam eas scripsi. Idem alias glossas composuit *Mostaujibet el-teshrif bi taudhik sharh El-Tesrif* inscriptas, quae verba textus exposita admixta habent et ita incipiunt: Laudamus eum, cujus auxilio flexus formarum super gram-



الخ وعلى شرح سعد الدين حاشية للشيخ ناصر الدين [ابن عبد الله] اللقاني وعلى حده  
 الحاشية حاشية تلميذه الشيخ شهاب الدين أحمد بن قاسم العبادي جمعها تلميذه أحمد  
 ابن محمد الخفاجي الخطيب وعلى شرح السعد حاشية أيضا للشيخ إبراهيم اللقاني المتوفى  
 سنة 1٠٠٤ [سماه خلاصة التعريف بدقائق شرح التصريف] وجمع كمال الدين دده خليفة  
 5 المعروف بقره دده شياً كثيراً على شرح السعد بالاستطراد فصار مجموعة مفيدة يقال لها دده  
 جنكى توفى المذكور سنة ٩٧٣ وشرحه أحمد بن محمد المعروف بابن الملا جلي المتوفى  
 سنة 1٠٠٣ وشرح عماد الدين أبو الفدا اسمعيل بن إبراهيم بن جماعة الكتاني توفى سنة ١١٠٤  
 وشرح الامام الملقب بالمعظم يحيى بن إبراهيم بن عبد السلام الزنجاني المتوفى سنة ٩٤٢  
 ماجرداً بالقول اوله الحمد لله على جزيل نعمائه السابعة الخ وشرحه المولى مصطفى بن يوسف  
 10 المعروف بخواجه زاده البرسوى المتوفى سنة ٨٩٣ لما صار معلماً للسلطان محمد الفاتح وقرأ عليه

matica vera constructarum etc. Porro ad *Sa'd-ed-dini* commentarium Sheikh *Násir-ed-din* [*Abu Abdallah*] *Locáni* glossas edidit, et ad hujus viri glossas ejus  
 discipulus Sheikh *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Cásim Abbádi* alias, quas hujus  
 discipulus *Ahmed Ben Mohammed Khafáji El-Khatib* collegit. Pariter Sheikh  
*Ibráhim Locáni*, anno 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuus, glossas [*Khiláset el-ta'rif*  
*bi decáic sharh El-Tesrif* inscriptas] ad commentarium *Sa'd-ed-dini* composuit, et  
*Kemál-ed-din Dedeh Khalifa*, vulgo *Carah Dedeh* dictus et anno 973 (inc. 29. Jul.  
 1565) mortuus, multas adnotationes in commentarium *Sa'd-ed-dini* collegit, quas  
 5 occasione oblata non necessitate coactus protulit, ut liber sylloge utilissima evaderet  
 vulgo *Dedeh Jenki* dicta. Praeterea commentarios in *El-Izzi* ediderunt *Ahmed Ben*  
*Mohammed*, vulgo *Ibn el-molla Jelebi* dictus et anno 1003 (inc. 6. Sept. 1594) mortuus —  
*Imád-ed-din Abu'fedá Ismail Ben Ibráhim Ben Jemáa*, vulgo *Kettáni* dictus et  
 anno 861 (inc. 29. Nov. 1456) mortuus — *Imám Yahya Ben Ibráhim Ben Abd-*  
*el-selám Zenjáni*, vulgo *El-Moatztzem* honorifice cognominatus et anno ... mortuus,  
 cujus commentarius locis probantibus et additamentis superfluis caret et sola verba  
 textus exposita adjuncta habet. Incipit ita: Laus Deo pro magnitudine beneficiorum  
 ejus copiosorum etc. — *Molla Mustafa Ben Yusuf Bursewi*, vulgo *Khojazádeh*  
 10 dictus et anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuus, qui commentarium scripsit, cum  
 praeceptor Sultani *Mohammed* Expugnatoris esset coram ipso textum legentis —

المتن وشرحه محمد الشربيني الخطيب [المتوفى سنة ٩٧٣] شرحاً ممزوجاً اوله نحمدك يا  
 من من بالفصل على من يشاء من عباده الخ ذكر فيه أنه شرح في قبر الشانعي وسماه فتح  
 الرباني في حلّ الفاظ تصريف عزّ الدين الزنجاني وشرحه محمد بن محمود اللنبلي الاصفهيني  
 كبيراً وصغيراً واول الصغير الحمد لله الذي هو مصدر الكائنات الخ اختصره من شرحه الكبير  
 بالقول وشرحه سراج الدين محمد بن عمر الحلبي مات سنة ٨٥٠ وشرح الشرح لسعد الدين 5  
 الطبلاوي وعلى سعد الدين حاشية لسعد الله البردعي وحاشية لناصر الدين اللقاني وحاشية  
 محمد بن قاسم الغزي اوله الحمد لله ربّ العالمين الخ وحاشية لقاسم بن قطلوبغا الحنفي  
 المتوفى سنة ٨٧٩ ومن شروحه شرح بالقول اوله الحمد لله المنزه عن الكذب والابدال الخ  
 لحاج ابراهيم بن عكاش الحلبي ومن شروحه نزعة الناظر بالطرف في شرح علم الصرف لشمس  
 الدين محمد بن الشيخ زين الدين قاسم بن علي وهو شرح ممزوج اوله الحمد لله الذي صرف 10  
 الرياح بارادته الخ قال هذا شرح وضعته على شرح الامام سعد الدين مسعود بن عمر التفنزاني

*Mohammed Sherbini* Concionator, [anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortuus], cujus  
 commentarius textum admixtum habet et ita incipit: Laudamus Te, qui larga beneficia  
 in eos cultores confers, quos vis etc. Eum se in sepulchro *Sháfíi* composuisse narrat,  
 et *El-Fat'h El-Rebbáni fi hall alfátz Tesrif Izz-ed-din Zenjáni* inscripsit —  
*Mohammed Ben Mahmúd Asfehídi* Hanbalita, qui commentarium majorem et minorem  
 edidit etc. Minor ita incipit: Laus Deo, qui res existentes primum effecit etc.,  
 5 et ex majori ita excerptus est, ut sola textus verba exposita haberet addita —  
*Siráj-ed-din Mohammed Ben Omar Halebi*, anno 850 (inc. 29. Mart. 1446) mortuus —  
 et *Teblávi* commentarium in commentarium *Sa'd-ed-dini* edidit. Glossas porro ad  
*Sa'd-ed-dini* commentarium composuerunt *Sa'dallah Berdai* — *Násir-ed-din*  
*Locáni* — *Mohammed Ben Cásim Ghazzi*, cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo,  
 mundorum domino etc. — *Cásim Ben Colluboghú* Hanefita, anno 879 (inc. 18. Mai.  
 1474) mortuus. Denique commentarios in *El-Izzi* ediderunt *Hájj Ibráhim Ben*  
*Okkash Halebi*, cujus commentarius sola textus verba exposita admixta habet et ita  
 incipit: Laus Deo, omni apocope et mutatione exempto etc. — *Shems-ed-din Mohammed*  
 10 *Ben-elsheikh Zein-ed-din Cásim Ben Ali*, cujus commentarius, *Nuzhet el-nátzir*  
*bi'ttaraf fi sharh ilm el-saraf* inscriptus, textum admixtum habet et ita incipit:  
 Laus Deo, qui voluntate sua ventos dirigit etc. Composui, inquit, hunc commentarium  
 in commentarium *Imámi Sa'd-ed-din Mes'úd Ben Omar Teftazáni* anno 891



سنة ٨١٤هـ عزّل الطرف مجلّد لتاج الدين علي بن انجب البغدادي مات سنة ٦٠٤هـ  
 ٨١٣هـ العزيز المحلى من الحاضرات على ابواب ٨١٤هـ العزيز في غريب القرآن للشيخ الامام ابى  
 بكر محمد بن عزيز الساجستاني [العزيزى] المتوفى سنة ٣٣٠هـ ٨١٥هـ العزيز هو كتاب المسالك  
 والممالك يأتى ٨١٦هـ عشاريات وهى ثلاثة احاديث خرّجها جلال الدين السيموطى وحدّث  
 5 بها في رحلته بطرف دمياط توفى سنة ١١٠هـ قال اعنى اعمل الحديث بتخرّيج عواليهم وارفعها  
 فخرّجوا الثلاثيات ثم الرباعيات ثم الخماسيات ثم السداسيات الى العشاريات وممن خرّجها  
 قبل الثمانمئة الزين العرائى وبعده لجماعة منهم ابن حجر وكان اكثر ما يقع لى غالباً احد  
 عشر لكون زمانى بعيداً وقد تحكمت فوق لى احاديث يسيرة عشارية ٨١٧هـ عشاريات ابن  
 عرفة ابى عبد الله محمد بن محمد اللوينى المتوفى سنة ١٠٣هـ تخرّيج الزين رضوان

(inc. 7. Jan. 1486). — 8142. Azl el - tarf, amotio oculi. Volumen, auctore  
*Táj-ed-din Ali Ben Anjeb Baghdádi*, anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuo. —  
 8143. El-Azíz El-Mohallá, liber pretiosus et splendide ornatus. Opus antholog-  
 icum in capita divisum. — 8144. El-Azíz, liber pretiosus de dictionibus Corani  
 rarioribus, auctore Sheikh et Imám *Abu Bekr Mohammed Ben Azíz Sejestáni*  
 [*Azízí*], anno 330 (inc. 26. Sept. 941) mortuo. — 8145. El-Azízí, scriptum  
*Azízicum*. Idem *Kitáb el-mesúlik we el-memúlik* inscribitur, ut infra videbis. —  
 8146. Osháriyát, tres traditiones auctoritate decem traditionariorum ex ordine se  
 excipientium relatae, quas *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, 5  
 primus elicuit. Docuit eas, cum in regionem Damiatenam iter faceret. Operam,  
 inquit, posuerunt traditionarii in eliciendis traditionibus et relatoribus ad aetatem et  
 auctoritatem prophetae quam proxime adscendentibus; unde factum est, ut primum  
 traditiones elicere, quae per trium, tum quae per quatuor, per quinque et sex et  
 sic porro usque ad decem relatorum seriem ad legatum divinum referebantur. Inter  
 eos, qui ante seculum octavum ejusmodi traditiones eliciebant, *Zein-ed-dín Irácki*  
 fuit, quem multi alii, ut *Ibn Hajr*, secuti sunt, et summus earum numerus, quae  
 mihi in legendo occurrerunt, undecim tantum fuerunt, cum aetas mea longissime a  
 primis Islami temporibus distaret. Investigare autem perrexi, attamen paucae tantum  
 traditiones decem relatorum serie nixae mihi occurrerunt. — 8147. Osháriyát,  
 traditiones ex auctoritate decem relatorum ordine se excipientium relatae, auctore  
*Abu Abdallah Mohammed Ben Mohammed Loweini*, vulgò *Ibn Arafá* dicto et anno  
 903 (inc. 30. Aug. 1497) mortuo. *Zein-ed-dín Ridhwán* primus eas elicuit. —

- ١١٤٨ العشر الجلالية يعنى جلال الدين محمد بن اسعد الدواني المتوفى سنة وعلينا رد لمير  
 غياث الدين منصور بن محمد الشيرازى فى مجموعة الرسائل ١١٤١ عشرة الحداد وهو  
 عشر مشهور بين الحدادين عن عشر ترجمة خرجها الحداد ١١٥٠ عشرة العاشر لاقى الفصل  
 احمد بن على ابن حجر العسقلانى المتوفى سنة [١١٥٢] ١١٥١ عشرت نامه تركى منظوم لزوانى  
 5 شاعر ١١٥٢ عشق نامه فارسى منتور للسيد محمد للسيبى الملقب بكمبودار اوله الحمد لله  
 متنىء الشمس منور القمر مظير الفلك الخ ١١٥٣ عشق نامه لبلاتى افندى ١١٥٤ عصمة  
 الانبياء لغفر الدين الرازى اوله الحمد لله المتعال بجلال احديته عن مشارح الخواطر الخ  
 وهو مختصر مرتب على فصول ١١٥٥ عصمة الانبياء وتاكفة الاصفياء للشيخ احمد بن الشيخ  
 مصلح الدين الشهير بالمركز وابن السيف الكرماني ميوبة على ابواب ثلاث ومفصلة على ستين  
 فصلا كل باب يحتوى عشر فصول ١١٥٦ عصمة الانسان من لحن اللسان فى النحو لولى 10

8148. El-Asher El-Jeláliyét, decem quaestiones *Jelál-ed-dinicae*, a *Jelál-ed-din Mohammed Ben As'ad Dewáni*, anno ... mortuo, propositae, quas *Mir Ghiyáth-ed-din Mansúr Ben Mohammed Shirázi* in sylloge tractatum refutavit. — 8149. Asharet El-Haddád, decem traditiones *Haddádi*. Sunt decem traditiones inter traditionarios bene notae et ex decem vitis a *Haddád* primum elicitaе. — 8150. Asharet el-áshir, partes decem decimas accipientis, auctore *Abu'lfadhl Ahmed Ben Ali Ibn Hajr Ascaláni*, anno [852 (inc. 7. Mart. 1448)] mortuo. — 8151. Ishret-námeh, 5 liber consortii. Poema turcicum a *Rewáni* poeta compositum. — 8152. Ishc-námeh, liber amoris. Liber persicus soluta oratione a *Seyyid Mohammed Hoseini*, honorifice *Kebudár* cognominato, scriptus, qui ita incipit: Laus Deo soles collustranti, lunam illuminanti, orbem coelestem clarum reddenti etc. — 8153. Ishc-námeh, liber amoris, auctore *Beláti Ffendi*. — 8154. Ismet el-anbiyá, defensio prophetarum, auctore *Fakhr-ed-din Rázi*. Compendium in sectiones divisum, quod ita incipit: Laus Deo majestate unitatis suae nimis alto, quam ut ei animorum affectionibus opus sit etc. — 8155. Ismet el-anbiyá we Tohfet el-asfiyá, defensio prophetarum et donum puris oblatum, auctoribus *Sheikh Ahmed Ben-elsheikh Mostih-ed-din*, vulgo *Merkez* dicto, et *Ibn-elseif Kermáni*, cujus liber in tria capita et 10 in sexaginta sectiones dispositus est. Singula capita viginti sectiones continent. — 8156. Ismet el-insán, defensio hominis contra linguae errorem in enunciando,



الدين ابي عبد الله محمد البلوي الديباجي المتوفى سنة شرحها عبد الخالق بن علي بن  
 الوات المالكي المتوفى سنة سماه بتيسير عصمة الانسان ٤٥٧ العصمة عن الخطاء في نقص  
 القسمة للشيخ قاسم بن قطلوبغا الحنفي المتوفى سنة [٨٩٩] ذكرها المقدسي ايضا في فتاواه  
 في مسئلة وقف الاولاد ٤٥٨ عضدى في النحو للامام ابي علي [الحسن بن احمد] الفارسي  
 5 النحوى المتوفى سنة [٣٧٧] آفة لعصم الدرنة [وسياتى امثاله كالغيائى لغيات الدين  
 والمستظهير للخليفة المستظهر والمتوكلى للمتوكر والنظامى لنظام الملك والساحى حيث مر  
 للصاحب] ٤٥٩ عطايا السنية في طبقات فقهاء اليمن واعيانها للملك الاصل عباس بن الملك  
 المجاهد على صاحب اليمن المتوفى سنة ٧٧٨ ٤٦٠ عطر العروس وانس النفوس لابي بكر بن احمد  
 النحلى العطار المتوفى سنة ٥٥٨ وهو في مقاطيع ديوانه ٤٦١ عطف الالف والمألوف للشيخ  
 10 الامام ابي الحسن على بن محمد الديلمي المتوفى سنة ٤٦٣ العظمت الموقفات لعثمان بن عيسى

auctore *Weli-ed-din Abu Abdallah Mohammed Belewi Dibáji*, anno ... mortuo.  
 Opus grammaticum, in quod *Abd-el-khálíc Ben Ali Ben Elwát* Malikita, anno ...  
 mortuus, commentarium edidit *Teisir Ismet el-insán* inscriptum. — 8157. *El-Ismet*  
 an *el-khatá fi naadh el-ckismet*, defensio contra errorem de partitione  
 hereditatis violanda, auctore *Sheikh Cásim Ben Collúboghá* Hanefita, anno [869  
 (inc. 3. Sept. 1464)] mortuo. *Mocaddesi* quoque librum in suis *Fetáwi* commemorat,  
 ubi quaestio est de bonis testamento liberis legatis. — 8158. *El-Adhodi*, liber  
*Adhodi* grammaticus, quem *Imám Abu Ali [Hasan Ben Ahmed] Fárísí* Grammaticus, 5  
 anno [377 (inc. 3. Mai. 987)] mortuus, principi *Adhod-ed-dewlet* composuit. Scripta  
 simili titulo insignita deinceps infra commemorabuntur, ut *El-Ghiyáthi* a *Ghiyáth-*  
*ed-dín*, *El-Mostatzheri* a *Khalífa Mostatzher*, *El-Motewakkili* a *Motewakkil*,  
*El-Nitzámí* a *Wezír Nitzám-elmulk*, *El-Sáhibi* ab *El-Sáhib*, ut supra dictum est,  
 nomen trahens]. — 8159. *El-Atáyá El-Seniyet*, dona pretiosa de classibus  
 jurisconsultorum et viris spectatissimis Yemenensibus, auctore *El-Melik El-Afdhal*  
*Abbás Ben-elmetik El-Mujáhid Ali* Yemanae principe, anno 778 (inc. 21. Mai. 1376)  
 mortuo. — 8160. *Itr el-arús we Uns el-nofús*, aroma sponsae et animarum  
 societas, auctore *Abu Bekr Ben Ahmed Halebi El-Attár*, anno 858 (inc. 1. Jan.  
 1454) mortuo. Sylloge fragmentorum ex ejus *Diwano* excerptorum. — 8161. *Atf*  
*el-álif we el-malúf*, inclinatio conjungentis et amicitia conjuncti, auctore *Sheikh*  
 et *Imám Abu'hasan Ali Ben Mohammed Deilemi*, anno ... mortuo. — 8162. *El-10*  
*Itzát El-Muckifát*, admonitiones cohibentes, auctore *Othmán Ben Isu Beleti*

البطلنى الموصلى المتوفى سنة ٥٩٩ ٨٩٣ عظة الالباب لمحيى الدين الغرناطى ٨٩٤ عظم  
 وسيلة الاصابة في صنعة الكتابة منظومة لابراهيم بن عمر البقاي [المتوفى سنة ١١٥] ذكر فيه  
 ان منظومة نور الدين ابى الثناء محمود بن احمد بن خطيب الدخشة المصرى [الحنفى]  
 الحموى في الخط والشكل والنقط نظر عليها فرأى فيه زيادات فنظم ٨٩٥ عقائد السنوسى  
 المسمى بأم البراعين مر وعقيدة اهل التوحيد مع شرحه يأتي ٨٩٦ عقائد الشيبانية قصيدة 5  
 الفية للامام ابى عبد الله محمد الشيبانى وشرحها الشيخ علوان على بن عطية الحموى  
 [الشافى المتوفى سنة ٩٣٦] وسماه ببديع المعاني في شرح عقيدة الشيبانى [اراه الحمد لله  
 الذى جعل معرفته رأس مال السعادة الخ قال وبعد فلما كانت عقيدة الشيبانى سليمة اللفظ  
 كثيرة المعاني ولم اجد لها شرحا سوى شرح النجم بن قاضى عجلون سنخ في فكرى  
 انتهى وهو شرح مبسوط بعد شرح النجم ابن قاضى عجلون وهو محمد بن عبد الله 10

*Mausili*, anno 599 (inc. 20. Sept. 1202) mortuo. — 8163. Itzát el-albáb, admonitio cordium, auctore *Mohyi-ed-din Gharnáti*. — 8164. Atzm wesilet el-isábet, potior via rectum assequendi de arte scribendi. Carmen ab *Ibráhim Ben Omar Becái*, [anno 885 (inc. 13. Mart. 1480) mortuo], compositum. Narrat ibi carmen *Núr-ed-dini Abulthená Mahmúd Ben Ahmed Ben Khatíb El-Dehshet Misri Hamawi* [Hanefitae] similiter de scriptura, vocalium figuris et punctis agere. Quod cum attente circumspexisset, additamenta ei adjicienda esse vidit, qua de caussa carmen composuit. — 8165. Acáid El-Sinúsi, articuli fidei in unum Deum 5 a *Sinúsi* editi et ut supra dictum est titulo *Omm el-beráhtn* insigniti. Pariter Confessio fidei eorum, qui in unum Deum credunt, cum commentario infra commemorabitur. — 8166. El-Acáid El-Sheibániyet, articuli fidei *Sheibáni*. *Cusida* est in *Elif* desinens et ab *Imám Abu Abdallah Mohammed Sheibáni* composita. *Sheikh Alawán Ali Ben Atiya Hamawi* [Shafitae, anno 936 (inc. 5. Aug. 1529) mortuus], commentarium in eos *Bedí' el-meáni fi sharh Ackidet El-Sheibáni* inscriptum edidit, [qui ita incipit: Laus Deo, qui cognitionem sui caput thesauri felicitatis esse voluit etc. Deinde vero, ait, cum opus *Ackidet* a *Sheibáni* editum venuste et ornate scriptum et sententiis plenum sit, neque commentarium invenerim in illud compositum, praeter commentarium a *Nejm-ed-din* filio judicis *Ajlúnensis* editum, 10 in mentem mihi venit etc. Ejus commentarius amplius est post commentarium a *Nejm-ed-din* judicis *Ajlúnensis* filio editum, qui idem est cum *Mohammed Ben Abdallah*



الزهرى الشافعى المتوفى سنة ٨٧١ وسمّاه ايضا ببديع المعانى فى شرح عقيدة الشيبانى اوله الحمد  
 لله الذى هدانا لهذا وما كنا لنهتدى لولا ان هدانا الله الخ] قال وقد اعتنى بحفظها جمع  
 واحتاجوا الى تأليف شرح فوضعت الشرح وكان فيما ظهر لنا اول شرح الف علينا انتبى  
 وفى اول الشرح ثلث فوائد بعد شرح النجم ابن قاضى عجاون وشرحه ابو البقاء الاحمدى  
 5 الشافعى وسمّاه المعتقد الايمانى على عقيدة الامام الشيبانى اوله الحمد لله وكفى الخ وشرحها  
 الشيخ محمد بن على [ابن محمد] علان المكى [المتوفى سنة 1٠٥٧] وسمّاه ايضا ببديع  
 المعانى كما صرح به فى شرح الطريقة ٨٦٧ عقائد الشيخ الاكبر محيى الدين محمد بن  
 على المعروف بابن عربى المتوفى سنة [٦٣٨] ٨٦٨ عقائد الشيخ عز الدين عبد العزيز بن  
 عبد السلام المتوفى سنة ٦١٠ شرحه الامام ولى الدين محمد بن احمد الديباجى المتوفى سنة  
 10 اوله الحمد لله مرشد العقول والافهام الخ وسمّاه افهام الأفيام معانى عقيدة شيخ الاسلام

*Zer'i Shafiita*, anno 876 (inc. 20. Jun. 1471) mortuo, et commentarium pariter *Bedi' el-meáni fi sharh Ackidet El-Sheibáni* inscripsit. Incipit ita: „Laus Deo, qui direxit nos ad hoc et non fuisset (apti ex nobis), ut dirigemur, nisi direxisset nos Deus“ etc. Multi, inquit, in *Acáid* memoriae mandando operam posuerunt, quibus commentario opus erat. Qua de caussa eum conscripsi, et, ut mihi visum est, primus commentarius fuit, qui in librum scriptus est. — Haec ille. — Ab initio commentarii tres leguntur adnotationes utiles post commentarium a *Nejm-ed-din* judicis *Ajlúnensis* filio editum. Porro *Abu'lbecá Ahmedi* Shafiita 5 commentarium edidit, qui *El-Motacad El-Imáni* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo et sufficit etc. — et *Sheikh Mohammed Ben Ali [Ibn Mohammed] Allán Mekki*, [anno 1057 (inc. 27. Jan. 1647) mortuus], cujus commentarius, ut sub *Sharh El-Taricat* dictum est, pariter titulum *Bedi' el-meáni* prae se fert. — 8167. *Acáid El-Sheikh El-Akbar*, articuli fidei *Sheikhi* maximi *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Ali*, vulgo *Ibn Arabi* dicti et anno [638 (inc. 23. Jul. 1240)] mortui. — 8168. *Acáid El-Sheikh Izz-ed-dín*, articuli fidei *Sheikhi Izz-ed-dín Abd-el-azíz Ben Abd-el-selám*, anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortui, in quos *Imám Welí-ed-din Mohammed Ben Ahmed Dibáji*, anno ... mortuus, commentarium edidit, qui ita incipit: Laus Deo, qui mentes et intelligentias bene 10 dirigit etc., et *Ifhám el-afhám meáni Ackidet Sheikh el-islám* inscriptus est. —

- ١٢٩ عقائد الطحاوى. ويسمى كتابه هذا ببيان السنّة والجماعة وهو الامام احمد بن جعفر الكنفى المتوفى سنة [٣٤١] وله شروح منها شرح شجاع الدين حبة الله بن احمد [بن معلى] التركستانى المتوفى سنة ٧٣٣ ونجم الدين بكبرس التركى المتوفى سنة ١٥١٠ فى مجلّد كبير سماه نور اللامع والبرهان الساطع وشرحه صدر الدين على بن محمد بن العز الانزى الدمشقى الكنفى المتوفى سنة ٧٤٩ وشرحه محمود بن احمد بن مسعود انقنوى الكنفى 5 [المتوفى سنة ٧٧٠] بالقول شرحا بسيطا اوله حمد الله المتوحد بكمال صمديته المنفرد الخ وسماه العقائد فى شرح العقائد والنقضى سراج الدين عمر بن اسحق اليندى الكنفى توفى سنة ٧٧٣ رتب الاصل على مقدّمة وميمّات وتتمّة وفي مقدّمته عشر تنبييات [والمولى ابو عبد الله محمود بن محمد بن ابي اسحق الفقيه الكنفى القسطنطينى المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى هدانا لهذا الخ اتمه سنة ١٠١٠ وشرحه المولى كافى الحسن البسنوى الاتحصارى المتوفى 10 سنة ١٠٢٥ شرحا مفيدا وسماه نور اليقين فى اصول الدين اتمه عند الحاضرة تحت قلعة استرغون

8169. Acáid El-Taháwi, articuli fidei vulgo *Beyán El-Sunnet we El-Jemáat* inscripti, auctore Imám *Ahmed Ben Ja'far Hanefita*, vulgo *Taháwi* dicto et anno [341 (inc. 29. Mai. 952)] mortuo. Plures in eos commentarios composuerunt, ut *Shojá'-ed-din Hibatallah Ben Ahmed [Ben Moalla] Turkestáni*, anno 733 (inc. 22. Sept. 1332) mortuus — *Nejm-ed-din Bekburs Turki*, anno 652 (inc. 21. Febr. 1254) mortuus, cujus commentarius magno volumine comprehensus *El-Núr El-Lámi' we El-Burhán El-Sáti'* inscriptus est — *Sadr-ed-din Ali Ben Mohammed Ben Izz-ed-din Adzrei Dimeshecki* Hanefita, anno 746 (inc. 4. Mai. 1345) mortuus — *Mahmúd Ben Ahmed Ben Mes'úd Cunewi* Hanefita, [anno 770 (inc. 16. Aug. 1368) mortuus], cujus commentarius satis amplus, *El-Caláid fi sharh El-Acáid* inscriptus, exposita textus verba addita habet et ita incipit: Laudetur Deus perfecta sua aeternitate unico et solo etc. — *Cadhi Siráj-ed-din Omar Ben Is'hac Hindi* Hanefita, anno 773 (inc. 15. Jul. 1371) mortuus, qui archetypum in praefationem, quaestiones graviore et conclusionem, et praefationem in decem admonitiones disposuit — [Molla *Abu Abdallah Mahmúd Ben Mohammed Ben Abi Is'hac Costantini* Jurisconsultus Hanefita, anno ... mortuus, qui commentarium ita incipientem: Laus 10 Deo, qui nos direxit ad hoc etc., anno 910 (inc. 14. Jun. 1504) absolvit — Molla *Káfi Hasan Bosnevi Ac'hisári*, anno 1025 (inc. 10. Jan. 1616) mortuus, cujus commentarius adnotationes utiles continet, et *El-Núr El-Yeckín fi Osúl-ed-din* inscriptus est. Absolvit eum, cum forum praetorianum urbis *Usturghún* anno 1014



سنة 114 قبل الفتح بيومين] v. العقائد العسدية للقاضي عسد الدين عبد الرحمن بن  
 احمد الايجي المتوفى سنة 709 اوله الحمد لله على نواله الخ وهى مفيد مختصر ولما اتم  
 قصى نعبه بعد اثنى عشر يوماً فيكون اخر تأليفه كذا فى بعض الشروح واعتنى عليه  
 الفضلاء فشرحه جلال الدين محمد بن اسعد الصديقى الدوانى المتوفى سنة 907 قال ان  
 5 العقائد العسدية لم تدع قاعدة من اصول العقائد الدينية الا واتت عليها ولم يترك من  
 ايمانها ومهماتا مسئلة الا وقد صرحت بها او اشارت اليها الخ وفرغ عنه فى ربيع الاول  
 سنة 905 ببلدة جيرود وهو اخر تأليف للجلال كما قيل وعليه حاشية للمولى يوسف [بن محمد  
 جان] القره باغى الحمدشاهى [المتوفى نيف سنة 1130] كتبنا فى حدود سنة الف [اوله كيف  
 لا احمد وكيف احمد الخ] ثم انه لما رأى تعليقه للخلخالى وطالع وجه متوجها فيها الى ما كتبه  
 10 فاستأنف العمل وعطف على حاشية بالقول [وفى اثنا عشر اشار] الى تعليقه للخلخالى بقال [واجاب عما

(inc. 9. Mai. 1605), duos dies ante expugnationem, obsidione cingeretur]. —  
 8170. E. I. A. cáid El-Adhodíyet, articuli fidei *Adhod-ed-dínici*, auctore Cadhi  
*Adhod-ed-dín Abd-el-rahman Ben Ahmed Iji*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355)  
 mortuo. Compendium utile, quod ita incipit: Laus Deo pro ejus beneficentia etc.  
 Quod cum auctor absolvisset, duodecim dies post defunctus est, et, ut in quodam  
 commentario legitur, hoc ultimum ejus opus fuit. Viri bene meriti in eo explicando  
 operam posuerunt, ut *Jelúl-ed-dín Mohammed Ben As'ad Sadicki Dewáni*, anno 907  
 (inc. 17. Jul. 1501) mortuus, qui: Utique, inquit, articuli fidei *Adhod-ed-dínici* nullam 5  
 partem fundamentalem e principiis articulorum fidei praeterierunt, quin recenserent,  
 neque ullam praecipuarum et graviorum quaestionum reliquerunt, quin diserte com-  
 memorarent aut significarent etc. Absolvit commentarium, quem ultimum ejus  
 scriptum esse dicunt, mense Rebi' I. anni 905 (inc. 8. Aug. 1499) in urbe Jeirún.  
*Molla Yusuf [Ben Mohammed Jún] Carahbághi Mohammedsháhi*, [anno 1030 (inc.  
 16. Nov. 1620) et quod excedit mortuus], circa annum 1000 (inc. 9. Oct. 1591)  
 glossas ad eum scripsit, [quae ita incipiunt: Quomodo non laudem et quomodo  
 laudem etc.]. Cum postea adnotationes *Khalkhálí* videret easque legisset, in iis  
 tractandis tamdiu moratus est, dum scribere contendit. Opus itaque aggressus est,  
 et adnotationes ad suas glossas additis expositis verbis edidit, in quarum cursu vocibus 10  
 „dicit ille“ ad *Khalkhálí* adnotationes relegat [et ad ea respondet, quae ille ad  
 articulos adnotavit]. Has adnotationes, quae ita incipiunt: Tibi laus, o Tu, qui omnes

- أورد عليه] وسماحا تتممة الحواشى فى ازالة الغواشى اوله لك الحمد يا متبهم كل الامور الخ  
 وخرغ فى شوال سنة 1033 ببخارا وعليه حاشية لحسين الخلالى الحسى [المتوفى سنة 1014]  
 اوله الحمد لله الذى هدانا لمنهج الرشيد الخ وعليه حاشية للمولى احمد بن محمد حفيد  
 التفتازانى المتوفى سنة 904 وفيه كلمات منقولة من كلام مير صدر الشيرازى والمولى حكيم شاه  
 محمد بن مبارك القزوينى المتوفى فى حدود سنة 900 وصنف المولى عصام الدين ابراهيم بن 5  
 محمد الاسفرائنى شرحا مبسوتا وتوفى سنة 943 وكتب على اوله [ابو بكر بن محمد] والد  
 جلال الدين السيوطى شرحا وتوفى سنة 800 وشرح العلامة على بن محمد السيد الشريف  
 الجرجانى المتوفى سنة 809 وعليه حاشية لعلاء الدين على الطوسى المتوفى سنة 807 ومحمد  
 ابن فرامرز المعروف بملا خسرو المتوفى سنة 800 واحمد بن موسى المعروف بالخيايى توفى  
 بعد سنة 843 وهذه الحاشية عن حاشية شرح العقائد والمولى صلاح الدين مصطفى 10  
 القسطلانى المتوفى سنة 901 وشرحه محبى الدين محمد بن سليمان الكاشغرى المتوفى

- res exploras etc., *Tetimet el-hawáshi fi izálet el-ghawáshi* inscripsit, et mense  
 Shehwál anni 1033 (inc. 15. Oct. 1623) in urbe Bokhárá absolvit. Glossas ad  
 commentarios porro ediderunt *Hosein Khalkháli Hoseini*, [anno 1014 (inc. 9. Mai.  
 1605) mortuus], cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo, qui nos ad viam recti ductus  
 dirigit etc. — Molla *Ahmed Ben Mohammed Teftázání* nepos, anno 906 (inc.  
 28. Jul. 1500) mortuus, qui verba *Miri Sadr Shirázi* et Mollae *Hakim Sháh*  
 5 *Mohammed Ben Mobárek Cazwini*, circa annum 920 (inc. 26. Febr. 1514) mortui,  
 mutuatus est. Molla *Isám-ed-dín Ibráhim Ben Mohammed Isferáini*, anno 943  
 (inc. 20. Jun. 1536) mortuus, commentarium ampliorem composuit, et in libri initium  
 [*Abu Bekr Ben Mohammed*] *Jelál-ed-dín Soyúti* pater, anno 855 (inc. 3. Febr.  
 1451) mortuus, commentarium scripsit. Pariter vir doctissimus *Ali Ben Mohammed*  
*Seyyid Sherif Jorjáni*, anno 816 (inc. 3. Apr. 1413) mortuus, commentarium edidit,  
 ad quem *Alá-ed-dín Ali Tusi*, anno 887 (inc. 20. Febr. 1482) mortuus, glossas  
 edidit, et *Mohammed Ben Ferámerz*, vulgo Molla *Khosro* dictus et anno 885 (inc.  
 10 13. Mart. 1480) mortuus, et *Ahmed Ben Musa*, vulgo *Khayáli* dictus et post annum  
 863 (inc. 8. Nov. 1458) mortuus, cujus glossae ex glossis ad commentarium in *Acáid*  
 assumtae sunt, et Molla *Moslíh-ed-dín Mustofa Castaláni*, anno 901 (inc. 21. Sept.  
 1495) mortuus. Commentarium edidit *Mohyi-ed-dín Mohammed Ben Soleimán Kúfiji*,



سنة [١٧٩] ولبعص أهل الهند شرح ممزوج أوله سبحانه يا نور النور الخ ألفه باسم السلطان محمود شاه ومن شروحه القواعد الشمسية في شرح العقائد العصدية لانتخار الدين محمد الدامغانى ألفه للصاحب الاعظم شمس الدين الدامغانى وهو شرح ممزوج كالجلال أوله الحمد لله الذى احكم مبانى الاحكام الخ ١٧٦ عقائد الفقهاء وشرحه ١٧٢ عقائد القيروزابادى ٥ ١٧٣ عقائد النسفى وهو الشيخ نجم الدين ابو حفص عمر بن محمد المتوفى سنة ٥٣٧ وهو متن متين اعتنى عليه جمع من الفضلاء فشرحه العلامة سعد الدين مسعود بن عمر النقنازى المتوفى سنة ٧١٩ وخرج منه في شعبان سنة ٧١٨ قال ان المختصر المسمى بالعقائد يشتمل على غرر القوائد في ضمن فصول عسى للدين قواعد واصول مع غاية من التنقيح والتبسيط الخ ثم شرح المولى رمضان بن محمد هذا الشرح في مجلد وتوفى سنة وهو مشهور 10 بحاشية رمضان وصنف غيره وهو محمد بن العرس [الحنفى المتوفى سنة ١٣٢] شرحا كشرح

anno [879 (inc. 18. Mai. 1474)] mortuus, et Indus quidam nomine Sultani *Mahmūd Shāh* commentarium scripsit, qui textum admixtum habet et ita incipit: Laudatus sis, o lumen luminum etc. Denique *Ifikhār-ed-dīn Mohammed Dāmeghāni* in favorem principis maximi *Shems-ed-dīn Dāmeghāni* commentarium *El-Cawā'id El-Shemsiyet fi sharh El-Acā'id El-Adhodiyyet* inscriptum edidit, qui pariter ac *Jelāl-ed-dīnicus* textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo, qui fundamenta statutorum stabilivit etc. — 8171. *Acā'id el-focahā*, articuli fidei Jurisconsultis scripti, et eorum commentarius. — 8172. *Acā'id El-Firūzābādi*, articuli *Firūzābādī*. — 8173. *Acā'id El-Nesefi*, articuli fidei a Sheikh *Nejm-ed-dīn* 5 *Abu Hafz Omar Ben Mohammed*, vulgo *Nesefi* dicto et anno 537 (inc. 27. Jul. 1142) mortuo, editi. Textus probus, in quem exponendum plures viri bene meriti operam contulerunt, ut vir doctissimus *Sa'd-ed-dīn Meš'ūd Ben Omar Teftāzāni*, anno 791 (inc. 31. Dec. 1388) mortuus, qui mense Shabān anni 768 (inc. 7. Sept. 1366) absolvit. Compendium, inquit, *Acā'id* inscriptum praestantissimas et utilissimas adnotationes de argumento articulorum continet, qui fundamenta et principia religionis sunt, et praeterea emendatissime et correctissime scripti. Tum *Molla Ramadhān Ben Mohammed*, anno ... mortuus, hunc commentarium commentatus est in volumine, quod titulo *Glossarum Ramadhāni* innotuit. Praeterea alius vir, *Mohammed Ben Ghars-* 10 *ed-dīn* [Hanefita, anno 932 (inc. 18. Oct. 1525) mortuus], commentarium *Ramadhānico*

رمضان فرغ عن تأليفه في رمضان سنة ٨٧٧ وهو شرح نافع ايضا ومن حواشى شرح العقائد  
 حاشية المولى احمد بن موسى الشهير بخيالي توفي سنة [٨٦٠] وهى مقبولة سلك فيها مسلك  
 الاجاز يمتحن بها الاذكياء من الطلاب يقال مأخذه حاشية من الشريف القدسى من تلامذة  
 ابن الهمام توفي سنة ٨٣٦ وقال في تاريخ تأليفه في اواخر رمضان سنة ٨٦٣ حل سؤد لشرح  
 العقائد اوله اما بعد الحمد لمستأمله الخ قال فدونك ايها السارى بهذا النبراس كتاب فيه 5  
 نور وعدى للناس ارشدك الى المكامن الخفية من شرح العقائد النسقية يقال انه صنّفه وقت  
 تدريسه في مدرسة قلبه حين ذهب الى بعض جبالها لتبديل الهواء في الصيف وجعله حديّة  
 للوزير محمود پاشا ولم يرض بذلك السلطان محمد الفاتح وحاشية المولى مصلح الدين  
 مصطفى القسطلاني المتوفى سنة ٩٠١ اولها الحمد لمن وجب له الوجود الخ [وحو المشهور بحاشية  
 كستل] وحاشية اخرى لصالح الدين وحاشية المولى علاء الدين على بن محمد المعروف بمصنفك 10

similem composuit, et ejus compositionem mense Ramadhán anni 887 (inc. 20. Febr. 1482) absolvit. Hic quoque commentarius utilis est. Inter glossas ad commentarium *Teflázánii* in *El-Acáid* eae laudantur, quas Molla *Ahmed Ben Musa*, vulgo *Khayálí* dictus et anno [860 (inc. 11. Dec. 1455)] mortuus, scripsit. In his glossis admodum probatis brevitati studuit, qua sagacissimos virorum studiosorum tentat. Earum fons glossae *Sherifi Codsi*, qui discipulus *Ibn-elhemmámi* fuit et anno 831 (inc. 22. Oct. 1427) obiit, esse dicuntur, et ad tempus, quo eas scripsit, notandum verbis „*Hall souida li sharh El-Acáid* i. e. Solutio ad opus *El-Acáid* exponendum primis lineis exarata“ usus est, quae ultimos menses Ramadhán anni 862 (inc. 19. Nov. 1457) 5 dies significant. Incipiunt ita: Praemissis praemittendis. Laus ei, qui ea dignus est etc. Accipe tu, inquit, qui noctu iter facis, hanc lucernam. Liber est, in quo lux et recta via hominibus apparet. Bene te dirigit ad arcana abscondita, quae in commentario in *El-Acáid El-Nesefiyet* latent. Eas composuisse dicitur, cum in collegio Philippopolitano lectiones haberet et in montem hujus urbis quendam ad aerem aestivo tempore mutandum abiret; idque donum esse voluit Weziro *Mahmúd Pasha* oblatum, id quod Sultano *Mohammed* Expugnatori displicuit — Molla *Moslík-ed-din Mustafa Castaláni*, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuus, cujus glossae 10 ita incipiunt: Laus ei, qui absoluta existentia fruitur etc., [et titulo *Háshiyet Kastal* inclauerunt] — *Súlih-ed-din*, qui pariter glossas edidit — Molla *Alá-ed-din Ali Ben Mohammed*, vulgo *Mosannifek* dictus et anno 875 (inc. 30. Jan. 1470) mortuus,



المتوفى سنة ٨١٥ [وهو حاشية صغيرة] وحاشية المولى محمد بن ميناس المتوفى سنة ٨٠٠ [وكان من علماء دولة السلطان مراد بن السلطان محمد خان] وحاشية المولى صلاح الدين معتم السلطان بايزيد بن محمد خان كتبنا حين اقرآه وهى مقبولة وحاشية المولى عصام الدين ابراهيم بن محمد الاسقرائنى المتوفى سنة ٩٤٣ واول حاشية العصام الحمد لله الذى دعانا الى دار السلام الخ وهى حاشية تامة لطيفة العبارة دقيقة الاشارة كما هو دأب الحشى فى مؤلفاته اكبر صخما من حاشية الخيالى وحاشية المولى احمد بن عبد الله القريمى توفى سنة من علماء الدولة الفاتحية وحاشية المولى [شمس الدين] قريجه احمد المتوفى سنة ٨٥٤ وحاشية المولى كمال الدين اسمعيل انقرمانى المعروف بقره كمال توفى سنة وهى على حاشية الخيالى وشرح الشرح للمولى ماحبى الدين محمد الشبير ببر الوجه من علماء الدولة الفاتحية [وكان معلما لسلطان بايزيد] توفى سنة وحاشية المولى سنان الدين يوسف للميدى المتوفى سنة ٩١٣ وحاشية المولى علاء الدين على العربى المتوفى سنة ٩٠١ وحاشية لطف الله بن اليباس الرومى

[cujus glossae parvae sunt] — Molla *Mohammed Ben Minás*, anno 800 (inc. 24. Sept. 1397) mortuus, [qui inter viros doctos ad aulam Sultani *Murád filii Sultáni Mohammed Khán* fuit] — Molla *Saláh-ed-din*, qui praeceptor Sultani *Bayezid Ben Mohammed Khán* fuit et has glossas valde probatas scripsit, cum illi articulos legendos traderet — Molla *Isám-ed-din Ibráhim Ben Mohammed Isferáini*, anno 943 (inc. 20. Jun. 1536) mortuus, *cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo, qui nos in domum salutis vocat etc. Glossae perfectae sunt, pulchre et venuste scriptae et 5 subtilibus et argutis adnotationibus plenae, ut hic glossator sua solet opera scribere. Praeterea volumine ampliores sunt, quam glossae Khayálíanae* — Molla *Ahmed Ben Abdallah Ckirími*, anno ... mortuus, qui vir doctus erat ad aulam *Mohammedis Expugnatoris* — Molla [*Shems-ed-din*] *Carahja Ahmed*, anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuus — Molla *Kemál-ed-din Ismaíl Caramáni*, vulgo *Carah Kemál* dictus et anno ... mortuus, *cujus glossae Khayálíanas supplent. Commentarium autem in commentarium edidit Molla Mohyi-ed-din Mohammed, vulgo Birr-elwajh dictus et anno ... mortuus, qui ad aulam Expugnatoris eruditione excelluit [et doctor Sultani 10 Bayezid fuit]. Praeterea glossas scripserunt Molla Sinán-ed-din Yusuf Homeidi, anno 912 (inc. 24. Mai. 1506) mortuus — Molla Alá-ed-din Ali Arabi, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuus — Lutfallah Ben Ilyás Rumi, anno 900 (inc. 2. Oct.*

المقتول سنة ٩٠٠ على حاشية الخيالي أوليا محمدك الله ولي التوفيق الخ قال المولى لطفى بك  
 زاده هذه تصنيف نازل الدرجة لا يليق صدوره ممن كان في تلك المرتبة واعتذر صاحب  
 الشفادف بأنه كتب في أوائل حاله وحاشية المولى حصر شاه [الرومى] المنشاوى المتوفى  
 سنة ٣٠٥هـ وحاشية المولى محيى الدين محمد بن ابراهيم النيكسارى المتوفى سنة ٩٠١ وحاشية  
 القاضى شهاب الدين احمد بن يوسف الحسنى السندى المتوفى سنة ٨٩٥هـ فسماه بتحفة 5  
 الفوائد لشرح العقائد وحاشية المولى حكيم شاه محمد بن مبارك القرظي المتوفى في حدود  
 سنة ٩٠٠هـ وحاشية الشيخ رمضان بن عبد الحسن المعروف ببيشنى المتوفى في حدود سنة [٩٠٦]  
 اول. الحمد لله متكلم بالكلام الخ وهى على حاشية الخيالي والشيخ محمد بن قاسم العزى  
 [الشافعى المعروف بابن العزابلى] المتوفى سنة [٩١٨] صنف حاشية كاملة اوله اما بعد حمد  
 الله الذى الخ وعلى حاشية الخيالي حاشية المولى الشير بقول احمد اوله سبحانه اليم وبمحمدك 10  
 على آلائك الخ وفي حاشية دقيقة متداولة بين الاعجام وفي اصعب وادق من بحر الانكار

1494) interfectus, cujus glossae ad *Khayálian* scriptae sunt et ita incipiunt:  
 Laudamus Te, o Deus, qui providentia Tua libenter adjuvas etc. Molla *Lutfi*  
*Begzádeh* hoc scriptum parvi pretii esse dicit, cujus editio vix deceat hominem  
 persona et dignitate tam conspicuum. Auctor libri biographici *Sheháic* eum excusat,  
 quod illae glossae tirocinii specimen contineant — Molla *Hadr Sháh [Rumí]*  
*Mensháic*, anno 853 (inc. 24. Febr. 1449) mortuus — Molla *Mohyi-ed-din Mohammed*  
 5 *Ben Ibráhim Nikusári*, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuus — *Cádhí Shehá-*  
*ed-din Ahmed Ben Yusuf Hisnakeifi Sindi*, anno 895 (inc. 25. Nov. 1489) mortuus,  
 cujus glossae *Tohfet el-fewáid li sharh El-Acáid* inscriptae sunt — Molla *Hakim*  
*Sháh Mohammed Ben Mobárek Casvini*, circa annum 920 (inc. 26. Febr. 1514)  
 mortuus — Sheikh *Ramadhán Ben Abd-el-mohsin*, vulgo *Behishti* dictus, et circa  
 annum [979 (inc. 26. Mai. 1571)] mortuus, cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo  
 verba revelata pronuntianti etc., et ad glossas *Khayáli* scriptae sunt — Sheikh  
*Mohammed Ben Cásim Izzi [Shafíta]*, vulgo *Ibn Azábili* dictus et] anno [918 (inc.  
 19. Mart. 1512)] mortuus, qui glossas perfectas scripsit, quae ita incipiunt: Praemissis  
 10 praemittendis. Laudetur Deus, qui etc. Ad glossas *Khayálian* alias edidit Molla,  
 vulgo *Caul Ahmed* dictus, cujus glossae subtiliter scriptae ita incipiunt: Gloria sit  
 Tibi, o Deus, et a laude Tua pro Tuis beneficiis etc., et multa auctoritate apud  
 Persas florent. Sunt autem difficiliores et subtiliores, quam glossae *Bahr el-afkár*



وبحر الافكار مع حاشية الخيالي كالشرح مع المتن الممزوج لحسن بن حسين بن محمد المدرس بمدرسة من مدارس مصر آنف لاياس پاشا والتزم في مقاطع الكلام ايراد هو اول اوله الحمد لمختار دل على ايجاب ذاته الخ وكذا حاشية قره كمال مع حاشية الخيالي لكتبا اورد المتن بان يقال قوله وفي اخره هذا كلامه وبحر الافكار ادق منه وانيد واول حاشية قره كمال وهو اسمعيل بن بلي الحمد لذى المن والاحسان الخ [وللمولى العالم محمد المرعى المعروف بساچقلى زاده المتوفى سنة 1100 حاشية على التلث اعنى الشرح وحاشية للخيالي وتقول احمد ولم يرتب ولم يبيص قررتبنا تلميذه عبد الرحمن العينتاي بامرته وكان قد عبر عن قول احمد بقوله وعن الخيالي يقال الخيالي وعن الشرح يقال الشارح] ومن الحواشى على شرح العقائد يقال اقول حاشية اويبا الحمد لله الذى علمنا قواعد العقائد الدينية الخ 10 كتبنا لسلطان محمد خان ومن الحواشى على الخيالي حاشية خواجه زاده وحاشية

inscriptae, quae cum glossis *Khayálíanis* conjunctae commentario similes sunt cum textu admixto. Eas *Hasan Ben Hosein Ben Mohammed* professor ad collegium Cahirensis in favorem *Ayás Pashae* composuit, et sibi in orationis interruptae partibus legem scripsit, ut quae illis initii loco essent proferret etc. Incipiunt glossae ita: Laus ei, qui duces praefert ad essentiae suae affirmationem etc. Eundem locum tenent glossae *Carah Kemáli* cum glossis *Khayálíanis* conjunctae, attamen *Carah Kemál* textum attulit ita, ut ab initio verbis *Yocál cauloho* (ejus verba haec esse dicuntur) et ad finem verbis *Hadzá kelámoho* (haec ejus oratio fuit) uteretur. Glossae *Bahr el-afkár* his subtiliores et utiliores sunt. Glossae *Carah Kemáli*, cujus nomen *Ismail Ben Báli* est, ita incipiunt: Laus ei qui beneficentia et liberalitate excellit etc. [Tum vero Molla doctus *Mohammed Mer'ashi*, vulgo *Sajuckli Zúdeh* dictus et anno 1150 (inc. 20. Apr. 1737) mortuus, glossas ad tria scripta, ad commentarium *Teftázánii*, ad glossas *Khayálii* et *Cauli Ahmed* composuit, neque tamen in ordinem redegit neque nitide exaravit. Hoc fecit ejus jussu discipulus *Abd-el-rahman Aintábi*, qui verba *Cauli Ahmed* formula *cauloho* „ejus verba“, *Khayálii* verba formula *cala Khayáli* „dicit *Khayáli*“ et commentarium verbis *cala el-shárih* „dicit commentator“ distinxit]. — Porro glossas ad commentarium *Teftázánii* in *El-Acáid* vir quidam 10 Sultano *Mohammed Khán* scripsit, suaque verba formula *acúl* „dico ego“ a verbis *Teftázánii* distinxit, quibus vocem *cala* „dicit“ praemittit. Incipiunt ita: Laus Deo, qui nos fundamenta articulorum fidei docuit etc. — Glossas autem ad glossas

حسن جلي ابن الفنارى وعلى الشرح حاشية للشيخ عز الدين محمد [بن ابى بكر] بن جماعة [المتوفى سنة ٨١٩] وفي برهان التمانع رسالة لبعض الخراسانيين وهو عبد اللطيف بن محمد بن ابى الفتح الكرماني ثم الخراساني لم يفرق فيها بين الملازمة العادية وبين الملازمة العقلية فبنى جميع كلامه على عدم هذا الفرق فاضل وانزل ولعل هذا الرجل ممن انكر المنطق ونادى بحججه كالمسيوطى وهو يزعم انه مصيب في تخطئته مثل سعد الدين هيهات هيهات 5 شتان بين النيل والقرات وذكر في اوله انه وقع في شرح العقائد بعض مسائل ليس على نهج عقائد اهل السنة منها مسألة التصديق فان ادعى ان التصديق الشرعى والتصديق المنطقى كلاهما واحد وذكر انه كتب [ايضا] رسالة في بيان فساد ومن الحواشى على شرح العقائد مطلع بدور الفوائد ومنيع جواهر الفوائد لمنصور الطبرلاوى الشافعى اوله نحمدك اللهم يا من توحد بجلال ذاته الخ ذكر فيها ان منها حاشية السبكي وابن الغرس وحاشية 10 العزى والبقاى وشيخ الاسلام زكرياء الإنصارى والشيخ ناصر الدين اللقانى وشيخه بدر الدين

*Khayálanas scripsit Khojazáleh et Hasan Jelebi Ibn-elfenari, et ad commentarium Sheikh Izz - ed - din Mohammed [Ben Abi Bekr] Ben Jemaa, [anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) mortuus]. Opus Borhán el-temáno' tractatum continet a quodam viro Chorasano, Abd-el-latíf Ben Mohammed Ben Abi'fat'h primum Karamaniae, tum Chorasanae inquilino, editum. Ibi vero nusquam conjunctionem rerum rationalem a conjunctione more recepta distinxit, ut omnis ejus oratio ita procederet, quasi hoc discrimen non existeret. Erravit vehementer ipse et alios in errorem inducit, et 5 fortasse hic vir logicam existere negat et sua ignorantia gloriatur, ut Soyúti, qui v. c. in Sa'd-ed-din erroris accusando rem acu tangere autumatus est, sed procul, procul a vero aberravit, et magna distantia est inter Euphratém et Nilum. Statim ab initio dicit, in commentario in El-Acáid nonnullas quaestiones tractari, quae minime cum ratione articulorum fidei conveniant, quos Sunnitae amplectantur. Ejusmodi quaestionem esse illam, quae de probatione agat. Contendit enim, probationem legalem et logicam unam eandemque esse, et tractatum de hac opinione vitiosa explicanda scripsisse se narrat. Glossae, quas Mansúr Tebláwi Shafiita ad 10 commentarium in El-Acáid edidit, Matla' bodúr el-feváid we Menba' jewáhir el-feráid inscriptae sunt et incipiunt ita: Laudamus Te, o Deus, qui unicus es majestate essentiae Tuae etc. Auctor ibi narrat, Sobki quoque, Ibn Ghars-ed-din, Izzí, Becái, Sheikh-elislám Zakariyá Ansári, Sheikh Násir-ed-din Locáni, ejus*



الفيومي وتلميذه الشيخ نور الدين البخاري ومن حواشي شرح العقائد حاشية المولى احمد  
البردعي وهي حاشية ممزوجة كحاشية رمضان اوله الحمد لله الذي نصب رأيات وجوب  
وجوده الخ علقها واحدا الى السلطان خليل بن شيخ ابراهيم الشرواني وفرغ سنة ٥٠هـ وصنف  
الشيخ ابراهيم اللقاني المصري المتوفى سنة ١٠٤١ حاشية سماها تعليق الفراند على شرح العقائد  
5 اوله اما بعد حمد الله الذي شرح العقائد الاسلامية الخ وعلى الخيال حاشية لحكيم عجم كتبه  
لاياس پاشا الوزير [ولملا عبد الحكيم بن شمس الدين الهندي السالكوتى المتوفى سنة  
نيف وستين والف وهي احسن الحواشي مقبولة عند العلماء اوله الحمد لله على نعمائه  
والصلوة على سيد انبيائه الخ وللمولى العلامة محمد الدباغ المشهور بتفسيره افندي المتوفى  
سنة ١١١١ وللمولى الفاضل السيد محمد بن حميد الكفوى حاشية مبسطة جمع فيها اكثر  
10 للحواشي والشروح وسع الله عمره ولاستادنا العلامة فريد الزمان شيخ القرأ عبد الله بن يوسف  
المقري المشهور بيوسف افندي زاده المتوفى سنة ١١١٧ حاشية مبسطة تعرض فيها اكثر

Sheikhum *Bedr-ed-din Fayyumi*, et discipulum *Sheikh Nür-ed-din Bokhãri* glossas  
similes composuisse. Porro ad commentarium in *El-Acãid Molla Ahmed Berdãi*  
anno 850 (inc. 29. Mart. 1446) glossas absolvit, quae, ut glossae *Ramadhãnicæ*  
textum admixtum habent et ita incipiunt: Laus Deo, qui vexilla absolutæ suae  
existentiæ sustulit etc. Tum descripsit eas et Sultano *Khalil Ben Sheikh Ibrahim*  
*Shirvãni* obtulit. *Sheikh Ibrahim Locãni Misri*, anno 1041 (inc. 20. Jul. 1631)  
mortuus, composuit glossas *Tãlic el-ferãid ala sharh El-Acãid* inscriptas, quae ita 5  
incipiunt: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus, qui articulos fidei islamicae  
aperuit etc., et ad *Khayãli* glossas *Hakim Ajem* in favorem *Weziri Ayãspasha*  
alias composuit. [Glossae, quas *Molla Abd-el-hakim Ben Shems-ed-din Hindi*  
*Salikãti*, anno millesimo sexagesimo et quod excedit mortuus, edidit, optimae sunt  
et viris doctis multum probatae. Incipiunt ita: Laus Deo pro ejus beneficiis et  
precatio super domino prophetarum ejus etc. Glossas ediderunt porro *Molla doctissimus*  
*Mohammed Debbãgh*, vulgo *Tefsiri Efendi* dictus et anno 1111 (inc. 19. Jun. 1699)  
mortuus, et *Molla bene meritus El-Seyyid Mohammed Ben Hamãd Kufuwi*, cujus  
glossae amplissimae sunt, quum iis glossas plurimas et commentarios insereret, et 10  
praeceptor noster eruditissimus et vir temporis incomparabilis, lectorum coranicorum  
doctor, *Abdallah Ben Yusuf* Corani Lector, vulgo *Yusuf Efendi-zãdeh* dictus et  
anno 1167 (inc. 18. Oct. 1753) mortuus, glossas amplissimas conscripsit, ubi plurimas

- الحواشي] وحاشية العلامة محمد بن أبي شريف القدسي [المتوفى سنة 905] كبيرة أوليا حمدًا لمن دلّ نظام خلقه الخ اسمها الفرّاند في حدّ شرح العقائد وعلى شرح العقائد حاشية للعالم الفاضل محمد بن القاسم العزّي الشافعي أوله أما بعد حمد الله الذي نارت بنوره بصائر القلوب الخ وحاشية شرح العقائد لشياب الدين أحمد العيني اخذ بعصيم ما كتبه من الفوائد في حاشية شيخه وهو محمد بن أحمد بن علي البتوني بالتماس، بعرض الاعيان أوله 5 الحمد لله المنفرد في وحدانيته الخ وعلى شرح العقائد نكت للامام برهان الدين ابراهيم بن عمر البقاعي المتوفى سنة 888 ومن شروح هذا المتن شرح شمس الدين أبي الثناء محمود ابن أحمد الاصفهاني المتوفى سنة 741 وشرح جمال الدين محمود بن أحمد بن مسعود القونوي المعروف بابن انسراج سماه الفلّاند المتوفى سنة 707. ومن شروحه شرح الشيخ الامام شمس الدين أبي عبد الله محمد بن الشيخ زين الدين أبي العدل قاسم الشافعي أوله 10 نحمدك يا من تفرد بوجوب وجوده ودوامه الخ بعد مدح عقائد النفسى قال انه لوجازة

- glossas recenset]. Glossae a viro doctissimo *Mohammed Ben Abi Sherif Codsi*, [anno 905 (inc. 8. Aug. 1499) mortuo], editae magnae sunt et ita incipiunt: Laudem ei, qui ordinem rerum suarum creaturarum bene indicavit etc. Inscriptae sunt *El-Ferâid fi hall sharh El-Acâid*. Ad commentarium in *El-Acâid* vir doctus et bene meritus *Mohammed Ben-elcâsim Izzi* Shafita glossas edidit, quae ita incipiunt: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus, cujus lumine cordium oculi splendent etc., itemque glossas ad commentarium in *El-Acâid Shekâb-ed-din Ahmed Aini*. Vir quidam 5 adnotationes, quas ejus praeceptor *Mohammed Ben Ahmed Ben Ali Behveni* ad marginem conscripserat, excitatus a quodam viro spectato collegit, et hae glossae ita incipiunt: Laus Deo per unitatem suam singulari etc. — Ad commentarium in *El-Acâid* Imâm *Borhân-ed-din Ibrâhîm Ben Omar Becâi*, anno 885 (inc. 13. Mart. 1480) mortuus, notas subtiliores edidit. Praeterea commentarios in hunc textum ediderunt *Shems-ed-din Abu'llthenâ Mahmûd Ben Ahmed Isfahâni*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus — *Jemâl-ed-din Mahmûd Ben Ahmed Ben Mes'ûd Cunewi*, vulgo *Ibn-elserrâj* dictus et anno 770 (inc. 16. Aug. 1368) mortuus, cujus 10 commentarius *El-Calâid* inscriptus est — Sheikh et Imâm *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben-elsheikh Zein-ed-din Abu'ladi Câsim* Shafita, cujus commentarius ita incipit: Laudo Te, o Tu, qui absoluta existentia et aeternitate unicus es etc. Post laudem operis *Acâid* a *Nesefi* editi: Propter verborum brevitatem



لفظه يحتاج لشرح مبين مراده فحاولت شرحه وسميته بالقول الوفي لشرح عقائد النسفي وذكر في اوله مقدمة مشتملة على سنة امور وشرغ في شوال سنة ٨٧١ وشرحه ابن حرم الاندلسي وسماه الدرّة وعلى الشرح حاشية لبدر الدين محمد بن محمد بن احمد بن خطيب الفخرية المتوفى سنة ٨٩٣ وشرح العقائد الشيخ بدر الدين محمد بن محمد الشهير بابن 5 الغرس الحنفى توفى سنة ٨٩٤ مفضلاً ممزوجاً ومن شرحه شرح منلا زاده البيروى الخرزبانى [ اوله الحمد لله الذى توحد ذاته باقتضاء صفات الجمال الخ ] سماه حلّ المعاهد فى شرح العقائد وشرغ عن تعليقه فى شعبان سنة ٨٨٩ [ ومن شرحه شرح الشيخ على بن على بن احمد الناجارى بالنون ثمّ اللجيم المتوفى سنة سماء فرآند القلائد وشرغ الفوائد على شرح العقائد اوله الحمد لله ربّ العالمين الخ وهو شرح ممزوج ميسوط قال مؤلفه فرغت من هذا الشرح 10 سنة ٩١٣ وقال وقد كنت شرحت شرح العقائد شرحاً آخر بالقول فى زمن قرآتنا له على العلامة ناصر الدين اللقانى المالكى فرغت منه سنة ١٠٣٠ انتهى ونظم العقيدة المذكورة ارجوزة

inquit, commentario opus est, quo quae auctor velit exponantur; eamque ob causam librum explicare studui, commentariumque *El-Caul El-Wefi li sharh Acáid El-Nesefi* inscripsi. — Ab initio praefationem habet, quae sex res comprehendit, et anno 871 (inc. 13. Aug. 1466) absolvit — *Ibn Haram Andalusi*, cujus commentarius *El-Dorret* inscriptus est. Glossas ad commentarium *Bedr-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ben Ahmed* filius concionatoris ad aedem *Fakhriye*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuus, scripsit, commentarios autem in *El-Acáid* Sheikh *Bedr-ed-din Mohammed Ben Mohammed* Hanefita, vulgo *Ibn-elghars* dictus et anno 894 5 (inc. 5. Dec. 1488) mortuus, cujus commentarius singulos locos tractat et textum admixtum habet — *Menlázádeh Herewi Kharaziyáni*, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, cujus essentia postulante attributorum pulchritudinis necessitate unica est etc., et *Hall el-meáckül fi sharh El-Acáid* inscriptus est. Absolvit ejus scriptionem mense Shabán anni 886 (inc. 2. Mart. 1481). [Praeterea Sheikh *Ali Ben Ali Ben Ahmed Nejári*, anno ... mortuus, commentarium edidit *Feráid el-caláid ve Ghorer el-feváid ala sharh El-Acáid* inscriptum, qui ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. Textum admixtum habet et amplius est, et auctor: Absolvi, inquit, hunc commentarium anno 962 (inc. 26. Nov. 1554); et commentarium alium in 10 *El-Acáid* composueram additis verbis textus expositis eo tempore, quo librum praeside viro doctissimo *Násir-ed-din Locáni* Malikita legebam, et anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) absolvi. — Haec ille. — *Ackidel* metricè ad mensuram *Refejz* exaravit Cadhi bene

- القاضي الفاضل عمر بن مصطفى كرامة الطرابلسي وفرغ من نظمه منه سنة ١١٣١ هـ شرحه شرحًا لطيفًا فرغ منه سنة ٢٥ هـ ولم اقف على وثاته وخرج احاديثه الشيخ جلال الدين السيوطي والمولى علي بن محمد القاري المكي المتوفى سنة ١٠١٤ هـ [١٠١٤] عقائد الحقائق لابن النجم ركن الدين الخطيب المغربي المتوفى سنة وهو كتاب في الموعظة الا انه غير مصون عن الخشونة ذكره الشيخ بهاء الدين ابن يوسف في تفسير سورة يوسف ١٥٧٤ عقائد 5 المرائف لابي الفرج عبد الرحمن بن علي ابن الجوزي المتوفى سنة [٥١٧] ١٥٧٤ عقد الباعث في تاريخ دولة بني طاهر للشيخ عبد الرحمن بن علي الزبيدي المتوفى بعد سنة ٩٣٥ اخذه من كتاب بغية المستفيد واكرمه الملك الطاهر عامر بن عبد الوهاب [الطاهري] لاجله غاية الاكرام ١٥٧٧ عقد التفسير ١٥٧٨ العقد الثمين في احياء حور العين ١٥٧٩ العقد الثمين في تاريخ البلد الامين لتقى الدين محمد بن احمد الفاسي المكي المتوفى سنة ٨٣٣ ذكر 10 في تحفة الكرام انه صنّفه في معرفة اعيان مكة [المكرمة] على ترتيب الحروف وجعل

- meritus Omar Ben Mustafa Keramet Tarabolosi, poeticamque compositionem anno 1126 (inc. 6. Jan. 1714) absolvit. Tum eam eleganter commentatus est, et anno 1145 (inc. 13. Jun. 1732) absolvit; annum vero, quo mortuus est, non comperi. Traditiones Sheikh Jelal-ed-din Soyuti et Molla Ali Ben Mohammed Mekki Corani Lector, anno 1014 (inc. 9. Mai. 1605) mortuus, elicerunt. — 8174. Acacic el-hacacic, radii fulminantes veritatum, auctore Rohn-ed-din El-Khatib El-Maghribi filio Nejm-ed-dini, anno ... mortuo. Opus paraeneticum, quod tamen a partibus superfluis 5 non munitum est. Commemoratur a Sheikh Beha-ed-din Ibn Yusuf in commentario, quem in Suratam Yusuf composuit. — 8175 Acacic el-moracic, perae viatoriae comitis, auctore Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-eljanzi, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. — 8176. El-Icd El-Bahir, monile colli splendidissimum de historia dynastiae filiorum. Tahir, auctore Sheikh Abd-el-rahman Ben Ali Zebidi, post annum 925 (inc. 3. Jan. 1519) mortuo. Argumentum sumpsit e libro Bughyet el-mustefil, et ob hunc librum a Melik Tahir Amir Ben Abd-el-wehhub [Tahirida] maximis honoribus affectus est. — 8177. Icd el-tefsir, monile commentarii in Coranum. — 8178. El-Icd El-Thamin, monile pretiosum in collis oculis nigris 10 praeditarum. — 8179. El-Icd El-Thamin, monile pretiosum de historia urbis fidelis Mekka, auctore Tacki-ed-din Mohammed Ben Ahmed Fasi Mekki, anno 832 (inc. 11. Oct. 1428) mortuo. In opere Tohfet el-kiram narrat, hunc librum de cognitione virorum Mekkae dignitate conspicuorum se ad ordinem alphabeticum



في اوله مقدّمة تحتوى على مقاصد تحفة الكرام ثم استتال بعد تسويده فأختصره في مقدار نصف حجمه وسمّاه تجاليد القرى للراغب في تاريخ أم القرى وهذا لا يخلو من تقصير بسبب عدم رؤيته كتاباً في معناه وذيله بعنيتهم وسمّاه الدرّ الكمين قال السخاوى عو في ست مجلّدات ترجم فيه جماعة من حكام مكة وخطبائيا وامتينا وجماعة من العلماء والرواة من اعلمها وكذا 5 من سكنيا او مات بينا وجماعة لهم مآثر فينا انتبى .  
 ٨٨٠ عقد الثمين في الغار القراءه [لشمس الدين محمد] ابن الجزرى شرحه سراج الدين ابو حفص عمر بن قاسم الانصارى  
 المرقى وسمّاه العقد الجوى في حلّ الغار الجزرى ٨٨٠ عقد الثمين [وعقد اليمين]  
 للشيوخ قطب الدين ٨٨٠ عقد الجمان في تاريخ اعلى الزمان تسعة عشر مجلّداً للامام بدر  
 الدين محمود بن احمد العيني اُتموفى سنة ٥٥٠ ٨٨٣ عقد الجمان فيما يلزم من ولى البيمارستان  
 10 للشيوخ عبد الواحد المغربى اوله للامد لله الذى نور بحكمته بصائر احبائه الخ ذكر انه سأل

composuisse. Ab initio praefationem habet, ubi argumenta primaria libri *Tohfat el-kirám* collegit. Cum vero primis lineis absolutus esset, nimis longum eum esse vidit, quapropter ad dimidiam voluminis partem eum contraxit, et hanc epitomen *Ijâlet el-ckirâ lil-râghib fi tarihh omni el-corâ* inscripsit. Ea vero partibus historiae omissis non caret, quod nullum ejusdem argumenti librum viderat. Vir quidam opus continuavit et appendicem *El-Dorr El-Kemin* appellavit. Teste *Sakhâwi* sex volumina complectitur, in quibus vitas plurimorum Mekkae judicum, concionatorum, Imamorum, virorum doctorum et relatorum rei traditionariae peritorum ex incolarum numero, pariterque vitas eorum recenset, qui Mekkae habitabant aut mortui sunt, et 5 magni numeri eorum, quorum monumenta ibi exstant. — Haec ille. — 8180. *El-Icd El-Thamín*, monile pretiosum de difficultatibus lectionis Coranicae aenigmaticis, auctore [*Shems-ed-dín Mohammed*] *Ibn-eljezeri*. *Siráj-ed-din Abu Hafs Omar Ben Cásim Ansári* Corani Lector commentarium scripsit, cui titulum *El-Icd El-Jauheri fi hall algház El-Jezeri* praeposuit. — 8181. *El-Icd El-Thamín*, monile pretiosum et foedus juratum, auctore Sheikh *Cotb-ed-din*. — 8182. *Icd el-jomán*, monile margaritarum de historia aequalium. Undeviginti volumina, auctore *Imám Bedr-ed-dín Mahmúd Ben Ahmed Aini*, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuo. — 8183. *Icd el-jomán*, monile margaritarum de officiis, quae a praefecto nosocomii necessario praestanda sunt, auctore Sheikh *Abd-el-wáhid Maghribi*. Incipit ita: 10 Laus Deo, qui sapientia sua intelligentias dilectorum suorum illustrat etc. Narrat, virum

- الشريف حسين بن محمد ناظر البيمارستان المنصوري تأليفًا مشتتملاً على ذكر غالب الامراض التي لا يمكن برؤها والتي يتغدى الي اكثر من اثنين فكتب ورتب على فصول وابواب
- ١١٤٤ عقد جواهر الاسقاط من اخبار مدينة الفسطاط لتقى الدين احمد بن علي المقرئ
- المتوفى سنة ١١٤٥ ١١٥٠ عقد الجواهر الزين المحتوى على غالب بي دعين لمحمد بن عبد الملك ابن دعين القرشي الاموي اوله الحمد لله الذي فضل الانسان بالنسل والنسب الخ 5
- قر جدده بكتاب سماه قرّة العين بمعرفة بي دعين ١١٥٦ عقد الجواهر في سيرة الملك الظاهر برفوق الجركسي لابراهيم بن محمد بن دقمان مات سنة ١١٥٩ ومختصره ينبوع المشاعر له
- ايضا ١١٧٠ عقد الجواهر في اللغة ١١٨٠ عقد الجواهر في المنطق والآبى والطبيعى مختصر شرحه مؤلفه بالتماس الى الفضائل القزويني اوله الحمد لله المبدع لاجناس الحقائق الخ
- ١١٨٩ عقد الجواهر في الكلام على سورة الكوثر للشيخ عمر بن نجيم المصري المتوفى 10
- سنة [1٠٥٠] اوله سبحان الله المفيض على صنعه فرغ عنه سنة ٩٩٣ ١٠١٠ عقد الجواهر

- nobilem *Hosein Ben Mohammed nosocomii Mansurici* praefectum a se petiisse, ut librum componeret, qui morbos insanabiles plurimos comprehenderet et eos qui contagio ad plures quam duo se propagarent. Scripsit igitur et librum in sectiones et capita divisit. — 8184. Icd *jewáhir el-asfát*, monile gemmarum loculorum ex historiis urbis Fostat, auctore *Tacki-ed-din Ahmed Ben Ali Macrizi*, anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuo. — 8185. Icd *el-jewáhir el-zein*, monile gemmarum ornatus, quod plurimas 5 tribus filiorum *Daain* complectitur, auctore *Mohammed Ben Abd-el-melik Ibn Daain Coreshi* Omayyada. Incipit ita: Laus Deo, qui hominem genitura et genealogia praetulit etc. Tum alio titulo *Corret el-ain bi ma'rifet beni Daain* librum denuo edidit. — 8186. Icd *el-jewáhir fi síret El-Melik El-Tzáhir*, monile gemmarum de biographia *Meliki Tzáhir Bercúc* Circassii, auctore *Ibráhim Ben Mohammed Ben Ducmác*, anno 809 (inc. 18. Jun. 1406) mortuo. Epitome ejus *Yenbú' el-metzáhir* inscripta eundem auctorem habet. — 8187. Icd *el-jewáhir*, monile gemmarum. Opus lexicologicum. — 8188. Icd *el-jewáhir*, monile gemmarum de logica, metaphysica et physica. Compendium, in quod auctor postulante *Abu'lfedhái Caswini* commentarium composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui varia 10 veritatum genera primus protulit etc. — 8189. Icd *el-jauher*, monile gemmarum. Dissertatio de *Surata Kauther*, auctore *Sheikh Omar Ben Nojeim Misri*, anno [1005 (inc. 15. Aug. 1596)] mortuo. Absolvit librum, qui ita incipit: Laus Deo, qui super opus suum liberalitatem effudit etc., anno 993 (inc. 24. Dec. 1585). —



في نظم الفقه الاكبر يأتي ١١٩١ عقد الدرر واللال في فصل الشهور والايام والليالي للشيخ  
 شهاب الدين احمد بن ابي بكر الحموي الشير بالرسام ١١٩٣ عقد الدرر واللال فيما يقال  
 في السلسل للشيخ ابي نر احمد بن ابراهيم الحلبي المتوفى سنة ٨٤٢٢ يقال انه انعه في آخر  
 عمره ١١٩٣ عقد الفريد في احكام التقليد للشيخ علاء الدين علي السميدي المتوفى سنة  
 5 [٩١١] اوله الحمد لله الذي اكمل لهذه الامة دينها القويم الخ وضمنه عشر مسائل ليكون  
 محيطا لغرض السائل ذكر فيها تقليد النساء والمناسب ١١٩٤ عقد الفريد في انساب بني  
 اسيد للشيخ الفقيه قطب الدين ابي بكر احمد بن دعين الزبيدي المتوفى سنة ٧٥٠ سرد فيه  
 بتون بني حسن ورزام بن يحيى بن عبد الله بن زكرياء نيله حفيده الشيخ رضى الدين  
 ابو بكر ابن احمد المتوفى سنة ٨٤٣٠ وسماه الدر النصيد في انساب بني اسيد ١١٩٥ عقد  
 10 الفريد في تعليم التجويد قصيدة لمحمد بن محمود بن محمد السمرقندي المتوفى سنة

8190. Icd el-jauher, monile gemmarum. Metrica operis *El-Fic'h El-Akbar* compositio, de quo infra videatur. — 8191. Icd el-dorer we el-leáli, monile unionum et margaritarum de mensium, dierum et noctium tempore, auctore Sheikh *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Abi Bekr Hamawi*, vulgo *Ressám* dicto. — 8192. Icd el-dorer we el-leáli, monile unionum et margaritarum de iis, quae de fonte *Selsál* in paradiso referuntur, auctore Sheikh *Abu Dzarr Ahmed Ben Ibráhim Halebi*, anno 884 (inc. 25. Mart. 1479) mortuo. Librum ad finem vitae delevisse dicitur. — 8193. El-Icd El-Feríd fi ahkám el-teclíd, monile incomparabile de statutis investiturae, auctore Sheikh *Alá-ed-din Ali Semhúdi*, anno [911 (inc. 4. Jun. 5 1505)] mortuo. Orsus est ita: Laus Deo, qui huic populo religionem justam perfecit etc., et decem quaestiones ei inseruit, ut comprehenderet, quae interrogans quaerere posset. Commemorat ibi investituram iudicii et munerum dignitatis. — 8194. El-Icd El-Feríd, monile incomparabile de genealogiis filiorum *Asid*, auctore Sheikh jurisperito *Cotb-ed-din Abu Bekr Ahmed Ben Daain Zebidi*, anno 752 (inc. 28. Febr. 1351) mortuo, qui hic tribus filiorum *Hasan* et *Rizám Ben Yahya Ben Abdallah Ben Zakariyá* bene disposuit. Librum nepos auctoris Sheikh *Redhi-ed-din Abu Bekr Ibn Ahmed*, anno 843 (inc. 14. Jun. 1439) mortuus, continuavit et hanc appendicem *El-Dorr El-Nedhid fi ansáb Beni Asid* inscripsit. — 8195. El-Icd El-Feríd, monile incomparabile de ratione Coranum recte legendi 10 bene docenda, auctore *Mohammed Ben Mahmúd Ben Mohammed Samarcandi*, anno ...

ثر شرحه وسمّاه روح المرید ١١٩١ عقد الفريد في علم التوحيد منظومة لابن عريشاه محمد  
 ابن احمد الدمشقي الحنفى المتوفى سنة ٨٥٢ ١١٧٠ عقد الفريد للملك السعيد لاني ساله  
 محمد بن طلحة القرشي النحبي الوزير المتوفى سنة ٩٥٢ اوله الحمد لله حامى حوزة بلاده  
 بملوك الخ جعلها على اربعة قواعد الاول في ميّات الاخلاق والصفات الثاني في السلطنة وانولاية  
 الثالث في الشرّاع والريابات الرابع في تكميل المطلوب بانواع من الزيادات ١١٩٨ عقد القانون 5  
 تحب الدين محمد بن محمود النجار البغدادي المتوفى سنة ٦٤٣ ١١٩١ عقد الغلاند في  
 شرح منظومة ابن وهبان يأنى في الميم ٨٠٠ عقد لاني عمرو احمد بن محمد المعروف بابن  
 عبد ربه القرطبي المتوفى سنة ٣٢٨ قال ابن خلكان وهو من الكتب الممتعة حوى من كل شيء  
 وتال ابن كثير يدلّ من كلامه على تشيع منه اوله الحمد لله الاول من بلا ابتداء الخ قال اتقت  
 هذا الكتاب وتخيّرت نواتره من مخير جواهر الادب ومحصل جوامع البيان وسمّيته بالعقد لما 10

mortuo. *Casida*, in quam postea commentarium *Ruh el-morid* inscriptum composuit. —  
 8196. *El-Icd El-Ferid*, monile incomparabile de doctrina fidei in unum Deum.  
 Carmen, auctore *Mohammed Ben Ahmed Dimeshcki* Hanefita, vulgo *Ibn Arabsháh*  
 dicte et anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuo. — 8197. *El-Icd El-Ferid*,  
 monile incomparabile regi *Said* ab *Abu Sálím Mohammed Ben Talha Coreshi Nesibi*  
*Weziro*, anno 652 (inc. 21. Febr. 1254) mortuo, oblatum. Orsus est ita: Laus  
 Deo, qui terrarum suarum tractus regibus defendit etc., et librum in quatuor funda-  
 5 menta disposuit, quorum primum quaestiones graviores de moribus et qualitatibus  
 comprehendit, secundum de sultanatu et praefectura, tertium de legibus et dominiis,  
 quartum de quaestione proposita variis additamentis perfecte supplenda. — 8198. *Icd*  
*el-canún*, monile legis, auctore *Mohibb-ed-din Mohammed Ben Mahmúd El-Nejjár*  
*Baghdádi*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. — 8199. *Icd el-caláid*, monile  
 cervicum. Commentarius in carmen *Ibn Wehbáni*, de quo in litera *Mim* dicitur. —  
 8200. *El-Icd*, monile, auctore *Abu Amru Ahmed Ben Mohammed Cortubi*, vulgo  
*Ibn Abd Rabbihi* dicto et anno 328 (inc. 18. Oct. 939) mortuo. Teste *Ibn Khallikán*  
 liber est multi fructus, qui omnium rerum partes comprehendat, et *Ibn Kethír*: „Per  
 orationem suam, inquit, ad taedium inde prae satietate capiendum ducit.“ — Incipit  
 auctor ita: Laus Deo primo, qui sine initio etc., et: Composui, inquit, hunc librum  
 10 partibus ejus raris e multa gemmarum literarum liberalium copia et e summa  
 apophthegmatum eloquentiae graviorum selectis, eumque *Icd* inscripsi, quoniam varias



فيه من مختلف جواهر الكلام مع دقة السلك وحسن النظام وجزأته على خمسة وعشرين كتاباً كل منها جزءان فتلك خمسون جزءاً قد انفرد كل كتاب منها باسم جوهرة من جواهر العقد فاوليا الكتاب اللؤلؤ في السلطان الحج واختصره ابو اسحق ابراهيم بن عبد الرحمن الوادياشي القيسي المتوفى سنة ٥٧٠ وجمال الدين ابو الفضل محمد بن مكرم الانصاري الفزرجي 5 صاحب لسان العرب المتوفى سنة ٧١٠ ١٠٠٠ عقد اللآلئ في فروع الحنفية ١٠٠٠ عقد اللآلئ في القراءات السبع العوالي منظومة كالمشاطبية في الوزن والقافية لابي حيان محمد بن يوسف الاندلسي المتوفى سنة ٧٤٥ ١٠٠٠ ريات مثليا بمرز وزاد فيها على التيسير كثيراً ١٠٠٣ عقد المؤمن فيمن يسمى بعبد المؤمن للقاضي شرف الدين عبد المؤمن بن محمد المتوفى سنة ١٠٠٤ عقد المذخَّب في طبقات جملة المذخَّب للشيخ الامام ابي حفص عمر بن علي بن الملحق الشافعي 10 المتوفى سنة ١٠٠٤ وعدة الاسماء فيها الف وسبعمئة أخذ من طبقات الاسنوي وابن كثير والسهكي

sermonis gemmas comprehendit ita, ut filum subtile sit et ordo pulcher, et opus in viginti quinque libros divisi, qui singuli in duas partes dispositi sunt, unde quinquaginta partes efficiuntur. Singuli libri nomen prae se ferunt peculiare a gemma monilis assumptum, ita ut primus liber inscriptus sit: Liber margaritae de sultano etc. — Epitomen ejus ediderunt *Abu Is'hac Ibráhim Ben Abd-el-rahman Wadiyúshi Caisi*, anno 570 (inc. 2. Aug. 1174) mortuus, et *Jemál-ed-dín Abu'lfadhl Mohammed Ben Mokarrem Ansári Khazreji*, auctor libri *Lisán El-Arab* anno 711 (inc. 20. Mai. 5 1311) mortuus. — 8201. Icd el-leáli, monile margaritarum de articulis juris Hanefitici secundariis. — 8202. Icd el-leáli, monile margaritarum de septem Corani recensionibus traditione alta propagatis. Carmen *Shátibiyae* simile de mensura et homoeoteleutis, auctore *Abu Hayyán Mohammed Ben Yusuf Andalusí*, anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuo. Nullum simile scriptum tam multos locos aenigmaticos habet quam hoc, et auctor multa additamenta ibi ad *El-Teisir* attulit. — 8203. El-Icd El-Mothammen, monile pretiosum de iis qui *Abd-el-mumin* dicuntur, auctore *Cádhi Sheref-ed-dín Abd-el-mumin Ben Mohammed*, anno ... mortuo. — 8204. El-Icd El-Modzehheb, monile inauratum de classibus totius sectae Shafiticae, auctore Sheikh et Imám *Abu Hafs Omar Ben Ali Ben-elmolacck'n Shafiita*, anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuo. Nomina ibi recensentur mille 10 septingenta, et auctor Classibus *Esnewi*, *Ibn Kethiri* et *Subkii* ita usus est, ut

فلخص وزاد وحرر فصارت احسن منيهم لكنّها عسرة الترتيب اوله الحمد لله وسلام على عباده  
الذين اصطفى الخ [ورتب على ثلث طبقات الاولى] في احصاء الوجوه على اربع وثلثين طبقة وكذا  
الثانية دونهم على ست وثلثين طبقة والثالثة [معاصرية] على حروف المعجم ٤٠٥ عقد المسلوك  
فيما يلزم جليس الملوك لحمد بن منكى المصرى توفي سنة ٤٠١ عقد المنصد في شروط عمل  
المطلق على المقيد للشيخ برهان الدين ابراهيم بن محمد القباقي الحلبي ثم القدسي 5  
المتوفى في حدود سنة ٤٠٥ ثم شرحه ٤٠٧ عقد المنظوم في الخصوص والعموم في الاصول  
للقرافي مصرى المولد والمنشأ ذكر انه ولد بمصر سنة ٦١٦ مجلّد اوله الحمد لله الذى اسبغ  
نعمه على الخلاق الخ قال لم اجد في كتب الاصول وغيرها من صيغ العموم الا نحو عشرين  
صيغة ومقتضى ذلك ان يكون اكثر ووجدت مسمى العموم في اللغة خفياً جداً ووجدتهم  
يعدّون المختصات اربعة ووجدتيا نحو العشرة ووجدتهم يسوون عمل المطلق على المقيد 10

potiora eligeret, nova adderet et corrigeret. Inde liber prodiit illis melior, attamen  
dispositione difficilis, qui ita incipit: Laus Deo et salus super cultores, quos elegit etc.  
Dispositus est in tres classes, quarum prima de viris omnium spectatissimis agit et  
triginta quatuor classes complectitur, secunda de iis, qui illis inferiores esse ducuntur,  
in triginta sex classibus et tertia de viris aequalibus ad ordinem alphabeticum. —  
8205. El-Icd El-Meslúk, monile filo insertum de iis, quae sodali regum neces-  
saria sunt, auctore *Mohammed Ben Mengüli Misri*, anno ... mortuo. — 8206. El-  
Icd El-Monadhhdhad, monile bona serie compositum de conditionibus, quibus  
5 absolutum ad restrictum refertur, auctore *Sheikh Borhán-ed-din Ibráhim Ben  
Mohammed Cabáckibi*, primum *Halebi* tum Hierosolymae inquilino, circa annum 850  
(inc. 29. Mart. 1446) mortuo. — Serius commentarium composuit. — 8207. El-Icd  
El-Mantzúm, monile ordine compositum de singulari et communi in principiis,  
auctore *Caráfi* Cahirae nato et educato, ut quidem ipse anno 626 (inc. 30. Nov.  
1258) Cahirae se natum esse narrat. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo, qui in  
creatas res beneficia largissime contulit etc. Non inveni, inquit, in scriptis de  
principiis aliisque formas commune exhibentes nisi circiter viginti; at necessario  
postulatur, ut plures sint, et quod lexicologicè commune dicitur, id valde arcanum  
10 esse inveni. Ita etiam specialia quatuor recensere homines comperi, ego vero decem  
circiter esse inveni. Praeterea eos usum absoluti cum restricto commutare vidi, et



وغير ذلك فاجمعته وبيئته فيه ما هو الحَقِّ ورُتبت على خمسة وعشرين باباً ٨٢٨ عقد المنظوم في ذكر افاضل الروم وهو من انبئال الشقائق مرّ في الشين ٨٢٩ عقد المنظوم والسرّ المختوم للشيخ محيي الدين محمد بن علي ابن عربي ٨٣٠ عقد المنظوم والدرّ المكتوم والنقد المختوم في علم الحروف للشيخ عبد الرحمن بن محمد البسطامي الحنفي المتوفى سنة 5 ٨٣١ عقد النصيد في شرح عقيدة ابن دقيق العيد ٨٣٢ عقد النصيد في شرح القصيد من شروح الشاطبية [مرّ] ٨٣٣ عقد النفيس لما يحتاج اليه للفتوى والتدريس وهو فتاوى امين الدين محمد بن عبد العال الحنفي اوله الحمد لله رب العالمين الخ ٨٣٤ عقلة المختار في الحقيقة والمجاز لنجم الدين سليمان بن عبد القوي الحنبلي الطوفي المتوفى سنة ١٠٠٦ ٨٣٥ عقلة المستوفى رسالة للشيخ محيي الدين محمد بن علي المعروف بابن عربي الطائفي المتوفى سنة ٦٣٨ اوله الحمد لله العرش الخ ذكر فيه الانكلا

quae sunt alia. Hanc ob caussam librum collegi, ibi quod justum rectumque est exposui, et in viginti quinque capita disposui. — 8208. El-Icd El-Mantzúm, monile bene dispositum de historia virorum inter Rumaeos bene meritorum. Appendix est ad opus *Shecúic*, de quo supra in litera *Shin* dictum est. — 8209. El-Icd El-Mantzúm we El-Sirr El-Makhtúm, monile bene compositum et arcanum obsignatum, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Mõhammed Ben Ali Ibn Arabi*. — 8210. El-Icd El-Mantzúm we El-Dorr El-Maktúm we El-Naed El-Makhtúm, monile bene compositum, margarita abscondita et pecunia obsignata de usu literarum talismanico, auctore Sheikh *Abd-el-rahman Ben Mohammed Bistúmi Hanefita*, anno ... mortuo. — 8211. El-Icd El-Nadhíd, monile bene ordinatum. 5 Commentarius in opus *Akidet* ab *Ibn Dackic El-Abd* compositum. — 8212. El-Icd El-Nadhíd, monile bene ordinatum. Commentarius in *Casídam Shatibiya* dictam, [de qua in litera *Há* videndum est]. — 8213. El-Icd El-Nefís, monile pretiosum pro iis, quibus ad responsa juridica reddenda et lectiones habendas opus est. Sunt responsa juridica *Emin-ed-dini Mohammed Ben Abd-el-ál Hanefitae*, quae ita incipiunt: Laus Deo, mundorum domino etc. — 8214. Oclet el-mokhtár, vinculum selecti de sermone metaphoris destituto et ornato, auctore *Nejm-ed-din Soleimán Ben Abd-el-cawi Taufi Hanbalita*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. — 8215. El-Oclet El-Mostaufiret, praestigiae integrae, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Ali Tayita*, vulgo *Ibn Arabi* dicto et anno 638 (inc. 23. Ju<sup>l</sup>. 1240) mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo largitori etc. Commemorantur

والبسائط والمرآت والبركات ٨٢٦ عقل سرخ رسالة فارسية منسوبة الى الشيخ شيبان الدين يحيى  
ابن حبش الحكيم السيروردي مشتملة على حكاية من لسان الطيور

٨٢٧ علم عقود الابنية

٨٢٨ عقود الابكار من بنات الافكار للقاضي برهان الدين [ابراهيم] بن احمد الباعوني  
المتوفى سنة [٨٧٠] وهو ديوان اشعاره ٨٢٩ عقود الجمان في تجريد القرآن نونية في ٥  
بيتا للشيخ برهان الدين ابراهيم بن عمر الجعبري المتوفى سنة ٧٣٣ اوليا  
الله احمد منزل القرآن

٨٣٠ عقود الجمان في نيل وثيات ابن خلكان يأتى في الواو ٨٣١ عقود الجمان في شعراء  
الزمان لاني البركات [مبارك] بن ابي بكر بن شعار الموصلى المتوفى سنة ٦٥٤ وهو مجلدات اوله  
الحمد لله الذى الهج خواطر الشعراء الخ ذكر فيه انه لما آلف تحفة الوزراء المذيل على 10

ibi sphaerae, elementa simplicia et composita. — 8216. A el Surkh, pannus ruber. Tractatus persicus historiam quam aves narrant continens, cujus auctor Sheikh *Sheháb-ed-din Yahya Ben Habash Soharawerdi* Philosophus esse dicitur.

8217. *Ilm ocúd el-abniyet. Ars architecturae.*

8218. *Ocúd el-abkár, monilia virginum e filiabus cogitationum, auctore Cádhi Borhán-ed-din [Ibráhím] Ben Ahmed Báúni, anno [870 (inc. 24. Aug. 1465)] mortuo. — Diwanus ejus carminum. — 8219. Ocúd el-jomán fi tejwíd El-Coran, monilia margaritarum de Corano recte legendo, auctore Sheikh Borhán-ed-din Ibráhím Ben Omar Ja'beri, anno 732 (inc. 4. Oct. 1331) mortuo. Casida in Nán desinens et octingentis viginti duobus versibus composita, quae ita incipit:*

*Deum laudo Coranum revelantem.*

8220. *Ocúd el-jomán, monilia margaritarum. Appendix ad Wefayát Ibn Khalikáni, de quibus in litera Wáw dicitur. — 8221. Ocúd el-jomán fi shoará el-zemán, monilia margaritarum de poetis temporis, auctore Abu'lberkát [Mobárek] Ben Abi Bekr Ben Shiúr Mausili, anno 654 (inc. 30. Jan. 1256) mortuo. Plura volumina, quae ita incipiunt: Laus Deo, qui mentes poetarum avidas reddit etc. Narrat ibi, cum opus *Tohfet el-wozará* composuisset, quod appendicem ad librum*



مجم الشعرآه للمرزبانى اراد ان يجمع الشعرآه الذين دخلوا فى المأنة السابعة من شعرآه عصره  
 فاثر ذلك كتابآ بسببآ حاويآ لشوارد كلاميم يشتمل على الثمين والغت فبادر وضم اليه ما  
 يستحسن من نوادرهم واخبارهم فساق على حروف المعجم مرتبآ قال وقد سمت هذا الكتاب  
 بقلآند الجمان فى فرآند شعرآه هذا الزمان اعنى بذلك زمانى ومن ادركه من الشعرآه عياني  
 5 ٨٢٢ عقود الجمان فى عقود الرعن والتمان للشيوخ نقى الدين على بن عبد الكافى السبكي  
 المتوفى سنة ٧٥٢ ٨٢٣ عقود الجمان فى المعانى والبيان لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى  
 بكر السيوطى المتوفى سنة ٩١١ نظم فيه تلخيص المفتاح ثم شرحه وسمآه حقل عقود الجمان  
 قال فيه هذه الارجوزة حاوية لما فى تلخيص المفتاح فى العبارة وترك كثير من الامثلة معوضآ  
 عنها زيادات حسنة بعضيا اعتراض عليه وبعضيا ليس بذلك وربما قدمت واخرت للمناسبة  
 10 ثم من الزيادات ما هو مميز بقلت وهو فى الف بيت قال وآما بلغت ذلك لما فيها من الزيادات

*Moazzem el-shoarā a Merzobāni* editum contineret, poetas se colligere voluisse, qui  
 ex suae aetatis poetis saeculum septimum tetigissent. Hanc ob causam librum  
 singularem confecit satis amplum, qui versus eorum per terras divulgatos asservaret  
 et pretiosa et exilia complecteretur. Itaque festinavit, et quae dicta rara et historias  
 eorum vitae duxit esse probata, addidit, et progressus est ita, ut ordinem literarum  
 alphabeticum sequeretur. Hunc librum, inquit, titulo insignivi *Culāid el-jomān* de  
 pretiosis poetarum hujus temporis i. e. aetatis qua vivo carminibus, eorumque  
 poetarum, quos ipse coram vidi. — 8222. *Ocūd el-jomān fi ocūd el-rahn we 5*  
*el-dhamān*, monilia margaritarum de pactis pignoris et sponsionis, auctore Sheikh  
*Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-kāfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. —  
 8223. *Ocūd el-jomān fi el-meāni we el-beyān*, monilia margaritarum de  
 doctrina sententiarum et expositionis, auctore *Jelāl-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi*  
*Bekr Soyūti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Metrica compositio est operis  
*Telkhīs el-miftāh*, quam serius exposuit, commentariumque *Hall Ocūd el-jomān*  
 inscripsit. Hoc carmen, ait, metro *Rejēz* compositum ea continet, quae in opere  
*Telkhīs el-miftāh* de dictione leguntur. Omissa sunt multa exempla iisque addita-  
 menta pulchra substituta, quorum alia illis opposita sunt, alia non sunt. Saepe  
 etiam mutuae relationis causa, quae serius posita erant prius posui et vice versa.  
 Praeterea partem additamentorum voce „dico“ a ceteris distinxi, id quod in mille 10  
 versibus accidit. Hic enim versuum numerus, inquit, ex additamentis solis repletus

ولو اقتصرنا على ما في التلخيص لم يرد على النصف من ذلك واثمينا في سلج جمادى الثاني سنة ٨٧٢ اوله الحمد لله الممتزة عن المماثلة الخ واول النظم

قال الفقير عابد الرحمن الحمد لله على انبىان

٨٢٢٢ عقود الجمان في مناقب ابى حنيفة النعمان لحمّد بن يوسف [بن على بن يوسف]

اندمشقى الصالحى فزىل الخانقاه البرقوتية اوله الحمد لله الذى جعل العلماء ورتة الانبياء 5 الخ ذكر فيه انه اسمع في حده الايام في اواخر سنة ٩٣٨ كتابا فيه ما هو غير لائق في حق الامام ابى حنيفة فصنّف ورتبه على مقدّمة رست فصول وخاتمة وخرغ من تاليف سنة ٩٣٩

٨٢٢٥ عقود الجمان في وصف نبذة من العلمان لابي العباس احمد بن محمد الخلى الحنكيفى

وكان حيا في سنة ٨٩٤ ٨٢٢١ عقود الجواهر في سيرة المالكه الطاهر بيبرس التركى لابن ابى طى

٨٢٢٧ عقود الجواهر في علم التصريف للشيوخ الامام احمد 10

est; si enim in iis, quae in *Telkhis* leguntur, acquievissemus, ne dimidiam quidem voluminis partem assecuti essemus. Absolvit ad finem mensis Jomádi II. anni 872 (inc. 2. Aug. 1467). — Commentarius ita incipit: Laus Deo a quavis similitudine exemto etc., et metrica compositio ita:

Dicit servus pauper Dei misericordis:

Laus Deo pro sermone.

8224. Ocúd el-jomán fi menáckib Abi Hanífa El-Nomán, monilia margaritarum de virtutibus *Abu Hanifae Nomán* singularibus, auctore *Mohammed Ben Yusuf [Ben Ali Ben Yusuf]* *Dimeshcki Sálíhi* coenobii *Bercuckiye* inquilino. Orsus est ita: Laus Deo, qui viros doctos prophetarum haeredes esse voluit etc., et narrat ibi, se his diebus ad finem anni 938 (inc. 15. Aug. 1531) librum copiosum perfecisse, qui pro meritis Imami *Abu Hanífa* minime conveniens fuisset. Scripsit igitur, et librum novum in praefationem, sex sectiones et conclusionem disposuit, et compositionem anno 939 (inc. 3. Aug. 1532) absolvit. — 8225. Ocúd el-jomán, monilia margaritarum de descriptione nonnullorum ex servis, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Halebi Hisukeifi*, qui anno 864 (inc. 28. Oct. 1459) vixit. — 8226. Ocúd el-jewáhir, monilia gemmarum. Biographia *Málíki Tzáhir Bibars* Turcae, auctore 10 *Ibn Abi Tayy Yahya Ben Homeida Halebi*, anno 630 (inc. 18. Oct. 1232) mortuo. — 8227. Ocúd el-jewáhir fi ilm el-tesrif, monilia gemmarum de doctrina flexionis formarum grammaticalis, auctore Sheikh et Imám *Ahmed Ben Mahmúd*



- ابن محمود الجندى المتوفى سنة اوله حمدا لله تعالى على تواتر آلائه الخ انشأ فيها قصائد كل منها ذيلا على فوائد وجعلنا على خمسة عشر بابا ثم اردت النظم نثرا تسجيلا للطالبين ٨٢٦٨ عقود الجواهر في اللغة ٨٢٦٩ عقود الجواهر فيمن وثى بمصر لشمس الدين ابى عبد الله محمد بن دانيال الخزازى المتوفى سنة ٧١٠. ٨٢٦٩ عقود الجواهر في اللغة منظومة 5 مشتملة على احدى وخمسين قطعة في ستمائة وخمسين بيتا اصلح اوله الحمد لله مبدع البدائع الخ ومؤلفه احمد مختصرا موسوما بحمد وثناء منسوبا الى الرشيد الوطواط بنظم سليس وضبط جيد واعداه للسلطان مراد بن محمد خان في اثناء تعلمه ٨٢٦٩ عقود الجواهر في حل الازهرية يعنى مقدمة الازهرية يأتى في الميم ٨٢٦٩ عقود الدرر في علم البلاغة منظومة للشيخ عبد العزيز بن عبد الواحد المالكي المدني المتوفى سنة ٨٢٦٩ عقود الدين ٨٢٦٩ عقود 10 الزبرجد على مسند الامام احمد للشيخ جلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى

*Jondi*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laudem Deo excelso pro continua beneficiorum ejus serie etc. Inseruit libro *Casidas* ita, ut omnes appendicis loco essent ad adnotationes utiles, easque in quindecim capita divisit. Tum poetice dicta prosa oratione reddidit, ut legentium studium juvaret. — 8228. *Ocúd el-jewáhir*, monilia gemmarum. Opus lexicologicum. — 8229. *Ocúd el-jewáhir*, monilia gemmarum de iis, qui Aegypto praefecti erant, auctore *Shems-ed-dín Abu Abdallah Mohámmed Ben Dániyál Khozái*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. — 8230. *Ocúd el-jewáhir fi el-loghat*, monilia gemmarum. Opus lexicologicum metrico compositum, quod in strophis quinquaginta una sexcentos quinquaginta versus 5 explet correctissimos, et ita incipit: Laus Deo, rerum novarum et rararum conditori etc. Auctor versibus mollius euntibus et egregio sermonis tenore compendium magnopere praedicat laude summa et approbatione insignitum et *Reshid-ed-dino Wetwát* tributum, et Sultano *Murad Ben Mohammed Khán* in medio discendi studio obtulit. — 8231. *El-Ocúd El-Jauheríyet*, monilia gemmarum de expositione isagogae *El-Azheriya* dictae, de qua in litera *Mim* dicitur. — 8232. *Ocúd el-dorer*, monilia margaritarum de doctrina eloquentiae. Carmen, auctore Sheikh *Abd-el-azíz Ben Abd-el-wáhid Medeni* Malikita, anno ... mortuo. — 8233. *Ocúd-ed-dín*, monilia fidei. — 8234. *Ocúd el-zeberjed*, gemmae smaragdinae ad 10 Corpus traditionum Imámi *Ahmed Mosnad* dictum, auctore Sheikh *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo.

- سنة ٩١١ اوله الحمد لله انذى خص هذه الامّة الخ ذكر فيه ان الامام ابو البقاء العكبرى لما  
 ألف اعراب القرآن اردنه بتأليف لطيف في اعراب الحديث ارد فيه احاديث كثيرة من مسند  
 احمد الا انه مختصر يسير والامام جمال الدين بن مالك ألف تأليفا خاصا لصحيح البخارى  
 ويسمى التوضيح لمشكلات الجامع الصحيح فنصف السيوطى مستوعبا مرتبا على حروف المعجم  
 في مسانيد الصحابة ٨٣٥ عقود السنية في شرح مقدمة الجزية يأتي في الميم ٨٣٦ عقود 5  
 العقائد للامام سديد الدين محمد بن ابى بكر المعروف بامام زاده البخارى صاحب شريعة  
 الاسلام اتمه سنة ٥١٠ [شرحه الحافظ البخارى في جلد كبير قال المولى ولى الدين جار الله]  
 ٨٣٧ عقود في تاريخ العبود للشيخ تقى الدين احمد بن على المقرئى المورخ المتوفى  
 سنة ٨٤٥ ٨٣٨ عقود في المقصور والمدون لابي محمد سعيد بن مبارك المعروف بابن الدخان  
 النحوى المتوفى سنة ٥١٩ ٨٣٩ عقود الكلام في متعلقات للامام جزء لطيف مشتمل على جمل 10

Incipit ita: Laus Deo, qui hunc populum prae ceteris distinxit etc. Narrat, Imamum  
*Abu'lbecá Okberi*, cum librum *Iráb El-Coran* composuisset, ei libellum elegantem  
 subjecisse de analysi traditionum grammaticali, ubi traditiones multas e *Mosnad*  
*Ahmedis* protulisset. Attamen compendium exiguum erat, et praeterea Imám *Jemúl-*  
*ed-din Ben Málík* librum peculiarem ad *Sahih Bokhári* composuit et *El-Taudhíh*  
*li mushkilát El-Jámi' El-Sahih* inscripsit. Itaque *Soyúti* librum copiosum omnia  
 5 continentem ad ordinem alphabeticum de sociis in *Mesáuid* memoratis confecit. —  
 8235. *El-Ocúd El-Seniyet*, monilia exquisita. Commentarius in *El-Mocaddemet*  
*El-Jezeriyet*, de qua in litera *Mím* dicitur. — 8236. *Ocúd el-acáid*, monilia  
 articulorum fidei. Scripsit Imám *Sedid-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Bokhári*,  
 libri *Shir'at el-islam* auctor, et absolvit anno 560 (inc. 18. Nov. 1164). [Teste  
 Molla *Weli-ed-din Járallah Háfitz Bokhári* commentarium in hoc scriptum magno  
 volumine edidit]. — 8237. *El-Ocúd fi tarikh el-ohúd*, monilia de historia  
 temporum, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ahmed Ben Ali Macrízi* Historiographo,  
 anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuo. — 8238. *El-Ocúd fi el-macsúr we*  
*el-memód*, monilia de vocibus super *Elif Medda* destitutis et instructis, auctore  
 10 *Abu Mohammed Saíd Ben Mobárek* Grammatico, vulgo *Ibn-eldehhán* dicto et anno  
 569 (inc. 12. Aug. 1173) mortuo. — 8239. *Ocúd el-kelám*, monilia sermonis de  
 iis, quae balneum spectant. Fasciculus elegans, qui magnam adnotationum utilium



- من الفوائد للسراج عمر بن علي الملحق الشافعي مات سنة ٨٠٤ هـ. عقود الآتي في الامالي  
 ليوسف بن محمد العقيلي الكنبلي المتوفى سنة ٧٧٩ هـ عقود المرجان في مناقب ابي  
 حنيفة النعمان ٨٢٢ هـ [عقود انظام فيمن روى مصر من الحكام للاديب محمد بن دانيال  
 الموصلي المتوفى سنة ٧١٠ هـ وهي أرجوزة ٨٢٣ هـ العقود والسعود في اوصاف العود [لابن يونس]  
 5 ٨٢٤ هـ عقيدة ابن الحاجب اوله الحمد لله مبدع الاكوان الانائية الخ ومن شروحها تحرير  
 المطالب لما تضمنه عقيدة ابن الحاجب للشيخ الفقيه ابي عبد الله محمد بن ابي الاصل  
 قاسم الكوفي اوله الحمد لله مبدع الاكوان الخ وبغية الطالب في شرح عقيدة ابن الحاجب  
 لابي العباس احمد بن محمد بن زكرياء التلمساني اوله الحمد لله الذي ابدع العالم من  
 غير مثال الخ ٨٢٥ هـ عقيدة ابن دقيق للشيوخ تقي الدين محمد بن علي المعروف بابن  
 10 دقيق [العبد المتوفى سنة ٧٠٢ هـ] اولها الحمد لله العالم الخ وشرحها العلامة برهان الدين

copiam complectitur, auctore *Sirāj-ed-dīn Omar Ben Ali El-Molacchin* Shafīta, anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuo. — 8240. *Ocūd el-le'ali*, monilia margaritarum de dictatis, auctore *Yusuf Ben Mohammed Ocaili* Hanbalita, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 8241. *Ocūd el-merjān*, monilia parvarum margaritarum de virtutibus *Abu Hanīfae No'mān* singularibus. — 8242. [*Ocūd el-nitzām*, funiculi trajectis margaritis pleni de iis praefectis, qui Aegyptum administrarunt. Carmen metro *Rejex* compositum, auctore philologo *Mohammed Ben Dāniyāl Mausili*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. — 8243. *El-Ocūd we El-So'ūd*, monilia et felicitas de laudibus chelydis, [auctore *Ibn Yunus*]. — 8244. *Ackidet Ibn-elhājib*, confessio fidei *Ibn el-hājibi*, quae ita incipit: Laus 5 Deo, qui res in hac terra existentes creavit etc. In eam inter alios Sheikh Jurisconsultus *Abu Abdallah Mohammed Ben Abīlafdhāl Casim Kūfi* commentarium *Tahrir el-metūlib limā tedhammanaho Ackidet Ibn-elhājib* inscriptum composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui res existentes primus creavit etc., et *Abu'labbās Ahmed Ben Mohammed Ben Zakariya Tilimsāni*, ejus commentarius *Bughyet el-tūlib fi shark Ackidet Ibn-elhājib* inscriptus ita incipit: Laus Deo, qui mundum sine ullo exemplo primus creavit etc. — 8245. *Ackidet Ibn Dackīc*, confessio fidei Sheikh *Tacki-ed-dīn Mohammed Ben Ali*, vulgo *Ibn Dackīc* [*el-abd*] dicti [et 10 anno 702 (inc. 26. Aug. 1302) mortui], quae ita incipit: Laus Deo scienti etc. Vir

- أبراهيم بن أبي شريف المقدسي [المتوفى سنة 923] وسمّاه العقد النصيد أوله الحمد لله المتعالى  
 في جلال قدسه الخ 8246 عقيدة ابي منصور الماتريدى شرحها تاج الدين السبكي وسمّاه  
 السيف المشهور في شرح عقيدة ابي منصور كذا في بديع المعاني 8247 عقيدة ارباب التقى  
 للشيخ شيبان الدين عمر بن [محمد] السبزووردى المتوفى سنة 933 8248 عقيدة الاستان  
 ابي اسحق ابراهيم بن محمد الاسفرائنى [المتوفى سنة 418] 8249 عقيدة الاصفهانية شرحه 5  
 الشيخ تقى الدين ابن تيمية 8250 عقيدة الامام ابي القاسم اسحق الحكيم السمرقندى  
 صاحب ابي منصور الماتريدى مات سنة 342 فارسى أوله الحمد لله الكبير المتعال الخ  
 8251 عقيدة اهل التوحيد المخرج من ظلمات الجهل وريقة التقليد المرغمة انف كل مبتدع  
 عنيد للامام محمد بن يوسف السنوسى الحسينى المتوفى سنة [895] ثم شرحه وسمّاه  
 عمدة اهل التوفيق والتسديد في شرح عقيدة اهل التوحيد ثم اختصر هذا الشرح وثرغ 10

- doctissimus *Borhán-ed-din Ibráhim Ben Abi Sherif Mocaddesi*, [anno 923 (inc. 24. Jan. 1517) mortuus], commentarium *El-Icd El-Nahid* inscriptum in eam edidit, qui ita incipit: Laus Deo sanctitatis suae majestate unico etc. — 8246. Ackidet Abi Mansúr, confessio fidei *Abu Mansúri Mátaridi*, in quam *Táj-ed-din Sobki* commentarium edidit *El-Seif El-Meshkúr fi sharh Ackidet Abi Mansúr* inscriptum, ut in *Bedi' el-meáni* legitur. — 8247. Ackidet arbáb el-tocá, confessio fidei hominum devotorum, auctore Sheikh *Sheháb-ed-din Omar Ben [Mohammed] Soharawerdi*, anno 632 (inc. 26. Sept. 1234) mortuo. — 8248. Ackidet el-ostád, 5 confessio fidei magistri, auctore *Abu Ishac Ibráhim Ben Mohammed Isferáini*, [anno 418 (inc. 11. Febr. 1027) mortuo]. — 8249. El-Ackidet El-Isfahániyet, confessio fidei Isfahanensis, in quam Sheikh *Tacki-ed-din Ibn Teimiya* commentarium edidit. — 8250. Ackidet El-Imám Abi Cásim, confessio fidei Imámi *Abu'l-cásim Is'hac Samarcandi* philosophi, *Abu Mansúri Mátaridi* discipuli anno 342 (inc. 18. Mai. 953) mortui, persice scripta, quae ita incipit: Laus Deo magno, excelso etc. — 8251. Ackidet ahl el-tauhíd, confessio fidei eorum, qui in unum Deum credunt et ex ignorantiae tenebris et imitationis laqueis exeunt, ita ut omnem novarum rerum studiosum repugnantem ira incendant, auctore Imám *Mohammed Ben Yusuf Sinúsi Hoseini*, anno [895 (inc. 25. Nov. 1489)] mortuo.  
 10 Hic postea commentarium *Omdet ahl el-taufic we el-tesdid fi sharh Ackidet ahl el-tauhíd* inscriptum edidit, quem serius in brevius contraxit, et hanc epitomen die



- عنه يوم عرفة سنة ٨٧٥ هـ عقيدة البرهانية للشيخ الامام الفقيه ابى عمرو عثمان بن عبد  
الله السلالجي المتوفى سنة اولينا الحمد لله رب العالمين الخ شرحها الشيخ الامام ابو عبد  
الله محمد بن احمد بن عبد الله الانصارى الاشيبلى المعروف بالحفاف المتوفى سنة اوله الحمد  
لله الذى اخترع الحداثات بقدرته الخ ٨٥٣ هـ عقيدة خلف بن عبد الله بن خلف النحوى  
5 الشيبير بابن المطرز اوله الحمد لله خالف الخلف ومنشئه الخ ٨٥٢ هـ عقيدة السيباني شرحه  
الشيخ الامام نجم الدين ابو عبد الله محمد بن ولى الدين العجلوني الشافعي رسماه بديع  
المعاني فرغ من تأليفه في ١١ رجب سنة ٨٥٥ [وعذا الذى مر في العقائد] ٨٥٤ هـ عقيدة الشيخ  
ابى اسحاق ابراهيم بن احمد الشيرازى ٨٥١ هـ عقيدة الشيخ عدى بن مسافر الشامى اوله  
الحمد لله الواحد الاحد الخ ٨٥٧ هـ عقيدة الشيخ عز الدين عبد العزيز بن عبد السلام  
10 الشافعي [المتوفى سنة ٦١٠] اوله الحمد لله ذى العزة والجلال الخ ٨٥٧ هـ عقيدة الصحاح في الموضوعات

*Arafat* anni 875 (inc. 30. Jun. 1470) absolvit. — 8252. *El-Ackidet El-Bor-háníyet*, confessio fidei argumentis stabilita, auctore Sheikh et Imám Jurisconsulto *Abu Amru Othmán Ben Abdallah Siláleji*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laus Deo, mundorum domino etc., et Sheikh et Imám *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Abdallah Ansári Ishbili*, vulgo *Khaffáf* dictus et anno ... mortuus, commentarium in eam composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui potentia sua res creatas primus invenit et produxit etc. — 8253. *Ackidet Khalaf*, confessio *Khalafi Ben Abdallah Ben Khalaf* Grammatici, vulgo *Ibn-elmotarriz* dicti, quae ita incipit: 5 Laus Deo, rerum creatarum auctori et opifici etc. — 8254. *Ackidet El-Sheibáni*, confessio fidei *Sheibáni*, in quam Sheikh et Imám *Nejm-ed-dín Abu Abdallah Mohammed Ben Wel-ed-dín Ajlúni* Shafíta commentarium edidit *Bedi' el-meáni* inscriptum. Absolvit ejus compositionem die mensis Rejeb undecimo anni 855 (inc. 3. Febr. 1451), [et hic idem *Sheibáni* est, qui supra in *El-Acúid* laudabatur]. — 8255. *Ackidet El-Sheikh Abi Is'hac*, confessio fidei Sheikh *Abu Is'hac Ibráhim Ben Ahmed Shirázi*. — 8256. *Ackidet El-Sheikh Adi*, confessio fidei Sheikh *Adi Ben Mosáfir Shámi*, quae ita incipit: Laus Deo uni, incomparabili etc. — 8257. *Ackidet El-Sheikh Izz-ed-dín*, confessio fidei Sheikh *Izz-ed-dín Abd-el-aziz Ben Abd-el-selám* Shafítiae, anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortui, quae ita incipit: Laus Deo potentia et majestate unico etc. — 8258. *El-Ackidet El-Sahíhat*, confessio fidei vera de objectis doctrinarum clare

- الصدريحة لصبياء الدين عمر بن ابي بكر الموصلي المتوفى سنة ٦٦٣ ٤٥٩ عقيدة النطوسي للشيخ  
 اكمل الدين محمد بن محمود الكنفى المتوفى سنة ٧٨١ وهو شرحه للتاجريد ٤٦٠ عقيدة  
 المارديني اسمه الدرّة السنيّة في العقيدة السنيّة مرّ ٤٦١ عقيدة المرشدة ٤٦٢ عقيدة المؤمن  
 ٤٦٣ عقيدة الناجح ٤٦٤ عقيدة النظاميّة لابي المعالي امام الحرمين عبد الملك بن عبد  
 الله الجويني المتوفى سنة ٤٧٨ ٤٦٥ عقيدة في تاريخ الصعيد [للخائظ السارح ابي سعيد 5  
 عبد الرحمن بن احمد بن يونس الصديقي المصري المتوفى سنة ٣٤٤] ٤٦٦ عقيدة اتراب  
 القضاة في اسنى المقاصد وهي نظم المقنع للداني منظومة رأيت في رسم المصحف للشيخ ابي  
 محمد قاسم بن فيره الشاطبي المتوفى سنة ٥٩٠ وشرحه برحان الدين ابراهيم بن عمر  
 الجعبري المتوفى سنة ٧٣٣ وسماه جميلة ارباب المرصد وعلم الدين علي بن [محمد  
 بن] عبد الصمد السخاوي المتوفى سنة ٦٦٣ وسماه الوسيلة الى كشف العقيلة اربابا الحمد 10

- et diserte enunciatis, auctore *Dhiyá-ed-din Omar Ben Abi Bekr Mausili*, anno 623  
 (inc. 2. Jan. 1226) mortuo. — 8259. *Ackidet El-Tusi*, confessio fidei *Tusii*,  
 auctore Sheikh *Akmal-ed-din Mohammed Ben Mahmud Hanefita*, anno 786 (inc.  
 24. Febr. 1384) mortuo. Commentarius ejus est in librum *Tejrid*. — 8260. *Ackidet*  
*El-Máridini*, confessio fidei *Máridinü*, quae titulo *El-Dorret El-Seniyet fi*  
*El-Ackidet El-Sonniyet* innotuit et supra memorata est. — 8261. *El-Ackidet*  
*El-Murshidet*, confessio fidei recta via ducens. — 8262. *Ackidet el-mumin*,  
 confessio fidei in Deum credentis. — 8263. *Ackidet El-Nejáh*, confessio fidei  
*Nejáhi*. — 8264. *El-Ackidet El-Nitzámíyet*, confessio fidei *Nitzám-ed-dini*,  
 5 auctore *Abu'lmeáli Imám-elharamain Abd-el-melik Ben Abdallah Joiceini*, anno 478  
 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. — 8265. *Ackidet fi tarikh El-Said*, confessio  
 de historia Aegypti superioris, [auctore *El-Háfiz El-Sáru' Abu Saíd Abd-el-rahman*  
*Ben Ahmed Ben Yunos Sadeft Misri*, anno 344 (inc. 27. Apr. 955) mortuo]. —  
 8266. *Ackilet atráb el-casáid*, margarita pretiosa Casidarum de summo argu-  
 mentorum. Compositio metrica operis *Mocni' a Dáni* editi. Carmen est in literam  
*Rá* desinens de ratione Coranum scribendi, auctore Sheikh *Abu Mohammed Cásim*  
*Ben Firroh Shátibi*, anno 590 (inc. 27. Dec. 1193) mortuo. Commentarios in hoc  
 ediderunt *Borkán-ed-din Ibráhim Ben Omur Ja'beri*, anno 732 (inc. 4. Oct. 1331)  
 mortuus, cujus commentarius *Jemilet arbáb el-merásid* inscriptus est — *Ilm-ed-din*  
 10 *Ali Ben [Mohammed Ben] Abd-el-samed Sekháci*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245)  
 mortuus, cujus commentarius titulo *El-Wesilet ilu kashf El-Ackilet* inclaruit, et



له الذى بدأ المنى الخ وشباب الدين احمد بن محمد [بن جبارة المرداوى] المقدسى  
الحنبلى المتوفى سنة ٧٨ و ابو عبد الله محمد بن انفعال الشاطبى تلميذ السخاوى واحمد  
ابن محمد بن ابي بكر محمد الشيرازى الكازرونى شرح شرحاً مختصراً بين فيه الاعراب  
واللغات اخذه من شرح السخاوى وغيره اوله الحمد لله الذى خلق الانسان الخ اتفه فى  
5 الخميس الثانى عشر فى شهر محرم سنة ٧٨ بشيراز وشرحه نور الدين على بن سلطان محمد  
الهروى القارى [المتوفى سنة 1٠١٤] سماه النبات السنوية العلية على ابيات الشاطبية الرائية فى  
الرسم ومن شروحه الشرح المسمى بالكشف ومن شروح الرائية تلخيص الفوائد للشيوخ نور  
الدين ابي البقاء على بن عثمان بن محمد بن محمد بن انقاص [المقرى المتوفى سنة ٨٠١]  
٨٣٧ علاجات الخبيلى لبعض الينود انقضاء ٨٣٨ علامات القضايا لبقرات وله علامات  
10 البحران ٨٣٩ علام الولايم الموضوع على فوائد الموائد لتجزار كما سياتى ٨٧٠ علل الحديث  
صنف فيه جماعة من الحقاظ والمحدثين منيم الامام مسلم بن الحجاج القشيمرى المتوفى سنة [٨٩]

ita incipit: Laus Deo, qui primus beneficia contulit etc. — *Sheháb-el-din Ahmed Ben Mohammed* [*Ben Jobára Merdáwi*] *Mocaddesi* Hanbalita, anno 728 (inc. 17. Nov. 1327) mortuus — *Abu Abdallah Mohammed Ben-elcaffál Shátibi*, *Sekháuwi* discipulus — *Ahmed Ben Mohammed Ben Abi Bekr Mohammed Shirázi Kazeráni*, qui commentarium admodum brevem scripsit, ubi flexionem formarum grammaticalem et dictiones dialectorum exposuit. Hausit plura e commentario *Sekháuwi* aliisque libris et orsus est ita: Laus Deo, qui hominem creavit etc. Absolvit feria quinta, die duodecimo mensis Moharrem anni 798 (inc. 16. Oct. 1395) in urbe Shiráz — 5 *Núr-ed-din Ali Ben Sultán Mohammed Herevi* Corani Lector, [anno 1014 (inc. 9. Mai. 1605) mortuus], cujus commentarius *El-Hibát El-Seniyet El-Aliyet ala abyát El-Shatibiyet El-Ráiyet fi el-rasm* inscriptus est. — Praeterea innotuerunt commentarii *El-Kashf* et *Telkhis el-fewáid* inscripti, quorum posterior Sheikh *Núr-ed-din Abu'becá Ali Ben Othmán Ben Mohammed Ben Mohammed Ben-elcásih* [Corani Lectorem, anno 801 (inc. 13. Sept. 1398) mortuum], auctorem habet. — 8267. *Háját el-khayáli*, medelae phantastici, auctore quodam Indo vetere. — 8268. *Alámát el-cadháyá*, indicia casuum, auctore Hippocrate. Idem indicia criseos morborum 10 edidit. — 8269. *Aláim el-weláim*, indicia epularum libro *Fewáid el-mecáid* appositarum, auctore *El-Jezzári*. Vide infra. — 8270. *Il-el-hadith*, vitiositates traditionum. Scripserunt de iis multi inter Háfitzos et traditionarios, ut *Imám Moslim Ben-elhajjáj Cosheiri*, anno [261 (inc. 16. Oct. 874)] mortuus — *Imám*

- والامام ابو الحسن علي بن عمر الدارقضى المتوفى سنة [٣٨٥] وابو عبد الله محمد بن عبد الله الحاكم النيسابورى المتوفى سنة [٤٢٥] وابو علي حسن بن محمد الرجاسى المتوفى سنة ٤٧١ علل القرآت كتبوا فيه ايضا منيم ابو عبد الله سلمان بن عبد الله النحوى المتوفى سنة ٤٩٤ وابو العباس احمد بن محمد النحوى المتوفى سنة وابو الحسن علي بن الحسين الباقوتى وكان حياً سنة ٥٣٥ ذكر في الكشف فليقل ٤٧٢ العلل المتناخية في الحديث لابن الجوزى ٤٧٣ علل المعادن لابي موسى جابر بن حيان الصوفى المتوفى سنة اوله التكملة لله الذى خلق الاشياء عن قدره الخ ٤٧٤ علل النحو ألف فيه جماعة من النحاة منيم ابن كيسان محمد بن احمد [البقدامى] النحوى المتوفى سنة ٣٢٠ [وقيل سنة ٤٩٩] وابو علي محمد بن المستنير المعروف بقطرب النحوى المتوفى سنة ٤٠٦ وحماد بن فانك وابو علي حسن بن عبد الله الاصفهاني وابو الحسن محمد بن عبد الله النحوى المعروف 10 بابن الوراق المتوفى سنة ٣٨١ وابو عثمان بكر بن محمد المازنى المتوفى سنة ٤٢٨

- Abu'lhasan Ali Ben Omur Dāracotni*, anno [385 (inc. 5. Febr. 995)] mortuus — *Abu Abdallah Mohammed Ben Abdallah Hākim Nisābūrī*, anno [405 (inc. 2. Jul. 1014)] mortuus — *Abu Ali Hasan Ben Mohammed Zejjūji*, anno ... mortuus. — 8271. *Illel el-ckirāāt*, vitiositates variarum Corani recensionum, de quibus pariter multi scripserunt, ut *Abu Abdallah Selmān Ben Abdallah* Grammaticus, anno 494 (inc. 6. Nov. 1100) mortuus — *Abu'labbās Ahmed Ben Mohammed* Grammaticus, 5 anno ... mortuus — *Abu'lhasan Ali Ben-elhosein Yacūti*, qui anno 535 (inc. 17. Aug. 1140) vixit. Ejus liber in *El-Cashf* laudatur, unde ampliora repetas. — 8272. *El-Illel El-Motenāhiyet*, vitiositates finitae de re traditionaria, auctore *Ibn-eljauzi*. — 8273. *Illel el-meādin*, caussae fodinarum, auctore *Abu Musa Jābir Ben Hayyān Sufi*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laus Deo, qui res potentia sua creavit etc. — 8274. *Illel el-nahw*, vitiositates grammaticae, de quibus multi inter grammaticos scripserunt, ut *Mohammed Ben Ahmed [Beccārīmī]* Grammaticus, vulgo *Ibn Keisān* dictus et anno 320 (inc. 13. Jan. 932) [sive ut alii volunt anno 299 (inc. 29. Aug. 911)] mortuus — *Abu Ali Mohammed Ben-elmostenir* Grammaticus, vulgo *Cotrob* dictus et anno 206 (inc. 6. Jun. 821) mortuus — *Hārūn Ben Fātik* — 10 *Abu Ali Hasan Ben Abdallah Isfahāni* — *Abu'lhasan Mohammed Ben Abdallah* Grammaticus, vulgo *Ibn-elceerrāc* dictus et anno 381 (inc. 20. Mart. 991) mortuus — *Abu Othmān Bekr Ben Mohammed Māzini*, anno 248 (inc. 7. Mart. 862) mortuus. —



- ٨٢٧٥ العلم الاسنى في اسرار اسماء الله الحسنى ٨٢٧٦ العلم الاكبر والسّر الافخر ذكوه البونى  
 ٨٢٧٧ علم الاعتدآء في القراءة للشيخ الامام ابى عبد الله محمد بن محمد بن على عماد  
 المعروف بابن الامام [المتوفى سنة ٧٤٥] وقيل للسخارى ٨٢٧٨ علم العلوم المستنبطة من  
 القرآن ٨٢٧٩ علم الكرام في علم الكلام للشيخ زين الدين سريجا بن محمد الملقب المتوفى  
 5 سنة ٧٨٨ و٨ علم الدليل في علم الخليل ٨٢٨٠ العلم المخزون في الصنعة للشيخ جابر بن  
 حيان ٨٢٨١ العلم المخزون في علم الخواص والكاف وهو مجلد على اجزاء مشتمل على  
 ثلثمائة كتاب ٨٢٨٢ العلم المخزون في الكاف ٨٢٨٣ العلم المشهور في فضائل الايام والشهور  
 لاقى الخطاب عمر بن على ابن دحية الخانظ المتوفى سنة [٩٣٣] ٨٢٨٤ العلم المفرد في فضل  
 الحجر الاسود للشيخ محمد بن علان المكي [المتوفى سنة ١٥٧] ٨٢٨٥ علم الهدى في اصول  
 10 الدين للشيخ الامام سعيد بن موسى الكلبي المتوفى سنة اوله الحمد لله رب العالمين الخ

8275. El-Ilm El-Asná, doctrina exquisitissima de arcanis nominum Dei pulchrorum. — 8276. El-Ilm El-Akbar we El-Sirr El-Afkhar, doctrina maxima et arcanum praestantissimum. Laudatur a *Báni*. — 8277. Ilm el-ihtidá, scientia recti ductus de critica coranica, auctore Sheikh et Imám *Abu Abdallah Mohammed Ben Mohammed Ben Ali Hemmán*, vulgo *Ibn-elimúm* dicto [et anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuo]. Alii *Sekháwi* auctorem esse dicunt. — 8278. Ilm el-olúm, scientia doctrinarum, quae e Corano originem repetunt. — 8279. Ilm el-kirám fi ilm el-kelám, doctrina generosorum de metaphysica, auctore Sheikh *Zein-ed-dín Soreijá Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuo. 5 Idem librum *Ilm el-delil* i. e. Scientia ducis viae de arte metrica edidit. — 8280. El-Ilm El-Makhzún, doctrina bene recondita de alchymia, auctore Sheikh *Jábir Ben Hayyán*. — 8281. El-Ilm El-Makhzún, scientia bene recondita de doctrina virtutum arcanarum et alchymiae. Volumen in fasciculos distributum, quod trecentos libros comprehendit. — 8282. El-Ilm El-Makhzún, scientia bene recondita de alchymia. — 8283. El-Ilm El-Meshhúr, doctrina celeberrima de virtutibus dierum et mensium praestantibus, auctore Háfitz *Abu'lkhattáb Omar Ben Ali Ibn Dihye*, anno [633 (inc. 16. Sept. 1235)] mortuo. — 8284. El-Ilm El-Mofred, doctrina singularis de lapidis nigri praestantia, auctore Sheikh *Mohammed Ben Allán Mekki*, [anno 1057 (inc. 27. Jan. 1647) mortuo]. — 8285. Ilm el-hodá, doctrina rectae viae de principiis religionis, auctore Sheikh et Imám *Sáid Ben Musa* 10 *Halebi*, anno ... mortuo. Liber ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc., et

وحو على ستة فصول الأول في اثبات الوجودانية الثاني في الايمان الثالث ما قيل فيه الرابع  
 ما يتعلّق بمعرّثه الخامس في اثبات الخلافة السادس في مسائل متفرّقة ٨٢٩ علم الهدى  
 وأسرار الاعتداء في فهم معنى سلوك اسماء الله الكسبي للشيخ نقى الدين ابى العباس احمد  
 ابن على القرشي البيهقي المتوفى سنة [٩٣٠ وهو مختصر] ذكر فيه أنّ بعض اصدقائه سئل عن  
 الاسم الاعظم فكتب اوله احمد الله على حسن توفيقه الخ ٨٢٧ علم الهدى وأسرار الاعتداء 5  
 للشيخ شهاب الدين السبزوادي المتوفى سنة ٨٢٨ العلن في انباء ابناء الزمن لابن الحاج  
 محمد بن محمد المتوفى سنة ٧٧٤

٨٢٩ معرفة علوم الحديث

فاول من تصدّى له الحكم ابو عبد الله محمد بن عبد الله الكاظم النيسابوري  
 [المتوفى سنة ٤٠٥] اوله الحمد لله ذى المن والاحسان والقدرة الخ وهو خمسة اجزاء مشتملة 10

in sex sectiones divisus est, quarum prima de unitate Dei stabilienda agit, secunda  
 de fide in Deum, tertia de variis dictis de ea prolatis, quarta de iis, quae ejus  
 cognitionem spectant, quinta de Khalifatu stabiliendo, sexta de quaestionibus  
 diversis. — 8286. Ilm el-hodá we asrár el-ihtidá, doctrina rectae viae et  
 arcana recti ductus de intelligendo sensu usus spiritalis nominum Dei pulchrorum,  
 auctore Sheikh *Tacki-ed-din Abu'tabbás Ahmed Ben Ali Coreshi Buni*, anno [630  
 (inc. 18. Oct. 1232)] mortuo. [Compendium], ubi narrat, se ab amico quodam  
 5 sincero de nomine Dei maximo interrogatum esse, eamque ob causam scripsisse.  
 Orsus est ita: Laudo Deum pro praestantia auxilii etc. — 8287. Ilm el-hodá we  
 Asrár el-ihtidá, doctrina rectae viae et arcana recti ductus, auctore Sheikh  
*Sheháb-ed-din Soharawardi*, anno ... mortuo. — 8288. El-Alen fi anbá ebná  
 el-zemen, pronunciatio de historiis aequalium, auctore *Ibn-elhájj Mohammed Ben  
 Mohammed*, anno 774 (inc. 3. Jul. 1372) mortuo. —

8289. Ma'rifet olúm el-hadíth. Cognitio doctrinarum  
 rei traditionariae.

Primus qui se ad eam scripto tractandam adstrinxit, fuit *El-Hákim Abu Abdallah*  
 10 *Mohammed Ben Abdallah El-Háfiz El-Nisábúri*, [anno 405 (inc. 2. Jul. 1314)  
 mortuus], cujus liber ita incipit: Laus Deo liberali, benefico, potenti etc. Quinque



على خمسين نوعاً تبعه في ذلك ابن الصلاح فذكر من انواع الحديث خمسة وستين نوعاً  
 ١٦. علوم الحديث كتاب لاني عمرو عثمان بن عبد الرحمن المعروف بابن الصلاح  
 الشهرزوري الحافظ الشافعي الدمشقي المتوفى سنة ٦٤٣ قال الشيخ برهان الدين الانباسي في  
 شذا الفيح من علوم ابن الصلاح ان كتابه هذا احسن تصنيف فيه وحصر ذلك في خمسة  
 5 وستين نوعاً وقد اعتنى العلماء في زمانه الى هذا الزمان منم من اختصره ومنم من اعترض  
 عليه فجمع برهان الدين المذكور في كتابه كلام المصنّف بِنَصِّهِ وكلام الحافظ زين الدين  
 العراقي وغيره كما مرّ في الشين وشرح عزّ الدين محمد بن محمد بن احمد ابن جماعة  
 المتوفى سنة ٨٩ واختره الامام ابو زكرياء يحيى بن شرف النووي المتوفى سنة [٦٧٤] وسمّاه  
 بالارشاد ثمّ اختصره وسمّاه بالتقريب واختره ايضا عماد الدين ابو الفدا اسمعيل بن عمر  
 10 انقرشي المعروف بابن كثير المتوفى سنة [٧٧٤] ومختصر ألفه قاضي القضاة بدر الدين  
 ابن جماعة واختره علاء الدين علي بن عثمان المارديني المتوفى سنة ٧٥ ونظمه شهاب

sunt fasciculi, qui quinquaginta genera comprehendunt. Ejus vestigiis *Ibn-elsaláh* institit ita, ut sexaginta quinque doctrinas diversas rei traditionariae recenseret. —

8290. *Olúm el-hadith*, doctrinae rei traditionariae, auctore *Abu Amru Othmán Ben Abd-el-rahman Shahrezúri Shafiita Dimeshcki*, vulgo *Ibn-elsaláh* dicto et anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. *Sheikh Borhán-ed-dín Enbási* in libro *Shedzá el-fayyáh min Olúm Ibn-elsaláh*: Hic liber, inquit, praestantissimus est de hac re, argumentumque totum sexaginta quinque doctrinis comprehendit. Plures viri docti auctoris tempore usque ad hanc aetatem in eo tractando curam posuerunt. Alii eum in epitomen coegerunt, alii impugnarunt. *Borhán-ed-dín* modo laudatus in libro suo quae auctor protulerat ipsis ejus verbis, et quae Háfitz *Zein-ed-din Irácki* aliique statuerant, conjunxit, ut jam supra in litera *Shin* dictum est. *Izz-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ben Ahmed Ibn Jemáa*, anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) mortuus, commentarium in eum scripsit. *Imám Abu Zakariyá Yahya Ben Sheref Newewi*, anno [676 (inc. 4. Jun. 1277)] mortuus, eum in epitomen coegit, quam *El-Irshád* inscripsit iterumque in brevius contraxit, et hanc epitomen titulo *El-Tecrib* insignivit. Idem fecerunt *Imád-ed-din Abulfedá Ismail Ben Omar Coreshi*, vulgo *Ibn Kethir* dictus et anno [774 (inc. 3. Jul. 1372)] mortuus — 10  
*Cádhí el-codhát Bedr-ed-din Ibn Jemáa* — *Alá-ed-din Ali Ben Othmán Maridini*, anno 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuus. Metrice archetypum reddidit *Cádhí Sheháb-*

الدين محمد بن احمد بن خليل القاصي الخويي المتوفى سنة ٦٩٣ وعلى الاصل نكت للشيخ  
 بدر الدين محمد بن [بنادر بن] عبد الله الزركشي المتوفى سنة ٧٢٩، ونكت الامام الحافظ  
 شهاب الدين احمد بن علي ابن حجر العسقلاني [المتوفى سنة ٨٠٤] اوله الحمد لله الذي لا  
 يفقد مع كثرة الانفاي خزائنه الخ قال وكنت قد بحثت على شيخى العراقي الفوائد التي  
 جمعها على مصنف الشيخ ابن الصلاح وكنت في اثناء ذلك وبعد اذا وقعت الى النكتة 5  
 الغربية والنادرة العجيبة والاعتراض القوي والضعيف ربما علقنت على هامش الاصل وربما اغفلته  
 فرائت الجمع وضم ما يليق به فجمعت فرجمت على اول كمر مسئلة اما ص واما ع الاول لابن  
 الصلاح والثاني للعراقي ثم كتب كراسته سماعا بالانصاح بتكميل النكت على ابن الصلاح قال  
 البقاعي في حاشية شرح القية قيل ان ابن الصلاح املى كتابه املاء فكتبه في حال الاملاء جمع  
 جم فلم يقع مرتباً على ما في نفسه وضار اذا ظهر له ان غير ما وقع له احسن ترتيباً يواعى 10  
 ما كتب من النسخ ويحفظ قلوب اصحابها فلا يغيرها وربما غاب بعثنا فلو غير ترتيب

*ed-din Mohammed Ben Ahmed Ibn Khalil Khowayyi*, anno 693 (inc. 2. Dec. 1293)  
 mortuus, et ad id adnotationes subtiliores composuerunt Sheikh *Bedr-ed-din Mohammed  
 Ben Behadir Ben Abdallah Zerkeshi*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus, et *Imám  
 Háfitz Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Ali Ibn Hajr Ascaláni*, [anno 852 (inc. 7. Mart.  
 1448) mortuus], cujus liber ita incipit: Laus Deo, cujus thesauri, non obstante  
 beneficiorum collatorum copia, minime exhauriuntur etc. Inquisiveram, inquit,  
 5 praeside Sheikho *Irácki* in adnotationes utiles, quas hic ad librum Sheikhii *Ibn-elsaláh*  
 collegerat, et media in re versabar, cum postea in adnotationes raras et observationes  
 singulares et exquisitas et in dubia gravia et tenuia inciderem, quae interdum  
 margini archetypi adscripsi, interdum neglecti. Quo facto omnia illa colligere et  
 quae commoda essent adjicere statui. Collegi igitur, et ad initium singularum  
 quaestionum modo siglum *Sád*, modo *Ain* notavi, quorum prius *Ibn-elsaláh*, posterius  
*Irácki* significat. Tum libellum plurium plagularum composuit *El-Ifsáh bi tekmil  
 El-Noket alá Ibn-elsaláh* inscriptum. *Becáí* in glossis ad commentarium in *Alfiyam:  
 Ibn-elsaláh*, ait, librum sine ullius scripti ope dictando composuisse dicitur. Confecit  
 autem scribendo dum dictabat volumen amplum, quod per se ipsum quidem minime  
 10 dispositione justa ornatum erat. Cum autem certior factus esset, dispositionem  
 caeterorum librorum praestantiorum esse illa, quam suo libro dedisset, exempla quae  
 scripserat et quae eorum possessores memoriae mandaverant, conservabat, ut ea minime  
 mutaret, et interdum exemplum aliquod additum erat, et si dispositionem alius



غيره تخالف النسخ فتركها على اول حالها انتهي واختصره الامام بيّنآ الدين احمد بن سعيد الاندلسي ذكره البقاعي قال القاضي ابو البركات عبد العزيز البغدادي في الفنون الحلية وانواع علوم الحديث كثيرة وقد اطنب منها الائمة حتى انّ الصعيف وهو نوع منها بلغ به ابو حاتم بن حبان في تقسيمه خمسين قسماً الا واحداً فما طنك بغيره وشرح الشيخ الامام 5 ابو فضل عبد الرحيم بن الحسين العراقي [المتوفى سنة ٨٠٦] اوله الحمد لله الذي البه الايصاح ما ابهم الخ سماه التقييد والايصاح لما اطلق واغلق من كتاب ابن الصلاح قال فان احسن ما صنف اعمل الحديث في معرفة اصطلاح كتاب علوم الحديث جمع فيه غرر الفوائد فادعى الا ان فيه غير موزع قد خولف فيه واماكن اخر تحتاج الى تقييد وتنبيه فاردت ان اجمع عليه نكتا تقيد مطلقه وتفتح مغلقه وتنصم وردا على ايراد ما اورد عليه وقد كان الشيخ 10 علاء الدين سلطان اوقفني على شيء جمعه عليه سماه اصلاح ابن الصلاح وايضا قد اختصره

exempli mutasset, exempla inde diversa prodiissent, et hanc ob causam primam eorum conditionem retinuit. Haec ille. — Teste *Beçai*, Imám *Behá-ed-din Ahmed Ben Saïd Andalusi* archetypum contraxit. *Cádhi Abu'lberekát Abd-el-aziz Baghdádi* in *El-Fonùn El-Jelíyet*: Doctrinarum, inquit, rei traditionariae genera multa sunt, et certe Imami prolixius ea persecuti sunt, ut adeo traditiones sublestae fidei admitterent, quod genus eorum est, de quo *Abu Hátim Ben Hayyán* tam multa verba fecit, ut illud in quinquaginta partes divideret. En unum genus! Quae jam de ceteris opinaris? *Sheikh* et Imám *Abu Fadhl Abd-el-rehím Ben-elhosein Irúcki*, 5 [anno 806 (inc. 21. Jul. 1403) mortuus], commentarium in archetypum composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui claram rerum dubiarum expositionem inspiravit etc., et *El-Tecyid ve El-Idháh limá otlica ve oghlica min Kitáb Ibn-elsaláh* inscriptus est. Optimum, inquit, quod viri rei traditionariae gnari de cognitione dictionum in ea re terminologicarum scripserunt, liber *Olúm el-hadith* continet, ubi auctor adnotationes pretiosissimas collegit. Certe, contendit, in hoc libro nullus est locus, de quo controversia exstitit, alii loci vero restrictione et attenta expositione egent. Itaque ad eum adnotationes subtiles colligere statui, quae absoluta restringerent et oclusa aperirent et aditum ad ea proferenda obstruerent, quae contra eum proferenda essent. *Sheikh Alá-ed-dín Sultán* animum meum ad nonnullas adno- 10 tationes quas ad librum collegerat advertit, quas *Isláh Ibn-elsaláh* inscripsit.

جماعة وتعقبوه في مواضع منه فحيث كان الاعتراض عليه غير صحيح ذكرته بصيغة اعتراض  
وسمّيته التقييد والايضاح لما اطلق واغلق من كتاب ابن الصلاح الخ فذكره بالقول وشرغ  
من تبينه يوم الاحد الحادي والعشرين من ذى القعدة سنة ٧٩٩ قال ابن حجر واول كتاب  
في علوم الحديث كتاب المحدث الفاضل في غالب الظن وان كان يوجد قبله مصنّفات مفردة  
اشياء من فنونه لكن هذا اجمع ما جمع في ذلك في زمانه ثم توسّعوا فيه واول من تصدّى  
له الحاكم ابو عبد الله وعمل عليه ابو نعيم مستخرجًا ثم جاء الخطيب فعمل كتابين واما  
الجامع لاخلان الراوى وآداب السامع والكفاية في معرفة قوانين الرواية ٨٩١ العلوم الفاخرة  
في النظر في امور الآخرة لعبد الرحمن بن محمد الشعالي [الجزائري المتوفى سنة ٨٧٤] وحو  
مجلد ضخ كالتذكرة للقرطبي اوله الحمد لله المتفرد بالبقاء الدائم الخ ٨٩٣ علوم القرآن  
لجلال الدين عبد الرحمن بن عمر البلقيني المتوفى سنة ٨٤٤ ٨٩٣ العلوية قصيدة في 10

Praeterea multi alii eum in epitomen coegerunt, et in pluribus locis auctorem  
impugnarunt, et ubi perperam dubitatio allata erat, notam adjeci forma dubitationis  
allatae addita, librumque *El-Tecyid we El-Idhuk limá otlica we oghlica min Kitáb  
Ibn-elsaláh* inscripsi. Textus verba autem tantum ea adjecit, quae explicabantur,  
et nitidam libri exscriptionem die solis eoque uno et vicesimo mensis Dzi'lca'det  
anni 796 (inc. 6. Nov. 1393) absolvit. *Ibn Hajr*: Primus, inquit, liber, qui de rei  
traditionariae doctrinis compositus est, ut certissime mihi opinari videor, ille est,  
quem traditionarius ille bene meritus edidit. Si vero ante eum scripta inveniuntur,  
5 quae singulas doctrinarum partes tractent, ille certe liber amplissimus est, qui eo  
tempore colligebatur. Tum vero plures exstiterunt hoc argumentum tractantes, et  
primus qui rem aggressus est *El-Hákim Abu Abdallah* fuit, et hujus scriptum. *Abu  
Noeim* ita tractavit, ut antea incognita eliceret. Huic *El-Khatib* successit, qui duo  
opera composuit, quorum prius *El-Jámi' li akhlác el-ráwi we adáb el-sámi'*, et  
posterius *El-Kifáyet fi marífet carvánin el-riwáyet* inscriptum est. — 8291. *El-  
Olúm El-Fákhiret fi el-natzr fi omúr el-akhiret*, doctrinae pretiosae de  
indagatione rerum ad alteram vitam spectantium, auctore *Abd-el-rahman Ben  
Mohammed Theálibi* [*Jezáiri*, anno 876 (inc. 20. Jun. 1471) mortuo]. Volumen  
amplum libro *Tedzkiret* a *Cortubi* composito simile, quod ita incipit: Laus Deo  
aeternitate perpetua singulari etc. — 8292. *Olúm El-Corán*, doctrinae Corani,  
10 auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Omar Bolckeini*, anno 824 (inc. 6. Jan.  
1421) mortuo. — 8293. *El-Alewiyet*, *Casida* ab *Ali* composita de septem Corani



القرآت السبع المروية لابي البقاء على بن عثمان بن محمد بن القاصح العذري المقرئ وهي  
قصيدة لامية اوليا

لك الحمد يا الله والعز والعلاء

قرأها عليه جماعة فشرحنا لهم شرحاً مختصراً وسماه الامالى المرضية اوله الحمد لله شرف  
5 يعلم دينه الخ فرغ عنه في رجب سنة ٧١٠ هـ في المسائل الرقيقة لشمس الدين  
محمد بن عبد الرحمن الزمردى المتوفى سنة ٧٧٧ هـ عماد الاسلام في ترجمة عمدة الاسلام  
يأتى قريباً ٨٦١ هـ عماد البلاغة مختصر للشيخ عبد الرؤف محمد المناوي المصري [المتوفى  
سنة ١٠٣١] اوله الحمد لله وكفى الخ وهو كتاب يتضمن جملاً من الامثال الفانقة والاستعارات  
المرانقة التي استعملها الصدر الاول من الموتدين المشبون لهم بالبلاغة والجزالة واختصر فيه  
10 ثمرات القلوب ورتبه على الحروف واسقط ما لا يصتر حذنه [واضاف اليه بعض ما حمل]  
٨٦٧ هـ عمان الجواعر قصيدة فارسية شينية في سنة وستين بيتاً لعرفى الشيرازى [الشاعر

recensionibus traditione propagatis, auctore *Abulbecá Ali Ben Othmán Ben Mohammed Ben-elcásih Odzri* Corani Lectore. *Casida* est in *Lám* desinens, quae ita incipit:

Laus Tibi, o Deus, et gloria et majestas.

Auctore praeside eam plures legerunt, et in horum favorem ille commentarium breviorum composuit *El-Amáli El-Murdhiyet* inscriptum, qui ita incipit: Laus Deo, qui scientia religionis suae nobilitat etc. Absolvit eum mense Rejeb anni 710 (inc. 5 31. Mai. 1310). — 8294. *El-Alicat fi el-mesáil el-rackícat*, studium animo infixum de quaestionibus argutis, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-rohman Zomorodi*, anno 777 (inc. 2. Jun. 1375) mortuo. — 8295. *Imád el-islám*, columna fidei. Interpretatio libri *Omdet el-islám*, de quo mox dicetur. — 8296. *Imád el-belághat*, columna eloquentiae, auctore *Sheikh Abd-el-rauíf Mohammed Monáwi Misri*, [anno 1031 (inc. 6. Nov. 1621) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo et sufficit etc. Hic liber copiam continet proverbiorum praestantissimorum et metaphorarum mirabilium, quibus inter recentiores *El-Sadr El-Awvel* usus est, quorum eloquentia et excellentia testimoniis est confirmata. In brevius scriptum *Themarát el-colúb* ibi contraxit, et librum alphabetice ita disposuit, ut ea 10 ejiceret, quae salva re tolli possent, [et nonnulla quae omissa erant adderet]. — 8297. *Ummán el-jewáhir*, altum mare margaritarum. *Casida* persica in *Shin* desinens et sexaginta sex versus complectens, auctore *Orfi Shirázi* [Poeta laudato

المشهور المتوفى بعد الالف] ٨٣٨ عمدة الابرار لفصل الله محمد بن ايوب المنتسب الى  
 ماجو ٨٣٩ عمدة الاحكام في الفروع للشيوخ الامام ابى محمد عبد الله بن احمد بن محمد  
 ابن قدامة الحنبلى المقدسى المتوفى سنة [٩٠] وهو مختصر في العبادات الخمس اوله الحمد  
 لله اعمل الحمد ومستحقه الخ وله عمدة الاخبار المجموعة من الروايات والاخبار في المسائل  
 التى يفعلها اعمل انتصوف كما ذكره في كتابه فتاوى الصوفية قال ودرجت مسائل عمدة الاخبار 5  
 الا بعصيا كيلا يهجر ذلك الكتاب .. ٨٣٠ عمدة الاحكام عن سيد الانام لتقى الدين الشيخ  
 الامام ابى محمد عبد الغنى بن عبد الواحد بن على بن سرور [للجماعيلى] المقدسى [الحنبلى  
 المتوفى سنة ٩٠٠] في ثلث مجلدات عز نظيره اوله الحمد لله اتم الحمد واكمله الخ قال  
 وحصرت الكلام في خمسة اقسام آ التعريف بمن ذكر من رواة الحديث اجمالاً وله اسماء  
 رجالها في مجلد قال افردت هذا بكتاب سميته العدة ٢ في احاديثه ٣ ببيان ما وقع فيه من 10

post annum 1000 (inc. 9. Oct. 1591) mortuo]. — 8298. Omdet el-abrar, solumen hominum piorum, auctore *Fadhllallah Mohammed Ben Eyyub*, qui genus suum ad Magos refert. — 8299. Omdet el-ahkam, columen statutorum juridicorum de partibus juris derivatis, auctore Sheikh et Imám *Abu Mohammed Abdallah Ben Ahmed Ben Mohammed Ben Codama Mocaddesi* Hanbalita, anno [620 (inc. 4. Febr. 1223)] mortuo. Compendium de quinque ceremoniarum observatione, quod ita incipit: Laus Deo, qui laude dignus est eamque meretur etc. Idem *Omdet el-akhyar el-mejmuat* 5 *min el-rewáyat we el-akhbár*, ut in libro *Fetáwi el-sufiyet* commemorat, de quaestionibus edidit, quas theosophi proposuerunt. Inserui, inquit, quaestiones libri *Omdet el-akhyar*, excepta earum parte, ne hic liber plane relinqueretur. — 8300. Omdet el-ahkam, columen statutorum auctoritate domini hominum sancitorum, auctore Sheikh et Imám *Tacki-ed-din Abu Mohammed Abd-el-ghani Ben Abd-el-icáhid Ben Ali Ben Sorur [Jemáili] Mocaddesi* [Hanbalita, anno 600 (inc. 10. Sept. 1203) mortuo]. Tria volumina, quibus similis liber vix inveniendus est. Incipit ita: Laus Deo laudum perfectissima et absolutissima etc. Comprehendi, inquit, argumentum 10 recenset, et: Separatim, inquit, haec tractavi in libro *El-Oddet* inscripto — secunda ejus traditiones — tertia expositionem locorum graviorum, qui ibi



المهمّات ٤ في ضبط لفظه ٥ الإشارة الى بعض ما يستنبط وشرحه ابو عبد الله محمد بن احمد بن مرزوق التلمساني المالكي المتوفى سنة ٧٨١ في خمس مجلّدات اوله الحمد لله الجبار الخ قال سئلني البعض اختصار جملة في احاديث الاحكام مما اتفق عليه الامامان البخاري ومسلم فاجبته [قال الحافظ ابن حجر العسقلاني جمع فيه بين كلام دقيق العبد وابن عطار 5 والفاكيني وغيرهم] وشرحه سراج الدين عمر بن علي ابن الملقن الشافعي المتوفى سنة ٨٠٤ سمّاه بالاعلام وعو من احسن مصنّفاته وابو طاهر مجد الدين محمد بن يعقوب الفيروزابادي الشيرازي سمّاه عدّة الاحكام في شرح عمدة الاحكام مجلّدان المتوفى سنة ٨١٧ وشرحه السيد تاج الدين ابو نصر عبد الوهاب بن محمد بن حسين ابن ابي الوفاء العلوي المتوفى سنة [١١٥] اورد في اوله ست مقالات اوله الحمد لله الذي نور ابصارنا بنور الاسلام الخ سمّاه عدّة الاحكام 10 وشرحه عبد الرحمن بن علي بن خلف الشيبخ زين الدين ابو المعالي الفارسكوري الشافعي شرح العمدة شرحا دلّ على كثرة فضله ووفى قضاء المدينة النبوية في سنة ٧٩٣ وتوفى

occurrunt — quarta rectam vocum scriptionem — quinta indicium partis eorum, quae inde originem quaerunt. *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Merzuc Tilimsani* Malikita, anno 781 (inc. 19. Apr. 1379) mortuus, commentarium composuit quinque voluminibus comprehensum, qui ita incipit: Laus Deo omnipotenti etc. Petiit a me, inquit, vir quidam, ut summam traditionum statuta continentium extraherem, in quibus duo Imani *Bokhari* et *Moslim* consentirent. Petenti satisfacere. [Teste *Hafiz Ibn Hajr Ascalani* hic, quae *Dackie El-Abd, Ibn Attar, Fakihani* aliique 5 disputaverant, collegit]. Deinde commentarios ediderunt *Siraj-ed-din Omar Ben Ali Ibn-elmolacchin* Shafiita, anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuus, cujus commentarius *El-Ilam* inscriptus est et in optimis ejus libris numeratur — *Abu Tahir Majd-ed-din Mohammed Ben Yacub Firuzabadi Shirazi*, anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuus, cujus commentarius voluminibus pluribus comprehensus *Oddet el-hokkam fi sharh Omdet el-ahkam* inscriptus est — *Seyyid Taj-ed-din Abu Nasr Abd-el-wehhab Ben Mohammed Ben Hosein Ibn Ab'lwefu Alewi*, anno [875 (inc. 30. Jun. 1470)] mortuus, cujus commentarius *Oddet el-hokkam* inscriptus ab initio sex dissertationes habet et ita incipit: Laus Deo, qui oculos nostros lumine fidei illustravit etc. — *Sheikh Zein-ed-din Abu'lmeali Abd-el-rahman Ben Ali Ben Khalaf Fariskuri* 10 Shafiita, qui *El-Omdet* ita commentatus est, ut magnam ejus praestantiam demonstraret. Auctor munere judicis in urbe Medina anno 792 (inc. 20. Dec. 1389) functus

سنة ٨٠٨ هـ لعل ذلك عمدة الفقه وشرحه الشيخ عماد الدين اسمعيل بن احمد بن محمد ابن  
 الاثير الحلبي الشافعي اوله الحمد لله متور البصائر الخ ذكر فيه انه حفظ العمدة التي رتبها  
 على ابواب الفقه وفيها خمسمائة حديث فقرأ على الشيخ ابن دقيق ثم شرحه املاه وسماه  
 احكام الاحكام في شرح احاديث سيد الانام ٨٣٠١ عمدة الادباء في معرفة ما يكتب بالالف  
 والياء لابي البركات عبد الرحمن بن محمد الانباري المتوفى سنة ٥٧٧ هـ اوله الحمد لله على 5  
 توالي الآله الخ ٨٣٠٢ عمدة الادلة في الكلام لمحمد بن عبد الرحمن البصري المعروف بابن  
 جبر الحنفي المتوفى سنة ٣٨٠ هـ ولم يكمله ٨٣٠٣ عمدة الاسلام في الاركان الخمس فارسي  
 مختصر لعبد العزيز وترجمه عبد الرحمن بن يوسف بالحناني كثير تركباً وسماه بعماد الاسلام  
 وفيه احاديث ضعيفة اوردها للترغيب والترهيب وتأريخ تمامه قوله تعالى لانه نذكر للساعة  
 وقال فيه ايضاً شعر

10

est et anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) obiit. Fortasse liber *Omdet el-fic'h* intelligendus  
 est — Sheikh *Imád-ed-din Ismail Ben Ahmed Ben Mohammed Ibn-elathir Halebi*  
 Shafita, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo oculos illuminanti etc. Se librum  
*El-Omdet* memoriae mandasse dicit, quem ad capita jurisprudentiae disposuisset.  
 Continet quingentas traditiones, et auctor eum praeside Sheikh *Ibn Dackic* legit. Tum  
 dictando librum commentatus est, commentariumque *Ihkám el-ahkám fi sharh ahádith*  
*Seyyid el-anám* inscripsit. — 8301. *Omdet el-odabá*, columen philologorum de  
 5 cognitione eorum, quae literis *Elif* et *Yá* scribuntur, auctore *Abulberekát Abd-el-*  
*rahman Ben Mohammed Anbári*, anno 577 (inc. 17. Mai. 1181) mortuo. Incipit ita:  
 Laus Deo pro continua beneficiorum distributione etc. — 8302. *Omdet el-adillet*,  
 columen argumentorum de metaphysica, auctore *Mohammed Ben Abd-el-rahman Basri*  
*Hanefita*, vulgo *Ibn Jebr* dicto et anno 380 (inc. 31. Mart. 990) mortuo. Liber  
 non absolutus est. — 8303. *Omdet el-islam*, columen fidei islamicae de quinque  
 ejus fulcimentis. Compendium persicum ab *Abd-el-aziz* compositum, quod *Abd-el-*  
*rahman Ben Yusuf* cum multis additamentis turcice interpretatus est, et interpretationem  
*Imád el-islam* inscripsit. Continet traditiones sublestae fidei, quas affert, ut ad  
 bonum adhortaretur et a malo deterreret. Tempus quo absolvit auctor versu coranico  
 10 significat: Et quidem ipse (Jesus) horae ultimae monitum. Ad idem indicandum hos  
 versus fecit:



تمام اولدى عماد الدين خدائك لطف عونيله

لذكر دوشدى تاريخى مفخره اكا اداش

- ٨٣٠٤ عمدة الاشراق في علم الاوقات ذكره البونى ٨٣٠٥ عمدة الاضاحى ٨٣٠٦ عمدة الاقتصار  
 في النحو ليحيى بن سلامة الحصنكىفى الطبرى المتوفى سنة ٥٥٣ ٨٣٠٧ عمدة اهل التوفيق  
 5 والتسدید في شرح عقيدة اهل التوحيد مر ٨٣٠٨ عمدة البيان في معرفة قرآنص الاعيان  
 مختصر لاني زيد عبد الرحمن الوغلسى المغربى المالکى وشرحه بعض المغاربة ممزوجاً اول الشرح  
 الحمد له الذى اعلى معارف الاسلام الخ واول المتن الحمد لله حق حمده الخ ٨٣٠٩ عمدة  
 الجراحين عشرين مقالة لامين الدولة ابي الفرج يعقوب ابن القف المسيحي [الكركى الحكيم  
 المتوفى سنة ٩٨٥] ولد سنة ٩١٣ علم وعمل يذكر فيه جميع ما يحتاج اليه الجراحى بحيث لا  
 10 يحتاج الى غيره ٨٣١ عمدة الحاضر وكفاية المسافر في فقه الحنبلى للشيخ ابي الحسن على بن

*Liber Imād-ed-dīn absolutus est per Dei gratiam et auxilium.*

*Vox laudīkr* convenit ad tempus significandum, ut ei honori esset cognomentum.

8304. Omdet el-ishrāc, columen splendoris de doctrina quadratorum talismani-  
 corum. Laudatur ab *El-Būni*. — 8305. Omdet el-adhāhi, columen animalium  
 die festi sollemnis sacrificii mactatorum. — 8306. Omdet el-ictisār, columen  
 brevitatis arctioris. Opus grammaticum, auctore *Yahya Ben Selāma Hisnakeifi  
 Taberi*, anno 553 (inc. 2. Febr. 1158) mortuo. — 8307. Omdet ahl el-taufīc  
 we el-tesdīd, columen hominum auxilii et directionis egentium. Commentarius 5  
 in opus *Ackidet ahl el-tauhid*, de quo supra videndum est. — 8308. Omdet  
 el-beyān, columen expositionis de cognitione statutorum divinorum omnibus  
 hominibus observandorum, auctore *Abu Zeid Abd-el-rahman Waghlesi Maghribi  
 Malikita*. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo talis, qualem meretur etc.  
 Commentarium textu admixto instructum vir quidam doctus Occidentis edidit, qui  
 ita incipit: Laus Deo, qui signa fidei islamicae extulit etc. — 8309. Omdet  
 el-jerrāhīn, columen chirurgorum. Viginti dissertationes, auctore *Emin ed-dewlet  
 Abu'lfaraj Yacub Ibn-elcoff Meshi* [*Kereki Medico*], anno 630 (inc. 18. Oct. 1232)  
 nato [et 685 (inc. 27. Febr. 1286) mortuo]. Complexus est auctor praxin et theoriam,  
 et omnia hic congescit, quibus chirurgus opus est, ut nullo alio libro egeat. — 10  
 8310. Omdet el-hādhīr we Kifāyet el-mosāfir, columen domi versantis et  
 apparatus sufficiens iter facientis de jure Hanbalitico, auctore *Sheikh Abu'ltasan Ali*

- محمد بن عبد الرحمن البغدادي المعروف بالامدي الحنبلي المتوفى سنة ٤٧٠ وهو كتاب  
 جليل في نحو اربع مجلدات يشتمل على فوائد كثيرة ٨٣١١ عمدة الحافظ وعمدة اللانظ  
 مقدمة في النحو للشيخ الامام جمال الدين ابي عبد الله محمد بن عبد الله ابن مالك الجبالي  
 [المتوفى سنة ٦٧٢] شرحه ٨٣١٢ عمدة الحساب في فروع المقدرة بالكليات لنصوح  
 5 الصلاحي المطراقي المتوفى سنة ٩٤٠ ٨٣١٣ عمدة الحفظ في تفسير اشرف الالفاظ للشباب  
 احمد بن يوسف بن محمد الحلبي الشهير بابن السمين المتوفى سنة ١٠١٠ ذكره ابن الحنبلي  
 في شرح الشفاء ٨٣١٤ عمدة الحقائق ٨٣١٥ عمدة الاحكام فيما لا ينفذ من الاحكام  
 للقاضي نجم الدين ابراهيم بن علي الطرسوسي المتوفى سنة ١٠٨٠ ٨٣١٦ عمدة الخلف في  
 اختبار خلف في القراءة لامين الدين عبد الوهاب بن احمد بن وحيان الدمشقي الحنفي  
 المتوفى سنة ١١٨٠ ٨٣١٧ عمدة الخواص ٨٣١٨ عمدة الراغب ٨٣١٩ عمدة الرانص في علم 10

- Ben Mohammed Ben Abd-el-rahman Baghladi* Hanbalita, vulgo *Amidi* dicto et  
 anno 467 (inc. 27. Aug. 1074) mortuo. Liber egregius circiter quatuor voluminibus  
 comprehensus, qui multas adnotationes utiles continet. — 8311. *Omdet el-háfitz*  
 we *Oddet el-láfitz*, columnen memoriae mandantis et apparatus loquentis. Pro-  
 legomena grammatica, auctore Sheikh et Imám *Jemíl-ed-din Abu Abdallah Mohammed*  
*Ben Abdallah Ibn Málík Jayyáni*, [anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo]. Idem  
 commentarium in ea edidit. — 8312. *Omdet el-hossáb*, columnen arithmetorum  
 5 de statutis juris hereditarii regulis generalioribus stabiliendis, auctore *Nasúh Saláhi*  
*Mitráki*, anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuo. — 8313. *Omdet el-hoffátz*,  
 columnen memoriter ediscentium de interpretatione verborum nobilissimorum, auctore  
*Sheháb-ed-din Ahmed Ben Yusuf Ben Mohammed Halebi*, vulgo *Ibn-elsemin* dicto  
 et anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — *Ibn-elhanbali* in Commentario in  
 librum *El-Shefá* ejus mentionem facit. — 8314. *Omdet el-hacáic*, columnen  
 veritatum. — 8315. *Omdet el-hokkáam*, columnen judicum de iis statutis, quae  
 non rata sunt, auctore *Cádhi Nejm-ed-din Ibráhim Ben Ali Tarsúsi*, anno 758  
 (inc. 25. Dec. 1356) mortuo. — 8316. *Omdet el-khalaf*, columnen posteriorum  
 de probatione *Khalafi* in critica coranica, auctore *Emin-ed-din Abd-el-uehháb Ben*  
 10 *Ahmed Ben Wabhán Dimeshcki* Hanefita, anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. —  
 8317. *Omdet el-khawáss*, columnen procerum. — 8318. *Omdet el-rághib*,  
 columnen appetentis. — 8319. *Omdet el-ráidh* fi ilm el-feráidh, columnen



- الفرانص مختصر ليونس بن يونس بن عبد الغفار الاثري الرشيد المتوفى سنة ٢٠٠ شرحه اول  
 الشرح الحمد لله الملك الجبار الواحد القهار الخ ٨٣٢٠ عمدة الرانص وعدة الفارص في  
 الحساب للشبيخ جمال الدين ابى العباس احمد بن على بن ثمات قاضى الهمامية اوله الحمد  
 لله الملك الوهاب الخ ٨٣٢١ عمدة السالك في الموعظة لابن النقيب شرحه شمس الدين  
 5 محمد بن عبد المنعم الجوجرى [الشافعى] المتوفى سنة ٨١٩ عمدة السالك في سياسة  
 الممالك ليعقوب بن صابر بن بركات البغدادي نجم الدين المنجنيقى الشاعر المتوفى سنة ٦٢١  
 ولم يتمه ٨٣٢٣ عمدة السالك في الموعظة للشيخ ابى الفضل رغيب بن يحيى بن سلامة  
 الرجى المتوفى سنة اوله الحمد لله اللطيف الخبير الخ رتب على عشرين باباً ٨٣٢٤ عمدة  
 الطالب في تحقيق تصريف ابن الحاجب مر في الشافية ٨٣٢٥ عمدة الطالب في نسب آل  
 10 ابى طالب لجمال الدين احمد المعروف بابن عقبة المتوفى سنة ٨٢٨ اخذه من مختصر شيخه

mathematici de juris hereditarii doctrina. Compendium, auctore *Yunos Ben Yunos Ben Abd-el-ghaffar Atheri Reshid*, anno ... mortuo. Serius commentarium scripsit, qui ita incipit: Laus Deo absoluti imperii domino, unico, omnipotenti etc. — 8320. Omdet el-raïdh we Oddet el-fáridh, columnen mathematici et apparatus periti juris hereditarii de arithmetica, auctore Sheikh *Jemál-ed-din Abu'tabbás Ahmed Ben Ali Ben Themát*, urbis *Hemmámíye* iudice. Incipit ita: Laus Deo, regi liberali etc. — 8321. Omdet el-sálik, columnen vitam spiritalem agentis. Opus paraeneticum, auctore *Ibn-el-nackib*. Commentarium in hoc edidit *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-mou'im Janjeri* [Shafiita], anno 889 (inc. 30. Jan. 1484) 5 mortuus. — 8322. Omdet el-sálik fi siyáset el-memálik, columnen incedentis de regnorum administratione, auctore *Nejm-ed-din Yacub Ben Sabir Ben Berekát Baghdádi Manjenicki* Poeta, anno 626 (inc. 30. Nov. 1228) mortuo. Librum imperfectum reliquit. — 8323. Omdet el-sálik, columnen vitam spiritalem degentis, auctore Sheikh *Abu'fadhl Raghíb Ben Yahya Ben Seláma Reji*, anno ... mortuo. Opus paraeneticum, quod ita incipit: Laus Deo propitio, gnaro etc., et in viginti capita dispositum est. — 8324. Omdet el-tálib, columnen studiosi de libro *Ibn-elhájibi*, qui de flexione grammaticali agit, confirmando. Vide supra in *El-Sháfíyet*. — 8325. Omdet el-tálib fi neseb ál Abi Tálib, columnen studiosi de genealogia 10 familiae *Abu Tálibi*, auctore *Jemál-ed-din Ahmed*, vulgo *Ibn Ocba* dicto et anno 828 (inc. 23. Nov. 1424) mortuo. Argumentum repetiit e compendio Sheikhii sui

ابى الحسن على بن محمد بن على الصوفى النسابة ومن تأليف شيخه ابى نصر سهل بن عبد الله البخارى وضّم اليهما فوائد علقها من عدة اماكن موشحاً مذكراً لاختبار الولادة والوفاة اوله الحمد لله الذى خلق من الماء بشراً فجعله نسباً وصهراً فجاءه فأن علم النسب على عظم المقدار اشار الكتاب العظيم فى قوله تعالى وجعلناكم شعوباً وقبائل لتعارفوا الى تقيمه لا سيما آل الرسول صلعم لوجوب توجههم بالاجلال والاعظام كما وضع فيه البرهان 5 ولم تزل انسابهم مضبوطة الا ابى رأيت اذان تغربى فى اكثر البلاد تكاثر المدعى العلوى فلا ينكر عليه فارت ان اصنف فى انساب الطالبين كتاباً يجمع بين الفروع والاصول ويضم الاجداد الى الذبول واعدها الى تيمور كوركان اختصره الشهاب احمد بن الحسين بن عتبة الحلبى المتوفى سنة ٤٣١ هـ عمدة الطالب لمعرفة المذاهب لمحمد بن عبد الرحمن بن محمد السمرقندى 10 المتوفى سنة ٧١٠ هـ ذكر فيه العلماء وخلاف احمد وداود واحمد الشيعية قال فى آخره فتم كتاب قد حوى لمذاهب وما حويت بكتاب حوى فقه نعمان

*Abu'hasan Ali Ben Mohammed Ben Ali Sufi* Genealogi et ex libro *Sheikhi sui Abu Nasr Sahl Ben Abdallah Bokhari*. Utrique adnotationes utiles adjecit, quas e multis libris ita descripsit, ut librum ornaret, et tempora, quibus quis natus aut mortuus esset, recenseret. Incipit liber ita: Laus Deo, qui ex aqua homines creavit eosque in genera et cognatos distribui voluit etc. Deinde vero, certe genealogica doctrina est magni pretii. Liber augustus verbis divinis: „Et posuimus vos in populos et tribus, ut cognosceretis vos invicem“ studium ejus doctrinae commendat, praecipue genealogiae familiae legati propter cultum et honorem ejus membris necessario 5 tribuendum, ut argumentum hic clare patet, neque eorum genealogiae orthographice definiri desitae sunt, nisi quod tempore peregrinationis in multis terris nimis multos, qui se ab *Ali* originem trahere contenderent, neque quemquam vidi hanc arrogantiam reprobare. Hanc ob causam de genealogiis posterorum *Ali* librum componere volui, qui ramos et radices comprehenderet et majores usque ad postrema eorum membra adjiceret. Librum *Timuro Kurkán* obtulit, eumque *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben-elhosein Ben Otba Halebi*, anno ... mortuus, in epitomen coegit. — 8326. Omdet el-tálib li ma'rifet el-medzáhib, columen studiosi ad cognoscendas varias sectas, auctore 10 *Mohammed Ben Abd-el-rahman Ben Mohammed Samarcandi Sekháwi*, in urbe *Maridin* anno 721 (inc. 31. Jan. 1321) mortuo. Commemorat ibi virorum doctorum controversias, et *Ahmedis, Davudi, Shiitarum*, et ad finem: Jam, inquit, ad finem perducitur liber, qui varias sectas complectitur, quae in nullo libro tractantur praecepta



ويعقوب بعدد، ومحمد مع اصحابهم خير اصحاب كذا زفر والشافعي ومالك وما اختلفوا فيه  
 بكل جواب واحمد مع اهل الشيعة حيّاهم اله اناس بكل ثواب ٨٣٦ عمدة العالم في  
 اختصار المعالم ٨٣٨ عمدة العرفان في وصف حروف القرآن لحمد الله بن خير الدين  
 القارى الخطيب بابا صوفية في دولة السليمانية وصى رانية كالمنظومة الجيزية في التاجويد  
 5 اوله الحمد لله منزل القرآن الخ وتاريخ تماميا  
 ذكاء وجيبها بدرًا فخذعا بلا نكر

٨٣٩ عمدة العقائد للامام حافظ الدين عبد الله بن احمد النسفى المتوفى سنة ٧١٠ اوله قال  
 اهل الحق حقائق الاشياء ثابتة الخ وصى مختصر يحتوى اعم قواعد علم الكلام يكفى  
 لتصفية العقائد الايمانية في فلوب الانام [تر شرحه المصنف المذكور وسماه الاعتماد] وشرحه  
 10 شمس الدين محمد بن ابراهيم النيكسارى المتوفى سنة ٩١٠ وشرحه جمال الدين محمود بن احمد  
 القونوى المتوفى سنة ٧٠٠ سماه بالزبدة وشمس الدين محمد بن يوسف [بن الياس الرومى]

continente juridica *Nománi* et *Yacubi* post eum, et *Mohammedis* cum horum discipulis,  
 iisque optimis, in quibus *Zofar*, *Sháfí*, *Málik* numerantur, et in quibus hi diversam  
 sententiam amplectuntur responsis omnibus additis, et *Ahmedis* simul cum *Shiitarum*  
 asseclis. Deus hominum quavis remuneratione eos augeat! — 8327. *Omdet el-álim*,  
 columen viri docti. Epitome libri *Meúlim*. — 8328. *Omdet el-irfán*, columen  
 cognitionis de descriptione literarum *Corani*, auctore *Hamdallah Ben Kheir-ed-din*  
*Corani* Lectore, qui tempore *Soleimáni* concionator ad aedem *Aya Sufiya* fuit.  
*Casida* est in *Rá* desinens similis *Casidae Jezeriyet* de *Corano* recte legendo.  
 Incipit ita: Laus Deo *Coranum* revelanti etc. Ad tempus quo auctor absolvit 5  
 significandum his usus est verbis:

Sol ejus faciei plena luna est. Accipe eam haud recusans.

8329. *Omdet el-acáid*, columen articulorum fidei, auctore *Imám Hüftz-ed-din*  
*Abdallah Ben Ahmed Neseft*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. Incipit ita:  
 Vitae spiritalis asseclae: Vera, inquit, rerum natura confirmata etc. Compendium  
 est, quod principia metaphysicae gravissima complectitur, quae ad epurandos fidei  
 articulos in hominum cordibus sufficiunt. [Tum auctor commentatus est, commen-  
 tariumque inscripsit *El-Itimád*]. Idem fecerunt *Shems-ed-din Mohammed Ben 10*  
*Ibráhim Nikusári*, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuus — *Jemál-ed-din Mahmüd*  
*Ben Ahmed Cunewi*, anno 770 (inc. 16. Aug. 1368) mortuus, cujus commentarius  
*El-Zubdet* inscriptus est — *Shems-ed-din Mohammed Ben Yusuf* [*Ben Ilyás Rumí*]

القونوي المتوفى سنة ٧٨٨ واهم عييل بن سودكين ابو طاهر المكي [الغوري] المتوفى سنة ٦٦١ واهم  
ابن اغون دانشمند الافشيري الحنفى من اعيان المائة الثامنة شرحا حسنا سماه بالانتقاد في  
شرح عمدة الاعتقاد ومن شروحها شرح بالقول اوله الحمد لله الذى دل على وجود حدوث  
الممكنات الخ وشرح بالقول ايضا اوله الحمد لمن نطق بوجوده الخ نظمها ابو الفصل  
احمد بن ابي بكر المرعشى [الخلعي الحنفى] المتوفى سنة ٨٧٣ وزاد علينا وشرحه الشيخ شهاب 5  
الدين ٨٣٣. عمدة الفتاوى للصدر الشيبى ذكره ابن نجيم في البحر الرائق اوله الحمد  
له خالف الاشياء وراى الاحياء الخ ذكر انه قسم الكتاب على قسمين ووزعه على الثلث  
والثلثين وادرج فيه ما يعم ووجهه وهو مختصر في مجلد صغير ٨٣٣١ عمدة الفصول في  
شرح الفصول لبقرات ٨٣٣٢ [عمدة الفرقان في وجوه القرآن للشيخ مصطفى بن عبد الرحمن  
الازميرى المتوفى بمصر سنة ١١٥٥] اوله الحمد لله الذى اكرم عمل القرآن الخ قال ان جماعة قد 10

- Cunevi*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuus — *Abu Tahir Ismail Ben Súdkin Mekki* [Nuri], anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuus — *Ahmed Ben Aghcedz Danishmend Acshehri* Hanefita, vir seculi octavi spectatus, cujus commentarius probatus *Inticád fi sharh Omdet El-Iticád* inscriptus est. Duo alii commentarii, quorum prior ita incipit: Laus Deo, qui viam monstrat ad existentiam antea absentem rerum possibilium etc., et posterior: Laus ei, qui necessariam existentiam suam enunciat etc., ea verba textus tantum adjecta habent, quae explicantur. Metrice 5 librum reddidit *Abu'lfadhl Ahmed Ben Abi Bekr Mer'ashi* [Halebi Hanefita], anno 872 (inc. 2. Aug. 1467) mortuus, qui nova addidit, et Sheikh *Sheháb-ed-din* commentarium composuit. — 8330. Omdet el-fetáwi, columen responsorum juridicorum, auctore *El-Sadr El-Shehid*. Laudat librum, qui ita incipit: Laus Deo rerum creatori et viventium nutritori etc., *Ibn Nojeim* in *El-Bahr El-Rúic*. Auctor dicit, se librum in duas partes distribuisse, iterumque in triginta tres divisisse. Inseruit huic compendio volumine parvo comprehenso ea, quae saepius occurrunt. — 8331. Omdet el-fohúl, columen hominum praeclarorum. Commentarius in Aphorismos Hippocratis. — 8332. [Omdet el-furcán fi wojúh El-Corán, columen distinctionis de variis vocum coranicarum interpretationibus, auctore Sheikh *Mustafa* 10 *Ben Abd-el-rahman Izmiri*, in Aegypto anno 1155 (inc. 25. Febr. 1742) mortuo. Incipit hic ita: Laus Deo, qui Corani asseclas honore afficit etc., et: Plures, inquit,



- التمسوا ان اجمع بعض الآيات التي اجتمع فيها الوجوه والروايات من قرآيات الائمة العشر على  
 طريق طيبة النشر فجمعت الخ] ٨٣٣٣ عمدة في ادب القضاء لمحمد بن يحيى الخبوشاني  
 المتوفى سنة ٨٣٣٤ عمدة في اصول السياسة للموقف البغدادي المذكور في الانصاف  
 ٨٣٣٥ عمدة في التصريف للشيخ عبد القاهر بن عبد الرحمن الجرجاني المتوفى سنة ٤٧٤  
 ٨٣٣٦ 5 عمدة في التفسير ٨٣٣٧ عمدة في صناعة الجراح عشرين مقالة علم وعمل يذكر فيه  
 جميع ما يحتاج اليه الجراح حتى بحيث لا يحتاج الى غيره لابن القف وهو ابو الفرج يعقوب  
 ابن اسحاق [الكركي النصراني المتوفى سنة ٦٨٥] اوله الحمد لله الذي خلق الخلق بقدرته  
 الخ [وقد مر في عمدة الجراحين] ٨٣٣٨ عمدة في صناعة الشعر لابن رشيق [ابن علي الحسن]  
 القيرواني المتوفى سنة [٤٥١] واختصره الصقلي وسماه العدة واختصره موقف الدين البغدادي  
 10 المذكور في الانصاف ٨٣٣٩ عمدة في فروع الشافعية للإمام ابى بكر محمد بن احمد الشافعي

a me flagitarunt, ut nonnullos versus colligerem, in quibus variae rationes et traditiones e recensionibus decem Imamorum ad methodum bene olentem conjunctae essent. Collegi igitur etc.]. — 8333. El-Omdet fi adeb el-cadhá, columen de moribus in munere judicii observandis, auctore *Mohammed Ben Yahya Khobusháni*, anno ... mortuo. — 8334. El-Omdet fi osúl el-siyáset, columen de principiis imperii, auctore *Mowaffic-ed-din Baghdádi* supra in *El-Insáf* commemorato. — 8335. El-Omdet fi el-tesrif, columen de flexu formarum grammaticali, auctore *Sheikh Abd-el-cáhir Ben Abd-el-rahman Jorjáni*, anno 474 (inc. 11. Jun. 1081) mortuo. — 8336. El-Omdet fi el-tefsír, columen. Commentarius in Coranum. — 5 8337. El-Omdet fi sináat el-jerráh, columen de arte chirurgi. Viginti dissertationes de theoria et praxi, ubi omnia commemorantur, quibus chirurgo opus est, ut nullo alio libro egeat, auctore *Abu'lfaraj Yacúb Ben Is'hac* [*Kereki* Christiano], vulgo *Ibn-el-coff* dicto [et anno 685 (inc. 27. Febr. 1286) mortuo]. Incipit ita: Laus Deo, qui res creatas potentia sua creavit etc. [Vide supra sub *Omdet el-jerráhin*]. — 8338. El-Omdet fi sináat el-shir, columen de arte poetica, auctore [*Abu Ali Hasan*] *Cairaváni*, vulgo *Ibn Reshic* dicto et anno 456 (inc. 25. Dec. 1063) mortuo. Epitomen *El-Oddet* inscriptam ex eo *Sickilli* fecit, itemque *Mowaffic-ed-din Baghdádi* supra in *El-Insáf* laudatus. — 8339. El-Omdet fi el-forú' El-Shafiyyet, columen de partibus juris Shafiitici secundariis. Compendium, quod *Imám Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Sháshi* Jurisconsultus

- الفتية الشافعي المتوفى سنة ٥٧٠ مختصر صنفه لعمدة الدين ولد المستظهر وهو مسترشد للبيعة  
 الفضل المتوفى سنة ٥٩٦ ثم اعتنى عليه القوم فشرحه علاء الدين علي بن محمد البغدادي  
 المتوفى سنة ٧٤١ وتاج الدين عمر بن علي الفاكهاني المالكي المتوفى سنة ٧٣١ وعمر بن علي المعروف  
 بابن الملقن المتوفى سنة ٨٠٤ وهو في الحديث والشيخ تقي الدين محمد بن علي المعروف  
 بابن دقيق العبد المتوفى سنة ٧٠٢ وشمس الدين محمد بن عبد الدائم البرماوي المتوفى 5  
 سنة ٨٣١ اختصر هذا الشرح [ورجالها مع زيادات يسيرة] امام الكاملية محمد بن محمد  
 القاعري الشافعي المتوفى سنة ٨٧٤ وابو امامة ابن النقاش محمد بن علي [المغربي] المصري  
 المتوفى سنة ٧١٣ في ثمان مجلدات وابو عبد الله محمد بن احمد التلمساني المتوفى سنة ٧٨١ ولائي  
 القاسم صاحب الامانة ايضا وهو كتاب عزيز الوجود كذا في بعض الطبقات ٨٣٤ عمدة في  
 مختصر تهذيب الكمال والاطراف لشهاب الدين احمد بن سعد الاندلسي [الصوفي المتوفى سنة ٥٥٠] 10

- Shafiita, anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortuus, in favorem *Omdet-ed-dini* composuit, qui filius *Mostelzheri* et *Mostershid Khalifa El-Fadhli* fuit, et anno 529 (inc. 22. Oct. 1134) defunctus est. Tum plures in libro explicando operam posuerunt, ut *Alá-ed-din Ali Ben Mohammed Baghdádi*, anno 741 (inc. 27. Jun. 1340) mortuus — *Táj-ed-din Omar Ben Ali Fákíhání* Malikita, anno 731 (inc. 15. Oct. 1330) mortuus — *Omar Ben Ali*, vulgo *Ibn-elmolacckin* dictus et anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) mortuus, qui potissimum traditiones tractavit — *Sheikh Tacki-ed-din Mohammed Ben Ali*, 5 *Ibn Dackic el-abd* dictus et anno 702 (inc. 26. Aug. 1302) mortuus — *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-dáim Bermáwi*, anno 831 (inc. 22. Oct. 1427) mortuus, cujus commentarium [et traditionarios in libro *El-Omdet* laudatos cum paucis additamentis] *Imám El-Kámiltiyet Mohammed Ben Mohammed Cáhiri* Shafiita, anno 874 (inc. 11. Jul. 1469) mortuus, in epitomen coegit — *Abu Omáma Mohammed Ben Ali [Maghribi] Misri*, vulgo *Ibn-elnaccásh* dictus et anno 763 (inc. 31. Oct. 1361) mortuus, cujus commentarius octo volumina complectitur — *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Tilimsáni*, anno 781 (inc. 19. Apr. 1379) mortuus — et *Abu'lásim*, auctor libri *El-Amánet*, cujus commentarius, ut in opere quodam *Tabacát* legitur, rarus est. — 10 8340. *El-Omdet fi mokhtaser tehdzib el-kemál we el-atráf*, columen. Epitome operis *Tehdzib el-kemál we el-atráf*, auctore *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Sa'd Endereshi [Sufi]*, anno 550 (inc. 7. Mart. 1155) mortuo]. — 8341. *El-Omdet*



- ٨٣٤١ عمدة في مختصر المحرر يأتي ٨٣٤٢ عمدة في النحو مختصر لابن مالك محمد بن عبد الله النحوي المتوفى سنة ٩٧٣ ثم صنف أكملًا عليه وشرحه أبو إمامة ابن النقاش محمد ابن علي المصري المتوفى سنة ٧١٣ وأبو باشر محمد بن عمار المالكي النحوي المتوفى سنة ٨٢٤ وابن العطار علي بن إبراهيم [بن داود] الدمشقي المتوفى سنة ٧١٤ ٨٣٤٣ عمدة في النحو
- 5 لاني نزار ملك النخاعة حسن بن صافي [يردون التركي] المتوفى سنة ٥١٨ ٨٣٤٤ عمدة في ...
- لاحمد بن صالح الزهري [البقاعي] المتوفى سنة ٧١٥ ٨٣٤٥ العمدة في لغة الفرس مختصر لشمس الدين أحمد بن محمد انسيواسي ٨٣٤٦ عمدة القاري في شرح البخاري مر ٨٣٤٧ عمدة الكتاب لاني القاسم يوسف بن عبد الله الزجاجي المتوفى سنة ٨٣٤٨ عمدة الكحلبيّة في الامراض البصريّة اوله بحمد الله نستفتح الخ وهي على خمس جمل تشتمل على علم وعمل
- 10 قل مؤلفه الواجب على كل مسلم ان يتقرب الى الله تعالى بانصل القرابات ما يعود نفعه على

fi mokhtasar El-Moharrer, column. Epitome operis *Moharrer*, de quo infra dicitur. — 8342. El-Omdet fi el-nahw, column. Compendium grammaticum, auctore *Mohammed Ben Abdallah* Grammatico, vulgo *Ibn Malík* dicto et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. Idem complementum ejus serius edidit. Commentarios autem scripserunt *Abu Omáma Mohammed Ben Ali Misri*, vulgo *Ibn-elnaccash* dictus et anno 763 (inc. 31. Oct. 1361) mortuus — *Abu Báshir Mohammed Ben Ammár* Malikita Grammaticus, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuus — *Ali Ben Ibrahim* [Ben Dawud] *Dimeshki*, *Ibn-elattár* dictus et anno 724 (inc. 30. Dec. 1323) mortuus. — 8343. El-Omdet fi el-nahw, column. Opus grammaticum, auctore *Abu Nizár Hasan Ben Sáfi* [Bordún Turca], vulgo Rex grammaticorum dicto et 5 anno 568 (inc. 23. Aug. 1172) mortuo. — 8344. El-Omdet fi ..., column de ..., auctore *Ahmed Ben Salih Zohri* [Becái], anno 795 (inc. 17. Nov. 1392) mortuo. — 8345. El-Omdet fi loghat El-Fors, column. Compendium de lingua Persarum, auctore *Shems-ed-din Ahmed Ben Mohammed Sicási*. — 8346. Omdet el-cári fi sharh El-Bokhári, column Coranum legentis. Commentarius in opus *Bokhári*, de quo supra videatur. — 8347. Omdet el-kottáb, column scribarum, auctore *Abu'l-cásim Yusuf Ben Abdallah Zejjáji*, anno ... mortuo. — 8348. Omdet el-kohlíyet, column medicorum oculos collyrio illinentium de morbis oculorum. Liber ita incipit: A laude Dei initium facimus etc., et in quinque Summas dispositus est, quae praxin et theoriam complectuntur. Auctor: Omnibus, inquit, fidelibus 10 officium impositum est, ut ad Deum optimis piis operibus aditum petant, unde fructus

- الناس من حفظ صححتهم ومداواة امراضهم فاستخرت في تأليف اذكر فيه جل مجرباني وما  
 شاعده من مشايخي فجمعت من عدة كتب جليلة انتهى ٨٣٤١ عمدة لطوال المدّة لابن  
 الجزار احمد بن ابراهيم الافريقي قتل سنة ٤٠٠ ٨٣٥٠ عمدة المبتدى في فقه الحنبلي للشيخ  
 جمال الدين يوسف بن حسن بن عبد الهادي المقدسي الحنبلي ٨٣٥١ عمدة المتلفظ في  
 نظم كفاية المحافظ في اللغة لحمد بن احمد الطبري المتوفى سنة نظمها للملك المظفر يوسف 5  
 ابن عمر ٨٣٥٢ عمدة المحتاج في شرح المنهاج يعنى منهاج البيضاوي يأتي في الميم  
 ٨٣٥٣ عمدة الحدّثين لابي محمد عبد الغني بن عبد الواحد المقدسي الحافظ توفي سنة  
 ٨٣٥٤ عمدة المرید في طرد الشيطان المرید ٨٣٥٥ عمدة المصلى مختصر كالمنية  
 ٨٣٥٦ عمدة المعاني ٨٣٥٧ عمدة المقيد وعدة الجيد في معرفة لفظ التجويد في علم التجويد  
 نوّبة في ستين بيتاً لعلم الدين ابي الحسن علي بن محمد السخاوي المتوفى سنة ٦٤٣ 10

- in homines pro sanitate conservanda et morbis eorum curandis redundet. Petii igitur a Deo auxilium, ut librum componerem, ubi potiorum experimentorum et meorum et doctorum meorum, quibus testis adfui, recenserem. Itaque e multis libris egregiis congressi. Haec ille. — 8349. El-Omdet li tawál el-moddet, columen pro spatii longitudine, auctore *Ahmed Ben Ibráhím Ifricki*, vulgo *Ibn-eljezzár* dicto et anno 400 (inc. 25. Aug. 1009) interfecto. — 8350. Omdet el-mubtedi, columen tironis de jure Hanbalitarum, auctore *Sheikh Jemál-ed-din Yusuf Ben Hasan Ben Abd-el-húdi Mocaddesi* Hanbalita. — 8351. Omdet el-motelaffitz 5 fi natzm Kifáyet el-motehaffitz, columen pronunciantis. Interpretatio metrica operis lexicographici, quam *Mohammed Ben Ahmed Taberi*, anno ... mortuus, in favorem *El-Meliki El-Motzaffer Yusuf Ben Omar* composuit. — 8352. Omdet el-mohtáj, columen egentis. Commentarius in opus *Minháj El-Beidháwi*, de quo in litera *Mim* dicitur. — 8353. Omdet el-mohaddithin, columen traditionariorum, auctore *Háfiz Abu Mohammed Abd-el-ghani Ben Abd-el-wáhid Mocaddesi*, anno ... mortuo. — 8354. Omdet el-morid, columen studiosi de depellendo Satana rebelli. — 8355. Omdet el-mosalli, columen precantis. Compendium libro *Minyet* simile. — 8356. Omdet el-meáni, columen sententiarum. — 8357. Omdet el-mofid we Oddet el-mojid, columen utilitatem percipientis et apparatus egregie pronunciantis de cognitione sensus verbi *tejeid* in arte Coranum recte 10 legendi. Carmen sexaginta versuum in *Nún* desinens, auctore *Ilm-ed-din Abu'ltasan Ali Ben Mohammed Sekháwi*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. Simile est



كقصيدة رأيت في التجويد لابي مزاحم مرسى بن عبد الله بن يحيى بن خازن الخاقاني اولها  
يا من يروم تلاوة القرآن

ثم شرحها [شرحاً مختصراً وشرحها ايضا الشيخ الامام اسمعيل بن محمد بن اسمعيل القضاي  
الحموي و] شمس الدين احمد بن محمود الاديبي الحكيم المقرئ اوله الحمد لله الذي انزل  
5 القرآن العظيم والذكر الحكيم الخ ٨٣٥٨ عمدة المواعظ ٨٣٥٩ عمدة المهريّة في ضبط  
العلوم البحريّة مختصر على سبعة ابواب ٨٣٦٠ عمدة الناس في مناقب [سيدنا] العباس مجدّد  
لشمس الدين محمد بن عبد الرحمن السخاوي المتوفى سنة [٩٠٦] اوله الحمد لله الذي فضل من  
شاء بالجمع لاسباب الفضائل الخ ذكر فيه انه صنّفه بالتماس للخليفة عبد العزيز المتوكل على الله  
من العباسيين بمصر وذكر في آخره للخلفاء من اولاده على ترتيب خلانتيم ٨٣٦١ عمدة الناسك  
10 في علم الناسك ٨٣٦٢ عمدة النظر في تصحيح غاية الاختصار يأتي ٨٣٦٣ عمدة الدلائل في

*Casidae Rúiyet de arte Coranum recte legendi, quam Abu Mozáhim Musa Ben Abdallah Ben Yahya Ben Khacán Khacáni edidit, et incipit ita:*

O tu qui Coranum recte recitare cupis.

Auctor commentarium [breve in carmen suum composuit, id quod pariter fecerunt Sheikh et Imám Ismaíl Ben Mohammed Ben Ismaíl Codháí Hamawí] — *Shems-ed-din Ahmed Ben Mahmúd* Philologus, Philosophus et Corani Lector, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui Coranum augustum et monitum sapiens revelavit etc. — 5  
8358. *Omdet el-mewáitz*, columen paraeneticum. — 8359. *Omdet el-meh-ríyet*, columen ingeniosorum de disciplinis rerum nauticarum definiendis. *Compendium* in septem capita dispositum. — 8360. *Omdet el-nás*, columen hominum de virtutibus [domini nostri] *Abbás*, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekhávi*, anno [902 (inc. 9. Sept. 1496)] mortuo. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo qui eum quem vult conjunctis apparatus virtutum praestantium distinxit etc. Narrat, se hunc librum petente Khalifa *Abd-el-aziz Motenakkal-alá-allah* Abbasida in Aegypto scripsisse, et ad finem Khalifas ex ejus filiis ad ordinem temporis quo Khalifatum gesserunt recenset. — 8361. *Omdet el-násik*, columen devoti de doctrina ceremoniarum sacrificii. — 8362. *Omdet el-notxtzár*, columen studiosorum de corrigendo opere *Gháyet el-ikhhtisár*, de quo infra dicitur. -- 10  
8363. *Omdet el-deláil*, columen argumentorum de quaestionibus celeberrimis,

- مشهور المسائل لابي الفرج عبد الرحمن بن علي ابن الجوزي البغدادي المتوفى سنة ٥١٧  
 ٨٣٦٤ عمدة في شرح الزبدة مر ٨٣٦٥ [عمدة المرید لجوهرة التوحيد مر] ٨٣٦٦ العمريّات  
 املآء محمد بن حسن رواية عمرو بن ابي عمر ٨٣٦٧ عمل اليوم والليلة للامام المحافظ عبد  
 العظيم بن عبد القوي المنذرى المتوفى سنة [٦٥٩] قال صنّف العلماء في عمل اليوم والليلة  
 5 والدعوات والاذكار كتباً كثيرة ومن احسنها للامام ابي عبد الرحمن النسائي المتوفى سنة [٣٠٣]  
 واحسن منه لصاحبه الخافظ احمد بن محمد المعروف بابن السني الدينوري المتوفى سنة ٣٦٤  
 وهو اجمع الكتب في هذا الفن لكنّها مطولة [قال] فحدثت الاسانيد لصعف عم الطالبين  
 وقال في آخره فرغت من جمعه في الحرم سنة ٦١٧ انتبى وللإمام ابي نعيم الاصفهاني والسبوطي  
 ٨٣٦٨ عمود النحو لعبد الله بن محمد الخطابي المتوفى سنة ٨٣٦٩ العناية بتأخيرج احاديث  
 الكفاية يأتي ٨٣٧٠ عناية في تحقيق الاستعارة بالكناية رسالة للمولى احمد بن مصطفى المعروف 10

auctore *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-el-jauzi Baghdadi*, anno 597  
 (inc. 12. Oct. 1200) mortuo. — 8364. Omdet fi sharh *El-Zubdet*, columnen.  
 Commentarius in opus *El-Zubdet*, de quo supra videatur. — 8365. [Omdet  
 el-morid, columnen studiosi. Commentarius in librum *Jauheret el-tahid*, de quo  
 supra dictum est. — 8366. *El-Amruiyet*, *Amruica*. Dictata *Mohammedis Ben  
 Hasan*, quae *Amru Ben Abi Omar* retulit. — 8367. *Amel el-yaum we el-leilet*,  
 opera diei et noctis, auctore *Imám Háfitz Abd-el-uzim Ben Abd-el-cawi Mondziri*,  
 anno [656 (inc. 8. Jan. 1258)] mortuo. Scripserunt, inquit, viri docti de operibus diei  
 5 et noctis, precationibus et pericopis multos libros, quorum praestantior *Imámum Abu  
 Abd-el-rahman Nesáyi*, anno [303 (inc. 17. Jul 915)] mortuum, auctorem habet. Illo  
 praestantiorem ejus discipulus *Háfitz Ahmed Ben Mohammed Dineweri*, vulgo *Ibn-elsení*  
 dictus et anno 364 (inc. 21. Sept. 974) mortuus, composuit. Hic liber amplissimus est  
 de hac re scriptus, attamen libri illi nimis longi sunt. Amputavi igitur locos probantes  
 propter mentium studiosorum hebetudinem. Ad finem dicit, se mense Moharrem anni  
 667 (inc. 10. Sept. 1268) libro colligendo finem imposuisse. — Haec ille. — Idem  
 argumentum tractarunt *Imám Abu Noeim Isfaháni et Soyúti*. — 8368. *Amúd  
 el-nahw*, fulcimentum grammaticae, auctore *Abdallah Ben Mohammed Khattábi*,  
 10 anno . . . mortuo. — 8369. *El-Ináyet bi takhríj ahádíth El-Kifáyet*,  
 studium in eliciendis traditionibus in opere *Kifáyet* lectis positum. Vide infra. —  
 8370. *El-Ináyet fi tahkíc el-istiáret bi'lkináyet*, studium in metaphoris  
 metonymia probandis positum. Tractatus, auctore *Molla Ahmed Ben Mustafa*, vulgo



- بطاشكبرى زاده المتوفى سنة [٩١٠] ولم يبيص ٨٣٧١ عناية في شرح الوقاية يأتي في الواو  
 وفي شرح الهداية يأتي في الهاء ٨٣٧٢ عناية في شرح الهداية في اصول الحديث يأتي  
 ٨٣٧٣ عناية في معرفة احاديث الهداية يأتي [في الهاء] ايضاً ٨٣٧٤ العنقاء المغرب في معرفة  
 ختم الاولياء وشمس المغرب للشيخ مكيبى الدين محمد بن علي المعروف بابن عربى المتوفى  
 5 سنة [٩٣٤] اوله حمدت النبي والمقام عظيم فابدأ سروراً والقواد كظيم الخ وصنقه الشيخ في  
 سنة ٩٣٢ تكلم فيه على مصاعف الانسان بالعالم على الاطلاق ونوى ان يجعل فيه ما اردته  
 تارة ابن يكون من هذه النسخة مقام النيدى واين يكون منها ختم الانسانية الاولياء فجعل  
 هذا الكتاب معرفة ختمين المقامين وشرحه بعضهم بعد الاشارة الى شرحه في رواه شرحاً معزوجاً  
 اوله الحمد لله الذي جعل المعاني ارواح الكلمات الخ وهو انقاسم بن ابي الفصل الشافعي  
 10 في ربيع الثانى سنة ٩٥٢ ٨٣٧٥ عنقود الجواهر في شرح المقصود يأتي في الميم

*Tashköprizâdeh* dicto et anno [968 (inc. 22. Sept. 1560)] mortuo, qui eum nitide non  
 exscripsit. — 8371. *El-Inâyet fi sharh El-Wicâyet*, studium collocatum.  
 Commentarius in opus *Wicâyet*, de quo in litera *Wâw* dicitur, et *El-Inâyet fi*  
*sharh El-Hidâyet*, commentarius in opus *Hidâyet*, de quo in litera *Hâ* videndum  
 est. — 8372. *El-Inâyet fi sharh El-Hidâyet*, studium. Commentarius in  
 opus *Hidâyet* de principiis doctrinae traditionariae. Vide infra. — 8373. *El-Inâyet*  
*fi ma'rifet ahâdîth El-Hidâyet*, studium de cognitione traditionum in libro  
*Hidâyet* lectarum. Vide pariter infra [in litera *Hâ*]. — 8374. *El-Ancâ El-*  
*Moghrib*, gryps fabulosus de cognitione sigilli sanctorum et sol occidentis, auctore  
 Sheikh *Mohyi-ed-dîn Mohammed Ben Ali*, vulgo *Ibn Arabi* dicto et anno [634 5  
 (inc. 4. Sept. 1236)] mortuo. Incipit ita: Praedico Deum meum et dignitas magna  
 est. Fingo gaudium et cor moerore est pressum etc. Scripsit Sheikh anno 632 (inc.  
 26. Sept. 1234), et disserit ita, ut hominem similem fingat mundo in universum, et  
 propositum habet, ut libro ea inserat, quae aliquando exposuit, quatenus ex hoc  
 exemplo gradus rectae viae cognoscendus, et quatenus ex eo sigillum humanitatis  
 sancti essent. Scripsit igitur illum librum ad hos duos gradus cognoscendos. Eum  
 vir quidam exposuit, postquam ad commentarium scribendum somnio excitatus fuit.  
 Hic textum admixtum habet et incipit ita: Laus Deo, qui sententias spiritus verborum  
 esse voluit etc. Vir ille fuit *Câsim Ben Abî'fadhl* Shafiita, qui mense Rebi' II. anni 10  
 954 (inc. 21. Febr. 1547) scripsit. — 8375. *Ancûd el-jewâhir*, racemus  
 gemmarum. Commentarius in librum *Macûd*, de quo in litera *Mim* dicitur. —

٨٣٧٦ عنقود الزواجر في نظم الجواهر في التصريف للمولى علاء الدين على بن محمد المعروف بقوشجى المتوفى سنة ٨٧٩ قال صاحب الشقائق سمعت أنه من تصانيفه وجزم المجدى بأنه له  
 ٨٣٧٧ العنقود في نظم العقود في العربية اى في النحو نظم الشيخ شمس الدين ابو عبد  
 الله محمد بن الحسين الموصلى الخليلى المتوفى سنة [قر شرحه] اوله الحمد لله الذى  
 افضل وانعم الخ واول النظم

5

لله ذى العز الذى رفع العلاء

فاحمد وصلى على النبي ومن تلا

٨٣٧٨ عنقود المختصر ونقاوة المعتصر للامام ابي حامد محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥  
 لخصه من مختصر المزني ويعبر عنه بالمعتصر ٨٣٧٩ عنقود النصيحة رسالة لابن عريشاه احمد  
 ابن محمد الخنفي المتوفى سنة [١٥٤] ٨٣٨٠ عنوان اخبار الرضاء للشيخ عماد الدين ابي جعفر  
 محمد بن علي بن الحسين بن بابويه ٨٣٨١ عنوان الادب وشرحه على بن فضال [بن علي]

8376. *Ancúd el-zewánir*, racemus florum de gemmis certa serie conjungendis de flexu formarum grammaticali, auctore Molla *Alá-ed-dín Ali Ben Mohammed*, vulgo *Cushji* dicto et anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuo. Auctor libri *El-Shecáic*: *Audivi*, inquit, hunc librum in ejus scriptis numerari; at *Mejdi* disertè contendit se ejus auctorem esse. — 8377. *El-Ancúd fi natzm el-ocúd*, racemus de monilibus colli per ordinem disponendis. Opus de lingua arabica i. e. grammatica, quod Sheikh *Shems-ed-dín Abu Abdallah Mohammed Ben-elhosein Mausili Khalili*, anno ... mortuus, metricè composuit. [Tum commentarium in id edidit, qui ita incipit: Laus

5 Deo beneficia conferenti et liberali etc. Carmen ipsum ita incipit:

Deum majestate ornatum, qui dignitatem extulit,

Qui prophetæ benedicit iisque qui hunc sequuntur, eum certe laudo.

8378. *Ancúd el-mokhtasar we Necáwet El-Mo'tasar*, racemus compendii et medulla pressi, auctore *Imám Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo, qui librum potiore partem ex epitome *Compendii Mozenü* excerpsit, quæ titulum *El-Mo'tasar* prae se fert. — 8379. *Ancúd*  
 10 *el-nasihát*, racemus admonitionis. Tractatus, auctore *Ahmed Ben Mohammed Hanefita*, vulgo *Ibu Arabshúk* dicto et anno [854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuo]. — 8380. *Onwán akhbár El-Ridhá*, titulus historiae *Ridhá*, auctore Sheikh *Imá-ed-dín Abu Jafar Mohammed Ben Ali Ben-elhosein Ben Babúye*. — 8381. *Onwán el-adeb*, titulus philologiae et commentarius, auctore *Ali Ben Fedhdhál* [*Ben Ali*]



- المجاشعي القبرواني المتوفى سنة ٤٧٩ ٨٣٨٢ عنوان الافادة في النحو ٨٣٨٣ عنوان الدراية في تاريخ بجاية ٨٣٨٤ عنوان الدليل في مرسوم خط التنزيل لاني العباس المراكشي ٨٣٨٥ عنوان الدين فارسي على مذعب الامامية ٨٣٨٦ عنوان الديوان في اسماء الحبيوان للسيوطي وعو نيل ديوان الخيوان كما سبق ٨٣٨٧ عنوان الزمان في تراجم الشيوخ والاقربان لبرهان الدين 5 ابراهيم بن عمر البقاعي المتوفى سنة ٨٨٥ جمع فيه شيوخه ثم جرده في مختصر سماه بعنوان العنوان قال اني اثبت فيه اسماء من تيسر من مشايخي واقربائي وتلامذتي وانسابهم ووفياتهم على ترتيب الحروف انتهى ذكره السخاوي وقال تعدى في تراجم الناس وزاد على الحد اقول وعو من جملة ما تعدى السخاوي في البقاعي لمناسبة كنت بينهما لاتيما شريكان في المدرس ٨٣٨٨ عنوان السعادة تركي منظوم لاحمد [الكاتب] المعروف بشمسى پاشا المتوفى 10 سنة ٩٨٨ منيا في الزبدة ثلث ابيات ٨٣٨٩ عنوان السعادة في المدائح النبوية لابن العطار

*Mojāshū Cairawāni*, anno 479 (inc. 13. Apr. 1386) mortuo. — 8382. *Onwān el-ifādet*, titulus institutionis. Opus grammaticum. — 8383. *Onwān el-dirāyet*, titulus scientiae. *Historia urbis Bejāya*. — 8384. *Onwān el-delīl*, titulus argumenti de scriptura Corani revelati severe observanda, auctore *Abu'labbās Merākeshi*. — 8385. *Onwān ed-dīn*, titulus religionis. Persice, ad disciplinam sectae Imāmīyet. — 8386. *Onwān el-diwān*, titulus Diwani de nominibus animalium, auctore *Soyūti*. Appendix est ad opus *Diwān el-heicān*, ut supra notatum est. — 8387. *Onwān el-zemān*, titulus temporis de biographiis Sheikhorum et aequalium, auctore *Borhān-ed-dīn Ibrāhīm Ben Omar Becāi*, anno 885 (inc. 5 13. Mart. 1480) mortuo. Collegit hic Sheikhos suos, tum vero omissis omittendis librum in epitomen coegit *Onwān El-Onwān* inscriptam. Orthographice, inquit, hic definivi et disposui nomina quae potui Sheikhorum meorum, aequalium, discipulorum, eorum genealogias et mortes ad ordinem alphabeticum. — Haec ille. — Laudat librum *Sekhāwi*, et: In vitis hominum, inquit, describendis modum excessit et fines transgressus est. At; inquam, haec ad summam eorum pertinent, ubi *Sekhāwi* in impugnando *Becāi* modum transit propter invidiam, quae inter utrumque ob idem studiorum commercium intercessit. — 8388. *Onwān el-seādet*, titulus felicitatis. Poema turcicum, auctore *Ahmed* [Scriba], vulgo *Shemsī Pasha* dicto et anno 988 10 (inc. 17. Febr. 1580) mortuo. Leguntur ex eo tres versus in *El-Zubdet*. — 8389. *Onwān el-seādet*, titulus felicitatis de virtutibus prophetae laudabilibus,

- أحمد بن محمد الدينسرى المصرى المتوفى سنة ٧٩٤ هـ. عنوان السعادة مختصر فى كلمات  
الأكابر مشتمل على تدبير الامور ولت على تحصيل الفضائل الدينية والدنيوية والكف من  
الرزائل والاخلاق الذميمة ويحتوى على وجيز المواعظ واحسنها وافتتاحه باحاديث الرسول  
تبركا اوله الحمد لله الفاضل طولُه الخ ٨٣١١ عنوان السعادة ودليل الموت على الشهادة لابي  
العباس احمد بن يحيى ابن ابي حجلة التلمسانى المتوفى سنة ٧٧١ هـ عنوان السير لابي 5  
الحسن محمد بن عبد الملك اليمداني [الغرضى] المتوفى سنة ٥١١ هـ عنوان السير فى  
ذكر الصحابة للحافظ شمس الدين [ابى عبد الله محمد بن احمد الذهبى المتوفى سنة ٧٢٨ هـ]  
٨٣١٢ عنوان الشرف الواقى فى الفقه والنحو والتاريخ والعروض والقوافى لشرف الدين ابن  
المقرئ اسمعيل بن ابي بكر اليمى المتوفى سنة ٨٣٧ هـ وهو كتاب بديع الوصف مجلّد صغير اوله  
الحمد لله ولى الحمد ومستحقه الخ وذكر السخاوى أنّ سبب تأليفه أنّه كان يطمع قضاء 10

- auctore *Ahmed Ben Mohammed Doneiseri Misri*, vulgo *Ibn-elattâr* dicto et anno 794  
(inc. 29. Nov. 1391) mortuo. — 8390. Onwán el-seádet, titulus felicitatis.  
Compendium de vocibus peccatorum graviorum, quod administrationem rerum, exci-  
tationem ad virtutes praestantes spirituales et terrestres, abstinentiam a pravis actionibus  
et moribus vilibus comprehendit, et paraenetica breviora eaque praestantissima  
continet. Benedictionis captandae caussa a traditionibus prophetae fit initium, et  
incipit opus ita: Laus Deo, qui copiam beneficiorum distribuit etc. — 8391. Onwán  
el-seádet we Delíl el-maut ala el-shehádet, titulus felicitatis et argumentum  
5 martyrii, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Yahya Tilimsáni*, vulgo *Ibn Abi Hejla*  
dicto et anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 8392. Onwán el-siyer, titulus  
biographiarum, auctore *Abu'lhasan Mohammed Ben Abd-el-melik Hemdáni* [*Ghardki*],  
anno 521 (inc. 17. Jan. 1127) mortuo. — 8393. Onwán el-siyer, titulus biogra-  
phiarum de historia sociorum prophetae, auctore *Háfítz Shems-ed-din* [*Abu Abdallah*  
*Mohammed Ben Ahmed Dzehebi*, anno 748 (inc. 13. Apr. 1347) mortuo]. —  
8394. Onwán el-sheref el-wáfi, titulus nobilitatis sufficientis de jurisprudentia,  
grammatica, historia, arte metrica et homoeoteleutis, auctore *Sheref-ed-din Ismail*  
*Ben Abi Bekr Yemeni*, vulgo *Ibn-el-mocri* dicto et anno 537 (inc. 18. Aug. 1433)  
mortuo. Liber artificiosa descriptione eminet et volumen parvum comprehendit, quod  
10 ita incipit: Laus Deo laudis domino eaque digno etc. *Sekháwi* causam ejus  
compositionis ita narrat. Auctor munus iudicii summum post *Majd-ed-din Shirázi*



الاقضية بعد الماجد الشيرازى صاحب القاموس ويتحامل عليه بحيث ان الماجد عمل  
 للسلطان الاشرف صاحب اليمن كتاباً اول كل سطر منه الف واستعظمه السلطان فعمل الشرف  
 هذا كتابه هذا وانتزم ان يخرج من اوله وآخره ووسطه علوم غير الفقه الذى وضع الكتاب  
 له لكنه لم يتم في حياة الاشرف فقدمه لولده الناصر فوقع عنده وعند سائر علماء عصره  
 5 ببلده موقعاً عجيباً وهو مشتمل مع الفقه على نحو وتاريخ وعروض وقوافى وفي المنيل لم يسبق  
 اليه مثله يحتوى على فنون خمسة من العلوم فاول السطور بالحكمة عروض وما هو بعده  
 بالحكمة ايضا تاريخ دولة بنى رسول وما هو بين التاريخ واواخر السطور بالحكمة نحو واواخر  
 السطور قوافى وقال السيوطى وقد عملت كتاباً على هذا النمط في كراسة في يوم واحد  
 وسميته النفحة المسكية كما سياتى وصنف النفاى بدر الدين محمد بن محمد المعروف بابن  
 10 كميل الدمياطى مات سنة ٧٧٨ على نمط عنوان الشرف بزيادة علمين وذكر ان لابن المقرئ

*Camúsi* auctorem vehementer desiderabat, et contra illum partium studio ferebatur, quoniam in favorem Sultani *Eshref* Yemanae principis librum scripserat, cujus singulae lineae a litera *Elif* incipiebant; quapropter Sultanus eum magni fecit. Itaque *Sheref-ed-din* ille in eo libro conficiendo legem sibi scripsit, ut ex ejus initio, fine et media parte doctrinae elici possent praeter jurisprudentiam, ad quam tractandam hunc librum proprie composuit. Attamen *Eshrefo* vivo eum ad finem non perduxit, quam ob caussam illius filio *Násir-ed-din* obtulit, unde apud principem et apud ceteros aetatis viros doctos in sua urbe miro modo summum honoris gradum consecutus 5 est. Simul vero cum jurisprudentia liber grammaticam comprehendit, historiam, artem metricam et homoeoteleuta. In libro *Minhal* nullum alium librum huic legimus praestantia similem inveniri. Continet autem quinque doctrinarum genera ea ratione, ut prima linea rubro liquore scripta artem metricam, et quae hanc sequitur pariter rubro liquore scripta historiam dynastiae Resulidarum, et quae inter historiam et ultimam lineam rubro liquore exarata grammaticam, et ultima linea denique homoeoteleuta tractet. *Soyúti* narrat, se libellum ad ejusmodi rationem in plagularum quinione uno die confecisse, et, ut infra dicitur, *El-Nofhat El-Miskiyet* inscripsisse. Cadhi *Bedr-ed-din Mohammed Ben Mohammed Dimyáti*, vulgo *Ibn Kemil* dictus 10 et anno 878 (inc. 29. Mai. 1473) mortuus, ad methodum libri *Ouwán el-sheref* additis duabus doctrinis similem librum composuit, et narrat, *Ibn-elmocri* quinque

خمسة ابيات من نظمه ان قرئت طردًا كانت مدحًا او عكسًا كانت نذاً وان ابن المقرئ يحتاج بها لعدم سبعة فنظم ستة واربعين بيتًا كذلك ٨٣٩٥ عنوان العنوان بتجريد اسماء الشيوخ والاقراء مرّ آنفًا ٨٣٩٦ عنوان الوصول في الاصول وشرحه الشيخ تقي الدين محمد ابن على المعروف بابن دقيق العبد الشافعي المتوفى سنة ٧٣٠ اوله الحمد لله نى العظمة والجلال الخ قال فيذه فصول مشتملة على تعريفات ومسائل لا غنية للفيقه [عنها] في معرفة 5 الاحكام اوردتها على سبيل الايجاز مقتصرًا على رؤس المسائل مكتفياً بالانموزج من نكت الدلائل جردتها للمبتدئين في الفن وهو عشر ورقات ٨٣٩٧ العنوان في تحريم معاشره الشباب والنسوان للشيخ شمس الدين محمد بن عمر العمري الشافعي مات سنة ٨٤٩ ٨٣٩٨ عنوان في القراءة لابي طاهر اسمعيل ابن خلف المقرئ الانصارى الاندلسى المتوفى سنة ٤٥٥ قال ابن خلكان وهو عمدة في هذا الشأن اوله الحمد لله الذى انشأنا بقدرته الخ ذكر فيه ما 10

versus ea fecisse ratione, ut, si recte procedendo eos legis, laudem contineant, sin vice versa, vituperationem, et *Ibn-elmocri* his versibus probationis loco usum esse, quod vitae commoditate careret. *Ibn Kemil* vero quadraginta sex ejusmodi versus composuit. — 8395. Onwán El-Onwán, titulus tituli. Epitome sola Sheikhorum et aequalium nomina continens, de qua modo dictum est. — 8396. Onwán el-wosúl fi el-osúl, titulus optati impetrati de principiis. Sheikh *Tacki-ed-din Mohammed Ben Ali* Shafita, vulgo *Ibn Dackic el-abd* dictus et anno 702 (inc. 5 26. Aug. 1302) mortuus, commentarium in opus edidit, qui ita incipit: Laus Deo magnificentia et majestate praedito etc. Hae sectiones, inquit, definitiones continent et quaestiones, quibus jurisconsultus carere non potest in statutorum cognitione. Exhibui eas ratione brevi sola quaestionum capita afferens, ut typum tantum dare satis ducerem argumentorum subtilium, quae tironibus de hac doctrina breviter narravi. Explent autem decem folia. — 8397. El-Onwán fi tahrím moásheret el-shebáb we el-niswán, titulus de prohibendo cum juvenibus et feminis consortio, auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Omar Omari* Shafita, anno 849 (inc. 9. Apr. 1445) mortuo. — 8398. Onwán fi el-ckiráet, titulus de arte critica coranica, auctore *Abu Táhir Ismail Ibn Khalaf Ansári Andalusi* Corani Lectore, 10 anno 455 (inc. 4. Jan. 1063) mortuo. *Ibn Khallikán* hunc librum columnen in ea arte esse dicit. Incipit autem ita: Laus Deo, qui nos potentia sua creavit etc. Auctor breviter et concise eos locos descripsit, de quibus septem lectorum Corani recensiones



اختلف فيه قراءات السبعة بإيجاز واختصار لتقريب على الماحفظين دون الاغمار على المبتدئين  
وانعلمان ان جعل كتابه المترجم بالاكثفاء كافيًا للمنتهى والمبتدى وبسطه بسطًا لا يشكل  
على نبي لب سوى فاجعل هذا المختصر كالعنوان له والترجمة وشرحه عبد الظاهر ابن  
نشوان الرومي المتوفى سنة ٦٦٩ اوله الحمد لله المنعم بالآله الخ ذكر فيه ان شيخه ابا الجود  
5 غياث الدين ابن فارس كان كثيرًا مما يعول عليه فشرحه لذلك واصاف اليه من القراءات  
[المشهورة] والروايات المأثورة وعلل كل قراءة وذكر الأئمة وروايتهم ٨٣٩ عنوان للامام محمد  
ابن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ ٨٤٠ [عنوان في ... لمحمود بن حمزة الكرماني وكان  
حيًا في حدود سنة ٥٠٠] ٨٤٠ عوارف المعارف في التصوف لشيخ شهاب الدين ابى حفص  
عمر [ابن محمد] بن عبد الله السيروردي المتوفى سنة ٦٣٢ قال في خطبته لا يزال في كل عصر  
10 منيع علماء قائمون بالحق ويضيق في خلف آثارهم من امتدى بهم امتدى ومن انكرهم نذر

dissentebant, ut liber iis facilius esset, qui eum memoriae mandarent, neve  
odium pueris et tironibus injiceretur, quandoquidem librum sufficientiae inscrip-  
tionem prae se ferentem provecioribus et tironibus sufficientem esse voluit, et  
ambitum ei amplum dedit, ne difficultatem viro iusta mente praedito crearet. Hoc  
compendium quasi scientiae titulum et inscriptionem esse voluit. *Abd-el-tzâhir Ibn*  
*Neshwân Rumi*, anno 649 (inc. 26. Mart. 1251) mortuus, commentarium in illud  
scripsit, qui ita incipit: Laus Deo liberali beneficiorum largitori etc. Narrat auctor,  
Sheikhum suum *Abu'ljud Ghiyâth-ed-din Ibn Fâris* saepissime libri auctoritate 5  
usum esse; quam ob causam hic in eum commentarium composuit, et lectiones  
varias notiores et traditiones consuetudine receptas, singularumque lectionum causas et  
Imamos eorumque relatores addidit. — 8399. *Onwân*, titulus, auctore *Imâm Mohammed*  
*Ben Mohammed Ghazâli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 8400. [*Onwân*  
fi . . . , titulus de . . . , auctore *Mahmûd Ben Hamza Kermâni*, circa annum 500  
(inc. 2. Sept. 1106) mortuo]. — 8401. *Awârif el-meârif*, nutrices cognitionum  
gnarae. Opus theosophicum compositum a Sheikh *Shehâb-ed-din Abu Hafs Omar*  
[*Ben Mohammed*] *Ben Abdallah Soharawerdi*, anno 632 (inc. 26. Sept. 1234) mortuo,  
qui in praefatione haec habet: Nullo tempore viri esse desierunt, qui veritatem  
defenderent, et quorum vestigia in hoc mundo cernerentur. Quos qui sequitur, recta 10  
ducitur via, qui improbat, errat et impiam prae se fert mentem. Quod jam eorum

واعتمدى ثم ان ايثارى لهديبهم ومحبتى لهم علما بشرف حالهم وصحة طريقهم المبنية على الكتاب والسنة حدانى ان ادب عن هذه العصاة بهذه الصبابة وآرف ابوابا في الحقائق والآداب معربة عن وجه الصواب فيما اعتمده حيث كثر المتشبهون واختلف احوالهم وتستر بزيبهم المتسترون وفسدت اعمالهم وسبق الى قلب من لا يفرق اصول سلفهم سوء ظن وكان لا يستلم من دقيقة فيهم وطعن ظنا منه ان حاصلهم راجع الى ماجرد رسم وتخصصهم عائد الى مطلق 5 اسم ومما حضرني فيه من النبوة ان اكثر سواد القوم بالاعتزاء الى طريقهم والاشارة الى احوالهم وقد ورد من كثر سواد القوم فيو منهم انتبى وهو مشتمل على ثلاثة وستين بابا كلها في سير القوم واحوال سلوكهم واعمالهم كما ذكر وعليه تعليقة للسيد الشريف محمد بن على الجرجاني المتوفى سنة ٨٩٠هـ وترجمه العارفي بالتركي وظهر الدين عبد الرحمن بن على الشيرازى بالفارسي والشايخ عز الدين محمود بن على الكاشى النظيرى المتوفى سنة ٧٣٥هـ ايضا بالفارسي اوله حمدك 10 لمعات صدق ونفحات اخلاص الخ واختصره محب الدين احمد بن عبد الله الطبري المكي

institutionem ad rectam viam praetuli eosque praedilexi, cum nobilitatem status eorum et disciplinae probitatem cognoscerem Corano et Sunna nixae, hoc me excitavit, ut ab illa pervicacia declinarem disciplinamque hanc studiose amplecterer, et capita de veritatibus et moribus componerem a veritatis specie in iis in quibus fiduciam ponunt exemta, quatenus multi sunt, qui similitudinem sequuntur et quorum status varii sunt. Horum forma externa se tegentes ipsi tecti fiunt; et cum illorum opera prava sint, in cor eorum, qui principia majorum non distinxerunt, mala irrepsit opinio, neque illi rem minutiorem ullam ab iis proficiscentem admittebant 5 hisque obtrebant, opinantes, eorum disciplinae summam ad nudam formam receptam redire et rationem iis propriam ad nomen absolutum referri. Praeterea hoc consilium sequi mihi videntur, ut maxima scriptorum hujus sectae pars scripta sit relatione disciplinae habita et ad suas condiciones demonstrandas. Et, ut est in proverbio, qui sectae scripta multiplicat, ex asseclarum est numero. — Haec ille. — Liber sexaginta tria capita continet, quae omnia de asseclarum sectae vitis, de vitae eorum spiritualis affectionibus et operibus, ut ipse testatur, agunt. Glossas leviores Seyyid Sherif Mohammed Ben Ali Jorjani, anno 816 (inc. 3. Apr. 1413) mortuus, ad eum edidit, interpretationem turcicam Arifi, persicam Tzahir-ed-din Abd-el-rahman Ben Ali 10 Shirazi et Sheikh Izz-ed-din Mahmud Ben Ali Kashi Natzi, anno 735 (inc. 1. Sept. 1334) mortuus, cujus translatio ita incipit: Laus Tua splendoris veritatis et odores sinceritatis etc. Mohibb-ed-din Ahmed Ben Abdallah Taberi Mekki Shafita,



- الشافعي المتوفى سنة ٢١٤ وتخرىج احاديثه للشيخ قاسم بن قنلوبغا الحنفى المتوفى سنة ٨٧١  
 ٨٤.٢ عواطف النصره في تفضيل الطواف على العمرة للشيخ محب الدين الطبرى المتوفى  
 سنة ٢١٤ عوالى ابن الشيخة هو الامام ابو الفرج عبد الرحمن بن احمد بن مبارك  
 الغزى المعروف بابن الشيخة [المتوفى سنة ٧١٩] تخرىج شيخ الاسلام الزين العراقى ٨٤.٤ عوالى  
 5 ابنى على السنجى ٨٤.٥ عوالى ابنى المحاسن الرويانى ٨٤.٦ عوالى ابنى انفوراس طراد بن محمد  
 ابن على الباشمى الزينى [البغدادى العباسى المتوفى سنة ٢١١] ٨٤.٧ عوالى احاديث ليث  
 ابن سعد خرجها انشيخ قاسم بن قنلوبغا الحنفى المتوفى سنة ٨٧١ وله تخرىج عوالى بكار  
 اسمع هذه التخرىج عند قبر كل احد منهم ٨٤.٨ عوالى البخارى تخرىج التقى ابن تيمية  
 ذكره انبقاى في مشيخته ٨٤.٩ عوالى زاعد السرخسى ٨٤.١٠ عوالى طالوت ٨٤.١١ عوالى عباس  
 10 اصم ٨٤.١٢ عوالى قاضى ابنى نصر ٨٤.١٣ عوالى كندى ٨٤.١٤ عوالى مالك ٨٤.١٥ عوالى

anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuus, epitomen ejus edidit, et Sheikh *Cásim Ben Cottuboghá* Hanefita, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuus, traditiones elicuit. — 8402. *Awátif el-nosret*, favores victoriae de processione circa templum Mekkanum visitationi sacrae in festo Mekcano praefenda, auctore Sheikh *Mohibb-ed-din Taberi*, anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuo. — 8403. *Awáli Ibn-elsheikha*, traditiones „altae“ dictae Imami *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ahmed Ben Mobárek Ghazzi*, vulgo *Ibn-elsheikha* dicti [et anno 799 (inc. 5. Oct. 1396) mortui], quas Sheikh el-islám *Zein-ed-din Irácki* elicuit. — 8404. *Awáli Abi Ali*, traditiones 5 altae *Abu Alí Sinjî*. — 8405. *Awáli Abi'lmehásin*, traditiones altae *Abu'l-mehásini Ruyáni*. — 8406. *Awáli Abi'lfewáris*, traditiones altae *Abu'lfewárisi Tarrád Ben Mohammed Ben Ali Húshimi Zeini* [*Baghdádi Abbási*, anno 491 (inc. 9. Dec. 1097) mortui]. — 8407. *Awáli ahádith Leith*, traditiones altae *Leithi Ben Sa'd*, quas Sheikh *Cásim Ben Cottuboghá* Hanefita, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuus, elicuit. Idem traditiones altas *Bekkári* elicuit, et de utraque harum traditionum sylloge apud sepulchrum duorum virorum lectiones habuit. — 8408. *Awáli El-Bokhári*, traditiones altae *Bokhári*, quas *Tacki-ed-din Ibn Teimiya* elicuit. Commemorat eas *Becái* in suo opere *Meshikhat*. — 8409. *Awáli Záhíd*, traditiones altae *Záhídi Serakhsi*. — 8410. *Awáli Tálút*, traditiones altae *Tálúti*. — 8411. *Awáli Abbás*, traditiones altae *Abbási Asamm*. — 8412. *Awáli Cádhi* 10 *Abi Nasr*, traditiones altae *Judicis Abu Nasr*. — 8413. *Awáli Kindi*, traditiones altae *Kindíi*. — 8414. *Awáli Málik*, traditiones altae *Málikíi*. — 8415. *Awáli*

- محمد بن عمر ٨٤١٩ عوالم من مسموعات القراوى جمعة ابو المظفر عبد الرحيم [بن عبد  
الكريم بن محمد] بن منصور السمعاني في مجلدين ضخمين وتوفى ما بين سنة اربع عشرة  
وست عشرة وستمانة ٨٤١٧ عوالم فرس تركى لكشفي شاعر ٨٤١٨ عوالم في النحو لابي  
على حسن بن احمد الفارسى المتوفى سنة ٣٧٧ ولعلي بن فضال الحياشى القيروانى المتوفى سنة ٤٧٩  
وللكسائى رآبئة وفي في عدة اربعة وثلاثين بيتا اولها ايا طالب الاعراب دونك جملة من احرف 5  
انفتها لك في شعري ٨٤١٩ عوالم المانة في النحو للشيخ عبد القاهر بن عبد الرحمن  
الجزجاني المتوفى سنة [٤٧٤] وهو متداول مشهور شرحه حاجى بابا الطوسى توفى سنة  
وحسام الدين التوفانى المتوفى سنة وهذا الشرح مع وجارته متضمن لفوائد لا تكاد توجد  
في الكتب المبسوطة والمولى احمد بن مصطفى المعروف بطاشكبرى زاده المتوفى سنة ٩١٨ وعلق  
السيد الشريف على بن محمد الجزجاني حاشية اتمتوفى سنة ٨٦٢ وفي اعرابه كتاب للمولى 10

- Mohammed, traditiones altae *Mohammedis Ben Omar*. — 8416. *Awáli min mesmúát El-Foráwi*, traditiones altae ex *Foráwi* auditaе, quas *Abu'lmozaffer Abd-el-rehím* [*Ben Abd-el-kerím Ben Mohammed*] *Ben Mansúr Sim'áni*, qui inter annum sexcentessimum decimum quartum et decimum sextum mortuus est, duobus voluminibus amplioribus collegit. — 8417. *Awámil Fors*, particulae regentes persicae. Turcice, auctore *Keshfi* Poeta. — 8418. *Awámil fi el-nahw*, particulae regentes. Opus grammaticum, cujusmodi plures scripserunt, ut *Abu Ali Hasan Ben Ahmed Fárisi*, anno 377 (inc. 3. Mai. 987) mortuus — *Ali Ben Fedhdhál Mojáshii* 5 *Cairawáni*, anno 479 (inc. 18. Apr. 1086) mortuus — *Kisáyi*, cujus *Casida* in *Rá* desinens triginta quatuor versus continet et ita incipit: O tu, qui flexiones grammaticas studes, accipe summam particularum, quas tibi in carmine meo composui. — 8419. *El-Awámil El-Miat*, centum particulae regentes, auctore Sheikh *Abd-el-cáhir Ben Abd-el-rahman Jorjáni*, anno [474 (inc. 11. Jun. 1081)] mortuo. Opus grammaticum tritissimum et notissimum, in quod commentarios composuerunt *Háji Bába Tusiyewi*, anno ... mortuus — *Hosám-ed-din Tocáti*, anno ... mortuus, cujus commentarius quanquam brevissimus adnotationes continet utilissimas, quae minime in scriptis amplioribus inveniuntur — Molla *Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Táshkúpri-* 10 *zádeh* dictus et anno 968 (inc. 22. Sept. 1560) mortuus. Seyyid Sherif *Ali Ben Mohammed Jorjáni*, anno 816 (inc. 3. Apr. 1413) mortuus, glossas leviores scripsit,



اشق قاسم الازنيقي المتوفى سنة ٩٤٥ وشرحها يحيى بن يخشى المتوفى [في أوائل المائة العاشرة] اوله ان احسن ما يفتتح به الكلام الخ وشرحه يحيى بن نصح بن اسراييل شرحاً مزوجاً اوله توجّهنا الى جنابك الخ ونظمه بالتركي محمد بن احمد الداعي المعروف بصوفي زاده الادرني المتوفى سنة ١٠٢٤ اوله

حمد حقيه اولدى فتح كلام

5

اوهرم آخر ايده رب انام

وعليه تعليقة للشيخ ابراهيم بن احمد الجزري سماه الاعراب في ضبط عوامل الاعراب وترجم كمال الدين المدرس بالتركية وشرحه العلامة بدر الدين محمود بن احمد العبيدي الخنفي مات سنة ٨٥٥ وفي اعرابه كتاب اوله الحمد لله القوي الذي عجزت عن ادراك كنهه الخ ٨٢٠ عون الشباب في مختصر خريدة القصر مر في الخاء ٨٢١ عون الجمل سيف ٨٢٢ عون الرائن في فن الرائن للمولى فتصيل بن علي الجمالي المتوفى سنة ٩١١ وشرحه وسماه بصون الفارض [في الوصول]

et Molla *Ashacc Cásim Iznicki*, anno 945 (inc. 30. Mai. 1538) mortuus, de analysi ejus grammatica librum edidit. *Yahya Ben Yakhshi*, [initio seculi decimi] mortuus, commentarium scripsit, qui ita incipit: Optimum, a quo orationis initium fit etc., itemque *Yahya Ben Nasúh Ben Isráyil*, cujus commentarius textum admixtum habet et ita incipit: Convertimus nos ad majestatem Tuam etc. Metrice librum in linguam turcicam transtulit *Mohammed Ben Ahmed Dái Edrenevi*, vulgo *Sufzúdeh* dictus et anno 1024 (inc. 21. Jan. 1615) mortuus, cujus translatio ita incipit:

A laude Dei fit orationis initium.

5

Spero fore ut Deus hominum eos prospere ducat.

Glossas leviores ad archetypum *Sheikh Ibráhím Ben Ahmed Jezeri* edidit et *El-Iráb fi dhábt Awámil el-iráb* inscripsit, et turcice illud vertit *Kemál-ed-din* professor. Praeterea vir doctissimus *Bedr-ed-din Mahmúd Ben Ahmed Aini* Hanefita, anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus, commentarium composuit, et de ejus analysi grammatica librum habemus, qui ita incipit: Laus Deo potenti, cujus substantiam quam ut intelligant (mentes hominum) nimis hebetes sunt etc. — 8420. Aud el-shebáb, 10 reditus adolescentiae. Epitome libri *Kharidet el-casr*, de quo in litera *Khá* dictum est. — 8421. Aun El-Jomel, auxilium. Commentarius in librum *El-Jomel El-Kebir*, de quo supra dictum est. — 8422. Aun el-ráidh, auxilium mathematici de juris hereditarii doctrina, auctore Molla *Fodheil Ben Ali Jemáli*, anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) mortuo. Idem commentarium edidit *Saun el-fáridh* [fi el-wosíl]

- الى مدارك عون الرّائض اوله يا من بعونه صون الخ واول المتن الحمد لله الذى شرح  
 للاحياء الارث من الاموات الخ وتمام تأليف الشرح شهر رجب من شهر سنة ٩٧٤ [ في بيته  
 بقسطنطينية وكان تمام المتن في سايع عشر ذى القعدة سنة ٩٧٤ بمكة ] قال في آخر الشرح ان  
 اردت تحصيل الفن على عجل فعليك بهذه المجالة فان فيها كما يروم تحصيله كفاية وان  
 حصل منك باعدت الى العثور على الدقائق والرقائق فعليك بكتابنا اعانة الغرض في تصحيح 5  
 واقعات الرّائض فانه بعون الله تعالى في هذا الفن هو النهاية انتهى ٨٤٢٣ عون المستعين  
 في الاحاديث الاربعين ٨٤٢٤ عون في ... لعلاء الدين على المروزي المتوفى سنة  
 ٨٤٢٥ عويصات الافكار في اختبار اولى الابصار رسالة مختصرة لمولانا شمس الدين محمد بن  
 حمزة الفنارى المتوفى سنة ٨٣٤ ورقتان اولها ان استخدم الكوامن والبوادى الخ وهى اسئلة  
 مشكلتة من الفنون العقلية قد اوجز في تحريره ليمتحن به الطلاب ٨٤٢٦ العهد الكبير 10  
 ٨٤٢٧ عيون العمريّة فى اليبود والنصارى جمعها ابو العباس احمد بن محمد بن العطار

- ila medarik Aun el-ra'idh* inscriptum, qui ita incipit: O Tu, in cuius auxilio  
 custodia etc. Textus autem ita incipit: Laus Deo, qui viventibus hereditatem  
 mortuorum aperit etc. Commentarii compositionem mense Rejeb anni 974 (inc.  
 19. Jul. 1566) [in domo sua Constantinopolitana, textum die decimo septimo mensis  
 Dzi'lca'det anni 971 Mekkae (inc. 21. Aug. 1563)] absolvit. Ad finem commentarii  
 haec habet: Si disciplinae cognitionem festinanter comparare tibi vis, commendo tibi  
 hanc adnotationem festinanter conscriptam; continet enim, quod ad desiderium tuum  
 5 explendum sufficit. Quodsi caussa aliqua te ad subtilitates et argutias investigandas  
 excitat, alium nostrum tibi commendo librum *Y'inet el-faridh fi tas'hik wackiat  
 el-feraidh* inscriptum, qui per auxilium divinum summum in hac arte attingere  
 studet. — Haec ille. — 8423. Aun el-mostain, auxilium ei allatum, qui  
 auxilium petit, de quadraginta traditionibus. — 8424. El-Aun fi ..., auxilium  
 de ..., auctore *Ala-ed-din Ali Merwezi*, anno ... mortuo. — 8425. Awisat  
 el-afkar, cogitationes intellectu difficiles de viris intelligentibus experiendis. Tractatus  
 brevis, auctore Molla nostro *Shems-ed-din Mohammed Ben Hamza Fenari*, anno 834  
 (inc. 19. Sept. 1430) mortuo. Duo folia, quae ita incipiunt: Certe servitio suo  
 10 abscondita et manifesta subjicit etc., et quaestiones difficiles doctrinarum rationalium  
 continent. Auctor in iis describendis brevitati studuit, ut studiosos iis tentaret. —  
 8426. El-Ahd El-Kebir, foedus magnum. — 8427. El-Ohud El-Omariyet,  
 pacta Chalifae *Omar* de Judaeis et Christianis, quae *Abu'labbas Ahmed Ben*



الدينيسرى المتوفى سنة ٧٩٤ ٨٤٢٨ العهود في ... للشيخ عبد الوهاب بن احمد الشعرائى

المتوفى سنة [٩٧٦] ٨٤٢٩ عيار الشعر لابن طباطبا

٨٤٣٠ علم العبائنة

وهو علم باحث عن تتبّع طرق المقابلة لاثّر الاقدام والاحفاف وللوانثر ونفعه ظاهر في

5 وجدان انسان الغار ودواب الصائفة وامثال ذلك من الوقوف على الامور ويحكى ان بعض من

اعتنى به يقرئ بين اثر قدم الشباب والشيخ وقدم الرجل والمرأة وهو غريب

٨٤٣١ العيان لاهل البيان فارسى مختصر في ادب السلوك واحواله للشيخ ابى الفتح محمود

ابن الامام ابى سعد المؤيد بن على بن العباس اوله الحمد لله المتفضل على عباده الخ

٨٤٣٢ العيلم الزاخر في احوال الاوائل والاواخر وهو تأريخ كبير [عربى] في مجلدين للمولى

10 الفاضل ابى محمد المصطفى بن السيد حسن الحسينى المعروف بجناى المتوفى سنة [٩٩٩]

*Mohammed Ben-elattár Doneiseri*, anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuus, collegit. — 8428. *El-Ohúd fi ...*, pacta de ..., auctore Sheikh *Abd-el-wehháb Ben Ahmed Sharáni*, anno [976 (inc. 26. Jun. 1568)] mortuo. — 8429. *Iyár el-shi'r*, justae carminum mensurae definitio, auctore *Ibn Tabátábá*. —

8430. *Ilm el-i'yáfet*. Ars vestigia persequendi.

Haec est ea ars, quae in persequendas varias rationes inquirat, quibus vestigiis pedum et ungarum bestiarum diversarum occurrendum sit. Ejus utilitas apparet 5 in homine fugitivo et animalibus errantibus inveniendis, et quae similia in rebus detegendis huc pertinent. Quidam vir, qui ejus artis curam habuit, id quod satis singulare est, distinguere potuisse dicitur inter vestigium pedis adolescentis, senis, maris et feminae.

8431. *El-I'yán li ahl el-beyán*, exploratio iis oblata, qui expositionis gnari sunt, auctore Sheikh *Abu'fat'h Mahmúd Ben-elimám Abu Sa'd Mowayyed Ben Ali Ben-elabbás*. Compendium persicum de moribus in vita spiritali agenda observandis et ejus conditionibus, quod ita incipit: Laus Deo in cultores suos beneficia conferenti etc. — 8432. *El-Ailem El-Záakhir*, mare exundans de historia earum rerum, quae primae fiunt et quae ultimae. Historia magna [arabice scripta et] 10 duobus voluminibus comprehensa, auctore Molla bene merito *Abu Mohammed Mustafa Ben-elseyyid Husan Hoseini*, vulgo *Jenábi* dicto et anno [999 (inc. 20. Oct.

- ٨٤٣٣ عين الاصابة فيما استدركه عائشة على الصحابة لجلال الدين السيوطى ذكره في  
 فهرس مؤلفاته في فن الحديث وله عين الاصابة في معرفة الصحابة لم يتم ٨٤٣٤ عين الاعيان  
 في تفسير القرآن وهو تفسير الفاتحة لشمس الدين محمد بن حمزة الفنارى المتوفى سنة [٨٣٤]  
 ٨٤٣٥ عين الحياة الاسكندري كتاب فارسى في الطب اوله حمدى كه دماغ جان ازوى  
 معطر شود الخ مرتب على فنين فن الاول في قواعد جزء النظرى الطب وفن الثانى في قواعد 5  
 جزء عمل الطب ٨٤٣٦ عين الحياة في التفسير لنجم الدين الرازى المتوفى في ربيع الاول  
 سنة [١١٨] ٨٤٣٧ عين الحياة في مختصر حياة الحيوان مر في الحاء ٨٤٣٨ [عين الحياة  
 في ترجمة حياة الحيوان تركى ترجمه ابن مفتى سيواس اتمه في سنة ١١٢٠] ٨٤٣٩ عين الخواص  
 للديلمى ٨٤٤٠ عين العلم [وزين الحكم مؤلف لطيف شرحه المولى على القارى المكي المتوفى  
 سنة ١١٠٤] قال المصنف رحمه الله ونفعنا ببركات علومه وهو من فضلاء الهند وصلحائهم على 10

- 1590) mortuo]. — 8433. *Ain el-isâbet*, oculus rectum assequens de iis sociorum prophetæ traditionibus, quas *Aïsha* correxit et emendavit, auctore *Jelâl-ed-dîn Soyûti*. Idem *Soyûti*, qui in indice scriptorum hunc librum inter scripta traditionaria refert, alium librum de cognitione sociorum *Ain el-isâbet fi ma'rifet el-sahâbet* inscriptum edidit, at non ad finem perduxit. — 8434. *Ain el-a'yân*, oculus virorum spectatorum. Commentarius in Coranum, et quidem in *Fâtiham* seu primam Suratam, auctore *Shems-ed-dîn Mohammed Ben Hamza Fenâri*, anno [834 (inc. 19. Sept. 1430)] mortuo. — 8435. *Ain el-hayât El-Iskenderi*, vitæ fons Alexandrinus. Liber persicus de medicina, qui ita incipit: Laus talis, ut ea palatum 5 animæ tanquam odore perfundatur etc. Dispositus est in duas disciplinas, quarum prior de principiis partis medicinæ theoreticæ, posterior de principiis partis medicinæ practicæ agit. — 8436. *Ain el-hayât*, vitæ fons. Commentarius in Coranum, auctore *Nejm-ed-dîn Râzi*, mense Rebî I. anni [618 (inc. 25. Febr. 1221)] mortuo. — 8437. *Ain el-hayât*, vitæ fons. Epitome libri *Hayât el-heiwân*, de quo in litera *Hâ* dictum est. — 8438. [*Ain el-hayât*, vitæ fons. Translatio turcica libri *Hayât el-heiwân*, quam filius *Muftâ* urbis *Siwâs* anno 1160 (inc. 2. Jan. 1747) absolvit]. — 8439. *Ain el-khawâss*, optima virtutum propriarum pars, auctore *Deilemi*. — 8440. *Ain el-ilm* [we *Zein el-hilm*], oculus scientiæ [et ornamentum intelligentiæ. Opus elegans, in quod *Molla Ali Mekki* Corani Lector, 10 anno 1104 (inc. 2. Sept. 1692) mortuus, commentarium edidit. Auctor, cujus Deus misereatur: Et utilitatem, inquit, cepimus benedictionibus doctrinarum ibi tractatarum.



ما صرح به الشيخ ابن حجر في مقدمته وقيل أنه منسوب الى بعض علماء بلخ ومشايخهم  
والد اعلم بتصحيح نيته في تخفية ترجمته انتبى وصرح عند بعض أنه الشيخ الامام العلامة  
محمد بن عثمان بن عمر البلخي الحنفي وهو مصنف الوافي في علم النحو [٨٤٤١ عين  
الفوائد مختصر مشتمل على حكم الفرائد سلك مؤلفه فيه سبيل الاختصار ورتبه على احد  
5 عشر باباً في الحكم والنوادر نظماً ونثراً اوله الحمد لله العظيم شأنه الخ [٨٤٤٢ عين القواعد  
في المنطق والحكمة للشيخ الامام ابى المعالى نجم الدين على بن عمر بن على الكاشى القزوينى  
المتوفى سنة [١٧٥] اوله بعد حمد واجب الوجود الخ ورتب على مقدمة وثلاث مقالات وخاتمة  
المقدمة فيها بحثان آ في مائة المنطق ٢ في موضوعه المقالة الاولى في المفردات الثانية  
في القضايا الثالثة في القياس ثم شرحه ممزوجاً غير مميّز من المتن وسماه بحر الفوائد اوله  
10 اما بعد حمد الله الخ قال التمسوا املاء كتاب على وجه الايضاح مع ايراد امثلة لما له حاجة

Hic vir Indus bene meritus et sanctus fuit, ut Sheikh *Ibn Hajr* in sua *Mocaddemet*  
diserte dicit. — Alii librum viro alicui docto et Sheikho Balkhensi tribuunt. At Deus  
optime consilium verum scit, quod in biographia celanda auctor secutus sit. — Haec  
ille. — Alii statutum habent, eundem Sheikh et Imám doctissimum *Mohammed Ben*  
*Othmán Ben Omar Balkhi* Hanefitam, qui opus *El-Wáfi fi ilm el-nahw* scripserit,  
auctorem esse]. — 8441. *Ain el-fewáid*, exquisitissimae cognitiones utiles.  
Compendium, quod apophthegmata rarissima continet. Auctor ibi viam sequitur  
succinctae orationis, et librum, qui ita incipit: Laus Deo majestate illustri etc., in  
undecim capita apophthegmatis et raris sententiis oratione ligata et soluta scriptis 5  
plena disposuit. — 8442. *Ain el-cawáid*, exquisitissima principia de logica et  
philosophia, auctore Sheikh et Imám *Abulmeúli Nejmed-dín Ali Ben Omar Ben*  
*Ali Kúshi Caswini*, anno [675 (inc. 15. Jun. 1276)] mortuo. Librum, qui ita  
incipit: Post laudem ejus, qui absoluta existentia fruitur etc., in praefationem, tres  
dissertationes et conclusionem distribuit. Praefatio duas disquisitiones continet, quarum  
prior naturam logicae, posterior ejus objectum tractat. Dissertatio prima de propo-  
sitionibus simplicibus agit, secunda de judiciis, tertia de syllogismo. Tum commen-  
tarium scripsit, cui textum ita admiscuit, ut hunc ab illo minime distingueret.  
Titulum prae se fert *Bahr el-fewáid*, et incipit ita: Praemissis praemittendis.  
Laudetur Deus etc. Auctor: A me petierunt, inquit, ut librum qui expositio quasi 10  
esset dictarem exemplis ad eos locos additis, quibus exemplis opus esset, secundum

الى المثال على ترتيب الرسالة التي كتبنا لتكون كالشرح لنا ومن شروحتها ايضاح المقاصد في  
 حكمة عين القواعد اوله الحمد لله ذي العز الباعر الخ وهو شرح بقال اقول [قال ولي الدين  
 جار الله العلامة من علماء الدولة العثمانية هذا سهو من المؤلف كاتب جلي لان ايضاح  
 المقاصد شرح لحكمة العين للمطهر الحلي الشيعي لا للعين انتهى] وحكمته ثلث مقالات  
 مشهورة بحكمة العين وهو كتاب مستقل آخر وقد سبق ٨٤٤٣ عين اللغة وهو كتاب العين 5  
 يأتي في الكاف ٨٤٤٤ عين المعاني في تفسير سبع المثاني لمحمد بن طيفور السجاولندي  
 الغزنوي المتوفى في المائة السادسة ومختصره انسان عين المعاني ٨٤٤٥ العين والنظر في  
 خصوصية الخلق والبشر للشيخ الكامل [محيي الدين] ابي عبد الله محمد بن علي بن  
 محمد ابن عربي الخاتمي اوله الحمد لله الذي عم احسانه الخ مختصر ٨٤٤٦ عين الهدي  
 ٨٤٤٧ عينية رسالة كالفلمية لحسين بن رستم پاشا اوليا الحمد لله الذي اظهر جمال 10

tractatus ordinem, quem scripsimus, ut locum commentarii expleret. Alius commentarius,  
 in quo auctor formula utitur „dicit auctor“ et „dico ego“, titulum *Idhâh el-mecâsid*  
*fi hikmet Ain el-cawâid* habet, et incipit ita: Laus Deo potentia mirabili praedito etc.  
 [Welt-ed-din Jârallah vir ad aulam Othmanicam doctissimus: Hoc vitium est, inquit,  
 negligentiae, in quod auctor hujus lexicî *Kûtib Jelebi* incurrit, nam liber *Idhâh*  
*el-mecâsid* commentarius est in opus *Hikmet el-ain*, qui *Motahher-ed-din Hilli*  
*Shiitam* auctorem habet, minime vero in *El-Ain*. — Haec ille.] — Pars philosophica  
 5 tres dissertationes comprehendit et titulo *Hikmet el-ain* inclaudit. Hic liber absolutus  
 est alius, quem supra descripsimus. — 8443. *Ain el-loghat*, lexicon usque ad  
 litteram *Ain* finitum, de quo in litera *Kâf* sub *Kitâb el-ain* videatur. — 8444. *Ain*  
*el-meâni*, exquisitissimae sententiae. Commentarius in septem primae Suratae  
 versus, auctore *Mohammed Ben Teifûr Sejâwendî Ghaznevi*, seculo sexto mortuo.  
 Epitome ejus *Insân Ain el-meâni* i. e. Pupilla oculi sententiarum inscripta est. —  
 8445. *El-Ain we El-Natzar*, oculus et speculatio de proprietate rerum creaturarum  
 et hominum peculiari, auctore Sheikh perfecto [*Mohyi-ed-din*] *Abu Abdallah*  
*Mohammed Ben Ali Ben Mohammed Ibn Arabi Khâtimi*. Compendium, quod ita  
 incipit: Laus Deo, cujus beneficentia communis est etc. — 8446. *Ain el-hodâ*,  
 10 via rectissima. — 8447. *El-Ainiyet*, tractatus *Ainiyet* i. e. oculus tractatus  
*Calemiyet* similis, auctore *Hoseini Ben Rustem Pâsha*. Incipit ita: Laus Deo, qui



احسانه الخ ٨٤٤٨ عيوب النفس السلمى ٨٤٤٩ عيون الاثر في فنون المغازى والشمال  
 والسير مجتدين للامام ابى انفتح محمد بن محمد المعروف بفتح الدين بن سيد الناس  
 الاندلسى المتوفى سنة ٧٣٤ وهو كتاب معتبر جامع لقوائد السير ثم اختصره وسماه نور العيون  
 في تلخيص سير الامين المأمون وعلف برهان الدين ابراهيم بن محمد الحلبي حاشية سماها  
 5 نور النيراس في شرح سيرة ابن سيد الناس توفى سنة ٨٤١ نظمه الشيخ شمس الدين محمد  
 ابن زين بن محمد الشافعي المتوفى سنة ٨٤٥ اول عيون الاثر الحمد لله محلى محاسن السنة  
 الحمديّة بدرر اخبارها الخ قال ولما وقفت على ما جمعه الناس قديماً وحديثاً من الجاميع  
 في سير النبي صلعم ومغازيه وايامه وغير ذلك لم يكن الا مطوّلاً مملاً ومقصرّاً باكثر المقاصد  
 مختلاً فليس لي في هذا المجموع الا حسن الاختيار في كلامهم والتبرك بالدخول في نظامهم غير  
 10 ان التصنيف يكون في عشرة انواع كما ذكره بعض العلماء فاحدها جمع المتفرقات وهو ما نحن  
 فيه سائكاً فيما ضمنه ما اقتضاه التاريخ من ايراد واقعة بعد اخرى لا ما اقتضاه الترتيب

praestantiam benignitatis suae aperit etc. — 8448. Oyúb el-nafs, vitia animae, auctore Solemi. — 8449. Oyún el-ather, optima monumenta de variis expeditionibus bellicis, indolis virtutibus et moribus. Duo volumina, auctore Imám Abu'fat'h Mohammed Ben Mohammed Andalusi, vulgo Fat'h-ed-din Ben Seyyid-el-nás dicto et anno 734 (inc. 12. Sept. 1333) mortuo. Liber magni pretii, qui omnia utilia biographias spectantia collecta habet. Epitomen ejus quam edidit Núr-el-oyún fi telkhís siyer el-amín el-mamún inscripsit. Glossas, quae titulo Núr el-nibrás fi sharh Siret Ibn Seyyid el-nás innotuerunt, Borhán-ed-din Ibrúhim Ben Mohammed Halebi, anno 841 (inc. 5. Jul. 1437) mortuus, conscripsit, et translationem metricam 5 Sheikh Shems-ed-din Mohammed Ben Zein Ben Mohammed Shafiita, anno 845 (inc. 22. Mai. 1441) mortuus. — Oyún el-ather ita incipit: Laus Deo Sunnae Mohammedicae praestantias margaritis historiarum ejus ornanti etc. Cum, inquit, quae homines antiquo et recentiore tempore omnia congesserunt de prophetae moribus, expeditionibus bellicis, pugnis aliisque rebus, inspexissem, ea nonnisi proluxa, taediosa, aut quod plurimas quaestiones principales attinet nimis brevia et exilia erant. Itaque huic syllogae meliora tantum ex eorum dictis selecta ingressi et bonum augurium ex eo cepi, quod eorum ordinem ingressus sum. Attamen opus decem 10 generibus constat, ut quidam vir doctus narrat, quorum unum dispersa complectitur; et eandem rationem in iis secuti sumus, quae illa continent, quae historia chronologica ita postulat, ut unum eventum alterum excipiat, non vero quae dispositio

٤٥٠. عيون الاجوبة في فنون الاسئلة للامام ابى القاسم عبد الكريم بن هوازن القشيري  
 الاستاد المتوفى سنة ٣٦٥ عن ٨٩ وللامام ابى سعيد الحسين بن على المطوى ايضا ذكره الواعظ  
 في تحفة الصلوة ٨٤٥١ عيون الاخبار الحاوى لمعرفة الاصمقاع والاقطار والنبات والحيوان  
 والاشجار والسهل والوعر ذكره ياقوت في اول مرآده انه من معظم الكتب ٨٤٥٢ عيون اخبار  
 الدنيا لحب الدين محمد بن محمود ابن النجار البغدادي المتوفى سنة ٤٤٣ لعله ذيله 5  
 على تاريخ بغداد كما مر ٨٤٥٣ عيون الاخبار فيما وقع لجماعه في الاقامة والاسفار للشيخ  
 زبير الدين عمر بن محمد المعروف بالشجاع الحلبي المتوفى سنة [٩٣٦] وهو تاليف غريب  
 ذكر في اوله الحمد له سبع عشرة مرة حيث قال الحمد لله مقدر السكون والحركات الحمد لله  
 الحافظ لعباده في الاقامة والسير والقلوات ثم قال وقد سمى هذا التعليق تحرير المقال في ضبط  
 ما وقع لجماعه في الاقامة والارتحال او الفوائد والدرر فيما وقع له في السفر واخصر او ملئ الغيبة 10

- postulat. — 8450. Oyún el-ejwibet, optima responsa de variis quaestionibus, auctoribus Imám *Abu'l-cásim Abd-el-kerim Ben Hewázin Cosheiri* magistro, anno 465 (inc. 17. Sept. 1072) mortuo, cum annum nonum et octogesimum egressus esset, et Imám *Abu Saíd Hosein Ben Ali Motawcui*, cujus librum *El-Wáitz in Tohfet el-salát* commemorat. — 8451. Oyún el-akhbár, optimae historiae, quae cognitionem tractuum, climatum, plantarum, animalium, arborum, planitierum et montium salebrosorum continent. Commemorat librum *Yácút* ab initio sui *Merásid*, 5 eumque inter scripta magni aestimata refert. — 8452. Oyún akhbár el-dunya, optimae mundi historiae, auctore *Mohibb-ed-dín Mohammed Ben Mahmúd Ibn-elnejjár Baghdádi*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. Fortasse appendix ejus est ad *Tarikh Baghdád*, de quo supra dictum est. — 8453. Oyún el-akhbár, historiae optimae de iis, quae auctori colligenti et commoranti et iter facienti acciderunt, auctore *Sheikh Zein-ed-din Omar Ben Mohammed Halebi*, vulgo *El-Shojá'* dicto et anno [936 (inc. 5. Sept. 1529)] mortuo. Opus singulare, a cujus initio verba „Laudem ei“ septendecim repetit, quatenus dicit: Laus Deo quietem et motus definienti — Laus Deo, qui cultores suos commorantes et peregre et in desertis versantes custodit. Tum: Hoc scriptum, ait, nominatum est etiam *Tahrir el-mecál* i. e. descriptio accurata de definiendis iis, quae auctori commoranti et iter facienti 10 acciderunt, sive *El-Fewáid we El-Dorer* i. e. utilitates et margaritae de iis, quae auctori in itinere et domi acciderunt, sive *Milyo el-ghibet*, i. e. plenitudo sermonis



فيما وقع في الإقامة [والغيبية أو التحفة فيما وقع في الإقامة] والرجعة أو زيادة الخبر فيما وقع في الإقامة والسفر أو عيون الاخبار ثم قال وقد سنج في اختيار الاخير انتهى فيه الى المحرم سنة ٩٣١ ٨٤٥٤ عيون الاخبار للشيخ ابى محمد عيسى بن احمد بن على اللحمى الاشبيلي الاندلسى ٨٤٥٥ عيون الاخبار للشيخ الامام ابى محمد عبد الله بن مسلم المعروف بابن قتيبة النحوى الدينورى المتوفى سنة [٢٧٤] وهو مجلد كبير مشتمل على ابواب كثيرة تجمع في عشرة كتب الاول كتاب السلطان ٢ الحرب ٣ السودان ٤ الطبائع والاخلاق ٥ العلم ٦ الزهد ٧ الاخوان ٨ الحكايات ٩ الطعام ١٠ النساء [اوله الحمد لله الذى يعجز بآلوه الخ] ذكر انه صنفه في الادب والمحاضرات دالا على معالى الامور مرشداً لكريم الاخلاق زاجراً عن الدناءة والقبح باعناً على الصواب والتدبير ووقف السياسة قال وعده عيون الاخبار 10 نظميتها لمغفل التآدب تبصرة ولاهل العلم تذكرة وللسائس مؤدباً وللملوك مستراحاً وصنفتها

secreti de iis, quae in commoratione domi [et in absentia acciderunt, sive *El-Tohfet*, i. e. donum de iis, quae in commoratione] et in reditu acciderunt, sive *Zubdet el-khaber*, i. e. optima historia de iis, quae in commoratione et in itinere acciderunt, sive *Oyún el-akhbár* i. e. exquisitissimae historiae. Porro: Optima quaeque, inquit, selecta se mihi obtulerunt. Progressus ibi est usque ad mensem Moharrem anni 936 (inc. 5. Sept. 1529). — 8454. *Oyún el-akhbár*, exquisitissimae historiae, auctore Sheikh *Abu Mohammed Isa Ben Ahmed Ben Ali Lahmi Ishbili Andalusi*. — 8455. *Oyún el-akhbár*, exquisitissimae historiae, auctore Sheikh et Imám *Abu Mohammed Abdallah Ben Moslim Dineveri* Grammatico, vulgo *Ibn Coteiba* dicto et 5 anno [276 (inc. 6. Mai. 889)] mortuo. Volumen magnum multa capita complectens, quae decem libris continentur, quorum primus est liber de Sultano, secundus de bello, tertius de principatu, quartus de qualitatibus naturalibus et indole hominum, quintus de scientia, sextus de abstinentia, septimus de amicis, octavus de rebus domesticis necessariis, nonus de cibis, decimus de feminis. Librum, [qui ita incipit: Laus Deo, cujus tentamen vincit etc.], auctor de humanitatis studiis et rebus legenti oblectationem afferentibus ita se composuisse dicit, ut ad nobiliorem negotiorum gradum viam monstraret, ad generosos mores duceret, a humilitate et morum turpitudine deterreret, et ad rectitudinem, meditationem sanam, administrationis lenitatem excitaret. Haec, ait, historias exquisitissimas in ordinem disposui, ut bonorum morum curam negligentibus quasi speculum esset, quod eos perspicaces redderet, hominibus 10 doctrinae studiosis memoriae adminiculum, gubernatori magister morum, regibus animi requies. Composui eum secundum capita et singula verba cum oppositis conjunxi.

على الابواب وقرنت الكلمة باختها وهى لفاح عقول العلماء ونتائج افكار الحكماء والمتخير من  
 كلام البلغاء وفضن الشعراء وسير الملوك وآثار السلف ٨٤٥٩ عيون الاخبار والاشعار لاني  
 جعفر احمد بن عبد الله الكوفي الديلمي المتوفى سنة ٢٧٣ ٨٤٥٧ عيون الاخبار وفتون  
 الاشعار لطالب بن محمد بن السراج النحوى المتوفى سنة ٨٤٥٨ 'عيون الاخبار وفتوة  
 الابصار تأريخ كبير من اول الخلف للشيخ محمد بن ابي السرور البكري الصديقى ذكره في 5  
 تأريخه المتوسط المسمى بتذكرة الظرفاء ٨٤٥٩ عيون الاغراب لعبيد الله بن احمد الغزاري  
 [ان من تلاميذ ابي على الفارسى] المتوفى سنة ٨٤٩٠ عيون الانبياء في طبقات الاطباء في  
 ثلاث مجلدات للشيخ موفق الدين احمد بن قاسم الخزرجى الطبيب المعروف بابن ابي  
 اصبيعه قال رأيت ان اذكر في هذا الكتاب نكتا وعيونا في مراتب المتميزين من الاطباء  
 القدماء والمعحدثين ومعرفة طبقاتهم على توالى ازمنتهم ونبدأ من اقوالهم وحكاياتهم وذكر 10  
 شىء من اسماء كتبهم وقد اودعت فيها ايضا ذكر جماعة من الحكماء والفلاسفة ممن

Liber flos palmae est, qui virorum doctorum mentes foecundas reddit, et pater et  
 parens cogitationum philosophorum, et e dictis virorum eloquentium, sententiis  
 poetarum subtilibus, regum biographiis et monumentis majorum subtilibus selecta  
 continet. — 8456. Oyún el-akhbár we el-ash'ár, historiae et poemata exqui-  
 sitissima, auctore *Abu Ja'far Ahmed Ben Abdallah Kufi Deilemi*, anno 273 (inc.  
 8. Jun. 886) mortuo. — 8457. Oyún el-akhbár we Fonún el-ash'ár,  
 historiae exquisitissimae et poemata varia, auctore *Tálíb Ben Mohammed Ben El-  
 Serráj* Grammatico, anno . . . mortuo. — 8458. Oyún el-akhbár we Nuzhet  
 5 el-absár, exquisitissimae historiae et oblectamentum oculorum. Historia magna a  
 rerum creatarum initio incipiens, auctore *Sheikh Mohammed Ben Abi'sorúr Bekri  
 Sadícki*, qui eam in historia sua media *Tedzkiret el-tzorafa* inscripta commemorat. —  
 8459. Oyún el-aghráb, oculi lacrymarum, auctore *Obeidallah Ben Ahmed Fezári*,  
 anno . . . mortuo, [qui discipulus *Abu Alíi Fárisi* fuit]. — 8460. Oyún el-enbá,  
 exquisitissima indicia de classibus medicorum. Tria volumina, auctore *Sheikh  
 Mowaffic-ed-din Ahmed Ben Cásim Khazreji* Medico, vulgo *Ibn Abi Oseibiah*  
 dicto. In hoc libro, ait, adnotationes subtilissimas et locos praestantissimos de  
 10 gradibus distinctorum inter medicos veteres et recentiores, et cognitionem classium  
 ad decursum temporum se excipientium, partem dictorum et narrationum selectam,  
 nonnullos eorum librorum titulos describere statui. Praeterea magnam medicorum et  
 philosophorum copiam, qui meditatione et studio artis medicae diligenti eminent, et



لهم نظر وعناية بصناعة الطبّ وجمالاً من احوالهم واما ذكر جميع الحكماء وغيرهم من ارباب النظر فأتى اذكر ذلك مستقصياً في معالم الامم واخبار ذرى الحكم انتهى ورتبه على خمسة ابواب الاول في كيفية وجود صناعة الطبّ الثاني في طبقات الاطباء الذين ظهرت لهم اجزاء من صناعة الطبّ الثالث في طبقات الاطباء اليونانيين من نسل اسقليبيوس الرابع في طبقات 5 الاطباء اليونانيين الخامس في طبقات الاطباء الذين كانوا منذ زمان جالينوس وقريباً منه انتهى ٨٤١ عيون التفاسير بحذف التكرار للمنصوري وهو ابو منصور الحسيني بن ابراهيم الغواص الساجزي ٨٤٢ عيون التفاسير للفضلاء السماسير للشيخ شهاب الدين احمد بن محمود السبواسي المتوفى سنة ٨٠٣ اوله الحمد لله الذي انزل القرآن كلاماً فيما لا يحوم حوله عوج الخ ذكر فيه ان العلماء صنعوا تفاسير بعبارات رابعة لكن كان الاصلاح لبعض الطلاب 10 صعباً فيها لرقّة مسالكهم فالتجأت الى الله ان انتخب منها تفسيراً مختصراً قريباً في التناول شافياً واثياً يسيراً لكل طالب فهم الخ ٨٤٣ عيون التواريخ في ست مجلدات لفخر الدين

summam rerum, quae ad eorum historiam pertinent, enarravi. In recensendis autem omnibus medicis et aliis viris meditatione conspicuis summum tentare conabor in libro *Meulim el-omem we Akhbâr dzewi el-hikem*. — Haec ille. — Liber in quinque capita dispositus est, quorum primum de ratione agit, qua ars medica primam originem cepit — secundum de classibus medicorum, a quibus partes artis medicae inventae sunt — tertium de classibus medicorum graecorum e prosapia Aesculapii — quartum de classibus medicorum graecorum, [quibus Hippocrates artem medicam impertitus est] — quintum de classibus medicorum, qui post et circa aetatem Galeni 5 vixerunt. — Haec ille. — 8461. Oyún el-tefásír, optima Corani interpretationes, quae locis repetitis carent, auctore *Abu Mansúr Hoseini Ben Ibráhim Ghawás Sijzi*, vulgo *Mansúri* dicto. — 8462. Oyún el-tefásír, optima Corani interpretationes bene meritis proxenetis oblatae, auctore *Sheikh Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mahmúd Síwási*, anno 803 (inc. 22. Aug. 1403) mortuo. Hic ita orsus est: Laus Deo, qui Coranum revelavit, ut de iis dissereret, quae distortae expositioni minime subjecta sunt etc., et: Viri docti, inquit, commentarios composuerunt florido dicendi genere scriptos; attamen eorum studium nonnullis studiosis difficultatem creavit propter rationis quam illi sequuntur subtilitatem. Itaque ad Deum confugi, 10 ut selecta ex iis potiore parte commentarium componerem brevem, intellectu facilem, salutarem, perfectum, cuius studioso intelligenti commodum etc. — 8463. Oyún el-tewárikh, annales exquisitissimi. Sex volumina, auctore *Fakhr-ed-dín*

محمد بن شاکر الکتبی المتوفی سنة ۷۱۴ وصلاح الدین انتهى فیہ الى اخر سنة ۷۱۰ وهو فی الغالب تتبع ابن کثیر لا سيما فی الحوادث وکثیراً ما ينقل منه صفحة فاکثر بحروفه ۴۶۴ عیون الحقائق فی الادب الرائف لشهاب الدین الاوحى الامیر الاجل الفاضل ۴۳۵ عیون الحقائق فی المعارف الجزیة من التجارات وصنعة السمن واللازورد واللعل والیاقوت وتقرير الناس فیہ ۴۶۱ عیون الحقائق وكشف الطرائف ذکرة فی الجفر اوله الحمد لله اطلع 5 لنا من مشارق الارض الخ وهو علی ثلثین باباً کثراً فی علوم غریبة وحیل ساسانیة ونیرنجات وشعبذة ونحو ذلك وخواتم ادویة مفردة ۴۶۷ عیون الحکایات لانی الفرج عبد الرحمن ابن الجوزی المتوفی سنة [۵۱۷] ۴۶۸ عیون الحکمة للشیخ الرئیس انی علی حسین بن عبد الله ابن سینا المتوفی سنة ۴۲۸ اختصره نجم [الدین محمد بن عبدان] ابن اللبودی المتوفی سنة ۶۳۱ وشرحه الامام فخر الدین محمد بن عمر الرازی المتوفی سنة ۶۰۹ وهو 10

*Mohammed Ben Shákir Katbi*, anno 764 (inc. 21. Oct. 1362) mortuo. Ejusdem tituli librum edidit *Saláh-ed-dín*, qui ad finem anni 760 (inc. 3. Dec. 1358) progressus est. Hic plerumque *Ibn Kethír* sequitur, praesertim in rerum gestarum narratione, et saepe quae ex eo assumit totam paginam comprehendunt, et saepissime ipsis ejus verbis utitur. — 8464. *Oyún el-hadáic*, horti exquisitissimi de eleganti humanitatis studio, auctore Emiro excellentissimo et bene merito *Sheháb-ed-dín Auhadi*. — 8465. *Oyún el-hacáic*, veritates exquisitissimae de cognitionibus specialibus mercimoniorum et virtutis miraculosae butyri, lapidis lazuli, rubini, hyacinthi 5 et de iis, quae homines de his rebus statuunt. — 8466. *Oyún el-hacáic we Kashf el-taráic*, veritates exquisitissimae et expositio methodorum. Hic liber, qui in *El-Jefr* commemoratur, incipit ita: Laus Deo, qui nos plagas terrae orientales cognoscendas impertit etc., et in triginta capita dispositus est, quae singula doctrinas rariores tractant, artificia Sasanica, quibus divitiae parantur, fascinii genera, praestigias et similia, et virtutes medicamentis simplicibus proprias. — 8467. *Oyún el-hicáyát*, narrationes exquisitissimae, auctore *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ibn-el-jauzi*, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. — 8468. *Oyún el-hikmet*, philosophiae pars exquisitissima, auctore Sheikh Reyís *Abu Ali Hosein Ben Abdallah Ibn Sina*, anno 428 (inc. 25. Oct. 1036) mortuo. Epitomen libri edidit *Nejm[-ed-dín Mohammed 10 Ben Abdán] Ibn-ellobúdi*, anno 621 (inc. 24. Jan. 1224) mortuus, et commentarium, ubi verbis „Dicit Sheikh“ et „Dicit interpres“ ille a textu distinguitur, Imám *Fakhr-ed-dín Mohammed Ben Omar Rázi*, qui anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) obiit. Hic incipit ita: O mi



- شرح بقال الشيخ قال المفسر اوله اللهم يا خالق السموات والارض الخ ذكر ان تلميذه الحكيم  
 محمد بن رضوان سأل ان يفسر مشكلاته وهو على ثلاثة اقسام منطق وطبيعي والهي  
 ٨٣٩٩ عيون الرضاء ٨٤٧٠ عيون الزيادات في فروع الحنفية ٨٤٧١ عيون السنينة في اخبار  
 السبتة للقاضي عياض بن موسى اليحصبي المتوفى سنة ٥٤٤ ٨٤٧٢ عيون السير في محاسن  
 5 البدو والخصر ل محمد بن عبد الملك الهمداني المتوفى سنة ٥٤٤ ٨٤٧٣ عيون الشعر لاني سعيد  
 محمد بن علي النكاواني ولد سنة ٤٩٨ ٨٤٧٤ عيون الطب لرشيد الدين ابي سعيد بن  
 يعقوب النصراني القدسي الطبيب المتوفى سنة ٩٤٦ وهي تحتوي على علاجات ملاحظة مختارة  
 ٨٤٧٥ عيون في ... لاني الحسن علي بن محمد البصري الماوردي توفي سنة ٨٤٧٦ عيون  
 في شرح رسالة ابن زيدون مر ٨٤٧٧ عيون المجالس وسرور المدارس لاني عبد الله  
 10 تاج المذكورين طاهر بن محمد الحدادي المروزي البخاري المتوفى سنة ٨٤٧٨ عيون

Deus, o creator coelorum et terrae etc., et narrat, discipulum philosophum *Mohammed Ben Ridhwán* a se petiisse, ut locos libri difficiles exponeret. Comprehendit hic tres partes, logicam, physicam et metaphysicam. — 8469. *Oyún el-ridhú*, delectatio jucundissima. — 8470. *Oyún el-ziyádát*, additamenta praestantissima de partibus juris Hanefitici secundariis. — 8471. *El-Oyún El-Seniyet*, observationes pretiosae de historia Ceutae, auctore *Cádhi Iyádh Ben Musa Yahsebi*, anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo. — 8472. *Oyún el-siyer*, biographiae praestantissimae de pulchritudinibus vitae campestris et urbanae, auctore *Mohammed Ben 5 Abd-el-melik Hemdáni*, anno 521 (inc. 17. Jan. 1127) mortuo. — 8473. *Oyún el-shi'r*, poemata exquisitissima, auctore *Abu Saïd Mohammed Ben Ali Harwáni*, anno 468 (inc. 16. Aug. 1075) nato. — 8474. *Oyún el-tibb*, pars artis medicae praestantissima, auctore *Reshid-ed-din Abu Saïd Ben Yacúb Nasráni Codsí* Medico, anno 646 (inc. 26. Apr. 1248) mortuo. Comprehendit sanationes potiore partem excerptas et selectas. — 8475. *El-Oyún fi ...*, adnotationes praestantissimae de ..., auctore *Abu'lhasan Ali Ben Mohammed Basri Máwerdi*, anno ... mortuo. — 8476. *El-Oyún*, adnotationes praestantissimae. Commentarius in Tractatum *Ibn Zeidúni*, de quo supra videatur. — 8477. *Oyún el-mejális we Sorúr el-medáris*, consessus jucundissimi et laetitia academiaram, auctore *Abu Abdallah 10 Táj-el-modzakkirín Túhir Ben Mohammed Haddádi Merwezi Bokhári*, anno ...

- [المجالس] المختلطة لابي النصر محمد بن مبرويه الحنفى المتوفى سنة ٨٧١ عيون  
 المذهب الكاملى محتويًا على اربعة مذاعب في الفروع ذكر فيه اسم السلطان شعبان بن  
 محمد التركى لقوام الدين الكافى الحنفى المتوفى سنة ٧٩١ ٨٧٠ عيون المسائل في فروع  
 الحنفيّة لابي الليث نصر بن محمد السمرقندى المتوفى سنة ٣٧٥ ولابي القاسم عبد الله بن  
 احمد البلخى وهو توسع مجلّدات توفى سنة ٣١١ ولصاحب الحيط ذكر ابن الشحنة ان للشيخ 5  
 علاء الدين محمد بن عبد الحميد الاسمندى السمرقندى المعروف بالعلّاء العالم شرح  
 عيون المسائل لابي الليث في مجلّد توفى سنة ٥٥٥ ٨٧٤ عيون المسائل في ... لابي معشر  
 عبد الكريم بن عبد الصمد الطبرى المتوفى سنة ٤٧٨ ٨٧٤ عيون المسائل في نصوص الشافعى  
 لابي بكر احمد بن حسين [بن سهل] الفارسى المتوفى سنة ٣٥ وشرحه لتقى الدين ابن دقيق  
 العبد محمد بن على الشافعى المتوفى سنة ٧٠٣ ٨٧٣ عيون مسائل المهمة للامام محيى الدين 10

- mortuo. — 8478. Oyún [el-mejális] el-mukhtalifet, varii [consensus] jucundissimi, auctore *Abu'nasr Mohammed Ben Mehrúyeh Hanefita*, anno ... mortuo. —  
 8479. Oyún el-medzáhib El-Kámili, sectae praecipuae. Liber, *Kámilicus* dictus, comprehendit quatuor disciplinas varias de articulis juris secundariis. *Chiwám-ed-dín Kúfi Hanefita*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus, ibi nomen Sultani *Shabún Ben Mohammed Turcae* laudat. — 8480. Oyún el-mesáil, quaestiones exquisitissimae de partibus juris Hanefitici secundariis, auctoribus *Abulleith Nasr Ben Mohammed Samarcandi*, anno 375 (inc. 24. Mai. 985) mortuo, et *Abulcásim*  
 5 *Abdalloh Ben Ahmed Balkhi*, anno 319 (inc. 24. Jan. 931) mortuo, cujus liber novem volumina comprehendit. Librum ejusdem tituli auctor lexicus *Mohit* edidit. *Ibn-elshehne* narrat, Sheikhum doctum *Alá-ed-dín Mohammed Ben Abd-el-hamid Osmendi Samarcandi*, vulgo *Alá-ed-dín* dictum et anno 552 (inc. 13. Febr. 1157) mortuum, commentarium uno volumine comprehensum in opus *Oyún el-mesáil* ab *Abulleith* editum composuisse. — 8481. Oyún el-mesáil fi ..., quaestiones exquisitissimae de ..., auctore *Abu Ma'shar Abd-el-kerim Ben Abd-el-samed Taberi*, anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. — 8482. Oyún el-mesáil, quaestiones exquisitissimae de statutis Shafiticiis, auctore *Abu Bekr Ahmed Ben Hosein [Ben Sahl] Fárisi*, anno 305 (inc. 24. Jun. 917) mortuo. Commentarium  
 10 in eas scripsit *Tacki-ed-dín Ibn Dackic-el-abd Mohammed Ben Ali Shafita*, anno 702 (inc. 26. Aug. 1302) mortuus. — 8483. Oyún el-mesáil el-mohimmet, graviore quaestiones exquisitae, auctore *Imám Mohyí-ed-dín Yahya Ben*



يحيى بن شرف النووي المتوفى سنة [٦٧١] سئل عنها واجاب رتبته ابو الحسن على بن  
 ابراهيم العطار على ابواب الفقه ٨٤٨٤ عيون المسائل والجوابات في اقوال الفرق ٨٤٨٥ عيون  
 المشتاقين للشريف ابى الغانم الزيدى ٨٤٨٦ عيون المعارف وفتون اخبار الخلافة جمع  
 القاضى ابو عبد الله محمد بن سلامة بن حضر القضاى المتوفى سنة ٤٥٤ اوله الحمد لله  
 5 مبدى كثر شىء ووارثه الخ قال هذا كتاب اجمع فيه جملا من انباء الانبياء وتواريخ الخلفاء  
 وولايات الملوك والامراء انتبى الى الفاطمية ٨٤٨٧ العيون والنكت في النحو لاني النظر  
 محمد بن احمد الكندى النحوى [اخذ النحو عن الزجاج] ٨٤٨٨ العيون والنكت في  
 تأويل القرآن لاني الحسن على [بن محمد] الماوردى [المتوفى سنة ٤٥٠]

*Sherif Newewi*, anno [676 (inc. 4. Jun. 1277)] mortuo. Proponit quaestiones et ad eas respondet; et *Abu'hasan Ali Ben Ibráhim Attár* eas ad capita juris distribuit. — 8484. *Oyún el-mesáil we el-jewábát*, quaestiones et responsa exquisitissima de variarum sectarum praeceptis. — 8485. *Oyún el-moshtáeckín*, oculi concupiscentium, auctore *Sherif Abu'Ighánim Zeidi*. — 8486. *Oyún el-meárif we Fonún akhbár el-khaláif*, cognitiones exquisitissimae et variae Khalifarum historiae. Collegit Cádhi *Abu Abdallah Mohammed Ben Seláma Ben Hadhr Codhái*, qui anno 454 (inc. 15. Jan. 1062) obiit, et ita orsus est: Laus Deo, omnium rerum 5 inceptor et heredi etc. Congessi, inquit, in hunc librum multas prophetarum historias, Khalifarum annales, principum et Emirorum imperia. Pervenit usque ad Fatimidas. — 8487. *El-Oyún we El-Noket*, observationes exploratae et adnotationes subtiles de grammatica, auctore *Abu'lutzar Mohammed Ben Ahmed Kindi* Grammatico, [qui grammaticum *Zejjáj* praeceptorem habuit]. — 8488. *El-Oyún we El-Noket*, observationes exploratae et adnotationes subtiles de allegorica Corani interpretatione, auctore *Abu'hasan Ali [Ben Mohammed] Máwerdi*, [anno 450 (inc. 28. Febr. 1058) mortuo]. —

---

## باب الغين المحجمة

٨٤٨٩ غالى الاسعار من على الاشعار للشيخ زين الدين عبد الرحمن بن احمد السخاوى الشافعى المتوفى سنة ١٠٢٣ اوله الحمد لله الذى جعل الخلوة باب صفاء قريته الخ وهو فى مدآخ صفات النبى صلعم كتب ديوانا كبيرا فى مدآخ البشير النذير ثم لخصه منه ٨٤٩٠ [غاية الاتقان فى تدبير بدن الانسان لرئيس الاطباء المولى صالح بن نصر الله الحلبي 5 المعروف بابن سلام المتوفى سنة ١٠٠٠ جمعه باللغة العربية ورتبه على اربع مقالات الاولى فى الكليات وهى مشتملة على الاجزاء والابواب والفصول المقالة الثانية فى الاقربادى وهى ايضا مشتملة على الاجزاء والابواب والفصول المقالة الثالثة فى الامراض المخصوصة بكل عضو المقالة الرابعة فى الامراض المشتملة بكل البدن وهو كتاب نفيس فى فن الطب لكن المولى المذكور لم يبيص ولم يرتب ثم بيصه ورتبه ابن القاسمى بعساكر الروم المولى الفاضل يحيى افندى المتوفى 10

---

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA GHAIN INCIPIUNT.

8489. Gháli el-as'ár min áli el-ash'ár, pretiosissima e carminibus sublimibus, auctore Sheikh *Zein-ed-din Abd-el-rahman Ben Ahmed Sekhawi* Shafiita, anno 1023 (inc. 1. Febr. 1614) mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo, qui solitudinem portam esse voluit ad puritatem propinquitatis suae etc., et agit de laudabilibus prophetae virtutibus. Scripsit auctor magnum Diwanum de virtutibus legati bona 5 nunciantis laudabilibus, ex quo serius potiora excerpsit. — 8490. [Gháyet el-itcán, summa scientiae subtilitas de corpore humano bene curando, auctore principe medicorum Molla *Sálik Ben Nasrallah Halebi*, vulgo *Ibn Sellám* dicto et anno 1080 (inc. 22. Mai. 1669) mortuo. Collegit librum arabice et in quatuor dissertationes disposuit, quarum prima de universalibus agit, et partes, capita et sectiones comprehendit, secunda de dispensatoriis medicis, et pariter partes, capita et sectiones continet, tertia de morbis singulis membris propriis, quarta de morbis totum corpus occupantibus. Opus est pretiosum de medicina, attamen Molla modo 10 laudatus illud neque nitide exscripsit neque in ordinem disposuit, id quod fecit filius iudicis exercituum Rumeliae Molla bene meritus *Yahya Efendi*, anno 1117 (inc.



- سنة 1117 ورتبه كذا قال الشيخ في ذيل الذيل ترجمه بالتركية المولى مصطفى بن محمد المعروف بوطواط الطبيب الاول بدار الشفاء في جامع السلطان احمد خان فرغ من ترجمته
- سنة 1141 وسماعا بنزهة الابدان في ترجمة غاية الاتقان [113] 1141 غاية الاثبات لتلقين الاموات رسالة لابن طولون الشامي المتوفى سنة [113] اوله الحمد لله الذي جعل الكتاب والسنة الخ
- 5 1143 غاية الاحسان في خلق الانسان رسالة للشيخ جلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى سنة 1143 ذكره في فهرسه في فن اللغة اوله الحمد لله الذي خلق الانسان الخ ذكر فيه المولفات التي ظفر بها فجمع ما فيها وزان عليها اضعاقا من كتب شتى وذكر فيه انه جمع فيه كتب خلق الانسان للنحاس ولاي محمد ثابت وللزجاج ولاي القاسم عمر ابن محمد العسامي ومحمد بن حبيب فذكر من اسماء الاعضاء 1143 غاية الاحسان في النحو
- 10 للشيخ الامام اثير الدين ابي حيان محمد بن يوسف الاندلسي المتوفى سنة 1143 1144 غاية الاحكام

14. Apr. 1705) mortuus, qui ratione supra allata, teste Sheikh in Appendice ad Appendicem, disposuit. Tum protomedicus nosocomii ad aedem cathedralem Sultani *Ahmed Khán Molla Mustafa Ben Mohammed*, vulgo *Wetwát* dictus, librum in linguam turcicam transtulit, et hanc translationem *Nuzhet el-abdán fi terjemet Gháyet el-itsán* inscriptam anno 1141 (inc. 27. Jul. 1728) absolvit]. — 8491. Gháyet el-ithbát li telckín el-amwát, summa confirmatio ad docendos mortuos, auctore *Ibn Tulún Shámi*, anno [953 (inc. 4. Mart. 1546)] mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, qui Coranum et Sunnam ab aeterno esse voluit etc. — 8492. Gháyet el-ihsán fi khalc el-insán, summa praestantia in hominis 5 constitutione, auctore Sheikh *Jelúl-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus in indice ejus scriptorum inter lexicologa relatus, qui ita incipit: Laus Deo, qui hominem creavit etc. Recenset hic opera, quibus potitus est, et quae ibi legebantur congescit, et e diversis libris dimidiam partem auxit. Praeterea narrat, se hic scripta de constitutione hominis collegisse a *Nakhás*, *Abu Mohammed Thábit*, *Zejjáj*, *Abu'l-cásim Omar Ben Mohammed Isámi*, *Mohammed Ben Habíb* edita, et nomina membrorum describit. — 8493. Gháyet el-ihsán fi el-nahw, summa praestantia. Opus grammaticum, auctore Sheikh et Imám *Athír-ed-din Abu Hayyán Mohammed Ben Yusuf Andalusí*, 10 anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuo. — 8494. Gháyet el-ihkám fi sináat

في صناعة الاحكام لنجم الدين محمد بن [عبدان الحكيم ابن] البودى المتوفى سنة ٦١١  
 ٨٤٩٥ غاية الاختصار في اصول قراءة ابي عمرو في ثلثة وستين بيتًا للقاضي امين الدين عبد  
 الوهاب بن احمد بن رعبان الدمشقي المتوفى سنة ٧١٨ ٨٤٩٦ غاية الاختصار في الفروع  
 للشيخ الامام مولانا ابي شجاع ٨٤٩٧ غاية الاختصار في الفقه الشافعي للامام ابي شجاع شرحه  
 السيد تقى الدين الحصى وسماه كفاية الاخبار في حد غاية الاختصار وعلى الغاية تصحيح 5  
 للشيخ تقى الدين ابي بكر بن قاضي تجلون الشافعي ثم لخصه و اشار فيه الى مواضع اختلاف  
 الشيخين الرافعي والنوى وسماه عمدة النظر في تصحيح غاية الاختصار اوله الاحمد لله على  
 اتصاله الخ ونظم غاية الاختصار ٨٤٩٨ غاية الاختصار في قرآت العشر لائمة الامصار لابي العلاء  
 حسن بن احمد العطار الهمداني المتوفى سنة ٥٩١ [اقتصر فيه على الاشهر من الطرق والروايات  
 وشروح الاحرف السبعة وجرده عن الشاذة مطلقًا وقدم ابا جعفر على الكل وقدم يعقوب 10

el-ahkám, firmissima institutio de astronomia judiciaria, auctore *Nejm-ed-dín Mohammed Ben [Abdán Ibn]-ellobúdi* [Philosopho], anno 661 (inc. 15. Nov. 1262) mortuo. — 8495. Gháyet el-ikhtisár, compendium brevissimum de principiis criticae coranicae, quae *Abu Amru* secutus est. Sexaginta tria capita, auctore *Cádhi Amin-ed-din Abd-el-wehháb Ben Ahmed Ben Wahbán Dimesheki*, anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. — 8496. Gháyet el-ikhtisár, compendium brevissimum de partibus juris secundariis, auctore Sheikh et Imám Molla nostro *Abu Shojú*. — 8497. Gháyet el-ikhtisár, compendium brevissimum de jure Shafitico, auctore Imám *Abu Shojú*. Commentarium *Kifáyet el-akhbár fi hall Gháyet el-ikhtisár* 5 inscriptum Seyyid *Tacki-ed-dín Hisni* composuit. Ad *El-Gháyet* Sheikh *Tacki-ed-dín Abu Bekr Ben Cádhi Ajlún* Shafiita emendationem castigatam edidit, et postea meliora libri excerpit, ibique locos indicavit, de quibus duo Sheikh *Rafi* et *Neweni* varia statuunt. Emendatio, quam *Omdet el-notztár fi tas'hik Gháyet el-ikhtisár* inscripsit, ita incipit: Laus Deo pro ejus beneficiis. Praeterea *Gháyet el-ikhtisár* metricè reddidit. — 8498. Gháyet el-ikhtisár, compendium brevissimum de decem lectorum Corani recensionibus in favorem Imamorum magnarum urbium, auctore *Abu'lalá Hason Ben Ahmed Attár Hemdáni*, anno 569 (inc. 12. Aug. 10 1173) mortuo. [Acquievit ibi in notandis viis et traditionibus et septem dialectorum commentariis notissimis, et omnino anomala removit. Praefert *Abu Jafar* omnibus,



على الكوفيين] وغاية في قرآت العشر كتاب آخر لابي بكر بن مهوان احمد بن الحسين  
 النيسابوري المقرئ المتوفى سنة ٣٨١ شرحه ابو المعالي الفضل ابن طاهر ٨٤٩٩ غاية الاختصار  
 في مناقب الاربعة ائمة الامصار ابي حنيفة ومالك والشافعي. واهم اوله احمد الله على ما علمني  
 واشكره على ما فهمني الخ لحمد بن احمد بن احمد الخنيلي الموصلي المتوفى سنة قال جمعته  
 5 من كتب المناقلين لاهل الاثر ورتبت ذكرهم على ترتيب الاقدم فالأقدم لا على منزلة الاعلم  
 فالاعلم ان يحتاج ذلك الى من هو اعلم منهم منزلة ليعلم الاعلم منهم الخ ٨٥٠٠ غاية العرب  
 في كلام حكماء العرب للشيوخ كمال الدين محمد بن عيسى الدميري المتوفى سنة ٨٨٠ وله  
 عليه شرح ٨٥٠٠ غاية الارتفاع والعمل بالبخش الذي في آخر قوس الارتفاع رسالة اوله للحمد  
 لله المتكلم بالعظمة والجلال الخ وهي على احدى عشر باباً ٨٥٠٠ [غاية الارشاد في معرفة  
 10 الحيوان والنبات والجماد] ٨٥٠٣ غاية الاعجاز في الاحاجي والالغاز لتاج الدين علي بن

*Yacubum Cufensibus*]. Eundem titulum *Gháyet fi ckiraát el-asher* alius liber prae se fert, quem *Abu Bekr Ben Mihrán Ahmed Ben-elhosein Nisábúri* Corani Lector, anno 381 (inc. 20. Mart. 991) mortuus, edidit, et *Abu'lmeáli Fadhl Ibn Táhir* commentario instruxit. — 8499. *Gháyet el-ikhtisár*, compendium brevissimum de virtutibus praestantibus quatuor Imamorum magnarum urbium *Abu Hanifae, Málíki, Sháfíú* et *Ahmedis*, quod ita incipit: Laudo Deum pro iis, quae me docuit et gratias ei ago pro iis, quae mihi intelligenda impertitus est etc. Auctor est *Mohammed Ben Ahmed Ben Ahmed Mausili* Hanbalita, anno . . . mortuus, qui: Collegi, inquit, librum e scriptis narratorum, qui historiam veterem referunt, et 5 quae illi tradunt disposui ad ordinem antiquitatis ita, ut antiquissima praemitterem antiquioribus, non vero ad gradum doctrinae, ut doctissima praecederent doctiora, quandoquidem his ei opus est, qui illos doctrina praestat, ut doctissimum inter eos cognoscat etc. — 8500. *Gháyet el-irab fi kelám hokamá El-Arab*, summa intelligentia de doctrina philosophorum Arabum, auctore Sheikh *Kemál-ed-din Mohammed Ben Isa Demiri*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuo. Idem commentarium scripsit. — 8501. *Gháyet el-irtifá'*, summa elevatio et usus instrumenti *Bakhsh*, quod extremo elevationis arcui aptatum est. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo magnitudine et majestate laudato etc., et in undecim capita divisus est. — 8502. [*Gháyet el-irshád*, praestantissima recti institutio de cognitione animalium, plantarum et rerum inanimatarum]. — 8503. *Gháyet el-ijáz*, summa sermois 10 efficacitas de logographis et aenigmatibus, auctore *Táj-ed-din Ali Ben Mohammed*

- محمد ابن الدريثم الموصلى المتوفى سنة ٧١٣ ٥٥٤ غاية الاعلام في روية النبي عليه الصلوة والسلام للشيخ جمال الدين بن على البسطامى ٥٥٥ غاية الآمال ٥٥٦ غاية الامانى في تفسير الكلام الربانى للمولى احمد بن اسمعيل الكوراني المتوفى سنة ٨٩٣ اورد فيه من مؤاخذات كثيرة على العلامتين الرمزخشرى والبيضاوى مجلد اوله الحمد لله المتوحد بالاعجاز في النظام الخ فرغ من تأليفه في ثالث رجب سنة ٨١٤ ٥٥٧ غاية الامكان في معرفة الزمان والمكان 5 رسالة فارسية للشيخ محمود الاسنوى اوله الحمد لله الذى لا آخر لاوليته الخ ٥٥٨ غاية الامل في التصريف والمعاناة وما يتصرف من علوم الرياضيات مختصر لاقى بكر ابن وحشية نقله من كتب الحكماء ٥٥٩ غاية الانتفاع في معرفة الجماع ٥٥٨ [غاية البيان في تدبير بدن الانسان لرئيس الاطباء المولى صالح بن نصر الله المعروف بابن سلوم الحلبي الطبيب المتوفى سنة ١٠٨٠ جمعه للسلطان محمد خان العثمانى باللغة التركية] ٥٥٨ غاية البيان لحل شرب 10 ما لا يغيب العقل من الدخان للشيخ على بن محمد بن عبد الرحمن الاجهورى المالكي

- Ibn-eldoreikim Mausili*, anno 762 (inc. 11. Nov. 1360) mortuo. — 8504. Gháyet el-ilám, summa institutio de prophetae conspectu per somnium, auctore Sheikh *Jemál-ed-dín Ben Ali Bistámi*. — 8505. Gháyet el-amál, summae spes. — 8506. Gháyet el-amáni, summa desideria de interpretatione sermonis divini, auctore Molla *Ahmed Ben Ismail Kuráni*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuo. Profert multas criminationes contra viros doctissimos *Zamakhsheri* et *Beidhawi* et compositionem voluminis, quod ita incipit: Laus Deo, qui solus est potestate mirabili 5 in ordine instituendo etc., die tertio mensis Rejeb anni 861 (inc. 29. Nov. 1456) absolvit. — 8507. Gháyet el-imkán, summa possibilitas in cognitione temporis et loci, auctore Sheikh *Mahmúd Esnewi*. Tractatus persicus, qui ita incipit: Laus Deo, cujus primatui nullus finis etc. — 8508. Gháyet el-amel, summa spes de argentaria, opum negotiis et iis doctrinis mathematicis, quarum usus obvenit. Compendium, quod *Abu Bekr Ibn Wahshiya* pluribus e scriptis philosophorum assumtis composuit. — 8509. Gháyet el-intifá', summa utilitas in cognitione conjugii. — 8510. [Gháyet el-beyán fi tedbír beden el-insán, expositio clarissima de corpore humano curando, auctore protomedico Molla *Sálih Ben Nasrallah Halebi*, 10 vulgo *Ibn Selúm* dicto et anno 1080 (inc. 22. Mai. 1669) mortuo, qui librum in gratiam Sultani *Mohammed Khán Othmáni* turcice congegessit]. — 8511. Gháyet el-beyán, expositio clarissima, qua demonstratur, fumum sugere licere, qui mentem non perturbet, auctore Sheikh *Ali Ben Mohammed Ben Abd-el-rahman*



[المتوفى سنة 1041] اوله الحمد لله رب العالمين الخ ذكر فيه أنه تكبر السؤال عن شرب الدخان الحادث في قريب الزمان وقد كان تكبر منه الجواب عنه سنين بالفاظ مختلفة محمولها أن شرب ما لا يغيب العقل منه حلال لذاته ثم أنه خفى ذلك على بعض الطلاب فاخترت عمل رسالة مشتملة على بيان ما ذكره <sup>اله</sup> غاية البيان ونادرة الاقران في شرح الهداية يأتي

5 <sup>اله</sup> غاية البيان ونهاية التبيين تأريخ آل عثمان لعلآه الدين على بن القاسم سعدى المتوفى سنة وهو تأريخ مختصر ليس كاسمه <sup>اله</sup> [غاية التحرير الجامع وكفاية التحرير المانع المختصر من فصول البدائع للفاضل يوسف بن ابراهيم المغربي الوانوى الحنفى فرغ منه سنة 833] ثم شرحه في اربع مجلدات وسماه كشف الشوارد والموانع وصبأ غرر الفوائد واللوامع فرغ منه سنة 838 هكذا ذكره المولى ولي انندى المعروف بجار الله <sup>اله</sup> غاية التحقيق

10 في مقسم العلم الى التصور والتصديق لطاشكبرى زاده رسالة اولها الحمد لله الذى قسم

*Ojhúri* Malikita, [anno 1066 (inc. 21. Oct. 1655) mortuo]. Incipit hic ita: Laus Deo, mundorum domino etc., et ibi: Repetita est, inquit, quaestio de fumi suctu, qui proximo tempore usu receptus est, et responsa eam ob causam per plures annos variis verbis sunt identidem reddita, quorum summa eo redit, ut fumi suctus, quatenus animum non confundat, per se licitus sit. Quod cum nonnullos studiosos fugeret, tractatum componere statui, qui eorum expositionem comprehenderet, quae antea commemorata sunt. — 8512. Gháyet el-beyán we Nádiret el-acrán, expositio clarissima et margarita aequalium singularis. Commentarius in librum *Hidáyet*, de quo infra videatur. — 8513. Gháyet el-beyán we Niháyet el-tibyán, 5 expositio clarissima et demonstratio perfectissima. Historia dynastiae Othmanicae, auctore *Alá-ed-dín Ali Ben Cádhi Sa'di*, anno ... mortuo. Historia brevis est, quae titulo minime respondet. — 8514. [Gháyet el-tahrír el-jámi', accuratissima descriptio universalis et sufficiens descriptio prohibens. Compendium sectiones dictorum rariorum continens, auctore bene merito *Yusuf Ben Ibráhím Maghribi Wánúí Hanefita*, qui anno 832 (inc. 11. Oct. 1428) absolvit. Tum commentarium quatuor voluminibus comprehensum et *Kashf el-shewárid we el-mewáni we Dhabt ghorer el-feháid we el-lewámi'* inscriptum edidit, quem anno 838 (inc. 7. Aug. 1434) ad finem perduxit. Ita narrat *Molla Weli Efendi*, vulgo *Jarallah* dictus]. — 8515. Gháyet el-tahckíc, summa cognitio de scientiae divisione in notiones et 10 probationem, auctore *Túshköprizádeh*. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, qui

العلم بين العلماء من عباده الخ ٥٥٦ غاية التحقيق من التفاسير ٥٥٧ غاية التعرف في علمي الاصول والتصوف يعنى اصول الدين ارجوزة اولها الحمد لله الذى هدانا للخ فشرحها وتمامها بحر الانوار المحيط للشيوخ محمد بن محمد زين العابدين سبط المرصفي ٥٥٨ غاية التقريب مختصر في الفروع للقاضى ابى شجاع الشافعى المتوفى سنة نظمه بعضهم ٥٥٩ غاية التحرص في جواب سؤال اهل سمس رسالة لابن طولون الشامى المتوفى سنة [٩٥٣] اوله الحمد لله الذى هدانا لهذا الخ واجاب فيه عن مسئلة قبر خالد بن وليد ٥٥٢ غاية الحكيم في السحر [للحكيم ابى القاسم مسلم بن احمد القرطبى] المجربى [المتوفى سنة ٣٥٥ هـ] على طريقة اليونان اوله الحمد لله الذى اشرفت من نوره حجب الاستار الخ سماه غاية الحكيم واحققت النتيجةين بالتقديم فرغ منه سنة ٣٤٨ ذكر فيه انواع الطلسمات وفنون انواع السحر ورتب على اربع مقالات قال جمعت هذا الكتاب من ١٣ كتاب للحكماء ونفحته في 10

scientiam inter viros doctos cultorum suorum distribuit etc. — 8516. Gháyet el-tahkíc, cognitio perfectissima. Pertinet ad Corani commentarios. — 8517. Gháyet el-tearraf, perfectissima institutio doctrinarum principiorum religionis et theosophiae. Carmen metro *Rejex* compositum, quod ita incipit: Laus Deo, qui nos direxit etc., auctore Sheikh *Mohammed Ben Mohammed Zein-el-abidin Marsafü* nepote. Tum commentarium edidit *Bahr el-anwár El-Mohit* inscriptum. — 8518. Gháyet el-tacríb, argumentatio firmissima. Compendium de articulis juris secundariis, auctore Cádhi *Abu Shojú' Shafiita*, anno ... mortuo. Vir quidam librum 5 metrice reddidit. — 8519. Gháyet el-hars, summum desiderium. Responsum ad quaestionem Emessenorum, auctore *Ibn Tulún Shami*, anno [953 (inc. 4. Mart. 1546)] mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, qui nos ad hoc direxit etc., et responsum continet ad quaestionem de sepulchro *Kháldi Ben Welid*. — 8520. Gháyet el-hakím, summus finis philosophi, auctore [philosopho *Abu'lcásim Mostim Ben Ahmed Cortubi*] *Majeriti*, [anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo]. Liber de arte magica ad disciplinam Graecorum, qui ita incipit: Laus Deo, e cujus lumine noctes velorum splendent etc. Inscriptus auctor librum plene *Gháyet el-hakím ve ahacc el-netijetein biltecdim*, et absolvit anno 348 (inc. 14. Mart. 959). Recenset 10 talismatum genera et varias artificiorum magicorum species, et in quatuor dissertationes distribuit. Collegi, ait, hunc librum e centum viginti quatuor libris philoso-



- مدّة ستة سنين ٥٥١ غاية السرور في شرح الشذور في الكيمياء سبق ٥٥٣ غاية السؤل  
 في اصول الفقه لعلاء الدين علي بن محمد الباجي المتوفى سنة ٧١٤ ٥٥٣ غاية السؤل في  
 خصائص الرسول للشيخ الامام سراج الدين عمر بن الملقن [المتوفى سنة ٨٠٤] ٥٥٤ غاية  
 الغايات في المحتاج اليه من اقليدس والمتوسّطات لنجم الدين [الحكيم العلامة شمس الدين  
 ٥] محمد بن [عبدان] اللبودي المتوفى سنة ٦١١ ٥٥٥ غاية الغور في مسائل الدور للامام ابي  
 حامد محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ اتفقا في مسألة السريحية على عدم وقوع  
 الطلاق ثم رجع واتفق بوقوع ارضه الحمد للذي الفصل والنعم الخ ذكر فيه انه لما دخل  
 بغداد سنة ٤٨٤ تواترت عليه الاسئلة عن دور الطلاق وذكر انه رأى اكثرهم قد اطبقوا على  
 ابطال الدور وصنّف ٥٥٦ غاية في اختصار النهاية في الفقه يأتي في التون ٥٥٧ غاية في  
 10 تجريد مسائل الهداية وفي شرحه يأتي ٥٥٨ غاية في العروص لمحمد بن حسن الزبيدي

phorum et per spatium sex annorum conflavi. — 8521. Gháyet el-sorúr, summum  
 gaudium. Commentarius in librum *El-Shodzúr* de alchymia. Vide supra. —  
 8522. Gháyet el-soyúl, summum desiderium de juris principiis, auctore *Alá-ed-din*  
*Ali Ben Mohammed Báji*, anno 714 (inc. 17. Apr. 1314) mortuo. — 8523. Gháyet  
 el-soyúl fi khasáis el-resúl, summum desiderium de virtutibus legato divino  
 propriis, auctore Sheikh et Imám *Siráj-ed-dín Omar Ben-elmolacckin*, [anno 804  
 (inc. 11. Aug. 1401) mortuo]. — 8524. Gháyet el-gháyát, summus finis de  
 Euclide et libris mathematicis mediis, quibus opus est, auctore [philosopho eruditis-  
 simo] *Nejm-ed-din [Shems-ed-din Mohammed] Ben [Abdán] Lobúdi*, anno 661 (inc. 5  
 15. Nov. 1262) mortuo. — 8525. Gháyet el-ghaur fi mesáil el-daur, summus  
 fundus de quaestionibus legatorum in orbem circumlatorum. Imám *Abu Hámid*  
*Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuus, hunc  
 librum composuit de quaestione *Seriháyet* ita, ut repudium non admitteret. Tum  
 mentem mutavit et admittendum esse statuit. Incipit autem ita: Laus Deo benevo-  
 lentissimo et liberalissimo etc. Narrat, cum Bagdadum anno 484 (inc. 23. Febr.  
 1091) ingressus esset, quaestionem de repudii circumlacione sibi repetitis vicibus  
 propositam esse, et plurimos consentire vidisse, circumlacionem jure abrogandam esse.  
 Hanc ob causam scripsit. — 8526. Gháyet fi ikhtisár El-Niháyet, epitome  
 brevissima libri juridici *Niháyet*, de quo in litera *Nún* dicitur. — 8527. Gháyet  
 fi tejríd mesáil El-Hidáyet, simplicissima et clarissima expositio quaestionum 10  
 libri *Hidáyet*, et commentarius. Vide infra. — 8528. Gháyet fi el-arúdh,  
 summum in arte metrica, auctore *Mohammed Ben Hasan Zebidi*, anno 676 (inc.

- المتوفى سنة ٦٧١ وهو كتاب جليل مفيد ٥٥٦ غاية في القراءة على طريقة ابن مهران لاني  
 جعفر احمد بن علي المقرئ الشافعي المعروف بابن البادش [المتوفى سنة ٥٤٠] اوله الحمد لله  
 العادل في قصبة القائم بالقسطن في بيته الخ ٥٥٣ غاية القصوى في اسرار الحروف والاسماء  
 ٥٥٣١ غاية القصوى في فروع الشافعية للقاضي ناصر الدين عبد الله بن عمر البيضاوي المتوفى  
 سنة ٦١٥ وهو كتاب معتبر اعتنى عليه انفياء فشرحه الشيخ عبد الله بن محمد الفرغاني 5  
 العبيدي المتوفى سنة رغيث الدين محمد بن محمد الواسطي المتوفى سنة ٧١٨ والشيخ  
 جمال الدين محمد بن محمد الاقسرائي المتوفى سنة ومن مؤلفات الامام ابى حامد محمد  
 ابن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ كما في وافي الصفدي وبرهان الدين عبد الله العمري كما  
 ذكره في اول شرح المنهاج ٥٥٣٢ غاية القصبا في معرفة الدنيا رسالة في اربع ورقات اوله الحمد  
 لله الذي جعل الدنيا قنطرة الآخرة الخ ٥٥٣٣ غاية اللذات في شرّ الهوى لفخر الدين ابى 10

4. Jun. 1277) mortuo. Liber pretiosus et ad discendum utilis. — 8529. El-Gháyet  
 fi el-ckiráat, summum in arte Coranum ad methodum *Ibn Mihráni* legendi, auctore  
*Abu Ja'far Ahmed Ben Ali* Shafiita Corani Lectore, vulgo *Ibn-elbádish* dicto [et  
 anno 540 (inc. 24. Jun. 1145) mortuo]. Incipit ita: Laus Deo in eo judicandò justo,  
 qui in homines creatos justitiam exercet etc. — 8530. El-Gháyet El-Coswá,  
 terminus extremus de arcanis literarum et nominum. — 8531. El-Gháyet El-  
 Coswá, terminus extremus de articulis juris Shafiitici secundariis, auctore Cádhi  
 5 *Násir-ed-din Abdallah Ben Omar Beidháwi*, anno 685 (inc. 27. Febr. 1286) mortuo.  
 Liber magni aestimatus, quem jurisconsulti curae sibi habuerunt. Commentarios  
 igitur in eum composuerunt Sheikh *Abdallah Ben Mohammed Fergháni Obeidi*,  
 anno ... mortuus — *Ghiyáth-ed-din Mohammed Ben Mohammed Wásiti*, anno 718  
 (inc. 5. Mart. 1318) mortuus, et Sheikh *Jemál-ed-din Mohammed Ben Mohammed*  
*Aceráyí*, anno ... mortuus. Similem librum, ut in opere *Wáfi a Safedi* edito  
 legitur, scripsit Imám *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505  
 (inc. 10. Jul. 1111) mortuus, et *Borhán-ed-din Abdallah Obri*, ut ab initio  
 10 commentarii in *El-Minháj* narrat. — 8532. El-Gháyet El-Cosyá, terminus  
 extremus in cognitione mundi. Tractatus quatuor foliorum, qui ita incipit: Laus Deo,  
 qui hunc mundum pontem fecit in alterum etc. — 8533. Gháyet el-ladzdzát,  
 summae deliciae de improbitate cupiditatum, auctore *Fakhr-ed-din Abu'lhasan*



- الحسن على بن ملمش التركي المتوفى سنة ٦٣١ ٥٥٣٤ غاية لاهل النهاية للشيخ الواحد  
سهل بن عبد الله التستري ذكره صاحب الخالصة ٥٥٣٥ غاية المحصل في شرح المفصل يأتي  
٥٥٣٦ غاية المراد في اخراج الصاد للشيخ الامام ابي عبد الله محمد بن احمد ٥٥٣٧ غاية  
المرام في رجال البخاري الى سيد الانام ماجلد ضخم اوله الحمد لله الذي رفع منار الحقف  
5 الخ للشيخ محمد بن داود بن محمد البازي [الكردى الحموى الشافعي المتوفى سنة ٩٣٥]  
ذكر فيه انه كان ممن اشتغل بالحديث وطاف البلاد فآلف ورتب على الحروف ٥٥٣٨ غاية  
المرام في علم الكلام للامام سيف الدين ابي الحسن على بن ابي علي الادمي [المتوفى سنة ٦٣١]  
اوله الحمد لله الذي زلزل بما اظير من صنعته الخ ٥٥٣٩ غاية المسؤل في الاشارة الى  
النفوس والعقول لبوسف الحلبي ثم الازهرى [ثم الدمشقي كتبها لاحمد الانصاري]  
10 ٥٥٤٠ غاية المطلب في رهن الذهب رسالة لشرنبلالي المصري وهو الشيخ حسن بن عمار

*Ali Ben Molemmish Turca*, anno 626 (inc. 30. Nov. 1228) mortuo. — 8534. *El-Gháyet li ahl el-niháyet*, summum asseclis infinitatis oblatum, auctore Sheikh asceta *Sahl Ben Abdallah Tusteri*. Commemoratur ab auctore libri *Khálisat*. — 8535. *Gháyet el-mohassil*, summum auctoris comparantis. Commentarius in opus *Mofassil*, de quo infra dicitur. — 8536. *Gháyet el-morád fi ikhráj el-dhád*, summum desiderium de enuncianda litera *Dhád*, auctore Sheikh et Imám *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed*. — 8537. *Gháyet el-merám*, summum desiderium de viris traditiones apud *Bokhári* referentibus usque ad hominum dominum, auctore Sheikh *Mohammed Ben Dawúd Ben Mohammed Bázilli* [*Kurdi Hamaui* 5 *Shafiita*, anno 925 (inc. 3. Jan. 1519) mortuo]. Volumen crassum, quod ita incipit: Laus Deo, qui pharum veritatis erexit etc. Auctor narrat, se ad eos pertinere, qui in re traditionaria tractanda occupati fuissent, se terras peragrasse, scripsisse et ad ordinem alphabeticum disposuisse. — 8538. *Gháyet el-merám fi ilm el-kelám*, summum, quod in doctrina metaphysicae desiderari potest, auctore Imám *Seif-ed-din Abu'lhasan Ali Ben Abi Ali Amidi*, [anno 631 (inc. 7. Oct. 1233) mortuo]. Incipit ita: Laus Deo, qui terram commovet iis artis suae factis, quae manifestavit etc. — 8539. *Gháyet el-mes'úl*, summum quod quaeritur de indicis, quibus animae et mentes explorantur. Scripsit *Yusuf Halebi*, tum *Azheri* [et denique *Dimeshcki* dictus, in gratiam *Ahmedis Ansári*]. — 8540. *Gháyet el-matleb*, summa petitio 10 de pignore aureo. Tractatus, auctore *Sharanbeláli Misri*, cujus plenum nomen ita

- ابو الاخلاص الخنفي المتوفى سنة ١٠٦٩ ٨٥٢١ غاية المطلب في العمل بالربيع الحبيب اولها للآمد  
 لل الذي جعل المنجوم اعلاما الخ وهي على ثلاثة فنون ٨٥٢٢ [غاية المطلب في المنطق  
 للعلامة شمس الدين محمد بن محمود الاصفهاني الاصولي المتوفى سنة ٩٨٨ ٨٥٢٣ غاية المطلب  
 في فن الانغام والضروب للشيخ الامام شمس الدين محمد بن عيسى بن كرا الكهنيلي المتوفى  
 سنة ٧٥٩ وهو في علم الموسيقى] ٨٥٢٤ غاية المطلب في قراءة خلف واني وجعفر ويعقوب 5  
 نظما للشيخ زين الدين عبد الباسط بن احمد المكي المتوفى سنة ٨٥٣ ٨٥٢٥ غاية المطلب  
 في قراءة يعقوب نظم ابي حيان محمد بن يوسف الاندلسي المتوفى سنة ٧٢٥ ٨٥٢٦ غاية  
 المطلب واعظم المنة فيما يغفر الله تعالى به الذنوب ويوجب الجنة للشيخ [تاج الدين]  
 عبد الرحمن بن علي الزبيدي المتوفى سنة ٩١٥ [ولعله هو ابن الربيع عالم اليمن المتوفى سنة ١١٢٢  
 ٨٥٢٧ غاية المغنم في الاسم الاعظم للشيخ تاج الدين علي بن محمد ابن الدرهم الموصلبي المتوفى 10

- sonat: Sheikh *Hasan Ben Ammár Abu'likhlás* Hanefita. Obiit anno 1069 (inc. 19. Sept. 1658). — 8541. Gháyet el-matleb, summa petitio de operatione cum quadrante sinu instructo. Liber ita incipit: Laus Deo, qui astra signa esse voluit etc., et in tres species distributus est. — 8542. [Gháyet el-matleb, summa petitio de logica, auctore viro doctissimo *Shems-ed-din Mohamméd Ben Mahmúd Isfaháni Osúli*, anno 688 (inc. 25. Jan. 1289) mortuo. — 8543. Gháyet el-matlúb, summum petitum de arte melodiarum et modis canendi, auctore Sheikh 5 et Imám *Shems-ed-din Mohammed Ben Isa Ben Kerrá* Hanbalita, anno 759 (inc. 14. Dec. 1357) mortuo. Liber agit de arte musica]. — 8544. Gháyet el-matlúb, summum petitum de recensione coranica *Khalafi, Obayyí, Ja'fari, Yacúbi*. Metrice composuit Sheikh *Zein-ed-dín Abd-el-básit Ben Ahmed Mekki*, qui anno 853 (inc. 24. Febr. 1449) defunctus est. — 8545. Gháyet el-miatlúb fi ckiráat Yacúb, summum petitum de recensione coranica *Yacúbi*. Metrice composuit *Abu Hayyán Mohammed Ben Yusuf Andalusi*, anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) mortuus. — 8546. Gháyet el-matlúb, summum petitum et maxima gratia de iis, ob quae Deus excelsus peccata condonat et paradiso hominem dignum habet, auctore Sheikh [Táj-ed-dín] *Abd-el-rahman Ben Ali Zebídi*, anno 925 (inc. 3. Jan. 1519) mortuo. [Fortasse hic *Ibn-elrebí'* vir Yemanae doctus fuit, qui anno 944 (inc. 10. Jun. 1537) 10 obiit]. — 8547. Gháyet el-maghnem, summa praeda de nomine Dei maximo, auctore Sheikh *Táj-ed-dín Ali Ben Mohammed Ibn-eldoreihim Mausili*, anno 762



- سنة ٧٣٠ أوله الحمد لله الذى اسمه الاعظم المكنون الخ ذكر فيه أنه أورد فيه من الاحاديث  
 واقوال العلماء واتبع بمتعلقه من اسرار الحروف وما استنبط نفسه ٨٥٢٨ غاية المفيد ونهاية  
 المستفيد لابي محمد عبد الله بن يحيى الصبغى المتوفى سنة ٨٥٢٩ غاية المهرة في الزيادة  
 على العشرة منظومة للشيخ شمس الدين محمد بن محمد الجزرى المتوفى سنة ٨٣٣  
 5 ٨٥٥٠ غاية الوصول في الاصول للامام حجة الاسلام الغزالي شرحها حسن بن مطهر الخلي [الشيخي  
 المتوفى سنة ٧٢٩] يقال اقول في مجلد وخرغ في جمادى الاولى سنة ٦٨١ ٨٥٥١ غاية الوفاء في  
 ختم الشفاء يعنى شفاء القاضى عياض رسالة لابن طولون الشامي [المتوفى سنة ٩٥٣]  
 ٨٥٥٢ غث التصريف لحسن بن احمد النكوى المتوفى سنة ٨٥٥٣ غرائب اخبار المسنين  
 ومناقب آثار الميتدين لقاسم بن محمد القرطبي المتوفى سنة ٦٤٣ ٨٥٥٤ غرائب الاسرار

(inc. 11. Nov. 1360) mortuo. Incipit hic ita: Laus Deo, cujus nomen maximum absconditum etc., et narrat, se hic traditiones et doctorum virorum effata protulisse et leves adnotationes de arcanis literarum adjecisse, et quae abscondita ipse ingenio elicisset. — 8548. Gháyet el-mofíd we Niháyet el-mustefíd, summa institutio docentis et finis ejus, qui institutionem quaerit, auctore *Abu Mohammed Abdallah Ben Yahya Dhobai*, anno ... mortuo. — 8549. Gháyet el-maharet, summus finis ingeniosorum de additamentis ad decem Corani recensioni. Carmen conditum ab Sheikh *Shems-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Jezeri*, anno 833 (inc. 30. Sept. 1429) mortuo. — 8550. Gháyet el-wosúl fi el-osúl, summum 5 quo pervenitur de principiis religionis, auctore *Imám Hojjet-elislám Ghazáli*. Commentarium volumine comprehensum *Hasan Ben Motakher Hilli* [Shiíta, anno 726 (inc. 8. Dec. 1325) mortuus], edidit ita, ut verbis „Dicit auctor“ et „Dico ego“ textum et commentarium distingueret, et mense Jomádzi I. anni 681 (inc. 11. Apr. 1282) absolvit. — 8551. Gháyet el-wefá fi khatm El-Shefá, summa perfectio de obsignando libro *Shefá*, cujus auctor *Cádhi Iyádh* est. Tractatus, auctore *Ibn Tulún Shami*, [anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) mortuo]. — 8552. Ghathth el-tesrif, macies flexionis formarum grammaticae, auctore *Hasan Ben Ahmed* Grammatico, anno ... mortuo. — 8553. Gharáib akhbár el-mosnidín, historiae singulares eorum, qui auctoritate primi auctoris interposita traditiones retulerunt, et praestantiae monumentorum eorum, qui recta via ducti sunt, auctore *Cásim Ben Mohammed Cortubi*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. — 8554. Gharáib

- فارسی ٨٥٥٥ غرائب التنبيهات على عجائب التشبيهات للوزير الاديب جمال الدين [على] بن  
 ظافر [بن حسين الفقيه الازدي المصري المتوفى سنة ٩١٣] ٨٥٥٦ غرائب السير وغرائب الفكر  
 في علوم الحديث لمحمد بن محمد الاسدي القدسي المتوفى سنة ٨٠٨ ٨٥٥٧ غرائب الصغر  
 اول ديوان شعر من دواوين الاربع لمير عيشير المعروف بنواى المتوفى سنة ٩٠٤ ٨٥٥٨ غرائب  
 5 العجائب وعجائب الغرائب لابن ابي حاجلة احمد بن يحيى التلمساني المتوفى سنة ٧٧٤  
 ٨٥٥٩ غرائب الفنون وملح العيون ونزهة العشاق للطائب المشتاق اوله الحمد لله الاحد  
 بلا ندد يصاها الخ وهي على مقالات وتوصل يشتمل على مطالع البروج والكواكب والاقاليم  
 ٨٥٦٠ غرائب القرآن وغرائب الفرقان في التفسير للعلامة نظام الدين حسن بن محمد بن حسين  
 القمي النيسابوري المعروف بنظام الاعرج المتوفى سنة قال فيه وثقى الله تعالى لتحريره القلم  
 في اكثر الغنون كما اشتهر فيما بين اهل الزمان ورزقي من ايام الصبي حفظ لفظ القرآن 10

- el-asrâr, raritates arcanorum. Persice. — 8555. Gharâib el-tenbihât, exhortationes rariores ad miracula assimilationum, auctore Wezîr literarum humanitatis studioso *Jemâl-ed-dîn [Ali] Ben Tzâfir [Ben Hosein Azdi Misri Jurisconsulto, anno 623 (inc. 2. Jan. 1226) mortuo]*. — 8556. Gharâib el-siyer we Reghâib el-fiker, res biographiarum rariores et desideria cogitationum de doctrinis rei traditionariae, auctore *Mohammed Ben Mohammed Asedi Codsî*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuo. — 8557. Gharâib el-sighar, miracula primae juventutis. Primus e quatuor carminum Diwanis, quos *Mîr Alishîr*, vulgo *Newâyi* dictus et 5 anno 906 (inc. 28. Jul. 1500) mortuus, edidit. — 8558. Gharâib el-ajâib we Ajâib el-gharâib, raritates miraculorum et miracula raritatum, auctore *Ahmed Ben Yahya Tilimsâni*, vulgo *Ibn Abi Hejla* dicto et anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 8559. Gharâib el-fonûn we Moleh el-oyûn, raritates doctrinarum, deliciae oculorum facetae et amantium delectamentum studioso concupiscenti oblatum. Liber in dissertationes et sectiones distributus incipit ita: Laus Deo unico, qui sui similem non habet, qui cum eo comparandus sit etc., et ortus signorum Zodiaci et stellarum et climata comprehendit. — 8560. Gharâib El-Cor'an we Reghâib el-forcân, verba minus usitata Corani et desideria verbi divini verum a falso distinguuntis. Commentarius in Coranum, auctore viro doctissimo *Nîzâm-ed-dîn Hasan Ben Mohammed Ben Hosein Commi Nisabûri*, vulgo *Nîzâm El-Araj* dicto 10 et anno ... mortuo. Deus excelsus, ait, me in calamo de multis disciplinis movendo adjuvit, ut ex iis notum est, quae in manibus aequalium versantur, et a pueritiae



وَقَدْ لَمَّا طَلَبْنِي بَعْضُ أَجَلَّةِ الْإِخْوَانِ أَنْ أَجْمَعَ كِتَابًا فِي التَّفْسِيرِ مُشْتَمَلًا عَلَى الْمَهِيَمَاتِ فَشَرَعْتُ  
 وَلَمَّا كَانَ التَّفْسِيرُ الْكَبِيرُ الْمُنْسُوبُ إِلَى الْإِمَامِ النَّحْوِيِّرِ اسْمَهُ مُطَابِقًا لِمَسْمَاهِ وَفِيهِ مِنَ اللَّطَائِفِ  
 وَالْبَحْثِ مَا لَا يَحْتَسِي وَمِنَ الرُّوَاثِدِ وَالغَثُوثِ مَا لَا يَخْفَى فَحَاضِيَتِ سَبَاقِ مِرَادِهِ وَأُورِدَتْ  
 حَاصِلُ كَلَامِهِ [مِنْ غَيْرِ إِحْلَالٍ] وَضَمَّتْ إِلَيْهِ مَا وَجَدْتُ فِي الْكِشَافِ وَفِي سَائِرِ التَّفْسِيرِ مِنْ  
 5 الْمَهِيَمَاتِ وَرَزَقَنِي اللَّهُ تَعَالَى مِنَ الْبُضَاعَةِ الْمَرْجَاتِ وَاثْبَتَ الْقُرْآنَاتِ الْمَعْتَبِرَاتِ وَالْوُقُوفَ الْمَعْلَمَاتِ فِي  
 التَّفْسِيرِ مَعَ إِصْلَاحِ مَا يَجِبُ إِصْلَاحُهُ وَأَتَمَّامِ مَا يَنْبَغِي أَتْمَامُهُ مِنَ الْمَسَائِلِ الْمُورَدَةِ فِي الْكَبِيرِ  
 وَمَعَ حَلِّ مَا يَوْجَدُ فِي الْكِشَافِ سِوَى الْإِبْيَاتِ الْمَعْقَدَاتِ فَإِنَّهُ يَورِدُهَا مِنْ طَرَفٍ أَنْ تُصَحِّحَ  
 الْقِرَاءَةَ وَغَرَائِبَ الْقُرْآنِ أَمَّا يَكُونُ بِالْأَمْثَالِ كَلَّا فَإِنَّ الْقُرْآنَ حِجَّةٌ عَلَى غَيْرِهِ وَبَلِيسٌ غَيْرُهُ حِجَّةٌ  
 عَلَيْهِ وَالتَّرْمِزُ إِيرَادُ لَفْظِ الْقُرْآنِ أَوَّلًا مَعَ تَرْجُمَةٍ عَلَى وَجْهِ بَدِيعٍ وَاجْتِهَدَتْ كُلُّ الْاجْتِهَادِ فِي تَسْهِيلِ  
 10 سَبِيلِ الرِّشَادِ قَالَ وَلَقَدْ قَدَّمَ إِمَامٌ ذَلِكَ مَقْدَمَاتِ الْأَوَّلِ فِي فَضْلِ الْقُرْآنِ وَالْقَارَى فِي الاستِعَاذَةِ

diebus inde mihi Corani verbum memoriae mandandum impertitus est. Cum a me amicorum illustrium quidam peteret, ut librum de explicatione Corani colligerem, qui res graviores comprehenderet, hunc librum scribendum aggressus sum; et cum nomen commentarii illius magni Imano ingenioso tributi argumento responderet, et hic adnotationes argutas et disquisitiones contineret innumerabiles, et additamenta et tenuitates haud absconditas, certando consilium ejus propositum aemulatus sum et summam ejus verborum protuli [sine ulla confusione], et adnotationes graviores, 5 quas in *El-Keshsháf* et aliis commentariis inveni, ad librum adjeci, et Deus excelsus mihi e supellectile haud ita parva largitus est et certissimam lectionum magni aestimatarum et pausarum caussa interposita necessariarum cognitionem concessit. Tum explicationem emendatis iis adjeci, quae emendanda essent et completis quaestionibus in commentario magno propositis, quae supplere congruum esset, et iis expositis, quae in *El-Keshsháf* leguntur, versibus contortis exceptis, quos auctor opinione ductus attulit, emendationem lectionum et variarum dictionum Coranicarum explicationem simili ratione, qua alia scripta emendarentur, administrandam esse. Minime vero. Coranus enim argumentum est ad alia probanda, minime alia argumenti loco sumenda sunt ad locos Corani probandos. Praeterea legem mihi scripsi, ut primum vocem Corani afferrem, ita ut elocutione eleganti circumscriberem et summum studium in via salutis recta munienda posui. Praemisimus profecto, inquit, his 10 prolegomena, quae agunt de praestantia Corani et lectoris coranici — de perfugio ad

٣ في مسائل مهمّة ٤ في كَيْفِيَّة جمع القرآن ٥ في معاني المصحف والقرآن ٦ في ذكر السمع الطوال ٧ في الحُرُوف التي كتب بعضها على خلاف بعض ٨ في اقسام الوقوف ٩ في تقسيمات مهمّة من المنتطق والمعاني ١٠ في انّ كلام الله سبحانه وتعالى قديم ١١ في كَيْفِيَّة استنباط المسائل وقال في آخره وقد تضمّن كتابي هذا حاصل التفسير الكبير وجامع لاكثر التفاسير وجلّ كتاب الكشاف واحتوى مع ذلك على النكت المسنخسة الغريبة ممّا لم يوجد في سائر 5 التفاسير أمّا الاحاديث الموردة في الكشاف في فضائل السور فانّنا قد اسقطناها لانّ النقاد زيّفها الا ما شدّ منها وأمّا الوقوف فللساجواندى مع اختصار لبعض تعليلاتها وأمّا اسباب النزول من كتاب جامع الاصول او التفسيرين او من الواحدى وأمّا اللغة فمن الجوهري والتفسيرين والمفتاح وأمّا الاحكام من شروح الوجيز للراعى وأمّا التناويل فمن نجم الدين دايد ولم امل فيه الا الى مذهب اهل السنّة والجماعة فبيّنت اصولهم ووجوه استدلالهم بيا وما 10 ردّ عليها واما في الفروع فذكرت استدلالات كلّ طائفة بالآية على مذهبه من غير تعصب

Deum — de quaestionibus gravioribus — de ratione, qua Coranus collectus sit — de varia significatione verbi *Mas'haf* i. e. Corani codex et *Cor'an* — de septem Corani capitibus longioribus — de literis, quarum scriptio differt ab altera — de pausarum generibus — de gravioribus e logica et sententiarum doctrina divisionibus — de probatione, verbum divinum aeternum esse — de ratione quaestiones ingenio eliciendi. — Ad finem: Hic meus liber, inquit, summam continet commentarii magni *Mefūtih el-gheib* inscripti, plurimorum commentariorum argumentum paucis verbis 5 extractum et potiore *Keshshāfi* partem, et nihilo secius probatas observationes subtiles et raras complectitur, quae in ceteris commentariis vix inveniuntur. Quod traditiones attinet in *El-Keshshāf* de virtutibus Suratarum praestantibus allatas, quod nummularius eas adulteravit, recidimus, nisi quae ex iis rariores essent; in pausarum doctrina *Sejāwendi* secutus sum ita, ut breviter nonnullas causas, unde pendent, adderem. Rationes vero, quae revelationis variarum Suratarum occasionem dederunt, e *Jāmi' el-osūl* aut e commentario *Jelūlein* aut e *Wāhidū* libro assumsi, dictiones dialecticas e *Jauheri*, commentario *Jelūlein* et ex opere *Miftāh*, statuta e commentariis in opus *Wejtz* a *Rāfi* editum, et interpretationem allegoricam e 10 *Nejm-ed-din Dāye*, nec ibi ad ullam partem inclinavi, nisi ad Sunnitarum et orthodoxorum doctrinam. Horum exposui principia et varias argumentationum rationes illis stabilitas, et quae contra eas adversarii protulerunt. Ubi de statutis derivatis dicendum erat, probationes cujusvis sectae versibus coranicis firmatas secundum ejus



ومرآء ولقد رقت اتمامه في مدّة خلافة على رضى الله تعالى عنه ولو لم يكن ما اتفق في  
 اثنائه من الاسفار التاسعة لكان يمكن اتمامه في خلافة ابي بكر رضى الله عنه كما وقع لخبار  
 الله ومقصودى جمع المتفرق وتبيين بعض وجوه الاعجاز ولو لم يكن العلوم الادبية بانواعها  
 والاصول بفروعها والحكمة بتفاصيلها وسيلتها الى فهم معانى كتاب الله العزيز لكنت متأسفاً على  
 5 رحلة من في بحث تلك القواليب انتهى فانهم ٥١٥ غرآب اللغة لسعيد بن احمد الميداني  
 [النيسابورى المتوفى سنة ٥٣٦ ٥١٣ غرآب المجالس للفاضل محمد بن محمد بن عبد الله  
 البصرى النحوى الملقب بالمفتاح المتوفى سنة ٣٧٠] ٥١٣ غرآب المسائل مجلد ل احمد  
 ابن محمد بن ابي بكر صاحب مجمع الفتاوى اوله الحمد لله حمداً بعدد ما اظير من معدن  
 الانسان الخ ذكر فيه انه جمع من الجمع كتاباً فيه غرآب المسائل خالياً عن التطويل والدلائل  
 10 ٥١٤ الغرآب والمجانب في تفسير القرآن الكريم للامام الفقيه ابي القاسم محمود بن حمزة

doctrinam sine ullo partium studio et dissimulatione commemoravi. Jam vero librum  
 ad Khalifatus *Alī* tempus finire statui, et nisi illa in mediis nonis itineribus  
 accidissent, in Khalifatu *Abū Bekri* certe subsistere potuissem, quemadmodum *Jārallah*  
 fecit. Propositum autem mihi fuit dispersa colligere et nonnullas interpretationis  
 rationes, quae aliis nimis difficiles essent, exponere, et nisi doctrinae philologicae  
 cum earum generibus, et principia cum articulis juris derivatis, et disciplinae  
 philosophicae cum specialibus distinctionibus munirent ad argumentum libri Dei  
 augusti intelligendum, certe migrationem ejus deplorarem, qui in investigandis illis 5  
 scientiae formis versaretur. Haec ille, et cogita. — 8561. *Gharāib el-loghat*,  
 dictiones linguae inusitatae, auctore *Said Ben Ahmed Meidāni* [*Nisūbūri*, anno 539  
 (inc. 4. Jul. 1144) mortuo]. — 8562. *Gharāib el-mejālis*, raritates consessuum,  
 auctore bene merito *Mohammed Ben Mohammed Ben Abdallah Basri* Grammatico,  
 honorifice *Mofajja'* dicto et anno 320 (inc. 13. Jan. 932) mortuo]. — 8563. *Gharāib*  
*el-mesāil*, quaestiones raras, quas *Ahmed Ben Mohammed Ben Abi Bekr* auctor  
 libri *Mojmi' el-fetāwi* edidit. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo tanta, quanta  
 e minera hominis apparet etc. Narrat auctor, se e libro *Mojmi'* opus collegisse  
 raras quaestiones comprehendens, a quibus verboritas et probationes exclusae essent. —  
 8564. *El-Gharāib we El-Ajāib*, raritates et miracula. Commentarius in 10  
 Coranum augustum, auctore *Imām Jurisconsulto Abu'lcāsim Mahmūd Ben Hamza*

ابن نصر الكرماني [الذي كان في حدود الخمسمائة وتوفي بعدها] اوله نبداً باسم الله وبحمده  
 [ونعبده] النسخ ذكر ان اكثر الناس يرغبون في غرائب تفسير القرآن وعجائب تأويله جمع لهم  
 ما قدر مقيماً لرغبتهم لما روى عن النبي صلعم اعربوا القرآن واتمسوا غرائبه وعن ابن عباس  
 ان هذا القرآن ذو شجون وفنون وطبوع وبطنون لا ينقضي عجائبه وأجز في العبارة ولم  
 يتعرض لذكر الآيات الظاهرة والوجوه المعروفة فانه قد اودع جميع ذلك في كتابه الموسوم 5  
 بلباب التفاسير ٥٤٥ غربة الاسلام في اللب والشام للشيخ علي بن ميمون [الحسيني] المغربي  
 المتوفى سنة [٩١٧] ألفها لما دخلها ووجد فيها المنكر والتجاوز عن حدود الشريعة  
 ٥٤٦ غربة الغربية رسالة للشيخ شهاب الدين يحيى بن حبش السيوردي المقتول سنة ٥١٧  
 وهي كرسالة الطير لابن سينا بل فيه بلاغة تامة اشار بها الى حديث النفس والاحوال المتعلقة  
 بها ٥٤٧ غرة البيضاء في ترجمة درة الغراء مر في الدال ٥٤٨ غرة التأويل في التفسير 10

*Ben Nasr Kermáni*, [qui circa seculum quintum vixit et paulo post mortuus est].  
 Incipit ita: Incipimus a nomine et laude Dei [et eum adoramus] etc., et narrat,  
 permultos homines raritates explicationis Corani et miracula expositionis allegoricae  
 cupivisse. Quae potuit, collegit eorum desiderio obsequens, effato prophético quod  
 retulerunt convenienter: Distinctam quaerite verborum Corani pronunciationem et  
 ejus dictiones rariores studiose persequimini. Et *Ibn Abbás* dixisse traditur: Hic  
 Coranus varia proposita et doctrinas sequitur, sensum exteriorem et interiorem  
 admittit, ejusque miracula infinita sunt. Attamen brevitati studuit, neque in com-  
 5 morandis versibus, quae exteriorem interpretationem admittunt et in variis explicationis  
 verborum modis notioribus haeret; haec enim omnia in libro *Lobáb el-tefúsir*  
 inscripto attulit. — 8565. *Ghorbet el-islám*, absentia Islami ab urbibus Haleb  
 et Damasco. Scripsit Sheikh *Ali Ben Meimún [Hoseini] Maghribi*, anno [917  
 (inc. 31. Mart. 1511)] mortuus, cum utramque urbem ingressus ibi impietatem et  
 statutorum lege sancitorum violationem videret. — 8566. *El-Ghorbet El-Ghar-*  
*biyet*, absentia occidentalis, auctore Sheikh *Sheháb-ed-din Yahya Ben Habash*  
*Soharawerdi*, anno 587 (inc. 29. Jan. 1191) mortuo. Tractatus similis tractatui de  
 avibus ab *Ibn Síná* edito; at specimen est perfectae eloquentiae, qua traditionem  
 10 animae et affectiones indicat, quae illam spectant. — 8567. *El-Ghorret El-*  
*Beidhá*, macula alba. Translatio turcica operis *El-Dorret El-Gharrá*, de quo in  
 litera *Dál* dictum est. — 8568. *Ghorret el-tawíl*, nitor explicationis allegoricae.



- لاى عبد الله محمد بن عبد الله الخطيب بالقلعة الفخرية ٥٩١ غرة التاج لقطب الدين محمود بن محمد الشيرازى المتوفى سنة ٧١٠. ٥٧٠ غرة السير فى دول الترك والتتر لابن عريشاه احمد بن محمد الكنفى المتوفى سنة ٥٤٢ ٥٧١ غرة الصباح فى وصف وجوه الملاح للشيخ تقى الدين ابى بكر البدرى الدمشقى ثم المصرى اوله اما بعد حمد الله الذى الخ 5 رتب على سبعة عشر باباً ٥٧٢ غرة الطالعة فى شعراء المائة السابعة لاي الحسن على بن موسى الاندلسى المورخ المتوفى سنة ٦٧٣ وحمد بن على بن حان السبتي المتوفى سنة ٧٣٣ اخذ اسم كتابه من الاول او توارد ٥٧٣ الغرة فى المنطق لشريف [نور الدين] محمد ابن السيد الشريف الجرجاني وهى متن لطيف شرحه قطب الدين السيد عيسى [بن محمد ابن عبيد الله الحسبى] الصفوى [المتوفى سنة ٩٥٣] شرحاً ممزوجاً اوله بعد الحمد لوليّه 10 الخ وشرحه عصام الدين بالفارسية ٥٧٤ غرة الكمال لمير خسرو الدهلوى المتوفى سنة

Commentarius in Coranum, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Abdallah*, qui concionator fuit in arce *Fakhriyet*. — 8569. *Ghorret el-táj*, splendor coronae, auctore *Cotb-ed-din Mahmúd Ben Mohammed Shirázi*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. — 8570. *Ghorret el-siyer*, splendor biographiarum de dynastia Turcarum et Tatarorum, auctore *Ahmed Ben Mohammed Hanefita*, vulgo *Ibn Arabsháh* dicto et anno 854 (inc. 14. Febr. 1450) mortuo. — 8571. *Ghorret el-sabáh*, splendor temporis matutini de descriptione dignitatum nautae, auctore *Sheikh Tacki-ed-din Abu Bekr Bedri* Damasci, serius Aegypti inquilino. Incipit liber ita: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus, qui etc., et in septendecim 5 capita divisus est. — 8572. *El-Ghorret El-Táliat*, splendor novae lunae oriens de poetis seculi septimi, auctoribus *Abu'thasan Ali Ben Musa Andalusi* historiographo, anno 673 (inc. 7. Jul. 1274) mortuo, et *Mohammed Ben Ali Ben Háni Sebtí*, anno 733 (inc. 22. Sept. 1332) mortuo, qui nomen libri a priori sumsit aut ab argumento cum illo consentiente. — 8573. *El-Ghorret fi el-mantic*, splendor de logica, auctore *Sherif [Núr-ed-din] Mohammed Ben El-Seyyid El-Sherif Jorjáni*. Textus elegans, in quem *Cotb-ed-din Seyyid Isa [Ben Mohammed Ben Obeidallah Hoseini] Sefewi*, [anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) mortuus], commentarium scripsit, cui textum admiscuit. Incipit hic ita: Post laudem Dei amico tributam etc., et *Isám-ed-din* commentarium persicum in eum scripsit. — 8574. *Ghorret* 10 *el-kemál*, splendor perfectionis, auctore *Mir Khosrew Dehlewí*, anno [725 (inc.

- [٧٢٥] ٨٥٧٥ غرّة اللآئحة لابی عبد اللہ محمد بن علی التوزری المعروف بابن المقرئ المتوفی سنة ٨٥٧١ غرّة المخفیة فی شرح الدرّة الالقیة فی النحو ٨٥٧٧ غرّة المنیفة فی ترجیح مذہب ابی حنیفة لابی حفص سراج الدین عمر بن اسحق الہندی انغزوی المتوفی سنة ٧٧٣ اولہ الحمد لله علی آتہ والشکر له علی جزیل عطادہ الخ ذکر فیہ ان الامیر صرغتمش الناصری اشار الیہ ان ترجم بالعربیة کتاب الطریقة البہائیة الی صنفہا الامام فخر الدین الرازی لنسلطان 5 بیاء الدین بالفارسیة ویزید دلایل واجوبہ من جانب الامام الاعظم فیبادر الی امتثالہ [فیبادر] وخرغ من تعلیقہا فی شعبان سنة ٧٥٩ ٨٥٧٨ الغرّة والدرّة فی تعریب رسالة الصغری والكبری للسید مرّ ٨٥٧١ غرر الاحکام فی فروع الحنفیة متن متین نملا خسرو وشرحہ وسمّاه درر الاحکام مرّ فی الدال مع التعلیقات لشہرتہ باسم الشرح وهو المولی محمد بن فرامرز الشہیر بملا خسرو المتوفی سنة ٨٥٥ وهو کتاب جلیل القدر عظیم العنوان عمدة القضاة والمدرسین 10 ومن اشتغل بالفقه فی هذا الزمان قال فی دیباجتہ بعد وصف الفقه والفقہاء وبعد ثانی

18. Dec. 1324)] mortuo. — 8575. El-Ghorret El-Láihat, splendor lucens, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Ali Tuzeri*, vulgo *Ibn-elmocri* dicto et anno . . . mortuo. — 8576. El-Ghorret El-Makhfiyet, splendor occultus. Commentarius in *El-Dorret El-Alfiyet*. Opus grammaticum. — 8577. El-Ghorret El-Monifet, splendor eminens de praeferenda disciplina *Abu Hanífae*, auctore *Abu Hafs Siráj-ed-dín Omar Ben Is'hac Hindi Ghaznevi*, anno 773 (inc. 15. Jul. 1371) mortuo. Incipit ita: Laus Deo pro ejus beneficiis et gratia ei pro ampla 5 beneficentia etc. Narrat, Emirum *Sarghatmesh Násiri* sibi mandasse, ut librum *El-Taricat El-Beháiyet* arabice verteret, quem *Imám Fakhr-ed-dín Rázi* in favorem Sultani *Behá-ed-dín* persice composuisset, et ut argumenta et responsa adderet, quorum auctor *Imám* maximus esset, et imperata facere properaret. Properavit igitur et scriptionem mense Sha'bán anni 759 (inc. 14. Dec. 1357) absolvit. — 8578. El-Ghorret we El-Dórret, splendor et margarita. Translatio arabica tractatus majoris et minoris ab *El-Seyyid* editi. Vide supra. — 8579. Ghorret el-ahkám, splendores statutorum de articulis juris Hanefitici secundariis. Textus solide comparatus, auctore *Molla Mohammed Ben Ferámerz*, vulgo *Menla Khosrew* dicto et anno 885 (inc. 13. Mart. 1480) mortuo. Idem commentarium *Dorer el-hokkám* 10 inscriptum et supra in litera *Dál* cum glossis in eum conscriptis laudatum edidit, cum liber maxime nomine commentarii inclaresceret. Est autem magni pretii, titulo eminent et adminiculum est judicum, professorum et eorum, qui hoc tempore juris-



كنت في أبان الامر مغترفاً من ذلك البحر وابتليت في اثنائه ببلآه القضاة ولم يكن ذلك خالياً عن حكمة حيث كان سبباً لتتبع احكام جزديات الوقائع والنوازل فصار باعثاً على كتب متن حارٍ للقوائد وخاو عن الزوائد مرعى فيه ترتيب كتب الفن على النمط الاخرى والوجه الاحسن وحين قرب اتمامه خلصنى الله تعالى من بلآه القضاة فشرعت في شرحه شكرًا 5  
لنعمتين مختصرًا انتهى وقال في ديباجة متنه ولقد كنت صرفت شطراً من عنفوان الشباب الى تدبير لطائفه حتى اتجهت لى ان اكتب فيه متنًا كما في الاصول الا ان عوائق الدهر عائقة عن الحصول حتى ساقى زمانى حين رمانى بما اشار الى ما عرض له من مرض الطاعون عام الوباء الاكبر وهو سنة اثنتين وسبعين وثمانمائة الى ان عزمتم على انه تعالى ان خلصنى من هذه الآفة بحيث اقدر على قطع المسافة في مهامة المعارف والعلوم اصرف خلاصة من بقية 10  
عمرى الموهوبة الى ابراز ما في خلدى بطريقة مندوبة بان اصنف في الفقه متنًا متينًا خالياً عن الروايات الضعيفة خالياً بالقيود والاشارات الشريفة محتويًا على مهمات خلعت عنها

prudentiam tractant. In praefatione ornate scripta post descriptionem jurisprudentiae et jurisconsultorum: Deinde vero, inquit, ab initio studiorum ex hoc mari hauriebam et medio in cursu periculo muneris judicis tentatus sum. Neque tamen hoc sine ullo providentiae consilio accidit, quatenus occasionem praebuit statuta particularia, casus et controversias singulas persequendi. Inde factum est, ut ad textum conscribendum excitarer, qui adnotationes utiles comprehenderet et superfluis exemptus esset, et simul dispositionem librorum disciplinae ad rationem multo praestantiorem et methodum probatiorem respexi. Tempus autem quo finem ei imposui cum propinquum esset, 5  
Deus me a muneris judicii calamitate liberavit, quapropter librum explicare incepti brevitati studens et Deo pro utroque beneficio gratias agens. — Haec hactenus. — In praefatione ornatiori textui praemissa: Partem, inquit, primae juventutis in disponendas disciplinae subtilitates impendi, donec consilium mentem subiit, ut de hac materia textum conscriberem libris similem de principiis, attamen impedimenta temporis me optato impetrando intercludebant, donec sors fati tempore, quo calamitas illa nota me afflixit — significat pestilentiam, in quam anno octingentesimo septuagesimo secundo (inc. 2. Aug. 1467) incidit, quo hic morbus epidemius atrocissime saeviebat — me impulit, ut, si Deus excelsus ab hac pernicie me liberaret, ita ut spatium in cognitionum et doctrinarum deserto peragraré possem, potissimam vitae reliquae partem mihi impertitam in ea, quae animo reposita essent, ratione grata evulganda 10  
me impendere jurarem, ut de jurisprudentia textum firmum componerem, qui

المتون المشهورة فلما احسن الله سبحانه وتعالى الى باماطة ما في من السقامة شرعت فيما اردت بقدر الامكان مستعيناً في ذلك بالملك المنان وعزمت ان اسميه بغرر الاحكام بعد ان يسر الله تعالى الاختتام انتهى وقال في آخر شرحه هذا آخر ما من الله تعالى علي بلفظه من شرح غرر الاحكام المسمى بدرر الاحكام حاوياً لمهمات خلت عنها الكتب المشهورة وان كانت في بعض المعجزات مسطورة ونقد بذلت مجبودي في التنقيح والتنقيح وتتبع اقوال الائمة 5 الكرام حتى عثرت على ما صدر عن بعض الافاضل من العثرات على مقتضى البشرية فان سائر العلوم بالنسبة الى هذا العلم كنسبة القطرة الى البحر ولذا ترى العلماء المتأخرين مع كمالهم في الفنون الالية وتصنيفهم فيها كتباً معتبرة لم يحوموا حول هذا العلم وهذا العبد الفقير مع مطارحته معهم في تصانيفهم فيما انتسبوا اليه ومعارضة اياهم في مؤلفاتهم فيما اعتمدوا عليه بحديث قبلها علماء العصر امتاز منهم بكتب هذا المثمن اللطيف والشرح الشريف وليس 10

traditionibus infirmis immunis et justis conditionibus et judiciis sublimibus jucundus esset, et graviores quaestiones comprehenderet, quibus textus notissimi careant. Deus excelsus cum gratia sua morbum qui me oppresserat depelleret, quae destinaveram facere, quantum potui, auxilio regis benigni implorato aggressus sum. Nomen libro *Ghorer el-ahkám* dare constitui, postquam Deus me in fine ei imponendo secundavit. — Haec hactenus. — Ad finem commentarii: Hic finis est, inquit, quem Deus mihi gratia sua concessit, commentarii *Dorer el-hokkám* inscripti in opus 5 *Ghorer el-ahkám*, qui quaestiones gravissimas continet, quas in libris pervulgatis frustra quaeris; et si in hoc vel illo libro, qui magna auctoritate floret, scriptae inveniuntur, certe summam posui operam in effatis Imamorum illustrium subtiliter examinandis, bene et correcte describendis et diligenter persequendis, ut errores perspicerem, quibus committendis nonnulli viri vel bene meriti humanae conditioni convenienter copiam dederunt. Ratio utique, quae inter ceteras disciplinas et jurisprudentiam intercedit, eadem est, quae inter guttam et mare. Hanc ob causam viros doctos recentiores, quamvis perfectam disciplinarum divinarum habeant cognitionem et de iis libros magni aestimatos scripserint, doctrinam illam vix circumvolare 10 vides. Et hic servus pauper, quanquam cum illis per opera intimum habuit de iis commercium, quorum rationem habebant, eosdemque in iis oppugnavit, quae in scriptis probabant, ut viri aetatis docti iis suffragarentur, ab his se textus hujus



الغرض من هذه [الكلمات] التمدح بل الامتثال بما يفهم من قوله سبحانه وتعالى وأما بنعمة ربك  
فحدّث وقد وقع الفراغ من تأليفه يوم السبت الثاني من جمادى الاولى سنة ٨٤٠ انتهى قلت  
اعلم ان فيرس هذا الكتاب الجارى على نهج الصواب مرتب على خمسة وخمسين كتاباً فيها  
مائة وعشرون باباً وخمسة وثلاثون فصلاً وتذييلان وثلاث مسائل شتى وتكملة وتنمّة وتنبيه  
5 وفيه تسعون قولاً بلفظ اقول انرد في التحقيق على الصواب وردّ على السلف العمدة الفحول  
ومن الحاشية المشهورة عليه حاشية المولى محمد بن مصطفى الوائى الشهير بوانقولى سماه  
نقد الدرر اوله الحمد لوليّه الخ فرغ في محرم سنة ٩١٥ وتوفى سنة ١٠٠٠ هـ حاشية المولى  
حالى مصطفى بن پير محمد الشبير بعزمى زاده المتوفى سنة ١٠٠٤ هـ وهو معتبر مقبول وكتب  
ايضا المولى حداية الله العلانوى المتوفى سنة ١٠٣٩ هـ لكنّه لم يشتهر لعدم الاعتبار بها والمولى  
10 احمد بن عبد الله المتخلص بغورى المتوفى سنة فيّذه المذكورات من اوله الى آخره وأما من

subtilis et commentarii nobilis compositione distinxit. Minime vero verbis istis me  
ipsum laudare intendo, sed ad ea me componere, quae verbis divinis „Beneficentiam  
autem domini tui enarra“ intelliguntur. Compositio libri sabbati die, secundo scilicet  
die mensis Jomádi I. anni 882 (inc. 15. Apr. 1477) absoluta est. — Haec ille. —  
Scias, inquam, hujus operis indicem, qui viam recti sequi studet, dispositum esse in  
quinquaginta quinque libros, qui centum et viginti capita, triginta quinque sectiones,  
duas appendices, tres quaestiones dispersas, perfectionem, complementum et adhortationem continent. Haec nonaginta dicta complectitur, quae a verbo „dico“ incipiunt. 5  
Unicum auctor se gessit in studio verum cognoscendi, et viros doctissimos et illustrissimos inter majores refutavit. Glossas notas et pervulgatas in commentarium scripserunt Molla *Mohammed Ben Mustafa Wáni*, vulgo *Wáncúli* dictus et anno 1000 (inc. 9. Oct. 1591) mortuus, cujus glossae, *Nacd el-dorer* inscriptae, ita incipiunt: Laus ejus amico etc., et mense Moharrem anni 995 (inc. 2. Dec. 1586) absolutae sunt — Molla *Haleti Mustafa Ben Pír Mohammed*, vulgo *Azmizúdeh* dictus et anno 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuus, cujus glossae magni aestimatae et probatae sunt — Molla *Hidáyetallah Aláyehti*, anno 1039 (inc. 11. Aug. 1629) mortuus, attamen ejus glossae non multum inclaruerunt, cum aestimatione carerent — Molla *Ahmed Ben Abdallah, Fauri* tanquam poeta nominatus et anno ... mortuus. — Hae 10  
glossae laudatae omnes librum ab initio ad finem complectuntur. Qui ad nonnullos

- عَلَّفَ فِي بَعْضِ مَوَاضِعِهِ كَثِيرٌ مِنْهُمْ حَيْدَرُ بْنُ تَاجِ الدِّينِ المَتَوَفَى سَنَةَ ١٠١٣. وَالْمَوْلَى عَلِيُّ بْنُ أَمْرِ  
 اللَّهِ الشَّيْبِرِيُّ بِقُنَالَى زَادَهُ المَتَوَفَى سَنَةَ [٩٧٩] وَأَبْنَهُ القَاضِي حَسَنُ جَلْبِي المَتَوَفَى سَنَةَ ١٠١٣. وَأَبُو المِيَامِنِ  
 [شَيْخِ الإِسْلَامِ] مَصْطَفَى المَتَوَفَى سَنَةَ [١٠١٥] وَالْمَوْلَى أَحْمَدُ بْنُ سَلِيمَانَ الشَّيْبِرِيُّ بِأَبْنِ كَمَالِ المَتَوَفَى  
 سَنَةَ ٩٤٠. وَالْمَوْلَى [شَيْخِ الإِسْلَامِ] زَكَرِيَاءُ بْنُ بَيْرَمِ الأَنْقَرَوِيِّ المَتَوَفَى سَنَةَ ١٠١١. وَمَصْطَفَى بْنُ مُحَمَّدِ  
 الشَّيْبِرِيِّ بِبَعْمَارِ زَادَهُ المَتَوَفَى سَنَةَ ٩٧٣. وَالْمَوْلَى مُحَمَّدُ المَعْرُوفُ بِأَبْنِ القَرَامَانِيِّ المَتَوَفَى سَنَةَ ١٠١٢. 5  
 وَالْمَوْلَى قُرْجَةُ أَحْمَدُ الحَمِيدِيُّ المَتَوَفَى قَانِيَا بِقُدَسِ [الشَّرِيفِ] سَنَةَ ١٠١٣. وَشَرَحَ الدَّرَرَ المَسْمُومِي  
 بِالأَحْكَامِ لِأَسْمَعِيلِ [بْنِ عَبْدِ الغَنِيِّ] ابْنِ إِسْمَاعِيلِ النَّابِلَسِيِّ الأَصْلِي الدَّمَشَقِيِّ الفَقِيهِ الحَنَفِيِّ المَتَوَفَى  
 سَنَةَ ١٠٦٣. خَالَ الأَمِينِي فِي خِلاصَةِ الأَثَرِ حَوْفِي أَذَى عَشْرَ مَجَلَّدًا بَيَّضَ مِنْهَا أَرْبَعَةَ إِلَى كِتَابِ النِّكاحِ  
 وَهُوَ كِتَابُ جَلِيلِ المَقْدَارِ مُشْتَمِلٌ عَلَى جَدِّ فِرْعَوْنَ المَذْهَبِ ائْتِيي [وَتَتَابِجِ النِّظَرِ فِي حَوَاشِي  
 الدَّرَرِ لِنُوحِ بْنِ مَصْطَفَى [الرُّومِي] الحَنَفِيِّ [نَزِيلِ مِصْرَ المَتَوَفَى سَنَةَ ١٠٧٠]. وَسَقِينَةُ الدَّرَرِ مَجْمُوعَةٌ 10  
 جَمَعَهَا بَعْضُ المَدْرَسِيِّينَ مِنْ نَسَاخَةِ المَوْلَى مُحَمَّدِ بْنِ حَسَامِ الدِّينِ الشَّيْبِرِيِّ بِقَرَّةِ جَلْبِي زَادَهُ أَكْثَرَهَا

- tantum locos adnotationes composuerunt, multi sunt, ut *Heider Ben Táj-ed-din*,  
 anno 1012 (inc. 1. Jun. 1603) mortuus — *Molla Ali Ben Amrallah*, vulgo *Ckiná-  
 zúdeh* dictus et anno [979 (inc. 26. Mai. 1571)] mortuus — ejus filius bene meritus  
*Hasan Jelebi*, anno 1012 (inc. 1. Jun. 1603) mortuus — [Sheikh-elislám] *Abu'lmeýámin  
 Mustafa*, anno [1015 (inc. 29. Apr. 1606)] mortuus — *Molla Ahmed Ben Soleimán*,  
 vulgo *Ibn Kemal* dictus et anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuus — *Molla* [Sheikh-  
 elislám] *Zakariyá Ben Beirám Anckirewi*, anno 1001 (inc. 28. Sept. 1592) mortuus —  
 5 *Mustafa Ben Mohammed*, vulgo *Mimárzúdeh* dictus et anno 972 (inc. 9. Aug. 1564)  
 mortuus — *Molla Mohammed*, vulgo *Ibn-elcarámáni* dictus et anno 1021 (inc. 23. Febr.  
 1612) mortuus — *Molla Caraja Ahmed Homeidi*, qui anno 1024 (inc. 21. Jan. 1615)  
 mortuus est, cum iudicis munere Hierosolymis fungeretur. Commentarium in *El-Dorer*,  
*El-Ihkám* inscriptum, edidit *Ismail* [Ben Abd-el-ghani Ben Ismail Dimeshcki] Juriscon-  
 sultus Hanefita, urbe Nablus oriundus et anno 1062 (inc. 4. Dec. 1651) mortuus. *Emini*  
 in opere *Khiláset el-ithr* hunc commentarium duodecim volumina complecti narrat,  
 quorum quatuor usque ad caput de conjugio nitide exscripserit. Librum esse magni  
 pretii, et praecipua sectae praecepta secundaria comprehendere. — Haec ille]. —  
 10 Scriptum *Netáij el-natzar* glossas ad *El-Dorer* continens *Nuh Ben Mustafa* [Rumi]  
 Hanefitam, [Aegypti inquilinum et anno 1070 (inc. 8. Sept. 1659) mortuum], auctorem  
 habet, et *Sefinet El-Dorer* sylloge est, quam professor quidam ex exemplo Mollae  
*Mohammed Ben Hosám-ed-din*, vulgo *Carah Jelebizúdeh* dicti, congestit. Major



نقول من الفتاوى وشروح الهداية اوله سبحان من زين بدر خزانن الفقه تيجان صدور الائمة  
 الخ ولاين منلا احمد بن محمد الحلبي المتوفى سنة ١٠٣٠ نظم كتاب الدرر [والشيخ على البصير  
 الحنفى العموى مفتى طرابلس الشام الفقيه المتوفى سنة ١٠٩٠ نظم الدرر فى الفى بيت]  
 وترجمه سليمان بن ولى الانقرووى بالتركى فى عصر السلطان محمد بن مراد خان واقتصر  
 5 بترجمة الشرح والمتمن على حاله ومختصر الدرر للسيد على الشبير بخوايش اخى زاده ومن  
 الخواشى البسيطة عليه حاشية للشيخ ابى الاخلاص حسن بن عمار بن على الوفاى الشرنبلالى  
 الحنفى المتوفى سنة [١٠٩٩ واشتهرت هذه الحاشية فى حياته وانتفع الناس بها وكان] مدرسا  
 بجامع الازهر اوله الحمد لله الذى اظير فى هذه الدار بديع قدرته فى بغية درر الاحكام الخ  
 ألفه فى حدود سنة ١٠٣٥. غرر الاخبار لمحمد بن خلف الشبير بوكيع ١٠٨٥ غرر  
 10 الاخبار ودرر الاشعار للشيخ الامام ابى محمد على بن عثمان الانشى المتوفى سنة اقتصر فيه

harum adnotationum pars e responsis juridicis et commentariis in opus *Hidāyet* repetita  
 est. Incipit opus ita: Celebratus sit ille, qui margaritis thesaurorum jurisprudentiae  
 coronas Imamorum illustrissimorum ornavit etc. — *Ibn Menla Ahmed Ben Mohammed  
 Halebi*, anno 1003 (inc. 6. Sept. 1594) mortuus, librum *Dorer* metricè reddidit,  
 [idemque fecit duobus versuum millibus *Sheikh Ali Besir Hamawi* Jurisconsultus  
 Hanefita et in urbe Syriae Tarablus Mufti, qui anno 1090 (inc. 2. Febr. 1679) obiit].  
*Soleimán Ben Weli Anckirewi* aetate Sultani *Mohammed Ben Murád Khán* eum  
 turcice vertit, et translatione commentarii et textus non multum consecutus est 5  
 gloriae. Epitomen operis *El-Dorer Seyyid Ali*, vulgo *Khásh Akhízádeh* dictus,  
 edidit. In glossis amplioribus numerantur eae, quas *Sheikh Abu'likhlás Hasan Ben  
 Ammúr Ben Ali Wefáyi Sharanbeláli* Hanefita, anno [1069 (inc. 19. Sept. 1658)]  
 mortuus, edidit. [Hae glossae vivo auctore, qui professor ad aedem cathedralem  
*Azhar* fuit, inclaruerunt, et homines multum inde utilitatis ceperunt]. Incipiunt ita:  
 Laus Deo, qui in hac domo potentiae suae sublimitatem per opus *Dorer el-ahkám*  
 vehementer desideratum manifestavit etc., et auctor eas circa annum 1035 (inc.  
 23. Sept. 1625) composuit. — 8580. *Ghorer el-akhbár*, splendores historiarum,  
 auctore *Mohammed Ben Khalaf*, vulgo *Weki'* dicto. — 8581. *Ghorer el-akhbár* 10  
*we Dorer el-ash'ár*, splendores historiarum et margaritae carminum, auctore  
*Sheikh et Imám Abu Mohammed Ali Ben Othmán Adeshi*, anno ... mortuo. Acquievit

- على جمع الف حديث ثم اختصره في كتاب سماه نصاب الاخبار ٥٥٢ غرر الاذكار في شرح  
 درر البحار ٥٥٣ غرر الادلة في مجلد للشيوخ ابي الحسن محمد بن علي البصري من  
 المعتزلة توفي سنة ٤٩٣ ٥٥٤ غرر الاقوال ودرر الامثال ل محمد بن عبد الجليل الوضواط العمري  
 البلخي [المتوفى سنة ٥٧٣] مختصر اوله الحمد لله على نواتر نعمه الخ آفة للسلطان شاه  
 محمد بن [ايل] ارسلان السلجوقي في اربع ورقات ٥٥٥ غرر الامثال ودرر الاقوال لابي الحسن 5  
 علي بن زيد بن محمد البيهقي المتوفى سنة رتب الامثال على الحروف وذكر لكل منها السبب  
 والرب ثم شرحها اعراباً ومعاني وذكر حلها ايضاً وهو مأخذ الميداني ٥٥٦ غرر التبيين من  
 التفسير ٥٥٧ غرر التفاسير ٥٥٨ غرر الحكم ودرر الكلم من كلام علي بن ابي طالب  
 انتخبه ولخصه ورتبه على حروف المعجم عبد الواحد بن محمد بن عبد الواحد الآمدي  
 التميمي [المتوفى سنة] اوله الحمد لله الذي هدانا لهذا بتوفيقه الى جادة طريقه الخ ذكر فيه 10

ibi in colligendis mille traditionibus, et postea epitomen edidit *Nisáb el-akhbár*  
 inscriptam. — 8582. *Ghorer el-adzkár*, splendores monitorum. Commentarius  
 in librum *Dorer el-bihár*, de quo supra videndum est. — 8583. *Ghorer el-adillet*,  
 splendores argumentorum. Volumen, auctore Sheikh *Abu'hasan Mohammed Ben Ali*  
*Basri* Motazelita, anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuo. — 8584. *Ghorer el-acwál*  
 we *Dorer el-amthál*, splendores dictorum et margaritae proverbiorum, auctore  
*Mohammed Ben Abd-el-jelíl Wetwát Omari Balkhi*, [anno 573 (inc. 30. Jun. 1177)  
 mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo pro continua beneficiorum serie etc.,  
 5 et ab auctore in favorem *Sultán Sháhi Mohammed Ben [II] Arslán Seljucki* quatuor  
 foliis conscriptum est. — 8585. *Ghorer el-amthál we Dorer el-acwál*,  
 splendores proverbiorum et margaritae dictorum, auctore *Abu'hasan Ali Ben Zeid*  
*Ben Mohammed Beihacki*, anno ... mortuo. Proverbia alphabeticè disposuit et  
 singulorum causam et usum describit. Tum ea commentatus est ita, ut analysin  
 grammaticam et sensus persequeretur, neque explicationem praetermisit. Hic fons  
 est, unde *Meidáni* hausit. — 8586. *Ghorer el-tibyán*, splendores clarae expo-  
 sitionis. Commentarius in Coranum. — 8587. *Ghorer el-tefásir*, splendores  
 commentariorum in Coranum. — 8588. *Ghorer el-hikem we Dorer el-kilem*,  
 splendores apophthegmatum et margaritae dictorum. Dicta Khalifae *Ali Ben Abi*  
 10 *Tálib*, quae *Abd-el-rahil Ben Mohammed Ben Abd-el-rahil Amidi Temimi*,  
 [anno ... mortuus], cum delectu collegit, studiose correxit et ad ordinem alphabeticum  
 disposuit. Incipit auctor ita: Laus Deo, qui nos auxilio suo secundo ad planam viae



ان الكجاظ جمع المائة الحكمة الشارحة التي جمعها عن امير المؤمنين واشتغل كثيراً فزاد عليه ٥٥٩ غرر الخصائص الواضحة وغرر النقائص الفاضحة لمحمد بن ابراهيم بن يحيى [الانصارى] الكبتى المتوفى سنة [٧١٨] ٥٥٩ غرر الدرر في المواعظ - للامام ابي حامد محمد ابن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٥٥ كما في وافي الصفدي ٥٥٩ غرر السواقر في ما يحتاج 5 اليه المسافر [لبدر الدين محمد بن بهادر بن عبد الله النزركى الشافعى المتوفى سنة ٧٩٤] مختصر على ثلاثة ابواب اوله الحمد لله الذى جعل الارض ذلولاً نمشى الحج الاول في مدلول السفر الثانى فيما يتعلق عند السفر الثالث في الآداب المتعلقة بالسفر ٥٥٣ [غرر السير في التاريخ تأليف ابي منصور الحسين بن محمد المرعشى الثعالى اوله أما بعد حمد الله مدير الافلاك في سمائه الحج وهو في اربع مجلدات من ادم ابي البشر الى دولة محمود 10 سبكتكين] ٥٥٣ غرر الفرآد ودرر القلائد للشريف مرتضى البغدادى مرّ في الدال

rectitudinem direxit etc., et narrat, *Jáhitz* centum apophthegmata sapientia per terram divulgata collegisse, quorum auctor *Ali Emír el-muminín* habitus esset. Multum operae impendit et nova addidit. — 8589. *Ghorer el-khasáis el-wádhíhat*, splendoris proprietatum clari et periculum vitiorum ignominiosorum, auctore *Mohammed Ben Ibráhim Ben Yahya [Ansári] Kebti*, anno [718 (inc. 5. Mart. 1318)] mortuo. — 8590. *Ghorer el-dorer-fi el-mewáitz*, splendoris margaritarum. Opus paraeneticum, auctore *Imám Abu Háníd Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo, ut in opere *Wáfi a Safedi* edito legitur. — 8591. *Ghorer el-sewáfir*, splendoris reagentium vultus de iis, quibus iter facienti opus est, [auctore *Bedr-ed-dín Mohammed Ben Behúdir Ben Abdallah Zerkeshe* Shafita, anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuo]. Epitome, quae ita incipit: Laus Deo, qui terram commodam reddidit, ut in ea incederemus etc., et tria capita continet, quorum primum de directione itineris agit, secundum de iis, quae in itinere faciendo necessario agenda sunt, tertium de moribus, qui in itinere observandi sunt. — 8592. [*Ghorer el-siyer*, splendoris biographiarum, auctore *Abu Mansúr Hosein Ben Mohammed Merashi Theálibi*. Opus historicum, quod ita incipit: Praemissis praemittendis. Laudetur Deus orbis coelestes circumvertens etc., et quatuor volumina complectitur ab Adamo hominum patre usque ad regnum *Mahmúdi Sebektekin*]. — 8593. *Ghorer el-feráid we Dorer el-caláid*, splendoris unionum et margaritae monilium, auctore *Sheríf Murtedhi Baghdádi*. Vide supra in litera *Dál*. —

- ٨٥٩٤ غرر الفروق ٨٥٩٥ غرر القوائد في ست مجلدات لحنّ الدين ابن النجار محمد بن محمود البغدادي المتوفى سنة ٩٤٣ ٨٥٩٦ غرر في ... لشجاع الدين عبد الله بن احمد التركستاني المتوفى سنة ٧٣٣ ٨٥٩٧ الغرر للحاكم الشهيد ٨٥٩٨ غرر المثاني ودرر المعاني وهو كتاب جمع مؤلفه من انشأته ما يجرى مجرى الامثال والحكم بالفاظ وجهه وجعله الف فصل وثمانية ابواب ٨٥٩٩ الغرر المثلثة والدرر المبتثثة للشيخ الامام مجد الدين ابى طاهر 5 محمد بن يعقوب الفيروزابادي [المتوفى سنة ٨١٧] مختصر اوله اشرف ما نطق به المصداح الخ ذكر فيه انه جمع جميع ما في كتب المثلثة كقطرب والقزاز والبطلبيوسى وابن مالك وابن عبد، الله الحنبلى وابراهيم بن زهر المصرى وكتاب الباهر لابن عديس وذكر انه كان قد وضع على قسمين الاول في المثلث المتفك المعاني والثانى في المختلّف المعاني فجاء القسمان في خمس مجلدات ثم اورد القسم الاول في هذا التأليف على ترتيب الحروف ٨٦٠٠ غرر المجموعة في 10

8594. *Ghorer el-forúc, splendoris sectarum.* — 8595. *Ghorer el-fewáid, splendoris adnotationum utilium. Sex volumina, auctore Mohibb-ed-dín Mohammed Ben Mahmúd Baghdádi, vulgo Ibn-elnejjár dicto et anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo.* — 8596. *Ghorer fi ..., splendoris de ..., auctore Shojá'-ed-dín Abdallah Ben Ahmed Turkestáni, anno 733 (inc. 22. Sept. 1332) mortuo.* — 8597. *El-Ghorer, splendoris, auctore Hákim martyre.* — 8598. *Ghorer el-metháni we Dorer el-meáni, splendoris septem primae Suratae versuum et margaritae sententiarum. Auctor ex compositionibus suis collegit, quae proverbii et apophthegmatis similia 5 essent, verbis suae rationis usus, et ea in mille sectiones et octo capita distribuit.* — 8599. *El-Ghorer El-Mothallethet we El-Dorer El-Mobaththethet, splendoris triplices et margaritae multum divulgatae, auctore Sheikh et Imám Majd-ed-dín Abu Táhir Mohammed Ben Yacúb Firuzábádi, [anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Nobilissimum, quod facundus orator enunciat etc. Narrat auctor, se hic omnia collegisse, quae in scriptis de vocali verborum media tripliciter pronuncianda invenirentur, qualia ediderunt Cotrob, Cazzáz, Botolyási, Ibn Málik, Ibn Abdallah Hanbalita, Ibráhim Ben Zohr Basri, Ibn Odeis, cujus liber Báhir inscriptus est. Primum quidem, ut ait, libro duas partes dedit, quarum prior ea verba tribus vocalibus enunciatia complectitur, quorum significationes 10 consentiunt, posterior ea, quae varias significationes habent. Duae partes cum quinque volumina complecterentur, primam partem separatim edidit in hoc scripto ad dispositionem alphabeticam.* — 8600. *El-Ghorer El-Mejmárat, splendoris collecti de*



- الحديث للرشيده العطار ذكره العراقي في شرح الالفية ٨٩١ غرر المحاضرة ودرر المكاترة في  
التأريخ للشيخ الامام تاج الدين علي بن انجب المعروف بابن الخازن البغدادي المتوفى  
سنة ٦٧٤ ٨٩٢ غرر المعاني من كتب الفروع المذكورة في التناخرانية ٨٩٣ غرر المعاني  
والنكات في شرح المقامات ياتى ٨٩٤ الغرر والدرر فارسي في المواعظ والحكم للشريف ابى  
5 البركات محمد بن احمد بن محمد الحسيني رتب على اربع وثمانين بابا اوله الحمد لله  
القديم الفاخر العظيم القادر الخ ٨٩٥ الغرر والدرر فارسي مختصر على احد وعشرين مجلدا  
٨٩٦ غرس الانساب في الرمي بالنشاب لجلال الدين السيوطى ذكره في فهرس مؤلفاته في فن  
الحديث ٨٩٧ غرس المعقول ٨٩٨ غرس الموحدين للحكيم الترمذى المذكور في اثبات  
العدل ٨٩٩ غرض المطلوب في تدبير المأكول والمشروب لابن ربيعة المتوفى سنة ٦٣٥  
٩١٠ ٩١١ غرفة الحصن الحسينى مر في الحياء ٩١١١ غرف العلية في تراجم متأخرى الحنفية لابن

re traditionaria, auctore *Reshid-ed-din Attar*. *Iracki* in commentario, quem in *Alfiyam* scripsit, libri mentionem facit. — 8601. *Ghorer el-mohádhet* we *Dorer el-mokátharet*, splendores conversationis praesentis et margaritae multiloquii. Opus historicum, auctore *Sheikh et Imám Táj-ed-din Ali Ben Anjeb Baghdádi*, vulgo *Ibn-elkházín* dicto et anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuo. — 8602. *Ghorer el-meáni*, splendores sententiarum e libris de partibus juris secundariis, quae in opere *El-Tátárkhániyet* laudantur. — 8603. *Ghorer el-meáni* we *el-nikát*, splendores sententiarum et observationes subtiles. Commentarius in librum *Mecámát*, de quo infra videatur. — 8604. *El-Ghorer* we *El-Dorer*, splendores et margaritae. Opus paraeneticum et apophthegmaticum persice scriptum, auctore *Sherif Abu'lberkát Mohammed Ben Ahmed Ben Mohammed Hoseini*. Dispositum est in 5 octoginta quatuor capita et incipit ita: Laus Deo aeterno, creatori, magno, potenti etc. — 8605. *El-Ghorer* we *El-Dorer*, splendores et margaritae. Compendium persicum in viginti unum volumen distributum. — 8606. *Ghars el-ansáb*, plantatio genealogiarum de mittendis sagittis, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*. Commemorat librum in indice scriptorum inter opera traditionaria. — 8607. *Ghars el-ma'cúl*, plantatio ingenii. — 8608. *Ghars el-mowahhadín*, planta eorum, qui in unum Deum credunt, auctore philosopho *Tirmidzi*, supra sub *Ithbát el-ilel* laudato. — 8609. *El-Gharadh El-Matlúb*, finis quaesitus de cibo potuque regendo, auctore *Ibn Rackíca*, anno 635 (inc. 24. Aug. 1237) mortuo. — 8610. *Ghorfet el-hisn el-* 10 *hasín*, coenaculum arcis munitae i. e. translatio operis *El-Hisn El-Hasín*, de quo in litera *Há* videatur. — 8611. *El-Ghoréf El-Alíyet*, coenacula alta. Biographiae

طولون اسحق بن الحسن الحارثي الصالحى المتوفى سنة [جعله نيلًا على الجواهر المصيبة وهو اكبر من الاصل] ٨١١٢ غريب الاسماء لابي زيد سعيد بن اوس الخنزرجى المتوفى سنة

٨١١٣ علم غريب الحديث والقرآن

قال ابو سليمان محمد بن محمد الخطابي الغريب من الكلام انما هو الغامض البعيد من القيم كالغريب من الناس انما هو البعيد عن الوطن المنقطع عن الاهل والغريب من 5 الكلام يقال به على وجهين احدهما ان يراد به انه بعيد المعنى غامض لا يتناوله الفهم الا عن بعد ومعاناة فكر والوجه الآخر ان يراد به كلام من بعدت به الدار من شوائب قبائل العرب فاذا وقعت الينا الكلمة من لغاتهم استغربناها انتهى وقال ابن الاكبر في النهاية وقد عرفت ان رسول الله صلعم كان اوضح العرب لسانًا حتى قال له على رصه وسمعه يخاطب وقد بنى نهدي يا رسول الله نحن بنو اب واحد ونراك تكلم وفود العرب بما لا نفهم اكثره فقال ادبني 10

Hanefitarum recentiorum, auctore *Is'hac Ben-elhasan Hârithi Sâlihi*, vulgo *Ibn Tulûn* dicto et anno ... mortuo. [Auctor opus *El-Jewâhir El-Modhiyet* hoc libro, qui major archetypo est, continuare voluit]. — 8612. *Gharîb el-asmâ*, nomina inusitatiora et rariora, auctore *Abu Zeid Saïd Ben Aus Khazreji*, anno ... mortuo. —

8613. *Ulm gharîb el-hadîth we El-Cor'an*. Doctrina verborum inusitatorum, quae in traditionibus et Corano leguntur.

Teste *Abu Soleimân Mohammed Ben Mohammed Khattâbi*, vox *gharîb* in oratione idem significat, quod *ghâmîdh* i. e. obscurum, difficile ad intelligendum, ut 5 homo peregrinus (*gharîb*) eum significat, qui remotus est a patria, segregatus a familia. Vox *gharîb* autem in oratione duplici ratione usurpatur, quarum priore significatur id, quod sensu difficile est et obscurum, quod mens non nisi e longinquo et meditatione molesta comprehendat. Deinde vero vox orationem ejus significat, cujus patria a dissitis Arabum tribubus remota est, ita ut, quando nobis vox ex ejus lingua occurrit, peregrinam eam esse existimemus. — Haec ille. — *Ibn-elathîr* in opere *Nihâyet*: Scio, inquit, legatum divinum facundissimum lingua esse Arabum, 10 ut *Alî* diceret, cum alloquentem eum audiret legationem filiorum *Nahd*: O legate Dei, sumus nos unius patris filii, teque loquentem videmus cum legatis Arabum linguam, quam maximam partem non intelligimus. — Docuit me, respondit, dominus



رقى واحسن تاديبى فكان عليه الصلوة والسلام يخاطب العرب على اختلاف شعوبهم وقبائلهم  
 بما يفهموه فكان الله تعالى قد اعلمه ما لم يكن يعلمه غيره وكان اصحابه يعرفون اكثر ما  
 نقوله وما جعلوه سألوه عنه فيوضحه ليم واستمر عصره الى حين وفاته عليه الصلوة والسلام  
 وجاء عصر الصحابة جازياً على هذا النمط فكان اللسان العربى عندهم صحياً لا يتداخله  
 5 للخلل الى ان فتحت الامصار وخالط العرب غير جنسهم فامتزجت اللسان ونشأ بينهم الاولاد  
 فتعلموا من اللسان العربى ما لا بدّ لهم فى الخطاب وتركوا ما عداه وتمارت الايام الى ان  
 انقرض عصر الصحابة وجاء التابعون فسلكوا سبيلهم فما القصى زمانهم الا واللسان العربى قد  
 استحال اعمياً فلما اعصل الداء الهم الله سبحانه وتعالى جماعة من اولى المعارف ان صرفوا  
 الى هذا الشأن طرفاً من عنايتهم فشرعوا فيه حراسة لهذا العلم الشريف فقبل ان اول من  
 10 جمع فى هذا الفن شيئاً ابو عبيدة معمر بن المثنى التميمى البصرى المتوفى سنة ٨٠ هـ فجمع  
 كتاباً صغيراً ولم يكن قلته لجهله بغيره فانما ذلك لامرين احدهما ان كل مبتدئ بشىء له

meus et egregie me erudit. — Legatus divinus Arabes alloquebatur secundum diver-  
 sitatem gentium et tribuum ea lingua, quam intelligebant; Deus eum docuit, quae  
 alios non docuit. Ejus vero socii plura sciebant quam quae narravimus, et quae  
 ignorabant, ex eo quaerebant, ut ea illis exponeret. Iste rerum status per hoc  
 tempus manebat usque ad tempus mortis legati divini. Sequebatur deinde tempus  
 sociorum, quod eandem rationem tenebat. Lingua autem arabica apud eos sana et  
 correcta erat nullis adhuc vitiis contaminata usque ad tempus, quo urbes majores  
 expugnabantur et Arabes cum aliis nationibus miscebantur. Inde factum est, ut 5  
 linguae confunderentur. Tum filii ex iis nati ex lingua arabica tantum discebant,  
 quantum ad colloquendum iis omnino necessarium erat, ceteris quae extra necessitatem  
 essent missis. Dies se excipiebant, donec tempus sociorum ad finem pervenit. Hos  
 discipuli sequebantur, qui illorum vestigiis insistebant; horum aetas autem nondum  
 finita erat, cum lingua arabica jam in barbaram deflecteret; et cum morbus ingra-  
 vesceret, Deus laudatus et excelsus pluribus viris rerum cognitione imbutis inspiravit,  
 ut in hanc rem curae partem conferrent. Itaque scientiam hanc augustam custodire  
 incipiebant, et primus qui nonnulla de ea collegit, *Abu Obeida Mamar Ben-elmo-* 10  
*thanna Temimi Basri* fuit, qui anno 210 (inc. 24. Apr. 825) obiit et parvum librum  
 congescit. Hic tam exilis erat non eam ob caussam, quod alia addere nesciret; sed  
 ob hanc caussam duplicem, primum quod quicumque rem incipit antea non tractatam,

يسمى اليه يكون قليلاً ثم يكثر والثاني أن الناس كان فيهم يومئذ بقية وعندهم معرفة فلم يكن للجيل قد عمّ وله تأليف آخر في غريب القرآن وقد صنّف عبد الواحد بن أحمد المليحي كتاباً في رده توفى سنة ٤٩٣ وأبو سعيد أحمد بن خالد الضرير وموقف الدين عبد اللطيف ابن يوسف البغدادي توفى سنة ٦١٩ صنفاً في رده غريب الحديث ثم جمع أبو الحسن النضر ابن شميل المازني النحوي بعده أكثر منه توفى سنة ٢٠٤ ثم جمع عبد الملك بن قريب 5 الاصمعي كتاباً أحسن فيه وأجاد وكذلك محمد بن المستنير المعروف بقطرب وغيره من الأئمة جمعوا احاديث وتكلموا على لغتها في اوراق ولم يكدا احدهم ينفرد عن غيره بكثير حديث لم يذكره الآخر ثم جاء أبو عبيد القاسم بن سلام بعد المأنتين فجمع كتابه فصار هو القدرة في هذا الشأن فانه اثنى فيه عمره حتى لقد قال فيما يروى عنه اني جمعت كتابي هذا في اربعين سنة وربما كنت استفيد الفائدة من الافواه فاضعتها في موضعها فكان خلاصة عمري وبقي 10 كتابه في ايدي الناس يرجعون اليه في غريب الحديث وعليه كتاب مختصر لحبّ الدين احمد

eam parvam invenit, tum autem augetur; deinde etiam homines illius temporis partem quandam relictam servabant et scientia vigeabant, ut ignorantia nondum communis esset. Idem alium librum composuit de vocibus Corani rarioribus. Ad eum refutandum *Abd-el-wahid Ben Ahmed Melihi* librum edidit, et anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuus est, et *Abu Said Ahmed Ben Khálid Dharir* et *Mowaffic-ed-din Abd-el-latíf Ben Yusuf Baghdádi*, anno 629 (inc. 29. Oct. 1231) mortuus, ad refutandam eam libri partem scripserunt, quae de vocibus inusitatis in traditionibus agunt. Tum 5 *Abu'hasan Nadhr Ben Shemil Máziní* Grammaticus librum collegit illo copiosiore, et anno 204 (inc. 28. Jun. 819) obiit, et *Abd-el-melik Ben Coreib Asmai*, cujus liber elegantia et praestantia eminent, itemque *Mohammed Ben-elmostenir*, vulgo *Cotrob* dictus, et alii Imami traditiones collegerunt et de lingua in iis usurpata in foliis disseruerunt; unus tamen ab altero pluribus traditionibus, quas hic non haberet, non differt. Post seculum secundum venit *Abu Obeid Cásim Ben Sellám*, et librum collegit, qui exemplum in hac doctrina evaderet; vitam enim auctor in eo componendo consumsit. Ipse ut traditum est: Collegi, inquit, hunc librum meum 10 per quadraginta annos, et saepe adnotationem utilem ex ore hujus et illius viri acquisivi, eamque suo loco inserui, ita ut vitae meae optima pars esset. Hinc factum est, ut liber hic in manibus hominum versaretur, qui ad eum in vocibus Corani inusitatoribus recurrebant. Ad eum *Mohibb-ed-din Ahmed Ben Abdallah*



ابن عبد الله الطبري المتوفى سنة 414 سَمَاه تقريب المرام في قريب القاسم بن سلام مَبَوَّبًا على الحروف ثم جَاءَ عمر ابي محمد عبد الله بن مسلم ابن قتيبة الدينوري المتوفى سنة 276 فصنَّف كتابه المشهور فيه حدًا فيه حدُّو ابي عبيد فجاء كتابه مثل كتابه او اكبر وقال في مقدمته ارجو ان لا يكون بقى بعد هذين الكتابين من غريب الحديث ما يكون لاحد 5 فيه مقال وقد كان في زمانه الامام ابراهيم بن اسحاق الحربي النحافظ فجمع كتابه فيه وهو كبير في خمس مجلِّدات بسط القول فيه واستقصى الاحاديث بطرق اسانيدھا واطاله بذكر متونها وان لم يكن فينا الا كلمة واحدة غريبة فطال لذلك كتابه فترك وهجر وان كان كثير القوائد توفى ببغداد سنة 280 ثم صنَّف الناس غير من ذكر منيم شمر بن حمدويه توفى سنة وابو العباس احمد بن يحيى المعروف بثعلب المتوفى سنة 311 وابو العباس محمد بن يزيد 10 الشمالي المعروف بالمرن توفى سنة [280] وابو بكر محمد بن قاسم الانباري المتوفى سنة 328 واهمد ابن الحسن الكندي المتوفى سنة وابو عمر محمد بن عبد الواحد الزاهد صاحب ثعلب المتوفى سنة

*Taberi*, anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuus, librum brevem composuit *Tacrib el - merám fi Carib Cásim Ben Sellám* inscriptum, qui in capita ad ordinem alphabeticum dispositus est. Tum tempus venit, quo *Abu Mohammed Abdallah Ben Muslim Ibn Coteiba Dineveri*, anno 276 (inc. 6. Mai. 889) mortuus, vixit, qui librum notum composuit, ubi vestigia *Abu Obeidi* secutus est, ut liber illius operi similis aut major evaderet. In praefatione: Spero, inquit, post hos duos libros nullum verbum inusitatum, qui in traditionibus legeretur, restare, de quo alteruter non disseruisset. Eadem aetate *Imám Ibráhim Ben Is'hac Harbi Háfitz*, Baghdádi 5 anno 285 (inc. 28. Jan. 898) mortuus, vixit, qui librum magnum quinque voluminibus comprehensum de eadem re conscripsit, ubi multa verba fecit, et traditiones totas cum varia auctorum serie dedit, et adeo omnia textus verba, licet unum tantum verbum peregrinum ibi legeretur, adjecit, qua re oratio nimis verbosa evasit. Itaque liber ob magnum ambitum neglectus et relictus mansit, quamvis multas adnotationes utiles contineret. Tum praeter viros supra laudatos plures scripserunt, ut *Shamir Ben Hamdaweih*, anno ... mortuus — *Abu'labbás Ahmed Ben Yahya*, vulgo *Thaleb* dictus et anno 291 (inc. 24. Nov. 903) mortuus — *Abu'labbás Mohammed Ben Yezid Thomáli*, vulgo *Mobarred* dictus et anno [285 (inc. 28. Jan. 898)] mortuus — *Abu* 10 *Bekr Mohammed Ben Cásim Anbári*, anno 328 (inc. 18. Oct. 939) mortuus — *Ahmed Ben-elhasan Kindi*, anno ... mortuus — *Abu Omar Mohammed Ben Abd-el-wáhid* asceta, *Thalebi* discipulus anno [345 (inc. 15. Apr. 956)] mortuus, cujus

- [٣٤٥] وغريبه غريب مسند الامام احمد وغير هؤلاء اقول كافي الحسين عمر بن محمد القاضي المالكي المتوفى سنة ٣٢٨ ولم يتم واني محمد سلمة بن عاصم [الحموي] النحوي واني مروان عبد الملك بن حبيب المالكي المتوفى سنة ٣٣٦ واني انقاسم محمود بن ابي الحسن [بن الحسين] النيسابوري [الملقب ببيان الحق] وقاسم بن محمد الانباري المتوفى سنة ٣٠٤ واني شجاع محمد بن علي ابن الدخان البغدادي المتوفى سنة [٥٠] وهو كبير في سنة عشر مجلدًا واني 5 الفتح سليم بن ايوب الرازي المتوفى سنة ٢٤٢ وابن كيسان محمد بن احمد النحوي المتوفى سنة ٣٩٩ ومحمد بن حبيب البغدادي النحوي المتوفى سنة ٢٤٥ وابن درستويه عبد الله بن جعفر النحوي المتوفى سنة ٣٤٧ واسماعيل بن عبد الغافر راوي صحيح مسلم المتوفى سنة ٤٤٩ وكتابه جليل الفائدة مجلد مرتب على الحروف واستمر الحال الى عهد الامام ابي سليمان حمد بن محمد الخطابي البستي المتوفى سنة ٣٨٨ فالف كتابه المشهور سلكه فيه نهج ابي عبيد 10 وابن قتيبة فكانت هذه الثلث فيه امهات الكتب الا انها لم يكن كتاب صنف مرتبًا يرجع

- explicatio ea verborum rariorum tantum tractat, quae in *Mosnad Imami Ahmed* leguntur, aliique, ut Cádhi *Abu'lhosein Omar Ben Mohammed* Malikita, anno 328 (inc. 18. Oct. 939) mortuus, qui non absolvit — *Abu Mohammed Salama Ben Asim* [*Hamawî*] Grammaticus — *Abu Merwân Abd-el-melik Ben Habib* Malikita, anno 239 (inc. 12. Jun. 853) mortuus — *Abu'lcasim Mahmûd Ben Abi'lhasan* [*Ben-elhosein*] *Nisábûri*, [honorifice *Beyân el-hacc* cognominatus] — *Câsim Ben Mohammed* 5 *Anbâri*, anno 304 (inc. 5. Jul. 916) mortuus — *Abu Shojâ' Mohammed Ben Ali Baghdâdi*, vulgo *Ibn-eldehân* dictus et anno [590 (inc. 27. Dec. 1193)] mortuus, cujus liber sedecim volumina complectitur — *Abu'fat'h Selim Ben Eyyub Râzi*, anno 442 (inc. 26. Mai. 1050) mortuus — *Mohammed Ben Ahmed* Grammaticus, vulgo *Ibn Keisân* dictus et anno 299 (inc. 29. Aug. 911) mortuus — *Mohammed Ben Habib Baghdâdi* Grammaticus, anno 245 (inc. 8. Apr. 859) mortuus — *Abdallah Ben Ja'far* Grammaticus, vulgo *Ibn Dorostaweih* dictus et anno 347 (inc. 25. Mart. 958) mortuus — *Ismail Ben Abd-el-ghâfir*, relator *Sahîki Mostimi*, anno 449 (inc. 10. Mart. 1057) mortuus, cujus liber volumine comprehensus exquisitas adnotationes utiles continet et alphabetice dispositus est. Res ita mansit usque ad aetatem 10 *Imami Abu Soleimân Hamd Ben Mohammed Khattâbi Bosti*, anno 388 (inc. 3. Jan. 998) mortui, qui librum illum celeberrimum composuit. Sequitur ibi rationem *Abu Obeidi* et *Ibn Coteibae*, quorum tres libri sane principes evaserunt in hac doctrina, attamen ad bonum ordinem non sunt dispositi, ad quem quis in studiis suis recurrat.



الانسان عند طلبه آلا كتاب الحرقى وهو على طوله لا يوجد الا بعد تعب وعناء فلما كان  
 زمان ابى عتبة احمد بن محمد عربى [المتوفى سنة 401] صاحب الازهرى وكان فى زمن الخطاطى  
 صنّف كتابه المشهور فى الجمع بين غريبى القرآن والحديث ورتبه على حروف المعجم على  
 وضع لم يسبق فيه وجمع ما فى كتب من تقدمه فجاء جامعاً فى الحسن الا انه جاء  
 5 الحديث مفرقاً فى حروف كلماته فانتشر قصار هو العمدة فيه وما زال الناس بعده يتبعون  
 اثره الى عهد ابى القاسم محمود بن عمر الزمخشري فصنّف الفائق ورتبه على وضع اختاره  
 نققى على حروف المعجم ولكن فى العثور على طلب الحديث منه كلفة ومشقة لانه جمع فى  
 التنقيح بين ايراد الحديث مورداً جميعه او اكثره ثمّ شرح ما فيه من غريب فياجبى شرح كلّ  
 كلمة غريبة يشتمل عليها ذلك الحديث فى حرف واحد فردّ الكلمة فى غير حروفها واذ  
 10 طلب الانسان تعب حتى يجدّها فكان كتاب البرزى اقرب متناولاً واسهل مأخذاً وصنّف للحفاظ

Talem librum *Harbī* quoque edidit, ubi ob amplitudinem id quod quaeris non nisi post multum laborem et operam invenies. Et cum aetas esset *Abu Olbae Ahmed Ben Mohammed Herevī*, [anno 401 (inc. 15. Aug. 1010) mortui], qui *Azherī* discipulus et aequalis *Khattābī* fuit, ille librum celeberrimum composuerat, ubi verba Corani et traditionum rariora conjunxit et in dispositione alphabetica rationem secutus est antea a nemine unquam adhibitam. Collegit quae in scriptis auctorum praecedentium invenit, ut probanda omnia conjungeret, nisi quod in alphabeti literis, quibus singula verba rariora continerentur, traditiones dispersae erant. Liber ubique innotuit, 5 et archetypum factum est, cujus vestigiis homines postea insistere non desierunt usque ad aetatem *Abu'l-cāsimi Mahmūd Ben Omar Zamakhsheri*, qui librum *El-Fāic* edidit, et dispositionis rationem praetulit, qua homoeoteleuta ad ordinem alphabeticum persequeretur. At vero qui rationem illam cognoscere studet, qua traditiones ibi sint quaerendae, non sine molestia et labore quod petit consequitur; simul enim homoeoteleutorum seriei traditiones inseruit, ut eas totas aut potiore earum partem adderet. Tum quae in iis inusitatiora legerentur, exposuit, ut explicatio singularum dictionum inusitatarum, quas traditio ista contineret, uni literae inserta esset, et dictio in aliis literis repeteretur, quae ad illam non pertinebant. Quando igitur quis quaerit, summa molestia affligitur, donec eam invenit. Attamen *Herevī* liber 10 studium vehementer adjuvat et quaestionem faciliorem reddit. — Tum *Hāfitz Abu*

ابو موسى محمد بن ابي بكر الاصفهاني كتاباً فيه ما فات الهروي من غريب القرآن والحديث يناسبه قدرًا وثائفة ورتبه كما رتب ثمرًا قال واعلم انه سيبقى بعد كتابي اشياء لم يقع لي ولا وقفت عليها لان كلام العرب لا ينحصر ومات سنة ٥١٤ سمّاه كتاب المغيبات كمل به الغريبين ومعاصره ابو الفرج عبد الرحمن بن علي الامام ابن الجوزي صنّف كتاباً في غريب الحديث نهج فيه طريق الهروي مجرّداً عن غريب القرآن وكان فاضلاً لكنّه يغلب عليه الوعظ وقال فيه 5 قد فاتني اشياء فرأيت ان ابذل الوسع في جمع غريب وارجو ان لا يشدّ عني مئيم من ذلك قال ابن الاثير ولقد تتبعت كتابه فرأيت مختصراً من كتاب الهروي منتزحاً من ابوابه شيئاً فشيئاً ولم يرد عليه الا الكلمة الشاذة وأما ابو موسى فانه لم يذكر في كتابه ممّا ذكره الهروي الا كلمة اضطرّ الي ذكرها فان كتابه يصاعى كتاب الهروي لان وضعه استدراك ما فات الهروي ولما وقفت على فينك الكتابين وهما في غاية من الحسن فاذا اراد احد كلمة غريبة يحتاج اليها 10

*Musa Mohammed Ben Abi Bekr Isfahâni* librum composuit, qui ea Corani et traditionum verba rariora continet, quae *Herewi* praetermiserat, et hujus opus volumine et utilitate aequiparat. Secutus est suam dispositionis rationem, et: Scias, inquit, post meum librum certe multa restare, in quae non incidi et quae non legi; Arabum enim lingua finibus non est circumscripta. Auctor, qui anno 581 (inc. 4. Apr. 1185) obiit, libro hoc *El-Moghith* inscripto, doctrinam verborum Corani et traditionum inusitatorum perfecit, et *Imâm Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali*, vulgo *Ibn-eljauzi* dictus, qui eodem tempore vixit, de verbis traditionum rarioribus librum conscripsit, ubi *Herewi* rationem, omissis Corani dictionibus inusitatoribus, secutus est. Rem quidem insigni ratione absolvit, plus tamen in praedicando valebat. Omiserunt, inquit, plura; statui igitur omnem in colligendis verbis rarioribus curam ponere, et spero, graviora hujus generis me non fugisse. *Ibn-elathir*: Attente legi, ait, librum eumque epitomen esse inveni e *Herewi* libro, de cujus capitibus minutatim recidit, neque auxit eum nisi dictionibus additis analogiae contrariis. *Abu Musa* autem in libro suo ex iis, quae *Herewi* exhibet, verbum tantum profert, quod commemorare coactus est. Liber enim *Herewiano* simillimus est, nam sibi ea tantum 10 supplere proposuit, quae *Herewi* neglexerat. Cum duos hos libros examinasset et praestantissimos esse invenissem, ut, quando quis vocem inusitatorem quaerit, ad eos recurrat necesse sit, quippe qui magni ambitus sunt et plura volumina compre-



وهما كبيران ذوا مجلدات عدّة فرأيت أن اجمع بين ما فيها من غريب الحديث مجرّداً من غريب القرآن واضيف كلّ كلمة الى اختبا وتمارت في الايام فحينئذ امعنت النظر في الجمع بين الغائبيما فوجدتهما على كثرة ما اودع فيهما قد فاتهما الكثير فأتى في بادى الامر مرّ بذكرى كلمات غريبة في احاديث البخارى ومسلم لم يرد شيء منهما في هذين الكتابين فحيث عرضت 5 نبيت الاعتبار ما سوى هذين من كتب الحديث فتتبعتهما واستقصيت قديماً وحديثاً فرأيت فيها من الغريب كثيراً واضفت ما عثرت عليه وانا اقول كم يكون قد فاتنى من الكلمات الغريبة تشتمل عليها احاديث رسول الله صلعم واختابه وتابعيهم نخيرة لغيرى انتبى كلام ابن الاثير من كتابه المسمى بالنيابة ملخصاً اقول ووصفت كتابه يأتى في النون وصنف الارموى بعده كتابه في تتمة كتابه وصنف مهدي الدين ابن الحاجب عشر مجلدات وتصنيف قاسم بن 10 ثابت بن خبيرم السرقسطى المتوفى سنة ٣٣٠ بسرقسطة كان في عصر الخرفى ذلك في الشرق هذا في الغرب ولم يطلع احدهما على ما صنع الآخر ذكره البقاي

hendunt, ex iis verba traditionum rariora, praetermissis verbis coranicis rarioribus, colligere et vocem unamquamque contrariae opponere statui. Dies me praeterierunt, ut tum temporis studium summum in jungendis utriusque libri vocibus collocarem, et quamvis magna ibi esset verborum copia commemorata, tamen magnam quoque partem auctores omisisse intellexi. Ab horum enim studiorum initio voces mihi rariores e traditionibus *Bokhârî* et *Moslîmi* in mentem venerunt, quae in utroque libro minime commemoratae erant. Quod ubi cognovi, animum ad eos libros tradi- 5 tionarios studiose considerandos adverti, quae praeter illos exstarent. Attente eos persecutus sum et omnia, quae priore et recentiore tempore scripta essent, accurate cognoscere studui. Ibi multa verba rariora inveni et deprehensa adjeeci, et tamen non possum, quin exclamem: Quanta est verborum rariorum summa quae me fugerunt et quae prophetae divini, sociorum horumque asseclarum traditiones continent! Haec ceteris praeter me tanquam thesaurum relinquo. — Haec sunt, quae ex libro *Ibn-elathîri Nihâyet* inscripto summatim excerpsi. Post hunc librum, quem infra in litera *Nûn* descripsi, *Ormevi* alium ad illum complendum edidit, et *Mahd-ed-dîn Ibn-elhâjib* decem volumina conscripsit, et *Cûsim Ben Thâbit Ben Kheirem Saracostî*, 10 qui Caesareae Augustae anno 330 (inc. 26. Sept. 941) obiit, aetate *Harbî* librum composuit ejusdem argumenti. Ille in Oriente floruit, hic in Occidente, nec alter legerat, quod alter scripserat. Ita quidem *Becâi* testatur. —

- ٨١٤٢ غريب الرواية في فروع الحنفية للسيد الامام محمد بن ابي شجاع العلوي المتوفى سنة اختصره ابو حفص السفكردى المتوفى سنة ٨١٥٥ غريب الشهاب للقاضي ابي الفضل عياض بن موسى البيهقي [المتوفى سنة ٥٢٢] ٨١٦١ غريب الفقه لابي منصور محمد بن احمد الزهري اللغوي المتوفى سنة [٣٧٠] جمع فيه الالفاظ التي يستعملها الفقهاء في مجلد وهو عمدة في تفسير ما يشكل عليهم من اللغة المتعلقة بالفقه اقول والمغرب للحنفية ومصباح المغير للشافعية كذلك كما سيأتي ٨١٦٧ غريب القرآن لابي الحسن سعيد بن مسعدة الاخفش وللنصر بن شميل وابي فيد المورج بن عمرو السدوسي والقنبي ذكرهم الثعلبي في الكشف ٨١٦٨ غريب القرآن افرد التأليف فيه جماعة غير ما ذكر ابن الاثير منهم [ابو الحسن سعيد ابن مسعدة الاخفش الاوسط المتوفى سنة ٣٣١ والقنبي والنصر بن شميل البصري المتوفى سنة ٢٠٣] و**ابو فيد مورج بن عمرو النحوي السدوسي المتوفى سنة ١٧٢** و**ابان بن تغلب بن رباح** 10

8614. *Gharíb el-riwáyet*, voces rariores traditionis de partibus juris Hanefitici secundariis, auctore Seyyid Imám *Mohammed Ben Abi Shojá' Alewi*, anno ... mortuo. Epitomen edidit libri *Abu Hafz Safkerdi*, anno ... mortuus. — 8615. *Gharíb El-Shiháb*, voces inusitatae, quae in opere *Shiháb el-akhbár* leguntur, auctore Cádhi *Abu'lfadhl Iyádh Ben Musa Yahsebi*, [anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo]. — 8616. *Gharíb el-fic'h*, voces inusitatae in jure obviae, auctore *Abu Mansúr Mohammed Ben Ahmed Azheri* Lexicologo, anno [370 (inc. 17. Jul. 980)] mortuo. 5 Collegit hic voces, quibus jurisconsulti usi sunt, in volumine, quod fons est egregius ad dictiones jus spectantes exponendas, quae studiosis difficultatem creent. Libros adjicio *El-Moghríb* inscriptum, qui Hanefitis, et *El-Misbáh El-Montr*, qui Shafititis eundem locum explet, ut infra videbis. — 8617. *Gharíb El-Cor'an*, voces inusitatae, quae in Corano leguntur, auctoribus *Abu'hasan Saíd Ben Mes'ada Akhfash*, *Nadhr Ben Shomeil*, *Abu Feid Mowerrij Ben Amru Sedúsi*, *Cotbi*, quos *Thalebi* in opere *Kashf* recenset. — 8618. *Gharíb El-Cor'an*, voces inusitatae Corani, de quibus multi libros singulares scripserunt praeter eos, quos *Ibn-elathir* recenset, ut [*Abu'hasan Saíd Ben Mes'ada Akhfash* medius, anno 221 (inc. 26. Dec. 835) mortuus — *Cotbi* — *Nadhr Ben Shomeil Basri*, anno 203 (inc. 9. Jul. 818) mortuus] — *Abu Feid Mowerrij Ben Amru Sedúsi* Grammaticus, anno 174 (inc. 20. Mai. 790) mortuus — *Abu Saíd Abán Ben Taghleb Ben Riyádh Bekri*, anno 141



ابو سعيد البكري المتوفى سنة 141 و ابو بكر احمد بن كامل المتوفى سنة 30. و ابو عبيد قاسم  
ابن سلام الحكري الكوفي المتوفى سنة 24 و ابو بكر محمد بن حسن المعروف بابن دريد  
اللغوي المتوفى سنة 21 لم يكمله و ابو عبد الله محمد بن يوسف الكفرطاي المتوفى سنة 3.  
و علاء الدين علي بن عثمان التركماني المارديني الحنفي المتوفى سنة 70. [سماه بهجة الارب  
5 لما في الكتاب العزيز من الغريب] و محمد بن عزيز الساجستاني [بزائين معجمتين المتوفى سنة  
33. و ابو محمد [عبد الرحمن بن] عبد المنعم الخزرجي المتوفى سنة 4 و قد غفل فيه  
كثيراً و نظم زين الدين عبد الرحيم بن الكسين العراقي المتوفى سنة 4. و ابو عمرو الزاهد  
والامام زين الدين محمد بن ابي بكر بن عبد القادر الرازي صاحب مختار الصحاح اوله  
الحمد لله بجميع محامده الخ ذكر فيه ان طلبة العلم و حملة القرآن سألوه ان يجمع لهم  
10 تفسير غريب القرآن فاجاب ورتب ترتيب الجوهري ضم فيه متناً من الاعراب والمعاني و فرغ  
من تعليقه في سنة 418 و لاقى الفرج ابن الجوزي سماه الارب قال السيوطي في الاتقان افرد

(inc. 14. Mai. 758) mortuus — *Abu Bekr Ahmed Ben Kamil*, anno 350 (inc. 20. Febr. 961) mortuus — *Abu Obeid Casim Ben Sellam Hariri Kufi*, anno 224 (inc. 23. Nov. 838) mortuus — *Abu Bekr Mohammed Ben Hasan* Lexicologus, vulgo *Ibn Doreid* dictus et anno 321 (inc. 1. Jan. 933) mortuus, qui librum non absolvit — *Abu Abdallah Mohammed Ben Yusuf Kafertabi*, anno 503 (inc. 31. Jul. 1109) mortuus — *Ala-ed-din Ali Ben Othman Turkemani Maridini* Hanefita, anno 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuus, cujus liber *Behjet el-arib lima fi El-Kitab El-Aziz* 5 *min el-gharib* inscriptus est — *Mohammed Ben Aziz Sejestani*, [anno 330 (inc. 26. Sept. 941) mortuus] — *Abu Mohammed [Abd-el-rahman Ben]-abd-el-mon'im Khazreji*, anno 564 (inc. 5. Oct. 1168) mortuus, qui multa neglexit. Metrice de hoc argumento scripsit *Zein-ed-din Abd-el-rehim Ben-elhosein Iracki*, anno 806 (inc. 21. Jul. 1403) mortuus — *Abu Amru* asceta — *Imam Zein-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Ben Abd-el-cadir Razi*, auctor operis *Mokhtar El-Sihah*, cujus liber ita incipit: Laus Deo talis, qua omnes ejus virtutes laudabiles describuntur etc. Narrat, doctrinae studiosos plures et Coranum memoria tenentes a se petiisse, ut iis explicationem verborum Corani rariorum colligeret. Precibus indulgit et *Jauheri* 10 dispositionem est secutus. Addidit ibi textus partem e doctrina flexus formarum et sententiarum, et scriptionem absolvit anno 668 (inc. 31. Aug. 1269). Praetera *Abu'lfaraj Ibn-eljauzi* librum edidit *El-Arib* inscriptum. *Soyuti* in *Ircan*: Doctrinam

- بالتصنيف خلّاف لا يحصون ومن أشهرها كتاب العزبى فقد اقام في تأليفه خمسة عشر سنة فحرره هو وشيخه ابو بكر الانصارى ومن احسنها المفردات للراغب ولانى حيان في ذلك تأليفه انتهى ولعله هو الشيخ ابو بكر محمد بن عزيز الساجستانى آفّه على حروف المعجم لتقرب تناوله ويسهل تحفظه فذكر الهمزة المفتوحة ثم المضمومة ثم المكسورة وكذا باقى الحروف وهو يقرب تأليف الراغب حجماً وكان عام تأليفه قبل سنة ٥٩١هـ ولابن السمين الحلبي 5 ايضا مفردات القرآن وهو احسن الكتب المولّفة في هذا الشأن ٨١٩ [غريب اللغة لابن احمد الميدانى سعيد المتوفى سنة ٥٣٩هـ ذكره السيوطى في حرف السين المهملة في طبقات النحاة]
- ٨٢٠ غريب اللغة للحافظ [ابى الحسن على بن عمر] الدارقطنى المتوفى سنة [٣٨٥] وعليه اطراف لابن القيسرانى محمد بن طاهر المقدسى المتوفى سنة [٥٠٧] ٨٢١ غريب المسائل
- مذكور في القهستانى ٨٢٢ غريب المصنّف لانى عمرو اسحق بن مرار الشيبانى المتوفى سنة 10

hanc, inquit, viri nimis multi in scriptis separatis tractarunt, quam ut numero comprehendi possent. Inter ea scripta *Azizî* liber celeberrimus est, in quo componendo auctor quindecim annos consumsit, eumque ipse et praeceptor *Abu Bekr Ansâri* accurate recognovit. De scriptis separatis praestantissimum est illud, quod *Râghib* edidit, et liber *Abu Hayyânî* eandem rem tractat. — Haec ille. — Fortasse hic Sheikh *Abu Bekr Mohammed Ben Aziz Sejestânî* est, qui ad usum facilem reddendum et memoriam adjuvandam librum ad alphabeti ordinem ita composuit, ut verborum, quae a litera *Elif* incipiunt, ea praemitteret, quae *Fal'ha* pronuncianda essent, tumque ea subjiceret, quae vocali *Dhamma* et *Kesre* instructae essent, et sic per ceteras literas deinceps. Volumine prope ad opus *Râghibi* accedit et ante annum 596 (inc. 23. Oct. 1199) compositus est. Denique singularia Corani verba *Ibn-elsemin Halebi* separatim tractavit, ejusque liber praeter ceteros de eodem argumento scriptos praestantia eminet. — 8619. [Gharîb el-loghat, voces linguae inusitatae, auctore *Ibn Ahmed Said Meidânî*, anno 539 (inc. 4. Jul. 1144) mortuo. *Soyûtî* sub litera *Sin* in *Classibus Grammaticorum* librum commemorat]. — 8620. Gharîb el-loghat, voces linguae inusitatae, auctore *Hâfitz [Abu'lhasan Ali Ben Omar] Dâracotni*, anno 385 [(inc. 5. Febr. 995)] mortuo. Ad eas *Mohammed Ben Tâhir Mocaddesi*, vulgo *Ibn-elcaisarânî* dictus et anno [507 (inc. 18. Jun. 1113)] mortuus, notas marginales adpersit. — 8621. Gharîb el-mesâil, voces quaestionum rariores.

10 Laudatur liber in *Cohostânî* opere. — 8622. Gharîb el-mosannef, voces compositionis rariores, auctore *Abu Amru Is'hac Ben Mirâr Sheibânî*, anno 206



٢٠٩ اختصره محمد بن علي اللخمي اللغوي المعروف بابن الرضى المتوفى سنة ٤١٩ وسماه حلية  
 الاديب و أبو يحيى محمد بن رضوان المتوفى سنة ٤٥٧ و لاقى عبيد قاسم بن سلام المتوفى  
 سنة ١١٤ رده أبو نعيم أحمد بن عبد الله الاصفهاني المتوفى سنة وعلى بن حمزة البصرى المتوفى  
 سنة ٣٧٥ و شرحه أبو العباس أحمد بن محمد المبرسي المتوفى سنة تقريباً ٤١٠ و شرح يوسف  
 5 ابن حسن ابن السيرافي ابياته و توفى سنة ٣٨٥ ٨٩٣٣ الغربيين يعنى غريب القرآن و الحديث  
 لاقى عبيد احمد بن محمد بن محمد البرزى المتوفى سنة ٤٠١ اوله سبحانه من له كل شيء  
 شاعر بانه اله واحد الخ قال فان اللغة العربية انما يحتاج اليها لمعرفة غريب القرآن و الحديث  
 و الكتب الموثقة فيها حمة و اثره و الاعمار قصيرة فلم اجد احداً عمل ذلك فعملته لمن حمل  
 القرآن و عرف الحديث و هو موضوع على نسف الحروف المتجمعة الخ [مر ذكره في كلام ابن  
 10 الاكبر] اختصره أبو المكارم [الوزير] علي بن محمد النحوي المتوفى سنة ١١٥٠ و عليه زيادة

(inc. 6. Jun. 821) mortuo, cujus librum *Mohammed Ben Ali Lakhmi* Lexicologus, vulgo *Ibn-elredhi* dictus et anno 616 (inc. 19. Mart. 1219) mortuus, in epitomen *Hilyet el-adib* inscriptam contraxit. Idem fecit *Abu Yahya Mohammed Ben Ridhuan*, anno 657 (inc. 29. Dec. 1258) mortuus. *Abu Obeid Casim Ben Sellam*, anno 224 (inc. 23. Nov. 838) mortuus, librum ejusdem tituli edidit, quem *Abu Noein Ahmed Ben Abdallah Isfahani*, anno ... mortuus, et *Ali Ben Hamza Basri*, anno 375 (inc. 24. Mai. 985) mortuus, refutarunt. *Abu'labbas Ahmed Ben Mohammed Mirrisi*, circa annum 460 (inc. 11. Nov. 1067) mortuus, in eum commentarium composuit, et *Yusuf Ben Hasan Ibn-elseirafi*, anno 385 (inc. 5. Febr. 995) mortuus, versus 5 explicuit. — 8623. El-Gharibein, voces inusitatae Corani et traditionum, auctore *Abu Obeid Ahmed Ben Mohammed Ben Mohammed Hereci*, anno 401 (inc. 15. Aug. 1010) mortuo. Orsus est ita: Praedicatus sit ille, quem omnes res unicum Deum esse testantur etc., et: Necessaria est, inquit, certe dictionis inusitatae explicatio ad cognoscendas raras, quae in Corano et traditionibus leguntur, voces. Multi exstant de ea libri copiosi, vita autem brevis est; neque ullum inveni, qui voces rariores Corani et traditionum conjunxerit; id quod in eorum favorem feci, qui Coranum memoria tenent et traditiones cognoscunt. Liber meus ad ordinem literarum alphabeti descriptus est etc. [Vide supra verba *Ibn-elathiri*]. Epitomen libri *Vezir Abu'lmekarim Ali 10 Ben Mohammed* Grammaticus, anno 561 (inc. 7. Nov. 1165) mortuus, confecit, et

- لمحمد بن علي الغساني الملقب المعروف بابن عسكر المتوفى سنة ٦٣١ سَمَاه بشرح الروى في  
 الريادة على غريب البروى وصنّف الحافظ محمد بن عمر الاصفهاني المدينى المتوفى سنة ٥٨٤  
 تنمّة وتكملة له وله كتاب آخر في هفوات كتاب الغربيين ذكره البارسا في الاسانيد ٨٦٢٤ غزل  
 الطرف في مجلدين لابن السامى على بن انجب البغدادي المتوفى سنة ٦٧٤ ٨٦٣٥ غزليات  
 السلطان مراد الثالث شرحها الشيخ شمس الدين احمد بن محمد السيولسى ٨٦٦١ الغطاء 5  
 لبذل العطاء رسالة في الصنعة ٨٦٣٧ غلطات انعام جمعها المولى مصطفى بن محمد المعروف  
 بتخسرو زاده المتوفى سنة ٩١٨ ٨٦٣٨ الغماز على اللماز مختصر في الحديث الموضوع ٨٦٣١ غمرات  
 الملبج في اول مباحث قصر العام من التلويح سبق في انتقيج ٨٦٣٠ الغمز على الكنز لابن  
 الصانع محمد بن عبد الرحمن الرمردى الحنفى المتوفى سنة ٧٧٦ ٨٦٣١ [غمز العين الى العين  
 للشيخ محمد بن احمد ابن الحنبلى المتوفى سنة ٩٧١ هو شرح على منظومته في المعنى] ٨٦٣٢ غناء 10

- Mohammed Ben Ali Ghassani Malicki*, vulgo *Ibn Askar* dictus et anno 636 (inc. 14. Aug. 1238) mortuus, additamenta in eum *Shar'o' el-rewi fi ziyadet ala Gharib El-Herewi* inscripta edidit, et *Hafiz Mohammed Ben Omar Isfahani Medini*, anno 581 (inc. 4. Apr. 1185) mortuus, supplementum et appendicem consummatam. Idem alium librum composuit de erroribus libri *Gharibein*, quem *Barsa* in *El-Asanid* laudat. — 8624. *Ghazal el-tarf*, sermo oculi amatorius. Duo volumina, auctore *Ali Ben Anjeb Baghdadi*, vulgo *Ibn-elsai* dicto et anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) mortuo. — 8625. *Gazaliyat*, carmina amatoria Sultani *Murad III.*, in quae *Sheikh Shems-ed-din Ahmed Ben Mohammed Sicasi* commentarium edidit. — 8626. *El-Ghitá li badzl el-atá*, operimentum ad munera largiter afferenda. Tractatus de alchymia. — 8627. *Ghalatát el-awámm*, errores plebejorum. Collegit eos *Molla Mustafá Ben Mohammed*, vulgo *Khosrewzádeh* dictus et anno 998 (inc. 31. Oct. 1589) mortuus. — 8628. *El-Ghammáz ala el-lammáz*, delator diffamatoris. Compendium de traditionibus suppositiciis. — 8629. *Ghamazát el-melih*, nictationes pulchri de primis quaestionibus, quae de restrictione propositionis universalis in opere *Telwih* leguntur. Vide supra in opere *Tenckih el-osul*. — 8630. *El-Ghamz ala el-kanz*, significatio thesauri clandestina, auctore *Mohammed Ben Abd-el-rahman Zomorodi Hanefita*, vulgo *Ibn-elsúigh* dicto, et anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 8631. [*Ghamz el-ain ila el-ain*, nictatio oculi mutua, auctore *Sheikh Mohammed Ben Ahmed Ibn-elhanbali*, anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuo. Commentarius est in ejus carmen de logogryphis]. — 8632. *Ghaná*



الفقهَاء في الفروع للبزدوى ٨١٣٣ غنَاء في الطبّ مجلّد للحكيم ابى منصور حسين بن نوح القمى رتب على ثلاث مقالات الاولى في الامراض الحادة الثانية في العلل الظاهرة الثالثة في الحميميات

٨١٣٤ علم الغننج

5 [عدّه صاحب الموضوعات من فروع علم الموسيقى وقال هو علم باحث عن كيفية صدور الافعال التى تصدر عن العذارى والنسوان الفانقات للآل والمتصفات بالظرف والكمال واذا اقترن الحسن الذائق بالغننج الطبيعى كان كاملاً في الغاية وان كان الغننج متكلفاً او عرضياً يكون دون الاول لكن كل شىء من الملبج ملبج وهذا الغننج ان وقع اثناء المباشرة والمخالطة والتقبيل وكان ذلك كان محرّكاً لقوة الوقاع وينتفع به العاجزون عن القربان كل الانتفاع وهذا الغننج 10 مرخص في الشرع ويحمد هو في النساء في تلك الحال بل قد توجر صى عليه في الجماع الحلال ونساء العرب مشهورات بين الرجال بحسن الغننج ولطف الدلال]

el-focahá, utilitas jurisconsultorum de partibus juris secundariis, auctore *Pezdewi*. — 8633. Ghaná fi el-tibb, thesaurus. Volumen de medicina, ab *Abu Mansúr Hosein Ben Nuh Comri* Medico editum et in tres dissertationes dispositum, quarum prima de morbis acutis, secunda de infirmitatibus exterioribus, tertia de febribus agit. —

8634. Ilm el-ghanaj. Ars gesticulationis mimicae.

[Auctor libri *Maudhúat* eam in partibus artis musicae secundariis numerat 5 doctrinamque esse dicit, quae in rationem inquirat, qua gestus componendi sint, quos virgines et feminae genere conspicuae et elegantia pulchritudineque perfecta distinctae facere soleant. Quando pulchritudo vera cum gestibus naturalibus conjuncta est, longe hi perfectissimi sunt; sin autem consilio laboreque compositi aut fortuiti, illud genus non aequiparant; attamen omnis res e genere honesti honesta est. Quodsi hi gestus medio in commercio mutuo, consuetudine et osculatione apparent, et ita quidem, ac si ad potentiam concubitus excitent, ut qui nimis infirmi sunt, quam ut coire possint, commodum summum inde capiant, hi gestus lege concessi sunt, et in feminis hujus generis multum laudantur, imo etiam in concubitu licito illae eo pacto conducuntur. Feminae arabes autem inter viros gestuum venustate et lasciviae 10 elegantia celeberrimae sunt.

٨١٣٥ غنية الاعراب في النحو للشيخ عبد العزيز بن عبد الواحد المالكي المدني [المغربي

نزيل المدينة المتوفى سنة ٩١٤] نظمها في صغره سنة ٩٣٦ اوله

الحمد لله الذي قد فضلا

بالعلم قوماً خصهم تفضلا

- شرحها ابراهيم بن احمد بن المنلا الجلبى [المتوفى في بعد سنة ١٠٣٠ بقرب] وسماه كشف 5  
النقاب عن غنية الاعراب اوله نحمدك اللهم ان وقتنا بمصباح الهداية الخ ذكر فيه انه اشار  
والده الى شرحه وان له فيه فوضع ثلاثة شروح على مقدمة الاعراب والتصريف والمنطق للشيخ  
المذكور ٨١٣٦ غنية الباحث ارجوزة معروفة بقرائن الرحبية للشيخ صلاح الدين يوسف  
ابن عبد اللطيف بن عبد الرحمن الشافعي الحموي شرحه ابو الفتح محمد ابن الشيخ  
بدر الدين محمد بن علي بن صالح بن عثمان العوفي الاسكندري وهو شرح كبير اوله الحمد 10  
لله الواحد الاحد الفرد الصمد الخ علقه في اواخر سنة ٨١٣ وشرحه ابو عبد الله محمد

8635. Ghunyet el-iráb, liber in doctrina de flexu formarum sufficiens. Carmen grammaticum, quod Sheikh *Abd-el-aziz Ben Abd-el-wáhid Medeni* Malikita [*Maghribi* Medinae inquilinus, anno 964 (inc. 4. Nov. 1556) mortuus], adolescens anno 939 (inc. 3. Aug. 1532) composuit, et ita orsus est:

Laus Deo, qui certe praetulit

Scientia populum, quem praeter ceteros beneficentia distinxit.

- 5 *Ibráhm Ben Ahmed Ben-ementa Jelebi*, [qui circiter paulo post annum 1030 (inc. 16. Nov. 1620) mortuus est], commentarium composuit *Kashf el-nicáb an Ghunyet el-iráb* inscriptum, qui ita incipit: Laudamus Te, o Deus, quandoquidem nos rectae viae lucerna adjuvasti etc. Narrat auctor, se ad hunc commentarium scribendum a patre esse excitatum. Mandato ita paruit, ut tres perficeret commentarios ad introductionem syntaxis flexionis, conjugationis et logicae ab auctore illo laudato scriptam. —  
8636. Ghunyet el-báhih, liber scrutatoris sufficiens. Carmen titulo *El-Feráidh El-Rahbiyet* notum et metro *Rejéz* a Sheikh *Saláh-ed-dín Yusuf Ben Abd-el-latíf Ben Abd-el-rahman Hamawi* Shafiita compositum. *Abu'fat'h Mohammed* filius  
10 Sheikh *Bedr-ed-din Mohammed Ben Ali Ben Sálík Ben Othmán Auí Iskenderi* commentarium magnum confecit, qui ita incipit: Laus Deo uni, unico, incomparabili, aeterno etc. Scripsit eum ad finem anni 883 (inc. 4. Apr. 1478). Pariter *Abu*



ابن ابراهيم بن محمد السلامي الشافعي المتوفى سنة ٨٧٩ سَمَاهُ اَنْوَارُ الْهَيْئَةِ ٨١٣٧ غنية ذوى الاحكام في بغية درر الحكماء مر ٨١٣٨ غنية الراغب في الحديث ٨١٣٩ غنية الفتاوى في مجلد محمود بن احمد القونوى المتوفى سنة [٧٧٠] اخذه من فتاوى انطس وخواهر زاده شرحه الازرى في خمس مجلدات ٨١٤٠ غنية الفقهاء ليوسف بن ابي سعيد احمد السجستاني 5 المتوفى سنة ٨١٤١ غنية الفقير في حكم حج الاجير لفخر الدين ابي بكر بن علي بن ظبيرة المكي الشافعي المتوفى سنة ٨١٤٢ غنية في الاصول مختصر اوله الحمد لله رب العالمين الحج ٨١٤٣ غنية في شرح المنهاج النووي يأتى ٨١٤٤ غنية في الضاد والطاء لابي محمد سعيد ابن مبارك ابن الدحمان النحوى المتوفى سنة [٥٩٩] ٨١٤٥ غنية في فروع الشانعية لابن سريج احمد بن عمر الشافعي المتوفى سنة ٣٠٦ شرحها واحد من تلامذته القفال في مجلد اتمه في سنة ١٠٧٥

*Abdallah Mohammed Ben Ibráhim Ben Mohammed Selámi* Shafíita, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuus, commentarium edidit *Anwár el-heiat* inscriptum. — 8637. Ghunyet dzewi el-ahkám, liber sufficiens iudicum de opere *Dorer el-hokkám* vehementer desiderato. Vide supra. — 8638. Ghunyet el-rághib, liber cupienti sufficiens de re traditionaria. — 8639. Ghunyet el-fetáwi, liber responsorum juridicorum sufficiens. Volumen, quod *Mahmúd Ben Ahmed Cuncui*, anno [770 (inc. 16. Aug. 1368)] mortuus, e responsis iudicis *Aftasi* et *Imámi Kháher-zádeh* collegit. Commentarium quinque voluminum *Azrai* in eum composuit. — 8640. Ghunyet el-focahá, liber sufficiens jurisconsultorum, auctore *Yusuf Ben Abi Saíd Ahmed Sejestáni*, anno ... mortuo. — 8641. Ghunyet el-fackír, 5 liber pauperem tranquillum reddens de statuto peregrinationis Mekkanæ mercenarii, auctore *Fakhr-ed-din Abu Bekr Ben Ali Ben Tzahira Mekki* Shafíita, anno 889 (inc. 30. Jan. 1484) mortuo. — 8642. Ghunyet fi el-osúl, liber sufficiens de principiis. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. — 8643. El-Ghunyet, liber sufficiens. Commentarius in opus *Minháj* a *Neweci* compositum. Vide infra. — 8644. El-Ghunyet fi el-dhád we el-tzá, institutio sufficiens de literis *Dhád* et *Tzá*, auctore *Abu Mohammed Saíd Ben Mobárek Ibn-el-dehhán* Grammatico, anno [569 (inc. 12. Aug. 1173)] mortuo. — 8645. El-Ghunyet fi forú' El-Shafííyet, institutio sufficiens de partibus juris Shafíitici secundariis, auctore *Ahmed Ben Omar* Shafíita, vulgo *Ibn Soreij* dicto et anno 306 (inc. 14. Jan. 918) mortuo. Commentarium uno volumine comprehensum *Caffúl*, unus ex ejus discipulis, anno 517 (inc. 1. Mart. 1123) mortuus, absolvit. Libros

ولاقى القاسم منصور بن عمر الكرخى المتوفى سنة ٤٤٧ ولاقى القاسم سليمان بن ناصر الانصارى  
 تلميذ امام الحرمين توفى سنة [٥١٣] ٤٤٩ غنية في ... للشيخ عبد القادر الكيلاني المتوفى  
 سنة [٥١٤] ٤٤٧ غنية في اللغة لاقى سعيد محمد بن ابراهيم البيهقي ٤٤٨ غنية في مسائل  
 الصلوة وهى ازيد من المنية اولها الحمد لله الذى جعل العلم حجة الاسلام الخ لبعض  
 المتأخرين التقط ما كثر وقوعه من مصنفات المتقدمين ٤٤٩ غنية القصاة ٤٥٠ غنية 5  
 الكاتب وبغية الطالب في صدور الرسائل للقاضى عياض بن موسى اليجصى المتوفى سنة ٥٢٢  
 ٤٥١ غنية اللبيب فيما يستعمل عند غيبة الطبيب لاقى الجور محمد بن ابراهيم المعروف  
 بابن الاكفانى المصرى المتوفى سنة ٧٤٩ وترتيبه على اربعة اركان الاول في حفظ الصححة الثانى  
 في تدبير المرض الثالث في وصايا نافعة الرابع في خواص مختبرة اوله الحمد لله الذى  
 خلق الانسان في احسن تقويم الخ وهى رسالة لطيفة تشتمل على ما لا بد منه في 10

ejusdem tituli ediderunt *Abu'l-cásim Mansúr Ben Omar Karkhi*, anno 447 (inc. 2. Apr. 1055) mortuus, et *Abu'l-cásim Soleimán Ben Násir Ansári*, *Imámi el-haramein* discipulus, qui anno [512 (inc. 24. Apr. 1118)] obiit. — 8646. *El-Ghunyet fi ...*, institutio sufficiens de ..., auctore Sheikh *Abd-el-cádir Kiláni*, anno [561 (inc. 7. Nov. 1165)] mortuo. — 8647. *El-Ghunyet fi el-loghat*, institutio sufficiens de lingua, auctore *Abu Said Mohammed Ben Ibráhim Beihacki*. — 8648. *Ghunyet fi mesáil el-salát*, institutio sufficiens de quaestionibus precatationis *salát*. Volumen opere *El-Munyet* uberius, quod ita incipit: Laus Deo, qui scientiam probationem Islami esse voluit etc., auctore quodam recentiore, qui e scriptis auctorum praecedentium ea selegit, quae saepissime usu veniunt. — 8649. *Ghunyet el-codhát*, institutio sufficiens judicum. — 8650. *Ghunyet el-kátib we Bughyet el-tálib*, institutio sufficiens scribae et desiderium studiosi de initiis epistolarum, auctore *Cádhi Iyádh Ben Musa Yahsebi*, anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo. — 8651. *Ghunyet el-lebíb*, institutio sufficiens viri cordati de iis, quae absente medico adhibenda sunt, auctore *Abu'l-jaur Mohammed Ben Ibráhim Misri*, vulgo *Ibn-elakfáni* dicto et anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuo. Dispositus liber est in quatuor fulcimenta, quorum primum de conservanda sanitate agit, secundum de morbo tractando, tertium de consiliis salutaribus, quartum de peculiaribus virtutibus medicamentorum usu probatis, et incipit ita: Laus Deo, qui hominem optime constitutum creavit etc. Tractatus elegans est ea continens, quibus



- علم الطب ٨٤٥٢ غنية للقاضي عياض بن موسى الجصدي المتوفى سنة ٥٢٢ هـ في اسماء شيوخه  
 ٨٤٥٣ غنية المتعظمين ٨٤٥٤ غنية المرسل والشاعر في علم البيان ومنية المتوسل الماهر في  
 نظم الجمان لرشيد الدين عمر بن اسمعيل بن مسعود الفارقي المتوفى سنة ٦٨٩ ذكره في نظم  
 الجمان ٨٤٥٥ غنية المسترشدين في الخلاف للإمام عبد الملك بن عبد الله النيسابوري  
 5 الجويبي الشافعي المعروف بامام الحرمين المتوفى سنة ٤٧٨ ٨٤٥٦ غنية المفتي لعبد المؤمن  
 ابن رمضان الكافي وهي الحارثي لاكثر الفناوي وله بغية الغنية على اثني عشر قسما كل قسم  
 مشتمل كتابا وعدد كتبه اربعون وثم عدد انفصول ستين قال المفتي جوي زاده اطله من  
 بلدة توقات ٨٤٥٧ غنية المنية لصاحب القنية ٨٤٥٨ غوامص الاسماء المبيمة الواقعة في  
 متون الاحاديث المسندة لابي القاسم خلف بن عبد الملك المعروف بابن بشكوال القرطبي  
 10 الانصاري المتوفى سنة [٥٧٨] ذكر فيه من جاء ذكره في الحديث الثقة ومن روى

in doctrina medicinae minime carere possis. — 8652. El-Ghunyēt, institutio sufficiens edita a Judice *Iyādh Ben Musa Yahsebi*, anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo, qui hic praeceptorum nomina recenset. — 8653. Ghunyēt el-moteatz-tzimín, arrogantia superbientium sibi placens. — 8654. Ghunyēt el-mursil we el-sháir, institutio sufficiens epistolas scribentis et poetae de doctrina expositionis et optatio intercessoris ingeniosi de margaritarum poeticarum compositione, auctore *Reshid-ed-din Omar Ben Ismaíl Ben Mes'úd Fáricki*, anno 689 (inc. 14. Jan. 1290) mortuo. Laudat librum in opere *Natzm el-jomán*. — 8655. Ghunyēt el-mustershidín, institutio sufficiens eorum, qui bene dirigi volunt de theologia controversa, auctore *Imám Abd-el-melik Ben Abdallah Nisabúri Joveini* Shafita, 5 vulgo *Imám-elharamein* dicto et anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. — 8656. Ghunyēt el-mufti, institutio sufficiens Muftii, auctore *Abd-el-mumin Ben Ramadhán Káfi*. Liber plurima continet responsa juridica. Idem librum *Bughyet el-ghunyēt* edidit in duodecim partes divisum, quae singulae libros continent, et libri quadraginta numero sunt, sectiones sexaginta. *Jewizádeh El-Mufti*: Auctorem, ait, ex urbe *Tocat* esse autumo. — 8657. Ghunyēt el-munyet, adeptio optati sufficiens. Edidit auctor libri *El-Cunyet*. — 8658. Ghawámidh el-asmá el-mubhemet, obscuritates nominum occultorum, quae in textibus traditionum ad prophetam auctorem adscendentium occurrunt, auctore *Abú'lcásim Khalaf Ben Abd-el-melik Cortubi Ansári*, vulgo *Ibn Beshkowál* dicto et anno [578 (inc. 7. Mai. 1182)] mortuo. 10 Recenset ibi eos, qui in traditionibus incorruptis commemorantur, et qui in relatione

- الموطأ عن مالكه ٨٥٩ غوامض التتديق من التفاسير ٨٦٠ غور الامور للحكيم الترمذى  
 المذكور في اثبات العلل ٨٦١ الغور في الدور للامام ابي حامد محمد بن محمد الغزالي  
 المتوفى سنة ٥٠٥ هـ آفة في مسئلة السريحية يرجع فيه عن تصحيحه وقد آف قبل هذا غاية  
 الغور ٨٦٢ غيات الامم في الامامة للامام عبد الملك بن عبد الله الجويني المعروف باسم  
 الحرميين المتوفى سنة ٤٧٨ وله كتاب صنفه للوزير غياث الدين نظام الملك وسماه الغياثي 5  
 سلك فيه غالباً مسلك الاحكام السلطانية ٨٦٣ غيات الخلف في اتباع الاحق للامام  
 الحرميين المذكور حرص فيه على الاخذ بمذهب الشافعي دون غيره ٨٦٤ غياث في تفصيل  
 الميراث ل محمد بن محمد الاسدي القديسي المتوفى سنة ٨٨٠ هـ الغياثية في الية مختصر  
 فارسي على مقدمة ومقائتين كالمخلص ل محمد بن محمد بن قوام الواسطاني آفة لغياث الدين  
 سيدى احمد البروى ٨٦٦ اغياثية من الفتاوى ذكره تاتارخانية ٨٦٧ غياث الادب 10

traditionum in opere *Mowatta* lectarum *Malik* auctorem sequuntur. — 8659. *Ghawá-midh el-tedkíc*, difficultates obscurae inquisitionis subtilioris. Commentarius in Coranum. — 8660. *Ghaur el-omúr*, profunditas rerum, auctore philosopho *Tirmidzi*, supra in opere *Ithbát el-ilel* laudato. — 8661. *El-Ghaur fi el-daur*, fundus summus de legatis in orbem circumlatis, auctore Imámo *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. Composuit de quaestione *Serihiet*, quàm improbandam esse censet. De eadem re antea librum *Gháyet el-ghaur* composuit. — 8662. *Ghiyáth el-omem*, auxilium populorum de Imamatu, auctore Imám *Abd-el-melik Ben Abdallah Joweini*, vulgo *Imám el-haramein* dicto et anno 478 (inc. 29. Apr. 1085) mortuo. Idem librum *Ghiyáthi* dictum in favorem *Weziri Ghiyáth-ed-din Nitzám-el-mulk* composuit, ubi plerumque operis *El-Ahkám El-Sultaniyet* argumentum secutus est. — 8663. *Ghiyáth el-khalc*, auxilium hominum in verissimo persequendo, auctore *Imám el-haramein* laudato. Incitat hic ad sectam Shafiticam neglectis ceteris amplectendam. — 8664. *El-Ghiyáth fi tefsíl el-miráth*, auxilium de hereditatibus dividendis, auctore *Mohammed Ben Mohammed Asedi Codsí*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuo. — 8665. *El-Ghiyátíyet fi el-heiat*, tractatus *Ghiyáth-ed-dínicus* de astronomia. Compendium persicum in praefationem et duas dissertationes divisum ad instar operis *Molakhkhas*, quod *Mahmúd Ben Mohammed Ben Ckivám Wasitáni* in  
 10 honorem *Ghiyáth-ed-díni Seyyidi Ahmed Herewi* composuit. — 8666. *El-Ghiyá-thíyet*, tractatus *Ghiyáth-ed-dínicus* responsa juridica continens. Commemoratur in opere *Tútárkhániyet*. — 8667. *Gheith el-adeb*, pluvia late diffusa studiorum



- للشيخ صلاح الدين الصفدى ٨٦٨ غيـث السحابـة في فضل الصحابة ليوسف بن محمد  
 العبادى الحنبلى المتوفى سنة ٧٦١ ٨٦٩ الغيـث المدرار في سحائب الاستغفار لابن العراق  
 [العارف العلامة محمد بن على الدمشقى المتوفى سنة ٩٣٣] ٨٧٠ الغيـث المربيع على  
 زعر الربيع لابن قرقماس سبق في الزاء ٨٧١ الغيـث المغدق في ميراث ابن المعتف  
 5 للشيخ تقى الدين على بن عبد الكافى السبكى المتوفى سنة ٧٥٩ ٨٧٣ الغيـث  
 المنيمر فيما يقعد الحاج والمعتمر للشيخ شمس الدين محمد بن حسن النواجى  
 المتوفى سنة ٨٥٩ ٨٧٣ الغيـث الهامع في شرح جمع الجوامع سبق ذكره ٨٧٤ غيرة  
 الكتب وغيرة اللبيب للصفدى خليل بن ايـك الشافعى المتوفى سنة [٧٤٤] ٨٧٥ غيلانيات  
 من اجزاء الاحاديث من حديث ابى بكر محمد بن عبد الله بن ابراهيم المعروف باليزار  
 10 الشافعى [المتوفى سنة ٣٥٤] املاء عن شيوخه رواية ابى طالب محمد بن محمد بن ابراهيم

humanitatis, auctore Sheikh *Saláh-ed-din Safedi*. — 8668. Gheith el-sehábet, pluvia nubis de meritis sociorum prophetae, auctore *Yusuf Ben Mohammed Ibádi Hanbalita*, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 8669. El-Gheith El-Midrár fi seháib el-istighfár, pluvia copiosa de nubibus precum, quibus condonatio peccatorum petitur, auctore [mystico et doctissimo *Mohammed Ben Ali Dimeshcki*, vulgo] *Ibn-elirác* [dicto et anno 933 (inc. 30. Sept. 1429) mortuo]. — 8670. El-Gheith El-Meri', pluvia segetibus fecunditatem dans. Commentarius in opus *Zahr el-rebí'* ab *Ibn Carcamás* compositus, de quo supra in litera *Zá* videatur. — 8671. El-Gheith El-Moghdac fi miráth ibn el-mo'tac, pluvia copiosa de hereditate filii ejus, qui manumissus est, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben 5 Abd-el-káfi Sobki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 8672. El-Gheith El-Monhamir, pluvia fluens de iis, quae peregrinatori sacro et in sacris Mekkanis commoranti facienda sunt, auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Hasan Newwáji*, anno 859 (inc. 22. Dec. 1455) mortuo. — 8673. El-Gheith El-Hámi', pluvia defluens. Commentarius in *Jam'o' el-jewámi'*, de quo supra dictum est. — 8674. Gheiret el-kaïb we Ibret el-lebíb, zelotypia moesti et exemplum cordato propositum, auctore *Khalil Ben IbeK Safedi* Shafiita, anno [764 (inc. 21. Oct. 1362)] mortuo. — 8675. El-Gheiláníyát, fasciculus traditionum ab *Ibn Gheilán* dictarum. Effata prophetica ab *Abu Bekr Mohammed Ben Abdallah Ben Ibráhim* Shafiita, vulgo *El-Bezzáz* dicto [et anno 354 (inc. 7. Jan. 965)] mortuo, 10 tradita, quae auctoribus magistris *Abu Tálib Mohammed Ben Mohammed Ben Ibráhim*

ابن غيلان المتوفى سنة ٤٤٠ كذا ذكره السبكي في طبقاته وقال احد المسنديين المعمرين  
 ذكره ابن الصلاح فتابعناه انتهى

---

*Ibn Gheilân*, anno 440 (inc. 16. Jun. 1048) mortuus, dictando retulit. Ita *Sebeki* narrat in suis *Tabacât*. Unus autem relatorum aetate provectorum: Commemorat, inquit, *Ibn-elsulâh* librum, et nos eum sequimur. — Haec ille. —

---



---

---

باب الغاء

٨٧٦ فاتحة السلسلة ٨٧٧ فاتحة العلوم للامام ابى حامد محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ وهو مشتمل على فصلين ٨٧٨ فاتحة العينية تركى في تفسير الفاتحة صنّفها الشيخ اسمعيل المولوى الانقروى [المتوفى سنة ١٠٤٣] حين فتحت عيناه من الرمذ شكراً لله سبحانه وتعالى جمعه من التفسير والحواشى فصارت مجموعة اوله الحمد لله الذى 5 انزل القرآن هدى للناس الخ رتب على سبع فواتح الاولى في بعض الفصائل والثانية في معاني الاستعانة والثالثة في البسملة والرابعة في الفاتحة والخامسة في السورة والآية والسادسة في اسماء الفاتحة والسابعة في سبب النزول وله فاتحة الابيات شرح فيها ما وقع في كتاب المنوى من الابيات العربية ٨٧٩ فاخر في الطب للفيلسوف الفاضل ابى بكر محمد بن

---

LIBRI QUORUM TITULI A LITERA FA  
INCIPIUNT.

8676. Fátihat el-silsilet, liber catenam aperiens. — 8677. Fátihat el-olúm, liber doctrinas aperiens, auctore Imám *Abu Hamid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. Continet duas sectiones. — 8678. El-Fátihat El-Ainiyet, apertio oclularia. Commentarius turcicus in primam Suratam, quem Sheikh *Ismail Maulewi Anckirehwi*, [anno 1042 (inc. 9. Jul. 1632) mortuus], oculis lippitudine liberatis, ut Deo excelso gratias ageret, composuit. Compilavit eum e commentariis et glossis, ut sylloge evaderet copiosa. Incipit ita: Laus Deo, qui Coranum tanquam viam virtutis hominibus revelavit etc., et in septem 5 aperturas distributus est. Prima agit de virtutibus quibusdam praestantibus, secunda de iis, quae sub confugio ad Deum a diabolo execrando intelligenda sunt, tertia de invocatione nominis divini, quarta de prima Surata, quinta de eo, quid sit Surata, quid versus, sexta de variis primae Suratae nominibus, septima de caussis, quae revelandi occasionem dederunt. Idem libellum edidit *Fátihat el-abyát* i. e. „versuum apertio sive explicatio“ dictum, ubi versus arabicos exposuit, qui in libro *Methnevi* occurrunt. — 8679. El-Fákhir fi el-tibb, liber pretiosus de medicina, auctore philosopho bene merito *Abu Bekr Mohammed Ben Zakariyá Rázi*, [anno 311 (inc.

- زكرياء الرازي [المتوفى سنة ٣١١] وهو مجتهد اوله الحمد لله رب العالمين الخ ذكر انه جمع فيه آراء الفلاسفة فيما ينفع ويصير من الادوية والاعدية واصاف الى ذلك آراء احدثين والمتقدمين في الصنعة على نحو ما وردت بمصنفاتهم من عوارض ما يلحق الانسان من القرن الى القدم ليكون دستوراً يرجع اليه ورتبه على ٣٩ باباً ٨٦٠ [الفاخر في لحن العائنة للفاضل ابى طالب المفصل بن سلمة بن عاصم النحوى اللغوى] ٨٦٢ فارس نامه لابن 5 البلخى كان مستوفياً بها في زمن السلطان محمد السلجوقى ٨٦٣ فارس للامام برهان الدين ابراهيم بن عمر البقاي المتوفى سنة [١١٥] ذكره في دلالة البرهان وقال ومن اراد بسط الادلة مما في هذه الرسالة ثعلبه بكتلى الفارض فانه بحر عباب وذكرى عظيمة لا يستغنى عنه في هذا الزمان المتشرع ٨٦٣ الفارق بين المصنف والسارق لجلال الدين عبد الرحمن السيوطى المتوفى سنة ٩١١ آفة في تأليف رجل استعار منه كتاب لخصائص وساق الالفاظ في 10 تأليفه وبعبارة وادعى انه له وهو من مقاماته ٨٦٤ فارق المنية ٨٦٥ فاشوش في احكام

21. Apr. 923) mortuo]. Volumen, quod ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. Narrat, se hic sententias philosophorum de medicamentis et cibis salutaribus et noxiis collegisse, hisque consilia recentiorum et veterum de alchymia subjecisse, iis circiter allatis affectionibus fortuitis, quae hominem a vertice ad pedem affligunt, ut exemplar esset, ad quod recurri posset. Disposuit in viginti sex capita. — 8680. [El-Fákhír fi lahn el-ámmet, liber pretiosus de erroribus a populo in 5 loquendo et enunciando commissis, auctore bene merito *Abu Tálib Mofadhdhíl Ben Salama Ben Asim* Grammatico et Lexicologo]. — 8681. Fáris - námeh, liber Persiae, auctore *Ibn-elbalkhi*, cui tempore Sultani *Mohammed Seljúcki* ibi suprema acceptorum et expensorum cura tradita erat. — 8682. El-Fáridh, liber sanciens, auctore Imám *Borhán-ed-dín Ibráhím Ben Omar Becáí*, anno [885 (inc. 13. Mart. 1480)] mortuo. Commemorat eum in *Delálet el-borhán*, et: Qui, inquit, argumenta ampliora cognoscere cupit, quam per hunc tractatum fieri potest, ei legendus est liber *Fáridh*, qui mare copiosius continet et monita immensa, quibus vir legum studiosus hoc tempore vix carere possit. — 8683. El-Fáric bein el-mosannif we el-sáric, liber inter auctorem et furem discernens. Consessus, quem *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman* 10 *Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, de compositione hominis scripsit, qui librum *El-Khasáís* a se mutuatus erat. Hic verba in compositione ita urgebat, ut dictionem ipsam *Soyutí* retineret, et librum sibi vindicavit. — 8684. Fáric el - munyet, liber, qui votum discernit. — 8685. El-Fáshúsh fi ahkám



- قراقوش لاسعد بن الخطير ابن المماتي المتوفى سنة ٦٠٦ ألفه في مناقب بهاء الدين قراقوش  
 المتوفى سنة ٥١٧ قال ابن خلكان وفيه اشياء يبعد وقوع مثلها منه والظن أنها موضوعة انتهى  
 ٦١٩ فاضل من انشاء الفاضل للشيخ جمال الدين محمد بن محمد بن نباتة ٦١٧ فاختة  
 الملحددين رسالة للشيخ علاء الدين محمد البخاري توفي سنة ٦٢١ ألفها بالشام وبين فيها  
 5 زخاريف ابن عربى ٦١٨ الفاكية البدرية منظومة ومنثور للشيخ بدر الدين محمد ابن  
 الدماميني المختزومي المالكي المتوفى سنة [٦٣٧] اوله اما بعد حمد الله المنظومة الآخرة بعقود  
 الدرر الخ جمع فيه من غرر كلامه خاصة دون كلام غيره فرغ من تعليقه سنة ٧١٠  
 ٦١٩ فاكهة الخلفاء ومفاكية الظرفاء لابن عربشاه احمد بن محمد الحنفى المتوفى سنة [٦٥٤]  
 ألفه في صفر سنة ٦٥٢ على عشرة ابواب كسلوان المطاع وكتاب كليله ودمنه بانشاء لطيف اوله  
 10 الحمد لله الذى شيدت الكائنات بوجوده الخ ٦١٩ فاكهة المجالس

Carácúsh, debilitas consilii de statutis Carácúshi. *As'ad Ben-elkhatir Ibn-elmemmúti*,  
 anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) mortuus, scripsit de virtutibus praestantibus *Behá-ed-díni*  
*Carácúsh*, qui anno 597 (inc. 12. Oct. 1200) obiit. *Ibn Khallikán* libro res inesse  
 dicit, cujusmodi in eum vix cadere putandum sit, et eas esse suppositicias asseveranter  
 contendit. — Haec ille. — 8686. *El-Fádhil min inshá El-Fádhil*, pars  
 praestans e scriptis *Fádhili* elegantibus, auctore Sheikh *Jemál-ed-dín Mohammed*  
*Ben Mohammed Ben Nebáta*. — 8687. *Fádhihat el-molhidín*, liber ignominiam  
 inpiorum detegens. Tractatus, quem Sheikh *Alú-ed-dín Mohammed Bokhári*, anno  
 841 (inc. 5. Jul. 1437) mortuus, in Syria scripsit, ibique *Ibn Arabí* verba mendacis 5  
 fucata exposuit. — 8688. *El-Fákihét El-Bedríyet*, fructus delicati *Bedrici*  
 prosa et metrica oratione oblatis, quorum scriptionem Sheikh *Bedr-ed-dín Mohammed*  
*Ibn-eldemámíni Makhzúmi* Malikita, anno [827 (inc. 5. Dec. 1423)] mortuus, anno  
 790 (inc. 11. Jan. 1388) absolvit. Orsus est ita: Praemissis praemittendis. Laudetur  
 Deus, cujus beneficia ut monilia margaritarum ordine composita sunt etc., ibique  
 verba orationis suae splendida, dictis aliorum rejectis, tantum collegit. — 8689. *Fá-*  
*kihét el-kholafá we Mofákehét el-tzorafá*, fructus delicati Khalifis oblatis  
 et jociatio ingeniosorum, auctore *Ahmed Ben Mohammed Hanefita*, vulgo *Ibn*  
*Arabsháh* dicto et anno [834 (inc. 14. Febr. 1450)] mortuo, qui librum mense Safer  
 anni 852 (inc. 7. Mart. 1448) in duodecim capita divisum dictione eleganti ad instar  
 librorum *Solwán el-motú'* et *Kelíleh we Dimneh* composuit. Incipit ita: Laus Deo, 10  
 cujus existentiam res creatae testantur etc. — 8690. *Fákihét el-mejális*,  
 fructus consessuum. —

وهو علم يعرف به بعض الحوادث الآتية من جنس الكلام المسموع من الغبير أو بفتح المصحف أو كتب المشايخ كديوان الحافظ والمنوى وغيرهما وقد اشتهر ديوان الحافظ بالفأل حتى صنفوا فيه كما مرّ وأما التفأل بالقرآن فاجوزة بعضهم لما روى عن الصحابة وكان عليه الصلوة والسلام يحبّ الفأل وينهى عن الطيرة ومنعه آخرون وقد صرح الامام العلامة 5 ابو بكر ابن العربي في كتابه الاحكام في سورة المائدة بعدم الاجوز ونقله القرافي عن الامام الطرشوشى ايضا قال الدميرى ومقتضى مذهبنا كراهية لكن اباحه ابن بطّة الحنبلى وأما الطيرة والزجر وهو عكس الفأل فان المطلوب في الفأل طلب الاقدام وفي الطيرة طلب الاحجام واصل الزجر ان يتشأم الانسان من شى تنأثر النفس من وروده المسامع والمناظر متأثراً لا بالطبع فان التنفير الطبيعى كالنفرة من صوت صرير الزجاج أو الحديد ليس من عذا القبيل 10

## 8691. Ilm el-fál. Doctrina sortilegii.

Haec est ea doctrina, qua eventum aliquod futurum interposito orationis ex alio auditae genere aut Corano aut libris Sheikhorum aperiendis, eujusmodi sunt *Háfítzi Diwan*, carmen *Methnewi* et alia, cognoscitur. Inclaruit certe *Háfítzi Diwán* omnibus inde capiendis, ut de ea re, quemadmodum supra dictum est, scriberent. Omen ex Corano capere nonnulli licitum esse statuerunt propter ea, quae ex 5 auctoritate sociorum prophetae tradita sunt: Amavit propheta, cui Deus propitius sit, sortes legere, et defendit augurium. Alii contra illam divinationem illicitam esse declararunt, et Imám doctissimus *Abu Bekr Ibn-elarabi* in libro *El-Ahkám*, ubi de Surata *Máidet* locutus est, eam illicitam esse diserte dicit, idemque *Caráfi* ab Imamo *Tarshúshi* sancitum esse tradidit. *Demíri*: Secta nostra, inquit, postulat, ut haec divinatio improbetur; *Ibn Batta* Hanbalita tamen eam permittendam esse dicit. Augurium (*el-tiret*) vero et divinatio ex avium propulsarum volatu (*zajr*) arti sortilegorum plane contraria sunt, nam omnibus sortibus captis ut impellamur petimus ad aliquid faciendum, augurio autem ut abstineamus. Fundamentum et origo divinationis ex avium propulsarum volatu est, ut homo infausti quid et sinistri capiat ex re, quae, quando in aures et oculos incidit, in hominem vim exercet non naturalem, 10 nam fuga naturalis, qualis est a stridore rei vitreae aut ferri, ad hoc genus non pertinet. Similitudo autem ab avibus sumta est, nam origo divinationis *Zajr* inter



واشتقاق النظير من الطير لأن أصل الزجر في العرب كان من الطير كصوت الغراب فالتحق به غيره في التعبير وامثاله من الطيرة في العرب كثير وقد تكون في غيرهم فيتكدر به عيشهم وينفتح عليهم أبواب الوسوسة من اعتبارهم الى المناسبات البعيدة من حيث اللفظ والمعنى كالسفر والجلآه من السفرجل واليباس والعمين من الياسمين وسوسنه من الوسن والمصادفة 5 الى معلول حين الخروج وامثال ذلك قال ابن قيم الجوزية في مفتاح دار السعادة اعلم أن ضرر التطير وتأثيره لمن يخاف به ويتغير عنه وأما من لم يكن له مبالاة منه فلا تأكير له أصلاً خصوصاً اذا قال عند المشاهدة او السماع الليم لا طير الا طيرك ولا خير الا خيرك ولا اله غيرك

٨٦٢ الفنايد في حلاوة الاسانيد رسالة لجلال الدين عبد الرحمن السيوطي المتوفى سنة 10 11 ذكر فيه رواية الامام ابى حنيفة عن مالك ٨٦٣ فانق في اصول الدين للشيوخ صفى

Arabes ab avibus proficiscitur, qualis est corvi crocitus; deinde vero alia in harum rerum interpretatione primitiis illis adjecta sunt. Auguria ejusmodi apud Arabes multa exstant, et certe apud alios inveniuntur; at vita eorum laeta illis turbatur, hominibusque inspirationum portae aperiuntur, cum animum ad rationes alienas advertant, quas verbis et argumentis inesse putant, ut v. c. malum cydonium (*seferjel*) iter (*sefer*) et exilium (*jelú*) significare dicatur, et jasminum (*yasemin*) desperationem (*yas*) et mendacium (*mein*), et iris (*sewseneh*) deliquium animi ex putei foetore (*wasen*), et affectionem aegroti inde nascentem, cum exit, et quae sunt similia. 5 *Ibn Cayyim-eljauziyet* in libro *Miftáh dár el-seúdet*: Scias, inquit, eum tantum detrimentum capere ex augurio ejusque vim sentire, qui in metum inde adducatur et animi statum mutet. Qui autem minime illud curat, omnino nulla inde vi afficitur, praesertim quum dicit, quando illud ipse videt aut audit: O mi Deus, nullum est augurium sinistrum, nisi quod a Te proficiscitur, nihil boni, nisi cujus Tu auctor es, nullus Deus praeter Te. —

8692. El-Fánid fi haláwet el-asánid, bellaria saccharina de dulcedine auctoritatum effatorum propheticorum. Tractatus, ubi *Jelúl-ed-dín Abd-el-rahman Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, ea commemorat, quae Imám *Abu Hanífa* ex 10 auctoritate *Málíki* refert. — 8693. El-Fáic fi osúl-ed-dín, liber praestans de principiis religionis, auctore Sheikh *Safi-ed-dín Mohammed Ben Abd-el-rehim*

- الدين محمد بن عبد الرحيم [الارموى] الهندي المتوفى سنة ٧١٥ v١٥ ٨٩٩٤ فأنف في علم الوثائق  
 للقاضي امين الدين ابي علي الحسن بن محمد بن الحسن بن مروان الموثق المتوفى سنة  
 اوله اسأل الله الذي لا اله سواه الخ ورتب على مقدمة وقسمين المقدمة في ذكر ما ورد في  
 حسن عذا الفن وبيان صفة الكاتب والقسم الاول في انواع المعاملات على ترتيب ابواب  
 الفقه والثاني في الاقضية وما يتعلق ثم اختصره لولده اول المختصر الحمد لله هادي القلوب 5  
 الى ادراك المعارف وموسع الخلائق الخ وعو على ابواب الفقه وشرغ في جمادى الاولى سنة ٦٠٧  
 ٨٩١٥ فأنف في غريب الحديث للعلامة جار الله ابي القاسم محمود بن عمر الزخشي  
 المتوفى سنة ٣٨٨ وقد مر ذكره في كلام ابن الاثير في الغريب اتمه في شهر ربيع الاخر سنة ٥١٩  
 اوله الحمد لله الذي فتق لسان الذبيح بالعربية البينة واخطاب الفصيح الخ ٨٩٩١ الفائق  
 في فروع الحنبلية لقاضي القضاة احمد بن حسن بن قاضي الجبل المتوفى سنة ٧١٥ v١٥ 10  
 ٨٩٦٧ الفائق في اللفظ الرائف للقاضي ابي القاسم عبد الحسن التنبسي كذا في الدر النظيم

- [Ormevi] Hindi, anno 715 (inc. 7. Apr. 1315) mortuo. — 8694. El-Fáic fi  
 ilm el-wetháic, liber praestans de doctrina pactiones conficiendi, auctore Cádhi  
 Emtu-ed-dín Abu Ali Hasan Ben Mohammed Ben-elhasan Ben Merwán pactorum  
 scriptore, anno . . . mortuo. Incipit ita: Precor ad Deum, praeter quem nullus est  
 Deus etc., et in praefationem et duas partes dispositus est. Praefatio de iis agit,  
 quae de praestantia hujus doctrinae tradita sunt et qualitatem scribae exponit, pars  
 5 secunda de judiciis et rebus, quae ad ea pertinent. Tum librum in favorem filii in  
 epitomen coegit, quae ita incipit: Laus Deo, qui corda ad cognitiones percipiendas  
 ducit et hominibus opes largas tribuit etc., et ad capita juris disposita est. Ad finem  
 perducta est mense Jomádi I. anni 607 (inc. 25. Jun. 1210). — 8695. El-Fáic  
 fi gharíb el-hadíth, liber praestans de vocibus traditionum inusitatis, auctore  
 viro doctissimo Járallah Abu'l-cásim Mahmúd Ben Omar Zamakhsheri, anno 538 (inc.  
 16. Jul. 1143) mortuo. Commemoratus est supra in capite Gharíb inscripto, ubi  
 verba Ibn-elathiri referuntur, et absolutus est mense Rebi' II. anni 516 (inc.  
 12. Mart. 1122). Incipit ita: Laus Deo, qui linguam Ismaelis sermone arabico claro  
 10 et oratione facunda fidit etc. — 8696. El-Fáic fi forú' El-Hanbalíyet, liber  
 praestans de statutis Hanbalitarum derivatis, auctore iudice supremo Ahmed Ben  
 Hasan Ben Cádhi el-jebel, anno 771 (inc. 5. Aug. 1369) mortuo. — 8697. El-  
 Fáic fi el-laftz el-raíc, liber praestans de voce clara, auctore Cádhi Abu'l-cásim



٨٦٨ انقَادَف في اللفظ الرَّادَف لابن غانم جمع فيه احاديث من اندقَادَف على نحو الشَّهاب  
مجرّدة عن الاسانيد مرتّبة على الحروف ٨٦٩ فَادَف في المواعظ والدقَادَف للشيخ صدر  
الدين محمد البارزى المتوفى سنة التقطه من مصارع العشاق ثم انتخب منه الشيخ برهان  
الدين ابراهيم بن يوسف بن عبد الرحمن المشهور بابن الحنبلى الحنفى الحلبي المتوفى  
5 سنة ٩٥٩ وسماه مسلسل الرَّادَف ٨٧٠ فتاح الاكباد في فيد الاولاد ٨٧١ قَنَاش على الغشاش  
لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطى المتوفى سنة ٩١١ رسالة ذكر فيه من روى  
الاحاديث الموضوعة من اجل زمانه

٨٧٢ علم الفتاوى

٨٧٣ فتاوى ابن ابى الدم [شهاب الدين ابراهيم بن عبد الله الحموى المتوفى سنة ١١٢٢]  
٨٧٤ 10 فتاوى ابن ابى شريف ٨٧٥ فتاوى ابن ابى عمرو [نقيه الشام ابى سعد عبد الله بن

*Abd-el-mohsin Tinnisi.* Ita in opere *El-Dorr El-Netzím* legitur. — 8698. *El-Fáic fi el-laftz el-ráic*, liber praestans de voce clara. *Ibn Ghánim* hic traditiones collegit ex opere *Decáic el-akhbár* ad similitudinem operis *Shiháb el-akhbár*, ita ut auctoritates omitterentur et traditiones ad ordinem alphabeticum disponerentur. — 8699. *El-Fáic fi el-mewáitz we el-decáic*, liber praestans de paranesibus et subtilibus peccatorum quaestionibus. *Sheikh Sadr-ed-dín Mohammed Bárizi*, anno ... mortuus, eum ex opere *Mesúri' el-oshshác* selegit. Meliora inde selecta in epitome singulari *El-Moselsel El-Ráic* inscripta *Sheikh Borhán-ed-dín Ibrúhím Ben Yusuf Ben Abd-el-rahman Halebi* Hanefita, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus et anno 959 5 (inc. 29. Dec. 1551) mortuus, edidit. — 8700. *Fettáh el-akbád*, liber jecora aperiens de liberorum morte. — 8701. *El-Fettásh ala el-feshshúsh*, liber qui furem diligenter persequitur. Tractatus, ubi *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, eos recenset inter aequales, qui traditiones suppositicias referunt.

8702. *Ilm el-fetáwi.* Doctrina responsorum jurisconsultorum.

8703. *Fetáwi Ibn Abi'ldemm*, responsa juridica, auctore [*Sheháb-ed-dín Ibrúhím Ben Abdallah Hamawi*, vulgo] *Ibn Abi'ldemm* [dicto et anno 642 (inc. 9. Jun. 1244) mortuo]. — 8704. *Fetáwi Ibn Abi Sheríf*, responsa juridica, 10 auctore *Ibn Abi Sheríf*. — 8705. *Fetáwi Ibn Abi Osrún*, responsa juridica, auctore [iudice Damasci *Abu Sa'd Abdallah Ben Mohammed Mausili Temimi* Shafiita,

- محمد الموصلي التميمي الشافعي المتوفى سنة 505 [ 8٧.٦ فتاوى ابن تيمية 8٧.٧ فتاوى ابن  
 حداد [ابن بكر محمد بن احمد بن محمد الكتاني المصري المتوفى سنة 3٤٥] 8٧.8 فتاوى  
 ابن رزق محمد بن الحسين الكرمي الشافعي المتوفى سنة ٦٨٠ 8٧.٩ فتاوى ابن الصباغ  
 [ابن نصر عبد السيد بن محمد البغدادي الشافعي المتوفى سنة ٢٧٧] 8٧.١٠ فتاوى ابن السلي  
 وهو شهاب الدين احمد بن يوسف الحنفى المتوفى سنة مجلد جمعيا حقيقه الشيخ نور  
 الدين على بن محمد المتوفى سنة 1٠١٠ اوله الحمد لله القريب المجيب الخ رتب على ابواب  
 الخ وجعل كل باب على قسمين قدم ما كتب عليه بنفسه استقلالاً واردف بالنى علينا خط  
 بعض العلماء على حامش الكنز 8٧.١١ فتاوى ابن الصلاح ابي عمرو عثمان بن عبد الرحمن  
 الشيرزورى الشافعي المتوفى سنة ٩٢٢ جمعيا بعض طلبته وعى في مجلد كثير الفوائد نسخة  
 منها مرتب على الابواب ونسخة غير مرتب وهو لكامل اسحق المقرئ الشافعي ذكره البقاعي 10

- vulgo] *Ibn Abi Osrún* [dicto et anno 585 (inc. 19. Febr. 1189) mortuo]. —  
 8706. Fetáwi Ibn Teimíya, responsa juridica, auctore *Ibn Teimíya*. —  
 8707. Fetáwi Ibn Haddád, responsa juridica, auctore [*Abu Bekr Mohammed  
 Ben Ahmed Ben Mohammed Kettáni Misri*, vulgo] *Ibn Haddád* [dicto et anno 345  
 (inc. 15. Apr. 956) mortuo]. — 8708. Fetáwi Ibn Rezín, responsa juridica,  
 auctore *Mohammed Ben-elhosein Hamawi* Shafiita, vulgo *Ibn Rezín* dicto et anno  
 680 (inc. 22. Apr. 1281) mortuo. — 8709. Fetáwi Ibn-elsabbágh, responsa  
 juridica, auctore [*Abu Nasr Abd-el-seyyid Ben Mohammed Baghládi* Shafiita,  
 vulgo] *Ibn-elsabbágh* [dicto et anno 477 (inc. 10. Mai. 1084) mortuo]. — 8710. Fe-  
 5 táwi Ibn-elshilbi, responsa juridica, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Yusuf  
 Hanefita*, vulgo *Ibn-elshilbí* dicto et anno . . . mortuo. Volumen, quod auctoris  
 nepos *Sheikh Núr-ed-dín Ali Ben Mohammed*, anno 1010 (inc. 22. Jun. 1601) mortuus,  
 collegit et ita orsus est: Laus Deo propinquo, responsa reddenti etc. Disposuit ad  
 capita operis *Kenz* et ea singula in duas partes distribuit. Praemittit, quae ad illum  
 librum separatim ex propria auctoritate scripsit et ea subjicit, ad quae vir aliquis  
 doctus in margine operis *Kenz* adnotationem adpersit. — 8711. Fetáwi Ibn-  
 elsaláh, responsa juridica, auctore *Abu Amru Othmán Ben Abd-el-rahman  
 Shahrezúri* Shafiita, vulgo *Ibn-elsaláh* dicto et anno 642 (inc. 9. Jun. 1244) mortuo.  
 Collegit ea discipulus ejus studiosus in volumine adnotationibus utilibus pleno.  
 10 Exempla exstant duo, quorum prius ad capita dispositum est, posterius, quod *Kemál  
 Is'hac* Shafiitam Corani Lectorem auctorem habet, non dispositum. Ita *El-Becái* in



في الاقوال القويمة ٨٧٢ فتاوى ابن عبد السلام الشيخ عز الدين عبد العزيز الشافعي المتوفى سنة ٦٩٠ سئل عنيا بالموصل ويقال ايضا فتاوى الموصلية ٨٧٣ فتاوى ابن عقيل ٨٧٤ فتاوى ابن فرجاج [برهان الدين ابراهيم بن عبد الرحمن بن ابراهيم الغزالي المصري الشافعي المتوفى سنة ٧٣١] ٨٧٥ فتاوى ابن القاص [ابن العباس احمد بن ابي احمد الطبري الشافعي المتوفى سنة ٣٣٥] ٨٧٦ فتاوى ابن قحطان ٨٧٧ فتاوى ابن مالك في العربية وهو جمال الدين محمد بن عبد الله النحوي المتوفى سنة ٩٧٢ جمعها بعض طلبته ٨٧٨ فتاوى ابي بكر محمد بن الفضل [بن العباس] الكنفي البلخي المتوفى سنة [٣٢٩] ٨٧٩ فتاوى ابي جعفر البلخي الكنفي المتوفى سنة ٨٧٠ فتاوى ابي حفص ٨٧١ فتاوى ابي السعود بن محمد العمادي الكنفي تركي المتوفى سنة ٩٨٢ جمعها المولى محمد بن احمد الشيبير بيوزن زاده ودونها على ابواب 10 وفتبول توفى سنة ٩٨٣ وجمع المولى ولى الاسكلىبي المعروف بولى يكان مع الحاق فتاوى المولى

*El-Acwál El-Cawámet* refert. — 8712. Fetáwi Ibn Abd-el-selám, responsa juridica, auctore Sheikh *Izz-ed-dín Abd-el-azíz* Shafiita, vulgo *Ibn Abd-el-selám* dicto et anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortuo. Reddidit ea rogatus in urbe Mosúl, et propterea etiam *Mausiliyet* appellantur. — 8713. Fetáwi Ibn Ackíl, responsa juridica *Ibn Ackíli*. — 8714. Fetáwi Ibn Fircáh, responsa juridica, auctore [*Borhán-ed-dín Ibráhim Ben Abd-el-rahman Ben Ibráhim Fezári Misri* Shafiita, vulgo] *Ibn Fircáh* [dicto et anno 729 (inc. 5. Nov. 1328) mortuo]. — 8715. Fetáwi Ibn-elcáss, responsa juridica, auctore [*Abu'labbás Ahmed Ben Abi Ahmed Taberi* Shafiita, vulgo] *Ibn-elcáss* [dicto et anno 335 (inc. 2. Aug. 946) mortuo]. — 5 8716. Fetáwi Ibn Cahtán, responsa juridica, auctore *Ibn Cahtán*. — 8717. Fetáwi Ibn Málík, responsa juridica a *Jemál-ed-dín Mohammed Ben Abdallah* Grammatico, vulgo *Ibn Málík* dicto et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo, de lingua arabica reddita. Collegit ea quidam discipulorum studiosorum. — 8718. Fetáwi Abi Bekr, responsa juridica, auctore *Abu Bekr Mohammed Ben-elfadhí* [*Ben-elabbás*] *Balkhi* Hanefita, anno [319 (inc. 24. Jan. 931)] mortuo. — 8719. Fetáwi Abi Ja'far, responsa juridica, auctore *Abu Ja'far Balkhi* Hanefita, anno ... mortuo. — 8720. Fetáwi Abi Hafs, responsa juridica, auctore *Abu Hafs*. — 8721. Fetáwi Abi'Isouéd, responsa juridica ab *Abu'Isouéd Ben Mohammed Imádi* Hanefita Turca, anno 982 (inc. 23. Apr. 1574) mortuo, reddita. Collegit ea Molla *Mohammed Ben Ahmed*, vulgo *Yuzenzádeh* dictus et anno 983 (inc. 12. Apr. 1575) 10

على الجمالي وابن كمال وسعدى وابن چوى ورتب على ترتيب كتب الفقه ايضا كلاهما مقبولة متداولة وتوفى سنة ٩١٨ وجمع المولى سعدى بن حسام المعروف بابن الادعى المغنيساوى فتاوى ابن كمال فى سنة ٩٣٦ وسعدى چلبى فى سنة ٩٤٠ وچوى زاده فى سنة ٩٤١ والمولى قادرى فى سنة ٩٤٨ ومحبى الدين ورتبه على اربعة ابواب الاول فى العبادات الثانى فى المعاملات الثالث فى النكاح والطلاق الرابع فى الفرائض والسيد احمد بن مصطفى الششير 5 بلال جمعها صور ما افتاه استاده المولى سعدى من سنة ٩٤٠ وكان كاتب فتواه والشيخ محمد الششير بچوى زاده فى سنة ٩٤٦ والمولى عبد القادر فى سنة ٩٤٨ ورتب على اربعة ابواب وجمع بعضهم فتاوى ابن السعدون من المعاميع فى سنة ٩٧٣ باسم السلطان مراد وضم اليه ما فيه من جونك مصلح الدين خليفة باشارة م ص وجونك محبى الدين خليفة م ح وجونك حسين خليفة ح وقاضى زاده يلامود زاده ق ص وجونك شجاع الدين م وشكر 10

mortuus, et ad capita et sectiones digessit. Pariter Molla *Weli Askelibí*, vulgo *Weli Yekán* dictus et anno 998 (inc. 31. Oct. 1589) mortuus, cum additamentis responsa juridica Mollae *Ali Jemáli*, *Ibni Kemál*, *Sa'dí*, *Ibni Jewi* conguessit, et ad modum librorum juridicorum digessit. Uterque liber probatus est et in manibus hominum versatur. Porro Molla *Sa'di Ben Hosám Maghnisáwi*, vulgo *Ibn-eledhemi* dictus, responsa juridica ab *Ibn Kemál* reddita anno 939 (inc. 3. Aug. 1532) collegit, *Sa'di Jelebi* anno 940 (inc. 23. Jul. 1533), *Jewizádeh* anno 946 (inc. 19. Mai. 1539), Molla *Cádiri* anno 948 (inc. 27. Apr. 1541), *Mohyi-ed-din*, qui librum ad quatuor 5 capita disposuit, quorum primum de cultus divini officii, secundum de negotiis, tertium de connubio et divortio, quartum de jure hereditario agit — *Seyyid Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Láli* dictus, qui responsa collegit, ut formulae essent eorum, quae praeceptor Molla *Sadi*, cui a scribendis responsis juridicis erat, ab anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) juridice respondit, *Sheikh Mohammed*, vulgo *Jewizádeh* dictus, anno 946 (inc. 19. Mai. 1539), Molla *Abd-el-cádir* anno 948 (inc. 27. Apr. 1541), qui librum ad quatuor capita disposuit. Vir aliquis responsa juridica *Abu'lsouði* e scriptis collectaneis anno 982 (inc. 23. Apr. 1574) nomine Sultani *Murád* conguessit et ea addidit, quae ibi e *Junk* (promptuario) *Moslih-ed-dini Khalifa* siglo *Mim* 10 *Sád*, e *Junk Mohyi-ed-dini Khalifa* siglo *Mim Há*, e *Junk Hoseini Khalifa* siglo *Há*, *Cádhizádeh Palámúdzádeh* siglo *Cáf Dhúd*, e *Junk Shojá-ed-dini* siglo *Sín*, e *Shakrallah Khalifa* siglo *Shín*, e *Junk Welii Jelebi* siglo *Wáw Lám He*, e *Junk*



- الله خليفة شَ وجونك ولى چلى وِلَه وجونك معيد مع ٨٧٣ فتاوى ابى عبد الله احمد  
ابن ابى حفص الكبير البخارى ٨٧٣ فتاوى ابى الفضل [ركن الدين] الكرماني الحنفى المتوفى  
سنة [٥١٣] ٨٧٤ فتاوى ابى القاسم احمد بن عبد الله البلخى الحنفى المتوفى سنة ٣١٩  
٨٧٥ فتاوى ابى الليث نصر [بن محمد بن احمد] السمرقندى [المتوفى سنة ٣٨٣] ٨٧٦ فتاوى  
5 الارغيبانى وهو ابو نصر محمد بن عبد الله الشافعى المتوفى سنة [٥١٨] وقد وهم ابن خلكان  
فنسبه الى ابى الفتح سهل بن احمد الارغيبانى كذا قيل فى بعض طبقات الشافعية وهو فى  
مجلدين يعرف ايضا بفتاوى النهاية لان مؤلفه جرّده منها ويعبر عنها بفتاوى الارغيبانى تارة  
وبفتاوى الامام اخرى وهو احكام مجرّدة ٨٧٧ فتاوى الاسييجابى [الحنفى ابى نصر احمد  
ابن منصور المتوفى بعد سنة ٤٨٠] ٨٧٨ فتاوى الاسنوى ٨٧٩ فتاوى الانطس ٨٧٣٠ فتاوى  
10 امين الدين محمد بن عبد العالى الحنفى المصرى المتوفى سنة جمعها تلميذه برهان

*Moidi* siglo *Mim Ain* leguntur. — 8722. Fetáwi Abi Abdallah, responsa juridica, auctore *Abu Abdallah Ahmed Ben Abi Hafs El-Kebír Bokhári*. — 8723. Fetáwi Abi'lfadhí, responsa juridica, auctore *Abu'lfadhí [Rokn-ed-dín] Kermáni* Hanefita, anno [543 (inc. 22. Mai. 1148)] mortuo. — 8724. Fetáwi Abi'lcásim, responsa juridica, auctore *Abu'lcásim Ahmed Ben Abdallah Balkhí* Hanefita, anno 319 (inc. 24. Jan. 931) mortuo. — 8725. Fetáwi Abi'lleith, responsa juridica, auctore *Abu'lleith Nasr [Ben Mohammed Ben Ahmed] Samarcandi*, [anno 383 (inc. 26. Febr. 993) mortuo]. — 8726. Fetáwi El-Arghiyáni, 5 responsa juridica, auctore *Abu Nasr Mohammed Ben Abdallah Shafita*, vulgo *Arghiyáni* dicto et anno [528 (inc. 1. Nov. 1133)] mortuo. Erravit *Ibn Khallikán*, qui hanc syllogen *Abu'fat'ho Sahl Ben Ahmed Arghiyáni* tribuit, ut in *Classibus* quibusdam Shafitarum notatum est. Duo volumina sunt, quae etiam titulo *Fetáwi El-Niháyet* innotuerunt, cum eorum auctor ea ex libro *Niháyet* extraxisset, et ad ea significanda modo titulo *Fetáwi Arghiyáni*, modo titulo *Fetáwi Imámi* utuntur. Continet statuta argumentis privata. — 8727. Fetáwi El-Isbjábi, responsa juridica, auctore [*Abu Nasr Ahmed Ben Mansúr* Hanefita, vulgo] *Isbjábi* [dicto et post annum 480 (inc. 8. Apr. 1087) mortuo]. — 8728. Fetáwi El-Esnewi, responsa juridica ab *Esnewi* reddita. — 8729. Fetáwi El-Aftas, responsa juridica *Aftasi*. — 8730. Fetáwi Emín-ed-dín, responsa juridica, auctore *Emtu-ed-dín* 10 *Mohammed Ben Abd-el-áli Misri* Hanefita, anno ... mortuo. Collegit ea discipulus

- الدين إبراهيم بن سليمان العادلي وسماه العقد النفيس لما يحتاج اليه للفتوى والتدريس  
 ٨٧٣١ [فتاوى الانقري لشيخ الاسلام الفاضل العالم المولى محمد بن الحسين المتوفى سنة ١٠١٨  
 جمعها من بداية حاله الى نهاية ماله وهدبها وبوبها واورد فيها اكثر المسائل الفقهيّة المفتى  
 بها جزاه الله خيراً وهو مقبول عند العلماء الكرام والفقهاء العظام] ٨٧٣٢ فتاوى الارحدى  
 ٨٧٣٣ فتاوى اجل سمرقند مذكور في التاتارخانيّة وجامع الفصولين برمز قد ٨٧٣٤ فتاوى ذ  
 آهو ذكر في التاتارخانيّة وهو الصيرفيّة ٨٧٣٥ فتاوى البخاريّة ٨٧٣٦ فتاوى بديع الدين  
 ٨٧٣٧ فتاوى المرازية مرّ في الباء ٨٧٣٨ فتاوى البيغوى ٨٧٣٩ فتاوى البقالى ذكره التاتارخانيّة  
 ٨٧٤٠ فتاوى البلقيني [فتاوى البهجة لشيخ الاسلام الفاضل المحقق المولى عبد الله  
 البكباشي المتوفى سنة ١٥١٥] ٨٧٤١ فتاوى تاتارخانيّة مرّ في التاء ٨٧٤٢ فتاوى التمرتاشي

- Borhân-ed-din Ibrâhîm Ben Soleimân Adili*, et inscriptis *El-Icd El-Nefis* i. e. monile pretiosum pro iis, quibus ad responsa juridica reddenda et scholas habendas opus est. — 8731. [Fetâwi Anckirewi, responsa juridica *Anckirewi*, quae Sheikh-elislâm bene meritis et doctus Molla *Mohammed Ben-elhosein*, anno 1098 (inc. 7. Nov. 1686) mortuus, a primo studiorum initio usque ad summae perfectionis tempus collegit, recognovit, in capita distribuit. Affert ibi quaestiones juridicas de quibus responsum redditum est plurimas, pro qua re Deus eum remuneret. Liber doctis viris generosis et jurisconsultis illustribus valde acceptus est]. — 8732. Fetâwi El-Auhadi, responsa juridica *Auhadii*. — 8733. Fetâwi ahl Samarcand, responsa juridica virorum doctorum urbis Samarcand, quae in operibus *El-Tatârkhâniyet* et *Jâmi' el-fosûlein* leviter tantum nomine indicantur. — 8734. Fetâwi Ahu, responsa juridica ab *Ahu* reddita. Laudantur in *El-Tatârkhâniyet* et eadem sunt quae *El-Seirefiyet*. — 8735. El-Fetâwi El-Bokhâriyet, responsa juridica *Bokhârîca*. — 8736. Fetâwi Bedî'-ed-dîn, responsa juridica *Bedî'-ed-dini*. — 8737. El-Fetâwi El-Bezzâziyet, responsa juridica *Bezzâzî*, de quibus in litera *Bâ* dictum est. — 8738. Fetâwi El-Beghewi, responsa juridica a *Beghewi* reddita. — 7739. Fetâwi El-Beccâli, responsa juridica *Beccâlii*. Laudantur in *El-Tatârkhâniyet*. — 8740. Fetâwi El-Bolckeini, responsa juridica *Bolckeini*. — 8741. Fetâwi El-Behjet, responsa juridica operis *El-Behjet*, auctore bene merito et subtilissimo Sheikh-elislâm Molla *Abdallah Bekbeshehri*, anno 1156 (inc. 14. Febr. 1743) mortuo]. — 8742. Fetâwi Tatârkhâniyet, responsa juridica *Tatârkhânica*, de quibus in litera *Tâ* dictum est. — 8743. Fetâwi



هو الشيخ الامام ابو محمد شيبير الدين احمد بن ثابت اسمعيل بن محمد آي دوشمش الحنفى مفتى خوارزم المتوفى سنة كذا سمي نفسه في اول شرحه للجامع الصغير ٨٧٤٤ فتاوى جلال [بن احمد بن يوسف وقيل اسمه رسولا تركمانى] التتبانى [الحنفى المتوفى سنة ٧٩٣] منظومة في اربع مجلدات ٨٧٤٥ فتاوى الجلالية ٨٧٤٦ فتاوى الحافظية ٨٧٤٧ فتاوى 5 الحامدية للمولى حامد بن محمد القونوى المفتى بالروم المتوفى سنة ٩١٥ في اربع مجلدات جمع فيها واقعات المسائل ٨٧٤٨ فتاوى الحجة ٨٧٤٩ فتاوى حسام الدين عمر بن عبد العزيز بن مازة الشيبيد [المتوفى سنة ٥٣٩] وهو غير واقعاته ذكر ابن طولون ان الشيخ نجم الدين يوسف بن احمد للخاص رتبها كما رتب واقعاته ذكره تقي الدين ٨٧٥٠ فتاوى للموى الشانعى ٨٧٥١ فتاوى حنبلى زاده ابراهيم بن القاسم الكلبى المتوفى سنة ٩٨٣ رتب على بن 10 احمد الحنفى على ابواب اليداية وجعله كتاباً مستقلاً ٨٧٥٢ فتاوى الحنفية لسعد الدين

El-Timurtáshi, responsa juridica, auctore Sheikh et Imám Abu Mohammed Tzahír-ed-dín Ahmed Ben Thábit Ismail Ben Mohammed Aidúghmesh Hanefita Khowarezmiae Mufti, vulgo *Timurtáshi* dicto et anno ... mortuo. Ita se ipse nominat initio commentarii, quem ad *El-Jámi' El-Saghir* scripsit. — 8744. Fetáwi Jelál, responsa juridica *Jeláli* [*Ben Ahmed Ben Yusuf*, sive ut alii volunt, *Rasúla Turkemáni*] *Tebbáni* [Hanefitae, anno 793 (inc. 9. Dec. 1390) mortui]. Carmen quatuor voluminibus constans. — 8745. El-Fetáwi El-Jeláliyét, responsa juridica *Jelálica*. — 8746. El-Fetáwi El-Háfitziyét, responsa juridica *Hafitz-ed-dini*. — 8747. El-Fetáwi El-Hámidiyét, responsa juridica reddita a Molla 5 *Hámid Ben Mohammed Cunevi* Rumeliae Mufti, anno 985 (inc. 21. Mart. 1577) mortuo. Quatuor volumina, ubi quaestiones quae usu veniunt collegit. — 8748. Fetáwi El-Hojjet, responsa juridica operis *El-Hojjet*. — 8749. Fetáwi Hosám-ed-dín, responsa juridica *Hosám-ed-dini Omar Ben Abd-el-aziz Ben Mázeh* Martyris, [anno 536 (inc. 6. Aug. 1141) mortui], quae minime cum ejus *Wáckiát* confundenda sunt. *Ibn Tulún*, qui auctoritatem *Tacki-ed-dini* sequitur, Sheikh *Nejm-ed-din Yusuf Ben Ahmed Khási* ea ita disposuisse narrat, ut ille *Wáckiát* disposuerat. — 8750. Fetáwi El-Hamawi, responsa juridica *Hamawí* Shafitae. — 8751. Fetáwi Hanbalizádeh, responsa juridica *Ibráhimi Ben-elcásim Halebi*, vulgo *Hanbalizádeh* dicti et anno 983 (inc. 12. Apr. 1575) mortui, quae *Ali Ben Ahmed* Hanefita ad capita operis *Hidáyét* disposuit, et librum inde absolutum fecit. — 10 8752. Fetáwi El-Hanefiyét, responsa juridica Hanefitica, quae *Sa'd-ed-din*

- مسعود بن عمر التفتازاني المتوفى سنة [٧٩١] افتاه بپراة ٨٧٣ فتاوى الخاصى المسمى بالكبرى  
تأليف القاضي [نجم الدين يوسف بن احمد الخوارزمي] المعروف بقطيس كاتب للصدر  
الشهيد فبوابها كالتاوى الصغرى كذا في فهرس جامع الفصولين ذكر انه رتب فيها المتفرقات  
من فتاوى الامام الصدر الشهيد واقتصر على تقرير الاجناس ٨٧٤ فتاوى الخاقانية  
٥ ٨٧٥ فتاوى الخاجندى وهو مجلد جمع فيه فتاوى مشايخ عصره كوالده عمر بن محمد  
الترجماني وشيخه على بن احمد الكرياسى واني حامد فضل بن محمد بن على الفقيهي والحسن  
ابن سليمان الخاجندى وعمر بن على الاويسى وعبد الرحيم المحتى واني عبد الله الدبري  
المعروف بحميرى ويوسف بن محمد الترخمانى واني الفضل الكرمانى وعمر بن عبد العزيز برهان  
الائمة والحسن بن على المرغينانى وعمر النسفى ومحمد بن يوسف البقلى واني عبد الله محمد  
١٠ ابن ابراهيم الدبري واني ذر الخطي وعبد السيد الخطي ويوسف بن محمد البلالي واحمد  
الحاجر وعبد العزيز بن احمد الخلواني وعلى السغدنى ٨٧٦ فتاوى خواهر زاده [الامام ابي بكر

- Mes'ud Ben Omar Teftazani*, anno [791 (inc. 31. Dec. 1388)] mortuus, Heratae reddidit. — 8753. Fetáwi El-Khási, responsa juridica a *Khási* reddita et Majora dicta. Composuit ea Cádhi [*Nejm-ed-din Yusuf Ben Ahmed Khovárezmi*], vulgo *Foteis* dictus, qui *Sadr-ed-dini El-Shehid* scriba fuit, eaque eodem modo quo Responsa Minora in capita distribuit. Ita in indice libri *Jami' el-fosúlein* legitur; et hic se responsa juridica *Imámi El-Sadr El-Shehid* dispersa disposuisse narrat, et in generibus definiendis acquievit. — 8754. El-Fetáwi El-Khacáníyet, 5 responsa juridica *Khácánica*. — 8755. Fetáwi El-Khojendi, responsa juridica. Volumen, ubi *Khojendi* responsa juridica *Sheikhorum* sui temporis collegit, ut patris *Omar Ben Mohammed Terjemáni*, *Sheikhi* sui *Ali Ben Ahmed Kirpási*, *Abu Hámidi Fadhil Ben Mohammed Ben Ali* Jurisconsulti, *Hasani Ben Soleimán Khojendi*, *Omari Ben Ali Oweisi*, *Abd-el-rehimi Hatani*, *Abu Abdallae Daberi*, vulgo *Himyari* dicti, *Yusufi Ben Mohammed Terjemáni*, *Abu'lfadhli Kermáni*, *Omari Ben Abd-el-aziz Borhán el-áimmet*, *Hasani Ben Ali Marghináni*, *Omari Nesefi*, 10 *Mohammedis Ben Yusuf Backili*, *Abu Abdallae Mohammed Ben Ibráhim Daberi*, *Abu Dzarrí Khotabi*, *Abd-el-seyyidi Khotabi*, *Yusufi Ben Mohammed Biláli*, *Ahmedis El-Hajr*, *Abd-el-azizi Ben Ahmed Holwáni* et *Alii Soghdi*. — 8756. Fetáwi *Kháherzádeh*, responsa juridica [*Imámi Abu Bekr Mohammed Ben-elhosein Ben*



- محمد بن الحسين بن محمد البخارى المتوفى سنة ٤٨٣ [٢٨٣] فتاوى الخياطى ابي عبد  
 الله الشافعى اجاب فيه عما سئل عنه ٨٧٥٨ [فتاوى الخيرية للعلامة خير الدين بن احمد  
 ابن على العليبي الفاروق الرملى الحنفى المتوفى سنة ١٠٨١] فتاوى الدينارى فارسى لعلآء  
 الدين عمر بن عثمان الدينارى الحنفى [٨٧٤] فتاوى الرابعى ٨٧٤ فتاوى الرستغفى وهو  
 5 انشيخ الامام ابو الحسن [على بن سعيد] الحنفى [وكان من اصحاب الامام الماتريدى]  
 ٨٧٣ فتاوى الرشيدى وهو رشيد الدين الوتار الحنفى ٨٧٣ فتاوى رضائى محمد بن  
 على بن محمد المتوفى سنة ١٠٣٩ جمع من كتب الفتاوى الكبار كقارى الهداية والخاتونية  
 ٨٧٤ فتاوى الزرنشى [بدر الدين محمد بن بهادر بن عبد الله المصرى الشافعى المتوفى  
 سنة ٧١٤] ٨٧٥ فتاوى الزينية فى فقه الحنفية وهو زين الدين بن ابراهيم بن نجيم  
 10 المصرى جمعنا ابنه احمد المتوفى سنة اوله الحمد لله رب العالمين الخ قال كتبها سوآلا بعد

*Mohammed Bokhári, vulgo] Kháherzádeh [dicti et anno 483 (inc. 6. Mart. 1090) mortui]. — 8757. Fetáwi El-Khayyáti, responsa juridica Shafítæ Abu Abdallah Khayyáti. Respondit hic ad ea, de quibus rogatus erat. — 8758. [El-Fetáwi El-Kheiríyet, responsa juridica Kheir-ed-dínica, auctore doctissimo Kheir-ed-dín Ben Ahmed Ben Ali Alimi Fárúcki Ramli Hanefita, anno 1081 (inc. 11. Mai. 1670) mortuo. — 8759. Fetáwi El-Dínári, responsa juridica persice, auctore Alá-ed-dín Omar Ben Othmán Dínári Hanefita. — 8760. Fetáwi El-Ráfii, responsa juridica Rafíi. — 8761. Fetáwi El-Rostoghfeni, responsa juridica, auctore Sheikh et Imám Abu'hasan [Ali Ben Said] Hanefita, vulgo 5 Rostoghfeni dicto, [qui discipulus Imami Máteridi fuit]. — 8762. Fetáwi El-Reshídi, responsa juridica Reshíd-ed-díni Wetár Hanefitæ. — 8763. Fetáwi Ridháyi, responsa juridica Ridhá-ed-díni Mohammed Ben Ali Ben Mohammed, anno 1039 (inc. 11. Aug. 1629) mortui, qui e libris responsorum juridicorum majoribus quales sunt Cári el-hidáyet et El-Khatúniyet collegit. — 8764. Fetáwi El-Zerkeshi, responsa juridica Bedr-ed-díni Mohammed Ben Behádir Ben Abdallah Misri Shafítæ, vulgo] Zerkeshi [dicti et anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortui]. — 8765. El-Fetáwi El-Zeiniyet, responsa juridica Zein-ed-dínica de jure Hanefítico a Zein-ed-dín Ben Ibráhim Ben Nojeim Misri reddita. Collegit ea filius 10 Ahmed, anno ... mortuus, et incipit ita: Laus Deo, mundorum domino etc. Scripsi*

- سؤال من ابتدآء امرى فى شهر ربيع الاول سنة ٩١٥ قرأ رأيت ان ارتبها على كتب الفقه وعدتها  
 نحو اربعمئة سؤال وجواب خلا فتاوى كثيرة يتيسر كتابتها وذلك للجمع بعد وفاة المرحوم فى  
 شعبان سنة ٩٧٠ وتاريخ وفاته [صبيحة] يوم الاربعاء فى شهر رجب سنة [المذكورة] ٨٧٩٩ فتاوى  
 السبكي وهو الشيخ تقى الدين على بن عبد الكافي السبكي المتوفى سنة ٧٥٩ جمعها ولده تاج  
 الدين عبد الوهاب فى ثلاث مجلدات وتوفى سنة ٧٧١ ٨٧٩٧ فتاوى السراجية قال العمود ابن 5  
 الجوى رأيت فى آخر نسخة منها ما نقله قال المصنف وقع الفراغ يوم الاثنين من محرم  
 سنة ٥٩٩ باوش على يدى على بن عثمان بن محمد انتمى ذكره تقى الدين فى ترجمة صاحب  
 يقول العبد وفى منية المفتى ان لسراج الدين الاوشى وثية نوادر وقائع ما لا يوجد فى كثير  
 الكتب وهى احد ماخذى المنية ٨٧٩٨ فتاوى السراقى على مذهب الشافعى ٨٧٩٩ فتاوى  
 السمرقندى وهو الشيخ الامام محمد بن الوليد المسمى ٨٧٧٠ فتاوى السغدى هو الامام عطاء 10

- ea, inquit, per quaestiones ab initio studiorum mense Rebi I. anni 965 (inc. 24. Oct. 1557). Tum ad ordinem librorum juridicorum disponere ea statui, et quaestiones et responsa quadringenta circiter numero erant praeter multa responsa, quorum scriptio paucis absolveretur. Haec omnia post mortem viri beati mense Shabán anni 970 (inc. 31. Aug. 1562) facta sunt, et tempus mortis [matutinum] erat diei Martis mense Rejeb anni [memorati]. — 8766. Fetáwi El-Sebeki, responsa juridica Sheikhi *Tacki-ed-dín Ali Ben Abd-el-káfi Sebeki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortui, quae  
 5 filius *Táj-ed-dín Abd-el-wehháb* tribus voluminibus collegit. Hic anno 771 (inc. 5. Aug. 1369) mortuus est. — 8767. El-Fetáwi El-Sirájijet, responsa juridica *Siráj-ed-dínica*. Molla *Ibn-eljewi*: Vidi, inquit, ad finem exempli haec ad verbum scripta: Auctor dicit: Ad finem liber perductus est die Lunae mensis Moharrem anni 569 (inc. 12. Aug. 1173) in urbe *Aush* per manus *Alii Ben Othmán Ben Mohammed Teimi*. Refert hoc *Tacki-ed-dín* in biographia auctoris *Casidae Yacul el-abd* inscriptae, et in opere *Munyet el-mufti* liber *Siráj-ed-dín Aushi* tribuitur. Continet autem casus raros, qui in multis libris non commemorantur, et unus fontium est, unde auctor operis *El-Munyet* hausit. — 8768. Fetáwi El-Sorácki, responsa  
 10 juridica *Soráckii* ad disciplinam Shafitica. — 8769. Fetáwi El-Samarcandi, responsa juridica Sheikhi et Imámi *Mohammed Ben-elwelid Hanefitae*, vulgo *Samarcandi* dicti. — 8770. Fetáwi El-Soghdi, responsa juridica Imámi *Atállah Ben*



الله بن حمزة الحنفى ٨٧١ فتاوى سيف الأئمة الحنفى ٨٧٢ فتاوى الشبلى هو أبو العباس  
 أحمد بن شهاب الدين المعروف بابن الشبلى الحنبلى المتوفى سنة ٨٧٣ فتاوى شرف الدين  
 المكي ٨٧٤ فتاوى الشعرائى وهو عبد الوهاب بن أحمد المصرى الشافى المتوفى سنة [٩٧٣]  
 ٨٧٥ فتاوى شمس الأئمة [عبد العزيز بن أحمد المصرى] الحلوانى الحنفى المتوفى سنة  
 5 [٤٤٩] ٨٧٦ فتاوى شهاب الدين الامام الحنفى المتوفى سنة ٥٣١ ٨٧٧ فتاوى شيخ الاسلام  
 يحيى افندى بن شيخ الاسلام زكرياء افندى [المتوفى سنة ١٥٣] جمعيا عبد التجليل ابن  
 مصطفى الاقسراى ٨٧٨ فتاوى صاعد ٨٧٩ فتاوى صدر الشيعيد ذكر فى التاتارخانية  
 ٨٧٨ فتاوى الصغرى للشيخ الامام عمر بن عبد العزيز المعروف بحسام الشيعيد [المقتول سنة  
 ٥٣١] وهى التى بوييا نجم الدين يوسف بن احمد الخصاصى كالكبرى له اوله بعد حمد الله  
 10 تعالى والصلوة على خير خلقه الخ ذكر انه لم يبالغ فى ترتيبه كما بالغ فى ترتيب الواقعات ثم

*Hamza Hanefitae, vulgo Soghdi dicti. — 8771. Fetáwi Seif-el-aïmmet, responsa juridica Hanefitae Seif-el-aïmmet. — 8772. Fetáwi El-Shibli, responsa juridica Abu'labbási Ahmed Ben Sheháb-ed-dín Hanbalitae, vulgo Ibn-elshibli dicti et anno ... mortui. — 8773. Fetáwi Sheref-ed-dín, responsa juridica Sheref-ed-díni Mekki. — 8774. Fetáwi El-Sha'rání, responsa juridica Abd-el-wehhábi Ben Ahmed Misri Shafitae, vulgo Sha'rání dicti et anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortui. — 8775. Fetáwi Shems-el-aïmmet, responsa juridica Shems-el-aïmmet [Abd-el-aziz Ben Ahmed Misri] Holucáni Hanefitae, anno [449 (inc. 10. Mart. 1057)] 5 mortui. — 8776. Fetáwi Sheháb-ed-dín, responsa juridica Imámi Sheháb-ed-dín Hanefitae, anno 536 (inc. 6. Aug. 1141) mortui. — 8777. Fetáwi Sheikh el-islám, responsa juridica Sheikh el-islám Yahya Efendi filii Sheikh el-islám Zakariyá Efendi, [anno 1053 (inc. 12. Mart. 1643) mortui], quae Abd-el-jelil Ibn Mustafa Acseráyi collegit. — 8778. Fetáwi Sáid, responsa juridica Saïdi. — 8779. Fetáwi Sadr El-Shehíd, responsa juridica Sadri Martyris. Laudantur in El-Tátárkhániyet. — 8780. El-Fetáwi El-Soghra, responsa juridica minora, auctore Sheikh et Imám Omar Ben Abd-el-aziz, vulgo Hosám El-Shehid dicti [et anno 536 (inc. 6. Aug. 1141) interfecti]. Ad modum majorum ea Nejm-ed-dín Yusuf Ben Ahmed Khási in capita divisit, et auctor tantum studii se in iis disponendis non 10 posuisse dicit, quantum in disponendo opere Wáckiát. Incipiunt ita: Post laudem Dei excelsi et precationem super optimo hominum creatorum etc. Serius Sheikh et*

انتخب الشيخ الامام يوسف السجستاني ولحق وسماه منية المفتي ذكر فيه انه اشتملت على نواتر كثيرة ومعان عزيزة لكن اظن فيها بالاحاديث وبيان الاسانيد وزوائد الروايات حتى بعد عن الضبط ٨٧٨ فتاوى الصغرى وهو الامام الفقيه ابو الحسن عطاء بن حمزة السعدي السمرقندي ٨٧٨ فتاوى الصوفية في طريق البهائية لفضل الله محمد بن ايوب المنتسب الى ماجو قال المولى بركلي ليس من الكتب المعتبرة فلا يجوز العمل بما فيها الا اذا علم 5 موافقتها للاصول اوله الحمد لله الذي انزل السكينة في قلوب الاولياء والاصفياء بانواع المكاشفة والايناس الخ قال لما جمعت العمدتين عمدة الابرار وعمدة الاخيار من الروايات والاخبار في المسائل التي يفعلها اهل التصوف من العبادات وشاعا في البلاد ومضى على ذلك من الاعوام والسنين فوجدت جملة من الروايات والمنقولات فارت ان الحقها في عمدة الاخيار فرتبت ترتيبا جديدا فنقلت الروايات بلفظها وان كرر من الكتب العربية والفارسية لكون ابعده من 10 العمدة الا في بعض المواضع وجعلت ابوابه ثلاثة وستين وفصوله مائة وخمسة وستين ومواقعة

Imám Yusuf Sejestáni adjectis additamentis meliora separatim edidit et hanc epitomen *Munyet el-mufti* inscripsit. Eam multas res raras et argumenta pretiosa continere dicit; attamen longior fuit in traditionibus afferendis, auctoritatibus describendis et viis relationis augendis, ut modum nimis excederet. — 8781. El-Fetáwi El-Soghrá, responsa juridica minora, auctore Imám et Jurisconsulto *Abu'hasan Atá Ben Hamza Soghdí Samarcaudi*. — 8782. El-Fetáwi El-Sufíyet, responsa juridica Sufica de via sectae *Beháíye*, auctore *Fadhlallah Mohammed Ben Eyyub*, qui originem ad 5 regem Maju refert. *Molla Birgili*: Minime, inquit, in libris magni aestimandis est, neque ad praecepta in eo data agere licet, nisi ubi scimus, ea principiis conjuncta esse. Incipiunt ita: Laus Deo, qui praesentiam suam adjutricem in corda sanctorum et purorum ita demisit, ut varia commercii secum et consuetudinis genera aperiret etc. Cum, inquit, utrumque librum *Omdet* colligerem, *Omdet el-ebúr* et *Omdet el-akhyár* inscriptum, e traditionibus et historiis de quaestionibus, quas Theosophiae asseclae de cultus divini officiis fecerunt, librique per terras divulgarentur, et inter haec 10 inveni, ea libro *Omdet el-akhyár* inserere volui. Itaque eum ad novum ordinem disposui et relationes, etsi repeterentur, exceptis nonnullis locis e libris arabicis et persicis ad verbum depromsi, ut eo certius vitia evitarem, et operi sexaginta tria capita et centum sexaginta quinque sectiones dedi, ut dispositionem operis *Awárif*



بعدد ابواب العوارف وسميته بالفتاوى الصوفية في طريق البهائية ليكون موشحاً بين الاتمام بخطاب شيخ المشايخ ابي محمد زكرياء الكتاني القرشي قال لما بلغ العمدة الى الناس بالانتساج والتحمل فبالغت بالمطالعة والدراسة فوجدت جهة من الروايات فجمعت ثانياً عمدة الاخيار فصار ضعف العمدة فلما وصل اليه ايضاً يفتح اوله واوسطه وآخره وقرأت ما فيها وبكى وقال 5 بالفارسية خدای تعالی ازوی قبول کرد ولما جمعت الفتاوى وحكم قاضي بلدنا ملتان فخر الدين بن سالار الدهلوی في جواز هذه المسائل واستحبابها رأيت شيخى في المنام كاتى قدمت بين يديه امامة صلوة الفجر واقتدى على مع جمع كثير فلما فرغت تأخرت كما هو معتادى في حال حيوته وجلست خلفه وعلمت ان الجمع وقع موجباً للقربة وتوفى الشيخ سنة ٦٦٩ ٧٨٣ فتاوى الصيرفية للامام مجيد الدين اسعد بن يوسف بن علي البخارى 10 الصيرفي المعروف بأهو اوله الحمد لله الواحد القهار الملك الجبار الخ قال بعض تلامذته كتب اجوبة الائمة الذين يعتمد على اجوبتهم القاضى وقت القضاء فبعثها منصوطة في كتب

capitibus et sectionibus aequipararent. Titulum ei dedi *El-Fetáwi El-Sufiyet fi taric El-Bekáyyet*, ut inter homines alloquio Sheikhi summi *Abu Mohammed Zakariyá Kettáni Coreshi* ornatus esset. *El-Omdet*, ait, cum describendo et migrando inter homines divulgaretur, studium summum legendo et discendo impendi, unde factum est, ut novam relationum partem invenirem. Itaque librum *Omdet el-akhyár* iterum collegi, ut duplo major opere *Omdet* evaderet. Cum hic quoque in ejus manus pervenisset, initium, mediani et ultimam partem aperuit, et coram eo quae contineret legi. Tum lacrymabundus persice: Deus excelsus, inquit, ab eo librum grate 5 accepit. Et cum decreta juridica et statuta judicis urbis nostrae Multán *Fakhr-ed-din Ben Sálár Dehlewí* de his quaestionibus permittendis et praeoptandis congressissem, per somnium praeceptorem meum vidi, quasi coram eo munus Imami preactionem diluculi facientis praeirem, et ille me cum magna turba sequeretur. Cum absolvissem, recessi, ut eo vivo consueveram, et pone eum consedi, et turbam propinquitatem premere comperi. Sheikh mortuus est anno 666 (inc. 22. Sept. 1267). — 8783. *El-Fetáwi El-Seirefiyet*, responsa juridica *Seirefica*, auctore Imámo *Majd-ed-din As'ad Ben Yánsuf Ben Ali Bokhári Seirefi*, vulgo *Ahu* dicto. Incipiunt ita: Laus 10 Deo unico, omnipotenti, regi absoluti imperii domino etc. Discipulorum quidam: Scripsit, ait, responsa Imamorum, quorum responsis judex tempore quo jus dicit auctoritatem tribuit. Alia in libris Imamorum diserte expressa sunt, alia ex eorum

الائمة وبعضها مقيسة على اجوبتهم انتخب من كتب المتقدمين والمتأخرين مسائل عجيبة ولم يرتبها ولم يجانسها فرتبها وجنسه بعض طلبته وزاد في بعضها باجازته باعانة من مسموعاته بلفظ قلت ووضع علامات ٨٧٤ فتاوى الطرسوسى لنجم الدين ابراهيم بن على الطرسوسى الحنفى المتوفى سنة ٧٥٨ ٨٧٥ فتاوى الظهيرية لظهير الدين ابى بكر محمد بن احمد القاضى اُختسب ببخارا البخارى الحنفى المتوفى سنة ٩١٩ اوله الحمد لله المنفرد بالعلم المتوحد 5 بالبقاء الخ ذكر انه جمع كتابا من الوقعات والنوازل مما يشتد اليه الاقتصار وانتخب الشيخ العلامة بدر الدين ابو محمد محمود بن احمد العيى [المتوفى سنة ١٠٥٥] منها ما يكثر الاحتياج اليه بحذف ما كثر الاطلاع عليه وسماه مسائل البدرية المنتخبة من الفتاوى الظهيرية قال وهو كتاب مشتمل على مسائل كتب المتقدمين ولا يستغى عنها علماء المتأخرين اونه الحمد لله حمدا يليق لذاته وجلاله الخ ٨٧٦ فتاوى العبادى ٨٧٧ [فتاوى عبد 10 الرحيم وهو شيخ الاسلام المشهور بمنتش زاده عبد الرحيم افندى البرسوى المتوفى سنة ١١٣٨

responsis conclusa. Praeterea e scriptis priorum et recentiorum quaestiones miras selegit, eas tamen neque disposuit neque in species distribuit, id quod studiosus quidam fecit, qui illius permissu, adjutus iis quae audiverat, nonnullis quaestionibus nova addidit, eaque verbo „dico“ et siglis apposis distinxit. — 8784. Fetáwi El-Tarsúsi, responsa juridica *Tarsúsi*, auctore *Nejm-ed-dín Ibráhim Ben Ali Tarsúsi* Hanefita, anno 758 (inc. 25. Dec. 1356) mortuo. — 8785. El-Fetáwi El-Tzahíríyet, responsa juridica *Tzahír-ed-dínica*, auctore *Tzahír-ed-dín Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Bokhári* Hanefita, rerum vendendarum in urbe Bokhára praefecto, qui anno 619 (inc. 15. Febr. 1222) obiit. Incipiunt ita: Laus Deo celsitudine singulari praedito et aeternitate unico etc. Se librum collegisse narrat ex scriptis *Wákiát* et *Newázil* de iis, in quibus praecipue acquiescendum esset. Sheikh doctissimus *Bedr-ed-dín Abu Mohammed Mahmúd Ben Ahmed Aini*, [anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuus], inde ea selecta edidit, quibus maxime egeas recisis iis, quorum studium nimis longum esset. Hunc librum, *El-Mesúil El-Bedriyet el-muntakhabet min El-Fetáwi El-Tzahíríyet* inscriptum, quaestiones e libris 10 veterum continere dicit, quibus viri docti recentiores carere non possint. Incipit ita: Laus Deo talis, qualis ejus essentiae et majestati convenit etc. — 8786. Fetáwi El-Ibádi, responsa juridica *Ibádi*. — 8787. [Fetáwi Abd-el-rehím, responsa juridica *Shekhi el-islám Abd-el-rehím Efendi Bursevi*, vulgo *Menteshzádeh* dicti



- وهو تركى مقبول بين العلماء] فتاوى عبد الصمد ٨٧٨٨ فتاوى عبد الله بن عباس  
 رضى الله تعالى عنهما جمعها ابو بكر محمد بن موسى بن يعقوب بن امير المؤمنين مأمون  
 في عشرين مجلدًا توفي سنة ذكره عبد القادر في فوائد الجواهر وابو بكر هذا احد ائمة  
 الاسلام في الحديث ٨٧١. فتاوى العنابية المسمى بجامع الفقه مر في الجيم ٨٧١ فتاوى  
 5 العدلية لرسول بن صالح الايديى ألفه بإشارة السلطان سليمان خان حال كونه قاضيًا بمارمه  
 سنة ٩٩١ في ولاية صاروخان ٨٧١٣ فتاوى العربية لجمال الدين محمد بن عبد الله بن النحوى  
 توفي سنة ٩٧٣ ٨٧١٣ فتاوى الغزى ٨٧١٤ فتاوى العصر لعلى السقدي وقيل للترجماني  
 ٨٧١٥ [فتاوى عطاء ائدى هو شيخ الاسلام المولى محمد عطاء المتوفى سنة ١١٣٧ وهى تركى  
 ذكر المسائل الفقهية بنقولها] ٨٧٢١ فتاوى عطاء بن حمزة السغدى ٨٧١٧ فتاوى العلامة  
 10 ٨٧١٨ فتاوى العليابادية ذكره صاحب نزهة القضاة ٨٧١٩ [فتاوى على ائدى وهو شيخ

et anno 1128 (inc. 16. Dec. 1715) mortui. Turcice scripta sunt et viris doctis valde probata]. — 8788. Fetáwi Abd-el-samed, responsa juridica *Abd-el-samedí*. — 8789. Fetáwi Abdallah, responsa juridica *Abdallae Ben Abbás*. Collegit ea *Abu Bekr Mohammed Ben Musa Ben Yacúb* filius *Emiri el-muminin Mamún*, anno ... mortuus, in viginti voluminibus. *Abd-el-cádir* librum in *Fetáwid el-jewáhir* laudat; et *Abu Bekr* ille unus est antesignanorum Islámi in traditionum scientia. — 8790. El-Fetáwi El-Attábíyet, responsa juridica *Attábü Jami' el-sic'h* inscripta. Videatur litera *Jim*. — 8791. El-Fetáwi El-Adlíyet, responsa juridica 5 justa, quae *Rasúl Ben Sálíh Eidini* jussu Sultani *Soleimán Khán* composuit, cum in insula Marmara in praefectura *Sárukhán* anno 966 (inc. 14. Oct. 1558) judex esset. — 8792. Fetáwi el-arebíyet, statuta linguae arabicae, auctore *Jemáled-dín Mohammed Ben Abdallah* Grammatici filio, anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. — 8793. Fetáwi El-Ghazzi, responsa juridica *Ghazzú*. — 8794. Fetáwi el-asr, responsa juridica temporis, auctore *Ali Safedi* sive ut alii volunt *Terjemáni*. — 8795. [Fetáwi Atá Efendi, responsa juridica *Sheikhi el-islam Molla Mohammed*, vulgo *Atá Efendi* dicti et anno 1127 (inc. 27. Dec. 1715) mortui. Turcice scripsit, et quaestiones juridicas cum iis quae ad earum relationem pertinent affert]. — 8796. Fetáwi Atá, responsa juridica *Atái Ben Hamza Soghdi*. — 8797. El-Fetáwi El-Allamíyet, responsa juridica *Allámí*. — 8798. El- 10 Fetáwi El-Áliabádiyét, responsa juridica *Áliabádica*. Commemorat ea aucter libri *Nuzhet el-codhát*. — 8799. [Fetáwi Ali Efendi, responsa juridica *Sheikhi*

الاسلام المشهور بجيتالجدوى على افندى المتوفى سنة 1103 هـ وهى نسختان المقبول منهما ما ذكر فيه قول نوع آخر] ٨١٠٠ فتاوى الغزالي مشتملة على مائة وتسعين مسألة غير مرتب وله غير ذلك ليس بمشهور ٨١٠١ فتاوى الفصلى [ابى عمرو عثمان بن ابراهيم الاسدى الحنفى المتوفى سنة ٥٨٠] ٨١٠٢ فتاوى قارى الهداية سراج الدين عمر بن اسحق انغرنوى الهندى الحنفى المتوفى سنة ٧٧٣ ٨١٠٣ فتاوى القاسمية وهو الشيخ قاسم بن قتلوبغا الحنفى تلميذ 5 ابن اليمام المتوفى سنة [١٧٩] ٨١٠٤ فتاوى القاضى حسين [بن محمد بن احمد المرزى الشافعى المتوفى سنة ٤٩٣ وهى مشهورة] ٨١٠٥ فتاوى قاضيخان وهو الامام فخر الدين حسن ابن منصور الاوزجندى الفرغانى الحنفى المتوفى سنة ٥٩٣ وهى مشهورة مقبولة معمولة متداولة بين ايدى العلماء والفقهاء وكانت هى نصب عين من تصدّر للحكم والافتاء وذكر فى هذا الكتاب من المسائل التى يغلب وقوعها وتمس الحاجة اليها وتدور عليها واقعات الامة وترتيبها 10

el-islám, vulgo *Jetálejehwi Ali Efendi* dicti et anno 1103 (inc. 14. Sept. 1691) mortui. Duo exempla sunt, quorum illud acceptum probatumque est, in quo propositiones alius generis afferuntur. — 8800. Fetáwi El-Ghazáli, responsa juridica *Ghazáli*, quae centum nonaginta quaestiones comprehendunt, at dispositione carent. Idem alia edidit minus nota. — 8801. Fetáwi El-Fadhli, responsa juridica [*Abu Amrui Othmán Ben Ibráhim Asedi Hanefitae*, vulgo *Fadhli* dicti et anno 508 (inc. 7. Jun. 1114) mortui]. — 8802. Fetáwi Cári El-Hidáyet, responsa juridica *Siráj-ed-dni Omar Ben Is'hac Ghaznewi Hindi Hanefitae*, vulgo Lector 5 libri *Hidáyet* dicti et anno 773 (inc. 15. Jul. 1371) mortui. — 8803. El-Fetáwi El-Cásim íyet, responsa juridica *Sheikhi Cásim Ben Colluboghá Hanefitae*, *Ibn-elhemmámi* discipuli, anno [879 (inc. 18. Mai. 1474)] mortui. — 8804. Fetáwi El-Cádhi Hosein, responsa juridica [satis nota] iudicis *Hosein* [*Ben Mohammed Ben Ahmed Merwezi Shafiitae*, anno 462 (inc. 20. Oct. 1069) mortui]. — 8805. Fetáwi Cadhikhán, responsa juridica *Imámi Fakhr-ed-dín Husun Ben Mansúr Uzjendi Fergháni Hanefitae*, vulgo *Cadhikhán* dicti et anno 592 (inc. 6. Dec. 1195) mortui. Ea nota sunt, probata, usu et observatione recepta, inter viros doctos et jurisconsultos pervulgata, et erectum signum iis propositum, qui sententiis dicendis 10 et responsis iudicis reddendis praesunt. Afferuntur in hoc libro quaestiones, quae maxime in usu sunt, quas sibi curae habent, et in quibus proponendis et sequendis populus versatur. Dispositae sunt ad ordinem librorum inter omnes notorum, tam



على ترتيب الكتب المعروفة بين الكلّ فرعاً واصلاً وفيما كثر فيه الاقارب من المتأخرين اقتصر على قول او قولين وقدم ما هو الاظهر كما قال في خطبته ووضع فيرساً مفصلاً اوله الحمد لله الذي لا بداية له الخ وقد رتب رجل من علماء الروم مسأله يقال له محمد وهو محمد ابن مصطفى بن الحاج محمد افندي الصوفي توفي سنة واول المرتب الحمد لله الذي هدانا 5 لهذا وما كنا لنهتدى لولا ان هدانا الله الخ ذكر فيه انه اشار اليه شيخه المولى محمد بن شيخ الاسلام محمد الشيربجوى زاده سنة خمس وتسعين وتسعمائة وسماه بوقاج الشريعة واسمه تاريخ الترتيب قيل ائتمج باملاته يوم الاربعاء وقت الظير العاشر من المحرم سنة ١٠٧٠ ومختصر قاضيخان للمولى يوسف بن جنيد الشيرباضي جلدى التوقاى في مجلد اوله الحمد لله الملك القوى المعين الخ واعدها الى السلطان بايزيد خان ٨٨٠٦ فتاوى قاضى زكرياء

١٠ ٨٨٠٧ فتاوى القاعدية للامام شمس الدين ابي عبد الله محمد بن علي بن ابي القاسم ابن ابي [رجاء] القاعدى الحنجدى المتوفى سنة اوله الحمد لله حق حمده على سنة التى لا يحيط

quod principia quam quod statuta derivata attinet, et de quibus recentiores multa verba faciunt. Acquiescit in una aut duabus propositionibus, et quae propius ad veritatem accedunt praemittit, ut ipse in praefatione dicit. Indicem addidit, qui argumentum per singulas partes indicat, et orsus est ita: Laus Deo, qui principium non habet etc. Vir quidam Rumaeorum doctus, *Mohammed Ben Mustafa Ben-elhújj Mohammed Efendi Sufi*, anno ... mortuus, quaestiones disposuit, et hoc exemplum digestum incipit ita: „Laus Deo, qui direxit nos ad hoc; et non fuisset, ut diri- 5 geremur, nisi direxisset nos Deus“ etc. A Sheikho suo Molla *Mohammed* filio Sheikhi el-islám *Mohammed*, vulgo *Jewízádeh* dicto, se anno 995 (inc. 2. Dec. 1586) ad hoc opus *Wehháj el-shertat* inscriptum, cujus titulus tempus dispositionis significat, excitatum esse narrat. Ejus scriptionem feria quarta statim post meridiem diei decimi mensis Moharrem anni 578 (inc. 7. Mai. 1182) incepisse dicitur. *Cádikháni* librum Molla *Yusuf Ben Joneid Tucáti*, vulgo *Akhi Jelebi* dictus, in epitomen contraxit volumine comprehensam, quam ita orsus est: Laus Deo, regi potenti et adjutori etc., et Sultano *Báyezíd Khán* obtulit. — 8806. Fetáwi *Cádhi Zakariyá*, responsa juridica judicis *Zakariyá*. — 8807. El-Fetáwi El-Cáidíyet, responsa juridica *Cáidica*, 10 auctore Imám *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Ali Ben Abi'l-cásim Ibn Abi [Rejú] Cáidi Khojendi*, anno ... mortuo. Incipiunt ita: Laus Deo talis, quali dignus est, pro lege, quam mens humana non comprehendit etc. Narrat auctor, se

بها الهمة الخ ذكر فيه انه طلب منه بعض اخوانه ان يكتب له مجموعاً من النوازل من  
 الواقعات التي ائتم بها المشايخ المتأخرون وان يذكر احويل السلف مما اختاره الخلف ما  
 يعتمد في امر الفتوى واصيف اليه جملة ما ائتم به الشيخ القاضي الامام تاج الدين ابو بكر  
 ابن احمد الاخسيكتي [مولد] الحنبدى موطناً وهو كتاب [مفيد غالبه بالفارسية] رتبته على  
 ترتيب الكتب وبعض النسخ مخالفة لما وقع منه الضرب والزيادة والتقديم والتأخير بعد 5  
 الانتشار ٨٨٨ فتاوى قرآن خوانية ٨٨٩ فتاوى القفال ٨٨٠ فتاوى قورقودخانية جمعه  
 قورقودخان بن السلطان بايزيد الثاني العثماني [المقتول سنة ٩١٨] ٨٨١ فتاوى الكامل  
 ٨٨٢ فتاوى الكبرى للامام صدر الكبير الشهيد حسام الدين عمر بن عبد العزيز الحنفي المتوفى  
 سنة ٥٣٦ اوله الحمد لله مصور النسم ومقدر القسم وراى الامم الخ قال حسام الدين لما  
 سلنت عن الفتاوى الغاية حملنى لسان صدق فى الاخرين على تصنيف جامع فيما اردعه 10

ab amico quodam rogatum esse, ut ei syllogen scriberet caussarum e genere casuum  
 incidentium, de quibus doctores recentiores responsa juridica reddiderunt, et ut  
 propositiones veterum ex iis commemoraret, quas posterioris temporis iudices prae-  
 habuerunt et quibus in responsis iudicis reddendis auctoritas tribuenda esset, hisque  
 plura eorum adderentur, de quibus Sheikh Cádhi et Imám *Táj-ed-dín Abu Bekr*  
*Ben Ahmed* in urbe *Akhsiket* [natus] et *Khojendae* inquilinus, iudice respondit.  
 Liber [utilis, maximam partem persice scriptus], quem ad ordinem librorum hujus  
 5 generis disposuit. Nonnulla exempla ab invicem iis differunt, quae formam, addita-  
 menta et ordinem spectant, ex quo alia praeposita, alia postposita sunt, postquam  
 in vulgus emissa fuerunt. — 8808. *El-Fetáwi El-Cor'ankháníyet*, responsa  
 juridica lectoris Corani. — 8809. *Fetáwi El-Caffál*, responsa juridica *Caffáli*. —  
 8810. *Fetáwi Curcúdkháníyet*, responsa juridica *Curcúdkhánica*. Collegit ea  
*Curcúdkhán* filius Sultani *Báyezíd II. Othmáni*, [anno 918 (inc. 19. Mart. 1512)  
 mortuus]. — 8811. *Fetáwi El-Kámil*, responsa juridica *Kámilí*. — 8812. *El-*  
*Fetáwi El-Kobra*, responsa juridica majora, auctore Imám *El-Sadr El-Kebír*  
*El-Shehid Hosám-ed-dín Omar Ben Abd-el-azíz* Hanefita, vulgo 536 (inc. 6. Aug.  
 1141) mortuo. Incipiunt ita: Laus Deo hominum creatori, sortem cuique destinanti  
 10 et populorum nutritori etc. *Hosám-ed-dín*: Cum maxime, inquit, responsis iudicis  
 reddendis essem tentatus, lingua veritatis in aliis ad componendam syllogen de iis



الفقيه ابو الليث في نوازله وبينما ارده ابو العباس الناطقى في واقعاته وبين فتاوى الامام ابى بكر محمد بن فضل وفتاوى اهل سمرقند وبدأت لمسائل النوازل معلمة بعلامة النون ومسائل العيون بعلامة العين والواقعات بعلامة الواو ومسائل ابى بكر محمد بن الفضل بعلامة الباء وفتاوى اهل سمرقند بعلامة السين انتهى قال محمد بن محمد بن عمر النائب في القضاء 5  
 بمخارا انما امليت بهذا التخصيس وان لم يتعرّض صاحب التاجيس ليعلم المراد من علامات الحروف بويا يوسف بن احمد النخاسى كالفتاوى الصغرى والقاضى الامام المعروف بفتيس فتاوى الكبرى ولتخصه ابو الحامد محمود بن احمد بن مسعود القونوى وازاف اليه كثيراً من الفروع المحتاج اليها من الظهيرية وغيرها وهو كتاب حسن في باب ذكره ابن شيخه في حاشية الجواهر ذكر في اخره انه علقه تذكرة لاختيه الشيخ الامام ولى الدين محمد بن حسين القيرشبرى وذلك في ذى القعدة سنة ٧٤٠ بمشقة الحروسة ٨١٣ فتاوى الكردي محمد 10  
 ابن محمد اخذ من الكتب المختلفة والفتاوى المتفرقة منها الجامع الوجيز فرغ منه

me incitavit, quae jurisconsultus *Abulleith* in libro *Newázil* edixerat, et ad ea, quae *Abu'abbás Nátifi* in opere *Wákiát* proposuerat, cum responsis juridicis *Imámi Abu Bekr Mohammed Ben Fadhl* et *Imamorum Samarcandae* conjungenda. Primum quaestiones operis *Newázil* posui siglo *Nun* notatas, tum quaestiones libri *Oyún* siglo *Ain*, librum *Wákiát* siglo *Wáw*, quaestiones *Abu Bekri Mohammed Ben-elfadhl* siglo *Bá*, responsa juridica *Imamorum Samarcandae* siglo *Sín*. — Haec hactenus. — *Mohammed Ben Mohammed Ben Omar*, vicarius iudicii urbis *Bokhárá*: Secundum 5 hunc quinionem, inquit, dictavi, etiamsi auctor libri *Tejnús* eandem rem non aggressus esset, ut ex signis literarum, quod intendebamus animo, cognosceretur. *Yusuf Ben Ahmed Khási* ea eodem modo quo *Responsa Juridica Minora* in capita divisit, et *Cádhi* et *Imám*, vulgo *Foieis* dictus, pariter *Fetáwi Kobra* composuit. *Abu'mehámid Mahmúd Ben Ahmed Ben Mes'úd Cunevi* meliorem partem separatim edidit, et plura statuta derivata, quibus opus erat, e responsis *Tzahír-ed-dini* aliisque adjecit, unde liber sui generis praestans factus est, quem filius praeceptoris sui in glossis ad *El-Jewáhir* commemorat. Ad finem se eum conscripsisse dicit, ut fratri *Sheikh* et *Imám Welí-ed-din Mohammed Ben Hosein Kírsheri* liber memorialis esset. Factum 10 hoc est *Damasci* mense *Dzi'lca'det* anni 740 (inc. 9. Jul. 1339). — 8813. *Fetáwi El-Kerderi*, responsa juridica, quae *Mohammed Ben Mohammed* e libris variis et responsis juridicis dispersis, cujusmodi est liber *El-Jámi' El-Wejíz*, sumsit et

- سنة ٨١٣ ذكر الأئمة لان عليه التعويل ٨١٤ فتاوى الكشي في مجلدين ٨١٥ فتاوى كورمفتى المسمى بمعين المفتى في الجواب على المستفتى يأتي في الميم توفي سنة ٨١٦ فتاوى الكيداني ٨١٧ فتاوى اللائطي كالهداية حجماً ٨١٨ فتاوى ما وآه النهز ذكره في التاتارخانية ٨١٩ فتاوى المبسوط ٨٢٠ فتاوى المتبولي هو الشيخ احمد بن محمد بن احمد المتبولي الشافعي مختصر افتى في حدود سنة ٩٨٩ ٨٢١ فتاوى ماجد الدين الترجماني المتوفى سنة ٥ 5 ومجد الدين البخاري الحنفى المتوفى سنة في مجلد ٨٢٣ فتاوى المحاملى وهو ابو الحسن احمد بن محمد المتوفى سنة في مجلد ٨٢٣ فتاوى محمد بن الوليد السمرقندى الحنفى ٨٢٤ فتاوى محمود بن الولي المتوفى سنة ٥٢٥ ٨٢٥ فتاوى المرغيناني ٨٢٦ فتاوى المسعودى ٨٢٧ فتاوى المقدسى ٨٢٨ فتاوى المنارى وهو يحيى بن محمد قاضى

- anno 812 (inc. 16. Mai. 1409) absolvit. Imami huic libro auctoritatem tribuendam esse praedicant. — 8814. Fetáwi El-Keshshi, responsa juridica *Keshshí*. Duo volumina. — 8815. Fetáwi Kuwermufti, responsa juridica *Kuwermuftí*, anno ... mortui, *Moin el-mufti fi el-jewáb ala el-mustefti* inscripta. Vide infra in litera *Mim*. — 8816. Fetáwi El-Kidáni, responsa juridica *Kidání*. — 8817. Fetáwi El-Láfitzí, responsa juridica *Láfitzí*, quae ambitum libri *Hidáyet* habent. — 8818. Fetáwi Má werá el-nahr, responsa juridica Transoxana. Laudat ea auctor libri *El-TálarKhániyet*. — 8819. Fetáwi El-Mebsút, responsa juridica, quae in libro *Mebsút* leguntur. — 8820. Fetáwi El-Motebewweli, responsa juridica. Compendium Sheikhi *Ahmed Ben Mohammed Ben Ahmed Motebewweli* Shafitae, qui circa annum 989 (inc. 5. Febr. 1581) munere Muftii functus est. — 8821. Fetáwi Majd-ed-dín, responsa juridica *Majd-ed-dini Terjemáni*, anno ... mortui, et *Majd-ed-dini Bokhári* Hanefitae, anno ... mortui. Volumen. — 8822. Fetáwi El-Mehámili, responsa juridica *Abu'lhasani Ahmed Ben Mohammed*, vulgo *Mehámili* dicti et anno ... mortui. Volumen. — 8823. Fetáwi Mohammed, responsa juridica *Mohammedis Ben-elwelíd Samarcandi* Hanefitae. — 8824. Fetáwi Mahmúd, responsa juridica *Mahmúdi Ben-elweli*, anno 525 (inc. 4. Dec. 1130) mortui. — 8825. Fetáwi El-Marghínáni, responsa juridica *Marghínání*. — 8826. Fetáwi El-Mes'údi, responsa juridica *Mes'údi*. — 8827. Fetáwi El-Mocaddesi, responsa juridica *Mocaddesti*. — 8828. Fetáwi El-Monáwi, responsa juridica *Yahyae Ben Mohammed summi* judicis Shafitae, vulgo *Monáwi*



- القضاة الشافعي المتوفى سنة [٨٧١] جمعها سبط زين العابدين بن عبد الرؤف المتوفى سنة ٨٣٦، رتبها ترتيباً حسناً ٨٧٩ فتاوى المنصورية ٨٣٠ فتاوى المنهاجية ٨٣١ فتاوى موهوب [ابن عمر بن موهوب] الجزري الشافعي [المتوفى سنة ٩٧٥] ٨٣٢ فتاوى الفالقي ٨٣٣ فتاوى نجم الدين ابى الحسن عطاء بن حمزة السعدي التي تولى جمعها الشيخ 5 الامام ابو حفص عمر بن محمد بن احمد النسفي ٨٣٤ فتاوى نجمية لحسين بن محمد المعروف بالنجم الحنفي ٨٣٥ فتاوى النسفية لنجم الدين عمر بن محمد النسفي الشير بعلمة سمرقند صاحب المنظومة المتوفى سنة [٥٣٧] وهو فتاواه التي اجاب هو في ايامه دون ما جمعه لغيره ٨٣٦ فتاوى النورى كبير وصغير المسمى بعيون المسائل المهمة مرّ قال انورى في خطبتها ولا التزم فيها ترتيباً لكونها على حسب الوقائع فان كملت رجلي ترتيبها 10 وانتزم فيها الايصاح وتقريبها الى اقسام المبتدئين ثم رتبها علاء الدين على بن ابراهيم العطار

dicti et anno [871 (inc. 13. Aug. 1466)] mortui, quae nepos *Zeini el-Abidin Ben Abd-el-rawuf*, anno 1031 (inc. 6. Nov. 1621) mortuus, collegit et egregie disposuit. — 8829. El-Fetáwi El-Mansuríyet, responsa juridica *Mansuri*. — 8830. El-Fetáwi El-Minhájíyet, responsa juridica in opere *Minháj* lecta. — 8831. Fetáwi Mauhúb, responsa juridica *Mauhúbi* [*Ben Omar Ben Mauhúb*] *Jezeri* Shafitae, [anno 675 (inc. 15. Jun. 1276) mortui]. — 8832. Fetáwi El-Nátifi, responsa juridica *Nátifi*. — 8833. Fetáwi Nejm-ed-dín, responsa juridica *Nejm-ed-díni* *Abulhasan Alá Ben Hamza Soghdi*, quibus colligendis *Sheikh* et *Imám Abu Hofis Omar Ben Mohammed Ben Ahmed Neseft* praefuit. — 8834. El-Fetáwi El-Nejmíyet, responsa juridica, auctore *Hosein Ben Mohammed Hanefita*, vulgo *Nejm-ed-dín* dicto. — 8835. El-Fetáwi El-Neseftíyet, responsa juridica *Neseftica*, auctore *Nejm-ed-dín Omar Ben Mohammed Neseft*, anno [537 (inc. 27. Jul. 1142)] mortuo, qui vulgo vir doctus *Samarcandae* dicitur et carmen *Mantzúmet* inscriptum edidit. Responsa juridica sunt, quae ipse sua aetate reddidit, praeter illa, quae ab aliis collegit. — 8836. Fetáwi El-Newewi, responsa juridica *Newewi* majora et minora, *Oyún el-mesáil el-mohimmet* inscripta, ut antea dictum est. *Newewi* in praefatione: Legem mihi, inquit, minime imposui, ut in ordinem ea disponerem, cum tanquam casus singulares considerarentur. Si enim ad finem perducuntur, eorum dispositio speranda est, et potius perspicuitatis legem mihi scripsi 10 et ut ea tironum mentibus apta redderem. Tum *Alá-ed-dín Ali Ben Ibráhim Attár*

- على ترتيب الفقه اوله الحمد لله رب العالمين خالف السموات والارضين الخ وفرغ سنة ٧٧٠
- ٨٣٧ فتاوى الواسطية للشيخ عماد الدين ابى حامد محمد بن يونس الموصلى الشافعى المتوفى سنة ٦٠٨ ٨٣٨ فتاوى الوبى الحنفى المتوفى سنة ٨٣٦ فتاوى الولوالجى ظهير الدين ابى المكارم اسحاق بن ابى بكر الحنفى المتوفى سنة [٧١٠] اوله الحمد لله الذى جعل انعلم حجة الاسلام الخ ذكر فيه ان الشيخ الامام حسام الشيبى اشد الناس اعتناءً لتحرير علم الاحكام فقصر مساندة الطالعين الى علم الدين بما لخص من حقائقه لا سيما كتاب الجامع لنوازل الاحكام فاتفق لخدمته المزبور ان يفصل ما اورده في كتابه ويصم اليه ما سواه من الوقعات المهمة وما اشتملت عليه كتب الامام محمد بن الحسن مما لا بد من معرفته لاهل الفتوى ليكون كتاباً جامعاً للفقه وقواعده ٨٤٠ فتاوى الهلالى الحنفى المتوفى سنة ٨٤١ فتاوى يوسف فتح الارتاج في عمل الرجراج رسالة للشيخ على بن سعد الانصارى 10

ea ad dispositionem juris digessit et ita orsus est: Laus Deo mundorum domino, coelorum et terrarum creatori etc. Absolvit anno 770 (inc. 16. Aug. 1368). — 8337. El-Fetáwi El-Wásitíyet, responsa juridica in urbe Wásit reddita, auctore Sheikh *Imád-ed-dín Abu Hámid Mohammed Ben Yunos Mausili* Shafiíta, anno 608 (inc. 15. Jun. 1211) mortuo. — 8338. Fetáwi El-Weberi, responsa juridica Hanefitae *Weberi*, anno ... mortui. — 8339. Fetáwi El-Welwáleji, responsa juridica *Tzahir-ed-dín Abu'lmejárím Is'hac Ben Abi Bekr* Hanefitae, vulgo *Welwáleji* dicti et anno [710 (inc. 31. Mai. 1310)] mortui, quae ita incipiunt: Laus 5 Deo, qui scientiam religionis Islamicae probationem esse voluit etc. Sheikhum et Imámum *Hosám El-Shehid* inter homines studiosissimum esse dicit et acerrimum in doctrinâ statutorum recognoscenda, ut viam discentium ad religionis cognitionem eo praecideret, ut ex ejus veritatibus meliores seligeret, praecipue e libro *El-Jámi' li newázil el-ahkám*. Ejus famulo autem supra nominato conveniens esse visum est, ut quae in libro proposuerat in sectiones distribueret et ceteros adjiceret singulares casus graviore et quae libri Imámi *Mohammed Ben-elhasan* ex iis comprehenderent, quorum cognitione Muftii minime carere possent, ut liber jurisprudentiam ejusque statuta principalia summatim complecteretur. — 8840. Fetáwi El-Hiláli, responsa 10 juridica *Hiláli* Hanefitae, anno ... mortui. — 8841. Fetáwi Yusuf, responsa juridica *Yusufi*. — 8842. Fat'h el-artáj fi aml el-rejráj, apertio portarum clausurarum de fabricando medicamento *Rejráj*, auctore Sheikh *Ali Ben Sa'd Ansári*.



- ذكره في شفاء الالم ٨٤٣ فتح اللد حسى وكفى في مولد المصطفى لبرهان الدين ابى الصفاء  
ابن ابى الوفاء الشافعى والد الكمال انحنفى ٨٤٤ فتح الالى في مطارحة التحلى في البيديعة  
للشيخ شيباب الدين احمد العطار ٨٤٥ فتح الامر المغلف في مسئلة الجهول المطلق رسالة  
لمولى احمد بن مصطفى المعروف بطاشكبرى زاده المتوفى سنة [٩١٩] اوله الحمد لله العالم  
5 انخبير بحقائق جميع الاشياء الخ ٨٤٦ فتح باب المواعب وبعية مطالب الطالب للشيخ  
ابى بكر بن سالم الحضرى المتوفى سنة اوله الحمد لله على جميع محامده ونشكره من صميم  
شكره الخ ٨٤٧ فتح الباب ورفع للحجاب رسالة للشيخ محمود الاسكدارى [المعروف بيندائى  
اندى] المتوفى سنة ١٠٣٨ اوله الحمد لمن له العظمة والكبرياء الخ وعى على ثلثة ابواب  
٨٤٨ فتح البارى في شرح البخارى مر في النجم ٨٤٩ فتح البائى بشرح الفية العراقى  
10 مر ٨٥٠ فتح التجليل ببيان حفى انوار التنزيل ٨٥١ فتح التجليل للبعد الذليل في

Tractatus, quem in *Shefá el-alem* commemorat. — 8843. Fat'h Allah hasbi we kefá, explicatio dicti coranici „Deus est sufficientia mea“ et „Deus satis est“ de nativitate prophetae electi, auctore *Borhán-ed-din Abu'safú Ibn Abú'lwehá* Shafiita, *Kemál-ed-dini* Hanefitae patre. — 8844. Fat'h el-alyi, apertio beneficentiae de propositione sermonis ornati. Carmen de arte ornate dicendi, auctore Sheikh *Shehab-ed-din Ahmed El-Attár*. — 8845. Fat'h el-amr el-moghlae, explicatio rei oclusae de quaestione ignoti absoluti, auctore Molla *Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Táshköprizádeh* dicto et anno [969 (inc. 11. Sept. 1561)] mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo scienti, veram omnium rerum naturam cognoscenti etc. — 5 8846. Fat'h báb el-mewáhib, apertio portae donorum et petitio rei desideratae studiosi, auctore Sheikh *Abu Bekr Ben Sálím Hadhri*, anno . . . mortuo. Incipit ita: Laus Deo pro omnibus ejus factis laudabilibus, et gratias ei agimus ex intimo grato animo ei praestando etc. — 8847. Fat'h el-báb we Raf'o el-hijáb, apertio portae et aulaei reductio, auctore Sheikh *Mahmúd Uskudári*, [vulgo *Hodáyi Efendi* dicto et] anno 1038 (inc. 21. Aug. 1628) mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus ei, cui magnificentia et excellentia est etc., et in tria capita dispositus est — 8848. Fat'h el-bári, victoria creatoris. Commentarius in *Bokhárí* opus *Jámí el-sahíh* inscriptum, de quo supra in litera *Jim* videatur. — 8849. Fat'h el-bácki, explicatio ejus quod reliquum est. Commentarius in *Alfiyam* ab *Irácki* editam. Vide supra. — 8850. El-Fat'h El-Jelíl, apertio illustris per expositionem eorum, 10 quae in opere *Anwár el-tenzil* obscura sunt. — 8851. El-Fat'h El-Jelíl, apertio

- انواع انبديعية المستخرجة من قوله تعالى الله ولى الذين آمنوا الآية لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ اوله الحمد لله الذى تفضل الخ وبعد فقد وقع الكلام في قوله تعالى الله ولى الذين آمنوا وقرته فيها بضعة عشر نوعا من البديع ثم وقع التامل فيها حتى جاوزت الاربعين ثم قدحت الفكر فلم يزل يستخرج وينمو الى ان وصلت مائة وعشرين نوعا وقت اردت تدوينها ٨٥٢ فتح الحى القيوم بشرح روضة القيوم وهى نظم نقاية السيوطى 5 ٨٥٣ فتح الخفى من فتح البلغى لعائشة بنت يوسف الدمشقية توثبت سنة مشتمل على كلمات لدنية ٨٥٤ الفتح الدانى للشيخ ابى العباس احمد بن محمد بن ابى بكر الخطيب القسطلانى المتوفى سنة ٩١٣ ٨٥٥ فتح الذخائر والاغلاقي في شرح ترجمان الاشواق سبق ٨٥٦ فتح الرحمن بشرح رسالة الولي رسلان في التوحيد مر ذكره ٨٥٧ فتح الرحمن بفصائل شعبان لنور الدين على بن سلطان محمد الهروي القارى المتوفى سنة [١٠٩١] ٨٥٨ فتح 10

- illustris servo submisso oblata de variis artis ornatè dicendi generibus, quae e dicto Corani divino „Deus est patronus eorum qui crediderunt“ etc. elicenda sunt, auctore *Jelâl-ed-din Soyûti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Orsus est ita: Laus Deo, qui benefacit etc. Deinde vero, cum mentio incideret de dicto divino „Deus est patronus eorum, qui crediderunt etc., et in eo decem figuras rhetoricas et quod excedit descripsissem, de iis cogitare continuavi, ut amplius quadraginta definirem. Tum rem mente agitare gnauiter perrexi, et perpetuo nova genera elicita et aucta sunt, ut centum viginti figuras eo tempore assecutus essem, quo de iis scribere volui. — 5 8852. Fat'h el-hayy el-cayyûm, victoria Dei vivi et sempiterni per commentarium operis *Raudhat el-fohûm*, quo titulo translatio metrica libri *Necâyet* a *Soyûti* editi significatur. — 8853. Fat'h el-khafi, apertio occulti ex expositione facundi, auctore *Aïsha* Damascena *Yusufi* filia, anno ... mortua. Comprehendit verba metaphysica. — 8854. El-Fat'h El-Dâni, victoria propinqua, auctore *Sheikh Abu'labbâs Ahmed Ben Mohammed Ben Abi Bekr El-Khatib El-Castelâni*, anno 923 (inc. 24. Jan. 1517) mortuo. — 8855. Fat'h el-dzakhâir we el-aghlâc, apertio thesaurorum et rerum clausurarum. Commentarius in *Terjemân el-ashwâc*, de quo supra videatur. — 8856. Fat'h el-rahman, victoria misericordis per commentarium in tractatum *Welî Raslân* de fide in unum Deum, de quo supra mentio 10 facta est. — 8857. Fat'h el-rahman bi fedhâil Shabân, victoria misericordis per virtutes praestantes mensis Shabân, auctore *Nûr-ed-din Ali Ben Sultân Mohammed Herewi* Corani Lectore, anno [1016 (inc. 18. Apr. 1607)] mortuo. — 8858. Fat'h



الرحمن بكشف ما يلتبس في القرآن للقاضي زكرياء بن محمد الانصارى المتوفى سنة [١٣١] اوله  
 انحمد له الذي نور قلوب العارفين بكتابه العظيم الخ وهو مختصر في ذكر آيات المتشابهات  
 المختلفة وغير المختلفة وفي اتموزج من اسئلة القرآن واجوبتها مأخذه كتاب الرازي وله  
 فيه بعض الحقايق ٨٨٥٩ فتح الرحمن في تفسير القرآن لناصر الدين محمد بن عبد الله بن  
 5 قرقماس مات سنة ٨٨٣ قال هو اجل مصنفاته ومختصره نثر الجمان المنتظم من فتح الرحمن  
 وفيه تفصيله فليقل ثمه ٨٨٦٠ فتح زين الخلم في شرح عين العلم وهو شرح مختصر الاحياء  
 لعلي القاري [المذكور آنفا] ٨٨٦١ فتح السماوي بتخريج احاديث البيضاوي سبق  
 ٨٨٦٢ فتح العزيز على كتاب الوجيز يأتي في الواو ٨٨٦٣ فتح على ابن الفتح ابن جني لابن  
 فورجه محمد بن حمد النحوي وكان حيا في حدود سنة ٤٢٧ ٨٨٦٤ فتح العين يأتي في  
 10 العين] ٨٨٦٥ فتح الغاسي وهو كتاب المبادئ والغايات يأتي ٨٨٦٦ فتح الفتاح في شرح

el-rahman, victoria misericordis per expositionem eorum, quae in Corano dubia  
 sunt, auctore Cadhi Zakariyá Ben Mohammed Ansári, anno [926 (inc. 23. Dec.  
 1519)] mortuo, qui ita orsus est: Laus Deo, qui corða scientium libro suo augusto  
 illuminavit etc. Compendium, ubi versus coranici similes discordantes et concordantes  
 describuntur, et exemplum quaestionum Corani et responsorum proponitur. Fons  
 ejus liber Rázfi est, cui nonnulla additamenta adjecit. — 8859. Fat'h el-rahman  
 fi tefsír El-Cor'an, victoria misericordis. Commentarius in Coranum, auctore  
 Násir-ed-din Mohammed Ben Abdallah Ben Carcamús, anno 882 (inc. 15. Apr. 5  
 1477) mortuo. Hic, inquit, illustrissimus ejus librorum est, atque epitome Nathr  
 el-jomán el-montetzam min Fat'h el-rahman, quae illum per singulas partes  
 describit, inscripta est. Assumas inde, quae ibi corrassa sunt. — 8860. Fat'h  
 zein el-hilm, apertio ornamenti intelligentiae. Commentarius in librum Ain el-ilm,  
 qui commentarius est epitomae operis Ihyá, auctore Ali Corani Lectore [modo  
 laudato]. — 8861. El-Fat'h El-Semáwi, victoria coelestis per traditiones  
 Beidhávii elicita. Vide supra. — 8862. Fat'h el-azíz, auxilium libri singularis  
 libro Wejíz allatum, de quo in litera Wáv dicetur. — 8863. El-Fat'h ala Ibn-  
 elfat'h, auxilium Ibno el-fat'h Ibn Jeni allatum, auctore Mohammed Ben Hamd  
 Grammatico, vulgo Ibn Furjeh dicto, qui circa annum 427 (inc. 5. Nov. 1035) vixit. —  
 8864. Fat'h el-ain, apertio oculi. Vide infra [sub Kitáb el-ain]. — 8865. Fat'h 10  
 el-ghási, expositio obscuri. Idem liber El-Mebádi ve El-Gháyát inscribitur.  
 Vide infra. — 8866. Fat'h el-fettáh, apertio aperientis. Commentarius in

- الكافية يأتي ٨٦٧ فتح في تأويل ما صدر عن الكل من الشطخ للشيخ عبد الوهاب بن  
 احمد الشعرائي [المتوفى سنة ٩٧٣] مختصر اوله الحمد لله رب العالمين مقيص ما يشاء من  
 اسراره الخ ٨٦٨ فتح في التداوي من جميع الامراض والشكاوي لابي سعيد ابراهيم المغربي  
 مختصر في مفردات الادوية على النجد اول كتقويم الادوية اوله ان اولي ما افتتح به الخطاب  
 الخ وجعل كل جدول منها طولا الى ستة اقسام وجميع ما ذكره فيينا من الادوية الى خمسين 5  
 واربعمئة ٨٦٩ فتح القدسي في آية انكرسى للشيخ الامام برهان الدين ابراهيم بن عمر  
 البقاعي اوله الحمد لله الذي وسع كرسيه السموات الخ ذكر فيه مناسباته ومدحه وكتاب مساعد  
 النظر لمجمع مميزاتة وفرغ في شعبان سنة ٨٧٩ بالقاهرة ٨٧٠ فتح القدسي يأتي في القاف  
 لانه سمي القدح القسي ٨٧١ فتح القدير في التفسير لابن جبارة احمد بن محمد بن عبد  
 الولي المقدسي [المتوفى سنة ٧٢٨] ٨٧٣ فتح القدير لعاجز الفقير يأتي في الهداية وهو شرح 10

- grammaticam *Káfiye*, de qua infra videatur. — 8867. Fat'h fi tawíl ma sadara  
 an el-kamal min el-shat'h, apertio. Expositio allegorica eorum, quae ex ebrietate  
 plena proveniunt, auctore Sheikh *Abd-el-vehháb Ben Ahmed Sha'rání*, [anno 973  
 (inc. 29. Jul. 1565) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo mundorum  
 domino, qui secreta quae vult communicat etc. — 8868. El-Fat'h fi el-tedáwi,  
 apertio de curatione propria ab omnibus morbis et infirmitatibus, auctore *Abu Said  
 Ibráhim Mughribi*. Compendium de remediis simplicibus per tabulas dispositis ad  
 modum libri *Tecwím el-adwiyet*, quod ita incipit: Optimum certe, quo oratio  
 5 aperitur etc. Singulas tabulas per longitudinem in sex partes divisit, et omnia remedia,  
 quae ibi describuntur, quadringenta quinquaginta sunt. — 8869. El-Fat'h El-  
 Codsí, explicatio sancta de versu throni, auctore Sheikh et Imám *Borhán-ed-dín  
 Ibráhim Ben Omar Becái*. Incipit ita: Laus Deo, qui thronum suum per coelos  
 extendit etc., et describit omnes ejus versus analogicos eumque laudat, et liber *Mesáúid  
 el-nazár* inscriptus ejus difficultates obscuras complectitur. Absolvit Cahirae mense  
 Shabán anni 879 (inc. 18. Mai. 1474). — 8870. El-Fat'h El-Codsí, expugnatio  
 Hierosolymorum. Vide literam *Cáf*, nam liber *El-Cadh El-Cossí* inscribitur. —  
 8871. Fat'h el-cadí r fi el-tefsír, victoria potentis. Commentarius in Coranum,  
 10 auctore *Ahmed Ben Mohammed Ben Abd-el-weli Mocaddesi*, vulgo *Ibn Jobára* dicto  
 [et anno 728 (inc. 17. Nov. 1327) mortuo]. — 8872. Fat'h el-cadí r lil-ájjiz  
 el-fackír, victoria potentis debili pauperi allata. Commentarius *Ibn-elhemmámi* in



- لابن الهمام ٨٧٣ فتح القريب في حواشي مغنى اللبيب يأتي ٨٧٤ فتح القريب في سيرة  
 الحبيب منظومة للقاضي فتح الدين محمد بن ابراهيم بن الشهيد المتوفى سنة ٧١٣  
 ٨٧٥ فتح القريب المجيب في شرح كتاب الترتيب وهو ترتيب كتاب المجموع المذكور في  
 الميم يأتي ٨٧٦ فتح الكنوز الحرفية وفك الرموز العددية ٨٧٧ فتح اللطيف في اسرار  
 5 التصريف للشيخ علوان علي بن عطية الحموي المتوفى سنة [٩٣١] رسالة مشتملة على اسرار  
 مسائل نحوية من الاجرومية ٨٧٨ فتح المبين في ذكر جملة من اسرار الدين رسالة في  
 اركان الخمس للاسلام للشيخ عبد الوهاب بن احمد الشعرائي المتوفى سنة [٩٧٣] ٨٧٩ فتح  
 المبين في مدح الامين قصيدة ميمية في البديع لعائشة بنت احمد بن ناصر الدين الباعوني  
 الباعونية ماتت سنة اولها

في حسن مطلع الاقمار بذى سلم

10

اصبحت في زمرة العشاق كالعلم

opus *Hidāyet*. — 8873. *Fat'h el-carib, victoria propinqui*. Glossae in *Mughni el-lebib*, de quo infra videatur. — 8874. *Fat'h el-carib, victoria propinqui de vita prophetae dilecti*. Carmen, auctore Cádhi *Fat'h-ed-din Mohammed Ben Ibráhim Ben-elshehid*, anno 793 (inc. 9. Dec. 1390) mortuo. — 8875. *Fat'h el-carib el-mojib, victoria propinqui respondentis*. Commentarius in librum *Tertib*, qui dispositionem operis *Mejnu'* continet, de quo in litera *Mim* mentio fiet. — 8876. *Fat'h el-konúz el-harfiyet, apertio secretorum in literis absconditorum et solutio aenigmatum numeris propriorum*. — 8877. *Fat'h el-latíf fi asrár el-tesríf*, 5 *victoria benigni de arcanis doctrinae flexionum grammaticalium*, auctore Sheikh *Ali Ben Atiya Hamawi*, vulgo *Alawún* dicto et anno [936 (inc. 5. Sept. 1529)] mortuo. Tractatus, qui arcana quaestionum grammaticarum e grammatica *Ejrumiya* continet. — 8878. *El-Fat'h El-Mobín, expositio clara de descriptione summae arcanorum religionis*. Tractatus de quinque fidei islamicae fundamentis, auctore Sheikh *Abd-el-wehháb Ben Ahmed Sha'rání*, anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortuo. — 8879. *El-Fat'h El-Mobín, expositio clara de laude fidelis*. *Casida* de arte ornatè dicendi in *Mim* desinens, auctore *Aisha Báúníya*, filia *Ahmedis Ben Násir-ed-din Báúni*, anno ... mortua. Incipit ita:

10

In regione amoena *Dzu Selem*, ubi lunae bellissime oriuntur,

Mane fui in agmine amantium signiferae instar.

ثم شرحتها شرحًا لطيفًا أوله الحمد لله مكلّي جواد الافهام بعفود مدح الشقيع الخ قالت  
 وبعد فيه قصيدة صادرة عن ذات قناع شاهدة بسلامة الطباع سافرة عن وجوه البديع سامية  
 بمدح الحبيب الشقيع الخ اتمتها في رمضان سنة ٩١٣ ٨٨٠ فتح المبين في مدح شقيع المذنبين  
 لعبد العزيز بن علي المكي الزمزمي المتوفى سنة [٩١٣] ٨٨٠ فتح المتعال في وصف النعال  
 للشيخ الاديب احمد بن محمد المغربي المقرئ نزيل مصر المتوفى سنة [١٠٤١] قال الشهاب رأيت 5  
 في صفات نعل النبي صعلم وهو مصنف [حسن] انشدني في وصفه اشعار كثيرة لادباء المغرب الخ  
 ٨٨٢ فتح المعاني في شرح المعنى في الاصول يأتي ٨٨٣ فتح المدبر للعاجز المقصر في  
 علم القضاء للشيخ محمد بن ابراهيم بن احمد السميدي الكنفي فرغ عنه في المحرم سنة  
 ٩١٤ مختصر اوله اما بعد حمد الذي لا فوز الا في طاعته الخ ذكر فيه قواعد الاشباه  
 واورد في اثباته مباحث الشروط والحكم ٨٨٤ فتح مسالك الرموز في شرح مناسك الكثر 10

Tum in eam commentarium composuit elegantem, qui ita incipit: Laus Deo, qui  
 mentes egregias monilibus laudis intercessoris ornavit etc. Deinde vero, inquit, haec  
*Casida* auctorem habet feminam calantica indutam et indolis integrae testem, vultus  
 orationis ornatioris reagentem, laude prophetae dilecti et intercedentis elatam etc.  
 Absolvit eam mense Ramadhán anni 922 (inc. 5. Febr. 1516). — 8880. El-Fat'h  
 El-Mobín, expositio clara de laude ejus, qui pro peccatoribus intercedit, auctore  
*Abd-el-aziz Ben Ali Mekki Zemzemi*, anno [963 (inc. 16. Nov. 1555)] mortuo. —  
 8881. Fat'h el-moteáli, victoria superbientis de descriptione solearum, auctore  
 5 Sheikh philologo *Ahmed Ben Mohammed Maghribi Macarri* Cahirae inquilino, anno  
 1041 (inc. 20. Jul. 1631) mortuo *Sheháb-ed-dín*: Vidi, inquit, librum agere de  
 calcei prophetae qualitatibus, et opus [pulchrum] est, quod me carmina multa virorum  
 Occidentis literarum studiosorum de illius descriptione docuit etc. — 8882. Fat'h  
 el-mojni, expositio carpentis. Commentarius in librum *Mughni* de principiis, de  
 quo infra videatur. — 8883. Fat'h el-modabbir, expositio rectoris prudentis  
 impotenti et imbecillo oblata de scientia judicis ferendi, auctore Sheikh *Mohammed*  
*Ben Ibráhim Ben Ahmed Semidevi* Hanefita, qui mense Moharrem anni 921 (inc.  
 15. Febr. 1515) absolvit. Compendium, quod ita incipit: Praemissis praemittendis.  
 Laudetur Deus, in cujus obedientia sola felicitas quaerenda est etc. Describit ibi  
 10 regulas casuum similium fundamentales, et ad doctrinam probandam quaestiones  
 conditionum et statutorum proposuit. — 8884. Fat'h mesálik el-ramz, apertio  
 viarum aenigmaticarum. Commentarius in opus *Menásik el-kanz*, de quo infra



يأتى ٨٨٥ فتح المستجد في فتح بغداد مختصر للشيخ محمد [بن] علان المكي ألفه سنة ١٠٤٨ ٨٨٦ فتح المطلب المبرور ويرد الكبد الحورور في الجواب عن أسئلة الواردة من التكرور لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ذكره في حوايه تماماً ٨٨٧ فتح المغالف من انت طالف لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ذكرها في حوايه تماماً ٨٨٨ فتح ٥ المغلف في حزب الفتح مر في الحام ٨٨٩ فتح المغيث في شرح القبة الحديث مر ٨٩٠ فتح مفرج الكرب في مختصر شرح المنفرجة يأتى ٨٩١ فتح المنان في تخميس رأئية الشيخ علوان للشيخ زين الدين عمر بن احمد الشماع الحلبي [المتوفى سنة ١٣٣١] مطلعها  
يا طالب الوصال بادر

واخرج عن الكون ثم سافر

٨٩٣ 10 فتح المنان في تفسير القرآن كبير [في اربعين مجلداً] للعلامة قطب الدين محمود

videatur. — 8885. El-Fat'h el-mostejád, expositio probata de expugnatione urbis Baghdád. Compendium, auctore Sheikh Mohammed [Ben] Allán Mekki, qui anno 1048 (inc. 5. Mai. 1638) scripsit. — 8886. Fat'h el-matlab el-mebrúr, apertio desiderii pii et refrigeratio jecoris calidi. Responsum ad quaestiones ex urbe *Tecrúr* missas, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Dissertatio tota ejus libro *Háwi* inserta est. — 8887. Fat'h el-meghálic min Anta tálic, expositio difficultatum formulae: „Tu repudio dimissa es,“ auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Eam totam libro *Háwi* inseruit. — 8888. Fat'h el-moghlaac, expositio obscuritatis. Commentarius in 5 opus *Hizb el-fat'h*, de quo supra in litera *Há* dictum est. — 8889. Fat'h el-moghíth, expositio opem ferentis. Commentarius in opus *Alfiyet el-hadith*, de quo supra videas. — 8890. Fat'h moferrij el-karb, expositio ejus qui moerorem depellit. Epitome commentarii in carmen *Monferijet*, de quo infra dicitur. — 8891. Fat'h el-mennán, revelatio benefici de *Casida Ráiyet* Sheikh *Alawán* quinquies aucta, auctore Sheikh *Zein-ed-dín Omar Ben Ahmed El-Shemmú' Halebi*, [anno 936 (inc. 5. Sept. 1529) mortuo]. Distichon primum carminis hoc est:

O Tu qui consortium quaeris propera

Et mediis e rebus creatis prodi. Tum viam legis intra.

8892. Fat'h el-mennán fi tefsír El-Cor'an, revelatio benefici. Commentarius 10 in Coranum magnus [quadraginta voluminum], auctore viro doctissimo *Cotb-ed-din*

- ابن مسعود الشيرازى المتوفى سنة ٧٠٠ هـ والمعروف بتفسير العلامى ٨١٣ فتح المواعى فى مناقب الشاطبى للشيوخ اى العباس احمد بن محمد القسطلانى المتوفى سنة ٩٣٣ اوله الحمد لله الذى فضل بفضله من اختاره الخ ٨١٤ فتح نامه فارسى منظوم للشيوخ حسن الاصفهانى المتوفى سنة ٨١٥ فتح المقوص فى شرح العروض مر ٨١٩ فتح الوصيد فى شرح القصيد اى الشاطبية مر ٨١٧ فتح الوهاب بشرح الآداب للقاضى زين الدين زكرياء بن محمد 5 الانصارى المتوفى سنة ٩٢٩ ٨١٨ فتح الوهاب فى فضائل الال والاصحاب للشيوخ عبد الوهاب ابن احمد الشعرانى [المتوفى سنة ٩٧٣] اثبت فيه الخلافة للخلفاء الاربعة على الترتيب الواقع وذكر فى اوله مقدمة جامعة لبيان الطريقة النافعة وختم بذكر بعض فضائل البيت تاركاً فى الكل التعصب الباطل اوله الحمد لله الذى منحنا معشر اهل السنة بالسنة الخ وذكرهم فى اربعة ابواب ٨١٩ فتح الوهاب فيما خالف فيه الشيخين اى الرافعى والنووى صاحب العباب 10

- Mahmūd Ben Mes'ūd Shirāzi*, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. Vulgo *Tefsir El-Allāmi* inscribitur. — 8893. *Fat'h El-Mewāhibi*, revelatio dona dantis de virtutibus *Shātibī* praestantibus, auctore Sheikh *Abu'labbas Ahmed Ben Mohammed Castelani*, anno 923 (inc. 24. Jan. 1517) mortuo. Incipit ita: Laus Deo qui quae eligit beneficentia sua distinguit etc. — 8894. *Fat'h-nāmeḥ*, liber victoriae. Carmen persicum, auctore Sheikh *Hasan Isfahāni*, anno ... mortuo. — 8895. *Fat'h el-nocūdḥ*, expositio contradictionum. Commentarius in opus *Arūdḥ*, de quo supra videatur. — 8896. *Fat'h el-wesid*, apertio liminis domus. Commentarius in 5 *Casidam Shātibiyet*, de qua supra dictum est. — 8897. *Fat'h el-wehhāb bi sharḥ el-adāb*, revelatio largitoris liberalis per expositionem honorum morum, auctore *Cādhi Zein-ed-dīn Zakariyā Ben Mohammed Ansāri*, anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuo. — 8898. *Fat'h el-wehhāb*, revelatio largitoris liberalis de virtutibus familiae prophetae et sociorum praestantibus, auctore Sheikh *Abd-el-wehhāb Ben Ahmed Sha'rāni*, [anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortuo]. Probare studet, justum esse ordinem, quo Khalifae quatuor prophetae successerint, et ab initio praefationem habet amplam ad modum probationis utilem exponendum, et desinit in describendis nonnullis familiae prophetae meritis, ita ut ubique vanum partium studium evitaret. Incipit ita: Laus Deo, qui nobis consortium asseclarum Sunnae 10 per Sunnam concessit etc., eosque in quatuor capitibus recenset. — 8899. *Fat'h el-wehhāb*, revelatio largitoris liberalis de iis, in quibus auctor libri *El-Obāb*



وهو صفي الدين احمد بن عمر للشيخ محمد بن الحسين الزبيدي النهاري المتوفى سنة ٩٠٧.  
 ٨٩. فتحة رسالة في الهيئة البسيطة للمولى علاء الدين علي بن محمد المعروف بقوشجي  
 المتوفى سنة ٨٧٩ وهي رسالة نافلة ألفها لما ذهب مع السلطان محمد خان الى مكاربة الحسن  
 التلويل شرحها المولى سنان الدين يوسف المشهور بعلامة سنان قال في الشفايف وهو من  
 5 تلامذة المصنف وهو شرح نافع لكنه ليس من علماء هذا الفن فلم يقدر على الشرح كما  
 ينبغي كذا في الموضوعات وميرم جلي الموسوم بمحمود بن محمد بن بنت المؤلف [مات  
 سنة ٩٣١] حين قرأها المولى طاشكبري زاده عليه ٩١٠ فتحة في الموسيقى لمحمد بن عبد  
 المجيد اللاذقي اوله الحمد لله الذي اذقنا حلاوة الحان عنادل ورد جماله الخ ذكر فيه  
 انه آلفه في أوائل فتوح السلطان بايزيد بن محمد خان واحداه اليه وهو من المتوسطات  
 10 في هذا الفن رتب على مقدمة وطرفين ذكر في المقدمة فصولا ثلاثة وذكر في الطرف  
 الاول التأليف وفي الثاني الايقاع ٩١٢ انقن بين قيس ويمن مختصر اوله الحمد لله

*Safi-ed-din Ahmed Ben Omar* cum duobus *Sheikhis Ráfi et Newewi* dissentit, auctore *Sheikh Mohammed Ben-elhosein Zebidi Nehári*, anno 970 (inc. 31. Aug. 1562) mortuo. — 8900. *El-Fat'híyet*, tractatus vincens de astronomia simplici. Tractatus utilis, quem *Molla Alá-ed-din Ali Ben Mohammed*, vulgo *Cushji* dictus et anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuus, composuit, quum cum Sultano *Mohammed Khán* ad bellum contra *Hasan Longum* iret. Commentarium in eum *Molla Sinán-ed-din Yusuf*, vulgo *Alláma Sinán* dictus, scripsit, quem auctor libri *Shecaic* discipulum auctoris fuisse dicit. Commentarius utilis est, ejus auctorem tamen viris 5 hujus doctrinae peritis non accensendum putamus, cum justam et commodam expositionem dare nequiret. Ita in *El-Mandhúat* legitur. Praeterea *Mirem Jelebi*, vulgo *Mahmúd Ben Mohammed* dictus, qui filius filiae auctoris fuit [et anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) obiit], commentarium scripsit tempore, quo *Molla Tashköprizádeh* eo praeside tractatum legebat. — 8901. *El-Fat'híyet*, tractatus vincens de arte musica, auctore *Mohammed Ben Abd-el-mejid Ládziki*. Incipit ita: Laus Deo, qui nobis dulcedinem modulationum lusciniarum rosae pulchritudinis suae gustandam dedit etc., seque initio victoriarum Sultani *Báyezíd Ben Mohammed Khán* scripsisse et illi obtulisse librum narrat, qui ad medios hujus generis pertinet. Eum in prae- 10 fationem et duas particulas disposuit; praefationi tres dedit sectiones, et in prima particula de compositione, in secundo de casu tonorum agit. — 8902. *El-Fiten bein Cais we Yemen*, belli tumultus inter tribum *Cais* et Yemenenses. Compendium,

- الذى نهى عن اتباع الهوى الخ ٨٩.٣ فتوحات الربانية لابي محمد [عبد الله بن عبد  
 الله] المرجاني المتوفى سنة [٩٩٩] ٨٩.٤ فتوحات الربانية على الاذكار النووية مر ٨٩.٥ فتوحات  
 سليمان منظومة بالتركي لشكري من علماء الاكراد ٨٩.٦ فتوحات سليمانية انشا الحزيري  
 الشاعر ٨٩.٧ فتوحات الشام للواتدي. نظمها محمد بن محمود بن آجا [بالتركي] في اثني  
 عشر الف بيت ولاثي حذيفة اسحاق بن بشر القرشي وصنف ابو محمد احمد بن اعثم 5  
 الكوفي المتوفى سنة ١٠٣ ترجمه احمد بن محمد المستوفي المتوفى سنة بالفارسية  
 ٨٩.٨ فتوحات الصيام في التصوف للسلطان مراد بن سليم خان العثماني المتوفى سنة ١٠٣ قال  
 النوي في تاريخ تأليفه فتوحات ملوكي سنة ١٠١ ٨٩.٩ فتوحات الغيبية في تدبير الارواح  
 للكبيرة مختصر في الاكسير اوله للامد ولد البديع الوهاب الخ رتب على ابواب وفضول للشيخ عبد  
 الكريم بن يحيى بن عثمان المراكشي ٨٩.١٠ فتوحات في الجفر لشكر الله الشرواني اوله للحمد 10

- quod ita incipit: Laus Deo, qui a sequendis cupiditatibus retinet etc. — 8903. El-Fotúhát El-Rebbáníyet, revelationes divinae, auctore *Abu Mohammed [Abdallah Ben Abdallah] Merjáni*, anno [699 (inc. 28. Sept. 1299)] mortuo. — 8904. El-Fotúhát El-Rebbáníyet, revelationes divinae ad preces *Newewfi*. Vide supra. — 8905. Fotúhát Selímíyet, victoriae *Selimi*. Poema turcicum a *Shukri*, qui vir quidam doctus Curdorum fuit, compositum. — 8906. Fotúhát Soleimáníyet, victoriae *Sqleimáni*. Comte eas descripsit *Hariri* poeta. — 8907. Fotúhát El-Shám, expugnationes Syriae a *Wáckidi* compositae, quas *Mohammed Ben Mahmúd Ben Ajá* [turcice] in duodecim versuum millibus reddidit. Easdem *Abu Hodzeifa Is'hac Ben Bishr Coreshi* descripsit, et *Abu Mohammed Ahmed Ben A'them Kufi*, anno 1003 (inc. 6. Sept. 1504) mortuus, cujus librum *Ahmed Ben Mohammed Mostaufi*, anno . . . mortuus, persice transtulit. — 8908. Fotúhát el-siyám, revelationes jejunii de theosophia, auctore Sultán *Murád Ben Selím Khán Othmání*, anno 1003 (inc. 6. Sept. 1594) mortuo. *Nauí* ad tempus compositionis significandum verbis *Fotúhát Molúki* usus est, quae annum 1001 (inc. 28. Sept. 1592) significant. — 8909. El-Fotúhát El-Gheibíyet, revelationes secretae de spiritu philosophorum regimiae. Compendium de lapide sapientum, quod ita incipit: Laus Deo, creatori liberali etc., et in capita et sectiones divisum est, auctore Sheikh *Abd-el-kerím Ben Yahya Ben Othmán Merákeshi*. — 8910. El-Fotúhát fi el-jefr, revelationes artis e tabula *Jefr* divinandi, auctore *Shukrallah Shirwáni*. Incipit liber



للدنّى اودع فى قلوب اوليائه الخ رتب على مقدّمة وثلاث مقالات مقدّمة فى اوضاع علم  
 الجفر المقالة الاولى فى احوال العالم اثنتا عشرة فى احوال الامام وزمان خروجه الثالثة فى احوال  
 الدولة العلية ١١١٤ فتوحات المدينة المنورة للشيخ محمى الدين عبد القادر بن محمد  
 الشهير بقضيب البان المتوفى سنة ١٠٤٠ هـ فى مجاورته بها فى حدود سنة ١٠١٣ هـ [الفتوحات  
 المرادية فى الجهات اليمانية للشيخ عبد الله بن صلاح بن داود بن على بن داوى وهو كتاب  
 كبير جدا فى غاية البلاغة انقيا للسلطان مراد خان الثالث قال فى آخرها كان الفراغ من  
 تأليفها فى سنة عشر بعد الالف بدأ فيها من اول الخليفة الى سنة اربع والى ذكر فيها  
 وقائع الدنيا ودولهم واخبارهم مفصلا مبسوطة] ١١١٣ فتوحات مصر للشيخ الاكبر المذكور  
 ذكره الشعرانى فى الكبريت ١١١٤ الفتوحات المكيّة فى معرفة اسرار المالكيّة والملكيّة مجتدات  
 10 للشيخ محمى الدين محمد بن على المعروف بابن عربى الطائى المالكى المتوفى سنة [١١٣٨] من

ita: Laus Deo, qui in cordibus sanctorum suorum deposuit etc., et in praefationem  
 et tres dissertationes distributus est. Praefatio de positionibus artis *Jefr* agit, disserta-  
 tio prima de iis, quae mundum spectant, secunda de iis, quae Imamum *Mehdi* et  
 tempus spectant, quo prodibit, tertia de iis, quae imperium sublime spectant. —  
 8911. Fotúhát El-Medínet El-Monewweret, expugnationes Medinae illumi-  
 natae. Sheikh *Mohyi-ed-din Abd-el-cádir Ben Mohammed*, vulgo *Cadhíb el-bán*  
 dictus et anno 1040 (inc. 31. Jul. 1630) mortuus, scripsit, cum circa annum 1010  
 (inc. 22. Jun. 1601) ibi religionis caussa commoraretur. — 8912. [El-Fotúhát  
 El-Murádiyét, expugnationes Sultani *Murád* in tractibus Yemenensibus. Liber 5  
 admodum magnus, quem Sheikh *Abdallah Ben Saláh Ben Dawud Ben Ali Ben Dái*  
 Sultano *Murád Khán III.* disertissime composuit; et ad finem narrat, compositionem  
 anno 1010 (inc. 22. Jun. 1601) finitam esse. Proficiscitur ibi ab initio creationis  
 usque ad annum 1004 (inc. 27. Aug. 1595), et eventa terrae, dynastias earumque  
 historiam per singulas partes et amplissime describit]. — 8913. El-Fotúhát El-  
 Misríyét, revelationes Aegypti, auctore Sheikh illo maximo laudato. *Sha'rání*  
 librum in *El-Kibrít* commemorat. — 8914. El-Fotúhát El-Mekkiyét, revela-  
 tiones Mekkanae de cognitione arcanorum *Málikitarum* et *Melekitarum*. Plura  
 volumina, auctore Sheikh *Mohyi-ed-dín Mohammed Ben Ali Táyi* *Malikita*, vulgo 10  
*Ibn Arabi* dicto et anno [638 (inc. 23. Jul. 1240)] mortuo. In maximis ejus libris

اعظم كتبه وآخرها تأليفاً قال فيه كنت نويت الحج والعمرة فلما وصلت أم القرى اقام الله سبحانه وتعالى في خاطري ان اعرف الولى بقنون من المعارف حصلتها في غيبتي وكان الاغلب هذه ما فتح الله سبحانه وتعالى على عند طوافي ببيته المكرم وقال في الباب الثامن والاربعين واعلم ان ترتيب ابواب الفتوحات لم يكن على اختيار ولا عن نظر فكري وانما الحذف تعالى يملئ لنا على لسان ملك الالهام جميع ما نسطره وقد نذكر كلاماً بين كلامين لا تعلق له 5 بما قبله ولا بما بعده وذلك شبيهه بقوله سبحانه وتعالى حافظوا على الصلوة والصلوة الوسطى بين آيات طلاق ونكاح وعدة ووفاة وقال واعلم ان جميع ما انكلم فيه في مجالسي وتصانيفي انما هو من حضرة القرآن وخزانته فاني اعطيته مفاتيح القيم والامداد منه انتبهي وفي اوله مقدمة في فهرسه ذكر فيه خمسمائة وستون باباً والباب التاسع والخمسون وخمسمائة منه باب عظيم جمع فيه اسرار الفتوحات كلها وجد بخطه في آخر الفتوحات وكان الفراغ من هذا 10 الباب في شهر صفر سنة ٦٢٩ وقد اختصره الشيخ عبد الوهاب بن احمد الشعراني [المتوفى سنة ٩٠٣]

hic numeratur, et ultimus est, quem composuit. Cum, inquit, Mekkam proficisci in animum induxissem et sacra ibi visitare et urbem illam augustissimam pervenissem, Deus laudatus et excelsus in mentem mihi injecit, ut fratres sanctos cognitiones illas diversas edoceram, quas in contemplatione interiore defixus accepi, et earum gravissimae illae fuerunt, quas Deus excelsus mihi aperuit, cum templum sanctum circumirem. Capite quadragesimo octavo: Scias, inquit, capitum Revelationum dispositionem non ex delectu meo neque re mente diligenter agitata factam esse, sed Deum verum per linguam angeli inspirationis quae descripsimus omnia dictasse.

5 Interdum inter duas disputationes inseruimus aliam, quae minime neque ad praecedentia neque ad sequentia spectat, id quod similitudinem habet verbi divini: „Accurati estote super orationes (quinque) et orationem mediam;“ hic versus enim inter versus de concubitu, divortio, temporis spatio, quo rem cum muliere habere nefas est, et morte legitur. Tum dicit: Scias, de quibus in consessibus meis et scriptis disserui, omnia e Corano illustri tantum ejusque thesauris sumta esse; mihi enim claves ejus intelligentiae et viae auxilium inde petendi a coelo sunt concessae. — Haec ille. — Ab initio praefationem posuit de libri indice, ubi quingenta sexaginta capita recenset,

10 et caput quingentesimum quinquagesimum nonum magnum est, ubi arcana Revelationum omnia collegit, et ad finem libri *Fotúhát* haec ejus manu scripta leguntur: Caput hoc ad finem perductum est mense Safer anni 629 (inc. 29. Oct. 1231). Sheikh *Abd-el-wehháb Ben Ahmed Sha'rání*, [anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortuus], ejus



وسماه لواقع الانوار القدسيّة المنتقاة من الفتوحات المكيّة وثرغ في نى الحاجة سنة ٩١. ثم  
لخص ذلك التلخيص ثانياً وسماه كبريت الاحمر من علوم الشيخ الاكبر ذكر فيه ان جماعة  
من مشايخ عصره بمصر سألوا اختصاره بمعنى اتى احذف ليم منه كلما لا تمس الحاجة اليه  
من المسائل لا بمعنى تقليل اللفظ وتكثير المعنى فاجاب ولم يخرج عن ترتيب الشيخ على  
5 خمسمائة وستين باباً قال الشعراى في مختصر الفتوحات وقد توقفت حال الاختصار في مواضع  
كثيرة منه لم يظهر لى موافقتها لما عليه اجل السنة [والجماعة] فحذنتها من هذا المختصر  
وربما سهوت فتبعته ما في الكتاب كما وقع لليبصارى مع الزمخشري ثم لم ازل كذلك اظن  
ان المواضع التي حذنت ثابتة عن الشيخ محيي الدين حتى قدم علينا الاخ العالم الشريف  
شمس الدين [السيد محمد بن السيد] بن ابي الطيب المدنى سنة ١٥٥ فذاكرته في ذلك فاخرج  
10 لى نسخة من الفتوحات التي قابلها على النسخة التي علينا خط الشيخ محيي الدين [نفسه]  
بقونية فلم ار فيها شيئاً مما توقفت [فيه] وحذنته فعلمت ان النسخ التي في مصر الآن كلها

epitomen, *Lewáchih el-anwár el-codsiyet el-muntecát min El-Fotúhát El-Mekkiyet*  
inscriptam, fecit, et mense Dzi'lhijjet anni 960 (inc. 18. Dec. 1552) absolvit. Tum  
meliora hujus epitomae iterum selecta edidit, eaque *El-Kibrit El-Ahmar min olúm*  
*El-Sheikh El-Akbar* inscripsit. Ibi: Plures, ait, temporis Sheikhi Aegyptii ut  
epitomen in brevius ita contraherem petierunt, ut in eorum commodum omnes  
quaestiones inde reciderem, quibus cura non impendenda esset, non ita, ut verbis  
diminutis argumentum augetur. Votis eorum satisfecit, attamen a dispositione  
Sheikhi in quingenta sexaginta capita non recessit. *Sha'rání* in epitome Revelationum: 5  
Certe, ait, cum in epitome conficienda occupatus essem, in multis locis haerebam,  
quorum concordia cum iis, quae Sunnitae [et Mohammedani orthodoxi] censent, non  
satis clara erat. Ea ex hac epitome recidi, et saepe in errorem incidi, ut quae in  
archetypo legebantur ea sequerer eadem ratione, quae inter *Beidhári* et *Zamakhsheri*  
intercessit. Jam vero ita semper mihi persuasi, locos a me recisos firma Sheikhi  
*Mohyi-ed-dín* auctoritate niti, donec frater doctus et nobilis *Shems-ed-dín* [*Seyyid*  
*Mohammed Ben-elseyyid*] *Ben Abiltayyib Medeni* anno 955 (inc. 11. Febr. 1548) ad  
me venit, quocum ea de re disputavi. Quo facto exemplum Revelationum mihi 10  
monstravit, quod cum Iconiensi contulerat, cui Sheikh *Mohyi-ed-dín* [ipse] plura  
adscripterat. Ibi eorum locorum nullum vidi, in quibus haeseram et quos ab epitome  
excluseram; unde comperi, exemplaria in Aegypto nunc usitata ex exemplo esse

كتبت من نسخة التي نسوا على الشيخ فيها ما يخالف عقائد أهل السنة والجماعة كما وقع له ذلك في كتاب الفصوص وغيره وقد اطلعني الاخ الصالح السيد الشريف المدني على صورة ما رآه مكتوباً بخط الشيخ محيي الدين وغيره على النسخة التي وقفها الشيخ في قونية وهو هذا وقف محمد بن علي ابن عربي الطائي هذا كتاب على جميع المسلمين وفي آخره وقد تم هذا الكتاب على يد منشئه وهو النسخة الثانية منه بخط يدي وكان الفراغ 5 منه بكرة يوم الاربعاء الرابع والعشرين من شهر ربيع الاول سنة ٦٣٦ وكتبه منشئه ذال السيد وهذه النسخة في سبعة وثلاثين مجلداً وفيها زيادات على النسخة الاولى التي دس الملاحدون فيها العقائد الشنيعة قال وفي ظهره ترجمة اسم الكتاب بخطه وتحتته بخط الشيخ صدر الدين القونوي انشأ مولانا شيخ الاسلام وصقوة الانام محيي الدين ابن عربي وتحتته رواية مالك هذه المجلدة محمد بن اسحق القونوي وتحتته ايضا بخط الشيخ صدر الدين رواية محمد بن 10 ابي بكر بن ميذار التبريزي سماعاً منه انتقل الى خادمه وربيب لطفه محمد بن اسحاق في شهر

descripta, cui contra Sheikhum clam inseruerant, quae articulis fidei Sunnitarum et orthodoxorum contraria essent, quemadmodum ei in libro *Fosús* aliisque acciderat; et pariter frater sincerus El-Seyyid El-Sherif *Medeni* mihi formam scripturae eorum cognoscendam proposuit, quae manu Sheikhi *Mohyi-ed-din* aliorumque exemplo adscripta viderat, quod Sheikh Iconii in pios usus legaverat. Adscripta enim sunt haec: Legavit *Mohammed Ben Ali Ibn Arabi Táyi* hunc librum omnibus Moham- 5 medanis — et ad finem: Finitus est hic liber manu auctoris sui, et hoc secundum operis exemplum est, quod manu mea scripsi. Absolutum est matutino tempore feriae quartae, die scilicet vicesimo quarto mensis Rebî I. anni 636 (inc. 14. Aug. 1238), et auctor ipse hoc scripsit. *El-Seyyid* hoc exemplum triginta septem volumina et addita- menta continere dicit ad exemplum primum, cui viri impii articulos fidei turpes clam inseruissent. Teste eodem in latere averso inscriptio tituli libri ab auctore addita legitur, et sub titulo manu Sheikhi *Sadr-ed-din Cunewi* scripta haec verba: Composuit Molla noster, doctor fidei islamicae summus et purum hominum decus, *Mohyi-ed-din Ibn* 10 *Arabi*; et sub his verbis adnotatio: Possessor hujus libri compacti est *Mohammed Ben Is'hac Cunewi*, et sub his pariter a Sheikh *Sadr-ed-din* traditio *Mohammedis Ben Abi Bekr Ben Midzár Tebrízi*, quam ab hoc audierat, adscripta: Liber in possessionem ejus famuli *Mohammed Ben Is'hac*, quem benigne educaverat, mensibus anni 637



سنة ٩٣٧ وورد الى آخره ما نقله السيد من كتابات السماع في آخر المجلّات [وله فتوحات مدينة مختصر عشر ورقات اوله الحمد لله الذى جعل الانسان خلاصة مملكته الاكوان الخ] ٨١٥ فتوحات ميرانشاعى لسعد الله الكرمانى توفى سنة ٨١٦ فتوح ابى حذيفة اسحاق بن بشر القرشى ٨١٧ فتوح الارشاد محمد بن محمد الشيبير بالحب الشيرازى ٨١٨ فتوح 5 ارمنية لابي عبدة معمر بن مثنى البصرى المتوفى سنة ٢٠. وله فتوح اعزاز ٨١٩ فتوح اعثم وهو محمد بن على المعروف باعثم الكوفي وترجمته لاحمد بن محمد المستوفى ٨٢٠ فتوح الامصار محمد بن عمر الواقدى مات سنة ٢٠٧ وله فتوح الشام نظمه محمد بن محمود بن آجا التدمرى المتوفى سنة ٩٥ في اثنى عشر الف بيت ٨٢١ فتوح بيت المقدس لابي حذيفة اسحاق بن بشر كذا في اتحاف الاخصاء ٨٢٢ فتوح الحرمين فارسى منظوم 10 مناسك مصور للمحبي اوله

(inc. 3. Aug. 1239) transiit, et hic usque ad finem ea proposuit, quae *El-Seyyid* e scriptis musicae ad finem voluminum adnotaverat. — [Idem *Revelationes Medinenses* scripsit. Compendium decem foliorum, quod ita incipit: Laus Deo, qui hominem optimam partem regni sui essentiarum esse voluit etc.]. — 8915. Fotúhát Miránsháhi, expugnationes *Miránsháhi*, auctore *Sa'dallah Kermáni*, anno ... mortuo. — 8916. Fotúh Abi Hodzeifa, victoriae *Abu Hodzeifae Is'hac Ben Bishr Coreshi*. — 8917. Fotúh el-irshád, victoriae bonae directionis, auctore *Mohammed Ben Mohammed Shirázi*, vulgo *El-Mohibb* dicto. — 8918. Fotúh Armeniýa, ex- 5 pugnationes Armeniae, auctore *Abu Obeida Ma'mar Ben Mothanna Basri*, anno 210 (inc. 24. Apr. 825) mortuo. — Idem expugnationes Ahwazae edidit. — 8919. Fotúh Athem, expugnationes *Mohammedis Ben Ali Kufi*, vulgo *Athem* dicti. Ejus translationem *Ahmed Ben Mohammed Mostaufi* confecit. — 8920. Fotúh el-amsár, expugnationes urbium majorum, auctore *Mohammed Ben Omar Wáckidi*, anno 207 (inc. 27. Mai. 822) mortuo. Idem expugnationes Syriae edidit, quas *Mohammed Ben Muhmúd Ben Aja Tedmori*, anno 925 (inc. 3. Jan. 1519) mortuus, in duodecim versuum millibus metricè reddidit. — 8921. Fotúh beit el-mocaddes, expugnationes Hierosolymorum, auctore *Abu Hodzeifa Is'hac Ben Bishr*. Ita in *I'rháf el-akhissá* legitur. — 8922. Fotúh el-haramein, victoriae Mekkae et Medinae. Carmen persicum de ceremoniis in illis urbibus observandis figuris ornatum, auctore 10 *Mohyi*. Incipit ita:

أى همه كس را بدرت النجبا

- ٨٩٣ الفتح الربانية في دفع الشبهات الكورانية رسالة يتضمن الاجوبة عن البيضاوى في اول  
تفسير الكوراني ٨٩٤ فتوح الرحمن في اشارات القرآن وتفسيره للشيوخ عبد الملك الديلمى  
اوله الحمد لله حق حمده الخ قال فهذا تفسير بعض آيات القرآن التي يحتاج اليها  
الصوفية في احوالهم ٨٩٥ فتوح سيف بن عمر التميمى ٨٩٦ فتوح عبد الملك بن 5  
قريب الاصمعي [المتوفى سنة ٢٢١] ٨٩٧ فتوح الغيب للشيوخ عبد القادر الكيلاني [المتوفى  
سنة ٥١١] اوله الحمد لله رب العالمين اولاً وآخراً الخ ٨٩٨ فتوح غيب وهو حاشية الكشاف  
للطبري يأتي ٨٩٩ فتوح المشاهدين لترويح قلوب المجاهدين في ترجمة نفحات الانس يأتي  
٩٠٠ فتوح مصر والمغرب للامام ابي القاسم عبد الرحمن بن عبد الله بن عبد الحكم القرشي  
المصري [المتوفى سنة ٣٥٧] ٩٠١ فتوح الواعظ بان ليس شيء على الله بواجب لمحمد بن علي بن 10

O Tu, ad cujus portam unusquisque asylum invenit.

8923. El - Fotúh El - Rebbáníyet, revelationes divinae ad dispellenda dubia Kuránica. Tractatus responsa continens contra *Beidháwi*, quae initio interpretationis coranicae a *Kuráni* editae leguntur. — 8924. Fotúh el-rahmán, revelationes Dei misericordis, explicationes arcanas et commentarium in Coranum continentes, auctore Sheikh *Abd-el-melik Deilemi*. Orsus est ita: Laus Deo talis, quali dignus est etc., et: Haec est, inquit, expositio nonnullorum versuum Corani, 5 quibus Theosophis in stationibus opus est. — 8925. Fotúh Seif, expugnationes *Seifi Ben Omar Temimi*. — 8926. Fotúh Abd-el-melik, expugnationes ab *Abd-el-melik Ben Coreib Asmai*, [anno 216 (inc. 18. Febr. 831) mortuo], scriptae. — 8927. Fotúh el-gheib, revelationes arcani, auctore Sheikh *Abd-el-cádir Kiláni*, [anno 561 (inc. 7. Nov. 1165) mortuo]. Incipit ita liber: Laus Deo mundorum domino primum et postremum etc. — 8928. Fotúh gheib, revelationes arcani. Glossae ad *El-Keshsháf* a *Tayyibi* editae, de quibus infra videatur. — 8929. Fotúh el-mosháhidín, victoriae spectantium ad corda contra infideles pugnantium tranquillanda. Translatio operis *Nafahát el-uns*, de quo infra dicetur. — 8930. Fotúh Misr we El-Maghreb, expugnationes Aegypti et regionum Occidentis, auctore 10 *Imám Abu'lcásim Abd-el-rahman Ben Abdallah Ben Abd-el-hakem Coreshi Misri*, [anno 257 (inc. 29. Nov. 870) mortuo]. — 8931. Fotúh el-wáhib, revelationes largitoris, nullam necessitatem Deo injunctam esse, auctore *Mohammed Ben Ali Ben*



محمد الموصلي المالكي رسالته اوله الحمد له انذى لا يجب عليه شيء انج ألفه رثا على  
 من ذهب الى مذهب المعتزلة ٨٩٣٣ فتوح وحب بن منبه [بن كامل اليماني الصنعاني المتوفى  
 سنة ١١٤] ٨٩٣٣ فتور زمان الصدور وصدور زمان الفتور فارسي للوزير انوشروان بن خالد  
 المتوفى سنة [٥٣٢] ذكره انعماد في اول نصرة الفقرة وقال وجدته يندى انسانته عن القصور  
 5 وقد قصره على اجل زمانه من اوسط عهد نظام الملك الى آخر عهد ضرغل نما انصف فيه  
 الصديق والحوباب انتهى ٨٩٣٤ فتيا صلاح العمل لاننتظار الاجل لابي الحسن علي بن احمد  
 الحراني النجيب المتوفى سنة مختصر ٧١٣٥ فتى الفتوة ومرتة العروة رسالة لجمال الدين  
 محمد بن ابراهيم الطوطاى الكتبي المتوفى سنة ٧١٨ قرظ له عليها جماعة من اكابر عصره  
 ٨٩٣٦ فاجر الاسماء وصبح المسمى ذكره البوقى ٨٩٣٧ فاجر الشمس في اعراب اكمل الحمد  
 10 للسيوطى المتوفى سنة ٩١٠ وله فجر الدياتجى في الاحاجى ٨٩٣٨ فحول اشعرآء لاني تمام حبيب

*Mohammed Mausili Malekita.* Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, cui nulla  
 necessitas injuncta est etc., et ad eos refutandos compositus est, qui sectae Motaze-  
 litarum addicti sunt. — 8932. Fotúh Wahb Ben Monebbih, expugnationes  
*Wahbi Ben Monebbih* [*Ben Kámil Yemáni Sen'áni*, anno 114 (inc. 3. Mart. 732)  
 mortui]. — 8933. Fotúr zemán el-sodúr, tepor temporis hominum principum  
 et homines principes temporis teporis, auctore *Wezír Anushirwán Ben Khálid*, anno  
 [532 (inc. 19. Sept. 1137)] mortuo. Historia persice scripta, quam *Imád-el-din*  
 initio operis *Nusret el-fitret* commemorat his verbis: Vidi ejus verborum breviter  
 respuere; nam in viris suae aetatis a medio tempore regni *Nizám-el-mulki* usque 5  
 ad finem regni *Togruñ* describendis ita substitit, ut fidei et veritatis viam ibi minime  
 sequeretur. — Haec ille. — 8934. Fetyá saláh el-amal, consilium bonorum  
 operum ad exspectandam mortem. Compendium, auctore *Abulhasan Ali Ben Ahmed*  
*Harráni Nejibi*, anno . . . mortuo. — 8935. Fetá el-fotowwet we Mir'at  
 el-morowwet, exemplum generositatis et speculum fortitudinis, auctore *Jemál-ed-*  
*din Mohammed Ben Ibrahim Wetucát Kalbi*, anno 718 (inc. 5. Mart. 1318) mortuo.  
 Tractatus, ob quem multi viri temporis praestantissimi auctorem laudibus extulerunt. —  
 8936. Fajr el-asmá we Sobh el-mosammá, aurora nominum et prima lux  
 nominati. Laudat librum *El-Búni*. — 8937. Fajr el-themd, emanatio fontium  
 multa aqua carentium de analysi grammaticali laudis perfectissimae, auctore *Soyúti*, 10  
 anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Idem Diluculum tenebrarum de logis edidit. —  
 8938. Fohúl el-shoará, praestantissimi inter poetas, auctore *Abu Temám Habíb*

ابن اوس الطائى توفى سنة ٢٣١ فيه خلف كثير من الجاهلية والاسلام والمختصرين ٨١٣٦ فخر  
 الاسماء وصبح المسمى ٨١٤٠ الفخر المنير للفاكياتى ٨١٤١ فخرى فى الجبر والمقابلة لافى  
 بكر فخر الدين محمد بن حسن الوزير توفى سنة الفه لبياء الدين والدولة فصار من انفس  
 مبسوطاتها ٨١٤٢ الفخ المنصوب الى صيد المحبوب فى علم الباه

5

٨١٤٣ علم الفراسة

عدّه صاحب مفتاح السعادة من فروع العلم الطبيعى وقال علم يتعرف فيه اخلاق الناس  
 من احواله الطاهرة من الالوان والاشكال والاعضاء وبالجملة الاستدلال بالخلق الشاعر على  
 الخلق الباطن موضوعه ومنفعته ظاهران وكتاب الامام الرازى فى هذا العلم خلاصة كتاب ارسطو  
 مع زيادات مائة واقليمون كتاب فى الفراسة يختص بالنسوان وكتاب السياسة ل محمد الصادق  
 مختصر ومفيد فى هذا العلم وكفى بهذا العلم شرًا قوله تعالى ان فى ذلك لايات للمتوسمين 10

*Ben Aus Tayi*, anno 231 (inc. 7. Sept. 845) mortuo. Ibi multi poetae laudati sunt, qui tempore ignorantiae et Islami et utroque tempore vixerunt. — 8939. Fahr el-asmá we Subh el-mosammá, gloria nominum et aurora rerum nominatarum. — 8940. El-Fahr El-Monír, gloria splendens, auctore *Fákihání*. — 8941. El-Fakhri fi el-jebr we el-mocábelet, tractatus *Fákr-ed-dínicus* de doctrina reductionis per aequationem, quem *Abu Bekr Fákr-ed-dín Mohammed Ben Hasan Wezír*us, anno ... mortuus, in favorem *Behá-ed-din we ed-decletí* scripsit. Fuit ille ex pretiosissimis ejus libris amplis. — 8942. El-Fakhkh El-Mansúb, laqueus ad venationem dilecti positus. De doctrina stimulantium. —

5

8943. Ilm el-firáset. Ars physiognomica.

Auctor libri *Miftáh el-seádet* eam in partibus scientiae physicae numerat, et scientiam esse dicit, qua indoles hominum ex exterioribus ejus conditionibus, quales colores, figurae et membra sunt, cognoscuntur, et summam artem ex indole exteriori de interiore judicandi. Objectum et utilitas doctrinae apparent, et liber Imami *Rázi* de ea potiora continet libri Aristotelis cum additamentis gravioribus. Clemens (*Calímún*) quoque librum de arte physiognomica scripsit, qui de feminis solis agit, et opus *Siyáset* de arte physiognomica, quod *Mohammed Sufi* auctorem habet et compendium breve est, de hac arte sufficit. Ad nobilitatem artis probandam verbum sufficit divinum: „Certe in hoc sunt sane signa (divinae unitatis) recte inspicienti-

10



وتعزيم بسميهم وقوله صلى الله عليه وسلم اتقوا فُراسة المؤمن انتهى

٨٩٤٤ فُرَاسَتِ نَامَه فارسی لابی الفضل المنشیء الشیرازی المتوفی سنة اوله ای فیص

تو رخنمای عمر عقده کشای

٨٩٤٥ علم انغراشی وانومی

5 من شروع التفسیر

٨٩٤٦ فُرَازِ نَامَه منظوم فارسی فی مزاحقات بحر المتقارب المثنی لکمال الدین اسمعیل

ابن الاصفهانی المتوفی سنة ولسلمان [بن خواجه محمد الساجی المتوفی سنة ٧٧١] نظمه

لشیخ اویس خان اوله

بنام خدای که با تیره خاک

برامیخت این جوهر جان پاک

10

٨٩٤٧ فُرَآئِدُ الاعصار فی مدح النبی المختار لابن العطار احمد بن محمد الدنيسری المتوفی

bus," et „Cognosces eos ex nota eorum," et dictum prophetae: „Timete physiognomicam fidelis." — Haec ille. —

8944. Firás-et-námeh, liber physiognomicae persice, auctore *Abu'lfadhli Shirázi* Scriptoris, anno ... mortuo. Incipit ita: O gratia, Tu dux salutis, qui omnes nodos aperis.

8945. Ilm el-firáshi we el-naumi. Doctrina eorum Corani versuum, qui vel in lecto vel per somnum revelati sunt.

Pertinet ea ad partes exegesis coranicae secundarias.

5

8946. Firác-námeh, liber discessus. Carmen persicum pedibus imperfectis metri *Mutecárib Mothemmin* compositum a *Kemál-ed-dín Ismail Ben-elisfaháni*, anno ... mortuo, et a *Selmán* [*Ben Khoja Mohammed Saecji*, anno 779 (inc. 10. Mai. 1377) mortuo], qui *Sheikho Oweis Khán* hoc carmen composuit. Incipit ita:

Nomine Dei, qui cum terra nigra

Minime misces hanc animae purae margaritam.

10

8947. Feráid el-a'sár, gemmae pretiosae saeculorum de laudibus prophetae electi, auctore *Ahmed Ben Mohammed Doneiseri*, vulgo *Ibn-elattár* dicto et anno 794 (inc.

سنة ٧١٤ ١١٢٨ فرآئد التاجي في شرح الفرآئص السراجي يأتي ١١٢١ فرآئد التفسير لابي  
 المحامد فصيح الدين محمد بن عمر المابرناباذي فيه الكشاف وزيادات بحثية نحوية وكلامية  
 ادبية رأيت [القطعة الاخيرة منه] ١١٥٠ فرآئد التيسيرية في الفوائد التفسيرية لزين الدين سرجبا  
 ابن محمد الملطي المتوفى سنة ٧٨١ عشرة اجزاء ١١٥١ فرآئد الجواهر في الطب ١١٥٢ فرآئد  
 الخرائد في الامثال والحكم لابي يعقوب يوسف بن ضاعر النحوي فرغ عنه في سنة ٥٣٢ ذكر 5  
 في اوله ابا الفضل احمد بن محمد الميبداني انه استاده وانه آنف كتابا لكنه اطل فيه بذكر  
 ما اعمل من الامثال فآفقه على ترتيب الحروف وادرج فيه الابيات السائرة والحكم اوله الحمد  
 للذ رافع السموات العلى الخ ١١٥٣ فرآئد الدر المنظم في التتقل على حضرة المصطفى صلى  
 الله تعالى عليه وسلم لحمد الخالص بن عنقاء الحسيني المكي مختصر اوله سبحان من منح  
 شبيبة المصطفى الخ جمع فيه مدآئحه النبوية على ترتيب الحروف في كل حرف ثلاثة عشر 10

29. Nov. 1391) mortuo. — 8948. El-Feráid El-Táji, gemmae pretiosae coronae. Commentarius in *El-Feráidh El-Siráji*. Vide infra. — 8949. Feráid el-tefsír, gemmae pretiosae interpretationis coranicae, auctore *Abu'mehámid Fasih-ed-dín Mohammed Ben Omar Mábernábdzi*. Continent commentarium *Keshsháf* et additamenta dialectica, grammatica, scholastica, philologica. Vidi [ultimam ejus partem]. — 8950. El-Feráid El-Teisíríyet, gemmae pretiosae allevantes. Decem fasciculi adnotationum utilium in Coranum, auctore *Zein-ed-dín Soreijá Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuo. — 8951. Feráid el-jewáhir, pretiosissimae 5 gemmarum de medicina. — 8952. Feráid el-kharáid, pretiosissimae margaritarum intactarum de proverbii et apophthegmatis, auctore *Abu Yacúb Yusuf Ben Túhir* Grammatico, qui anno 532 (inc. 19. Sept. 1137) absolvit, et ab initio narrat, se *Abu'lfadhl Ahmed Ben Mohammed Meidáni* magistrum habuisse eumque librum composuisse, fuisse tamen in recensione eorum proverbiorum quae omiserit nimis longum. Ipse in componendo libro, qui ita incipit: Laus Deo, qui coelos altos erexit etc., ordinem literarum secutus est, eique versus vulgatos et apophthegmata inseruit. — 8953. Feráid el-dorr el-monatztzam, pretiosissimae margaritarum serie compositorum de importuna sancti prophetae electi visitatione, auctore *Mohammed Khális Ben Ancá Hoseini Mekki*. Compendium, quod ita incipit: Praedicatus sit 10 ille, qui juventutem prophetae electi ornavit etc. Collegit auctor omnes prophetae electi virtutes laudatas ad dispositionem alphabeticam, et cuique literae tredecim



- بيتا فجملة ابياته خمسة وتسعون وثلاثمائة ٨٥٤ فرآيد السلوك في تاريخ الخلفاء والملوك منظومة لابي الفضل محمد بن احمد الباعوني [المتوفى سنة ٨٧١] من اول الخليقة الى الاشراف قايتباي [قلت سماها السخاوي في الامتنان بتحفظة الظرفاء في تاريخ الملوك] ثم ذيله ابن اخيه محمد ابن يوسف الى زمن قايتباي وسماه اشارة الوفيية الى الخصائص الاشرفية
- ٨٥٥ 5 فرآيد السلوك في مصانيد الملوك رجز لجمال الدين محمد بن محمد بن نباتة المصري المتوفى سنة ٧١٨ ٨٥٦ فرآيد السنبة للمولى محمد بن الحسن الكواكبي [المتوفى سنة ١٠٩١] المفتى بحلب الشيباء وهو نظم النقاية تلخيص الوفاية في فقه الحنفية مع بعض الفوائد والزوائد اوله الحمد لله تعالى جده سبحانه فليس يحصى سمده الخ ثم شرحه المولى المنزور وسماه بالفوائد السمية شرح فرآيد السنبة اوله سبحانه من سطر بقلم الاتقان على صفحات الاكوان
- ١٠ الخ وانما في حدود سنة ١٠٧٧ ٨٥٧ فرآيد القلائد لرشيد [محمد بن محمد الكاتب] الوطواط

inseruit versus, ut summa versuum trecentos nonaginta quinque complecteretur. — 8954. Feráid el-solúk, gemmae pretiosae incessus. Carmen historiam Khalifarum et regum complectens a creatione mundi usque ad *El-Eshref Cáyetbái*, auctore *Abul'fadhl Mohammed Ben Ahmed Báuni*, [anno 871 (inc. 13. Aug. 1466) mortuo. *Sekháwi*, inquam, in *El-Imtinán* libro titulum dedit *Tohfet el-tzorafá fi tarikh el-molúk*]. Postea *Mohammed Ibn Yusuf* filius fratris auctoris eam continuavit usque ad tempus *Cáyetbái*, et hanc appendicem *El-Ishúret El-Wefiyet ila el-khasáús El-Eshrefiyet* inscripsit. — 8955. Feráid el-solúk, gemmae pretiosae incessus 5 de retibus, quibus principes capiuntur. Carmen metro *Rejex* compositum a *Jemál-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ben Nebúta Misri*, anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. — 8956. El-Feráid El-Seníyet, gemmae pretiosissimae, auctore *Molla Mohammed Ben-elhasan Kercákibi* Mufti urbis pulchrae Haleb, [anno 1096 (inc. 28. Nov. 1684) mortuo]. Metrica est compositio operis *Necáyet*, quod epitomen continet meliorum partium libri *Wicáyet* de jure Hanefitarum cum nonnullis adnotationibus utilibus et additamentis. Incipit ita: Laus Deo, cujus dignitas ejus gloria est, ut ejus praedicatio limitibus circumscribi nequeat etc. Tum *Molla* modo laudatus commentarium in archetypum ipse edidit *El-Feráid El-Seníyet sharh El-Feráid El-Seníyet* inscriptum, qui ita incipit: Praedicatus sit ille, qui calamo firmiae scientiae in tabulis rerum creaturarum scripsit etc. Absolvit opus circa annum 1067 10 (inc. 10. Oct. 1656). — 8957. Feráid el-caláid, gemmae pretiosae monilium, auctore *Reshid* [*Mohammed Ben Mohammed*] *Wetwát* [Scriba, vulgo 573 (inc.

- [المتوفى سنة ٥٧٣] ٨٩٥٨ [فرآئد الفوآئد لتحقیف معانی الاستعارات واقسامها وقراءتها لابی القاسم اللیثی المتوفى سنة اولها الحمد لواعب العظیمة والصلوة علی خیر البریة الخ وشرحها المولى عصام الدین ابراعیم بن محمد الاسفرآئى المتوفى سنة ٩٤٣ وعلیه حاشیة للمولى علی ابن صدر الدین بن عصام الدین المتوفى سنة اولها احمدك حمد مسترشد لانوار عدايتك الخ وعلیه حاشیة للمولى الشیرانشى المتوفى سنة وحاشیة للمولى زین الدین وحاشیة للمولى 5 حسن الزببایرى المتوفى سنة اولها الحمد للذی خلق الانسان علمه البیان الخ وعلیه حاشیة للمولى جامى المروزى وعلیها تعلیقة للمولى عبد الله الكردى والمولى الجلیلى وشرح الفرآئد قول احمد ایضا] ٨٩٥٩ فرآئد الفوآئد فی التعبیر لابن دقماق [ابراعیم بن محمد المصرى المتوفى سنة ٨٠٩] ٨٩٦٠ فرآئد الفوآئد فی التعلیف والمعرفة رسالة لحمد الكشى الخالدى المتوفى سنة ٨٩٦١ فرآئد الفوآئد فی فنون غیر واحد ل احمد بن علی بن [ احمد بن] داود البلوی 10

30. Jun. 1177) mortuo]. — 8958. [Feráid el-fewáid, gemmae pretiosae adnotationum utilium ad sensus metaphorarum, genera et partes conjunctas accurate cognoscenda, auctore *Abu'l-cásim Leithi*, anno ... mortuo. Incipit ita: Laus donorum datori et precatio super optimo hominum creatorum etc. Molla *Isám-ed-dín Ibráhim Ben Mohammed Isferáini*, anno 943 (inc. 20. Jun. 1536) mortuus, commentarium scripsit, ad quem Molla *Ali Ben Sadr-ed-dín Ben Isám-ed-dín*, anno ... mortuus, 5 glossas edidit, quae ita incipiunt: Laudo Te laude ejus, qui, ut recte ducatur, lumina directionis Tuae petit etc. Glossas porro scripserunt Molla *Shiráneshi*, anno ... mortuus — Molla *Zein-ed-dín* — Molla *Hasan Zibári*, anno ... mortuus, cujus glossae ita incipiunt: Laudo Deum, qui „hominem creavit, docuit eum distinctionem“ etc. — Molla *Jámi Mercezi*. Adnotationes leviores Molla *Abdallah Kurdi* et Molla *Jelebi* ediderunt, et *Caul Ahmed* quoque commentarium in *El-Feráid* composuit]. — 8959. Feráid el-fewáid, gemmae pretiosae adnotationum utilium de somniorum interpretatione, auctore [*Ibráhim Ben Mohammed Misri*, vulgo] *Ibn Ducmác* [dicto et anno 809 (inc. 18. Jun. 1406) mortuo]. — 8960. Feráid el-fewáid, gemmae pretiosae adnotationum utilium de definitione et cognitione. 10 Tractatus, auctore *Mohammed Keshshi Khálidi*, anno ... mortuo. — 8961. Feráid el-fewáid, gemmae pretiosae adnotationum utilium de doctrinis pluribus quam una, auctore *Ahmed Ben Ali Ben [Ahmed Ben] Dawud Belewí*. — 8962. Feráid



٨٩٣ فرآند الفوائد في مختصر شرح الشواهد كلاهما للعبى ٨٩٣ فرآند في حلّ المسائل والقواعد في شرح الكنز يأتى ٨٩٤ فرآند في الزوائد لامين الدين عبد الوهاب بن احمد ابن وهبان الدمشقى المتوفى سنة ٧٨٠ ٨٩٥ فرآند القلائد وغرر الفوائد على شرح العقائد مر ذكره في شروح عقائد النسفى ٨٩٦ فرآند اللآل في فروع الحنفية مختصر ليحيى الفقيه 5 صاحب مشتمل الاحكام اوله الحمد لوليّه الخ قال جمعته من الفتاوى والشروح بعد ما كتبت حاشية لشرح الوقاية لصدر الشريعة وغب ما جمعت مشتمل الاحكام البديعة واثر ما حررت اجوبة لاسئلة صاحب جامع الفصولين

٨٩٧ علم الفرائض

وهو علم بقواعد وجزيئات تعرف بها كيفية صرف التركة الى الوارث بعد معرفته وموضوعه

el-fewáid, gemmae adnotationum utilium pretiosae. Epitome commentarii in *El-Shewáhid*. Uterque liber *Aini* auctorem habet. — 8963. El-Feráid fi hall el-mesáil we el-cawáid, gemmae pretiosae de solvendis quaestionibus et principiis. Commentarius in opus *Konz*, de quo infra dicetur. — 8964. El-Feráid fi el-zewáid, gemmae pretiosae de literis servilibus, auctore *Emin-ed-dín Abd-el-wehháb Ben Ahmed Ben Wahbán Dimeshcki*, anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. — 8965. Feráid el-caláid we Ghorer el-fewáid, gemmae pretiosae monilium et splendorum adnotationum utilium ad commentarium in *El-Acáid*. Vide supra commentarios in opus *Acáid* a *Nesefi* compositum. — 8966. Feráid el-leáli, margaritae pretiosissimae de partibus juris Hanefitici derivatis. Compendium a *Yahya* Jurisconsulto et libri *Mushtemil el-ahkám* auctore editum, quod 5 ita incipit: Laus ejus amico etc. Collegi, inquit, illud e responsis juridicis et commentariis, postquam glossas confeci ad commentarium in opus *Wicáyet*, quod *Sadr el-sheriat* auctorem habet, et summum quod collegi liber *Mushtemil el-ahkám el-bediat* continet et signum praestans eorum quae conscripsi Responsa ad quaestiones auctoris libri *Jámi' el-fosulein*. —

8967. Ilm el-feráidh. Doctrina hereditates dividendi.

Haec est doctrina regularum principalium et specialium, quibus ratio cognoscitur, qua, postquam heredis cognitionem accepimus, res a mortuis relicta ad hunc trans-

التركة والوارث لأنّ الفرضي يبحث عن التركة وعن مستحقها بطريق الارث من حيث أنّها تصرف اليه ارثًا بقواعد معينة شرعية ومن جهة قدر ما يحزره ويتبعها متعلقات التركة ووجه الحاجة اليه الوصول الى ائصال كل وارث قدر استحقاقه وغايتها الاقتدار على ذلك وايجاده وما عنه بحث فيه هو مسائله واستمداده من اصول الشرع كذا في اقدار الرأض اختلف في قوله عليه الصلوة والسلام أنّها نصف العلم قال طائفة سأمهم في ضوء السراج 5 وغيره وم اعل السلامة لا ندرى وليس علينا ذلك بل يجب علينا اتباعها عقلنا المعنى او لم نعقل لاحتمال ختلآء التأويل وأول الآخرون على اربعة عشر قولاً الأول سأمها نصف العلم باعتبار البلوى رواه البيهقي ٢ لان الخلف بين طوري للبيعة والممات قال في النهاية وعليه الاكثرون ٣ لان سبب الملك اختياري وضروري فالاختياري كالشراء وقبول الهبة والوصية والضروري كالارث قاله صاحب الضوء وغيره ٤ تعظيمًا لها كذا في الابتهاج ٥ لكثرة شعبها وما يضاف 10

ferenda sit. Objectum doctrinae hereditas relicta et heres est; juris enim hereditarii peritus quaerit de re relicta et de illo, qui via hereditatis ejus jus habet, quatenus res ad illum hereditate accipienda transfertur regulis convenienter certis legibus constitutis, et ratione quantitatis habita quam mortuus collegit, et hanc rationem sequuntur ea, quae ad rem relictam pertinent. Ratio autem, cur doctrina haec necessaria sit, via est eo perveniendi, ut cuius heredi quantitas tribuatur talis, qualis ei jure hereditatis tribuenda est; et summus doctrinae finis scientia perfectissima est, qua hoc effici possit et heres hereditatem percipiat. Jam vero de quibus in ea doctrina quaeritur, ejus quaestiones sunt et ratio, qua auxilium e legis principiis petit. Ita in 5 opere *Icdár el-ráidh* docetur. Varie autem statuunt de effato prophetae: Ea dimidia pars est omnis scientiae. Nonnulli, quos auctor libri *Dhu el-siráj* nominat, ii scilicet, qui pacem quaerunt: Nescimus, ajunt, neque hoc scire nostrum est; nostrum autem est dictum illud sequi, sive sensum intelligimus, sive non intelligimus, quum interpretatio errori subjecta esse possit. Alii dictum quatuordecim diversis modis interpretantur. Primo dicunt prophetam doctrinam illam dimidiam scientiae partem nominasse ratione habita tentaminis, id quod *Beihacki* tradidit — secundo quod homines creati inter geminam vitae et mortis conditionem versantur. Hoc auctor libri *Niháyet* edicit, eumque plurimi sequuntur — tertio, quod causa possessionis aut ex arbitrio aut e necessitatis lege pendet; ad illam pertinere emtionem, doni acceptionem, rem testamento ex libidine mandatam, ad hanc verbi causa rem hereditatis jure acceptam. 10 Ita statuit auctor libri *Dhu el-siráj* et alii — quarto, ut in libro *Ibtiháj* docetur, ad honorem doctrinae afferendum — quinto, propter multa ejus praecepta particularia



اليها من الحساب قاله صاحب اغائة اليناج ٦ لزيادة المشقة قاله فزيل حلب ٧ باعتبار  
 العلمين لأن العلم نوعان علم يحصل به معرفة الأسباب وهو سائرهما قاله صاحب الضوء وغيره  
 ٨ باعتبار الثواب لأنه يستحق الشخص بتعليم مسألة واحدة من الفرائض مائة حسنة  
 وتتعلم مسألة واحدة من الفقه عشر حسنات ولو قدرت جميع الفرائض عشر مسائل وجميع  
 5 الفقه مائة مسألة يكون حسنات كل واحد منهما ألف حسنة وحينئذ يكون الفرائض باعتبار  
 الثواب متساوية لسائر العلوم ٩ باعتبار التقدير يعني أنك لو بسطت علم الفرائض كل البسط  
 لبلغ حجم فروعه حجم سائر الكتب كما في شرح السراجية ١٠ سماها ترغيباً لهم في تعلم  
 هذا العلم لما علم أنه أول علم ينسى وينتزع من بين الناس وورد أنها ثلث العلم فما لجمع  
 بينهما اجاب ابن عبد السلام المالكي في شرحه لفروع ابن الحاجب ان لجمع ليس على الفقيه  
 10 ذل الامام ابو منصور عبد القاهر بن طاهر المتوفى سنة ٤٢١ في كتاب الرد على الجرجاني في ترجيح

et ea, quae ex arithmetica huc referuntur. Ita auctor libri *Igháthet el-lohháj* sancit —  
 sexto, propter molestiae gravitatem, teste quodam urbis Haleb incola — septimo,  
 ratione habita duarum doctrinarum; doctrina enim duplex est; unum genus illud est,  
 quo cognitio caussarum comparatur, et nostra doctrina reliqua cognitionis pars est. Ita  
 auctor libri *Dhu el-siráj* aliique statuunt — octavo, ratione remunerationis habita,  
 nam homo, qui unam doctrinae hereditariae quaestionem docet, centum beneficia  
 meretur, at docenda una juris universalis quaestione decem tantum bona opera, et  
 si omnis doctrina hereditates dividendi decem quaestiones complecteretur et omnis  
 jurisprudentia centum quaestiones, summa bonorum operum uniuscujusque harum 5  
 duarum doctrinarum mille bona opera expleret, et tum doctrina divisionis hereditatum  
 ratione remunerationis habita omnes ceteras doctrinas aequaret — nono, ratione  
 habita valoris ei tribuendi. Si scilicet doctrinam hereditariam tam amplissime quam  
 fieri potest extendis, volumen statutorum derivatorum copiam attingit statutorum  
 derivatorum ceterarum doctrinarum, quemadmodum in commentariis in *El-Feráidh*  
*El-Sirájiyet* legitur — decimo prophetam eam dimidiam omnis scientiae partem  
 appellasse dicunt, ut studiosos cupiditate incenderet hanc doctrinam discendi, cum  
 haud ignoraret, doctrinam illam praeter ceteras oblivione obrui et ex hominum  
 memoria excidere. Traditum etiam est, hanc doctrinam tertiam omnis scientiae esse  
 partem; at quomodo duplex traditio est concilianda? *Ibn Abd-el-selúm* Malikita in  
 commentario, quem in opus *Forú'* ab *Ibn-elhájib* editum scripsit, conciliationem  
 minime jurisconsulti esse contendit. — *Imám Abu Mansúr Abd-el-cákir Ben Tákir*, 10  
 qui anno 429 (inc. 14. Oct. 1037) obiit, in refutatione *Jorjánü*, qui de secta *Abu*

مذهب ابي حنيفة انه ادعى تقدمهم في الفرائض ونقص بسعيد بن جبير وعبيدة السلماني والشعبي والفقهاء السبعة ثم نشأ من بعضهم قبيصة بن ذؤيب وابو الزناد وفي زمن ابي حنيفة كان ابن ابي ليلى وابن شبرمة قد صنفوا في الفرائض ولاحساب مالک والشافعي ايضا منها كتاب ابي ثور وكتاب الكراييسي وكتاب رواه الربيع عن الشافعي وابسط الکتب فيها كتب ابي العباس ابن سريج وابسط من التجميع كتاب محمد بن نصر المروزي وما صنف فيها اتقن واحكم 5 منه وجمه يزيد على خمسين جزءا قال وكتابنا في الفرائض يزيد على الف ورقة قال ابن السبكي وهو كتاب جليل القدر لا مزيد على حسنه انتهى

٨٩٨ فرائض ابن عبد البر يوسف بن عبد الله القرطبي المتوفى سنة ٤٩٣ ٨٩٩ فرائض

ابن الرشيد مبشر بن احمد بن علي بن احمد الحاسب [الرازي] الشافعي المتوفى سنة ٥٨٣

وعمو علي مذهب الشافعي ومالک ٨٩٧ فرائض ابن اللبان [محمد بن عبد الله] المصري المتوفى 10

*Hanifae ceteris praeferenda scripsit, hunc contendisse dicit, Hanefitas in doctrina rei hereditariae alios omnes praeire, et Saïd Ben Jobeir, Obeida Selmani, Sha'bi et septem jurisconsultos testes nominasse ad opinionem adversariorum impugnandam. Post hos Cabisa Ben Dzoweib et Abu'lzinad prodierunt, et aetate Abu Hanifae Ibn Abi Leila et Ibn Shobroma de doctrina juris hereditarii scripserunt. De eadem re Malikitae et Shafitae libros ediderunt, ut Abu Thaur, Kerabisi et Rebi', qui quae Shafii edixerat in libro suo tradidit. Ampliores de hac doctrina libros Abu'labbas 5 Ben Soreij edidit et omnium librorum amplissimum Mohammed Ben Nasr Merwezi, neque ullus liber scriptus est, qui rem accuratius illo et exploratius tractavisset. Volumen plus quinquaginta fasciculos continet, et ipse: Liber noster, inquit, de jure hereditario plus mille folia complectitur. Ibn-elsobki scriptum magni pretii esse dicit, quo nihil praestantius cogitari et componi possit. — Haec haecenus. —*

8968. Feráidh Ibn Abd-el-berr, doctrina hereditates dividendi, auctore Yusuf Ben Abdallah Cortubi, vulgo Ibn Abd-el-berr dicto et anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuo. — 8969. Feráidh Ibn-elreshid, doctrina hereditates dividendi, auctore Mobeshshir Ben Ahmed Ben Ali Ben Ahmed [Rázi] Shafita Arithmetico, vulgo 10 Ibn-elreshid dicto et anno 583 (inc. 13. Mart. 1187) mortuo, qui disciplinam Shafii et Maliki secutus est. — 8970. Feráidh Ibn-ellebbán, doctrina hereditates dividendi, auctore [Mohammed Ben Abdallah] Misri, vulgo Ibn-ellebbán dicto et



سنة [٤٢] وهو ثلث نسخ احدها الايجاز ٨١٧١ فرانس ابن الملا احمد بن محمد للحلى  
 المتوفى سنة ٨١٣ ١٠٣ فرانس ابى نصر احمد بن محمد بن على البغدادي الحنفى وهو  
 كتاب كبير فى مجلد جمع فيه اصول مسائل الفرانس وذكر فيه فوائد كثيرة ٨١٧٣ فرانس  
 الاشتيية وهو ابو الفصل عبد العزيز بن على الاشتيى الشافعى المتوفى فى حدود سنة ٤٥٠ وهو  
 5 كتاب الكفاية على ما وجدته فى ظير نسخة وليس فيه تسمية اوله اما بعد حمد الله وصلواته  
 الخ وبعد فاتى خرجت مختصراً فى الفرانس وعريته من الخلاف اوله الحمد لله حق حمد  
 الخ كتب اولاً مختصراً فى الفرانس ثم اتبعه بالولاء وقسم التركات واراد ذلك بالوصايا والوسائل  
 الملقبات شرحها عبد الرحمن بن محمد الرشيدى [المصرى] المتوفى سنة ٨٠٣ وفيه ارجام  
 كثيرة ومن شروحها انوار آئيبية لمحمد بن محمد الشعبى المتوفى سنة اوله الحمد لله  
 10 الذى حكم بالموت على جميع الانام الخ وهو شرح مفيد بقال اقول وانرد ابن حجر فى

anno [402 (inc. 4. Aug. 1011)] mortuo, qui tres edidit recensiones, quarum prima  
*El-Ijaz* inscripta est. — 8971. Feráidh Ibn-elmollá, doctrina hereditates  
 dividendi, auctore *Ahmed Ben Mohammed Halebi*, vulgo *Ibn-elmolla* dicto et anno  
 1003 (inc. 6. Sept. 1594) mortuo. — 8972. Feráidh Abu Nasr, doctrina hereditates  
 dividendi, auctore *Abu Nasr Ahmed Ben Mohammed Ben Ali Baghdádi* Hanefita.  
 Volumen magni ambitus, ubi auctor quaestiones principales hujus doctrinae collegit  
 et multas adnotationes utiles exhibuit. — 8973. El-Feráidh El-Eshthehiyet,  
 doctrina juris hereditarii, quam *Abu'lfadhl Abd-el-aziz Ben Ali* Shafiita, vulgo  
*Eshthehi* dictus et circa annum 450 (inc. 28. Febr. 1058) mortuus, edidit. Hic liber 5  
 secundum ea, quae in parte exempli aversa inveni, *Kitáb el-kifáyet* inscriptus est;  
 nusquam enim in eo denominatio apparet. Incipit ita: Laude et invocationibus Dei  
 praemissis etc. Deinde vero compendium de jure hereditario extraxi, ex quo  
 quaestiones controversas recidi. Incipit hoc ita: Laus Deo talis qualem meretur etc.  
 Primum compendium scripsit de jure hereditario, cui statuta de propinquitate et  
 bonorum relictorum distributione subjecit, et denique testamenta et adminicula for-  
 mularum mente concepta addidit. *Abd-el-rahman Ben Mohammed Reshidi* [Misri],  
 anno 803 (inc. 22. Aug. 1400) mortuus, commentarium composuit, cui multas nugae  
 admiscuit. Alius commentarius, *Anwár Alehiyet* inscriptus, qui *Mohammed Ben*  
*Mohammed Sha'bi*, anno ... mortuum, auctorem habet, incipit ita: Laus Deo, a 10  
 quo omnibus hominibus mors finita est etc., et utilis est formulisque „dicit auctor“ et  
 „dico ego“ verba auctoris et interpretis distinxit. *Ibn Hajr* tractatum separatim

- حسابه الرسالة العزبة ٨٩٧٤ فرانس آيوب البصرى ٨٩٧٥ فرانس بركلى وهو المولى محمد بن  
 پير على المتوفى سنة ٩٨١ وشرحه له ايضا ٨٩٧٦ فرانس التركمانى وهو احمد بن عثمان بن  
 صبيح الجرجانى للنفى المتوفى سنة ٧٤٤ وهى نستختان ٨٩٧٧ فرانس التمرتاشى ٨٩٧٨ فرانس  
 الجعدية على مذهب المالكية للشيخ الامام ابى محمد الحسن بن على بن الجعد الصقلى المالكى  
 ٨٩٧٩ فرانس جمال الائمة الكروانى شرحه محمد العمادى من احفاده ٨٩٨٠ فرانس الخليمى 5  
 الرومى متن وشرح للمولى لطف الله بن يوسف المتوفى فى دولة السلطان بايزيد بن محمد  
 العثمانى ٨٩٨١ فرانس الكوفى الفرضى [وهو الفقيه ابو القاسم احمد بن محمد بن  
 خلف الاشبلى المتوفى سنة ٥٨٨] اختصره محمد بن محمد [بن محمد بن عرفة] الورغمى  
 التونسى المالكى المتوفى سنة ٨١٣ ٨٩٨٢ فرانس الرحبية ارجوزة سماعا بغية الباحث مر

- El-Risálet El-Izzíyet* inscriptum de ejus computu edidit. — 8974. Feráidh Eyyúb El-Basri, doctrina hereditates dividendi, auctore *Eyyúb El-Basri*. — 8975. Feráidh Birgili, doctrina hereditates dividendi, auctore *Molla Mohammed Ben Pir Ali*, vulgo *Birgili* dicto et anno 981 (inc. 3. Mai. 1573) mortuo. Idem commentarium edidit. — 8976. Feráidh El-Turkemáni, doctrina hereditates dividendi, auctore *Ahmed Ben Othmán Ben Sabih Jorjáni* Hanefita, vulgo *Turkemáni* dicto et anno 744 (inc. 26. Mai. 1343) mortuo. Duae exstant recensiones. — 8977. Feráidh El-Timurtáshi, doctrina hereditates dividendi, auctore *Timurtáshi*. — 8978. El-Feráidh El-Ja'díyet, doctrina hereditates dividendi, a Sheikh et Imám *Abu Mohammed Hasan Ben Ali Ben-eljad Sickilli* Malikita ad 5 doctrinam Malikiticam edita. — 8979. Feráidh Jemál-elaïmmet, doctrina hereditates dividendi, auctore *Jemál-elaïmmet Kerweláni. Mohammed Imádi*, qui ex ejus nepotibus fuit, commentarium in eam scripsit. — 8980. Feráidh El-Halími, doctrina rei hereditariae a *Halími Rumi* edita. Textum et commentarium *Molla Lutfallah Ben Yusuf* edidit, qui regnante Sultano *Báyezíd Ben Mohammed Othmání* mortuus est. — 8981. Feráidh El-Haufi, doctrina hereditates dividendi, quam [*Abu'lqásim Ahmed Ben Mohammed Ben Khalaf Ishbili* Jurisconsultus] rei hereditariae peritus, vulgo *Haufi* dictus [et anno 588 (inc. 18. Jan. 1192) mortuus], edidit. Ejus epitomen confecit *Mohammed Ben Mohammed [Ben Mohammed Ben Arafa] Werghami Tunesi* Malikita, anno 803 (inc. 22. Aug. 1400) mortuus. — 8982. El-Feráidh El-Rahbíyet, doctrina hereditates dividendi vulgo *Rahbíyet* dicta. Carmen metro *Rejex* compositum et *Bughyet el-báhítz* inscriptum, de quo



شرحہ جلال الدین السیوطی المتوفی سنة ۹۱۱ شرحاً مزوجاً اولہ

ما نستفتح المقال الآ

بذكر حمد ربنا تعالی

رقی نسخه

الحمد لله على ما انعمنا

5

حمداً به يجلبو عن القلب العما

وشرح الشيخ العلامة محمد بن احمد بن محمد سبط المارديني المتوفى سنة ۸۹۳ فرآئص  
الزاهدی وهو ابو الرجاء مختار بن محمود الخنفي المتوفى سنة ۹۰۸ فرآئص السجاوندى  
وهو الامام سراج الدين محمد بن محمد بن عبد الرشيد السجاوندى للحنفي المتوفى سنة  
10 ويقال لنا الفرآئص السراجية ايضا وهو مقبول متداول [وله شرح] وقد شرحه غير واحد من  
الفصلاء واشتغل بحله جم غفير من العلماء منيم الشيخ اكمل الدين محمد بن محمود

supra videatur. *Jelâl-ed-dîn Soyûtî*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, com-  
mentarium in illud edidit, qui textum admixtum habet et ita incipit:

Sermonem incipimus

A sola domini nostri excelsi laude.

Et in alio exemplo:

Laus Deo pro beneficiis quae in nos confert

5

Talis, quali cor ab insipientia liberatur.

Praeterea laudatur commentarius viri doctissimi *Mohammed Ben Ahmed Ben Mohammed Sibt El-Máridni*, anno ... mortui. — 8983. *Feráidh El-Záhidi*, doctrina hereditates dividendi, auctore *Abu'lrejâ Mokhtár Ben Mahmúd Hanefita*, vulgo *Záhidi* dicto et anno 658 (inc. 18. Dec. 1259) mortuo. — 8984. *Feráidh El-Sejávendi*, doctrina hereditates dividendi, ab *Imám Siráj-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Ben Abd-el-reshid Hanefita*, vulgo *Sejávendi* dicto et anno ... mortuo, edita. Idem liber *El-Feráidh El-Sirájíyet* inscribitur, et admodum probatus 10 et multum in usu est. [Auctor commentarium quoque in eam edidit]. Praeterea commentarios scripserunt plures viri doctrina insignes, et multi viri eruditi in libro explicando occupati fuerunt, ut *Sheikh Akmal-ed-dín Mohammed Ben Mahmúd*

البابرتى المصرى الحنفى المتوفى سنة [٧٨٩] والشيوخ شهاب الدين احمد بن محمود السيواسى المتوفى سنة ٨٠٣ وهو متداول مقبول وابن الربوة محمد بن احمد [بن عبد العزيز] الدمشقى المتوفى سنة ٧١٤ وسماه مواهب المكية فى شرح قرآن السراجية وابو الحسن حيدرة بن عمر الصغانى المتوفى سنة [٣٥٠] والمولى محبى الدين محمد بن مصطفى المعروف بشيخ زاده الحشى المتوفى سنة [١٥١] والمولى مصلح الدين محمد بن صلاح اللارى المتوفى سنة [١٧١] وبرهان الدين حيدر بن محمد الهروى تلميذ التفتازانى المتوفى سنة فى عشر الثلاثين وثمانمائة واول شرح حيدر اياكى نحمد يا من استأثر بالاولية والبقاء الخ وهو شرح بقوله فرغ من تأليفه بمروان شاهجان والحق باخوه من متفرقات المسائل فضلا يوم الاثنين من جمادى الاولى سنة ٩٧١ قال تقى الدين وهو مصنف غريب محرر مع صغر حجمه جليل القدر صحيح المسائل والمنقول وعديم المثل وشيخ الاسلام سيف الدين احمد بن [يحيى بن] محمد 10 [الهروى] المعروف بحفيد التفتازانى المتوفى سنة ٩٠٩ [اوله احمد ما ينور من ضوء سراجة

*Báberti Misri* Hanefita, anno [786 (inc. 24. Febr. 1384) mortuus] — *Sheikh Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mahmúd Siwási*, anno 803 (inc. 22. Aug. 1400) mortuus, cujus commentarius probatus et multum in usu est — *Mohammed Ben Ahmed [Ben Abd-el-aziz] Dimeshcki*, vulgo *Ibn Rubwa* dictus et anno 764 (inc. 21. Oct. 1362) mortuus, cujus commentarius *El-Mewáhib El-Mekkiyet fi sharh El-Fewáid El-Sirájíyet* inscriptus est — *Abulhasan Heidera Ben Omar Sagháni*, anno [358 (inc. 25. Nov. 968)] mortuus — *Molla Mohyi-ed-din Mohammed Ben Mustafa* glossator, vulgo *Sheikh-zádeh* dictus et anno [951 (inc. 25. Mart. 1544)] mortuus — *Molla Moslih-ed-din Mohammed Ben Saláh Lári*, anno [979 (inc. 26. Mai. 1571)] mortuus — *Borkán-ed-din Heider Ben Mohammed Herewi Teftazání* discipulus, circa annum 830 (inc. 2. Nov. 1426) mortuus. *Heideri* commentarius ita incipit: Te laudamus, qui existentia, quae omni initio et fine caret, solus es etc., et ea tantum textus verba admixta habet, quae explicantur. Absolvit ille commentarium in urbe Merwánsháján, et ad finem partem quaestionum dispersarum feria secunda mensis Jomádi I. anni 676 (inc. 4. Jun. 1277) adjecit. *Tacki-ed-dín* opus hoc rarum et comtum esse dicit, quod pro parvo ejus volumine magni pretii sit, quaestiones et traditiones veras contineat et librum sibi similem non habeat — *Sheikh el-islám Seif-ed-dín Ahmed Ben [Yahya Ben] Mohammed [Herewi]*, vulgo *Hafid El-Teftázáni* dictus et anno 906 (inc. 28. Jul. 1500) mortuus, [cujus commentarius ita incipit: Laudatissimum, quod e luce lucernae suae illuminat,



مفتتح الكلام الخ اورد خاتمة في مسائل لطيفة] والمولى شمس الدين محمد بن حمزة الفنارى المتوفى سنة ٨٣٤ وهو من احسن شروحها قاله صاحب الشقائق اوله الحمد لله الذى قسم افراد الاناسى الى اصناف الخ والفاضل البهشتى محمد الشيرى بفخر خراسان توفى سنة والمولى شمس الدين احمد بن سليمان المعروف بابن كمال پاشا المتوفى سنة ٩٤٠ قال لما فرغت من 5 تصحيحه اردت ان اشرح شرحا وافيا وتتبع من شروحه المنهاج والضوء المنسوب الى البخارى وغيره والمولى سعد الدين مسعود بن عمر التفتازانى المتوفى سنة [٧٩١] والسيد الشريف على ابن محمد الجرجانى فرغ من تأليفه بسمرقند سنة ٨٠٤ توفى سنة [٨١٤] وهو الشرح الباهر المتداول بين الانام ولذلك سؤد العلماء وجد الاوراق للحواشى عليه فكتب المولى احمد بن عبد الاول العبدى القزوينى فى شعبان سنة ٩٥٧ توفى سنة ٩٩٩ والمولى امير حسن الرومى المتوفى 10 سنة ٩٤١ ومحمى الدين محمد بن خطيب قاسم بن يعقوب المتوفى سنة ٩٤٠ مختصر اوله الحمد لله

initium sermonis etc., et conclusionem de quaestionibus quae placent adjectam habet] — Molla *Shems-ed-din Mohammed Ben Hamza Fenari*, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430) mortuus, cujus commentarius, teste auctore libri *El-Shechiic*, omnium praestantissimus est et ita incipit: Laus Deo, qui singulos homines in genera divisit etc. — bene meritus *Behishti Mohammed*, vulgo *Fakhr Khorásán* dictus et anno . . . mortuus — Molla *Shems-ed-din Ahmed Ben Soleimán*, vulgo *Ibu Kemálpasha* dictus et anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuus, qui: Recognitionem textus, inquit, cum absolvissem, cupido me incessit commentarii copiosi componendi 5 et in hunc finem commentarios *Minháj*, *Dhu*, qui *Bokhário* tribuitur, aliosque persecutus sum — Molla *Sa'd-ed-din Mes'úd Ben Omar Teftázáni*, anno [791 (inc. 31. Dec. 1388)] mortuus — *El-Seyyid El-Sherif Ali Ben Mohammed Jorjáni*, qui compositionem Samarcandae anno 804 (inc. 11. Aug. 1401) absolvit et anno [814 (inc. 25. Apr. 1411)] mortuus est. Commentarius hic perfectione eminent et inter homines pervulgatus est, hancque ob causam viri docti foliorum faciem ad glossas in eum componendas atramento illiverunt. Tales scripserunt Molla *Ahmed Ben Abd-el-awwel Abdi Cazvini* mense Shabán anni 957 (inc. 30. Jan. 1550), qui anno 966 (inc. 14. Oct. 1558) obiit — Molla Emir *Hasan Rumi*, anno 941 (inc. 10 13. Jul. 1534) mortuus — *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Khatib Casim Ben Yacub*, anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuus, cujus glossae breviores ita incipiunt: Laus

الذى توحد بالقدم والبقاء الخ والمولى محيى الدين الحجى اوله الحمد لله الذى جعل العلماء والحكماء ورثة الانبياء الخ ألف باسم السلطان بايزيد بن محمد بن مراد والمولى محمد شاه بن على بن يوسف بن محمد الفنارى المتوفى سنة ٩١٦ اورد فيه دقائق مع حلّ المباحث اوله الحمد لله الذى خلق الموت والحياة الخ قال فهذه مجموعة جامعة لبعض الفوائد المتعلقة بشرح الفرائض للسيد والمولى قوام الدين قاسم بن احمد الجمالى المتوفى 5 سنة ٩٠١ والمولى فتيل بن على الجمالى المتوفى سنة ٩١١ والمولى يعقوب بن سيدى على المتوفى سنة ٩٣١ اوله الحمد لله الذى جعل هداية للعالمين الخ ذكر فيه السلطان سليمان والمولى حفيد المذكور ومحمد بن ابراهيم الحلبي المعروف بابن الحنبلى توفى سنة ٩٧١ وسماه ذبالة السراج على رسالة السراج وناقشه مناقشة كما ناقش ابن كمال مع احمد بن عبد الاول اوله نعمدك يا واجب الوجود ومفيض جود الوجود الخ وفي نسخة الحمد لله وكفى وسلام 10 على عباده الذين اصطفى الخ قال هذه روضة ارواح نشأت عن رفع الغواشى عن بعض

---

Deo, qui unicus est aeternitate sine initio et fine etc. — Molla *Mohyi-ed-din Ajemi*, cujus glossae ita incipiunt: Laus Deo, qui viros doctos et sapientes prophetarum heredes esse voluit etc. Scripsit nomine Sultani *Báyezíd Ben Mohammed Ben Murád* — Molla *Mohammed Sháh Ben Ali Ben Yusuf Ben Mohammed Fenári*, anno 929 (inc. 20. Nov. 1522) mortuus, qui ibi subtilitates protulit, ita ut simul quaestiones controversas solveret. Glossae ita incipiunt: Laus Deo, qui mortem et 5 vitam creavit etc. Haec est, inquit, sylloge nonnullas adnotationes utiles continens, quae commentarium *Seyyidi* in *El-Feráidh* spectant — Molla *Chiwám-ed-din Cásim Ben Ahmed Jemáli*, anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) mortuus — Molla *Fodheil Ben Ali Jemáli*, anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) mortuus — Molla *Yacúb Ben Seyyidi Ali*, anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) mortuus, qui ita orsus est: Laus Deo, qui viris doctis viam fidei rectam stravit etc., et Sultanum *Soleimán* praedicat — Molla *Hafid* supra laudatus — *Mohammed Ben Ibráhim Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus et anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus, qui eadem ratione contra auctorem subtiliter et acute disserit, qua *Ibn Kemál* contra *Ahmed Ben Abd-el-awwel*. Glossae, 10 *Dzobálet el-siráj ala Risálet El-Siráj* inscriptae, ita incipiunt: Laudamus Te, qui absoluta existentia frueris et liberaliter beneficia copiosa confers etc., sive, ut in alio exemplo legitur: Laus Deo et sufficit, et salus super cultores quos praeter ceteros elegit etc. Hoc, inquit, viridarium est spirituum, quod incrementum eo cepit,



للواتشى على كلام الشريف وهى ممزوجة بالمتن كالمخسروية ذكر فى خطبتهما السلطان سليمان  
وعلى السيد حاشية لحمد بن مصطفى الكوراني الشهير بالواني فرغ من تحريره فى شوال سنة  
٩١٣ ونظم المتن ايضا جماعة منهم محمود بن عبد الله [الكستاني السرائي] بدر الدين  
المتوفى سنة ٨٠٤ وعز الدين ابو العز طاهر بن حسن المعروف بابن حبيب الحلبي المتوفى  
5 سنة [٨٠٨] وفخر الدين احمد بن علي بن الفصيح اليمداني المتوفى سنة ٧٥٥ وتاج الدين ابو  
عبد الله عبد الله بن علي السنجاري المتوفى سنة ٧٩١ ومن شروحه روح الشروح اوله الحمد  
لله الذي تغرد ذاته بالقدم والبقاء الخ اراد ببعض الشارحين شهاب الدين وياكثر الشروح الضوء  
والبديع وشهاب الدين وبعض الافضل تاج الدين الكردي والشرحان الضوء ومننتخبه والبحران  
الضوء وامين الدولة و[شرح] ابن امين الدولة مجد الدين حسن بن احمد الحلبي توفى سنة ٦٥٨  
10 اوله الحمد لله رب العالمين الخ وشرحه شرحا مبسوطا بهاء الدين حيدرة بن محمد بن ابراهيم

quod vela de nonnullis glossis ad dicta *Sherifi* sustulit. Glossae textum admixtum habent, ut glossae *Khosrevianae*. Hae et illae in praefationibus Sultanum *Soleimán* nominant. Porro ad *Seyyidi* commentarium glossas edidit *Mohammed Ben Mustafa Kuráni*, vulgo *Wáni* dictus, qui earum scriptionem mense *Shewwál* anni 992 (inc. 4. Jan. 1584) absolvit. Textum plures viri metricè quoque reddiderunt, ut *Mahmúd Ben Abdallah* [*Kulistáni Seráyi*], vulgo *Bedr-ed-din* dictus et anno 801 (inc. 13. Sept. 1398) mortuus — *Izz-ed-din Abul'izz Tahir Ben Hasan Halebi*, vulgo *Ibn Habíb* dictus et anno [808 (inc. 29. Jun. 1405)] mortuus — *Fakhr-ed-din Ahmed Ben Ali Ben-elfasih Hemdáni*, anno 755 (inc. 26. Jan. 1354) mortuus — *Táj-ed-din Abu Abdallah Abdallah Ben Ali Sinjári*, anno 799 (inc. 5. Oct. 1396) mortuus. Praeterea commentarius *Ruh el-shorúk* inscriptus laudatur, qui ita incipit: Laus Deo, cujus essentia distincta est aeternitate initio et fine carente etc. Quando „interpres quidam“ dicit, *Sheháb-ed-dinum*, quando „plurimi commentarii“, *El-Dhu, El-Bedi'* et *Sheháb-ed-din*, et quando „vir quidam bene meritus“, *Táj-ed-dinum Kerderi* significat, et per verba „duo commentarii“, *Dhu* et epitomen potiora ejus continentem, et per „duo maria“ *El-Dhú* et *Emin-ed-dewlet* indicat — *Majd-ed-din Hasan Ben Ahmed Halebi*, vulgo *Ibn Emin-ed-dewlet* dictus et anno 658 (inc. 18. Dec. 1259) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, mundorum 10 domino etc. — *Behá-ed-din Heidera Ben Mohammed Ben Ibráhim Halebi* Hanefita,

الحلبي الحنفى [المتوفى سنة ٧٣٦] والشيخ محمود بن ابي بكر بن [ابن] العلاء البخارى ثم الكلابى المتوفى سنة ٧٠٠ سماه ضوء السراج ذكر فيه أنه اقتبس من تعليم شيخه نجم الدين عمر بن احمد الكاخشتماني اوله الحمد لله الذى استأثر توصيف البقاء الخ وعو شرح بقوله كذا وقوله كذا [قال الذهبي وهو مصنف غريب محرر جليل القدر صحب المسائل والمثل والمنقول انتهى] ثم انتخبه وسماه المنهاج المنتخب من ضوء السراج اوله أما بعد حمد الله المتصف بالكمال الخ ذكر أنه اشار اليه بعض الاعزة ان انتخب الشرح الذى سماه بصوء السراج فشرح بمدينة السلام وعو شرح بالقول ايضا ثم اختصره الشيخ اكمل الدين قال كان الشرح المسمى بالصوء من احسن ما اشتهر من شروحه وكان بعض الطلبة يستطيل به اردت ان اختصره فجمعت مشتملاً على ما فيه من النكات وزيادة يحتاج اليها الاصل بحل بعض العويصات الخ وشرحه الامام عبد الكريم بن محمد بن الحسن الهمداني شرحاً فارسياً سماه الفران

[anno 739 (inc. 20. Jul. 1338) mortuus], commentarium amplum composuit — Sheikh *Mahmūd Ben Abi Bekr Ben [Abi]l'ālā*, primum Bokhárae, tum urbis *Kelábád* inquilinus, anno 700 (inc. 16. Sept. 1300) mortuus, cujus commentarius, *Dhu el-siráj* inscriptus, ita incipit: Laus Deo, qui sibi soli praedicatum aeternitatis reservavit etc. Auctor narrat, se ex institutione Sheikhi sui *Nejm-ed-din Omar Ben Ahmed Kákhoshtowáni* plura sumpsisse; et commentarius, ubi ille formulis „dicit hic“ et „dicit ille“ usus est, ea textus verba tantum adjecta habet, quae explicantur. [Dzehebi opus rarum esse dicit, comtum, magni pretii, et quaestionum, sententiarum et locorum allatorum veritate distinctum. Haec ille]. Idem meliorem ejus partem in epitome singulari edidit, quae *El-Minháj El-Muntekhab min Dhu el-siráj* inscripta est et ita incipit: Post laudem Dei perfecta natura praeter ceteros distincti etc. Narrat, se a viro quodam conspicuo esse excitatum, ut meliora commentarii *Dhu el-siráj* inscripti separatim ederet. Commentarium igitur in urbe salutis *Baghdád* composuit, qui pariter sola verba textus exposita admixta habet. Tum Sheikh *Akmal-ed-dín* epitomen commentarii composuit, et: Commentarius *El-Dhu* inscriptus, inquit, in praestantissimis commentariorum qui innotuerunt numeratur; at studiosus quidam eum nimis longum esse invenit. Volui in epitomen eum cogere; itaque adnotationes subtiliores quas comprehenderet collegi, et quae archetypum ad difficiliorum locorum explicationem necesse haberet addidi etc. Sheikh et Imám *Abd-el-kerím Ben Mohammed Ben-elhasan Hemdání* commentarium persicum edidit *El-Feráidh*



التاجي في شرح فرانس السراجي اوله الحمد لله الذي [علمنا مسائل ارباب الوراثة] الخ  
 وشرحه يونس بن يونس بن عبد القادر الرشيدى الاثرى في سنة احدى عشرة والف لما قدم  
 الزوم وسماه المقاصد السنبية بشرح السراجية للحنفية اوله الحمد لله الذى باحكامه شرع  
 الاحكام الخ وهو شرح ممزوج ومن شروحه كتاب الجلالى بالقول اوله الحمد لله الذى لا  
 5 يتم امر دون حمده الخ تخريج احاديث الفرانس للسخاوى وللشيخ زين الدين قاسم بن  
 قتلوبغا الخ ومن شروحه شرح امين الدولة حسن بن احمد بن هبة الله بن محمد النسفى  
 ومن شروحه قرة العين وترجمة الفرانس السراجية بالتركية لعبد اللطيف بن حاج احمد الجاني  
 في سنة ٨١٣ ومن شروحه شرح كبير ممزوج مسمى بالتحقيق اوله الحمد لله المتعبد عن  
 سيد الكائنات الخ لمحمد بن حاج احمد بن نصر آفغ سنة ٨٥٣ ذكر فيه شرح القاضى الامام  
 10 علاه الدين بدر السمرقندى وانه عارياً عن الادلة ومن شروحه شرح ادريس بن شيخ پاشا  
 اوله لك الحمد جدًا بعدد اقطار انجر الخ آفغ في شعبان سنة ٦٥٨ ومن مختصراتها لب الفرانس

*El-Táji fi sharh El-Feráidh El-Sirájî* inscriptum, qui ita incipit: Laus Deo, qui  
 [nos quaestiones eorum qui juris hereditarii periti sunt docuerunt] etc. — *Yunos*  
*Ben Yunos Ben Abd-el-cádir Reshîdi Atheri* anno 1011 (inc. 11. Jun. 1602),  
 cum in Rumeliam veniret, commentarium Hanefitis composuit titulo *El-Mecásid*  
*El-Sentiyet bi sharh El-Sirájîyet* insignitum, qui ita incipit: Laus Deo, cujus  
 statutis statuta praescribuntur etc., et textum admixtum habet. In commentariis  
 Liber *Jelálicus* nominatur, qui ita incipit: Laus Deo, sine cujus laude nullum negotium  
 ad finem perducitur etc., et ea textus verba admixta habet, quae explicantur. 5  
*Sekhâvi*, ut ibi legitur, traditiones operis *Feráidh* elicuit, idemque Sheikh *Zein-*  
*ed-dîn Cásim Ben Colluboghá* fecit, et quae sunt reliqua. Porro *Emin-ed-dewlet*  
*Hasan Ben Ahmed Ben Hibatallah Ben Mohammed Neseft* commentarium scripsit,  
 et alius commentarius *Corret el-ain* inscriptus est. Translatio turcica libri *El-Feráidh*  
*El-Sirájîyet Abd-el-latîf Ben Háji Ahmed Jání*, qui anno 872 (inc. 2. Aug. 1467)  
 obiit, auctorem habet, et commentarius magnus, qui textum admixtum habet et ita  
 incipit: Laus Deo, qui a rerum existentium domino colitur etc., *Tahckie* inscriptus  
 et a *Mohammed Ben Háji Ahmed Ben Nasr* anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) compositus  
 est. Auctor commentarium *Cádhîi* et *Imámi Alá-ed-dîn Bedr Samarcandi* comme- 10  
 morat, eumque probationibus carere dicit. *Idrisi Ben Sheikh Pasha* commentarius  
 ita incipit: Tibi tantum laudis, quantum guttarum mare habet etc., et mense Shaban  
 anni 858 (inc. 1. Febr. 1454) conscriptus est. Archetypum in epitomen contraxerunt

للعالم حضر بن محمد الاماسى اوله الحمد لله الذى شرع الفرائض علينا لمارينا الخ وهو قدر نصفه وثرغ في صفر سنة 1.44 وارشاد الراجى بمعرفة الفرائض السراجى لمحمود بن احمد اللارندى الحنفى توفى سنة ٧٠٠ وقد سبق في باب الالف ومن شروح الفرائض المنهاج اوله الحمد لله الذى ابرز الفرائض الخ ومن الحواشى حاشية الوانى اوله الحمد لله رب العالمين الخ فرغ من تأليفه في شوال سنة ٩٩٣ وحاشية المولى مصطفى الششير بطاشكبرى زاده المتوفى 5 سنة ٩١٨ وهى الى احوال الام اوليا حمدا لمن جعل القانمين باقامة الفرائض والسنة من محاسن الاسلام الخ ٨١٨٥ فرائض شهاب الدين هو القاضى الامام ابو حامد احمد بن محمود بن على بن ابي طالب مختصر سهل الحفظ والفهم وله شروح منها شرح عبد الحكيم المسكبرى المتوفى في حدود سنة ٩٠٠ وهو شرح ممزوج اوله الحمد لله العليم الحكيم الخ كان من العلماء العاملين في عصر ملا. جامى ومسكر قرية من قرى شابران في نواحى شروان 10

vir doctus *Hadhr Ben Mohammed Amasi*, cujus epitome *Lubb el-feraidh* inscripta ita incipit: Laus Deo, qui doctrinam hereditates dividendi lege nobis praescripsit intelligentiae nostrae convenienter etc. Dimidiam archetypi partem explet, et mense Safer anni 1064 (inc. 12. Nov. 1653) ad finem perducta est — *Mahmud Ben Ahmed Larendi* Hanefita, anno 720 (inc. 12. Febr. 1320) mortuus, cujus epitome jam supra in litera *Elif* laudata *Irshad el-raji bi ma'rifet El-Feruidh El-Siraji* inscripta est. Commentarius in *El-Feruidh*, *Minhaj* inscriptus, incipit ita: Laus Deo, qui doctrinae hereditates dividendi originem dedit etc. Glossas denique ediderunt *Wani*, 5 qui ita orsus est: Laus Deo, mundorum domino etc., et compositionem mense Shewwál anni 992 (inc. 4. Jan. 1584) absolvit — et Molla *Mustafa*, vulgo *Tashkö-prizadeh* dictus et anno 968 (inc. 22. Sept. 1562) mortuus, cujus glossae ad caput, quod de matris juribus agit, progrediuntur, et ita incipiunt: Laudem ei, qui illos, qui statutorum divinatorum et praescriptorum curam habent, pulchra Islami fundamenta esse voluit etc. — 8985. *Feruidh Shehab-ed-din*, doctrina hereditates dividendi, auctore *Cadhi* et *Imam Abu Hamid Ahmed Ben Mahmud Ben Ali Ben Abi Talib*, vulgo *Shehab-ed-din* dicto. Compendium memoriae facile mandandum et intelligendum, in quod inter alios *Abd-el-halim Moskiri*, circa annum 900 (inc. 2. Oct. 1494) mortuus, commentarium edidit, qui textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo 10 sapienti, mansueto etc. Auctor e viris doctis fuit, qui tempore Mollae *Jami* in munere administrando versabantur, et *Moskir* urbs est tractus *Shaburan* in provincia



١٩٨٦ فرأى الصغاني وهو الامام حسن بن محمد الحنفى المتوفى سنة [١٥٠] ١٩٨٧ فأبصر  
 طاشكبرى زاده المولى احمد بن مصطفى المتوفى سنة ١٩٨٠ وعى مختصر رتبته على مطلبين  
 وخاتمة ١٩٨٨ فرأى الطحجارى وهو ابو جعفر احمد بن محمد المصرى الحنفى المتوفى  
 سنة [٣٣١] ١٩٨٩ فرأى العثمانى للشيخ الامام برهان الدين ابى الحسن على بن ابى بكر  
 5 المرغينانى صاحب الهداية توفى سنة [٥١٣] قال فيه بعد الحمد هذا مجموع ملقب بالعثمانى  
 وقد رغب فيه القاضى والدانى الخ شرح فرأى العثمانى للشيخ منباج الدين ابراهيم بن  
 سليمان السراى اوله الحمد لله المتعال عن مجانسة الصرب الخ ذكر فيه ان شيخه رشيد  
 الدين اسمعيل بن محمود بن محمد الكردى كتب فوائد للمسائل الضرورية فجمع وزاد  
 عليه وسماه بمفتاح الاقتال وفرغ في خوارزم سنة ٧١٠ كان المتن للشيخ العثمانى وقد اعرض  
 10 عن ذكر البرق وذوى الارحام وما عداهما من تعريفات الاحكام فاصلح المرغينانى وذكر

Shirwán. — 8986. Feráidh El-Saghání, doctrina hereditates dividendi, auctore Imám Hasan Ben Mohammed Hanefi, vulgo Saghání dicto et anno [650 (inc. 14. Mart. 1252)] mortuo. — 8987. Feráidh Táshkõprizádeh, doctrina hereditates dividendi, auctore Molla Ahmed Ben Mustafa, vulgo Táshkõprizádeh dicto et anno 968 (inc. 22. Sept. 1560) mortuo. Compendium in duas disquisitiones et conclusionem distributum. — 8988. Feráidh El-Teháwi, doctrina hereditates dividendi, auctore Abu Jafar Ahmed Ben Mohammed Misri Hanefita, vulgo Teháwi dicto et anno [321 (inc. 1. Jan. 933)] mortuo. — 8989. Feráidh El-Othmání, liber de doctrina hereditates dividendi Othmání dictus, auctore Sheikh et Imám Borhán-ed-din Abu'lhasan Ali Ben Abi Bekr Marghinání, anno [593 (inc. 24. Nov. 5 1196)] mortuo. Idem opus Hidáyet edidit, et post laudem Dei: Haec sylloge, inquit, Othmanica honorifice cognominata est, eamque principes civitatis et viri inferiores aequae expetunt etc. Sheikh Minháj-ed-din Ibráhim Ben Soleimán Seráyi commentarium in Feráidh El-Othmání scripsit, qui ita incipit: Laus Deo nimis alto, quam ut sibi genere similem habeat etc. Narrat ibi, praeceptorem suum Reshid-ed-din Ismaíl Ben Mahmúd Ben Mohammed Kerderi adnotationes utiles scripsisse ad quaestiones necessarias. Itaque eas collegit et auxit, et liber inde enatus, quem Mefátih el-acfál inscripsit et in Khowarezmia anno 771 (inc. 5. Aug. 1369) absolvit, textum Sheikhi Othmání sequebatur. Evitaverat refutationem et cognatorum 10 recensionem, et statutorum definitiones, quae utriusque viri dicta excedebant, ita tamen, ut Marghinání emendaret et corrigeret, et post archetypi finem additamenta

- بعد انتهائه زوائد وفوائد من عدة كتب وذلك اكراماً له وتواضعاً لا لاحتياجه الى تصحيح كتاب غيره مع غزارة علمه وعدم مثله وقدرته على تصنيف كتاب من عنده ٨٩٩. فرانس كتاب غرس الدين ابن ابراهيم الحلبي توفي سنة وشرحه له ٨٩٩ فرانس الفارقية للشيخ الامام شمس الدين محمد بن [شرف بن عادي بالمهملة] الكلائي [الفرضي الشافعي المتوفى سنة ٧٧٧] ٨٩٣ فرانس الفزاري للشيخ الامام برهان الدين ابى اسحق ابراهيم بن عبد الرحمن الفزاري 5 [المعروف بابن الفرعاج الشافعي المتوفى سنة ٧٩١] ٨٩٣ فرانس اللاري وهو مصلح الدين محمد بن صلاحى المتوفى سنة [٩٧١] ٨٩٤ فرانس اللالى متن مختصر للسيد احمد بن مصطفى الششير بلالى اوله الحمد لله الذى جعل العلماء ورثة الانبياء الخ ٨٩٥ فرانس المتوفى وهو ابو سعيد عبد الرحمن بن مأمون الشافعي المتوفى سنة ٤٧٨ وهو مختصر مفيد ٧٩٩ فرانس مجمع البحرين شرحها بعضهم ٨٩٧ فرانس محسن القيصرى منظومة 10

et adnotationes adjiceret e pluribus libris, id quod in honorem praeceptoris fecit et propter verecundiam, non propterea quod necesse sibi habebat librum alius corrigere, quamvis eruditione copiosa excelleret, parem neminem haberet, et propria facultate librum componere facile posset. — 8990. Feráidh Ghars-ed-dín, doctrina hereditates dividendi, auctore *Ghars-ed-dín Ibn Ibráhim Halebi*, anno . . . mortuo. Idem commentarium in eam edidit. — 8991. El-Feráidh El-Fárickíyet, doctrina hereditates dividendi „discernens“ dicta, auctore Sheikh et Imám *Shems-ed-din Mohammed Ben [Sherif Ben Adí] Killáyi* [Shafiita juris hereditarii perito, 5 anno 777 (inc. 2. Jun. 1375) mortuo]. — 8992. Feráidh El-Fezári, doctrina hereditates dividendi, auctore Sheikh et Imám *Borhán-ed-dín Abu Is'hac Ibráhim Ben Abd-el-rahman Fezári* Shafiita, [vulgo *Ibn-elfirkáh* dicto et anno 729 (inc. 5. Nov. 1328) mortuo]. — 8993. Feráidh El-Lári, doctrina hereditates dividendi, auctore *Moslih-ed-dín Mohammed Ben Saláhi*, vulgo *Lári* dicto et anno [979 (inc. 26. Mai. 1574)] mortuo. — 8994. Feráidh El-Láli, doctrina hereditates dividendi, auctore Seyyid *Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Láli* dicto. Textus brevis, qui ita incipit: Laus Deo, qui viros doctos heredes prophetarum esse voluit etc. — 8995. Feráidh El-Motewelli, doctrina hereditates dividendi, auctore *Abu Saíd Abd-el-rahman Ben Mamún* Shafiita, vulgo *Motewelli* dicto et anno 478 (inc. 29. Apr. 10 1085) mortuo. Compendium adnotationibus utilibus plenum. — 8996. Feráidh Mejma' el-bahrein, doctrina hereditates dividendi e libro *Mejma' el-bahrein* desumta. Vir quidam in eam commentarium edidit. — 8997. Feráidh Mohsin El-



مفيدة توفي سنة 700 نظم فيها السراجية آوله

بسم مَنْ مَنْ لطفه فامنا

ذكر فيه آته لما نظر في نظم الاديب ابي نصر الفراعى اراد نظم الفرائض السراجية على ذلك المنوال [قال في الشقائق نظم علم الفرائض نظما حسنا بليغا جامعاً للمسائل ثم شرحه شرحاً 5 مبيناً فيه دقائقه واسراره انتهى] وشرحها محمد بن محمد بن محمود المدعو بالشيخ البخارى فرغ في دمشق الشام رابع عشر من شوال سنة 813 آله في شهر واحد مستمى بجامع الدرر وهو شرح مطول ممزوج آوله نحمدك يا من استأثر هو وصفاته بالقدم الخ وهو ارجوزة لطيفة على بحر خفيف ذكر المؤلف في شرحه سبب نظمه الا الظل والوبل الذى نظمه ابو نصر الفراقى نظماً بديع الاسلوب موجز غاية الاجاز ولما رآه مشحوناً بانواع السحر لللال اراد 10 نظم الفرائض على ذلك المنوال ونظم ايضا بالتركى عبد الله بن طورسون الشهير بفيضى المتوفى

Caisari, doctrina hereditates dividendi, auctore *Mohsin Caisari*, anno 755 (inc. 26. Jan. 1354) mortuo. Carmen utile, quod librum *El-Feráidh El-Sirájiyet* metricè redditum continet et ita incipit:

Nomine ejus, qui benignitatem suam in nos probavit; et credimus.

Narrat auctor, carmen philologi *Abu Nasr Feráhi* cum inspexisset, se *El-Feráidh El-Sirájiyet* metricè reddere eadem ratione voluisse. [Auctor libri *Sheháic* eum doctrinam hereditates dividendi ratione egregia, facunda et ita metricè composuisse narrat, ut omnes quaestiones comprehenderet; et tum commentarium edidisse, ubi quaestiones carminis subtiles et locos obscuros exposuerit. Haec ille]. *Mohammed Ben Mohammed Ben Mahmúd*, *El-Sheikh El-Bokhári* cognominatus, commentarium *Jámi' el-dorer* 5 inscriptum composuit, quem Damasci in Syria die quarto decimo mensis *Shewwál* anni 863 (inc. 8. Nov. 1458) absolvit et uno mense confecit. Commentarius hic prolixus textum admixtum habet et ita incipit: Laudamus Te, qui ipse solus, pariter atque ejus facultates, aeternitate praeter ceteros gaudet etc. Carmen est elegans versibus brevibus ad genus quoddam metri *Khafif* compositum. Auctor in commentario compositionis metricae caussam narrat fuisse carmen a verbis *Alá El-Tzill we El-Wabl* incipiens, quod *Abu Nasr Feráhi* composuerit ratione omnino nova et ita, ut summae brevitati studeret. Quod cum pulcherrimis poesis floribus impletum cognosceret, ad eundem modum opus *El-Feráidh El-Sirájiyet* metricè reddere 10 decrevit. Turcica quoque lingua metricam operis *Feráidh* compositionem edidit *Abdallah Ben Tursún*, vulgo *Feidhi* dictus et anno 1019 (inc. 16. Mart. 1610)

سنة 1٠١١ تُرّ شرحها وطاشكبرى زاده وحبيبي افندى ٨٩٨ فَرَأَصْ مسعود بن محمد انغاجدوانى  
 تَابِيَّة تُرّ شرحها شرحًا لطيفًا ٨٩٩ فَرَأَصْ المقدسى وهو ابو الفضل عبد الملك بن ابراهيم  
الهمدانى [الفرصى] الشافعى المتوفى سنة ٤٨٩ وابو منصور عبد القاهر بن طاهر البغدادى  
[الشافعى] المتوفى سنة ٤٢١ ١... فَرَأَصْ المكلّفين فارسى رسالة لحمد بن مقرى حسين بن  
 على فى ذكر الفَرَأَصْ والواجبات على طريق السّؤال والالجواب على مقدّمة وثلاثة ابواب وخاتمة  
 اوله بعد از حمد نامحدود الخ مقدّمة در تكلفات الباب الاول فى الفَرَأَصْ الباب الثانى در  
واجبات الباب الثالث در اقسام سنت خاتمة فى المتمّات ١... الفرج بعد الحجّ ذكر فى  
 رسالة الشفاء ٩... الفرج بعد الشّدة لابن ابى الدنيا ابى بكر عبد الله بن محمد بن عبيد  
القرشى البغدادى المتوفى سنة ٢٨١ لتخصه السيوطى مع زيادات سماه الارج فى الفرج ولانى  
الحسين عمر بن محمد [بن يوسف الفقيه المالكى] القاضى [بن القاضى] المتوفى 10

- mortuus, idemque postea commentarium scripsit. Idem fecit *Táshkūprizádeh* et *Yahya Efendi*. — 8998. Feráidh Mes'úd, doctrina hereditates dividendi, auctore *Mes'úd Ben Mohammed Ghojdeuáni*. Carmen in literam Tá desinens, quod auctor serius eleganter commentatus est. — 8999. Feráidh El-Mocaddesi, doctrina hereditates dividendi, auctoribus *Abu'lfadhl Abd-el-melik Ben Ibráhm Hemdáni* Shafiita [juris hereditarii perito], vulgo *Mocaddesi* dicto et anno 489 (inc. 31. Dec. 1095) mortuo, et *Abu Mansúr Abd-el-cáhir Ben Táhir Baghdádi* [Shafiita], anno 429 (inc. 14. Oct. 1037) mortuo. — 9000. Feráidh el-mokallifín, praescripta officiorum sacrorum ministris data. Tractatus persice a *Mohammed* filio Lectoris
- 5 *Corani Hosein Ben Ali* de statutis et legibus praescriptis per quaestiones et responsa compositus, et in praefationem, tria capita et conclusionem distributus, qui ita incipit: Post laudem immensam etc. Praefatio agit de caeremoniis officiosis, caput primum de statutis divinis, caput secundum de legibus praescriptis necessario observandis, caput tertium de generibus praescriptorum in Sunna sancitorum, et conclusio de legum complementis. — 9001. El-Faraj ba'da el-haraj, gaudium post angustiam. Commemoratur in tractatu *Shefá*. — 9002. El-Faraj ba'da el-shiddet, gaudium post adversitatem, auctore *Abu Bekr Abdallah Ben Mohammed Ben Obeid Coreshi Baghdádi*, vulgo *Ibn Abi'ldunya* dicto et anno 281 (inc. 13. Mart. 894) mortuo. Potiora libri adjectis additamentis *Soyúti* selecta edidit epitomenque
- 10 *El-Araj fi el-faraj* inscripsit. Librum ejusdem tituli primus inter omnes *Abu'hosein Omar Ben Mohammed [Ben Yusuf Jurisconsultus Malikita]* *Cádhi [Ben-elcádhi]*,



سنة ٣٦٨ وهو أول من صنّف فيه ولا يق على محسن بن على القاضى التنوخى الاديب المتوفى  
 فى محرم سنة ٣٨٤ اوله الحمد لله الذى جعل بعد الشدة فرجاً قال لما رأيت أبناء الدنيا  
 متغلبين فيها بين خبير وشرّ ونفع وضرّ ولم ار ليم فى أيام الرخاء انفع من الشكر ولا فى أيام  
 البلاء انجع من الصبر ووجدت اقوى ما فرغ الناس اليه كتب الاخبار فبدأت بآيات من  
 5 كتاب الله سبحانه وتعالى واخبار عن نبيه عليه الصلوة والسلام واقتصر على كتب احسن ما  
 رأيت من الاخبار والآثار والاشعار وهى اربعة عشر باباً انتهى وترجمه لطف الله بن حسن  
 التوقائى المقتول فى سنة ٩٠٠ وفى الفرج بعد الشدة كتاب تركى لمحمد بن عمر الحلبي على ثلاثة  
 عشر باباً ٩٠٣ الفرج القريب للسيوطى من مقاماته ذكوة فى فهرسه ٩٠٤ فرج المغبون  
 وفرح المحزون منظومة فى التصوف لعبد النافع بن محمد بن على الدمشقى للحنفى المتوفى  
 10 سنة ٩١٣ ٩٠٥ فرحة الانفس فى فضلاء العمى من اجل الاندلس لابن غالب ٩٠٦ فرح  
 نامه تركى فى ترجمة السياسة لارسطو وهو المعروف باخلاقى نوالى [المتوفى سنة] يأتى فى الكاف

anno 328 (inc. 18. Oct. 939) mortuus, scripsit. Eum *Abu Ali Mohsin Ben Ali Tenúkhí El-Cádhi* philologus, mense Moharrem anni 384 (inc. 15. Febr. 994) mortuus, secutus est, cujus liber ita incipit: Laus Deo, qui post adversitatem gaudium fecit etc. Filios mundi, inquit, cum in eo laborantes vidissem inter secunda et adversa, inter utilia et noxia, et pro iis diebus commoditatis vitae nihil conspexissem gratiarum actione utilius, neque diebus afflictionis quidquam salubrius patientia, nec ad quod homines refugerent fortius quidquam reperissem libris historicis, a versibus libri divini et traditionibus prophetis incepti, et in libris praestantissimis qui historias, 5 traditiones et carmina continerent acquievi, et argumentum quatuordecim capitibus comprehendendi. — Haec ille. — *Lutfallah Ben Hasan Túcúti*, anno 900 (inc. 2. Oct. 1494) interfectus, librum transtulit, et opus simile ejusdem tituli *El-Faraj ba'da el-shiddet* in tredecim capita divisum *Mohammed Ben Omar Halebi* turcice edidit. — 9003. *El-Faraj El-Caríb*, gaudium propinquum. Unus Consessuum *Soyútii*, quem in indice scriptorum commemorat. — 9004. *Faraj el-maghbún we Farah el-mahzún*, gaudium neglecti et laetitia tristitia affecti. Carmen theosophicum, auctore *Abd-elnáfi' Ben Mohammed Ben Ali Dimeshcki* Hanefita, anno 962 (inc. 10 26. Nov. 1554) mortuo. — 9005. *Farhat el-anfos*, laetitia animarum de caecis viris bene meritis inter Andalusenos, auctore *Ibn Ghálib*. — 9006. *Farah-námeh*, liber laetitiae. Translatio turcica libri Aristotelici de civitatum regimine (*πολιτεία*), qui vulgo *Akhílac Nevalii*, [anno ... defuncti], inscribitur, et infra in litera *Káf*

- ٩٠٧ فرج نامه تركى منظوم للشیخ زاده نظمها في دولة السلطان يلدرم خان ٩٠٨ فرج نامه رساله ويسمى ايضا بالتسخير الاكبر في علم الحرف للشيخ الياس بن عيسى الاخصارى آفد سنة ٩٥٣ توفي سنة ٩١٧ ٩٠٩ الفرج والسرور في بيان المذاهب مختصر لحيى الدين محمد بن سليمان الكانيجى [المتوفى سنة ٨٧٩] اوله الحمد لله الذى هدانا الى سبيل الحق الخ على ثلاثة ابواب آفد سنة ٨٩١ ٩١٠ فرج كلرخ تركى منظوم في بحر الرمل لنعنى الشاعر ٩٠٥ [المتوفى سنة ٩٤٣] ٩١١ فرج نامه فارسى على ست عشرة مقالة لابي بكر مطير بن ابى القاسم ابن ابى سعيد الجمالى المعروف بالبيزى آفد في رمضان سنة ٩٠٤ آفد في جواب نزهت نامه العلائى وعمره ستة عشر سنة ٩١٢ فرد القصيد في قصيد الفريد وهو ديوان شعر للشيخ جمال الدين حسين بن على الحصى وكان حياً في حدود سنة ٩١٠ ٩١٣ فردوس الاخبار بمأثور الخطاب المخرج على كتاب الشهاب في الحديث لابي نتجاع شيرويه بن شهردار بن شيرويه بن فناخسرو ٩١٠

- commemorabitur. — 9007. Farah-námeh, liber laetitiae. Carmen turcicum, quod Sheikhzádeh regnante Sultano Yilderim Khán composuit. — 9008. Farah-námeh, liber laetitiae. Tractatus de doctrina virtutum literarum, qui etiam *El-Teshkír El-Akbar* inscribitur. Sheikh Ilyás Ben Isa Achisári, qui anno 967 (inc. 3. Oct. 1559) obiit, librum anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) composuit. — 9009. El-Farah we El-Sorúr, laetitia et hilaritas de descriptione variae sectarum disciplinae, auctore Mohyi-ed-din Mohammed Ben Soleimán Káfiji, [anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui nos ad viam veritatis ducit etc., et in tria capita dispositum est. Scripsit auctor anno 866 (inc. 6. Oct. 1461). — 9010. Farah Gülrúh, laetitia rosea. Poema turcicum ad metrum Raml a Na'ti Poeta composuit, [qui anno 943 (inc. 20. Jun. 1536) obiit]. — 9011. Farah-námeh, liber laetitiae persice, in sedecim dissertationes distributus, quem Abu Bekr Motahher Ben Abi'l-cásim Ben Abi Said Jemáli, vulgo Yezdi dictus, mense Ramadhán anni 560 (inc. 18. Nov. 1164) sedecim annos natus composuit, ut ad librum *Nuzhet-námeh* ab Aláyi editum responderet. — 9012. Fard el-casíd fi casíd el-ferid, praestantia medullae de carminibus viri incomparabilis. Sylloge carminum, auctore Sheikh Jemál-ed-din Hosein Ben Ali Hisni, qui circa annum 960 (inc. 18. Dec. 1552) vixit. — 9013. Firdaus el-akhbár, paradus historiarum de relatione sermonis ad librum *Sheháb-ed-dini* eliciti. Traditiones, auctore Abu Shojá' Shirúyeh Ben Shekridár Ben Shirúyeh Ben Fenuáhosrew Hemdáni Deilemi,



اليمداني اندليمي المتوفى سنة ٥٠٩ أوله أن أحسن ما نطق به الناطقون الخ ذكر فيه أنه  
 اورد فيه عشرة آلاف حديث وذكر أنه اورد القضاى فيه ألف كلمة ومائتى كلمة ولم يذكر  
 راويها وذكر في الفردوس روايتها [ورتب على حروف المعجم مجردة عن الاسانيد ووضع علامة  
 مخرجه بجانبه وعدد رموزه عشرون واقتفى السيوطى اثره في جامعه الصغير ثم جمع ولده  
 الحافظ شيردار المتوفى سنة ٥٥٠ اسانيد كتاب الفردوس ورتب ترتيباً حسناً في اربع مجلدات  
 وسماه مسند الفردوس] ٩٠١٤ فردوس التواريخ لمولانا خسرو الابرقوهى ٩٠١٥ فردوس الحكمة  
 لابي الحسن على الرازى توفى سنة ٩٠٦ فردوس الحكمة في علم الكيمياء لخالد بن يزيد  
 ابن معاوية الامير الحكيم منظومة في قوافي مختلفة وعدد ابياتها الفان وثلاثمائة وخمسة عشر  
 بيتاً اوله الحمد لله الواحد الفرد الذى له الفخر والمجد الخ

يا طلب بصاعة الحكماء

10

منطقاً حقاً بغير خفاء

anno 509 (inc. 27. Mai. 1115) mortuo. Liber incipit ita: Praestantissimum, de quo loquentes loquuntur etc., et narrat auctor, decem hic se traditionum milia proponere, et addit, *Codhái* mille et ducenta verba tradita ea de re protulisse, attamen auctores referentes non nominasse. Hos in libro *Firdaus* nominat, [quem ad ordinem alphabeticum ita disposuit, ut auctoritates continuas recideret, et ad eum qui traditionem elicuit significandum siglum ei apponeret. Horum siglorum viginti sunt; librique vestigia *Soyúti* in suo *Jámi' Saghir* secutus est. Tum filius auctoris Háfitz *Shehrídár*, qui 5 anno 558 (inc. 10. Dec. 1162) obiit, auctoritates ad librum *Firdaus* collegit, opusque *Musnad El - Firdaus* inscriptum in quatuor voluminibus egregie disposuit]. — 9014. *Firdaus el-tewárikh*, paradisus historiarum, auctore Molla nostro *Khosrew Ebrecúhi*. — 9015. *Firdaus el-hikmet*, paradisus philosophiae, auctore *Abu'l-hasan Ali Rúzi*, anno ... mortuo. — 9016. *Firdaus el-hikmet*, paradisus philosophiae de Alchymiae scientia, auctore *Khálid Ben Yezíd Ben Moáwiya* Emir Philosopho. Carmen in varia homoeoteleuta desinens, quod duo milia trecentos quindecim versus continet et ita incipit: Laus Deo unico, incomparabili, cui gloria est et laus etc.

O vos qui sortem quaeritis philosophorum,  
 Habetis hic sermonem verum sine occultatione.

10

- ٩١٧ فردوس الفتاوى ذكره ابن المؤيد في مجموعته ٩١٨ فردوس المجاهدين ذكره  
 على دوده في الاوائل ٩١٩ فرصت نامه مصطفى بن احمد المتخلص بعالي الدفترى المتوفى  
 سنة [١٠٠٨] ٩٢٠ فرض العلم لاني بكر [محمد بن الحسين] الآجرى المتوفى سنة [٣٦٠]  
 ٩٢١ فرط الغرام الى ساكى الشام لاني سعد عبد الكريم بن محمد السمعاني المتوفى سنة ٥٣٠  
 في ثمانية اجزاء كان بينه وبين ابن عساكر مودة اكيدة واجتماع على الطلب فصنف ذلك 5  
 الكتاب وارسله اليه في جملة ما ارسله من المكاتب ٩٢٢ فرح الاثبات في الحديث محمد بن  
 ابراهيم الكلبي المعروف بابن الحنبلي المتوفى سنة [٩٧١] ٩٢٣ فرعية الشرعية لسعدى بن  
 حسن اوله الحمد لله الذى جعل العلم زينا للعلماء العاملين الخ جمعها مختصراً نافعا في  
 العبادات مشتملة على ثلثين فصلاً ٩٢٤ فرق الاسلامية لابن ابي الدم ابراهيم بن عبد الله  
 الهمداني الشافعي المتوفى سنة ٩٤٢ ٩٤٥ فرقان المجيد تنزيل من العزيز الحميد وهو الرابع من 10

9017. Firdaus el-fetáwi, paradisus responsorum juridicorum. Commemoratur  
 ab *Ibn-elmowayyed* in *Mejmúat* sive *Collectaneis*. — 9018. Firdaus el-mojá-  
 hidín, paradisus bellum sacrum gerentium. Commemoratur ab *Ali Dehdeh* in *El-  
 Avcáil*. — 9019. Forsat-námeh, liber occasionis, auctore *Mustafa Ben Ahmed*,  
 cognomine poetico *Ali El-Defteri* ornato et anno [1008 (inc. 14. Jul. 1599)] mortuo. —  
 9020. Fardh el-ilm, statutum scientiae, auctore *Abu Bekr [Mohammed Ben-  
 elhosein] Ajorri*, anno [360 (inc. 5. Nov. 970)] mortuo. — 9021. Fart el-gharám,  
 missio summi amoris ad incolas Syriae. Octo fasciculi, auctore *Abu Sa'd Abd-el-  
 5 kerim Ben Mohammed Sem'áni*, anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuo. Intercedebat  
 inter auctorem et *Ibn Asákir* amicitia firma et consortium ad doctrinam quaerendam.  
 Scripsit igitur hunc librum et ad amicum misit cum summa literarum, quas  
 dederat. — 9022. El-Far'o' El-Athbat, ramus firmissimus de traditionibus,  
 auctore *Mohammed Ben Ibráhm Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dicto et anno [971.  
 (inc. 21. Aug. 1563)] mortuo. — 9023. El-Far'iyet El-Shar'iyet, tractatus  
 de specialibus legis praeceptis, auctore *Sa'di Ben Hasan*. Collegit ita, ut compen-  
 dium, quod ita incipit: Laus Deo, qui scientiam ornamentum fecit doctis viris  
 agentibus etc., utile esset de cultus divini officii et triginta sectiones complecteretur. —  
 9024. El-Firec El-Islámíyet, sectae Islamicae, auctore *Ibráhm Ben Abdallah*  
 10 *Hemdáni Shafiita*, vulgo *Ibn Abi'ldemm* dicto et anno 642 (inc. 9. Jun. 1244)  
 mortuo. — 9025. El-Forcán El-Mejíd, liber gloriosus verum a falso distinguens,  
 quem Deus augustus et omni laude praestans revelavit. Hic quartus librorum est



- الكتب المنزلة ٩٢٦ الفرق بين الخاص والمشترك من معاني الشعر لحسن بن بشر الآمدي  
توفي سنة ٣٧١ ٩٢٧ الفرق بين الرآء والعين لابي سعيد محمد بن علي العراقي الحلي المتوفى  
سنة ٥١١ ٩٢٨ الفرق بين العدل التي تشتمه اسبابها وتختلف اعرابها في الطب لابن الجزار  
احمد بن ابراهيم الطبيب الافريقي المتوفى قبل سنة ٤٠٠ ٩٢٩ الفرق بين النحو وانمنصف  
5 لابي العباس احمد بن محمد السرخسي الطبيب المتوفى سنة ٢٨٦ ٩٣٠ فرقت نامه تركي  
منظوم لتخليلى شاعر من شعراء الدولة الفاتحيّة كان من بلدة آمد ٩٣١ الفرق والمعبّر  
بين الاوفاد والاحرار لابي الفرج علي بن حسين الاصفهاني المتوفى سنة ٤٥٨ وهو في  
معارضة كتاب اللفظ المحيط بنقص ما لفظ به اللقيط لابي الحسن علي بن عبد  
الله بن المناجم ٩٣٢ الفروسيّة المحمديّة لشمس الدين محمد بن ابي بكر بن قيم  
10 الجوزية المتوفى سنة ٧٥١

divinitus revelatorum. — 9026. El-Farc bein el-kháss we el-mushterik, discrimen inter id quod speciale et id quod commune est e carminum argumentis, auctore *Hasan Ben Bishr Amidi*, anno 371 (inc. 7. Jul. 981) mortuo. — 9027. El-Farc bein El-Rá we El-Ain, discrimen inter literas *Rá* et *Ain*, auctore *Abu Said Mohammed Ben Ali Irácki Hilli*, anno 561 (inc. 7. Nov. 1165) mortuo. — 9028. El-Farc bein el-ilel, discrimen inter morbos, quorum caussae similes inter se sunt, conditiones fortuitae diversae. Liber de medicina, auctore *Ahmed Ben Ibráhim Ifricki* Medico, vulgo *Ibn-eljezzár* dicto et ante annum 400 (inc. 25. Aug. 1009) mortuo. — 9029. El-Farc bein el-nahw we el-mantic, discrimen inter grammaticam et logicam, auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Serakhsi* Medico, 5 anno 286 (inc. 17. Jan. 899) mortuo. — 9030. Forcat-námeh, liber discriminis. Carmen turcicum, auctore *Khalili* Poeta, qui regnante *Mohammede* Expugnatore vixit et in urbe Amid natus erat. — 9031. El-Farc we El-Mi'yár, discrimen et aequilibras inter advenas et liberos, auctore *Abu'faraj Ali Ben Hosein Isfaháni*, anno 458 (inc. 3. Dec. 1065) mortuo. Scriptus est hic liber ad imitationem operis *El-Laftz El-Mohit bi nacdh ma lafutza biki el-lachit*, auctore *Abu'hasan Ali Ben Abdallah Ben-elmonajjim*. — 9032. El-Forusiyet El-Mohammediyet, ars equestris *Mohammedica*, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Ben Cayyim-eljauziyet*, anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuo. —

وهو المعروف بعلم الفقه سيأتي قريباً

- ٩٣٤ فروع ابن الحاجب المالكي شرحه ابو عبد الله محمد بن خلف الوشتاني [الابن]  
المالكي وابو العباس احمد بن محمد التلمساني المالكي المتوفى سنة ٨٤٢ وسمّاه توضيح المعقول وتحريم المنقول ولم يكمله 5  
ابن احمد البساطي المالكي المتوفى سنة ٨٤٢ وسمّاه توضيح المعقول وتحريم المنقول ولم يكمله 5  
٩٣٥ فروع في الفقه الحنبلي مجلدين للشايخ شمس الدين ابى عبد الله [محمد] بن مفلح  
الحنبلي المتوفى سنة ٧١٣ اجاد فيه واحسن على مذهبه شرحه الشايخ الامام احمد بن ابى  
بكر بن محمد بن العماد الحموي سمّاه المقصد المنجج لفروع ابن مفلح ٩٣٦ فروع في  
مذهب الشافعي لابن بكر محمد بن احمد المعروف بابن الحداد المصري الشافعي المتوفى  
سنة ٣٤٥ وهو صغير الحجم كثير الفائدة دقق في مسائله غاية التدقيق وفي بعض الطبقات 10  
سمّاه بالمولدات لكونه هو المولد لها والمبتكر وهو من عجائب التأليف فخير العقول في تقريره

9033. *Ilm el-forú'*. Doctrina de articulis juris derivatis,

quae alias *Ilm el-fic'h* i. e. jurisprudentia nominatur et mox describetur. —

9034. *Forú' Ibn-el-hájib*, articuli juris derivati, auctore *Ibn-el-hájib* Malikita. Commentarios in eos ediderunt *Abu Abdallah Mohammed Ben Khalaf Weshtáni [Obayyi]* Malikita, *Abu'labbas Ahmed Ben Mohammed Tilimsáni* Malikita, anno ... 5 mortuus, et *Shems-ed-din Mohammed Ben Ahmed Bisáti* Malikita, anno 842 (inc. 24. Jun. 1438) mortuus, cujus commentarius, *Taudhíh el-ma'cúl we Tahrím el-mencúl* inscriptus, ad finem non perductus est. — 9035. *Forú' fi el-fic'h El-Hanbali*, articuli juris Hanbalitici derivati. Duo volumina, auctore Sheikh *Shems-ed-din Abu Abdallah [Mohammed] Ben Moflíh* Hanbalita, anno 763 (inc. 31. Oct. 1361) mortuo, qui argumentum secundum disciplinam suam optime et elegantissime tractavit. In ea Sheikh et Imám *Ahmed Ben Abi Bekr Ben Mohammed Ben Imúd-ed-dini Hamawi* commentarium, *El-Macsad El-Monjih li Forú' Ibn Moflíh* inscriptum, edidit. — 9036. *Forú' fi madzhab El-Sháfii*, articuli juris derivati de disciplina *Sháfíitica*, auctore *Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Misri* Sháfíita, vulgo *Ibn-elhaddád* dicto 10 et anno 345 (inc. 15. Apr. 956) mortuo. Volumen parvum, at adnotationibus utilibus plenum. Auctor subtilissime et per singulas partes in quaestiones propositas inquisivit, quae in Classibus quibusdam recentes appellantur, quod eas primus creaverat et tanquam primo partu genuerat. Liber compositionis miraculum est, qui per exposi-



فضلا عن اختراعه اعتنت به الائمة وتنافسوا في شرحه ووقف كثير منهم عن الكلام فيه لدقته  
 وغموضته وذكر الرازي في الكلام على بعض مسائله انه لما ابتكر واخذ العجب برجله فزلت به  
 القدم فغلط فيه فشرحه ابو علي حسن بن شعيب المعروف بابن السنجي الشافعي المتوفى  
 سنة ٤٢٠ شرحا بسيطا لم يقاربه احد مع كثرة شروحيها وشيخه ابو بكر [محمد بن علي] القفال  
 5 الشاشي في مجلد توفى سنة ٣٩٥ والقاضي ابو الطيب طاهر بن عبد الله الطبري في مجلد  
 كبير توفى سنة ٤٠٠ وابو اسحق ابراهيم بن محمد الاسفرائني توفى سنة ٤١٨ وابو القاسم عبد  
 الرحمن بن محمد المروزي القوراني المتوفى سنة [٤٩١] وابو بكر الصيدلاني توفى سنة  
 ٩٣٧ فروع فيه ايضا لابن القطان [ابي الحسن احمد بن محمد] الشافعي المتوفى سنة  
 [٣٥٩] غالبه غريب ٩٣٨ فروع الاصول رسالة مفيدة لبعض المتأخرين اولها الحمد لله  
 10 المحمود ذي القدم الموجود الخ ٩٣٩ فروع في فروع الخفية لجمال الاسلام ابي المظفر اسعد

tionem suam, nedum per novam rei speciem mentes obstupescit. Imami se ejus  
 studiis tradiderunt eumque exponere vehementer cupiverunt; attamen multi cohibiti  
 sunt, ne de eo verba facerent, cum nimis subtilis et intellectu difficilis esset. *Ráfi*  
 loco, ubi de quaestione quadam disserit, dicit, cum auctor nova omnino ratione rem  
 tractet et procedens magnam admirationem faciat, pedem in eo persequendo offendi,  
 ut in errorem incidat. *Abu Ali Hasan Ben Shoeib Shafiita*, vulgo *Ibn-elsinji* dictus  
 et anno 420 (inc. 20. Jan. 1029) mortuus, commentarium amplum composuit, cui  
 nemo parem edidit, magna commentariorum multitudine non obstante, et ejus prae-  
 ceptor *Abu Bekr [Mohammed Ben Ali] Caffál Sháshi*, anno 365 (inc. 10. Sept. 975) 5  
 mortuus, cujus commentarius volumine comprehensus est — *Cadhi Abu'ttayyib Túhir*  
*Ben Abdallah Taberi*, anno 450 (inc. 25. Febr. 1058) mortuus, qui magnum volumen  
 composuit — *Abu Is'hac Ibráhim Ben Mohammed Isferáni*, anno 418 (inc. 11. Febr.  
 1027) mortuus — *Abu'l-cásim Abd-el-rahman Ben Mohammed Merwezi Furáni*,  
 anno [461 (inc. 31. Oct. 1068)] mortuus, et *Abu Bekr Seidaláni*, qui anno ...  
 obiit. — 9037. Forú' fihí, articuli juris Shafiitici derivati, auctore [*Abu'hasan*  
*Ahmed Ben Mohammed*] Shafiita, vulgo *Ibn-elcattán* dicto et anno [359 (inc.  
 14. Nov. 969)] mortuo. Major libri pars miro argumento eminet. — 9038. Forú c  
 el-osúl, discrimina principiorum, auctore quodam recentiore. Tractatus adnota-  
 tionibus utilibus refertus, qui ita incipit: Laus Deo gloria praestanti et aeternitate 10  
 praesente distincto etc. — 9039. Forú c fi forú' El-Hanefiyet, discrimina de  
 articulis juris Hanefitici derivatis, auctoribus *Jemál-elislám Abu'l-motzaffer As'ad*

ابن محمد الكرابيسى النيسابورى المتوفى سنة ٥٧٠. وللامام احمد بن عبيد الله بن ابراهيم الجبوقى النيسابورى اوله الحمد لله سايع النعم بالغ الحكم الخ توفى سنة سماء تلقى العقول ولاحمد بن عثمان التركمانى المتوفى سنة ٧٤٠ وللشيخ ابى الفضل محمد بن صالح الكرابيسى السمرقندى المتوفى سنة ٣٣٣. ٩٠٤. فروع فى فروع الشافعية لابن شريح مشتملة على اجوبة عن اسئلة متعلقة بمختصر المزنى ولاقى محمد عبد الله بن يوسف الجبوينى الشافعى توفى 5 سنة ٤٣٨ فى مجلد ولاقى امامة محمد بن على بن النقاش المصرى المتوفى سنة ٧١٣ ولاقى عبد الله محمد بن على الحكيم الترمذى المتوفى سنة [٢٥٥] وللشيخ جمال الدين [عبد الرحيم ابن الحسن الاموى القرشى] الاسنوى [المتوفى سنة ٧٧٢] تفصيله فى المجلد الاول من طبقات الكبرى ذكر الاسنوى فى مطالع الدقائق ان المطارحة بالمسائل ذوات المأخذ المؤلفات المتفقة والاجوبة المختلفة المفترقة بماثر افكار العلماء قال وقد رأيت لاحبابنا فى هذا المعنى تصانيف 10 منها ما هو موضوع لهذا المعنى بخصوصه ومنها ما هو مشتمل على اعم منه فمن الاول كتاب

*Ben Mohammed Kerábisi Nisáburi*, anno 570 (inc. 2. Aug. 1174) mortuo — *Imám Ahmed Ben Obeidallah Ben Ibráhim Mahbúbi Nisáburi*, anno . . . mortuo, cujus liber ita incipit: Laus Deo beneficia copiosa conferenti et dicta gravia loquenti etc., et *Telkith el-ocúl* inscriptus est — *Ahmed Ben Othmán Turkemáni*, anno 774 (inc. 3. Jul. 1372) mortuo — et *Sheikh Abu'fadhl Mohammed Ben Sálíh Kerábisi Samarcandí*, anno 322 (inc. 22. Dec. 933) mortuo. — 9040. Forúci fi forú' El-Shafiyyet, discrimina de articulis juris Shafiitici derivatis, auctoribus *Ibn Shoreih*, cujus liber responsa continet ad quaestiones, quae compendium *Mození* spectant — *Abu Mohammed Abdallah Ben Yusuf Joweini* Shafiita, anno 438 (inc. 8. Jul. 1046) mortuo, cujus liber volumine comprehenditur — *Abu Omáma Mohammed Ben Ali Ben-elnaccásh Misri*, anno 763 (inc. 31. Oct. 1361) mortuo — *Abu Abdallah Mohammed Ben Ali El-Hakím El-Tirmidzi*, anno [255 (inc. 20. Dec. 868)] mortuo — *Sheikh Jemál-ed-dín [Abú-el-rehím Ben-elhasan Omevi Coreshi] Esnewi*, [anno 772 (inc. 26. Jul. 1370) mortuo]. Descriptio argumenti subtilior legitur in primo *Classium Majorum* volumine. *Esnewi* in *Metáli' el-decáic* disputationem versari dicit in quaestionibus auctoritate stabilitis, quae in se conjunctae et concordantes sint, et in responsis propter cogitationes virorum doctorum traditas diversis et 10 disjunctis. Vidi, inquit, de hoc argumento libros ab asseclis sectae nostrae scriptos. Alii eorum propter id ipsum peculiariter compositi sunt, alii argumentum quod illo latius est comprehendunt. Ad illud genus pertinet liber *El-Jam'o we El-Farc a*



الجمع والفرق للشيخ ابي محمد الجويني ومنه كتاب الوسائل في فروق المسائل مجلد ضخيم  
 لابي الخير سلامة بن اسمعيل بن جماعة المقدسي ومن الثاني كتاب المطارحات لابي عبد الله  
 القفلان طفر به الرازي ونقل عنه في كتاب الغصب ومنها المسكت بالسين الميملة والتاء المثناة  
 لابي عبد الله الزبيري ومنها المعاياة لابي العباس النجرجاني وهذا الباب واسع جداً اشتمل على  
 5 الغت والشمين ١.٤١ فروق الكرابيسى مسمى بتلقيح الجويني ذكره صاحب الاشباه في اول  
 فن القروق ١.٤٢ فرعان نامه تركى منظوم في اليزج لحدود بن عثمان المعروف بلامعى المتوفى  
 سنة ٩٣٨ ولما انتدفعه الى السلطان ملكه قرية صلة له ١.٤٣ فرعان وشيرين من خمسة ميمير  
 على شير المعروف بنواتى توفي سنة ٩٠٩ منها في الزبدة سنة وعشرون بيتاً ١.٤٤ فرعان نامه  
 في اللغة فارسي لفخر الدين ابراهيم بن قوام القواس ولاستاذ شيخ محمد بن شيخ لآل  
 10 ١.٤٥ الفريدة البارزية في حل القصيدة الشاطبية مر ١.٤٦ الفريدة الشاعرية والقصيدة الباعية لابن

Sheikh Abu Mohammed Joweini editus — *Kitáb el-wesáil fi forúc el-mesáil*;  
 volumen amplum, quod *Abu'l'kheir Selámet Ben Ismaíl Ben Jemáa Mocaddesi*  
 scripsit; — ad hoc liber *El-Motárehát* ab *Abu Abdallah El-Cattán* compositus, quem  
*Ráfi* possedit et unde plura in librum *Ghasb* assumsit — liber *El-Moskit*, quem  
*Abu Abdallah Zobeiri* edidit, et liber *Moáyát* ab *Abu'tabbás .Jorjáni* compositus.  
 Haec materia amplissima est, et tenuia et pretiosa continet. — 9041. Forúc El- 5  
 Kerábisi, discrimina a *Kerábisi* edita et *Telckih El-Mahbúbi* inscripta. Comme-  
 morat ea auctor libri *Ashbáh* in prima discriminum parte. — 9042. Ferhád-námeh,  
 liber *Ferhád*. Poema turcicum ad metrum *Hazaj* a *Mahmúd Ben Othmán*, vulgo  
*Lámii* dicto et anno 938 (inc. 15. Aug. 1531) mortuo, compositum. Qui cum illud  
 Sultano obtulisset, hic poetam possessorem urbis fecit, quam dono ei dedit. —  
 9043. Ferhád we Shirín. Carmen *Ferhád* et *Shirín* inscriptum et ad quinionem  
*Miri Alshír*, vulgo *Newáyi* dicti et anno 906 (inc. 28. Jul. 1500) mortui, pertinens,  
 ex quo viginti sex versus in *El-Zubdet* leguntur. — 9044. Ferheng-námeh,  
 liber scientiae. Lexicon persicum, auctoribus *Fakhr-ed-din Ibráhim Ben Chivám*  
*Cawwás* et magistro *Sheikh Mohammed Ben Sheikh Lálá*. — 9045. El-Ferídet 10  
 El-Báriziyet, gemma pretiosa *Báriziaca*. Expositio *Casidae Shátibiyet*, de qua  
 supra videatur. — 9046. El-Ferídet El-Sháhíyet we El-Casídet El-  
 Báhiyet, gemma regia et *Casida* splendens, auctore *Ibn Rackica*, supra sub

- رقيقة المذكور في الغرض المطلوب ٩٤٧ الفريدة الفية للسيوطي ثم شرحها وسماه المطالع  
السعيدة ذكره في فن اللغة [أوله أقول بعد الحمد والسلام الخ رتب على مقدمة وسبعة ابواب  
أول الشرح أما بعد حمد الله على نعمه المزيده الخ] ٩٤٨ الفريدة في ذكر الاغذية المفيدة اوله  
الحمد لله الذي لا يغيره الحوادث ولا تبليه عواقب الزمان والدهور الخ قال مؤلفه بعد  
الحمد والصلوة على النبي صلعم سئلتني بعض احبائي ان اجمع لهم ما يغنيهم عن المتناعات 5  
في كتب الطب فشرعت لهم فيه جميع ما يحتاج اليه الادمي في مبتداه الى حال بلوغه  
وشبابه مرتباً على القواعد الاربع وخمسة ابواب الاول في كلام مجمل والثاني في نجله وكرمه  
والثالث مشتمل على عشرة فصول يحتوى على ذكر سائر الاشجار والرابع مشتمل على اربعة  
فصول يحتوى على كل نوع من الحيوان والخامس يشتمل على سبعة فصول يحتوى على  
ذكر الاغذية المصنوعة ٩٤٩ الفريد في الانساب لابن السائب هشام بن محمد الكلبي 10  
المتوفى سنة [٢٠٤] ٩٥٠ فريد في اعراب القران انما جيد في اربع مجلدات للامام المنتخب

- El-Ghardh El-Matlub* commemorato. — 9047. *El-Feridet*, gemma pretiosa *Alfiya*  
inscripta, quam *Soyúli* edidit et postea commentatus est. Commentarius titulum prae  
se fert *El-Metúli' El-Saidet* et in classe scriptorum lexicologorum ab eo recensetur.  
[Liber incipit ita: Dico post laudem et salutationem etc., et in praefationem et  
septem capita dispositus est. — Commentarius autem incipit ita: Praemissa Dei laude  
pro beneficiis ejus amplissimis etc.]. — 9048. *El-Feridet fi dzikr el-aghdiyét*  
*el-mofídet*, gemma pretiosa de descriptione ciborum utilium. Liber incipit ita:  
Laus Deo, quem eventa non mutant et temporum et saeculorum conversiones non  
5 tentant etc. Post laudem et precessionem pro salute prophetae auctor: A me, inquit,  
amicorum quidam petierunt, ut iis ea colligerem, quibus a legendis libris medicis libera-  
rentur. Incepi igitur congerere, iique in libro omnia inveniuntur, quibus homini ab  
initio suo usque ad tempus pubertatis et adolescentiae opus est. In quatuor fundamenta  
et quinque capita dispositus est, quorum primum caput de quaestionibus universalibus  
agit, secundum de hujus doctrinae origine et nobilitate, tertium decem sectiones  
continet et descriptionem omnium arborum comprehendit, quartum quatuor sectionibus  
constat et omnia genera animalium comprehendit, quintum septem sectiones complectitur  
10 et ciborum facticiorum descriptionem continet. — 9049. *El-Feríd fi el-ansáb*,  
unio de genealogiis, auctore *Ibn-elsáib Hishám Ben Mohammed Kelebi*, anno [204  
(inc. 28. Jun. 819)] mortuo. — 9050. *El-Feríd fi iráb El-Cor'an el-mejíd*,  
unio de flexionibus Corani augusti finalibus. Quatuor volumina, auctore *Imám*



- ابن ابي العز بن رشيد الهمداني الشافعي المتوفى سنة [١١٢٣] ١٠٥١ فريد في النحو لعصام الدين  
 ابراهيم بن محمد الاسفرائي المتوفى سنة [١١٢٣] وشرحه له ايضا ١٠٥٢ فن المحتام في التورية  
 والاستخدام لصلاح الدين خليل بن ابيك الصفدي المتوفى سنة [٧١٤] مختصر اوله الحمد  
 لله الذي جعلني بلباس الآداب الخ ١٠٥٣ فسنن العداة في قواعد السلطنة لحمد بن  
 5 محمد [بن محمود] انخطيب فارسي مجلد مرتب على ستة ابواب آ في امور الدولة ٢ في  
 اقوال العلماء والحكماء ٣ في تواريخ الانبياء عليهم السلام ٤ في مزدك ومردك ٥ في الزادقة  
 ٦ في مذمة الجليل ألفه للامير مسعود بن كيقباس بن كيقاس بن كيقباد ألفه في بلدة  
 اتسراى في سنة ١٠٥٣ ١٠٥٤ فصل الخطاب في اربعة وعشرين مجلدا للشيخ شرف الدين احمد  
 ابن يوسف النتيغاني [المتوفى سنة ١٠٥١] ألفه للصاحب محيي الدين محمد بن محمد بن ندى  
 10 العجزى ١٠٥٥ فصل الخطاب في فصل النطق المستطاب لابي القاسم عبد الكريم بن هوازن

*Muntekhab Ben Abi'lizs Ben Reshid Hemdani* Shafiita, anno [643 (inc. 29. Mai. 1245)] mortuo. — 9051. *El-Ferid fi el-nahw*, unio, auctore *Isám-ed-din Ibráhím Ben Mohammed Isferáini*, anno [943 (inc. 20. Jun. 1536)] mortuo. Opus grammaticum, in quod commentarium quoque scripsit. — 9052. *Fass el-khatám*, pala annuli signatorii de lege Mosaica et geniis servitio subjiciendis, auctore *Saláh-ed-din Khalil Ben IbeK Safedi*, anno [764 (inc. 21. Oct. 1362)] mortuo. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui me vestibis bonorum morum ornavit etc. — 9053. *Fostat el-adálet*, tentorium justitiae de principiis imperii regii. Volumen, quod *Mohammed Ben Mohammed [Ben Mahmúd] Khatib Emiro Mes'úd Ben Keicarus* 5 *Ben Keikhosrew Ben Keicubád* in urbe Acserái anno 683 (inc. 20. Mart. 1284) persice composuit et in sex capita distribuit, quorum primum de imperii negotiis agit, secundum de dictis virorum doctorum et philosophorum, tertium de historiis prophetarum, quibus Deus propitius sit, quartum de Mazdak et Mardak, quintum de Dualismi asseclis, sextum de ignorantia vituperanda. — 9054. *Fasl el-khitáb*, distinctio orationis. Viginti quatuor volumina, quae *Sheikh Sheref-ed-din Ahmed Ben Yusuf Tigháshi*, [anno 651 (inc. 3. Mart. 1253) mortuus], principi *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ben Nedi Jezeri* composuit. — 9055. *Fasl* 10 *eI-khitáb fi fadhI el-natc el-mustetáb*, distinctio orationis de praestantia loquelae dulcis, auctore *Abu'l-cásim Abd-el-kerim Ben Hewázin Cosheiri*, anno 465

- القشيري المتوفى سنة ٤١٥ ٩٥٩ فصل الخطاب في قتل الكلاب لجلال الدين عبد الرحمن  
السيوطي المتوفى سنة ٩١١ ٩٥٧ فصل الخطاب فيما للحاجة من الآداب لشافع بن علي [بن  
عباس العسقلاني المصري] الكاتب [المتوفى سنة ٧٣٠] ٩٥٨ فصل الخطاب في المحاضرات  
للحافظ الزاهد محمد بن محمد الحافظي من اولاد عبيد الله النقشبندی البخارى المعروف  
بخواجه پارسا النقشبندی المتوفى بالمدينة سنة [٧٣٠] ودفن بيا اوله انحمد لله الدال لخلقه 5  
علي وحدانيته الخ ترجمته لابي الفضل موسى بن حاج حسين الزينقي بشارة اموريك بن  
تيمورتاش پاشا وتعريب فصل الخطاب لامير پادشاه محمد نزيل مكة البخارى وفرغ في رجب  
سنة ٩١٧ ٩٥٩ فصل الخطاب لعلی بن ابي طالب لرشيد الدين الوطواط المتوفى سنة [٥٧٨]  
وهو مشتمل على مائة كلام من كلماته مشروحا بالفارسية نظما ونثرا وكذا جمع لباقي الخلفاء  
الثلاث كما مر في انس الليفان ٩٦٠ فصل الخطاب لوصول الاحباب منظومة في اثني عشر الف 10

- (inc. 17. Sept. 1072) mortuo. — 9056. Fasl el-khitáb fi catl el-kiláb,  
distinctio orationis de necandis canibus, auctore *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Soyúti*,  
anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 9057. Fasl el-khitáb fimá lil-hajabet  
min el-adáb, distinctio orationis de moribus janitoribus observandis, auctore *Sháfi*  
*Ben Ali [Ben Abbás Ascaláni Misri]* Scriba, [anno 730 (inc. 25. Oct. 1329)  
mortuo]. — 9058. Fasl el-khitáb fi el-moháddharát, distinctio orationis.  
Opus anthologicum responsa praesentia continens, auctore Háfitz asceta *Mohammed*  
5 *Ben Mohammed Háfitzi Bokhári Nackishbendi* e filiis *Obeidallae Nackishbendi*, vulgo  
*Khoja Pársá* dicto et Medinae anno [822 (inc. 28. Jan. 1419)] mortuo ibique sepulto.  
Operis, quod ita incipit: Laus Deo hominibus creatis viam ad unitatem suam mon-  
stranti etc., translationem *Abu'fadhli Musa Ben Háji Hosein Isnícki* jussu *Amurbegi*  
*Ben Timurtásh Pasha* confecit, illudque *Emír Pádisháh Mohammed Bokhári* Mekkae  
inquilinus vocalibus instruxit et mense Rejeb anni 987 (inc. 28. Febr. 1579) absolvit. —  
9059. Fasl el-khitáb, distinctio orationis, auctore *Reshíd-ed-dín Wetwát*, anno  
[578 (inc. 7. Mai. 1182)] mortuo. Continet centum dicta *Alii Ben Abi Tálib*, quibus  
commentarius persice scriptus et ligata et soluta oratione additus est. Eadem ratione  
10 dicta ceterorum trium Khalifarum, ut supra in *Uns el-lahfán* dictum est, auctor  
collegit. — 9060. Fasl el-khitáb li wasl el-ahbáb, distinctio orationis in  
consuetudinem amatorum. Carmen duodecim versuum milibus compositum, auctore



- بيت للشيخ بدر الدين محمد بن محمد المعروف بابن رضى الدين الغزى المتوفى سنة [٩٨٤]  
 ٩٦١ فصل الدر من الرزة في فضل السلامة على الخبزة وهما قربتان بالطائف للشيخ مجد  
 الدين ابي طاهر محمد بن يعقوب الفيروزآبادى الشافعى المتوفى سنة ٨١٧ ٩٦٣ فصل الشتاء  
 في مختصر تهذيب الاسماء مر ٩٦٣ فصل الفائق في معراج خير الخلائق للشيخ محمد بن  
 5 يوسف بن على الدمشقى الصالحى نزيل القاهرة ٩٦٤ الفصل في مشتبه السنّة لزين الدين  
 محمد بن موسى الحارثى اليمداني المتوفى سنة ٩٦٥ فصل الكلام في حكم السلام لجلال  
 الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ٩٦٦ فصل الكلام في ذم الكلام ٩٦٧ فصل المقال فيما بين  
 الشريعة والطبيعة من الاتصال وهو كتاب يبحث فيه عن العلم الآلهى لابن الرشيد ٩٦٨ فصل  
 المقال في ابنية الانعال ل محمد بن يحيى المعروف بابن هشام الحنزالى المتوفى سنة ٩٤٩  
 ٩٦٩ فصل المقال في حدايا العمال لعده لتقى الدين السبكي يفهم من تعبير ولده في مفيد

*Sheikh Bedr-ed-din Mohammed Ben Mohammed Ghazzi, vulgo Ibn Redhi-ed-din*  
 dicto et anno [984 (inc. 31. Mart. 1576)] mortuo. — 9061. Fasl el-dorr min  
 el-harazet, separatio margaritae e loculo de vico *Selama* vico *Khabaza* praefere-  
 tendo, auctore *Sheikh Majd-ed-din Abu Takhir Mohammed Ben Yacub Firuzabadi*  
*Shafiita*, anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuo. Uterque vicus in agro *Taifetano*  
 situs est. — 9062. Fasl el-shita, tempus hibernum. Epitome libri *Tehdzib*  
*el-asmá*, de quo supra dictum est. — 9063. El-Fasl El-Faic, fragmentum  
 praestans de adscensu optimi hominum creatorum in coeli contignationes ad Deum,  
 auctore *Sheikh Mohammed Ben Yusuf Ben Ali Dimeshcki Salihi Cahirae* inquilino. — 5  
 9064. El-Fasl fi mushtebih El-Sunnet, fragmentum de ambiguis Sunnae locis,  
 auctore *Zein-ed-din Mohammed Ben Musa Harithi Hemdani*, anno ... mortuo. —  
 9065. Fasl el-kelám fi hukm el-selám, fragmentum orationis de formula  
 salutationis, auctore *Jelal-ed-din Soyuti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. —  
 9066. Fasl el-kelám fi dzamm el-kelám, fragmentum orationis de vituperanda  
 theologia scholastica. — 9067. Fasl el-mecál, fragmentum dissertationis de  
 conjunctione, quae inter legem et naturam intercedit, auctore *Ibn-elroshd*. Dispu-  
 tatur in hoc libro de metaphysica. — 9068. Fasl el-mecál fi abniyet el-  
 af'al, fragmentum dissertationis de formis verborum grammaticis, auctore *Mohammed*  
*Ben Yahya Hadhráwi*, vulgo *Ibn Hishám* dicto et anno 646 (inc. 26. Apr. 1248)  
 mortuo. — 9069. Fasl el-mecál fi hedáyá el-ommál, fragmentum disserta- 10  
 tionis de donis quae praefectis offeruntur lege vetitis. Liber fortasse *Tacki-ed-din*  
*Sobki* auctorem habet, ut ex sententia, in quam ejus filius in libro *Mofid el-niam*

النعم ٩.٧. فصل من الاصول الذى يحتاج اليه السائل والمسؤل اوله الحمد لله اعل الحمد  
والطول وولى القوة والجواب الخ ٩.٧. فصوص لاقى العلاء صاعد بن الحسن البغدادي المتوفى  
سنة ٤١٧ نحا فيه نحو القائل في اماليه وكان يتهم بالكذب فرفض الناس كتابه ولما تبين  
للمنصور بن ابي عامر صاحب الاندلس كذبه في قوله وعدم تثبته رماه في النهر لانه قيل له  
جميع ما فيه لا صحته له قال بعن الشعراء

5

قد غاص في البحر كتاب الفصوص

وكذا كلّ ثقبيل يغوص

واجاب الصاعد بهذا البيب

عاد الى عنصره انما

10

يخرج من قعر الجور الفصوص

وشرحه علاء الدين ابو الحسن على بن النقيس ابن ابي الحزم ٩.٧. فصوص الآداب  
٩.٧. فصوص الحكيم للشيخ مكيبى الدين ابي عبد الله محمد بن علي المعروف بابن عرق

disputat, intelligendum est. — 9070. Fasl min el-osúl, fragmentum principiorum,  
quo interroganti et interrogato opus est. Incipit ita: Laus Deo laude et gloria  
digno, qui potentiam possidet et respondere potest etc. — 9071. Fosús, palae  
annuli, auctore *Abu'talá Sáid Ben-elhasan Baghdádi*, anno 417 (inc. 22. Febr. 1026)  
mortuo, qui rationem sequitur, quam *Cáli* in *Amáli* observavit. In suspicionem  
mendacii incurrit, ut homines librum respuerent, et *Mansúr Ben Abi Amir* Hispaniae  
princeps de dictis ejus falsis et omni veritatis et comprobationis specie carentibus  
certior factus, librum in flumen dejici jussit, cum omnia in illo ne vestigium quidem  
5 veritatis prae se ferre ad eum delatum esset. Poeta quidam hunc versum scripsit:

Liber *Fosús* in flumen demersus est;

Ita omne grave se demergit.

Ad quem *Sáid* hoc versu respondit:

Rediit ad originem suam; certe enim

10

Gemmae ex imis maribus prodeunt.

Commentarium *Alá-ed-din Abu'hasan Ali Ben-elnefis Ibn Abi'lhasm* edidit. —  
9072. Fosús el-adáb, palae literarum liberalium. — 9073. Fosús el-hikem,  
palae dictorum sapientia plenorum, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Abu Abdallah*  
*Mohammed Ben Ali Týi Hátimi Andalusi*, vulgo *Ibn Arabi* dicto et anno 638



الطائى الحاتمى الاندلسى المتوفى سنة ٩٣٨ اوله الحمد لله منزل الحكم على قلوب الكلم  
 الخ وهى على سبعة وعشرين فصاً ترتيبه هكذا الاول فص حكمة اليتية فى كلمة آدمية الثانى  
 نفسية فى شيتية الثالث سبوحية فى نوحية الرابع قدسية فى ادرسية الخامس ميمية  
 فى ابراهيمية السادس حقية فى اسحاقية السابع عليية فى اسمعيلية الثامن روحية فى يعقوبية  
 5 التاسع نورية فى يوسفية العاشر احدىة فى هودية الحادى عشر فاتحية فى صالحية  
 الثانى عشر قلبية فى شعيبية الثالث عشر ملكية فى لوطية الرابع عشر قدرية فى عزيرية  
 الخامس عشر نبوية فى عيسوية السادس عشر رحمانية فى سليمانية السابع عشر وجودية  
 فى داودية الثامن عشر نفسية فى يونسية التاسع عشر غيبية فى ايوبية العشرون حلالية  
 فى يحيوية الحادى والعشرون مالكية فى زكرياوية الثانى والعشرون ايناسية فى الياسية  
 10 الثالث والعشرون احسانية فى لقمانية الرابع والعشرون امامية فى هارونية الخامس والعشرون  
 علوية فى موسوية السادس والعشرون صمدية فى خالدية السابع والعشرون فردية فى

(inc. 23. Jul. 1240) mortuo. Liber incipit ita: Laus Deo dicta sapientia cordibus  
 verborum revelanti etc., et in viginti septem palas distributus est, quarum dispositio  
 hic sequitur: Pala prima sapientiae divinae in dictis *Adami* — pala secunda sapientiae  
 afflatae in dictis *Sethi* — pala tertia sapientiae venerandae in dictis *Noahi* — pala  
 quarta sapientiae sanctae in dictis *Idrisi* — pala quinta sapientiae custodientis in  
 dictis *Abrahami* — pala sexta sapientiae veritate conspicuae in dictis *Is'hacki* —  
 pala septima sapientiae altae in dictis *Ismatlis* — pala octava sapientiae spiritalis in  
 dictis *Yacubi* — pala nona sapientiae luminosae in dictis *Yusufi* — pala decima 5  
 sapientiae uncae in dictis *Hudi* — pala undecima sapientiae aperientis in dictis  
*Saliki* — pala duodecima sapientiae cordis in dictis *Shoaihi* — pala tertia decima  
 sapientiae angelicae in dictis *Luthi* — pala quarta decima sapientiae potentis in dictis  
*Esdrae* — pala quinta decima sapientiae propheticae in dictis *Yesu* — pala sexta decima  
 sapientiae misericordis in dictis *Soleimani* — pala septima decima sapientiae existentis  
 in dictis *Dawudi* — pala duodevicesima sapientiae animae in dictis *Yunosi* — pala  
 undevicesima sapientiae secretae in dictis *Eyyubi* — pala vicesima sapientiae licitae  
 in dictis *Yahyae* — pala vicesima una sapientiae dominicae in dictis *Zakariyae* —  
 pala vicesima secunda sapientiae familiaris in dictis *Eliae* — pala vicesima tertia 10  
 sapientiae beneficae in dictis *Locmani* — pala vicesima quarta sapientiae Imamicae  
 in dictis *Haruni* — pala vicesima quinta sapientiae sublimioris in dictis *Musae* —  
 pala vicesima sexta sapientiae sempiternae in dictis *Khalidi* — pala vicesima septima

محمديّة قال في خطبته أما بعد فاني رأيت رسول الله صلعم في مبشرة اربتها في العشر الآخر  
من الحرم سنة ٣٧٠ بدمشق وبيده كتاب فقال لي هذا كتاب فصوص الحكم خذّه واخرج به  
الى الناس يمتنعون به فقلت السمع والطاعة انتبى اقول اختلف الناس فيه ردًا وقبولًا فبعضهم  
اعتنى عليه وتلقاه بحسن القبول وشرحه كابن الزملكاني كمال الدين محمد بن علي الانصاري  
الشافعي المتوفى سنة ٧٢٧ والمولى عبد الرحمن بن احمد اللجاني المتوفى سنة ٨١٨ اوله الحمد لله 5  
الذي زين خواتم قلوب اولي الهمم الخ ذكر فيه ان الفصوص مآ فاض من روح نبينا عليه  
الصلوة والسلام على خواتم متابعيه بقدر متابعتهم وقوة مناسبتهم ومن عجائب هذا النوع  
كتاب فصوص الحكم بجملة ما فيه من الحكم والاسرار فاض من قلبه الانور دفعة واحدة على  
قلب الشيخ الكامل بشرح مشكلاته وهو شرح ممزوج جمع شروحه واصاف وانتخب منها  
اليه ما سنح له في اثناء المطالعة والسيد علي بن شهاب [بن محمد] الهمداني المتوفى 10

sapientiae incomparabilis in dictis *Mohammedis*. — In praefatione haec habet:  
Praemissis praemittendis. Per visum, quod se mihi somnianti Damasci obtulit ultimis  
decem diebus mensis Moharrem anni 627 (inc. 20. Nov. 1229), legatum conspexi  
divinum manu librum tenentem. Hic liber, inquit, palas sapientia plenas continet.  
Cape et prodi cum eo inter homines, ut utilitatem inde capiant. Obedienter et  
submisse me hoc facere velle pollicitus sum. — Haec ille. — Varia, inquam,  
homines de libro statuunt, ut eum aut rejiciant aut comprobent. Nonnulli eum curae  
sibi habuerunt, et benigne tractantes probarunt commentariosque in eum scripserunt,  
5 ut *Kemâl-ed-din Mohammed Ben Ali Ansâri* Shafiita, vulgo *Ibn-elzamlekâni* dictus  
et anno 727 (inc. 27. Nov. 1326) mortuus — *Molla Abd-el-rahman Ben Ahmed*  
*Jâmi*, anno 898 (inc. 23. Oct. 1492) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus  
Deo, qui palas cordium hominum intelligentium ornavit etc. Narrat ibi, Palas ad  
ea pertinere, quae spiritus prophetae nostri super familiarissimos sectatores secundum  
studii gradum effundat et favoris vehementiam, quo eum persequantur. In libris  
hujus generis mirabilioribus numerari *Fosûs el-hikem* ob summam quam contineant  
sententiarum sapientia plenarum et arcanarum. Effudit eum semel propheta e corde  
suo luce clarissima pleno super cor Sheikhi illius perfecti ita, ut locos libri obscu-  
riores explicaret. Commentarius textum admixtum habet, et auctor commentarios  
10 collegit, nova addidit, et potiora eorum, quae media in lectione se ei obtulerunt,  
elegit eique inseruit — *Seyyid Ali Ben Shehâb [Ben Mohammed] Hemdâni*, anno



سنة ٧٩١ والشيخ داود بن محمود القيصرى المتوفى سنة ١٠٧١ اوله انحمد لله مفتل الآيات الخ  
 ذكر فيه أن بعض الاكابر التمس منه ان يشرحه فصدر مقدمة كاشفة عن آليات مقاصد القوم  
 مبينة لتأسيس تلكه الاصول وعلى منطوية على عدة توشيحكات وعقود وله مقدمة اخرى في  
 بيان هذا المعنى سمعنا مطلع خصوص الكلم يأتي صنفه للوزير غياث الدين محمد وكمال  
 5 الدين عبد الرزاق الكاشى بن ابي الغنائم بن احمد المتوفى سنة ٧٣٠ اوله الحمد لله الاحد  
 بذاته وكبريائه الخ ومؤيد الدين الجندى المتوفى في حدود سنة ٧٠٠ وهو مؤيد الدين بن  
 محمود بن صاعد بن محمد الحاتمي الصوفي في شرحين كبيراً وصغيراً اوله حمد الحمد احق  
 محامد الخ ذكر فيه ان شيخه صدر الدين القونوى بدأ بشرح خطبته ثم اشار اليه  
 بتكميله وذكر ان الشيخ نبى ان يجمع بين هذا الكتاب وبين غيره من الكتب في جلد  
 10 واحد وان كان من مؤلفاته وعمل بانه من الورث المحمدي واورد في اول ذلك الشرح قصيدة  
 دالية مشتتة على اصول النواى التوحيد المذكورة [في الفصوص] وسعد الدين محمد بن

786 (inc. 24. Febr. 1384) mortuus — Sheikh *Dawud Ben Mahmūd Caisari*, anno 751  
 (inc. 11. Mart. 1350) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo „signa  
 distinguenti“ etc. Virum quendam dignitate conspicuum a se petiisse narrat, ut  
 commentarium in *El-Fosūs* scriberet. Praeposuit praefationem, quae consilia virorum  
 peritorum praecipua aperiret, quae ad haec principia stabilienda viam planam munirent.  
 In plures *Tauskihāt* (ornatus) et *Ocūd* (monilia) complicata est. Idem ad hoc argumentum  
 exponendum aliam praefationem *Matta' khosūs el-kilem* inscriptam et infra commem-  
 oratam in gratiam Weziri *Ghiyāth-ed-din Mohammed* edidit — *Kemāl-ed-din* 5  
*Abd-el-rezzāc Kūshi Ben Abi'lghanāim Ben Ahmed*, anno 730 (inc. 25. Oct. 1329)  
 mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo essentia et majestate unico etc. —  
*Mowayyed-ed-din Ben Mahmūd Ben Sāid Ben Mohammed Hātimi* Sufi, vulgo  
*Mowayyed-ed-din Jendi* dictus et circa annum 700 (inc. 16. Sept. 1300) mortuus,  
 qui commentarium majorem et minorem edidit. Incipit ita: Extollatur laus ratione  
 laudibus justis dignissima etc., et Sheikhum suum *Sadr-ed-din Cunewi* in prae-  
 fationem commentarium incepisse narrat, tum sibi ut finiret mandasse. Etiam  
 magistrum narrat vetuisse, ne hic liber cum ullo alio, ne cum suis quidem scriptis,  
 uno volumine comprehenderetur, ea caussa interposita, quod hunc librum a propheta 10  
*Mohammed* hereditatis quasi jure acceperit. Praeterea initio hujus commentarii  
*Casidam* in *Dāl* desinentem affert, quae principia continet sensuum interiorum fidei  
 in unum Deum, quae [in *El-Fosūs*] proponuntur — *Sa'd-ed-din Mohammed*

أحمد الفرغاني المتوفى في حدود سنة ٧٠٠. والشيوخ بايزيد خليفة الرومي المتوفى [بعد] سنة  
 [٩٠٠] والشيوخ بالي خليفة الصوفي المتوفى سنة ٩٠٠ ومظفر الدين علي الشيرازي توفى سنة ٩١٣  
 والشيوخ محمد بن صالح الكاتب صاحب الحمدية توفى سنة مختصر سلك فيه مسلماً حسناً  
 واعتذر بان الشيخ كان مأموراً بالتكلم ما يخالف ظاهره الشرع ابتلاءً للناس من عند الله  
 تعالى وهو معذور وشرح السيد نعمته الله مشكله وشرحه صانن الدين تركه أحد أفراد 5  
 التلامذة للسيد حسين الاخلاطي أوله الحمد لله مفصل الآيات الخ وهو شرح ممزوج مختصر  
 والمولى يحيى بن علي المعروف بنوي [المتوفى سنة ١٠٠٧] وسماه كشف الحجاب من وجه  
 الكتاب أشار السلطان مراد بن سليم اليه ولذلك ادرج ما جرى بينهما من المشاورة والمخاطبة  
 بالتذاكر والكتاب تركي وقيل في تأريخه شرح فصوص نوي كامل سنة ١٠٠٣ وحل ابن بهاء  
 الدين مشكلانه في رسالة قال فيها ولما وردت في الفصوص من كلمات يتسارع الى النفوس 10

---

*Ben Ahmed Ferghani*, circa annum 700 (inc. 16. Sept. 1300) mortuus — *Sheikh Bayezid Khalifa Rumi*, [post] annum [900 (inc. 2. Oct. 1494)] mortuus — *Sheikh Bâli Khalifa Sufiyehvi*, anno 960 (inc. 13. Dec. 1552) mortuus — *Motzaffer-ed-din Ali Shirâzi*, anno 922 (inc. 5. Febr. 1516) mortuus — *Sheikh Mohammed Ben Sâlih* Scriba, auctor libri *Mohammediyet* anno ... mortuus, qui in brevi hoc commentario rationem iniit probatam et se excusat, quod Sheikh ex mandato de iis disserere debuerit, quorum species exterior legi repugnaret, qua in re tentatio a Deo ipso  
 5 hominibus objecta quaerenda esset. Attamen haec caussa per se ipsa satis est excu-  
 sata — *El-Seyyid Ni'metallah*, qui locos obscuriores libri exposuit — *Sâin-ed-din*,  
 cujus commentarium discipulorum quidam familiarissimus Seyyido *Hosein Akhlâti*  
 reliquit. Incipit ille ita: „Laus Deo signa distinguenti“ etc. et textum admixtum  
 habet brevisque est — *Molla Yahya Ben Ali*, vulgo *Nauî* dictus [et anno 1007  
 (inc. 25. Jul. 1598) mortuus], qui commentario titulum *Kashf el-hijâb min wajh*  
*el-kitâb* dedit et Sultani *Murâd Ben Selim* jussu scripsit, eamque ob causam ei  
 ex mutua recordatione inseruit, de quibus inter se versibus certaverant et invicem  
 disputaverant. Liber turcice scriptus est, et tempus compositionis, annus scilicet  
 milesimus secundus, his significatur verbis *Shârh Fosûs Nauî Kâmil* i. e. commen-  
 10 tarius in librum *Fosûs* a *Nauî* editus perfectus (est). *Ibn Behâ-ed-din* locos ejus  
 obscuriores in singulari libro exposuit, ubi haec dicit: In libro *Fosûs* cum verba



انكارها وبتسابق الى الاذيام شتاؤها ينيى ظاهرها عن الضلال فلذلك ينسب قائلها الى  
الاضلال لكن فيها وجوه يتحرى فيها الفلاح كشفت قناعها حملاً لامر المؤمنين على الصلاح  
انتبى و[العارف بالله] عبد الله افندى [البسنوى المتوفى سنة 1054] فى زماننا هذا شرح  
عربياً وتركياً وهو شرح مزوج جيد لعله احسن الشروح اوله وكلاً نقص عليك الحج وذكر  
5 انه شرحه اولاً تركياً واشتبه الشرح فى بلاد العرب فطلبوا منه ان يشرحه لهم بلسانهم على  
نوى الشوق وقدم على الشرح اثنى عشر اصلاً تفهيماً لمخادف انكتاب [وغير ما ذكر الشروح]  
وانتقد الآخرون بالانكار والاكفار فصنف الشيخ ابراهيم بن محمد الحلبي خطيب جامع  
السلطان محمد خان [المتوفى سنة 1054] كتاباً فى رده سماه نعمة الدريعة فى نصره الشريعة  
امضاعاً المولى سعدى المفتى والشيخ محمد بن الياس المعروف بجوى زاده اقول ان الفصوص  
10 تعدد فيه انقيال والقال وكثر النزاع والجدال فالولى ترك النظر فيه وعدم الالتفات اليه. تأسياً

legantur, quorum reprobatio animos prope occupat, et quorum osores intellectus  
praevertunt, cum exterior eorum sensus erroris suspicionem excitet, ut, quamvis  
explicandi rationes admittant, in quibus salus quaerenda sit, auctorem seductionis  
accusent, difficultates eorum retexi, ut res fidelium ad statum integrum perducere-  
tur. — Haec ille. — [Arif billah] Abdallah Efendi [Bosneci, anno 1054 (inc.  
29. Febr. 1644) mortuus], qui hoc nostro tempore commentarium arabice et persice  
scriptum edidit. Hic textum adjectum habet, et praestantia ita eminent, ut fortasse  
omnium praestantissimus sit. Incipit ita: Omnino tibi explicamus etc., et auctor  
5 narrat, se primum turcice scripsisse commentarium, eumque in terris Arabum  
inclaruisse, hos autem a se petiisse, ut in arabica lingua iis commentarium ad  
gustum desiderii Dei praesentiam appetentis componeret. Commentario duodecim  
principia praemisit, quibus veram libri naturam aperiret [et alia, quorum commentarii  
mentionem faciunt]. Ceteri autem plura ex dictis selecta reprobarunt, et adeo  
impietatis accusarunt, et Sheikh Ibrahim Ben Mohammed Halebi ad aedem cathedralem  
Sultani Mohammed Khan concionator, [anno 956 (inc. 30. Jan. 1549) mortuus],  
refutationem commentarii edidit Ni'met el-dzeriat fi nosret el-sheriat inscriptam,  
quam Molla Sa'di Mufti et Sheikh Mohammed Ben Ilyas, vulgo Jewizadeh dictus,  
subscripsit. Multa, inquam, de libro Fosus in utramque partem dicta, multa de iis  
disputata et litigata sunt. Praestat tamen ejus lectionem mittere et minime se ad  
10 eum convertere. Solatium autem ex dicto prophetae quaerendum est: Mitte, quae tibi

لقوله عليه الصلوة والسلام دع ما يريبك الى ما لا يريبك فانك لو نظرت كتب التواريخ والطبقات لرأيت الناس فريقين في حق الشيخ وتأليفه ومن شروحه مشارق النصوص الباحث عن غوامض الفصوص شرح مختصر ممزوج لرجل متأخر من النقاشاني وعفيف التلمساني لانه نقل من كلامهما اوله احمد الله الذي افاض على عباده لجموده السابق الخ ومن شروحه شرح الشيخ عفيف الدين [سليمان] بن علي بن عبد الله [الصوفي] التلمساني [المتوفى سنة 5 49]. وهو شرح مختصر بقوله اوله الحمد لله وسلام على عباده الذين اصطفى الخ وانتصر عليه الشيخ المكي برسالة فارسية سماها الجانب الغربي في مشكلات محيي الدين ابن العربي ورتب على بابين وخاتمة وصان الدين علي الاصفهاني المتوفى سنة 830 ومن شروحه شرح ركن الدين فارسي مجلد ممزوج ذكر فيه انه رأى شرح النقاشاني وداود القيصرى وكتب ما خطر بباله ودون بسرارى وشرحه مولانا ادريس بن حسام الدين البديليسى ذكر فيه انه ما رأى 10 شرحاً شافياً فشرحه من غير مراجعة الى شرح وعلى الفصوص رد للشيخ علي بن سلطان محمد

dubitationem injiciunt et amplectere ea, quae te a dubitatione liberant; si enim libros historicos et classes inspiceres, homines certe videres partium studio divisos de auctoris jure et libro. Vir doctus recentior, qui post *Cashāni* et *Afif-ed-din Tilimsāni* vixit, cum utriusque dicta exhibeat, commentarium edidit brevem *Meshāric el-nosūs el-bāhitz an ghawāmidh El-Fosūs* inscriptum, qui textum admixtum habet et ita incipit: Laudo Deum, qui in cultores ex liberalitate sua eximia beneficia 5 confert copiosa etc. Sheikh *Afif-ed-din [Soleimān] Ben Ali Ben Abdallah [Sufi] Tilimsāni*, [anno 690 (inc. 4. Jan. 1291) mortuus], commentarium brevem scripsit, qui verba exposita tantum admixta habet et ita incipit: Laus Deo et salus super ejus cultoribus, quos elegit etc. Sheikh *Mekki* tractatu persico, *El-Jānib El-Gharabi fi moshkilāt Mohyi-ed-din Ibn-elarabi* inscripto et in duo capita et conclusionem diviso, hunc superavit — et pariter *Sāin-ed-din Ali Isfahāni*, anno 835 (inc. 9. Sept. 1431) mortuus, commentarium edidit. Praeterea *Rokn-ed-din* commentarium persicum uno volumine composuit, cui textum admiscuit. Narrat, se commentarios 10 *Cashānū* et *Dawūdī Caisari* vidisse; scripsit autem, quae sibi recordanti in mentem venerunt et in urbe Serāi compositionem confecit — et Molla noster *Idris Ben Hosām-ed-din Bidlisi*, qui nullum se commentarium certe commodum vidisse dicit, et scripsit ita, ut ad nullum commentarium recurreret. Sheikh *Ali Ben Sultan*



القارىء البهروى [المتوفى سنة 1019] اوله الحمد لله الذى اوجد الاشياء شرّها وخيرها الخ  
ومن شروحه شرح فارسى مبسوط مسمى بنصوص الخصوص للشيخ ركن الدين الشيرازى  
وهو نكتة كه در شيخ كمال الدين عبد الرزاق كاشى وشرح شيخ داود قيصرى وشرح شيخ  
مؤيد الدين جندى وشرح شارح اول مسطور بوده مولانا ركن الدين ان نكات داد در اين  
5 كتاب آورده وحلّ متن بطريق نديكه همه كس آنرا فهم تواند كرد اوله حمد فزون از خدا  
الخ وجمع البحرين فى شرح الفصوص للشريف ناصر الحسينى الكيلانى الشهير بالحكيم فزيل  
طيبة مختصر اوله الحمد لله مختصّ قلوب الكلم الخ ذكر أنّه رأى فى مبشرة فى سنة 931  
بالمدينة شيخاً يقرأ كتاباً وهو الفصوص فاشار اليه بشرحه فاجاب ولما جمع حكم الفتوحات  
وحكم الفصوص حتف له ان يوسم بماجمع البحرين وختم فى رمضان سنة 940. ومن شروحه  
10 شرح معزّج اوله الحمد لله الاحديّة بذاته وكبريائه الخ ذكر أنّه ألفه لمحمد بن مصلح المشهور

---

*Mohammed Herevi* Corani Lector, [anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus],  
refutationem operis *Fosús* scripsit, quae ita incipit: Laus Deo, qui rebus tam malis  
quam bonis existentiam dedit etc. — Sheikh *Rokn-ed-din Shirázi* commentarium  
amplum persicum, *Nosús el-khosús* inscriptum, composuit; et omnia, quae apud  
Sheikh *Kemál-ed-din Abd-el-rezzác Kúshi*, et in commentariis Sheikh *Daoud*  
*Caisari*, Sheikh *Mowayyed-ed-din Jendi* et interpretis cujuscunque antea subtilissime  
observata sunt, ea Molla noster *Rokn-ed-din* subtilissime in hoc libro allato  
adnotavit et textum ratione explicat, ut unusquisque eum bene intelligere possit. 5  
Incipit ita: Laus major, quam Deus etc. Commentarius in *El-Fosús*, *Mejma'*  
*el-bahreïn* inscriptus, Sherif *Násir Hoseini Kiláni*, vulgo *Hakim* dictum et Medinae  
inquilinum, auctorem habet. Commentarius incipit ita: Laus Deo corda verborum  
peculiariter distinguenti etc. Narrat, se somniantem anno 936 (inc. 5. Sept. 1529)  
Medinae Sheikhum vidisse librum *Fosús* legentem, qui sibi commentarium ad illum  
scribere mandaverit. Mandanti obsecutus est, et cum statuta librorum *Fotúhát* et  
*Fosús* collegisset, conveniens ei visum est, ut librum titulo *Mejma' el-bahreïn* i. e.  
confluxus duorum marium insigniret. Absolvit mense Ramadhán anni 940 (inc.  
23. Jul. 1533). Alius denique commentarius, qui textum admixtum habet, incipit  
ita: Laus Deo, qui per essentiam et majestatem suam unitas est etc., et auctor  
narrat, se in favorem *Mohammedis Ben Moslih*, vulgo *Tebrizi* dicti, scripsisse. —

- بالتنزيهى ٩٠٧٤ فصول انسلوك ١٠٧٥ فصول فى الحكمة للشيوخ ابى نصر [محمد بن محمد  
ابن طرخان التركى الفيلسوف] الفارابى المتوفى سنة [٣٣٩] وشرحه للامير اسمعيل ٩٠٧٦ فصول  
ابن الدقان فى انشحو صغيراً وكبيراً وهو ابو محمد سعيد بن مبارك النحوى المتوفى سنة  
٩٠٧ هـ هذبته ابن الاثير محمد بن مبارك الجزرى المتوفى سنة ٩٠٦ وشرحه المسمى بالبديع لعلاه  
لابن معط وشرح الشرح لسريجا بن محمد الملقى المتوفى سنة ٧٨٨ سماه ربح السميع فى 5  
شرح البديع ٩٠٧٧ فصول ابن زهر فى الطب ٩٠٧٨ فصول ابن عمران احمد بن سليمان  
الطبرى فى الفروع للحنفية ٩٠٧٩ فصول ابن الهائم [شهاب الدين احمد بن محمد بن عماد  
المصرى القدسى القرصى المتوفى سنة ٨٨٧ هو] فى الفرائض شرحها شيخ الاسلام زكرياء بن  
محمد الانصارى المتوفى سنة ٩١٩ وسماه غاية الوصول الى شرح الفصول [وشرحها الشيخ محمد  
سبط الماردينى شرحاً مختصراً اوله الحمد لله رب العالمين الخ] ٩٠٨ فصول الاسترشادى 10

9074. Fosús el-solúk, palae annuli viae spiritalis. — 9075. Fosús fi el-hikmet, palae annuli de philosophia, auctore Sheikh *Abu Nasr* [*Mohammed Ben Mohammed Ben Tarkhán*] *Fárúbi* [Turca philosopho], anno 339 (inc. 20. Jun. 950) mortuo. Commentarium scripsit Emir *Ismail*. — 9076. Fosúl Ibn-eldehhán, sectiones grammaticae minores et majores, auctore *Abu Mohammed Saíd Ben Mobárek* Grammatico, vulgo *Ibn-eldehhán* dicto et anno 569 (inc. 12. Aug. 1173) mortuo. Eas *Mohammed Ben Mobárek Jezeri*, vulgo *Ibn-elathír* dictus et anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) mortuus, recognitas edidit, et commentarius *El-Bedi'* inscriptus fortasse *Ibn Mo'ti* auctorem habet. Hunc commentarium *Soreijá Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuus, alio commentario *Rabh el-semi' fi sharh El-Bedi'* inscripto explicuit. — 9077. Fosúl Ibn Zohar, aphorismata medica, auctore *Ibn Zohar*. — 9078. Fosúl Ibn Imrán, sectiones de articulis juris Hanefitarum derivatis, auctore *Ahmed Ben Soleimán Taberi*, vulgo *Ibn Imrán* dicto. — 9079. Fosúl Ibn-elháim, sectiones de jure hereditario, auctore [*Sheháb-ed-din Ahmed Ben Mohammed Ben Imád Misri Codsí*, juris hereditarii perito, vulgo] *Ibn-elháim* [dicto et anno 887 (inc. 20. Febr. 1482) mortuo]. Commentarios in eas ediderunt Sheikh-elislám *Zakariyá Ben Mohammed Ansári*, anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus, cujus commentarius *Gháyet el-wosúl ila sharh El-Fosúl* inscriptus 10 est, [et Sheikh *Mohammed Sibt-elmáridíni*, cujus commentarius brevis ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc.]. — 9080. Fosúl El-Asterushíni, sectiones



في فروع الحنفية في المعاملات فقط وهو محمد بن محمود الحنفى المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى مهّد دين الاسلام الخ رتب على ثلثين فصلاً وفرغ في جمادى الاولى سنة ٦٣٥ وقد طرأ عليه اثنان وثلثون سنة وسبعة اشهر ١٠٨١ فصول الاصول المشهور بما لا بدّ منه فارسى مختصر للشيخ علاء الدولة [احمد بن محمد البيبانكى] السمنانى [المتوفى سنة ٧٣٦] اوله 5 وبحمده نحمده حمد معترف العجز الخ وهو على سنة فصول آ في الصلوة وما يتعلّف بها آ في الصوم وما يتعلّف به ٣ في الزكوة وما يتعلّف بها ٤ في الحجّ واحواله ه في الجهاد ٦ في السماع وشرائطه قال هذا مختصر ممّا لا بدّ للسالك منه في السلوك طريقه الخ من علوم الشريعة وبعض آداب الطريقة كتبته للولد الاعزّ عبد الله بن احمد بن محمد التيبى انفرجستانى صنّفت عن التلويل حذراً عن ملالة الهلباع وكسالة النفوس خاصّة عمّا لا يعنى 10 للسالك مثل احكام البيع والشراء والطلاق ونحو ذلك لانّ السالك اذا اشتغل بشيء من الدنيا

de partibus juris Hanefitici quae sola commercia spectant derivatis, auctore *Mohammed Ben Mahmūd* Hanefita, vulgo *Asterusheni* dicto et anno ... mortuo. Liber ita incipit: Laus Deo, qui religionem Islami complanavit etc., et in triginta sectiones distributus est. Auctor eum mense Jomādzi I. anni 625 (inc. 12. Dec. 1227) absolvit, postquam ei ex inopinato anni triginta duo et septem menses supervenerunt. — 90S1. Fosúl el-osúl), sectiones principiorum vulgo *Má lá bodd (minho)* i. e. absolute necessariae dictae, auctore Sheikh *Alá-ed-dewlet [Ahmed Ben Mohammed Beyábáneki] Simnání*, [anno 736 (inc. 21. Aug. 1335) mortuo]. Compendium persicum, quod ita incipit: Laudamus eum laude ejus, laude viri infirmitatem agnoscentis etc., et in sex sectiones 5 distributum est, quarum prima de precatione et iis agit, quae illam spectant, secunda de jejunio et iis, quae hoc spectant, tertia de eleemosyna et iis quae huc spectant, quarta de peregrinatione sacra et rebus quae ad eam pertinent, quinta de bello sacro, sexta de musica ejusque conditionibus. Habes hic, inquit, compendium, quod legis doctrinas continet et nonnulla praecepta in ipsa via observanda, quibus vitam spiritalem agens minime carere possit. Scripsi illud filio carissimo *Abdallah Ben Ahmed Ben Mohammed Teyyini Ferjestáni*, et nimiam longitudinem evitavi cavens, ne indolem insitam taedio afficerem et animos redderem ignavos. Praesertim declinavi ab iis, quae viam spiritalem ingrediens minus sibi curae habet, qualia sunt statuta emtionis et venditionis, divortii et similia; homo spiritalis enim, quando rerum 10 terrestrium cura occupatur, animi ad vitam mysticam degendam parati affectionem

بطل استعداد سلوكه فعليه ان يدخل المدرسة ويتعلم ما يحتاج اليه في امر دنياه فانما القصر  
الذى يشتهى ان يسلكه الحاريف ويصل الى التحقيق فينبغى ان يترك الدنيا وما فيها ويدع  
الشهوات والهوى في اول القدم حتى يصح التوجه الى الله سبحانه وتعالى فابن هو من الازواج  
والاولاد والاموال فعليك يا ولدى ان لا تشتغل بقليل الدنيا وكثيرها وصغيرها وكبيرها وجليلها  
ودقيقها لتصلح للوصول الى خالقها الخ ٩٨٢ فصول الايلاقية في كليات [الطب] لشرف الدين 5  
السيد محمد بن يوسف الايلاقى تلميذ ابن سينا المتوفى سنة انتقاه من الكتاب الاول في  
القانون فاجاد وله شروح منها شرح للحكيم محمود بن على بن محمود الحمصى المعروف بتاج  
الرازى وسماه املى العراقية في شرح فصول الايلاقية فرغ عنه في رمضان سنة ٧٣٥ ووجد في آخره  
لغات الكلام من التشريح والحميات ليكون دستوراً في فنه اوله الحمد لله اطع من مشارف  
جمال حكمته الخ و اشار الى المتن بقال وشرحه ايضا ابو النناء مظفر بن امير الحاج بن 10  
مؤيد التبريزى اوله الحمد لله الذى جعل بين الفواعل السماوية والقوابل الارضية ارتباطاً

irritam reddit. Potius officium ei est impositum scholam frequentare et ibi discere,  
quae in vita terrestri sint necessaria. Qui vero vitam spiritalem degere et ad  
certam rerum cognitionem pervenire cupit, nihil majus ei est agendum, quam ut  
terram resque terrestres relinquat et cupiditates et voluptates a primo vitae spiritualis  
initio mittat, ut aditus ad Deum excelsum sit salvus et incolumis. Quantum igitur  
abest ab uxoribus, liberis, opibus! Tuum jam est, o fili, cura rerum hujus mundi  
5 paucarum et multarum, parvarum et magnarum, crassarum et subtilium non occupari,  
ut aptus evadas ad ejus creatoris accessum etc. — 9082. El-Fosúl El-Iláckíyet,  
sectiones Iláckíanae de universalibus [medicinae], auctore Sheref-ed-din Seyyid  
Mohammed Ben Yusuf Ilácki Ibn Sinae discipulo, anno ... mortuo. Selegit eas  
egregio modo e primo operis Cánún libro, et commentarios in eas scripserunt medicus  
Mahmúd Ben Ali Ben Mahmúd Himsi, vulgo Táj-elrázi dictus, qui commentario  
titulum El-Amáli El-Iráckíyet fi sharh El-Fosúl El-Iláckíyet dedit, et mense  
Ramadhán anni 735 (inc. 1. Sept. 1334) absolvit. Ad finem dissertationem addere  
pollicitus est de anatomia et febris, ut exemplar esset in doctrina medica. Orsus  
10 est ita: Laus Deo, qui fecit, ut ex orientibus praestantiae sapientiae suae appareret  
etc., et ad textum verbo „dicit (auctor)“ delegat — porro Abu'lthená Mothaffer  
Ben Emír-elháj Ben Mowayyed Tebrízi, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo,  
qui inter producentes coelestes et recipientes terrestres colligationem et conjunctionem



واردواجا الخ ذكر أنه تفنن في الفنون العقلية وحصل ثم قال دعنتى داعية الوقت لى تحريير  
 مبسوط يندرج تلك الفوائد في مطاويه فاخترت ان اشرح المختصر الموسوم بالفاضل شرف  
 الدين الايلاقى اذ كان مختصراً متداولاً بين طلبة هذا الفن مشهوراً وكان حلاً مباحث  
 القانون فيه مذكوراً بعبارة متوسطة بين الاجاز والاطناب معطية للمقصود بلا تكلف وعسر الآ  
 5 ان معانيه الجملة كانت تحتاج الى تفصيل فشرحته شرحاً شائياً وسميته بالبسط الواقى في  
 شرح مختصر الايلاقى فانه حائز لخالصة شرح المولى قطب الدين والمحامكات في المواضع المهمة  
 ودين الامام علاء الدين ابو الحسن على بن ابى الحزم القرشى ينشرح به مشكلات كليات  
 القانون بل بالحرف ان يكتفى ويستغنى به عن الشرح الخاصة بها ومن شروح الايلاقية شرح  
 يقال اقول مجلد محمد بن على النيسابورى فخر الدين الاسفرائينى فرغ من تأليفه في شهر  
 10 رجب سنة 70. ولسيد الدين السمانى يقال اقول ايضاً 983 فصول البدائع لاصول الشرع

instituit etc. Variis doctrinis rationalibus se operam dedisse easque sibi comparasse  
 narrat. Tum: Temporum necessitas, inquit, me invitavit ad librum ampliorem  
 conscribendum, cujus plicis illae adnotationes utiles continerentur. Praeoptavi autem  
 commentarium componere in librum, qui nomen viri bene meriti *Sheref-ed-din*  
*Iläcki* fert, quandoquidem compendium est a studiosis hujus doctrinae tritum et  
 celeberrimum, et explicatio quaestionum in Canone *Ibn Sinae* propositarum ibi verbis  
 data est, quae neque nimis brevia neque nimis longa sunt et sensum ad quem quae-  
 stiones tendunt sine ulla molestia et difficultate reddunt, nisi quod propositiones libri  
 universaliores descriptione per singulas partes egent. Composui igitur commentarium 5  
 frugiferum *El-Bast El-Wäcki fi sharh Mokhtasar El-Iläcki* inscriptum. Continet  
 enim potiora commentarii Mollae *Cotb-ed-din*, et ea quae ad dijudicandos locos  
 difficiliores necessaria sunt. Praeterea *Imám Alá-ed-din Abu'hasan Ali Ben*  
*Abi'lhasm Coreshi* explicationem scripsit, qua difficultates exposuit, quas Uni-  
 versalia Canonis continent, et profecto! ita ut satisfaciat et possessor commentarii  
 aliis commentariis carere possit, qui peculiariter in illis difficultatibus exponendis  
 versantur. *Mohammed Ben Ali Nisabúri* commentarium volumine comprehensum in  
 librum *Iläckii* ita scripsit, ut textus verba a suis formula „dicit ille“ et „dico ego“  
 distingueret, ejusque compositionem mense Rejeb anni 750 (inc. 22. Mart. 1349) 10  
 absolvit. Idem fecit *Sedid-ed-din Semmání* eadem formula usus. — 9083. Fosúl  
 el-bedáye' li osúl el-sheráye', sectiones miraculorum ad principia legum,

لشمس الدين محمد بن حمزة الفنارى المتوفى سنة ٨٣٤ أوله الحمد لله الذى شرع شوارع  
 الشرائع الخ رتب على فاتحة ومطلب فيه مقدماتان ومقصد الاول فيه اربعة اركان والثانى فيه  
 ركنان للتعارض والترجيح والخاتمة فى الاجتهاد وما يتبعه جمع فيه المنار والبيزوى ومحصل  
 الرازى ومختصر الرازى ومختصر ابن الحجاج وغير ذلك واقام فى عمله ثلاثين سنة وكتب ابنه  
 محمد شاه حاشية عليه وتوفى سنة ٨٣١ واختصره الشيخ يوسف بن ابراهيم المغربى الدانوعى 5  
 الحنبلى وسماه كشف الشوارد والموانع وثرغ سنة ٨٣٨ فى رمضان ٩٨٤ فصول بقراط وهو سبع  
 مقالات ضمنه تعريف جمل الطب وقوانينه وهو يحتوى على جمل ما اودعه فى سائر كتبه  
 كتقدمة المعرفة وكتاب الاعوية وكتاب الامراض الحادة وكتاب الامراض الوافدة المعنون بابيذيميا  
 وكتاب اوجاع النساء وهو افضل كتب الطبيبة لاشتماله على قوانين علمية وعملية وكان  
 جالينوس شرحه وقال عرض بقراط بهذا الكتاب جميع اصول الطب وذكر نكتنا فى باقى كتبه 10

auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Hamza Fenari*, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430)  
 mortuo. Orsus est ita: Laus Deo qui eos dirigit, qui leges dant etc., et librum in  
 introductionem, disquisitionem duas praefationes continentem et consilium distribuit,  
 cujus pars prior quatuor fulcimenta, posterior duo comprehendit, quibus partim  
 adversario se opponit, partim quae sententia praefenda sit dijudicat, et conclusionem  
 de summo legum studio et de iis quae inde dependent. Conjunxit ibi, quae in *El-  
 Menar*, in libro *Pezdewi*, in *Mahsul* et Compendio *Razi*, in Compendio *Ibn-elhajibi*  
 et aliis scriptis leguntur, et in libro elaborando triginta annos consumsit. Filius  
 5 *Mohammed Sháh* glossas in eum composuit et anno 839 (inc. 27. Jul. 1435) mortuus  
 est. *Sheikh Yusuf Ben Ibrahim Maghribi Danu'i* Hanbalita eum in compendium  
 contraxit *Kashf el-shewarid we el-mewani* inscriptum, quod mense Ramadhán anni  
 838 (inc. 7. Aug. 1434) absolvit. — 9084. Fosúl Bochrát, aphorismi Hippocratis  
 septem libris comprehensi. Argumentum libri ille definitiones summarum et regularum  
 principalium medicinae fecit, isque summam continet eorum quae in ceteris suis libris  
 proposuit, verbi causa in Prognosticis, in libro de aëre, in libro de morbis acutis et in  
 libro de morbis popularibus qui epidemici appellantur, in libro de morbis feminarum.  
 Omnium librorum medicorum praestantissimus est, cum regulas hujus doctrinae contineat  
 10 theoreticas et practicas. Galenus, qui commentarium in hunc librum edidit: Hippocrates,  
 inquit, in hoc libro omnia medicinae principia dare voluit, et observationes subtiles



فَرَّ أَنْ الشَّيْخَ إِبْرَاهِيمَ الْقَاسِمَ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ عَلِيِّ الْمَعْرُوفِ بَابِنِ ابْنِ صَادِقٍ [الْمَلْقَبِ بِسُقْرَاطِ الثَّانِي] 5  
 بَالِغٍ فِي تَحْسِينِ تَلْخِيصِهِ لِهَذَا الشَّرْحِ مُضِيفًا إِلَى مَا لَخَّصَهُ فَوَافِدًا حَتَّى صَارَ شَرْحَهُ الْمَوْسُومَ  
 بِأَثَرِ الشَّرْحِ أَوَّلَهُ بَعْدَ حَمْدِ اللَّهِ بِجَمِيعِ مَحَامِدِهِ الْخَيْرِ قَالَ كَانَ كُلُّ مِنَ الْأَطِبَّاءِ رَأَوْا أَنْ يَدْرُسُوا  
 لِمَنْ بَعْدَهُمْ جَمَلَ وَجَوَامِعَ مِنَ الْأَصُولِ أَلَّا أَنْ كَتَابَ الْفُصُولِ انْتَصَلَهَا كُلِّيًّا لِأَنَّهُ مِنْ أَوْجَزِ الْكُتُبِ  
 فِيهِ وَهُوَ أَحَدُ الْكُتُبِ الَّتِي لَا يَدَّ لِمَنْ يَرِيدُ الْإِمَامَ بِهَذِهِ الصَّنَاعَةِ أَنْ يَحْفَظَ انْتَهَى وَلَهُ شَرْحُ  
 آخِرِ نَعْبِدِ اللَّهِ بْنِ عَبْدِ الْعَزِيزِ بْنِ مُوسَى السِّيَوَاسِيِّ أَوَّلَهُ لِلْحَمْدِ لِلَّهِ مَبْدَعِ الْأَرْوَاحِ فِي الْأَجْسَامِ  
 الْخَيْرِ قَالَ فَلَمَّا كَانَ كِتَابَ الْفُصُولِ لِسُقْرَاطِ مِنْ غَوَامِصِ الْكُتُبِ الطَّبِيبَةِ وَمَعَ كَثْرَةِ شَرْحِهَا لَمْ  
 يَبْلُغْ أَحَدٌ فِي حَلِّ مُشْكَلاتِهَا مَبْلُغَ الْإِمَامِ ابْنِ ابْنِ صَادِقٍ فَاتَّهَ يَعْمَقُ فِي الْمُبَاحَثِ الدَّقِيقَةِ  
 وَكَشَفَ عَنِ الْمَشْكَلاتِ الْعَمِيقَةِ أَلَّا أَنَّهُ لَمْ يَخْلُ عَنْ تَكَرُّرٍ وَتَطْوِيلٍ مُخَلِّ آدَتِ ابْتِجَازَهُ وَأَرَادَ  
 10 الْمَلْتَمَسَ مِنْهُ مَعَ حَذْفِ التَّكَرُّراتِ وَسَمِيَّتِهِ عَمْدَةُ الْفُحُولِ فِي شَرْحِ الْفُصُولِ فَرُغَ مِنْ تَأْلِيفِهِ فِي

in ceteris libris exhibit. Postea Sheikh *Abu'l-casim Abd-el-rahman Ben Ali*, vulgo *Ibn Abi Sâdic* dictus [et Socrates secundus honorifice cognominatus,] in componenda epitome ad summum praestantiae gradum pervenit, quae potiora hujus commentarii continet, additis ad ea quae selegerat adnotationibus utilibus, ita ut ejus commentarius omnium commentariorum copiosissimus evaderet. Incipit ita: Post laudem Dei omnibus ejus virtutibus laudabilibus etc., et: Omnes medici, inquit, posteris summaria et breves principiorum syllogas componere sibi proposuerunt. Attamen Aphorismorum liber omnium praestantissimus est, cum brevissimus in hac doctrina et unus librorum sit, 5 quos qui in hac arte habitare vult necessario memoriae mandare debet. — Haec ille. — *Abdallah Ben Abd-el-aziz Ben Musa Sivâsi* alium commentarium in Aphorismos edidit, qui ita incipit: Laus Deo spiritus in corporibus de novo creanti etc. Aphorismi Hippocratis, inquit, cum ex obscurioribus sint medicis libris, et, quanquam multi in eos scripti sunt commentarii, nullus in solvendis difficultatibus ad summum illum gradum pervenerit, quo *Imâm Ibn Abi Sâdic*, quippe qui in disquisitiones subtiles et difficultatum altiorum expositionem se totum abdidit, nisi quod immunem se non praestitit a repetitione et longitudine aliquantulum taediosa, in brevius hunc commentarium contrahere volui, (ita scilicet, ut recisis omnibus verbis 10 repetitis epitomen ex eo conficeret potiora selecta continentem,) epitomenque *Omdet el-fohûl fi sharh El-Fosûl* inscripsi. Absolvit ejus compositionem mense Rejeb

- رجب سنة ٧٦١، وشرحه موفق الدين عبد اللطيف ابن يوسف البغدادي المتوفى سنة ٧٦١  
 وعلق عز الدين محمد بن ابي بكر ابن الجماعة المتوفى سنة ٨١٩ وعبون بن المنذر وشرحنا  
 [الحكيم امين الدولة ابو الفرج يعقوب بن اسحق] ابن القف الكركي النصراني المتوفى بدمشق  
 سنة ٩٨٥ وشرحه شمس الدين [الحكيم محمد بن عبدان الدمشقي] ابن اللبودي المتوفى  
 سنة ٧٦١ ومن شروحه شرح عماد الدين عبد الرحمن بنقال اقول اوله نعمدك يا من بيده 5  
 تدبير الاكوان الخ قال عدّه حواش كتبتنا على وسائل الوصول الى مسائل الفصول لعز الدين  
 ابراهيم الكيسي لكنّه شرح على المتن وشرحه يوسف الاسرائيلي المغربي الاصل من مدينة فاس  
 كان رئيساً من اطبّاء الملك الظاهر غازي ابن ناصر وشرحه ابن الطيّب فرّ حدّاب رضي الدين  
 الرحبي هذا الشرح ومختصر ابن ابي صادق اوله الحمد لله مكوّن الاكوان الخ وشرحه الفاضل  
 الرئيس احمد بن اسعد بن علوان الطيب وسمّاه تنبيهات العقول على حلّ تشكيكات الفصول وشرح 10  
 فصول بقران للشّيخ صدقة بن منجاء السامري اندمشقي مات سنة ٧٣٠ ولم يتمّ ٩٨٥ فصول

- anni 716 (inc. 26. Mart. 1316). — Porro *Mowaffic-ed-din Abd-el-latif Ibn Yusuf Baghdádi*, anno 629 (inc. 29. Oct. 1231) mortuus, commentarium scripsit, et *Izz-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr Ibn-eljemaa*, anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) mortuus, et *Ayún Ben-elmondzir* levem annotationem. Praeterea commentarios ediderunt [medicus *Emin-ed-deulet Abu'lfaraj Yacüb Ben Ishac*] *Ibn-elcoff Kereki* Christianus, Damasci anno 685 (inc. 27. Febr. 1286) mortuus — [medicus] *Shems-ed-din* 5 [Mohammed Ben Abdán Dimeshckí] *Ibn-ellobúdi*, anno 621 (inc. 24. Jan. 1224) mortuus — *Imád-ed-din Abd-el-rahman*, qui formula „dicit auctor“ et „dico ego“ usus et commentarium ita orsus est: Laudamus Te, in cujus manu rerum creatarum gubernatio est etc. Scripsi, inquit, has glossas ad opus *Wesúil el-wosúl ila mesúil El-Fosúl* ab *Izz-ed-din Ibrahim Keisi* editum, attamen commentarius est ad textum — *Yusuf Isráili* origine Mauritanus ex urbe Fez, qui princeps fuit medicorum in aula *Meliki El-Tzáhir Gházi Ibn Násir* — *Ibn-eltayyib*, cujus commentarium *Redhi-ed-din Rahbi* serius recognitum edidit; et epitome quoque commentarii ab *Ibn Abi Sádíc* compositi exstat, quae ita incipit: Laus Deo res existentes creanti etc. — vir bene 10) meritus et medicorum princeps *Ahmed Ben As'ad Ben Alawán*, cujus commentarius *Tenbihát el-ocúl ala hall teshkikát El-Fosúl* inscriptus est — et *Sheikh Sadaca Ben Monajjá Sámiri Dimeshckí*, anno 620 (inc. 4. Febr. 1223) mortuus, qui commentarium in Aphorismos Hippocratis non absolvit. — 9085. *El-Fosúl El-Thalathín*,



- الثلاثين محمد بن كثير الفرغاني ٩٨٦ فصول للآل والعقد واصول الفرج والنقد في التاريخ تركي  
 لعالي شاعر توفي سنة ١٠٠٨ كتب فيه ظبور اثنى وثلثين دولة مجلد اوله باسمك [سبحانك]  
 الليم مالكة الملك الخ ذكر فيه [سبب] ظبورهم وانقرضيم لما رأى من الاختلال في عصره  
 ٩٨٧ فصول خمسين في النحو ليحيى بن عبد المعطى النحوى المتوفى سنة ٦٣٨ وشرحه  
 5 القاضي شهاب الدين محمد بن احمد بن الخوثي الشافعي المتوفى سنة ٦٦٣ واحمد بن محمد  
 الاندلسي المتوفى سنة ٦٠٦ وجمال الدين ابو محمد حسين [بن بدر] بن آياز بن عبد الله  
 النحوى المتوفى سنة ٦٠١ [وسماه الحصول اوله الحمد لله الذي اتخذ الحمد لنفسه الخ]  
 وبرهان الدين ابراهيم بن موسى [بن جلال الكركي] الشافعي المتوفى سنة ٣٠٣ [شرح النصف  
 الأول كذا قال السخاوي] ولرشيد الدين ابن جعفر [محمد] بن علي المازندراني المتوفى  
 10 سنة ٥٠٨ ولاقى عبد الله محمد بن احمد بن هشام النخعي المتوفى سنة ٥٧٠  
 وللامام [صدر الشريعة] عبيد الله بن مسعود ابن تاج الشريعة [المتوفى سنة ٧٤٥] قال عنه

liber triginta sectionum, auctore *Mohammed Ben Kethir Ferghani*. — 9086. Fosúl el-hall we el-acc, sectiones solutionis et colligationis et principia tributí proventus et pecuniae paratae. Historia ab *Ali Poeta*, qui anno 1008 (inc. 14. Jul. 1599) obiit, turcice composita. Descripsit ibi originem et regnum triginta duarum dynastiarum, et volumen incipit ita: Tuo nomine, o noster Deus, regni gubernator etc. Auctor cum sua aetate turbas insanas videret, originis principum et interitus caussam descripsit. — 9087. Fosúl Khamisín, liber quinquaginta sectionum de grammatica, auctore *Yahya Ben Abd-el-mo'ti* Grammatico, anno 628 (inc. 9. Nov. 1230) mortuo. Commentarios in eas scripserunt *Cádhí Sheháb-ed-din Mohammed Ben Ahmed Ben-elkhawayyi* Shafiita, anno 693 (inc. 2. Dec. 1293) mortuus — *Ahmed Ben Mohammed Andalusí*, anno 689 (inc. 14. Jan. 1290) mortuus — *Jemál-ed-din Abu Mohammed Hosein [Ben Bedr] Ben Ayáz Ben Abdallah* Grammaticus, anno 681 (inc. 11. Apr. 1282) mortuus, [cujus commentarius *Mahsúl* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, qui laudem sibi ipsi comparavit etc.] — *Borhán-ed-din Ibráhm Ben Musa [Ben Hilál Kereki]* Shafiita, anno 853 (inc. 24. Febr. 1449) mortuus, [qui, teste *Sekháwi*, dimidiam partem priorem exposuit] — *Reshíd-ed-din Abu Ja'far [Mohammed] Ben Ali Mázenderáni*, anno 588 (inc. 18. Jan. 1192) mortuus — *Abu Abdallah Mohammed* 10 *Ben Ahmed Ben Hishám Lakhmi* Grammaticus, anno 570 (inc. 2. Aug. 1174) mortuus — *Imám [Sadr-elsheriat] Obeidallah Ben Mes'úd Ibn Táj-elsheriat*, anno 745 (inc. 15. Mai.

- فصول حرّرتها للولد الاعزّ محمود انتهى الخ مشتمل على ميّات هذا الفن رتبه ترتيباً بديعاً لا يتوقّف سابق الابحاث على لاحقها الا نادراً انتهى وهو اصغر من الكافية ٩٨٨ فصول الربيع واصول البديع للشيخ بدر الدين حسن بن حبيب [الاديب الحلبي] المتوفى سنة [٧٧١] وهو كتاب حسن في البديع ويقال له نسيم الصبا ايضاً قرّضه علماء عصره ٩٨٩ فصول الرقائى
- ٩٩٠ فصول سبعة لابن عيسى الاقحصى ٩٩١ الفصول الستة في الحديث لمحمد بن 5
- محمد الحافظى البخارى خواجه پارسا توفى سنة [١١٣] ٩٩٢ فصول شمس المعارف الكبرى في الخواص واسرار الحروف للشيخ محبى اندين ابى العباس احمد بن على البونى ٩٩٣ فصول عشرة لابن عيسى ايضاً ٩٩٤ فصول العمادى في فروع الحنفيّة وهو جمال الدين بن عماد الدين الحنفى رتبه على اربعين فصلاً في المعاملات فقط قل وترجمت هذا المجموع بفصول الاحكام لاصول الاحكام اوله بيدها كل كتاب ويختتم الخ وقيل ابو الفتح عبد الرحيم بن 10

1344) mortuus], qui has sectiones filio carissimo *Mahmūd* accuratius se descripsisse narrat. Haec ille. Continet commentarius graviores hujus doctrinae quaestiones in novum ordinem dispositas, ut raro tantum disquisitiones praecedentes in proxime sequentibus subsistant. — Sed haec hactenus. — Liber autem minor est quam *El-Káfiet*. — 9088. *Fosúl el-rebí'we Osúl el-bedí'*, sectiones veris et principia artis ornate dicendi, auctore Sheikh *Bedr-ed-din Hasan Ben Habib* [*Halebi* Philologo], anno [779 (inc. 10. Mai. 1377)] mortuo. Liber praestans de arte ornate dicendi, qui etiam *Nestm el-sabá* inscribitur. Viri docti aequales eum laudibus extulerunt. — 9089. *Fosúl el-ricác*, sectiones subtilium. — 9090. *Fosúl Seb'at*, sectiones septem, auctore *Ibn Isa Ac'hisári*. — 9091. *El-Fosúl El-Sittet*, sectiones sex de re traditionaria, auctore *Mohammed Ben Mohammed Háfitzi Bokhári Khoja Pársá*, anno [822 (inc. 28. Jan. 1419)] mortuo. — 9092. *Fosúl shems el-meárif el-kobra*, sectiones solis cognitionum majores de qualitibus propriis et virtutibus literarum arcanis, auctore Sheikh *Mohyi-ed-din Abu'labbas Ahmed Ben Ali Búni*. — 9093. *Fosúl Asheret*, sectiones decem, auctore eodem *Ibn Isa*. — 9094. *Fosúl El-Imádi*, sectiones de articulis juris Hanefitici derivatis, auctore *Jemál-ed-din Ben Imád-ed-din Hanefita*, vulgo *Imádi* dicto. Distribuit librum in quadraginta sectiones, quae 10 de solis commerciis agunt. Insignivi, inquit, hanc syllogen titulo *Fosúl el-ihkám li-osúl el-ahkám*; et orsus est ita: Incipit omnis liber et finitur etc. Alii *Abu'fat'h*



ابن بكر بن عبد الجليل المرغيناني السمرقندي قال المولى محمد بن الياس المفتي جوى زاده مؤلف الفصول هو المرغيناني السمرقندي كما ذكره في آخر كتابه وقال ناجز في اواخر شعبان سنة ٩٥١ ٩٥٥ فصول في الاصول للشيخ ركن الدين علاء الدولة احمد السمناني توفي سنة ٩٦١ فصول في اعتقاد الائمة الفحول لابن الحسن الامام محمد بن عبد الملك الكرجي المتوفى 5 سنة ٥٣٦ ٩٦٧ فصول في ... للامام نور الدين عبد الوهاب ٩٦٨ فصول في علم الاصول لابن المؤيد مؤلف بن محمد الخاصي الخوارزمي الحنفي المتوفى سنة ٦٣٤ ولطاهر بن محمد الجعفي توفي سنة ٧٤٦ لابن عقيل الخوارزمي ٩٦٩ فصول في الفرائض لشهاب الدين ابن العباس احمد بن الياس اوله الحمد لله الذي لا يغرب امر عن علمه الخ شرحه القاضي زكرياء بن محمود السبط المارديني ٩٧٠ فصول في معرفة الاصول في النحو لابن البركات عبد الرحمن ابن محمد كمال الدين الانباري النحوي توفي سنة ٥٧٧ ذكر فيه اوضاع الاصول المشابهة

*Abd-el-rehîm Ben Abi Bekr Ben Abd-el-jelîl Marghinânî Samarcandî* auctorem libri esse dicunt. *Molla Mohammed Ben Ilyâs Jûzâdeh Mufti*: Auctor, ait, libri *Fosûl Marghinânî Samarcandî* est, ut ad finem libri sui testatur, et: Absolutus est, inquit, exeunte mense Shabân anni 651 (inc. 3. Mart. 1253). — 9095. *Fosûl fi el-osûl*, sectiones de principiis, auctore Sheikh *Rokn-ed-dîn Alâ-ed-dewlet Ahmed Simnânî*, anno ... mortuo. — 9096. *Fosûl fi iticâd el-aïmmet el-fohûl*, sectiones de fide Imamorum maximorum, auctore Imâm *Abu'lhasan Mohammed Ben Abd-el-melik Kereji*, anno 532 (inc. 19. Sept. 1137) mortuo. — 9097. *Fosûl fi ...*, sectiones de ..., auctore Imâm *Nûr-ed-dîn Abd-el-wehhâb*. — 9098. *Fosûl fi ilm el-osûl*, sectiones de doctrina principiorum, auctoribus *Abu Mowayyed Mowaffic-ed-dîn Ben Mohammed Khâsi Khowarezmi Hanefita*, anno 634 (inc. 4. Sept. 1236) mortuo — *Tzâhir Ben Mohammed Jo'fi*, anno ... mortuo — *Ibn Ackil Khowarezmi*. — 9099. *Fosûl fi el-ferâidh*, sectiones de jure hereditario, auctore *Shehâb-ed-dîn Abu'labbâs Ahmed Ben-elhâim*. Liber, in quem *Câdhi Zakariyâ Ben Mahmûd El-Sibt El-Maridîni* commentarium scripsit, incipit ita: Laus Deo, a cujus scientia nulla res remota est etc. — 9100. *Fosûl fi ma'rifet el-osûl*, sectiones de cognitione principiorum. Opus grammaticum, auctore *Abu'lberrekât Abd-el-rahman Ben Mohammed Kemâl-ed-dîn Anbârî* Grammatico, anno 577 10 (inc. 17. Mai. 1181) mortuo. Describit ibi formas principiorum primitivas, quae

- لاصول الفقه ٩١.١ فصول القُرطبي في الطب للاستناد الماهر وهو القُرطبي ٩١.٢ فصول المأنة
- ٩١.٣ فصول معرفة التلبيس واصول التمييز بين التصوف والتدليس لمولانا محمد بن ادريس  
الندخجواني المتوفى سنة اوله الحمد لله الذي جعل الشريعة مفتاحًا لكل فضيلة الخ
- ٩١.٤ فصول المهمة في معرفة الائمة وفضلهم ومعرفة اولادهم ونسليم للشيخ نور الدين علي بن  
محمد بن الصباغ المالكي المكي [المتوفى سنة ٨٥٥] واراد الائمة الاثني عشر الذين اولهم علي 5  
ابن ابي طالب [رضي الله عنه] وآخروهم المهدي المنتظر وعقد لكل منهم فصلًا وفي الثلاثة  
الاول فصول ايضا وقد نسب بعضهم المصنف في ذلك الى الترتيب كما ذكر في خطبته اوله الحمد  
لله الذي جعل من صلاح هذه الامة نصب الامام العادل الخ ٩١.٥ الفصول المهمة في موارث  
الامة للشيخ شهاب الدين احمد بن الهائم - ٩١.٦ فصول النسفي في علم الجدل وهو الشيخ  
برهان الدين [محمد بن محمد بن محمد] النسفي المتوفى سنة [٩٨٤] اوله الحمد لله رب العالمين 10

principiis jurisprudentiae similia sunt. — 9101. Fosúl El-Cortubi, sectiones de medicina, auctore praeceptore meritissimo, *Cortubi* scilicet. — 9102. El-Fosúl El-Miat, sectiones centum. — 9103. Fosúl ma'rifet el-telbís, sectiones cognitionis status veri occultati et principia distinctionis inter theosophiam et falsam auctoritatum descriptionem, auctore Molla nostro *Mohammed Ben Idris Nakhjiváni*, anno ... mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo, qui legem clavem esse voluit omnis virtutis praestantis etc. — 9104. El-Fosúl El-Mohimmet, sectiones magni momenti de cognitione Imamorum eorumque meritis, et de cognitione eorum liberis 5 et progenie, auctore Sheikh *Núr-ed-din Ali Ben Mohammed Ben-elsabbágh Mekki Malikita*, [anno 855 (inc. 3. Febr. 1451) mortuo]. Intelligit Imamos duodecim, quorum primus *Ali Ben Abi Tálib* est, et ultimus *Mehdi* expectatus. Eorum singulis sectionem dedit, tres priores autem in novas divisit sectiones, eamque ob causam aliquis auctorem sectae *Rafedhitarum* esse annumerandum statuit, ut in praefatione sua narrat. Liber ita incipit: Laus Deo, qui in salutem hujus populi Imamum justum inaugurandum esse voluit etc. — 9105. El-Fosúl El-Mohimmet, sectiones magni momenti de hereditatibus populi, auctore Sheikh *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben-* 10 *elháim*. — 9106. Fosúl El-Nesefi, sectiones de topica, auctore Sheikh *Borhán-ed-dín [Mohammed Ben Mohammed Ben Mohammed]*, vulgo *Nesefi* dicto et anno [684 (inc. 9. Mart. 1285)] mortuo. In hunc librum, qui ita incipit: Laus Deo,



الخ شرحه برهان الدين البلغاري اوله الحمد لواجب ابداع بقدرته الخ ذكر فيه ان العلم باحكام الشريعة والاتلاع على دقائقها لا يمكن الا بعلم النظر والمبرزون في هذا الفن قد صنعوا الكتب وبحثوا وبينوا القواعد الا ان كتاب البرهان النسفي اعجبنا تصنيفا فالتمسوا بكتابة شرح الخ ٩٠٧ فصول الوصول تركى للشيخ آلبي ٩٠٨ الفصول وانغيات في معارضة السور ٥ والآيات على ما ذكره ابن الجوزى لاني العلاء احمد بن عبد الله المعري مات سنة ٤٤٩ وهو مائة كراسة وله في تفسير غريبه كتاب السادر عشرون كراسة وله كتاب اتليد الغايات مقصور على تفسير الغز عشر كرايس وله كتاب انفصول غير هذا اربعمائة كراسة ٩٠٩ فصيح الادلة في مجلدين لاني الحسين [شيخ المعتزلة] محمد بن علي البصري المتكلم المتوفى سنة ٤١٣ ٩١٠ فصيح في اللغة واختلف في مؤلفه فقيل للحسن بن داود الرقي وقيل لابن السكيت والاصح انه لاني العباس احمد بن يحيى المعروف بثعلب الكوفي النحوي المتوفى سنة ٢١١ وهو كتاب

mundorum domino etc., *Borhán-ed-dín Bulghári* commentarium edidit ita incipientem: Laus Deo necessario incipienti, qui potentia sua de novo creavit etc. Dicit ibi, scientiam statutorum legis et cognitionem ejus subtilitatum comparari non posse nisi dialectica. Viri hujus doctrinae peritissimi libros scripserunt, in eam inquisiverunt et statuta exposuerunt. Attamen liber *Borhán-ed-díni Nesefti* compositione egregia eminet. Petierunt igitur, ut commentarium scriberem etc. — 9107. *Fosúl el-wosúl*, sectiones accessus ad rem amatam, auctore Sheikh *Alehi*. Turcice. — 9108. *El-Fosúl we El-Gháyát*, sectiones et fines de comparatione Suratarum et versuum secundum ea, quae *Ibn-eljauzi* commemoravit, auctore *Abu'lalá Ahmed Ben Abdallah 5 Maarri*, anno 449 (inc. 10. Mart. 1057) mortuo. Centum plagularum quiniones. Idem de vocum Corani inusitatarum explicatione librum edidit *El-Sádir* inscriptum, qui viginti plagularum quiniones continet, et librum *Iclid el-gháyát*, ubi ea sola quae aenigmatica sunt decem quinionibus explicantur. Praeterea librum *Fosúl* alium scripsit, qui quadringentos quiniones continet. — 9109. *Fasih el-adillet*, liber argumentorum disertus. Duo volumina, auctore [Sheikh *Motazelitarum*] *Mohammed Ben Ali Basri* Theologo metaphysico, anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuo. — 9110. *El-Fasih fi el-loghat*, liber disertus lexicologus, de cujus auctore in varias abeunt opiniones. Alii *Hasan Ben Dawud Rocayyi* eum esse dicunt, alii *Ibn-elsikkít*, at omnium probabilissimum est, librum ab *Abu'labbás Ahmed Ben Yahya Kufi* Grammatico, vulgo *Tha'leb* dicto et anno 291 (inc. 24. Nov. 903) mortuo, scriptum esse.

- صغير الحجم كثير الفائدة اعتنى عليه الائمة فشرحه ابو العباس محمد بن يزيد المبرد المتوفى سنة [٢٨٥] وابن درستويه عبد الله بن جعفر النحوى المتوفى سنة ٣٤٧ ويوسف بن عبد الله الزجاجى المتوفى سنة [٤١٥] وابو الفتح عثمان بن جنى المتوفى سنة ٣٦٣ وابو سهل محمد ابن على [البيرونى] المتوفى سنة ٤٣٣ وابو على احمد بن محمد المرزوقى المتوفى سنة ٤٢١ وشهاب الدين ابو جعفر احمد بن يوسف الفيرى [الليلى] النحوى المتوفى بتونس سنة ٩١١ 5 شرحين احدهما تحفة المجد الصريح فى شرح كتاب الفصيح قال ابن الحناتى وهو كتاب لم يكتحل عين الزمان بمثله فى تحقيقه وغزارة ذوائده ومنه يعلم فضل الرجل وبراعته انتهى وابو على عبد الكريم بن حسن السكرى المتوفى سنة وحسن بن احمد ابو على الاسترابادى المتوفى سنة وابو البقاء عبد الله بن حسين العكبى المتوفى سنة ٩١٦ وابو محمد [عبد الله بن محمد] ابن السيد البطلبوسى المتوفى سنة [٥٢١] وابو حفص عمر بن محمد القضاعى توفى فى حدود 10 سنة ٥٧. وابو منصور محمد بن على الاصفهاني وكان حيا فى حدود سنة ٤٢١ وابن هشام

Parvi est voluminis, at adnotationibus utilibus plenus, et Imami multum operae in ejus explicatione posuerunt, ut commentarios in eum ederent *Abu'labbás Mohammed Ben Yezid Mobarred*, anno [285 (inc. 28. Jan. 898)] mortuus — *Abdallah Ben Ja'far Grammaticus*, vulgo *Ibn Dorostaweih* dictus et anno 347 (inc. 25. Mart. 958) mortuus — *Yusuf Ben Abdallah Zejjáji*, anno [415 (inc. 15. Mart. 1024)] mortuus — *Abu'fat'h Othmán Ben Jinni*, anno 392 (inc. 20. Nov. 1001) mortuus — *Abu Sahl Mohammed Ben Ali [Herewi]*, anno 433 (inc. 31. Aug. 1041) mortuus — *Abu Ali Ahmed Ben Mohammed Merzúcki*, anno 421 (inc. 9. Jan. 1030) mortuus — *Sheháb-ed-din Abu Ja'far Ahmed Ben Yusuf Fihri [Leili]* Grammaticus, Tunete anno 691 (inc. 24. Dec. 1291) mortuus, qui duplicem commentarium edidit, quorum prior *Tohfet el-mejd el-sarh fi sharh kitáb El-Fasth* inscriptus est. Teste *Ibn-elhinnáyi* oculus temporis simili collyrio quam illud est quod hoc libro continetur non illitus est, sive subtilem scientiam, sive adnotationum utilium copiam spectas, indeque praestantia viri et summa eruditio cognosci potest. — Haec ille. — *Abu Ali Abdel-kerim Ben Hasan Sokkari*, anno . . . mortuus — *Hasan Ben Ahmed Abu Ali Asterábádi*, anno . . . mortuus — *Abu'lbecá Abdallah Ben Hosein Okberi*, anno 616 (inc. 19. Mart. 1219) mortuus — *Abu Mohammed [Abdallah Ben Mohammed]* 10 *Ben-elseyyid Botolyúsi*, anno [521 (inc. 17. Jan. 1127)] mortuus — *Abu Haf's Omar Ben Mohammed Codhái*, circa annum 570 (inc. 2. Aug. 1174) mortuus — *Abu Mansúr Mohammed Ben Ali Isfaháni*, qui circa annum 416 (inc. 4. Mart. 1025) vixit —



محمد بن احمد اللخمي كان حياً في سنة ٥٥٧ واحمد بن علي المعروف بابن المأمون توفي سنة ٥٨١ وتاج الدين احمد بن عبد القادر بن مكتوم المتوفى سنة ٧٢١ وابو القاسم عبد الله وقيل عبد الباقي بن محمد المعروف بابن نايبا الشاعر [المتوفى سنة ٤٨٥] قال هذا كتاب املناه في شرح كتاب الفصيح وابطاحه اكثر الناس الكلام فيه ونسبه قوم الى ابن الاعراب 5 وذكر بعضهم انه رآه بخط الحزازه يرويه عنه قال لما صنف يعقوب بن السكيت كتاب الاصلاح استعاره ابو العباس ثعلب فنظر فيه فلما اظهر كتاب الفصيح قال يعقوب جدد كتابي جدد الله انفه وابو العباس احمد بن عبد الجليل التدميري المتوفى سنة [٥٥٥] وابو بكر محمد بن ادريس القضاة توفي سنة [٧٧٧] وجمع ابو عمر محمد بن عبد الواحد [غلام ثعلب] ما فات الفصيح في جزء توفي سنة ٣٤٥ ونظم القاضي شهاب الدين محمد بن احمد بن الخوي 10 المتوفى سنة ٦١٣ وعز الدين عبد الحميد بن هبة الله المدائني توفي سنة ٦٥٥ وابو عبد الله محمد بن محمد البلباني المتوفى سنة ومحمد بن احمد المعروف بابن جابر الاعمي

*Mohammed Ben Ahmed Lakhmi*, vulgo *Ibn Hishám* dictus, qui anno 557 (inc. 21. Dec. 1161) vixit — *Ahmed Ben Ali*, vulgo *Ibn-elmamún* dictus et anno 586 (inc. 8. Febr. 1190) mortuus — *Táj-ed-dín Ahmed Ben Abd-el-cádir Ben Mektúm*, anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuus — *Abu'l-cásim Abdallah*, sive ut alii dicunt, *Abd-el-bácki Ben Mohámmed* Poeta, vulgo *Ibn Náchiyá* dictus [et anno 485 (inc. 12. Febr. 1092) mortuus]. Auctor: Hunc librum, inquit, ad *El-Fasíh* commentandum et exponendum dictavimus. Homines multum de eo disseruerunt; nonnulli eum *Ibn-ela'rabío* tribuerunt, et alius quidam manu *Hazázae*, qui illius auctoritate eum tradidit, hunc scriptum 5 vidisse dicit. *Yacúb Ben-elsikkít*, inquit, cum librum *Isláh* composuisset, *Abu'labbás Tha'leb* illum, ut accuratius inspiceret, mutuatus est. Cum librum *Fasíh* esse comperisset: Mutilavit *Yacúb*, inquit, librum meum. Mutilet eum naso Deus — *Abu'labbás Ahmed Ben Abd-el-jelíl Tedmíri*, anno [555 (inc. 12. Jan. 1160)] mortuus — *Abu Bekr Mohammed Ben Idrís Codhái*, anno [707 (inc. 3. Jul. 1307)] mortuus. *Abu Omar Mohammed Ben Abd-el-wáhid* [*Gholám Tha'leb*], anno 345 (inc. 15. Apr. 956) mortuus, ea collegit fasciculo, quae in *El-Fasíh* omissa essent, et metrice *El-Fasíh* reddiderunt *Cádhí Sheháb-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Ben-elkhowayyi*, anno 10 693 (inc. 2. Dec. 1293) mortuus — *Izz-ed-dín Abd-el-hamid Ben Hibatallah Medáini*, anno 655 (inc. 19. Jan. 1257) mortuus — *Abu Abdallah Mohammed Ben Mohammed Bolbáni*, anno ... mortuus — *Mohammed Ben Ahmed*, vulgo *Ibn Jábir*

- في الف وستماننة وثمانين بيتا سماه حلية الفصيح اتمها في بيرة سنة ٧٤٧ وتوفي سنة ٧٨٠ وذيل  
 موفى الدين عبد انطيف بن يوسف البغدادي المتوفى سنة ٩١٦ كتاب الفصيح وله نظم  
 ايضا وصنف ابو نعيم علي بن حمزة البصرى [الغوى] المتوفى سنة ٣٧٥ في رد الفصيح  
 ٩١١ فضائح الاباحية للامام ابي حامد محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ ٩١٣ فضائح  
 المعتزلة لابي منصور عبد انقاهر بن طاهر البغدادي توفي سنة ٤٢١ وله فضائح الكرامية ولابن 5  
 الراوندى احمد بن يحيى [البغدادي الملقب المشهور المتوفى سنة ٣٠١] ٩١٣ فضائل الاربعة  
 لابي الفتح يوسف بن عمر عن ابن عباس من اجزاء الحديث ٩١٤ فضائل الاعمال لابي احمد  
 حميد بن مخلد بن زنجويه [النسائي الازدي المتوفى سنة ٣٤٨] ولحافظ الدين [ابي البركات  
 عبد الله بن احمد] النسفي المتوفى سنة [٧١٠] ولضياء الدين محمد بن عبد الواحد المقدسي  
 [الحنبلي الحافظ] المتوفى سنة ٩٤٣ اوله الحمد لله رب العالمين الخ جمعه محذوف الاسانيد 10

- Caecus dictus et anno 780 (inc. 30. Apr. 1378) mortuus, cujus poema *Hilyet El-Fasih*  
 inscriptum mille sexcentos octoginta versus continet et in urbe Bire anno 747 (inc.  
 24. Apr. 1346) absolutum est. *Mowaffic-ed-din Abd-el-latif Ben Yusuf Baghdadi*,  
 anno 629 (inc. 29. Oct. 1231) mortuus, librum *Fasih* continuavit eundemque metricae  
 exaravit. Contra *Abu Noeim Ali Ben Hamza Basri* [Lexicologus], anno 375 (inc.  
 24. Mai. 985) mortuus, refutationem libri composuit. — 9111. *Fedhâih el-ibâhiyet*,  
 ignominiae vitae effrenatae, auctore *Imâm Abu Hâmid Mohammed Ben Mohammed*  
 5 *Ghazâlî*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 9112. *Fedhâih El-Mo'tazelet*,  
 ignominiae *Motazelitarum*, auctore *Abu Mansûr Abd-el-câhir Ben Tâhir Baghdâdi*,  
 anno 429 (inc. 14. Oct. 1037) mortuo. Idem Ignominias sectae *Carrâmiye* scripsit. —  
 Praeterea *Ahmed Ben Yahya* [Baghdâdi, haereticus ille notissimus, vulgo *Ibn-el-râwendî*  
 dictus et anno 301 (inc. 7. Aug. 913) mortuus], librum ejusdem tituli edidit. —  
 9113. *Fedhâil el-arbaet*, merita praestantia quatuor virorum, ab *Abu'fat'h*  
*Yusuf Ben Omar* auctoritate *Ibn Abbâsi* tradita. Fasciculus de re traditionaria. —  
 9114. *Fedhâil el-amâl*, merita praestantia operum, auctoribus *Abu Ahmed Homeid*  
*Ben Moxhalled Ben Zinjaweih* [*Nesâyi Azdi*, anno 248 (inc. 7. Mart. 862) mortuo] —  
*Hâfîtz-ed-dîn* [*Abu'lberekat Abdallah Ben Ahmed*] *Nesefi*, anno [710 (inc. 31. Mai.  
 10 1310)] mortuo — *Dhiyâ-ed-din Mohammed Ben Abd-el-wâhid Mocaddesi* [*Hanbali*  
*El-Hâfîtz*], anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo, cujus liber ita incipit: Laus Deo,  
 mundorum domino etc. Collegit illum ita, ut locos probantes recideret et librorum



- وعزاه الى كتب الائمة ٩١٥ فضائل الانصار لابي داود ٩١٦ فضائل الاوقات لعبد الجبار بن  
 محمد البيهقي توفي سنة ٩١٧ فضائل البصرة مجلدات لعمر بن شبة [ابي زيد النميري  
 الحافظ المتوفى سنة ٢٩٢] ٩١٨ فضائل بغداد واخبارها لابي العباس احمد بن محمد السرخسي  
 الطبيب مات سنة ٢٨٩ ٩١٩ فضائل بيت المقدس للشريف عز الدين حمزة بن احمد  
 5 الحسيني الدمشقي [الشافعي] المتوفى سنة ٨٧٤ ٩٢٠ فضائل التابعين لابن فطيس العلامة  
 احمد بن عبد الرحمن بن محمد الاندلسي المتوفى سنة ٤٠٢ ٩٢١ فضائل الجهاد لابن شداد  
 يوسف بن رافع [بن تميم] الموصلي الحلبي المتوفى سنة ٩٣٢ وصنف الشيخ مجد الدين طاهر  
 ابن نصر الله بن جيبيل الحلبي المتوفى سنة ١١٥١ للسلطان صلاح الدين وجمع المولى عبد الباقي  
 الشاعر الرومي المتوفى سنة ١٠٠١ [بالتركي ترجمة لمشارع الاشواق] لحمد پاشا الوزير اول من  
 10 صنف فيه عبد الله بن مبارک كتاب الجهاد وبسط ما صنف فيه الاوائل والاواخر كتاب الحافظ

Imamorum auctoritate firmavit. — 9115. Fedhail el-ansar, merita adjutorum  
 Medinensium, auctore *Abu Dawud*. — 9116. Fedhail el-aucat, merita temporum,  
 auctore *Abd-el-jebbár Ben Mohammed Beihacki*, anno ... mortuo. — 9117. Fedhail  
 El-Basra, proprietates Basrae praestantes. Plura volumina, auctore *Omar Ben  
 Shebbeh* [*Abu Zeid Nomeiri El-Háfiz*, anno 262 (inc. 6. Oct. 875) mortuo]. —  
 9118. Fedhail Baghdad, proprietates praestantes et historiae urbis Baghdad,  
 auctore *Abu'labbás Ahmed Ben Mohammed Serukhsi* Medico, anno 286 (inc. 17. Jan.  
 898) mortuo. — 9119. Fedhail Beit el-mocaddes, virtutes praestantes Hiero-  
 solymorum, auctore *Sherif Isz-ed-din Hamza Ben Ahmed Hoseini Dimeshcki* 5  
 [Shafita], anno 874 (inc. 11. Jul. 1469) mortuo. — 9120. Fedhail el-tabiin,  
 merita eorum, qui socios prophetae secuti sunt, auctore viro doctissimo *Ahmed Ben  
 Abd-el-rahman Ben Mohammed Andalusi*, vulgo *Ibn Foteis* dicto et anno 402  
 (inc. 4. Apr. 1011) mortuo. — 9121. Fedhail el-jihad, merita sacri belli, auctore  
*Yusuf Ben Rafi* [*Ben Temim*] *Mausili Halebi*, vulgo *Ibn Sheddád* dicto et anno  
 632 (inc. 26. Sept. 1234) mortuo. *Sheikh Majd-ed-din Tahir Ben Nasrallah Ben  
 Joheil Halebi*, anno 591 (inc. 16. Dec. 1194) mortuus, Sultano *Salah-ed-din* librum  
 ejusdem argumenti composuit, et *Molla Abd-el-bácki Rumi* Poeta, anno 1008 (inc.  
 14. Jul. 1599) mortuus, [translationem operis *Meshári' el-ashwác*] *Weziro Mohammed  
 Pasha* [turcice] confecit. Primus, qui de bello sacro librum composuit, *Abdallah Ben* 10  
*Mobárek* fuit, et amplissimum scriptorum, quod veteres et recentiores de hoc  
 argumento ediderunt, liber duorum voluminum est, quem *Háfiz Behá-ed-din*

- بهاء الدين ابى محمد قاسم بن [على ابن] عساكر [المتوفى سنة ٩٠٠] فى مجلدين غير أنه طال بكثرة أسانيده وطرقه يرجع الى نحو خمسة عند الاختصار فهذبها صاحب مشارع الاشواق وزاد عليه ٩١٢٢ فضائل الحرم لابن عساكر ابى محمد قاسم بن على توفى سنة ٩٠٠
- ٩١٢٣ فضائل خلفاء الاربعه لابي بكر احمد بن اسحاق النيسابورى [المعروف بالصيفى] المتوفى سنة ٣٤٢ قيل أنه رأى مبشرة فى اثناء تأليفه ذكره ابن السبكي فضائلهم ايضا بالتركى لشمس 5
- الدين محمد السيواسى ألفه فى سنة ٩٨١ ٩١٢٤ فضائل رجب للحافظ شهاب الدين احمد ابراهيم العسقلانى [المتوفى سنة ٨٥٢] ٩١٣٥ فضائل الشافعى لابي عبد الله محمد بن احمد ابن شاکر القطان البصرى المتوفى سنة ٤٠٧ ٩١٣٦ فضائل الشام لابي الحسن على بن محمد الربيعى المالکى اتمه بدمشق فى سنة ٤٣٥ واختصره الشيخ برهان الدين ابراهيم [بن عبد الرحمن] الفزارى [المتوفى سنة ٧٢١] وسماه الاعلام صنف المولى عبد الغنى بن امير 10

*Abu Mohammed Cásim Ben [Ali Ibn] Asákir*, [anno 600 (inc. 10. Sept. 1203) mortuus], scripsit; attamen nimis longus est propter locorum probantium et viarum commemoratarum copiam, quibus traditiones relatae sunt. Quem si quis in epitomen contraheret, ad circiter quintam partem diminueretur. Auctor operis *Meshári' el-ashwác* illum recognovit et additamentis auxit. — 9122. Fedháil el-harem, virtutes sacro septo Mekcano propriae, auctore *Abu Mohammed Cásim Ben Ali*, vulgo *Ibn Asákir* dicto et anno 600 (inc. 10. Sept. 1203) mortuo. — 9123. Fedháil el-kholafá el-arbaet, merita quatuor Khalifarum, auctore *Abu Bekr Ahmed Ben Ishác* 5 *Nisábúri*, [vulgo *Seifi* dicto et] anno 342 (inc. 18. Mai. 953) mortuo, qui media in compositione somnium vidisse dicitur, ut *Ibn-elsobki* testatur. Eorundem Khalifarum merita *Shems-ed-dín Mohammed Siwási* anno 989 (inc. 5. Febr. 1581) turcice descripsit. — 9124. Fedháil Rejeb, virtutes mensis Rejeb, auctore Háfítz *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Hajr Ascaláni*, [anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo]. — 9125. Fedháil El-Sháfii, merita *Sháfii*, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Shákir El-Cattán Basri*, anno 407 (inc. 10. Jun. 1016) mortuo. — 9126. Fedháil El-Shám, proprietates praestantes Syriae, auctore *Abu'lhasan Ali Ben Mohammed Rabai* Malíkita, qui Damasci anno 435 (inc. 10. Aug. 1043) absolvit. Sheikh 10 *Borhán-ed-dín Ibráhím [Ben Abd-el-rahman] Fezári*, [anno 729 (inc. 5. Nov. 1328) mortuus], ejus epitomen confecit *El-Ilám* inscriptam. Porro Molla *Abd-el-ghani*



شاه رسالته حين صار قاضيًا بها وتوفي سنة ٩١١ وللحافظ عبد الكريم بن محمد السمعاني [المتوفى سنة ٥٩٣] ٩١٢٧ فضائل الشام وفيه نسخة الانام ونزعة الانام ونشر الخزام وغير ذلك كلها في فضائل الشام ٩١٢٨ فضائل الشعبان لابن ابي الصيف [اليمني] ٩١٣١ فضائل شهر رمضان لابي الحسن علي بن عبد الله المعروف بابن المنجم المتوفى سنة ٩١٣٠ فضائل الشيخين لابي اسحق [اسماعيل] بن سعيد الطبري توفي سنة ومع عثمان رضى الله تعالى عنه لابي الحسن علي بن احمد بن نعيم الانصارى من اجزاء الاحاديث رواية ابي محمد الحسن بن محمد الخلال عند ابكات الثقات ٩١٣١ فضائل الصبر ٩١٣٢ فضائل الصحابة لعبد الرحمن بن محمد [بن عيسى بن فطيس] الاندلسى القرطبي المتوفى سنة ٤٠٣ [في مائة جزء] ولابي عبد الله محمد بن احمد المعروف بغنجار البخارى المتوفى سنة ٤١٢ وفيه انداد المستطاب 10 مر في الالف ولابي نعيم احمد بن عبد الله الاصفهاني المتوفى سنة [٤٣٠] وغيث السحابة ورياض النصره ولابي القاسم عمر بن علي المعروف بالديلمي المتوفى سنة وللامام البغوى

*Ben Emirsháh*, anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) mortuus, tractatum edidit, cum Damasci judex esset, et Háfitz *Abd-el-kerim Ben Mohammed Sem'áni*, [anno 562 (inc. 28. Oct. 1166) mortuus], librum ejusdem tituli edidit. — 9127. *Fedháil El-Shám*, proprietates praestantes Syriae, de quibus praeterea libri *Tohfet el-anám*, *Nuzhet el-anám*, *Nashr el-khizám* alique agunt. — 9128. *Fedháil El-Shabán*, virtutes propriae mensis Shabán, auctore *Ibn Abi'seif [Yemeni]*. — 9129. *Fedháil shahr Ramadhán*, virtutes propriae mensis Ramadhán, auctore *Abu'thasan Ali Ben Abdallah*, vulgo *Ibn-elmonejjim* dicto et anno ... mortuo. — 9130. *Fedháil El-Sheikheín*, merita duorum Sheikhorum, auctore *Abu Is'hac [Ismáil] Ben Saíd Taberi*, anno ... mortuo, et, *Othmán* addito, auctore *Abu'thasan Ali Ben Ahmed Ben Noeim Ansári*. Tractatus ad fasciculos traditionum pertinet, quas *Abu Mohammed Hasan Ben Mohammed Khallál* retulit, cum in auctores fide dignos inquireret. — 9131. *Fedháil el-sabr*, merita patientiae. — 9132. *Fedháil el-sahábet*, merita sociorum prophetae, auctoribus *Abd-el-rahman Ben Mohammed [Ben Isa Ben Foteis] Andalusí Cortubi*, anno 402 (inc. 4. Aug. 1011) mortuo, [cujus liber centum fasciculos continet] — *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Bokhári*, vulgo *Ghanjár* dicto et anno 412 (inc. 17. Apr. 1021) mortuo — *Abu Noeim Ahmed Ben Abdallah Isfaháni*, anno [430 (inc. 3. Oct. 1038)] mortuo — *Abu'lqásim Omar Ben Ali*, vulgo *Deilemi* dicto et anno ... mortuo — *Imám Beghewi* —

وللامام هبة الله بن عبد الله الصعدي ٩١٣٣ فضائل العرش لابي عبيدة معمر بن مثنى  
 البصرى المتوفى سنة [٢١٠] ٩١٣٤ فضائل العشرة المبشرة مختصر للامام برهان الدين ابراهيم  
 ابن عبد الرحمن الفزارى [المعروف بابن الفركاج] المتوفى سنة [٧٢١] ٩١٣٥ فضائل العشر مجلد  
 ورتب على قسمين الاول في مناقب الاعداد الثاني في مناقب الآحاد اوله الحمد لله يختص  
 من يشاء برحمته الخ عزى كل حديث الى الكتاب المخرج منه منبها على مؤلفه مبتدئا بذكر  
 ما شاملهم على طريقة تتضمن ثم بما اختص بهم على وجه المطابقة والتعيين ثم بما ورد  
 فيما دون العشرة ثم بما اختص بالاربعه الخلفاء ثم بما ورد في فضائل كل واحد وادرج  
 جملة ذلك في قسمين ٩١٣٦ فضائل غرناطة لابن السراج محمد بن ابراهيم الغرناطى المتوفى  
 سنة ٩١٣٧ فضائل فاطمة لابي عبد الله محمد بن عبد الله الحاكم النيسابورى المتوفى

*Imám Hibatallah Ben Abdallah Saidi.* — Praeterea huc pertinent libri *Indád el-musteláb*, de quo in litera *Elif* dictum est, *Gheith el-sehábet* et *El-Riyádh El-Nadhiret.* — 9133. *Fedháil el-arsh*, praestantiae throni, auctore *Abu Obeida Ma'mar Ben Mothanna Basri*, anno [210 (inc. 24. Apr. 825)] mortuo. — 9134. *Fedháil el-asharet el-mobashshiret*, merita decem prophetarum laeta annunciantium. Compendium, auctore *Imám Borhán-ed-dín Ibráhim Ben Abd-el-rahman Fezári*, [vulgo *Ibn-elfircák* dicto et] anno [729 (inc. 5. Nov. 1328)] mortuo. — 9135. *Fedháil el-asher*, virtutes numero denario propriae. Volumen in duas partes distributum est, quarum prior de singularibus numerorum proprietatibus agit, posterior de iisdem numerorum unitatis proprietatibus, et incipit ita: Laus Deo, qui quem vult misericordia sua singulari distinguit etc. Auctor omnes traditiones ad libros retulit, unde ita desumtae sunt, ut horum auctores nominaret, et a capite inciperet, ubi traditores quantum fieri potuit ad unum omnes ratione collegit, quae eos breviter complectitur. Tum proprietates iis peculiare ita descripsit, ut bonos et pravos colligeret interque eos distingueret; deinde ad ea referenda perguit, quae ab aliis praeter decem traditores prodita sunt, et virtutes quatuor Khalifis proprias recenset et in iis describendis desinit, quae de singulorum meritis tradita sunt. Haec omnia duabus partibus inseruit. — 9136. *Fedháil Gharnáta*, virtutes urbi Granatae peculiare, auctore *Mohammed Ben Ibráhim Gharnáti*, vulgo *Ibn-elserráj* dicto et anno ... mortuo. — 9137. *Fedháil Fátima*, virtutes *Fátimae* praestantes, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Abdallah Hákim Nisábúri*, anno 405 (inc.



سنة ٤٠٥ ٩١٣٨ فضائل الفتيان ٩١٣٩ فضائل القدس والشام للامام ابى المعالى المشرف المرجا  
ابن ابراهيم القدسي اوله الحمد لله الذى خلق الارض واختار منها الخ وهو على مائة  
وخمسة عشر باباً

٩١٤. علم فضائل القرآن

5 أول من صنف فيه الامام محمد بن ادريس الشافعى المتوفى سنة ٢٠٤ ولاقى العباس جعفر  
ابن محمد المستغفرى المتوفى سنة ٤٣٣ وداود بن موسى الاردنى المتوفى سنة ٤٠٤ وابو العطاء  
المليكى توفى سنة ٤٠٤ وابو الفصل عبد الرحمن بن احمد الرازى توفى سنة ٤٠٤ ولاقى شيبه ولاقى  
عبيد [القاسم بن سلام الجمحى المتوفى سنة ٣٣٤] وهو على طريقة المحدثين ولاقى القريس ولاقى  
الحسن بن صخر الازدى ولاقى ذر ولتبياء المقدسى ولاقى الحسن على بن احمد الواحدى [المتوفى  
10 سنة ٤١٨] مختصر اخذ شمس الدين محمد بن طولون اندمشقى اربعين حديثاً منها وادّنه  
فضائل القرآن لبعض المتأخرين اوله الحمد لله الذى امتنّ على عباده بنبيّه المرسل الخ

2. Jul. 1014) mortuo. — 9138. Fedháil el-fityán, virtutes virorum magnanimorum. — 9139. Fedháil El-Cods we El-Shám, virtutes Hierosolymae et Damasci praestantes, auctore Imám *Abu'lmeáli Mosherref El-Morajjá Ben Ibráhim Codsí*. Liber incipit ita: Laus Deo, qui terram creavit, et ex iis (loca) selegit etc., et in centum quindecim capita dispositus est. —

9140. Ilm fedháil El-Cor'an. Doctrina virtutum Corani praestantium.

Primus qui de iis scripsit Imám *Mohammed Ben Idris Shafiita* fuit, qui anno 204 5 (inc. 28. Jun. 819) mortuus est. Hunc secuti sunt *Abu'labbás Ju'far Ben Mohammed Mostaghfiri*, anno 432 (inc. 11. Sept. 1040) mortuus, *Dawud Ben Musa Audeni*, anno . . . mortuus, *Abu'latá Melihi*, anno . . . mortuus, *Abu'lfadhl Abd-el-rahman Ben Ahmed Rázi*, anno . . . mortuus, *Ibn Abi Sheiba*, *Abu Obeid* [*Cásim Ben Sellám Jomehi*, anno 224 (inc. 23. Nov. 838) mortuus], qui ad rationem Traditionariorum scripsit, *Ibn-elferis*, *Abu'lhasan Ben Sakhr Azdi*, *Abu Dzarr*, *Dhiyá-ed-din Mocaddesi*, *Abu'lhasan Ali Ben Ahmed Wáhidi*, [anno 468 (inc. 16. Aug. 1075) mortuus], qui 10 compendium scripsit, unde *Shems-ed-din Mohammed Ben Tulún Dimeshcki* quadraginta traditiones sumsit. — Librum *Adillet fedháil El-Cor'an*, qui ita incipit: Laus Deo, qui cultoribus prophetae sui legatione beneficium se praestitit etc., auctor quidam recentior edidit. —

- ٩١٤١ فضائل قيام الليل لبعض المحدّثين على سبعة وعشرين باباً اوله الحمد لله الذى  
توفى اوليائه بالحفظ الخ ٩١٤٢ فضائل اللانقة ٩١٤٣ فضائل المدينة لابن عساكر قاسم بن  
على المتوفى سنة ٩٠٠ وللمفضل الجندى المتوفى سنة ٩١٤٤ فضائل مكة المكرمة للجندى  
ولانى سعيد مفضل بن محمد الشعبى توفى في حدود سنة ٣٠٠ ومحمد بن ابى بكر اللباد  
المالكى اللخمي الافريقى وللشيخ محمد بن على بن علان المكي الصديقى [المتوفى سنة ١٠٥٧] 5  
٩١٤٥ فضائل الملوك لانى الفضل عبيد الله بن احمد بن الميكال ذكره ميرخواند في روضة  
الصفاء ٩١٤٦ فضائل النبروز لاسماعيل بن عماد الصاحب الوزير المتوفى سنة ٣٨٥ ٩١٤٧ فضائل  
اليمن واحله لابن ابى الصيف محمد بن اسمعيل اليمى توفى سنة [٩٠٩] وللقاضى حسين بن  
محمد اليمى توفى سنة ومحمد بن عبد انجيد القرشى ٩١٤٨ فضائل يوم الجمعة رسالة لجلال  
الدين عبد الرحمن السيوطى قال ذكر ابن القيم في المهدي ليوم الجمعة خصوصيات بضعاً 10

9141. Fedháil ekiyám el-leil, virtutes precum, quas quis noctu erectus peragit, auctore quodam recentiore. Viginti septem capita, quae ita incipiunt: Laus Deo, qui amicos suos facultate memoriter ediscendi benigne instruxit etc. — 9142. El-Fedháil El-Láicat, virtutes honestae. — 9143. Fedháil El-Medínet, proprietates Medinae praestantes, auctoribus *Cásim Ben Ali*, vulgo *Ibn Asákir* dicto et anno 600 (inc. 10. Sept. 1203) mortuo, et *Mofadhhil Jendi*, anno ... mortuo. — 9144. Fedháil El-Mekka El-Mokarremet, virtutes Mekkae sanctae praestantes, auctoribus *Jendi* et *Abu Said Mofadhhil Ben Mohammed Sha'bi*, circa annum 300 (inc. 18. Aug. 912) mortuo, *Mohammed Ben Abi Bekr* 5 *Lebbád Lakhmi Ifricki* Malikita, et *Sheikh Mohammed Ben Ali Ben Allán Mekki Sadicki*, [anno 1057 (inc. 27. Jan. 1647) mortuo]. — 9145. Fedháil el-molúk, virtutes principum praestantes, auctore *Abu'lfadhl Obeidallah Ben Ahmed Ben-elmikál*. Laudat librum *Mirkhond* in *Raudhat el-sufá*. — 9146. Fedháil el-nírúz, virtutes praestantes primi anni diei, auctore *Ismail Ben Abbád Sáhíb Wezir*, anno 385 (inc. 5. Febr. 995) mortuo. — 9147. Fedháil El-Yemen, virtutes praestantes Arabiae felicis ejusque incolarum, auctoribus *Ibn Abi'lseif Mohammed Ben Ismail Yemeni*, anno [609 (inc. 3. Jun. 1212)] mortuo, *Cádhi Hosein Ben Mohammed Yemeni*, anno ... mortuo, et *Mohammed Ben Abd-el-mejid Coreshi*. — 9148. Fedháil 10 *yaum el-jom'at*, virtutes diei Veneris, auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Soyúti*. *Ibn-elcayyim*, inquit, in opere *Mohdi* virtutes proprias viginti et quod excurrit diei



- وعشرين وتتمعتيا فصلت مائة اوله الحمد لله الذى خص هذه الامة الخ ٩١٤٩ فصل بيت المقدس لابن سعد عبد الله بن الحسن ابن عساكر ولد سنة ٩٠١ ٩٠٠ فصل التراويح للامام نجم الدين ابي الرجاء مختار بن محمود ابن الزاهدى توفى سنة ٩٠٨ ٩٠٧ فصل تمر المدينة وترايبنا للشيخ الامام جمال الدين ابن حمزة الحنبل العبرى ٩٠٥٢ فصل التجلد عند 5 فقد الوند رسالة لجلال الدين عبد الرحمن السيوطى المتوفى سنة ٩١١ اوله الحمد لله على كل حال الخ اورد فيه احاديث وآثار وذخبا وحكايات واعتبار وهو ثالث مؤلف الفقه وآلف اخرى فى هذا المعنى وسماه تلج الفوائد ذكره صاحب فضل المبين ٩١٠٣ فصل الخليل على طريقة المحققين لشرف الدين [عبد المؤمن بن خلف] الدمياطى المتوفى سنة [٧٠٤] ٩١٠٤ فصل الخليل وما فيها من انخير والنيل لابي زرعة احمد بن عبد الرحيم العراقى المتوفى سنة ٨٣١
- 10 ٩١٠٥ فصل الذكر القربانى ٩١٠٦ فصل رمضان لابن ابي الدنيا ٩١٠٧ فصل شعبان لابن ابي

Veneris tribuit. Eas accurate persecutus sum et centum inveni. Tractatus incipit ita: Laus Deo, qui hunc populum praeter ceteros distinxit etc. — 9149. Fadh l beit el - mocaddes, praestantia Hierosolymorum, auctore *Ibn Sa'd Abdallah Ben-elhasan Ibn Asakir*, anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) nato. — 9150. Fadh l el - terawih, praestantia precum noctibus mensis Ramadhán faciendarum, quae *Terawih* dicuntur, auctore *Imám Nejm-ed-din Abu'rejá Mokhtár Ben Mahmúd Ibn-elzákidi*, anno 658 (inc. 18. Dec. 1259) mortuo. — 9151. Fadh l tamr El - Medinet, praestantia dactylorum et terrae Medinae, auctore *Sheikh et Imám Jemál-ed-din Ibn Hamza Hajjár Amri*. — 9152. Fadh l el - jeled, praestantia firmi animi tempore quo liberi amittuntur, auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman 5 Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo pro omni statu etc. Exhibet ibi traditiones propheticas, effata sociorum, historias selectas, narrationes et exempla consideratione digna etc. Hic tertius liber est, quem ea de re scripsit, et praeterea alium tractatum edidit *Thelj el-fowád* inscriptum. Commemorat eum auctor libri *El-Fadh l El-Mobin*. — 9153. Fadh l el - kheil, praestantia equorum ad rationem Traditionariorum judicata, auctore *Sheref-ed-din [Abd-el-mumin Ben Khalaf] Dimyáti*, anno [705 (inc. 24. Jul. 1305)] mortuo. — 9154. Fadh l el - kheil, praestantia equorum et ea, quae iis bona et commoda sunt, auctore *Abu Zar'a Ahmed Ben Abd-el-rehim Irácki*, anno 826 (inc. 15. Dec. 1422) mortuo. — 9155. Fadh l el - dzikr, praestantia invocationis Dei in sacrificio *Curbán*. 9156. Fadh l Ramadhán, praestantia mensis Ramadhán, auctore *Ibn Abi'dunya*. — 10 9157. Fadh l Sha'bán, praestantia mensis Sha'bán, auctore *Ibn Abi'lseif*

- الصيف اليمى المتوفى سنة ٩١٥٨ فضل صلوة التسبيح لاني سعد عبد الكريم بن محمد  
السمعاني المتوفى سنة ٥٩٣ ٩١٥٩ فضل الصلوة على النبي عليه السلام والصلوة لاني الحسين  
احمد بن فارس [بن زكرياء اللغوي المالكي المتوفى سنة ٣٩٥] ذكره ابن حجر في الجمع وللشيخ  
[الحافظ] اسمعيل بن اسحق بن اسمعيل بن حماد القاضي [المتوفى سنة ٣٨٢] وهى على  
طريقة المحققين بالاسانيد ٩١٦٠ فضل الصلاح ٩١٦١ فضل العالم العفيف لاني نعيم احمد 5  
ابن عبد الله الاصفهاني المتوفى سنة [٤٣٠] ٩١٦٢ فضل العلم لابن عبد البر [يوسف بن عبد  
الله القرطبي المالكي المتوفى سنة ٤٩٣] ٩١٦٣ فضل العميم في اقطاع تميم لجلال الدين السيوطي  
[مختصر] ذكره في فيرس مؤلفاته في فن الحديث ٩١٦٤ فضل القيام بانسلاطنة للسيوطي مر  
اوله الحمد لله العلى الشأن الخ ٩١٦٥ فضل انكلاب على اكثر ممن لبس الثياب لابن  
المرزبان على بن احمد [البغدادي المتوفى سنة ٣٩١] ٩١٦٦ فضل المزيد على بغية 10

- Yemeni*, anno . . . mortuo. — 9158. *Fadhī salāt el-tesbíh*, praestantia  
precaionis *Tesbíh* dictae, auctore *Abu Sa'd Abd-el-kerím Ben Mohammed Sem'áni*,  
anno 562 (inc. 23. Oct. 1166) mortuo. — 9159. *Fadhī el-salát*, praestantia  
precaionis pro propheta, cui Deus propitius sit, auctoribus *Abu'lhosein Ahmed Ben  
Fáris* [*Ben Zakariyá* Malikita Lexicologo, anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo],  
cujus librum *Ibn Hajr* in *El-Mojmi'* laudat, et Sheikh [Háfiz] *Ismail Ben Is'hac  
Ben Ismail Ben Hammád Cádhi*, [anno 282 (inc. 2. Mart. 895) mortuo].  
5 Sequuntur rationem Traditionariorum ita, ut auctoritates adderent. — 9160. *Fadhī  
el-saláh*, praestantia probitatis. — 9161. *Fadhī el-álim el-afíf*, praestantia  
docti viri abstinentiae studiosi, auctore *Abu Noeim Ahmed Ben Abdallah Isfaháni*,  
anno [430 (inc. 3. Oct. 1038)] mortuo. — 9162. *Fadhī el-ilm*, praestantia  
scientiae, auctore [*Yusuf Ben Abdallah Cortobi* Malikita, vulgo] *Ibn Abd-el-berr*  
[dicto, et anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuo]. — 9163. *El-Fadhī el-amím*,  
praestantia exquisita de fundo perfecto in feudum assignato, auctore *Jelál-ed-din  
Soyúti*, qui compendium in indice librorum inter libros de re traditionaria refert. —  
9164. *Fadhī el-ckiyám bi'lsaltánet*, praestantia dignitatis Sultanicae, auctore *Soyúti*.  
Tractatus ita incipit: Laus Deo dignitate celsissimo etc. Vide supra. — 9165. *Fadhī  
10 el-kiláb*, praestantia canibus prae multis qui vestibus induti sunt tribuenda, auctore  
*Ali Ben Ahmed* [*Baghdádi*], vulgo *Ibn-elmerzobán* dicto [et anno 366 (inc. 30. Aug.  
976) mortuo]. — 9166. *El-Fadhī El-Mezíd*, copia aucta ad opus *Bughyet*



المستفيد مرّ في الباء ٩١٦٧ فصل المبين في الصبر عند فقد البنات والبنين للشيخ الامام  
شمس الدين محمد بن [علي بن] يوسف الدمشقي الصالح المتوفى سنة [٩٤٢] اونه الحمد  
له الحى الباقي ومن سواه فاني الخ ذكر فيه برد الاكباد وتفضل للجد وتلج الفواد وارتياح  
الاكباد قال وهذا الاخير اجمعها فائدة وقد فاته اشياء مع انه ذكر بعد كل باب غريبه وما  
5 يتعلّق به فطال وفيه نوع مشقة وكرر احاديث كثيرة في معنى واحد واختصرته في نحو ثلث  
حجمه مع زيادات فانتة ورتبه ترتيباً احسن من ترتيبه ورقم الكتب المنقول عنها بالرمز واذنا  
اطلق الحافظ اراد ابن حجر ورتب على تسعة عشر باباً ٩١٦٨ انفصل الوقي في العدل الاشرقي  
لمجد الدين محمد بن يعقوب الفيروزآبادي توفي سنة ٨٧٧ ٩١٦٩ فنام اللسد في اسماء الاسد  
للسموي ٩١٧ فقر النبلاء لاني الخمسين احمد بن سعد الكاتب الاصفهاني المتوفى في حدود  
10 سنة ٣٥٠ جمع فيه الرسائل لم يسبق الى مثله

*el - mustefid*, de quo in litera *Bâ* videatur. — 9167. *El - Fadhl El - Mobin*,  
meritum praestans patientia in filiorum et filiarum amissione conspicuum, auctore  
Sheikh et Imám *Shems-ed-din Mohammed Ben [Ali Ben] Yusuf Dimeshcki Sâlihi*,  
anno [942 (inc. 2. Jul. 1535)] mortuo. Orsus est ita: Laus Deo vivo sempiterno,  
praeter quem omnia caduca sunt etc., et laudat ibi opera *Bard el - akbâd*, *Fadhl*  
*el - jeled*, *Thelj el - fowâd*, *Irtiyâh el - akbâd*. Hoc ultimum, inquit, omnium utilitate  
plenissimum est, et quanquam post singula capita quae ibi rara et huc referenda sunt  
commemorat, plura tamen auctorem fugerunt. Liber autem nimis longus est, et genus  
quoddam molestiae eum premit, multasque auctor ejusdem argumenti repeliit traditiones. 5  
Contraxi igitur librum in tertiam circiter voluminis partem, ita ut res praetermissas  
adderem. Eum commodius disposuit quam archetypum dispositum est, et libros unde  
petiit siglis notavit, et quando in univsum *Hâfitz* dicit, *Ibn Hajr* significat et  
opus in undeviginti capita divisit. — 9168. *El - Fadhl El - Wefi*, beneficentia  
copiosa de justitia *Eshrefi*, auctore *Majd-ed-din Mohammed Ben Yacûb Firuzâbâdi*,  
anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuo. — 9169. *Fitâm el - lased*, ablactatio  
sugentis de nominibus leonis, auctore *Soyûti*. — 9170. *Facrel - bolaghâ*, paupertas  
eloquentium, auctore *Abu'lhosein Ahmed Ben Sa'd Isfahâni* Scriba, circa annum  
350 (inc. 20. Febr. 961) mortuo. Collegit ibi tractatus, et antea simile quiddam 10  
non compositum est.

[قال صاحب مفتاح السعادة وعمو علم باحث عن الاحكام الشرعية الفرعية العملية من حيث استنباطها من الأدلة التفصيلية ومبادئ مسائل اصول الفقه وله استمداد من سائر العلوم الشرعية والعربية وثأدته حصول العمل به على الوجد المشروع والغرض منه تحصيل ملكة الاقتدار على الاعمال الشرعية ولما كان الغاية والغرض في العلوم العملية تحصيل الظن دون اليقين بناء على ان اقوى الأدلة الكتاب والسنة وانه وان كان قطعي الثبوت لكن اكثره طئي الدلالة فصار محلاً للاجتihad جاز الاخذ فيها اولاً بمذهب ابي ماجتهيد اراد والمذاهب المشهورة التي تلتقتها العقول بالصحة هي المذاهب الاربعة للائمة الاربعة ابي حنيفة ومالك والشافعي واحمد بن حنبل ثم الاحق والاولى من بينها مذهب ابي حنيفة رضى الله عنه لان المتميز من بينهم بالاتقان والاحكام وجودة التريخة وقوة الرأي في علم الاحكام وكثرة المعرفة

9171. *Ilm el-fic'h. Jurisprudentia canonica.*

[Auctor libri *Miftáh el-seúdet*: Haec doctrina, inquit, de practicis statutis legis derivatis quaerit, quatenus ex argumentis specialibus derivantur. Ejus fundamenta primitiva quaestiones principiorum jurisprudentiae sunt. Auxilium ei ex ceteris legis et linguae arabicae doctrinis petendum est, et utilitas inde capta in usu cernitur, qui rationi lege statutae convenienter ad vitae communis institutionem transfertur. Ejus finis autem in facultate comparanda quaeritur vario modo legibus congruenter agendi. Cum vero summum consilium et finis, quae in doctrinis practicis proposita sunt, in concipienda cernamus opinione, supersedentes quasi certa rei cognitione et gravissima argumenta e Corano et Sunna sumenda esse confisi, atque quanquam haec probatio apodictica est, maxima tamen argumentationis pars ex opinione pendeat, summo juris studio locus est datus. Jam licitum est primum ad rem rationibus probandam sectam amplecti quamcunque vis ex iis, quae summa juris cognitione imbutae peculiarem sequuntur doctrinam. Sectae notissimae, quibus homines intelligentes probatum veritatis studium tribuunt, quatuor illae sunt, quarum auctores quatuor Imani *Abu Hanifa, Málík, Sháfí* et *Ahmed Ben Hanbal* exstiterunt. Jam inter has dignissima et praestantissima secta *Abu Hanifae* est, quippe qui praeter ceteros egregia rei tractatione et institutione, naturalis industriae bonitate, acuta intelligentia in doctrina statutorum conspicua, ampla Corani et Sunnae cognitione,



بالكتاب والسنة وحقّة الرأي الى غير ذلك لكن ينبغي لمن يقلد مذهباً معيناً في الفروع ان يحكم بان مذهبه صواب ويحتمل الخطأ ومذهب المخالف خطأ ويحتمل الصواب وفي الاعتقادات بان مذهبه حقّ جزئياً ومذهب المخالف خطأ قطعاً انتهى ذكر الغزالي في بيان تبديل اسامي العلوم ان الناس تصرّفوا في اسم الفقه فخصّوه بعلم الفتاوى والوقوف على دقائقها وعلينا واسم الفقه في العصر الأوّل كان يطلق على علم الآخرة ومعرفته دقائق آفات النفوس والاطلاع على عظم الآخرة وحقارة الدنيا قال تعالى لِيَتَفَقَّهُوا فِي الدِّينِ وَلِيُنذِرُوا وَالْإِنذَارَ بِهَذَا النُّوعِ مِنَ الْعِلْمِ دُونَ تَقَارِيعِ السَّلْمِ وَالْإِجَارَةِ الْكُتُبِ الْمَوْثِقَةِ عَلَى الْمَذَاهِبِ الْإِرْبَعَةِ جَامِعِ الْمَذَاهِبِ بِمَجْمَعِ الْخِلَافِيَّاتِ يَنْبَاعِ الْإِحْكَامِ عِيُونَ زَيْدَةَ الْإِحْكَامِ الْكُتُبِ الْمَوْثِقَةِ عَلَى مَذْهَبِ الْإِمَامِيَّةِ يَطْلُقُونَ ابْنَ إِدْرِيسَ عَلَى الشَّافِعِيِّ نَعْمَهُ اللَّهُ شَرَّاحَ الْإِسْلَامِ وَحَاشِيَةَ الْبَيَانِ وَالذِّكْرَى وَالْقَوَاعِدَ وَالنِّهَايَةَ

10 9172 فقه الاكبر في الكلام للامام الاعظم ابى حنيفه نعمان بن ثابت الكوفي المتوفى سنة 10.

judicii veritate et aliis hujus generis virtutibus distinctus est. Convenit autem, ut, qui sectam certam et in articulis juris derivatis singularem amplectitur, persuasum habeat, illam veritatem sequi nec errorem plane evitare posse, sectam contrariam vero errorem sequi ita ut veritatem admittat, et, quod dogmata spectat, sectam suam veritatem explore amplecti, contrariam prorsus errorem. — Haec ille. — *Ghazali*, ubi de nominum doctrinarum mutatione agit, homines dicit libere versatos esse in jurisprudentia denominanda. Peculiare ei dederunt nomen *Ilm el-fetáwi*, i. e. doctrinae responsorum juridicorum et cognitionis eorum subtilitatum et caussarum. Nomen *fic'h* primo tempore in universum transferebatur ad doctrinam vitae futurae, 5 subtiliorem rationum cognitionem, unde animarum perniciēs pendeat, et splendoris alterius vitae vilitatisque hujus mundi scientiam. Deus ipse in Corano: „Ut instruantur, inquit, in religione et ut commoneant (gentem suam)“, et admonitio, ut hoc scientiae genus tractarent, data est exclusis pretii anticipandi et mercedis sortibus.

Libri ad quatuor Imamorum disciplinas exponendas compositi sunt: *Jámi' el-medzáhib*, *Mojmi' el-khiláfiyát*, *Yenábi' el-ahkám*, *Oyún*, *Zubdet el-ahkám*. — In libris ad doctrinam sectae *Imámiye* scriptis *Ibn Idris* in universum nomini *Sháfi*, cui Deus benignus sit, substituitur, et huc pertinent scripta: *Sheráye' el-islám*, *Háshiyet*, *Beyán*, *Dzikhá*, *Cawáid* et *Niháyet*. —

9172. *El-Fic'h El-Akbar*, jurisprudentia maxima de theologia scholastica, 10 auctore *Imám* celeberrimo *Abu Hanífa No'mán Ben Thábit Kufi*, anno 150 (inc.

روى عنه ابو مطيع البلخى واعتنى عليه جماعة من العلماء فشرحه غير واحد من الفضلاء منهم محمى الدين محمد بن بىآء الدين مات سنة ١٥٣ هـ جمع بين الكلام والتصوف واتقن المسائل غاية الاتقان ووضحه غاية الايضاح والمولى الياس بن ابراهيم السينوى شرحاً مفيداً توفى سنة [والمولى احمد بن محمد المغنيسارى المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى هدانا الى طريق السنة والجماعة الخ قال فى آخره تم الشرح سنة ١٣٩] ومن شروحه حكمة النبوية 5 ومختصر ذلك الشرح قال فى مختصره وقد كتبت قبل كتاباً مفصلاً فى تبين مسائله بالشرعية المصطفوية لا بالعقل والرواية سميت بالحكمة النبوية ثم استخرجت منه هذا المختصر فسميته بمختصر الحكمة النبوية وهو لحكيم اسحق على ما رأيته فى آخر نسخة منه منقولة من خطه وهو شرح ممزوج نظمه ابو البقاء الاحمدى فى ٢٣ رمضان سنة ١٠٨ هـ وسماه عقد الجواهر نظم نثر الفقه الاكبر ونظم ابراهيم بن حسام الكرمياني المعروف بشريفى توفى سنة ١٠١٩ هـ وشرحه 10

6. Febr. 767) mortuo, cujus auctoritate *Abu Moti' Balkhi* eam tradidit. Plures viri docti in ea explicanda operam posuerunt, et multi viri meriti commentarios scripserunt, ut *Mohyi-ed-din Mohammed Ben Behá-ed-din*, anno 953 (inc. 4. Mart. 1546) mortuus, qui theologiam scholasticam et theosophiam conjunxit, quaestiones ratione probatissima tractavit et librum clarissime exposuit — *Molla Ilyás Ben Ibráhim Sinúbi*, anno ... mortuus, qui commentarium adnotationibus utilibus plenum scripsit — [Molla *Ahmed Ben Mohammed Maghnisáwi*, anno ... mortuus, cujus commentarius 5 ita incipit: Laus Deo, qui nos ad viam Sunnae et communis Imamorum consensus ducit etc. Ut ad finem testatur, commentarius anno 939 (inc. 3. Aug. 1532) absolutus est]. Porro huc pertinet commentarius *El-Hikmet El-Nebewiyet* inscriptus et hujus commentarii epitome. Auctor in epitome: Antea, inquit, librum accuratius et fusius scriptum composui, ut quaestiones e lege Mohammedica, non ratione et meditatione explicarem. Nominavi eum *El-Hikmet El-Nebewiyet*, et postea ex eo hanc epitomen extraxi, cui titulum *Mokhtasar El-Hikmet El-Nebewiyet* dedi. Ut ad finem exempli vidi ex autographo descripti, auctor *Is'hac* philosophus est; commentarius autem textum admixtum habet. *Abu'lbecá Ahmedi* die vicesimo tertio mensis Ramadhán anni 918 (inc. 19. Mart. 1512) librum metricè reddidit, et carmen *Icd 10 el-jauher natzm nathr El-Fic'h El-Akbar* inscripsit. Idem fecit *Ibráhim Ben Hosám Kermiyáni*, vulgo *Sherífi* dictus et anno 1016 (inc. 18. Apr. 1607) mortuus.



- مولانا على القارى مجتهد وسمّاه منح الازهر وهو شرح كبير ممزوج اوله الحمد لله واجب الوجود الخ وشرحه الشيخ اكمل الدين وسمّاه الارشاد ٩١٧٣ فقه الاكبر للامام الشافعى وهو جيد جدًا مشتمل على فصول قرأه بعض اعمل حلب على الشيخ زين الدين الشماع لكن فيه شك والظن الغالب انه من تأليف بعض اكابر العلماء اوله الحمد لله رب العالمين الخ
- ٩١٧٤ فقه الامراء فارسى للامام عبد الصمد القلانسى ذكره صاحب الخلاصة [في النصاب]
- ٩١٧٥ فقه الحديث شرحه ابو باشر شمس الدين محمد بن عمار المالكي النحوى توفى سنة ٨٤٤
- ٩١٧٦ فقه الحساب لابن المنعم ٩١٧٧ فقه النعمة لابن فارس ابى انحسين احمد القزوينى المتوفى سنة ٣٩٥ وهو المسمى بالصاحبى لانه ألف للصاحب وللشعابى ايضا فقه اللغة [وهو المشهور المتداول]
- ٩١٧٨ الفكرة والعبرة للامام ابى حامد محمد بن محمد الغزالى المتوفى 10 سنة ٥٥٠ ٩١٧٩ فقه الرموز السريانية وفتح الكنوز القرآنية ٩١٨٠ فكهوك في مسندات

Commentarium magnum uno volumine comprehensum et *El-Manh El-Azhar* inscriptum, qui textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo, qui absoluta existentia fruitur etc., Molla noster *Ali El-Cari* edidit. Praeterea Sheikh *Akmal-ed-din* commentarium *El-Irshád* inscriptum composuit. — 9173. *El-Fic'h El-Akbar*, jurisprudentia maxima, auctore Imám *Sháfi*. Liber excellentissimus in sectiones divisus, quem incola quidam urbis Haleh coram Sheikho *Zein-ed-din Shemmá'* legit. Attamen dubitatur de auctore et opinio praevalet, librum, qui ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc., a quodam viro inter doctos celeberrimo compositum esse. — 9174. *Fic'h el-omará*, jurisprudentia Emirorum, auctore Imám *Abd-el-samed Calánisi*. Liber persicus, quem auctor epitomes *Khiláset* [in libro *Nisáb*] commemorat. — 9175. *Fic'h el-hadíth*, intelligentia traditionum, in quam *Abu Báshir Shems-ed-din Mohammed Ben Ammár* Malikita Grammaticus, anno 844 (inc. 2. Jun. 1440) mortuus, commentarium scripsit. — 9176. *Fic'h el-hisáb*, intelligentia arithmeticae, auctore *Ibn-elmon'im*. — 9177. *Fic'h el-loghat*, intelligentia linguae, auctore *Abu'hosein Ahmed Cazvini*, vulgo *Ibn Fáris* dicto et anno 395 (inc. 18. Oct. 1004) mortuo. Dicitur liber *Sáhibi*, quod eum *Sáhibo* composuit. Librum ejusdem tituli, [qui magnam celebritatem nactus est et multum in manibus studiosorum versatur,] *Theálibi* edidit. — 9178. *El-Fikret we El-Ibret*, cogitatio et exemplum, auctore Imám *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 9179. *Fakk el-romúz el-siryániyet*, 10 solutio aenigmatum viae secretae et patefactio thesaurorum Coranicorum. --

حكم الفصوص للشيخ صدر الدين محمد بن اسحق القونوي المتوفى سنة ٦٧٣ أوله الحمد  
 للذي اطلع من مشارق غيبه الاخفى شمس انواره الباهرة الخ وبعد فان كتاب فصوص  
 الحكم من انفس مختصرات تصانيف شيخنا ابن عربى وهو خواتم منشاءه واواخر تنزلاته  
 ورد عن منبع المقام الحمدى والجمع الاحمدى فاجاء مشتقاً على زبدة ذوق نبينا ثم انه  
 لما ورد التعريف الآلى هذا الضعيف رغبوا في حلّ مشكلات هذا الكتاب فاجبتهم الخ 5

علم انفلحة

[قال صاحب مفتاح السعادة هو علم يتعرف منه كيفية تدبير النبات من ازل نشوه الى  
 منتهى كماله باصلاح الارض اما بالماء او بما يتخللها ويحميها من المعقنات كالسماد ونحوه  
 او يختمها في اوقات البرد مع مراعات الاعوية فيختلف باختلاف الاماكن ولذلك يختلف قوانين  
 انفلحة باختلاف الاقاليم ومنفعته زكوة للبوب والشمار ونحوها وهو ضرورى للانسان في معاشه 10

9180. Fokúk fi mosnidát hikem El-Fosús, solutiones de auctoribus apophthegmatum libri *Fosús*, auctore Sheikh *Sadr-ed-dín Mohammed Ben Is'hac Cunewi*, anno 673 (inc. 7. Jul. 1274) mortuo. Incipit hic ita: Laus Deo, qui ex orientibus arcani sui occultissimi soles luminum suorum splendentium oriri jubet etc. Deinde vero, certe liber *Fosús el-hikem* ex pretiosissimis compendiis scriptorum Sheikh nostri *Ibn Arabi* est; continet enim sigilla ejus scriptorum elegantium et ultimas inspirationes, quae e fonte dignitatis *Mohammedicae* et conjunctionis *Ahmedicae* emanarunt, et optima complectitur a gustu prophetae nostri probata. Tum vero, cum institutio divina me servum infirmum supervenisset, explicationem hujus libri difficultatum expetierunt. Precibus igitur obsecutus sum etc. —

9181. Ilm el-feláhat. Doctrina agriculturae.

[Auctor libri *Miftáh el-seádet*: Ex hac doctrina, inquit, ratio cognoscitur, plantas a prima origine usque ad summum perfectionis gradum terra emendanda colendi, sive aqua sive varia stercorationis materia, quae terram penetrat et inficit, ut fimus cineresque commisti et quae sunt alia, sive quae terram calefacit tempore frigoris, ratione simul habita naturae coeli, quae variis locis varia est. Hanc ob  
 10 caussam praecepta agriculturae a varietate climatum pendent; et utilitas ejus in augenda granorum et fructuum aliarumque rerum copia, id quod homini in vita



ولذلك اشتق اسمه من الفلاح وهو البقاء انتهى]

٩٨٢ فلاحه تركى مسمى برونق بوستان وهو على اربعة فصول وخاتمة [لبعض سكان  
ادنه] ٩٨٣ فلاحه شيخ انى بكر احمد ابن وحشية ٩٨٤ فلاح فى شرح المراج ٩٨٥ فلاح  
فى مختصر شرح السنة

٩٨٦ الفلسيات

5

العلوم الفلسيّة اربعة انواع رياضيّة ومنطقيّة وطبيعيّة والهيّة فالرياضيّة على اربعة اقسام  
الاول علم الارثماتيقي وهو معرفة خواتم العدد وما يطابقها من معانى الموجودات التى ذكرها  
فيثاغورس ونيقوماخس وتحتته علم الوثف وعلم الحساب الهندى وعلم الحساب القبطى  
والرنجى وعلم عقد الاصابع اثنان علم الجومطريا وهو علم الهندسيّة بالبراعين المذكورة فى  
10 اقليدس ومنها علميّة وعمليّة وتحتتها علم المساحة وعلم التكسير وعلم رفع الاثقال وعلم الخيل  
المائيّة والنبويّة والمناظر والخرّب الثالث علم الاسطرنوميا وهو علم النجوم بالبراعين المذكورة

necessarium est, cernitur. Hinc nomen a *feláh* i. e. salute continua derivatur. —  
Haec ille. —]

9182. *Feláhat*, agricultura. Liber turcicus *Raunec bustán* i. e. splendor  
horti dictus et in quatuor sectiones et conclusionem distributus, [auctore quodam  
Adrianopolitano]. — 9183. *Feláhat*, liber agriculturae, auctore Sheikh *Abu Bekr  
Ahmed Ibn Wahshiya*. — 9184. *El-Feláh*, felicitas. Commentarius in *El-Meráh*. —  
9185. *El-Feláh*, felicitas. Epite commentarii in *Sunnam*. —

9186. *El-Felsefiyát*. Doctrinae philosophicae.

5

Doctrinae philosophicae quatuor genera complectuntur, doctrinas mathematicas,  
logicas, physicas et metaphysicas. Doctrinae mathematicae in quatuor partes dividuntur,  
quarum prima arithmetica est sive cognitio proprietatum numerorum et notionum  
rerum existentium, quae illis consentaneae sunt, et a Pythagora et Nicomacho  
describuntur. Huc pertinet doctrina quadratorum talismanicorum, computatio Indica,  
computatio Coptica et Aethiopica, et ars articulis digitorum computandi. Secundum  
genus geometria est sive doctrina *Hendeset* argumentis probata, quae ab Euclide  
describuntur. Hae doctrinae vel theoreticae sunt vel practicae, et pertinent huc 10  
geodaesia, doctrina dimensionis, ars mechanica, artes hydraulicae et pneumaticae,  
optice, doctrina machinarum bellicarum. Tertia pars astronomiam complectitur sive  
doctrinam de stellis, cum argumentis in *Almagesto* propositis. Huc pertinent scientia

في المجسطى وتحتنه علم البيئنة والبيقات والزيج والاحكام والتحويليل الرابع علم الموسيقى وتحتنه علم الايقاع والعروض والثاني منطقيته وهي خمسة انواع  $\bar{A}$  انولوجيقيا وهو معرفة صناعة الشعر  $\bar{B}$  بطوريقا وهو معرفة صناعة الخطب  $\bar{C}$  بولييقا وهو معرفة صناعة النجدل  $\bar{D}$  الولوجيقي وهو معرفة صناعة البرهان  $\bar{E}$  سونسطيقا وهو معرفة المغالطة والثالث العلوم الطبيعيه وهي سبعة انواع  $\bar{A}$  علم المبادى وهو معرفة خمسة اشياء لا ينفك عنيا جسم وعى انيموي 5 والصورة والزمان والمكان والحكمة  $\bar{B}$  علم السماء والعالم وما فيه  $\bar{C}$  علم الكون وانفساد  $\bar{D}$  علم حوادث الجو  $\bar{E}$  علم المعادن  $\bar{F}$  علم انببات  $\bar{V}$  علم الحيوان ويدخل فيه علم الطب وثورعه والرابع العلوم الالبيته وهي خمسة انواع  $\bar{A}$  علم الواجب ودفقته  $\bar{B}$  علم الروحانيات وهي معرفة الجواهر البسيطة العقلية الفعالية التي هي الملائكة  $\bar{C}$  العلوم النفسانية وهي معرفة النفوس المجسدة  $\bar{D}$  والارواح السارية في الاجسام انفلكية وانطبيعية من الفلك المحيط الى 10

figurae et motus stellarum, doctrina rationis temporum, tabularum astronomicarum, astrologiae judiciarum et annorum conversionis. Quarta pars musicam continet, cui doctrina concentuum clausulae et pedum in carmine mensurae subjecta est. — Secundum genus doctrinas logicas in quinque species divisas complectitur. Ad primam speciem Analytica (priora) pertinent sive cognitio artis poeticae, ad secundam rhetorica sive cognitio artis orationes habendi, ad tertiam topica sive cognitio artis dialecticae, ad quartam apodictica sive cognitio artis argumentandi, ad quintam sophistica sive cognitio captionum sophisticarum. — Tertium genus doctrinas physicas comprehendit 5 et in septem species distributum est, quarum prima doctrina principiorum est sive cognitio quinque rerum, sine quibus nullum corpus subsistere potest, materiae scilicet, formae, temporis, loci et sapientiae, secunda doctrina coeli et mundi eorumque quae in iis sunt, tertia doctrina meteorologiae, quarta doctrina phaenomenologiae, quinta metallurgia, sexta botanice, septima zoologia. Medicina quoque huc pertinet ejusque doctrinae secundariae. — Quartum genus doctrinas metaphysicas complectitur et in quinque species dividitur, quarum prima de doctrina existentiae Dei absolute necessariae ejusque attributis agit, secunda de essentiis spiritualibus sive de cognitione substantiarum simplicium intelligentium agentium sive angelorum, tertia de doctrinis 10 concupiscentiae sive cognitione animarum corporibus inhabitantium, quarta de spiritibus in corpora coelestia et physica transeuntibus et ex orbe coelesti cingente ad centrum



مركز الارض هـ علم السياسات وهي خمسة انواع آ علم سياسة النبوة ب علم سياسة الملك  
 وبحثه انفلاحة والملاحة والرعاية وهو الاول المحتاج اليه في اول الحال لتأسيس المدن ج وعلم  
 قود الجيش ومكائد الحرب والبيطرة والبيطرة وآداب الملوك د العلم المدنى كعلم سياسة العامة  
 وعلم سياسة الخاصة وهي سياسة المنزل هـ علم سياسة الذات وهو علم الاخلاق

5 918٧ فلق انصباح في تخريج احاديث الصحاح للجوهري 918٨ فلق الصبح في احكام  
 الرمح لعز الدين محمد بن ابى بكر ابى الجماعة المتوفى سنة ٨١٩

91٨٩ علم انفلحنيرات

[وهو خطوط طويلة عقدت عليها حروف واشكال اى حلق ودرائر زعموا ان لها تأثيرات  
 بالخاصية وبعضها مقروء قال صاحب المفتاح في موضوعاته وقد رأينا كثيرا منها على الاوراق  
 10 المتفرقة لكن لم نر فيها تصنيفا مقروءا ولم نقف ايضا على كيفية وضعها وما جربنا ان لها

terrae descendentibus, quinta de doctrina variarum rationum salutem publicam et  
 domesticam bene administrandi. Haec species rursus quinque continetur speciebus,  
 administratione prophetiae, administratione regni, quo agricultura, ars nautica, cura  
 subditorum sedula pertinent, quae praeter cetera a primo initio ad fundandas urbes  
 necessaria fuit, doctrina exercitum ducendi, stratagematum, ars veterinaria, ars quae  
 in falconum sanitate conservanda versatur, et mores principum. Quarta species  
 administrationem urbanam complectitur, quo gubernatio populi et gubernatio familiarum  
 i. e. administratio rei domesticae pertinent. Quinta denique species de se ipso regendo  
 agit et ethicam complectitur. —

9187. Felec el-sabáh, lux aurorae emergens de traditionibus ex opere 5  
*Jauheriano Siháh* eliciendis. — 9188. Felec el-sabáh, lux primae aurorae emergens  
 de regulis lancea confodiendi, auctore *Izz-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr  
 Abiljemáa*, anno 819 (inc. l. Mart. 1416) mortuo. —

9189. Ilm el-filactírát. Doctrina phylacteriorum.

[Phylacteria longae lineae sunt, quibus literae et figurae inscriptae sunt sive  
 potius circuli et orbes. Iis vires inesse opinantur proprias, quas in res alias  
 exercent, et nonnulla legenda sunt. Auctor libri *Miftáh el-seádet* in Objectis  
 doctrinarum: Vidimus, inquit, magnum eorum numerum super foliis dispersis, attamen 10  
 ibi compositionem singularem non cognovimus. Pariter rationem ea constituendi non

تأثيراً ام لا فبقيت عندنا مجهولة الحال انتهى أولاً وآخرًا]

٩١٩. الفلك الدائر على المثل السائر لعز الدين عبد الحميد بن هبة الله المدائني [المعروف بابن ابي الحديد] المتوفى سنة ٦٥٥ ذكره في المثل السائر مع رده [صنّفه في ثلثة عشر يوماً]
٩١٩. الفلك الدوار في فصل الليل على النيار للسيوطي ٩١٣ فلک السعادة وقطب السيادة
- في الطلسمات ذكره البونى ٩١٣ فلک الفقه في مسائل الخلاف بين الانمة الاربعة رضى الله
- تعالى عنهم لابي الحسين احمد بن عبد الله بن حسن بن ابي الحناجر الشافعي الحموى
- المتوفى سنة اوله الحمد لله حمد الشاكرين الخ قال حررت آهيات المسائل دون فروعها
- يشتمل على خمسمائة وخمسة وعشرين تناولت كل منها حجة ولقبته بكتاب الشجرة ومخير
- السمره فنبهت عن ذلك فلقبته فلک الفقه ٩١٤ فلک المشحون للسيوطي وهي تذكرته
- خمسون مجلداً ذكر في فهرس مؤلفاته ٩١٥ فلک المعاني لابي يعلى محمّد بن محمّد 10

perspeximus, nec experti sumus, utrum vis iis insit propria nec ne, ut nobis earum conditio incognita maneret. — Haec ille primum et postremum]. —

9190. *El-Felek El-Dáir*, orbis opus *El-Mathal El-Sáir* circumiens, auctore *Izz-ed-dín Abd-el-hamid Ben Hibatallah Medáini*, [vulgo *Ibn Abi'lhadid* dicto et] anno 655 (inc. 19. Jan. 1257) mortuo. Sequetur infra sub *El-Mathal El-Sáir* fusior libri descriptio, [in quo conscribendo tredecim dies consumpsit], simul cum ejus refutatione. — 9191. *El-Felek El-Dewwár*, orbis coelestis semper circumvertens de nocte diei praeferenda, auctore *Soyúti*. — 9192. *Felec el-seádet we Cotb el-siyádet*, orbis coelestis felicitatis et polus domini de talismatibus. *El-Búni* libri mentionem facit. — 9193. *Felec el-fic'h*, orbis jurisprudentiae de quaestionibus controversiae inter quatuor Imamos, quos Deus gratos habeat, auctore *Abu'lhosein Ahmed Ben Abdallah Ben Hasan Ben Abi'lhanábir Hamewi Shafiita*, anno . . . mortuo. Incipit hic ita: Laus Deo talis, qualem grati tribuunt etc., et: Recensui, inquit, quaestiones capitales, omissis earum partibus derivatis, quae jam quingenta viginti quinque capita explent et singulae argumentum comprehendunt; librum autem *Kitáb el-shajaret we Mohayyir el-samaret* cognominavi. Tum hanc denominationem respui eique titulum *Felec el-fic'h* substitui. — 9194. *El-Felek El-Mashhún*, orbis coelestis plenus, auctore *Soyúti*, qui ejus in indice scriptorum mentionem facit. Idem liber est atque ejus *Tedzkiret*, et quinquaginta volumina comprehendit. — 9195. *Felek el-meáni*, orbis sententiarum. Scripsit *Abu Yali Mohammed Ben*



ابن صالح [الهاشمي] المعروف بابن الهبارية المتوفى سنة ٥٠٩ صنفه للوزير ابي نصر سعيد بن  
 المؤمل ورتب على اثني عشر باباً على ترتيب البروج ٩١٦١ فلك نامه كلشهرى ٩١٦٧ الفلكية  
 الكبرى رسالة في الكيمياء ليرمس الدندرى استخرجه من السرب الذى في بريا دندره من  
 تحت صنم ارطمس في زمان لقامن الملك فخرج على من جارت اليه ان يبذلها لغير مستحقها  
 ٥ فثبي من الاسرار العظيمة اولها قال هرمس ان من رامت خدمته للنور الاعلى جرت الاشياء  
 بمحبتته الخ ٩١٦٨ فنون الافنان في علوم القرآن لابي الفرج عبد الرحمن بن علي ابن الجوزى  
 البغدادي المتوفى سنة [٥٩٧] ٩١٦٩ الفنون الجليلة في معرفة حديث خير البرية في علوم  
 الحديث لقاضى القضاة عز الدين ابي البركات عبد العزيز بن علي بن العز بن عبد العزيز  
 الحنبلى البكرى البغدادي مولداً القدسي منشئاً وتوطناً [المتوفى سنة ٨٤٦] ٩٢٠٠ الفنون  
 10 الستة في اخبار سبعة للقاضى عياض بن موسى اليبهصبي المتوفى سنة ٥٤٤ ٩٢٠١ فنون  
 العجائب ٩٢٠٢ فنون المنون في الوباء والطاعون للشيخ الامام يوسف بن حسن بن

*Mohammed Ben Sâlih [Hâshimi]*, vulgo *Ibn - elhebbâriyet* dictus et anno 509 (inc. 27. Mai. 1115) mortuus, in commodum *Wezîri Abu Nasr Saïd Ben - elmowemmel*, et librum ad numerum signorum Zodiaci in duodecim capita distribuit. — 9196. *Felek-nâme h*, liber orbis coelestis, auctore *Gûlshehri*. — 9197. *El-Felekîyet El-Kobra*, tractatus magnus orbis coelestis de Alchymia, auctore *Hermete Tentyrita*. Protraxit eum e fossa subterranea, quae in monumento *Tentyrae* antiquo fuit, ubi sub idolo *Artemidis* inveniebatur tempore regis *Lecâmen*, et bellum ei indicit, in cujus manus tractatus veniat, si eum viro tradat indigno. Habetur in arcanis maximis 5 et incipit ita: Dicit *Hermes*: Cujus opera continuo navata est lumini excelsissimo, ejus res succedent ex voto etc. — 9198. *Fonún el-afnân*, species ramorum de doctrinis *Corani*, auctore *Abu'lfaraj Abd-el-rahman Ben Ali Ibn-eljauzi Baghdâdi*, anno [597 (inc. 12. Oct. 1200)] mortuo. — 9199. *El-Fonún El-Jelîyet*, species clarae de cognitione traditionum optimi inter homines creatos. Liber de doctrinis rei traditionariae, auctore *Judice Supremo Izz-ed-din Abu'lberkât Abd-el-azîz Ben Ali Ben - elîzz Ben Abd - el - azîz Bekri Hanbalita*, qui *Baghdâdi* natus et *Hierosolymis* educatus est ibique sedem fixit. [Mortuus est anno 846 (inc. 12. Mai. 1442)]. — 9200. *El-Fonún El-Sittet*, species sex de historia *Ceutae*, auctore 10 *Câdhi Jyâdh Ben Musa Yahsebi*, anno 544 (inc. 11. Mai. 1149) mortuo. — 9201. *Fonún el - ajâib*, species miraculorum. — 9202. *Fonún el - menún*, variae mortis species de contagione morbi et pestilentia, auctore *Sheikh* et *Imâm*

- عبد الهادي [الحنبلي المتوفى في حدود سنة ٨٠٠] ٩٢٣. فوات انوڤيات لمحمد بن شاكِر بن احمد الكتبي المتوفى سنة ٧٩٤ ٩٢٤ فواتح الاسرار الالهية ٩٢٥ فواتح الافكار في شرح مقدمتي التشريح للعلامة كمال الدين ابن اليمام [محمد بن عبد الواحد السيواسي المصري انحنفي المتوفى سنة ٨٦١] ٩٢٦ فواتح الآلية ومفاتيح الغيبية في التفسير للشيخ بابا نعمة الله بن محمود النخجواني المعروف بعلوان الاقشيري آفة في سنة ٩٣ ذكر صاحب الشقائف انه كتب 5 بلا مراجعة الى التفاسير وادرج فيها من الخائف واندقائف ما يحجز عن ادراكها كثير من الناس مع الفصاحة في عبارته [وعو تفسير على لسان النجوم] ٩٣٧ فواتح النجمال رسالة فارسية للشيخ ابي الجناب احمد بن عمر اللبوقى المعروف بنماجم الدين الكبرى المتوفى سنة [٩١٨] ٩٣٨ فواتح السور للامام ابي حامد محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ ٩٣٩ فواتح الافراد وجواهر الفوائد للشيخ عبد الرحمن بن محمد البسطامي

10

- Yusuf Ben Hasan Ben Abd-el-hádi* [Hanbalita, circa annum 880 (inc. 7. Mai. 1475) mortuo]. — 9203. *Fewát el-wefayát*, transitus mortium, auctore *Mohammed Ben Shákir Ben Ahmed Katbi*, anno 764 (inc. 21. Oct. 1362) mortuo. — 9204. *Fewátih el-asrár el-alehiyet*, patefactiones arcanorum divinorum. — 9205. *Fewátih el-afkár*, patefactiones cogitationum. Commentarius in utramque praefationem libri *Teshríh*, auctore viro doctissimo *Kemál-ed-din Ibn-elhemám* [*Mohammed Ben Abd-el-wáhid Siwási Misri* Hanefita, anno 861 (inc. 29. Nov. 1456) mortuo]. — 9206. *Fewátih el-alehiyet we Mefátih el-gheibiyyet*, patefactiones metaphysicae et claves mysteriorum spiritualium. Commentarius in 5 Coranum, auctore Sheikh *Bábá Ní'metallah Ben Mahmúd Nakhjwáni*, vulgo *Atawún Acshehiri* dicto, qui anno 902 (inc. 9. Sept. 1496) composuit. Auctor operis *Shechác* dicit, illum scripsisse nullo alio commentario in auxilium vocato; libro adnotationes accuratas et subtiles inseruit, quas multi homines mente concipere non possunt, quanquam oratio admodum est facunda. [Commentarius ad usum loquendi vulgarem scriptus est]. — 9207. *Fewátih el-jemál*, patefactiones pulchritudinis. Tractatus persicus, auctore Sheikh *Abu'ljenáb Ahmed Ben Omar Hayyúki*, vulgo *Nejm-ed-din Kobra* dicto et anno [618 (inc. 25. Febr. 1221)] mortuo. — 9208. *Fewátih el-sower*, patefactiones Suratarum, auctore Imám *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 10 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 9209. *Fewákhir el-feráid we Jewáhir el-fewáid*, pretiosissimae margaritarum et gemmae adnotationum, auctore Sheikh *Abd-el-rahman Ben Mohammed Bistámi*. —



## ٩٢٠. علم فواصل الآي

[قال صاحب مفتاح السعادة الفاصلة كلمة آخر الآية كقافية الشعر وقريئة الساجع وثق  
بين الفواصل ورؤس الآي ان الفاصلة على الكلام المنفصل عما بعده والكلام المنفصل قد يكون  
رأس آية وقد يكون غيره ورؤس الآي قد تكون منفصلة وقد لا تكون انتهى

5 ٩٢١ فواصل الآيات للطوفي [سليمان بن عبد القوي الحنبلي] المتوفى سنة ٧١٢ هـ فواصل

السمر في فواصل آل عمر وهي اربعة مجلدات لابن فضل الله احمد بن يحيى العمري المتوفى  
سنة ٧٤٩ هـ ٩٢٣ فواكه البدريّة في الاقتصية للحكمية لابن الغرس محمد الحنفى المتوفى سنة [٩٣٣]  
اوله الحمد لله الذي اذا قضى لطف النخ ذكر انه ابتلى بالحكم فنظم هذين البيتين شعر

اضراف كل قضية حكمية

ست يلوح بعدها التحقيق

10

9210. *Ilm fewásil el-ay. Doctrina verborum extremorum, quibus  
periodi coranicae finiuntur.*

[Auctor libri *Miftáh el-seádet: El-Fásilet*, inquit, ultima vox dicitur versus coranici, quemadmodum *cáfiyet* ultima versuum carminis, et *carinet* orationis rhythmicae. Discrimen inter illa extrema verba (*fewásil*) et prima (*rowos* i. e. capita) versuum faciendum est, quod *Fásilet* dictionem significat ab iis quae sequuntur disjunctam. Disjuncta autem dictio interdum caput est versus sequentis, interdum aliud quid, et capita versuum interdum disjuncta sunt, interdum non sunt. — Haec ille]. —

9211. *Fewásil el-ayát*, verba versuum coranicorum extrema, auctore 5  
[*Soleimán Ben Abd-el-cawi Hanbalita*], vulgo *Taufi* dicto et anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. — 9212. *Fewádhil el-samar*, beneficia confabulationis nocturnae praestantia de virtutibus *Omaridarum*. Quatuor volumina, auctore *Ahmed Ben Yahya Omari*, vulgo *Ibn Fadhlallah* dicto et anno 749 (inc. 1. Apr. 1348) mortuo. — 9213. *El-Fewákih El-Bedriyet*, fructus praematuri de sentiis iudicis, auctore *Mohammed Hanefita*, vulgo *Ibn Ghars-ed-dín* dicto et anno [932 (inc. 18. Oct. 1525)] mortuo. Incipit ita: Laus Deo, qui, quando iudicat benignus est etc., et narrat, se iudicii munere afflictum esse. Itaque hos composuit versus:

*Fines omnium sententiarum forensium*

Sunt sex, post quos vera rei conditio apparet:

10

حكم ومحكوم به وله  
ومحكوم عليه وحاكم وطريق

- جمعاً لآبواب الحوادث الشرعية ورتبه على ستة فصول على النسق المذكور اتمه في يوم  
الجمعة ١٣ جمادى الاولى سنة ٩٩٩ ٩٩٤ فواكه البدرية منظومة لحمد بن ابى بكر الدماميني  
المتوفى سنة ٨٠٥ ٩١٥ الفواتح المسكية في الفواتح العكبية للشيخ عبد الرحمن بن محمد 5  
البسطامى الحنفى توفى سنة اوله رب انعمت فرد، ساجعل ذكرى لكم قبلة، اصلى اليها وادعو بيها  
الحمد لله الذى اسرى علم علمى الى معاني عرش العلماء قال فيه لما حياني الله تعالى بهذه  
المعاني الملكوتية التى طفت في تحصيلها البلاد ورفضت لذة الرقاد القى الله تعالى في خطيرتى  
ان اعرف الجنب بفنون من المعارف الربانية ان كان الاغلب مما اودعت بطون اوراقها  
عند طوافى بكعبة جماله ووقوفى في عرفات كماله وجعلت شرح معارف علومها من 10  
خاتر خزائن شمس المعارف ونسجت مبانى ديباجة ابوابها من معادن مخازن انفتوحات

Judicium, res judicata, in cujus favorem judicatur,

Contra quem judicatur, judex et modus judicandi.

- Collegit capita actorum legalium et librum ad rationem commemoratam in sex  
sectiones distribuit, et die vicesimo secundo qui dies Veneris erat mensis Jomádzi I.  
anni 649 (inc. 26. Mart. 1251) absolvit. — 9214. El-Fewákih El-Bedriyet,  
5 fructus praematuri. Carmen, auctore *Mohammed Ben Abi Bekr Demámíni*, anno 828  
(inc. 23. Nov. 1424) mortuo. — 9215. El-Fewáih El-Miskiyet, odores musci  
diffusi de patefactionibus Mekkanis, auctore *Sheikh Abd-el-rahman Ben Mohammed  
Bistámi Hanefita*, anno . . . mortuo. Orsus est ita: Domine, beneficia confers; et  
auge. Certe, afferam vobis *Ckiblam* versus invocationem; precor ad eam et in ea  
imploro: Laus Deo, qui scientiae meae vexillum ad notiones throni virorum doctorum  
direxit. Deus excelsus, inquit, cum mihi has mundi substantiarum intellectualium  
notiones, ad quas comparandas terras peragravi et somni dulcedinem respui, gratiose  
impertiret, in eam mentem me impulit, ut regiones varias cognitionum divinarum species  
edoceram, quandoquidem maxima pars eorum, quae mediis illarum foliis commisi, cum  
10 Ka'bam ejus pulchritudinis obirem et in Arafát ejus perfectionis consisterem, mihi a  
Deo revelata est. Commentarium cognitionum, quas doctrinae divinae tractant, e  
thesauris in gazophylaciis operis *Shems-elmeúrif* repositis confeci, et fundamenta  
praefationis ornatae capitum illarum e minis cellarum operis *El-Fotúhát El-Mekkiyet*



المكينة في معرفة اسرار المالكية والملكية من الفنون التي قيّدت معانيها من [رياض العلماء  
 من] سنة ٧٥٠ الى سنة ٨٤٤ التي نحن فيها وقد رتبنا على مائة باب كله في ثن كذا وكذا  
 وانتبى الى ثلثين ولم يكمله ٩٢١ فوائج النبوية في السير المصطفوية للمولى الفاضل عبد  
 العزيز المعروف بقره چلبى زاده [المتوفى سنة ١٠٦٨] ٩٢٧ فوائد ابن السخيري ٩٢٨ فوائد ابى  
 5 احمد حمزة بن محمد بن العباس في الحديث ٩٢٩ فوائد ابى بكر الجعفرى ٩٣٠ فوائد  
 ابى بكر محمد بن فضل ٩٣١ فوائد ابى الحسن على بن سعد ٩٣٢ فوائد ابى الحسن على  
 ابن عبد الله العيسوى في الحديث ذكره ابن حجر في المجموع ٩٣٣ فوائد ابى حفص الكبير  
 وابى المعين وانقضى الامام ابى على النسفى الحنفى وشمس الدين محمود الازجندى جد  
 الامام قاضىخان في الفروع وصادر الاسلام طاهر بن محمود ولشيخ الاسلام محمد بن مرسل  
 10 الاستروشى ولشيخ الاسلام نظام الدين ابن صاحب الهداية ٩٣٤ فوائد ابى حفص لسفكردى

*fi ma'rifet asrâr El-Mâlikiyet we El-Melekiyet ex illis doctrinae speciebus composui, quarum argumenta e [hortis virorum doctorum ab] anno 795 (inc. 17. Nov. 1392) usque ad annum 844 (inc. 2. Jun. 1440), quo nunc vivimus, scripto mandayi et in centum capita distribui, quae singula de hac et illa doctrinae specie agunt. Progressus est ad caput tricesimum, cetera non absolvit. — 9216. El-Fewáih El-Nebewíyet, odores prophetici de vita prophetae electi, auctore Molla bene merito Abd-el-azíz, vulgo Carah Jelebizádeh dicto [et anno 1068 (inc. 29. Sept. 1657) mortuo]. — 9217. Fewáid Ibn-elsakhír, adnotationes utiles, auctore Ibn-elsakhír. — 9218. Fewáid Abi Ahmed, adnotationes utiles de re traditionaria, 5 auctore Abu Ahmed Hamza Ben Mohammed Ben-elabbás. — 9219. Fewáid Abi Bekr, adnotationes utiles, auctore Abu Bekr Bohtori. — 9220. Fewáid Abi Bekr Mohammed, adnotationes utiles, auctore Abu Bekr Mohammed Ben Fadhl. — 9221. Fewáid Abi'lhasan, adnotationes utiles, auctore Abu'lhasan Ali Ben Sa'd. — 9222. Fewáid Abi'lhasan, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore Abu'lhasan Ali Ben Abdallah Isewi. Commemorat eas Ibn Hajr in El-Mojmi'. — 9223. Fewáid Abi Hafis, adnotationes utiles, auctoribus Abu Hafis Majore, Abulmoín, Cádhi et Imám Abu Ali Neseft Hanefita, Shems-ed-din Mahmúd Uzjendi avo Imami Cádhihán, qui de partibus juris secundariis scripsit, Sadr-el-islám Táhir Ben Mahmúd, Sheikh el-islám Mohammed Ben Mursil Asterúsheni, Sheikh el-islám Nitzám-ed-din, filio auctoris libri Hidáyet. — 9224. Fewáid 10 Abi Hafis, adnotationes utiles, auctoribus Sefkerdi, Jelál-ed-din Asterúsheni patre*

- وجلال الدين الاستروشنى والد صاحب الفصول وبنى الحسن بن على الرستغفنى وبنى جعفر  
 وحسام الدين انعليابادى الحافظ وبنى صخر ٩٢٥٠ فؤائد ابى عمرو عبد الوهاب بن الحافظ  
 ابى عبد الله بن منده [الاصفيانى المتوفى سنة ٤٧٥] ٩٢٢١ فؤائد ابى الفتح محمد بن حسين  
 الازدى فى الحديث ٩٢٢٧ فؤائد ابى القاسم فضل بن جعفر التميمى عرف باخى عاصم  
 ٩٢٢٨ فؤائد ابى منصور الديلمى ٩٢٢٦ فؤائد الاحتفال فى احوال الرجال المذكور فى البخارى 5  
 زيادة على تذيب الكمال للشيوخ ابى الفضل احمد بن على المعروف بابن حجر العسقلانى توفى  
 سنة ٥٥٢ فى مجلد ٩٢٣٠ فؤائد الاستروشنى وهو جلال الدين محمود بن حسين الحنفى توفى  
 سنة ٩٢٣١ فؤائد الاسلام ٩٢٣٢ فؤائد الانسان لندرويش روائى فارسى منظومة فى مشاعير  
 الادوية والاعدية نظمها لجلال الدين اكبر ولما عرضه قال السلطان المذكور شده اشمس  
 فؤائد الانسان فصار تاريخًا لتأليفه وهو مع وجاته مشتمل على زبدة ما فى الكتب 10  
 المبسوطة ٩٢٣٣ فؤائد الامام شمس الآئمة السرخسى وشمس الآئمة الحلوانى ٩٢٣٤ فؤائد

- auctoris operis *Fosúl, Abu'hasan Ben Ali Rostoghfeni, Abu Ja'far, El-Háfiz Hosám-ed-dín Aliabádi, Abu Sakhr.* — 9225. *Fewáid Abi Amru*, adnotationes utiles, auctore *Abu Amru Abd-el-wehháb Ben-elháfitz Abu Abdallah Ben Mendeh [Isfaháni, anno 475 (inc. 1. Jun. 1082) mortuo].* — 9226. *Fewáid Abi 'lfat'h*, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore *Abu'fat'h Mohammed Ben Hosein Azdi.* — 9227. *Fewáid Abi'l'cásim*, adnotationes utiles, auctore *Abu'l'cásim Fadhl Ben Ja'far Temimi*, vulgo 5 *Akhi Asim* dicto. — 9228. *Fewáid Abi Mansúr*, adnotationes utiles, auctore *Abu Mansúr Deilemi.* — 9229. *Fewáid el-ihtifál*, adnotationes utiles studii et diligentiae de conditionibus Traditionariorum, auctore Sheikh *Abu'fadhl Ahmed Ben Ali Ascaláni*, vulgo *Ibn Hajr* dicto et anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo. Commemoratur opus volumine comprehensum a *Bokhári* et additamenta continet ad *Tehdzáb el-kemál.* — 9230. *Fewáid El-Asterúsheni*, adnotationes utiles, auctore *Jelál-ed-dín Mahmúd Ben Hosein Hanefita*, vulgo *Asterúsheni* dicto et anno ... mortuo. — 9231. *Fewáid el-islám*, commoda Islami. — 9232. *Fewáid el-insán*, commoda homini oblata. Poema persicum, quod Derwísh *Bewáni* de notissimis remediis et alimentis composuit. Quod cum Sultano *Jelál-ed-dín Akbar* offerret: Ecce, inquit, solem splendidissimum commodorum homini utilium; quae verba tempus compositionis 10 significabant. Liber quamvis brevissimus sit, optima tamen, quae in libris amplis leguntur, continet. — 9233. *Fewáid El-Imám Shems el-aïmmet*, adnotationes utiles, auctoribus *Imám Shems-el-aïmmet Serakhsi* et *Shems-el-aïmmet Holváni.* —



الامام قاضيخان ٩٣٥ فؤائد البارزة والكافية في النعم الظاهرة والباطنة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى سنة ٩١١ اوله الحمد لله الذي اسبغ علينا نعمة الخ وهو متعلق في تفسير قوله تعالى واسبغ عليكم نعمة ضامرة وباطنة الخ ٩٣٦ فؤائد برهان الدين المرغيناني المتوفى سنة ولبرهان الدين محمد بن محمد النسفي المتوفى سنة ٩٨٥

٩٣٧ 5 فؤائد ابراهيم في لغة انوش ٩٣٨ فؤائد البراز في الحديد هو عبد الدين ابراهيم ابن ايوب بن ماسي ذكره البقاعي في مشيخته ٩٣٩ فؤائد البوغري ٩٤٠ فؤائد البياتي في الحساب لعماد الدين عبد الله بن محمد الخدام البغدادي شرحه كمال الدين حسن الفارسي وسماه اساس القواعد في اصول الفؤائد اوله الحمد لله على نعمة الوافية ومنها المتواليه الخ وشرحه ايضا الفاضل عبد العلي البرجندي المتوفى سنة اوله الحمد لله على نعمة الوافية الخ وهو شرح بقال اقول عظيم النفع وفرغ في اواخر ذي الحجة سنة ٩٤١ فؤائد

9234. Fewáid El-Imám Cádhihán, adnotationes utiles, auctore Imám Cádhihán. — 9235. El-Fewáid El-Bárizet we El-Káfiyet, commoda aperta et sufficientia de beneficiis manifestis et occultis, auctore Jelúl-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Incipit liber ita: Laus Deo, qui nobis commoda larga impertitur etc., et glossas leves continet de expositione verborum coranicorum: „Et copiose effudit super vos beneficia sua externa et interna“. — 9236. Fewáid Borhán-ed-dín, adnotationes utiles, auctoribus Borhán-ed-dín Marghináni, anno ... mortuo, et Borhán-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Nesefi, anno 688 (inc. 25. Jan. 1289) mortuo. — 9237. Fewáid El-Borhán, adnotationes utiles de lingua Anúsh, auctore Borhán-ed-dín. — 9238. Fewáid El-Bezzáz, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore Abd-ed-dín Ibráhim Ben Eyyúb Ben Músi, vulgo Bezzáz dicto. Laudatur liber a Becái in opere de Sheikhis suis. — 9239. Fewáid El-Bughari, adnotationes utiles, auctore Bughari. — 9240. El-Fewáid El-Beháiyet, adnotationes utiles Behá-ed-dinicae, auctore Imád-ed-dín Abdallah Ben Mohammed Khaddám Baghdádi. In eas Kemál-ed-dín Hasan Fárisi commentarium Isús el-caváid fi osúl el-fewáid inscriptum edidit, qui ita incipit: Laus Deo pro ejus beneficiis copiosis et donis continuis etc. Idem fecit bene meritus Abd-el-ali Berjendi, anno ... mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo pro ejus beneficiis copiosis etc., et multa commoda continet. Verbis „dicit auctor“ et „dico ego“ sua ab auctoris verbis distinxit et exeunte 10 mense Dzi'lhijjet anni 891 (inc. 7. Jan. 1486) absolvit. — 9241. Fewáid Temám,

- تمام الرازي في الحديث ٩٣٢ فوائد الجامع الصغير وفوائد الدين صاحب الحيط  
 ٩٣٣ الفوائد الجلية في مسئلة اشتباه القبلة للشيخ قاسم بن ظلوبغا الحنفى توفى سنة ٨٧٩  
 ٩٣٤ الفوائد الجمّة ٩٣٥ الفوائد الجمّة في المسائل الثلاثة المهمة ٩٣٦ الفوائد الجمّة  
 فيمن يجتدّد الدين لهذه الامّة لابن حجر العسقلاني ذكره في فهرس مؤلفاته قال السيوطى لم  
 اقف عليه مع شدّة طلبى له لانه وعد في مناقب الشافعى ان يبين من يصلح ان يتصف 5  
 بذلك في رأس المائة الثالثة وما بعدها ٩٣٧ الفوائد الجميلة على الآيات الجلييلة لحسين  
 ابن على بن طلحة الجرجاى الشوشارى مختصر في الفقه على بعض فوائد القرآن رتبه على  
 عشرين بابا ٩٣٨ فوائد الحاج لاني عمرو بن حمدان في اربعة اجزاء ٩٣٩ فوائد اللدبيية  
 لاني عبد الله الساجزى توفى سنة ٩٥٠ فوائد حسام الدين العليابادى الحنفى المتوفى  
 سنة ٩٥١ [فوائد الخاقانية الاحمدخانية للمولى العلامة محمد امين بن صدر 10

- adnotationes utiles de re traditionaria, auctore *Temám Rázi*. — 9242. *Fewáid El-Jámi' El-Saghír*, adnotationes utiles ad *El-Jámi' El-Saghír* et adnotationes utiles *Borhán-ed-dini*, qui *El-Mohít* edidit. — 9243. *El-Fewáid El-Jillet*, adnotationes praecipue utiles de quaestione dubiae *Ckiblae* positionis, auctore *Sheikh Cásim Ben Cottuboghá* Hanefita, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuo. — 9244. *El-Fewáid El-Jammet*, copiosae adnotationes utiles. — 9245. *El-Fewáid El-Jammet*, copiosae adnotationes utiles de tribus quaestionibus gravioribus. — 9246. *El-Fewáid El-Jammet*, copiosae adnotationes utiles de eo, qui nostro populo religionem renovavit, auctore *Ibn Hajr Ascaláni*. Commemorat eas in 5 indice scriptorum suorum. *Soyúti*: Librum, ait, non vidi, quanquam studiose eum quaesiveram. Promisit enim in opere *Menáckib El-Shafti* indicare, qui dignus sit, qui hoc titulo ineunte seculo quarto et sequentibus celebretur. — 9247. *El-Fewáid El-Jem ílet*, elegantes adnotationes utiles ad versus Corani illustres, auctore *Hosein Ben Ali Ben Talha Rejráji Shúsháwi*. Compendium de jurisprudentia ad nonnullas Corani adnotationes utiles, quod in viginti capita distribuit. — 9248. *Fewáid el-hájj*, adnotationes sacrum iter facienti utiles, auctore *Abu Amru Ben Hamdán*. Quatuor fasciculi. — 9249. *Fewáid El-Hodeibíyet*, adnotationes utiles Hodeibíyae scriptae, auctore *Abu Abdallah Sijzi*, anno ... mortuo. — 9250. *Fewáid Hosám-ed-dín*, adnotationes utiles, auctore *Hosám-ed-dín Aliabádi* Hanefita, 10 anno ... mortuo. — 9251. [*El-Fewáid El-Khácáníyet El-Ahmedkháníyet*, adnotationes utiles *Khácánicae Ahmedkhánicae*, auctore Molla doctissimo



الشرواني المتوفى سنة ١٠٣٦. مشتمل على ثلاثة وخمسين علماً ألفه باسم السلطان احمدخان العثماني وجعل العلوم التي فيه عدد اسماء [ ٩٥٢ فؤائد لخاصانية العبيديّة في التفسير صنّفه عبيد الله خان امير ما وراء النهر ٩٥٣ فؤائد الخليلي في الحديث ٩٥٤ فؤائد الديرعاقولي في الحديث ٩٥٥ فؤائد الرحلة لابن الصلاح عثمان بن عبد الرحمن الشهرزوري المتوفى سنة ٩٤٣ ] مشتملة على قواعد غريبة من انواع العلوم نقلها في رحلته الى خراسان ولاين رشيد محمد بن عمر الفهري السبتي [المغربي] المتوفى سنة ٧١٦ ست مجلّدات اتى فيها بالمعجب العجائب ٩٥٩ فؤائد الزاهرة في السلالة الطاهرة للشيخ عمر بن احمد الشماع الخليلي المتوفى سنة [٩٣١] ٩٥٧ فؤائد الزينية الملتقط من الفؤائد الحسينية في مذهب الحنفية وهي تأليف على سبيل التعداد [سماه به نسبة الى مؤلفها زين بن نكيم] ولم يبوب لعدم 10 انضباطها غالباً اوله احمد الله على الفقه في الدين الخ ٩٥٨ فؤائد السرية في شرح

*Mohammed Emin Ben Sadr Shirwani*, anno 1036 (inc. 12. Sept. 1626) mortuo. Liber, quem nomine Sultani *Ahmed Khan Othmani* scripsit, quinquaginta tres doctrinas complectitur, hasque doctrinas ibi descriptas numerum nominis *Ahmed* fecit]. — 9252. *El-Fewáid El-Khacáníyet El-Obeidíyet*, adnotationes utiles *Khacánicae Obeidallahi*. Hanc Corani expositionem *Obeidollah Khan* Transoxaniae Emirus scripsit. — 9253. *Fewáid El-Khilai*, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore *Khilai*. — 9254. *Fewáid El-Deir'acúli*, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore *Deir'acúli*. — 9255. *Fewáid el-rihlet*, adnotationes utiles in itinere conscriptae, auctore *Othmán Ben Abd-el-rahman Shahrezúri*, vulgo *Ibn-elsaláh* dicto et anno [643 (inc. 29. Mai. 1245)] mortuo. Continent rara 5 praecepta fundamentalia e variis doctrinae generibus, quae in itinere in Chorasnam facto descripsit. *Mohammed Ben Omar Fikri Sebti* [*Maghribi*], vulgo *Ibn Reshid* dictus et anno 721 (inc. 31. Jan. 1321) mortuus, librum ejusdem tituli edidit e sex voluminibus compositum, ubi rarissimas exhibuit observationes. — 9256. *El-Fewáid El-Záhiret*, adnotationes utiles quae splendent de posteritate pura, auctore *Sheikh Omar Ben Ahmed Shemmá' Halebi*, anno [936 (inc. 5. Sept. 1529)] mortuo. — 9257. *El-Fewáid El-Zeiníyet*, observationes utiles *Zeini* e gemmis pretiosis *Hasanicis* collectae de secta Hanefitarum. Hic liber rationem enumerationis sequitur, [eumque *Zeinicum* appellavit, quod adnotationes ad auctorem *Zein Ben Nojeim* retulit]. In capita eam ob causam non dispositae sunt, quod maximam partem in 10 firmum ordinem non redactae erant, et incipiunt ita: Laudo Deum pro juris doctrina, quam e religione discimus etc. — 9258. *El-Fewáid El-Seríyet*, exquisitae

مقدمة الجزرية يأتي ٩٥٩ فوائد السلوك ٩٦٠ فوائد سمو الماختر لضياء الدين المقدسي  
المتوفى سنة ٩٦١ فوائد سموية وهو ابو بشر اسمعيل بن عبد الله الاصفهاني الملقب بسموية  
المتوفى سنة [٩٦٧] ٩٦٢ الفوائد السموية شرح فوائد السنوية في الفقه لحمد بن حسن  
الكواكبي الحلبي قد مر في محله ٩٦٣ الفوائد السنوية في الرحلة المدنية والرومية للعلامة  
قطب الدين محمد بن محمد المكي [النيرواني المتوفى سنة ٩٩١] جمعها سنة ٩٥٩ وما بعدها 5  
٩٦٤ فوائد الشاعية في فروع الحنفية ٩٦٥ فوائد شرف الدين النواجزي ٩٦٦ فوائد  
شمس الاسلام الاوزجندی ٩٦٧ فوائد الشمسية للعنار الحافظية يأتي ٩٦٨ فوائد شيخ  
الاسلام نظام الدين ٩٦٩ فوائد الشيوخ لابي عبد الله محمد بن عبد الله الحاكم النيسابوري  
المتوفى سنة [٩٥٥] ٩٦٧ فوائد صدر الاسلام طاهر بن محمود ٩٦٨ فوائد الصقلي في الحديث

observationes utiles. Commentarius in *El-Mocaddimet El-Jezeryet*, de quo infra dicetur. — 9259. Fewáid el-solúk, commoda viae mysticae. — 9260. Fewáid somoww el-mokhtár, commoda altitudinis praestantissimi, auctore *Dhiyá-ed-dín Mocaddesi*, anno ... mortuo. — 9261. Fewáid Semmuye, adnotationes utiles, auctore *Abu Bishr Ismail Ben Abdallah Isfaháni*, honorifice *Semmuye* dicto et anno [267 (inc. 12. Aug. 880)] mortuo. — 9262. El-Fewáid El-Semíyet, sublimes adnotationes utiles. Commentarius in *El-Feráid El-Seniyet*, de jurisprudentia, auctore *Mohammed Ben Hasan Kewákibi Halebi*. Vide supra suo loco. — 9263. El-Fewáid El-Seníyet, pretiosae adnotationes utiles, in itinere Medinensi et 5 Rumaeo a viro eruditissimo *Cotb-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Mekki [Nahrewáni*, anno 991 (inc. 15. Jan. 1583) mortuo,] anno 959 (inc. 29. Dec. 1551) et sequentibus annis collectae. — 9264. El-Fewáid El-Sháhíyet, adnotationes utiles regiae de partibus juris Hanefitici secundariis. — 9265. Fewáid Sheref-ed-dín, adnotationes utiles *Sheref-ed-dini Newájizi*. — 9266. Fewáid Shems-elislám, adnotationes utiles *Shems-elislámi Uzjendi*. — 9267. El-Fewáid El-Shemsíyet, adnotationes utiles *Shems-ed-dini* ad *El-Menár El-Háfíziyet*, de quo infra dicetur. — 9268. Fewáid Sheikh-elislám, adnotationes utiles *Sheikh-elislámi Nitzám-ed-dín*. — 9269. Fewáid El-Shoyúk, adnotationes utiles Sheikhorum, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Abdallah Húkim Nisábúri*, anno [405 (inc. 2. Jul. 1014)] mortuo. — 9270. Fewáid Sadr-elislám, adnotationes utiles *Sadr-elislámi Táhír Ben Mahmúd*. — 9271. Fewáid El-Sickilli,



هو انقاضى ابو الحسن على بن المفرح الصقلى ذكره البقاعى فى مشيخته ٩٢٧٢ فوآند  
 الصبائىة فى شرح الكافية يأتى ٩٢٧٣ فوآند ظهير الدين النوجنازى ٩٢٧٤ فوآند الظهيرية  
 فى الفتاوى لظهير الدين ابى بكر محمد بن احمد بن عمر المتوفى سنة ٩١٩ جمع فوآند  
 الجامع الصغير الحسامى واتمه فى ذى الحجة سنة ٩١٨ وصى غير فتاوى الظهيرية التى سبق  
 5 ذكرها اوله حامد الله تعالى على بلوغ نعماته الخ ٩٢٧٥ فوآند العقائد للشيخ علاء الدين  
 احمد [بن محمد بن احمد] السمنانى المتوفى سنة [٧٣٦] اوله الحمد لله على ايجاده  
 المكتوبات من كنتم العدم الخ رسالة قال فى آخرها بتقبل القلب لا يحصل الا بمرعات الشروط  
 وصى السياسة والطهارة والجمع بين الظاهر والباطن وهذه الشروط مسمّاة بفوآند العقائد  
 كتبته مرتجلاً من املاء القلب يبسم امر الملك الواحد بتجريد هذا الوارد تذكرة لاولاد  
 10 ثمرة الفوآند تاج الدين محمد بن ابى القاسم محمد القشبرى فى رجب سنة ٩١١

adnotationes utiles de re traditionaria, auctore Cádhi *Abu'hasan Ali Ben-elmofrih Sickilli*. Commemorat eas *Becái* in suis *Sheikhis*. — 9272. *El-Fewáid El-Dhiyáiyet*, adnotationes utiles *Dhiyá-ed-dínicae*. Commentarius in *El-Káfíyet*, de quo infra videatur. — 9273. *Fewáid Tzahír-ed-dín*, observationes utiles *Tzahír-ed-dini Nujenázi*. — 9274. *El-Fewáid El-Tzahíríyet*, adnotationes utiles *Tzahír-ed-dínicae* de responsis juridicis, auctore *Tzahír-ed-din Abu Bekr Mohammed Ben Ahmed Ben Omar*, anno 619 (inc. 15. Febr. 1222) mortuo. Collegit hic observationes utiles operis *El-Jámí' El-Saghir* e recensione *Hosám-ed-díni*, et absolvit mense Dzi'lhijjet anni 618 (inc. 25. Febr. 1221). Haec responsa juridica *Tzahír-ed-dínica* non confundenda sunt cum aliis, de quibus antea mentio facta est, 5 et incipiunt ita: Laudator Dei excelsi pro summa ejus gratia etc. — 9275. *Fewáid el-acáid*, commoda articularum fidei, auctore Sheikh *Alá-ed-dín Ahmed [Ben Mohammed Ben Ahmed] Simnání*, anno [736 (inc. 21. Aug. 1335)] mortuo. Tractatus ita incipit: Laus Deo pro creatione rerum existentium ex nihilo celato etc., et auctor in fine: Et politura cordis, inquit, nonnisi conditionum observatione comparatur, quae sunt moderatio sui ipsius, puritas et conjunctio inter sensum naturalem et spiritualement. Has condiciones *Fewáid el-acáid* inscriptas composui ex tempore, quemadmodum cor dictavit subridens. *El-Malik El-Wáhid* me expositionem dare jussit claram hujus argumenti revelati, ut liber memorialis esset liberis *Thamarae el-fouád Táj-ed-dín Mohammed Ben Abílcásim Mohammed Cosheiri*. Composui mense Rejeb anni 699

- ٩٢٧ فَوَائِدُ الْعَلَائِيَّةِ وهو الامام ابو القاسم علاء الدين السمرقندى الحنفى المتوفى سنة ٩٢٧ فَوَائِدُ عَلِي بْنِ حَجْرٍ ٩٢٨ فَوَائِدُ الْغِيَاثِيَّةِ فِي الْمَعَانِي وَالْبَيَانِ لِلْقَاضِي عَصَدِ الدِّينِ عَبْدِ الرَّحْمَنِ بْنِ أَحْمَدِ الْإِسْجَمِيِّ الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٧٥٩ أَوْلَادُ الْحَمْدِ لَهُ الَّذِي خَلَقَ الْإِنْسَانَ وَالنَّهْمَ الْمَعَانِي وَعَلَّمَ الْبَيَانَ الْحَجَّ لِنَحْصِهِ مِنَ الْقِسْمِ الثَّلَاثِ مِنْ مِفْتَاحِ الْعُلُومِ كَالْتَلَاخِيصِ لَكِنِّيَا مَخْتَصَرٌ مِنْهُ كَمَا قَالَ هَذَا مَخْتَصَرٌ يَتَضَمَّنُ مَقَاصِدَ الْمِفْتَاحِ سَمِّيَتْ بِهَا مِنْسُوبَةً إِلَى غِيَاثِ الدِّينِ 5 فُزَيْرِ سُلْطَانَ مُحَمَّدِ خَدَابَنْدَهٍ وَهِيَ مَفِيدٌ مَعْتَبَرٌ وَشَرَحَهُ شَمْسُ الدِّينِ مُحَمَّدُ بْنُ يُوْسُفَ الْكِرْمَانِي الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٧٨٩ وَسَمَّاهُ بِتَحْقِيقِ الْفَوَائِدِ وَشَمْسُ الدِّينِ مُحَمَّدُ بْنُ حَمْرَةَ الْفَنَارِي الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٨٣٤ ذَكَرَهُ الْمَجْدِيُّ فِي تَرْجُمَةِ الشَّقَائِقِ وَمُحَمَّدُ بْنُ عَلِيٍّ بْنِ السَّيِّدِ الشَّرِيفِ [عَلِيٍّ] الْجَرَجَانِي الْمَتَوَفَى سَنَةَ [٨٣٨] وَسَعْدُ الدِّينِ الْجَلَالُ وَالسَّيِّدُ عَيْسَى بْنُ مُحَمَّدِ الصَّفْوَى الْمَتَوَفَى سَنَةَ [٩٥٥] وَلَمْ يَتِمَّ وَالْمَوْلَى أَحْمَدُ بْنُ مُصْطَفَى الشَّيْبِرِ بِطَاشَكِيرِي زَادَهُ الْمَتَوَفَى سَنَةَ 10

- (inc. 28. Sept. 1299). — 9276. El-Fewáid El-Aláiyet, adnotationes utiles *Alá-ed-dinicae*, auctore Imám *Abu'l-cásim Alá-ed-dín Samarcandi* Hanefita, anno ... mortuo. — 9277. Fewáid Ali, adnotationes utiles, auctore *Ali Ben Hajr*. — 9278. El-Fewáid El-Ghiyáthiyet fi el-meáni we el-beyán, adnotationes utiles *Ghiyáth-ed-dinicae*, auctore *Cádhi Adhod-ed-dín Abd-el-rahman Ben Ahmed Iji*, anno 756 (inc. 5. Jan. 757) mortuo. Orsus est ita: Laus Deo, qui hominem creavit, sententias ei inspiravit eumque expositionem docuit etc., et ex 5 parte tertia libri *Miftáh el-olúm* cum delectu ita tractatum excerpisit, ut meliorem quasi tantum partem contineret, attamen epitome est ex illo facta, ut ipse his testatur: Haec epitome argumenta libri *Miftáh* proposita continet, eamque *Ghiyáth-ed-dinica* appellavi ratione habita *Ghiyáth-ed-dini* Wezíri Sultani *Mohammed Khodábendeh*. Plena est observationibus utilibus et magni pretii. Commentarios in eam ediderunt *Shems-ed-dín Mohammed Ben Yusuf Kermáni*, anno 786 (inc. 24. Febr. 1384) mortuus, cujus commentarius *Tahckic el-fewáid* inscriptus est — *Shems-ed-dín Mohammed Ben Hamza Fenári*, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430) mortuus, cujus commentarium *Mejdi* in translatione operis *Shecáic* commemorat — *Mohammed Ben Ali Ben El-Seyyid El-Sherif [Ali] Jorjáni*, anno [838 (inc. 7. Aug. 10 1434)] mortuus — *Sa'd-ed-dín El-Jelál — Seyyid Isa Ben Mohammed Sefewi*, anno [955 (inc. 11. Febr. 1548)] mortuus, qui non absolvit — *Molla Ahmed Ben*



- [٩١٨ وهو شرح حافظ] بسط الاقوال فيه سؤالا واعتراضا على السعدين لتحقيقاتهما في شرح المفتاح ثم اختصر هذا الشرح اوله لله الحمد في الآخرة والاولى الخ ومن شروح فوائد الغياثية شرح العالم الفاضل الشريف مير علم البخارى المتوفى بقسطنطينية سنة ٩٥٠ وهو شرح لطيف ذكره صاحب الشقائق وشرحه سيد عبد الله الحسينى ومحمد بن حاجى بن محمد 5 البخارى السعيدى يقال اقوال اوله الحمد لله على ما انزل القرآن على صفة الاعجاز الخ واعداه الى ابي الفوارس شاه شجاع وثرغ من تأليفه سنة ٧٤٠ [ذكر انه لوح الى ما اودع بعض الفضلاء وذكر ايرادات اوردتها الخطيب مع اجوبتها لشيخه العلامة الطيبي والامام الخطيبي الوشاح] [٩١٧١ فوائد الفتمارى ٩١٨٠ فوائد القرآنى في التعبير لابن الدقاق ٩١٨١ فوائد فصل بن غانم من احكام ابن يوسف ٩١٨٢ فوائد الفقهاء في الفروع لبعض الحنفية مختصر اوله 10 الحمد لله انغى الوقاب الخ ٩١٨٣ فوائد انغية في اطراف الاقضية للحكمية مختصر الشيخ

*Mustafa*, vulgo *Tashköprüzâdeh* dictus, et anno [968 (inc. 22. Dec. 1560)] mortuus, [cujus commentarius copiosus est]. Multa ibi verba fecit, cum plura interrogaret et duobus *Sa'd-ed-dîn* opponeret, qui operis *Miftâh* exponendi causa plura correxerant. Tum epitomen hujus commentarii adornavit, qui ita incipit: Deo laus in altera et in hac vita etc. Porro commentarios in *El - Fewâid El - Ghîyâthiyet* ediderunt vir doctus et bene meritus Sherîf *Mîr Alem Bokhârî*, Constantinopoli anno 950 (inc. 6. Apr. 1543) mortuus, cujus commentarius, ut auctor operis *El - Shecâic* testatur, elegans est — Seyyid *Abdallah Hoseini* — *Mohammed Ben Hâji Ben 5 Mohammed Bokhârî Saïdi*, qui formula usus est „Dicit auctor“ et „Dico ego“, et ita incipit: Laus Deo, qui Coranum ita comparatum revelavit, ut omnes alios libros eloquentia superaret etc. Obtulit eum *Abu'lfewâriso Shâh Shojâ'*, et anno 760 (inc. 3. Dec. 1358) compositionem absolvit. [Se ea inspexisse dicit, quae vir quidam bene meritus tradiderat, et adnotationes revelatas profert, quas *Khatîb* docuerat, simul cum responsis ad eas a Sheikh suo eruditissimo *Tayyîbi* et Imâmo *Khatîbi Weshshâh* redditis]. — 9279. *Fewâid el-fetâwi*, adnotationes utiles ad responsa juridica. — 9280. *Fewâid el-ferâid*, unice adnotationes utiles de somniorum interpretatione, auctore *Ibn - eldeccâc*. — 9281. *Fewâid Fadhl*, adnotationes utiles *Fadhî Ben Ghânim*, qui discipulus *Abu Jusufi* fuit. — 9282. *Fewâid el-focahâ*, adnotationes utiles jurisperitorum de articulis juris secundariis, auctore quodam Hanefita. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo diviti et liberali largitori 10 etc. — 9283. *El-Fewâid El-Facahiyet*, adnotationes utiles juridicae de finibus

بدر الدين ابى السير محمد بن الغرس الحنفى المتوفى سنة لما ابتلى بالحكم نظم البيتين  
ضبطاً لاطراف القضايا ثم شرحه فيه

اطراف كل قضية حكمية

ست يلوح بعدها التحقيق

5

حكم ومحكوم به وله

ومحكوم عليه وحاكم وطريق

- [رقد مر في الفوائد] ٩١٤ فَوَائِدُ الْفَقِيهَةِ منظومة لنشيخ ابراهيم بن على الفرسوسى الحنفى  
المتوفى سنة ٧٥٨ ٩١٥ فَوَائِدُ الْفَقِيهَةِ ابى جعفر [محمد بن عبد الله بن محمد] البندوانى  
[المعروف بابى حنيفة الصغير المتوفى سنة ٣٩٢] ٩١٦ فَوَائِدُ الْفَقِيهَةِ نصر ٩١٧ فَوَائِدُ الْفَوَائِدِ  
لجلال الدين الدهلوى جمعه من كلمات نظام الدين ثم شرحه ٩١٨ فَوَائِدُ الْفَيروزشاعية 10  
في فروع الحنفية ٩١٩ فَوَائِدُ فِي فُرُوعِ الْحَنْفِيَّةِ لابى على النسفى ومحمود الاوزجندى وابى

sententiarum juridicarum. Compendium, auctore Sheikh *Bedr - ed - din Abu'seir Mohammed Ben-elghars* Hanefita, anno ... mortuo. Cum munere judicis affligeretur, duos versus scripsit ad fines sententiarum juridicarum describendos. Postea illas in hoc libro commentatus est; versus autem hi sunt:

Fines omnium sententiarum forensium

Sunt sex, post quos vera rei conditio apparet:

5

Sententia, res judicata, in cujus favorem judicatur,

Contra quem judicatur, judex et via.

- [Vide supra in *El - Fewákih El - Bederiyet*]. — 9284. *El - Fewáid El - Facahiyet*, adnotationes utiles juridicae. Carmen, auctore Sheikh *Ibráhim Ben Ali Tarsúsi* Hanefita, anno 758 (inc. 25. Dec. 1356) mortuo. — 9285. *El - Fewáid El - Facahiyet*, adnotationes utiles juridicae, auctore *Abu Ja'far [Mohammed Ben Abdallah Ben Mohammed] Hindouáni*, [vulgo *Abu Hanifa El - Saghir* (i. e. Minor) dicto et anno 362 (inc. 12. Oct. 972) mortuo. — 9286. *Fewáid El - Fackih Nasr*, adnotationes utiles jurisconsulti *Nasr*. — 9287. *Fewáid el - fowád*, adnotationes utiles cordis, quas *Jelál - ed - din Dehlewi* e verbis *Nitzám - ed - dñni* collegit et postea  
10 commentario exposuit. — 9288. *El - Fewáid El - Fírúzháhiyet*, adnotationes utiles *Fírúzháhicae* de articulis juris Hanefitici secundariis. — 9289. *Fewáid fi forú' El - Hanefiyet*, adnotationes utiles de articulis juris Hanefitici secundariis, auctoribus *Abu Ali Nesefti*, *Mahmúd Uzjendi*, *Abu Ja'far* et *Sheref - ed - din*



- جعفر وشرف الدين النواجزي ٩٢١. فَوَائِدُ فِي النَّحْوِ لابن مالك محمد بن عبد الله النحوي توفي سنة ٩٧٢ اختصر التسهيل منه قال القاضي محيي الدين عبد القادر بن ابي القاسم المالكي النحوي في اول شرح التسهيل له الالف واللام في تسهيل الفوائد للعهد اشار بينا الى الكتاب المذكور قال وايه عن سعد الدين ابن العربي بقوله ان الامام جمال الدين فضله 5 الهه ونشر العلم فضله املى كتاباً له يسمى الفوائد لم يزل مفيداً لذى لب تأمله فكل مسئلة في النحو يجمعها ان الفوائد جمع لا نظير له ٩٢١ فَوَائِدُ الْقَاسِمِي ٩٢٢ فَوَائِدُ الْكَامِنَةِ فِي اِيْمَانِ سَيِّدَةِ اَمْنَةَ لْجَلالِ الدِّينِ السِّيُوْطِيِّ وَهِيَ رِسَالَةٌ اُخْرَى التَّعْظِيْمِ وَالْمَنْتَةِ كَمَا مَرَّ ٩٢٣ فَوَائِدُ الْكَبِيْرِ دِيْوَانِ الرَّابِعِ لِمِيْرِ عَلِيْشِيْرِ فَوَائِيْ تُوْفِيَ سَنَةَ ٩٠٩ ٩٢٤ فَوَائِدُ الْمُنْتَكَاثِرَةِ فِي الْاَخْبَارِ الْمَتَوَاتِرَةِ لِّلْسِيُوْطِيِّ وَعُوْ كِتَابٌ اُوْرِدَ فِيْهِ مَا رَوَاهُ مِنَ الصَّحَابَةِ عَشْرَةَ فِصَاعِدًا مُسْتَوْعِبًا 10 فِجَاءٌ كِتَابًا حَافِلًا ثُمَّ جَرَّدَ مَقَاصِدَهُ وَسَمَّاهُ الْاَزْهَارَ الْمُنْتَاثِرَةَ ٩٢٥ فَوَائِدُ الْمُرْتَشِفَةِ فِيْهَا يَنَاطُ

*Newjizi.* — 9290. *Fewáid fi el-nahw*, adnotationes utiles grammaticae, auctore *Mohammed Ben Abdallah Grammatico*, vulgo *Ibn Málík* dicto et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. *El-Tes'híl* ex illis excerpit, et *Cádhi Mohyi-ed-din Abd-el-cádir Ben Abi'cásim* Malikita Grammaticus initio commentarii, quem in *El-Tes'híl* scripsit: *Sunnam gloriam*, inquit, libro *Tes'híl El-Fewáid* hac aetate consecutus est; quibus verbis librum laudatum significat. Eundem, ait, *Sa'd-ed-din Ibn-elarabi* his verbis significat: *Imámum Jemál-ed-din* Deus suus praestantia eruditionis distinxit et ad doctrinam propagandam eum praetulit. Librum ei dictavit *El-Fewáid* inscriptum, qui non desinit utilis esse viro cordato, qui attento animo eum inspiciat. Quaestiones omnes grammaticas ibi collegit, et liber *Fewáid* corpus est, 5 quod sui simile non habet. — 9291. *Fewáid El-Cásimi*, adnotationes utiles, auctore *Cásimi*. — 9292. *El-Fewáid El-Káminet*, adnotationes utiles secretae de fide matris prophetae *Seyyida Amina*, auctore *Jelál-ed-din Soyúti*. Idem alium tractatum ejusdem argumenti edidit *El-Ta'tzím we El-Minnet* inscriptum, de quo supra videndum est. — 9293. *Fewáid el-kiber*, adnotationes utiles senectutis. *Diwanus* quartus *Miri Alishir Newáyi*, anno 906 (inc. 28. Jul. 1500) mortui. — 9294. *El-Fewáid El-Motekáthiret*, adnotationes utiles multae de traditionibus a pluribus sincere prolatis. *Soyúti* in hoc libro traditiones a decem et pluribus prophetae sociis relatas ita profert, ut materiam totam complecteretur. Liber inde evasit copiosissimus, a quo postea recidit omnia, quae ad argumenta proposita significanda addiderat, et librum inde enatum *El-Azhár El-Motenáthiret* nominavit. — 10 9295. *El-Fewáid El-Mortashifet*, adnotationes utiles bene haustae de statutis,

من الاحكام بالحشفة لشهاب الدين احمد بن محمد بن عبد السلام المنوفي الشافعي ولد سنة ٨٤٧ وتوفي سنة ٩٣١ وهو مع اختصاره نفيس في بابه بلغ عددها مائتا حكم وستين حكماً اوله اما بعد حمد الله الذي شرع الاحكام الخ ٩٣٦ فوائد المظفرية في حل عقائد تكلمة الشاطبية لكمال الدين احمد وهو نظم غاية الاختصار للهمداني اوله الحمد لله الذي انزل الفرقان هدى للناس الخ قال لما فرغت من نظم القصيدة المسماة بتكلمة الشاطبية التي 5 ما طرحه الشاطبي في حرزه لاني عمرو الدواني المتبع للمتبع الاول ابن مجاهد من بيان ما طرحه القرآت الثلاث المروية عن ابي جعفر ويعقوب وخلف في اختياره ثم امرني السلطان مظفر الدين عمر [بن] بهادر خان فامتثلت اوله

اقوم بسم الله في النظم مقبلاً

10

الى حمد رحمن رحيم تقبلاً

رتب على مقدمة وكتابين الاول في الاصول والثاني في الفرش واتمه في رمضان سنة ٨٠٦ واتفق

quae glandem penis spectant, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Ben Abd-el-selám Menúfi* Shafiita, anno 847 (inc. 1. Mai. 1443) nato et anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) mortuo. Quamvis hic liber, qui ita incipit: Postquam laudem Dei, qui statuta lege sanxit, praemisimus etc., admodum concisus et brevis sit, in suo genere tamen pretiosus est, et auctor numerum statutorum ad ducenta sexaginta auxit. — 9296. *El-Fewáid El-Motzafferíyet*, adnotationes utiles *Motzaffer-ed-dinicáe* de expositione articulorum fidei in *Complemento carminis Shátibiyet* quod *Kemál-ed-dín Ahmed* edidit obviorem. Haec metrica recensio est libri *Gháyet* 5 *el-ikhtisár* a *Hemdání* facta, quod ita incipit: Laus Deo, qui Coranum bona a pravis distinguentem revelavit, ut hominibus via esset etc. Cum, inquit, compositionem *Castidae Tekmilet El-Shátibiyet* inscriptae absolvissem, quae ea continet, quae *Shátibi* in suo *Hirz el-amáni* auctoritate *Abu Amru Dewáni*, qui 'primum imitatore *Ibn Mojáhid* imitatus est, de expositione eorum suppresserat, quae tres recensiones auctoritate *Abu Ja'fari*, *Yacúbi* et *Khalafi* traditae suppresserant, secundum liberum suum arbitrium, Sultán *Motzaffer-ed-dín Omar [Ben] Behádir Khán* postea me scribere jussit, et obsecutus sum. Carmen ita incipit:

Nomine Dei metricam compositionem aggressus sum properans

10

Ad laudem misericordis miserantis, qui bene excipit —

et in praefationem et duos libros distributum est, quorum prior de principiis, posterior de explicatione agit. Auctor mense Ramadhán anni 806 (inc. 21. Jul. 1403)



- نظم اصوله قبله خمس وعشرين سنة تقريباً في خمسمائة وسبعة واربعين بيتاً ٩٣٧ فوآند
- المنتقاة في الحديث للشيخ ابي عبد الله القاسم ابن فضل النقفى [الاصفهانى المتوفى سنة ٤٨٩] ٩٣٨
- فوآند المنتقاة المخرجة على الصكيحيين تخريج ابي عبد الله الحميدى من اصول سماعات
- الشيخ ابي بكر احمد بن على بن بدران الحلوانى [البغدادى المتوفى سنة ٥٠٧] ٩٣٩ فوآند
- 5 الامتازة في صلوة الجنائز رسالة لجلال الدين السيوطى المتوفى سنة ٩١١ ذكرها في حاويه
- بتمامه ٩٣٠ فوآند المنيفة في مذهب ابي حنيفة للشيخ حسن بن على بن ادريس الحنفى
- اوله الحمد لله الذى خلقنا بقدرته الخ ٩٣١ فوآند الموائد لجمال الدين ابي الحسين
- يحيى بن عبد العظيم الجزار الشاعر المتوفى سنة ٩٧٩ قال الصمدى عمل بعض الفضلاء عليه
- علامت الولائم وقفت عليهما وهما لطيفان ٩٣٢ فوآند المذهب للفارقي [القاضى ابي على
- 10 الحسن بن ابراهيم الشانعى المتوفى سنة ٥٣٨] في مجلدين نقلتبا عنه تلميذه ابن ابي عمرو

absolvit; compositio metrica autem principiorum jam circiter viginti quinque annos ante quingentis quadraginta septem versibus facta est. — 9297. El-Fewáid El-Muntecát, adnotationes utiles selectae de re traditionaria, auctore Sheikh *Abu Abdallah Casim Ibn Fadhl Thacafi* [*Isfaháni*, anno 489 (inc. 31. Dec. 1095) mortuo]. — 9298. El-Fewáid El-Muntecát, adnotationes utiles ad utrumque *Sahih* elicitaе. Elicuit *Abu Abdallah Homeidi* e principiis eorum, quae ex ore Sheikh *Abu Bekr Ahmed Ben Ali Ben Bedrán Holwáni* [*Baghdádi*, anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortui], audiverat. — 9299. El-Fewáid El-Momtázet, 5 adnotationes utiles distinctae de precatione in funeribus facienda, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus, quem totum libro *Háwi* inseruit. — 9300. El-Fewáid El-Monífet, adnotationes utiles eminentes de secta *Abu Hanífae*, auctore Sheikh *Hasan Ben Ali Ben Idris* Hanefita. Liber ita incipit: Laus Deo, qui nos potentia sua creavit etc. — 9301. Fewáid el-mewáid, fructus mensarum salutare, auctore *Jemál-ed-din Abu'lhosein Yahya Ben Abd-el-atzim Jezzár* Poeta, anno 679 (inc. 3. Mai. 1280) mortuo. *Safedi*: Aliquis vir bene meritus, inquit, in hunc librum opus *Aláim el-weláim* confecit. Utrumque inspexi et elegantiae specimina continere vidi. — 9302. Fewáid el-madzhah, adnotationes utiles sectae, auctore [*Cádhí Abu Ali Hasan Ben Ibráhim* Shafita, vulgo] *Fáricki* 10 [dicto et anno 528 (inc. 1. Nov. 1133) mortuo]. Duo volumina, quae ex ejus auctoritate discipulus *Ibn Abi Osrún* tradidit. Locos ibi adjecit litera *Ain* notatos,

- وزاد فيه مواضع معلّمة بصورة عين ميملة اشارة اليه ٩٣٠٣ فوائد المهمة في اشتراط التبرّي  
 في اسلام اهل الدّمة لنوح بن مصطفى الحنفي المفتي بقوتبة [المتوفى سنة ١٠٧٠] ٩٣٠٤ فوائد  
 النّجّاد في الحديث وهو ابو بكر احمد بن سليمان النّجّاد [البغدادي الحنبلي المتوفى سنة  
 ٣٤٠] ٩٣٠٥ فوائد نظام الدين ابن برهان الدين المرغيناني الحنفي المتوفى سنة ٩٣٠٦ كتاب  
 الفوائد والصلوة والعوائد للشيخ شهاب الدين احمد بن احمد بن عبد اللطيف الشرجي 5  
 الزبيدي الحنفي [المتوفى سنة ٨١٠ وهو كتاب يشتمل على مائة فائدة وغير ذلك] اوله الحمد  
 لله رب العالمين الخ ذكر فيه انه جمع الفوائد المتعلقة بالادعية والاسماء والافاق واطاف الى  
 ذلك ما يناسبه من التفسير والحديث ٩٣٠٧ الفوائد والعوائد لابي الحسن الالهوازي ذكره  
 الغزالي في نصيحة الملوك ٩٣٠٨ فوائد الوفاة بترتيب طبقات الصوفية لجمال الدين يوسف  
 بن شافعي بن قطلوبغا الشافعي المتوفى سنة] ٩٣٠٩ فوز الابرار رسالة للامام رضى الدين 10

- ut haec a se addita esse significaret. — 9303. El-Fewáid El-Mohimmet, adnotationes utiles gravissimae de conditione immunitatis, quando Christiani et Judaei sub Mohammedanorum ditone viventes religionem Islamicam amplectuntur, auctore *Nuh Ben Mustafa* Hanefita Iconii Mufti, [anno 1070 (inc. 8. Sept. 1659) mortuo]. — 9304. Fewáid El-Nejjád, adnotationes utiles de re traditionaria, auctore *Abu Bekr Ahmed Ben Soleimán* [Baghdádi Hanbalita, vulgo] *Nejjád* [dicto et anno 348 (inc. 14. Mart. 959) mortuo]. — 9305. Fewáid Nitzám-ed-dín, adnotationes 5 utiles *Nitzám-ed-dini Ibn Borhán-ed-din Marghinani* Hanefitae, anno ... mortui. — 9306. Kitáb El-Fewáid we El-Salát we El-Awáid, liber adnotationum utilium, precationis et consuetudinum, auctore *Sheikh Sheháb-ed-din Ahmed Ben Ahmed Ben Abd-el-latif Sherji Zebidi* Hanefita, [anno 898 (inc. 23. Oct. 1492) mortuo. Hic liber centum adnotationes utiles et alia similia comprehendit et] ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. Auctor utiles adnotationes se collegisse narrat, quae preces, nomina Dei pulchra et quadrata talismanica spectant, et quae congrua sunt e commentariis coranicis et traditionibus ad illa addidit. — 9307. El-Fewáid we El-Awáid, adnotationes utiles et consuetudines, auctore *Abu'hasan Ahwási*. Commemorat librum *Ghazáli* in opere *Nashat el-molúk*. — 9308. [El-Fewáid El-Wefiyet, copiosae adnotationes utiles per dispositionem classium 10 theosophorum, auctore *Jemál-ed-din Yusuf Ben Sháhín Ben Colluboghá* Shafita, anno ... mortuo]. — 9309. Fauz el-abrá, felicitas justorum. Tractatus, auctore *Imám*



- البخارى ٩٣١. فوز الاصغر للشيخ الامام ابى على احمد [بن محمد بن يعقوب بن مسكويه المتوفى سنة ٤٢١ ٩٣١١ فوز الاكبر له ايضاً] ٩٣١٢ فوز العظيم بلفاء الكريم لجلال الدين السيوطى ٩٣١٣ فوز المعتبر بكنز الغرر رسالة في غوامض الاسرار للشيخ عبد الخالق بن ابى انقاسم المصرى المتوفى سنة [وهو على اثني عشر احتمالاً كلياً في التصوف] ٩٣١٤ فوز النجاة 5 في الاختلاف لابي على بن مسكويه المتوفى سنة [٤٢١] ٩٣١٥ [فوز في مسئلة اسماء البلدان لابي محمد اسمعيل بن حبة الله الموصلى ذكره المؤيد] ٩٣١٦ فيرس العلوم لابي الفرج محمد بن اسحق الوراق المعروف بابن ابى يعقوب النديم [البغدادي] المتوفى سنة قال هذا فيرس كتب العلوم القديمة وتصانيف اليونان والفرس والهند الموجود منها بلغة العرب وقلما الخ ٩٣١٧ فيرس العلوم لحافظ الدين [محمد] العجمى توفى سنة [١٠٥٥] ٩٣١٨ فيم سلوك المعنى 10 في اسماء الله الحسنى ٩٣١٩ [فيصل التفرقة بين الاسلام والزندقة للامام ابى حامد محمد

*Redhi-ed-din Bokhari.* — 9310. El-Fauz El-Asghar, felicitas minor, auctore Sheikh et Imám Abu Ali Ahmed [Ben Mohammed Ben Yacub Ben Miskaweih, anno 421 (inc. 9. Jan. 1030) mortuo. — 9311. El-Fauz El-Akhar, felicitas major, eodem auctore]. — 9312. El-Fauz El-Atzim, felicitas summa in videndo generoso, auctore Jelal-ed-din Soyuti. — 9313. El-Fauz El-Mo'taber, felicitas magni aestimanda in thesauro ornamentorum praestantium de arcanis intellectu difficillimis, auctore Sheikh Abd-el-khalic Ben Abi'l-casim Misri, anno ... mortuo. [Liber in duodecim dona dispositus est, quae omnia de theosophia agunt]. — 9314. Fauz el-nejat, felicitas effugii de diversitate, auctore Abu Ali Ben Miskaweih, 5 anno [421 (inc. 9. Jan. 1030)] mortuo. — 9315. [El-Fauz fi mes'alet asma' el-boldan, felicitas de quaestionibus nominum urbium, auctore Abu Mohammed Ismail Ben Hibatallah Mausili. Commemorat librum Mouayyed-ed-din]. — 9316. Fihris el-olum, index doctrinarum, auctore Abu'lfaraj Mohammed Ben Is'ha'c Werrac [Baghdadi], vulgo Ibn Abi Yacub El-Nedim dicto et anno ... mortuo. Hic, inquit, index est librorum doctrinarum antiquorum et operum Graecorum, Persarum et Indorum, quae lingua et calamo Arabum inveniuntur etc. — 9317. Fihris el-olum, index doctrinarum, auctore Hafiz-ed-din [Mohammed] Ajemi, anno [1055 (inc. 17. Febr. 1645)] mortuo. — 9318. Fahm soluk el-ma'na, intelligentia viae sensus interioris mysticae de pulchris Dei nominibus. — 10 9319. [Feisel el-tefricat, arbiter distinctionis inter Islamum et Dualismi assecclas,

- الغزالي] ٩٣٢. الفيض الحاروي في طرق الحديث العشاري لجلال الدين السيوطي ذكر في فهرس مؤلفاته في فن الحديث ٩٣٢١ فيض الغفار في شرح المختار في الفروع يأتي ٩٣٣١ فيض القدسي في الكلام على آية الكرسي لابي الفتح محمد بن عبد الرحيم ابن صدقة المخزومي الشافعي مختصر اوله الحمد لله الذي لا اله الا هو الحق القيوم الخ تكلم فيه في مآتي وجه وثلاثين وجهاً ٩٣٣٣ الفيض المديد في اخبار النبيل السعيد للشهاب احمد 5 بن عز الدين محمد الشبير بابن عبد السلام [المتوفى سنة ٩٣١] فيض المعين في شرح الاربعة للنووي يعنى الاربعة النوويّة ٩٣٣٥ فيض المنان في دولة آل عثمان للشيخ محمد بن ابي السرور الصديقي ٩٣٣٦ فيض المولى الكريم على عبده ابراهيم في فتاوى الحنفية وهو ابراهيم بن عبد الرحمن الكركي توفي سنة [٩١٣] اوله الحمد لله على التوثيق والهداية الى احسن الطريق الخ قال جمعت مسائل فقهية اعانة لمن يتصدى للفتوى حررتها 10

- auctore *Imám Abu Hámid Mohammed Ghazáli*. — 9320. *El-Feidh El-Háwi*, abundantia copiosa de auctoritatibus traditionum, quae per decem relatorum seriem ad legatum divinum referuntur, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*. Numerat tractatum in indice scriptorum de re traditionaria agentium. — 9321. *Feidh el-ghaffár*, gratia Dei clementissimi. Commentarius in *El-Mokhtár* de partibus juris derivatis. Vide infra. — 9322. *El-Feidh El-Codsi*, gratia sancta. Dissertatio de versu throni, auctore *Abu'fat'h Mohammed Ben Abd-el-rehím Ibn Sadaca Makhzúmi Shafiíta*. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, praeter quem nullus Deus 5 est nisi vivus et sempiternus etc. Dissertuit ibi de ducentis triginta interpretandi rationibus. — 9323. *El-Feidh el-medid*, gratia ampla de historia Nili felicitis, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Izz-ed-dín Mohammed*, vulgo *Ibn Abd-el-selám* dicto [et anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) mortuo]. — 9324. *Feidh el-moín*, gratia adjutoris. Commentarius in quadraginta traditiones a *Newewi* editas ideoque *El-Arbáin El-Newewiyet* inscriptas. — 9325. *Feidh el-mennán*, gratia largitoris liberalis de dynastia Othmanica, auctore *Sheikh Mohammed Ben Abúlsorúr Sadíki*. — 9326. *Feidh El-Maula el-kerím*, gratia domini generosi super *Ibráhim Ben Abd-el-rahman Kereki*, anno [922 (inc. 5. Febr. 1516)] mortuum. 10 Liber de responsis juridicis Hanefitarum, qui ita incipit: Laus Deo pro auxilio et ductu ad viam praestantissimam etc. Auctor: Collegi, inquit, quaestiones juridicas, ut eos, qui munus Muftii petunt, adjuvarem. Eas ex libris asseclarum sectae



من كتب اصحابنا بعد كثرة المراجعات وتكرير النظر والمطالعات وذكر ابتلائه بالافتراء وتغيير الاحوال من جانب السلطان قال جعلت تعبي فيه وسيلة لنجاتي ونخيرة لمعادى فرغ عنه في رمضان سنة ٨٨٠ ٩٣٦٧ فيص النوال في بيان الزوال لحسين الواعظ [ المشهور المتوفى سنة ٩٠٠ ] فيص الوجود في شيبتي حود لعبد العزيز بن علي المكي الزمزمي الشافعي

5 المتوفى سنة [ ٩١٣ ]

---

nostrae conscripsi et recognovi, postquam multum et saepius ad eos recurri, semel atque iterum eos inspexi et legi. Praeterea narrat, quomodo falsis proferendis et status mutatione a Sultano afflictus fuerit. Studium, ait, rei indefessum viam mihi esse volui ad salutem, et thesaurum in vitam futuram. Absolvit mense Ramadhán anni 888 (inc. 9. Febr. 1483). — 9327. Feidh el-newál, gratia doni de declinatione temporis definienda, auctore *Hosein* Concionatore [celeberrimo, anno 910 (inc. 14. Jun. 1504) mortuo]. — 9328. Feidh el-wojúd, gratia existentiae in duabus Hudi senectutibus, auctore *Abd-el-aziz Ben Ali Mekki Zemzemi* Shafita, anno [963 (inc. 5 16. Nov. 1555)] mortuo.

---

## بَابُ الْغَافِ

- ٩٣٢٩ قَافُوسُ نَامَةٍ ٩٣٣٠ قَادِرِي فِي التَّعْبِيرِ لِأَيِّ سَعْدِ نَصْرِ بْنِ يَعْقُوبِ الدِّينَوْرِيِّ  
 ٩٣٣١ قَادِمَةُ الْجِنَاحِ فِي النِّكَاحِ لِلتِّيغَاشِيِّ [أَيُّ الْفَضْلِ أَحْمَدُ بْنُ يُوْسُفِ الْمَقْرِيِّ الْمَتَوَفَى  
 سَنَةَ ٥١٠هـ] ٩٣٣٢ قَارِعَةُ الْقُلُوبِ [فِي التَّفْسِيرِ] ٩٣٣٣ قَاصِدٌ فِي الْقِرَاءَةِ لِأَيِّ أَنْقَاسِمِ عَبْدِ  
 الرَّحْمَنِ بْنِ حَسَنِ الْخَزْرَجِيِّ الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٤٤٩ ٩٣٣٤ قَاضِي الْحَقِّ لِأَيِّ الْعَلَاءِ أَحْمَدُ بْنُ 5  
 عَبْدِ اللَّهِ الْمَعْرِيِّ الْمَتَوَفَى سَنَةَ ٤٤٩ ٩٣٣٥ قَاضِيَطْرُونُ أَيُّ حَانُوتِ الطَّيِّبِ لِبِقْرَاطِ سَبِقِ ذِكْرِهِ  
 فِي الْحَيَاءِ ٩٣٣٦ قَاضِيغُورِيَّاسُ أَيُّ الْمَقُولَاتِ الْعَشْرِ وَعَمَى الْمُنْطَقِيَّاتِ مِنْ كُتُبِ أَرْسُطُو  
 ٩٣٣٧ قَاعِدَةُ الْبَيَانِ وَتَنْبِطَةُ اللِّسَانِ فِي الْعَرَبِيَّةِ لِأَيِّ جَعْفَرِ أَحْمَدِ بْنِ الْحَسَنِ الْمَائِقِيِّ الْمَتَوَفَى  
 سَنَةَ ٧٨ ٩٣٣٨ [قَاعِدِيَّةٌ فِي الْفَتَاوَى الْحَقْنِيَّةِ] ٩٣٣٩ قَافُ الْإِنْوَارِ وَجِيْمُ الْإِسْرَارِ

## LIBRI QUORUM TITULI A LITERA CĀ INCIPIUNT.

9329. Cāpūs-námeh, liber *Capūsi* — 9330. Cádiri fi el-ta'bír, liber *Cádircus* de somniorum interpretatione, auctore *Abu Sa'd Nasr Ben Yacúb Dineweri*. —  
 9331. Cádimet el-jenáh, anteriores pennae alae de matrimonio, auctore [*Abu'lfudhl Ahmed Ben Yusuf Corani* Lectore, vulgo] *Tigháshi* [dicto et anno 651 (inc. 3. Mart. 1253) mortuo]. — 9332. Cáriat el-colúb, liber corda severe pulsans. [Commentarius in Coranum]. — 9333. El-Cásid, nuntius tendens de arte Coranum legendi, auctore *Abu'l-cásim Abd-el-rahman Ben Hasan Khazreji*, anno 446 (inc. 5 12. Apr. 1054) mortuo. — 9334. Cádhi el-hacc, iudex veritatis, auctore *Abu'lalá Ahmed Ben Abdallah Maarri*, anno 449 (inc. 10. Mart. 1057) mortuo. — 9335. Catítarún (*κατ' ἰατρικῶν*) i. e. medici officina, auctore Hippocrate. Vide supra in litera Hā. — 9336. Cátighuriyás, categoriae sive praedicamenta decem. Ad libros logicos Aristotelis pertinent. — 9337. Cáidat el-beyán we Dhábitat el-lisán, fundamentum expositionis et lex linguae de lingua arabica, auctore *Abu Ja'far Ahmed Ben-elhasan Malacki*, anno 728 (inc. 17. Nov. 1327) mortuo. — 9338. [El-Cáidíyet, statutum fundamentale de responsis Hanefitarum juridicis]. — 9339. Cáf el-anwár, *Cáf* luminum et *Jím* arcanorum. —



قال في الموضوعات هو علم يبحث فيه عن تناسب اعجاز البيت وعبودها وغرضه تحصيل ملكة ايراد الابيات على اعجاز متناسبة خالية عن العيوب التي يتنفر عنها انطبع السليم على الوجه الذي اعتبره العرب وغايته الاحتراز عن الخلل فيه ومبادئه مقدمات حاصلتها من تتبع 5 اعجاز اشعار العرب انتهى وقال العلامة ابن الصدر الشرواني في فوائد الخاقانية هو علم بحث فيه عن المركبات الموزونة من حيث اواخر ابائتها واعلم ان الادباء اختلفوا في تفسير القافية فعند الخليل من آخر حرف في البيت الى اقرب ساكن يليه مع المتحرك الذي قبل الساكن وعند الاخفش هي الكلمة الاخيرة من البيت وعند قطرب الروي وعو الحرف الذي يلي عليه القصيدة وينسب اليه فيقال دالية ولامية فالقافية في قوله

فَقَا تَبَّكَ مِنْ ذِكْرِي حَبِيبٍ وَمَنْزِلٍ

10

بِسَقَطِ اللَّوِيِّ بَيْنَ الدَّخُولِ فَحَوْمَلٍ

#### 9340. Ilm el-cáfiyet. Doctrina rhythmi.

Auctor libri *Maudhuát*: In hac doctrina, inquit, quaeritur de similitudine ultimarum versus vocum mutua earumque vitiis, et ejus finis in comparanda facultate cernitur versus ita proferendi, ut postremae eorum voces sibi invicem respondeant et vitiis careant, a quibus natura sana avertitur, rationi convenienter, quam Arabes bene constituerunt. Summum consilium in evitando hujus rei errore quaeritur, ejusque principia prolegomena sunt ex diligenti ultimarum poematum arabicorum vocum studio concepta. — Haec ille. — *Ibn Sadr-ed-dín Sherwáni* vir doctissimus in libro *El-Fewáid El-Khácúniyet*: In hac doctrina, ait, de vocibus compositis justa quantitate 5 constantibus ratione ultimarum versuum vocum habita quaeritur. — Animadvertendum autem est, viros literarum studiosos vario modo explicare, in qua re *El-Cáfiyet* constet. *Khalíl* eam consistere dicit in parte ab ultima litera in versu usque ad proximam quiescentem quae eam sequatur inclusa litera mota, quae quiescentem praecedat. *Akhfash* contra homoeoteleuton versus ultimam versus vocem esse statuit, et *Cotrob* denique illud in litera *Rewi* dicta constare, qua *Casidae* rhythmus terminatur, et a qua nomen accipit, ut *Casida Dáliyeyet*, quando in *Dál* desinit, et *Lámiyet*, quando in *Lám* desinit, appelletur. Homoeoteleuton igitur in versu:

Consistite, amici duo, ut memoriam ploremus puellae amatae et habitationis 10

Ad finem alti collis arenacei inter *Dakhúl* et *Haumal* —

عند التخليل من الخاء الى اللام وعند الاخفش في لفظة حومل وعند قطرب في اللام انتهى  
 ٩٣٤١ قامع البدعة في نصره السنة كحبي الدين محمد بن امير الحسيبي المعروف  
 السيد عاشق اوله الحمد لله الذي عرف اوليائه عوائل البدع الخ وللصغناقي صاحب  
 النهاية ٩٣٤٢ قاموس الاطباء [في المقدرات] لمدين بن عبد الرحمن القوصوني المصري  
 رئيس الاطباء بها ذكره الشهاب في الحبايا وهو من معاصريه وقد قرئ له [وكان حياً في سنة ١٠٤٤] 5  
 ٩٣٤٣ قاموس الخبيط وقابوس الوسيط الجامع لما ذهب من العرب شماطيط للامام مجيد  
 الدين محمد بن يعقوب الفيروزابادي الشيرازي المتوفى في شوال سنة ٨٧٠ قال في خطبته [وكنتم  
 برهة من الدهر ألتمس كتاباً جامعاً بسيطاً ومصنفاً على الفصح والشوارد محيطاً] ولما اعيان  
 الطلاب [شرعت] في كتابي الموسوم باللام المعلم الحجاب الجامع بين الحكم والعباب غير انه  
 خبئته في ستين سفراً يعجز تصيله الطلاب فصرفت عناني وآقت هذا الكتاب محذوف 10

ex sententia Khalili literas a Khá usque ad Lám, ex opinione Akhfashi vocem Haumal et ex opinione Cotrobi solam literam Lám complectitur. — Haec hactenus. —

9341. Cámi' el-bid'at, domitor novae haeresis de adjuvanda Sunna, auctore Mohyi-ed-din Mohammed Ben Emir Hoseini, vulgo Seyyid Ashic dicto. Incipit ita: Laus Deo, qui amicos suos errores novarum sectarum docuit etc. Saghanácki auctor libri Niháyet tractatum ejusdem tituli edidit. — 9342. Cámús el-atibbá, oceanus medicorum [de remediis simplicibus], auctore Medin Ben Abd-el-rahman Causúni Misri medicorum principe in Aegypto. Commemorat eum Sheháb-ed-din, 5 qui auctoris aequalis fuit, in El-Khabáyá, et laudibus effert. [Vixit anno 1044 (inc. 17. Jun. 1634)]. — 9343. El-Cámús El-Mohít we El-Cábús El-Wesít, oceanus circumfluens et exemplum praestantissimum, quod ea continet, quae ex lingua Arabum dispersa interièrunt, auctore Imám Majd-ed-din Mohammed Ben Yacúb Firúzábádi Shirázi, mense Shewwál anni 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuo. In praefatione: [Per longum tempus, ait, librum amplum et copiosum et opus quod voces perspicuas et dispersas contineat desideravi], et studiosi cum me fatigarent, librum scribere incepti titulo El-Lámi' El-Mo'lam El-Ojáb El-Jáms' bein El-Mohkam we El-Obáb insignitum. Attamen cum per conjecturam vidissem, illum sexaginta tomis 10 comprehendi, eamque ob caussam a studiosis comparari non posse, habenam mutavi et hun librum composui, in quo, locis probantibus recisis et additamentis superfluis



الشواهد مطروح الزوائد ولخصت كل ثلثين سفرًا في سفر وضمنته خلاصة ما في العباب  
والحكم فاضفت اليه زيادات من الله سبحانه وتعالى بها على واسميته بذلك لأنه البحر الاعظم  
ولما رأيت اقبال الناس على صحاح الجوهري وهو جدير غير أنه قد فاته نصف اللغة او  
اكثر اما باعمال المادة او بترك المعاني الغريبة [النادة] فكتبت بالحمره المادة المهمة لديه  
5 واذا تأملت هذا وجدته مشتملاً على فوائد اثيرة من حسن الاختصار وتقريب العبارة وتهذيب  
الكلام وايراد المعاني الكثيرة في الالفاظ اليسيرة ومن احسن ما اختص به هذا الكتاب تخلص  
الواو من الياء وذلك قسم يسم المصنفين بالعي والاعبياء ومن بديع اختصاره اني اذا ذكرت  
صيغة المذكر اتبعته المؤنث بقول وهى بهاء ولا اعيد الصيغة واكتفيت بكتابة ع ت ه ج م  
عن قول موضع وبلد وقرية والجمع ومعروف ونهيت فيه على اشياء ركب الجوهري فيها خلاف  
10 في الصواب غير طاعن فيه واختصت كتاب للجوهري من بين الكتب اللغوية مع ما في غالبها

suppressis, potiora ex omnibus triginta voluminibus in unum volumen selecta excerpsi,  
et illi meliora eorum inserui, quae in *Obáb* et *Mohkam* leguntur, supplementaque  
adjeci, quae Deus praedicatus et excelsus mihi inspiravit; oceanum autem eum  
appellavi, quod mare permagnum est. Homines quum viderem *Siháh* a *Jauheri* editum  
cum magno applausu excipere, et jure quidem, quanquam dimidiam ille linguae partem  
aut plura etiam neglexerit, ita ut vel totas voces omitteret aut significationes rariores  
[et divulgatas] praeteriret, rubro colore materiam apud eum omissam notavi. Quodsi  
hunc librum attente consideraveris, eum comprehendere videbis adnotationes utiles  
et excellentes, tum quod brevitatis elegantiam et dictionem apte conclusam sibi  
consentaneam, tum quod orationis puritatem et significationum copiam attinet verbis  
5 paucis propositarum. Praestantissimum autem, quo hic liber praeter ceteros excellit,  
in separatione distincta literarum *Wáw* et *Yá* cernitur, et haec laboris pars est, quae  
auctores in scribendo impedimenta et fatigationem non evitasse pulchre probat. Deinde  
res mira, qua brevitatis libri praestat, eo cernitur, quod, quando formam masculini comme-  
moravi, ei statim femininum addidi voce mea *bihá* i. e. litera *Há* adjecta sine totius  
formae femininae repetitione. Eadem ratione loco verborum *maudhi'* i. e. locus, *beled*  
i. e. tractus, *caryet* i. e. urbs, *jam'o'* i. e. pluralis, et *ma'ríf* i. e. notus, literas  
*Ain*, *Dál*, *Há*, *Jm* et *Mim* scribere satis duxi, et locos, ubi *Jauheri* contrarium  
vero admiscuit, sine illius obtreccatione indicavi. — Inter libros lexicologos autem, cum  
10 in majori eorum parte errores insint manifesti, ad lexicon *Jauherianum* peculiarem

من الاوهام الواضحة لتداوله واشتهاره بخصوصه واعتماد المدرسين على نقوله ونصومه وقال في آخره يسر الله تعالى اتمامه بمنزلي على الصفاء المشرفة تجاه الكعبة المعظمة انتهى كلام المصنف وقال غيره وقد ميز فيه زياداته على الصحاح بحيث لو افردت لجاءت قدر الصحاح فتنافس الناس فيه كتابة وشراء وقرئ عليه غير مرة فكان من آخر نسخة قرئت عليه اصل تأريخ كتابته في سنة ١٣هـ والقراءة عليه فيه بعد ذلك فلهذا اشتمل على زيادات كثيرة في 5 التراجم على سائر النسخ الموجودة حتى والنسخة التي بالقاهرة بخطه في اربع مجلدات بالمدرسة الياسطية وهي عمدة الناس الآن بمصر وامرحا شاعر في آتيا آخر ما حرره غير ان في آخرها قطعة من اثناء حرف النون من مادة قمين الى آخر الكتاب ليست على منوال ما يعنى باعتبار آتيا مخالفة للنسخ اللاحق يعنى بخطه مخالفة كثيرة بالتقديم والتأخير والزيادة والنقصان ويحذف الكلمات التي جعلها موازين كشداد وبابه ويكتب القرية والبلد والجمع 10

adhibui diligentiam, quippe quod multum in manibus versetur, solumque fere inclaruerit, et professores in iis quae aliunde sumta sunt et auctoris verbis fidem habeant. Ad finem auctor haec verba habet: Adjuvit me Deus in libro absolvendo in habitatione mea prope locum Mekkanum *Safá* e regione Ka'bae augustissimae. — Hactenus verba auctoris. — Alius vir doctus: Ibi, inquit, additamenta sua ad *Siháh* distinxit, ut, si separatim ea edere velles, volumen *Siháki* certe expleret. Eam ob caussam homines *Camúsum* describere et emere, et coram auctore identidem legere inter se studiose cupiverunt. Initium autem temporis, quo auctor ultimum exemplum quod coram 5 eo legebatur descripsit, annus 813 (inc. 6. Mai. 1410) fuit; postea illud (tantum) eo praeside lectum est. Eam ob caussam hoc exemplum multa additamenta continet, quod adnotationes biographicas attinet, ad cetera exempla hucusque existentia, et exemplum, quod Cahirae quatuor voluminibus ab eo scriptum in Collegio *Búsiye* conservatur, et ad quod viri docti hoc tempore in Aegypto recurrunt, primum est. Atque hoc quidem apparet, ultimum esse exemplum, quod correcte conscripserit. Attamen in ejus fine ab articulo *camín* media in litera *Nún* usque ad finem libri fragmentum est, quod rationi positae non convenit, cum id spectetur, illud ab exemplis, quae ab ipso scripta esse putantur, valde discedere, cum alia praeposita, alia postposita, plura addita et recisa 10 et verba remota sint, quae, ut *sheddád* et similia, ad justam quantitatem significandam addiderat. Praeterea voces *caryet*, *beled*, *jam'o'* ibi plene scriptae leguntur, cum tamen



بالفاظها وقد اسلف في الخطبة بأنه يرمز لها والتزم ذلك فيما قبل هذه المقطعة وبأنه يرمز في هذه القطعة للجبل *ل* وللحديث *ت* وغير ذلك مما يفعله قبل هذا الى غير ذلك من امور كادت توجب انقطاع بان هذه القطعة غيرت من اصل المصنف قاله البقاعي وقال السيوطي في مزعر اللغة ومع كثرة ما في القاموس من الجمع للنوادر وانشوارد فقد فاته اشياء ظفرت بها 5 في اثناء مطالعته لكتب اللغة حتى هممت ان اجمعها في جزء مذيلاً عليه انتهى وجمع عبد الرحمن بن سيدي علي الاماسي ما كتب استاده المولى سعد الله بن عيسى المغتني [المعروف بسعدى جلبي] في هوامش القاموس ودونه في كتاب فصار حاشية توفي للجامع سنة ٩٨٣ وعلف عيسى بن عبد الرحيم على ديوانته شرحاً وكتب المولى القاضي اويس بن محمد المعروف بويسى اجوبة عن اعتراضاته للجوهري وسماه مرج البحرين وانتهى الى مادة توفي سنة ١٠٣٧ 10 وكتب المولى محمد بن محتفى الشيبير بداوزاده المتوفى في سنة ١٠١٧ مختصراً سماه الدر اللقيط في اغلاط القاموس المحيط قال اردت ان اجمع الغلط التي عزأها الى الجوهري مع

in praefatione praenunciaverit, se illas siglis tantum notaturum esse; quam legem impositam in iis observavit, quae illud fragmentum praecedebant, et cum in illo fragmento vocem *jebel* i. e. mons, siglo *Lám* et *hadith* i. e. traditio, siglo *Thá* significaverit, et quae sunt alia quae antea fecit, et alia, quae fere nos certe concludere jubent, illud fragmentum ex archetypo auctoris, teste *Becái*, alteratum esse. *Soyúti* in *Mizhar el-loghat*: Quamvis, inquit, *Cámús* permulta verborum rarorum et dispersorum collecta contineat, plura tamen ibi desunt, quae in media librorum lexicologorum lectione deprehendi, ut in animum inducerem, ea in fasciculo colligere, qui appendix ad illum esset. — Haec ille. — Praeterea *Abd-el-rahman Ben* 5 *Seyyidi Ali Amási*, anno 983 (inc. 12. Apr. 1575) mortuus, ea collegit, quae praeceptor *Molla Sa'dallah Ben Isa* Mufti, [vulgo *Sa'di Jelebi* dictus], ad *Cámúsi* margines adnotaverat, atque in librum redegit, ut inde glossae evaderent, ad quarum praefationem ornate scriptam *Isa Ben Abd-el-rehim* levem adnotationem edidit. *Molla Cádhi Oweis Ben Mohammed*, vulgo *Weisi* dictus, responsa scripsit ad ea, quae *Firúzábádi Jauherio* objecerat, librumque, quem ad articulum . . . continuavit, *Merj el-bahreín* inscripsit, et anno 1037 (inc. 2. Sept. 1627) mortuus est. *Molla Mohammed Ben Mustafa*, vulgo *Dawudzádeh* dictus et anno 1017 (inc. 7. Apr. 1608) mortuus, epitomen confecit *El-Dorr El-Lackit fi aghlát El-Cámús El-Mohit* inscripta n, 10 quae ita incipit: Praedicatus sit ille, cujus essentiae majestas a maculis negligentia,

اضافة شيء من سوانح خاطرى اوله سبحان من تنزه جلال ذاته عن شوائب السهو والغلط والنسيان الخ وللشيخ احمد بن مركز ترجمته بالتركي وسماه البابوس وكتب الشيخ عبد الباسط حاشية وللسيوطى الافصح في زوائد القاموس على الصحاح وصنف الشيخ عبد الباسط بن خليل الحنفى [المتوفى سنة ٩٠٠] حاشية على القاموس وسماعها القول المأثور ومن الخواشي عليه حاشية نور الدين على بن غانم المقدسى [المتوفى سنة ١٠٠٤] دونها ولده من طرة قلموس 5 اوله الحمد لله الذى اظهر بنور الدين الحنفى سبيل الرشاد الخ من اوله الى آخره في مجلد متوسط كالجمامى وشرحه محمد بن عبد الرؤف المناوى [المتوفى سنة ١٠٣١] اوله الحمد لله الذى جعل قاموس الخ قال ومن اعظم ما صنف فيه كتاب القاموس الذى ظهر في الاشتبار وكنت صرفت نبذة من العمر الى تتبع نصوصه فاليهت ان اقيد تلك الخوائد المحررة فشرعت فكتب المثن بالشرح وشرح الى حرف الحاء المهملة وله حاشية اخرى بالقول اولها الحمد لله 10 الذى اظهر بنور الدين الحنفى الخ ذكر فيه ان الشيخ نور الدين المقدسى كان يديم

erroris et oblivionis immunis est etc. Volui, inquit, errores colligere, quae *Jauherio* tribuit, additis simul nonnullis, quae menti meae se obtulerant. — Sheikh *Ahmed Ben Markaz* translationem *Cámúsi* turcicam edidit *El-Bábús* inscriptam, et Sheikh *Abd-el-básit* glossas, et *Soyúti* tractatum *Ifsáh*, qui additamenta *Cámúsi* ad *Siháh* continet. Praeterea Sheikh *Abd-el-básit Ben Khalil* Hanefita, [anno 920 (inc. 26. Febr. 1514) mortuus], glossas ad *Cámús*, *El-Caul El-Manús* inscriptas, composuit; itemque 5 *Núr-ed-dín Ali Ben Ghánim Mocaddesi*, [anno 1004 (inc. 27. Aug. 1595) mortuus], cujus glossas filius e margine *Cámúsi* patris edendas curavit et ita orsus est: Laus Deo, qui luce religionis orthodoxae viam rectam manifestavit etc. Ab initio usque ad finem volumen medium, qualis *Jámí* liber est, complectuntur. *Mohammed Ben Abd-el-rawúf Monáwi*, [anno 1031 (inc. 6. Nov. 1621) mortuus], commentarium scripsit, qui ita incipit: Laus Deo, qui oceanum fecit etc. Praestantissimum opus, inquit, quod de lingua est compositum, *Cámús* est, ut ex ipsa libri celebritate apparet. Partem vitae in singulorum verborum textu prosequendo et cognoscendo consumi, et inspiratus sum, ut has adnotationes utiles correcte scriptas exprimerem. Incepi igitur componere. Scripsit autem textum simul cum commentario, et commentatus est usque ad litteram *Há* puncto diacritico destitutam. Idem glossas alias, quae ita 10 incipiunt: Laus Deo, qui luce religionis orthodoxae manifestavit etc., edidit, ubi ea tantum textus verba quae explicat adjecit. Narrat ibi, Sheikh *Núr-ed-dín Mocaddesi*



النظر ويرقع بخطه على طرة قاموسه ما يظير له ويرتضيه فسأله بعض الاعيان ان يحجّره فاجاب  
وهو تعليقة تامّة من اوله الى آخره وعليه حاشية اوله للحمد لله الذي زين من اراد بالتجلى  
باشرف اللغات وانعم عليه بها للتوصل الخ قال جامعه وكان القاموس من اعظم ما صنّف في  
اللغة غير ان فيه بعض عبارات تحتاج الى تنبيه وتحرير وايضاح وتقرير وقد اطلعني بعض اولي  
العناية على نسختين احدهما موشحة بخط احد الفضلاء الانجاب كعبد الباسط سبط  
سراج اندين البلقيني والآخر بخط جمال العلماء الشير بسعدى الرومى مفتى الروم وطلب  
متى جمع ما فيهما [فاجبته وقيدت ما فيهما] باللفظ على وفق احكامه ذاكراً لسعدى  
بالعزو اليه وما عداه فهو للسبط لكون اعظم له ثم اضيف مواضع يسيرة جعلت الكاف  
علامة عليها وسماه انقول المأنوس وحاشية اخرى مختصرة من تلك المسماة بالقول المأنوس  
10 ايضا بشرح مغلف القاموس اوله للحمد لله الذي اقام مجد الدين ورفع مقامه المتين الخ

continuo *Cámúsum* legisse et ad ejus marginem manu sua addidisse, quae  
viderentur bona esse et commoda. Tum aliquis virorum spectatorum petiit, ut illa  
extraheret. Voto obsecutus est, et adnotationes leviores quidem at plenae ab initio  
ad finem inde enatae sunt. — Aliae glossae ad *Cámús* ita incipiunt: Laus Deo,  
qui quem vult revelatione ornat verborum elegantissimorum, eique illis benefecit  
ad perveniendum etc. Compiler earum: *Cámús*, inquit, in praestantissimis est,  
quae de lingua composita sunt, nisi quod nonnullae notiones in eo insunt, quae  
monitione, recognitione, explicatione et confirmatione egent. Vir quidam harum  
rerum studiosus duo exempla mihi cognoscenda concessit, quorum unum manu viri  
5 praestantissimi et generosissimi, qualis est *Abd - el - básit* nepos *Siráj - ed - dini*  
*Bolckeini*, ornate scriptum erat, alterum manu Pulchritudinis virorum doctorum  
Rumeliae Mufti, vulgo *Sa'di Rumi* dicti, et a me petiit, ut quae in iis inessent  
conjungerem. [Petenti satisfeci, et quae ibi] ejus statutis convenienter legebantur  
nomine *Sa'di* addito ad verbum perscripsi, ita ut quae ei essent tribuerem. Cetera  
nepotem auctorem habebant, et haec majorem partem explebant. Tum paucos locos  
addidi, quos litera *Káf* signavi; librum autem *El-Caul El-Mánús* inscripsit. Glossae  
aliae ex illis excerptae et pariter *El-Caul El-Mánús bi sharh moghlaq El-Cámús*  
inscriptae sunt, et ita incipiunt: Laus Deo, qui gloriam religionis stabilivit et  
10 ejus dignitatem solidam elevavit etc. Deinde vero inter eos, qui in lingua sive in

وبعد فإن مَن جاز في اللغة أو في نصيب العلامة مجيد الدين الفيروزآبادي في القاموس وقد كنت في أوائل سنة ١٧٠٠ وقفت على بعض تقايبه بطرز هذا الكتاب بخط الشيخ عبد الباسط وعلى بعض يسير بخط سعدى اهندي فجمعت ذلك على وجه لطيف ثم اضفت اشياء اخر فصار مجموعاً حسناً ثم يختلج في خاطري الوقوف على شيء يتعلّق بشرح الديباجة فشرعت بداءً بترجمة المصنّف من الضوء اللامع وذكر في الديباجة ايضاً أنّ في 5 تصميمه تأليفاً آخر مسمّى ببهجة النفوس في الحكاية بين الصبح والقاموس وأما الخطبة فالنسخ بها مختلفة جداً في كثير من تقديم وتأخير قاله البقاعي قال السخاوي وتعرّض فيه لاكثر الفاظ الحديث والرواية ووقع له في ضبط كثير من خطاء ذاته كما قال النقي الفاسي في دليل التقييد لم يكن بالماعر في الصنعة الحديثية وله فيما يكتبه من الاسانيد اوهام انتهى وتلخيص القاموس للشيخ ابراهيم بن محمد الحلبي المتوفى سنة ١٠٤١ قانون الادب 10 في ضبط كلمات العرب في لغة الفرس للشيخ الاديب ابي الفصل حبيش بن ابراهيم بن

parte habitabat, vir doctissimus *Majd-ed-din Firúzábádi Câmúsi* auctor fuit, et initio anni 970 (inc. 31. Aug. 1562) nonnullas ejus definitiones ad hujus libri formam manu *Sheikhi Abd-el-básit* scriptas, et parvam partem manu *Sa'dü Efendi* exaratam legebam. Haec ad commodam rationem conjunxi, tum res alias addidi, unde sylloge proba nata est. Deinde mentem meam cogitatio subiit, animum ad adnotationes attendere, quae explicationem praefationis ornatae spectarent. Et primum quidem 5 auctoris biographiam posui e libro *El-Dhü El-Lámi'* sumtam. Idem in praefatione ornata narrat, firmum sibi esse consilium aliud opus edendi *Behjet el-nofús* inscriptum, in quo inter *El-Siháh* et *El-Câmús* dijudicaret. Quod autem praefationem *Câmúsi* spectat, teste *Becái* exempla diversissima sunt, cum in multis alia praeposita sint, alia postposita. *Sekhâwi*: Plurimis, inquit, verbis *Firúzábádi* usus est e traditionibus et dictis relatorum sumtis, ibique in orthographia multum lapsus est; nam, ut *Tacki-ed-din El-Fási* in Appendice ad *El-Tecyid* dicit, ille rei traditionariae non admodum gnarus fuit, in iisque, quae de auctoritatibus scripsit, in errores incidit. — Haec ille. — Epitomen potiora *Câmúsi* continentem *Sheikh Ibráhím Ben Mohammed* 10 *Halebi*, anno 956 (inc. 30. Jan. 1549) mortuus, edidit. — 9344. *Cánún el-edeb*, canon eruditionis de vocibus linguae arabicae orthographice scribendis, auctore *Sheikh philologo Abu'fadhli Hobeish Ben Ibráhím Ben Mohammed Teftisi*. *Lexicon*



محمد التغليسي اوله سپاس خدا كه قادر بر كمالست الخ وهو كتاب نفيس لا نظير له في بابيه في غاية الضبط والاتقان بدأ بالاسماء اولاً بما كان اوله حرف الف وما كان آخره الحروف المدودة الى آخر الحروف ثم اتى بالافعال وجعل على اولها علامات بالحمة الى الباب منها الى ان تم ذلك وكمل اقرب وجه واتم وضع لتحصيل كل كلمة ووزنها ومحلها على وجه 5 السهولة والتمييز ٩٣٤٥ قانون التأويل للقاضي ابى بكر محمد بن عبد الله الاشبيلى المالكي المعروف بابن العربي الحافظ المتوفى سنة ٥٢١ ٩٣٤٦ قانون التعليم في صناعة التنجيم فارسي لظهير الدين ابى الحامد محمد بن مسعود بن زكى الغزنوى وهو في علم اليبنة والناجوم ٩٣٤٧ قانونچه في الطب للمحقق محمود بن عمر للجعيني المتوفى سنة وهو متن صغير الحجم وجيز النظم مأخوذ من القانون ورتبه على عشر مقالات آ في الامور الطبيعىة وفيه خمسة 10 فصول ٢ في التشريح وفيه سبعة فصول ٣ في احوال بدن الانسان وفيه خمسة فصول ٤ في النبص وفيه ستة فصول ٥ في تدبير الاصحاء وفيه عشرة فصول ٦ في امراض الرأس وفيه

persicum, quod ita incipit: Laus Deo omnipotenti et perfectissimo etc. Liber pretiosissimus est, qui in suo genere similem non habet, et firman et certam auctoris scientiam probat. Incipit a nominibus, et primum quidem ab iis, quorum prima litera *Elif* est et ultimae sunt literae *Meddam* habentes, et sic deinceps usque ad ultimam literam. Tum ad verba pergit, quorum initiis toto ambitu signa rubra inscripsit, donec haec finivit et proxima via et perfectissima institutione ita absolvit, ut quamvis vocem, ejus quantitatem et locum ratione facillima et distinctissima reperire posses. — 9345. *Cánún el-tawíl*, canon interpretationis allegoricae, 5 auctore *Cádhi Abu Bekr Mohammed Ben Abdallah Ishbíli* Malíkita *El-Háfítz*, vulgo *Ibn-elarabi* dicto et anno 546 (inc. 20. Apr. 1151) mortuo. — 9346. *Cánún el-ta'lím*, canon institutionis de arte ex intuitu siderum divinandi, auctore *Tzahír-ed-dín Abu'mehámíd Mohammed Ben Mes'úd Ben Zeki Ghaznewi*. Liber persicus de astronomia et astrologia. — 9347. *Cánúnjeh*, canon parvus medicinae, auctore subtilissimo *Mahmúd Ben Omar Jaghmíni*, anno . . . mortuo. Textus parvus volumine et compositione brevis, qui e Canone *Ibn Sinae* desumptus et in decem dissertationes distributus est. Prima dissertatio de rebus physicis agit et in quinque sectiones divisa est, secunda de anatomia septem sectiones, tertia 10 de constitutione ventris humani quinque sectiones, quarta de arteriarum pulsu sex sectiones, quinta de sanorum diaeta decem sectiones, sexta de morbis capitis

- ثلاثة عشر فصلاً v في امراض الاعضاء من الصدر وفيه ثمانية عشر فصلاً 8 في امراض  
بقية الاعضاء وفيه تسعة فصول 9 في العلل الظاهرة وفيه ثمانية فصول 10 في قوى الاطعمة  
والاشربة المألوفة وفيه ثلاثة عشر فصلاً 1348 قانون الحكماء وفرديوس الندماء لابن رقيقة  
المذكور في الغرض المطلوب 1349 [قانون الدنيا ل احمد المحلى المصرى ترجمه بامر  
السلطان مراد القاضى عبد الرحمن المنجم] 1350 قانون الرسول للامام ابى حامد 5  
محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة 500 1351 قانون الصلاحى فى ادرية النواحي ل ابى  
الفتح محمد بن سعد الديباجى المتوفى سنة 609 1352 قانون فى الحساب للشيوخ ابى  
الحسن على بن محمد [البسطى] القلصارى الاندلسى مات سنة 711 1353 قانون فى الريح  
لاحمد بن عبد الله ذكره سبط الماردينى وله شرحه ايضا 1354 قانون فى الطب للشيوخ  
الرئيس ابى على حسين بن عبد الله المعروف بابن سينا المتوفى سنة 428 من الكتب المعتمدة 10

- tredecim sectiones, septima de membrorum morbis a pectore inde duodeviginti  
sectiones, octava de morbis ceterorum membrorum novem sectiones, nona de  
aegritudinibus manifestis octo sectiones, decima de viribus esulentorum et potulentorum  
suorum tredecim sectiones continet. — 9348. Cánún el-hokamá we  
Firdaus el-nodamá, canon philosophorum et paradisiu compotorum, auctore  
*Ibn Rackica*, antea sub *El-Ghardh El-Matlúb* commemorato. — 9349. [Cánún  
el-dunyá, canon mundi, auctore *Ahmed Mahalli Misri*. Cádhi *Abd-el-rahman*  
5 Astronomus eum jussu Sultani *Murád* transtulit]. — 9350. Cánún el-rasúl,  
canon legati, auctore *Imám Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*,  
anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 9351. El-Cánún El-Saláhi, canon  
salutaris de medicamentis tractuum, auctore *Abu'fat'h Mohammed Ben Sa'd Dibáji*,  
anno 609 (inc. 3. Jun. 1212) mortuo. — 9352. El-Cánún fi el-hisáb,  
canon de arithmetica, auctore *Sheikh Abu'hasan Ali Ben Mohammed [Besti]*  
*Calsáwi Andalusí*, anno 891 (inc. 7. Jan. 1486) mortuo. — 9353. El-Cánún fi  
el-zij, canon de tabulis astronomicis, auctore *Ahmed Ben Abdallah. Sibt El-*  
*Máridini*, qui et ipse commentarium in eum scripsit, ejus mentionem fecit. —  
9354. Cánún fi el-tibb, canon medicinae, auctore *Sheikh principe Abu Ali*  
10 *Hosein Ben Abdallah*, vulgo *Ibn Sina* dicto et anno 428 (inc. 25. Oct. 1036) mortuo.  
Liber magni pretii et pluribus voluminibus constans, qui ita incipit: Laus Deo



في مجلدات اوله للمدد للحمدًا يستحقّ بعلو شأنه الخ وهو كتاب مشتمل على قوانينه  
 الكلية والجزيئية فتكلم أولاً في الامور العامة الكلية في كلى قسمى الطب اعنى النظرى والعملى  
 ثم تكلم في كليات احكام قوى الادوية المفردة ثم في جزئياتها ثم في الامراض الواقعة بعصو  
 عضو فابتدأ أولاً بتشريح الاعضاء ثم الامراض الجزئية ثم القانون الكلى للمعالجة وقسم الى  
 5 خمسة كتب آ في الامور الكلية من علم الطب ٢ في الادوية المفردة ٣ في الامراض الجزئية  
 من الرأس الى القدم ٤ في الامراض الجزئية التى لم تختص بعصوه في تركيب الادوية ومن  
 شروح كلياته شرح ابن نفيس علاء الدين على بن ابي الحزم القرشى [الشافعى] المتوفى  
 سنة ٦٨٧ واختصره وسماه الموجز واول الشرح بعد حمد الله رب العالمين الخ ذكر فيه انه  
 رتبته على ترتيب القانون الآ في ذى التشريح والاقرباديين فانه رأى ان يجمع الكلام في  
 10 التشريح في كتاب واحد بعد الكلام في مباحث بقية انكتاب الاول وهو شرح بقال شرح كذا  
 وكذا وشرحه الامام فخر الدين محمد بن عمر الرازى توفى سنة ٦٠٩ وقطب اندين محمود

*talis, quali celsitudo ejus majestatis digna est etc. Liber continet canones medicinae universales et speciales, et auctor primum de rebus communibus et universalibus in utraque medicinae parte, speculativa et practica, disserit. Tum de universalibus virium remedium simplicium statutis verba facit, deinde de specialibus, et de morbis singula membra corripiantibus. Incipit primum ab anatomia membrorum, pergit deinde ad morbos speciales et ad canonem sanationis universalem, et quinque fecit partes — de rebus e medicina universalibus — de remediis simplicibus — de morbis specialibus a capite ad pedem — de morbis specialibus, qui nulli membro proprii 5 sunt — de compositione remedium. Inter commentarios Universalium est ille, quem Alá-ed-dín Ali Ben Abí'lhasm Coreshi [Shafiita], vulgo *Ibn Nefis* dictus et anno 687 (inc. 6. Febr. 1288) mortuus, edidit, ejusque epitomen, quam inde excerpit, *Mujiz* appellavit. Commentarius ita incipit: Post laudem Dei mundorum domini etc., et auctor narrat ibi, se commentarium ad dispositionem Canonis distribuise, nisi in duabus speciebus anatomiae et dispensatoriorum medicorum, et sibi dissertationem colligere proposuisse de anatomia in singulari libro post dissertationem de ceteris libri primi quaestionibus. In commentario hac formula utitur: Dicit commentarius sic et sic deinceps etc. — Commentarios porro ediderunt Imám *Fakhr-ed-dín* 10 *Mohammed Ben Omar Rázi*, anno 606 (inc. 6. Jul. 1209) mortuus — doctissimus*

ابن مسعود الشيرازى العلامة شرحها سنة ٦٧٤ وتوفى سنة ٧٠١، وصنّف الموقف المذكور في الانصاف كتاباً في الردّ على شرح فخر الرازى وقطب الدين ابراهيم بن على المصرى توفى سنة ٦١٨ فصل فيه المسيحي على المصنّف لانّ عبارته اوضح وعليه [شروح منها] شرح مختصر ممزوج اوله الحمد لله الذى انشأ في عالم العناصر بيساطة التفاعل الخ ومنها شرح آخر ممزوج ابسط منه اوله نستعين بك لحفظ الطبيعة عن سوء المزاج الخ لعلى بن كمال الدين محمود 5 الاسترآبادى المولى المكي الجيد وشرحه سعد الله واختصره ابو عبد الله محمد بن الايلاق تلميذ الشيخ توفى سنة وشرح كليّاته امين الدولة الحكيم ابو الفرج يعقوب بن القف النصرانى الكركى المتوفى سنة ٦٨٥ في ستّ مجلّدات وشرح الكليّات ايضا الحكيم الفاضل يعقوب بن غنّائم المعروف بالموقف السامرى المتوفى سنة ٦٨١ واجاد وحلّ شكوك ابن المنقاج على الكليّات وجمع فيه ما قاله الفخر الرازى في شرحه الكليّات وكذلك ما قاله القطب 10

*Cotb-ed-din Mahmūd Ben Mes'ūd Shirāzi*, qui anno 674 (inc. 27. Jun. 1275) commentarium scripsit et anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuus est. *Mowaffic-ed-din*, supra sub *El-Insāf* commemoratus, librum scripsit de refutatione commentarii *Fakhr-ed-dini Rāzi* — *Cotb-ed-din Ibrāhīm Ben Ali Misri*, anno 618 (inc. 25. Febr. 1221) mortuus, qui ibi *Mesīhi* auctori praefert, quum ejus dictio perspicuitate excellat. Praeterea commentarius laudatur in epitomen contractus, qui textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo, qui in mundo substantiarum ab elementis simplicibus actionis mutuae orsus est etc. Huc pertinet alius commentarius illo 5 amplior, qui textum admixtum habet et ita incipit: Auxilium tuum imploramus, ut naturam a malo temperamento munias etc., auctore *Ali Ben Kemāl-ed-din Mahmūd Asterābādi Maulewi Mekki El-Mejīd*. Porro *Sa'dallah* commentarium edidit, ejusque epitomen *Abu Abdallah Mohammed Ben Ilācki*, Sheikhi discipulus, qui anno . . . mortuus est. In Universalibus Medicus *Emin-ed-dewlet Abu'lfaraj Yacūb Ben-elcoff Nasrāni Kereki*, anno 685 (inc. 27. Febr. 1286) mortuus, commentarium scripsit sex voluminibus comprehensum, itemque egregio modo Medicus bene meritus *Yacūb Ben Ghanāim Sāmiri*, vulgo *Mowaffic-ed-din* dictus et anno 681 (inc. 11. Apr. 1282) mortuus, qui dubia solvit, quae *Ibn-elālimet Ben-elminfākh*, sub 10 *El-Ishārāt El-Murshidet* supra laudatus, singulari libro de Universalibus attulerat, et quae *Fakhr-ed-din Rāzi* in commentario Universalium, pariter atque ea, quae



المصري في شرحه لينا وما قاله غيرهما وصنف ابن العالمة بن المنفخ المذكور في الاشارات  
 المرشدة وشرح كليات القانون الحكيم يعقوب بن ابي اسحق الطبيب المتوفى سنة اوله  
 اما بعد حمد من يستحق الحمد لذاته الخ ذكر فيه انه اقتدى بقول الشارح العلامة  
 فخر الدين الرازي وتتبع قول الفاضل افضل الدين اللونجى ونقوضه للرازي ثم ضم الى ذلك  
 5 اعتراضات الطبيب الخازن نجم الدين ابن المنفخ والاجوبة عنها وذكر انه اثر فيه كتابا  
 وبين خلد بعض اللواشى للعراق وذكر المختار من كلام ابن جميع الطبيب من كتاب تنقيح  
 القانون واعداه الى خزنة المنصور محمد بن قلاوون [وشرح الكليات المسمى بتوضيحات  
 القانون للسديد انكاروني اوله الحمد لله الذى فطر بقدرته عالم العلويات الخ وهو شرح  
 ممزوج فرغ من تأليفه في نى الحجة سنة 740] وشرح كليات قانون للشيخ الفاضل على بن  
 10 عبد الله الشهير بزبن العرب المصري فرغ في ثامن شوال سنة 740 اوله الحمد لله المفضل المنعم  
 بالنعمة الجسم الخ ذكر ان العلامة الشيرازي شرح وجمع فيه فوائد جميع الشروح بحيث لم

*Colb-ed-din Misri* in eorundem Universalium commentario alique disputaverant, collegit. — Porro Philosophus et Medicus *Yacub Ben Abi Is'hac*, anno . . . mortuus, in Universalia Canonis commentarium edidit, qui ita incipit: Praemissa ejus laude, qui propter essentialiam suam laude dignus est etc. Narrat ibi, iis se, quae vir doctissimus *Fakhr-ed-din Razi* commentatus erat, instituisse, et verba viri bene meriti *Afdhal-ed-din Khuneji* et quae hic contra *Razi* disputaverat, persecutum esse. Ad haec adjecit, quae Medicus acutus *Nejm-ed-din Ibn-elminfakh* opposuerat, simul cum eorum refutatione, et singularem se librum de his composuisse dicit. Errores nonnullarum glossarum ab *Iracki* editarum exposuit, et meliora, quae 5 Medicus *Ibn Jemi'* in *Tenckih El-Cânûn* disseruerat, attulit, librumque in bibliotheca *Mansûri Mohammed Ben Culâin* deposuit. [Commentarius *Taudkhât El-Cânûn* inscriptus, quem *Sedid-ed-din Kâzerûni* in Universalia scripsit, ita incipit: Laus Deo, qui potentia sua mundum rerum superiorum creavit etc. Textum admixtum habet, ejusque compositio mense Dzi'lbiçjet anni 745 (inc. 15. Mai. 1344) absoluta est]. Commentarium in Universalia Canonis, quem Sheikh bene meritus *Ali Ben Abdallah Misri*, vulgo *Zein-elarab* dictus, die octavo mensis Shewwâl anni 751 (inc. 11. Mart. 1350) absolvit, hic ita orsus est: Laus Deo benignitate excellentissimo et datori beneficiorum largorum liberali etc., et narrat, virum doctissimum *Shirâzi* 10 in commentario componendo occupatum fuisse, et ibi utiles omnium commentariorum

يترك غثًا ولا سمينًا إلا اتي به فرجّح وزيف واعترض واجاب فجاء طويل الذيل ومع هذا لم يتفق له تنميته بل بقي ابر من موضعين احدهما التشريح الذي هو جملة مشكلات الكتاب وثانيهما من أوائل الفصل السابع فكمّله ثم لتخصه وشرحه [الفاضل] الآملي في سنة ٧٥٣ ونظم القانون وشرحه الشيخ داود الانطاكي المتوفى سنة ١٠٠٤ بمكة المكرمة وله شرح ذكر انه تكفل بحل هذه الفنون واستقصاء المباحث الدقيقة لم يحتج مالكة الى كتاب 5 سواه وله مختصر القانون ايضا واختصر كليّاته الشيخ الحنجدي الرئيس بعد ان شرح الكتاب الاول من القانون ورتب على خمسة فنون واختصر كليّاته رفيع الدين المذكور في الاشارات وعليه حاشية لشرف الدين الرحي واختصر الكليّات نجم الدين الحكيم العلامة محمد بن عبدان الدمشقي ابن اللبودي المتوفى سنة ٦١٤ ولفخر الدين ابن الساعاتي المذكور في كتاب القولنج وعليه حواشي لابن الجُميع تعقب موقف الدين [عبد اللطيف بن يوسف 10 الموصلي ثم] البغدادي المذكور في الانصاف وشرح القانون استاد الاطباء فخر الدين

adnotationes collegisse, ut neque levia neque gravia praetermitteret, quae non afferret. Alia aliis praeferenda, alia improba esse censuit, contra alia disputavit, alia defendit, ut liber longitudine produceretur; itaque illum ad finem perducere non contigit, sed duobus locis mutilus mansit, quorum alter anatomiam tractat, quae summam difficultatum libri continet, alter ab initio sectionis septimae desideratur. Hanc ob causam *Zein-elarab* librum absolvit, et postea ejus epitomen confecit. Vir [bene meritus] *Amoli* anno 753 (inc. 18. Febr. 1352) commentarium edidit, et Canonem in 5 versiculos rededit. Porro Sheikh *Dawud Antaki*, anno 1006 (inc. 4. Aug. 1597) mortuus, Mekkae commentarium composuit. Idem commentarium edidit, ubi, ut ipse testatur, has species solvendas et quaestiones subtiles omnes ita explorandas sibi praescripsit, ut ejus possessor quovis alio libro carere posset, et pariter epitomen Canonis extraxit. Universalia praeterea in epitomen coegerunt Sheikh princeps *Khajendi*, postquam in librum Canonis primum commentarium composuerat et in quinque *Fovin* sive species diviserat — *Refi'-ed-din* sub *El-Isharat* commemoratus, ad cujus epitomen *Sheref-ed-din Rahbi* glossas scripsit — Medicus doctissimus *Nejm-ed-din Mohammed Ben Abdan Dimeshcki Ibn-ellobudi*, anno 621 (inc. 24. Jan. 1224) mortuus — et *Fakhr-ed-din Ibn-elsuati* sub *Kitab el-kulenj* laudatus, 10 ad cujus epitomen *Ibn-eljemi'* glossas edidit, qui *Mowaffic-ed-din* [*Abd-el-latif Ben Yusuf Mausili*, postea] *Baghdadi*, sub *El-Insaf* laudatum, non sine obtrectatione persecutus est. Commentarium in Canonem medicorum magister *Fakhr-ed-din*



الخجندی صاحب التلویح واختصر القانون واحد من الافاضل وسمّاه المكنون ثم اختصر هذا المكنون استاد الاطباء فخر الدين الخجندی وسمّاه تنقيح غلف المكنون و خلاصة القانون للحكيم ابى سعيد بن ابى السرور الاسرائيلى السامرى العسقلانى ١٣٥٥ قانون فى فروع الحنفية للامام نصر الدين قاسم بن يوسف الحسينى السمرقندى الحنفى توفى سنة ١٣٥١ 5 قانون فى اللغة لسلمان بن عبد الله النيروانى النحوى المتوفى سنة ٤١٤ فى عشر مجلدات لم ينف مثله ١٣٥٧ قانون فى النحو وهو المعروف بمقدمة الجزولية يابى ١٣٥٨ قانون الكبير فى صنيع الاكسير للشيخ ايدمير بن على الجلدكى من رجال القرن الثامن بمصر الفه بدمشق ذكر فيه مذعب الحكماء فى الصنيع ١٣٥١ قانون مسعودى فى البيئنة والناجم لاقى الرجحان محمد بن احمد النيروانى الخوارزمى [المتوفى سنة ٤٣٠] الفه لمسعود بن محمود 10 بن سبكتكين فى سنة ٤٢١ حذا فيه حذو بطلميوس فى الجسطى وهو من الكتب المبسوطة فى هذا الفن ١٣٦٠ قانون نامه چين وخطا فارسى مرتب على عشرين بابا كتبه بعض

*Khojendi*, libri *Telcith* auctor, scripsit, et virorum optime meritorum unus ex eo epitomen extraxit *El-Meknún* inscriptam, quam magister medicorum *Fakhr-ed-din Khojendi* denuo in epitomen coegit *Tenckih ghalic El-Meknún* inscriptam. Epitomen denique meliora Canonis continentem Medicus *Abu Said Ben Abi'sorúr Isráili Sámiri Ascaláni* edidit. — 9355. *El-Cánún fi forú' El-Hanefiyet*, canon de articulis juris Hanefitici derivatis, auctore *Imám Nasr-ed-din Cásim Ben Yusuf Hoseini Samarcandi* Hanefita, anno ... mortuo. — 9356. *El-Cánún fi el-loghat*, canon de lingua. Decem volumina, auctore *Selmán Ben Abdallah Nahrewáni* 5 Grammatico, anno 494 (inc. 6. Nov. 1100) mortuo. Vix similis liber compositus est. — 9357. *El-Cánún fi el-nahw*, canon de syntaxi, vulgo *El-Mocaddimet El-Jozuliyet* appellatus. Vide infra. — 9358. *El-Cánún El-Kebír*, canon magnus de arte lapidem philosophorum fabricandi, auctore *Sheikh Eidenir Ben Ali Jildeki*, qui seculo octavo in Aegypto vixit. Composuit Damasci, et disciplinam, quam philosophi in lapide philosophorum fabricando sequuntur, descripsit. — 9359. *El-Cánún El-Mes'údi*, canon *Mes'udicus* de astronomia et astrologia, quam *Abu'lrihán Mohammed Ben Ahmed Birúni Khowarezmi*, [anno 430 (inc. 3. Oct. 1038) mortuus], anno 421 (inc. 9. Jan. 1030) in honorem *Mes'údi Ben Mahmúd Ben Subuktekin* 10 composuit. Vestigia Ptolemaei in *Almagesto* secutus est, et liber ille ad opera hujus doctrinae ampliora pertinet. — 9360. *Cánún-námeh*, codex legum Chinae et

التجار للسلطان سليم خان في حدود سنة ٩٠٠ ثم ترجم بعضهم بالتركية ويقال ان المولى على قوشجي ذهب الى خطاي من طرف الوغ بيك فكتب ما رآه كما ذكر فيه ٩٣٦١ قانون نامه عثمانية تركي المشهور انه للوزير الاعظم لطفى پاشا [المتوفى سنة ٩٠٠] وجمع مؤنن زاده بن على رسالة تركية باشارة الوزير مراد پاشا للسلطان احمد خان ورتب على سبعة فصول وخاتمة آ في امير الامراء وخواصيم ٢ في امرآه اللوآء ٣ في دفتر البتيمار وكتبخدا الدفتر 5 وخواصيم ٤ في الزعامات والتيمار في كآ الايالة ٥ في بيان الزعامة والتبمار وما يتعلق بيما آ في توجيه الزعامة ٧ في اختلال واقع فيها وامكان دفعه خاتمة في وجوب السعي لدفعه وله رسالة اخرى في عدد عسكر العثماني ورآيت كتابآ آخر فيه قوانين العثماني لعله ايضا له وهو على ثلاثة ابواب ذكر في اوله انه ورد الامر لتجميعه فيه اربعة فصول آ في الجرائم والسياسة في مقابلة جنايات الزنا والقتل والشتم وشرب الخمر والغصب والسرقة ٢ فيه سبعة فصول في رسوم 10

Khatayae. Liber persicus in viginti capita distributus, quem mercator quidam Sultano *Selim Khán* circa annum 900 (inc. 2. Oct. 1494) conscripsit. Postea vir quidam eum in linguam turcicam transtulit; et Molla *Ali Cushji* in Khatayam iter fecisse traditur ab *Olugh Bek* missus, qui serius, ut ibi narratur, quae viderat, descripsit. — 9361. Cánún - námeḥ, codex legum othmanicarum a Weziro maximo *Lutfi Pasha*, [anno 950 (inc. 6. Apr. 1543) mortuo], ut notum est, turcice scriptus. *Muedzdzinzádeh Ben Ali* tractatum turcicum jussu Weziri *Murád Pasha* Sultano *Ahmed Khán* collegit, et in septem sectiones et conclusionem divisit — de majorum provinciarum praefectis eorumque servitio addictis — de minorum provinciarum praefectis — de codice 5 feudorum minorum et codicis curatoribus eorumque servitio addictis — de feudis majoribus et minoribus in quavis provincia — de feudorum majorum et minorum descriptione deque iis, quae ad ea pertinent — de assignatione feudorum majorum — de detrimento iis accidente et de caussis, quibus hoc removeri possit. — Conclusio de necessitate studii agit illud removendi. Idem alium tractatum scripsit de exercitu othmanici dispositionibus. Praeterea alium librum trium capitum vidi leges othmanicas continentem, cujus fortasse auctor idem est. Ab initio sibi mandatum esse dicit, ut hunc librum colligeret. Primum caput quatuor sectiones continet de culpis et institutione in delictis scortationis, caedis et contumeliae potusque vini puniendis, de 10 expilatione violenta et de furto. — Caput secundum septem sectiones continet de tributis subditorum, redivibus publici aerarii, de militibus, de eorum in feudis minoribus



- الرعية وعوائد بيت المال ولجنود وتصرفاتهم في التيمار وغير ذلك ٣ فيه سبعة فصول ايضا كلهم في الاحوال المخصوصة بالرعايا من اجل الاسلام والكفر ورأيت كتاباً آخر في قوانين المعادن على ثمانية ابواب ومنها نسخة جمعها بمصر حينما امر في مجلّد اوله للحمد لله الملك الخفق الذى يأمر بالعدل والاحسان الخ ٩٣٤٢ قانون نامه فارسى لخواجه نصير الدين [محمد بن عبد الله] الطوسى [المتوفى سنة ١٧٣] ٩٣٤٣ قانون الوزارة لائى الحسن على بن محمد البصرى الماوردى الشافعى المتوفى سنة ٤٥٠ اوله للحمد لله الذى على ما عدى وارشد الخ ٩٣٤٤ قائمة لطف الله بن يوسف الحلبي المتوفى سنة الفقه لتوضيح كتابه بحر الغرائب وجعل على دفتريين اوله في اللغة الفارسية المترجمة بالتركية والثاني في فوائد شتى ٩٣٤٥ [قبائل العرب في التاريخ لمجد الدين البليسى] ٩٣٤٦ قبح الاحاجى في النواجى سبق ذكره في حلبة الكميت ٩٣٤٧ قيس الاقتداء الى وفق السعادة ونجم الاقتداء الى شرف السيادة 10 للامام ابي العباس احمد بن على القرشى الموقى ٩٣٤٨ قيس الاقتداء للشيخ ابي الربيع سليمان

tribuendis juribus aliisque rebus. — Caput tertium quoque septem sectiones continet, quae singulae de rebus subditos e gente Mohammedanorum et infidelium spectantibus agunt. — Tum librum vidi alium de legibus ad rem metallicam pertinentibus in octo capita distributum, et earum exemplum, quod in Aegypto ubicunque colligi poterat collegit, volumine comprehensum, quod ita incipit: Laus Deo, regi justo, qui aequum esse et bene facere jussit etc. — 9362. Cánún-námeh, codex legum, auctore Khoja Nasir-ed-din [Mohammed Ben Abdallah] Tusi, [anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo]. Persice. — 9363. Cánún el-wizáret, canon Weziratus, auctore Abu'hasan Ali Ben Mohammed Basri Máwerdi Shafita, anno 450 (inc. 28. Febr. 1058) mortuo. Incipit ita: Laus Deo pro eo, quod justa via ducit recteque agere docuit etc. — 9364. Cáimet Lutfallah, scheda, quam Lutfallah Ben Yusuf Halini, anno . . . mortuus, ad explicandum librum suum Bahr el-gharúb composuit. Dedit ei duos indices, quorum prior de verbis persicis turcice traditis agit, posterior de variis adnotationibus utilibus. — 9365. [Cabáil El-Arab, tribus Arabum. Opus historicum, auctore Majd-ed-dín Bolbeisi.] — 9366. Cabh el-aháji, turpitude satyrarum de poeta Newwáji. Libri mentio facta est supra sub Halbet el-komeit. — 9367. Cabs el-ictidá ila wafc el-seádet, institutio imitationis ad opportunitatem felicitatis et stella justae directionis ad nobilitatem principatus, auctore Imám Abu'abbás Ahmed Ben Ali Coreshi Buni. — 10 9368. Cabs el-ictidá, institutio imitationis, auctore Sheikh Abu'rebí' Soleimán

بن عبد الله بن عبد الرحمن العباسي اوله الحمد لله رب العالمين الخ اعلمو ان مطالب  
 الراغبين انقسمت الى قسمين دنيوي واخروي وينقسم كل منهما الى اقسام بحسب المقاصد  
 وكثير من الناس راغب في التندّم في الدنيا ولم اقف لاحد على مصنف في معارضة الاوقات  
 فصنّفته ٩٣٦٩ قيس الانوار [وجامع الاسرار] في علم الحروف والاسرار للشيخ جمال الدين  
 ابى لحاسن يوسف الندورمي ذكر الشيخ عبد الرحمن البسطامي في شرح اللمعة انه قرأ 5  
 هذا الكتاب على مصنفه سنة ٨٠٧ مختصر ٩٣٧٠ قيس العجلان مختصر في النحو لموقف  
 الدين البغدادي المذكور في الانصاف ٩٣٧١ قيس الاوى لغرر ضوء السخاوي مختصر مر  
 في الصاد ٩٣٧٢ قيس في شرح موطأ [مالك للحافظ ابى بكر العربي المالكي المتوفى  
 سنة ٥٤٣] ٩٣٧٣ قيس اللوامع في اللام ٩٣٧٤ قيس المجتبي في شرح الاسماء الحسنى  
 للشيخ شمس الدين ابى عبد الله محمد بن قرقماس الحنفي [المتوفى سنة ٨٢] اوله 10

- Ben Abdallah Ben Abd-el-rahman Abbási.* Incipit ita: Laus Deo, mundorum domino etc. Scite, inquit, desideria concupiscentium in duas partes dividi, quatenus vel hanc vitam vel futuram spectant. Utraque pars rursus ratione consilii propositi habita in plures particulas dividitur. Multi hominum poenitentiae in hac vita cupidi sunt, nec quenquam vidi, qui librum de oppositione temporum scripserit. Composui igitur hunc librum. — 9369. Cabs el-anwár [we Jámi' el-asrár], accensus luminum [et collector arcanorum] de doctrina literarum et arcanorum, auctore Sheikh *Jemál-ed-dín* 5 *Abu'mehásin Yusuf Nedweremi.* Sheikh *Abd-el-rahman Bistámi* narrat in commentario ad librum *Lam'at*, hunc librum se anno 807 (inc. 10. Jul. 1404) coram auctore legisse. Compendium. — 9370. Cabs et el-ajlán, institutio properantis. Compendium grammaticum, auctore *Mowaffic-ed-dín Baghdádi* supra sub *El-Insáf* laudato. — 9371. Cabs el-háwi, institutio viros principes libri *El-Dhu El-Lámi'* a *Sekháwi* editi complectens. Epitome hujus libri in litera *Dhád* commemorata est. — 9372. El-Cabs fi sharh Mowatta Málik, institutio. Commentarius in *Mowatta* [a *Málik* editum, auctore Háfitz *Abu Bekr Arabi* Malikita, anno 543 (inc. 22. Mai. 1148) mortuo]. — 9373. Cabs el-lewámi', accensus luminum splendentium. Videatur in litera *Lám.* — 9374. Cabs el-mujtená, institutio 10 rerum collectarum, auctore Sheikh *Shems-ed-dín Abu Abdallah Mohammed Ben Carcamás* Hanefita, [anno 882 (inc. 15. Apr. 1477) mortuo]. Commentarius in



- الحمد لذي الاسماء الحسنى الخ فسر فيه الاسماء على طريق المتكلمين ومذهب النحويين  
 مع حقائق اهل الاشارة وخواصها ٩٣٧٥ قيس النيرين على تفسير الجلالين مر ٩٣٧٦  
 القدح القسى في الفتح القدسى في مجلدين لعماد الدين محمد بن محمد الكاتب  
 الاصفهاني المتوفى سنة ٥٩٧ بدأ فيه من سنة ٥٨٣ وممدوحه في خطبته الناصر الدين احمد  
 5 ابن المستضىء بالله العباسى والسultan صلاح الدين يوسف وهذا الاسم مسطور في ظيره  
 لكتبه قال وسميته الفتح القدسى وعرضته على القاضى الفاضل وقال لى سمه الفتح القسى في  
 الفتح القدسى ٩٣٧٧ قدح المعلى للحافظ ابى محمد عبد الكريم الحلبي المتوفى سنة  
 ٩٣٧٨ قدر الاثمان في اصل منبع آل عثمان ٩٣٧٩ قدر الامكان في حديث الاعتكاف للشيخ  
 تقى الدين على بن عبد الكافى السبكي المتوفى سنة ٧٥١ رد عليه ولده تاج الدين عبد  
 10 الوهاب وسماه تشحيذ الانهان ٩٣٨٠ قدس الاسرار في اختصار المنار يأتى ٩٣٨١ قدوة

nomina Dei pulchra, qui ita incipit: Laus ei, cui nomina pulchra sunt etc. Commentatus  
 ibi est nomina ad rationem metaphysicorum et disciplinam grammaticorum, additis  
 subtilibus gnosticorum oblique sensum indicantium propositionibus harumque asseclarum  
 familiarium. — 9375. Cabs el-nírein, accensus luminum ad commentarium duorum  
*Jelál-ed-dín* in Coranum. Vide supra. — 9376. El-Ckidh El-Cussi, sagitta  
 Cussitica de expugnatione Hierosolymorum. Duo volumina, auctore *Imád-ed-dín*  
*Mohammed Ben Mohammed Isfaháni* Scriba, anno 597 (inc. 12. Oct. 1200) mortuo.  
 Incipit ibi ab anno 583 (inc. 13. Mart. 1187), et quos in praefatione celebrat, sunt  
*Násir-li-dín-allah Ahmed Ben-elmustedhi Billah* Abbasida et Sultán *Saláh-ed-dín*  
*Yusuf*, cujus nomen in parte exteriori exaratum est. Attamen: Inscripti, inquit, librum 5  
*El-Fat'h El-Cudsi* et *El-Cádhío El-Fúdhil* ostendi, qui: Appella eum, ait, Eloquentiam  
 Cussiticam (*El-Fat'h El-Cussi*) de expugnatione Hierosolymorum. — 9377. El-Ckidh  
 El-Moalla\*, sagitta ludi optima, auctore Háfitz *Abu Mohammed Abd-el-kerim*  
*Halebi*, anno . . . mortuo. — 9378. Cadr el-athmán, quantitas pretiorum de  
 origine scaturiginis gentis Othmanicae. — 9379. Cadr el-inkán, quantitas  
 possibilitatis de traditione, quae de assidua in templo precatone agit, auctore Sheikh  
*Tacki-ed-dín Ali Ben Abd-el-káfi Sebeki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo.  
 Filius *Táj-ed-dín Abd-el-wehháb* refutationem libelli edidit *Teshhidz el-adzhán*  
 inscriptam. — 9380. Cods el-asrár, sanctitas arcanorum. Epitome libri *Menár*, 10  
 de quo infra videatur. — 9381. Cadwet el-sálikín, exemplum via mystica

السالكين ٩٣٨٣ قُدُورِي وهو نسبة مؤلف المختصر اطلق على مصنفه يأتي في المختصر  
 ٩٣٨٣ القذاعة في تحقيق محل الاستعانة لجلال الدين السيرطي المتوفى سنة ٩١١ ذكره في  
 حاربه تمامًا وفي فهرس مؤلفاته في فنّ الفقه ٩٣٨٤ قُدَى العَيْن من نظم غريب البين وهو  
 من انتقاد شيخ الاسلام ابى الفضل احمد بن علي بن حجر العسقلاني [المتوفى سنة ٨٥٣] على  
 العلامة العيني جرّد ما في سيرة الملك المؤيد له من الابيات الركيكة الغير الموزونة وهي 5  
 نحو اربعمئة بيت وسمّاه بذلك وكانت بينهما منافسة ٩٣٨٥ [القرى لغاصد ام القرى لحبّ  
 الدين احمد بن عبد الله الطبري المكي الشافعي المتوفى سنة ٩٩٤]

٩٣٨٦ علم القراءَة

[وهو علم يبحث فيه عن صور نظم كلام الله تعالى من حيث وجوه الاختلافات المتواترة 10]

ingredientium. — 9382. *Codúri, Codúri* Compendium. Hoc adjectivum relativum est a *Codúri* Compendii auctore derivatum, quod in universum ad ejus opus refertur. Vide infra sub *Mokhtasar*. — 9383. *El-Cadzádzat fi tahckíc mahall el-istiádzat*, praesegmina de justa loci definitione, ubi formula „Ad Deum averruncum confugio“ adhibenda est, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatum totum libro *Háwi* inseruit, et in indice scriptorum inter ea refert, quae jurisprudentiam tractant. — 9384. *Ca dzá el-ain*, festuca oculi e carmine corvi separationis et mali augurii nuntii. Sheikh 5 *el-islám Abu'lfadhí Ahmed Ben Ali Ben Hajr Ascaláni*, [anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuus], in hoc libro pravos versus, omni metro carentes, quos vir doctissimus *Aini* in Biographia (*Siret*) *El-Meliki El-Mowayyed* admiserat, elegit et separatim collegit. Quadringenti circiter sunt versus, quibus hunc titulum dedit, cum inter utrumque magna obtrectatio intercederet. — 9385. [*El-Ckirá li 'cásid omm el-corá*, liber quo is benigne excipitur, qui Mekkam urbium matrem tendit, auctore *Mohibb-ed-dín Ahmed Ben Abdallah Taberi Mekki* Shafiita, anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuo]. —

9386. *Ilm el-ckiráat*. Ars Corani critica.

10 [Haec est, ut *Túshköprizádek* libri *Miftáh el-seádet* auctor testatur, ea doctrina, quae in formas compositionis sermonis divini inquirat, ratione variarum lectionum a



ومبادئه مقدمات تواترية وله أيضا استمداد من العلوم العربية والغرض منه تحصيل ملكة ضبط الاختلافات المتواترة وفائدته صون كلام الله تعالى عن تطريف التحريف والتغيير وقد يبحث فيه أيضا عن صور نظم الكلام من حيث الاختلافات الغير المتواترة الواصلة الى حد الشبهة ومبادئه مقدمات مشبورة او مروية عن الآحاد الموثوق بهم ذكره صاحب مفتاح السعادة قال الجعبري في شرح الشاطبية اعلم ان القراء اصطلاحوا على ان يسموا انقراء للامام والرواية للاخذ عنه مطلقا والطريق للاخذ عن الراوي فيقال قراءة نافع رواية قالون طريق ابى نشيط نيعلم منشأ للخلاف فكما ان لكل امام راو فلكل راو طريق انتهى قال ابن الجزري في نشره كان اول امام معتبر جمع القراءات في كتاب ابو عبيد القاسم بن سلام وجعلهم فيما احسب خمسة وعشرين قارنا مع السبعة مات سنة ٣٣٤ انتهى

10 ٩٣٨٧ قراءة ابن مَحَيْصِل للشيخ الامام ابى على الحسن بن محمد الاعوازي [المتوفى

pluribus traditarum habita. Ejus principia propositiones praemissae sunt ad primum auctorem relatae. Eadem auxilium petit ex disciplinis linguae arabicae, ejusque consilium in comparanda facultate cernitur, varias lectiones a pluribus traditas firmiter tenendi et consignandi, utilitas autem in oratione Dei excelsi contra depravationem et immutationem tuenda, cui via aperiri possit. Praeterea in hac doctrina de formis compositionis orationis divinae quaeritur, quatenus lectiones variae a pluribus minime traditae spectantur, sed eae etiam, quae gradum celebritatis consecutae sunt. Ejus principia propositiones praemissae notae sunt sive primum a singulis traditae, quibus fides habetur. — *Ja'beri* in commentario, quem in carmen *Shátibiyet* scripsit: Scias, 5 inquit, lectores Corani criticos inter se convenisse, ut lectionem Corani criticam [*ckiráat*] Imamo tribuerent, recitationem traditam [*riwáyet*] in universum ei, qui ab illo sumsit, et viam [*taríc*] ei, qui a traditore recitante mutuatus est. Dicitur igitur *Ckiráat Náfi'i*, *Riwáyet Cálúni* et *Taríc Abu Neshíti*, ut origo diversitatis lectionis indicetur, et quasi singulis Imamis sit recitator tradens et singulis recitatoribus via. — Haec hactenus. — Ut *Ibn-eljezeri* in suo *Nashr* narrat, primus Imamus dignitate conspicuus, qui varias lectiones singulari libro collegit, *Abu Obeid Cásim Ben Sellám* fuit, qui cum septem illis lectoribus notissimis ex ratione sua viginti quinque lectores recenset, et anno 222 (inc. 14. Dec. 832) mortuus est. — Haec ille. —

9387. Ckiráat Ibn Moheidh, recensio Corani critica *Ibn Moheidhi*, 10 auctore Sheikh et Imám *Abu Ali Hasan Ben Mohammed Ahwázi*, [anno 446

سنة ٤٤٩] ٩٣٨ قراءة ابى عمرو قصيدة للشيخ الامام شهاب الدين احمد بن وهبان شرحه  
 الشيخ الامام شمس الدين محمد بن سعيد بن طاهر البجاني وشرحها محمد بن علي  
 المعروف بالمعري وسماه النكت الفريدة والدرر الفريدة ٩٣٨٩ قراءة الثلث في ائمة  
 الثلاث قصيدة طويلة لحمد العمري العددي نظمها في بحر الحزب للشاطبي وقافيتها على انها  
 تتمته ثم شرح وائم في نبي الحجة سنة ٩٤٠. ٩٣٦ قراءة الحسن البصري ويعقوب الاعوازي 5  
 ايضا ٩٣٩ قراءت الشاذة نظمه شمس الدين محمد بن محمد الجيزي المتوفى سنة  
 [٨٣٣] كالشاطبية اوله

بدأت بحمد الله نظمي اولاً

واتمه في رمضان سنة ٧١٧ ببروسا ٩٣٢ قراصة الابريز في الامثال المستخرجة من الكتاب العزيز  
 للشيخ العلامة بدر الدين حسن بن الفرات ٩٣٩٣ قراصة الذهب في علمي النحو والادب 10

(inc. 12. Apr. 1054) mortuo]. — 9388. Ckiráat Abi Amru, recensio Corani critica *Abu Amru*. *Casida*, quam Sheikh et Imám *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Wahbán* edidit. Commentarios in eam scripserunt Sheikh et Imám *Shems-ed-dín Mohammed Ben Saíd Ben Táhir Bejjáni* et *Mohammed Ben Ali*, vulgo *Maghribi* dictus, cujus commentarius *El-Noket El-Feridet we El-Dorer El-Feridet* inscriptus est. — 9389. Ckiráat el-tsalats, recensio Corani critica trium de Imamis trium recensionum auctoribus. *Casida* longa, quam *Mohammed Omari Adedi* ad 5 metrum et homoeoteleuton in carmine *Hirz a Shátibi* observatum composuit, ita ut quasi ejus complementum esset. Tum commentarium scripsit, quem mense Dzi'lhijjet anni 920 (inc. 26. Febr. 1514) absolvit. — 9390. Ckiráat El-Hasan El-Basri, recensiones Corani criticae, auctoribus *Hasan Basri* et *Yacúb Ahwázi*. — 9391. El-Ckiráat El-Shádzdzet, lectiones Corani analogiae contrariae et ab uno tantum traditae. Carmen ad rationem *Shátibiyae* a *Shems-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Jezeri*, anno [833 (inc. 30. Sept. 1499)] mortuo, compositum, quod ita incipit:

Incipio a laude Dei carmen meum primum.

Absolvit Prusae mense Ramadhán anni 797 (inc. 27. Oct. 1394). — 9392. Corádhát el-ibríz, ramenta auri purissimi de proverbii e libro augusto elicitis, auctore viro 10 doctissimo Sheikh *Bedr-ed-dín Hasan Ben-elforát*. — 9393. Corádhát el-dzeheb, ramenta auri de duobus doctrinis grammatica et humanitatis studiis, auctore Molla



لمولانا احمد النائب قريب ويسى الشاعر جمع فيه ما اندرج في فاتحة مغنى اللبيب على  
 الحروف والحرف ما ظفر به في معتبرات هذا الفن فرغ في ذي الحجة سنة 1٠٤٩ أوله حمد من  
 صبر علم النحو احسن ما يعتنى به الكتب الشريفة الخ ٩٣٤ قرآنة الذهب في نقد  
 اشعار العرب لاني على حسن بن رشيف الازدي القبرواني المتوفى سنة [١٠٥١] أوله أما بعد  
 5 امتنع الله تعالى اخوانك ببقائك الخ

٩٣٥ علم القرائات

[قال صاحب مفتاح السعادة اعلم ان القرآن هو اجتماع كوكبين او اكثر من الكواكب  
 السبعة السيارة وفي درجة واحدة من برج واحد ويبحث في هذا العلم عن الاحكام الجارية  
 في هذا العالم بسبب قران السبعة كليا او بعضها في درجة واحدة من برج معين انتهى  
 10 ٩٣٦ القرائات في الاحكام للبايزار ٩٣٧ القرائات الكبير لكنك الهندى وله القرائات

nostro *Ahmed El-Naib Coreib Weisi* Poeta. Collegit ibi, quae *Fatihæ* libro *Moghni el-lebâb* praemissae inserta sunt, ad ordinem alphabeticum, et ea addidit, quae in libris hujus doctrinae praestantissimis invenerat. Absolvit mense Dzi'lhijjet anni 1049 (inc. 24. Apr. 1639), et orsus est ita: Laudetur qui grammaticam doctrinam praestantissimam fecit, quam libri excellentissimi curae habebant etc. — 9394. *Corádhât el-dzeheb*, ramenta auri. *Delectus carminum Arabum*, auctore *Abu Ali Hasan Ben Reshîc Azdi Cairavâni*, anno [456 (inc. 25. Dec. 1063)] mortuo. Incipit ita: Praemissis praemittendis. Deus excelsus fratres tuos tuae aeternitatis participes reddat etc. 5

9395. *Ilm el-ckiránát*. Doctrina constellationum.

[Auctor libri *Miftáh el-seádet* dicit: Scias, constellationem esse conjunctionem duorum aut plurium e septem planetis et in uno unius mansionis gradu. In hac doctrina de praesagiis in hoc mundo propter constellationem omnium septem planetarum aut nonnullorum in uno certae mansionis gradu obvenientibus quaeritur. — Hactenus ille. —

9396. *El-Ckiránát fi el-ahkám*, constellationes de astrologia judiciaria, 10 auctore *El-Bazyár*. — 9397. *El-Ckiránát El-Kebír*, constellationes majores,

الصغير ١٣١٨ قرآن خوانيه فارسي في الفروع ١٣١١ قرآن السعديين في اربعة آلاف بيت لمير خسرو الدهلوي المتوفى سنة ٧٥٠ هـ اوله

شكر كريم بتوفيق خداوند جهان

- ١٤٠٠ قرآن الركنية في فروع الشافعية للقاضي مجيد الدين اسمعيل بن اسمعيل الرازي المتوفى سنة ٧٥٠ هـ ١٤٠١ القرية الى الله سبحانه وتعالى للامام ابى حامد محمد بن محمد 5 الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ هـ ١٤٠٢ قرّة العين في بيان ان التبرّع لا يبطئه الدين لمولانا شيخ الاسلام احمد بن حجر البيهقي الشافعي المفتي في الحجاز [المتوفى سنة ٩٧٣] كتبه فيما وقع بينه وبين ابن الزباد المفتي في زبيد اوله الحمد لله الذي الخ ١٤٠٣ قرّة العين بمجموع البحرين شرح يأتى ١٤٠٤ قرّة العين بالمسرة لوفاء الدين للشيخ الامام الخافظ زين الدين عبد الرحيم بن الحسين العراقي [المتوفى سنة ٨٠٦] مختصر اوله الحمد لله الذي قسم الارزاق 10

auctore *Kenkeh* Indo. Idem constellationes minores edidit. — 9398. Corán kháníyeh, Corani lectores, de articulis juris derivatis. Persice. — 9399. Ckirán el-sa'dein, constellatio duorum planetarum beneficorum Jovis et Veneris. Quatuor millia versuum, auctore *Mír Khosrew Dehlewí*, anno 725 (inc. 18. Dec. 1324) mortuo. Incipit ita:

Gratias singulares pro auxilio domini mundi.

9400. El-Caráin El-Rokníyet, conjunctiones elementares de partibus juris Shafiitici derivatis, auctore Cádhi *Majd-ed-dín Ismaíl Ben Ismaíl Rázi*, anno 5 750 (inc. 22. Mart. 1349) mortuo. — 9401. El-Corbet ila Allah, appropinquatio ad Deum laudatum et excelsum, auctore Imám *Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. — 9402. Corret el-ain, refrigeratio oculi de comprobatione, religionem actionem praeter officii necessitatem non irritam reddere, auctore Molla nostro Sheikh-elislám *Ahmed Ben Hajr Heithemí Shafiíta Hejázae Mufti*, [anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortuo]. Scripsit tractatum, qui ita incipit: Laus Deo, qui etc, de iis, quae inter eum ipsum et *Ibn-elziyád, Zebidi* Mufti, acciderant. — 9403. Corret el-ain bi mejma' el-bahreín, refrigeratio oculi. Commentarius in librum *Mejma' el-bahreín*, de quo infra videndum est. — 9404. Corret el-ain bi'lmesarret li wefá el-dein, refrigeratio oculi per laetitiam solutionis debitorum, auctore Sheikh et Imám *El-Háfiz Zein-ed-dín* 10 *Abd-el-rehím Ben-elhosein Irácki*, [anno 806 (inc. 21. Jul. 1403) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui res ad vitam necessarias inter cultores



- بين عباده الخ ٩٤.٥ قرّة العين بمعرفة بنى دعين لمحمد بن عبد الملك بن عبد السلام ابن  
 دعين القرشي الاموى اوله الحمد لله الذى جعل بنى آدم شعوبًا وقبائل الخ ذكر فيه انه  
 صنّف اولًا كتابًا في ذكر غالب اعله بنى دعين وسمّاه بعقد الجواهر الزين المنتقى من الدار  
 التصيد في انساب بنى خالد بن اسيد ومصت على ذلك مدّة فنقحه وحذبه فيه وثرغ  
 5 من نسخة في اواخر رمضان سنة ٩٩٣ ٩٤.٦ قرّة العين في بيان المذهبين في علم القرآتن  
 للشيخ الامام ابى عبد الله محمد الشهير بسبط الماردينى المتوفى سنة ضمن فيه كتاب  
 الجعدية على مذهب المالكية بتمامه وبيّن فيه مذهب الشافعى واصحابه وذكر غالبًا مذهب  
 الامام احمد وابى حنيفة واصحابهما وقرى عليه في سنة ٩٠١ اوله الحمد لله حمد الشاكرون  
 الخ ٩٤.٧ قرّة العين في الفتوح والامالة بين اللفظين لابن القاصح ابى البقاء على بن عثمان  
 10 المقرئ المتوفى سنة ٨٠١ اوله اما بعد حمد الله رب العالمين الخ اختصره القاضى زين الدين

suos distribuit etc. — 9405. Corret el-ain bi ma'rifet Beni Doain, refrigeratio oculi per cognitionem Doainidarum, auctore *Mohammed Ben Abd-el-melik Ben Abd-el-selám Ibn Doain Coreshi* Omayyada. Incipit hic ita: Laus Deo, qui filios Adami in tribus majores et minores divisos esse voluit etc., et narrat, se primum librum de potiore parte popularium suorum *Beni Doain* composuisse, et *Icd el-jewáhir el-zein el-muntecá min el-dár el-nedhid fi ansáb Beni Khálid Ben Asíd* nominasse. Interea temporis spatium praeteriit; tum eum recognovit et castigavit, quo facto hic liber enatus est, cujus exemplum exeunte mense Ramadhán anni 993 (inc. 24. Dec. 1585) absolvit. — 9406. Corret el-ain fi beyán 3 el-madzhabein, refrigeratio oculi per expositionem eorum, quae utraque secta de jure hereditario docet, auctore Sheikh et Imám *Abu Abdallah Mohammed*, vulgo *Sibt El-Máridíni* dicto et anno ... mortuo. Ei totum tractatum *Ja'diyet* ad disciplinam Malekitarum inseruit, et disciplinam *Sháfíí* ejusque discipulorum exposuit. Plerumque Imámi *Ahmed* et *Abu Hanífae* eorumque sociorum doctrinam describit, et liber, qui ita incipit: Laus Deo talis, qualem gratias agentes (ei tribuunt) etc., anno 901 (inc. 21. Sept. 1495) coram eo legebatur. — 9407. Corret el-ain fi el-fat'h we el-imálet bein el-laftzein, refrigeratio oculi de *Fat'ha* et inclinatione inter duas voces, auctore *Abu'lbecá Ali Ben Othmán* Corani Lectore, vulgo *Ibn-elcásih* dicto et anno 801 (inc. 13. Sept. 1398) mortuo. Tractatum, 10 qui ita incipit: Laude Dei mundorum domini praemissa etc., *Cádhi Zein-ed-dín*

زكرياء بن محمد الانصارى المتوفى سنة ٩١٦ ٩٤٨ قرّة العين في فضائل الشيخين والصهرين  
 والسبطين لابي ذر احمد بن ابراهيم الكلبي [المتوفى سنة ٨٨٤] اوله الحمد لله الذى طهر  
 قلوب اجل السنة من الادناس الخ رتب على ثلاثة عشر فصلاً آخره في ذم الروافض  
 ٩٤٩ قرّة الناظر ونزهة الخاطر لعلى بن سودون البشغاري المتوفى سنة انتخبه من هزليات  
 كتابه المسمى بنزهة النفوس في مضحك العيوس ٩٤١ قرّة النواظر في روضة النواذر مختصر 5  
 على بابين وخاتمة اوله الحمد لله المجيد الحميد الخ الاول في الافتتاح باساس الدين  
 الذى في مسائل مهملة آلفه سنة ٨٩٨

٩٤١ علم قرص الشعر

[هو علم باحث عن احوال الكلمات الشعرية لا من حيث الوزن والقافية بل من

*Zakariyá Ben Mohammed Ansári*, anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus, in epitomen contraxit. — 9408. *Corret el-ain fi fedháil el-sheikhein*, refrigeratio oculi de meritis duorum Sheikhorum, generorum et nepotum praestantibus, auctore *Abu Dzarr Ahmed Ben Ibráhim Halebi*, [anno 884 (inc. 25. Mart. 1479) mortuo]. Liber ita incipit: Laus Deo, qui corda Sunnitarum a sordibus purgavit etc., et in tredecim sectiones distributus est, quarum ultima de Rafedhitarum reprobatione agit. — 9409. *Corret el-nátzir we Nuzhet el-khátir*, refrigeratio oculi videntis et oblectamentum mentis cogitantis, auctore *Ali Ben Sudún Beshbegháwi*, anno . . . 5 mortuo. Meliorem facietiarum partem e libro suo *Nuzhet el-nofús fi modhhik el-abús* inscripto selectam hic edidit. — 9410. *Corret el-newátzir fi raudhat el-newádir*, refrigeratio oculorum in horto rerum singularium. Compendium in duo capita et conclusionem distributum, quod ita incipit: Laus Deo gloria et laude conspicuo etc. Primum caput de exordio per fundamentum religionis agit, secundum de quaestionibus neglectis, et auctor anno 868 (inc. 15. Sept. 1463) absolvit. —

.9411. *Ilm cardh el-shi'r*. Doctrina poetarum more verba fundendi.

10 [Haec doctrina, ut auctor libri *Miftáh el-seádet* dicit, de conditionibus verborum poeticorum quaerit, minime ratione metri et homoeoteleuti, sed illorum



حيث حسنها وقبحها من حيث آتيا شعر وحاصله تتبّع احوال خاصّة بالشعر من حيث الحسن والقبح والجواز والامتناع وامثالها قاله مفتاح السعادة قال ابن الصدر في الفوائد هو معرفة محاسن الشعر ومعاييه كما عاب الصاحب ابا تمام في قوله

كريم امدحه امدحه والورى      معى واذا ما لئمه لئمه وحدى

5 حيث قابل امدح باللوم والصواب مقابلته بالذم واليهاء وايضا عيب على ابي تمام التكرير في امدحه امدحه مع الجمع بين الهاء والياء وهما من حروف الخلف انتبى [ 9413 قرع الاسماع برخص السماع لبعض المصريين بلداً التنوسى محققاً المالكى مذهباً ذكره صاحب كفاى الرعاى

علم القرعة 9413

10 وهو علم يعرف به الاستدلال الى الاحوال الحادثة في الاستقبال بكتابة الحروف على

bonitatis et pravitatis habita, quatenus poetica sunt et poema constituunt. Persequi igitur conditiones poesi proprias et docere studet, quatenus bonae et pravae, et admittendae et reprobandae sint, et quae sunt similia. — *Ibn Sadr-ed-din* in *El-Fewaid*: Haec est, inquit, cognitio earum rerum, quibus probitas et vitiositas poematis constituitur, ut v. c. *Abu Temmám* ob versum ab *El-Sáhib* vituperatur:

Laudo, laudo generosum, et homines mecum laudant;

Et si quando eum reprehendo, reprehendo solus —

quia vocem *el-madh* sive laudem voci *laum* sive vituperationi opposuit, at juste *el-madh* voci *el-dzamm* et *el-hejá* (i. e. satyra) opponendum erat. Pariter *Abu 5 Temmám* ob repetitam vocem *amdahoho amdahoho* vituperatur, simul eam ob caussam, quod literae gutturales *Hú* et *He* junctae sunt]. —

9412. Car'o' el-asmá', vulsura aurium per concessionem musicae, auctore quodam Aegypti inquilino, Tunete oriundo, secta Malikita. Laudat librum auctor operis *Kaff el-raú'*. —

9413. Ilm el-cor'at. Doctrina ex jactu tesserarum literis impletarum divinandi.

Hac doctrina ratio cognoscitur, qua res tempore futuro accidentes literis ad 10 figuram aliquam scribendis indicantur; quo facto ex ejus casu de casu rei quaesitae

شكل من الاشكال ثم يستدل بوقوعه الى وقوع المطلوب وهو كالرمل فيعتبر احواله فيه ايضا لكن دلالاته اضعف من دلالة الرمل

- ٩٤١٤ قرحشديّة اولها محمد قرح حشد الخ قصيدة لولانا حسين الشامي يمدح بها بعض اعيان بلدة دمشق وصدّرها بلفظ قرحشده فسميت بها ولما شرح الاديب الحسن البويرقي وزيفها وسمّاه مزج الصواب بالمجون في حلّ سلسلة الجنون اشتمير قابلها بقرحشده 5 ايضا ولقب به في الروم وهو الآخى اوله الحمد لله الذى خلق العقل الخ ٩٤١٥ قسطاس في العروص للعلامة جار الله محمود بن عمر الزمخشري المتوفى سنة ٥٣٨ اوله اسأل الله الذى عدل موازين قسطه الخ وشرحه الزنجاني وهو عز الدين عبد الوهاب بن ابراهيم الجرجي مات سنة وسمّاه تصحيح المقياس في تفسير القسطاس اوله اما بعد حمد الله الذى امر بالقسط في الاحكام الخ وشرحه سنة ٩٥٥ ٩٤١٦ قسطاس المستقيم للامام ابى حامد 10 محمد بن محمد الغزالي توفى سنة ٥٥٥ مختصر اوله احمد الله اولاً الخ جعله ميزاناً لادراك

concluditur. Doctrina similis est arti e figuris in arena descriptis vaticinandi (*Ilm el-raml*). Hic quoque quae ad rem quaesitam pertinent ratiocinatione cognoscuntur, attamen argumentatio doctrinae *Cor'at* levior est argumentatione doctrinae *Raml*.

- 9414. *Carmhashidiyet*. Hanc *Castdam*, quae ita incipit: *Mohammed carm hashid* i. e. Mohammed dominus perpetuus etc., Molla noster *Hosein Shami* in laudem alicujus viri spectatissimi Damasceni composuit, eique vocem *Carmhashid* praescripsit, unde hunc titulum accepit. Philologus *Hasan Burtini* cum eam commentatus esset et adulterasset et libro titulum *Mazj el-sawáb b'lmejún fi hall selselet el-jenún* dedisset, poeta et ipse nomine *Carmhashid* inclaruit, et idem cognomen honorificum accepit in Rumelia, et idem est qui *El-Akhi*. Incipit ita: Laus Deo, qui mentem creavit etc. — 9415. *El-Costás fi el-arúdh*, trutina justa de arte metrica, auctore viro doctissimo *Jarallah Mahmúd Ben Omar Zamakhsheri*, anno 538 (inc. 16. Jul. 1143) mortuo. In hunc librum, qui ita incipit: Rogo Deum, qui bilances justitiae suae aequales reddidit etc., *Izz-ed-din Abd-el-wehháb Ben Ibráhím Jorji*, vulgo *Zenjáni* dictus et anno . . . mortuus, commentarium edidit *Tas'hik el-micyás fi tefstr El-Costás* inscriptum, qui ita incipit: Praemissa Dei laude, qui in statutis juridicis justitiam praescripsit etc. Absolvit commentarium anno 655 (inc. 12. Jan. 1160). — 9416. *El-Costás El-Musteckím*, statera 10 recta, auctore *Imám Abu Hámid Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. Compendium, quod ita incipit: Laudo Deum primum etc.,



- حقيقة المعرفة وقسم الى الاكبر والارسط والاصغر ٩٤١٧ قسطاس الميزان اى المنطق وهو على مقدمة ومقالتين آ في التصورات ٢ في التصديقات لشمس الدين محمد السمرقندى المتوفى سنة وهو صاحب الصحائف وشرحه ايضا له اوله الحمد لله رب العالمين الخ وهو شرح مبسوط كشرح المطالع للقطب يقال اقول وحججه كحججه ذكر انه آفه للصدر عماد الدين خضر بن ابراهيم المومنى ٩٤١٨ قسم الفى والغنائم للامام ابي جعفر احمد بن محمد الطحاوى الحنفى توفى سنة [٣٢١] ٩٤١٩ قسم المبتكر فى قسم المبتكر للشيخ زين الدين سريجا بن محمد الملطى مات سنة ٧٨٠ ٩٤٢٠ القصارى للشيخ شهاب الدين احمد شرحه جمال الدين السيد عبد الله الخراسانى وعصام الدين ومصطفى بن بالى ٩٤٢١ القصارى متن فى التصريف اوله لا اله عم الآه ولا اله سواه الخ لعلاء الدين احمد 10 الخججندى البرهانى رتبته على قاعدة واربعة اركان شرحه حسن شاه البقالى ٩٤٢٢ قصادد

auctor bilancem esse voluit ad veram cognitionis naturam acquirendam, illudque in majus, medium et minus divisit. — 9417. Costás el-mízán, trutina intelligentiae i. e. logica. Hic liber, quem *Shems-ed-dín Mohammed Samarcandi* operis *Saháif* auctor, anno . . . mortuus, edidit, in praefationem et duas dissertationes divisus est, quarum altera de notionibus absolutis, altera de notionibus probatione firmandis agit. Idem commentarium quoque in eum scripsit, qui ita incipit: Laus Deo mundorum domino etc. Commentarius amplius est ad instar commentarii, quem *Colb-ed-dín* formula usus „Dicit auctor“ et „Dico ego“ in opus *Metáli* scripsit. Volumen utriusque libri idem est, et auctor narrat, se illum in favorem ministri *Imád-ed-dín Khidhr Ben Ibráhim Mumini* scripsisse. — 9418. Casm el-fai'i we el-ghanáim, divisio praedae sine caede et praedae sine molestia factae, 5 auctore *Imám Abu Ja'far Ahmed Ben Mohammed Taháwi* Hanefita, anno [321 (inc. 1. Jan. 933)] mortuo. — 9419. Casm el-mubtekar fi casm el-mahtekar, divisio primitiarum de frangendo horreo annonam flagellantis, auctore *Sheikh Zein-ed-din Soreijá Ben Mohammed Meleti*, anno 788 (inc. 2. Febr. 1386) mortuo. — 9420. Cosárá, summus conatus, auctore *Sheikh Shehá-b-ed-din Ahmed*. Commentarios in hunc librum ediderunt *Jemál-ed-din Seyyid Abdallah Khorásáni*, *Isám-ed-din* et *Mustafá Ben Báli*. — 9421. El-Cosárá, summus conatus. Textus de doctrina flexus formarum, qui ita incipit: Non Deus est, cujus beneficia omnibus communia sint, nec Deus in universum nisi ille etc., auctore *Alá-ed-din Ahmed Khojendi Borháni*, qui eum in fundamentum et quatuor angulos 10 divisit. *Hasan Sháh Beccáli* commentarium in eum edidit. — 9422. El-Casáid

السبع في المدائح النبوية للسخاوي شيخ القراء علي بن محمد المتوفى سنة ٤٤٣ شرحها  
 ابو شامة العلامة المقرئ عبد الرحمن بن اسمعيل المقدسي المتوفى سنة ٦١٥ قصائد ٩٤٣٣  
 العشر المختارة شرحها ابو زكرياء يحيى بن علي التبريزي المتوفى سنة ٥٠٢ قصائد ٩٤٣٤  
 مصنوعة لاهلي الشيرازي [المتوفى سنة ١٤٢] اولها في مدح شاه اسمعيل في مائة وستين بيتا  
 يُشتَق منها قريب من مائة وعشرين بيتا وتشتمل على اصول الجور والمارامعات والمنشعبات 5  
 ودوائر الازران وقواعد القوافي وعمودها اولها

هو اي كلشن كويت نسيم يار بهار

ثانيتها في مدحه ايضا ١٥٤ بيتا يستخرج كل منها على اصول الدوائر والجور ودوائرها والقوافي اولها

بزرگوار خدایا چو شعر قسمت ماست

وثالثتها قصيدة تتبع فيها قصيدة [خواجہ] سلمان في صنائع الشعر موشحة باسم امير عليشير اولها 10

El-Seb'o', *Casidae septem de virtutibus prophetarum laudabilibus*, auctore *Ali Ben Mohammed* lectorum Corani magistro, vulgo *Sekhawi* dicto et anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo. Commentarium in eas vir doctissimus *Abu Shāme Abd-el-rahman Ben Isma'il Mocaddesi* Corani Lector, anno 665 (inc. 2. Oct. 1266) mortuus, composuit. — 9423. El-Casaid El-Ash'ar, *Casidae decem selectae*, in quas *Abu Zakariya Yahya Ben Ali Tebrizi*, anno 502 (inc. 11. Aug. 1108) mortuus, commentarium scripsit. — 9424. El-Casaid El-Masn'at, *Casidae artificiosae*, auctore *Ahli Shirazi*, [anno 942 (inc. 2. Jul. 1535) mortuo]. In prima *Casida Shāh Isma'il* centum sexaginta versibus laudatur, ex quibus circiter centum et viginti 5 versus researi et dissolvi possunt. Comprehendit illa *Casida* metra principalia, implexa et derivata, circulos metricos et genera homoeoteleuti regulis consentientia et vitiosa, et incipit ita:

O tu, cujus domicilii rosetum socius zephyri veris est.

Secunda *Casida* laudem ejusdem *Shāhi* centum quinquaginta quatuor versibus tractat, qui singuli recidi et separari possunt, et circulorum et metrorum principia, circulos metricos et homoeoteleuta continet, incipitque ita:

O Deus praepotens, cum poesis nobis attributa sit.

In tertia *Casida* auctor *Casidam* [Khojāe] *Selmān* de artificiis poeticis gradatim 10 persequitur; eademque nomen Emiri *Alischir* acrosticho intextum prae se fert, et incipit ita:



## نسيم كاكل مشكين كراست جون تو نكار

- ٩٢٥ قصة اسكندر جمعيا رجل يقال له الخمروى فى اربعة وعشرين ماجلداً وجمع قصة  
 الخمرة فى نحو تلك المجلدات ايضا ولذلك اشتهر بالخمروى كلاهما تركى متداول بين  
 القصاص ٩٢٦ قصة حى بن يقطان مقالة للشيخ الرئيس ابن سينا اوله الحمد لله جملة  
 5 وتفصيلاً الخ ٩٢٧ قصة انخضر عليه السلام للقاضى شمس الدين محمد بن احمد  
 البساطى [المالكى] توفى سنة ٨٢٢ ٩٢٨ قصة فيروزشاه ترجم المولى صالح بن جلال  
 تركياً لسلطان سليم خان الماضى ٩٢٩ قصة يوسف عليه السلام وهى مجالس فلينقل  
 من الميم ٩٣٠ القصد الاحمد فيمن كنيته ابو الفضل واسمه احمد لاقى الفضل احمد  
 ابن على ابن حاجر المتوفى سنة ٨٥٢ ٩٣١ القصد التام فى احكام لعز الدين محمد  
 10 ابن احمد بن الجماعة المتوفى سنة ٨٦١ ٩٣٢ القصد والامم الى انساب العرب والعجم لابن

Qui sicut tu, dilecta, moschati cincinnati odorem habet.

9425. Ckissat Iskender, historia Alexandri, quam vir *Khamrewi* dictus in viginti quatuor voluminibus collegit. Idem historiam vini in totidem circiter voluminibus collegit ideoque nomine *Khamrewi* inclaruit. Omnia haec scripta turcica sunt et inter narratores in multo usu. — 9426. Ckissat Hayy Ben Yoctzán, historia *Hayyi Ben Yoctzán*. Tractatus Sheikhi El-Reyís *Ibn Siná*, qui ita ineipit: Laus Deo in summa et per singulas partes etc. — 9427. Ckissat El-Khidhr, historia Eliae, cui Deus bene velit, auctore Cádhi *Shems-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Bisáti* [Malikita], anno 842 (inc. 24. Jun. 1438) mortuo. — 9428. Ckissat Fírúzzsháh, historia *Fírúzzsháhi*, quam Molla *Súlih Ben Jelál* in favorem Sultani *Selím Khán* prisci in linguam turcicam transtulit. — 9429. Ckissat Yusuf, historia *Yusufi*, cui Deus propitius sit. Consensus, de quibus plura e litera *Mím* petenda sunt. — 9430. El-Casd El-Ahmad, propositum laudatissimum de iis, quibus cognomen *Abu'lfadhl* et nomen *Ahmed* est, auctore *Abu'lfadhl Ahmed Ben Ali Ibn Hajr*, anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo. — 9431. El-Casd El-Támm, propositum perfectissimum de statutis practicis, auctore *Izz-ed-dín Mohammed Ben Ahmed Ben-eljemáa*, anno 816 (inc. 3. Apr. 1413) mortuo. — 9432. El-Casd we El-Amem, studium et contentio ad genealogías Arabum 10 et Persarum cognoscendas, auctore Háfitz *Yusuf Ben Abdallah Cortubi*, vulgo *Ibn*

- عبد البرّ يوسف بن عبد الله الحافظ القرطبي مات سنة ٤١٣ ٩٤٣٣ القصد والامم في التعرف  
 باخبار الامم لمحمد بن ايوب بن غالب الانصاري المتوفى سنة ٩٤٣٤ قصر الدلائل في  
 الفروع ٩٤٣٥ قصص الابرار ٩٤٣٦ قصص الاخيار لوهب بن منبه ٩٤٣٧ قصص الانبياء  
 لئسائي وهو الامام علي بن حمزة النحوي القاري ولستل ابن عبد الله التستري مختصر  
 اوله الحمد لله الاول فلا شيء قبله الخ ووهب بن منبه وهو اول من صنف فيه وللامير 5  
 المختار عز الملك محمد بن عبد الملك المسجعي الكركي المتوفى سنة ٤٢٠ وقارسي لمحمد  
 بن حسن الديدزمي اقتفى فيه اثر الثعلبي [ولابرايم بن خلف النيسابورسي فارسي]  
 ٩٤٣٨ قصص الحواريين لشمعون الصفاء من كتب النصراني وهو على فصول ٩٤٣٩ قصص  
 الحواريين لصاحب الانجيل لوقا ٩٤٤٠ قصص السلاطين مختصر على سبعة ابواب اوله  
 الحمد لله الذي خلف السموات الخ ٩٤٤١ قصيدة ابن ابي الاصبع عبد العزيز بن تمام 10  
 العراق في الكاف وهي نويرة اولها

- Abd-el-berr* dicto et anno 463 (inc. 9. Oct. 1070) mortuo. — 9433. *El-Casd*  
 we *El-Amem*, studium et contentio de describendis populorum historiis, auctore  
*Mohammed Ben Eyyub Ben Ghálib Ansári*, anno . . . mortuo. — 9434. *Casr*  
*el-deláil*, angustia argumentorum de articulis juris derivatis. — 9435. *Ckisas*  
*el-ebrár*, historiae virorum piorum. — 9436. *Ckisas el-akhyár*, historiae  
 virorum optimorum, auctore *Wahb Ben Monebbih*. -- 9437. *Ckisas el-anbiyá*,  
 historiae prophetarum, auctoribus *Imám Ali Ben Hamza* Grammatico et Corani  
 Lectore, vulgo *Kisáyi* dicto, et *Sahl Ibn Abdallah Tusteri*, cujus compendium ita  
 5 incipit: *Laus Deo principio, ante quem nulla res exstitit etc.* De iisdem scripserunt  
*Wahb Ben Monebbih*, qui primus hoc argumentum tractavit, et Emir praestantissimus  
*Izz-el-mulk Mohammed Ben Abd-el-melik Mosabbih Harráni*, anno 420 (inc.  
 20. Jan. 1029) mortuus. Persice has historias narrarunt *Mohammed Ben Hasan*  
*Deiduzemi*, qui vestigia *Thálebii* secutus est, [et *Ibráhim Ben Khalaf Nisáburi*]. —  
 9438. *Ckisas el-hawariyín*, historiae apostolorum Christi, auctore *Simeon El-Safú*.  
 Liber Christianus est in sectiones divisus. — 9439. *Ckisas el-hawariyín*, historiae  
 apostolorum Christi a Luca Evangelista scriptae. — 9440. *Ckisas el-selátín*, historiae  
 Sultanorum. Compendium in septem capita distributum, quod ita incipit: *Laus Deo,*  
 qui coelos creavit etc. — 9441. *Casída Ibn Abi'lasba'*, *Casída* in *Nún* desinens,  
 10 auctore *Abd-el-azíz Ben Temmám Irácki*, vulgo *Ibn Abi'lasba'* dicto. Agit de  
 Alchymia et incipit ita:



وَدَىٰ لَهَا الْحَاظُ دَسْتَانِ      وَرِيحَ مَسْكَ الْاَعْيِدِ الْحَبَانِي

وشرحها ايدمير بن الجلدكى وسمّاه كشف الاسرار للانبياء بدمشق سنة ٧٣٧، اوله اللهم انا  
نحمدك على ما الهمت من البيان الخ ٩٤٤٢ قصيدة ابن زريق هو ابو الحسن على  
الكاتب احد واربعين بيتاً اولها

5 لا تعذليه فان العذل يُولعه

قد قلت حقاً ولكن ليس يسمعه

ذكر ان من قرأ لاني عمرو وتدين بمذهب الشافعي وكان اشعري العقيدة ولبس البياض  
وتختم بالعقيق وحفظ قصيدة ابن زريق فقد استكمل نظري ٩٤٤٣ قصيدة ابن الصانع  
في فنون شتى في نحو الفى بيت وهو شمس الدين محمد بن الحسن توفي سنة ٧٠٠  
10 ٩٤٤٤ قصيدة ابن عبدون محمد بن عبد الله وهى رائية في التاريخ مرثية بنى الافطس ذكر  
فيها الملوك الماضية واكثر وقائع العالم [ذكرها النويرى وهى من امهات القصائد وانه ذكر

Qui hanc *Casidam* memoria tenet, duplicem facile consequetur potentiam

Et odorem pueri mollis et lascivi muscum spirantem.

*Eidemir Ben-eljildeki* Damasci anno 737 (inc. 10. Aug. 1336) in eam commentarium  
*Kashf el-asrâr lil-ifhâm* inscriptum composuit, qui ita incipit: O Deus, nos Te  
laudamus pro expositione, quam nobis inspirasti etc. — 9442. *Casida* Ibn Zoreic,  
*Casida Abu'lhasani Ali* Scribae, vulgo *Ibn Zoreic* dicti, quae quadraginta versus  
continet et ita incipit:

Noli eum reprehendere; reprehensio enim eum concitat. 5

Dixi: Recte. Nec tamen dictum audivit.

Quicumque lectionem *Abu Amrui* sequatur, sectae Shafiticae firmiter adhaereat,  
fidem *Ash'arii* amplectatur, albo vestimento utatur, annulum carneolinum signatorium  
induat et *Ibn Zoreicki Casidam* memoriter teneat, certe is summum perfectionis  
gradum attigisse dicitur. — 9443. *Casida* Ibn-elsâigh, *Casida*, quae varia argumenta  
grammatica duobus circiter versuum milibus tractat, et *Shems-ed-din Mohammed*  
*Ben-elhasan*, vulgo *Ibn-elsâigh* dictum et anno 720 (inc. 12. Febr. 1320) mortuum,  
auctorem habet. — 9444. *Casida* Ibn Abdûn, *Casida* historica *Mohammedis Ben*  
*Abdallah*, vulgo *Ibn Abdûn* dicti, quae in *Râ* desinit et epicedium *Aftasidarum*  
continet. Commemorat poeta reges priscos et permultas in hoc terrarum orbe res 10  
gestas. [*Noweiri* hoc carmen in *Casidarum* matribus numerari, auctoremque multos

فيها عدّة من مشاهير الملوك والخلفاء والاكابر انتهى [شرحها جمال الدين ابن الجوزي  
 وشرحها ايضا اسمعيل ابن احمد ابن الاثير الحلبي احسن فيه واجاد ثم ذيلها توفي سنة ٦٦٦  
 اوله الحمد لله الذي جعل قصيدة الخ وشرحها الاديّب الفاضل عبد الملك بن عيد الله  
 ابن بدرود الحضرمي ثم السبتي وسمّاه كمامة الزهر وفريدة الدهر اوله اما بعد حمد الله  
 الذي افاض على السنننا مآنية اللسان الخ وأول القصيدة

5

الدهر يفاجع بعد العين بالاطر

فما البكاء على الاشباح والصور

٩٤٤٥ قصيدة ابن فرح الاشبيلي في اصول الحديد شرحها قاسم بن قطلوبغا الحنفى

توفي سنة ٨٧٩ [٩٤٤٦ قصيدة ابن قصيب البان السيّد عبد الله بن السيّد محمد الحجازى

10

المتوفى سنة ١٠٠٦ في مدح النبي اولها

اعلأ بنشر من محب زرود

احيي فوان العاشق المنجود

celeberrimos reges, Khalifas et viros principes commemorare dicit. — Haec ille.] —  
 In eam commentarios scripserunt *Jemâl-ed-dîn Ibn-eljauzi* — *Ismail Ibn Ahmed  
 Ibn-elathir Halebi*, cujus commentarius egregius est et valde probatur. Idem *Casidam*  
 continuavit et anno 699 (inc. 28. Sept. 1299) mortuus est. Commentarius ita incipit:  
 Laus Deo, qui *Casidam* fecit etc. — vir humanitatis studiosus et bene meritus  
*Abd-el-melik Ben Abdallah Ben Bedrûn Hudhremi*, postea Ceutae inquilinus, cujus  
 commentarius *Kimâmet el-zahr we Feridet el-dahr* inscriptus est et ita incipit:  
 5 Praemissa Dei laude, qui super linguas nostras essentiam sermonis large effudit etc. —  
*Casida* ipsa ita incipit:

Infortunium persona ipsa amissa per vestigium dolore afficit.

Et cur flere super species eminentes et figuras?

9445. *Casida* Ibn Farah, *Casida Ibn Farahî Ishbili* de doctrinae traditionariae  
 principiis, in quam *Casim Ben Colluboghâ Hanefita*, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474)  
 mortuus, commentarium edidit. — 9446. [*Casida* Ibn Cadhib el-bân, *Casida*  
 in laudem prophetae, auctore Seyyid *Abdallah Ben-elseyyid Mohammed Hijazi*, vulgo  
 10 *Ibn Cadhib el-bân* dicto et anno 1006 (inc. 4. Aug. 1597) mortuo. *Casida* ita incipit:

Salvere jubeo odorem bonum ab amato *Zerudensi* spirantem,

Qui cor amatoris afflicti in vitam revocavit.



شرحها الشيخ عثمان العرياني الكليسي بن عبد الله نزيل المدينة المنورة [ ١٤٤٧ قصبدة  
بانث سعاد وهي قصبدة لكعب بن زهير بن ابي سلمى المزني الصحابي المتوفى سنة لما حج  
النبي صلعم مدح بها وجاء معتذراً قراً

بانث سعاد وثلى اليوم متبول

متيم اثرها لم يفد مكبول

5

سبعة وخمسون بيتاً قبل ولما قال أنبيت قال عليه السلام

والعفو عند الله مأمول

ولها شروح ونظائر فمن الشروح لابن هشام جمال الدين عبد الله بن يوسف النحوي المتوفى  
سنة [٧١١] اوله اما بعد حمد الله المنعم بالهام الحمد لعبيده الحج وثرغ في ثمان وعشرين  
من رجب سنة ٧١١ [ وعلى هذا الشرح حاشية للاديب عبد القادر بن عمر البغدادي  
المتوفى سنة ١٠٩٣ اجاد وافاد ] وموقف الدين الحكيم عبد اللطيف بن يوسف البغدادي

Commentarium in eam scripsit Sheikh *Othmán Oryáni Kelisi Ben Abdallah* Medinae inquilinus]. — 9447. Casida Bánat Soád, *Casida* quinquaginta septem versuum, a verbis a quibus incipit *Bánat Soád* dicta. *Ka'b Ben Zoheir Ben Abi Sollemi Mozeni*, prophetae socius anno . . . mortuus, hujus laudem, quum profugus Mekkam relinqueret, carmine praedicavit. Excusandi caussa illum accessit et recitavit:

Discessit *Soád*; et cor meum hoc die afflictum est,

Ejus vestigia sequi servi instar coactum ex servitute non redimitur,  
compedibus constrictum. 5

Versum a verbis: „Nuntiatum mihi est, (legatum Dei comminatum mihi esse)“ incipientem cum recitaret, propheta respondisse dicitur:

At venia apud Deum est speranda.

Plures eam commentati et similibus carminibus imitati sunt. Commentatus est *Jemál-ed-dín Abdallah Ben Yusuf* Grammaticus, vulgo *Ibn Hishám* dictus et anno [761 (inc. 23. Nov. 1359] mortuus, ejus commentarius ita incipit: Praemissa Dei laude, qui beneficium se praestitit, quod laudem servis suis inspiravit etc., et die vicesimo octavo mensis Rejeb anni 756 (inc. 16. Jan. 1355) absolutus est. [Ad hunc commentarium vir humanitatis studiosus *Abd-el-cádir Ben Omar Baghdádi*, anno 1093 (inc. 31. Dec. 1682) mortuus, glossas egregias et valde probatas edidit]. Porro 10 commentarios scripserunt Philosophus *Mowaffic-ed-dín Abd-el-latif Ben Yusuf*

المتوفى سنة ٦٦٩ وابراهيم بن محمد [الامبيوطى] اللخمي المتوفى سنة ٧٠٠ [اختصر شرح شيخه ابن عثام واقتصر على اعرابه] وجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطى المتوفى سنة ٩١١ وصنف مجلد الدين ابو طاهر محمد بن يعقوب الفيروزابادى كتاباً سماه زاد المعاد فى وزن بانى سعاد ثم شرحه فى مجلّد وتوفى سنة ٨١٧ وشرح بانى سعاد للشيخ عبد القادر بن ابراهيم بن الشيبه المكلّى والسيد عبد الله المعروف بنقره كار 5 [وكان وفاته قريباً من سنة ٨٠٠] اوله الحمد لله ربّ العالمين فى السرّاء والضراء النج وابو زكرياء يحيى بن على الخطيب التبريزى [المتوفى سنة ٥٠٣] ومن الشروح على تلك القصيدة شرح المولى خير الدين معتم السلطان محمد خان الفاتح وهو شرح مختصر موجز لطيف ذكره المجدى وهامش وخمسة محمد بن شعبان القرشى الشافعى المصرى ذكر فيه انه لم يسمع من خمسة غير الشيخ الكسائى وهذا ثلثى اوله

قل للعوائل مهما شتمتوا قولوا

*Baghdádi*, anno 629 (inc. 29. Oct. 1231) mortuus — *Ibráhim Ben Mohammed* [*Emyúti*] *Lakhmi*, anno 790 (inc. 11. Jan. 1388) mortuus, [qui commentarium magistri sui *Ibn Hishám* in epitomen coegit et in explicanda verborum flexione acquievit] — *Jelál-ed-dín Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus. *Majd-ed-dín Abu Túhir Mohammed Ben Yacúb Firúzábádi*, anno 817 (inc. 23. Mart. 1414) mortuus, librum composuit de metro *Casídae Bánat Soád*, *Zád el-meád* inscriptum; tum eam volumine commentatus est. Praeterea commentarios 5 scripserunt Sheikh *Abd-el-cádir Ben Ibráhim Ben-elsheiba Mahalli* — Seyyid *Abdallah*, vulgo *Nucrehkár* dictus, [qui circa annum 800 (inc. 24. Sept. 1391) mortem subiit]. Commentarius ejus ita incipit: Laus Deo, mundorum domino, secundo tempore et adverso etc. — *Abu Zakariyá Yahya Ben Ali Khatib Tebrizi*, [anno 502 (inc. 11. Aug. 1108) mortuus]. Denique Molla *Kheir-ed-din*, praeceptor Sultani *Mohammed Khán* Expugnatoris, in hanc *Casídam* commentarium brevem, succinctum et elegantem edidit, cujus *Mejdi* et glossa mentionem fecerunt. Quinquiplicatam eam reddidit *Mohammed Ben Sha'bán Coreshi Misri* Shafiita, qui narrat, se non audivisse, antea quenquam praeter Sheikh *Kisáyi* eam quinquiplicatam 10 reddidisse, suumque carmen secundum hujus generis esse. Incipit ita:

Dic vituperatoribus: Quodcunque voletis, dicite.



ومن شروح بانة سعاد النكت الجياد للصديق بن محمد بن الصديق السراج الحنفى  
 اوله الحمد لله الذى شرح صدور اهل الادب بتوفيقه الخ ٩٤٤٠ قصيدة البديعية  
 للشيخ عز الدين الموصلى ولابن حجة مر في الباء ٩٤٤١ قصيدة البردة الموسومة بالكواكب  
 الدرية في مدح خير البرية الشيرة بالبردة الميمية للشيخ شرف الدين ابى عبد الله محمد  
 5 ابن سعيد الدولامى ثم البوصيرى المتوفى سنة ٩٩٤ لما اراد براعة المطلع جرد من نفسه  
 شخصاً مزج دمه بدمه فسأله عن علّة ذلك فقال مخاطباً له  
 امّن تذكر جيران بدى سلم

وعى مائة بيت وبيتان وستون بيتاً منها اثنا عشر في المطلع ستة عشر في ذكر النفس  
 وهواها ثلثون في مدائح الرسول عليه الصلوة والسلام تسعة عشر في مولده عشرة في من  
 10 دعا به سبعة عشر في مدح القرآن ثلث عشرة في ذكر معراجه اثنان وعشرون في جهاده اربعة

Commentarius alius in *Bánat Soúd*, qui *El-Siddic Ben Mohammed Ben-elsiddic Serráj* Hanefitam auctorem habet, *El-Noket El-Jiyád* inscriptus est et incipit ita: Laus Deo, qui pectora virorum humanitatis studiosorum auxilio suo disposuit etc. — 9448. *Casidet el-bediiyet*, *Casida* de arte ornate dicendi, auctoribus *Sheikh Izz-ed-din Mausili* et *Ibn Hojja*. Vide supra in litera *Bá*. — 9449. *Casida El-Burdet*, *Casida*, quae nomine *Burdet* inclaruit et titulo „Stellae Fulgentes“ in laudem optimi ex hominibus creatis insignita est. Desinit in *Mim*, et *Sheikhum Sheref-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Saíd Dúlasi*, qui postea *Busiri* 5 coghominatus et anno 694 (inc. 21. Nov. 1294) mortuus est, auctorem habet. Ut exordium haberet *Casidae* facundissimum, extra se aliquem posuit, qui lacrimas sanguini misceret. Cur hoc fecisset, cum ex eo quaesivisset, ille hunc allocutus respondit:

Estne ob memoriam amicorum in *Dzu Selem*!

*Casida* continet centum sexaginta duo versus, ex quibus duodecim priores introductioni inserviunt, sedecim sequentes de anima ejusque cupiditatibus agunt, triginta de virtutibus legati divini laudabilibus, undeviginti de ejus nativitate, decem de iis, qui *Casida* precatationis loco utuntur, decem et septem de laude Corani, tredecim de 10 adscensu *Mohammedis* in coeli contignationes, viginti duo de ejus bellis sacris, quatuordecim de deprecatione, et novem ultimi versus preces ad Deum continent.

عشر في الاستغفار تسعة في المناجات روى أنه انشأها حين أصابه فالج فاستشفع به إلى الله سبحانه وتعالى ولما نام رأى النبي صلعم في منامه فمسح بيده المباركة فعوفي وخرج من بيته أول النهار فلقبه بعض الفقهاء فقال له يا سيدي أريد أن تعطيني القصيدة التي مدحت بها النبي قال آى قصيدة تريد فقال أولها من تذكر جيران فاعطاهما وجرى ذكرها في الناس ولما بلغ صاحب بهاء الدين وزير الملك الظاهر استنسخها ونذر أن لا يسميها إلا حافياً وانفاً 5 مكشوف الرأس وكان يتمرك بها هو واهل بيته ورأوا من بركاته أموراً عظيمة في دينهم ودنياهم وسبب شهرتها بالبردة أنه أصاب سعد الدين الفارقي رمد عظيم اشرف منه على العمى فرأى في منامه قائلاً يقول امض إلى صاحب بهاء الدين وخذ عنه البردة واجعلها على عينيك تنفق أن شاء الله تعالى فنقص من ساعته وجاء إليه وقال له ما رأى في نومه فقال صاحب ما عندي شيء يقال له البردة وإنما عندي مديح النبي صلعم انشأها البوصيري فنحن نستشفى به 10 فأخرجها ووضعها سعد الدين على عينيه فعوفي منه الرمد وهذه القصيدة الزهراء والمديحة

Auctor *Casidam* se condidisse narrat, cum hemiplexia correptus fuisset. Itaque ad Deum confugit deprecatur, ita ut *Casidam* interponeret. Deinde cum dormiret, prophetam per somnium vidit, qui ipsum manu benedicta permulgebat; unde sanitatem recuperavit. Primo mane cum domo exiret, pauper quidam ei obviam venit, qui: Domine mi, inquit, velim mi *Casidam* illam des, qua prophetam laudasti. Interroganti: Quamnam *Casidam* tu vis? ille: Eam, respondit, quae a verbis incipit: „Estne ob 5 memoriam amicorum?“ Dedit, et carmen in sermonem hominum venit. Quod cum *Behá-ed-din* minister (*El-Sáhib*), regis *Tzâhir* Wezirus, cognovisset, describi jussit et votum fecit, ut illud nonnisi nudipes, erectus et capite aperto audiret. Inde ipse cum familia summam prosperitatem consecutus et *Casida* favente res magnas expertus est in hac et altera vita. *Casida* autem nomine *Burda* eam ob causam inclaruit, quod *Sa'd-ed-din Fâricki* gravi lippitudine laborabat et prope erat, ut oculos amitteret. Tum per quietem aliquem vidit dicentem: Adi *Behá-ed-din* ministrum et fac ab eo *Burdam* accipias, et super oculos tuos extende; tum Deo volente sanus eris. Surrexit statim, et cum illo congressus narravit, quae in somnis vidisset. Tum ille: Penes me nulla est res, quae *Burda* dicatur. Carmen tantum habeo in laudem 10 prophetae, quod *Bustri* composuit; cujus ope sanitatem recuperavimus. Illud *Behá-ed-din* depromsit, et *Sa'd-ed-din*, eo oculis imposito, lippitudine sanatus



الغراء بركاتها كثيرة ولا يزال الناس يتبركون بها في اقطار الارض وقد يروى في انشائه وسبب  
 اشتبارها بالبردة وجوه شتى والاقرب الى القبول ما ذكره هنا لكن قال المولى مصنفك في شرحه  
 بعد نقل منامه ورؤيته النبي صلعم فائق صلعم برداً على عاتقيه ومسح بيده فلما استيقظ وجد  
 بدنه صحيحاً كله ووجد ذلك البرد على عاتقيه ففرح به فخرج فذكر الى آخر القصة ثم قال  
 5 وانه روى عن بعض الكبراء اصابه مرض فطلب القصيدة فجاء صاحبها وقرأ نشفاه الله سبحانه  
 وتعالى من ساعته فاعطاه برداً فسميت بالبردة تيمناً انتهي والله سبحانه وتعالى اعلم وعليها  
 شروح كثيرة منها للشيخ على بن محمد البسطامي الشاهرودى المعروف بمصنفك المتوفى سنة ٨٧٥  
 اوله الحمد لله الذى جعل مقادير العلماء الخ قال تم بقصبة بسطام لثمانى عشر مصيبين من  
 رمضان سنة ٨٣١ وكان الافتتاح بجامعة البصرة في جمادى الاولى سنة ٨٣٥ والشيخ بدر  
 10 الدين محمد بن محمد الغزى وسماه البردة [توفى سنة ٩٨٤] والشيخ محيى الدين

est. — Hoc carmen splendens et encomium meritis conspicuum prosperitatibus abundat,  
 et homines per tractus terrae ejus bonis florere non desinunt. Traduntur autem  
 varia de ejus compositione et caussis, quod nomine *Burda* inclauerit. Probabilia  
 maxime videntur, quae hic narramus. At jam *Maula Mosannifek* in commentario,  
 poetae somnio et visione prophetae narratis, hunc pallium illius humeris injecisse et  
 corpus manibus tetigisse dicit. Tum, inquit, expergefactus corpus totum sanatum et  
 pallium humeris injectum esse sentit. Ejus rei gaudio perfusus exiit, et quae  
 accidissent enarravit, et quae sunt reliqua. — Deinde: Vir quidam spectatus, inquit,  
 morbo affectus esse dicitur. Quaesivit igitur *Casidam*, quam cum auctor attulisset 5  
 legit, et statim a Deo laudato et excelso sanatus est. Quo facto poetae pallium  
 dono dedit, unde carmen bono omine *Burda* appellatum est. — Haec ille, salva  
 meliore Dei laudati et excelsi scientia. — Multi in illud commentarios composuerunt,  
 ut *Sheikh Ali Ben Mohammed Bistami Sháhrúdi*, vulgo *Mosannifek* dictus et anno  
 875 (inc. 30. Jun. 1470) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui  
 fata virorum doctorum posuit etc. Eum se in arce *Bistám* die undevicesimo mensis  
 Ramadhán anni 836 (inc. 28. Aug. 1432) composuisse dicit. Inceperat autem scribere  
 in templo primario Heratensi mense Jomádzi I. anni 835 (inc. 9. Sept. 1431) —  
*Sheikh Bedr-ed-dín Mohammed Ben Mohammed Ghazzi*, [anno 984 (inc. 31. Mart. 10  
 1576) mortuus], cujus commentarius *El-Zubdet* inscriptus est — *Sheikh Mohyi-ed-din*

محمد بن مصطفى المعروف بشيخ زاده توفي سنة ٩٥١ اوله الحمد لله للتعجب عن درك العيون  
 الخ وشرحها الشيخ القاضي بحر بن رئيس بن الهاروني المالكي اوله الحمد لله كاشف الكرب  
 والآلام الخ وسماه ارتشاف الشهدة في شرح قصيدة البردة قال مولفه اني قدمت في الابيات  
 واخرت لاجل الشرح ولم يكن احد تقدمني بمثل هذا الشرح لانه احتوى على كتب كثيرة  
 وعلوم جملة عزيزة وشرحها المولى عبيد الله بن يعقوب الفناري المتوفى سنة ٩٣٦ معزولاً عن قضاء 5  
 حلب قال صاحب الشقائق هو من احسن شروحها وعبد الله بن يعقوب انصاري وحسام  
 الدين حسن بن العباس وشرف الدين علي البيزدي المتوفى سنة ٨٣٨ ومحمد بن عبد الرحمن  
 الزمردى ابن الصانع المتوفى سنة ٧٧٧ اوله اما بعد حمد الله الذي من حمده مدح انبيائه  
 الخ وجمال الدين عبد الله بن يوسف المعروف بابن هشام النحوي المتوفى سنة ٧١١ وكمال  
 الدين حسين الخوارزمي المتوفى في حدود سنة ٨٤٠ والشيخ زين الدين خالد بن عبد 10  
 الله الازعري [المتوفى سنة ٩٠٥] فرغ من تأليفه في رجب سنة ٩٠٣ شرح اولاً مفصلاً اوله اما

---

*Mohammed Ben Mustafa*, vulgo *Sheikhzâdeh* dictus et anno 951 (inc. 25. Mart. 1544) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo nimis velato, quam ut oculis cerni possit etc. — *Sheikh Cádhi Bahr Ben Reyys Ben-el-hárúni* Malikita, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo moerores et dolores avertenti etc., et *Irtisháf el-shuhdet fi sharh Casidet El-Burdet* inscriptus est. Auctor: In versibus, inquit, bene profeci, at ob commentarium retardatus sum; nemo autem me simili commentario praeivit; hic enim multos libros et magnam cognitionum pretiosissimarum copiam 5 continet — *Molla Obeidallah Ben Yacúb Fenári*, anno 936 (inc. 5. Sept. 1529) mortuus, qui a munere iudicis Halebensis remotus obiit. Hic, auctore libri *El-Shecaic* teste, in praestantissimis commentariis numeratur — *Abdallah Ben Yacúb Sári* — *Hosám-ed-din Hasan Ben-elabbás* — *Sheref-ed-din Ali Yezdi*, anno 828 (inc. 23 Nov. 1424) mortuus — *Mohammed Ben Abd-el-rahman Zomorrodi Ibn-elsúigh*, anno 777 (inc. 2. Jun. 1575) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Praemissa Dei laude, a cujus laude propter ejus prophetarum laudem etc. — *Jemál-ed-din Abdallah Ben Yusuf* Grammaticus, vulgo *Ibn Hishám* dictus et anno 761 (inc. 23. Nov. 1359) mortuus — *Kemál-ed-din Hosein Khowárezmi*, circa annum 840 (inc. 16. Jul. 1436) mortuus — 10 *Sheikh Zein-ed-din Khálid Ben Abdallah Azheri*, [anno 905 (inc. 8. Aug. 1499) mortuus], qui compositionem commentarii mense Rejeb anni 903 (inc. 30. Aug. 1497) absolvit. Primum fusius et per singulas partes commentatus est, et hic commentarius



بعد حمد الله مستحقّ التحميد الخ ثم اختصره وجمال الدين محمد بن احمد للخلّي  
 الشافعي المتوفى سنة ٨١٤ مختصر ايضا سماه الانوار المضيئة في مدح خير البرية واحمد بن  
 محمد بن ابي بكر اقتصر على حلّ الغاطها اتمها في الحرم سنة ٧٩٧ ثم شرحها مبسوطا في شعبان  
 سنة ٨٠٩ وسماه نزفة الطالبين وتحفة الراغبين وخير الدين خضر بن عمر العطوفى توفى سنة  
 ٩٤٨ 5 وزين الدين ابو المظفر ظاهر بن حسن المعروف بابن حبيب للخلّي المتوفى سنة ٨٠٨ وسماه  
 وشى البردة وختمها وابو عبد الله محمد بن احمد بن مرزوق التلمساني [المالكى] وهو شرح  
 عظيم توفى سنة ٧٨١ اوله للحمد لله الذى طلع على حبيبه محمد بردة عنايته السابقة الكبرى  
 الخ واحمد بن مصطفى الششير بلالى شرح [بالعربى] اوله للحمد لله لمن جعل النظم لحسن  
 الكلام الخ ثم بالتركى ثانياً واتمه في سنة ١٠١٠ وختمها ايضا جماعة منهم سليمان ابن على  
 10 القرماني توفى سنة ٩٣٤ وعارضها باخرى ومحمد بيادكلى ابن صاقي توفى في حدود سنة ٩٠٠

ita incipit: Praemissa Dei laude, qui magna laude dignus est etc. Tum eum in  
 brevius contraxit — *Jelâl-ed-din Mohammed Ben Ahmed Mahalli* Shafiita, anno  
 864 (inc. 28. Oct. 1459) mortuus, cujus commentarius pari brevitate insignis *El-Anuâr*  
*El-Modhiyet fi mudh kheir el-beriyet* inscriptus est — *Ahmed Ben Mohammed*  
*Ben Abi Bekr*, qui in verbis explicandis substitit, et mense Moharrem anni 797  
 (inc. 27. Oct. 1394) absolvit. Tum ampliorem commentarium mense Sha'bân anni  
 809 (inc. 18. Jun. 1406) composuit *Nuzhet el-tâlibin we Tohfet el-râghibin*  
 inscriptum — *Kheir-ed-din Khidhr Ben Omar Atûfi*, anno 948 (inc. 27. Apr. 1541)  
 mortuus — *Zein-ed-din Abu'lmozaffer Tâhir Ben Hasan Halebi*, vulgo *Ibn Habib* 5  
 dictus et anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuus, cujus commentarius *Washyo El-Burdet*  
 inscriptus est. Idem carmen quinquiplicatum reddidit — *Abu Abdallah Mohammed*  
*Ben Ahmed Ben Merzûk Tilimsâni* [Malikita], anno 781 (inc. 19. Apr. 1379) mortuus,  
 cujus commentarius magnus ita incipit: Laus Deo, qui super *Mohammed* amatum  
 pallium curae suae magnae precedentis apparere jussit etc. — *Ahmed Ben Mustafâ*,  
 vulgo *Eâli* dictus, qui primum commentarium [arabice scriptum] edidit ita incipientem:  
 Laus ei, qui poesin ad orationem ornandam fecit etc.; postea turcicum composuit,  
 et anno 1001 (inc. 28. Sept. 1592) absolvit. *Castdam* quinquiplicatam porro  
 plurimi reddiderunt, ut *Soleimân Ibn Ali Caramâni*, anno 924 (inc. 13. Jan. 1518) 10  
 mortuus, qui ei aliam substituit — *Mohammed Beydekânî Ibn Sâfi*, circa annum 900

وأبو الفضل أحمد بن أبي بكر المرعشي توفي سنة ٨٧٣ وعبد الله بن محمود المعروف بكوجك  
 محمود زاده توفي سنة ١٠٤٣ ويوسف بن موسى الجذامي توفي سنة ١٠٤٣ وأسد بن سعد الدين  
 المفتي [من آل حسن جان المشهور المتوفى سنة ١٠٣٤] ويحيى بن زكرياء المفتي ومن شروحيها  
 صدق المودة وخمسها الشيخ شمس الدين محمد بن خليل المقرئ للعلبي المعروف بابن القباقبي  
 [المتوفى سنة ٨٤٩] سمّاه الكواكب الدرية في مدح خير البرية وشرحه مصطفى بن بالي والمولى 5  
 المعروف حال كونه قاضياً بمصر وهو مختصر تركي وشرحه المولى محمد الششير بابن بدر الدين  
 المنشئ [الرومي الاقحماري للنفى] شيخ الحرم للحمدي [المتوفى سنة ١٠١٠] اسمه طراز البردة  
 وتاريخه تم شرحه اوله افسح ما افسح عنه بلايل البلاغة الخ وثرغ عن كتابته سنة ٩١٨ قال  
 ولما تم ما املات بالشام اتى تأريخ رشحي ثم شرحى سنة ٩١٨ والشيخ رضى الدين يوسف  
 ابن ابي اللطيف القدسي الشافعي المتوفى بعد سنة الف في مجلد اطال فيه واطن اوله 10

- (inc. 2. Oct. 1494) mortuus — *Abu'lfadhl Ahmed Ben Abi Bekr Mer'ashi*, anno 872  
 (inc. 2. Aug. 1467) mortuus — *Abdallah Ben Mahmūd*, vulgo *Kujuk Mahmūd* dictus  
 et anno 1043 (inc. 28. Jun. 1633) mortuus — *Yusuf Ben Musa Jodzami*,  
 anno . . . mortuus — *As'ad Ben Sa'd-ed-din Mufti*, [anno 1034 (inc. 4. Oct. 1624)  
 mortuus, qui e familia *Hasan Jāni* celeberrimi fuit] — *Yahya Ben Zakariyā Mufti* —  
 et *Sheikh Shems-ed-din Mohammed Ben Khalil Halebi* Corani Lector, vulgo  
*Ibn-elcabackibi* dictus [et anno 849 (inc. 9. Apr. 1445) mortuus], cujus carmen  
 5 *El-Kewākib El-Dorriyet fi madh kheir el-bertyet* inscriptum est. — Praeter  
 commentarium *Sidc el-meweddet* inscriptum commentarios ediderunt *Mustafā Ben*  
*Bālī* — *Molla Ma'rūf*, cum munere iudicis in Aegypto fungeretur. Commentarius  
 brevis est turcice scriptus — *Molla Mohammed Munshi* [*Rumi Ac'hisari Hanefita*]  
 Sheikh ad templum Medinense, vulgo *Ibn Bedr-ed-din* dictus [et anno 1001 (inc.  
 28. Sept. 1592) mortuus], cujus commentarius *Tirāz El-Burdet* inscriptus est, et  
 ita incipit: Facundissimum, quod luscinae eloquentiae eloquuntur etc. Tempus  
 compositionis auctor verbis „*tamma sharhi* i. e. commentarius meus ad finem  
 perductus est“ significavit et scriptionem anno 998 (inc. 31. Oct. 1589) absolvit.  
 Cum, inquit, quae Damasci dictavi, absoluta essent, tempus i. e. annum 998 quo  
 10 absolvi primum verbis „*tamma rashhi* i. e. sudor meus finem habet“, tum loco *rashhi*  
 verbo „*sharhi* i. e. commentarius meus finem habet“ significavi — *Sheikh Redhi-ed-din*  
*Yusuf Ben Abi'llatif Codsī* Shafīta, post annum 1000 (inc. 9. Oct. 1591) mortuus,



للحمد لله الذى ارسل محمدا رحمة الخ وبدر الدين [محمد بن بهادر] الزركشى المتوفى سنة ٧٩٤، وعبد الله بن محمد بن يعقوب وسماه اغائة اللهقان وشرحه شمس الدين ابو عبد الله محمد بن حسن القدسي البرهوتى اوله للحمد لله الذى اظهر من مكنون سره الخ ذكر فيه انه شرحه بمدينة قسطنطينية بالزاوية الباييزيدية جمعها من الشروح ومن 5 شروحه شرح الشيخ جلال الدين الخاجندى نزيل الحرم المتوفى سنة اوله للحمد لله الذى اكرمنا بدين الاسلام الخ وهو شرح مختصر جمع بعض تلامذته من املائه في الحرم النبوى وشرحه العلامة ابو شامة [عبد الرحمن بن اسمعيل القدسي الدمشقى الشانعى المقرئ النحوى المورخ المتوفى سنة ٦١٥] اوله سبحان من اخفى سبحات وجهه بحجاب عجاب الانوار الخ ومن شروحه شرح ابن العباس احمد الازدى المعروف بالقصار وحسن بن حسين 10 التالشى اوله للحمد لله للحمود الذى خلق نور محمد الخ ذكر فيه انه انشاه بالقاهرة للوزير على پاشا وخمس ايضا الشيخ الاديب ناصر الدين بن عبد الصمد معبد مدرسة

cujus volumen copiosius et verbosius scriptum est, et ita incipit: Laus Deo, qui Mohammedem misericordia permotus misit etc. — *Bedr-ed-din [Mohammed Ben Behâdir] Zerkeshî*, anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuus — *Abdallah Ben Mohammed Ben Yacûb*, cujus commentarius *Ighâthet el-lahfân* inscriptus est — *Shems-ed-din Abu Abdallah Mohammed Ben Hasan Codsî Berpûni*, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui ex abdito arcano suo aperuit etc. Narrat, se Constantinopoli in monasterio *Bayezidî* commentarium ex aliis commentariis collectum conscripsisse — Sheikh *Jelâl-ed-din Khojendî* Medinae inquilinus, anno ... 5 mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui nos religione Islami honoravit etc. Commentarius brevis, quem quidam ex ejus discipulis ex dictatis in urbe prophetae sancta collegit — vir doctissimus *Abu Shâme [Abd-el-rahman Ben Ismail Codsî Dimeshki Shafîta*, Corani Lector, Grammaticus et Historiographus, anno 665 (inc. 2. Oct. 1266) mortuus], cujus commentarius ita incipit: Praedicatus sit ille, qui majestatem faciei lucidam velo miraculorum luminum celavit etc. — *Abu'labbâs Ahmed Azdi*, vulgo *Cassâr* dictus — *Hasan Ben Hosein Tâlîshî*, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo laude praedicando, qui lucem Mohammedis creavit etc. Narrat auctor, se eum Cahirae Weziro *Ali Pasha* composuisse. — Quinquiplicatam *Casidam* 10 porro reddidit Sheikh humanitatis studiosus *Nâsir-ed-din Ben Abd-el-samed*, qui

المالكية بقبوم وشعبان بن محمد القرشي وسمّاه آثار العشوة اوله

يا قلب قد فاض دمع العين كالديم

وخمسة الامام شهاب الدين احمد بن محمد الحجازي مات سنة ٨٧٥ وشرحها الفاضل  
مسعود بن محمود بن يحيى الخسبي اوله الحمد لله نحمده ونستعينه الخ ذكر فيه بكر  
القصيدا وعروضه وسمّاه نزعة الطالبين وتحفة الرافعين رأيت نسخة كتبت عام خمس  
5 وستين وثمانمئة ومن شروحها نتائج الافكار لبخبي بن منصور بن يحيى الخسبي اوله  
احمد الله ذا العظمة والسلطان الخ وشرحها الامام فخر الدين احمد بن محمد بن ابي  
بكر بن محمد الشيرازي شرحا بسيطا اوله الحمد لله نحمده ونستعينه ونؤمن به ونتوكل  
عليه الخ ذكر فيه انه رواها عن شيوخه منهم صاحب القاموس ثم شرحه مع ابحاث  
كثيرة في شعبان سنة ٨٠٩ بعد ان شرحها اولاً مقتصراً على حدّ الفاظها وشرح معانيها في  
10 محرم سنة ٧٨٧ مبنيًا على خمسة قواعد مبادئ ومقاصد وتراجم وتقطيعات واعرابات وسمّاه

professor repetens fuit ad Collegium *Máliktýe* Fayyumense — *Sha'bán Ben Mohammed Coreshi*, cujus poema *Athár el-ushwet* inscriptum est et ita incipit:

O cor, lacrymae oculi coeli instar semper pluentis copiose profluunt.

— *Imám Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Hijázi*, anno 875 (inc. 30. Jun. 1470) mortuus. — Praeterea commentarios ediderunt vir bene meritus *Mes'úd Ben Mahmúd Ben Yahya Hoscini*, cujus commentarius *Nuzhet el-tálibín wa Tohfet el-rághibín* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, quem nos laudamus et cujus  
5 auxilium nos imploramus etc. Dissertur ibi de metro *Casídae* quale sit et qualis mensura. Exemplar vidi anno 865 (inc. 17. Oct. 1460) descriptum — *Yahya Ben Mansúr Ben Yahya Hasant*, cujus commentarius *Netáij el-afkár* inscriptus est et ita incipit: Laudo Deum majestate et regia potestate praeditum etc. — *Imám Fakhr-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Ben Abi Bekr Ben Mohammed Shirázi*, cujus commentarius amplus est et ita incipit: Laus Deo, quem laudamus, cujus  
10 auxilium imploramus, in quem credimus, in quo fiduciam collocamus etc. Auctor narrat, se *Casídam* auctoritate praceptorum, in quibus auctor *Camúsi* esset, tradere. Tum, additis multis quaestionibus, mense Sha'bán anni 809 (inc. 18. Jun. 1406)  
commentatus est, postquam primum commentarium scripsit, qui in verborum explicatione substiterat. Sententias *Casídae* mense Moharrem anni 787 (inc. 12. Febr. 1385)  
commentatus est, praecipue quinque explicationis leges sequens, ut principia, res ab



نزهة الطالبين وتحفة الراغبين وشرح منسوب للفاضل الحسن بن محمود بن الحسن الحنفى النجفى أوله ان اول ما ألويت اليه اعنة الاقلام في ديوان التحميد الخ ذكر فيه لغاته واعرابه ومعناه مبسوطاً رأيت نسخة منسوخة عام ١٠٧١ وشرحها منلا ابو بكر بن منلا محمد بن منلا سليمان الكردى السهرانى الحنفى شرحه في رمضان سنة ١٠٤٨ بالجامع 5 الازهر اوله الحمد لله الذى اوجد الموجودات من كنم العدم الخ وسماه بالدرّة المضيئة في شرح الكواكب الدرّية ومن شرحها الفارسية شرح ممزوج اوله بدانك ناظم اين قصيدة الخ شرحه سنة ٩٣٠ وشرح اوله موزون زين كلامى كه اركان بيت المعمور قصيدة الخ لغصنفر بن جعفر الحسيبى وشرحها عبيد الله بن محمد بن يعقوب وسماه اغائة اللهقان وكان سنة ٩٣٣ وشرحه جلال بن قوام بن الحكم اوله الحمد لله الذى علم بالقلم الخ 10 قال قد اطلعت على القصيدة الموسومة بالكواكب الدرّية في مناقب اشرف البرية وتعرف

auctore propositas, harum ambitum, scansionem et grammaticam verborum flexionem respiceret. Commentario titulum dedit *Nuzhet el-talibin ve Tohfet el-raghibin* — bene meritus *Hasan Ben Mahmud Ben-elhasan Nejesi Hanefita*, cui commentarius tribuitur, qui ita incipit: Praestantissimum, ad quod me converto, habenae calamorum sunt in magna Dei laude scripto praedicanda etc. Dissertit ibi copiose de dictionibus, flexu verborum grammatico et argumento; et exemplum vidi anno 1076 (inc. 4. Jul. 1665) scriptum — *Menla Abu Bekr Ben Menla Mohammed Ben Menla Soleiman Kurdi Sahrani Hanefita*. Commentarius, quem mense Ramadhán anni 1048 (inc. 5. Mai. 1638) in templo primario *Azhar* composuit, ita incipit: Laus Deo, qui res existentes 5 ex nihilo occulto procreavit etc., et *El-Dorret El-Modhtyet fi sharh El-Kewakib El-Durriyet* inscriptus est. — Inter commentarios persicos ille commemoratur, qui textum admixtum habet et ita incipit: Scias, auctorem hujus *Casidae* etc. Alius commentarius persicus, qui ita incipit: *Casida*, cujus oratio ornata justa mensura composita est, quae anguli Ka'bae coelestis etc., *Ghadhanfar Ben Ja'far Hoseini* auctorem habet. — Deinde arabice *Casidam* commentati sunt *Obeidallah Ben Mohammed Ben Yacub*, qui anno 932 (inc. 18. Oct. 1525) vixit, et commentario titulum *Igháthet el-lahfán* dedit — *Jelul Ben Ckiwám Ben-el-hakem*, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, „qui docuit (scripturam) per calamum“ etc. Legendam, inquit, praebeo 10 *Casidam* titulo *El-Kewakib El-Durriyet fi menackib ashref el-beriyet* insignitam et

- بالبردة النبوية التي نظمها البوصيري في فضائل رسول الله صلعم وشرح من معجزاته الباهرة  
 وآثاره المرضية بتبرك ويستشفى بها أكثر مما يتبرك بسائر مدائحه ومعجزاته لكرامة ظهرت  
 على نظمها منها واتمه في جمادى الاخر سنة ٧١٣ [ومن احسن شروحه شرح نور الدين  
 على القاري المتوفى سنة ١٠١٤] وشرح بالتركي شرحاً مختصراً الشيخ سعد الله الخلوي ومن  
 شروحه شرح اوله حامد الله العلي العظيم بكمال فرد اثبتته الخ وفرغ سنة ٨٨٣ ومن شروحها شرح 5  
 شهاب الدين احمد بن محمد القسطلاني شارح البخاري المتوفى سنة ٩٣٣. اوله الحمد لله الذي  
 شرح بمدح نبينا محمد صلعم الخ ومن شروحها شرح اوله لك الحمد والشكر يا ذا النعم الخ  
 آلفه صاحبه للوزير محمود پاشا ومن شروحه بالتركية شرح مبسوط لبيحي بن عبد الله الدفترى  
 المصرى اورد فيه تخميساً تركياً وعربياً وترجمة الابيات آلفه في عصر السلطان احمد وذكر انه  
 شرح المنفرجة ايضاً بالتركية وتسميها لجمال الدين ماحمد بن الوفاء اوله 10

vulgo nomine, *El-Burdet El-Nebewtyet* notam, quam *Bustri* de virtutibus legati divini condidit. Miracula a propheta patrata splendentia et gratissima beneficentiae monumenta largiorem hic et copiosiore Dei gratia afferunt felicitatem, *Casidae*que beneficio sanatio petitur efficacior, quam aliis hymnis in prophetam et ejus miraculis captatur, propter beneficia miraculosa, quae poetae sancto ob *Casidam* a Deo concessa sunt. Absolvit commentarium mense Jomádzi II. anni 792 (inc. 20. Dec. 1398) — [*Nur-ed-din Ali* Corani Lector, anno 1014 (inc. 9. Mai. 1605) mortuus, cujus 5 commentarius inter praestantissimos est.] — Sheikh *Sa'd-ed-din Khalweti*, cujus commentarius turcice scriptus et brevis est — auctor anonymus, qui anno 882 (inc. 15. Apr. 1477) absolvit, et cujus commentarius ita incipit: Laudator Dei excelsi et magni propter perfectionem singularem, quam affirmat etc. — *Shehab-ed-din Ahmed Ben Mohammed Castalani Bokhárí* interpres anno 923 (inc. 24. Jan. 1517) mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui laude prophetae nostri *Mohammed* (corda) disposuit etc. — auctor anonymus, qui in favorem Weziri *Mahmúd Pasha* scripsit et cujus commentarius ita incipit: Tibi laus et gratiae, o beneficiorum parens etc. — Commentarium amplissimum turcice scriptum *Yahya Ben Abdallah Defteri Misri* regnante Sultano *Ahmed* composuit. Reddidit ibi *Casidam* quinquiplicatam turcice et arabice et versus elocutione circumscripsit, narratque, se *Casidam Munferijet* quoque turcice explanavisse. — Septemplicem *Burdam* reddidit *Jemál-ed-din Mohammed Ben-elhoefá*, et incipit ita:



الله يعلم ما في القلب من الم

وشرحه بعض المدرسين بعد القراءة على الشيخ عفيف الدين عبد الله بن محمد بن أحمد بن خلف بن عيسى أسعدى المطارزى في محرم سنة ٧١٠ هـ في الروضة وأشار إليه بتعليق حواشى كالشرح له والقاضى زكرياء بن محمد الانصارى [المتوفى سنة ٧١٦] وهو شرح ممزوج [مختصر] 5  
أوله الحمد لله الملك الوهاب الخ سماه الزبدة الرائقة في شرح البردة الفائقة وفرغ في صفر سنة ٩٢٨ هـ وشرحه عصام الدين [ابراهيم بن عريشاه الاسفرائى المتوفى سنة ٩٤٤] بالفارسية وختمها الشيخ نجم الدين محمد بن أحمد بن عبد الله القلقشندى الشائعى توفى سنة ٨٧٦ هـ أوله الحمد لله الذى خلع على حبيبه محمد صلعم الخ ١٤٥ قصيدة البستى وهو ابو الفتح [على بن محمد الكاتب الشاعر] المتوفى سنة ٤٣٠ هـ أولها

زيادة المرء في دنياه نقصان

10

ورجحه غير محض للخير خسران

Deus scit, quo dolore cor afflicto sit.

Praeterea commentarios ediderunt professor quidam, postquam *Casidam* coram Sheikh *Afif-ed-din Abdallah Ben Mohammed Ben Ahmed Ben Khalaf Ben Isa As'adi Motarrezi* mense Moharrem anni 760 (inc. 3. Dec. 1358) in insula *Raudhat* legit. Hujus adnotata significat vocibus *Tu'lic hawashi* i. e. adnotata margini obiter adpersa, quasi ejus commentarium continerent — *Cadhi Zakariya Ben Mohammed Ansari*, [anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus], cujus commentarius [brevis], *El-Zubdet 5 El-Ra'icat fi sharh El-Burdet El-Fa'icat* inscriptus, textum admixtum habet, et ita incipit: Laus Deo, regi beneficentissimo etc. Absolvit mense Safar anni 928 (inc. 1. Dec. 1521) — *Isam-ed-din [Ibrah'm Ben Arabshah Isferh'ini*, anno 944 (inc. 10. Jun. 1537) mortuus], qui persice scripsit. — Quinquiplicatam eam denique reddidit Sheikh *Nejm-ed-din Mohammed Ben Ahmed Ben Abdallah Calacshendi* Shafita, anno 876 (inc. 20. Jun. 1471) mortuus, cujus liber ita incipit: Laus Deo, qui dilectum suum *Mohammed* veste sollemni honoris causa induit etc. — 9450. *Casida El-Bosti*, *Casida Abu'fat'hi* [*Ali Ben Mohammed* Scribae et Poetae], vulgo *Bosti* dicti et anno 430 (inc. 3. Oct. 1038) mortui, quae ita incipit:

Opulentia viri in hac vita terrestri detrimentum est

10

Ejusque lucrum bonorum haud parum jactura —

نحو ستين بيتًا في المعارف والزهد شرحها ذو النون بن احمد السمرارى نزيل عنتاب المتوفى سنة ٩٧٧ وترجم بدر الدين الجاجرمى الشاعر المتوفى سنة بالفارسية ومن شروحه شرح اوله الحمد لله الذى جعل ملح العلوم علم العربية الخ وهو لشارح اللب [السيد عبد الله المعروف بنقره كار] ٩٤٥١ قصيدة التائية في التذكير لشرف الدين اسمعيل ابن المقرئ اليمنى [المتوفى سنة ٨٣٧] اولها

5

الى كم تماد فى غرور وغفلة

شرحها الشيخ ابراهيم بن محمد الخلى فى محرم سنة ٩٥٥ باستانبول ٩٤٥٢ قصيدة تائية مر فى التاء ٩٤٥٣ قصيدة الجرباوية التى تختلف حروف اعرابها من الرفع الى النصب الى الجر الى السكون للشيخ الامام ابى عمرو عثمان بن عيسى البلطى النحوى [المتوفى سنة ٥٥١] اوله

10

انى مرء لا يطيبنى الشادن الحسن القوام

٩٤٥٤ قصيدة الجعبرية [والاشتية] والياسمينية فى الجبر والمقابلة شرحها عبد الرحمن

et ad sexaginta usque versus continet de cognitionibus interioribus et continentia. In eam *Dzu'luin Ben Ahmed Sermari*, urbis Aintab inquilinus, qui anno 677 (inc. 25. Mai. 1278) mortuus est, commentarium edidit. Persice eam *Bedr-ed-din Jajermi* Poeta, anno . . . mortuus, circumscrispsit, et [Seyyid *Abdallah*] libri *Lubb* explanator, [vulgo *Nucrehkar* dictus,] commentarium edidit, qui ita incipit: Laus Deo, qui scientiam linguae arabicae doctrinarum sal fecit etc. — 9451. El-Casida El-Taiyet, *Casida* paraenetica in *Ta* desinens, auctore *Sheref-ed-din Ismail Ibn-elmocri Yemeni*, [anno 837 (inc. 18. Aug. 1433) mortuo]. Incipit ita:

5

Quam diu in negligentia et vanarum rerum studio permanes?

et Sheikh *Ibrahim Ben Mohammed Halebi* mense Moharrem anni 915 (inc. 21. Apr. 1509) Constantinopoli commentarium in eam scripsit. — 9452. *Casida Taiyet*, *Casida* in *Ta* desinens, de qua supra videatur. — 9453. El-Casida El-Jerbawiyet, *Casida* in urbe Jerba composita, cujus flexiones finales a *Dhamma* in *Fat'ham*, a *Fat'ha* in *Kesram*, a *Kesra* in *Djesm* deinceps mutantur, auctore Sheikh et Imam *Abu Amru Othman Ben Isa Beleti* Grammatico, [anno 559 (inc. 30. Nov. 1163) mortuo]. Incipit ita:

Ego is sum, cui minime pullus dorcadis venustus et erectus placeat.

10 9454. El-Casida El-Ja'beriyet [we El-Eshthiyet] we El-Yasminiyet, *Casida Ja'berica*, [Eshthica] et *Yasminica* de reductione per aequationem.



ابن محمد الرشيدى المتوفى سنة ٨٠٣ [نقل ابن حجر العسقلانى عن القاضى الشهبى أنه قال  
وتفت على شرحه وفيه اوعام عجيبة وللجعبرى قصيدة فى الفرائض عمريّة كالشاطبيّة وله  
شرحها وشرحها ايضا جماعة اوليا

لربّ العلى حمدا تصوع مندلا

5 ٩٤٥٥ قصيدة للصرية فى قرأة نافع نظم الامام المقرئ الاديب ابو الحسن على بن عبد  
الغنى للصرى المتوفى سنة [٤٨٨ وصى مائتا بيت وتسعة ابيات] ٩٤٥١ قصيدة حوليّة فى  
الكيميائى فارسيّة مطلعها

در كمال حسن رويش چون جمال آمد جوين

از صباح روى او فى لى نادوا مصاحبين

10 وايياتها اثنان وخمسون ومائة تم شرحها فارسيا فى مجلد ضخّم ٩٤٥٧ قصيدة  
الخاخانيّة فى التجويد وشرحها ابو عمرو الدانى عثمان بن سعيد المقرئ المتوفى

*Abd-el-rahman Ben Mohammed Reshidi*, anno 803 (inc. 22. Aug. 1400) mortuus, commentarium in eam edidit, [et *Ibn Hajr Ascalani* refert, se *Cádhi Shehebi* dicentem audivisse: Vidi commentarium in eam miris halucinationibus plenum. Idem *Ja'beri Casidam* de jure hereditario edidit ad instar *Shatibiyae* in *Hamza* desinentem, in quam commentarium quoque scripsit, et praeterea plures. Incipit ita:

Domino excelso laudem, quae commota agallochi odorem diffundit].

9455. *El-Casída El-Hosriyet*, *Casida Hosri* de recensione *Náfi* coranica, [ducentos novem versus continens]. Composuit eam *Imám* humanitatis studiosus 8 *Abu'lhasan Ali Ben Abd-el-ghani Hosri* Corani Lector, anno [488 (inc. 11. Jan. 1095)] mortuus. — 9456. *Casída Hauliyet*, *Casida* transmutationis persice scripta de alchymia et ducentos quinquaginta duos versus continens. Distichon primum carminis hoc est:

Quando in perfecta faciei humilioris viri pulchritudine superioris frons tanquam  
venustas prodit,

Prae splendore ejus faciei matutino intra tentorii moenia convocant quasi  
tempus matutinum esset.

Tum commentarium persicum in eam scripsit volumine crasso comprehensum. — 9457. *El-Casída El-Khacaniyet*, *Casida Khacanica* de doctrina Coranum 10 bene legendi, in quam *Abu Amru Othmán Ben Saíd* Corani Lector, vulgo

سنة ٤٤٤ ١٤٥٨ قصيدة الخزرجية في العروض وهي المشهورة المسماة بالرامزة للعلامة ضياء

الدين ابى محمد عبد الله بن محمد الخزرجى المالكى الاندلسى اولها

وللشعر ميزان يسمى عروضة

اولها شروح منها شرح القاضى زكرياء بن محمد الانصارى [المتوفى سنة ٩٦١] وهو شرح ممزوج

5 اوله للحمد لله الذى وضع علم العروض الخج وسماه فتح رب البرية بشرح القصيدة الخزرجية ومن

شروحها شرح احمد بن عبد الرحمن بن محمد انقاسى وهو شرح كبير يقال قلت اوله للحمد

له الذى نور بالعلم القلوب والابصار الخ وشرحها شمس الدين محمد بن محمد الايجى

العثمانى الشانعى وهو شرح ممزوج سماه رفع حجاب العيون القامرة من كنوز الرامزة فرغ من

تأليفه فى سادس عشر من ربيع الاول سنة ٨٨٩ ١٤٥٩ قصيدة الحموية اولها

10

شربنا على ذكر الحبيب مدامة

سكرنا بها من قبل ان يخلق الكرم

*Dāni* dictus et anno 444 (inc. 3. Mai. 1052) mortuus, commentarium edidit. — 9458. *Casida Khazrejīyet*, *Casida Khazrejāna* de arte metrica vulgo *Rāmiza* dicta, auctore viro doctissimo *Dhiyā-ed-dīn Abu Mohammed Abdallah Ben Mohammed Khazreji Andalusī* Malikita. Incipit ita:

Carmini mensura est, quod ejus metrum dicitur.

- 5 Plures commentarios in eam scripserunt, ut *Cādhi Zakariyā Ben Mohammed Ansāri*, [anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus], cujus commentarius, *Fat'h rabb el-bertiyet bi sharh El-Casida El-Khazrejīyet* inscriptus, textum admixtum habet, et ita incipit: Laus Deo, qui artem metricam condidit etc. — *Ahmed Ben Abd-el-rahman Ben Mohammed Necāvesi*, cujus commentarius magnus ita incipit: Laus Deo, qui corda et animi oculos illustravit etc. Auctor formula „Dicit auctor“ et „Ego dico“ sua ab auctoris verbis distinxit — *Shems-ed-dīn Mohammed Ben Mohammed Iji Othmāni* Shafiita, cujus commentarius, *Raf'o hijāb el-oyūn el-cāmiret min konūz El-Rāmizet* inscriptus est et textum admixtum habet. Auctor ejus compositionem die sexto decimo mensis Rebi' I. anni 889 (inc. 30. Jan. 1440) absolvit. — 9459. *El-Casida El-Khamriyet*, *Casida* in laudem vini, quae ita incipit:

10

Bibimus in memoriam amici dilecti vinum,

Quo inebriati sumus, antequam vitis creata esset.



وهي اثنتان وثلاثون بيتاً للشيخ عمر بن علي ابن الفارض المصري المتوفى سنة ٩٣٣ وقد شرحها جماعة منهم المولى عبد الرحمن بن احمد الجامي المتوفى سنة [٨١٨] وهو بالفارسية وفي مضموم كل بيت نظم قطعة والمولى احمد بن سليمان ابن كمال باشا توفى سنة ٩٤٠ والسيّد علي بن شهاب اليمداني المتوفى سنة ٧٨١ بالفارسية وسماه مشارب الاذواق والشيخ 5 عز الدين محمود الكاشي والمولى علمشاه عبد الرحمن بن صالحى امير توفى سنة ٩١٧ والفاضى صنع الله بن ابراهيم المتوفى بعد سنة ١٠٥٠ انتم فيه اربعين جواباً عن اعتراض ابن كمال باشا على الجامى وشرحها الشيخ داود بن محمود القيصرى [المتوفى سنة ٧٥١] فاجاد اوله الحمد لله الذى تجلّى لقلوب عباده المصطفين الخ وذكر في اوله ثلاث مقدمات ثم اعدها الى امين الدين عبد الكافى بن عبد الله التبريزى والطبيب محمد بن ناصر الحسينى 10 الكيلانى المتوفى سنة اوله الم تر الى ربك كيف مد الظل الخ ٩٤٠ قصيدة دائية في القرآت للامام محمد بن عبد الله بن مالك النحوى توفى سنة ٩٧٣ يقول فيما

Continet triginta duos versus et Sheikh *Omar Ben Ali Ibn-elfaridh Misri*, anno 632 (inc. 26. Sept. 1234) mortuum, auctorem habet. Multi commentarios in eam composuerunt, ut Molla *Abd-el-rahman Ben Ahmed Jámi*, anno [898 (inc. 23. Oct. 1492)] mortuus, qui persice commentatus est et singulorum versuum argumentum strophametrica circumscripsit — Molla *Ahmed Ben Soleimán Ibn Kemálpasha*, anno 940 (inc. 23. Jul. 1533) mortuus — Seyyid *Ali Ben Sheháb Hemdáni*, anno 786 (inc. 24. Febr. 1384) mortuus, qui commentarium persicum *Meshárib el-adzwác* inscripsit — Sheikh *Izz-ed-dín Mahmúd Káshi* — Molla *Alemsháh Abd-el-rahman Ben Sújili* 5 Emirus, anno 987 (inc. 28. Febr. 1579) mortuus — Cadhi *San'oallah Ben Ibrahim*, post annum 1050 (inc. 3. Apr. 1640) mortuus, qui legem sibi scripsit, ut quadraginta responsa ad ea refutanda daret, quae *Ibn Kemálpasha* contra *Jámi* disputaverat — Sheikh *Dawud Ben Mahmúd Caisari*, [anno 751 (inc. 11. Mart. 1350) mortuus], cujus commentarius egregie scriptus ita incipit: Laus Deo, qui cordibus cultorum electorum se revelat etc. Praeposuit tres praefationes, et postea commentarium *Emin-ed-dino Abd-el-káfi Ben Abdallah Tebrizi* obtulit — et Medicus *Mohammed Ben Násir Hoseini Kiláni*, anno . . . mortuus, cujus commentarius ita incipit: Nonne Deum adspicis, quomodo umbram extendit etc. — 9460. *Casída Dáliyey, Casída* in *Dál* desinens de Corani recensionibus, auctore *Imám Mohammed Ben Abdallah* 10 *Ben Málík* Grammatico, anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. Dicit ibi:

ولا بدّ من نظمي قوافي تحتوى

لما حوى حز الاماني وازيدا

٩٤١ قصيدة الدامغة في اللغة لحسن بن احمد [اللغوي] الهمداني المتوفى سنة ٣٣٤

وشرحها في مجلد كبير ٩٤٢ قصيدة ندى النون المصرى في الصنعة شرحها الامام ايدمير

ابن على بن ايدمير للجلكى وسماه الدر المكنون اوله اما بعد حمد الله والثناء عليه الخ 5  
واول القصيدة

عجب عجيب عجيب عجيب

قط سؤداء ولها ذنب

قال جعلها مصنفها بطريق الهرل وفي بواطن الفاظها وان قلت وصغرت قوائد معان تحيّر

عنها الصدور قال ووضعها بالقاهرة سنة ٧٤٢ ٩٤٣ قصيدة الرائية في التاريخ للوزير ابى 10

محمد عبد الماجيد ابن عبدون وقد مرّ في قصيدة ابن عبدون ٩٤٤ قصيدة الرائية

Non potui non facere, quin homoeoteleuta carmini insererem, quae eu  
comprehenderent,

Quae carmen *Hirz et-amani* continet, et plus etiam.

9461. El-Casida El-Damighat, *Casida* cerebrum dolore afficiens. Liber  
lexicologus, quem *Hasan Ben Ahmed Hemdani* Lexicographus, anno 334 (inc. 13.  
Aug. 915) mortuus, edidit. Idem commentarium magnum in eam composuit. —

5 9462. Casida Dzu'lnun, *Casida Dzu'lnuni Misri* de arte alchymica, quae ita  
incipit:

Miraculum mirandum, miraculum, miraculum,

Felis nigra cauda praedita.

Imam *Eidmir Ben Ali Ben Eidmir Jildeki* commentarium in eam edidit *El-Dorr  
El-Meknun* inscriptum, qui ita incipit: Praemissa Dei laude et gloria etc. *Eidmir*:  
Praetulit, inquit, auctor genus dicendi jocosum, attamen in interioribus verborum  
partibus, quanquam pauca sint et exilia, argumenta insunt utilia, quibus pectora  
obstupefiunt. *Dzu'lnun* eam Cahirae anno 742 (inc. 17. Jun. 1341) se composuisse  
dicit. — 9463. El-Casida El-Raiyet, *Casida* historica in *Ra* desinens, auctore

10 *Weziro Abu Mohammed Abd-el-mejid Ibn Abdun*. Vide supra *Casidam Ibn  
Abduni*. — 9464. El-Casida El-Raiyet, *Casida* in *Ra* desinens de doctrina,



في رسم المصحف المسماة بعقيلة اثرات القصائد مرّ ٩٤٦٥ قصيدة الرائيّة في علم الانشاء  
 لاني مزاحم موسى بن عبد الله بن خاقان الحلي ٩٤٦١ قصيدة الرائيّة في علم الخطّ لاني  
 الحسن علي بن هلال المعروف بابن البواب توفي سنة ٤١٣ هـ وصفها الادباء بغاية البلاغة وقد  
 استقصى فيها ادوات الخطّ منها

وارغب لكفك ان تخطّ بناؤها 5

خيّراً تخلفه بدار غرور

فجميع فعل المرء يلقاه غداً

عند التقاء كتابه المنشور

شرحها الشيخ برهان الدين ابراهيم بن عمر الجعبري توفي سنة ٧٣٣ هـ ٩٤٦٧ قصيدة الشاطبيّة

10 اسمها حرز الاماني مرّ في الحاء مع شروحها ٩٤٦٨ قصيدة اشعري اولها

خبت نار نفسي باشتغال مفارقي

quae regulas in Corano scribendo observandas continet. Inscripta est *Acklet atráb El-Casid*, ut supra videndum est. — 9465. *El-Casida El-Raiyet*, *Casida* in *Rá* desinens de doctrina stili pedestris elegantis, auctore *Abu Mozáhim Musa Ben Abdallah Ben Khácán Háli*. — 9466. *El-Casida El-Raiyet*, *Casida* in *Rá* desinens de arte scribendi, auctore *Abu'lhasan Ali Ben Hílal*, vulgo *Ibn-elbewwáb* dicto et anno 413 (inc. 6. Apr. 1022) mortuo. Viri humanitatis elegantioris studiosi summam ei tribuerunt eloquentiam. Auctor ibi omnia scripturae instrumenta describit, et inter *Casidae* versus leguntur hi:

Stude manui tuae eam tribuere facultatem, ut digiti scribant 5

Boni aliquid, quod in domo vanitatis relinquere possis.

Nam omnia quae homo agit — inveniet ea crastino die,

Quando volumen, ubi quae fecisti descripta sunt, te praesente evolvitur.

Sheikh *Borhán-ed-din Ibráhim Ben Omar Ja'beri*, anno 732 (inc. 4. Oct. 1331) mortuus, commentarium in eam scripsit. — 9467. *El-Casida El-Shátibiyet*, *Casida* a *Shátibi* composita, cujus titulus *Hirz el-amáni* est. Vide supra literam *Há*, ubi commentarii quoque descripti sunt. — 9468. *Casida El-Sháfii*, *Casida Sháfii*, quae ita incipit:

Exstinctus est ignis animae meae variis vitae negotiis,

واظلم عيشى اذا ضآء مشابها

خَمْسُهَا الْعَزَّ عَبْدُ السَّلَامِ بْنِ أَحْمَدَ [الْقِيلَوِيُّ] الْبَغْدَادِيَّ الْمَتَوَفَّى سَنَةَ ٨٥٩ وَلَهُ تَخْمِيسٌ  
قَصِيدَةُ الشَّيْخِ عَبْدِ الْقَادِرِ الْكَيْلَانِيِّ

ما في المناهل منهل مستعذب

5 الأولى فيه الألدّ الأطيب

وَمَنْ قَصِيدَةُ عَبْدِ الْقَادِرِ أَيْضًا مُحَمَّدَ النَّاصِرِيَّ الْمَنْزِلِيَّ ذَكَرَهُ السَّخَاوِيُّ ٩٤٩٩ قَصِيدَةُ  
الشُّقْرَاطِيْسِيَّةِ فِي السَّيْرِ لِامِيَّةٍ وَشَرَحَهَا وَهِيَ لِلشَّيْخِ ابْنِ مُحَمَّدَ عَبْدِ اللَّهِ بْنِ يَحْيَى [بْنِ عَلِيٍّ]  
الشُّقْرَاطِيْسِيَّ [الْمَتَوَفَّى سَنَةَ ٤٩٩] ٩٤٧٠ قَصِيدَةُ الشَّيْبَانِيَّةِ فِي الْكَلَامِ وَشَرَحَهَا ابْنُ عَلَانَ الْمَكِّيُّ  
أَيْضًا ذَكَرَهُ فِي طَرِيقَتِهِ وَمَنْ شَرَحَهَا بِدِيْعِ الْمَعَانِي أَوْلَاهُ الْحَمْدُ لِمَنْ بَاعَثَ الرَّسْلَ الْخَجَّ وَفِي نَسْخَتِهِ  
10 الْحَمْدُ لَهُ الَّذِي هَدَانَا لِهَذَا الْخَجِّ [وَقَدْ مَرَّ] ٩٤٧١ قَصِيدَةُ الشَّيْبَانِيَّةِ فَارْسِيَّ أَرْبَعَةَ وَعِشْرُونَ بَيْتًا  
لِخَاقَانِي وَنَظْمِيَّتُهَا مَرَّةً الصَّفَاءُ لِمِيرِ خَسْرُو مَائَةَ وَخَمْسُونَ بَيْتًا وَجَلَاءُ الرُّوحِ لِنُورِ الدِّينِ عَبْدِ

Et vita mea obscuritate jam oppressa est, ubi juvenus vigere incipit.

Quincuplicem eam reddidit *Izz-ed-din Abd-el-selâm Ben Ahmed* [Cailewi] *Baghdâdi*, anno 859 (inc. 22. Dec. 1454) mortuus. Idem *Casidam Sheikhî Abd-el-câdir Kilânî* quinquuplicando circumscrispsit, et hoc responsum dedit:

Quae est inter aquationes aquatio dulcis?

Praestantissima quaeque in qua maxima dulcedo delicatissima.

Qui praeterea, teste *Sekhâwî*, *Casidam Abd-el-câdirî* quinquuplicando circumscrispsit,  
5 *Mohammed Nâsiri Menzili* fuit. — 9469. El-Casida El-Shoerâtişiyet, *Casida* a *Shocrâtiş* de vita prophetae composita et in *Lâm* desinens cum commentarius Utrumque librum Sheikh *Abu Mohammed Abdallah Ben Yahya* [Ben Ali] *Schocrâtişî*. [anno 466 (inc. 6. Sept. 1073) mortuus], edidit. — 9470. El-Casida El-Sheibânîyet, *Casida Sheibânî* de metaphysica, in quam *Ibn Allân Mekki* pariter commentarium scripsit, ut in libro *Tarîcat* commemorat. Alius commentarius *Bed' el-meânî* inscriptus est et ita incipit: Laus Deo, qui ex nobis legatos misit etc. Aliud exemplar ita orditur: Laus Deo, qui nos ad hoc ducit etc. [Vide supra]. — 9471. El-Casida El-Shinîyet, *Casida* persica in *Shîn* desinens, quae viginti quatuor versus  
10 continet, auctore *Khâcânî*. *Casidas* similes in *Shîn* desinentes composuerunt *Mir Khosrew*, cujus *Casida Mirat el-safâ* inscripta centum quinquaginta versus continet — *Nûr-ed-dîn Abd-el-rahman Jâmi*, cujus *Casida Jelâ el-rûh* inscripta centum triginta



الرحمن الجامي ثلثون ومائة بيت وانيس القلب لقصوى البغدادي اربعة وثلثون ومائة  
بيت وثمان الجواهر لعرفى الشيرازى ستة وتسعون بيتا ٩٤٧٢ قصيدة الصرصرى التى تخرج  
من كل بيت منها حروف الهجاء كلها اولها

انْتَعِشْ لمسح دمع مقلبة ذى حزن

5 شرحها المولى احمد الكرمياني شرحا مفيدا مات سنة ١٥٥٠ ٩٤٧٣ قصيدة الصفاء فى ضرورة  
الشعر وشرحها كلاهما لقوام الدين امير كاتب بن امير عمر الاتقاني [الفارابى المتوفى سنة ٧٥٨  
اوله الحمد لله العلى الخ ٩٤٧٤ قصيدة الطنطرانىة [لمعين الدين ابى نصر احمد بن  
عبد الرزاق الطنطرانى عى فى مدح نظام الملك الوزير المشهور] اوله

يا خَلَى البال قد بلبَلَّتْ بِالْبَلْبَالِ بال

10 شرحها جماعة منهم محمد البهشتى الاسفرآئى المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى خصص  
نوع الانسان بالفصاحة والبيان الخ وهى قصيدة ترصيعية مجتسة لم تاجتس على منوالها

versus continet — *Fodhūli Baghdādi*, cujus *Casīda Ants el-calb* inscripta centum  
triginta quatuor versus continet — *Orfi Shirāzi*, cujus *Casīda Ummān el-jewāhīr*  
inscripta nonaginta sex versus continet. — 9472. *Casīda El-Sarsari*, *Casīda*  
*Sarsarū*, ex cujus singulis versibus literae alphabeti omnes elici possunt. Incipit ita:

Exsurge ad lacrymas oculi acerbas abstergendas.

Molla *Ahmed Kermiyāni*, anno 815 (inc. 13. Apr. 1412) mortuus, commentarium  
utilem in eam edidit. — 9473. *Casīda el-safā*, *Casīda puritatis* de iis, quae 5  
poema necessario postulat, cum commentario. Utrumque librum *Ckiwām - ed - dīn*  
*Ben Emīr Omar Itticāni* [*Fārābi*] *Emīr* Scriba, [anno 758 (inc. 25. Dec. 1356)  
mortuus], composuit. Incipit ita: Laus Deo excelso etc. — 9474. *El-Casīda*  
*El-Tantarāniyet*, *Casīda Tantarāni*, [auctore *Moin-ed-din Abu Nasr Ahmed*  
*Ben Abd-el-rezzāc Tantarāni*. Scripta est in laudem *Nitzām-el-mulk* *Weziri*  
*celeberrimi*], et incipit ita:

O tu, cujus animus liber est a moerore, pectus meum in angorem coniecisti.

Plures viri in eam commentarios ediderunt, ut *Mohammed Behishti Isferhīni*, anno  
... mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo qui genus humanum facundia et  
distincta enunciatione praeter ceteras res creatas ornavit etc. *Casīda* est annominationibus  
et artificiis poeticis plena, ad quae praesertim usus verborum pertinet, quae literis 10  
eadem, significatione varia sunt, ut nullus poeta carmen simili arte confecerit. —

- ٩٤٧٥ قصيدة انطاهريّة في القرائات العشر على روى الشاطبي للشيخ [العالم] طاهر بن عريشاه  
 الاصفياني [المتولد سنة ٧٨٩] ٩٤٧٦ قصيدة العزى بن تمام في الكيمياء شرحيا لجلدكي  
 وسماه كشف الاسرار والافتهام ٩٤٧٧ القصيدة العلوية في القرائات السبع المروية وهي  
 الفية كالشاطبية لابي البقاء على بن عثمان بن محمد بن القاصح العذري المتوفى  
 سنة ٨٠١ [قصيدة الوزير عبد الله پاشا بن الوزير الاعظم مصطفى پاشا المعروف 5  
 بالكوبرلي زاده الشهيد سنة ١١٤٨ في مدح شيخ الاسلام الشهيد فيض الله افندي اوليا  
 ما ذا يبيجك من صباك الاقدم  
 ثم خمسها المولى عثمان افندي بن شيخ الاسلام محمد پيرى زاده فسح الله عمره شرحيا  
 مع تخرميسه الشيخ عثمان بن عبد الله العرياني نزيل طيبة المنورة] ٩٤٧٦ قصيدة عينية  
 للسبيلي [ابى القاسم عبد الرحمن بن عبد الله بن احمد المالكي المتوفى سنة ٨٤٠ وقد 10  
 قيل لغيره] اوليا

9475. El-Casida El-Táhiriyet, *Casida Táhirica* dicta et de decem Corani recensionibus ad rhythmi literam carminis *Shátibiani* finalem composita a Sheikh [erudito] *Táhir Ben Arabsháh Isfaháni*, [anno 786 (inc. 24. Febr. 1384) nato]. — 9476. Casida El-Izzi, *Casida Izz-ed-dini Ben Temmám* de alchymia, in quam *Jildeki* commentarium edidit *Kashf el-asrúr we el-afhám* inscriptum. — 9477. El-Casida El-Alewiyet, *Casida Alúica* de septem traditis Corani recensionibus, quae, ut *Shátibiana*, in literam *Elif* desinit et *Abu'lbecá Ali Ben 5 Othmán Ben Mohammed Ben-elcásih Odzri*, anno 801 (inc. 13. Sept. 1398) mortuum, auctorem habet. — 9478. [Casida El-Wezír Abdallah Pasha, *Casida Weziri Abdallah Pasha*, filii Weziri maximi *Mustafa Pasha*, vulgo *Köprilizádeh* dicti, qui anno 1148 (inc. 13. Mai. 1735) martyrium subiit. Composita est in laudem Sheikh *el-islám Feidhallah Efendi* martyris, et incipit ita:

Quae prioris amoris tui juvenilis reliquiae te concitant?

- Postea eam quincuplicem reddidit Molla *Othmán Efendi Ben Sheikh - el - islám Mohammed Pirizádeh*, cujus vitam Deus amplam reddat, et cum hac circumscriptione simul Sheikh *Othmán Ben Abdallah Oryáni*, sanctae Medinae inquilinus, commentatus est]. — 9479. Casida Ainiyet, *Casida in Ain* desinens, auctore [*Abu'lcasim 10 Abd-el-rahman Ben Abdallah Ben Ahmed* Malikita, vulgo] *Soheili* [dicto et anno 581 (inc. 4. Apr. 1185) mortuo, sive alio quodam poeta]. Incipit ita:



يا من يرى ما في الضمير ويسمع

انت المعدّ لكلّ ما يتوقّع

خَمْسَمِائِة ابْنِ حَجَّةٍ [أبو بكر بن علي الأديب الحموي المتوفى سنة ٨٣٧] وأول النخاميس

قالوا عداك وانت لا تسمع

٩٤٨. 5 قصيدة العينية للشّيخ الرّبّيس ابى علي حسين بن عبد الدّ ابن سينا توفى سنة ٤٣٨

وعى ثلثون بيتاً أولها

حبّطت اليك من لحدّ الارفع

ورقاء ذات تعزّر وتمتّع

وعى مسوقه لبيان احوال النفس الناطقة وتعلّقها الى البدن وفراقها عنه وشروحها كثيرة منها

10 للمولى مصنفه وهو انشيد على بن محمد البستامى [المتوفى سنة ٨٧٥] قال وقد اتفق

لها شروح اكثرها جروح فالتمس جمع من الاخوان فكتبت فرغ عنه ثالث صفر سنة ٨٣٧

O Tu, qui vides arcana et audis, quae in mente versantur,

Tu ea praeparas omnia, quae exspectantur.

[*Abu Bekr Ben Ali Hamawi* philologiae studiosus, vulgo] *Ibn Hojja* [dictus et anno 837 (inc. 18. Aug. 1433) mortuus], eam quincuplici circumscriptione auxit, quae ita incipit:

Dicunt inimici tui: Et tu non audis?

9480. El-Casida El-Ainiyet, *Casida* in *Ain* desinens, auctore Sheikh Reyis 5 *Abu Ali Hosein Ben Abdallah Ibn Sina*, anno 428 (inc. 25. Oct. 1036) mortuo.

Triginta versus, quorum primus hic est:

Descendit ad te ex loco celsissimo

Anima universalis majestate et abstinentia praestans.

*Casida* autem id habet argumenti, ut affectus animae ratione praeditae, necessitudinem quae inter eam et corpus intercedit, et discessum a corpore explicet. Multi viri commentarios in eam scripserunt, ut Molla Sheikh *Ali Ben Mohammed Bistami*, vulgo *Mosannifek* dictus [et anno 875 (inc. 30. Jun. 1470) mortuus], qui: Multi, inquit, commentarii in hanc *Casidam* oblatis sunt, maxima autem eorum pars erroribus laborat. Jam plures amici a me commentarium petierunt. Scripsi igitur. — Absolvit 10 eum die tertio mensis Safer anni 837 (inc. 18. Aug. 1433) in collegio *Sháhrokhiano*,

بالمدرسة الشاعرية اوله سبحانه يا من ايد ارواح الكاملين الخ [علق المولى فاضل الروم  
سعدى جلى في حواشى ذلك الشرح عند كتابتها نبذاً من الايرات عليه] وللشيخ عبد  
الروف المناوى الحادى توفى سنة [131] قال وقد علق عليها جمع جم منيم العلامة  
السمرقندى لكنه ربما اظن في محل الاجاز واوجز في محل الاطراب وتبع الفلاسفة في مواضع  
ينبوعها ظاهر الكتاب ساكناً عليها من غير تنبيه فصارت منزلة الاقدام فجردته عن الوهم 5  
والشو وخمسها الشيخ منصور المصرى واول التخميمس

يا سائل عن كنه ذات البرقع

وشرح هذا التخميمس الشيخ ابو البقاء الاحمدى اوله الحمد لله المتوحد بعظمته وكبريائه  
الخ وشرحها المولى محمد بن لطفى المعروف بلطفى بكرامة توفى سنة اورد فيه مواخذات  
كثيرة على شرح المولى مصنفك ومن شروحها شرح نظام الدين ابى عبد الله حسين بن جمال 10  
ابن الحسين الايدى ثم القهستاني المتوفى سنة اوله الحمد لله الذى ابدع بقدرته الارواح الخ

et orsus est ita: Praedicatio Tibi, qui spiritus perfectorum hominum adjuvas  
etc. [Molla Rumeliae meritissimus Sa'di Jelebi adnotationibus hujus commentarii  
marginalibus, cum eas describeret, nonnulla adjecit, quae sese ei obtulerant] —  
Sheikh *Abd-el-rawif Monáwi Haddádi*, anno [1031 (inc. 6. Nov. 1622)] mortuus.  
Multi viri, ait, adnotationes leviores in *Casídám* ediderunt, inter eos vir doctissimus  
*Samarcandi*, attamen saepius, ubi brevior esse potuit, uberius et fusius disputavit,  
et contra; philosophosque iis locis secutus est, quorum fons in sensu Corani manifesto  
5 quaerendus est, ita ut in iis acquiesceret, minime vero fontem indicaret. Itaque  
illi loci offensionem erant pedibus; ego autem recidi, quae aut per errorem dicta aut  
superflua essent. — Sheikh *Mansúr Misri* quincuplicem confecit *Casidae* circum-  
scriptionem, quae ita incipit:

O tu, qui de essentia animae velo obiectae quaeris —

et commentarius, quem Sheikh *Abu'lbecá Ahmedi* in hanc circumscriptionem edidit,  
incipit ita: Laus Deo, magnificentia et majestate unico etc. — Molla *Mohammed  
Ben Lutfi*, vulgo *Lutfi Begráme* dictus et anno . . . mortuus, qui multa, quae in  
commentario Mollae *Mosannifek* reprehendenda sunt, in suo affert — *Nitzám-ed-din*  
10 *Abu Abdallah Hosein Ben Jemál Ben-elhosein*, primum *Aidzi* postea *Cohostáni*  
dictus et anno . . . mortuus, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, qui potentia



أورد فيه ما أورده المولى سعدى عند كتابته شرح مصنفك قال أردت ان أبين رموزها ستظير  
 باستمدان الهمم المباركة من شيخى واستادى مولانا الاعظم حاوى المنقول والمعقول جلال  
 الدين زكرياء بن محمد بن عبيد الله القاينى مولداً النفسى محتثاً وشرحها سديد السمعانى  
 اوله الحمد لله العزيز الجبار العلى القهار الخ وشرحها الشيخ دارد الانطاكى [الاكمه المتوفى سنة  
 508] شرحاً ممزوجاً وسماه الكحل النفيس لجلآء اعين الرئيس اوله تقدس نور الانوار عن حصر  
 المرابا الخ وشرحها حسين بن ابراهيم بن حمزة بن خليل شرحاً ممزوجاً اوله الحمد لله فياض  
 روادف العوارف الخ باسم السلطان مراد بن سليم خان ومن شروحه شرح عبد الواحد بن  
 محمد متوسط اوله الحمد لله الذى ابدع بحكمته النفوس والارواح الخ ٩٤٨ قصيدة الفاتحة  
 فى تاجويد الفاتحة لحمد بن محمود بن محمد السمرقندى المتوفى سنة اولها

محمد الاله المستعان توسلاً

10

sua spiritus primus finxit etc. Auctor eadem perhibet, quae Molla Sa'di perhibuerat, cum commentarium *Mosannifeki* describeret. Volui, inquit, locos *Casidae* obscuros et difficiles explicare, et sane studiorum auxilio aperientur, quibus providentia Sheikhum et praeceptorem meum Mollam maximum *Jelül-ed-din Zakariyá Ben Mohammed Ben Obeidallah Cúini* natum et urbe *Nesef* oriundum felicitavit, qui quae traditione allata et quae ratione concepta fuerant aequae tenuit — *Sedid Sem'áni*, cujus commentarius ita incipit: Laus Deo magnifico, omnipotenti, excelso, victori summo etc. — Sheikh *Dawud Antáki* [caecus, anno 1008 (inc. 14. Jul. 1599) mortuus,] cujus commentarius, *El-Kohl El-Nefis li jelá ayon El-Reyís* inscriptus, 5 textum admixtum habet et ita incipit: Lumen luminum nimis sanctum est, quam ut specula limitibus circumscribere possint etc. — *Hosein Ben Ibráhim Ben Hamza Ben Khalil*, cujus commentarius textum admixtum habet et ita incipit: Laus Deo surculos beneficiorum largiter distribuenti etc. Scriptus est nomine Sultani *Murád Ben Selim Khán* — *Abd-el-wáhid Ben Mohammed*, cujus commentarius medius inter ceteros est ambitu, et ita incipit: Laus Deo, qui sapientia sua animos et spiritus primus procreavit etc. — 9481. *El-Casída El-Fáihat*, *Casída* fragrans de bona primae Suratae lectione, auctore *Mohammed Ben Mahmúd Ben Mohammed Samarcandi*, anno . . . mortuo. Incipit ita:

10

A laude Dei, cujus auxilium petitur, ut benevole intercedat.

- ثم شرحها شرحاً مفيداً ٩٤٨٢ قصيدة في آي القرآن لاني لخطاب احمد بن علي بن عبد  
 الله المقرئ البغدادي ٩٤٨٣ قصيدة في اخبار العالم وقصص الانبياء ومختصر المزي والطب  
 والحديث والفلسفة وغير ذلك لاني الرجاء محمد بن احمد بن الربيع الاسواني [الشانعي]  
 توفي سنة ٣٣٥ سئل قبل موته كم بلغت قصيدتك الى الآن قال ثلثين الفا ومائة الف بيت  
 ونقى على اشياء تحتاج الى زيادة ٩٤٨٤ [قصيدة في اختلاف الآيات على وزن الشاطبية<sup>5</sup>  
 لناعمر بن عرب بن ابراهيم بن احمد استاد القراء الاصفهاني المتولد سنة ٧٨٩ وهي رأيتية  
 سماه نظم الجواهر اتي فيها ببدائع] ٩٤٨٥ قصيدة في الاعتقادات لابن الجوزي  
 ٩٤٨٦ قصيدة في التجويد فارسية لامير عز الدين محمد الخانظ وشرحها الخانظ محمد الصادي  
 مختصر ٩٤٨٧ [قصيدة في السنة مشهورة لاني لخطاب احمد بن علي بن عبد الله المقرئ  
 البغدادي المتوفى سنة ٤٧١] ٩٤٨٨ [قصيدة في الطاء للشيوخ الامام علي بن عبد الله بن مبارك<sup>10</sup>

Idem commentarium adnotationibus utilibus plenum in eam composuit]. — 9482. Casída fi ay El-Cor'an, Casída de versibus Corani, auctore *Abu'l-khitáb Ahmed Ben Ali Ben Abdallah Baghdádi* Corani Lectore. — 9483. Casída fi akhbár el-álem, Casída de rebus in mundo gestis, prophetarum historiis, compendio *Mozenfi* juridico, medicina, doctrina traditionaria, philosophia aliisque rebus, auctore *Abu'l-rejá Mohammed Ben Ahmed Ben-el-rebi' Osucáni* [Shafiiti], anno 335 (inc. 2. Aug. 946) mortuo. Ante mortem interrogatus, quot versus *Casída* ad hoc tempus comprehenderet: Centum triginta versuum milia, respondit, et nonnulla<sup>5</sup> mihi adhuc restant, quae augenda sint et complenda. — 9484. [Casída fi ikhtiláf el-ayát, Casída in *Rá* desinens de versuum diversitate ad mensuram carminis *Shatibiye*, auctore *Táhir Ben Arab Ben Ibráhim Ben Ahmed Isfaháni* lectorum Corani magistro, anno 786 (inc. 24. Febr. 1384) nato. Inscripta est *Natzm el-jewáhir* et novas continet res raras]. — 9485. Casída fi el-iticádát, Casída de fidei articulis, auctore *Ibn-eljauzi*. — 9486. Casída fi el-tejwíd, Casída persica de arte Coranum bene legendi, auctore *Emír Izz-ed-din Mohammed El-Háfiz*. Commentarium brevem *Háfiz Mohammed El-Sádic* in eam edidit. — 9487. [Casída fi El-Sunna, Casída de Sunna notissima, auctore *Abu'l-khitáb Ahmed Ben Ali Ben Abdallah Baghdádi* Corani Lectore, anno 476 (inc. 21. Mai. 1083) mortuo]. — 9488. Casída fi El-Tzá, Casída de litera *Tzá*, auctore *Sheikh et Inám Ali Ben Abdallah Ben Mobárek Merwezi*. Composuit eam ad literam



المروزي انشأها على حرف الظاء وجمع فيها الظاءات وشرحها اولها

يا طالباً للعلم ان كنت ذا حظ

ووافقتك التوفيق في البحث وفي الحفظ

٩٤٨٩ قصيدة في غريب اللغة لابي عبد الله ابراهيم بن محمد الشير بنفطويه النحوي المتوفى

5 سنة [٣٣٣] شرحها ابو عبد الله الحسين بن خالويه [المتوفى سنة ٣٧٠] اولها

ألا حل هاجك الربيع على الاقواء ذا فخر

٩٤٩٠ قصيدة لنجم الدين سليمان بن عبد القوي الطوفي الخبلي المتوفى سنة ٧٠٠. ٩٤٩١

قصيدة في قراءة ابي عمرو للشيوخ وهبان وقد مر في القراءة ٩٤٩٢ قصيدة في القراءة للشيوخ الاديب

ابي عبد الله محمد بن احمد بن محمد المعاصري الاندلسي المتولد سنة ١١٠٥ هـ وفي على مثال الشاطبي

10 صرح فيها اسماء القراءة ٩٤٩٣ قصيدة في قراءة نافع للحمصى شرحها مرجى بن يونس [الغافقى]

*Tzá*, ibi voces litera *Tzá* scriptas conguessit, et commentarium quoque edidit. Incipit *Casída* ita:

O tu qui scientiam quaeris, si tu felicitate frueris,

Et providentia divina te secundat in investigando et memoriae mandando.

9489. *Casída* fi gharíb el-loghat, *Casída* de rarioribus linguae arabicae vocibus, auctore *Abu Abdallah Ibráhim Ben Mohammed* Grammatico, vulgo *Niftaweih* dicto et anno [323 (inc. 11. Dec. 934)] mortuo. Commentarium in hoc carmen, quod ita incipit:

Age, an te locus tentoriorum concitavit, ut in deserto viveres incultorum  
locorum amicus —

*Abu Abdallah Hosein Ben Khalaweih*, [anno 370 (inc. 17. Jul. 980 mortuus)], edidit. —

9490. *Casída* li Nejm-ed-dín, *Casída* (de jurisprudentia), auctore *Nejm-ed-din Soleimán Ben Abd-el-cawi Taufi* Hanbalita, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310) mortuo. —

9491. *Casída* fi ckiráat Abi Amru, *Casída* de recensione Corani critica ab *Abu Amru* data, auctore Sheikh *Wahbán*. Vide supra sub *Chiráat*. — 9492. *Casída* fi el-

ckiráat, *Casída* de recensione Corani critica, auctore Sheikh philologo *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Mohammed Meáfiri Andalusí*, anno 591 (inc. 16. Dec.

1194) nato. Scripta est ad exemplum a *Shátibi* propositum; nomina lectorum Corani ibi distincte indicantur. — 9493. *Casída* fi ckiráat Náfi', *Casída* de recensione

10 Corani critica a *Náfi'* data, auctore *Hosri*. — *Morajji Ben Yunos* [Gháficki], circa

- توفي في حدود سنة ٦٠٠ وفي القراءة أيضا لابن مالك محمد بن عبد الله النحوي توفي سنة ٦٧٢  
 ولاقى محمد عبد الله [بن علي] سبط الخياط [البغدادي المتوفى سنة ٥٢١] وفخر الدين احمد  
 ابن علي بن الفصيح الهمداني توفي سنة ٧٥٥ [قال ابن حجر العسقلاني رأيت له نظم القرآت  
 بغير رموز في نحو حجم الشاطبية ومدحه ابو حيان انتهى] [٩٢٩٤] [قصيدة في قواعد  
 لسان الترك لفخر الدين محمد بن مصطفى بن زكرياء الدوركي الخنفي المتوفى سنة ٧١٣] 5  
 [٩٢٩٥] [قصيدة في الكلام لاحمد بن ابي المؤيد الحمودي انفسى توفي سنة [٥١١] [٩٢٩٦]  
 [قصيدة في اللغة لشيب بن ابراهيم القفطي النحوي توفي سنة [٥١٨] [٩٢٩٧] [قصيدة فيما  
 يقال بالبياء والواو للاديب ابي الحسن اسمعيل بن علي الشوآء الحلبي المتوفى سنة اولنا  
 بل ان نسبت عزوته وعزيتة  
 شرحها محمد بن ابراهيم ابن النحاس الحلبي [المتوفى سنة ٦١٨] وسماه مهارة الكلمتين 10

annum 600 (inc. 10. Sept. 1203) mortuus, commentarium in eam scripsit. Praeterea de  
 critica coranica scripserunt *Mohammed Ben Abdallah Grammaticus*, vulgo *Ibn Málík*  
 dictus et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuus — *Abu Mohammed Abdallah [Ben*  
*Ali Baghdádi*, vulgo] *Sibt El-Khayyát* [dictus et anno 541 (inc. 13. Jun. 1146)  
 mortuus] — *Fakhr-ed-dín Ahmed Ben Ali Ben-elfasih Hemdání*, anno 755 (inc.  
 26. Jan. 1354) mortuus. *Ibn Hajr Ascaláni*: Vidi, inquit, metricam lectionum  
 coranicarum recensionem ab illo sine ulla auctoritatis nota compositam et fere  
 volumen carminis *Shútibiani* complectentem. Laudavit eam *Abu Hayyán*.] —  
 9494. *Casída fi cawáid lisán El-Turk*, *Casída de regulis linguae turcicae*  
 5 *primariis*, auctore *Fakhr-ed-dín Mohammed Ben Mustafa Ben Zakariyá Daureki*  
*Hanefita*, anno 713 (inc. 28. Apr. 1313) mortuo]. — 9495. *Casída fi el-kelám*,  
*Casída de metaphysica*, auctore *Ahmed Ben Abilmowayyed Mahmúdi Nesefi*, anno  
 [599 (inc. 20. Sept. 1202)] mortuo. — 9496. *Casída fi el-loghat*, *Casída de*  
*lingua*, auctore *Sheith Ben Ibráhim Cofti Grammatico*, anno [598 (inc. 1. Oct. 1201)]  
 mortuo. — 9497. *Casída fi má yocál bil Yá we El-Wáw*, *Casída de*  
*vocibus*, quae cum litera *Yá* et *Wáw* scribuntur, auctore philologo *Abu'mehásin*  
*Ismail Ben Ali Shewicú Halebi*, anno . . . mortuo. Incipit ita:

Certe quando refers *azautoho* dicis et *azeitoho*.

- 10 *Mohammed Ben Ibráhim Halebi*, vulgo *Ibn-elnakhás* dictus [et anno 698 (inc.  
 9. Oct. 1298) mortuus], commentarium in eam edidit *Mehát el-kalimatein* inscriptum,



- اوله الحمد لله منطف اللسان الخ ٩٤٨ قصيدة في مدح النبي صلعم تزيد على ألفي بيت لمحمد بن علي [بن يحيى] الغرناطي المتوفى سنة ٧٥٠ ٩٤٩ قصيدة في المقصور والممدود لجلال الدين محمد بن عبد الله ابن مالك النحوي المتوفى سنة ٧٧٣ وله قصيدة في الصاد والنظاء وقصيدة في الافعال ٩٥٠ قصيدة في المنطف لشمس الدين محمد بن مظفر الخلخالي توفى سنة ٧٤٥ ٩٥١ قصيدة في الميموز وغير الميموز ٩٥٢ قصيدة في المناجيم لمحمد بن ابراهيم بن حبيب بن سمرة بن جندب الصبحاني الفزاري المتوفى سنة ٩٥٣ قصيدة في النحو لابن حبيب محمد بن ابراهيم النحوي [المذكور آنفا] توفى سنة ٩٥٤ ولفخر الدين محمد بن مصطفى الدوركي الحنفي المتوفى سنة ٧١٣ استوعب فيها مسائل الحاجبية [وان كان متأخراً] ٩٥٤ قصيدة في الهيئة للشيخ ابي [علي] الحسن بن الحسين البغدادي المتوفى سنة اولها

qui ita incipit: Laus Deo, qui facit, ut lingua articulate pronunciet etc. — 9498. Casída fi madh el-nebi, *Casída* in laudem prophetae, cui Deus propitius sit, plus duo milia versuum continens, auctore *Mohammed Ben Ali [Ben Yahya] Gharnáti*, anno 715 (inc. 7. Apr. 1315) mortuo. — 9499. Casída fi el-macsúr we el-mamdúd, *Casída* de *Elif* brevi *Meddam* non habente et habente, auctore *Jelál-ed-din Mohammed Ben Abdallah* Grammatico, vulgo *Ibn Múlik* dicto et anno 672 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. Idem *Casídám* edidit de literis *Dhád* et *Tzá*, et *Casídám* de verbis. — 9500. Casída fi el-mantic, *Casída* de logica, auctore *Shemṣ-ed-din Mohammed Ben Motzaffer Khalkháli*, anno 745 (inc. 15. Mai. 1344) 5 mortuo. — 9501. Casída fi el-mahmúz, *Casída* de vocibus *Hamza* insignitis et non insignitis. — 9502. Casída fi el-nojúm, *Casída* de astrologia, auctore *Mohammed Ben Ibráhim Ben Habib Ben Samora Ben Jondab Fezári Mohammedis* socio, anno . . . mortuo. — 9503. Casída fi el-nahw, *Casída* de syntaxi, auctoribus *Mohammed Ben Ibráhim*, Grammatico [modo laudato, vulgo *Ibn Habib* dicto et] anno . . . mortuo, et *Fakhr-ed-din Mohammed Ben Mustafa Daureki Hanefita*, anno 713 (inc. 23. Apr. 1313) mortuo. Hic omnes quaestiones a *Hájib* propositas per singulas partes tractavit, [licet serius vixit]. — 9504. Casída fi el-haiyat, *Casída* de astronomia, auctore *Sheikh Abu [Ali] Hasan Ben-elhosein Baghdádi*, 10 anno . . . mortuo. Incipit ita:

اقول وقول الصدق في النفس اوقع

وفي الحق ما يصغى اليه ويسمع

شرحها ابو عبد الله بن هشام محمد بن احمد اللخمي النحوي وكان حياً في سنة ٩٥٧ شرحاً  
وافياً ذكر في اوله ان العامل كان نزله بمصر في ايام الحاكم وكان بارعاً في العلوم الرياضية وله  
فيها توالييف وكان حياً في حدود سنة ٤٣٠ على ما حكى صاعد في الطبقات ٥٠٥ قصيدة 5  
الغائية في احوال النفس ايضاً اولها

ولقد تقصصى من رياض تزويج

ببغاة ذات تنويج وتاليف

وعليها شرح ايضاً ومن شروح هذه القصيدة شرح مختصر اوله الحمد لله حق حمده الخ

10 للجلال الدواني ٥٠٦ قصيدة الكافية في التصريف اولها

اقول وفي قريصى ما كفاك

فخذ ما فيه تحويبه مناك

Dico — sermo sincerus altissime penetrat in mentem,

Et veritati aliquid inest, quod attentum sibi animum et aures conciliet.

*Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Lakhmi* Grammaticus, vulgo *Ibn Hishám* dictus, qui anno 657 (inc. 29. Dec. 1258) vixit, commentarium integrum in eam edidit, et ab initio narrat, auctorem regnante *Hákim* Cahirae habitasse et in doctrinis  
5 mathematicis versatissimum fuisse. De iis libros composuit et circa annum 430 (inc. 3. Oct. 1038) vixit, ut *Sáid* in *Tabacát* narrat. — 9505. El-Casída El-Cáfiyet, *Casída* in *Cáf* desinens, quae pariter de affectibus animae agit et ita incipit:

Et jam se demisit e pratis floridissimis

Psittacus elegancia exquisita et fulgore splendido ornatus.

Idem commentarium in eam scripsit. Alius commentarius in hanc *Casídam*, qui *Jelúl-ed-din Deváni* auctorem habet, brevis est et incipit ita: Laus Deo talis, qualem meretur etc. — 9506. El-Casída El-Káfiyet, *Casída* in *Káf* desinens de flexu formarum, quae ita incipit:

10 Dico — et in carmine meo insunt, quae tibi sufficiunt.

Accipe igitur, quae in eo vota tua continent.



شرحها جلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى سنة ٩١١ اوله احمد لله المنفرد  
 في ملكه بالتصريف الخ قال امليتها في ثلاثة مجالس آخرها سابع عشر في محرم سنة ٨٤٢ ٩٥٧  
 قصيدة لمجد الدين محمد بن انظهير فيينا مواعظ وآداب اولها  
 كَرَّ حَتَّى اِلَى الْعَمَاتِ مَابِه

5 ٩٥٠ قصيدة المنفرجة لابي الفضل يوسف بن محمد بن يوسف انتوزرى المعروف بابن انجوى  
 توفى سنة ٧٥١ وقيل لابي الحسن يحيى بن العطار انقرشى الحافظ والاول ارجح نظمتها حين أخذ  
 بعض المتغلبين ماله فرأى ذلك الرجل في نومه تلك الليلة رجلاً وفي يده حربة قال له ان  
 لم ترد امواله والا قتلتك فاستيقظ ورد كذا في غرة اللآلحة قال ابن السبكي وكثير من  
 الناس يعتقد ان حذاه مشتملة على الاسم الاعظم وما دعا به احد الا استجيب له انتهى  
 10 وقد اعتنى عليها جماعة فشرحها يحيى بن زكرياء المقرئ توفى سنة ستمائة فتح مفرج الكرب

*Jelâl-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyûti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, commentarium in eam composuit, qui ita incipit: Laus Deo, qui in suo regno dispositione unicus est etc. Eum, inquit, in tribus consessibus dictavi, quorum ultimus in diem septimum decimum mensis Moharrem anni 884 (inc. 25. Mart. 1479) incidit. — 9507. *Casida*, *Casida Majd-ed-dini Mohammed Ben-eltzahir*, quae paraenetica et ethica continet et ita incipit:

Omne vivum animal ad mortem redit.

9508. *El-Casida El-Munferijet*, *Casida* curam adimens, auctore *Abu'lfadhl Yusuf Ben Mohammed Ben Yusuf Tauzeri*, vulgo *Ibn-elnahwi* dicto et anno . . . 5 mortuo, sive, ut alii volunt, *Háfiz Abu'thasan Yahya Ben-elattâr Coreshi*. Prior tamen opinio praevallet; scripsit ille eam, cum tyrannus aliquis ejus bona vi rapuisset. Vidit hic homo ea ipsa nocte per somnium hominem hastam brevem manu tenentem, qui: Nisi rapinam, inquit, reddis, certe te interficio. Tum somno expergefactus opes raptas restituit, ut in libro *Ghorret Láihat* narratur. Teste *Ibn-elsobki* multi homines *Casida* illa nomen Dei maximum contineri, et quod quis interposita *Casidae* precatione petat, id ei certe concedi fatentur. — Haec ille. — Multi in ea commentanda operam posuerunt, ut *Yahya Ben Zakariyá* Corani Lector, anno . . . mortuus, cujus commentarius *Fal'h moferrij el-karb* inscriptus est — *Sheikh Mohammed Ben Mohammed Delji*, [anno 947 (inc. 8. Mai. 1540) mortuus, cujus commentarius, 10 *El-Lewámí El-Lahijet bi asrâr El-Munferijet* inscriptus, ita incipit: Laudamus

والشيخ محمد بن محمد الدجى المتوفى سنة [٩٤٧ وسماه اللوامع الالهجة بسرار المنفرجة  
 اوله نحمدك يا من شرح صدورنا بانفراج الكريات الخ وابو يحيى زكرياء بن محمد الانصارى  
 الشافعى المتوفى سنة ٩٣١ وسماه اضواء البهجة في ابراز دقائف المنفرجة اوله الحمد لله  
 المنفرج للكرب الخ فرغ من شرحه في سنة ٨٨١] قال فيه هى قصيدة الامام التوزرى على  
 ما قاله ابو العباس احمد بن ابى زيد البجائى شارحها او ابى عبد الله محمد بن احمد 5  
 ابن ابراهيم الاندلسى القرشى على ما قاله العلامة تاج الدين السبكي في طبقاته مع نقله  
 الاول وهو من بحر الجنب الذى تركه للليل واثبتته الاخفش وهذه القصيدة سماها الشيخ  
 تاج الدين السبكي بالفتوح بعد الشدة قال وهى مجرية لكشف الكرب قال ناظمها مخاطباً  
 لمن لا يعقل بعد تنزيله منزلة من يعقل

10

اَشْتَدَى اَزْمَةٌ تَنْفِرِجِي

قَد اَدَّنَ لَيْلِكَ بِالْبَلَجِ

في خمس وثلاثين بيتاً خمسها ابن ملك وشرحه الشيخ الامام ابو الحسن على بن يوسف البصرى

Te, qui pectora nostra depellendis moeroribus exhilaras etc. — *Abu Yahya Zakariyá Ben Mohammed Ansári* Shafita, anno 926 (inc. 23. Dec. 1519) mortuus, ejus commentarius, *Adhwá el-behjet fi ibráz decáic El-Munferijet* inscriptus, ita incipit: Laus Deo a sollicitudine liberanti etc. Commentarium anno 881 (inc. 26. 5 Apr. 1476) absolvit.] Haec *Casida*, inquit, teste *Abu'labbás Ahmed Ben Abi Zeid Bejáyi* ejus explanatore, *Imám Tauzeri* auctorem habet, sive *Abu Abdallah Mohammed Ben Ahmed Ben Ibráhim Andalusi Coreshi*, ut vir doctissimus *Táj-ed-din Sobki* in suis *Tabacát*, priori traditione addita, dicit, et metrum *Jeneb* sequitur, quod *Khalti* praetermisit, *Akhfash* recipiendum esse statuit. *Sheikh Táj-ed-din Sobki* hanc *Casidam El-Fotúh ba'd el-shiddet* nominat, et usu probatissimam esse dicit ad moerorem abstergendum. Poeta aliquem alloquitur haud intelligentem, postquam eum ita posuit, ut locum intelligentis teneret:

10

Esto; vim tuam exerceas, o moeror, violentam; depelleris.

Jam nox tua primam indicavit laetitiam.

*Ibn Melik Casidam*, quae triginta quinque versus continet, quincuplici circumscriptione auxit, et *Sheikh* et *Imám Abu'lhasan Ali Ben Yusuf Basri* commentatus est;



وشرحها الشيخ الزاهد عبد الرحمن بن حسن المقابري الشافعي وسماه انوار البهجة في  
 ظيور كنوز المنفرجة وعبيد اللد بن محمد بن يعقوب ومن شرحها الانوار المبتلجة في بسط  
 اسرار المنفرجة مجلد للشيخ انفييه ابى العباس احمد بن الشيخ الصالح ابى زيد عبد  
 الرحمن النقارى الاصل البجائى اوله الحمد لله الذى تفرّد بالبقاء والقدم المبدئى القادر  
 5 الذى برأ النسم الخ قدّم في اوله تعريفين الاول في ترجمة الشيخ ناظم والثاني في بيان بحر  
 التقصيدة وتحفة البهجة في تصمين المنفرجة للشيخ ابى الفصل محمد بن احمد بن ايوب  
 الدمشقى الشافعي مات سنة 905 زاد بيتنا في كل ما بين المصرعين وشرح المنفرجة بالتركية  
 للشيخ اسمعيل بن احمد الانقورى المولوى المتوفى سنة 1043 وسماه الحكم المندرجة في شرح  
 المنفرجة وشرح عنه في رمضان سنة 1043 909 قصيدة ميمية رديفيا ياءتتم لمنلا جلال  
 10 الدين محمد بن محمد الرومى المتوفى سنة [473] شرحها الامير احمد البخارى والشيخ

idemque fecerunt Sheikh asceta *Abd-el-rahman Ben Hasan Mecabiri* Shafita, cujus commentarius *Anwār el-behjet fi tazohūr konūz El-Munferijet* inscriptus est, et *Obeidallah Ben Mohammed Ben Yacūb*. Alius commentarius, *El-Anwār El-Mubtelijet fi bast asrār El-Munferijet* inscriptus et volumine comprehensus, Sheikh Jurisconsultum *Abu'labbās Ahmed* filium Sheikh probi *Abu Zeid Abd-el-rahman Bejāyi* ex urbe *Necāt* oriundum auctorem habet, et incipit ita: Laus Deo, qui solus ab aeterno et in aeternum exstat, creatori primo, omnipotenti, qui animas creavit etc. Praemisit auctor duas explicationes, quarum prior biographiam 5 Sheikh poetae continet, posterior metrum *Casidae* describit. Sheikh *Abu'fadhl Mohammed Ben Ahmed Ben Eyyūb Dimeshcki* Shafita, anno 905 (inc. 8. Aug. 1499) mortuus, cujus commentarius titulo *Tohfet el-behjet fi tedhmin El-Munferijet* insignitus est, inter utrumque singulorum versuum hemistichium versum inseruit. Commentarium turcicum, *El-Hikem El-Munderijet fi sharh El-Munferijet* inscriptum, Sheikh *Ismail Ben Ahmed Anckirewi Maulewi*, qui anno 1042 (inc. 9. Jul. 1632) mortuus est, in *Casidam Munferijet* edidit, et mense Ramadhān anni 1040 (inc. 31. Jul. 1630) absolvit. — 9509. *Casida Mīmiyet*, *Casida in Mim* desinens, cujus *Redif* sive verba homoeoteleuto versuum carminis annexa *Yā antom*, „O vos!“ sunt, auctore Menlā *Jelāl-ed-din Mohammed Ben Mohammed Rumi*, anno [62] 10 (inc. 18. Jul. 1273) mortuo. Emir *Ahmed Bokhāri* commentarium in eam edidit,

- عبد الخجيد [بن محرم] السيواسى بالتركى المتوفى سنة ١٠٤٩. ١٥١. قصيدة ميمية في الكلام  
اسمها الدرّة السنية في العقائد السنية مرّ ١٥٢ قصيدة ميمية في نحو الفى بيت في الصنائع  
والفنون لشمس الدين محمد بن الحسن ابن صانع الدمشقى المتوفى سنة ٧٠٠. ١٥٢  
قصيدة ميمية في النحو لحازم بن محمد [بن الحسن] القرطاجى [النحوى] المتوفى سنة ١٠٤  
ذكر ابن هشام منها ابياتا في المغنى في المسئلة الزنبرية ١٥٣ قصيدة ميمية للمولى ابى 5  
السعود بن محمد العمادى المتوفى سنة [١٠٣] مطلعيا  
ابعد سليمان مطلب وغرام  
شرحها المولى عبد الرحمن ابن صاجلى امير المتوفى سنة ١١٧ والشيخ غرس الدين لللى  
وشرحها رضى الدين محمد بن ابراهيم لللى ابن الحنبلى المتوفى سنة ١٠١٠ وسماه المبتور  
العودى على المنظوم السعودى ١٥٤ قصيدة نونية في الاحاجى والالغاز النحوية للشيخ 10

itemque Sheikh *Abd-el-mejtd* [*Ben Moharrem*] *Siwási*, anno 1049 (inc. 24. Apr. 1639) mortuus, cujus commentarius turcice scriptus est. — 9510. *Casida Mímíyet*, *Casida in Mím* desinens de metaphysica, *El-Dorret El-Seniyet fi el-acáid el-sonniyet* inscripta. Vide supra. — 9511. *Casida Mímíyet*, *Casida in Mím* desinens et duo circiter versuum milia continens de artibus et doctrinis, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben-elhasan Ibn Saigh Dimeschki*, anno 720. (inc. 12. Febr. 1320) mortuo. — 9512. *Casida Mímíyet*, *Casida in Mím* desinens de syntaxi, auctore *Házim Ben Mohammed* [*Ben-elhasan*] *Cartájenni* [Grammatico], anno 684 (inc. 5 9. Mart. 1285) mortuo. *Ibn Hishám* ex ea duos versus libro *Mughni* inseruit in quaestione de crabrone. — 9513. *Casida Mímíyet*, *Casida in Mím* desinens, auctore *Molla Abu'lsoúd Ben Mohammed Imádi*, anno [982 (inc. 23. Apr. 1574)] mortuo. Ejus initium hoc est:

Num post *Suleima* aliquid superest, quod concupiscere et desiderare possis!

Commentarios in eam scripserunt *Molla Abd-el-rahman Ben Sátshli Emír*, anno 987 (inc. 28. Febr. 1579) mortuus — *Sheikh Ghars-ed-din Halebi* — *Redhí-ed-din* 10 *Mohammed Ben Ibráhim Halebi*, vulgo *Ibn-elhanbali* dictus et anno 971 (inc. 21. Aug. 1563) mortuus, cujus commentarius *El-Mebthúr El-Udi ala El-Mantzúm El-Souði* inscriptus est. — 9514. *Casida Nuníyet*, *Casida in Nún* desinens et septuaginta duos versus continens de logis et aenigmatis grammaticis, auctore



خليل ابى سعيد فرح [بن قاسم] بن احمد بن لبّ التغلبى الاندلسى المتوفى سنة ٧٨٣

اوله احمد رقى حمد ذى انعان الخ وشرحه له ايضا وهى سبعون بيتا ٩٥٥ قصيدة

الفوقية فى التجويد المسماة بعمدة المفيد مرّ فى العين اولها

يا من يروم تلاوة القرآن

5 ولى المزاحم موسى بن عبد الله بن يحيى الخاقانى المتوفى سنة ٩٥٦ قصيدة نونية فى

التجويد ذكر السخاوى فى آخر قصيدته مادحا لها بقوله

واعلم بانك حائر فى ظلمها

ان تستنها بقصيدة الخاقانى

كانه يفضاها على قصيدة الخاقانى ٩٥٧ قصيدة نونية لمولانا خضريك بن جلال الدين

10 ابن احمد پاشا المتوفى سنة ٨٩٣ سماها عجالة ليلتين واما سميت بيها لقوله

الا يا ايها السلطان نظمى

Sheikh *Khalil Abu Said Farah* [*Ben Casim*] *Ben Ahmed Ben Lebb Taghlibi Andalusí*, anno 783 (inc. 28. Mart. 1381) mortuo. Incipit ita: *Laudo Dominum meum laude tali, qualis obedientem decet etc., et auctor in eam commentarium quoque edidit.* — 9515. *El-Casida El-Nuniyet*, *Casida in Nun* desinens de arte Coranum bene legendi, *Omdet el-mofid* inscripta. Commemorata est in litera *Ain* et incipit ita:

O qui Coranum recitare vehementer cupit —

De eadem re *Abu'lmozahim Musa Ben Abdallah Ben Yahya Khacani*, anno . . . 5 mortuus, carmen composuit, — 9516. *Casida Nuniyet*, *Casida in Nun* desinens de arte Coranum bene legendi. *Sekhawi* ad finem *Casidae* suae in illius laudem haec dicit:

Et scias, te animo obtuso injuriam *Casidae* illi facere,

Quando eam cum *Casida Khacani* comparas —

ac si eam *Casidae Khacani* praeferret. — 9517. *Casida Nuniyet*, *Casida in Nun* desinens, auctore Molla nostro *Khidrbeq Ben Jelul-ed-din Ibn Ahmed Pasha*, anno 893 (inc. 17. Dec. 1487) mortuo. Nominavit eam *Jjulet leilatein*, et ita dicta est a versu:

Profecto, o Sultan, carmen meum

لقد زاد الهوى في البعد ببني

وبين البان بعد المشرقين

5 *١٥١٨* قصيدة النونية في الكلام للمولى خضريك المذكور آنفاً اولها

لحمد لله على الوصف والنشأ

منزه للحكم عن آثار بطلان

وشرحيا تلميذه منلا احمد بن موسى الخيالي المتوفى سنة ثيف وستين وثمانمائة اوله لك

لحمد يا من شرح صدورنا لتجريد الكلام الخ ذكر فيه اسم ابي انفتح السلطان محمد خان

ومدحه بقصيدة [وعلى شرح الخيالي حاشية للمولى الفاضل محمد امين بن الشيخ محمد

10 الاسكداري المتوفى سنة ١٥١٥ وهو بالقول وعليها شرح للمولى المشهور بحافظ الكبير محمد

ابن الحاج حسن المتوفى سنة ١٥١٤ في آخر عمره حتى اذا قرب من اتمامه وبقي منه مقدار

Opus subitum est noctis aut duarum noctium.

Initium autem carminis hoc est:

Crevit jam amor, dum inter me et salicem aegyptiacam

Intervallum erat ei simile, quod inter solem est aestate et hieme orientem.

5 9518. El-Casida El-Nuniyet, *Casida in Nun* desinens de metaphysica, auctore Molla *Khidhrbeg* modo laudato. Incipit ita:

Laus Deo pro qualitate laudabili et conditione sublimi,

Qui judicium a vanitatis vestigiis liberat.

Menla *Ahmed Ben Musa Khayali* auctoris discipulus, anno 860 (inc. 11. Dec. 1455)

et quod excedit mortuus, commentarium in eam scripsit ita incipientem: Tibi

laus, o Tu, qui pectora nostra egregie disposuisti ad metaphysicam clare et distincte

exponendam etc. Praeposuit ei nomen Sultani *Abu'fat'h Mohammed Khan*, in

cujus laudem *Casidam* composuit. [Ad *Khayali* commentarium, qui ea textus verba

tantum continet quae explicantur, Molla bene meritus *Mohammed Emin Ben-elsheikh*

10 *Mohammed Uskudari*, anno 1151 (inc. 10. Apr. 1738) mortuus, glossas scripsit.

Porro Molla *Mohammed Ben-elhuj Hasan*, vulgo *Hufiz* Magnus dictus et anno 1154

(inc. 8. Mart. 1741) mortuus, ad finem vitae commentarium in eam composuit, ita



خمسة عشر بيّتا توفي الى رحمة الله تعالى اوله الحمد لله الذى شرح صدورنا بعقائد اهل  
 السنة والجماعة الخ وعليها شرح للشيخ عثمان الكليسى المعروف بالعراقي نزيل المدينة  
 المنورة جمعه من انشراح] ٩١٩ قصيدة الوترية في مدح خير البرية لابي بكر عبد  
 انكريم الحلبي الشافعي المتوفى سنة ٥٥٠ ٩٥٢ قصيدة الوضوئية للشيخ عبد الرحمن بن  
 ٥ احمد بن مسك السخاوي المتوفى بعد سنة ١٢٥ وشرحها شرحا لطيفا جامعاً لميمات  
 الوضوء ٩٥٢ قصيدة حمزية في المدائح النبوية لصاحب البردة سماها ام القرى لما اتيا  
 حوت اكثر المدائح النبوية اولها

كيف ترقى رُقيك الانبياء

شرحها الشيخ احمد بن حجر الهيتمي المكي [المتوفى سنة ٩٧٣] وسماه المنح المكية ثم سماه  
 10 افضل القرى وشرحها الشيخ ابو الفضل المالكي خادم انشيخ ابي انسعود الجارحي اوله

ut, quum janu prope esset ut eum finiret, et quindecim tantum versus adhuc  
 explicandi essent, misericordiae divinae se tradens moreretur. Incipit commentarius  
 ita: Laus Deo, qui pectora nostra fidei articulis asseclarum Sunnae et consensus  
 communis disposuit etc. Denique Sheikh *Othmán Kelisi* Medinae illustris inquilinus,  
 vulgo *Oryáni* dictus, commentarium edidit e ceteris commentariis electum]. — 9519.  
 El-Casída El-Wetriyet, *Casída* singularis in laudem optimi hominum creatorum,  
 auctore *Abu Bekr Abd-el-kerim Halebi* Shafíita, anno 858 (inc. 1. Jan. 1454)  
 mortuo. — 9520. El-Casída El-Wodhuíyet, *Casída* de lotione sacra, auctore  
 Sheikh *Abd-el-rahman Ben Ahmed Ben Misk Sekháwi*, post annum 1025 (inc. 5  
 10. Jan. 1616) mortuo. Idem commentarium in eam scripsit elegantem, qui omnes  
 de lotione sacra quaestiones graviore tractat. — 9521. *Casída-Hamzíyet*,  
*Casída* in *Hamza* desinens de virtutibus prophetae laudabilibus, quam auctor *Casídae*  
*Burda* edidit et *Omm el-corá* nominavit, cum ea plurimas virtutum prophetae  
 laudabilium contineat. Incipit ita:

Quomodo possent prophetae tam alte ascendere, ut tu ascendisti!

Commentarios in eam composuerunt Sheikh *Ahmed Ben Hajr Heithemi Mekki*,  
 [anno 973 (inc. 29. Jul. 1565) mortuus], cujus commentarius *El-Minah El-Mekkiyet*  
 inscriptus postea titulum *Afdhal el-ckirá* (i. e. praestantissima coena hospitalis) 10  
 accepit — Sheikh *Abu'Isáud Jaríhi*, famulus Sheikh *Abu'Isáud Jaríhi*, cujus

الحمد لله الذى زين بديع النظام الخ وشرحها ايضا محمد بن عبد المنعم [بن محمد للجوجرى فرغ من تبييضه سنة ٩١٣ وختمها المولى شيخ الاسلام بن شيخ الاسلام اسعد محمد ابن اسمعيل المتوفى سنة ١١٦١ ثم شرحها مع تخرميسها الشيخ عثمان بن الكليسى المعروف بالعريانى نزيل المدينة المنورة فسح الله عمره شرحا مبسوطا] ٩٥٢ قصيدة اليانية في اسامى الكتب العلمية لشرف الدين محمد بن معمر القدسى الكاتب المتوفى سنة ٧١٢ ذكره 5 ابن حجر في الدرر اقول وما رأيت غيره من ألف فيه شيئا وقد عرفت حال النظم وضيقه عن الاستيعاب كما ينبغي ٩٥٣ قصيدة اليانية لابن القارض عمر بن على المصرى [المتوفى سنة ٩٣٣] من بحر الرمل اوله

سأنف الاطعان يطوى البيد طوى

شرحه بعنيم وسماه الانوار العتيبة في شرح القصيدة اليانية اوله الحمد لله رب 10 العالمين الخ ٩٥٤ قصيدة يقول العبد في الكلام للشيخ الامام سراج الدين على بن

commentarius ita incipit: Laus Deo, qui orationem poetarum comtam ornavit etc. — itemque *Mohammed Ben Abd-el-mou'im* [*Ben Mohammed Jaujari*, qui nitidam commentarii scriptionem anno 983 (inc. 12. Apr. 1575) absolvit. Quincuplicem eam reddidit Molla Sheikh el-islám, filius Sheikh el-islám *As'ad Mohammed Ben Ismail*, anno 1166 (inc. 23. Oct. 1752) mortuus, et simul cum hac circumscriptione *Sheikh Othmán Ben-elkelisi* Medinae inquilinus, vulgo *Oryáni* dictus, cujus vitam Deus longam amplamque reddat, fusius commentatus est]. — 9522. El-Casída El-Yáiyet, *Casída* in *Yá* desinens de nominibus librorum, qui in doctrinis versantur, auctore 5 *Sheref-ed-din Mohammed Ben Moammer Codsí* Scriba, anno 712 (inc. 9. Mai. 1312) mortuo. Laudat *Casídám Ibn Hajr* in libro *El-Dorer*, et, ut memini, nullum virum alium scio, qui de hoc argumento librum composuerit, et bene conditionem carminis cognovi et angusta vincula, quibus nimis obstrictum est, quam ut argumentum, ut convenit, satis et perfecte tractare possit. — 9523. El-Casída El-Yáiyet, *Casída* in *Yá* desinens et ab *Omar Ben Ali Misri*, vulgo *Ibn-elfáridh* dicto [et anno 632 (inc. 26. Sept. 1234) mortuo], metro *Raml* composita. Incipit ita: O tu, qui pilenta camelina propellis deserta peragrans.

Vir aliquis doctus commentarium in eam edidit *El-Anuár El-Modhiyet* inscriptum, 10 qui ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. — 9524. *Casída Yacúl el-abd*, *Casída* „Dicit servus“ de metaphysica, auctore *Sheikh* et *Imám Siráj-ed-din Ali Ben*



عثمان الاوشى الفرجانى للنفى توفى سنة ١١٥٠ ودفن سنة ١١٥٠ وستون بيتا اولها

يقول العبد في بدء الامالى

لتوحيد بنظم كاللآلى

وآخرها

وَأَيُّ الدَّرَجَاتِ أَدْعُو اللَّهَ وَأَسْعَى

5

لمن بالخير يوماً قد دعى لى

وهي مقبولة متداولة [فرغ من نظمه سنة ١١٥٠ كما نقله التميمي في ضبقات للنفية] شرحها جماعة منيهم محمد بن ابي بكر الرازي المتوفى سنة قال فيه جمعتهما من السواد الاعظم والفقهاء الاكبر ومن الطحاوى والكسائى ومن الدر الاظهر وموجز التأليف وغير ذلك فسميتها 10 حداية من الاعتقاد والشيخ الامام عز الدين محمد بن ابي بكر للجماعة المتوفى سنة [١١٥٠] اوله الحمد لله مؤيد دعائهم ان الذين الخ وسماه درج المعالى في شرح بدء الامالى وهو مختصر اوله الحمد لله تعاقت في تبه كبريانه بصائر قلوب العرفاء الخ قال فاعلم ان القصيدة الانامية

*Othmán Ushí Ferghání* Hanefita, anno . . . mortuo. Continet sexaginta sex versus, et incipit ita:

Dicit servus Dei ab initio dictatorum

Ad doctrinam de anitate Dei in carmine ad instar margaritarum contexto.

Ad finem hunc habet versum:

Et ego per vitam meam Deum invocabo et studebo

5

Saluti ejus inservire, qui mihi aliquo die bona precatus sit.

[Compositionem *Casidae*], quae valde comprobata est et in omnium manibus versatur, [anno 569 (inc. 12. Aug. 1173) absolvit, ut *Temimi* in *Tabacút El-Hanefiyet* tradit]. Multi in eam commentarios scripserunt, ut *Mohammed Ben Abi Bekr Rázi*, anno . . . mortuus, qui adnotationes se ex *El-Sewád El-Atzam*, *El-Fic'h El-Acbar*, *Taháwi*, *Kisáyi*, *El-Dorr El-Azhar*, *Mujiz el-talíf* aliisque libris collegisse et titulo *Hidáyet min el-íticád* ornasse narrat — *Sheikh* et *Imám Izz-ed-din Mohammed Ben Abi Bekr El-Jemáa*, anno [819 (inc. 1. Mart. 1416)] mortuus, [cujus commentarius brevis, *Derej el-meáli fi sharh bed'i el-amáli* inscriptus, ita incipit: Laus Deo, columnas religionis fulcienti etc.] cujus commentarius ita incipit: Laus Deo, prae cujus 10 majestate magna visus cordium virorum spiritalium obstupefiunt etc. Scias,

على قواعد عقائد أهل الدين في المسائل الدينية كبحر لُجِّي وان صغر حجمها كثرت فوائدُها  
 فارتدت ان ارفع استارها بان ارتب ما علقت من فوائد الكتب المبسوطة فشرحتها شرحاً  
 كاشفاً للمشكلات مبطلاً لمعتقد أهل البدع والضلالات سمّيته مطلع المثل في العقائد الاسلامية  
 ومنبع الكمال في المسائل الكلامية في شرح القصيدة الفريدة اللامية والشيخ شمس الدين  
 انكسارى المتوفى سنة شرح شرحاً مختصراً نافعاً وشرحه على [بن سلطان] محمد القارى 5  
 [المتوفى سنة 1014] وسمّاه ضوء المعالي ومن شروحه المختصر نفيس الرياض لاعدام الاعراض  
 للشيخ خليل بن العلاء البخارى المتوفى سنة وهو شرح مجرد بالقول اوله الحمد لله المتصف  
 باوصاف الكمال الخ وشرحها الامام رضى الدين ابو القاسم بن حسين البكرى اوله الحمد  
 لله حقّ حمده الخ وحسين بن ابراهيم بن حمزة بن خليل شرحاً اوله ان ارفع مقام  
 وانفع مقال الخ وسمّاه باللائى في شرح الامالى [وشرح الشيخ محمد بن احمد بن عمر 10

inquit, *Casidam* in *Lám* desinentem et ad fundamenta primaria articularum fidei  
 virorum religioni addictorum compositam, quod quaestiones religionis attinet, similem  
 esse mari vasto et profundo, et quamvis ejus volumen tenue sit, multas tamen  
 continere adnotationes utiles. Eam ob causam ejus vela reducere statui, ita ut  
 adnotationes utiles, quas e libris amplioribus summatim excerpsi, in ordinem  
 disponerem. Scripsi igitur commentarium, qui difficultates obscuriores explicaret et  
 oracula virorum rerum novarum studiosorum et erroribus imbutorum irrita redderet,  
 eique titulum dedi *Mella' el-mithál fi el-achid el-islámiyet we Menba' el-kemál*  
 5 *fi el-mesáil el-kelámiyet fi sharh El-Casida El-Feridet El-Lámiyet* — Sheikh  
*Shems-ed-dín Nikusári*, anno . . . mortuus, cujus commentarius brevis et utilis  
 est — *Ali [Ben Sultán] Mohammed* Corani Lector, [anno 1014 (inc. 9. Mai. 1605)  
 mortuus], cujus commentarius *Dhu el-meáli* inscriptus est — Sheikh *Khalíl Ben-elalá*  
*Bokhári*, anno . . . mortuus, cujus commentarius, compendii formam et titulum *Nefis*  
*el-riyádh li idám el-arádh* prae se ferens, locis probantibus caret, et exposita  
 tantum textus verba continet. Incipit ita: Laus Deo perfectionis qualitatibus distincto  
 etc. — *Imám Redhí-ed-dín Abu'lqásim Ben Hosein Bekri*, cujus commentarius  
 ita incipit: Laus Deo talis, quali dignus est etc. — *Hosein Ben Ibráhim Ben*  
 10 *Hamza Ben Khalíl*, cujus commentarius, *El-Leáli fi sharh el-amáli* inscriptus, ita  
 incipit: Certe locus altissimus et dictum utilissimum etc. — [Sheikh *Mohammed Ben*



- الانطاكي للنفى المتوفى سنة شرحاً معزجاً اوله حمداً لك يا من تقدس ذاته الخ وهو  
 شرح على وجه التحقيق] ٩٥٥ قصيرات الحجال لابي العباس احمد بن يحيى بن ابي  
 جلة التلمساني المتوفى سنة ٧٧١ ٩٥٦ قضاء الخوانج لابن ابي الدنيا ولائي النوسي  
 ٩٥٧ قصة البصرة لابي عبيدة معمر بن مثنى البصري ٩٥٨ قصة مصر لابي عمرو محمد  
 5 ابن يوسف وذيله لابن زولان وذيل ذيله المسمى برفع الاصر مر ذكره جميعاً في تاريخ مصر  
 ولابن حجر [العسقلاني] مجلد ضخيم سبق كتابها في تاريخ الفقهاء ٩٥٩ قضايا الصابئة  
 في النجوم لعز الملك محمد بن عبد الله الخراساني المتوفى سنة ٤٢٠ ٩٥٣ خطبة الكشاف  
 لحد خطبة الكشاف ياتي ٩٥٦ قطب السرور في اوصاف الخمور لاحمد بن القاسم  
 المعروف بالرفيق النديم وكان حياً في سنة ٣٤٠ ٩٥٣ قطب فلك الاسماء ومركز  
 10 مدار المستى ذكره البوني ٩٥٣ القطرة في النحو للشيخ شمس الدين ابن الجندی

*Ahmed Ben Omar Antaki Hanefita, anno . . . mortuus, cujus commentarius textum admixtum habet et ita incipit: Laudem Tibi, cujus essentia nimis sancta est etc. Compositus est ita, ut quaestionibus argumenta adjecta sint]. — 9525. Casírat el-hijál, mulieres arctiore thalamorum sponsalium custodia asservatae, auctore Abu'labbas Ahmed Ben Yahya Ben Abi Hejla Tilimsáni, anno 776 (inc. 12. Jun. 1374) mortuo. — 9526. Cadhá el-hawáij, peractio negotiorum necessariorum, auctoribus Ibn Abi'dunyá et Abu'Inersi. — 9527. Codhát El-Basra, judices Basrenses, auctore Abu Obeida Ma'mar Ben Mothanna Basri. — 9528. Codhát Misr, judices Aegyptii, auctore Abu Amru Mohammed Ben Yusuf. Ad 5 eos Ibn Zulác appendicem edidit, et ad hanc appendicem alia scripta est titulo Raf'o' el-isr insignita. Haec omnia supra sub Tarikh Misr commemorata sunt. Praeterea Ibn Hajr [Ascaláni] volumen crassum scripsit, de quo sub Tarikh el-focahá plene videndum est. — 9529. Cadháyá El-Sábiyet, judicia Sabaeorum de astrologia, auctore Izz-el-mulk Mohammed Ben Abdallah Harráni, anno 420 (inc. 20. Jan. 1029) mortuo. — 9530. Cutbet el-khoshsháf, scopus properantium ad praefationem commentarii Keshsháf explicandam. Vide infra, — 9581. Catb el-sorúr, copia laetitiae de qualitatibus vinorum, auctore Ahmed Ben-elcásim, vulgo Rechi' El-Nedim (i. e. compotor) dicto, qui anno 340 (inc. 9. Jun. 951) vixit. — 9532. Cutb felec el-asmá, polus orbis coelestis nominum et centrum circuli rerum nominatarum. Commemorat hunc librum El-Buni. — 9533. El-Catret 10 fi el-nahw, gutta de grammatica, auctore Sheikh Shems-ed-din Ibn-eljendi. —*

- ٩٥٣٤ قطر اندرر في شرح نظم الدرر يأتي ٩٥٣٥ قطر السيل في امر الخيل [للشيخ الكافظ  
سراج الدين عمر بن رسلان بن نصر البلقيني الشافعي المتوفى سنة ٨٥٠] مختصر اوله  
الحمد لله الذي عرفنا بفضل الخ اختصره من تأليف الشرف الدمياطي واطاف اليه  
اشياء ورتب على سبعة فصول ٩٥٣٦ القطر المصري في قراءة ابي عمرو ابن العلاء البصرى  
للشيخ عمر بن قاسم بن محمد بن علي النشار اوله الحمد لله الذي انزل على عبده 5  
انكتاب الخ ٩٥٣٧ قطر الغمامة وطوق الحمامة من الادبيات ٩٥٣٨ قطر المكرر في  
قراءة السبع لعمر النشار المذكور ٩٥٣٩ قطر النباتي لابن نباتة محمد [بن محمد  
المصرى] الفارقي المتوفى سنة ٧٨٠ اقتصر فيه على مقاطع شعره ٩٥٤٠ قطر النداء في ورود  
الهمزة للندا لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطى توفى سنة ٩١١ ٩٥٤١ قطر  
الندا وبل الصدا مقدمة في النحو لابي عبد الله محمد بن يوسف بن هشام النحوى 10

9534. *Catr el-direr*, pluvia nubium irrigantium. *Commentarius in librum Natzm el-dorer*, de quo infra videndum est. — 9535. *Catr el-seil*, pluvia fluens de rebus equos spectantibus, [auctore Sheikh et Háfitz *Siráj-ed-dín Omar Ben Raslán Ben Nasr Bolckeini Shafiita*, anno 805 (inc. 1. Aug. 1402) mortuo]. *Compendium*, quod ita incipit: *Laus Deo*, qui nos benignitatem suam docet etc. *Extraxit illud e libro a Sheref-ed-dín Dimyáti* composito et rebus novis additis in septem sectiones distribuit. — 9536. *El-Cotr-El-Misri*, tractus coeli Aegyptii de recensione coranica *Abu Amru Ibn-el-alá Basri*, auctore Sheikh *Omar Ben Cásim Ben Mohammed Ben Ali Neshshár*. Incipit ita: *Laus Deo*, qui super servum suum librum revelavit etc. — 9537. *Catr el-ghamámet*, pluvia nubis coelum tegentis et torques palumbis. Ex scriptis elegantioribus est. — 9538. *El-Catr El-Mokarrer*, pluvia repetita de septem Corani recensionibus, auctore *Omar El-Neshshár* supra laudato. — 9539. *El-Catr El-Nebáti*, pluvia vegetabilis sive *Nebática*, auctore *Mohammed [Ben Mohammed Misri] Fáríckí*, vulgo *Ibn Nebáta* dicto et anno 768 (inc. 7. Sept. 1366) mortuo. Dedit hic tantum fragmenta sua poetica. — 9540 *Catar el-nodá*, guttae roris de Hamza verbo *nedá* addenda, auctore *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. — 10 9541. *Catar el-nedá we Ball el-sadá*, guttae pluviae et irrigatio fontis. *Introductio in grammaticam*, auctore *Abu Abdallah Mohammed Ben Yusuf Een Hishám Grammatico*,



المتوفى سنة ٧١٣ وله عليه شرح اوله الحمد لله رافع الدرجات الخ قال هذه نكت حررتها على مقدمتى المسماة بقطر النداء رافعة لحنها شرحها الشهاب احمد بن الجمال عبد الله ابن احمد بن علي الفاكبي في سنة ١١٣٤ وسماه مجيب النداء اوله الحمد لله الرفع من الحصى بعزته وسلطانه الخ فرغ من شرحه يوم الاثنين ثالث عشر من رجب سنة ١١٣٤ 5 [وعليه حاشية بالقول للشيخ ياسين بن مزون الدين الحمصي الشافعي المتوفى سنة ١١٧١] والشيخ محمد بن ابراهيم بن ابي الصفاء تلميذ ابن اليمام ومن شروح القطر دليل الميدي لمحمد بن علي بن احمد الحريري الحرفوشي [المتوفى سنة ١٠٥٩] اوله يا من غرقت في تيار الوحيتة الخ ذكر فيه ان الشهاب احمد بن الجمال عبد الله بن نور الدين علي الفاكبي شرحه وسماه مجيب النداء لكنه لم يندب فيه وحرره وضم اليه ما يكمل 10 به وفرغ عنه في محرم سنة ١٠٤٧ قطع الآمال في تأخير الآجال ١٠٤٣ قطع الدابر

anno 762 (inc. 11. Nov. 1360) mortuo. Idem commentarium scripsit, qui ita incipit: Laus Deo gradus elevanti etc. Hae, inquit, adnotationes subtiles sunt, quas ad introductionem meam titulo *Catar el-nedá* insignitam scripsi, ita ut illius vela tollerent. *Sheháb-ed-din Ahmed Ben-eljemál Abdallah Ben Ahmed Ben Ali Fúkihi* anno 924 (inc. 13. Jan. 1518) commentarium in eam composuit *Mojib el-nedá* inscriptum, qui ita incipit: Laus Deo, qui majestate et potentia sua ex altitudine summa elevavit etc. Commentarium die Lunae, die scilicet tertio decimo mensis Rejeb anni 924 (inc. 13. Jan. 1518) absolvit, [et glossas ad eum Sheikh *Yúsin* 5 *Ben Mozín-ed-din Himsi* Shafiita, anno 1061 (inc. 15. Dec. 1650) mortuus, ita scripsit, ut verba textus exposita tantum adderet]. Praeterea commentarios scripserunt Sheikh *Mohammed Ben Ibráhim Ben Ab'lsafá Ibn-el-hemmámi* discipulus, et *Mohammed Ben Ali Ben Ahmed Hariri Harfúshi*, [anno 1059 (inc. 5. Jan. 1649) mortuus], cujus commentarius *Delíl el-mehdí* inscriptus est et ita incipit: O tu, qui in undas ejus divinitatis te immergis etc. Narrat ibi, *Sheháb-ed-din Ahmed Ben-eljemál Abdallah Ben Núr-ed-din Ali Fúkihi* commentarium composuisse *Mojib el-nedá* inscriptum, neque tamen diligenter recognovisse; se igitur accurate eum retractasse nonnullis additis, quibus perfectior evaderet. Absolvit autem mense Moharrem anni 1047 (inc. 16. Mai. 1637). — 9542. Cat'o' el-amál, 10 ademptio spei de fatís extremis differendis. — 9543. Cat'o' el-dábir, deletio

- من الفلك الدائر يأتي في الميم وله قطع الزند في السلم في القند مختصر ذكر في  
 فيرس مؤلفاته في فن الفقه ١٥٤٤ قطع المجادلة عند تغيير المعاملة لجلال الدين  
 السيوطي توفي سنة ٩١١ ذكره في حاويه بتمامه ١٥٤٥ قطع المناظر بالبرهان الحاضر لابي  
 العباس احمد بن محمد بن العطار الدينيسري المتوفى سنة ٧١٤ كتبه في مدائح برهان  
 ابن جماعة ١٥٤٦ قطف الازهار في كشف الاسرار في متشابه القرآن لجلال الدين السيوطي 5  
 المتوفى سنة ٩١١ يعني اسرار التنزيل كتبه الى آخر سورة البراءة في مجلد ضخيم ١٥٤٧  
 قطف الثمر في مواقف عمر لجلال الدين السيوطي المذكور ارجوزة ذكرها في فيرس  
 مؤلفاته في فن الحديث ١٥٤٨ قطف الزعر في رحلته الجامعة بين البر والبحر والنهر  
 للسيوطي ايضا جمع فيه الفوائد في رحلته الديمياطية ١٥٤٩ قطف النور في مسائل  
 الدور للشيخ تقى الدين علي بن عبد الكافي السبكي توفي سنة ٧٥٩ ١٥٥٠ قطف الوريد 10

- ultimi de orbe coelesti rotundo. Videatur infra in litera *Mim*. Idem (*Soyúti*) scripsit  
*Cat'o' el-zened* i. e. Amputatio carpi de anticipata pretii solutione in sacchari  
 commercio. Compendium, quod *Soyúti* in indice scriptorum inter libros juridicos  
 recenset. — 9544. *Cat'o' el-mojádelet*, compositio litis, quando commercium  
 mutatur, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatum  
 totum libro suo *Háwi* inseruit. — 9545. *Cat'o' el-menátzir*, compositio litium  
 per argumentum praesens, auctore *Abu'labbas Ahmed Ben Mohammed Ben-elattár*  
*Doneiseri*, anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuo. Scripsit in laudem *Borháni Ben*  
*Jemáa*. — 9546. *Catf el-azhár*, decerptio florum de explicandis Arcanis in locis  
 5 Corani ambiguis, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo.  
 Auctor intelligit opus *Asrár el-tenzil*, et scripsit usque ad finem *Suratae Beráat*.  
 Volumen amplum. — 9547. *Catf el-thamer*, decerptio fructuum de locis, ubi  
*Omar* versus Corani revelatos esse contendit, auctore *Jelál-ed-dín Soyúti* modo  
 laudato. Carmen metro *Rejex* compositum, quod auctor in indice scriptorum inter  
 libros de traditionibus recenset. — 9548. *Catf el-zahr*, decerptio florum de  
 itinere suo, quod continentem, mare et fluvium (Nilum) conjunxit, auctore eodem  
*Soyúti*, qui hic adnotationes utiles in itinere Damiateno factas collegit. — 9549.  
*Catf el-naur*, decerptio floris de quaestionibus ad legata in orbem circumlata  
 10 computanda spectantibus, auctore *Sheikh Tacki-ed-dín Ali Ben Abd-el-káfi Sobki*,  
 anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 9550. *Catf el-woreid*, decerptio rosulae



من املى ابن دريد للسيوطى م٢ ٩٥١ قفل المقال هدايا العمال للشيخ تقي الدين  
السبكي المذكور رسالة مختصرة ٩٥٢ قلادة الارواح وسعادة الافراح للشيخ ابي عبد الله  
عالم بن محمد الكاشغرى المعروف برجل الصوفي ٩٥٣ قلادة التسجيلات والعقود وتصرف  
القاضى والشهود للقاضى ابي عمران موسى بن عيسى المغيلى المالكي من المغاربة اوله  
5 الحمد لله بدو كل مقال المفتتح به كل امر نى بال الخ فرغ من تأليفه في ربيع الاول  
سنة ٧١٩ ٩٥٤ قلادة النحر في وثبات اعيان الدر لابي محمد الطيب بن عبد الله بن  
احمد ذكره اى سنة سبع وعشرين وتسعمائة ٩٥٥ قلادة الجمان في الادب لابن الشاعر  
٩٥٦ قلادة الجمان في التعريف بقبائل عربان الزمان تأليف والد صاحب نهاية الارب  
في انساب العرب ذكره في اوله ٩٥٧ قلادة الجواهر في مناقب الشيخ عبد القادر الحموى  
10 للشيخ محمد بن يحيى التاذقى الحلبي المتوفى سنة ٩١٣ ٩٥٨ قلادة الحكم  
وثراند الكلم من كلام علي بن ابي طالب رضى الله تعالى عنه جمعها القاضى الامام

e dictatis *Ibn Doreidi*, auctore *Soyúti*. Vide supra. — 9551. *Cafal el-mecál hodáha el-ommál*, justa directio cursus orationis sunt regentes grammatici, auctore Sheikh *Tacki-ed-dín Sobki* laudato. Tractatus brevis. — 9552. *Ckiládet el-arwáh we Seádet el-afrah*, torques spirituum et felicitas gaudiorum, auctore Sheikh *Abu Abdallah Alim Ben Mohammed Káshghari Sufi*, vulgo *Rahl* dicto. — 9553. *Ckiládet el-tesjílát we el-ocúd*, torques actorum perscriptorum et pactorum et arbitrium iudicis et notariorum, auctore *Cádhi Abu Omrán Musa Ben Isa Meghíli* Malikita, Occidentis incola, qui ita orsus est: Laus Deo initio 5 cujusvis dicti, a quo omnis res circumspecta incipitur etc., et compositionem mense Rebi' I. anni 791 (inc. 31. Dec. 1388) absolvit. — 9554. *Ckiládet el-naħr*, torques juguli de mortibus virorum seculi spectatorum, auctore *Abu Mohammed Ben Abdallah Ben Ahmed* Medico. Continuavit librum usque ad annum 927 (inc. 12. Dec. 1520). — 9555. *Caláid el-jomán*, torques margaritarum de moribus, auctore *Ibn-elshíar*. — 9556. *Caláid el-jomán*, torques margaritarum de recensendis Arabum temporis tribubus. Scripsit pater auctoris libri *Niháyet el-arab* de Arabum genealogiis, cujus initio illud opus commemoratur. — 9557. *Caláid el-jewáhir*, torques unionum de virtutibus Sheikh *Abd-el-cádir Hamawi* praeclaris, auctore Sheikh *Mohammed Ben Yahya Tadzifi Halebi*, anno 963 (inc. 16. Nov. 1555) mortuo. — 9558. *Caláid el-hikem we Feráid el-kilem*, torques 10 apophthegmatum et uniones dictorum ex iis, quae *Ali Ben Abi Tálib*, cui Deus

- ابو يوسف يعقوب بن سليمان الاسقرائى اوله الحمد لله رب العالمين الخ ٩٥٥٩ قلائد  
 الشمطية في توشيح الدريدية يعنى المقصورة يأتى في الميم ٩٥٦٠ [قلائد العقائد لابي  
 العز بن اسمعيل في الموعظة] ٩٥٦١ قلائد عقود الدرّ والعقبان في مناقب ابي حنيفة  
 النعمان في مجلد لشرف الدين ابي القاسم بن عبد العليم اليمنى الحنفى الفقه قبل تأليفه  
 المسمى روضة العالية المنيفة ٩٥٦٢ قلائد العقبان مما يورث الفقر والنسيان للشيخ الحافظ 5  
 ابراهيم بن محمد الناجى الشافعى [المتوفى سنة ٩٠٠] مختصر اوله الحمد لله الذى علمنا ما لم  
 نكن نعلم الخ نظمه انشيخ ابو عبد الله محمد بن العزى في بحر الرجز اوله الحمد لله الذى  
 علمنا الخ ذكر انه جمعها منتظماً ٩٥٦٣ قلائد العقبان في محاسن الاعيان لابي النصر الفتح  
 ابن عيسى بن خاقان القيسى المتوفى قتيلاً سنة ٥٣٥ اوله الحمد لله الذى راض لنا البيان  
 حتى انقاد في اعتتنا الخ جمع فيه من شعراء المغرب طائفة واشعارهم وجعله على اربعة اقسام آ 10

faveat, effatus est. Collegit ea Cádhi et Imám Abu Yusuf Yacúb Ben Soleimán Isferáini, et orsus est ita: Laus Deo, mundorum domino etc. — 9559. El-Caláid El-Shemtíyet, torques aromatis contextae de *Casída Ibn Doreidi*, *Macsúra* dicta, adnotatione ornanda. Vide infra sub *Macsúra*. — 9560. [Caláid el-acáid, torques articularum fidei. Opus paraeneticum, auctore *Abu Izz-ed-din Ben Ismail*]. — 9561. Caláid ocúd el-dorr we el-icyán, torques collorum gemmatae et auratae de virtutibus *Abu Hanifae No'mán* praeclaris. Volumen, auctore *Sheref-ed-din Abu'l-cásim Ben Abd-el-alim Yemeni* Hanefita, qui hunc 5 librum ante alium, *El-Raudhat El-Aliyet El-Monífet* inscriptum, edidit. — 9562. Caláid el-icyán, torques auratae ex iis contextae, quae paupertatem et oblivionem pariunt, auctore *Sheikh Háfitz Ibráhim Ben Mohammed Náji* Shafiita, [anno 900 (inc. 2. Oct. 1494) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui nos docuit, quae ignoravimus etc., et a *Sheikh Abu Abdallah Mohammed Ben-elghazzi* metro *Rejez* inclusum est. Hoc carmen incipit ita: Laus Deo, qui nos docuit etc. Narrat, se librum versibus componendo collegisse. — 9563. Caláid el-icyán, torques auratae de suavitatibus poetarum elegantia distinctorum, auctore *Abu'l-nasr Fatah Ben Isa Ben Khácán Caisi*, anno 535 (inc. 17. Aug. 1140) interfecto. Incipit ita: Laus Deo, qui nobis facundiam subjecit, ut habenis nostris 10 duci se pateretur etc., et collegit hic copiam e poetis Africanis et Hispanicis eorumque carminibus, et librum in quatuor partes divisit, quarum prima de regibus prisce agit,



- في الملوك ٢ في الوزراء ٣ في القضاة والعلماء ٤ في الادباء والشعراء ٥٩٤ فلانْد الفرائد  
 في نظم العقائد اوله الحمد لله القديم الاحد الخ لبعض الآئمة نظمه في سنة ٥٩٠  
 ٥٩٥ فلانْد الفوائد منظوم لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيموطى المتوفى سنة ٩١١  
 قال قضبتها من نظمي مما اودعته فائدة علمية او مسئلة حكمية او نادرة بها يعنى  
 5 كل ذى نفس ابيه رتبتيها على حروف القافية ٥٩٦ فلانْد في شرح العقائد مر  
 ٥٩٧ فلانْد في العقائد على مذعب الزيدية لاحمد بن يحيى ابن المرتضى ذيه  
 تدقيقات غريبة ذكر اقوال الفرق باجمعها واجاب عنها على طريقة مختصر ابن الحاجب  
 في الايجاز قاتله الله ٥٩٨ فلانْد المرجان في اسولة القرآن تفسير يقال له ام المعاني  
 ٥٩٩ فلانْد المرجان في الوارد كذبا في البادنجان للشيوخ الحافظ ابراهيم بن  
 10 محمد الناجي الشافعي [المتوفى سنة ٩٠٠] ذكر انه من تصنيفه يرحد اليه

secunda de Weziris, tertia de iudicibus et viris doctis, quarta de viris humanitatis studiis deditis et poetis. — 9564. Caláid el-feráid, torques unionum metricam articulorum fidei compositionem continentes. Imamus quidam hunc librum, qui ita incipit: Laus Deo aeterno, unico etc., anno 560 (inc. 18. Nov. 1164) versibus composuit. — 9565. Caláid el-fewáid, torques dictorum utilium. Carmen a *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo, compositum. Resecui illa, inquit, de iis, quae inter carmina mea tanquam effata ad discendum utilia sive quaestiones sapientia plenas aut rara elegantia conspicuas, quas quisque vir anima candida praeditus sibi curae haberet, perscripseram. Disposui ad ordinem, quem homoeoteletorum literae praebebant. — 9566. El-Caláid fi sharh 5 El-Acáid, torques. Commentarius in opus *Acáid*, de quo supra videndum est. — 9567. El-Caláid fi el-acáid, torques de articulis fidei ad doctrinam *Zeiditarum*, auctore *Ahmed Ben Yahya Ibn-elmurtehdhi*. Liber subtilitates continet miras, et auctor dicta affert sectarum omnium eaque breviter refutat ad rationem, quam *Ibn-elhájib* in suo *Mokhtasar* secutus est. Deus ei maledicat! — 9568. Caláid el-merján, torques parvarum margaritarum de quaestionibus coranicis. Commentarius in *Coranum Omm el-meáni* inscriptus. — 9569. Caláid el-merján, torques parvarum margaritarum de iis, quae falso de melangenis proposita sunt, auctore *Sheikh Háfitz Ibráhim Ben Mohammed Náji Shafíta*, [anno 900 (inc. 2. Oct. 1494) 10 mortuo]. Narrat, hunc tractatum ex libro suo *Yarhal ileihi* de promptum esse. —

٩٥٧. قَلَانْدُ النَحْوَرِ فِي الصَّنِعةِ لِلجَلْدَكِي وَهُوَ شَرْحٌ مُسْتَقَلٌّ عَلَى آيَاتِ دِيوانِ الشَّدْوَرِ  
 ٩٥٨. قَلَانْدُ النَحْوَرِ فِي جِوَاهِرِ البَحْوَرِ لِشَهَابِ الدِّينِ أَحْمَدَ بْنِ مُحَمَّدِ الحِجَازِيِّ الشَّاعِرِ تَوَفَّى  
 ٨٧٥ سَنَةً أَوْلَاهُ الحَمْدَ لَهُ الَّذِي جَعَلَ مَقَامَ التَّخْلِيلِ أَجَلَّ مَقَامِ النِّخِّ قَالَ وَيَعْدُ فَأَنَّهُ قَدْ عَنَّ  
 لِي أَنْ اسْتَخْرَجَ مِنَ الكِتَابِ العَزِيزِ مَا جَاءَ عَلَى أَوْزَانِ، الأَبْحَرِ اتِّفَاقًا ثُمَّ بَدَأَ لِي أَنْ أُبَيِّ  
 عَلَى كَلِّ بَحْرٍ مِنَ البَحْوَرِ بَيْتًا عَلَى مَا عِنْدِي مِنَ القُصُورِ وَجَعَلَهُ بِرِيسْمِ قَاضِي القِضَاةِ ابْنِ 5  
 جَرِّ العَسْكَلَانِيِّ كَمَا ذَكَرَهُ ٩٥٧٢. القَلَانْدُ وَالفَرَّانْدُ لِلشَّيخِ الرَّدِّيْسِ ابْنِ الحَسَنِ الأَهْوَازِيِّ  
 ٩٥٧٣. القَلْبُ وَالأَبْدَالُ لِابْنِ سَعِيدِ عَبْدِ المَلِكِ بْنِ قَرِيبِ الأَصْمَعِيِّ

٩٥٧٤. عِلْمُ قَلْعِ الأَثَارِ مِنَ الثِّيَابِ وَنَحْوِهِ

وَهُوَ عِلْمٌ كَثِيرُ النِّفْعِ [يَقْتَدِرُ الأِنْسَانُ عَلَى إِزَالَةِ الأَدْهَانِ وَالصَّمُوغِ وَالأَلْوَانِ مِنَ الثَّوْبِ وَعَلَى

10

إِزَالَةِ النُّخْطِ مِنَ الأَوْرَاقِ]

٩٥٧٥. قَلَمُ اسْرَارِ المَعَارِفِ وَلَوْحُ انْوَارِ المَعَارِفِ ٩٥٧٦. قَلَمُ الاسْرَارِ وَلَوْحُ الانْوَارِ فِي الاسْمَاءِ

9570. Caláid el-nohúr, torques jugulorum de alchymia, auctore *Jildeki*. Commentarius, in quo versus *Diwani El-Shodzúr* separatim explicantur. — 9571. Caláid el-nohúr fi jewáhir el-bohúr, torques jugulorum de margaritis marium, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Hijúzi* Poeta, anno 875 (inc. 30. Jun. 1470) mortuo. Incipit ita: Laus Deo, qui locum Abrahami illustrissimum fecit etc. Deinde vero, inquit, in mentem mihi venit, ut ex libro augusto extraherem, quae forte se obtulerunt ad metrorum mensuras composita. Tum mihi visum est ad singula metra imbecillitati meae convenienter versum construere. Fecit hoc, ut narrat, 5 auctoritate judicis summi *Ibn Hajr Ascaláni*. — 9572. El-Caláid we El-Feráid, torques et uniones, auctore *Sheikh Reyís Abu'lhasan Ahwázi*. — 9573. El-Calb we El-Ibdál, permutatio et substitutio, auctore *Abu Saíd Abd-el-melik Ben Coreib Asma'i*. —

9574. Ilm cali' el-athár min el-thiyáb we nahwihi. Ars macularum e vestibis aliisque rebus abluendarum.

Haec est ars utilis, [qua homo maculas oleis, gummi et coloribus factas e vestibis abluere et scripturam e foliis delere valet]. —

10 9575. Calam asrár el-meárif, calamus arcanorum facierum et tabula luminum cognitionum. — 9576. Calam el-asrár we Lúh el-anwár, calamus



- ذكرة البوني ٩٥٧ قلميّة ابن البردعي في معارضة ٩٥٨ قلميّة الدواني أوله الحمد لله  
 الذى علم بالقلم الخ ٩٥٩ قلميّة ابن الفضل الخطيب الكازروني أولها الحمد لله الذى  
 جعل أول ما خلقه القلم الخ ٩٥٨ قلميّة جلال الدين محمد بن اسعد الصديقي الدواني  
 [المتوفى سنة ٩٨٠] أولها ن والقلم وما يسطرون الخ ٩٥٩ قلميّة على چلى بن الخيالى  
 5 [المتوفى سنة ٩٧١] أولها لك الحمد يا من اكرم الانسان بعد ما عذاه الخ ٩٥٢  
 قلندر نامه منظومة فارسيّة في ثلث وخمسين بيتاً لمير حسين الحسيني ٩٥٣ قمر الاقمار  
 في كشف الاسرار اوله الحمد لله عمر الانسان باسرار ذاته الخ هو مختصر في علم الكاف  
 ٩٥٤ القمر الانور والسحاب الامطر في الطلسمات ذكره البوني ٩٥٥ القمر المنير في  
 المسند الكبير لمحبّ الدين محمد بن محمود ابن النجار البغدادي المتوفى سنة ٩٤٣  
 10 ذكر فيه كل صحاح وما له من الحديث ٩٥٤ القمرية من حواشى شرح الشمسية مرّ

arcanorum et tabula luminum de nominibus. Commemorat librum *El-Bûni*. — 9577. *Calamíyet Ibn-elberdaf*, tractatus de calamo, auctore *Ibn-elberdaf*. De contradictione. — 9578. *Calamíyet El-Dewáni*, tractatus de calamo, qui ita incipit: „Laus Deo, qui docuit (scripturam) per calamum“ etc. Auctore *Dewáni*. — 9579. *Calamíyet Ibn-elfadhí*, tractatus de calamo, qui ita incipit: Laus Deo, qui primum quod creavit calamum esse voluit etc. Auctore *Ibn-elfadhí Kazerúni* Concionatore. — 9580. *Calamíyet Jelál-ed-dín*, tractatus de calamo, qui ita incipit: „N. Per calamum et id quod scribunt“ etc. Auctore *Jelál-ed-dín Mohammed Ben As'ad Sadicki Dewáni*, [anno 908 (inc. 7. Jul. 1502) mortuo]. — 9581. *Calamíyet Ali Jelebi*, tractatus de calamo, qui ita incipit: Tibi laus, qui hominem honore afficit, postquam eum in viam rectam direxit etc. Auctore *Ali 5 Jelebi Ben-elkhayáli*, [anno 979 (inc. 26. Mai. 1571) mortuo]. — 9582. *Calender-námeh*, liber de monachis *Calender*. Carmen persicum quinquaginta trium versuum a *Mir Hosein Hoseini* editum. — 9583. *Camar el-aemár*, luna lunarum de arcanis retegendis. Compendium de doctrina alchymica, quod ita incipit: Laus Deo, qui hominem arcanis essentiae suae coluit etc. — 9584. *El-Camar El-Anwar we El-Seháb El-Amtar*, luna splendidissima et nubes pluvia abundantissima de talismatis. Commemoratur ab *El-Bûni*. — 9585. *El-Camar El-Monír*, luna lucens de majore traditionum corpore *Mosnad*, auctore *Mohibb-ed-din Mohammed Ben Mahmúd Ibn-elnejjár Baghdádi*, anno 643 (inc. 29. Mai. 1245) mortuo, qui ibi omnes *Mohammedis* socios et traditiones ab iis relatas recenset. — 9586. *El-10 Camaríyet*, tractatus lunaris. Glossae ad commentarium in *El-Shemsiyet* scriptum,

١٥١٧ قمطر الطبيب ١٥١٨ قمع المعارض في نصرة ابن الفارض رسالة لجلال الدين  
 السيوطي من مقاماته توفي سنة ٩١١ ١٥١٩ قمع النفوس ورقية المأيوس للامام تقى الدين  
 ابى بكر بن محمد الحصى المتوفى سنة ٨٦١ جمعه بالقدس وذكر فيه المعجزة والكرامات  
 وغيرها من المواعظ اوله الحمد لله الذى خلق الموجودات من ظلمة العدم الخ  
 ١٥٩٠ قمع الواشين في ذم البرشين للشيخ نور الدين على بن الجزار المصرى مر ذكره في 5  
 تحصيل المنازل الذى ألفه سنة ٩٨٤ قال فيه

البرش مزق قَوْمًا لا عدان لهم

حيث صاروا مجانبيا مجانينا

هم المجانيب لكن للهنان بهم

10

ويرحم الله عيدًا قال آمينا

اوله الحمد لله الذى حمى هذه الامة من الخسف والمسح الخ ذكر انه ألفه في  
 المعجون الخبيث المسمى بالبرش قال وثبت عند اصحاب الهمة ان البرش مسح هذه

de qua supra videndum est. — 9587. Ckimatr el-tabíb, bibliotheca medici. —  
 9588. Cam'o' el-moáridh, oppressio adversarii de auxilio *Ibn-elfáridho* ferendo.  
 Tractatus, auctore *Jelál-ed-dín-Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo.  
 Invenitur inter ejus consessus. — 9589. Cam'o' el-nofús, oppressio animarum  
 et incantamentum desperati, auctore *Imám Tacki-ed-din Abu Bekr Ben Mohammed*  
*Hisni*, anno 829 (inc. 13. Nov. 1425) mortuo. Collegit librum, qui ita incipit: Laus Deo,  
 qui e tenebris nihili res existentes creavit etc., Hierosolymis et miracula commemorat  
 5 a propheta virisque sanctis edita et alia paraenetica. — 9590. Cam'o' el-wáshín,  
 oppressio delatorum de vituperatione pilularum cannabinarum, auctore *Sheikh Núr-*  
*ed-dín Ali Ben-eljezzár Misri*, cujus supra sub *Tahsín el-menázil* mentio facta  
 est. Scripsit anno 984 (inc. 31. Mart. 1576), et dicit ibi:

Pilula gossipina homines innumerabiles laceravit,

Ut in amentiam rapti et insani evaderent.

Sunt sane rapti, sed in contemptum sui;

Deus servo misericordiam tribuet, qui dicit Amen.

Orsus autem est ita: Laus Deo, qui hunc populum contra ignominiam et  
 10 insipientiam tuetur etc., et tractatum se composuisse dicit de ecligmate foedo *beresh*  
 dicto. Et constat, ait, inter homines intelligentes, *el-beresh* hunc populum insipidum



- الامة ورتب على بابين الاول في الكلام على حرمة ذلك الثاني في الادبيات تتعلق بدمه
- ٩٥٩١ القممة في مسلتي الجزيرة والقممة اى الجزء الذى لا يتجزى لربن الدين قاسم ابن قطلوبغا الحنفى المتوفى سنة [٨٧٩] اوله الحمد لله الذى طير لنفوس اوليائه الخ
- ٩٥٩٢ القناعة فيما تمس اليه الحاجة من اشراط الساعة للحافظ شمس الدين محمد بن عبد الرحمن السبخارى توفى سنة ٩١٢ وجمع الحافظ المقدسى فيه مؤلفا والشيخ محمد الحجازى الشعرانى الواعظ بمصر ٩٥٩٣ قند في تأريخ سمرقند لاني حفص نجم الدين عمر بن محمد النسقى السمرقندى المتوفى سنة ٥٣٧ انتخبه تلميذه الامام ابو الفضل محمد ابن عبد الجليل بن عبد الملك بن علي بن حيدر السمرقندى ٩٥٩٤ قنية الاغنياء على نظيرة من بحر علوم الاولياء للشيخ عبد الوهاب بن احمد الشعرانى توفى سنة [٩٧٣]
- ٩٥٩٥ قنية العالم ومنية فضلاء العالم لاني المصمدم محمد بن مسعود ذكر فيه اذ

reddere. Disposuit tractatum in duo capita, quorum prius de jussu abstinentiae ab illa confectione disserit, posterius de scriptis elegantioribus agit, qui ejus vituperationem spectant. — 9591. El-Camca met, mensura *camcama*. Duae quaestiones, quid pars (*joz'*) sit. *Camcama* (amphora) autem simplex est substantia, quae minime dividi potest. Auctor *Zein-ed-din Cásim Ibn Colluboghá* Hanefita, anno [879 (inc. 18. Mai. 1474)] mortuus, tractatum ita incipit: Laus Deo, qui animis amicorum suorum manifestavit etc. — 9592. Canáat, contenti animi tranquillitas de iis, quae inter extremi judicii indicia homini curae sunt, auctore Háfitz *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekháwi*, anno 902 (inc. 9. Sept. 1496) mortuo. 5 Libros ejusdem argumenti collegerunt Háfitz *Mocaddesi* et Sheikh *Mohammed Hijázi Sha'rání* Concionator Aegyptius. — 9593. Cand fi tarikh Samarcand, saccharum candi. Historia urbis Samarcand, quam *Abu Hafs Nejm-ed-din Omar Ben Mohammed Neseft Samarcandi*, anno 537 (inc. 27. Jul. 1142) mortuus, composuit, et discipulus ejus Imám *Abu'lfadhl Mohammed Ben Abd-el-jelil Ben Abd-el-melik Ben Ali Ben Haider Samarcandi* ita excerptam edidit, ut potiora seligeret. — 9594. Cunyet el-aghniyá, impetratio divitum per guttam e mari doctrinarum amicorum Dei, auctore Sheikh *Abd-el-vehháb Ben Ahmed Sha'rání*, anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortuo. — 9595. Cunyet el-álim we Munyet fodhalá el-álem, impetratio viri docti et optatio virorum mundi de literis meritorum, auctore *Abu'mehámid* 10 *Mohammed Ben Mes'úd*. In hoc libro, qui ita incipit: Laus Deo, qui scientiam et

تخص فيه الفتاوى الكبرى اوله الحمد لله الذى فضل العلم واعلمه الخ ١٥٦١ قنية المنية  
 على مذهب ابي حنيفة للشبيخ الامام ابي الرجاء نجم الدين مختار بن محمود الزاعدى  
 الحنفى المتوفى سنة ٦٥٨ اوله الحمد لله الذى اوضح معالم العلوم الخ قال المولى بروكى  
 والقنية وان كانت فوق كتب الغير المعتمرة وقد نقل عنها بعض العلماء فى كتبه لكتبا  
 مشهورة عند العلماء بضعف الرواية وان صاحبها معتزلى ذكر فى اوله انه استصفىها من منية 5  
 الفقهاء لاستاده بديع بن ابي منصور العراقى وسمها قنية المنية لتتميم الغنية ورقم اسامى  
 الكتب والمفتين باول حروفها والبغية فى تلخيص القنية ذكرها صاحب الاشياء واختصرها  
 جمال الدين محمود بن احمد المعروف بابن السراج القونوى ثم الدمشقى الحنفى توفى  
 سنة ٧٧٠ وله قنية الفتاوى تأليف آخر مجلدان ذكره تقى الدين وله حاوى مسائل الوقاعات  
 والمنية وما ترك فى تدوينه من مسائل القنية وزاد فيه من الفتاوى لتتميم القنية كما مر 10

viro doctos honore praetulit etc., ille se praestantiora Responsorum Juridicorum  
 Majorum selecta congesse narrat. — 9596. Cunyet el-munyet, impetratio  
 optati, quod doctrinam *Abu Hanifae* spectat, auctore Sheikh et Imám *Abu'lrejá*  
*Nejm-ed-din Mukhtár Ben Mahmúd Záhidí* Hanefita, anno 658 (inc. 18. Dec. 1259)  
 mortuo. Liber ita incipit: Laus Deo, qui doctrinarum vestigia clara reddidit etc.  
*Molla Birgili*: Liber *Cunyet*, ait, sane aliorum libros auctoritate insignes superat.  
 Nonnulli viri docti plura in scripta ex eo assumerunt; attamen alii viri docti, cum  
 auctor sectae Motazelitarum addictus esset, de iis quae tradidit suspicionem infirmae  
 5 fidei habebant. Narrat ille ab initio, potioem libri partem se ex *Munyet el-focahá*  
 a praeceptore suo *Bedí Ben Abi Mansúr Iráckí* edito sumsisse, eique titulum *Cunyet*  
*el-munyet li tetmím El-Ghunyet* dedit. Nomina librorum et Muftiorum prima  
 litera notavit; et auctor libri *Ashbák* opus *Bughyet* commemorat, quod meliorem  
 libri *Cunyet* partem excerptam continet. Eum praeterea *Jemál-ed-din Mahmúd*  
*Ben Ahmed* Hanefita primum Iconii et postea Damasci inquilinus, vulgo *Ibn-elserráj*  
 dictus et anno 770 (inc. 16. Aug. 1368) mortuus, in epitomen contraxit. Idem alium  
 librum *Cunyet el-fetáwi* inscriptum et duobus voluminibus responsa juridica continentem,  
 quem *Tacki-ed-din* commemorat, et librum *Háwi* edidit, qui praeter quaestiones  
 10 operum *Wáckiát* et *Munyet* illas quoque continet, quas in componendo libro *Cunyet*  
 omiserat, et nova addidit responsa juridica ad librum *Cunyet*, ut antea dictum est,



- ٩٥٩٠ قواطع في اصول الفقه لابي المظفر منصور بن محمد [السمعاني] الشافعي المتوفى سنة  
 [٤٨٩] ٩٥٩١ قواطع في قواعد العقائد مجلد يستقلّ بيا المبتدى ويتشوق اليه المنتهى  
 ٩٥٩٢ قواعد الاحكام في الفروع ٩١٠٠ قواعد الادلة وشواهد الاحبة في الاصول لابي المعالي  
 احمد بن عثمان بن عمر البقننجي ٩١٠١ قواعد الاسلام ٩١٠٢ قواعد الاعراب وهو  
 5 المسمى بالاعراب عن قواعد الاعراب مر في الالف مع شروحه [وعلى شرح قواعد الاعراب  
 لخالده الازهرى حاشية للشيخ العلامة] ٩١٠٣ قواعد البدرية في عقائد البرية تأليف  
 عمر بن خضر بن عمر الاصفياني مختصر اوله الحمد لله الذي هدانا لهذا الذي كنا لو اننا  
 من الملتين والمنتحلين من ينازعنا في نبوة نبينا فاراد دفع اوهاميم تحفه من كتاب الملل  
 والذحل للشهرستاني ٩١٠٤ قواعد البصروي في النحو مختصر كالكافية ٩١٠٥ قواعد  
 10 التفسير لابن تيمية ٩١٠٦ قواعد الجليات في تحقيق مباحث الكليات رسالة للمولى

complendum. — 9597. *Cawáti' fi osúl el-fic'h*, argumenta peremptoria de  
 fundamentis articulorum fidei, auctore *Abu'lmozaffer Mansúr Ben Mohammed*  
 [*Sem'áni*] Shafiita, anno [489 (inc. 31. Dec. 1095)] mortuo. — 9598. *Cawáti'*  
*fi cawáid el-acáid*, argumenta peremptoria de fundamentis articulorum fidei.  
 Volumen, ad quod tiro recurrere cupit et cujus desiderio proventus afficitur. — 9599.  
*Cawáid el-ahkám*, fundamenta statutorum de partibus jûris secundariis. — 9600.  
*Cawáid el-adillet we Shewáhid el-ahibbet*, fundamenta argumentorum et  
 loci probantes dilectorum de principiis, auctore *Abu'lmeúli Ahmed Ben Othmán Ben*  
*Omar Yacanji*. — 9601. *Cawáid el-islám*, fundamenta fidei islamicae. —  
 9602. *Cawáid el-iráb*, theoremata flexionum finalium. Liber plene nominatur 5  
*El-Iráb an cawáid el-iráb*, cujus supra in *Elif* cum commentariis mentio facta est.  
 [Ad commentarium, quem *Khálid Azheri* in librum *Cawáid el-iráb* scripsit, Sheikh  
 doctissimus glossas edidit]. — 9603. *El-Cawáid El-Bedriyet fi acáid*  
*el-beriyet*, theoremata *Bedr-ed-dínica* de articulis fidei hominum. Compendium  
 ab *Omar Ben Khidhr Ben Omar Isfaháni* compositum, quod ita incipit: Laus Deo,  
 qui nos ad veritatem ducit etc. Exhibet ibi ex duabus sectis et iis qui doctrinam  
 singularem profitentur illos, qui de prophetia prophetae nostri contra nos disputant,  
 eorumque hallucinationes repellere vult. Argumenti partem potioem ex opere  
*Shahrestánii Milel we Nihel* inscripto excerpit. — 9604. *Cawáid El-Basrewi*,  
 regulae grammaticae a *Basrewi* propositae. Compendium *Kúfiyae* simile. — 9605.  
*Cawáid el-tefsír*, regulae exegesis coranicae, auctore *Ibn Teimíya*. — 9606. 10  
*El-Cawáid El-Jelíyát*, regulae clarae de disquisitionibus notionum universalium

- احمد بن مصطفى المعروف بطاشكبرى زاده توفي سنة ٩١٨ اوله الحمد لله الذي علم في الازل  
 ذاته الخ ٩١٧ قواعد الحجمة في المسائل الثلاث الميمة ٩١٨ قواعد الحقائق وضوابط  
 الدقائق في التصوف لشيخ الاسلام في عهده ومقتدى الآتام في وقته تاج الحقف والملة  
 والدين المؤيد بتأييد الملك العلام ابن يعقوب المسمى ببهرام وهو مقسم على مقدمة وعشر  
 قواعد وخاتمة اوله الحمد لله المتفرد ذاته ابدا المتعزز صفاته سرمدًا الخ ثم شرحه شرحًا 5  
 بالقول قال المصنف في أول شرحه الحمد لله الذي اشير لقلوب اوليائه من اسرار حويته في  
 الوية بالشواهد والبيّنات الخ وبعد هذا توضيح ما اورد على قلبي من ربي بفضله واحسانه  
 واترى على لساني ما في متنه بكرمه وامتنانه وهو كتاب قواعد الحقائق الخ ثم اعتذر عن  
 الاشارة فيه ٩١٩ قواعد الرسائل فارسي على اربعة اقسام لحسن بن عبد المؤمن الخوي  
 المظفر في قواعد الانشاء ٩٢٠ قواعد الشرع وضوابط الاصل والفرع على الوجيز 10

- recte definiendis, auctore Molla *Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Tashkūprizādeh* dicto  
 et anno 968 (inc. 22. Sept. 1560) mortuo. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo,  
 qui ab aeternitate essentiam suam cognovit etc. — 9607. Cawáid El-Jammet,  
 regulae multitudinis de quaestionibus tribus gravissimis. — 9608. Cawáid el-  
 hacáic we Dhewábit el-decáic, theoremata veritatum et regulae subtilitatum  
 de Sufismo. Sheikh Islami suae aetatis et Antistes quem homines sui temporis  
 sequuntur, Corona veritatis, sectae Mohammedicae et religionis, qui firmando imperio  
 protector est, doctissimus *Ibn Yacúb*, vulgo *Behrám* dictus, librum in praefationem,  
 5 decem theoremata et conclusionem divisit, et ita orsus est: Laus Deo, qui in  
 aeternum essentia unicus et in sempiternum qualitatibus suis augustissimus est etc.  
 Postea commentarium composuit, cui verba textus exposita addidit, et ab initio  
 commentarii: Laus Deo, ait, qui cordibus amicorum sanctorum essentiae suae arcana  
 in divinitate testimoniis et argumentis claris manifestavit etc. Deinde vero haec est  
 clara eorum expositio, quae Deus mihi per gratiam et benevolentiam revelavit, idemque  
 super linguam meam per generositatem et benignitatem quae in textu leguntur misit,  
 et hic liber *Cawáid el-hacáic* est etc. Tum se excusat, quod nimis longus fuerit. —  
 9609. Cawáid el-resáil, regulae epistolarum scribendarum. Liber persicus de  
 regulis stili elegantioris in quatuor partes divisus, auctore *Hasan Ben Abd-el-mumin*  
 10 *Khwayyí Motzafferi*. — 9610. Cawáid el-shar'i we Dhewábit el-asl we  
 el-far'i, regulae legis et canones principiorum et statutorum juris derivatorum ad



- لابي الفضل محمد بن علي الخلاطي الشافعي توفي سنة ٩٧٥ قواعده الشرعية لسالكي  
 الطريقة الماحمديّة لشمس الدين محمد بن عراق [الدمشقي نزيل المدينة المتوفى سنة  
 ٩٣٣] مختصر اوله الحمد لله الذي هدانا للاسلام الخ شرحها محمد بن ابراهيم الصفوي  
 العراق وسمّاه المواهب اللدنيّة ٩١٢ قواعده الطريقة في الجمع بين الشريعة والحقيقة  
 5 للشيخ شهاب الدين ابي الفضل احمد بن محمد البرلسي الفاسي المالكي الشيبيري بالشيخ  
 زروق [المتوفى سنة ٨٩١] وهو كتاب مفيد مختصر مشتمل على قواعد اوله الحمد لله كما  
 يجب بعظم مجده الخ ٩١٣ قواعده العقائد في الكلام للامام ابي حامد حجة الاسلام  
 محمد بن محمد الغزالي توفي سنة ٥٥٥ شرحها السيد ركن الدين حسن بن محمد  
 الاسترآبادي توفي سنة ٧١٧ [وشرحها الموقى العلامة محمد بن امين بن صدر الدين الشرواني  
 10 المتوفى سنة ١٠٣٩ اوله يا واجب الوجود وما مقيض الخير والجدود الخ] ٩١٤ قواعده العلاني  
 في الفروع للشيخ صلاح الدين الحافظ ابي سعيد خليل بن كيكليدي الدمشقي الشافعي المتوفى

rationem libri *El-Wejiz*, auctore *Abu'fadhli Mohammed Ben Ali Khilati* Shafiita, anno 675 (inc. 15. Jun. 1276) mortuo. — 9611. *El-Cawáid El-Shar'iyet*, regulae legitimae iis datae, qui viam *Mohammedis* sequuntur, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Irác* [*Dimeshcki* Medinae inquilino, anno 933 (inc. 8. Oct. 1526) mortuo]. Compendium, quod ita incipit: Laus Deo, qui nos ad Islamum ducit etc. Commentarium, *El-Mewáhib El-Ladontyet* inscriptum, *Mohammed Ben Ibráhim Sefewi Irácki* edidit. — 9612. *Cawáid el-tarícat*, regulae viae de lege et veritate conjungenda, auctore Sheikh *Sheháb-ed-dín Abu'fadhli Ahmed Ben Mohammed Borollosi Fási* Malikita, vulgo Sheikh *Zerrúc* dicto [et anno 899 (inc. 12. Oct. 1493) 5 mortuo]. Hic liber brevis, qui ita incipit: Laus Deo talis, qualis magnitudini ejus gloriae conveniens est etc., adnotationibus utilibus plenus est et regulas continet. — 9613. *Cawáid el-acáid fi el-kelám*, theoremata articulorum fidei de metaphysica, auctore Imám *Abu Hámid Hojjet - elislám Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. In ea commentarios ediderunt Seyyid *Rocn-ed-dín Hasan Ben Mohammed Asterábádi*, anno 717 (inc. 16. Mart. 1317) mortuus, [et Molla doctissimus *Mohammed Ben Emin Ben Sadr-ed-dín Sherwáni*, anno 1036 (inc. 12. Sept. 1626) mortuus, cujus commentarius ita incipit: O Tu qui essentia per se necessaria frueris et bona et beneficia largiris etc.]. — 9614. 10 *Cawáid El-Aláyi*, theoremata *Alá-ed-dinica* de statutis juris derivatis, auctore Sheikh *Satáh-ed-dín Háfitz Abu Saíd Khalil Ben Keikeldi Dimeshcki* Shafiita,

سنة [٧١١ هـ] وفي اجود القواعد] اختصره الشيخ شمس الدين محمد [بن عبد اللد] الصرخدى  
 المتوفى سنة ٧١٣ هـ ٩١٥ قواعد في الجدل والمنطق والاصلين للشيخ شمس الدين محمد  
 ابن محمود الاصفهاني المتوفى سنة ٦٨٨ هـ [وهو من احسن تصانيفه] ٩١٦ قواعد في فروع  
 الشافعية ايضا لمعين الدين ابى حامد محمد بن ابراهيم الجاجرمى الشافعى المتوفى سنة  
 ٦١٣ اكثر الناس على الاشتغال بها في عصره ولشهاب الدين ابى العباس احمد بن ادريس القرائى 5  
 الشافعى المتوفى سنة ٦٨٤ وللشيخ شرف [الدين على] بن عثمان الغزى المتوفى سنة ٧١١  
 ذك القاعدة وما يستثنى منها وادخل الغاز الاسنوى وزاد عليه ٩١٧ قواعد في الفروع  
 للذبيح بدر الدين محمد بن عبد اللد الزركشى المتوفى سنة ٧١٤ رتب على الحروف المعجمة  
 كما سبق في الاشياء والفظائر شرحه سراج الدين العبادى فى مجلدين واختصر الشيخ عبد  
 الوهاب بن احمد الشعرانى المتوفى سنة [٩٧٣] الاصل ذكوه فى متنه وللشيخ محمد بن مكى [بن] 10

anno [761 (inc. 23. Nov. 1359)] mortuo. [Praestantissima theorematum sunt,] quae  
 Sheikh *Shems-ed-din Mohammed* [Ben Abdallah] Sarkhadi, anno 792 (inc. 20.  
 Dec. 1389) mortuus, in epitomen coegit. — 9615. *Cawáid fi el-jadl we el-*  
*mantic we el-aslein*, theoremata de topica, logica, principiis dogmaticis et juridicis,  
 auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Mahmúd Isfaháni*, anno 688 (inc.  
 25. Jan. 1289) mortuo. [Numeratur hic liber in optimis ejus scriptis]. — 9616.  
*El-Cawáid fi forú' El-Shafiíyet*, theoremata de iisdem articulis juris Shafitici  
 derivatis, auctore *Moin-ed-din Abu Háníd Mohammed Ben Ibráhim Jújermi*  
 Shafita, anno 613 (inc. 20. Apr. 1216) mortuo. Viri docti ejus aetate multum in  
 5 libro tractando versabantur, cui similes Sheikh *Sheháb-ed-din Abu'labbás Ahmed*  
*Ben Idris Caráfi* Shafita, anno 684 (inc. 9. Mart. 1285) mortuus, et Sheikh  
*Sheref-[ed-din Ali] Ben Othmán Ghazzi*, anno 799 (inc. 5. Oct. 1396) mortuus,  
 ediderunt. Hic regulam cum exceptionibus proponit, quaestiones *Esnewí* obscuras  
 inserit et nova addit — 9617. *El-Cawáid fi el-forú'*, theoremata de articulis  
 juris derivatis, auctore Sheikh *Bedr-ed-din Mohammed Ben Abdallah Zerkeshi*,  
 anno 794 (inc. 29. Nov. 1391) mortuo. Argumentum ad literas alphabeti disposuit,  
 ut supra sub *El-Ashbáh we El-Netzáir* commemoratum est. *Siráj-ed-din Ibádi*  
 commentarium duorum voluminum scripsit, et Sheikh *Abd-el-wehháb Ben Ahmed*  
 10 *Sha'rání*, anno [973 (inc. 29. Jul. 1565)] mortuus, epitomen archetypi confecit, quam  
 in suo textu commemorat. Sheikh *Mohammed Ben Mekki* [Ben-elhasan Fámí,



الحسن الفامى المعروف بابن دوست المتوفى سنة ٥٠٧ هـ اوله اللهم انى احمدك والحمد من  
 نعمتك الخ ٩١٨ قواعد فى [المطارحة] لاقى محمدا حسين بن بدر جمال الدين  
 [المعروف بابن اياز] النحوى توفى سنة ٩٨١ ٩١٩ قواعد الكبرى فى فروع الحنابلة لناجم  
 الدين سليمان بن عبد القوى الطوفى الحنبلى توفى سنة ٧٠١ هـ وله القواعد الصغرى وللشيخ  
 5 زين الدين بن رجب عبد الرحمن بن احمد [البغدادي] الحنبلى توفى سنة ٧١٥ هـ [وهو  
 كتاب نافع من عجائب الدر حتى انه استكثر عليه حتى زعم بعضهم انه وجد قواعد مبدّدة  
 لشيوخ الاسلام ابن تيمية فجمعها وليس الامر كذلك بل كان رحمه الله توفى ذلك كذا قيل]  
 ٩١٣ القواعد الكبرى فى فروع الشافعية للشيخ عز الدين عبد العزيز بن عبد السلام الشافعى الشامى  
 المتوفى سنة ٩١٠ ليس لاحد مثله وكثر منها ماخون من شعب الايمان للحليمى وله القواعد الصغرى  
 10 فيه ايضا اول الصغرى الحمد لله الذى خلق الانس ليكتفيم الخ وقد كتب القاضى عز الدين

vulgo *Ibn Dost* dictus et anno 507 (inc. 18. Jun. 1113) mortuus], librum  
 ejusdem argumenti edidit, qui ita incipit: O Deus, ego Te laudo, et laus Tibi  
 tribuitur ob beneficia Tua etc. — 9618. El-Cawáid fi [el-motárehat], regulae  
 de [disputatione], auctore *Abu Mohammed Hosein Ben Bedr Jemál-ed-dín* Grammatico,  
 [vulgo *Ibn Ayáz* dicto et] anno 681 (inc. 11. Apr. 1282) mortuo. — 9619 El-Cawáid  
 El-Kobra, theoremata majora de articulis juris Hanbalitici derivatis, auctore *Nejm-  
 ed-dín Soleimán Ben Abd-el-cawi Taufi* Hanbalita, anno 710 (inc. 31. Mai. 1310)  
 mortuo. Idem theoremata minora (*El-Cawáid El-Soghra*) scripsit. *Sheikh Zein-ed-dín* 5  
*Ben Rejeb Abd-el-rahmán Ben Ahmed* [Baghdadi] Hanbalita, anno 795 (inc. 17.  
 Nov. 1392) mortuus, [librum utilem ejusdem argumenti edidit, qui in temporis miraculis  
 numerabatur, ut tantum de ejus praestantia certamen esset, ut nonnulli contenderent,  
 illum regulas dispersas, quarum auctor *Sheikh-elislám Ibn-Teimiya* esset, invenisse  
 et collegisse. Res autem minime ita se habet, sed, ut dicitur, auctor hac suspicione  
 superior est]. — 9620. El-Cawáid El-Kobra, theoremata majora de statutis  
 juris Shafiitici derivatis, auctore *Sheikh Izz-ed-dín Abd-el-azíz Ben Abd-el-selám  
 Shami* Shafiita, anno 660 (inc. 26. Nov. 1261) mortuo. Liber vix similem habet,  
 ibique ex opere *Shoab el-imán* a *Halimi* edito multa petita sunt. Idem theoremata  
 minora ejusdem argumenti edidit, quae ita incipiunt: Laus Deo, qui homines 10  
 creavit, ut iis officia praestanda imperaret etc. *Cádhi Izz-ed-din Mohammed Ben*  
 IV.

- محمد بن احمد ابن الجماعة الكنانى ثلاثة شروح وثلاث نكت على الكبرى وثلاثة شروح ونكت على الصغرى وتوفى سنة ٨١٩ [والبزركشى ايضا قواعد فقيه مرتبة على الحروف]
- ٩١٢ القواعد الكشغية الموضحة لمعانى الصفات الالهية للشيخ عبد الوهاب الشعراني اجاب فيه عن الاسئلة الواردة مع الملحددين في الكلام على طريقة اهل التصوف اتمه سنة ٩١١ اوله الحمد لله رب العالمين الخ ٩١٣ قواعد المشكلات للشيخ داود صاحب التذكرة المتوفى 5 بمكة المكرمة سنة ١٠٠٨ ذكره في اول تذكرته ٩١٣ قواعد المقامات لشهاب الدين احمد ابن محمد الخنزرجى الحجازى توفى سنة ٨٧٥ ٩١٤ قواعد منظومة لشهاب الدين [احمد] ابن [محمد] الهائم المتوفى سنة [٨٨٧] شرحه برهان الدين ابراهيم بن محمد القباقي الحلبي ثم القدسى توفى بعد التسعمائة ٩١٥ قواعد الوافية في اصل حكم خرقه الصوفية لخصه الشهاب احمد بن ابي بكر ابن الرداد [الزبيدي الصوفي المتوفى سنة ٨١٤] ٩١٦ قواعد [الواقية] الواقية 10

- Ahmed Ibn-eljemaa Kinani* tres commentarios et tres adnotationes in theoremata majora scripsit, totidemque commentarios et adnotationes in minora, et anno 819 (inc. 1. Mart. 1416) obiit. [*Zerkeshi* quoque theoremata juridica scripsit secundum literas disposita]. — 9621. *El-Cawáid El-Kashfiyet*, theoremata manifestantia, quae argumenta qualitatum divinarum exponunt. *Sheikh Abd-el-wehháb Sha'rání* hic ad quaestiones, quae cum haereticis de metaphysica intercidebant, secundum rationem theosophorum respondit et anno 961 (inc. 7. Dec. 1553) absoluit. Liber ita incipit: Laus Deo, mundorum domino etc. — 9622. *Cawáid el-moshkilát*, theoremata quaestionum difficilium, auctore *Dawud*, Mekkae anno 1008 (inc. 14. Jul. 5 1599) mortuo. Idem librum *Tedzkiret* edidit, cujus initio theoremata commemorat. — 9623. *Cawáid el-mecámát*, theoremata consessuum, auctore *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben Mohammed Khazreji Hijázi*, anno 875 (inc. 30. Jun. 1470) mortuo. — 9624. *Cawáid Mantzúmet*, theoremata a *Sheháb-ed-dín [Ahmed] Ben [Mohammed] Háim*, anno [887 (inc. 20. Febr. 1482)] mortuo, metricè composita. In ea *Borhán-ed-dín Ibráhim Ben Mohammed Cabáckibi*, primum Halebi et postea Hierosolymorum inquilinus, post annum 900 (inc. 2. Oct. 1494) mortuus, commentarium scripsit. — 9625. *El-Cawáid El-Wáfiyet*, theoremata perfecta de principio statuti, quod vestem theosophorum spectat. Meliorem libri partem *Sheháb-ed-dín Ahmed Ben 10 Abi Bekr Ibn-elreddád [Zebidi Sufi*, anno 821 (inc. 8. Febr. 1418) mortuus], excerptam edidit. — 9626. *El-Cawáid [El-Wáckiyet] El-Wáfiyet*, theoremata



بالعقائد الكائنة الكافية مختصر اوله احمد الله في بداية الاقتصاد الخ لعلى بن محمد  
 ابن على الششير بابن ابي قصبينة الغزالي ٩١٣٧ قوام الصوم للقيام بالصيام للمولى الشيخ  
 عل بن سلطان محمد انقارى الپردى ٩١٣٨ قوام علوم الطب مجلد لاني الحسن على  
 ابن زيد البيهقي ٩١٣٩ قوانين البلاغة لموقف الدين البغدادي الفيلسوف عبد اللطيف  
 5 ابن يوسف المتوفى سنة ٩١٤٠ قوانين الصرف للسيد احمد بن مصطفى الششير  
 بلالي ٩١٣١ قوانين الطب لخواجه نصير الدين الطوسي

٩١٣٣ علم قوانين الكتابة

[قال المولى العلامة في موضوعاته وهو علم يعرف منه كيفية نقش صور الحروف البسائط  
 وكيف يوضع القلم ومن أي جانب يبتدى في الكتابة وكيف يسئل تصوير تلك الحروف ومن  
 10 المصنفات فيه الباب الواحد من كتاب صبح الاعشى انتهي]

commoda, quae articulos fidei salutares et sufficientes tuentur. Compendium, quod  
 ita incipit: Laudo Deum ab initio studii recti etc., et *Ali Ben Mohammed Ben Ali  
 Ghazali*, vulgo *Ibn Abi Casiba* dictum, auctorem habet. — 9627. *Cawám  
 el-sowwám*, justa ratio abstinentium ad jejunium recte faciendum, auctore Molla  
 Sheikh *Ali Ben Sultán Mohammed Herewi* Corani Lectore. — 9628. *Cawám  
 olum el-tibb*, justa ratio doctrinarum medicinae. Volumen, auctore *Abu'lhasan  
 Ali Ben Zeid Beihacki*. — 9629. *Cawánín el-belághat*, canones eloquentiae,  
 auctore *Mowaffic-ed-din Abd-el-latif Ben Yusuf Baghdádi* Philosopho, anno 629 5  
 (inc. 29. Oct. 1231) mortuo. — 9630. *Cawánín el-sarf*, canones inflexionis  
 grammaticae, auctore Seyyid *Ahmed Ben Mustafa*, vulgo *Láli* dicto. — 9631.  
*Cawánín el-tibb*, canones doctrinae medicae, auctore *Khoja Nasir-ed-din Túsi*. —

9632. *Ilm cawánín el-kitábet*. Canones artis scribendi.

[Molla doctissimus in doctrinarum objectis: Haec est, ait, ea ars, qua ratio  
 cognoscitur, figuras literarum simplicium pingendi, quo modo calamus tenendus, a quo  
 latere in scribendo incipiendum et qua via harum literarum formatio faciliior sit  
 reddenda. Inter scripta de hac arte huc primum caput libri *Sobh el-ashá* referendum 10  
 est. — Haec ille.] —

[وقد مرّ تعريفه في علم القافية]

- ٩١٣٤ قوه الارشاد وهو القصيدة البرهانية على قواعد عقائد الاشعرية لابي عمرو عثمان بن عبد الله الفاسي السلالمى اوله الحمد لله رب العالمين الخ ٩١٣٥ قوت الارواح في التصوف للشيوخ [جمال الدين] حسين بن علي [بن الحصني] وكان حياً في حدود سنة ٩١٠ وفي 5 التاريخ لحسن بن علي بن جماد ذكره شكر الله في بهجة التاريخ ٩١٣٦ قوت القلوب في معاملة المحبوب ووصف طريق المرید الى مقام التوحيد في التصوف لابي طالب محمد بن علي [عناية العجمي ثم] المكي المتوفى سنة ٣٨٦ ببغداد قالوا لم يصنف في الاسلام مثله في دقائق الطريقة ولمولفه كلام في هذه العلوم لم يسبق الى مثله اختصره الشيخ الامام محمد بن خلف الاموي الاندلسي المتوفى سنة ستمائة الوصول الى الغرض المطلوب من جواهر 10 قوت القلوب ٩١٣٧ قوت المحتاج شرح المنهاج في الفروع للذري احمد بن حمدان بن احمد

6633. *Ilm el-cawáfi. Doctrina rhythmorum.*[Definitio hujus doctrinae supra sub *Ilm el-cláfiyet* quaerenda est]. —

9634. *Cowwet el-irshád, vis directionis rectae. Casida Borháníyet* est ad theorematum articulorum fidei *Asharitarum* ab *Abu Amru Othmán Ben Abdallah Fási Silálecki* scripta. Incipit ita: Laus Deo, mundorum domino etc. — 9635. *Caut el-arwáh, alimentum spirituum de theosophia*, auctore Sheikh [Jemál-ed-dín] 5 *Hosein Ben Ali [Ben-elhisni]*, qui circa annum 960 (inc. 18. Dec. 1552) vixit. Liber historicus ejusdem tituli, quem *Shukrallah* in *Behjet el-tarikh* commemorat, *Hasan Ben Ali Ben Jemád* auctorem habet. — 9636. *Caut el-colúb, alimentum cordium de commercio dilecti et descriptio viae studiosi ad gradum doctrinae de uno Deo*, auctore *Abu Tálib Mohammed Ben Ali [Atíya, primum Iracae persicae, postea]* Mekkae inquilino, anno 386 (inc. 25. Jan. 996) in urbe Baghdad mortuo. Opus theosophicum, cui simile inter Islami asseclas de subtilitatibus viae mysticae nemo scripsisse dicitur. Auctor praeterea modo dicendi utitur in his disciplinis, cujus perfectionem nemo unquam tetigit. Sheikh et Imám *Mohammed Ben Khalaf Andalusí Omayyada*, anno . . . mortuus, epitomen ejus potiora continentem et *El-Wo'súl ila el-gharadh el-matlúb min jewáhir Caut el-colúb* inscriptam edidit. — 9637. *Caut* 10 *el-mohtáj, alimentum ejus qui necesse habet. Commentarius in opus Minháj de partibus juris derivatis, auctore Ahmed Ben Hamdan Ben Ahmed, vulgo Adzraí*



المتوفى سنة ٧٨٣ ومختصره لباب القوت لابي الثناء محمود بن احمد بن خطيب الدعشة

للمؤلف المتوفى سنة ٨٣٤ قوت المغتدى على جامع الترمذى مر

٩١٣٩ علم قود العساكر والجيش

[وهو علم باحث عن ترتيب العساكر ونصب الرؤساء لضبط احوالهم وتبيين ارزاقهم وتمييز  
5 الشجاع عن الجبان والقوى عن الضعيف ويحسن الى الاقوياء والشجعان فوق احسان الضعفاء  
من الاقربان ثم يستميل قلوب الشجعان بانواع اللطف والاحسان ويهيئ لهم البسة الحروب وما  
يليق بهم من السلاح ثم يأمر لكل منهم الزهد والصلاح ليفوزوا بالخير والفلاح ويأمرهم ان لا  
يظلموا احداً ولا ينقصوا عبداً ولا يظلموا ركناً من اركان الشريعة فآتة الى استيصال الدولة نريفة  
ذكرة المؤلف ابو الخير ومثل له مثلاً في موضوعاته

٩١٤ علم قوس قزح

10

[علم باحث عن كيفية حدوثه وسبب حدوثه وسبب استدارته واختلاف الوانه وحصوله

dicto et anno 783 (inc. 28. Mart. 1381) mortuo. Ejus epitome, *Lobáb El-Caut*  
inscripta, *Abu'lthená Mahmúd Ben Ahmed Hamawi* filium Concionatoris urbis  
Dehshet, anno 834 (inc. 19. Sept. 1430) mortuum, auctorem habet. — 9638. *Caut el-*  
*mughtedzi*, alimentum nutriti ad librum *Jámi'* a *Tirmidzi* editum. Vide supra. —

9639. *Ilm caud el-asákir we el-joyúsh*. Ars milites et duces recte  
tractandi et regendi.

[Haec est ars, quae de constituendis exercitibus et ducibus ita disponendis, ut res  
ordinare et stipendia parare possint, deque strenuis quaerit ab ignavis et fortibus ab  
infirmis distinguendis. Fortibus et strenuis plus beneficii tribuit quam ignavis inter 5  
aequales; tum strenuorum animos conciliare sibi studet variis favoris et benignitatis  
documentis, iis ornatum militarem et arma parat convenientia. Porro singulis  
abstinentiam et probitatem commendat, ut bonis et felicitate potiantur, eosque nemini  
injuriam facere, neque foedera violare, neque praecepta legis primaria negligere jubet;  
qui enim ita agit, ad perdendam rempublicam viam munit. — Molla *Abu'lkheir*  
disciplinae mentionem facit in doctrinarum objectis et exempla proponit. —

9640. *Ilm caus cozah*. Doctrina arcus coelestis.

10

[Haec doctrina, quam *Abu'lkheir* commemorat et partem doctrinae naturalis esse  
vult, in rationem et caussam ortus arcus coelestis, in formae arcuatae caussam, colorum

- عقيب الامطار وطرفى النهار وحصوله فى النهار كثيراً وفى ضوء القمر فى الليل احياناً واحكام  
حدوثه فى عالم الكون والفساد الى غير ذلك من الاحوال ذكره ابو الخير وعده من علم الطبيعى [
- ٩٩٤١ انقول الاشبه فى حديث من عرف نفسه فقد عرف ربه لجلال الدين عبد الرحمن  
ابن ابى بكر السيوطى توفى سنة ٩١١ رسالة اردخا فى حاويه بتمامها ٩٩٤٢ انقول الاصوب فى
- الحكم بالصدقة والموجب رسالة للشيخ الامام احمد بن محمد الرومى الحنفى [المتوفى سنة 5  
٧٧] اوله الحمد لله الذى صحح حكمه الخ رتب على مقدمة ومقالتين وخاتمة. ٩٩٤٣ انقول
- الاطهر فى الحج الاكبر لنوح بن مصطفى الحنفى المصرى [المتوفى سنة ١٠٧٠] ٩٩٤٤ انقول
- البديع فى الصلوة على الحبيب الشفيق للشيخ الامام شمس الدين ابى الخير محمد بن عبد  
الرحمن السخاوى الشافعى [المتوفى سنة ٩٠٢] اوله الحمد لله الذى شرف قدر سيدنا محمد
- الخ رتب على مقدمة وخمسة ابواب وخاتمة وثرغ من تأليفه فى اواخر رمضان سنة ٨١٤ بالقاهرة 10

varietatem, ejus post pluvias adventum et mane et vespera, ortum per diem frequentem at rarum luna per noctem splendente, et in regulas inquirat, quibus in hoc formationis et destructionis mundo apparet, et quae alia sunt quae huc pertinent]. —

9641. El-Caul El-Ashbah, dictum aptissimum de traditione: Qui se ipsum noscit, sane dominum suum cognoscit, auctore *Jelul-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyuti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. Tractatus, quem suo *Hawi* totum inseruit. — 9642. El-Caul El-Aswab, dictum rectissimum de iudicio, 5 quod veritatem et causam efficientem universalem spectat, auctore Sheikh et Imam *Ahmed Ben Mohammed Rumi Hanefita*, [anno 717 (inc. 16. Mart. 1317) mortuo]. Tractatus, qui ita incipit: Laus Deo, cujus decretum verum est etc., et in praefationem, duas dissertationes et conclusionem distributus est. — 9643. El-Caul El-Atzhar, dictum manifestissimum de maxima peregrinatione Mekkana, auctore *Nuh Ben Mustafa Misri Hanefita*, [anno 1070 (inc. 8. Sept. 1659) mortuo]. — 9644. El-Caul El-Bedi, dictum comitum de precatione super dilectum intercessorem, auctore Sheikh et Imam *Shems-ed-din Abu'l-kheir Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekhawi Shafiita*, [anno 902 (inc. 9. Sept. 1496) mortuo]. Compositionem libri, qui ita incipit: Laus Deo, qui domini nostri *Mohammed* dignitatem gloria ornavit etc., 10 et in praefationem, quinque capita et conclusionem distributus est, exeunte mense Ramadhán anni 861 (inc. 29. Nov. 1456) Cahirae absolvit. De eodem argumento



والشيخ الامام ابي الفيص محرم بن پير محمد بن مزيد المتوفى سنة جمع فيه اربعين حديثًا ذكر في اوله منلا عرب الواعظ بقوله بعض شيوخى اوله الحمد لله الذى اعلى قدر حبيبه الى اوج الكمالات الخ ٩١٤٥ القول التام في احكام المأموم والامام لشيباب الدين احمد ابن عماد بن [يوسف] الانقبسى المتوفى سنة ٨٥٠ [وآخر في موقف المأموم والامام] ٩١٤٦ القول انتام في دخول الامام ٩١٤٧ القول التام في فضل الرمي بالسهم ٩١٤٨ القول الثاني لبقرات اى ثانی تقدمه القول الاول ٩١٤٩ القول الجلى في احاديث الولى رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطى ذكره في حاويه تماما بل هو القول المنجلى في تطويد الولى ذكر فيه انه سئل عن من حلف بالطلاق ان الشيخ عبد القادر الطجطوطى بات عنده ليلة كذا وحلف آخر به انه بات عنده في تلك الليلة بعينها فهل يقع على احدهما 10 فارسل قاصداً الى الشيخ فسأله فقال ولو قال اربعة اتي بت عندهم لصدقوا فافتي بانه لا

Sheikh et Imám *Abu'feidh Moharrem Ben Pir Mohammed Ben Mezid*, anno... mortuus, quadraginta traditiones collegit, et ab initio verbis „Quidam Sheikhorum meorum“ *Menla Arab* Concionatorem significat. Orsus est ita: Laus Deo, qui dignitatem dilecti sui in gradum perfectionum celsissimum elevavit etc. — 9645. El-Caul El-Tám m fi ahkám el-mamúm we el-imám, dictum perfectum de statutis, quae sacrorum antistitem (*Imám*) et ejus sacro coetui adscriptum (*Mamúm*) spectant, auctore *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Imád Ben [Yusuf] Afcahesi*, anno 808 (inc. 29. Jun. 1405) mortuo. [Aliud scriptum de loco agit, quem *Imám* et *Mamúm* occupat]. — 9646. El-Caul El-Tám m, dictum perfectum de balneo visitando. — 9647. El-Caul El-Tám m, dictum perfectum de arte sagittas mittendi. — 9648. 5 El-Caul El-Tháni, praedictionum Hippocratis liber secundus i. e. secundus libri primi. — 9649. El-Caul El-Jelí, dictum evidens de traditionibus, quae de amico Dei sancto circumferantur. Tractatus, quem auctor *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyúti* totum suo *Háwi* inseruit; at potius titulum habet *El-Caul El-Monjeli fi tetwid el-weli*. Narrat auctor, de viro aliquo se rogatum esse, qui divortio interposito juravisset, Sheikhum *Abd-el-cádir Tejtúti* apud se noctem illam commoratum esse. Contra alius quidam eodem divortio interposito juraverat, illum apud se eandem ipsam noctem commoratum esse; unde quaestio est orta, num in alterutrum mendacium caderet. *Soyúti* igitur nuntium misit ad Sheikhum, qui rogaret. Ille: Et si quatuor, 10 ait, me apud eos pernoctasse dicerent, verum dicerent. Qua de caussa *Soyúti* responsum

- يحدث واحد منهما ٩١٥. القول الجميل في الرد على من غير الانجيل للامام حجة الاسلام  
 محمد بن محمد الغزالي المتوفى سنة ٥٠٥ ٩١٥ القول الجوهري في بيان غلط الجوجرى  
 [جزء] ٩١٥ القول الحسن في بعث معاذ الى اليمن للشيخ شهاب الدين احمد بن محمد  
 [بن عثمان] الخليلي المقدسي المتوفى سنة ٥٠٥ ٩١٥ القول الحسن في جواب القول لمن  
 للمولى عطاء الله بن يحيى المعروف بنوي زاده المتوفى سنة ١٠٤٤ قال اردت ان ارتب مجموعة 5  
 لآخوات من الحكم تنفعهم عند قطع الخصام من المسائل التي يكون القول فيها لاحد  
 المتخاصمين يمينه او بمجرد قوله في مجلد آتمها في ذي الحجة سنة ١٠٣٨ حال كونه فانيا  
 بهزسته ٩١٥ القول الحسن في الذب عن السنن لجلال الدين السيوطي توفي سنة ٩١٥ ٩١٥  
 القول السديد في خلف الوعيد لعلي بن سلطان محمد البيروني القاري [المتوفى سنة ١٠١٤]  
 ٩١٥ القول الصائب في جواز القصاص على الغائب لسراج الدين [العلامة عمر بن رسلان الشافعي] 10

- dedit juridicum, neutrum esse perjurum. — 9650. El-Caul El-Jemíl, dictum  
 elegans de refutando eo, qui evangelium corruerit, auctore Imám *Hojjet el-islám*  
*Mohammed Ben Mohammed Ghazáli*, anno 505 (inc. 10. Jul. 1111) mortuo. —  
 9651. El-Caul El-Jauheri, dictum *Jauhericum* de expositione hallucinationum  
*Janjerti*. [Fasciculus]. — 9652. El-Caul El-Hasan, dictum probatum de missione  
*Moádzi* in Yemanam, auctore Sheikh *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Mohammed* [*Ben*  
*Othmán*] *Khalíli Mocaddesi*, anno 805 (inc. 1. Aug. 1402) mortuo. — 9653. El-  
 Caul El-Hasan, dictum probatum, responsum continens ad quaestionem: Cui?  
 auctore Molla *Atáallah Ben Yahya*, vulgo *Nautzádek* dicto et anno 1044 (inc. 17.  
 5 Jun. 1634) mortuo. Volui, inquit, amicis judicibus syllogen disponere quaestionum,  
 quae iis utilis esset, cum controversia esset dirimenda, quaestionum dico, quas unus  
 adversariorum jurejurando sive verbo nudo interposito affirmavisset. Volumen, quod  
 mense Dzi'lhiijet anni 1038 (inc. 21. Aug. 1628) absolvit, cum in urbe *Mizistra*  
 judicis munere fungeretur. — 9654. El-Caul El-Hasan, dictum probatum.  
 Apologia traditionum prophetae a *Jelál-ed-dín Soyúti* scripta, qui anno 911 (inc.  
 4. Jun. 1505) obiit. — 9655. El-Caul El-Sedíd, dictum concinnum de eo, quod  
 praedictioni, mali aliquid eventurum esse, contrarium est, auctore *Ali Ben Sultán*  
*Mohammed Herevi* Corani Lectore, [anno 1014 (inc. 9. Mai. 1605) mortuo]. —  
 10 9656. El-Caul El-Sáib, dictum recte tendens, iudicium contra absentem licitum  
 esse, auctore [viro doctissimo] *Siráj-ed-dín* [*Omar Ben Raslán*] *Bolckeini* [Shafiita].



- البليغي المتوفى سنة [٨٠٥] ٩٥٧ القول الصحيح في تعيين الذبيح للشيخ تقي الدين على  
 ابن عبد الكافي السبكي توفي سنة ٧٥٩ ٩٥٨ القول الفائق الارب ٩٥٩ القول القصيح  
 في تعيين الذبيح للسيوطي المذكور ٩٦٠ القول مجموعة جمعها المولى جلال الدين العرب  
 من الكتب المعتمدة والحوادث الواقعة بين يديه حال كونه كاتب المحكمة بقسطنطينية ثم  
 5 اخذها نوحى زاده وزاد عليها اضعافا سماه القول الحسن كما مر ٩٦١ القول المؤلف في الرد  
 على منكر المعروف لشمس الدين محمد بن عبد الرحمن السخاوي [المتوفى سنة ٩٠٣]  
 ٩٦٢ القول المؤلف على القاموس مر ٩٦٣ القول المتبع في [احكام] الكنائس والبيع للعلامة  
 زين الدين قاسم بن قطلوبغا الكنعني المتوفى سنة ٨٧١ ٩٦٤ القول المجمل في الرد على  
 المهمل رسالة لجلال الدين عبد الرحمن بن ابى بكر السيوطي توفي سنة ٩١١ اوله الحمد لله الذى  
 10 العلماء والاشراف الخ ذكر فيه ان بعض العوام قرأ في آخر كتاب الشفاء خصيصى بصيغة التثنية وانما

anno [805 (inc. 1. Aug. 1402)] mortuo. — 9657. El-Caul El-Sahih, dictum verum de destinanda hostia sacrificio apta, auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-kafi Sebeki*, anno 756 (inc. 16. Jan. 1355) mortuo. — 9658. El-Caul El-Faic El-Arib, dictum praestans et sapiens. — 9659. El-Caul El-Fasih, dictum facundum de destinanda hostia sacrificio apta, auctore *Soyuti* modo laudato. — 9660. El-Caul, dictum. Sylloge, quam Molla *Jelal-ed-din Arab* e libris magni aestimatis et iis, quae cum scriba esset in tribunali Constantinopolitano sibi evenissent, collegerat. Postea *Nauizadeh* eam sumsit duploque auxit, et libro, ut antea dictum 5 est, titulum *El-Caul El-Hasan* dedit. — 9661. El-Caul El-Maluf, dictum usitatum de refutatione eorum, qui quod fas et aequum est improbant, auctore *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekhawi*, [anno 902 (inc. 9. Sept. 1496) mortuo]. — 9662. El-Caul El-Manus, dictum familiare contra lexicon *Camus*. Vide supra. — 9663. El-Caul El-Motabbi', dictum continuum de [statutis] synagogas et templa Christianorum spectantibus, auctore viro doctissimo *Zein-ed-din Cusim Ben Colluhoghá Hanefita*, anno 879 (inc. 18. Mai. 1474) mortuo. — 9664. El-Caul El-Mojmel, dictum contractum et breve de refutando verbo inusitato, auctore *Jelal-ed-din Abd-el-rahman Ben Abi Bekr Soyuti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuo. In hoc tractatu, qui ita incipit: Laus Deo, qui erga viros doctos et nobiles benignus est etc., aliquem e vulgo in fine libri *Shefa* vocem *khissisa* forma 10 duali legisse narrat, cum nomen singulare sit. Scripsit igitur ad eum refutandum. --

- عومرد فكتب في رده ٩٩٥ القول بالمحمود في تنزيه داود للشيخ تقي الدين علي بن عبد  
الكافي السبكي توفي سنة ٧٥١ ٩٩٩ القول المختار في الدعوات والانكار رسالة للسيوطي  
٩٩٦ القول المختطف في دلالة كافي اذا اعتكف للشيخ تقي الدين بن عبد الكافي السبكي  
المذكور ٩٩٨ القول المسدد في الذب عن مسند الامام احمد لشهاب الدين العلامة  
احمد بن علي المعروف بابن حجر العسقلاني المتوفى سنة ٥٠٥ اوله الحمد لله الحكيم الذي لا  
يتوجه عليه الانتقاص الخ ٩٩٩ القول المشرق في تحريم الاشتغال بالمنطق رسالة لجلال  
الدين السيوطي ٩٩٧ القول المشيد في وقف المؤيد رسالة له ايضا ذكرها في حوايه تماما  
٩٩٨ القول المعروف للامام برهان الدين ابراهيم بن عمر البقاعي [المتوفى سنة ٥٠٥] ٩٩٣  
القول المغني في الحنث في المغني لجلال الدين عبد الرحمن بن ابي بكر السيوطي المتوفى  
سنة ٩١١ رسالة ذكرها في الحواي تماما ٩٩٣ القول المفيد في اصول التجويد للامام برهان 10

9665. El-Caul El-Mahmúd, verbum laudatum de culpa a *Dawud demovenda*,  
auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ali Ben Abd-el-káfi Sebeki*, anno 756 (inc.  
16. Jan. 1355) mortuo. — 9666. El-Caul El-Mokhtár, dictum selectum  
de precibus et invocationibus Dei. Tractatus a *Soyúti* editus. — 9667. El-Caul  
El-Mokhtetaf, dictum abruptum de mercede vicarii, quando assiduus est,  
auctore Sheikh *Tacki-ed-din Ben Abd-el-káfi Sebeki*, modo laudato. —  
9668. El-Caul El-Mosaddad, dictum bene directum. Apologia operis *Musnad*  
ab Imám *Ahmed* editi, auctore viro doctissimo *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Ali*  
5 *Ascaláni*, vulgo *Ibn Hajr* dicto et anno 852 (inc. 7. Mart. 1448) mortuo. Incipit  
ita: Laus Deo sapienti, in quem deminutio nullam vim exercet etc. — 9669.  
El-Caul El-Moshrac, dictum splendens de prohibendo logicae studio. Tractatus,  
auctore *Jelál-ed-din Soyúti*. — 9670. El-Caul El-Moshayyed, dictum alta  
voce pronuntiatum de legato *Mowayyedi*. Tractatus, quem idem *Soyúti* scripsit et  
suo *Háwi* totum inseruit. — 9671. El-Caul El-Ma'rúf, dictum notum, auctore  
Imám *Borhán-ed-din Ibráhím Ben Omar Becá'i*, [anno 885 (inc. 13. Mart. 1480)  
mortuo]. — 9672. El-Caul El-Mughni, dictum, quod animum contentum reddit,  
de perjuria in opere *Mughni*. Tractatus, quem *Jelál-ed-din Abd-el-rahman Ben*  
*Abi Bekr Soyúti*, anno 911 (inc. 4. Jun. 1505) mortuus, scripsit et totum suo *Háwi*  
10 inseruit. — 9673. El-Caul El-Mofíd, dictum quod principia artis Coranum  
bene legendi commode docet, auctore Imám *Borhán-ed-din Ibráhím Ben Omar*



- الدين ابراهيم بن عمر البقاعي توفي سنة ٨١٥ ٩١٧٤ القول المناصر في ردّ خيَاط على بن ناصر للشيبان احمد بن محمد بن عبد السلام الشافعي المتوفى سنة ٩٣١ اوله الحمد لله وحده الخ قال يتعلّق بمسئلة من المحرّمات على عملته حين مجاورتي بمكة المكرمة الا اني نسبتة لقاضيتها الجمال انى السعود بن ذبيبة لغرض يعلمه الله تعالى وانتشر منه نسخ 5 كثيرة حيث نسب تأليفه اليه وسره ذلكا ذكره في البدر الطالع ٩١٧٥ انقول المنبى على ترجمة ابن العري للشيوخ شمس الدين محمد بن عبد الرحمن السخاوى ٩١٧٦ القول الميّدب في بيان ما في القرآن من الرومى المعرب لمحمد بن يحيى الحلبي الحنفى التناذى المتوفى سنة ٩٩٣ ٩١٧٧ القول النافع في ختم صحيح البخارى الجامع ٩١٧٨ القول النقى في الردّ على المفتري الشقى لزين بن نجم المصرى الحنفى المتوفى سنة [٩٧٠]
- ٩١٧٩ القول الوجيز في احكام الكتاب العزيز لصاحب عمدة الحفاظ [ابن السمين احمد ابن يوسف الحلبي المتوفى سنة ٧٥٩] ذكره في السحر ٩١٨٠ القولين والوجيزين للامام انى

*Becâi*, anno 885 (inc. 13. Mart. 1480) mortuo. — 9674. El-Caul El-Monásir, dictum defendens de refutatione *Alii Ben Násir*, vulgo *Khayyát* dicti, auctore *Sheháb-ed-din Ahmed Ben Mohammed Ben Abd-el-selám* Shafita, anno 931 (inc. 29. Oct. 1524) mortuo. Hic libellus, qui ita incipit: Laus Deo unico etc., inquit, quaestionem spectat rerum, quae mihi illicitae erant. Confeci eum, cum Mekkae religionis caussa commorarer, cessique ejus judici *Jemál-ed-din Abu'lsoud Ben Tzahira* propter consilium, quod Deus scit. Multa exempla ab eo tempore divulgabantur, quo ejus compositio vero auctori attribuebatur. Hoc secretum in 5 *El-Bedr El-Táli'* narratur. — 9675. El-Caul El-Monebbi, dictum de biographia *Ibn-elarabí* nuntium afferens, auctore Sheikh *Shems-ed-din Mohammed Ben Abd-el-rahman Sekháwi*. — 9676. El-Caul El-Mohadzab, dictum correctum de expositione verborum Rumaeorum in linguam arabicam translatorum, quae in Corano leguntur, auctore *Mohammed Ben Yahya Halebi Tadzi'í* Hanefita, anno 963 (inc. 16. Nov. 1555) mortuo. — 9677. El-Caul El-Náfi', dictum utile de fine operis *El-Sahih El-Jámi'* a *Bokhári* editi. — 9678. El-Caul El-Nacki, dictum probum de refutatione improbi mendacia fingentis, auctore *Zein Ben Nejm Misri* Hanefita, anno [970 (inc. 31. Aug. 1562)] mortuo. — 9679. El-Caul El-Wejíz, dictum breve de statutis libri augusti. Scripsit [*Ibn-elsemin Ahmed Ben Yusuf Halebi*] libri *Omdet el-hoffátz* auctor, [anno 756 (inc. 5. Jan. 757) mortuus]. Laudatur in 10 opere *Síhr*. — 9680. El-Caulein we El-Wajhein, dicta duo et rationes duae,

الحسن احمد بن محمد المحاملى الشافعى المتوفى سنة ٤١٥هـ وابى المحاسن الروبانى عبد  
 الواحد بن اسمعيل الشافعى المقتول سنة ٥٠٣هـ مجلداً ١٩٨١ قهوة الانشاء لتقى الدين  
 ابى بكر بن حجة الحموى المتوفى سنة [٨٣٧هـ] اوله الحمد لله الذى احسن انشاءنا فساجعنا  
 على اثنان العبودية بتحميده الخ ذكر فيه ما انشأه من التقاليد والمناشرة وغير ذلك فى  
 مجلّد ١٩٨٢ قهوة النديم ونقلدان المقام الكريم ورتبه على مقدمة وعشرة ابواب ١٩٨٣ 5  
 قيباس على اصول النحو لعيسى بن مروان الكوفى توفى سنة

١٩٨٤ علم القياضة

القياضة على قسمين قياضة الاثر ويقال له العياضة وقد مرّ وقياضة البشر وهو المراد ههنا  
 وهو علم باحث عن كيفية الاستدلال ببيئات اعضاء الشخصين الى كون المشاركة  
 والاتحاد فى النسب والولاد وسائر احوالهما والاستدلال على هذا الوجه مخصوص لبني 10

auctoribus Imāmi *Abu'lhasan Ahmed Ben Mohammed Mehāmili* Shafiita, anno 415  
 (inc. 15. Mart. 1024) mortuo, et *Abu'lmeḥāsin Abd-el-wāhid Ben Ismāil Ruyāni*  
 Shafiita, anno 502 (inc. 11. Aug. 1108) interfecto. Duo volumina. — 9681. Cahwet  
 el-inshā, vinum stili elegantioris, auctore *Tacki-ed-dīn Abu Bekr Ben Hojjet*  
*Hamawi*, anno [837 (inc. 18. Aug. 1433)] mortuo. Orsus est ita: Laus Deo, qui  
 stilum nostrum elegantiore benevolentia sua adjuvat et ad varias cultus divini  
 rationes laudationibus ejus rhythmicis nos loquentes facit etc. Porro literas profert  
 regias, quibus imperia demandantur, diplomata patentia et alia mandata a se eleganter  
 5 composita. Volumen. — 9682. Cahwet el-nedīm, vinum compotoris et patina  
 sedis aūgustae. Liber in praefationem et decem capita dispositus est. — 9683.  
 Ckiyās ala osúl el-nahw, ratiocinatio super principiis syntacticis, auctore *Isa*  
*Ben Merwān Kufi*, anno . . . mortuo. —

9684. Ilm el-ckiyāfet. Doctrina genealogiae ex membris demonstrandae.

Haec genealogia duplex est, genealogia vestigiorum, quae etiam ars dicitur vestigia  
 persequendi, de qua supra dictum est, et genealogia externa hominum figurae, de  
 qua hic disseritur. Haec doctrina de ratione quaerit, qua ex formis membrorum  
 10 personarum duorum de communione inter eos intercedente et uniate in genealogia et  
 origine aliisque conditionibus illis communibus concluditur. Ars ratiocinationis ejusmodi



مدلج من العرب فلا يمكن التعلّم وحكمة الاختصاص تؤول الى صيانة النسبة النبوية كما قال بعض الحكماء خسن بهم لحصانة السننيم عما يورث خبث الحسب وثبوت النسب من فساد البزر وحصول هذا العلم بالحدس والتخمين لا الاستدلال واليقين والله سبحانه وتعالى اعلم وانما سمى به اى قيافة البشر لان صاحبه تتبع بشرة الانسان وجلده واعضائه واقدامه 5 وهذا العلم لا يحصل بالدراسة والتعليم ولهذا لم يصنف فيه وذكر ان اقليمون صاحب انقراة كان يزعم في زمانه انه يستدلّ بتركيب على اخلاق نفسه فاراد تلاميذ بقراط ان يمتحنوا به فصوروا صورة بقراط ثم نبعوا بها وكانت يونان تحكم الصورة بحيث تحكيها على الوجه في قليل امرها وكثيره لانهم كانوا يعظمون الصورة ويعبدونها فاحكموها وكل الامم تتبع لهم في ذلك ويظفر التفسير من التابعين في التصوير ظهوراً بيناً فلما حضروا عند 10 اقليمون وثف على الصورة وتاملها وامعن النظر فيها ثم قال هذا رجل يحب الزنا وهو لا

maxime filiis *Modlij* propria est inter Arabes neque disci potest, et hujus proprietatis sapientia ad conservationem genealogiae propheticae recidit, ut philosophus quidam dicit. Propria autem illis haec ars est, quod eorum linguae ab iis munitae sunt, quae impuritatem nobilitatis pariunt, et propter continuam genealogiae puritatem a seminis corruptione. Comparatur ars conjectura et opinione, non ratiocinatione et certa cognitione, salva meliore Dei laudati et excelsi scientia. Dicta autem est *chiyáfet el-bashar*, quod qui ejus gnarus est, exteriorem hominis faciem, cutem, membra et pedes investigando persequitur, et haec doctrina neque instituendo neque 5 docendo comparatur, eamque ob causam libri de ea non compositi sunt. Polemon, auctor libri de physiognomica, suo tempore ex compositione concludere posse credebatur de ingenio proprio. Itaque discipuli Hippocratis experimento hoc probare voluerunt, et formatam Hippocratis imaginem ad illum portarunt. Graeci enim artem statuariam probe calluerunt, ita ut imagines per singulas partes sive majores sive minores simillimas adumbrarent, cum eas honorarent et adorarent. Itaque ad artem homines bene instituerunt, ut omnes populi eos in ea exercenda sequerentur et clarissime imitatores se esse arti statuariae impares monstrarent. Cum igitur ad Polemonem venissent, attente figuram inspexit et consideravit, et penitus eam cognoscere studuit. Tum inscius, quem virum imago referret: Hic vir, inquit, scortationi deditus est. 10 Haud verum loqueris, responderunt; haec imago Hippocratem refert. Nihilominus,

- يدرى من هو فقالوا له كذبت هذه صورة بغراط فقال لا بد لعلمي ان يصدق فاسألوه  
 فلما رجعوا اليه قال صدق انظيرون احب الزنا ولكن املك نفسي من تاريخ الحكماء
- ٩١٥ قيات نامد للامام الشافعي ونظم حمد الله بن آق شمس الدين محمد توفى  
 سنة ٩١٩ والشيخ عمر الخلوقي ببلدة مغنيسا في سنة ثلثين واربم ٩١٦ قيام الليل في مجلدين
- لمحمد بن نصر المروزي المتوفى سنة قيد الاوابد في ثلث مجلدات وهو تذكرة 5  
 الشيخ تاج الدين احمد بن عبد القادر بن مكتوم توفى سنة ٧٤٩ قيد الاوابد  
 في علوم التفسير والحديث [والفقه واللغة وغير ذلك] لمحمد بن حسن الراغوب الشافعي  
 المتوفى سنة ٥٥٩ عن تسع وسبعين مجموعة جمع فيها العلوم ورتبها لعلها بلغت اربع مجلدات
- ٩١٩ قيد الاوابد في الفقه شرحه الشيخ الامام ابو بكر بن محمد الحدادي الحنفى  
 المتوفى في حدود سنة ثمانمائة وسماه الرجيف المختوم في مجلد 10 قيد الاوابد ٩١٩.

ait, scientia mea a veritate non recedit. Interrogate eum. — Redierunt igitur ad Hippocratem, qui: Recte Polemon dicit, inquit. Deditus sum scortationi, at mihi impero. — Haec ex historia philosophorum petita sunt. —

9685. Ckiyáfet-námeh, liber de genealogia ex membris cognoscenda, auctore Imám Sháfíi. Eum versibus reddiderunt Hamdallah Ben Ac Shems-ed-din Mohammed, anno 909 (inc. 26. Jun. 1503) mortuus, et Sheikh Omar Khaluati, qui in urbe Magnesia anno 1030 (inc. 16. Nov. 1620) scripsit. — 9686. Ckiyám el-leil, 5 consurrectio per noctem. Duo volumina a Mohammed Ben Nasr Meruezi, anno ... mortuo, composita. — 9687. Caid el-awábid, perscriptio dictorum fugacium. Tria volumina, quae librum memorialem Sheikhí Táj-ed-din Ahmed Ben Abd-el-cádir Ben Mektúm, anno 749 (inc. 1. Apr. 1343) mortui, continent. — 9688. Caid el-awábid, perscriptio dictorum fugacium, de exegesi coranica, doctrina traditionaria, [jurisprudencia, lexicologia aliisque disciplinis]. Sylloge, in qua Mohammed Ben Hasan Zághúli Shafíita, qui annos septuaginta novem natus anno 559 (inc. 30. Nov. 1163) obiit, doctrinas collegit et disposuit. Fortasse liber quatuor volumina complectitur. — 9689. Caid el-awábid, perscriptio dictorum fugacium de juris-  
 10 Sheik et Imám Abu Bekr Ben Mohammed Haddádi Hanefita, circa annum 800 (inc. 24. Sept. 1397) mortuus, composuit. — 9690. Caid el-awábid, perscriptio dictorum



في اللغة قصيدة مشهورة لاسماعيل بن ابراهيم الربعى توفى سنة ٤٨٠ شرحه ابو بكر بن على  
 الحنّادى المصرى المتوفى في حدود سنة ٨٠٠ قيد الشرائد ونظم الفوائد المعروف  
 بمنظومة الوهبانية يأتي في الميم

---

fugacium. *Casida* de lexicologia notissima, auctore *Ismail Ben Ibráhim Rabas'*, anno  
 480 (inc. 8. Apr. 1087) mortuo. *Commentarium Abu Bekr Ben Ali Haddádi Misri*,  
 circa annum 800 (inc. 24. Sept. 1397) mortuus, edidit. — 9691. *Caïd el-sheráid*,  
 perscriptio dictorum per regiones divulgatorum et metrica adnotationum utilium  
 compositio. *Carmen*, quod titulo *El-Mantzúmet El-Wahbániyet* innotuit, et in  
 litera *Mim* latius descriptum est. —

---





مكتبة جامعة كورنيل

مكتبة جامعة كورنيل



مكتبة جامعة كورنيل

مكتبة جامعة كورنيل

مكتبة جامعة كورنيل

مكتبة جامعة كورنيل

حاجي خليفة مصطفى بن عبد الله

# كشف الظنون

عن أسامي الكتب والفنون

حرره مع ترجمة إلى اللاتينية  
غوستاف فلوجل

المجلد الرابع

لندن - بنتلي

١٨٤٥



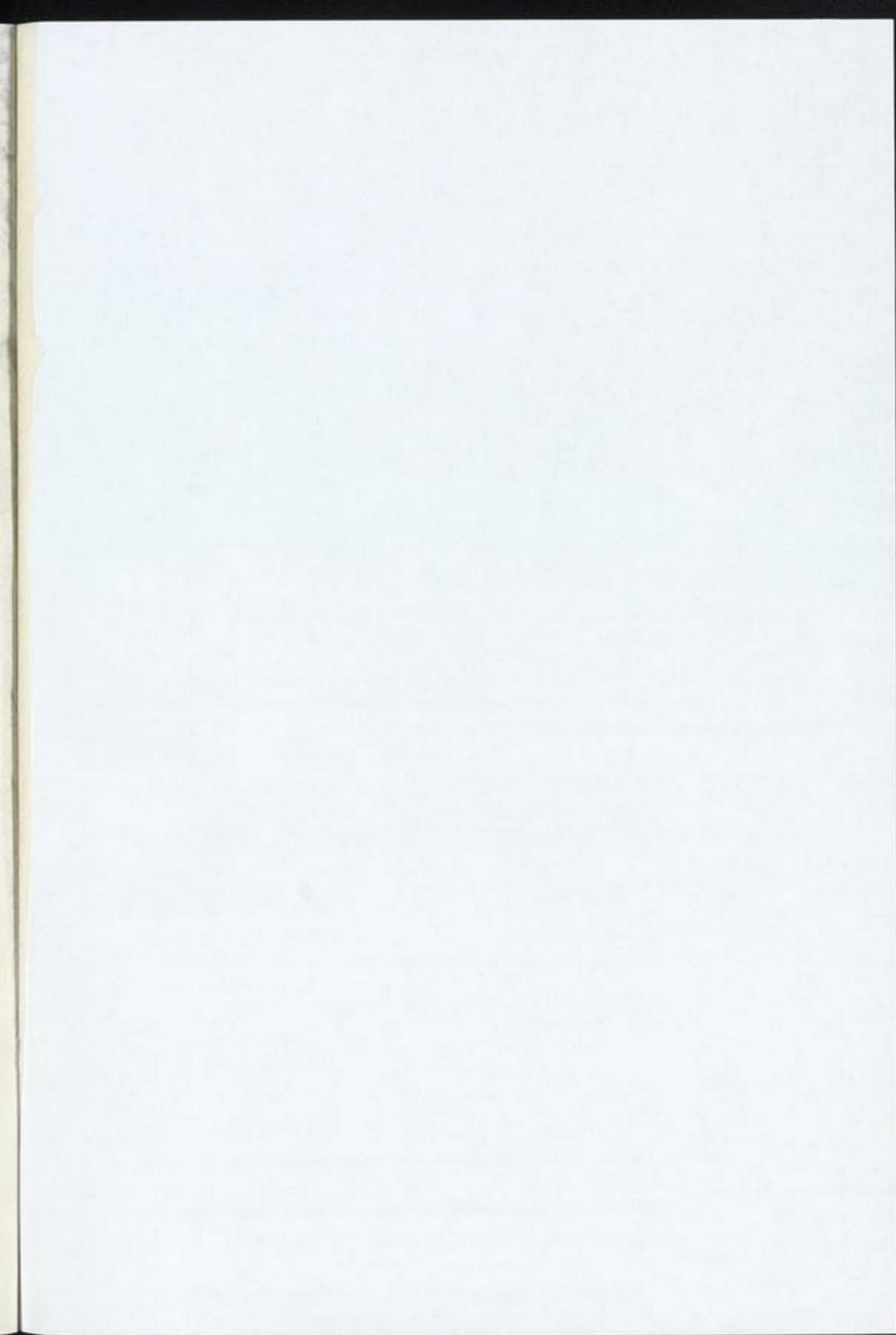
سورة الاحزاب

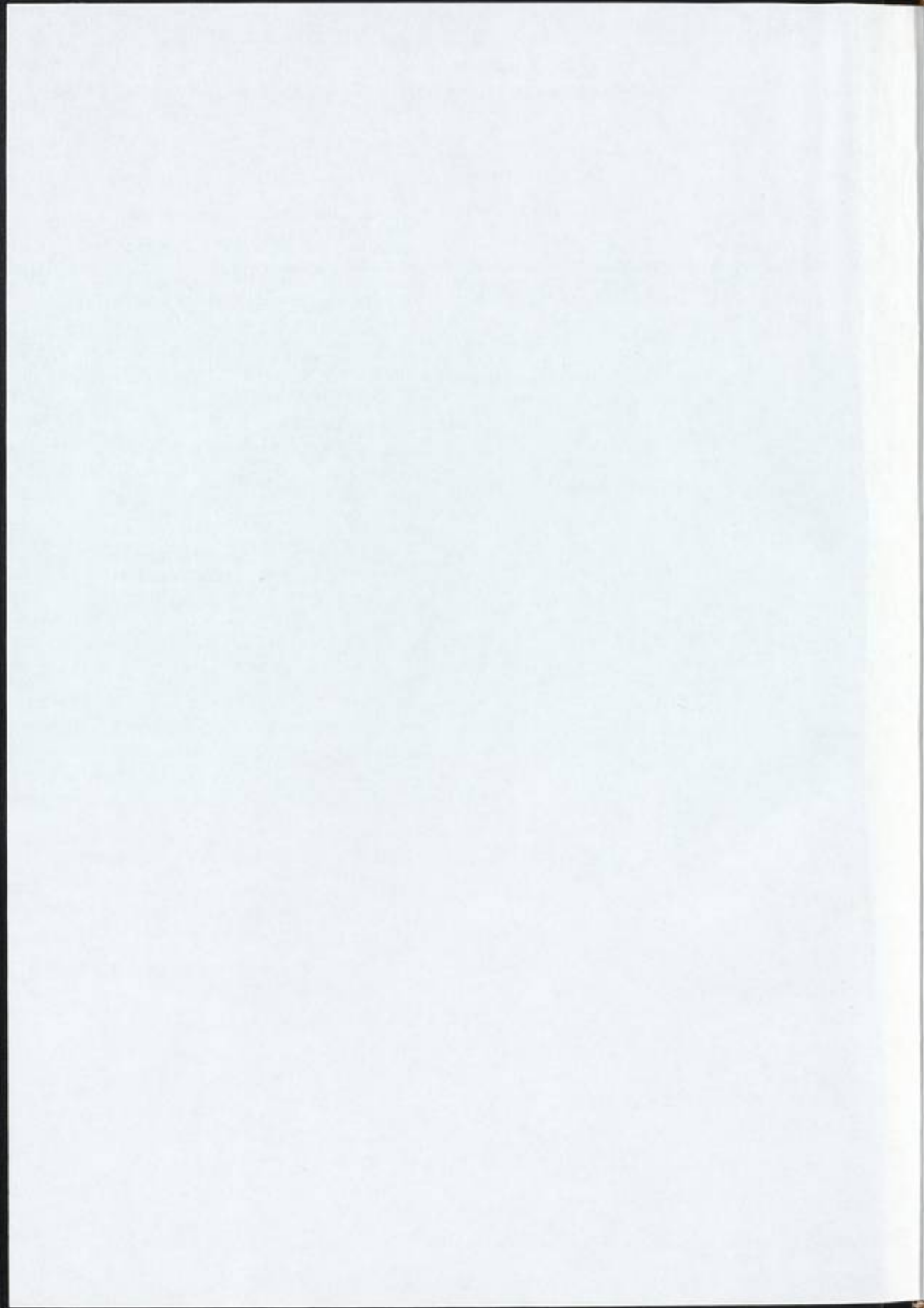
بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

# كشِفَ الظُّنُونُ

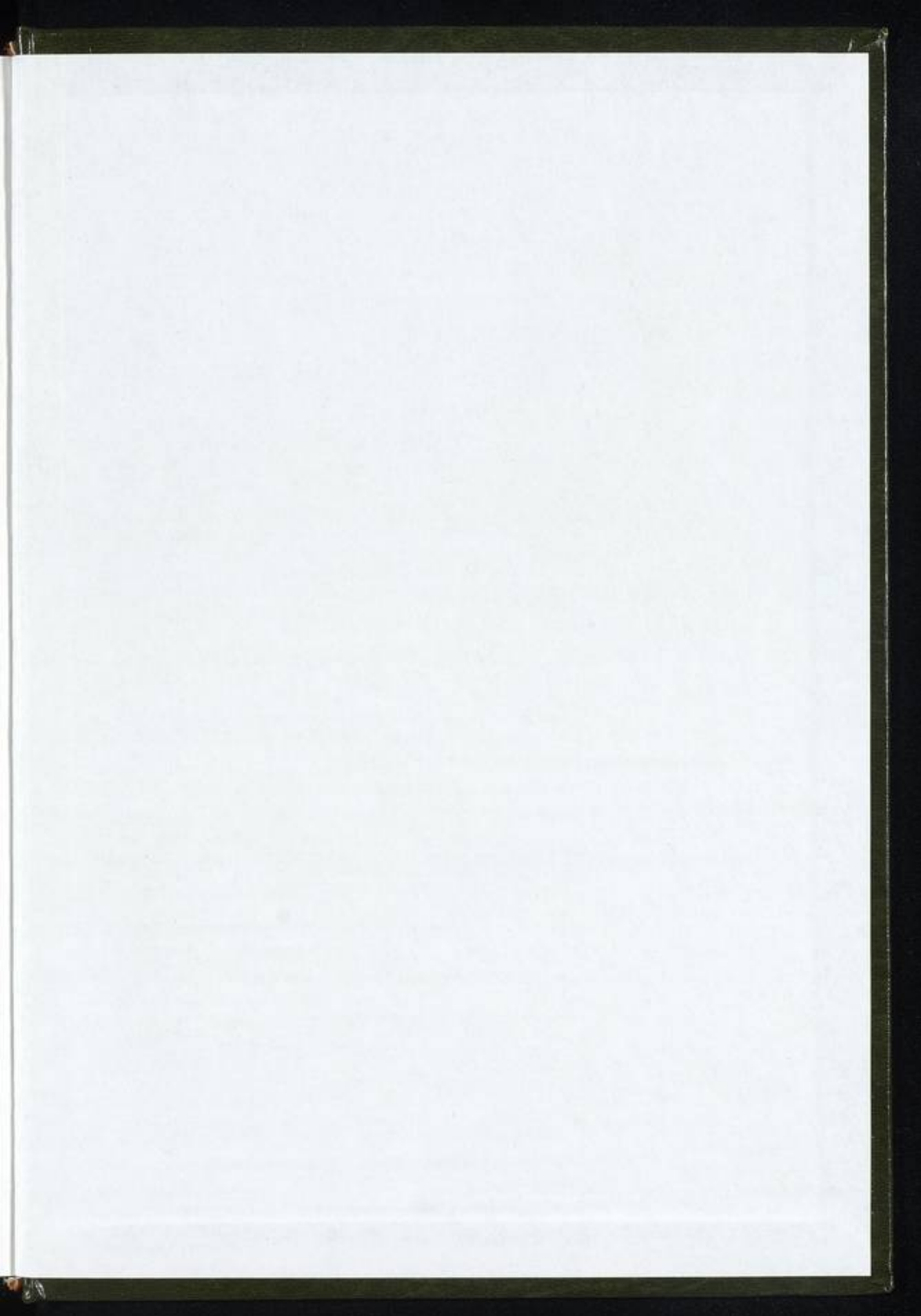
عَنْ أَسَائِمِي الْكُتُبِ وَالْفَنُونِ











كتابي تليق به صطفى بن عبد الله

# كَيْفَ الْإِطْبَاقِ

عَنْ أَسَاحِي الْكُتُبِ وَالْفُنُونِ

بِحُدُودِ تَحْمِيلِ الْأَثَرِ

غَوْشَاتٍ وَأَوْغُلِ

الجزء الرابع

VOL. 4

دار صادر

بيروت